काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
BANARAS HINDU UNIVERSITY

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2016-17

सम्पादन समिति

अध्यक्ष
प्रो. एम.एस. पाण्डेय
अंग्रेजी विभाग, कला संकाय

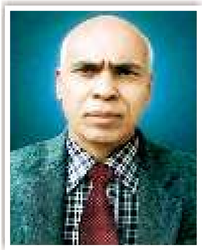

सदस्य सचिव
श्री पी.के. सिन्हा
उपकुलसचिव (शिक्षण)

सदस्य

प्रो. एच.बी. सिंह
पादप कार्यिकी विभाग
कृषि विज्ञान संस्थान

प्रो. राकेश सिंह
कृषि अर्थशास्त्र विभाग
कृषि विज्ञान संस्थान

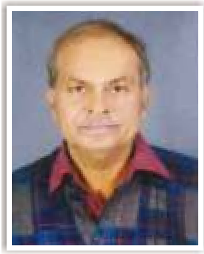

प्रो. वी.एन. त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
कला संकाय

प्रो. के. एम. पाण्डेय
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

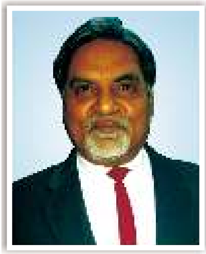

प्रो. आर. एस. उपाध्याय
जन्तु विज्ञान विभाग
विज्ञान संस्थान

प्रो. ए.के. पाण्डेय
सामाज शास्त्र विभाग
समाजिक विज्ञान संकाय

डॉ. सत्यपाल शर्मा
हिन्दी विभाग
कला संकाय

डॉ. पी. दलाई
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

डॉ. आरती निर्मल
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

डॉ. संजीव सर्राफ
उप पुस्तकालय अध्यक्ष
केन्द्रीय ग्रन्थालय

श्री विचित्रसेन गुप्त
हिन्दी अधिकारी

कुलसचिव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित।

डिजाइन, लेआउट एवं मुद्रण: **एडमैक्स एसोसिएट,** वाराणसी

संस्थापक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय

२५.१२.१८६१ – १२.११.१९४६

(पौष कृष्ण अष्टमी, वि. सं. १९१८ – मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी, वि. सं. २००३)

The Founder

of the

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya

25.12.1861 – 12.11.1946

(Paush Krishna Ashtami, V.S. 1918 – Margashirsha Krishna Panchami, V.S. 2003)

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नाऽपुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

"I do not covet kingdom, neither heaven, nor Nirvana
the only desire to serve Disconsolate."

– Mahamana Malaviya

कुलगीत

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

यह तीनों लोकों से न्यारी काशी।
सुज्ञान धर्म और सत्यराशी।।
बसी है गंगा के रम्य तट पर,
यह सर्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

नये नहीं है ये ईंट पत्थर।
है विश्वकर्मा का कार्य सुन्दर।।
रचे हैं विद्या के भव्य मन्दिर,
यह सर्व सृष्टि की राजधानी। मधुर-।।

यहाँ की है यह पवित्र शिक्षा।
कि सत्य पहले फिर आत्म-रक्षा।।
बिके हरिश्चन्द्र थे यहीं पर,
यह सत्यशिक्षा की राजधानी। मधुर-।।

यह वेद ईश्वर की सत्यबानी।
बने जिन्हें पढ़ के ब्रह्मज्ञानी।
थे व्यास जी ने रचे यहीं पर,
यह ब्रह्मविद्या की राजधानी। मधुर-।।

वह मुक्तिपद को दिलाने वाले।
सुधर्म पथ पर चलाने वाले।।
यहीं फले फूले बुद्ध शंकर,
यह राज ऋषियों की राजधानी। मधुर-।।

सुरम्य धारायें वरुणा अस्सी।
नहाए जिनमें कबीर, तुलसी।।
भला हो कविता का क्यों न आकर,
यह वाग् विद्या की राजधानी। मधुर-।।

विविध कला अर्थशास्त्र गायन।
गणित खनिज औषधी रसायन।।
प्रतिची-प्राची का मेल सुन्दर,
यह विश्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

यह मालवी की है देश भक्ति।
यह उनका साहस यह उनकी शक्ति।।
प्रकट हुई है नवीन होकर,
यह कर्मवीरों की राजधानी।

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

Kulgeet (English Translation)

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

Radiant Kashi, wonder of the three worlds
Treasure-Chest of Jnana, Dharma and Satya
Nestling on Ganga's bank, centre for all disciplines.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

No Recent work of brick and stone
Primordial design of divinity alone
Mansions of Vidya, centre for all creation.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Clear here is the doctrine pure
Truth first, then only one's self
Home of Harishchandra, Truth's testing ground.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

The Voice of God in Vedic record
Constant Inspiration for soul-accord
Work-shop of Veda Vyasa, centre for Brahma Vidya.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Find here the steps to freedom
Tread here the path of Dharma
Flaming trail Buddha's and Shankara's centre for philosopher-kings.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Life-Giving waters of Varuna and Assi
Sustenance of Kabir and Tulsi
Fountainhead of eloquent speech and poetry.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Music, Economics, other arts so many
Maths, Mining, Medicine and Chemistry
Fraternal forum of East and West, university in truest sense.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Patriotism of Malaviyaji
His intrepidity and energy
All in youthful manifestation,
centre for men of action.

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

Dr. SHANTI SWARUP BHATNAGAR
Eminent Scientist
who composed the BHU Kulgeet

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

An Institution of National Importance established by an Act of Parliament

डॉ. नीरज त्रिपाठी

कुलसचिव

Dr. Neeraj Tripathi

Registrar

VARANASI-221 005 (INDIA)

Phone : 91-542-2368558, 2307222

Fax : 91-542-2369558, 2368174

e-mail : registrar@bhu.ac.in

website : www.bhu.ac.in

नवम्बर २८, २०१६

प्रस्तावना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की वर्ष २०१६-१७ की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। इस रिपोर्ट में विभिन्न संस्थानों, संकायों, विभागों, स्कूलों, केन्द्रों तथा अन्य इकाईयों में संचालित शैक्षणिक, पाठ्यक्रम-सहायक एवं विकासपरक गतिविधियों का समावेश है।

एक विश्वविद्यालय के रूप में हम न केवल विविध प्रकार की शिक्षा देने जैसे महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्यों का निर्वहन कर रहे हैं अपितु, भारतीय विकास प्रक्रिया में प्रत्यक्ष तौर पर महती योगदान भी दे रहे हैं। हमारे विद्यार्थियों व शिक्षकों तथा उनके ज्ञान-पद्धति एवं व्यावहारिक ज्ञान को दुनियाँ भर में स्वीकार किया जाता है। नि:संदेह हम गुणवत्तापरक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को समाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण साधन रूप में समर्थन करते हैं। हमारे इन कार्यों से विद्या के इस महान केन्द्र ने अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

पूरे वर्ष हमारा ध्यान मुख्य रूप से शिक्षा और शोध में उत्कृष्टता लाना रहा है। विचारशील एवं नवप्रवर्तनकारी क्षमता युक्त विद्यार्थी तैयार करने के उद्देश्य से हमने अनेक पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। हमने विद्यार्थियों को जीवन हेतु रोजगार चुनने की सीख दी है न कि रोजगार हेतु जीवन। शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को धारणीय विकास की मालवीय जी के दृष्टिकोण की सीख व समेकन, लौकिक एवं पारलौकिक दोनों तरह से ज्ञान की पिपासा तथा मानवता के प्रति प्रेम पर दिये गए जोर में परिलक्षित किया जा सकता है। इस शैक्षणिक सत्र के दौरान विभिन्न संकायों एवं संस्थाओं में आयोजित व्याख्यान उल्लेखनीय हैं।

अपने संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरुप, समग्र शिक्षा प्रदान करने के हिस्से के तौर पर हमारे विद्यार्थियों को जीवन-कौशल एवं आजीविका हेतु कौशल प्रदान करने हेतु अनेक उल्लेखनीय नीतियाँ व कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। वर्ष के दौरान विद्यार्थी केन्द्रित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, यथा-छात्रावास सुविधाओं का विस्तार एवं उन्नयन, इनडोर एवं आउटडोर खेलकूद में सुधार, योग हेतु सुविधाएँ तथा प्रख्यात विद्वानों द्वारा आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों पर नियमित व्याख्यानों का आयोजन।

सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों और इससे सम्बद्ध उन सभी व्यक्तियों को जिन्होंने इस वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने हेतु अथक प्रयास किया है, उनकी सराहना करता हूँ और उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

(नीरज त्रिपाठी)

विषय सूची

भाग- १

१. भूमिका

१.१. विश्वविद्यालय - एक दृष्टि में १५-२२
१.२. शैक्षणिक सत्र २०१६-१७ की प्रमुख विशेषताएँ २३-३६

२. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)

२.१. मुख्य परिसर

२.१.१. संस्थान

२.१.१.१. कृषि विज्ञान ३९-४५
२.१.१.२. चिकित्सा विज्ञान (आधुनिक, आयुर्वेद, दन्त चिकित्सा) ४७-५६
२.१.१.३. पर्यावरण एवम् संपोष्य विकास ५७-५८
२.१.१.४. प्रबन्ध शास्त्र ५९-६२
२.१.१.५. विज्ञान ६३-६९

२.१.२. संकाय

२.१.२.१. कला ७२-७७
२.१.२.२. वाणिज्य ७८
२.१.२.३. शिक्षा ७९-८०
२.१.२.४. विधि ८१-८२
२.१.२.५. संगीत एवं मंच कला ८३-८५
२.१.२.६. सामाजिक विज्ञान ८६
२.१.२.७. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान ८७-८८
२.१.२.८. दृश्य कला ८९-९१

२.१.३. महिला महाविद्यालय ९३-९४

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ९६
२.१.४.२. आनुवांशिकी विकार ९७-९८
२.१.४.३. डी. एस. टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान ९९-१००
२.१.४.४. नेपाल अध्ययन १०१-१०२
२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास १०३-१०४
२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान १०५-१०६
२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास १०७-१०९
२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन ११०
२.१.४.९. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र १११
२.१.४.१०. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र ११२

२.१.५. स्कूल

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल	११५-११९
२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	१२०-१२१
२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय	१२२-१२३
२.१.६ का.हि.वि. ग्रंथालय प्रणाली	१२४-१३१
२.१.७ यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	१३२-१३३
२.१.८ मालवीय भवन	१३४-१३५
२.१.९ भारत कला भवन	१३६-१३८
२.२. दक्षिणी परिसर	१४०-१४१
२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय	
२.३.१. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज	१४१-१४९
२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय	१५०-१५१
२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय	१५२-१५६
२.३.४. दयानन्द पी.जी. कॉलेज	१५७-१५९
३. अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम	१६०-१६६
४. प्रदत्त उपाधियाँ/ सनद/ प्रमाण पत्र	१६७-१६८
४.१. छात्रों की संख्या	१६९-१७१
५. मानव संसाधन रूपरेखा	१७२-१७५
६. वित्तीय संसाधन	१७६-१७७
७. पुरस्कार, सम्मान व पेटेन्ट	१७८-२०४
८. छात्रवृत्तियाँ/ अध्येतावृत्तियाँ (छात्रों के लिये)	२०५
९. सुविधाएँ	
९.१. आवास	२०८
९.१.१. छात्रावास (बालक)	२०९
९.१.२. छात्रावास (बालिका)	२०९
९.१.३. छात्रावास (विवाहित/विदेशी छात्र)	२०९
९.१.४. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ	२१०
९.२. अतिथि गृह संकुल	२१०
९.३. इन्टरनेट एवं संगणक	२१०-२११
९.४. सम्मेलन कक्ष	२११
९.५. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ	२११
९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्	२११-२१२
९.७. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय	२१२-२१३
९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र	२१३
९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ	२१३-२१५
९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र	२१६
९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)	२१६-२२०

९.१२. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र)	२२०-२२२
९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्	२२२-२२४
९.१४. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम	२२४-२२८
९.१५. कैरियर विकास केन्द्र	२२८-२३०
९.१६. जलपान गृह	२३०
९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना	२३०-२३२
९.१८. नेशनल कैडेट कोर	२३२
९.१९. बैंक एवं डाक घर	२३२-२३३
९.२०. रेल आरक्षण पटल	२३३
९.२१. एयर स्ट्रिप एवं हेलीपैड	२३३
९.२२. विपणन संकुल	२३३
९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब	२३३
९.२४. छात्र कल्याण	
९.२४.१. संस्थापन सेवा	२३३-२३५
९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र	२३५-२३७
९.२४.३. छात्र परिषद्	२३७
९.२४.४. नगर छात्र निकाय	२३७-२३८
९.२४.५. छात्र कल्याण: समान अवसर एवं समावेशी पद्धति	२३८-२४०
९.२४.६. पाठ्येतर क्रियाकलाप	२४०-२४४
९.२५. हिन्दी प्रकाशन समिति	२४४

भाग – २

परिशिष्ट-१	विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद् व विद्वत् परिषद् के सदस्यगण एवं अधिकारीगण	२४६-२५५
परिशिष्ट-२	वर्ष २०१६-१७ में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण	२५६-२७२
परिशिष्ट-३	विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची	२७३-२८२
परिशिष्ट-४	वर्ष २०१६-१७ में आयोजित कुछ प्रमुख संगोष्ठियाँ, सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ	२८३-२९०
परिशिष्ट-५	वर्ष २०१६-१७ में शैक्षणिक विचार-गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों की संख्या का विवरण	२९१-३०९
परिशिष्ट-६	वर्ष २०१६-१७ में सीधी नियुक्ति और पदोन्नति	३१०

मालवीय भवन

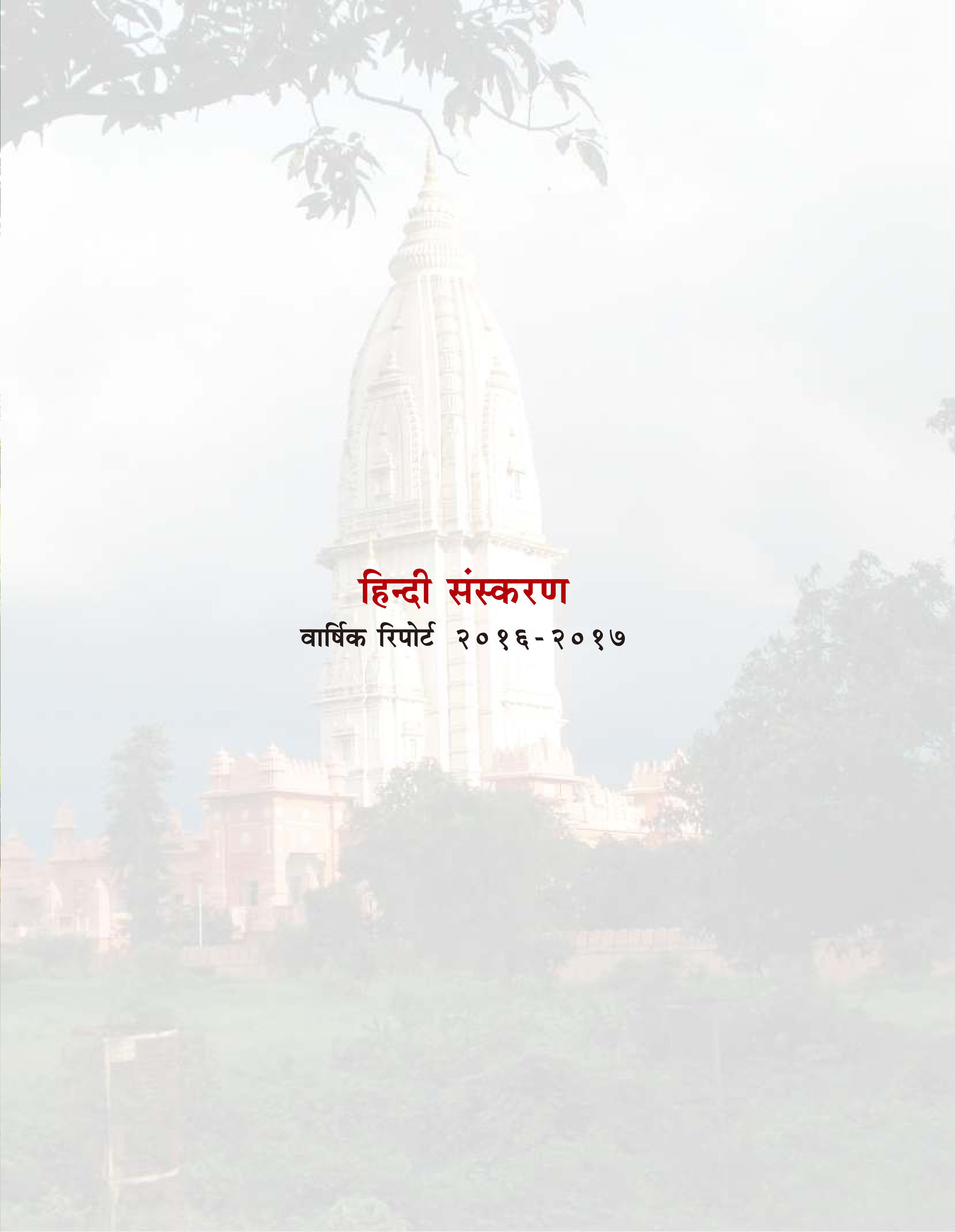

हिन्दी संस्करण

वार्षिक रिपोर्ट २०१६-२०१७

प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

१ - भूमिका

सन् १९१६ में परिसर विन्यास संबंधी महामना की दृष्टि

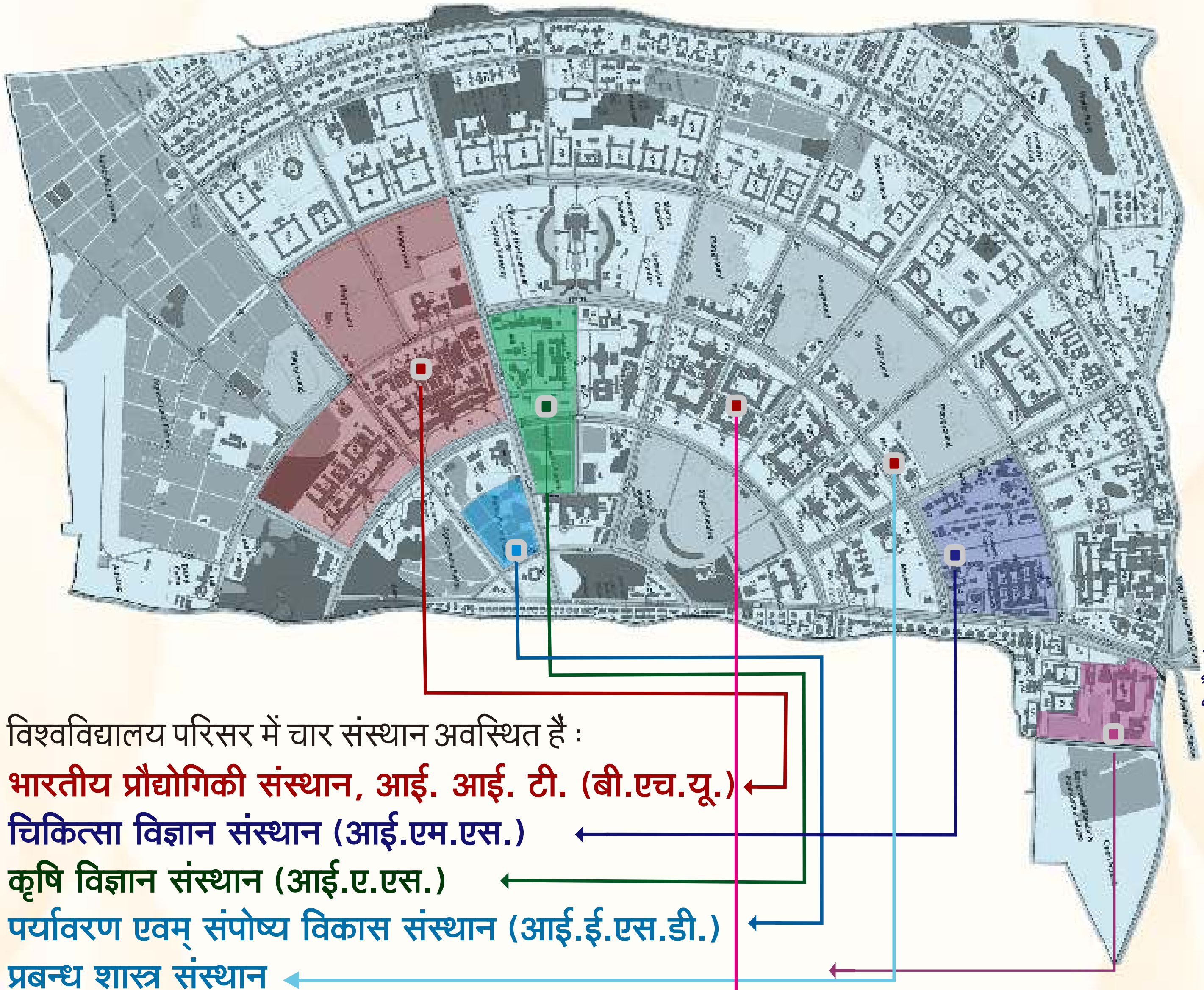

विश्वविद्यालय परिसर में चार संस्थान अवस्थित हैं :

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आई. आई. टी. (बी.एच.यू.)

चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आई.एम.एस.)

कृषि विज्ञान संस्थान (आई.ए.एस.)

पर्यावरण एवम् संपोष्य विकास संस्थान (आई.ई.एस.डी.)

प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

विज्ञान संस्थान

एवं **महिला महाविद्यालय (एम.एम.वी.)** भी परिसर में स्थापित है।

१.१. विश्वविद्यालय - एक दृष्टि में

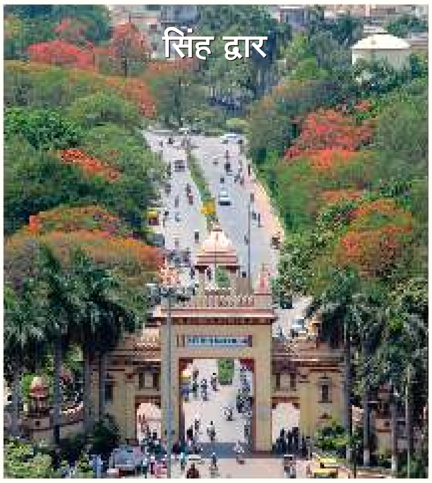

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (का.हि.वि.), देश के अति-प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है जिसकी स्थापना महामना पंडित मदन मोहन मालवीयजी द्वारा सन् १९१६ में की गयी थी। यह एक स्वायत्तशासी उत्कृष्ट संस्था है जिसके विज़िटर भारत के महामहिम राष्ट्रपतिजी हैं। यह एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय है। पं. मदन मोहन मालवीयजी, डॉ. एनी बेसेंट एवं डॉ. एस. राधाकृष्णन् जैसे मनीषियों की दूरदर्शिता की जीवन्त प्रतीक यह राष्ट्रीय संस्था प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक चिन्तन दृष्टि का एक अद्‌भुत संगम है। अपने ज्ञानदीप्त संस्थापक द्वारा पल्लवित-प्रतिपादित शिक्षा की समग्र और पवित्रतामूलक पद्धति को नूतन आयामों से जोड़कर यह विश्वविद्यालय युवा वर्ग का उन्नयन कर रहा है तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा का संपोषण कर उन्हें पर्याप्त सुविधाएँ प्रदान कर रहा है।

संस्थापक की दृष्टि

- ''यह मेरी हार्दिक इच्छा और उम्मीद है कि आज से स्थापित होने वाले इस प्रकाश स्तम्भ से ऐसे स्नातक दीक्षित हों जो न केवल बौद्धिकता में विश्व के किसी भी क्षेत्र के विद्यार्थियों के समतुल्य हों बल्कि एक सुसंस्कृत जीवन यापन करने वाले देशभक्त तथा धर्मनिष्ठ भी हों।''
- ''एक आवासीय विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य के प्रति अपूर्ण है यदि वह अपने स्नातकों में समान उत्कंठा से उनके भावावेगों को समुन्नत नहीं करता जिस प्रकार उनके बौद्धिक विकास हेतु वह सचेष्ट है। अतएव इस विश्वविद्यालय ने अपना मूल लक्ष्य युवकों का चरित्र निर्माण के लिए निर्धारित किया है। यह संस्थान न केवल अभियन्ताओं, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, धार्मिक विचारकों, व्यापारियों को बनाने के लिए प्रयत्न करेगा बल्कि ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा जो अत्यंत चरित्रवान, नैतिक तथा सम्मान के योग्य होंगे, जिनका उदाहरण महान विश्वविद्यालय के महनीय उद्देश्यों के समरूप दिया जा सकेगा।''

विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय की स्थापना चरित्र निर्माण तथा अभिभावकत्व की मूल परिकल्पना के अनुरूप एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। यह सम्भवत: विश्व का अनूठा विश्वविद्यालय है जिसमें ५५० हेक्टेयर (१३६० एकड़) के चहारदीवारी से घिरे तथा स्थापत्य की दृष्टि से अनुपम भवनों के परिसर में नर्सरी से लगायत डॉक्टरेट उपाधि तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। इस विशाल हरीतिमा से परिपूर्ण परिसर में विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी, मानविकी, समाज विज्ञान, वाणिज्य, विधि, शिक्षा, दृश्यकला, मंचकला, संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान, कृषि, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता तथा बड़ी संख्या में भारतीय एवं विदेशी भाषाओं आदि लगभग समस्त विधाओं की शिक्षा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय के ११ विभागों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत (इनमें ६ उच्चानुशीलन केन्द्र तथा ६ विभाग डी. आर. एस. लेवल १ और ४) वित्तीय अनुदान प्राप्त हैं। अन्य ५ विभागों/ स्कूलों को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (भारत सरकार) के डी. एस. टी. - फिस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय अनुदान मिल रहा है। शहर में अवस्थित चार महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। विश्वविद्यालय तीन विद्यालयों का भी संचालन करता है इसके अतिरिक्त एक केन्द्रीय विद्यालय भी परिसर में अवस्थित है। इनके अलावा मुख्य परिसर से ७५ किलोमीटर दूर मिर्जापुर जिले के बरकछा नामक स्थान पर १०९२.६ हेक्टेयर (२७०० एकड़) भूमि के विस्तृत परिसर में सन् २००६ में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर की भी स्थापना की गई है।

उत्कृष्टता का प्रतीक

इंडिया टुडे (३१ मई, २०१०) में प्रकाशित इंडिया टुडे-नील्सन सर्वेक्षण के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रथम श्रेणी प्राप्त हुआ है। यह महत्वपूर्ण सर्वेक्षण प्रसिद्धि, शैक्षणिक गुणवत्ता, संकाय गुणवत्ता, शोध प्रकाशन/रिपोर्ट/परियोजना, बुनियादी संरचना एवं रोजगार अवसरों जैसे छ: विशिष्ट मानकों के विश्लेषण पर आधारित था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता के आयाम में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किये गये हैं। सत्र २००९-१० के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिका करेंट साइंस में प्रकाशित दस वर्षीय सर्वेक्षण में सूचकांक जर्नलों में अधिकतम शोध-पत्रों के प्रकाशन के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सर्वोच्च २५ भारतीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रखा गया है। इंडिया टुडे के (जून २०१३) में प्रकाशित इंडिया टुडे-नील्सन के द्वारा कराये गये सर्वेक्षण के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय भारत के पाँच शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान रखता है। अन्य एजेंसियों ने भी इस विश्वविद्यालय एवं इसके विभिन्न संकायों/विभागों को समान प्रकार की श्रेणी दी है।

कृषि विज्ञान संस्थान

समग्र कृषि और संबद्ध विज्ञान के सतत् और समान विकास के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध, मानव संसाधन विकास अध्यापन, अनुसंधान एवं विस्तार के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से स्वतंत्रता, सुरक्षा और समृद्धि के द्वारा मानव संसाधन का विकास करना ज्ञान निर्माण कारक उपयोग दक्षता, फसलों / सब्जियों / फलों / पशुओं / मुर्गी / मछली में उत्पादन, गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन सुधार, आजीविका सुरक्षा में सुधार और भुखमरी मुक्त समाज के सपने को साकार करने की दिशा में संस्थान ने सतत् २०१२-१३ में उपलब्ध संसाधनों एवं विशेषज्ञताओं के सहयोग से शिक्षा (खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित) और अनुसंधान (प्रसार गतिविधियों सहित) के क्षेत्र में उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

आई.आई.टी. (बी.एच.यू.)

कृषि विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

ब्रोचा छात्रावास

चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं चिकित्सालय

विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड आदि राज्यों से आने वाले गरीबों को १२०० बिस्तर की क्षमता वाले सर सुन्दरलाल चिकित्सालय द्वारा सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत १५० करोड़ रुपये की लागत से ट्रॉमा सेन्टर का निर्माण किया जा रहा है तथा इसके द्वारा बड़े पैमाने पर प्रसार, शोध एवम् अध्ययन-अध्यापन कार्यक्रमों का विस्तार होगा।

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने वर्ष २०१० में एक राष्ट्रस्तरीय पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान स्थापित किया। संस्थान का उद्देश्य संपोष्य विकास के बारे में शिक्षा (समाविष्ट के बारे में जागरूकता विकसित करना) एवं संपोष्य विकास हेतु शिक्षा (संपोष्यता की प्राप्ति हेतु शिक्षा को एक औजार के रूप में उपयोग करना) को शामिल करना है। संस्थान का लक्ष्य ऐसा शिक्षण, शोध व विस्तार कार्य करना है जिससे भविष्योन्मुख भारत का संपोष्य विकास हो तथा निर्धनता मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल व समुचित प्रबंधन बरकरार रहे।

एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में संपूर्ण भारत एवं विश्व के ६५ देशों से ३०,००० छात्र एवं छात्राएँ अध्ययनरत हैं। विभिन्न विषयों के लगभग १५,००० अन्त:वासी छात्र-छात्राओं के लिए इन्टरनेट सहित सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ६४ छात्रावास उपलब्ध है। १४०० कर्मचारी आवास एवं ७ अतिथि गृह भी हैं।

एन.सी.सी.कैडेट्स के लिए फ्लाइंग प्रशिक्षण

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसके पास अपनी हवाई पट्टी एवं तीन हेलीपैड हैं। इनका उपयोग एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

पुस्तकालय

का.हि.वि. के केन्द्रीय पुस्तकालय तंत्र में १३,००० ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं, ५०,००० ई-पुस्तकों, डिजिटलाइज़्ड पाण्डुलिपियों सहित १५ लाख पुस्तकों का विशाल संग्रह है। यह पुस्तकालय विभागीय, संकायों तथा संस्थानों के पुस्तकालयों की शृंखला का समुच्चय है। इसके अतिरिक्त दिन-रात कार्यरत २०० से अधिक सीटों की एक वातानुकूलित साइबर लाइब्रेरी है जो गरीब छात्रों के लिए देर रात्रि तक अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो परिसर से बाहर रहते हैं। नवीनीकृत वातानुकूलित पत्रिका अध्ययन कक्ष की भी स्थापना की गई है जिसमें ६० व्यक्तिगत कक्ष शोध छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उपलब्ध हैं।

सूचना एवं संचार संरचना

विश्वविद्यालय में १०० किलोमीटर लम्बी फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क है जो समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों तथा छात्रावासों को लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) द्वारा संगणक केन्द्र से जोड़ता है एवं उच्च क्षमता की संगणना एवं प्रशिक्षण की सुविधाओं से

हवाई पट्टी

साइबर लाइब्रेरी

केन्द्रीय पुस्तकालय

महिला महाविद्यालय

संगणक केन्द्र

युक्त है। विश्वविद्यालय को एन.एम.ई.आई.सी.टी. के अंतर्गत नेशनल नॉलेज नेटवर्क के तीन १ जी. बी. पी. एस. नोड् उपलब्ध है।

ब्राण्ड का.हि.वि.

भारत का यह ऐसा पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय है जिसने 'ग्राफिक आइडेन्टिटी कार्यक्रम' को लागू किया है। इसके अन्तर्गत सील, लोगो, द्विभाषी लोगोटाइप्स, टैगलाइन, कलर आइडेंटिटी के अतिरिक्त कार्यालयीय उपयोग की स्टेशनरी एवं साइनेज़ सिस्टम का मानकीकरण डिज़ाइन स्टूडियो, सोविनियर शॉप, इलेक्ट्रॉनिक, वेब एवं सोशल मीडिया की सहायता से किया जा रहा है।

मन्दिर

परिसर के केन्द्र में भगवान शिव का मन्दिर स्थित है जो 'श्री विश्वनाथ मन्दिर' के नाम से जाना जाता है। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मन्दिर का विस्तृत ले-आउट एवं नक्शा स्वयं मालवीय जी की देखरेख में तैयार हुआ था। हरीतिमा युक्त मन्दिर परिसर तथा सुरुचिपूर्ण उद्यान दर्शनार्थियों के नेत्रों को ठंडक तथा मन को शांति प्रदान करता है। मन्दिर के केन्द्र में शिवलिंग तथा दीवारों पर हिन्दू शास्त्रों के श्लोक चित्रों सहित उत्कीर्ण हैं।

श्री विश्वनाथ मंदिर

भारत कला भवन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय - भारत कला भवन है जिसमें प्राचीन कलात्मक वस्तुओं का अद्भुत संग्रह उपलब्ध है। भारत कला भवन में १३ कला वीथिकाएँ हैं जिनमें एक लाख से अधिक दुर्लभ कला वस्तुओं तथा दुर्लभ मूर्तियाँ, मिनिएचर पेन्टिंग्स, राजस्थान, मुगल एवम् पहाड़ी पेन्टिंग, सिक्के, गहनें, रत्न आदि सहित ऐतिहासिक महत्व की साहित्यिक वीथिका में प्रसिद्ध लेखकों की हस्तलिखित कृतियाँ संग्रहीत हैं। यहाँ दुर्लभ पुस्तकों का एक पुस्तकालय भी है।

भारत कला भवन

पर्यावरण जागरूकता एवम् सौन्दर्यीकरण

- का.हि.वि.वि. परिसर ५७५.७५ एकड़ का प्रक्षेत्र सुन्दर बागीचों एवं हरीतिमा युक्त है।
- ३३.५ कि.मी. का कटिलें बाड़ों का घेरा है।
- संस्थानों, संकायों, मैदानों एवम् आवासीय परिसरों के चारों तरफ १,४२,८०० झाड़ियाँ लगाई गयी हैं।
- ११ एकड़ की नर्सरी जिसमें ४०,५०० फलदार पौधे, २०,००० वन वृक्ष, १५००० सजावटी पौधे, १५ लाख मौसमी फल के पौधे एवं ५००० अन्य पौधे हैं।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने मिर्जापुर जिले के बरकछा में अपने दक्षिणी परिसर का विस्तार किया है। समाज के कमजोर वर्गों एवं जनजातियों के युवकों एवं युवतियों के लिए विशेषत: स्थापित इस शिक्षा केन्द्र का विकास शिक्षण, प्रशिक्षण एवम् उद्यमशीलता के लिए किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य इस पिछड़े क्षेत्र के निवासियों के लिए जीवनभर के लिए उपयुक्त शैक्षणिक सुविधाओं तथा नवीन अनुसंधान से लाभान्वित होने का अवसर उपलब्ध कराना है।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

Bilingual Logotype with Seal

बीएचयू

सर्वविद्या की राजधानी

Logo with Tagline

शोध एवं शिक्षण

का.हि.वि. ने गुणवत्तापूर्ण शोध व अध्यापन को प्रोत्साहित किया है। इसमें कुछ मील के पत्थर निम्नलिखित हैं:

- यू.जी.सी. द्वारा 'पोटेंशियल फॉर एक्सलेंस' की मान्यता।
- परिसर स्थित 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आई.आई.टी. (बी.एच.यू.) की स्थापना।
- दक्षिणी परिसर में पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय की स्थापना हेतु विद्वत्/ कार्यकारिणी परिषदों की स्वीकृति।
- डी.बी.टी. (भारत सरकार) की सहायता से सेंटर फॉर फूड साइंस एवं टेक्नोलॉजी द्वारा स्नातक/ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन।
- डी. एस. टी. समर्थित अन्तर्वैषयिक सेंटर फॉर मैथेमेटिकल साइन्सेस।
- डी.बी.टी. समर्थित सेंटर फॉर जेनेटिक डिसआर्डर।
- डी.बी.टी. समर्थित अन्तर्वैषयिक जीव विज्ञान स्कूल।
- पी.एम.एस.एस.वाई. द्वारा ट्रॉमा सेंटर की स्थापना।
- यू.एस.ए.आई.डी.कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि विज्ञान संस्थान तथा अमरीकी विश्वविद्यालयों - कारनैल, जॉर्जिया, ओहियो, यू. सी. डेविस, टस्किजी, बफैलो, परदू तथा इलिनायस् के मध्य नवप्रवर्तन सहभागिता/भागीदारी।
- फैकल्टी ऑफ डेंटल साइन्स।
- आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा कृषि शिक्षा का सशक्तिकरण एवं विकास।
- आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान संस्थान में बायो कन्ट्रोल, टीशू कल्चर, फिशरीज़ एवं उच्च तकनीक संपन्न प्रयोगशालाओं के जरिए प्रयोग आधारित शिक्षण।
- भौतिकी विभाग के लिए टैन्डेट्रान एक्सेलेरेटर की मंजूरी।
- इसरो द्वारा का.हि.वि. में स्पेस साइंस एवं शोधकार्यो का सशक्तिकरण।
- आई.सी.ए.आर. द्वारा केन्द्रीय सुविधाओं के अन्तर्गत कृषि विज्ञान संस्थान में सीड अध:संरचनीय सुविधाएँ।
- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज़ एण्ड एथिक्स एवम् सेंटर फॉर इण्टर कल्चरल स्टडीज़ की स्थापना के लिए सहयोग।
- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तर-सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र का स्थापना हेतु सहयोग।
- अनूठा भोजपुरी अध्ययन केन्द्र एवं लोक कला संग्रहालय।

का.हि.वि. में अन्तर्राष्ट्रीय पीठ

- यूनेस्को शान्ति एवं अन्तर्सांस्कृतिक सहमति पीठ
- नेपाल पीठ
- प्रस्तावित यूनिसेफ बाल अधिकार पीठ

भावी योजना

- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में ट्राइबल एवं जेनारिक मेडिसीन संस्थान।
- गंभीर संक्रामक बीमारियों पर अनुसंधान के लिए बायोसेफ्टी लेवेल चतुर्थ (बीएसएल-४) सुविधा।
- ट्रांसलेशनल अनुसंधान केन्द्र।
- सेन्टर फॉर बोन मैरो ट्रांसप्लांट एवं स्टेम सेल रिसर्च सेंटर।
- सेंटर फॉर एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स।
- जेनोमिक्स एवं प्रोटियेमिक्स में शोध को बढ़ावा।
- संगणक केन्द्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेंटर, डिज़ाईन स्टूडियो, सोफिस्टिकेटेड इन्स्ट्रूमेन्टेशन सेंटर आदि सुविधाओं से युक्त 'अनुसंधान भवन'।
- भारतीय सांस्कृतिक परम्परा के अध्ययन को प्रोत्साहन।
- विश्वस्तरीय सुविधाओं से संपन्न एकीकृत खेलकूद परिसर।
- आवासीय अपार्टमेंट का बहुमंजिला भवन।
- १०,००० की क्षमता का कन्वेन्शन सेन्टर।
- ५०० कमरों की क्षमता का अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास।

पुरातन छात्र

अपने प्रतिष्ठित विद्वानों के माध्यम से विशिष्ट क्षेत्रों में उच्चतम शिक्षा व ज्ञान के प्रसार में योगदान करने के साथ ही सामुदायिक मूल्यों का पुनर्स्थापन एवं सतत् प्रवाह इस बात का प्रमाण है कि यहाँ से ज्ञान प्राप्त विशिष्ट व्यक्तियों की एक लम्बी शृंखला सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के प्रमुख पदों पर आसीन हैं।

हमारे कुलपति

यहाँ के यशस्वी कुलपतियों में महामना मालवीयजी, सर सुन्दरलाल, डॉ.एस. राधाकृष्णन् एवं आचार्य नरेन्द्र देव जैसे महापुरुष रहे, जिन्होंने इस महान विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया।

- सर सुन्दर लाल (०१.०४.१९१६ - १३.१२.१९१८)
- डॉ. पी.एस. शिवस्वामी अय्यर (१३.०४.१९१८ - ०८.०५.१९१९)
- पंडित मदन मोहन मालवीय (२९.११.१९१९ - ०६.०९.१९३८)
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् (१७.०९.१९३९ - १६.०१.१९४८)
- डॉ. अमर नाथ झा (२७.०२.१९४८ - ०५.१२.१९४८)
- पंडित गोविन्द मालवीय (०६.१२.१९४८ - २१.११.१९५१)
- आचार्य नरेन्द्र देव (०६.१२.१९५१ - ३१.०५.१९५४)
- डॉ. सी.पी. रामास्वामी अय्यर (०१.०७.१९५४ - ०२.०७.१९५६)
- डॉ. वी.एस.झा (०३.०७.१९५६ - १६.०४.१९६०)
- जस्टिस एन. एच. भगवती (१६.०४.१९६० - १५.०४.१९६६)
- डॉ. त्रिगुण सेन (०९.१०.१९६६ - १५.०३.१९६७)
- डॉ. ए.सी. जोशी (०१.०९.१९६७ - ३१.०७.१९६९)
- डॉ. के. एल. श्रीमाली (०१.११.१९६९ - ३१.०१.१९७७)
- डॉ. मोती लाल धर (०२.०२.१९७७-१५.१२.१९७७)
- डॉ. हरि नारायण (१५.०५.१९७८-१४.०५.१९८१)
- प्रो. इकबाल नारायण (१९.१०.१९८१ - २९.०४.१९८५)
- डॉ. आर. पी. रस्तोगी (३०.४.१९८५-२९.४.१९९१)
- प्रो. सी. एस. झा (०१.०५.१९९१ - १४.०६.१९९३)
- प्रो. डी. एन. मिश्रा (०८.०२.१९९४ - २७.०६.१९९५)
- डॉ. हरि गौतम (०२.०८.१९९५ - २५.०८.१९९८)
- प्रो. वाई. सी. सिम्हाद्रि (३१.०८.१९९८ - २०.०२.२००२)
- प्रो. पटचा रामचन्द्र राव (२०.०२.२००२ - १९.०२.२००५)
- डॉ. पंजाब सिंह (०३.०५.२००५ - ०७.०५.२००८)
- प्रो. डी. पी. सिंह (०८.०५.२००८ - २१.०८.२०११)
- डॉ. लालजी सिंह (२२.०८.२०११ - २२.०८.२०१४)
- प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी (२७.११.२०१४ -)

दीक्षान्त सम्बोधन

८८वां दीक्षान्त समारोह : २००६;
भारत के राष्ट्रपति, महामहिम
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

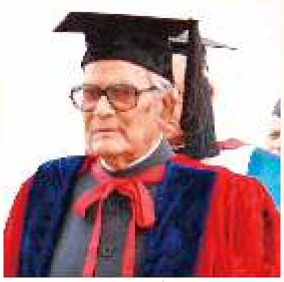

८९वां दीक्षान्त समारोह : २००७;
भारत के उपराष्ट्रपति, महामहिम
डॉ. श्री भैरो सिंह शेखावत

९०वां दीक्षान्त समारोह : २००८;
माननीय भारत के प्रधानमंत्री,
डॉ. मनमोहन सिंह

९१वां दीक्षान्त समारोह : २००९;
भारत की राष्ट्रपति, महीयसी
श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल

९२वां दीक्षान्त समारोह : २०१०;
भारत के उपराष्ट्रपति, महामहिम
श्री हामिद अंसारी

९३वां दीक्षान्त समारोह : २०११;
माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री
श्री कपिल सिब्बल

९४वां दीक्षान्त समारोह : २०१२;
माननीय लोक सभा स्पीकर
श्रीमती मीरा कुमार

९५वां दीक्षान्त समारोह : २०१३;
कुलाधिपति, का.हि.वि.वि.
डॉ. कर्ण सिंह

विशेष दीक्षान्त समारोह
२५ दिसम्बर २०१२
भारत के राष्ट्रपति
महामहिम श्री प्रणब मुखर्जी

९६वां दीक्षान्त समारोह : २०१४;
पद्म विभूषण
प्रो. जयन्त विष्णु नार्लिकर

९७वां दीक्षान्त समारोह : २०१५;
पद्म विभूषण
डॉ. जी. माधवन नायर

९८वां दीक्षान्त समारोह : २०१६;
भारत के प्रधानमंत्री
माननीय श्री नरेन्द्र मोदी

९९वां दीक्षान्त समारोह : २०१७;
भारत रत्न
प्रो. सी.एन.आर. राव

प्रशासन

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था मुख्य रूप से कार्यकारिणी परिषद् एवं विद्वत् परिषद् द्वारा संचालित की जाती है। इस उच्च अधिकारयुक्त मण्डल में सत्र २०१५-१६ के सदस्यों के नाम परिशिष्ट-१ में वर्णित हैं। वर्तमान आंकलन अवधि (२०१५-१६) के अन्तर्गत निम्नलिखित महानुभाव विश्वविद्यालय के वैधानिक अधिकारियों के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं :

कुलाधिपति
डॉ. कर्ण सिंह (३०.११.२०१६ तक)

कुलपति
प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

कुलसचिव
डॉ. के.पी. उपाध्याय (३१.०१.२०१७ तक)
श्री वी. के. सिंह (०२.०२.२०१७ से ३१.०३.२०१७ तक)
डॉ. नीरज त्रिपाठी (३१.०३.२०१७ से)

छात्र अधिष्ठाता
प्रो. महेन्द्र कुमार सिंह

मुख्य कुलानुशासक
प्रो. सत्येन्द्र सिंह (०४.११.२०१६ तक)
प्रो. ओ.एन. सिंह (०५.११.२०१६ से)

वित्ताधिकारी
श्री ए. के. ठाकुर (३१.०७.२०१६ तक)
डॉ. एम.आर. पाठक
(०१.०८.२०१७ से ३१.०१.२०१७ तक)
डॉ. एस.बी. पटेल (०२.०२.२०१७ से)

पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. एच.एन. प्रसाद
(प्रोफेसर इंचार्ज)

परीक्षा नियंता
डॉ. के. पी. उपाध्याय (३१.०१.२०१७ तक)
प्रो.एस.के. उपाध्याय (०२.०२.२०१७ से ३१.०३.२०१७ तक)
श्री मनोज पाण्डेय (३१.०३.२०१७ से)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद बैठक

१.२. शैक्षणिक सत्र २०१६-१७ की प्रमुख उपलब्धियाँ

उक्त अवधि के दौरान उनके महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं विकासपरक कार्यक्रम पूरे किये गये और नई पहलें भी की गईं। वर्ष २०१६-१७ के दौरान की मुख्य उपलब्धियाँ व पहलें नीचे दिये जा रहे हैं:

प्रवेश

नया शैक्षणिक सत्र मंगलवार, ४ जुलाई, २०१६ से प्रारम्भ हुआ और विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्क्रमों में १२४५२ नये विद्यार्थी (७९५२ पुरूष, ४५०० महिला) पंजीकृत हुये। विभिन्न स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में पुरूष व महिला विद्यार्थियों का संकायवार विवरण अध्याय ४.१ में दिया जा रहा है।

उक्त अवधि के दौरान २०० नये विदेशी विद्यार्थियों (१३५ पुरूष, ६५ महिला) ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। इन विद्यार्थियों का देशवार का विवरण अध्याय ४.१ में दिया जा रहा है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ५६४५ स्नातकों, ४४८४ परास्नातकों एवं ३१ एम.फिल. शोद्यार्थियों ने अपनी-अपनी उपाधियाँ प्राप्त की और ४६२ शोधाथियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उपाधि प्राप्तकर्ताओं का संकाय व पाठ्यक्रम विवरण अध्याय-४ दिया गया है।

शैक्षणिक योगदान

उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक परिवेश को प्रोत्साहित करने में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य सदैव अग्रणी रहे हैं। वर्ष २०१६-१७ की अवधि के दौरान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से ४१५५ से अधिक प्रकाशन (विवरण अनुलग्नक-२ में दिया गया है) निर्गत हुए हैं जिनमें ३०४६ शोध पत्र (अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में १७५८ तथा राष्ट्रीय जर्नल्स में १२८८) शामिल हैं।

वर्ष २०१६-१७ की अवधि में शिक्षकों का शैक्षणिक योगदान

शोध पत्र	
राष्ट्रीय	१२८८
अंतर्राष्ट्रीय	१७५८
योग	३०४६
लेख	
राष्ट्रीय	३४५
अंतर्राष्ट्रीय	११५
योग	४६०
पुस्तकें	
राष्ट्रीय	१८४
अंतर्राष्ट्रीय	४४
योग	२२८
मोनोग्राफ्स	२०
मैनुअल्स	११
लीफलेट्स/अन्य	३९०
योग	४२१
कुल योग	**४१५५**

दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय के ९९वें दीक्षांत समारोह के भाग के रूप में विभिन्न संस्थानों/संकायों का दीक्षांत समारोह १६ जनवरी, २०१६ को आयोजित हुआ। भारत रत्न प्रोफेसर सी.एन.आर. राव., एफ.आर.एस., राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर तथा लिनस पॉलिंग अनुसंधान प्रोफेसर व मानद अध्यक्ष, जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, बैंगलोर ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह सम्बोधित किया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. जी.सी. त्रिपाठी ने की।

सम्मान/पुरस्कार/मान्यता

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान को विभिन्न रूपों में मान्यता मिली है। (अध्याय-७ में सूचीबद्ध)। अनेक शिक्षक विभिन्न प्रतिष्ठित अकादमियों (यथा-इंडियन एकेडेमी ऑफ साइंस, नेशनल एकेडेमी ऑफ साइंस, नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंस) के अध्येता चुने गए हैं। विदेशों में (उदाहरणार्थ-अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ड अध्येत्तावृत्ति, जर्मनी; आई.एन.एस.ए.-डी एफ जी अध्येत्तावृत्ति, जर्मनी; फुलब्राइट-नेहरू अभ्यागत व्याख्याता अध्येतावृत्ति) उन्नत शोध के लिए कई शिक्षकों को अध्येतावृत्ति तथा एसोसिएटशिप प्रदान की गई है। व्यावसायिक संगठनों में पदाधिकारी, अध्यक्षता/विद्वत निकायों एवं सम्मेंलनों की अध्यक्षता, राष्ट्रीय/अन्तर्राट्रीय समितियों, पत्रिकाओं का संपादकत्व इत्यादि अन्य मान्यताओं में शामिल है।

शोध परियोजनाएं

उक्त अवधि के दौरान कुल रू.४४१५ लाख से अधिक अनुदान की १३९ नई शोध परियोजनाएं मंजूर की गई। साथ ही, ३९६ चालू परियोजनाएं (कुल अनुदान रू.१४४२१ लाख से अधिक) जारी रहीं। देश की प्रमुख निधियन एजेंन्सियों ने बी.एच.यू. को शोध में सहयोग प्रदान किया। शोध परियोजनाओं का विस्तृत विवरण अनुलग्नक-३ में दिया गया है।

सम्मेलन

विभिन्न विषय क्षेत्रों में हुए विकास का मूल्यांकन करने तथा शैक्षणिक विचार-विमर्श हेतु अवसर उपलब्ध करने के लिए बहुत से विभागों/संकायों में शैक्षणिक समागम आयोजित किये गये। जिसमें अधिकतर संकायों में बाहरी प्रतिभागी शामिल हुए। कुल मिलाकर सत्र २०१६-१७ के दौरान बी.एच.यू. में १०९ सम्मेलन आयोजित किये गए (विस्तृत विवरण में अनुलग्नक-४ में दिया गया है)।

देश एवं विदेशों में आयोजित संगोष्ठीयों/सेमिनारों/कार्यशालाओं इत्यादित में बी.एच.यू के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। वर्ष २०१६-१७ के दौरान विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने हेतु विदेश में १०४ तथा भारत में १२९ शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गयी (विवरण अनुलग्नक-५ में दिया है)। बाहरी देशों में जो प्रतिनियुक्ति की गई थी, वे हैं- यू.एस.ए., कनाडा, अर्जेन्टीना, दक्षीण कोरिया, यू.ए.ई., दक्षिण अफ्रीका, चीन, यू.के., जापान, भूटान, आस्ट्रेलिया तथा जर्मनी।

NINETY-NINTH
Convocation

निन्यानबेवाँ
दीक्षांत समारोह
विक्रम संवत् २०७३, माघ कृष्णा, चतुर्थी

२०१६-१७ के दौरान शोध परियोजनाएं				
वित्त प्रदायी अधिकरण	**नवीन परियोजनाएं**		**पूर्व से संचालित परियोजनाएं**	
	संख्या	**स्वीकृत धनराशि (लाख रू.)**	**सख्या**	**स्वीकृत धनराशि (लाख रू.)**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	३०	२१३.०३	६८	७०६.२८
अंतर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र	०१	७.५०	०१	.७५
अनाज अनुसंधान एवं विकास निगम	०१	८.३२	०१	८.३२
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	१३	६६५.०६	२१	१००७.४६
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	४१	१६२२.०९	११९	७७१२.७३
विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद्	०४	६६.०२	३४	६९३.३९
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (उत्तर प्रदेश)	०७	६५.९४	२१	५०१.३०
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	०१	७.४७	१०	१३८.१७
भू-विज्ञान मंत्रालय	-	-	०३	७०.०२
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-आई.आर.आर.आई	०१	२०.००	०१	२०.००
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	०६	१२८०.२८	२०	१५६३.००
इण्डो फ्रेंच सेन्टर फॉर द प्रमोशन एडवांस रिसर्च	-	-	०१	१९.२०
सेन्ट्रल काउन्सील फॉर रिसर्च आयुर्वेदिक साइंसेस	-	-	०२	५०.१५
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	०१	५.००	०७	३२.८५
परमाणु ऊर्जा विज्ञान	०४	६१.२०	०९	३५२.४२
धानुका एग्रीटेक लिमिटेड	०४	१२.२३	०३	१२.२३
विदेशी अभिकरण	-	-	०६	१३७.४५
सहयोग परियोजना, एस.टी.आर.ए.एस.ए	०१	२.८९	०४	१०.६३
रक्षा मंत्रालय	०१	८६.००	०४	१३.००
संस्कृति मंत्रालय	-	-	०१	१०.७०
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन	-	-	०१	६.००
उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (यू.पी.एस.ए.सी.एस.)	-	-	०३	७.००
विश्व स्वास्थ्य संगठन	-	-	०१	२८०.०९
आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी. (एक्सलेरेटर प्रोग्राम फॉर ग्री-टेक स्टार्ट-अप्स)	-	-	०१	११.२२
घरदा केमिकल लिमिटेड	-	-	०१	१.१०
बिल एण्ड मिलिंडा गेटस फाउन्डेशन यू.एस.ए.	-	-	०१	३१९.१२
संलयन विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी अनुसंधान बोर्ड, गुजरात	-	-	०१	७०.१६
जी.बी. पन्त राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान	-	-	०१	१४.१५
निजी अभिकरण	-	-	०१	१.१८
उत्तर प्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड	-	-	०१	२४.०३
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	-		०१	५.९३
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन	-	-	०१	४९.५७
खाद्य प्रसंस्कृत उद्योग मंत्रालय	-	-	०१	४१.२७
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	१	३.६०	०१	३.६०
भारतीय तेल व प्राकृतिक तेल निगम	-	-	०१	२.८६
मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र	-	-	०१	१४.७४
केस्पोर माइक्रो क्रेडिट लिमिटेड	-	-	०१	९.४८
ग्लोबल फण्ड रैक, नई दिल्ली	-	-	०१	२६.७९

केरल आयुर्वेद लिमिटेड	-	-	०२	२०.४३
भारत सरकार	०१	६०.००	०१	६०.००
अन्तर्राष्ट्रीय मक्का तथा गेहूँ उन्नयन केन्द्र, सहयोगी परियोजना, हैदराबाद	०१	३.९५	०१	३.९५
फाउण्डेशन ऑफ नेशनल इंस्टिट्यूट	-	-	०१	५७.२९
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	-	-	०१	२.००
राष्ट्रीय शिक्षण योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय	-	-	०१	२.०६
ग्वेर्नसे वित्तीय सेवा समिति	-	-	०१	१२.९८
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	०८	३३.००	१६	१०९.८७
नेशनल इस्ट्यूट ऑफ हेल्थ ब्लूम्बर्ग	०१	१०.१४	-	-
आई.आई.टी., दिल्ली	०१	१.७५	०१	१.७५
इण्डोफिल इंडस्ट्री	०१	३.९०	०१	३.९०
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बेलगाम	०१	३.०७	०१	३.०७
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	०१	१.५०	०१	१.५०
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ब्लूम्बर्ग	-	-	०१	१०.१४
टाटा शिक्षा एवं विकास संस्था	-	-	०१	१०.७७
स्ट्रेस टॉलरेंट राइस फॉर अफ्रिका एण्ड साउथ एशिया राइस	-	-	०२	८.३०
यूनाईटेड नेशनल एण्ड चिल्ड्रेन फण्ड (यूनीसेफ)	-	-	०१	६.२५
उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद्	-	-	०१	४.६५
सेन्ट्रल इंस्ट्यूट ऑफ मेडिसिनल एरोमेटिक प्लॉट, लखनऊ	-	-	०१	२७.७४
टाटा एलोकेशन एण्ड डवलपमेंट ट्रस्ट, मुम्बई	०१	१०.७७	-	-
इण्डियन एसोसियन ऑफ डरमेटोलॉजिस्ट, वेनेरेलॉजिस्ट, लेप्रोलॉजिस्ट	-	-	०१	२.००
आर.टी.आर.ए.एस.ए. चावल	०१	८.३०	-	-
वीसकोन्सीन विश्वविद्यालय	०१	१३.८७	०१	१३.८७
सेन्ट्रल इंस्ट्यूट ऑफ मेडिसिन एण्ड एरोमेटिक प्लान्ट	०१	२७.७४	-	-
कोलम्बो, श्रीलंका	०१	९.४२	०१	९.४२
कोरनोमण्डल, सिकन्दराबाद	०२	१०१.०४	०२	१०१.०४
योग	१३९	४४१५.०८	३९६	१४४२१.३२

शैक्षणिक सत्र २०१६-१७ से प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम

- भोजपुरी व जनपदीय अध्ययन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- भोजपुरी तथा जनपदीय अध्ययन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- पूंजी बाजार में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- बैंकिंग प्रौद्योगिकी में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- प्लास्टिक कला में एक वर्षीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
- पत्रकारिता एवं जनसंचार में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- खुदरा प्रबंधन में स्नातक व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- लॉजिस्टिक प्रबंधन में स्नातक व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन में स्नात्तक व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रबंधन में स्नात्तक व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में स्नात्तक व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- खुदरा प्रबंधन में स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- लॉजिस्टिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन में स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रम।

विश्वविद्यालय की श्रेणी (रैंकिंग)

राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणी ढांचा (एन.आई.आर.एफ.), भारत सरकार, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को वर्ष २०१७ में विश्वविद्यालयों में तृतीय तथा समग्र रूप से १०वीं श्रेणी प्रदान किया है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विधि संकाय को आउटलुक इंडिया के "२०१७ में शीर्ष २५ विधि महाविद्यालयों" में ८वां स्थान तथा द वीक के "शीर्ष विधि महाविद्यालय, २०१७" में ७वां स्थान प्राप्त हुआ।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्याल को २०१७ में भारत के चिकित्सा महाविद्यालयों में इंडिया टुडे के द्वारा १०वां, द वीक के द्वारा ६वां तथा आउटलुक इंडिया के द्वारा ९वां स्थान प्रदान किया गया।

पीठों (चेयर) की स्थापना

प्रतिवेदन वर्ष को दौरान विश्वविद्यालय में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पीठ तथा पं. दीनदयालय उपाध्याय पीठ की स्थापना की गई। सामाजिक विज्ञान संकाय में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पीठ की स्थापना के लिए निदेशक, डॉ. अम्बेडकर संस्थान द्वारा, सामाजिक न्याय सशक्तीकरण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के पत्रांक १२-२/२०१६/डी.ए. दिनांक २६.०४.२०१६ के द्वारा विश्वविद्यालय को रू.७.०० लाख की राशि निर्गत कि गई। पं.दीन दयाल उपाध्याय के नाम से एक स्थाई पीठ के स्थापना हेतु उप सचिव, भारत सरकार के पत्रांक एफ-१९-३५/२०१६ –स्पेशल सेल दिनांक ३१.०३.२०१७ के द्वारा रू.५.०० करोड़ की समग्र निधि को मंजूरी देकर निर्गत किया गया।

शताब्दी वर्ष (२०१६-१७) समारोह

२५ जनवरी, २०१५ को यह विश्वविद्यालय के १००वें वर्ष में प्रवेश कर गया। इस अवसर को समारोह के रूप में मनाने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने शताब्दी वर्ष में शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एंव खेल-कूद गतिविधियों का आयोजन किया। वर्ष २०१५-१६ के दौरान प्रारम्भ होकर वर्ष २०१६-१७ में सम्पन्न होने वाली गतिविधियों का संक्षिप्ति विवरण निम्नानुसार है:

- **प्रख्यात व्यक्तियों के व्याख्यान माला का आयोजन:** शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के रूप में विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक प्रसिद्ध व्यक्तियों के शताब्दी व्याख्यान आयोजित किये गये। श्री कृष्ण गोपाल, श्री श्री रविशंकर जी, भारत रत्न प्रो. सी.एन.आर. राव, सुव्यख्यात वैज्ञानिक पद्मभूषण श्री आर. चिदम्बरम, पद्मभूषण डॉ. आर. डी. लेले, संयुक्त राष्ट्र के अवर सचिव मि. एडम दिंग, प्रो. आर. सी. त्रिपाठी पद्मश्री प्रो. पुष्पेष पन्त प्रमुख वक्ताओं में शामिल थे। पद्मभूषण प्रो. आर.डी. लेले के द्वारा डॉ. वी.बी. घानेकर के स्मृति में शताब्दी व्याख्यान, घीस माइकल रॉच के द्वारा 'भगवद्गीता के महान विचारों को व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत विकास में कैसे उपयोग करे' विषय पर शताब्दी व्याख्यान, 'बी.एच.यू. शताब्दी मिशन' विषय पर देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्य प्रदेश) के कुलपति प्रो. डी.पी. सिंह का व्याख्यान, पद्मविभूषण जे.वी. नार्लीकर द्वारा एक आदर्श विश्वविद्यालय हेतु महामना के दृष्टि विषयक शताब्दी व्याख्यान, 'हालोड जिओलॉजिकल मार्बल्स देट यूनिफाइड दी पिपुल ऑफ प्रीहिस्टोरिक इण्डिया' विषय पर जीओ डायनामिक्स यूनिट, उन्नत वैज्ञानिक शोध हेतु जवाहरलाल नेहरू केन्द्र, बैंग्लोर के मानित प्रोफेसर के.एस. वाल्दिया का शताब्दी व्याख्यान विश्व अर्थ व्यवस्था एवं अंतर्राष्ट्रीय मामला संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. अलैक्जेंडर लुकिन का शताब्दी व्याख्यान राष्ट्रीय शोध विश्वविद्यालय एवं अर्थशास्त्र उच्चतर विश्वविद्यालय इत्यादि के व्याख्यान भी आयोजित किये गये। नोबल पुरस्कार विजेता, श्री कैलाश सत्यार्थी का शताब्दी व्याख्यान १८ जनवरी, २०१७ को ११.३० सुबह स्वतंत्रता भवन, बी.एच.यू. में आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त संकाय स्तर पर भी विशिष्ट व्यक्तियों के व्याख्यान आयोजित किये गये।
- **जान-माने कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन:** शताब्दी वर्ष समारोह के भाग के रूप में वर्ष २०१५-१६ तथा २०१६-१७ के दौरान अपने क्षेत्र के नामी-गिरामी कलाकारों द्वारा अनेक सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन पंडित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में किया गया। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के साथ-साथ संकाय स्तर पर आयोजित किया गये। प्रतिवेदन अवधी के दौरान आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

कार्यक्रम	दिनांक
ध्रुपद महोत्सव में सुश्री सर्वमिष्ठा मुखर्जी के द्वारा फॉरेस्ट ऑफ ब्लिस (कथक नृत्य)	११.०५.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में सुश्री कलापिनी कोमकली के द्वारा पावस महोत्सव (स्वर संगीत)	१९.०९.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में श्रीमती रंजीता मुखर्जी के द्वारा ध्रुपद महोत्सव (स्वर संगीत) तथा अंकित पारिख के द्वारा पखवांज	१७.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में भाई बलदीप सिंह एवं आशुतोष उपाध्याय की जुगलबधी	१७.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में पं. प्रेमकुमार मलिक (स्वर संगीत), पं. संतोष मिश्रा के द्वारा सांरगी तथा अंकित पारिख के द्वारा पखवाज	१७.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में डॉ. मधु भट्ट तेलंग (जयपुर) के द्वारा स्वर संगीत तथा श्री प्रवीण आर्य (जयपुर) के द्वारा (पखवाज)	१८.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में पं. दलचन के द्वारा स्वर संगीत तथा श्री अनीश मिश्रा के द्वारा सारंगी	१८.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में पं. उदय भावलकर के द्वारा स्वर संगीत तथा श्री प्रताप अवद के पखवाज	१८.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में श्रीमती सोमबाला के द्वारा स्वर संगीत तथा श्री पृथ्वी राजकुमार के द्वारा पखवाज	१९.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में उस्ताद मुहम्मद बहुद्दिन डागर के द्वारा रूद्र वीणा तथा श्री प्रताप अवध के द्वारा पखवाज	१९.१०.२०१६
ध्रुपद महोत्सव में पं. ऋत्विक सांन्याल के द्वारा स्वर संगीत तथा पं. दलचन्द शर्मा के द्वारा पखवाज	१९.१०.२०१६
पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह	२३-२५ जनवरी, २०१७

'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' का आयोजनः काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने १७ से २४ दिसम्बर, २०१६ तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के वृहद सांस्कृतिक आयोजन 'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' (आर.एस.एम.) की मेजबानी की। इस महोत्सव का उद्घाटन माननीय डॉ महेश शर्मा, केन्द्रीय मंत्री, संस्कृति मंत्रालय के द्वारा किया गया। इस वार्षिक समारोह के आयोजन का उद्देश्य भारत के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा विविधता को कला तथा संस्कृति के माध्यम से संरक्षित, प्रोत्साहित एवं प्रचलित करना है। विश्वविद्यालय ने प्रतिदिन विविध क्षेत्रों से संबंधित कलाओं जैसे नृत्य, संगीत, लोक गीत, हस्तशिल्पी आदि से जुड़े २००० से अधिक कलाकारों का प्रदर्शन आयोजित किया। इसके अतिरिक्त माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के विवरण पुस्तिका का अनावरण किया तथा मनोज जोशी के द्वारा निर्देशित नाटक ''चाणक्य'' की विशेष स्क्रिनींग भी देखी। अपने–अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर एवं संकाय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार हैः

विद्यार्थी केन्द्रित पहल

- **आवासीय सुविधाओं में बढ़ोत्तरीः** कई छात्रावास निर्मित किये गये और उपयोग हेतु उपलब्ध हैं। केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग के माध्यम से छात्रावासों में बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य किया गया तथा उन्हें आकर्षक बनाया गया। काफी लम्बे समय बाद यह कार्य किया गया है।
- **रोजगार परामर्श योजनाः** विश्वविद्यालय ने एक रोजगार परामर्श योजना शुरू की है जिससे विद्यार्थियों को अपने लिए उचित रोजगार के चयन में मार्गदर्शन मिलेगा। पूर्णकालिक दो परामर्शदाता रखे गये हैं जो छात्रावासों का दौरा करते हैं, विद्यार्थियों से मिलते हैं, उनसे बातचीत करते हैं और उनकी क्षमताओं का पता लगाकर उन्हें नियमित परामर्श देते हैं। इस पहल के अन्तर्गत संकल्प जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं के विद्वानों की वार्ताएँ एवं व्याख्यान भी आयोजित किए गए। विद्यार्थियों हेतु रोजगार की सम्भावनाएँ बढ़ाने के लिए अंग्रेजी बोलने तथा साक्षात्कार कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर की स्थापनाः विश्वविद्यालय में इस केन्द्र की स्थापना छात्रों के भावी जीवन की सम्भावनाओं को बेहतर बनाने एवं उनके सम्पूर्ण व्यक्तिव विकास को गतिशील बनाने हेतु की गई है। स्कील डेवलेपमेन्ट सेन्टर की स्थापना अधिसूचना सं. आर/जीएडी/स्कील डेवलेपमेन्ट सेन्टर/४२१८१ दिनांक १९.०१.२०१६ के द्वारा की गई है। तदोपरान्त इसका नाम बदल कर कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर कर दिया गया। कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर विश्वविद्यालय के हॉबी सेन्टर में स्थित है। इस सेन्टर ने

प्रतिवेदन अवधि के दौरान १६१ व्यक्तित्व विकास सत्र, ६५ एन्ड्रोयड एप्लीकेशन डेवलपमेंन्ट सत्र, ९२ बेसिक कम्प्यूटर, ५७ सी प्रोग्रामींग सत्र, ३३ बेबसाइट मेकींग सत्र, ७ प्लेनिंग ड्राइव, ९ अभिवृत्ति सत्र, साप्ताहिक गीता, दैनिक योग सत्र, ५ उद्यमिता सत्र, ८ इंग्लिश स्पोकेन सत्र, आई.आर.डी.एम. परास्नातक छात्रों के लिए सामूहिक चर्चा पर एक कार्यशाला, लोक प्रशासन परास्नातक छात्रों के मॉक साक्षात्कार एवं विश्वविद्यालय के छात्रों को यू.पी.एस.सी. के तैयारी हेतु १८ सत्रों का आयोजन किया। उपरोक्त के अतिरिक्त कैरियर डेवलपमेंन्ट सेन्टर ७ नवम्बर, २०१६ से समर्थ ग्राम अभियान में सक्रिय रूप से शामिल था जिनकी प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:

- ८ ट्रिप में ४० गाँवों का भ्रमण किया।
- दिनांक ०४.११.२०१६ को जैविक कृषि सम्मेलन।
- दिनांक २७.०१.२०१७ को मधुपुर तथा मुरदेव में दन्त चिकित्सा शिविर तथा पौधा रोपण।

दिनांक	**राष्ट्रीय संस्कृत महोत्सव कार्यक्रम स्थल**			
	स्वतंत्रता भवन	**पंडित ओंकार नाथ ठाकुर सभागार**	**कला संकाय सभागार**	**जन संचार विभाग**
१८.१२.२०१६	श्री मनोज तिवारी के द्वारा लोक गीत	पंडित अजय चक्रबर्ती के द्वारा स्वर संगीत बांसुरी तथा कार्नेटिक बांसुरी संगीत की जुगल बंदी-पंडित चेतन जोशी व मैसोर ए चन्दन कुमार	गुडिया कठपुतली निर्देशक सुदीप गुप्ता	बाल फिल्म महोत्सव तथा गट्टू और हैप्पी मदर्स डे पर कार्यशाला
१९.१२.२०१६	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन	संतुर युगल संगीत-पंडित भजन तथा रूस्तम सपोरी के द्वारा पंडित छन्नू लाल मिश्रा के द्वारा शास्त्रीय स्वर संगीत सोनल मानसिंह के द्वारा कथक नृत्य	माँ जगत जननी कन्दोयी थियेटर (डोरी कठपुतली) निर्देशक चैतन्य बेहरा	बाल फिल्म महोत्सव तथा गौरा (द जर्नी ऑफ करेज) और गोपी गवैया और बाघ बजैया पर कार्यशाला
२०.१२.२०१६	निजामी बन्धु के द्वारा कव्वाली	डॉ. एन.राजम, संगीता शंकर तथा नन्दनी और रागनी शंकर के द्वारा वायलीन संगीत पद्म श्री पंडित राजन व साजन मिश्रा के द्वारा बासुंरी वादन	मुगोल तमाशा निर्देशक-बिभूति भूषण साहू	बाल फिल्म महोत्सव तथा कृश त्रिश बाल्टीबॉय-१.तथा पप्पू की पगडण्डी पर कार्यशाला
२१.१२.२०१६	चाणक्य-नाटक	नाद भेदम आर्केस्ट्रा-पंडित हरी प्रसाद चौरसिया के द्वारा सुश्री प्रभा आत्रे के द्वारा स्वर संगीत कालक्षेत्र के द्वारा भरत नाट्यम नृत्य	रावण छाया (छाया कठपुतली) निर्देशक-खगस्वर प्रधान	बाल फिल्म महोत्सव तथा कफल पिंटी का साबुन पर कार्यशाला
२३.१२.२०१६	मालिनी अवस्थी के द्वारा भोजपुरी लोक गीत	पंडित उल्हास काशल्कर के द्वारा स्वर संगीत पंडित निलादरी कुमार के द्वारा सितार वादन	महाराष्ट्र का पारम्परिक कठपुतली निर्देशक-गन्नपा सखा राम मषगे	बाल फिल्म महोत्सव तथा छूटकन की महाभारत हालो पर कार्यशाला
२४.१२.२०१६	श्री वडाली बन्धू के द्वारा सूफी संगीत	श्री विजय घाटे (तबला), श्री भवानी शंकर (पखवाज), श्री राकेश चौरसिया (बासुंरी),श्री रविचारी (सितार),पंडित जसराज का स्वर संगीत	छाया कठपुतली निर्देशक-सिन्दे चिदम्बरा राव(एस.एन.ए अवार्डी)	
उपरोक्त के अतिरिक्त बहुत सारे कार्यक्रम १७ से २४ दिसम्बर,२०१६ को वाराणसी के विभिन्न घाटों, सारनाथ तथा आस-पास के गॉवों में आयोजित किये गये।				

१७-२४ दिसम्बर, २०१६ को राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम के दौरान 'चाणक्य' के कलाकार से मिलते हुए

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव की पत्रिका का विमोचन

MAHOTSAV

- दिनांक ०२.०२.२०१७ को तारापुर तथा नरोत्तमपुर में महिला स्वाथ्य शिविर तथा पौधा रोपण।
- दिनांक ०४.०२.२०१६ को सामने घाट में पशु चिकित्सा शिविर।
- विद्यार्थियों में उद्यमशीलता कौशल के विकास की भी पहल की गई है।
- महिला विद्यार्थियों हेतु महिला संवेदीकरण, एन्टी रैगिंग इत्यादि जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ के गठन द्वारा कई पहलें की गई हैं और परामर्शदाताओं तथा एन्टी-रैगिंग दस्ता के सदस्यों को भी इसमें सक्रिय सहभागिता दी गई है जिससे रैगिंग की घटनाएँ न्यूनतम हों।
- खाली समय में विद्यार्थी खेल-कूद में लगे रहें इसके लिए हर छात्रावास में खेल-कूद की सामान्य न्यूनतम सुविधाएँ दी गई हैं ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।
- विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी महामना के जीवन, दृष्टिकोण तथा कृत्यों से परिचित हो सके, इसके लिए उन्हें महामना विषयक एक पुस्तिका प्रदान की गई है।

- **बीएचयू पर वृत्तचित्रः** विभिन्न संकायों में प्रवेश के समय नये प्रवेशार्थियों को बीएचयू का इतिहास, इसका गौरव, इसके पुराछात्र एवं अपने क्षेत्र के अग्रणी शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का चित्रण करने वाली एक वृत्त चित्र दिखायी गई जिससे कि नवप्रवेशार्थी अपने संकायों में प्रवेश से पूर्व विश्वविद्यालय से परिचित हो सके।
- **स्थापना दिवस पर झाँकी निकालने की परम्परा का पुनः प्रवर्तनः** विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर २४ जनवरी, २०१५ को बसंत पंचमी के दिन लगभग ३ दशकों के बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों द्वारा झाँकी निकालने की उल्लेखनीय परम्परा पुनः शुरू की गई। संकायों द्वारा इसमें अद्‌भुत एवं पूरे जोश के साथ सहभागिता की गई। इस पहल से विद्यार्थी ज्ञान व कला की देवी की आराधना करने के लिए तथा अपने संरचनात्मक विचारों से बीएचयू के स्थापना दिवस का उत्सव मनाने हेतु काफी प्रेरित हुए। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई झाँकी के माध्यम से प्राचीन व आधुनिक भारत के गौरवशाली इतिहास तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कई घटनाओं को प्रस्तुत किया गया।
- **गीता प्रवचनः** गीता समिति के पुनर्गठन के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की एक अनन्य विशेषता विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु आयोजित किए जाने वाले गीता प्रवचन की पुनः शुरूआत की गई है। इससे हमारे धर्मग्रंथों के जीवन्त, दार्शनिक व आध्यात्मिक विचार विमर्श की संस्कृति सुदृढ़ हुई है। शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में स्वामी श्रीवत्स गोस्वामी द्वारा मालवीय भवन में एक सप्ताह तक चलने वाले गीता व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- **साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्रः** विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का अभीष्ट उपयोग करने तथा स्वाध्याय हेतु प्रेरित करने के लिए एक उच्च क्षमता के साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है। यह विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों (पत्रिकाओं एवं पुस्तकों) तक पहुँच प्रदान करता है। इस केन्द्र में २२० कम्प्यूटर टर्मिनल एवं उच्चगति की इंटरनेट पहुँच सुविधा उपलब्ध है जिसमें एक साथ २०० से अधिक विद्यार्थी बैठ सकते हैं। यह बीएचयू साइबर पुस्तकालय एक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय है जो वेब ऑफ साइंस, ऐनुअल रिव्यू, मैथसाइनेट, साइफाइडर स्कॉलर तथा कैब एबस्ट्रेक्ट्स नामक पत्रिकाओं और पुस्तकों के पूर्ण पाठ तक पहुँच प्रदान करता है। यह डिज़िटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया, वर्ल्ड डिज़िटल लाइब्रेरी, युनिवर्सल डिजिटल लाइब्रेरी तथा प्रोजेक्ट गुटनबर्ग तक भी पहुँच प्रदान करता है। सेज ई-गुक्त, स्प्रिंगर ई-बुक्स, टेलर एण्ड फ्रांसिस, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, इनसाइक्लोपीडिया, ब्रिटानिक, मेडिकल रिसोर्सेस, (ईआरएमईडी) तथा पम्ब, इंजीनियरिंग साइंस रिसोर्सेस, इंस्टीट्यूशन रिपाजिटरीज़ नामक ई-पुस्तक साइबर पुस्तक में उपलब्ध है। हिन्दी समय, हिन्दी साहित्य दर्पण, हिन्दी कवितायें, कविता कोष, साहित्य शिल्पी, संस्कृत शोध प्रबंध तथा संस्कृत ई-बुक्स जैसे हिन्दी व संस्कृत सामग्रियों की इस साइबर पुस्तकालय में उपलब्धता है। पुस्तकालय में ''लाइब्रेरी ऑफ मोबाइल'' की भी शुरूआत की गई है जहाँ पुस्तक के ई-संसाधन मोबाइल प्रारूप में उपलब्ध कराये गये हैं जिसे इंटरनेट के जरिये स्मार्ट फोन से प्राप्त किया जा सकता है।

नई सुविधाओं का विकास

कई नये छात्रावास बनाये गये हैं जो वर्तमान में उपयोग हेतु उपलब्ध हैं।

- **केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना (सीडीसी):** विश्वविद्यालय एक केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित कर रहा है जिसमें एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन, सेंटर फॉर एडवांस कम्प्यूटिंग, सेन्टर फॉर डिज़िटल मीडिया, मेजर रिसर्च इक्यूिपमेंट तथा अन्तर-विषयी शोधों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ विद्यमान होगीं। यह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) समेत विश्वविद्यालय के उन सभी संकाय सदस्यों को जो नवोन्मेशी शोध करना चाहते हैं, के लिए एक केन्द्रीकृत सुविधाएँ प्रदान करेगा। केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र का भवन निर्माणाधीन है।
- **मालवीय विरासत संकुल का निर्माणः** मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र तथा अंतर-सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र (संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से निर्मित) का शिलान्यास महामना पं. मदन मोहन मालवीयजी की १५०वीं जयन्ती की स्मृति में २५ दिसम्बर २०१२ को भारत के राष्ट्रपति ने किया। इस भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।
- **बोन मैरो ट्रान्सप्लांट एण्ड स्टेम सेल रिसर्च सेंटर की स्थापनाः** चिकित्सा विज्ञान संस्थान ट्रामा सेंटर में अपनी तरह का पहला स्टेम सेल रिसर्च तथा बोन मैरो ट्रांन्सप्लांटेशन सेंटर स्थापित कर रहा है।

इस प्रस्तावित शोध केन्द्र में cGLP तथा cGMP मानकों के अनुरूप चिकित्सीय एवं भौमिक शोध पर मरीजों पर शल्यक कार्य एवं अन्य चिकित्सीय उपचार करने के लिए अपेक्षित मूलभूत संरचनाएँ एवं संसाधन होंगे। बोन मैरो ट्रान्सप्लांट तथा स्टेम सेल शोध केन्द्र हेतु पूर्णतया सुसज्जित भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चूका है।

- **भारत अध्ययन केन्द्र की स्थापना:** प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान के बीच की खाई को पाटने के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान, संस्कृति, साहित्य, संगीत व परम्परा के अध्ययन हेतु भारत अध्ययन केन्द्र स्थापित किया गया है। इसकी हर तरफ से सराहना हो रही है। परियोजना रिपोर्ट का पूर्ण ब्योरा तैयार हो गया था तथा यू.जी.सी. को प्रस्तुत कर दिया गया है। इस केन्द्र की स्थापना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रु.२५ करोड़ की स्वीकृति दी है। केन्द्र के भवन निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। इस केन्द्र हेतु सेंटेनरी चेयर प्रोफेसरों तथा सेंटेनरी फेलोज के लिए सृजित पदों पर नियुक्तियाँ कर दी गई हैं।
- **गंगा, नदी विकास एवं जल संसाधन प्रबंधन हेतु मालवीय शोध केन्द्र की स्थापना:** नदियाँ तथा जल-बेसिन की समस्याओं के अध्ययन हेतु गंगा नदी विकास एवं जल संसाधन प्रबंधन हेतु मालवीय शोध केन्द्र स्थापित किया गया है। इसके वित्तपोषण हेतु विचारार्थ भारत सरकार को एक प्रस्ताव भी दिया गया है।
- **सौर ऊर्जा का उपयोग:** सौर ऊर्जा प्लांट लगाने और इस क्षेत्र में शोध हेतु हरित ऊर्जा केन्द्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। उम्मीद की जा रही है कि सौर ऊर्जा प्लांट लग जाने से विद्युत उत्पादन के साथ ही विश्वविद्यालय की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन के लिए विश्वविद्यालय के भवनों पर रुफ-टॉप पीवी पैनल लगाने का काम पूर्ण हो चूका है।
- जलवायु परिवर्तन पर महामना उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना हो चुकी है।
- **कैंसर अस्पताल की स्थापना:** महामना मालवीय कैंसर अस्पताल तथा अनुसंधान केन्द्र की मंजूरी माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार के द्वारा दे दी गई है। जिसके लिए १५ एकड़ का भू-खण्ड सुन्दर बगिया में चिह्नित कर लिया गया है।
- **सर सुन्दर लाल अस्पताल की सुविधाओं का उन्नयन:** विश्वविद्यालय का सर सुन्दर लाल अस्पताल जिसकी स्थापना १९२४ में हुई थी, का व्यापक उन्नयन तथा विस्तार आवश्यक है ताकि उत्तर भारत क्षेत्र के वृहद आबादी को निर्विघ्न तथा गुणवत्ता परक स्वाथ्य सेवायें प्रदान की जा सकें। यह प्रस्ताव भारत सरकार के द्वारा मंजुर हो चुका है तथा रु.२०० करोड़ की लागत से सर सुन्दर लाल अस्पताल में एक सुपर स्पेशियालिटी कॉम्पलेक्स की स्वीकृती दी गई है।
- महामनाजी द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय गोशाला का सुधार कार्य किया जा रहा है। गोशाला संबंधी कार्यों के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के हिस्से के तौर पर गाय की देशी नस्ल यथा-साहिवाल के संरक्षण व प्रजनन हेतु एक परियोजना शुरू की गई है। इसके अतिरिक्त गोबर गैस उत्पादन के लिए गाय के गोबर के प्रसंस्करण तथा उसके मूत्र के चिकित्सीय उपयोग हेतु शीघ्र अनुसंधान की तैयारी चल रही है।

प्रशासकीय सुधार एवं ई-गवर्नेंस पहल

- **संकाय भर्ती हेतु संशोधित प्रक्रिया:** अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की गुणवत्ता सुधारने के लिए असाधारण गुणवत्ता सुधार के रूप में आईआईटी एवं आईआईएससी द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की तर्ज पर नवप्रवर्तनकारी संकाय भर्ती प्रक्रिया क्रियान्वित की गई है। संकाय चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने, शिक्षण के उच्च गुणवत्तायुक्त अभ्यर्थियों को आकर्षित करने हेतु रोलिंग विज्ञापन द्वारा ऑन लाइन चयन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। विश्वविद्यालय ने अपनी उस चयन प्रक्रिया को विद्वत परिषद् व कार्यकारिणी परिषद् के अनुमोदन से संशोधित कर दिया है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुरूप नहीं थी और जिसकी वजह से अतीत में मुकदमेंबाजी भी हुई थी। नये विनियम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुरूप और पारदर्शी हैं। जिसकी वजह से विश्वविद्यालय में शिक्षकों व कर्मचारियों का निष्पक्ष व निर्बाध चयन हो पा रहा है। विश्वविद्यालय ने ५५० शिक्षकों की, ४१ समूह 'क' के अधिकारीयों, ३० स्कूल अध्यापकों तथा ९०६ समूह 'ख', 'ग' तथा गैर-शिक्षण कर्मियों का चयन किया है और प्रतिवेदन वर्ष में इतने ही लोगों को पदोन्नति भी दी है।
- **ख्यातिलब्ध शिक्षकों की अल्पकालिक नियुक्ति:** विश्वविद्यालय समय-समय पर नियुक्ति योजना के अंतर्गत संबंधित विभागों की नीति एवं आयोजन समिति की सिफारिश पर विज़िटिंग प्रोफेसरों, मानित प्रोफेसरों, विज़िटिंग फेलो तथा एक्सटर्नल एडजंक्ट फैकल्टी के तहत ख्यातिलब्ध शिक्षकों व विशेषज्ञों की नियुक्ति करता है। एक्सटर्नल एडजंक्ट फैकल्टी की नियुक्ति योजना को आकर्षक बनाने के लिए इसमें सुधार किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान उक्त योजना के अंर्तगत नियुक्तियाँ की गई। विश्वविद्यालय में विद्यमान पुराने एन्डोव्ड चेयर्स को पुन: प्रवर्तित करने के प्रयास किए गए हैं विश्वविद्यालय ने भारत अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत सेंटेनरी चेयर प्रोफेसर्स के ०५ पद तथा सेंटेनरी विज़िटिंग फेलो के १० पदों का भी सृजन किया है।
- **प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया का स्वचालन:** प्रवेश में दक्षता और पारदर्शिता करने के लिए प्रवेश प्रक्रिया स्वचालित बनायी गयी है और इसे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भविष्यगत अनुकूलित कार्यक्रमों के माध्यन से ऑनलाइन किया गया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों व कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश पत्र जारी करने, प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित करना, अभ्यर्थियों द्वारा पाठ्यक्रमों में वरीयता चयन काउंसलिंग, प्रवेश का प्रस्ताव, प्रवेश शुल्क का भुगतान, छात्रावास आवंटन इत्यादि जैसी प्रक्रियाएँ

ऑनलाइन कर दी गई हैं। अभ्यर्थी बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली प्रवेश परीक्षा (उन कुछ पाठ्यक्रमों को छोड़कर जिनमें समूह-चर्चा तक साक्षात्कार अथवा प्रायोगिक परीक्षा जाँच का आवश्यक अंग है) में शामिल होते हैं। उत्तर पत्रक ओएमआर मूल्यांकन आधारित है जिसका मूल्यांकन ओएमआर स्कैनर के माध्यम से किया जाता है। प्रवेश के लिए नामाकंन परीक्षा फार्म भरना तथा प्रवेश पा चुके अभिव्यक्तियों की अन्य महत्वपूर्ण नियमित परीक्षा प्रक्रियाएं भी ऑनलाइन कर दी गई हैं। स्वचलन की यह प्रक्रिया अन्य शैक्षणिक प्रशासनिक क्षेत्रों में भी जारी रहेगी।

- **ई-गवर्नेन्स का क्रियान्वयन:** विश्वविद्यालय ने प्रवेश, काउंसिलिंग तथा परीक्षा हेतु एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन चक्र प्रबंधन का एक बड़ा हिस्सा पहले ही स्वचालित बना दिया है। इसी तरह से भर्ती तथा वित्तीय प्रबंधन की प्रशासनीय प्रक्रियाओं को भी आंशिक तौर पर स्वचालित कर दिया गया है। सरसुन्दरलाल अस्पताल में पूर्णत: कार्यक्षम अस्पताल सूचक प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई है। ई-खरीद एवं ई-नीलामी भी की जा रही है। प्रभावी आंकड़ा आधारित विश्वविद्यालय की वेबसाइट निर्माणाधीन है। बढ़ते कार्यभार तथा मानव संसाधन के बीच के अन्तर को पाटने के लिए अन्य महत्वपूर्ण प्रशासकीय प्रक्रियाओं के कम्प्यूटरीकरण का भी खाका तैयार कर लिया गया है। कार्यालयी कामकाज को स्वचालित बनाते समय प्रक्रियागत पुर्नसंरचना को भी ध्यान में रखा जा रहा है तथा इसमें दक्षता लाने के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय प्रभावी एवं दक्षतापूर्ण प्रबंधन हेतु आधुनिक उपकरणों के उपयोग के लिए सजग एवं सक्रिय प्रयास कर रहा है।
- पुराने अभिलेखों के डिजिटेलाइजेशन का कार्य प्रगति पर है तथा परिसर में बाई-फाई लगाने से सम्बन्धित कार्य अपने चरम पर है।

विस्तारण एवं सुदूर पहुँच

- **सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना:** विश्वविद्यालय ने एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की है। प्रकोष्ठ ने पाँच गाँवों को आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से गोद लिया है। आदर्श गाँवों के मानक तय किये गये हैं जिनके अन्तर्गत राष्ट्रीय कार्यक्रम यथा स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत तथा कौशल विकास शामिल है।
- **समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत:** विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत की है। अभियान के हिस्से के तौर पर विद्यापीठ ब्लाक के अन्तर्गत आने वाले १०० गाँवों का चयन किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जैविक खेती, वृक्षा रोपण, घरेलू जानवरों के स्वास्थ्य, घरेलू उद्यान, जल प्रबन्धन, पर्यावरणीय जागरूकता आदि के महत्व के बारे में शिक्षित करना तथा स्वयं-संपोष्य आत्मनिर्भर बनाने वाले विधिक मामलों की जानकारी प्रदान करना है। समर्थ ग्राम अभियान के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान समर्थ ग्राम अभियान ग्राम दल द्वारा चिन्हित गाँवों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियाँ अग्रलिखित हैं: आधारभूत संरक्षण का आयोजन; ग्रामीण बालिकाओं द्वारा सिलाई, कढ़ाई तथा बुनाई का प्रशिक्षण; ग्रामीणों को जैविक खेती एवं इसके महत्व की जानकारी हेतु दिनांक ४ दिसम्बर, २०१६ को जैविक कृषि मेला का आयोजन; ३०-३१ मार्च, २०१७ को एन.सी.आर.आई. कार्यशाला का आयोजन; एन.एस.एस. द्वारा २१-२८ फरवरी, २०१७ के बीच गाँवों में आम, नीबू एवं आँवला के वृक्षों को रोपण; घरेलू उद्यान हेतु बीज वितरण; महिलाओं के स्वास्थ्य जाँच शिविर; पशु चिकित्सा शिविर; दन्त परीक्षण शिविर; आँख, नाक व गला सम्बन्धि चिकित्सा शिविर तथा अन्य चिकित्सीय शिविरों का आयोजन; ग्रामीणों हेतु योग कक्षाओं का आयोजन; शिक्षा एवं स्वास्थ्य के महत्व पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन आदि।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान विदेशों के कई प्रतिनिधियों ने भी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का दौरा किया एवं यहाँ के प्रतिनिधियों ने भी विदेशों का दौरा किया। विश्वविद्यालय ने यूएसए, जापान, स्पेन, नेपाल, मारीशस इत्यादि देशों समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया।

विश्वविद्यालय-उद्योग सहभागिता प्रकोष्ठ

उच्चतर शिक्षा एवं शोध को समाज एवं अर्थव्यवस्था के प्रति और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय में एक व्यापार प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। व्यापार प्रकोष्ठ की अवधारणा का केन्द्र बिन्दु यह है कि उद्योग क्षेत्र को चाहिए कि वह निर्देशन हेतु इनपुट प्रदान करे जिससे विश्वविद्यालय में शोध कार्य हो सके और दूसरी ओर शोध के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा प्रौद्योगिकी/उत्पाद/प्रक्रियाएँ विकसित हों जिनका पर्याप्त मात्रा में विपणन हो ताकि औद्योगिक क्षेत्र उन्हें अपनाएँ और नवप्रवर्तनों का उत्पादनपरक उपयोग हो सके। विश्वविद्यालय के व्यापार प्रकोष्ठ के लिए यह अनिवार्य है कि वह उचित प्रौद्योगिकी के विकास, हस्तांतरण, व्यापार विकास और औद्योगिक शैक्षणिक पारस्परिक प्रभाव हेतु दिशा निर्देश दे। विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों,शोध एवं अपने संकाय सदस्यों द्वारा विकसित शोध-उत्पादों के वाणिज्यिक दोहन हेतु अरविन्द रेमेडीज़ प्रा.लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय सेबी, एनएसई, एक्सिस बैंक तथा अन्य औद्योगिक संगठनों के साथ भी समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की योजना बना रहा है।

शिकायत निवारण तंत्र का सुदृढ़ीकरण

समस्त शिकायतों को प्रस्तुत करने और संशोधित करने हेतु एक केन्द्र बिन्दु प्रदान करने के लिए सभी शिकायत निवारण समितियों के एक संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए उप-कुलसचिव की अध्यक्षता में केन्द्रीय कार्यालय में एक केन्द्रीकृत शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। सभी शिकायत निवारण समितियों को

पर्याप्त प्रबंधकीय एवं सचिवीय सहायता प्रदान करने और शिकायत निवारण समितियों से संबंधित दस्तावेजों के रख-रखाव हेतु प्रकोष्ठ को पर्याप्त कर्मचारी मुहैया कराए गए हैं। भेदभाव-निरोध अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

महत्वपूर्ण बैठकें :

कार्यकारिणी परिषद् की बैठक

- अप्रैल २३, २०१६
- नवम्बर ०७, २०१६
- मार्च ३०, २०१७

विद्वत् परिषद् की बैठक

- मार्च १७, २०१७
- जनवरी १२, २०१७

वित्त समिति की बैठक

- अप्रैल २३, २०१६
- नवम्बर ०७, २०१६

संकाय की बैठकें

- कृषि विज्ञान संकाय ०२.१२.२०१६
- प्रबन्धशास्त्र संकाय १०.१२.२०१६
- मंच कला संकाय १७.०१.२०१७

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना

क. संस्थान

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान
- कृषि विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास संस्थान
- प्रबन्ध शास्त्र संस्थान
- विज्ञान संस्थान

ख. संकाय

- कृषि
- कला
- आयुर्वेद
- वाणिज्य
- दन्त चिकित्सा विज्ञान
- शिक्षा
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास
- विधि
- प्रबन्ध शास्त्र
- चिकित्सा
- मंच कला
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान
- विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान
- दृश्य कला
- पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

ग. महाविद्यालय

- **अंगीभूत महाविद्यालय :** महिला महाविद्यालय (वूमेन्स कॉलेज) परिसर के अन्दर स्थित

घ. अन्तर्विषयी उच्च शिक्षापीठ (स्कूल)

- जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल
- जीवन विज्ञान स्कूल

च. अध्ययन केन्द्र

- खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- आनुवांशिक विकृति
- डीएसटी.सेन्टर फार इंटर डिसीप्लीनरी मैथमेटिकल साइंस
- नेपाल अध्ययन केन्द्र
- महिला अध्ययन एवं विकास
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
- समन्वित ग्रामीण विकास
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

छ. विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालय

- सेन्ट्रल हिन्दू ब्वाय़ज स्कूल
- सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
- श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

ज. विश्वविद्यालयी सुविधाओं की अनुमति के लिए स्वीकृत महाविद्यालय

- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज
- दयानन्द पी.जी. कॉलेज
- वसन्त महिला महाविद्यालय
- वसन्त कन्या महाविद्यालय

झ. यू.जी.सी.-एस.ए.पी.: सी.ए.एस. व डी.आर.एस. कार्यक्रम

विशेष सहायकता कार्यक्रम (स्तर)

- शस्य विज्ञान (डी.आर.एस.)-१
- जैव प्रौद्योगिकी स्कूल (डी.आर.एस.)-३
- प्रबन्ध शास्त्र संकाय (डी.आर.एस.)-२

- भौतिकी (सी.ए.एस.)-५
- सांख्यिकी (डी.आर.एस.)-२
- भूगोल (डी.आर.एस.)-२
- रसायन शास्त्र (सी.ए.एस.)-२
- भूविज्ञान (सी.ए.एस.)-२

ट. यूजीसी-स्वीकृत कार्यक्रम (इनोवेटिव/टीआरआईईए/अन्य कार्यक्रम)

- **भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय –** इस्टैब्लिशमेन्ट ऑफ नेटवर्किंग रिसोर्स सेन्टर
- **मनोविज्ञान विभाग –** पी.जी. डिप्लोमा (वन इयर) इन काउन्सिलिंग, गाइडेन्स एण्ड साइकोलॉजिकल इन्टरवेन्शन (अन्डर इनोवेटिव 'टीआरआईईए' प्रोग्राम ऑफ यूजीसी)।
- **आनुवांशिकी विकार केन्द्र –** क्रोमोजोमल जेनेटिक एण्ड मॉलेक्यूलर डायग्नोस्टिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, इनोवेटिव 'टीआरआईईए' प्रोग्राम ऑफ यूजीसी।
- **तेलुगू विभाग, कला संकाय –** स्नातकोत्तर डिप्लोमा ट्रांसलेशन स्कील फॉर वैरीड कॉम्पीटेन्सीज, इनोवेटिव 'टीआरआईईए' प्रोग्राम ऑफ यूजीसी।

ठ. विशेषज्ञ अनुसंधान के अन्य केन्द्र/कार्यक्रम

- सी.एफ.एस.टी., कृषि विज्ञान संस्थान – इन्हेन्सिंग रिसर्च कैपेसिटी एण्ड इनिटिएटिंग इन्टिग्रेटेड एम.एससी./एम.टेक. व पीएच.डी. प्रोग्राम इन द एरिया ऑफ फूड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी।
- महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशि निति अध्ययन, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- नेपाल अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- चिकित्सा विज्ञान संकाय, चि.वि.सं.– सेन्टर फार एक्सीलेन्स इन एच.आई.वी. केयर।
- चिकित्सा विज्ञान संकाय, चि. वि. सं. – डिटरमाइनिंग फैक्टर्स एसोसिएटेड विथ ए.आर.टी. ड्रग एडहेरेन्स एच आई वी पाजिटिव्स इन इंडिया (एन.ए.सी.ओ.), चिकित्सा विज्ञान संस्थान।
- विज्ञान संकाय – स्ट्रेन्थेनिंग स्पेस साइन्स एक्टीविटीज इन यूनिवर्सिटीज (इसरो), भौतिकी विभाग।
- बौद्ध अध्ययन केन्द्र, पालि तथा बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय – स्कीम ऑफ एपॉक मेकिंग ऑफ सोशल थिंकर्स ऑफ इण्डिया।

ड. डी एस टी-फीस्ट कार्यक्रम

(विश्वविद्यालय एवं उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए आधारभूत कार्यक्रमों (फीस्ट) के उन्नयन के लिए कोष)

- भौतिकी
- वनस्पति विज्ञान
- शरीर रचना विज्ञान, चि.वि.स.
- कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान
- रसायनशास्त्र

ढ. डी एस टी-पी.यू.आर.एस.ई.(पर्स)- कार्यक्रम

- विज्ञान संस्थान एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान

२. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)

२.१. मुख्य परिसर

२.१.१. संस्थान

२.१.२. संकाय

२.१.३. महिला महाविद्यालय

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.५. स्कूल

२.१.६. का.हि.वि.वि. ग्रंथालय प्रणाली

२.१.७. यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

२.१.८. मालवीय भवन

२.१.९. भारत कला भवन

२.२. दक्षिणी परिसर

२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

कृषि विज्ञान संस्थान में कर्मचारी खेलकूद का आयोजन

२.१.१.१. कृषि विज्ञान संस्थान

कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने क्षुधा-मुक्त भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान के साथ ८६ वर्षों की अपनी शानदार यात्रा पूरी कर ली है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के महत्व को समझते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय जी ने वर्ष १९३१ में कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना की। तब से, कृषि अनुसंधान और शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग बन गया। कालान्तर में संस्थान ने कार्य विस्तार के साथ-साथ अलग-अलग नाम ग्रहण किए और अंततः वर्ष १९८१ में कृषि के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार और विकास के एकीकरण के लक्ष्य के लिए कृषि विज्ञान संस्थान की स्थिति तक उच्चीकृत हो गया। वर्ष १९३१ में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान संस्थान की औपचारिक स्थापना से पूर्व, विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न पं. मालवीय जी द्वारा धर्मविद्या विज्ञान के माध्यम से कृषि के महत्व पर बल दिया गया था। वास्तव में कृषि को ईश्वर पूजन के रूप में भूमि-पूजन से प्रारम्भ किया जाता है, जिसमें बसंत पंचमी, बैसाखी आदि जैसे अनेक त्योहारों के रूपों में फसल-कटाई का उत्सव मनाया जाता है। बसंत पंचमी पर मनाया जाने वाला काशी हिंदू विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस, वसंत के मौसम के दौरान हमारी फसलों के पुष्पन के साथ सीधा संबंध रखता है। संस्थान ने कृषि विकास को बनाए रखने और इसमें वृद्धि के लिए मानव संसाधन विकसित करने, कृषि योग्य और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के उत्पादन और प्रौद्योगिकी के प्रसार के लिए अपनी अनिवार्य जिम्मेदारियों का निष्पादन करना जारी रखा।

संस्थान हमारे देश में कृषि में स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान को प्रारम्भ करने वाले प्रवर्तकों में से एक है। वास्तव में, यह संस्थान पहली बार स्नातकोत्तर (कृषि) एवं पीएच.डी. उपाधियों को प्रदान करने वाले कृषि अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष १९४५ में स्नातक की शिक्षा शुरू हुई और अभियंत्रण संकाय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान संस्थान का नाम बदलकर कृषि महाविद्यालय रखा गया। वर्ष १९६८ में, कृषि महाविद्यालय, कृषि का एक स्वतंत्र संकाय बन गया। इसके बाद वर्ष १९६९ में छह विभागों क्रमशः पादप कार्यिकी, शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, पादप रोग-विज्ञान और कृषि अर्थशास्त्र की स्थापना की गई। उद्यान विज्ञान, कीट विज्ञान एवं कृषि जंतु विज्ञान विभागों को वर्ष १९७१ में जोड़ा गया, जबकि प्रसार शिक्षा, पशुपालन और दुग्ध विज्ञान विभाग और प्रक्षेत्र अभियांत्रिकी को वर्ष १९८१ में जोड़ा गया। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएफएसटी) को वर्ष २००८ में स्थापित किया गया और वर्ष २०१६ में यह संस्थान का अभिन्न और स्थायी अंग बन गया।

मानव संसाधनों की आवश्यकता और २१ वीं सदी की विशेष मांग को ध्यान में रखते हुए २००६ के बाद से संस्थान ने ११ नए विशेष पाठ्यक्रमों यथा मास्टर ऑफ एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट (एमएबीएम), एम.एससी. (कृषि वानिकी), एम.एससी. पादप जैवप्रौद्योगिकी (प्लांट बायोटेक्नोलॉजी), एम.एससी. मृदा एवं जल संरक्षण, मृदा एवं जल संरक्षण में एम.टेक., खाद्य विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी., कृषि सांख्यिकी, मृदा एवं जल संरक्षण और कटाई-उपरांत प्रबन्धन में पीएच.डी. और बीज उत्पादन तथा विपणन में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया।

कृषि विज्ञान संस्थान का वर्तमान रूप निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ बनाया गया था:

- शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के साथ तकनीकी जनशक्ति की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, जिससे सभी तीन पूर्वोक्त कार्यों के लिए एक व्यावहारिक आधार प्रदान किया जा रहा है और अनुसंधान को उत्पादनोन्मुख, समस्या सुलझाने वाला, व्यापक और अंत:विषयी बनाया जा रहा है। स्नातक कृषि के स्तर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष रूप से जोर दिया गया है।
- अच्छी तरह संगठित, भली प्रकार सुसज्जित अनुसंधान प्रयोगशालाओं और प्रयोग केंद्रों से आसानी से अपनाने योग्य तकनीकी जानकारी के निर्माण के लिए।
- क्षेत्र के दूरस्थ भागों और किसानों तक शोध के परिणामों को संचारित करने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उनको प्रयोगशालाओं तक लाने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम और संगठनात्मक रूप से मजबूत विस्तार सेवा विकसित करना था।
- राज्य सरकार के सहयोग से शुद्ध और उन्नत बीज और संबंधित आदानों का एक भरोसेमंद आपूर्ति पथ संगठित करने के लिए।
- वर्तमान शैक्षणिक सत्र में स्नातक (कृषि) में प्रवेश के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रवेश परीक्षा में ३३४५२ परीक्षार्थी उपस्थित हुए। स्नातकोत्तर (कृषि) में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में २२५७ अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। औसत रूप से स्नातक (कृषि) की एक सीट पर २०४ आवेदकों तथा स्नातकोत्तर (कृषि) की एक सीट पर ४२ अभ्यर्थियों की उपस्थिति संस्थान में प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को दर्शाती है। जुलाई, २०१६ में स्नातक (कृषि) में २०३ छात्रों तथा स्नातक (पशु-चिकित्सा विज्ञान) में ३० छात्रों को प्रवेश दिया गया। इनके साथ ही ११ विषयों के अन्तर्गत स्नातकोत्तर (कृषि) के २१५ और पीएच.डी. के ७७ छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा १३२ छात्रों को छह विशेष स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में और एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में ३० छात्रों को प्रवेश दिया गया।
- अनेक राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा स्वीकृत ६७४ छात्रों (कुल १५०७ की वर्तमान संख्या सहित) को एक या अन्य अनुसंधान फेलोशिप/छात्रवृत्ति आदि प्राप्त हो रहीं हैं। कुल ४८२ छात्रों में, जिन्होंने सफलता पूर्वक अपनी पढ़ाई पूरी की और जिन्हें उपाधियों से सम्मानित किया गया, १८३ स्नातक (कृषि), छ: विशेष पाठ्यक्रमों समेत ११ विभागों और एक विशेष केंद्र के अंतर्गत २५३ स्नातकोत्तर (कृषि) और ११ विषयों में ४६ पीएच.डी. सम्मिलित हैं। ये उपाधियाँ और पदक दिनांक १६ जनवरी, २०१७ को आयोजित काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रदान किए गए जिसमें इस विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र भारत रत्न डॉ. सीएनआर राव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और दीक्षांत भाषण दिया। संस्थान का उपाधि वितरण समारोह दिनांक १६ जनवरी, २०१७ को आयोजित किया गया और डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्-राष्ट्रीय डेरी अनुसन्धान संस्थान करनाल ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित होकर स्नातकों को आशीर्वाद दिया।
- हमारी शैक्षणिक गतिविधियों, अर्थात् कृषि शिक्षा, अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से, संस्थान सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने और किसानों की आय दोहरीकरण में राष्ट्र को योगदान दे रहा है। संस्थान में वर्तमान में १० बहु-विषयक भाकृअनुप अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं ३०.४१ करोड़), ०२ भाकृअनुप नेटवर्क परियोजनाएं, ४७ नव स्वीकृत तदर्थ अनुसंधान परियोजनाएं (कुल परिव्यय-३.२७ करोड़ रुपये) और विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों और उद्योगों द्वारा स्वीकृत ४० जारी तदर्थ अनुसंधान परियोजनाएं (कुल परिव्यय-२०.९१ करोड़ रूपए), और एक मेगा बीज परियोजना (फसल बीज, बागवानी और मशरूम उत्पादन को शामिल करते हुए-१.५ करोड़) संचालित हैं जिनका उत्पादन ४६ पीएच.डी. शोध प्रबंधों, २५३ स्नातकोत्तर (कृषि) थीसिस, २३८ संदर्भित शोध पत्रों, ८१ पुस्तकों/पुस्तक अध्यायों के माध्यम से प्रदर्शित होता है। पच्चीस नए उपकरणों का संयोजन किया गया है।
- इस सत्र में विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों और वैज्ञानिक समाज द्वारा कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मूल्यांकन/परिवर्तन में विशिष्टता के साथ कई शिक्षकों को सम्मानित किया गया है। इस संस्थान के समृद्ध संकाय ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में २१ शोध पत्रों और राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/संगोष्ठी और कार्यशालाओं में १२३ शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान-केंद्रीय आलू अनुसन्धान संस्थान (आईसीएआर-सीपीआरआई), भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान-भारतीय सब्जी अनुसन्धान संस्थान (आईसीएआर-आईआईवीआर), भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान-राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना (आईसीएआर-एनआईएपी), एग्रेटेक साइंस लिमिटेड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, डीएसएम नेदरलैंड, एनबीपीजीआर, गेहूँ अनुसन्धान निदेशालय (डीडब्ल्यूआर), भारतीय चावल अनुसन्धान संस्थान (आईआरआरआई), एनआरआरआई, आईआईआरआर-हैदराबाद, यूएसएआईडी-एआईपी, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,

विश्व रैबीज दिवस समारोह, २०१६

विश्व रैबीज दिवस समारोह, २०१६

आईसीआरआईएसएटी (इक्रिसैट) सिमिट (सीआईएमएमआईटी), मैक्सिको, आईएफपीआरआई, कार्नेल, इलिनॉय, जॉर्जिया, डेनमार्क और विभिन्न डीबीटी और आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों जैसे केंद्रों के साथ हमारा शोध सहयोग जारी है। संस्थान के ११ विभागों और तीन इकाइयों अर्थात्, डेयरी फार्म, कृषि फार्म और कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संपन्न अनुसंधान, विकास और विस्तार गतिविधियाँ, उत्कृष्ट और अत्यधिक प्रशंसनीय रहे हैं। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आईसीएआर) की प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा के लिए संस्थान के पांच छात्रों का अंतिम रूप से चयन किया गया। इसके अलावा, ११ कंपनियों और एनजीओ जिन्होंने संस्थान के प्लेसमेंट सेल के माध्यम से कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया, के द्वारा एक या दूसरी सेवा के लिए ५२ नव स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों का चयन किया गया, ०७ छात्र सहायक प्रोफेसर/वैज्ञानिक और ३५ छात्रों को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येतावृत्ति (आईसीएआर-जेआरएफ) परीक्षा और अन्य प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल की परीक्षाओं में सफलता मिली।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस, २०१६

वार्षिक दिवस

वार्षिक दिवस पर रंगोली बनाती छात्राएँ

वार्षिक दिवस पर छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुति

वार्षिक दिवस के अवसर पर रस्साकशी करते कर्मचारी

खेलकूद प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्र

प्रो. पंजाब सिंह सम्मान प्राप्त करते हुए

संधारणीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : विज्ञान से व्यवहार तक

वर्तमान वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियाँ

- नव-स्थापित पशुपालन और पशु विज्ञान के संकाय के तहत बीवीएससी के नए पाठ्यक्रम में ३० छात्रों को प्रवेश दिया गया।
- पंचम डीन समिति की संस्तुतियों को लागू कराया गया, तदनुसार पाठ्यक्रम विषयवस्तु (कोर्स क्यूरिकुला) को संशोधित और बीएससी (कृषि) ऑनर्स के नामांकन को मंजूरी दे दी गई।
- भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद (आईसीएआर) से वित्तीय सहायता के साथ खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) का नया केंद्र स्थापित किया गया।
- ग्लैडीओलस की तीन प्रजातियों यथा, मालवीय किरण, मालवीय शताब्दी और मालवीय कुंदन का विमोचन किया गया।
- संस्थान का पुस्तकालय अब आईसीएआर की ई-ग्रंथ की कृषिकोश वेबसाइट से जुड़ गया है और छात्रों की खुली पहुंच के लिए विभिन्न विभागों की ४५९ पीएच.डी. और एम.एससी. (कृषि) थीसिस अपलोड की गई है।
- वाराणसी के प्रक्षेत्र गृहों के लिए फसलों, पशुधन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मशरूम, बाग और मूल्यवर्धन घटकों के साथ सिंचित परिस्थिति के लिए एक हेक्टेयर आईएफएस मॉडल विकसित किया गया जिससे शुद्ध वार्षिक आय रु.३६४४९९ दर्ज की गई।
- बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिए, उच्च गुणवत्ता वाली फसलों के लिए एक कुशल आपूर्ति श्रृंखला मॉडल विकसित किया गया और किसानों के बीच मूल्य के सटीक पूर्वानुमान का प्रसार प्रभावी ढंग से किया गया।
- रिटॉर्ट तकनीक का इस्तेमाल करके त्वरित (इंस्टेंट) मशरूम सूप विकसित किया गया।
- भारतीय आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन सोसाइटी से एचयूडब्ल्यू-१२ किस्म के लिए सर्वोत्तम गेहूँ प्रजाति पुरस्कार प्राप्त।
- एआईसीआरपी चावल के लिए उत्कृष्ट शस्य-वैज्ञानिक कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वर्तमान वर्ष में ७१ छात्रों को बैंकिंग क्षेत्र में अधिकारी, ४२ को सहायक प्रोफेसर/वैज्ञानिक, ५४ को केंद्रीय और राज्य सेवाओं में और ११२ छात्रों को विभिन्न कंपनियों और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न सेवाओं के लिए चयनित किया गया।
- वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त कुल आईसीएआर विकास अनुदान २.०४ करोड़ रुपए था।
- वर्तमान वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा ४ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/ कार्यशालाओं और २७ राष्ट्रीय सम्मेलनों/ कार्यशालाओं/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- संस्थान ने प्राकारबाह्य शोध से ३३.१८ करोड़ रुपये जुटाए हैं।

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय

- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने २०१६-१७ सत्र के लिए पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन में स्नातक के प्रथम बैच का नामांकन (की भर्ती) कर लिया है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बरकच्छा, मिर्जापुर के राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर एक 'पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर' का संचालन सफलता पूर्वक किया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा चुने हुए गाँव जयापुर में दिनांक २९ अप्रैल, २०१६ को किया गया।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय, आई.ए.एस. काहिविवि के द्वारा विश्व पशु चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का आयोजन के.एन.उडुपा सभा भवन में दिनांक ३० अप्रैल, २०१६ को किया गया।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने ''भेड़ व बकरी पालन तथा ग्रामीण युवाओं के लिए क्षमता निर्माण'' पर छः दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम दिनांक ०७ सितम्बर, २०१६ को सफलता पूर्वक संपन्न किया।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने विश्व रैबीज दिवस पर दिनांक २८ सितम्बर, २०१६ को पशु चिकित्सा तथा हेतु विज्ञान संकाय, आई.ए.एस में एक ''टीकाकरण तथा स्वच्छता कार्यक्रम'' का सफलतापूर्वक संचालन किया।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने कार्यों की पहल सफलतापूर्वक की है तथा संकाय नियुक्ति, विभिन्न विभागों का विकास, इमारत निर्माण, प्रयोगशाला समायोजन, पशु चिकित्सा अस्पताल को खोलना, कुक्कुट पालन का विकास इत्यादि।
- पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एवं ए.एच.) को चलाने के लिए भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् से सफलता पूर्वक अनुमति प्राप्त कर ली है।
- मरीजों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम हेतु अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में एल.ई.डी टी.वी. संस्थापित किए गए।
- रक्त बैंक सुविधाओं में बढ़ोत्तरी। रक्त बैंक में ए.बी. एकाउण्ट जाँच की नई इकाई शुरू की गयी।

पाठ्येतर गतिविधियां

- (क) विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान, आई.ए.एस संकाय के द्वारा 'पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर' की व्यवस्था। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा चुने गए गाँव जयापुर में २९ अप्रैल, २०१६ को किया गया।
- (ख) विश्व रैबीज दिवस पर दिनांक २८ सितम्बर, २०१६ को पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय, आई.ए.एस में 'टीकाकरण तथा क्रीमीरोधी कार्यक्रम' का आयोजन।

सृष्टि २०१७

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय के पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन (B.V.Sc & A.H.) स्नातक के प्रथम बैच के छात्रों ने सृष्टि २०१७ में भाग लिया। लगभग सभी छात्र इस कार्यक्रम के साक्षी बने लेकिन केवल दो छात्रों ने वाद-विवाद में भाग लिया। वाद-विवाद में भाग लेने वाले छात्र थे: १. राम नरेश २. सदेश चौधरी

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय के लिए यह बडे.ही हर्ष का क्षण था क्योंकि (B.V.Sc & A.H.) के प्रथम बैच के छात्रों ने कार्यक्रम में न केवल भाग लिया बल्कि दर्शकों को अपनी उपस्थिति का आभास भी कराया

परिसर विकास इमारत के कार्यक्रमों, नई इमारतों के निर्माण का आरम्भ या रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान पूर्ण किए गए इमारतों की संक्षिप्त रिपोर्ट।

(क) काहिविवि के रा.गां.द.प., बरकच्छा, मिर्जापुर में पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(ख) पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने कुक्कुट पालन तथा पशु चिकित्सा नैदानिक शिक्षण संकुल से संबंद्ध कार्य प्रारंभ कर दिया है।

मौजूदा अध्यादेशों को निश्चित करने के लिए तथा नियमों आदि को तैयार करने हेतु नये अध्यादेशों/संशोधनों को सूत्रबद्ध करना। दीक्षान्त/महत्वपूर्ण आयोजनों के उपरोक्त फोटोग्राफ के अतिरिक्त, आपके संस्थान/ संकाय/ विभाग/ इकाईयों में आयोजित अन्य समारोहों को भी वर्तमान सत्र के वार्षिक रिपोर्ट में सम्मिलित किया जाना अपेक्षित है।

स्पन्दन २०१७

'स्पन्दन' काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के परिसर में होने वाले सबसे वृहद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में से एक है। संकाय प्रमुख, प्रोफेसर रमा देवी निम्मनापल्ली ने पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन के सभी छात्रों को इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय के छात्र सलाहकार, डॉ. नरेश कुमार सिंह ने भी समय-समय पर पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन के स्नातकों के प्रथम बैच के छात्रों में उनके तैयारी के समय साहस तथा उर्जा का संचार किया जिसके परिणम स्वरूप प्रत्येक छात्र ने स्पन्दन-२०१७ में अपनी भागीदारी में पूर्ण क्षमता लगा डाली। (B.V.Sc & A.H.) के प्रथम बैच का नेतृत्व राम नरेश (दल नेता) तथा अखिलेश वर्मा (सह.नेता) ने किया।

B.V.Sc & A.H. के प्रथम वर्ष के छात्रों की भागीदारी ने उन्हें निश्चित ही काहिविवि के परिसर तथा इसके विविध शैक्षिक उत्कृष्टाताओं के साथ संघटित किया होगा।

सर सुन्दरलाल अस्पताल, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

२.१.१.२. चिकित्सा विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान में तीन संकायों अर्थात् आधुनिक चिकित्सा, आयुर्वेद और एक नर्सिंग कॉलेज के साथ दंत चिकित्सा विज्ञान शामिल है। १९२२ में आयुर्वेद एक विभाग के रूप में शुरु किया गया जिसने १९२७ में एक अलग आयुर्वेदिक महाविद्यालय का रूप लिया। १९६० में इसे मेडिकल साइंस कॉलेज में परिवर्तित कर दिया। पद्मश्री प्रो. के.एन. उडुपा की समर्पित भक्ति एवं अथक प्रयास से कॉलेज को चिकित्सा विज्ञान संस्थान के रूप में सन् १९७१ में उन्नत किया गया। सन् १९७८ में संस्थान को दो संकायों चिकित्सा एवं आयुर्वेद संकाय में विभाजित किया गया। चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पूरे देश में एक अद्वितीय संस्थान है, जहाँ आधुनिक चिकित्सा एवं आयुर्वेद समानान्तर में बढ़ रहे हैं और विकल्प आधारित सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। पिछले तीन दशकों के दौरान विकास अभूतपूर्व हुआ और वर्तमान में संस्थान में ५० विभाग हैं, चिकित्सा संकाय में २५ सामान्य एवं ११ सुपरस्पेशिलिटी विभाग के साथ एक सुसज्जित प्रयोगशाला है, जहां विभिन्न तरह की जांच होती है। संस्थान के आयुर्वेद संकाय में १५ विभाग एवं एकल विभाग के साथ दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय एवं नर्सिंग कॉलेज है।

संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में भर्ती छात्रों के लिए उन्नत शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध है। शरीर विज्ञान विभाग के अन्तर्गत संस्थान में स्थापित इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप एक अद्वितीय उपलब्धि है, जो विश्वविद्यालय के सभी शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। इंटरनेट सुविधा के साथ संस्थान पुस्तकालय रविवार और सभी छुट्टियों में भी २४ घण्टे खुला रहता है। लगभग सभी इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ ही छात्रावासों के छात्रों को इंटरनेट की सुविधा भी प्रदान किया गया है। सन् २००६ में संस्थान ने जनसंख्या, शिक्षा, विस्तार और अनुसंधान (कैपरे) का एक अनूठा केन्द्र स्थापित किया, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित किया गया है। सन् १९६० में आधुनिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी/एमएस) में १३४ सीटें आवंटित है। ११ सुपरस्पेलिटीज में कुल २४ सीटें हैं। देश में बायोस्टैटेशियन की जरूरतों को पूरा करने के लिए १० सीटों के साथ स्वास्थ्य स्टैटिसटिक्स स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए सामुदायिक चिकित्सा विभाग में सन् २००४ में प्रारम्भ किया गया जो अब बढ़कर सीटों की संख्या २१ हो गई है। संस्थान के प्रमुख उद्देश्य के अन्तर्गत १५० से अधिक छात्र अन्तरविषयक अनुसंधान में अध्ययनरत हैं। इसके अतिरिक्त तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कई डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स चलाये जा रहे हैं। जैसे नि:संज्ञा विभाग में पी.डी.सी.सी., पैथोलॉजी विभाग में डी.एम.एल.टी., रेडियोथिरैपी विभाग में मेडिकल टेक्नोलॉजी एवं वृक्क रोग विभाग में डायलिसिस थिरैपी में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। आयुर्वेद संकाय में स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ए.एम.एस.) ६० सीटों के साथ, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.डी./एम.एस.) सभी विभागों में ३० सीटों के साथ चल रहा है। इस संकाय में लगभग १०० शोध छात्र पंजीकृत हैं।

इसके अलावा मातृ एवं शिशु देखभाल में पी.जी. डिप्लोमा, प्रसव विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स, पंचकर्म में पी.जी. डिप्लोमा, क्षार कर्म में पी.जी. डिप्लोमा मानव संस्थान को समृद्ध कर रहे हैं। द्रव्य गुण विभाग के अन्तर्गत २०० औषधीय पौधों वाले १० एकड़ में एक औषधीय पौधशाला उद्यान इन पौधों के नये गुणों की तलाश में प्रयास कर रहा है। रस शास्त्र विभाग में एक हार्बेरियम और क्रूड ड्रग्स संग्रहालय का रखरखाव है। जिसमें ४५० हार्बेरियम नमूनों का समावेश है। पंचकर्म विभाग विभिन्न रोगों में क्रान्तिकारी उपचार प्रदान करता है। शल्य तंत्र विभाग के अन्तर्गत क्षारसूत्र इकाई, जो आयुष मंत्रालय द्वारा काफी महत्व दिया जा रहा है, गुदा रोग से पीड़ित रोगी उससे लाभान्वित हो रहे हैं।

दंत विज्ञान संकाय के अन्तर्गत स्नातक पाठ्यक्रम (बी.डी.एस.) ५० सीटों के साथ १२ सीटों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.डी.एस.) एवं दंत मैकेनिक व दंत हाजिनिस्ट में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। नर्सिंग कालेज प्रत्येक वर्ष १०० छात्रों के प्रवेश के साथ कुशल मानव संसाधन विकसित करने का एक अच्छा स्रोत है।

विश्वविद्यालय अस्पताल (सर सुन्दरलाल चिकित्सालय) इस क्षेत्र के रोगियों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसमें कुल १५० बेड हैं जिसमें १८२ बेड आयुर्वेद, २४५ बेड डी.एम./एम.सी.एच. उच्च विशेषज्ञता वाले छात्रों के शिक्षण व प्रशिक्षण के लिए ३३४ बेड पूर्ण रूपेण सुसज्जित ट्रामा सेन्टर का सम्मिलित है। ४० बेड निजी वार्ड एवं १०० बेड आपातकालीन सेवाओं में एव २७ बेड आई.सी.यू. के लिए आवंटित है। जो मरीजों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में एकमात्र तृतीयक देखभाल स्तर के अस्पताल संस्थान से जुड़ा सरसुन्दरलाल अस्पताल है। कर्मचारी स्वास्थ्य केन्द्र और छात्र स्वास्थ्य केन्द्र परिसर संस्थान से जुड़े हैं जो २०,००० छात्रों और ६०,००० विश्वविद्यालय कर्मचारियों के सदस्यों को चिकित्सा कवरेज प्रदान करते हैं। अस्पताल पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी विहार और इसके आस-पास के क्षेत्रों की विशाल जनता को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। बनारस शहर के अस्पतालों का यह रेफरल हास्पिटल है। डी.एल.डब्ल्यू., सैनिक अस्पताल, एन.टी.पी.सी., कोल इण्डिया, भेल आदि सरकारी संस्थानों से भी रेफर मरीज यहां आते हैं। मूलत: सर सुन्दरलाल चिकित्सालय स्नातक छात्रों (एम.बी.बी.एस./ बी.ए.एम.एस./बी.डी.एस.) के लिए प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराता है। स्नातकोत्तर छात्रों (एम.डी./एम.एस.) डी.एम./एम.सी.एच., नर्सिंग एवं शोध छात्रों को भी सीखने का उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। संस्थान की गुणवत्ता को देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रधानमन्त्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत ३३४ बेड वाला ट्रामा सेन्टर बनाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी। इस अस्पताल के ब्लड बैंक को नाको द्वारा 'ए' ग्रेड दिया गया और एक करोड़ सैंतीस लाख कीमत की एक ब्लड बैंक वैन उपलब्ध कराया। अस्पताल में कलर डाप्लर, अल्ट्रासोनोग्राफी, पी.पी.पी. मॉडल के अन्तर्गत ६४ स्लाइस सी.टी. स्कैन, १.५ टेस्ला एम.आर.आई. इसके अतिरिक्त अस्पताल में कन्वेन्सनल रेडियोलॉजिकल इन्वेस्टीगेशन, विडियो इंडोस्कोपी, लेजर सुविधा, डेक्सा मशीन, हारमोनिक सर्जिकल नाइफ, हर्ट लंग मशीन, सी-आर्म विद डी.एस.ए. आदि उपकरण उपलब्ध हैं। अस्पताल में आई.सी.यू., कार्डियक कोरोनरी यूनिट आदि वयस्कों के लिए पेडियाट्रिक इन्टेन्सिव केयरयूनिट एवं पेडियाट्रिक सर्जरी केयर यूनिट बच्चों के लिए स्थापित है। सर सुन्दरलाल चिकित्सालय चौबीसों घंटे अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इस चिकित्सालय में जांच एवं प्रसव कक्ष की भी सुविधायें हैं।

सन् २०१६ में बहिरंग रोगियों की संख्या १५२४४९९ एवं भर्ती मरीजों की संख्या ५८३९० थी। २०१६ में छोटा, बड़ा कुल ३०४१२ आपरेशन हुआ और ४९४ रोगी आपातकालीन चिकित्सा प्राप्त की। इसी सत्र में कुल २७८८ प्रसव सम्पन्न कराये गये। सी.सी.आई. द्वारा

२२७७८५३ विभिन्न प्रकार की जांच की। सरसुन्दरलाल चिकित्सालय में बहुत सी विशिष्ट क्लीनिक चल रही हैं। जिनमें विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति होती है जैसे बेबी क्लीनिक एवं टीकाकरण क्लीनिक, जेरियाट्रिक क्लीनिक, नशा उन्मूलन क्लीनिक, घाव क्लीनिक, डाट्स क्लीनिक, एडोलसेन्ट एण्ड मेनोपाजल क्लीनिक, हेमैटोलॉजी क्लीनिक, ग्लूकोमा क्लीनिक, क्षारसूत्र क्लीनिक, ए.आर.टी. क्लीनिक, पोस्ट पार्टम, मधुमेह व्यवधान क्लीनिक, बाल हेमैटोलॉजी-आंकोलॉजी, यूनिट थैलासीमिया डे केयर यूनिट, रिमैटोलॉजी क्लीनिक एवं डाइटेटिक्स क्लीनिक, मेडिसिन शाप, पंचकर्म (केरला आयुर्वेद) बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट, अन्नपूर्णा भोजनालय, नेस्लेकाफी कार्नर, अमूल पार्लर, शौचालय, एवं डायलिसिस सुविधाएं आदि प्रमुख हैं।

छात्रों का योगदान

वर्तमान सत्र के दौरान स्नातक, जूनियर रेजीडेंट्स, सीनियर रेजीडेंट्स और शोधछात्रों ने कई पुरस्कार जीते हैं और १०० से अधिक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है और शोध पत्र प्रस्तुत किये हैं।

समझौता ज्ञापन

संस्थान का शैक्षणिक, अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए विभिन्न संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन है, ये निम्न हैं-

- राष्ट्रीय कौशल केन्द्र स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
- वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के साथ समझौता।
- शैक्षणिक सहयोग के लिए स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मारीशस।
- अनुसंधान सहयोग के लिए सेंट जार्ज विश्वविद्यालय, लंदन।
- शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी, आयरलैण्ड।
- पी.पी.पी. मॉडल के तहत बाल चिकित्सालय के हेमोडायलिसिस का निर्माण।

संस्थान के प्रख्यात आंगतुक

७० से अधिक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने संस्थान के विभिन्न विभागों का दौरा किया और शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में अतिथि व्याख्यान दिया। उनमें से राष्ट्रीय आंगतुकों में प्रो. एम.के. अरोड़ा, एम्स, नई दिल्ली, प्रो. पी. भट्टाचार्या, वाराणसी, प्रो. सी. स्वामी-बंगलोर, प्रो. डी. चटर्जी- अध्यक्ष, इण्डियन एकेडमी ऑफ साइंस- बंगलोर, प्रो. एस.मजूमदार, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेन्टल रिसर्च, मुम्बई, प्रो. एच.पी. पाती, एम्स, नई दिल्ली, प्रो. एस. पाण्डेय, जी.बी. पन्त हास्पिटल, नई दिल्ली, प्रो. एम भूषण सिंह, एम्स, नई दिल्ली, प्रो. ए. मिश्रा- मेघालय, डॉ. यू.के. सिन्हा, आई.एच.बी.ए.एस., नई दिल्ली, प्रो. एस. गोपाल जी, वाराणसी, प्रो. बी.एम. शुक्ला, पूर्व कुलपति, गोरखपुर, प्रो. एस. प्रधान, एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ, प्रो. एस. कुशवाहा, नई दिल्ली, डॉ. ओ.पी. टकर, नई दिल्ली, प्रो.एस.के. गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, प्रो. बी. मेधी, चंडीगढ़, डॉ. जे. देसाई, डॉ. एम. भण्डारी, प्रो. डी. दलेला, लखनऊ, श्रीमती वी.श्री गणेश, सी.ई.ओ., मुम्बई, प्रो. अनिल दत्त, हिमाचल प्रदेश, प्रो. एस.सी. वार्ष्णेय, वर्धा, प्रो. पी. भट्टाचार्य, डीन, शिलांग, डॉ. राम अवध विश्वकर्मा, निदेशक, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, (सी.एस.आई.आर.) आदि। २० जनवरी २०१५ को चीन दूतावास के प्रतिनिधियों ने संस्थान को देखा। २२ देशों के राजदूतों ने श्रीलंका और नेपाली प्रतिनिधियों ने भी पंचकर्म विधा को देखा। डॉ. डी. मजूमदार, अध्यक्ष प्रो. अनिल चन्द्रा, लखनऊ, प्रो. मोहन गुनडप्पा, तीर्थंकर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, डॉ. रेखा शर्मा, दन्त चिकित्सा विज्ञान संस्थान, प्रो. बी.डी. शर्मा, स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, रोहतक आदि ने भी संस्थान का दौरा किया। अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने भी संस्थान का दौरा किया, उनमें प्रो. आर. टण्डन, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यू.के., प्रो. मेरी विल्सन, यू.एस.ए., डॉ. उपासना गौड़, यू.एस.ए., डॉ. अल्बर्ट पिकाडो, यू.के., डॉ. इप्वो हक्सर बेल्जियम, डॉ. डेविड, यू.एस.ए., डॉ. नसीम अख्तर, यू.एस.ए., प्रो. जेनेफर ब्लैकवेर्स, आस्ट्रेलिया, डॉ. एम. फैकियोला, यू.के., डॉ. क्रिश्चियन इंगवर्डा, आस्ट्रेलिया, प्रो. पाल एम. काये, यू.के., डॉ. फिलिप देशजेउक्स, यू.एस.ए., डॉ. सुसाने नाइलेन, मुरारीलाल दास, नेपाल, डॉ. ए.के. मण्डल, यू.एस.ए., प्रो. विजय तिवारी, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., एवं प्रो. आर.पी. अग्रवाल, मियामी विश्वविद्यालय, फ्लोरिडा, यू.एस.ए., डॉ. अर्चना आदि प्रमुख थे।

संस्थान द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रम

विभिन्न नैदानिक विभागों द्वारा वर्ष पर्यन्त सतत आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर एवं मेला थे। विशेष आउटरीच कार्यक्रमों में तम्बाकू से होने वाले कैंसर से रोकथाम के विषय में जागरूकता पैदा करना, सी.ए. फेफड़ा, सी.ए.ओसोफेगस, आर.एच.डी. का नियन्त्रण, ट्यूबरकुलर इमप्लाइमा के लिए रोकथाम और शिक्षा एवं रोगियों के लिए क्या करना है और क्या नहीं करना है के सम्बन्ध में जागरूकता। हस्त प्रक्षालन दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व एड्स दिवस, स्तनपान सप्ताह, मधुमेह स्क्रीनिंग शिविर, रक्तदान शिविर आदि का आयोजन किया गया। मिर्गी रोग में जागरूकता के लिए गांवों व स्कूलों में शिविर लगाया गया। तनाव प्रबन्धन के लिए कार्यशाला एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। कुछ कार्यशालाओं में यूरोलॉजी विभाग द्वारा आपरेशन का जीवन्त प्रदर्शन किया गया। कई दंत शिविरों का आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त बहुत से स्वास्थ्य रक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें रोगों से बचाव प्रमुख था।

भविष्य का लक्ष्य

- राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा विज्ञान संस्थान का उन्नयन।
- क्षेत्रीय कैंसर केन्द्र की स्थापना।
- अंग प्रत्यारोपण के लिए केन्द्र की स्थापना।
- कार्डियक साइंस के लिए केन्द्र
- सर्जिकल, एनेस्थीसिया, डेंटल सुपर स्पेशिलिटी विभाग का विकास

- उन्नत वायरल रिसर्च एण्ड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी
- उन्नत विष विज्ञान केन्द्र की स्थापना
- आपातकालीन चिकित्सा विभाग की स्थापना
- शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए न्यूरोलॉजी केन्द्र की स्थापना करना।
- आयुर्वेदिक दवाओं के मानवीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक सुविधायुक्त प्रयोगशाला की स्थापना करना।
- आयुर्वेदिक प्रीवेंटिव मेडिसिन और भोग में उत्कृष्टता का केन्द्र स्थापित करना।
- एम.डी./एम.एस., एम.डी.एस. के विभिन्न विभगों में सीटों को प्रारम्भ /बढ़ोत्तरी करना।

नर्सिंग कॉलेज

नर्सिंग कॉलेज का स्तरोन्नयन कर नर्सिंग कालेज की मान्यता दी गई और उसमें चार वर्षीय बी.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम की शुरूआत २००९-२०१० में ६० छात्रों के प्रवेश के साथ किया गया जो बाद में सीटों की संख्या बढ़कर १०० हो गयी। बी.एस.सी. (नर्सिंग) की १९ छात्रों ने केमोथिरेपी एरर एण्ड पैथेटिक पेलेएटिव केयर रियोटोरिज्म टू क्लीनिकल कम्पीटेन्स, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता दर्ज की। बी.एस.सी. (नर्सिंग) की छात्रों ने एल्युमनी मीट में भाग लिया। कॉलेज द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

भविष्यमत लक्ष्यः इग्नू के माध्यम से एम.एस.सी. (नर्सिंग) एव बी.एस.सी. (नर्सिंग) का प्रारम्भ।

चिकित्सा संकाय

विद्यार्थियों/आवसीय चिकित्साकों द्वारा किए गए कार्य

नि:संज्ञा विभाग

- हाँगकांग में आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ एनेस्थिसियोलॉती-२०१६ में भाग लेने हेतु डॉ. विशाल कृष्ण पई, जे.आर.-३ को डब्ल्यू.एफ.एस.ए. बेक्स्टर स्कालर अवार्ड प्राप्त किया।
- डॉ. रोनक राजन मानकांड ने ''उ.प्र. क्रिटिकॉन'' २०१६ के पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. अमिया बारिक ने ''उ.प्र. आईसाकांन'' २०१६ में डॉ. डी. वर्मा श्रेष्ठ पी.जी. पेपर अवार्ड, टी.एन. झा एवं चंदसोरिया ग्रांट के साथ क्विज प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- डॉ. कुमारी स्नेह ने रेस्पकॉन २०१६ के पोस्टर प्रेजेंटेशन में उषा मेहता अवार्ड प्राप्त किया।

आईएमएस के विभाग मरीज का उपचार करते हुए

शरीर रचना विभाग

- रश्मि प्रीति, डॉ. दीपशिखा, डॉ. एस. खन्ना एवं डॉ. दीपशिखा ने विभिन्न संगोष्ठियों में सहभागिता की।
- डॉ. रूबी भोला एवं प्रो. रोयना सिंह को "यू.पी. एसिकान २०१६" में वेस्ट पेपर अवार्ड मिला।
- रश्मि, शारदा, प्रीति, बरखा(पी.एच.डी.) एवं समता, दीपशिखा, रूबी ने उ.प्र. चैप्टर ऑफ एनाटामी की संगोष्ठी २०१६ में शोध पत्र प्रस्तुत किए।
- डॉ. रूबी भोला एवं प्रीति को क्रमश: आई.सी.एम.आर. तथा यू.जी.सी. फैलोशिप प्रापत हुई।
- बरखा ने बी.एच.यू. आर.ई.टी. प्राप्त की।
- डॉ. एस. खन्ना ने टी.ई.एम. तथा इम्बरोलॉजी ट्रेनिंग प्राप्त की।

जैव रसायन विभाग

- डॉ. रेणु कुमारी तथा डॉ. रोशनी गविल को एम.डी. तथा डॉ. अखिलेश कुमार वर्मा को पीएच.डी. डिग्री अवार्ड हुई।

कार्डियोलॉजी विभाग

- प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभागिता की गई एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन में ८ पत्र प्रस्तुत किए।

इण्डोक्रिनोलॉजी एण्ड मेटाबोलिज्म विभाग

- रासकान २०१६ में छात्रों द्वारा सहभागिता की गई। शोध छात्रों ने २१ दिवसीय तथा १० दिवसीय क्रमश: सांख्यिकी तथा एक्सेल न एसपीएसएस पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

कान, नाक, गला विभाग

- डॉ. पूर्णिमा जोशी ने अखिल भारतीय यंग जेनिक चैपियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

फोरेन्सिक मेडिसिन विभाग

- डॉ. मयंक गुप्ता, डॉ. शमीम खा, डॉ. नीलेथ शाक्य एवं डॉ. पियूष कुमार गंगवार ने राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभागिता की।

गेस्ट्रोएनट्रोलॉजी विभाग

- डॉ. राजू कुमार, डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एवं डॉ. मंजर हुसैन उस्मानी ने शोध संक्षेपिका प्रस्तुत की।

जनरल मेडिसिन विभाग

- डॉ. सात्विक चढ़ार ने हेमटोकान, जयपुर में पोस्टर प्रेंजेटेशन किया तथा राज्य एवं जोनल स्तर पर पुरूस्कार प्राप्त किए।
- डॉ. शुभम, डॉ. रूद्र, डॉ. अमित, डॉ. सौरभ, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. शरद, डॉ. शिवम, डॉ. कुंवर, डॉ. प्रियंका, डॉ. आनंद, डॉ. अभिषेक, डॉ. चंदन, डॉ. सौम्यनील, डॉ. रोहित, डॉ. अवधेश एवं डॉ. सिद्धांत ने विभिन्न संगोष्ठियों में सहभागिता की तथा शोध पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किए।
- अभिषेक कुमार सिंह, श्री ओमप्रकाश सिंह तथा नीतू को १७वीं आई.सी.आई.डी. २०१६ में अवार्ड प्राप्त हुआ।
- अभिषेक कुमार सिंह को राष्ट्रीय गौरव अवार्ड, एएआई इंटरनेशनल ट्रेवल अवार्ड सहित अन्य अवार्ड प्राप्त हुए।
- भावना सिंह ने इटली के मौलीक्यूलर बायोलॉजी की कार्यशाला में भाग लिया तथा अनेक अन्य अवार्ड प्राप्त किए।

माइक्रोबॉयलॉजी विभाग

- डॉ. मीनष कुमार पूर्व तथा डॉ. सौरभ पाल ने सी. आई. डी. एस. सी. ओ. एन. २०१६, टी. आर. ओ. पी. ए. सी. ओ. एन. २०१६ तथा यू.पी. माइक्रोकॉन २०१६ में सहभागिता की तथा पोस्टर प्रस्तुत किया। इनके द्वारा राष्ट्रीय शोध पत्रिका में भी शोध पत्र प्रकाशित हुए।
- डॉ. चन्द्र भान प्रताप की डी.एस.टी. फास्ट ट्रेक यंग साइन्टिस्ट तथा यू.जी.सी. पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप प्राप्त हुई।
- पल्लवी सिन्हा तथा आशीष कुमार सिंह के क्रमश: २ एवं ०१ शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए।

न्यूरोलॉजी विभाग

- आवासीय चिकित्साकों द्वारा राष्ट्रीय खेल में भाग लिया। पेपर प्रस्तुत किए तथा अकादमिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

- डॉ. गायत्री तथा डॉ. आभा ने एस.ए.वी.एम.ए. २०१६ इलाहाबाद में क्रमश: प्रथम एवं तृतीय स्थान पेपर प्रेजेटेशन में प्राप्त किया।
- डॉ. आकांक्षा तथा डॉ. निमिता ने तात्कालिक ऑल इण्डिया फोगसी फोर्स २०१६ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

नेत्र रोग विभाग

- छात्रों ने शोध कार्य एवं आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत नेत्र चिकित्सा शिविर में अपनी सहभागिता दर्ज की।

पैथोलाजी

- डॉ. मयूराक्षी दास ने विभिन्न क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया तथा शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।
- डॉ. मो. फैयॉज ने पैथकॉन २०१६ एवं यू.पी. सी.वाई.टी.ओ.सी.ओ.एन. २०१६ में पेपर प्रस्तुत किए।
- डॉ. अन्देब जेहरा जेआर-३ प्रेजेन्टेड पेपरस इन यूपी पैथकॉन-२०१६ यूपी साइटोकॉन-२०१६।
- डॉ. सचिदानन्द सिंहा, जेआर-३ प्रजेन्टेड पोस्टरस इन यूपी साइटोकॉन-२०१६ और यूपी पेथकॉन-२०१६।
- डॉ. पंकज पाण्डेय, जे.आर.३ने अप्पटकॉन-२०१६ में मौखिक प्रस्तुति दी।
- डॉ. अमितेश कुमार सिंह, जे.आर.-२ ने उत्तर प्रदेश पैथकॉन,२०१६ झाँसी में लेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. स्तुति कुमारी व डॉ निवेदिता महतो, जे आर २ ने उत्तर प्रदेश सायटोकॉन,२०१६, अप्पटकॉन-२०१६तथा हेमटोकॉन, २०१६ में पोस्टर प्रस्तुत किया।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान के वार्षिक दिवस का शुभारम्भ

आयुर्वेद संकाय के स्वास्थ्य मेले की झाँकी

- डॉ. रिशिला मजूमदार, जे.आर.-२ ने यूपी सायटोकॉन,२०१६ यूपी साइटोकॉन, २०१६ हेमटोकॉन, २०१६ में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अपूर्व अग्रवाल, जे आर-२ यूपी साइटोकॉन, २०१६ में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. दीपशिखा, जे आर -२ ने पैथोलोजी, हिस्टोपैथालोजी तथा साईटो पैथोलोजी में अंतर्राष्टीय सी.एम.ई, २०१६ यूपी साइटोकॉन तथा यूपी पैथोकॉन-२०१६ में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. दिव्या सिंह जे.आर.-१ अपटोकॉन २०१६झाँसी में ''प्राथमिक स्वरयंत्र एन.एच.एल.-एक मामले की रिपोंट'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. नेहा गुप्ता, जे.आर.-१ ने अपटोकॉन, २०१६ गोरखपुर में ''कुष्ठ रोग-लिम्फाडेनोपैथी का एक दुर्लभ कारक – दो मामलों की रिपोंट'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया
- डॉ. एस.वुणु, जे.आर.-१ ने यूपी पैथोकॉन-२०१६ झाँसी में ''गर्भाशय ग्रीवा का सौम्य परिवाहक टूयूमर (गर्भाशय ग्रीवा का मायोपेरी –साइटोमा- एक दुलर्भ मामले की रिपोंट)'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुत किया।

बाल चिकित्सा

- डॉ. प्रशान्त छाबड़ा ने हेमटोकॉन २०१६ जय पुर में रूधिर विज्ञान प्रश्नोत्तरी में (राष्ट्रीय दौर) भाग लिया।
- डॉ. अभिजित तथा डॉ. विद्या ने पेडीकॉन २०१७ बैगंलोर में पी.जी. प्रश्नोत्तरी (राष्ट्रीय दौर में भाग लिया।
- ६ स्नातकोत्तर छात्रों ने राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किया।

औषध विज्ञान

- सुश्री देवप्रिया, शोध छात्रा को सिंगापुर में अंतर्राष्ट्रीय फार्मेको-इकोनोमिक सम्मेलन में भाग लेने तथा शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिनियुक्ति प्रदान किया गया।
- श्री दिनेश कुमार, शोध छात्र ने विशेष अध्येतावृत्त पुरस्कार के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय फार्मा-सह जागरूकता पाठ्यक्रम ,जे एस.एस.चिकित्सा विश्वविद्यालय, मैसूर में भाग लिया।
- डॉ. गोमधी जी., रेजीडेंट ने श्री रामचन्द्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान चेन्नई में 'राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम औषध विज्ञान अनुसंधान तथा शिक्षा तथा नैदानिक औषध विज्ञान में शोध की रूप रेखा पर कार्यशाल में भी भाग लिया।

शरीर –क्रिया विज्ञान

- शुश्री अपर्णा अकेल्ला को पी.एच.डी. उपाधि प्रदान की गयी

प्लास्टिक सर्जरी

- विभाग के रेजीडेंट्स ने राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में भाग लिया
- उन्होंने वाराणसी प्लास्टिक सर्जरी फोरम में बैटरी फटने से हर तरफ के जबड़ा की क्षति के मामले को भी प्रस्तुत किया

रेडियोथेरेपी तथा विकिरण औषधी

- डॉ. रितुषा मिश्रा, वरिष्ठ रेजीडेंट ने अप्रिकोकॉन -२०१६, वाराणसी में सर्वश्रेष्ठ लेख का पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुश्री सजनी, रेजीडेंट चिकित्सा भौतिकी ने एप्रीकॉन-२०१६ में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार प्राप्त किया।

क्षय तथा श्वास रोग

- डॉ. मुजीव रहमान के.के. जे.आर.-२ ने विश्व वक्ष कांग्रेस में भाग लिया तथा लेख प्रस्तुत किया। उन्हें यूरोपियन श्वास संघ तथा भारतीय वक्ष संघ के द्वारा क्रमश: ''युवा वैज्ञानिक रजक प्रायोजकता'' तथा ''युवा वैज्ञानिक'' पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. अवनीश जैन ने टी.वाई.एस.ए. वक्ष प्रश्नोत्तरी का जोनल दौर जीता तथा सितम्बर-२०१६ में यूरोपियन श्वास संघ के वार्षिक सम्मेलन में शोघ पत्र भी प्रस्तुत किया।
- डॉ.मृत्युंज्य सिंह (एस.आर.) डॉ. मोहित भाटिया (एस.आर.) तथा डॉ. मुजीव रेहमान के.के. (जे.आर.) को सितम्बर -२०१६ में यूरोपियन श्वास संघ का वार्षिक सम्मेलन, लंदन में भाग लेने तथा अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए भारतीय वक्ष संघ से रू.५००० का यात्रा अनुदान प्रत्येक को प्राप्त हुआ।
- डॉ. अरवेन्द्र सिंह को भारतीय वक्ष संघ तथा राष्ट्रीय वक्ष चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन नेपकॉन २०१६ मुबई में अपने शोध पत्र को प्रस्तुत के लिए राष्ट्रीय वक्ष चिकित्सा महाविद्यालय का युवा वैज्ञानिक पुरस्कार पाप्त किया।
- डॉ. मोहित भाटिया (एस.आर) डॉ मुजीब रेहमान के.के.(जे.आर.२)डॉ अविनाश जैन, डॉ. बालगोविंद, डॉ. अरवेन्द्र (जे.आर.२), ने भारतीय वक्ष नैपकॉन -२०१६ मुबंई में भाग लिया। उपरोक्त सभी ने पुरस्कार सत्र तेकं अपने-२ लेखों का सार प्रस्तुत किया।

आयुर्वेद संकाय

द्रव्यगुण

- एम.डी. (आयुर्वेद) के द्वितीय वर्ष अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए दिनांक ०६.०१.२०१७ से २१.०१.२०१७ तक एक हर्बल भ्रमण यात्रा का आयेजन किया गया।

कौमारभृत्य बाल रोग

- डॉ. सूरज इंगोले, एम.डी. छात्रा ने एक अंतर्राष्ट्रीय तथा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया एक कार्यशाला में भाग लिया तथा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।
- डॉ. कुमारी वन्दना, एम.डी. छात्रा ने एक अंतर्राष्ट्रीय तथा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में लेख प्रस्तुत किया, तीन कार्यशालाओं तथा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा एम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. अनंत पावड़े, एम.डी. छात्र ने एक कार्यशाला में भाग लिया तथा दो चिकित्सा शिविरों में भी भाग लिया।

- डॉ. अम्बर साहू, एम.डी.छात्र ने एक अंतर्राष्ट्रीय तथा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में लेख प्रस्तुत किया, तीन कार्यशालाओं, एक राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।
- डॉ. अमृता चौधरी, एम.डी.छात्रा ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया, तीन कार्यशालाओं तथा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।
- डॉ. नेहा जायसवाल, एम.डी. छात्रा ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया, दो कार्यशालाओं तथा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।
- डॉ. स्मृति सिंह, एम.डी. छात्रा ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया तथा दो कार्यशालाओं में भाग लिया।
- डॉ. अजीत सिंह यादव, एम.डी. छात्र ने दो कार्यशालाओं में भाग लिया।
- डॉ. राजेन्द्र कुमार, एम.डी. छात्र ने दो कार्यशालाओं में भाग लिया।

काय चिकित्सा

- डॉ. कामोदकुमार शमराव गिरहेपुंजे ने डिबरूगढ़, आसाम में २१-२८ फरवरी २०१६ तक १३वे धनवन्तरी सेवा यात्रा तथा २१अगस्त, २०१६ को भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय स्वास्थ्य सेवा यात्रा में भाग लिया
- डॉ. कामोदकुमार शमराव गिरहेपुंजे ने दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया तथा एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. राजेश जैन ने शिव प्रताप स्मारक संस्था, वाराणसी के द्वारा ३जनवरी,२०१६ को आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
- डॉ. राजेश जैन ने तीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया तथा एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. अमृत गोडबोल दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, पाँच राष्ट्रीय संगोष्ठियों में लेख प्रस्तुत किया तथा एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. अमरेश मिश्रा, को औषधीय पौधों के प्रयोग तथा जीवन शैली प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ लेख प्रस्तुति के पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. ममता तिवारी, भारत सेवा संस्थान , लखनऊ और उत्तरी अमेरिका, यू,एस,ए, के आयुर्वेदिक प्रोफेशनल्स संघ द्वारा योग पतंजली सम्मान से सम्मानित
- पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा शोघ पद्धति पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कृष्णा को सर्वश्रेष्ठ पत्र प्रस्तुतिकरण का पुरस्कार।
- अमन आफताब को तीसरे व्यावसायिक बी.ए.एम.एस. परीक्षा में काय चिकित्सा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए आचार्य वैद्य यदुनन्दन आध्याय स्मृति स्वर्ण पदक व्यावसायिक बी.ए.एम.एस. २०१४ की सभी तीनों परीक्षाओं में कुल मिलाकर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए राम देवी तिवारी स्मृति स्वर्ण पदक और बी.ए.एम.एस. परीक्षा २०१४ के अंतिम वर्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए हिमालय ड्रग कम्पनी द्वारा रूपये १००००/- का आयुर्विशारद सम्मान दिया गया।
- डॉ. आभा सिंह द्वारा चार राष्ट्रीय संगोष्ठियो, एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता, पत्र प्रस्तुति, दो राष्ट्रीय कार्यशालाओं एक स्वास्थ्य शिविर मेला और भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय स्वास्थ्य सेवा यात्रा २०१६ में सहभागिता।
- डॉ. ममता तिवारी, पी.एच.डी. शोधार्थी का म.प्र.लो.से.आ.में स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर चयन।
- डॉ. अमन आफताब द्वारा रस शास्त्र विभाग आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान बी.एच.यू. द्वारा आयोजित 'आयुष मंत्रालय की आयुर्वेद की आवश्यक दवाओं की सूची, शीर्षक संगोष्ठी में सहमार्गता।
- श्रुति सिंह, पी.एच.डी. शोधार्थी द्वारा चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू. के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के बायोस्ट्रैटिस्टिक्स अनुभाग द्वारा 'सांख्यिकी उपकरणों और साफ्टवेयरों के अनुप्रयोग'विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- कृष्णा, पी.एच.डी. शोधार्थी द्वारा एक शोध पत्र प्रकाशित, दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति और एक राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- अरूण कुमार वर्मा, पीएच.डी. शोधार्थी द्वारा एक शोध पत्र प्रकाशित, एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक राष्ट्रीय कार्यशाला में पत्र प्रस्तुत और चार राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- धर्मेन्द्र कैथल, पीएच.डी. शोधार्थी द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और दो राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- दीक्षा सिंह, पी.एच.डी. शोधार्थी द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत और तीन राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- संदीप सिंह,पीएच.डी. शोधार्थी द्वारा शोध पत्र प्रकाशित, चार अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुति और दो राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- रवि कुमार तिवारी, पा.एच.डी. शोधार्थी द्वारा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों और तीन राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- संदीप चौधरी,पी.एच.डी. शोधार्थी द्वारा दो अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में पत्र प्रस्तुति सहभागिता।
- रिंकी कुमारी, पी.एचडी. शोधार्थी द्वारा छ: शोध पत्र प्रकाशित और एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुति सहभागिता।
- डॉ. सौरभ यादव एम.डी. (आयु.) के विद्यार्थी द्वारा दो संगोष्ठियों और एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।
- डॉ. संतोष कुमार रंजन, एम.डी.(आयु.) के विद्यार्थी द्वारा तीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुत और दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों एक राष्ट्रीय कार्यशाला और भारत रत्न पं.मदन

स्वास्थ्य मेला का शुभारम्भ

आई एम एस परिसर में स्वास्थ्य मेला

संस्थान के पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का सम्मान

सर सुन्दरलाल अस्पताल में रसोईघर का शुभारम्भ

एस.एस. हॉस्पिटल में दर्द निवारक एवं शामक वार्ड का उद्घाटन

कैंसर दिवस पर रोगियों की देखभाल

प्रथम वर्ष के कनिष्ठ रेजिडेंटों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का शुभारम्भ

सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान माला का शुभारम्भ

आई एम एस का वसंत पंचमी (झाँकी) समारोह

मोहन मालवीय स्वास्थ्य सेवा यात्ता और स्वास्थ्य शिविर एवं मेला. चि.वि.सं.बी.एच.यू. में सहभागिता।

- डॉ. रवी सिंह द्वारा दो सम्मेलनों, दो कार्यशालाओं और दो सी.एम.ई.में पत्र प्रस्तुति एवं सहभागिता।
- डॉ. विमल प्रकाश द्वारा सम्मेलनों, दो कार्यशालाओं और दो सी.एम.ई. में पत्र सहभागिता।

शालक्य तंत्र

- डॉ. प्रियंका जोशी, पी.एच.डी. शोधार्थी, द्वारा एक सी.एम.ई. में सहभागिता।
- डॉ. अरविन्द गौतम, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा चार संगोष्ठियों में सहभागिता और दो पत्र प्रकाशित।

सिद्धान्त दर्शन

- डॉ. देवानन्द उपाध्याय, एस.आर.और पी.एच.डी. विद्यार्थी द्वारा चार कार्यशालाओं, १२ संगोष्ठियों में सहभागिता और एक पत्र प्रस्तुत।
- डॉ. हिना खातून, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों, एक कार्यशाला में सहभागिता और एक लेख प्रकाशित।
- डॉ. श्रवरी रमाकान्त सरकार, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभागिता और एक लेख प्रकाशित।
- डॉ. सोनम जैन, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुति।
- रविन्द्र सिंह,एम.डी. विद्यार्थी द्वारा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुति और एक संगोष्ठि में सहभागिता।
- अन्य पी.एच.डी. शोधार्थियों द्वारा दस संगोष्ठियों पांच कार्य शालाओं में सहभागिता और सात पत्र प्रकाशित।

स्वास्थवृत्ति और योग

शोध संगोष्ठियों स्नातक स्तर तथा मरीजो के लिए स्वास्थ्य शिविर तथा योगाभ्यास में सक्रिय सहभागिता और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सहभागिता

- योगेश सी गुप्ता, पी .एच.डी. विद्यार्थी द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय और चार राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुति, छः राष्ट्रीय कार्यशालााओं में सहभागिता
- मुकेश कुमार उपाघ्याय, पी.एच.डी. विद्यार्थी द्वारा सात अंतर्राष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत, आठ राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।
- डॉ. दाता राम, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा दो अंतर्राष्ट्रीय और एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत, एक राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- डॉ. विनीता सिंह, एम.डी. विद्यार्थी द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय और एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत, तीन राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सहभागिता।

विकृति विज्ञान

- विभाग के एम.डी.(आयु.) और पी.एच.डी. विद्यार्थी अपनी शोध परियोजनाओं में संलग्न। प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा शोध कार्य संबंधी एक दूसरें से जुड़ी गतिविधियों में समरस सहभागिता।
- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता और पत्र प्रस्तुति।

दंत विज्ञान संकाय

संकाय के सभी रेजिडस्ट्स द्वारा बी.एच.यू वाराणसी में हुई २१वीं आई.ओ.एस.पी.जी. कन्वेन्शन में सहभागिता।

२.१.१.३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसम्बर, २००२ में अपने ५७वें सत्र में वर्ष २००५-२०१४ तक की अवधि के धारणीय विकास हेतु 'शिक्षा-दशक' (डीईएसडी) के रूप में घोषित किया था। डीईएसडी के दृष्टिकोण से धारणीय विकास हेतु शिक्षा से व्यक्तियों, समूहों, समुदायों, संगठनों एवं देशों की संपोष्य विकास के पक्ष में निर्णय लेने तथा विकल्प चुनने की क्षमता विकसित व मजबूत होगी। संयुक्त राष्ट्र के इस दृष्टिकोण के अनुसार उपयुक्त ज्ञान के विकास एवं संपोष्य विकास क्षमता के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने वर्ष २०१० में एक राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान स्थापित किया। वर्ष २०११ में शैक्षिक पदों पर भर्ती की गई।

संस्थान के उद्देश्य धारणीय विकास के बारे में शिक्षा (समाविष्ट के बारे में जागरूकता विकास करना) एवं धारणीय विकास हेतु शिक्षा (संपोष्यता की प्राप्ति हेतु शिक्षा को एक औजार के रूप में उपयोग करना) को शामिल करना है। संस्थान का मिशन ऐसा शिक्षण, शोध व विस्तार कार्य करना है जिससे भविष्योन्मुख भारत का संपोष्य विकास हो तथा गरीबी मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल व समुचित प्रबंधन बरकरार रहे। संस्थान के उद्देश्य- १) पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा को बढ़ाना, इसमें सुधार करना एवं तत्संबंधी शिक्षा प्रदान करना, २) पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए अंतर-अनुशासनिक उपागम में कार्य करना, ३) समुदाय स्तर पर धारणीय सामाजिक एवं आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों और चुनौतियों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने में योगदान करना, ४) धारणीय विकास के संदर्भ में पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याओं की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए एक विचार-विमर्श मंच तैयार करना, वैज्ञानिक चर्चाओं को बढ़ावा देना एवं निर्णयकर्ताओं के लिए उपयुक्त उपागम व विश्लेषण नीति विकसित करना तथा ५) एक राष्ट्रीय नीति विकसित करने एवं धारणीय विकास संबंधी पहलों को क्रियान्वित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना है।

शिक्षण कार्यक्रम

संस्थान पर्यावरण एवं धारणीय विकास के क्षेत्र में अंतर-अनुशासनिक शिक्षा प्रदान करता है। पर्यावरण एवं धारणीय विकास संकाय, आईइएसडी ने शैक्षिक सत्र २०१३-१४ और उससे आगे के लिए एकीकृत एम.फिल.-पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया है। एकीकृत एम.फिल.-पीएच-डी. उपाधि कार्यक्रम संबंधी पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश दिनांक ५ मार्च, २०१२ के एसीआर सं.-६८ के अंतर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गये थे। इसे ध्यान में रखते हुए आईइएसडी के संकाय सदस्य बी.एस-सी (विज्ञान संकाय), बी.ए. (मंच कला संकाय) एवं बी.ए.एम.एस. (आयुर्वेद संकाय) के छात्रों को पर्यावरणीय अध्ययन पाठ्यक्रम की शिक्षा देते हैं। संकाय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय में एमएससी जैव सूचना, विज्ञान संकाय में एमएससी टेक. भूभौतिकी एवं एमएससी पर्यावरण विज्ञान में शिक्षण एवं विनिबंध मार्गदर्शन कार्यक्रम में भी सहभागिता की। आईईएसडी के संकाय सदस्य एम.फिल.-पी.एचडी. के एकीकृत छात्रों को पर्यावरण विज्ञान एवं धारणीय विकास की शिक्षा देते हैं। संकाय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में एम.एससी. भू-भौतिकी और एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान में शिक्षण और विनिबंध मार्गदर्शन के कार्यक्रम में भी सहभागिता की।

शोध कार्यक्रम

संस्थान सामाजिक आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा करने वाली प्रणाली को डिजाइन करने, मूल्यांकन व प्रबंधन करने वाले अंतर-अनुशासनिक एवं सहयोगी शोध का आयोजन एवं नेतृत्व करता है। आईइएसडी द्वारा चिन्हित पाँच प्राथमिकता प्राप्त शोध हैं: १) वैश्विक परिवर्तन एवं वातावरण-प्रदूषण, २) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन ३) धारणीय कृषि, ४) वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन तथा ५) धारणीय विकास के सामाजिक-आर्थिक एवं विधिक आयाम। आईइएसडी के संकाय सदस्यों ने शैक्षिक सत्र के दौरान ०५ शोध परियोजनाएँ संचालित की। इन परियोजनाओं के लिए ज्यादातर धनराशि भारत सरकार प्रयोजक एजेंसियों यथा- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जल संसाधन मंत्रालय एवं पर्यावरण व वन मंत्रालय से प्राप्त हुई। आमतौर पर इसरो, आई.एम.डी., डी.बी.टी, यूजीसी तथा एसडीएमसी-सार्क, नई दिल्ली जैसे संगठनों ने भी आईइएसडी के संकाय-संदस्यों की परियोजनाओं को धन प्रदान किया।

सुदूर पहुँच/विस्तार

यह संस्थान अपनी सुदूर गतिविधियों के माध्यम से समुदाय स्तरीय प्रदर्शन एवं संगोष्ठियों इत्यादि समेत धारणीयता को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के भागीदारों को शामिल करना चाहता है। संस्थान का उद्देश्य तथ्यपत्र, स्थिति रिपोर्ट एवं शैक्षणिक संसाधन तैयार करना भी है। इस दिशा में सार्क आपदा प्रबंधन केन्द्र (एसडीएमसी), नई दिल्ली ने आईइएसडी को "सार्क देशों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर सारांश" तैयार किया।

आईइएसडी संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक/शोध/प्रशासनिक कार्यकलाप

- पर्यावरण विज्ञान एवं धारणीय विकास की स्नातकोत्तर स्तर पर एम.फिल. शिक्षण
- पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण प्रौद्योगिकी) की स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण
- पर्यावरणीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में पी.एच.डी. कोर्स वर्क।
- भू-भौतिकी विभाग, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रयुक्त सूक्ष्मजैविकी में एम.एस.सी. कक्षाएँ।

शताब्दी वर्ष समारोह

- १२अप्रैल, २०१६ प्रो. आर.एस. दूबे, कुलपति, तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार के द्वारा ''जीवन, जैव-ऊर्जा और पर्यावरणीय तनाव'' विषय पर प्राध्यापक- छात्र संवाद।
- २१ फरवरी, २०१७ डॉ. प्रबीर के पात्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जएएमएसटीईसी, जापान के द्वारा ''ग्लोबल कलाइमेट चेंज: मानव गतिविधि की भूमिका, परिस्थितिक तंत्र और कृषि'' विषय पर प्राध्यापक- छात्र संवाद।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधायें

छात्र-छात्राओं के लिए शोध सुविधाओं हेतु संस्थान में सेन्ट्रल इन्स्ट्रूमेन्टल लैब की सुविधा प्रदान की गयी है, जिसमें गैस क्रोमैटोग्राफी, एचपीएलसी, सोलर फोटोवोल्टेक ट्रेनिंक किट, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, एरोसॉल सैम्पलर इत्यादि।

२.१.१.४. प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

विश्वविद्यालय ने साठ के दशक के अंत में अपने महान स्थापक के स्वप्न को कार्यान्वित करने की दिशा में एक और मील का पत्थर पार किया जब सन् १९६८ में वाणिज्य संकाय में प्रबन्ध में परास्नातक एंव विद्यावाचस्पति के अध्ययन का शुभारम्भ हुआ।

प्रबन्ध में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की बढ़ती आवश्यकता के विचार से सन् १९८४ में प्रबन्ध अध्ययन विभाग को प्रबन्ध शास्त्र संकाय में परिणत किया गया और तब से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के प्राध्यापकों के स्फूर्त नेतृत्व में व्यवसाय जगत के नवप्रवर्तनशील एंव आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रमों को चलाने की भी चेष्टा की गई है। १६ दिसम्बर २०१५ को संकाय का उन्नयन संस्थान के रूप में किया गया।

आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रम

व्यवसाय जगत की परिवर्तनशील आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रबन्ध शास्त्र संस्थान ने इन वर्षो के दौरान विभिन्न नवप्रवर्तनशील प्रबंध पाठ्यक्रमों का संचालन किया है।

प्रबन्ध में विद्यावाचस्पति के अतिरिक्त संकाय ने द्विवर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रमों – विशारद प्रबन्ध अध्ययन चलाया जो कि कालान्तर में विशारद व्यवसाय प्रबन्ध के नाम से जाना जाने लगा और वर्तमान में विशारद प्रबन्ध प्रशासन के नाम से जाना जाता है।

कार्यरत् अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रबन्ध अध्ययन में त्रिवर्षीय अंशकालिक उपाधि पाठ्यक्रम विशारद व्यवसाय प्रबन्ध भी संकाय द्वारा चलाया गया। इसके अतिरिक्त त्रिवर्षीय अंशकालिक स्नातकोत्तर सनद पाठ्यक्रम कार्मिक प्रबन्ध विपणन प्रबन्ध एंव वित्त प्रबन्ध में कार्यरत अभ्यर्थियों के लिए चलाया गया।

दूरदृष्टि, लक्ष्य एंव उद्देश्य

वर्तमान जगत में जिसमें हम जीवन-यापन कर रहे हैं, प्रबन्ध शिक्षा अधिकाधिक प्रतिष्ठा और संवेग प्राप्त कर रही है।

वृत्तिक प्रबन्ध की प्रवीणता जीवनवृत्तियोन्मुखी पीढी को अपने स्वप्न पूर्ण करने के लिए अधिक आत्मविश्वासी एवं सफल बनाती है। विभिन्न संगठन भी अपने भविष्य की प्रगति उन्मुख योजनाओं की पूर्ति हेतु प्रबन्ध प्रावीण्य युक्त वृत्तिक जनबल की ही मांग करते है।

वर्तमान परिदृश्य में संकाय में, हम इस बात से भलिभांति परिचित है कि प्रबन्ध संस्थाओं और देश के प्रमुख प्रबन्ध संस्थानों में से एक होने के नाते हमारे संकाय के उत्तरदायित्व और चुनौतियां बढ़ रही हैं।

इन सबको दृष्टिगत रखते हुए निम्न दूरदृश्य, लक्ष्य एवं उद्देश्यों का निर्धारण किया गया है।

दूरदृश्य: संकाय प्रबन्धकीय ज्ञान एवं विकासशील सामाजिक संवेदनशील नेतृ-प्रबन्धकों के कार्यक्षेत्र को पुनर्परिभाषित करने हेतु

प्रतिबद्ध एवं सर्वप्रशंसित वैश्विक, उत्कृष्ण केन्द्रों में से एक बनने का अभिलाषी है।

लक्ष्यः प्रबन्ध शास्त्र संस्थान का लक्ष्य, उत्कृष्ट शिक्षा, शोध, मंत्रणा एवं अन्य सेवाओं द्वारा व्यवसाय, उद्योग तथा अन्य आवश्यक आयामों की आवश्यकताओं को पूरित करना है।

उद्देश्यः प्रबन्ध क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने के अभिलाषी होनहार युवा प्रतिभागियों को आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना।

- प्रबन्ध शिक्षा क्षेत्र को व्यवहारिक एवं वैचारिक दोनों प्रकार के शोध कार्यों एवं गुणवत्ता प्रकाशन के द्वारा समृद्ध बनाना।
- प्रबन्धकीय विकास कार्यक्रमों द्वारा व्यवसायिक प्रबन्धकों की निर्णय निर्धारण प्रवीणता एंव प्रशासनिक सामर्थ्य को बढ़ाना तथा मंत्रणा सेवा द्वारा उनकी विशिष्ट समस्याओं को सुलझाना।
- गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्रबन्ध संस्थानों के अध्यापकगणों के ज्ञान एवं प्रवीणता को समृद्ध करना।
- निगम एवं विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करके प्रबन्ध शिक्षा के शोध को प्रोत्साहन प्रदान कर विभाजन रेखा का अन्तर मिटाना।
- संभाग के छात्रों और युवाओं में उद्यमिता के प्रति उन्मुखता को अंतर्निविष्ट करना ।

व्यवसाय जगत के साथ सहयोग

संकाय के व्यवसाय जगत से प्रबल सम्बन्ध है। संकाय में सामयिक विषयों पर अतिथि व्याख्यानों और छात्रों एवं संकाय के सदस्यों के साथ पारस्परिक व्यवहार हेतु संकाय उच्च व्यवसायिक कार्यकारियों को आमंत्रित करने में निरन्तर प्रयासरत रहा है।

संकाय द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों जैसे कि वर्ष पर्यन्त व्याख्यान श्रृंखला, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, कार्यशालाएँ, बुद्धिशीलता/विचारावेश संकाय विकास कार्यक्रम, प्रबन्धकीय विकास और अन्य कार्यक्रमों में उद्योग जगत के वरिष्ठ कार्यकारियों को हमेशा ही से मुख्य संसाधक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा हैं। इन शैक्षणिक पारस्परिक व्यवहारों ने निश्चित ही संकाय में शिक्षकों के ज्ञान को बढ़ाया है। हमें अपने पाठयक्रम पुनरीक्षण मे भी उद्योग जगत से सहयोग और सामृद्धिक सुझाव मिलते रहे है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोध प्रबन्ध एवं अंतिम स्थापन

व्यवसाय जगत के साथ सहयोग का एक और क्षेत्र है हमारे प्रबन्ध छात्रों का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठयक्रम का भाग होने के नाते हमारे छात्र प्रतिवर्ष गर्मियों के दौरान आठ सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेते है।

हमें उद्योग से इस हेतु अपार सहयोग प्राप्त हुआ है। शोध प्रबन्ध की सफलता पूर्वक सम्पन्नता में भी हमारे छात्रों को सहयोग मिलता है।

परिसर स्थापन भी उद्योग जगत से अच्छे सम्बन्धों का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अनेकों प्रतिष्ठित निजी एवं सरकारी क्षेत्र के संगठन परिसर स्थापन में सहयोग करते हैं। इनमे से भारतीय रिजर्व बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय कोयला निगम, डीएलएफ, पेन्टालून्स, इन्फोसिस, फाईनों, बैंक ऑफ इंडिया, देना बैंक, इण्डोगल्फ, आईसीआरएम, आईडीबीआई, एनसीएमएसएल, एक्सिस बैंक, वीजा स्टील, यूको बैंक, स्टैग इन्टरनेशनल कुछ प्रमुख नाम है।

पुरा छात्र सम्बन्ध

संकाय के ४५०० से भी अधिक पुरा छात्र विश्व भर में सेवारत है। पुरा छात्र संगठन संकाय के उद्योग जगत से सम्बन्धों के सशक्त बनाने में सक्रियता से सहयोग करता रहा है।

सहयोग

- इलाहाबाद बैंक चेयर
- नीमेट के अन्तर्गत संकाय विकास कार्यक्रम
- प्रबन्ध विकास कार्यक्रम, एनटीपीसी
- ग्रामीण विद्युतीय निगम राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
- आईसीआईसीआई के साथ एक वर्षीय सनद पाठ्यक्रम
- मंत्रणा परियोजना यूएनडीपी के साथ
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ अध्येतावृत्ति कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थाओं के साथ सहयोग

उच्चतम शिक्षा के विश्व प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ शैक्षणिक संयोजन के लिए संकाय दृढ़ता से अनुकरण करता आया है हाल ही में विभिन्न देशों के संस्थानों से चोटी के शिक्षकों ने संकाय का भ्रमण किया है।

इस पहल में विश्वविद्यालय ने हाल ही में जिन संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं –

- इथियोपिया लोक सेवा कॉलेज, इथियोपिया
- विल्कीस विश्वविद्यालय, पेन्सिलेविया, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- व्यवसाय विद्यालय, क्लेपियन विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- लॉसित्ज विश्वविद्यालय, जर्मनी (हस्ताक्षर होना है)

उपर्युक्त संस्थाओं के अतिरिक्त, संस्थान ने विभिन्न अवसरों पर अन्य संस्थाओं के साथ भी बौद्धिक एवं शैक्षणिक भागीदारी की है। इनमें से कुछ निम्न है –

- व्यवसाय विद्यालय, कंसास विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- कृषि एंव संगणक विज्ञान विद्यालय, टैनेसी राजकीय विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- वैश्विक सामरिक प्रबन्ध इंक., संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका

मान्यताएँ

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा छः दिवसीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम केन्द्र के रूप में अभिज्ञात।
- प्रबन्ध में राष्ट्रीय विद्यावाचस्पति अध्येतावृत्ति हेतु पोषक संस्थान के रूप में मान्यता।

- डी.आर.एस.–प्रावस्था द्वितीय (विशिष्ट सहयोग कार्यक्रम) वि.अ.आ.।
- उद्योग संस्थान भागीदारी प्रकोष्ठ (अ.भा.त.शि.प.)

योगदान

नियमित शैक्षिक कार्यक्रम

संकाय ने स्थापना से लेकर अब तक ४५०० से भी अधिक प्रबन्ध स्नातक निर्मित किये हैं जो कि विश्वभर में सरकारी एवं निजी क्षेत्र के संगठनों में मुख्य पदों पर अपनी सेवा दे रहे हैं। यह संख्या संकाय द्वारा संचालित स्नातकोत्तर सनद पाठयक्रमों एवं विद्यावाचस्पति प्रबन्ध शोध के सैकड़ों अभ्यर्थियों के अतिरिक्त है।

शोध प्रकाशन

संकाय की अपनी शोध पत्रिका – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबन्ध समीक्षा – समसामाजिक प्रबन्ध शोध की एक पत्रिका (आईएसएसएन–२२३१०१४२) है। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की पत्रिकाओं में लगभग ५०० से अधिक शोध पत्र एंव १०० से अधिक पुस्तकें प्रकाशित करवाई हैं।

विस्तृत गतिविधियाँ

- उद्योग शैक्षिक सम्मेलन २०१२
- उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन परिपेक्ष्य पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला।
- पोस्ट एकोनोमिक मेल्ट डाऊन इरा पर एमडीसा के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला।
- सम्मिलित वृद्धि एवं सूक्ष्म वित्त अभिगम्य पर सम्मेलन (सिगमा)
- उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता परिपेक्ष्य पर डायरेक्टर्स कान्क्लेव।
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ के साथ उच्चतर शिक्षा संस्थानों में वित्तीय प्रशासन पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
- चिरस्थायी विकास हेतु ऊर्जा पर्यावरण एवं आपदा प्रबन्ध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- कृषि एंव ग्रामीण विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

इसके अतिरिक्त संस्थान ने पिछले दो वर्षों के दौरान ५० सभाओं का आयोजन भी किया। निम्न के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किये गये।

- ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लि.।
- मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- मा.सं.मं. के सहयोग से माईक्रोसाफ्ट द्वारा शिक्षण सशक्तिकरण कार्यक्रम।
- विज्ञान एवं तकनीकी विभाग नीमेट के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम।
- अ.भा.त.शि.प. के सहयोग से गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम।

व्यवसाय निदानग्रह

संकाय द्वारा व्यवसाय निदान गृह की स्थापना हेतु एक नव प्रवर्तनीय कदम था। इस पहल का उद्देश्य – कक्षा के उपरान्त व्यवसाय अध्ययन के व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक अन्तर को मिटाना एवं व्यवसायियों एंव उद्यमियों को विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान कराना है।

सामुदायिक सेवाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत डीआरएस१ की पहल के तहत संकाय के छात्रों के सामाजिक संघ-सेवार्थ, मानवता के लिए भी स्थापना की गई। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को समाज कल्याण के लिए आकर्षित करना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की चेतना का अन्तर-निविष्टीकरण करना है।

अबतक की गतिविधियाँ

रक्तदान शिविर, सरसुन्दरलाल अस्पताल में भर्ती गरीब रोगियों को कम्बल वितरण, सामाजिक उद्यमियों से पारस्परिक व्यवहार, सामाजिक उद्यमों का भ्रमण, देने का आनन्द सप्ताह समारोह आदि।

पुराछात्र गतिविधियाँ

प्रबन्ध अध्ययन कार्यक्रम के सूत्रपात से आज दिन तक, विश्वविद्यालय ने ४५०० से भी अधिक प्रबन्ध स्नातक निर्मित किए हैं। जो विश्व के शासकीय और निजी संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबन्ध पुरा छात्र संघ इस बिरादरी को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 'भूमा' के भारत एवं विश्व में प्रादेशिक खण्ड हैं। संघ संकाय की विकासीय गतिविधियों में भी योगदान दे रहा है। व्यवसाय जगत से सम्बन्धों के प्रबलीकरण तथा संकाय के छात्रों में प्रशिक्षण एवं स्थापन की व्यवस्थाएँ आदि में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हैं। संघ नियमित रूप से विश्वविद्यालय परिसर में वार्षिक सम्मेलन आयोजित करता है। संकाय अध्यक्ष इस संघ के पदेन अध्यक्ष एंव संरक्षक होते है।

संस्थान के क्रियाकलापों का संक्षिप्त प्रतिवेदन

वर्तमान सत्र के अन्तर्गत, संकाय ने नियमित पाठयक्रम के अन्तर्गत विभिन्न विकासीय गतिविधियों का आयोजन किया –

संकाय प्रबन्ध अध्ययन में परास्नातक पाठयक्रम चलाती है। छात्रों को अपने पाठयक्रम के समेकित भाग के रूप में लघु परियोजना शोध प्रबन्ध तथा आठ सप्ताह के व्यवहारिक प्रशिक्षण का प्रतिवेदन देना अनिवार्य है।

बौद्धिक अवसंरचना

संकाय की सबसे महत्वपूर्ण विशिष्टता इसके निष्ठावान संकाय सदस्य है जो कि अपने भावी प्रबन्धकों को उभरते प्रचलन के प्रति प्रबुद्ध करने एवं उनको व्यवसाय जगत की चुनौतियों को सामना करने के लायक बनाने में सदैव तत्पर रहते हैं। संकाय के चौदह आचार्य, पाँच सह आचार्य एंव आठ सहायक आचार्य मिलाकर कुल २७ संकाय सदस्य है। इसके अतिरिक्त चार संविदा आधारिक सकाय सदस्य भी है। उक्त में दक्षिण परिसर स्थित एम.बी.ए. एग्री बिजनेस के संकाय सदस्य सम्मिलित है।

बौद्धिक सहभाजन

प्रमुखतम सुविधा यह है कि एक ही छत के नीचे अन्तर्विषयी शोध एंव मंत्रणा के लिए बुद्विजीवी उपलब्ध हैं।

छात्र, शोध छात्र एंव संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय में किसी भी अन्य संकाय या विभाग के संकाय सदस्यों के साथ पारस्परिक व्यवहार हेतु स्वतंत्र है। विश्वभर में यह सबसे दुर्लभ स्थितियों में से एक है।

छात्रों हेतु सुविधाएँ: छात्रावास, पुस्तकालय, पुस्तक बैंक, नि:शुल्कता एंव छात्रवृत्ति एवं संगणक अध्ययन सुविधा।

ग्रीष्म प्रशिक्षण, शोध प्रबन्ध, लघु परियोजना, प्रेरण एंव इंटर्नशिप

आठ सप्ताह की ग्रीष्म प्रशिक्षण शोध प्रबन्ध, लघु परियोजना आलेख एवं प्रेरक संकाय के एम.बी.ए., एम.बी.ए. आई.बी. और एम.बी.ए. एग्रीबिजनेस पाठयक्रमों का अन्य भाग है। छात्र इन परियोजना समनुदेशनों को संकाय सदस्यों के परामर्श पर करते है।

संकाय उक्त पाठयक्रमों के नवप्रवेशी छात्रों के लिए एक सप्ताह का प्रेरण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

इसका उद्देश्य नवागन्तुकों को संकाय, संकाय सदस्यों एंव उद्योग पर्यावरण वृत्तिक बनने के लिए आवश्यक मापदण्डों से परिचित करवाना है । इनमें से कुछ विषय प्रसंग निम्नानुसार है-

- सम्प्रेषण कौशल
- व्यक्तित्व विकास
- समूह चर्चा/साक्षात्कार तकनीक
- व्यवहार कुशलता विकास
- गैर लेखा कर्मियों के लिए लेखा ज्ञान
- पारसांस्कृतिक प्रशिक्षण
- सांगठनिक कौशल एंव समूह निर्माण

छात्रों की प्रतिपुष्टि के आधार पर संकाय अपने पाठयक्रमों के तत्व क्षेत्र, अवधि को औद्योगिक एंव शैक्षिक विशिष्टता के मिश्रण के साथ अद्यतन करती है।

शोध के नव प्रवेशियों को छः माहा पाठयक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करना अनिवार्य है जो कि मूलतः छात्रों को शोध कार्य पद्वति, सम्प्रेषण कौशल, सूचना प्रौद्योगिकी अस्त्र एवं तकनीकी तथा गहन साहित्य पुनरीक्षण से सम्बन्धित ज्ञान प्रदान करने में सहायक है।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक छमाही में एमबीए एग्रीबिजनेस के नव छात्रों हेतु विशिष्टतः आकल्पित एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य परिसर में आयोजित किया जाता है। प्रतिदिन कक्षाओं का आरम्भ लगभग ४५ मिनट के चिन्तन सत्र से होता है जो कि छात्रों को दिवस पर्यन्त पाठयक्रमों व गैर पाठयक्रमेत्तर गतिविधियों के दौरान सफूर्तित करता है।

२.१.१.५. विज्ञान संस्थान

लगभग सौ वर्षो के अध्यापन एवं शोध का शानदार सफर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही इसके संस्थापक पं. पदन मोहन मालवीय जी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा व शोध पर विशेष ध्यान दिया। **वर्ष २०१५-१६ में विज्ञान संकाय का विज्ञान संस्थान के रूप में उन्नयन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।** विज्ञान संस्थान में भौतिकी, रसायन, गणित, जीवविज्ञान, संगणक विज्ञान तथा विज्ञान-शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान किए जाते है। मौलिक अनुसंधान के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों में शोध-केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उत्कृष्टता को कायम रखने के लिए नैनो-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र अन्तर्विषयी गणितीय विज्ञान केन्द्र आनुवंशिक रोग अनुसंधान केन्द्र, मस्तिष्क शोध केन्द्र तथा अन्तर्विषयी लाइफ साइंस स्कूल केन्द्र जैसे अनेक शोध केन्द्रों की स्थापना की गई है। डीबीटी-बीएचयू अन्तर्विषयी लाइफ साइंस स्कूल भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं इसरो से सहायित है। इन दोनों सस्थाओं ने भौतिकी विभाग के अतंर्गत अंतर्विषयी विज्ञान की शिक्षा एवं शोध के विकास के लिए पाँच वर्षो तक सहायता प्रदान की। भौतिकी विभाग प्रतिष्ठित यूजीसी नेटवर्किंग कार्यक्रम संचालित करने वाला देश का इकलौता विभाग है। विज्ञान संस्थान लगातार बेहतर कार्य कर रहा है और संस्थान के तौर पर इसने अपनी स्थिति और भी मजबूत की है।

विज्ञान संस्थान, काहिविवि भारत के अग्रणी शोध संस्थानों में से एक है। इसमें लगभग २८६ शिक्षक है, और इनमें से अधिकांश शिक्षक अपने-अपने विषयों में शोध के शिखर पुरूष हैं। समस्त शिक्षण-पाठ्यक्रमों के प्रवेश राष्ट्रीय स्तर आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से होता है। ये शिक्षण-पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रक्रिया द्वारा संचालित किए जाते हैं। पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्रणाली एवं मूल्यांकन हेतु ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी गई है। अन्तर्विषयी समझ को बढ़ावा पाठ्यक्रम तथा स्नाकोत्तर स्तर पर लघु वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए जाने वाले चयन-शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराये जाते हैं। शिक्षक, विद्यार्थियों को वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों के तौर पर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने का प्रयास करते हैं।

वर्तमान में विज्ञान संस्थान के अंतर्गत **१३ विभाग, २ स्कूल एवं २ अन्तर्विषयी केन्द्र** है जिनका संचालन एवं समन्वयन संस्थान के निदेशक द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र भी है जो प्राणी विज्ञान विभाग, हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र तथा भौतिकी विभाग द्वारा संचालित होता है।

यू.जी.सी. के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत ८ विभागों को प्राप्त सहायता, जिसमें से ०५ उन्नत अध्ययन केन्द्र है तथा अन्य ०३ डी.एस.ए./डी.आर.एस. सहायता प्राप्त है, की उत्कृष्टता अध्यापन तथा

शाोध में प्रतिबिंबित होती है। कुछ विभाग/स्कूल प्रथम कार्यक्रम के तहत डी.एस.टी. से सहायता प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त डी.एस.टी.पी.यू.आर.एस.सी. कार्यक्रम से पाँच सालों के लिए रू.३५ करोड़ की पर्याप्त सहायता राशि प्राप्त हुई है। जैव प्रौद्योगिकी स्कूल तथा अन्तर्विषयी प्राणि विज्ञान स्कूल को डी.बी.टी. भारत सरकार के द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

विज्ञान संस्थान ज्ञान के मामले में सबसे आगे बढ़कर आठ दशकों से भी अधिक समय से अनुसंधान कार्यो को पूर्ण करने में लगा हुआ है, तथा सर्वोत्तम गुणवत्ता के अनुसंधान संस्थान के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय महत्ता अर्जित की है। आई.एस.सी. (बी.एच.यू) से प्राप्त कुछ परिणामों ने अपने संबद्ध विषयों पर ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि शाोध के नये क्षेत्रों की राह खुल गयी है। उनमें से कुछ की उच्च पाठ्यक्रमों में भी स्थान मिला है। आई.एस.सी. (बी.एच.यू) से उत्पन्न महत्वपूर्ण मौलिक वैज्ञानिक नतीजों का क्षेत्र विस्तार बीज गणीत, बीजगणितीय ज्यामिति, अंतर ज्यामिति, संख्या सिद्धान्त, समूह सिद्धान्त, साहचर्य, आंशिक अंतर समीकरण से लेकर ब्रह्मांडीय किरणें, खगोल भौतिकी, ब्राह्मण विज्ञान, प्लाज्मा भौतिकी, कण भौतिकी, अतिचालकता, सांख्यिकीय भौतिकी, संख्या सिद्धान्त, स्ट्रिंग सिद्धान्त, नैनोमैटेरियल्स, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद तथा आगे तंत्रिका जीवविज्ञान व विकासत्मक जीव विज्ञान तक फैला हुआ है। पिछले कई वर्षो से इस योगदान को मान्यता ३ पदम पुरस्कारों के रूप मिला।

वर्तमान संकाय २ शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों से सम्मानित है। आई.आई.एस.सी. (बी.एच.यू.) से प्रकाशन दर लगातार उच्च रहा है। वर्तमान सत्र में १३७० से भी अधिक प्रकाशन हुए। विशिष्ट संकाय सदस्यों ने ८७४ से भी अधिक स्नाकोत्तर डिग्रियों तथा १०९ पीएच.डी. उपाधियों के वितरण में योगदान दिया। इसके साथ ही प्रतिष्ठित संकाय सदस्य लगभग २४ करोड़ के विभिन्न व्यक्तिगत शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिसके निधि लागत का वहन विभिन्न एजेंसिया यथा डी.एस.टी., डी.बी.टी., आई.सी.ए.आर.आई.सी.एम.आर., बी.आर.एन.एस., सी.एस.आई.आर., यू.जी.सी., डी.आर.डी.ओ. इत्यादि कर रही है। भारतीय संदर्भ में, आई.एस.सी. (बी.एच.यू.) उन कुछेक संस्थाओं में है जो मौलिक विज्ञान में मेगा प्रोजेक्ट्स को लेने में सक्षम है।

जैवरासायनिकी विभाग

जैवरासायनिकी विभाग में परास्नातक की डिग्री हेतु दो वर्षीय (४ सेमेस्टर) एम.एससी. शिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। एम.एससी. (जैव रासायनिकी) पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष ३३ छात्रों का प्रवेश लिया जाता हैं। इस पाठ्यक्रम में १४ सैद्धान्तिक पेपर होते हैं जिसमें जैव रासायनिकी के विभिन्न क्षेत्र यथा कोशिका जीव विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण, वायोमोलिक्यूल्स, आणविक जीव विज्ञान, चयापचप, रोग प्रतिरक्षा विज्ञान, पाचक रस विज्ञान पादप जैव रासायानिकी, तंत्रिकी जैव रासायनिकी इत्यादि सम्मिलित है। शोध के लिए प्रमुख रूझान क्षेत्रों में पाचक रस विज्ञान तथा एंजाइम प्रौद्योगिकी, पादपों में तनाव चयापचय, परजीवी इम्यूनोबायोलाजी, ट्राँसलेसनल तंत्रिका जीव विज्ञान तथा नैदानिक जैवरासायनिकी सम्मिलित है। पाठ्यक्रम को नियमित रूप से संशोधित तथा सामयिक बनाया जाता है। अंतिम बार यह २०१६ में सेमेस्टर प्रणाली के तहत संशोधित किया गया था।

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी को संचालित किया जाता है जिसके शिक्षण में इस विश्वविद्यालय के बहुत से विभागों यथा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग तथा जैवरासायनिकी (चिकित्सा विज्ञान संस्थान) आनुवांशिकी तथा पादप प्रजनन (कृषि विज्ञान सस्थान), रासायनिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी विभाग (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का.हि.वि.वि.) तथा वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, जैव रासायनिकी रसायन शास्त्र व सांख्यिकी विभागों से योगदान प्राप्त हैं। विज्ञान संस्थान तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का.हि.वि.वि. के कुछ विभागों के अध्यापक इस स्कूल के बहुविषयक शिक्षण कार्यक्रमों से जुड़े हुए है। अंतर विषयक जैविक/जीवन विज्ञान स्कूल (आई.एस.आई.एस.) में जैव प्रौद्योगिकी स्कूल की सक्रिय भागीदारी रहती है। यह स्कूल द्विवर्षीय (४ समेस्टर) एस.एससी. (जैव प्रौद्यौगिकी) शिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है जिसमें प्रतिवर्ष जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से २४ छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। राष्ट्रीय प्रवेश परिक्षाओं यथा सी.एस.आई.आ./ यू.जी.सी.-एन.इ.टी., आई.सी.एम.आर. तथा डी.बी.टी. जे.आर.एफ. में हमारे छात्रों का प्रदर्शन तथा सफलता दर ८०प्रतिशत से उपर है। यह केन्द्र का.हि.वि.वि. के विभिन्न विभागों के पीएच.डी. छात्रों हेतु संगणकीय शोध प्रशिक्षण पर कार्यशाला का लागभग प्रतिवर्ष आयोजन करता है। यह स्कूल निम्निलिखित शोध क्षेत्रों में सक्रिय रूप से संलग्न है, जिसके अर्न्तगत कोशीय तथा आणविक प्रतिरोध क्षमता विज्ञान तथा आन्कोलाजी, कैसर तथा सूजन रोगों की रोग-प्रतिरक्षा चिकित्सा, कैसर के रोक थाम तथा इलाज में हर्बल घटकों की भूमिका, साइंस मॉडल लिवर कैंसर में जेनोमिक तथा प्रोटेओमिक स्तर, सायनोबैक्टेरिया सह उत्पादों की इम्यूनोटॉक्सिक तथा इम्यनोमाड्येलेट्री भूमिका का अध्ययन, एच पाइलोरी की आणविक टाइपिंग तथा पॉव अल्सर जनित बैक्टेरिया एन्जाइम आधारित निदान तथा प्रोटीन संरचना–कार्य संबंध पादप विकास को बढावा देने वाले बैक्टेरीया, पर जोर देते हुए आणविक सूक्ष्म जैविकी, बैक्टेरिया में यू.वी.-बी. विकिरण सहनशीलता का आणवीक आधार तथा कार्यात्मक जेनामिक्स, सम्मिलित है। ओ.एन.जी.सी. (अहमदाबाद) आई.आई.वी.आर. (वाराणसी) सी.डी.आर.आई., एन.बी.आर.आई., आई.आई.टी.आर., सी.बी.एम.आर. व सी.आई.एम.ए.पी. (लखनऊ) आई.सी.पी.ओ. (नोयडा) तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोगी कार्यक्रम गुरू हुआ हैं जैव प्रौद्योगिकी स्कूल के ओ.बी.सी. अनुदान के तहत एक जी+३ नवीन इमारत अपने निर्माण की अंतिम अवस्था में है। इसमें प्रयोगशालाएं तथा शिक्षण सुविधाएँ होगी जो कि छात्रों तथा शोधार्थियों हेतु जुलाई २०१७ के अंत तक उपलब्ध हो जाएगी।

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग अपने उन्नत अध्ययन केन्द्र के साथ देश के विभिन्न विभागों में एक विशिष्ट स्थान रखता है। पादप आणविक जीव विज्ञान के गैर प्रमुख क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के अतिरिक्त, इसके प्रमुख रूझान क्षेत्र पारिस्थितिकी शैवाल शास्त्र, कवक विज्ञान तथा पादप रोग विज्ञान है। पारिस्थितिकी, स्कूल में घास–फूस पारिस्थितिकी, प्राकृतिक

आवास संरक्षण, प्राथमिक उत्पादक, कार्बन अधिग्रहण, नदी पारिस्थितिकी, वैश्विक परिवर्तन प्रभावों, सी एम जी एस उत्सर्जन, परिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण तथा प्रदूषण के विरूद्ध पादप/ पौधों के क्षेत्रों में शोध कार्यो को संचालित किया है। पारिस्थितिकी स्कूल के द्वारा विकसित अवधारणाएं तथा प्रणालियाँ राष्ट्रीय सीमाओं से परे जा जुकी है तथा इसे विश्वव्यापी स्तर पर आत्मसात भी किया गया है। शैवाल विज्ञान स्कूल ने जैव रसायनिकी, शरीर क्रिया विज्ञान, पारिस्थितिकी विज्ञान, आनुवांशिकी, आणविक जीव विज्ञान, नाइट्रोजन नियतन, हाइड्रोजन उत्पाद, भारी धातु प्रदूषण तथा व्यावहारिक शैवाल विज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य जारी रखा है। कवक विज्ञान तथा पादप - रोग विज्ञान समूह का जड़ क्षेत्र के सूक्ष्म जैविकी, एंडोसिंबायोन्टस, लीफ सरफेस माइक्रोफ्लोरा, पादप रोग नियंत्रण के जैविक तथा अन्य रणनीतियाँ, फंगल अन्त:पादपी, प्राकृतिक कीटनाशक तथा पादप-जीवाणु पारस्परिक क्रियाओं में सक्रिय रूचि है। इस विभाग का दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र जो सी ए एस में रूझान क्षेत्र के रूप में अभी नहीं माना जाता है, वह पादप आणविक जीव विज्ञान है। अजैव तनाव सहिष्णु पादपों के कार्यात्मक जिनोमिक्स में सराहनीय शोध कार्य चल रहे हैं। विभाग वनस्पति विज्ञान में स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है तथा इसके साथ ही स्नातक स्तर पर औद्योगिक सूक्ष्म जैविकी व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर्यावरण विज्ञान तथा व्यावहारिक सूक्ष्म जैविकी व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर्यावरण विज्ञान तथा व्यावहारिक सूक्ष्म जैविकी पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। माननीय भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार इस विभाग के अध्यापक का.हि.वि.वि. के विभिन्न संकायों के छात्रों को पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम का शिक्षण प्रदान करने में भी संलग्न रहते है। विभाग विज्ञान संकाय के अन्य विभागों के एम.एस सी छात्रों हेतु वैकल्पिक पेपर का प्रस्ताव भी देता है। इस विभाग के अध्यापक विज्ञान संकाय के गणित से स्नातक करने वाले छात्रों हेतु जीव विज्ञान के सहायक पाठ्यक्रमों के शिक्षण में भी भागीदारी प्रदान करते हैं। विभाग निम्नलिखित मुख्य विषयों तथा पारिस्थितिक विज्ञान, शैवालशास्त्र, कवक विज्ञान तथा पादप रोग विज्ञान तथा पादप आणविक जीव विज्ञान में शोध शिक्षण भी प्रदान करता है। संकाय तथा शोध छात्र निम्नलिखित क्षेत्रों में शोध पर सक्रिय रूप से व्यस्त रहते है। गन्दे पानी से पोषक तत्व को अलग करने के लिए साइनोबैक्टेरिल बायोफिल्म्स, परिवर्तित भू-प्रयोग तथा विभिन्न फसल प्रणालियों के अन्तर्गत ग्रीन हाउस गैसों; (जी.एच.जी.एस.) का उत्सर्जन, चावल-गेहूँ कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में अड़ियल तथा अस्थिर कार्बन पूल्स, लाल कीचड़ के साथ गाढ/मल संसोधित मृदा के फायटोरेमेडिएशन में लेमन ग्रास की क्षमता, अल्टरनेरिया अल्टरनहा तथा इसके टोकिसन्स से संक्रमित टमाटरों में जैवरासायनिकी परिवर्तनों का तुलनात्मक मूल्यांकन, एरिसिफी पीसी के विपरित मटर में प्रतिरोध का स्यूडोमोनास - ट्राइकोडर्मा व्यवहित अधिष्ठापन/प्रवर्तन, अजैव तथा जैविक तनाव के अन्तर्गत टमाटर में डब्लू.आर.के.वाई. ३ तथा डब्लू.आर.के.वाई. ४ प्रतिलिपि कारकों में संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अन्तदृष्टि, टमाटर में फ्यूजेरियम विल्ट के विकास में फ्यूजेरिक अम्ल का एक कारक के रूप में मूल्यांकन, जैविक रूप से बिगड़ते कवक तथा सुरक्षा रूप-रेखा मूल्यांकन के विपरित रासायनिक विशेषताओं से मुक्त मेन्था कार्डियाक आवश्यक तेल का प्रभाव, एंटीमाइक्रोबॉयल तथा एंटी कैन्सरस बायोमॉलूक्यल्स के स्रोत के रूप में साइनोबैक्टेरिया तथा माइक्रोल्ज यूटोफिक तालाबों में पुष्प विकास तथा माइक्रोसिस्टीन के उत्पाद का विनियमन, गर्मी तनाव प्रबन्ध में कैल्शियम की भूमिका, ओजोन के प्रति उनके संवेदनशीलता तथा सहनशीलता के लिए गेहूँ के किस्मो की जाँच, बढ़े हुए यूवी-बी के तहत औषधीय पौधों में द्वितीयक (गौड़) चयापचय में परिवर्तन, स्टेरोल ग्लाइकोसिल्ट्रान्सफेरस का दमन विदैनोलाइड जैवसंश्लेषण को व्यवस्थित करता है तथा विदैनिया सोम्नीफरा के समझोत बुनियादी प्रतिरक्षा की ओर अग्रसर करता है, 'सी' शक्तियुक्त मृदा पर जैव उर्जा फसल की खेती करने पर भूमि परिवर्तन का प्रभाव, साइनोवैक्टेरिया से प्राप्त नैनोपार्टिकल्स तथा उनके संभाव्य अनुप्रयोग, साइनोबैक्टेरियम नोस्टोव एस.पी.एम.जी.एल. ००१ से एक नये एंटीबोटिक यौगिक का संरचनात्मक व्याख्या तथा आणविक डॉकिंग, ट्रासपेरेंट एक्सोपोलिमेरिक पार्टिकल्स (टी.ई. पी.) का डायटम चलित उत्पाद एक मौलिक युक्ति का प्रस्ताव देता है जिससे गंगा नदी में स्वत: शुद्धिकरण की क्षमता विकसित हो जाएगी, गंगा नदी वायुमंडलीय निक्षेप के माध्यम से एन तथा पी के उच्च स्तर को हद से अधिक ग्रहण करती है, पश्चिमी अशान्ति के परिणाम स्वरूप हिमालय के तराई क्षेत्रों में वृक्षों की कई नस्लों की उत्पत्ति बाधित हो गयी, नैनोपार्टिकल्स के अन्त: पादपी तथा जैव संश्लेषण की संरचनात्मक तथा कार्यात्मक विविधता, आइसोप्रोन के पतन के लिए बैक्टेरियल क्षमता का उपयोग, शुष्क उष्ण कटिबन्ध में सवाना के जंगलो के घास के मैदानों मृदा गुण धर्म तथा घास की किस्मों की विविधता, वर्धित द्वितीयक (गौण) चयापचय (मेटाबोलिज्म) के लिए एंटीमलेरिया पादम आर्टरमीटिया अनुआ का कार्यात्मक जेनोमिक्स, घास के मैदानों में हायप्टिस सूआवेआलेंस के आक्रमण (लंघन) का प्रभाव, गेहूँ पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अनुकरण, मेंगनीज-आक्सीकरण एसीनेटीबैक्टर एस पी के द्वारा आर्सेनिक अधिग्रहण, ओजोन क्षति, विषहरण तथा पौधों में आइसोप्रेनॉयट की भूमिका; पौधों के स्वास्थता को सुधारने हेतु अन्त:पादपीय जीवाणुओं का अनुप्रयोग, खाद्य सुरक्षा में पादप व्युत्पन्न उत्पादों का प्रभाव तथा उनके कार्य प्रणाली की व्याख्या फाइटो रोग जनित कवक की आणविक विविधता, साइनोवैक्टेरियल एल्काइल हाइडोपेराक्साइडेज रिडक्टेस (ए.एच.पी.सी.) की संस्थान; अजैवीय तनावग्रस्त साइनोवैक्टेरिया का प्रोटेओमिक्स। शैक्षिक गतिविधियां जैसे एन.ए.एस.आई-बी.एच.यू अध्यापकों हेतु शिक्षण कार्यक्रम १०-११ फरवारी, २०१७ तथा पारीस्थितिकी विज्ञान में मुद्दे तथा चुनौतियां पर राष्ट्रीय परिसंवाद २३-२५ फरवरी, २०१७ का आयोजन शैक्षिक सत्र २०१६-१७ में किया गया।

रसायनशास्त्र विभाग

रसायनशास्त्र विभाग यू.जी.सी-सी.एस.एस. लेवल २ तथा डी.एस.टी.-प्रथम लेवल २ के द्वारा प्रायोजित विभाग है जिसका मुख्य रूझान क्षेत्र औषधीय तथा प्रौद्योगिकी महत्व के सामग्रियों तथा अणुओं के संश्लेषण के लिए नवीन कार्यनीतियों के विकास की ओर है। यह विभाग

विज्ञान में स्नाकोत्तर (एम.एससी.) तथा डाक्टरेट (पी.एचडी.) के पाठ्यक्रमों को संचालित करता है। (एम.एससी.) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विशेषज्ञता क्षेत्र : विश्लेषणात्मक, अकार्बानिक, कार्बनिक तथा भौतिकी रसायन शास्त्र सम्मिलित है। बहुत सारे प्रमुख तथा लघु वैकल्पिक पाठ्यक्रम जैसे जैविक रसायनशास्त्र, पर्यावरण रसायनशास्त्र, रसायनशास्त्र में संगणक अनुप्रयोग, पदार्थ रसायनशास्त्र, आणविक प्रतिक्रिया गतिकी, कार्बनिक प्रकाश रसायनशास्त्र, अकार्बनिक प्रकाश रसायनशास्त्र, जैव कार्बनिक रसायनशास्त्र तथा वर्तमान अनुसंधान परिदृश्य के सन्दर्भ में विभन्न विषयों की शिक्षा प्रदान की जा रही है। शोध के प्रतिबद्धता का द्योतक बहुतायत संख्या में प्रचालित परियोजनाएं है जिनका वित्त पोषण विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान मंडल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी संस्थाएं कर रही हैं। राष्ट्रीय, अतंर्राष्ट्रीय तथा हमारे संकाय सदस्यों के अंतर विभागीय सहयोग से उच्च गुणवत्ता के शोध हो रहे है। विभाग के संकाय सदस्य वर्तमान रूचि के विभिन्न सीमान्त क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य में इस लक्ष्य के साथ लगे हुए हैं। कि उनके क्षमता अनुप्रयोग को कार्यात्मक सामाग्री के रूप में विकसित कर सकें। जैसे कि सौर कोशिकाओं, जैव-अकार्बनिक रसायन शाास्त्र, जैव-कार्बनिक रसायन शाास्त्र, उद्दीपन, रसायनिक गतिज, रासायनिक प्रतिक्रिया गतिकी, रासायनिक सेंसर, रासायनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी, कंडक्टिंग मैटेरियल्स, समन्वय रसायनशात्र, विद्युत रसायनशास्त्र, मुख्य समूह धातु रसायनशास्त्र, पदार्थ रसायनशास्त्र, मेसोजेनिक पदार्थ, प्राकृतिक उत्पाद रसायनशास्त्र, आर्गनोमेटलिक, कार्बनिक संश्लेषण, बहुलक रसायनशास्त्र, परिमाण रसायनशास्त्र, सुप्रामोल्युक्यूलर रसायनशास्त्र सांख्यिकी यांत्रिकी इत्यादि में। सत्र २०१६-१७ के लिए एम.एससी. प्रथम वर्ष में ८७ छात्रों का प्रवेश लिया गया जिनका राज्य-बार विवरण निम्न है-: ५६ (उत्तर प्रदेश), ०४ (बिहार), २२ (प.बंगाल), ०१ (उडीसा), ०१ (हरियाणात्र), ०१ (असम), ०१ (जम्मू एवं कश्मीर), १४ छात्रों का प्रवेश पीएच.डी. में लिया गया जिसमें सी.आर.ई.टी. के माध्यम से ०२ तथा सी.आर.ई.टी. (मुक्त) ११छात्र थे। १६ छात्रों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गयी। वर्तमान में विभिन्न संकाय सदस्यों के अर्न्तगत २३ शोध परियोजनाएं चल रही है। जिनकी कुल लागत रू.५.२ करोड़ है। वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान डी.एस.टी. ने ३ करोड़ की अनुदान राशि कुछ परिष्कृट शोध सामाग्री जैसे एच.आर.एम.एस. इत्यादि के क्रय हेतु स्वीकृत की है। सी.ए.एस.-२ कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पहले ही अनुदान दे चुका है। विभाग में कुल १३७ शोध छात्र तथा ११ पोस्ट डाक्टोरल फेलोज कार्यरत हैं। प्रति वर्ष औसतन २०० लेख अंतर्राष्ट्रीय उल्लिखित पत्रिकाओं में छप रहे है तथा २० छात्र पीएच.डी. शोध प्रबंध जमा करते है। संकाय सदस्यों के प्रकाशित कुछ लेख अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर उद्धृत है। तीन संकाय सदस्य भारत के विभिन्न विज्ञान अकादमियों के सदस्य है। रसायनशास्त्र के सीमान्त क्षेत्रों में छुपी उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए हमारे संकाय सदस्य विभिन्न देशों (यू.एस.ए., यू.के, जर्मनी, फ्रांस, जापान, आस्ट्रेलिया, कनाडा, स्पेन, इत्यादि) के जाने माने रसायन प्रयोगशालाओं का प्रयोग करते हैं तथा उनके साथ सहयोग परियोजनांए भी चलाते हैं। विभाग में किये जा रहे शोधों का मुख्य केन्द्र बिन्दु प्रौद्योगिकी जैविकी महत्व के सामाग्रियों का विकास करना है। शिक्षण तथा शोध में उत्कृष्टता ही हमेशा इसका दोहरा उद्देश्य रहा है। शोध परियोजनाओं के लिए विभाग को यू.जी.सी., सी.एस.आई.आर., डी.एस.टी., डी.ए.टी., डी.आर.डी.ई., ए.आई.सी.टी.ई., बी.आर.एन.एस. तथा डी.आर.डी.यू. इत्यादि से अनुदान प्राप्त होता है। वर्तमान में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएँ परिचालित हैं।

संगणक विज्ञान विभाग

संगणक विज्ञान विभाग मुख्य परिसर में संगणक विज्ञान का स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है तथा राजीव गाँधी दक्षिण परिसर में पेड सीट के तहत एम.सी.ए. पाठ्यक्रम का संचालन करता है तथा बी.एससी. (आनर्स) ३ वर्ष के महिला महाविद्यालय के छात्राओं हेतु विभाग में थियरी (सिद्धान्त) कक्षाए भी आयोजित की जाती है। रिक्तियों के आधार पर विभाग वर्ष में दो बार नये पीएच.डी. छात्रों का नामांकन करता है।

आनुवंशिक विकार केन्द्र

आनुवंशिक विकार केन्द्र का मुख्य कार्य समाज में आनुवंशिक रोगों के बोझ का आकलन करना है, तथा उसके आधार भूत आणविक तंत्र का पता लगाकर इसके जाँच, इलाज तथा प्रबंधन के नीतियों को विकसित करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु, इस केन्द्र के पास आनुवंशिक तथा जटिल विकारों हेतु, गुण सूत्र तथा अनुवंशिक विकार के लिए एक जाँच इकाई तथा शोध, निदान एवं प्रबंधन के लिए तकनीकी रूप से कुशल संसाधन कर्मियों को तैयार करने हेतु एक शिक्षण कार्यक्रम है। यह केन्द्र उल्लिखित/ निर्दिष्ट मामलों का विभिन्न गुण सूत्रीय तथा आनुवंशिक विकारों का आनुवंशिक निदान संचालित कर रहा है। तथा संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण पर एक ठोस अनुसंधान चल रहा है-मानव दंत उत्पत्ति के कारण को समझना, रिनल सेल कार्सिनोता का आणविक विश्लेषण, पारम्परिक गतिविधियों का मूल्यांकन, पॉलीसिस्टिक किडनी विकार का जेनोमिक्स, पार्किन्सन की बिमारी के विशेष सन्दर्भ में न्यूरोडिजेनेरेटिव डिसआर्डर की आनुवांशिकी, मिश्रित धातु से बने बायोकम्पैटिवक दंत इम्पलांट का विकास, दुर्लभ आनुवंशिक विकारों हेतु लिम्फोब्लास्ट्वायड सेल लाइन की तैयारी, अल्जाइमर बिमारी की आनुवंशिकी, तीसवें दाढ़के दाँत तथा छूटते गिरे दाँतों से व्युत्पन्न मानव दंत पल्प स्टेम सेल्स का पृथकत्व तथा रिरूपण, बच्चों में ठोस ट्यूमर का आनुवंशिकी, डाउन सिंड्रोम लाइव बर्थ के लिए मातृक आनुवंशिक जोखिम मूल्यांकन, टर्नर सिन्ड्रोम, जैसे माहवारी से संबंधित महिलाओं में एक्स गुणसूत्र का आणविक साइओजेनेटिक्स मानचित्रण, नि:सन्तान महिलाओं में कैंडिडेट (उम्मीदवार) जीन का संघ विश्लेषण, ओराफेशियल क्लेफ्ट विकारों का आणविक आनुवांशिक विश्लेषण तथा जन्मजात अंश विकृतियों का जेनोमिक्स तथा सामान्य अंग विकास।

भूगर्भशास्त्र विभाग

देश का सबसे बड़ा भूगर्भशास्त्र विभाग, भूगर्भशास्त्र के लगभग सभी शाखाओं में शिक्षण तथा शोध कार्य आयोजित करता है। इस विभाग के अन्तर्गत हम्बोल्ट (जर्मनी) कामनवेल्थ (यू.के.) मैरी क्यूरी (फ्रांस),

लिबरहोम (यू.के) तथा कई अन्य सम्मानित यू.एस., कनाडाई, इतावली, स्पैनिश, हंगरीयन, जर्मन, जापानी, ब्राजीलीयन, फेलोशिप धारक, प्रतिष्ठित भारतीय तथा विदेशी अकादमियां साम्मिलित हैं। यहाँ एक ओ.एन.जी.सी. मालवीय पेट्रोलियम भूगर्भशास्त्र पीठ है तथा एक पुनर्नियुक्त प्रोफेसर है। यह विभाग राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्टीय स्तर पर विख्यात है और इसका कारण इसके उच्च गुणवत्ता वाले शोध है जिसमें स्ट्रेटीग्राफी, जीवाश्म विज्ञान, सूक्ष्म-जीवाश्म विज्ञान तथा समुद विज्ञान, तलछट, आर्थिक भूगर्भशास्त्र, कोयला भूगर्भशास्त्र, आग्नुय तथा कायांतरित शिला-विज्ञान संरचनात्मक भूगर्भशास्त्र तथा वास्तुकला, भू-रसायन विज्ञान, संरचनात्मक भूगर्भशास्त्र तथा वास्तुकला, भू-रसायन विज्ञान, हाइड्रजीलॉजी, जी.आई.एस. दूरस्थ संवेदन, इत्यादि जैसे विषय क्षेत्र शामिल हैं। भारतीय खनिज तथा उर्जा क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने हेतु आगामी शैक्षिक सत्र में नये पाठ्यक्रमों को तैयार किया गया है। यह विभाग डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. फेज-२ द्वारा प्रायोजित विभाग है। उत्कृष्ट शोधों को ध्यान में रखते हुए, यू.जी.सी. ने इस विभाग को २०१० से भूगर्भशास्त्र से उन्नत उध्ययन केन्द्र के रूप में विकसित किया। यह विभाग वहुत सारे आधुनिक शोध उपकरणों से सुसज्जित है, जिसके अन्तर्गत स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, एक्स-रे डीफैक्टोमीटर, उन्नत प्रतिबिंबित प्रकाश तथा कम्प्यूटर के साथ संलग्न फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप, उन्नत शैल विधा तथा त्रिविम माइक्रोस्कोप, थिन सैन्कशन प्रेपरेशन वर्क स्टेशन सम्मिलित है। हाल ही में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग ने एक शोध परियोजना में इस विभाग की इलेक्ट्रॉन प्रोब माईको-एनलायजर (ई.पी.एम.ए.) की स्वीकृती दी जो कि प्रचालन में है। तथा राष्ट्रव्यापी स्तर पर वैज्ञानिकों के द्वारा अपने-अपने शोध कार्यो के लिए प्रयोग किया जा रहा है। विभाग ने सभागार को आधुनिक सुविधाओं से अघतन कर दिया है तथा रिमोट-सेन्सिंग जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर से पूर्णतया सज्जित कम्पूटर लैब को तैयार किया गया है। ताकि इस आधुनिक प्रौद्योगिकी को सीखा और प्रयोग किया जा सके। भूगर्भ शास्त्र में अपने अग्रणी शाोधों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान बनाकर,विभाग को यू.जी.सी. के उन्नत उध्ययन केन्द्र के रूप में विकसित कर दिया गया है। तथा प्रथम फेज-२ के अगले उच्च स्तर पर उन्नयन कर दिया गया है। वर्तमान में विभाग त्रिवर्षीय (६ सेमेस्टर) बी.एससी. (आनर्स), भूगर्भशास्त्र में त्रिवर्षीय (६समेस्टर), एम.एससी.टेक. भूगर्भशास्त्र में दो वर्षीय (४ सेमेस्टर) एम.एससी., पेट्रोलियम जीयोसाइंस में दो वर्षीय (४ सेमेस्टर) एम.एससी. तथा भूगर्भशास्त्र में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को संचालित करता है।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग बी.ए. (आनर्स; कला तथा सामाजिक विज्ञान) तथा बी.एससी. (आनर्स; एम.ए/एम.एससी. तथा पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों और डिप्लोमा स्तर पर एक विशेष पाठ्यक्रम रिमोट सेंसिंग व जी.आइ.एस. को संचालित करता है। स्नाकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता के तीन विशिष्ट समूह है यथा (क) जनसंख्या व समाधान भूगोल (ख) योजना तथा (ग) कार्टोग्राफी तथा रिमोट सेंसिंग। भूगोल विभाग में बहुत सारे प्रयोगशाला है : थिओडलिट, डम्पी लेवल, प्रिज्मैटिक कम्पास इत्यादि उपकरणों

प्रो. सी.एन.आर. राव को वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार

समेत सर्वेक्षण प्रयोगशाला, मृदा तथा जल परीक्षण पोर्टेबल किट के साथ पर्यावरण प्रयोगशाला, मफल फर्नेस, बी.ओ.डी. इनक्यूवेटर, ध्वनि परिधि, उच्च ताप ओवल फ्लेम फोटोमीटर तथा स्पेक्ट्रोफोटोमीटर इत्यादि। दर्पण तथा लेंस स्टिरियोस्कोप इत्यादि के साथ कार्टोग्राफी लैब। (४) जी.आई.एस. तथा इमेज प्रोसेसिंग साफ्टवेयर आर्क इंफो, ई.एन.वी.आई. तथा ई.आर.डी.ए.एस. ४२ स्कैनर, ए.ओ. साइज प्रिंटर उच्च रेज्यूलेशन डिस्प्ले मॉनिटर, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर तथा १५ कम्प्यूटरों के नेटवर्क सेट अप के साथ जी.आई.एस. प्रयोगशाला (लगभग २० लाख)

भू- भौतिकी विभाग

भू-भौतिकी विभाग में एम.एस.सी.(टेक.) की डिग्री हेतु तीन वर्षीय स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग परास्नातक की डिग्री सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षाओं के तहत देता है। तथा दो विशेषज्ञता क्षेत्रों तथा अन्वेषण भू भौतिकी तथा अंतरिक्ष विज्ञान के संशोधित तथा अद्यतन पाठ्यक्रमों के शिक्षण में सक्रिय रूप से व्यस्त रहता है तथा तीन वर्ष की अवधि में ६ सेमेस्टर होते है। संकाय सदस्य हमेशा सक्रिय रूप से भू-भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य (सैद्धान्तिक तथा पर्यवेक्षणीय) तथा क्षेत्र अन्वेषण में व्यस्त रहते हैं। विभिन्न सरकारी तथा अर्द्ध सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य किये गए हैं तथा अनुरक्त (इच्छित) एजेसियों को परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाती है। शोध के मुख्य क्षेत्र है: जल भू भौतिकी जल संसाधन तथा मोडलिंग, जीयो-इलेक्ट्रोमैगनेटिक तथा मैगनेटोटेल्यूरिक्स, नान लिनियर डायनामिक्स, भग्न गतिकी तथा मोडलिंग, सइट प्रतिक्रिया तथा भूकंपीय माइक्रोजोनेशन तथा भूमि टूटन/फटना भूकंपीय संकट निर्धारण, क्रस्टल लक्षणों की वस्तु कला, संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान, मानसून तथा मानसून परिवर्तनशीलता का उर्जा-विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, मानसून तथा मानसून परिवर्तनशीलता का उर्जा विज्ञान जलवायु परिवर्तन तथा सामाजिक क्षेत्रों में इसका प्रभाव, फसल उपज पूर्वानुमान के साथ कृषि अंतरिक्ष विज्ञान तथा सलाहकार सेवाएं और पर्यावरण अंतरिक्ष विज्ञान/ वायु प्रदूषण/ यह विभाग, प्राथमिक डाटाबेस को एकत्रित करने के लिए, भारतीय अंतरिक्ष/मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार के साथ एक मौसम ताराघर/ आकाशलोचक, एक भूकंमपीय ताराघर एक ओजोन इकाई तथा केन्द्रीय भू-जल मंडल के साथ एक पिज्योमीटर टैप के साथ मिलकर उन्हे भी सहायता प्रदान कर रहा है। एम.ओ.ई.एस. परियोजना सी.ए.आई.पी.ई.ई.एक्स. के अन्तर्गत वर्षा जल रसायनिकी के अध्ययन

हेतु, विभाग आई.आई.टी.एम. पुणे के साथ मिलकर भी काम कर रहा है। शोध के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के योगदान के अन्तर्गत: विस्तृत भू-भौतिकी अन्वेषण क्षेत्र, भूंकप विज्ञान, कृषि मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण मौसम (अंतरिक्ष) विज्ञान तथा संबद्ध क्षेत्र शामिल है।

गृह विज्ञान

गृह विज्ञान सक्रिय रूप से शिक्षण तथा शोध में व्यस्त है। पिछले एक वर्ष में साथ राष्ट्रीय तथा सात अंतर्राष्ट्रीय लेख प्रकाशित हुए है। तीन राष्ट्रीय तथा एक अंतराष्ट्रीय लेख प्रकाशित हुए है। तीन राष्ट्रीय तथा एक अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक प्रकाशित हुआ है। विभाग के वरिष्ठ अध्यापक भारत के कई स्थानों पर चयन समितियों के विशेषज्ञ सदस्य, सम्मेलन सत्रों के अध्यक्ष के रूप में तथा सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में व्याख्यान देने हेतु भ्रमण कर चुके है। शोध के लिए पूर्ण संसाधित/सुसज्जित प्रयोगशाला की व्यवस्था वर्तमान वित्त वर्ष में कर दी गयी है तथा छात्रों को गृह विज्ञान में अंतरविषयक गुण वाले अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अंतरविषयक जीवन विज्ञान स्कूल

अंतरविषयक जीवन विज्ञान स्कूल (आई.एस.एल.एस.) की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जीवन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत तथा अंतर्विषयक शोध एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। यह पाँच जीवन विज्ञान विभाग जिसमें जैव रासायनिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान तथा आणविक तथा मानव आनुवंशिकी (एम.एच.जी.) व आनुवांशिक विकार केन्द्र के साथ मिलकर काम करता है। विभागीय सीमा से आगे निकलकर, सात क्षेत्रों को चिन्हित किया गया जिसमें सरंक्षण जीव विज्ञान, रोग जीव विज्ञान, कार्यात्मक जेनोमिक्सत्र, माइक्रोबियल पारिस्थतिकी, तांत्रिकी जीवन विज्ञान, प्रजनन जीवन विज्ञान तथा तनाव जीव विज्ञान शामिल है। पूर्णतया निर्मित इमारत का उद्घाटन १९ मई, २०१७ को किया गया। आई.एस.एल.एस. उन्नत शोधों तथा शिक्षा के लिए परिष्कृत उपकरणों की सुविधा भी प्रदान करता है। इसका प्रयोग विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान पर्यावरण तथा संधारणीय विकास विभिन्न तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, का.हि.वि.वि. के संकाय सदस्यों तथा शोध छात्रों के द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इन सुविधाओं का उपयोग का.हि.वि.वि. से बाहर के शोध छात्रों जैसे डी.आर.डी.ओ. (दिल्ली) इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा अन्य के द्वारा भी किया जाता है। वर्तमान शैक्षिक सत्र से जीवन विज्ञान में एकीकृत एम.फिल.-पी.एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया जा चुका है।

आणविक तथा मानव आनुवांशिकी विभाग

आणविक तथा मानव आनुवांशिकी विभाग सफलतापूर्वक एक अनूठे शिक्षण कार्यक्रम को अपने पाँच कोर संकाय सदस्यों के सहायोग से संचालित कर रहा है, जिसमें इसें विज्ञान संस्थान के अन्य विभागों तथा विश्वविद्यालय के अन्य संकाय जिसमें चिकित्सा विज्ञान संस्थान भी शामिल है के द्वारा भी उचित सहायोग प्राप्त होता हैं। विभाग आणविक तथा मानव आनुवंशिकी में एम.एस.सी. तथा पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। यह देश के सभी भागों के छात्रों को आकर्षित करता है।

गणित विभाग

गणित विभाग के विकास में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त गणितज्ञों, शोधार्थियों तथा अध्यापकों का योगदान है। अपने उपलब्ध २५ संकाय सदस्यों के साथ, विभाग ने इस वर्ष सराहनीय प्रगति किया है। संकाय सदस्यों, शोध छात्रों तथा पोस्ट डाक्टर फेलोज के सक्रिय भागीदारी के फलस्वरूप विभाग ने पर्यावरण पारिस्थितिकी तथा प्रकोप तंत्र का गणितीय मोडेलिंग पर कार्यशाला, ''गणितीय माडेलिंग तथा सिमुलेशन्स'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा गणितीय संघ, का.हि.वि.वि. का ३२वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। विभाग, २२०० से भी छात्रों हेतु, बी.एस.सी./बी.ए.(आनर्स), एम.एस.सी./एम.ए. तथा पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को नियमित शिक्षण/शोध कार्यक्रमों के माध्यम से संचालित कर रहा है।

भौतिक विज्ञान विभाग

भौतिक विज्ञान विभाग ने सीमान्त क्षेत्रों में शोध कार्य जारी रखा है जैसे-नैनो विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी, हाइड्रोजन भंडारण सामाग्री डी.एन.ए. विकृतिकरण, पॉलीमर, प्रोटीन की तह स्फटिक, क्वार्क-ग्लुओं प्लाज्मा, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, बायोमोलिक्यूल्स की संरचना, वायुमंडलीय विज्ञान, परमाणु भौतिकी तथा कंपन डिफेजिंग, उच्च तापमान सुपरकंडक्टर, कोलोजल मैगनाइट्स, लेजर ग्लासेज, सीमित ज्यामिति में आयोनिक लिक्विड, अल्ट्रासोनिक्स, गेज सिद्धान्त, आप्टिकल फाइवर, क्षेत्र सिद्धान्त इत्यादि साथ ही साथ स्नातक तथा परास्नातक दोनों स्तर पर नये पाठ्यक्रमों को लागू कर दिया गया है।

एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर

भौतिकी विभाग और जापान के बीच समझौता

डी.एस.टी. का सैद्धान्तिक भौतिकी संगोष्ठी सर्किट कार्यक्रम तथा आ.पी.ए. के स्थानीय अध्याय का वैशिष्ट्य नियमित रहा है। लगभग दर्जन भर भौतिक शास्त्री विभाग में आये, व्याख्यान दिया तथा संकाय एवं छात्रों से पारस्परिक वार्तालाप की।

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग दो प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित करता है सांख्यिकी तथा व्यावहारिक सांख्यिकी/कला तथा विज्ञान संकाय के छात्रों को प्रस्तावित पाठ्यक्रम में सांख्यिकी प्रक्रिया के संकल्पना तथा सैद्धान्तिक विकास पर जोर दिया जाता है। व्यावहारिक सांख्यिकी की रूपरेखा मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्रों हेतु तैयार की गयी है, जहाँ पर ज्यादा महत्व इस बात पर दिया जाता है कि व्यवहारिक समस्याओं के लिए विभिन्न सांख्यिकी उपकरणों/साधनों को कैसे उचित चुनाव तथा अनुप्रयोग किया जाए। सैद्धान्तिक पेपरों के अलावा, स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर व्यवहारिक/प्रायोगिक पेपर भी होते है जो सांख्यिकी तकनीकियों के उचित प्रयोग के बारे में जानकारी देते हैं। ४ सेमेस्टर वाले परास्नातक पाठ्यक्रम को, यू.जी.सी. के निर्देशानुसार तथा सांख्यिकी सिद्धान्तवादियों एवं प्रयोगकर्ताओं के माँग के अनुसार, २०१५ में पूर्ण रूप से संसोधित किया गया था। स्नातक तथा परास्नातक के पाठ्यक्रमों में विस्तृत प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए प्रोजेक्ट वर्क को भी शामिल किया गया है। उपरोल्लिखित सामान्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, विभाग अन्य संकाय के छात्रों हेतु प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी संचालित करना है, ताकि वे छात्र अपने शोध कार्यों में सांख्यिकी के तरीकों को यदि आवश्यकता पड़े, उपयोग कर सकें। २०१५-१६ सत्र से शोध स्तर के छात्रों हेतु विभाग ने सांख्यिकी तथा गणना में स्व-वित्त पोषित एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शरू किया है। इस पाठ्यक्रम को अन्य संकाय के छात्रों को कम्प्यूटेशनल निपुणता प्रदान करने के उद्देश्य से निरूपति किया गया है। इस विभाग के संकाय सदस्य अन्य संकायों तथा विभागों में भी सांख्यिकी का शिक्षण प्रदान कर रहें हैं यथा गृह विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, संगणक विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान पर्यावरण विज्ञान इत्यादि। हम अन्य विभागों के शोधकर्ताओं को उनके डाटा के उचित सांख्यिकी विश्लेषण में निर्बाध सलाह भी प्रदान करते है। विभाग में निम्न क्षेत्रों में संतोष जनक शोध गतिविधियां चल रही है : सांख्यिकीय अनुमान, जीवन परीक्षण तथा विश्वसनीयता, स्टोकेस्टिक मॉडेलिंग तथा जनसंख्या अध्ययन। वर्तमान सत्र में यू.जी.सी. के द्वारा एस.ए.पी.-डी.आर.एस.आई को एस.ए.पी.-डी.आर.एस.-२ में परिवर्तित कर दिया गया यद्यपि औपचारिक पत्र मार्च-२०१६ में प्राप्त हुआ। उपरोक्त दो प्रमुख विषय क्षेत्रों के अतिरिक्त एक नया विषय क्षेत्र बेज़ियन सांख्यिकी को भी शामिल किया गया है। डी.आ.एस.-२ के तहत कुल स्वीकृत राशि लगभग रू.५६ लाख थी।

प्राणि विज्ञान विभाग

प्राणि विज्ञान विभाग पशु विज्ञान के शिक्षण तथा शोध के लिए देश के अग्रणी विभागों में से एक है। पशु व्यवहार का समावेशन तथा हाल ही में शिक्षण में आणविक तथा मानव आनुवंशिकी, आणविक एंडो-क्रिनोलोजी, तांत्रिका जीवन विज्ञान, आर्थिक प्राणि विज्ञान इत्यादि को सम्मिलित करके, विभाग अग्रिम पंक्ति में आ गया है। शिक्षण में विकास तथा विविधता (शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों हेतु दृश्य-श्रव्य उपकरण सुविधाएं) संकाय सदस्यों के प्रगतिशील तथा प्रतिस्पर्धात्मक प्रवर्तन के द्वारा संभव हुआ जिनका विभिन्न क्षेत्रों में जैसे जरण (उम्र बढ़ना) का जैव रासायनिकी तथा आणविक जीव विज्ञान, आणविक तांत्रिका जीवन विज्ञान, कैंसर, प्रजनन का हार्मोनल नियंत्रण, रोग प्रति रक्षा तथा रिदम्स, पादप उत्पाद तथा प्रजनन व शरीर क्रिया विज्ञान पर इसके प्रभाव, विकिरण प्रभाव, कैंसर जीव विज्ञान, कीड़े तथा मत्स्य शरीर क्रिया विज्ञान, आनुवांशिक गुण सूत्र विकास, नान कोडिंग आर.एन.ए. का कार्य तथा विनियमन) गहन शोध ने न केवल सीमान्त क्षेत्रों में ज्ञान का वर्धन किया है अपितु एक ऐसा परिवेश तैयार किया जिसमें रचनात्मक शोध के लिए प्रेरणा मिलती है। इस स्तर का विकास संकाय के बहुत से व्यक्तिगत शोध परियोजनाओं के माध्यम से अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के विकास के फलस्वरूप संभव हो पाया है।

इसके अतिरिक्त यू.जी.सी. के द्वारा विशेष सहायता कार्यक्रम ने विभाग को एक उन्नत अध्ययन केन्द्र के रूप तक पहुँचाया, सी.ओ.एस.आई.एस.टी. तथा डी.एस.टी., एस. एफ.आई.एस.टी. का उपकरणों/संसाधनों के रूप में विभाग को प्रदत्त सहयोग ने भी विभाग को शिक्षण तथा शोध में उपलब्धियां प्राप्त करने में योगदान दिया। संकाय के वैज्ञानिक योग्यता को मान्यता, समय-समय पर विभिन्न सम्मानों, पुरस्कारों तथा पद्मश्री, एस एस भटनागर, जवाहर लाल नेहरू, एफ.आई.सी.सी.आई., हरि ओम ट्रस्ट,यू.जी.सी. करियर अवार्ड, विज्ञान रत्न तथा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय (एलेक्जेंडर वोन हम्बोल्ट, जे.एस.पी.एस., डी.ए.ए.डी., आई.बी.आर.ओ.-यू.एन.ई.एस.सी.ओ., फुल ब्राइट इत्यादि) फेलोशिप तथा चिकित्सा अकादमियों के माध्यम से प्राप्त होती रहती है।

विभाग के पास एक संपूर्ण सुसज्जित शोध प्रयोगशाला, केन्द्रीय परिष्कृत उपकरण तथा सभी शोध प्रयोगशालाओं तथा कक्षाओं तक इंटरनेट सुविधा एवं नेटवर्किंग के साथ एक कम्प्यूटर लैब भी है। विभाग ने सफलतापूर्वक सी.ए.एस. फेज-५ पूर्ण कर लिया है तथा सी.ए.एस. फेज-VI २०१७-२२ के लिए स्वीकृति प्राप्त कर ली है। विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से विभिन्न क्षेत्रों जैसे जैव रसायनिकी, साइटोजेनेटिक्स, प्रजनन जीव विज्ञान तथा एण्डोक्रीनोलोजी, इकोफिजियोलोजी तथा अन्य क्षेत्रों इम्यूनोलोजी तथा क्रोनोबायोलोजी के शोध कार्य में व्यस्त हैं।

कला संकाय
FACULTY OF ARTS

२.१.२. संकाय

२.१.२.१. कला संकाय

वाराणसी, असीम कांति से पूर्ण नगर जो कि भगवान शिव के त्रिशूल पर बसा हुआ है, सम्पूर्ण विश्व में अनेक कारणों से जाना जाता है, जिनमें गंगा, सारनाथ तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय उल्लेखनीय हैं। सन् १९१६ में स्थापित का.हि.वि.वि. महान दिव्यदर्शी तथा असाधरण राष्ट्रवादी नेता पं. मदन मोहन मालवीय के सपनों का वास्तविक आविर्भाव है। इस का.हि.वि.वि. में कला संकाय को मानविकी के केन्द्र के रूप में विकसित किया गया जो कि पूर्व में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज के नाम से जाना जाता था तथा १८९८ में एनी बेसेन्ट के द्वारा स्थापित किया गया था। यह वह नींव साबित हुआ जिस पर का.हि.वि.वि. की महान इमारत तथा आशावादी भाविष्य का निर्माण हुआ। निश्चित रूप से इन्हीं कारणों से कला संकाय का का.हि.वि.वि. से ऐसे संबंध स्थापित किया गया है, जहाँ पर ज्ञान की धारा निरन्तर अबाधित रूप से प्रवाहित होती रहती है।कला संकाय पारंपरिक तथा आधुनिक ज्ञान व्यवस्था के बीच एक अद्वितीय समन्वय को विकसित करने की परिकल्पना करता है तथा सर्वदा ऐसे मतों एवं विचारों को विकसित करने की योजना में संलग्न रहता है जो कि मानवता के समग्र अवधारणा के अनुकूल हो। अपनी आंतरिक उर्जा को संरक्षित रखते हुए यह संकाय अन्तर्विषयी शोधों के नये परिदृश्यों को प्रोत्सहित करता है ताकि ''मानव स्वतंत्रता'' के सिद्धान्त को जीवंत बनाकर उसे मूर्त रूप दिया जा सके। २१ विभागों तथा ०४ महत्वपूर्ण केन्द्रों-भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, अंतर-संस्कृति अध्ययन केन्द्र तथा अनुवाद अध्ययन केन्द्र के साथ, यह संकाय विभिन्न पारम्परिक तथा देशज ज्ञान स्त्रोतों तथा उनके पारम्परिक महत्व के मूल्यांकन हेतु संवाद को प्रोत्साहन देता है। छात्रों तथा अध्यापकों को और जागरूक, जीवंत तथा परस्पर संवादात्मक बनाने हेतु, यह संकाय समय-समय पर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं का आयोजन करता रहता है। एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में, संकाय ''तुलनात्मक साहित्य'' पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। जिसकी परिकल्पना साहित्य के प्रति अंतर्विषयी दृष्टिकोण के क्षेत्र में संकाय सदस्यों की जागरूकता को बढ़ाने के लिए की गयी है। संकाय की वार्षिक पत्रिका 'अपूर्वा' का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। क्योंकि यह अध्यापकों के शोध-पत्रों के प्रकाशन के लिए एक मंच प्रदान करता है।

मूलरूप से संकाय का केन्द्र बिन्दु त्रिआयामी है- यह छात्रों को दोनों भाषाओं भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में शिक्षण प्रदान करता है जैसे कि एक ओर हिन्दी, संस्कृत, पाली, उर्दू, तेलगू, तमिल मराठी, बंगाली, भाषा-विज्ञान है तो दूसरी ओर अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पैनिश, अरबी, परसीयन, रूसी, तथा चीनी भाषाएँ हैं। यह छात्रों को इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, कला का इतिहास, दर्शन तथा धर्मशास्त्र के क्षेत्र में नूतन प्रगति से भी परिचित करवाता है। इसका तीसरा आयाम वृत्तिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे- पत्रकारिता व जन संचार, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, पर्यटन व यात्रा प्रबंधन संग्रहालय विज्ञान तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के परिचय से संबंधित है। इसमें तनिक भी अतिशयोत्ति नहीं होगी यदि हम कहें कि कला संकाय मानव विकास की प्रक्रिया तथा एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में एक उल्लेखनीय भूमिका निभा

रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वानों की एक लम्बी सूची है जो कि इस संकाय से सम्बद्ध हैं तथा का.हि.वि.वि. की छवि को बढ़ा चुके हैं। उसमें से कुछ इस प्रकार है- डॉ एस. राधाकृष्णन, बी.एल. अत्रेया, टी.आर.वी. मूर्ति, जे.एल. मेहता, देवराज (दर्शनशास्त्र); बाबू श्याम सुन्दर दास, आचार्य राम चन्द्र शुक्ल, केशव प्रसाद मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंद दुलारे वाजपेयी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, शिव प्रसाद सिंह, नामवर सिंह, केदार नाथ सिंह (हिन्दी); सी.एन. मेनन, राम अवध द्विवेदी, डॉ. साहनी, विक्रमादित्य राय, हरीश त्रिवेदी (अंग्रेजी), रामावतार शर्मा, ए.बी. ध्रुव, पी.एल. वैद्य, बलदेव उपाध्याय, रेवा प्रसाद द्विवेदी, सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत); राय कृष्ण दास, राय आनन्द कृष्णा, कपिला वात्सयायन (कला इतिहास); ए.एस. आल्टेकर, राजबली पाण्डेय, वासुदेव शरण अग्रवाल, आर.सी. मजूमदार तथा ए.के. नारायन (प्रा.भा.इति.संस्कृति व पुरातत्व) कहने की आवश्यकता नहीं कि ये लोग भावी पीढ़ी के लिए शक्ति और प्रेरणा के महान स्त्रोत थे।

कला संकाय को न केवल सबसे पुराना संकाय होने का सौभाग्य प्राप्त है बल्कि-सबसे बड़े संकायों में से भी एक है-जिसके अर्न्तगत २५० संकाय सदस्य, ४००० छात्र तथा १२ कार्यालय कर्मचारी हैं। इसके पास सबसे बड़े २१ शिक्षण विभागों के होने का एक विरल विशिष्टता प्राप्त है जो कि निम्नलिखित है- प्राचील भारतीय इतिहास संस्कृति व पुरातत्व के साथ संग्रहालय विज्ञान अलग अनुभाग के रूप में, अरबी, बंगाली, अंग्रेजी, विदेशी भाषाएं (रूसी, चीनी, जापानी, स्पैनिश तथा पोलिश), फ्रांसीसी अध्ययन, जर्मन अध्ययन, हिन्दी, कला इतिहास, भारतीय भाषाएं (नेपाली, तमिल), पत्रकारिता व जनसंचार, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, भाषा विज्ञान, संस्कृत, तेलगू तथा उर्दू। इन विभागों के अतिरिक्त संकाय के पास व्यावसायिक वर्ग जैसे कार्यालय प्रबंधन व सचिवालयी तकनीक, विज्ञापन व विक्रय कला, सुरक्षा (बीमा) प्रबंधन, लेखा एवं लेखा परीक्षा, पुरातत्व विज्ञान व संग्रहालय विज्ञान तथा यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन भी है। इन विभागों के माध्यम से संकाय विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम जो कि प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम से लेकर शोध स्तर तक जैसे पी.एचडी. और डी.लिट. तक के कार्यक्रमों को प्रदान करता है।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

यह विभाग उन्नत अध्ययन केन्द्र की विशिष्टता के साथ भारत विद्या अध्ययनों का प्रमुख विभाग है। इसके शिक्षण तथा शोध के मूलभूत क्षेत्र के अंतर्गत कला एवं वास्तुकला, धार्मिक तथा दार्शनिक अध्ययन, पुरालेख विद्या तथा प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन, मुद्राशास्त्र व पुरातत्व तथा संग्रहालय विज्ञान सम्मिलित हैं। संकाय के सबसे बड़े पुस्तकालय के साथ ही विभाग के पास आर्कियोमेटालर्जी में वैज्ञानिक शोधों, मृत्तिका कला तकनीक अकार्बनिक (अजैवीय) पदार्थों से संबंधित आंकड़ों को संभालने हेतु एक प्रयोगशाला भी है। अतीतकाल के विस्तृत तथा वैज्ञानिक ज्ञान हेतु विभाग के पास पुरातत्व विभाग, कैम्ब्रीज विश्वविद्यालय, आई.आई.टी., कानपुर, बीरबल, साहनी प्राचीन शिलालेख अध्ययन संस्थान, लखनऊ जैसे संस्थानों के साथ सहयोगी शोध कार्यक्रम भी हैं। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां निष्पादित की गयी हैं।

संगोष्ठी और कार्यशाला

- २८-२९ जनवरी, २०१७ को वाराणसी संस्कृति और धरोहर विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- वाराणसी की सांस्कृतिक छवियाँ: नवीन उपागम विषय पर १६-२२ मार्च २०१७ को कार्यशाला।
- २३-२५ मार्च २०१७ को 'प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन: वर्तमान संदर्भ और भविष्य की दिशाएं' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

विशिष्ट व्याख्यान-शोध की गुणवत्ता बढ़ाने और प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व में हुए नवीन विकासक्रम से वरिष्ठ विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए दूसरी शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से विभाग ने समय-समय पर भारत के कुशल विशेषज्ञों का विशिष्ट याख्यान आयोजित किया। निम्नलिखित विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए गये:

प्रो. वी.एच. सोनवाने	- एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा, २९ जुलाई २०१६
प्रो. एन.आर. शाह	- एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा, ९ और १० अगस्त, २०१६
प्रो. मारूति नंदन तिवारी	- कला इतिहास विभाग, बी.एच.यू. २२ सितम्बर, २०१६
प्रो. वी.के. शुक्ला	- भूगर्भ विज्ञान विभाग, बी.एच.यू. ४ अक्टूबर, २०१६
प्रो. सुचन्द्रा घोष	- कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, २४ अक्टूबर, २०१६
प्रो. आर. के मोहन्ती	- देक्कन कॉलेज, पुणे २५ और २६ अक्टूबर, २०१६
प्रो. एल.एस. निगम	- रायपुर, २३ नवम्बर, २०१६
डॉ. राजेश पुरोहित	- इलाहाबाद, संग्रहालय, इलाहाबाद, ७ जून, २०१७
प्रो. हेराल्ड बीज	- लिपजिंग विश्वविद्यालय, जर्मनी, १४ और १५ फरवरी, २०१७
प्रो. वसन्त शिन्दे	- कुलपति, डेक्कन कॉलेज, पुणे, २१ फरवरी, २०१७
प्रो. रवि कोरिसत्तार	- डॉ. वी.एस. वाकांकर, पुरातत्व अनुसंधान संस्थान, धारवाड़, कर्नाटक, ०२ मार्च, २०१७
डॉ. ए.के. शर्मा	- पुरातात्विक सलाहकार, भारत सरकार, ९ मार्च, २०१७
प्रो. विभा उपाध्याय	- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, २२ मार्च, २०१७

बंगाली विभाग

०६.०४.२०१६ को तीन वक्ताओं का तीन विशिष्ट व्याख्यान: बंगाली विभाग, कला संकाय, बी.एच.यू. ने समकालीन बंगाली कहानियाँ विषय पर निम्नलिखित वक्ताओं का तीन विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया- प्रो. प्रकाश कुमार मैती, अध्यक्ष, बंगाली विभाग, कला संकाय, बी.एच.यू.; मि. बितन चक्रवर्ती, बंगाली कहानी लेखक, कोलकत्ता; प्रो. नमिता भट्टाचार्य, बंगाली विभाग, कला संकाय, बी.एच.यू.।

- १६ अगस्त २०१६ को प्रो. सत्यव्रत गिरि (सेवानिवृत्त), जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकत्ता ने 'मध्य कालीन बंगाली कविता' पर व्याख्यान दिया।
- १९ फरवरी, २०१७ को प्रो. मुकुल बन्दोपाध्याय (सेवानिवृत्त) बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार ने रवीन्द्रनाथ टैगोर विषय पर व्याख्यान दिया।
- २८ फरवरी २०१७ को प्रो. अचिन्त्य विश्वास (सेवानिवृत्त) जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकत्ता ने 'आधुनिक बंग्ला साहित्य' पर व्याख्यान दिया।
- बंगाली विभाग, कला संकाय, बी.एच.यू. ने ४-५ मार्च २०१७ को प्रेमचन्द्र सभागार, नवीन व्याख्यान संकुल, कला संकाय, बी.एच.यू. में दो प्रसिद्ध बंग्ला लेखकों प्रो. जयन्ती चटोपाध्याय (सेवानिवृत्त) आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-७ और डॉ. कीर्ति सेन गुप्ता, प्रख्यात बंग्ला लेखिका, कोलकत्ता (पं.बं.) के ६ विशिष्ट व्याख्यान (३-प्रत्येक) आयोजित किया। उपरोक्त व्याख्यानों के उपरान्त निम्नलिखित तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।
- मेधा वृद्धिर दवाई, प्रो. प्रकाश कुमार मैती
- शरणार्थी, मि. वितन चक्रवर्ती
- मुमुक्षा, मि. कौशिक आचार्य

सांस्कृतिक कार्यक्रमः दिनांक १०.०८.२०१६ को गुरूदेव रबीन्द्र नाथ टैगोर की पुण्य तिथि- बंगाल के अन्य शिक्षण तथा सांस्कृतिक संस्थानों की तरह, बंगाली विभाग के छात्रों तथा संकाय सदस्यों ने गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि की स्मृति में भाग लिया। एक संक्षिप्त किन्तु भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करके छात्रों ने कवि गुरू को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

दिनांक २१.०२.२०१७ को बंगाली विभाग में अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस का उत्सव आयोजन।

Students dancing on the songs of Vasant Utsav

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग ने कुछ पुस्तकों और ३० से अधिक शोध पत्रों को विभिन्न जर्नलों में प्रकाशित करके साहित्य अध्ययन के क्षेत्र में योगदान किया। अध्यापकों ने भारत और भारत के बाहर विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत किया और मुख्य वक्ता, विशेषज्ञ वक्ता, आमंत्रित वक्ता के रूप में वक्तव्य दिया। विभाग ने ०६ से २६ दिसम्बर २०१६ को एच.आर.डी.सी. बी.एच.यू. में अंग्रेजी का ९वाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और अध्ययन की विधियाँ विषय पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया। अंग्रेजी विभाग की स्थापना के १०० वर्ष पूरे होने पर विभाग ने पुराछात्र सम्मेलन के साथ 'भारत में अंग्रेजी अध्ययन: बदलाव और चुनौतियाँ' विषय पर १७-१८ नवम्बर २०१६ को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। 'वोल्कानो' के अतिरिक्त विभागीय पत्रिका 'रिसर्च एण्ड क्रिटिसिज्म' का सातवाँ अंक प्रकाशित किया। चालीस से अधिक छात्रों को विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी मिली।

लगभग १५ छात्रों ने यू.जी.सी. की नेट/जे.आर.एफ. उत्तीर्ण किया। लगभग बीस छात्रों को पी.एचडी. की उपाधि दी गयी। शाधार्थियों के लिए पाक्षिक शोध प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया और विभाग तथा संबद्ध महाविद्यालयों के परास्नातक छात्रों के लिए विलियम शेक्सपीयर की ४००वीं पुण्यतिथि पर 'रंगमंच में शेक्सपियर' पर २७ अक्टूबर, २०१६ को रंगमंच कर्म का आयोजन हुआ। मि. पवन वर्मा को वैकल्पिक शिक्षा पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। प्रो. चंचल नाइक (इफ्लू हैदराबाद) और प्रो. संजयदत्त राय (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने भी विभाग को संबोधित किया। श्री पुरोहित स्वामी स्मृति व्याख्यान भी आयोजित किया गया। विभाग के शिक्षकों ने अर्थशास्त्र विभाग के परास्नातक छात्रों को 'अंग्रेजी संप्रेषण' का ज्ञान कराया और कैरियर विकास केन्द्र के अंतर्गत कौशल विकास हेतु अंग्रेजी बोलने का पाठ्यक्रम संचालित किया।

विदेशी भाषा विभाग

सन् १९४८ में स्थापित इस विभाग की महत्ता है कि यह एशिया व यूरोप के सात प्रमुख भाषाओं यथा चीनी, जापानी, सिंघली, रूसी, इतालवी, स्पैनिश तथा पोलिश भाषाओं के शिक्षण कार्यक्रम को संचालित करता है। इस विभाग का वर्तमान केन्द्र-बिन्दु चीनी भाषा एवं साहित्य, संस्कृति, इतिहास, राजनीति, चीनी, भारतीय बातचीत, रूसी भाषा तथा साहित्य है। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजित की गयीं।

फ्रेंच/फ्रांसीसी अध्ययन विभाग

दिनांक २३-२५ फरवरी २०१५ को डॉ. गीताजंलि सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा 'रेसिट, डे वोयागे डैन्स ला लिटरेचर फ्रान्सेस एट फ्रांकोफोन' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें १५० से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सोविनियर-कम-एब्सट्रैक्ट पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथिगण

कला इतिहास विभाग

कला इतिहास विभाग द्वारा मार्च २०१६ से फरवरी २०१७ के मध्य निम्नलिखित संगोष्ठी/ कार्यशाला/ स्मृति व्याख्यान आयोजित किये गये –

- बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय कला विरासत: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (२७ फरवरी से ०१ मार्च, २०१७)। ठुमरी साम्राज्ञी गिरिजा देवी मुख्य अतिथि थीं।
- इंप्रेशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला
- भारतीय कला विरासत एवं प्रासंगिकता (१८ मार्च २०१६) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
- 'वाराणसी : एक शाश्वत नगरी' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (१९-२० अक्टूबर, २०१६)
- द्वितीय फ्रेंक सी. चोकोलिंगो एवं इवामारिया आर. चोकोलिंगो स्मृति व्याख्यान (०१ मार्च, २०१७)
- प्रो. शारदा श्री निवासन, (प्रोफेसर एण्ड डीन, स्कूल ऑफ ह्यूमनिटिज नेशनल ऑफ एडवांसड स्टडीज इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस कैम्पस, बंगलौर) ने ''मैपिंग शिफ्टिंग आइकोनोग्राफिक्स: आर्क्योटेक्नोलॉजीकल इनसाइड्स ऑन चोला एण्ड विजयानगर ब्रोन्जेस'' विषय पर स्मृति व्याख्यान दिया।

दर्शनशास्त्र तथा धर्म विभाग

छ: विशिष्ट व्याख्यान क्रमश: प्रो. जगतपाल, नेहू, प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और प्रो. जटाशंकर, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आयोजित किये गये। इन व्याख्यानों के साथ चाकोलिन्गो स्मृति व्याख्यान शृंखला आयोजित की गयी जिसमें प्रो. आर. सी प्रधान, दर्शनशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, प्रो. एस. आर. भट्ट, अध्यक्ष, आई.सी.पी.आर., नई दिल्ली, प्रो. पी. आर. भट्ट, दर्शनशास्त्र विभाग, आई.आई.टी., बाम्बे, पवई तथा प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, सागर

विश्वविद्यालय ने दर्शन शास्त्र के विविध मुद्दों पर व्याख्यान दिया। इन व्याख्यानों के अतिरिक्त प्रो. देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी की 'लैंग्वेज, बीइंग एण्ड कोग्निशन' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित हुई। भारत अध्ययन केन्द्र, बी.एच.यू. द्वारा विभाग के सहयोग से प्रतिवेदन अवधि के दौरान दो विदेशी विद्वान विशेषज्ञों का दो विशिष्ट व्याख्यान भी विभाग में आयोजित किया गया।

पाली तथा बौद्ध अध्ययन केन्द्र

भारत में बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में यह विभाग अग्रणी संस्थानों में से एक है। यद्यपि इस विभाग की स्थापना १९८२ में हुयी, लेकिन भीखु जगदीश कश्यप, भारत में बुद्ध धर्म के पुनर्जीवन के अग्रदूत के प्रयास से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पाली की शिक्षा १९४० में ही प्रारम्भ हो गयी थी। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजिन की गयीं। उर्दू विभाग, अरबी विभाग, जर्मन अध्ययन विभाग, हिन्दी विभाग, भारतीय भाषा विभाग, पत्रकारिता तथ जनसंचार विभाग, पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान विभाग, भाषा-विज्ञान, मराठी विभाग, पारसी विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग, संस्कृत विभाग एवं तेलगू विभाग में वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजित की गयीं।

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र

- प्रोफेसर सुखदेव की ८३वीं जन्म तिथि के अवसर पर दिनांक २४.०७.२०१६ को संगोष्ठी का आयोजन।
- बुद्धि तथा सामर्थ्य का अर्थ: भारतीय पारम्परिक दृष्टि/मत'' विषय के अंर्तगत दिनांक ०२.०८.२०१६ को विशेष व्याख्यान का आयोजन।
- महामना तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय'' विषय पर दिनांक १६.०९.२०१६ को विश्वविद्यालय तथा संबंद्ध कॉलेजों हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।

व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन

छात्रों में कौशल विकास के संवर्धन हेतु, कला संकाय व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रमों के अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है। इस संकाय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम सन् १९८५ से चल रहे हैं। पर्यटन तथा कार्यालय प्रबंधन में दो वर्षीय अंशकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम इस संकाय में बहुत प्रचलित पाठ्यक्रम हैं। इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत कक्ष शिक्षण के साथ-साथ अध्यवसाय में व्यवहारिक सत्र तथा क्षेत्र स्तरीय अनुभव के लिए शैक्षिक यात्रा भी सम्मिलित है।

उर्दू विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

२.१.२.२. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वर्तमान में देश का सबसे बड़ा वाणिज्य विभाग है। वाणिज्य विभाग का प्रादुर्भाव सन् १९४० में विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग का.हि.वि.वि. के एक अनुबंध के रूप में हुआ। सन् १९५० में यह एक स्वतंत्र विभाग बना और सन् १९६५ में उच्चीकृत होकर इसने एक संकाय का दर्जा प्राप्त किया। इस संकाय द्वारा सत्र २०१६-१७ की अवधि में बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा), एम.कॉम्. तथा पीएच.डी. का पाठ्यक्रमों का संचालन जारी है। इसके साथ ही एम.बी.ए.-एफ.एम., एम.बी.ए.-आर.एण्ड आई. और एम.बी.एम.-एफ.टी. जैसे विशेष स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर (रा.गाँ.द.प.), बरकछा, मिर्जापुर में भी वाणिज्य संकाय के नियंत्रण में पेड सीट श्रेणी के आधार पर बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा) और एफ.एम.एम. के पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

संकाय ने अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, इरान, पोलैण्ड और श्रीलंका इत्यादि जैसे अनेक विदेशी राष्ट्रों के छात्रों को आकृष्ट किया है। इस वर्ष में छात्राओं का प्रवेश वाणिज्य संकाय में विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। वर्तमान सत्र में लगभग चार सौ छात्रों का प्रवेश हुआ।

संकाय के सदस्यों ने पीएच.डी. धारक तैयार करने, शोध पत्रों/लेखों एवं पुस्तकों के प्रकाशन, भारत व विदेशों में विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न हुए। संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में सहभागिता के द्वारा तथा का.हि.वि.वि. और विश्वविद्यालयों के विभागों में परीक्षा या अतिथि वक्ता के रूप में कार्य करके अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संकाय के शिक्षक सदस्य अध्यापन के कार्यक्रमों जैसे बी.कॉम. (आनर्स), एम.काम., एम.बी.ए.-एफ.एम., एम.बी.ए.- आर. एण्ड आई. और एम.बी.ए.-एफ.टी. तथा शोध शिक्षा में कार्यरत रहे। कुछ शिक्षक महिला महाविद्यालय, कला संकाय, संगणक विज्ञान विभाग एवं सांख्यिकी विभाग में भी संलग्न रहे।

छात्रों के लिए सुविधाएँ

छात्रों को गुणवत्ता एवं उनके प्रदर्शन में उत्थान की दृष्टि से संकाय उन्हें अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करता है। वे सुविधाएँ हैं :

- विभागीय पुस्तकालय
- वाणिज्य संघ पुस्तकालय
- एम.एफ.एम./एम.एफ.एम.आर.आई./एम.एफ.टी पुस्तकालय
- पाठ्यपुस्तक बैंक सुविधा
- योग्यता एवं प्रतिभा छात्रवृत्ति
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शोध छात्रवृत्ति
- बीएचयू पीएच.डी. अनुसंधान छात्रवृत्ति
- अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति
- एन.सी.सी.
- एन.एस.एस.
- अतिथि शिक्षक व्याख्यान
- परियोजना प्रशिक्षण
- व्यापारिक अधिकारियों के साथ संवाद

छात्रों को अन्य सुविधायें : कम्प्यूटर-८०, लैपटाप-३४, फोटो कापियर-०२, लेजरप्रिंटर-६५ उपरोक्त सुविधाओं के साथ ही छात्रों के लिए वाई फाई इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रों के प्रायोगिक सुविधा के लिए कम्प्यूटर लैब भी उपलब्ध है।

२.१.२.३. शिक्षा संकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कमच्छा प्रांगण में १५ अगस्त, १९१८ को शिक्षा संकाय की स्थापना एक (अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्र) 'टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज' के रूप में हुई थी जो बाद में पूर्णत: एक संकाय के रूप में विकसित हुआ। प्रारम्भ से ही यह संकाय, समाज एवं राष्ट्रीय विकास का कार्य संस्कृतिनिष्ठ, आधुनिक दृष्टिकोण एवं शिक्षण तकनीकी से ओत-प्रोत शिक्षकों को सामयिक परिवर्तनों के अनुरूप तैयार कर रहा है।

यह एक एकल विभाग एवं संकाय है, जहाँ पर स्नातक, परास्नातक एवं शोध की सुविधा उपलब्ध है। संकाय में बी.एड., बी.एड. (स्पेशल), एम.एड., एम.एड. (स्पेशल) एवं शोध (पी.एचडी.) की सुविधा उपलब्ध है। उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम दो वर्षीय (४ सेमेस्टर) एवं पी.एचडी. सहित शोध कार्यक्रम विश्वविद्यालय के नियमानुसार संचालित किये जाते हैं। बी.एड. पाठ्यक्रम की शिक्षा राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर में भी प्रदान की जाती है। संकाय को यह विशिष्टता भी प्राप्त है कि यहाँ पर इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी संचालित होता है।

संकाय में ''याद करो कुर्बानी- आजादी ७० कार्यक्रम'' २२-२३ अगस्त २०१६ को सम्पन्न हुआ। जिसमें वाद-विवाद, वक्तृत्व कला, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध लेखन, कविता पाठ, एकल मंचन एवं देशभक्तिपूर्ण गीतों समेत कई सांस्कृतिक आयोजन इस कार्यक्रम में सम्पन्न हुए।

संकाय के व्याख्यान कक्ष में २९ सितम्बर से २ अक्टूबर २०१७ तक प्राचार्या मीनाक्षी सिंह, संयोजिका एवं डॉ. आर.एन. शर्मा, महासचिव द्वारा शिक्षा संकाय के पुरा छात्र संगठन (ए.ए.ई., का.हि.वि.वि.) द्वारा १०० स्नातकोत्तर एवं शोध के छात्रों हेतु व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

२६ एवं २७ नवम्बर २०१६ को शिक्षा संकाय के पुरा छात्र संगठन द्वारा ''भारतीय शिक्षा में समावेश : प्रवृत्ति एवं चुनौतियाँ'' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर.एन. शर्मा एवं डॉ. आलोक गार्डिया द्वारा पुरा छात्र मिलन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, इस राष्ट्रीय आयोजन में २२५ प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। विशिष्ट पुरा छात्रों का अभिनन्दन भी किया गया। नेता सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती (२३ जनवरी २०१७) पर ईको क्लब द्वारा पौध रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी अध्यापक एवं बी.एड. तथा एम.एड. के छात्रों ने हिस्सा लिया।

संकाय के प्रोफेसर हरिकेश बहादुर सिंह का जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के कुलपति के रूप में २३ जनवरी २०१७ के रुप में नियुक्ति संकाय की एक बड़ी उपलब्धि है।

प्रथम सप्ताह में बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों हेतु स्काउट एवं गाइड कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, नई दिल्ली की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान (पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.) योजना द्वारा लगभग रुपये ९.४५ करोड़ की सहायता द्वारा संकाय को शिक्षा का विद्यालय की प्रतिष्ठा से अलंकृत किया गया।

संकाय में प्राध्यापक, उच्च शिक्षा, दुरहम विश्वविद्यालय एवं दुरहम सेन्टर के एकेडेमिक प्रैक्टिस के निदेशक प्रोफेसर रेलैण्ड द्वारा ''प्रीपेयरिंग स्टूडेन्ट्स फॉर हायर लेवल लर्निंग एण्ड वेन्चरिंग इन्टू स्ट्रेन्ज प्लेस ग्रेजुएट्स फॉर २१स्ट सेन्चुरी'' नामक विषय पर व्याख्यान दिया गया। सुश्री मंगला राय, सहायक निदेशक, ब्रिटिश काउन्सिल ने भी ''इनटरनेशनाइजिंग हायर एजूकेशन अपारचुनिटीज फॉर कोलैबरेशन बिटवीन यू.के. एण्ड इण्डिया'' विषय पर ६ एवं ७ मार्च को व्याख्यान दिया।

बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अनुसार ९-१२ अप्रैल २०१७ तक त्रिदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए चित्रकूट घुमाने का आयोजन किया गया। वर्तमान सत्र की संकाय पत्रिका ''समीक्षा'' प्रकाशित कर सभी छात्रों, कर्मचारियों एवं विशिष्ट व्यक्तियों को वितरित की गई।

नवनिर्मित प्रेक्षागृह ''चाणक्य'' में २१५ केवीए जेनरेटर एवं टांसफार्मर स्थापित करने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

२.१.२.४. विधि संकाय

विधि शिक्षा के परिष्कार और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता की निर्मिति की दृष्टि से शुरू से ही बनारस लॉ स्कूल की महती भूमिका रही है। तीन वर्षीय पूर्णकालिक एल.एल.बी. पाठ्यक्रम एवं दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने में यह संस्था अग्रणी रहा है। सत्र १९९८-९९ से लॉ स्कूल ने 'ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटीज एजूकेशन' में दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम की शुरूआत की और सत्र २००१-०२ में 'एनिमल लॉ' से सम्बन्धित एक प्रश्नपत्र को उसमें प्रारम्भ किया। 'बार काउंसिल ऑफ इण्डिया' के निर्देशानुसार लॉ स्कूल ने सत्र २००९-१० में पाठ्यक्रम का पुनर्निधारण/पुनर्निर्माण करते हुए एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम की शुरूआत की। लॉ स्कूल ने सत्र २०१०-११ के विश्वविद्यालय आर्डिनेंस के अनुसार उसी सत्र से लॉ स्कूल ने एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा), एल.एल.एम. और एल.एल.एल (एचआरडीई) पाठ्यक्रमों में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' लागू किया। इसके अतिरिक्त जनवरी, २०११ से पी-एच.डी. प्रोग्राम में 'कोर्स वर्क' को प्रारम्भ कर दिया है।

एल.एल.बी. स्तर की शिक्षा इस बात को ध्यान में रख कर दी जाती है कि विद्यार्थी विधि व्यवसाय की चुनौतियों के अनुसार तैयार हो सकें और व्यवसाय, वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भी लॉ ग्रेजुएट के रूप में अपने को योग्य प्रमाणित कर सकें। समुदायोन्मुख कई पाठ्यक्रमों को भी लॉ स्कूल ने प्रारम्भ किया है जो समाज, पर्यावरण, उपभोक्ता, महिलाओं, बच्चों एवं अन्य और भी की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। 'एग्रीकल्चरल लैंड लॉ एण्ड रिफार्म्स' की दृष्टि से तत्सम्बन्धी ग्रामीण समस्याओं के निमित्त विधि शिक्षा का प्रबंध है। निर्धन एवं साधनहीन व्यक्तियों को १९७८ से विधिक सहायता प्रदान की जा रही है।

'बनारस लॉ स्कूल' एक स्तरीय जर्नल निरन्तर 'बनारस लॉ जर्नल' के नाम से प्रकाशित कर रहा है जिसमें भारत एवं विदेश के अध्यापकों, प्रख्यात व्यावसायिकों एवं शिक्षाविदों के शोध आलेख/पुस्तक समीक्षा प्रकाशित होते रहते हैं। भारत एवं भारत से बाहर के अनेक महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान जर्नल्स के आदान-प्रदान का यह जर्नल एक प्रमुख आधार है। हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों एवं शोध छात्रों के द्वारा इस जर्नल में उल्लिखित का नजीर के रूप में उपयोग किया जाता है।

शैक्षणिक सत्र की प्रमुख गतिविधियाँ

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश, अध्यापन एवं परीक्षा की समस्त गतिविधियां निर्धारित समय पर सकुशल सम्पन्न हुए।

- बी.एच.यू. एवं अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, ओरियन्टेशन कोर्स-रिफ्रेशर कोर्स एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं में विभाग के अनेक अध्यापकों ने स्रोत विद्वान के रूप में सहभागिता की।
- ९९वें दीक्षांत समारोह के अंग के रूप में लॉ स्कूल का दीक्षांत समारोह १६ जनवरी, २०१७ को सम्पन्न हुआ।
- एल.एल.बी. एवं एल.एल.एम. के कई विद्यार्थी बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में ज्यूडिसियल और प्रासीक्यूशन ऑफीसर के रूप में चयनित हुए।
- वर्तमान सत्र में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्पंदन' सांस्कृतिक समारोह में लॉ स्कूल के विद्यार्थियों ने शार्ट प्ले, क्विज, नृत्य, गायन, इलोक्यूशन आदि में भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए।
- वर्तमान सत्र के दौरान दो राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गयीं। पहली राष्ट्रीय संगोष्ठी विधि विद्यालय में २५-२६ फरवरी २०१७ को ''परिवार कानून: समकालीन मुद्दे तथा चुनौतियां'' पर थी। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से ५०० से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। माननीय न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय प्रोफेसर गुरदीप सिंह, उपकुलपति, आर.एम.एल.एन.एल.एस., लखनऊ तथा प्रोफेसर उषा टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय प्रोफेसर जी.सी. त्रिपाठी, कुलपति, का.हि.वि.वि. वाराणसी के द्वारा की गयी। पूर्व में ''बच्चों के अधिकार : मुद्दे तथा चुनौतियां'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन १३ सितम्बर, २०१६ को किया गया।
- २४-२५ मार्च २०१७ को अखिल भारतीय वाद-विवाद कोर्ट का अयोजन किया गया।
- विधि संकाय को विधि संस्थान में उन्नयन करने हेतु कार्य प्रगति पर है।

शिक्षण-अध्ययन के कार्यक्रम

देश के अन्य लॉ स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त लॉ स्कूल बी.एच.यू. अन्य अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। यथा-अपराध एवं दण्डशास्त्र, अन्तर राष्ट्रीय अर्थ/आर्थिक कानून, कारपोरेशन एवं पब्लिक कंट्रोल कानून, ग्रामीण विकास सम्बन्धी कानून, रेन्ट कंट्रोल संबंधी कानून, मिलिटेरी लॉ, हिन्दू एवं मुस्लिम विधि शास्त्र आदि। उसी प्रकार विगत कई वर्षों से अनेक सेमिनार पाठ्यक्रम (सेमिनार कोर्सेस) भी लॉ स्कूल आयोजित करता है। यथा-लॉ एण्ड सोसाइटी, लॉ एण्ड पावर्टी, लॉ एण्ड एजूकेशन, लॉ एण्ड रिलीजन, लॉ एण्ड वीमेन, लॉ एण्ड चाइल्ड, लॉ एण्ड प्लानिंग, लॉ एण्ड कन्ज्यूमर, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, लॉ एण्ड मेडिसिन आदि। इसके अतिरिक्त एल.एल.एम. (ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटी एजूकेशन) पाठ्यक्रम में जिन विषयों को पढ़ाया जाता है वे इस प्रकार हैं-मानवाधिकार एवं विधि शास्त्र, मानवाधिकार एवं भारत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं मानवाधिकार, मानवाधिकार वं आपराधिक न्याय, अन्तर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून, अन्तर्राष्ट्रीय मानवता कानून, मानवाधिकार एवं पर्यावरण, मानवाधिकार एवं महिलाएं, मानवाधिकार एवं बच्चे, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एवं मानवाधिकार आदि। एल.एल.एम. डिग्री प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों द्वारा लघु शोध प्रबन्ध लिखना आवश्यक है।

पुस्तकालय

लॉ स्कूल के १६०० विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं शोध छात्रों की दृष्टि से एक बड़ा पुस्तकालय है। एल.एल.बी. के विद्यार्थी ऋण योजना के अधीन पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। फोटो कॉपी और रिप्रोग्रेफिक की सुविधा भी यहाँ उपलब्ध है। अन्य सहयोगी संस्थाओं के अध्यापक भी इस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त करते हैं। आवश्यक संदर्भों के लिए स्थानीय वकील भी इस ग्रंथालय का लाभ लेते हैं। मई से जुलाई इसका समय ०९.३० प्रात: से ५.०० सायं तक है और अगस्त से अप्रैल तक ०९.३० प्रात: से सायं ६.०० बजे तक है। पुस्तकालय अपने सदस्यों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहता है।

पुस्तकालय के बारे में

लॉ स्कूल लाइब्रेरी संकाय की लाइब्रेरी है तथा यह देश की ख्याति प्राप्त लाइब्रेरी है। संकाय के शैक्षणिक प्रखण्ड के ऊपर प्रथम तल पर यह स्थित है। इसका क्षेत्रफल १८७०० वर्गफीट है। लगभग १५० छात्रों के बैठने की दृष्टि से एक बड़ा रीडिंग रूम यहाँ उपलब्ध है। पुस्तकालय ज्ञानार्थियों के लिए अपने खुले द्वार के साथ हमेशा उपस्थित है। लॉ स्कूल पुस्तकालय निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है –

अध्ययन कक्ष सुविधा, विद्यार्थियों के लिए पुस्तक ऋण सुविधा, एससी/एसटी विद्यार्थियों के लिए बुक बैंक सुविधा, फोटोकॉपी सुविधा, कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुविधा, विधिक डाटाबेस हेतु खुली पहुँच सुविधा (मनुपत्र, वेस्ट लॉ इण्डिया)।

पुस्तकालय संग्रह	पुस्तकों की संख्या	शामिल पुस्तकों की संख्या
पुस्तकें	५२८३६	७९२
पीरियाडिकल्स (सजिल्द)	२९३०५	११०
पीरियाडिकल्स (करेंट टाइटिल्स)	३५	
पीरियाडिकल्स (बनारस लॉ जर्नल से आदान-प्रदान द्वारा)	३३ विदेशी, ११७ भारतीय (कुल ५०)	
शोध प्रबंध एवं लघु शोध प्रबंध	१६७७	१०५
कुल	८३८१८	१००७

२.१.२.५. संगीत एवं मंच कला संकाय

शास्त्रीय गायन वादन एवं नृत्य आदि कलायें भारतीय संस्कृति एवं उदात्त परम्पराओं की संवाहक हैं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का संगीत एवं मंच कला संकाय उक्त पारम्परिक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में निरन्तर संलग्न है। भारतरत्न पं. महामना मदन मोहन मालवीय जी के संकल्पानुसार पं. श्री गोविन्द मालवीय जी (तत्कालीन कुलपति का.हि.वि.वि.) के भगीरथ प्रयास के फलस्वरूप संगीत-मार्तण्ड पं. ओंकारनाथ ठाकुर के संरक्षकत्व में सन् १९५० में संगीत एवं ललितकला महाविद्यालय की स्थापना हुयी। कालान्तर में उक्त महाविद्यालय संगीत एवं मंच कला संकाय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। यह संकाय अपनी स्थापना के आरम्भ से ही सफलता के साथ गायन, वादन एवं नृत्य तीनों सांगीतिक विधाओं का उत्तर एवं दक्षिण भारतीय परम्परानुसार शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस संकाय को देश में सर्वप्रथम संगीतशास्त्र विभाग स्थापित करने का गौरव भी प्राप्त है। इस संकाय से प्रेरणा लेकर देश के अनेक विश्वविद्यालयों ने अपने यहाँ संगीत एवं संगीतशास्त्र का अध्ययन अध्यापन प्रारम्भ किया।

वर्तमान में इस संकाय में गायन, वादन, नृत्य एवं संगीतशास्त्र चार विभाग संचालित हैं। संकाय में नृत्य विभाग की स्थापना २००७-२००८ में हुयी और भरतनाट्यम् एवं कथक नृत्यों का शिक्षण स्नातकोत्तर स्तर पर आरम्भ हुआ। संकाय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं- शोध (पी.एचडी.), स्नातकोत्तर (एम.पी.ए.), स्नातक (बी.पी.ए.), जूनियर डिप्लोमा (प्राय: सभी विभागों में) गुरूवासरीय कार्यक्रम इस संकाय की एक महत्वपूर्ण परम्परा है। इससे छात्रों, शिक्षकों एवं संगीतानुरागियों का ज्ञानवर्धन होता है। संकाय में ऐसे ही अनेक सांगीतिक कार्यक्रम ख्यातिलब्ध कलाकारों के द्वारा आयोजित किये जाते हैं।

महामना जी के स्वप्न एवं संकल्प के अनुसार विश्वविख्यात विद्यामन्दिर-काशी हिन्दू विश्वविद्यालय समाज एवं संस्कृति के चतुर्दिक विकास में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है, तदनुगत संगीत एवं मंच कला संकाय भी भारतीय कलाओं एवं विद्याओं के संवर्धन एवं संरक्षण में निरन्तर संलग्न है। १९७१ में तत्कालीन संकाय प्रमुख प्रो. लालमणि मिश्र द्वारा प्रारम्भ किये गये गुरूवासरीय एवं पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह, संकाय के महत्वपूर्ण प्रकल्प हैं। प्रति सप्ताह आयोजित होने वाले गुरूवासरीय कार्यक्रम में छात्रों एवं अध्यापकों को समानरूप से अवसर प्रदान किया जाता है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह में सप्ताह पर्यन्त देश के प्रतिष्ठित संगीताचार्यो द्वारा विभिन्न सांगीतिक प्रस्तुतियाँ की जाती हैं। इसके अतिरिक्त संकाय में वर्ष पर्यन्त यथासमय, अभ्यागत आचार्यों के व्याख्यान, सोदाहरण व्याख्यान, कार्यशालायें, संस्कृत नाट्य प्रयोग एवं अन्य सांगीतिक-शैक्षणिक अनुष्ठान सम्पन्न होते हैं।

संकाय में आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह

क्र. सं.	कार्यक्रम	दिनांक
1.	वाद्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला	28.03.2016 से 03.04.2016
2.	नृत्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला	05.04.2016 से 11.04.2016
3.	नृत्य विभाग द्वारा आयोजित नाटक स्वप्न वासु दत्ता	18.04.2016
4.	संकाय दिवस	27.04.2016
5.	'जयपुर एवं किराना घराने की गायिकी एवं विशिष्ट बन्दिशें' विषय पर गायन विभाग, मं.क.सं. द्वारा किराना घराना बैंगलोर के अतिथि कलाकार पं. नागराज हवलदार (गायक) द्वारा व्याख्यान–प्रदर्शन	29.04.2016
6.	विख्यात नृत्यांगना पद्म विभूषण सोनल मान सिंह का सम्मान समारोह	02.05.2016
7.	संगीत विभाग, राजशाही विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति	06.05.2016
8.	विख्यात नृत्यांगना शर्मिष्ठा मुखर्जी का नृत्य कार्यक्रम	11.05.2016
9.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (श्री पी .सी. होम्बल, विभागाध्यक्ष नृत्य एवं डा. शिवराम शर्मा, संगीतशास्त्र विभाग द्वारा योग पर व्याख्यान)	21.06.2016
10.	भारतीय सांस्कृतिक संम्बन्ध परिषद् (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार), क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी एवं संगीत एवं मंच कला संकाय,बी.एच.यू. के संयुक्त तत्वावधान में **कथक नृत्य** कलाकार–समीक्षा शर्मा (जयपुर घराना)	19.08.2016 से 20.08.2016
11.	भारत वर्ष के 70वें स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर**'जरा याद करो कुर्बानी'** अन्तर विभागीय देश भक्ति समूह गीत प्रतियोगिता–2016 का आयोजन	22.08.2016
12.	नृत्य नाटिका (प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम (1857) अमर विरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जीवन गाथा **"खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी"**	23.08.2016
13.	व्याख्यानः डॉ. अरविन्द कुमार विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, मगध महिला महाविद्यालय, पटना द्वारा विषयः "लोक एवं शास्त्रीय संगीत का अन्तःसम्बन्ध" गायन विभाग द्वारा आयोजित।	17.09.2016
14.	गायन विभाग द्वारा आयोजित गायन कार्यक्रमः गायन–कलापिनी कोमकली (देवास, मध्यप्रदेश) द्वारा, तबला संगतकार – श्री रामेन्द्र सिंह सोलंकी (भोपाल), हारमोनियम संगतकार–श्यामा कुमार भारती दिल्ली),	19.09.2016
15.	'कालिदास के नाटकों में नृत्य प्रसंग' विषय पर डॉ. राजेन्द्र उपाध्याय का व्याख्यान–प्रदर्शन	18.11.2016
16.	'नृत्य : जीवन की क्रियाशीलता' विषय पर डॉ. नीरज खन्ना का व्याख्यान	23.11.2016
17.	राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	17.12.2016 से 24.12.2016
18.	शताब्दी वर्ष के सांस्कृतिक आयोजनों का समापन एवं पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह (शताब्दी वर्ष समारोह प्रकोष्ठ एवं संगीत एवं मंच कला संकाय द्वारा संयुक्त आयोजन)	23.01.2017 से 25.01.2017

२.१.२.६. सामाजिक विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सबसे पुराने तथा प्रतिष्ठित अधिगम केन्द्रों में से एक है। सामाजिक विज्ञान संकाय (कला संकाय जो कि पहले केन्द्रीय हिन्दू महाविद्यालय था, से विभाजित) की स्थापना १९७१ में हुई, जिसके अंतर्गत पाँच विभाग-अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र शामिल हैं। यह संकाय विभिन्न केन्द्रों को भी संचालित करता है यथा- एकीकृत ग्रामीण विकास केन्द्र, नेपाल अध्ययन केन्द्र, सामाजिक अपवर्जन तथा समावेशी अध्ययन केन्द्र, महिला अध्ययन तथा विकास केन्द्र तथा मालवीय शान्ति एवं अनुसंधान केन्द्र। इस संकाय के अध्यापकों ने अपने बौद्धिक कार्यों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त की है। यू.के., यू.एस.ए., जर्मनी, इटली तथा अन्य विकसित देशों से विभिन्न सामाजिक वैज्ञानिक यहाँ शैक्षिक भ्रमण पर आते रहते हैं। आई आर डी पी, मालवीय शांति एवं अनुसंधान केन्द्र तथा महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र ने मानव संबंधों तथा सामाजिक एकजुटता के विकास के क्षेत्र में सराहनीय शैक्षिक परिणाम प्रस्तुत किये हैं।

वर्तमान सत्र के दौरान सामाजिक विज्ञान संकाय में स्थापित पीठः

- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर पीठ: निदेशक, डॉ. अम्बेडकर संस्था, सामाजिक न्याय तथा सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (स्वीकृत राशि रू.७.०० लाख)
- पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ: उप सचिव, भारत सरकार (स्वीकृत राशि रू.५.०० करोड़)

लैंगिक संवेदीकरण (जागरूकता) प्रकोष्ठः संकाय में महिला छात्रों के हित लाभ को संरक्षित करने हेतु सामाजिक विज्ञान संकाय में ०१.१०.२०१६ को लैंगिक संवेदीकरण (जागरूकता) प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी। इसके अतिरिक्त, अन्य गतिविधियां इस प्रकार हैं:

- २५.११.२०१६ की विश्वविद्यालय के समर्थ ग्राम अभियान के तहत जीएससी के द्वारा वाराणसी जिले के २० गांवों का सर्वेक्षण कार्यक्रम।
- २२.०१.२०१७ की डॉ. अनिल चौबे, भू.पू. कुलसचिव, विधि विश्वविद्यालय, भोपाल का विशेष व्याख्यान तथा लैंगिक जागरूकता पर वृत्तचित्र की प्रस्तुति।
- ०१.०२.२०१७ को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर जीएससी के द्वारा झाँकी कार्यक्रम।
- २३.०२.२०१७ को प्रोफेसर जगदीश शुक्ला, यूएसए का विशेष व्याख्यान।
- ''विश्व रंग मंच दिवस'' पर २७.०३.२०१७ को जीएससी के द्वारा संदेश प्रेरक नाटक 'अवरुद्ध' का आयोजन।

२.१.२.७. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

संस्कृतभाषा विश्व की प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसका वाङ्मय भारतीय संस्कृति के सभी अंगों की प्रामाणिक एवं व्यापक अभिव्यक्ति करता है। इस भाषा एवं साहित्य के ऐतिहासिक महत्त्व का अनुभव करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में संस्कृत कॉलेज (महाविद्यालय) की स्थापना सन् १९१८ में हुई थी। बाद में इसी का नामान्तर प्राच्यविद्या धर्मविज्ञान संकाय हुआ। वर्तमान में यह संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय के नाम से सुविख्यात है।

यह संकाय मुख्य रूप से प्राचीन शास्त्रों, संस्कृत भाषा और साहित्य के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित है। साथ ही इसका एक अन्य प्रयोजन पूर्व और पश्चिम में सार्थक संवाद स्थापित करना है।

यह संकाय अपनी प्रकृति में विलक्षण है। इसमें शास्त्रीय ग्रंथों का शब्दशः अध्ययन-अध्यापन प्राचीन पद्धति के अनुसार होता है। इसमें छात्रों का मौखिक और लिखित-उभयविध परीक्षण किया जाता है। इस संकाय को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के व्यापक परिवेश में आधुनिक चिंतन, विज्ञान और तकनीक से संवाद स्थापित करने का विशिष्ट अवसर प्राप्त है, क्योंकि इस प्रकार का व्यापक परिवेश भारत के अन्य किसी भी संस्थान में दुर्लभ है।

वर्तमान में इस संकाय के अन्तर्गत कुल आठ विभाग कार्यरत हैं- वेद विभाग, व्याकरण विभाग, साहित्य विभाग, ज्योतिष विभाग, वैदिकदर्शन विभाग, जैनबौद्ध दर्शन विभाग, धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग एवं धर्मागम विभाग। इन विभागों में लगभग २३ विषयों का शिक्षण होता है तथा त्रिवर्षीय (छः सेमेस्टर) शास्त्री सम्मान और द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) आचार्य उपाधियाँ दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त सभी विषयों में उच्चकोटि के अनुसंधान की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त धर्मागम विभाग के अन्तर्गत एकवर्षीय संस्कृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा द्विवर्षीय 'डिप्लोमा इन शैवागम' पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं। इन पाठ्यक्रमों का भारतीय और विदेशी - सभी छात्र समान रूप से लाभ लेते हैं। वेद और ज्योतिष विभाग क्रमशः कर्मकाण्ड में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम और ज्योतिष तथा वास्तुशास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। शोध सहित सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। संकाय का अपना स्वतंत्र पुस्तकालय है, जिसमें लगभग २५ हजार सामान्य और दुर्लभ पुस्तकें एवं पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह ग्रंथालय भारतीय एवं विदेशी जिज्ञासुओं को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। शिक्षकों एवं छात्रों के अनुसंधानपरक गंभीर लेखों के प्रकाशनार्थ 'संस्कृतविद्या' नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी यह संकाय करता है। प्रकाशन की गतिविधियाँ संकाय के प्रकाशन अनुभाग के माध्यम से संचालित होती हैं। संकाय का पंचांग अनुभाग सन् १९२६ से नियमित रूप से विश्वपंचांग का प्रकाशन कर रहा है।

इस संकाय के छात्रों के लिए सावधि जमा छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनेक छात्रवृत्तियों की सुविधा उपलब्ध है। इस वर्ष छात्रों की योग्यता के आधार पर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा कई छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई हैं। इसके अतिरिक्त समस्त शोध छात्रों को ८०००/- रु. प्रतिमाह विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है तथा निर्धन छात्रों को श्री विश्वनाथ मंदिर द्वारा नि:शुल्क भोजन भी प्रदान किया जाता है।

संकाय के विद्वानों द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों में सहभागिता

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में इस संकाय के विद्वानों की सहभागिता रही है तथा व्याख्यान दिये हैं, जिनमें विद्वानों ने विविध सत्रों की अध्यक्षता के साथ ही शोध-पत्रों का वाचन किया है तथा व्याख्यानमालाओं में व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं।

शोध एवं प्रकाशन

विगत कतिपय वर्षों में संकाय के विद्वानों की लगभग २०० से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय शोध प्रत्रिकाओं में लगभसग ४०० शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं। कई लेख अखिल भारतीय सम्मेलनों में पुरस्कृत भी हो चुके हैं। संकाय में मुख्यत: प्राचीन शास्त्रों में स्थित विभिन्न विषयों पर शोध किया जाता है। जिससे आधुनिक अन्य सम्बद्ध विषयों के शोधार्थी लाभान्वित होते हैं। संकाय से प्रतिवर्ष शोध-पत्रिका 'संस्कृतविद्या' प्रकाशित होती है, जिसमें संकाय के विद्वानों के शोधपरक लेख प्रकाशित होते हैं।

संकाय ग्रंथालय

संकाय ग्रंथालय में लगभग २५,००० से भी अधिक पुस्तकों तथा सैकड़ों पाण्डुलिपियों का विशाल संग्रह है। संकाय के पंचांग अनुभाग द्वारा प्रतिवर्ष विश्वपंचांग का निर्माण एवं संपादन होता है। संकाय के प्रकाशन अनुभाग द्वारा महत्त्वपूर्ण संस्कृत ग्रन्थों का प्रकाशन होता है। इस अनुभाग द्वारा 'संस्कृतविद्या' शोध-पत्रिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष किया जाता है।

भावी योजनाएँ

वेद विभाग

- अध्यापन में शैक्षणिक श्रेष्ठता लाने के लिए वैदिक ग्रन्थों के व्याख्यान में वेदों के आधिदैविक पक्ष के विज्ञान को प्रकाशित करना।
- वेदों में निहित प्राचीन विज्ञान को शोध एवं प्रकाशनों के द्वारा लोगों के समक्ष प्रस्तुत करना।
- अनुसन्धानपरक उपर्युक्त तथ्यों को सामने लाने के लिए वैदिक प्रयोगशाला प्रस्तावित है।
- वैदिक श्रौत यागों का प्रयोग एवं प्रशिक्षण
- महत्त्वपूर्ण वैदिक ग्रन्थों का अनुवाद
- सर्टिफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा कोर्स चलाने का प्रस्ताव

व्याकरण विभाग

- छात्रों को संस्कृत भाषा में निपुण बनाकर व्याकरण शास्त्र का गम्भीर ज्ञान कराना एवं व्याकरण शास्त्र को समाजोपयोगी बनाना विभाग का प्रथम संकल्प है।
- पाणिनिव्याकरण के प्राचीन ग्रन्थों का परम्परागत पद्धति से पंक्तिश: अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से व्याकरण शास्त्र की संरक्षा।
- पाणिनीय व्याकरण में निहित भाषातात्त्विक तत्त्वों को शोध, परिसंवाद तथा दृश्यश्रव्यांकन के माध्यम से आधुनिक सम्बद्ध शोधार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करवाना।
- प्राचीन व्याकरणग्रन्थों का हिन्दी भाषा में अनुवाद।
- व्याकरण शास्त्र का वृहद् कोश तैयार कराना।
- प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी को संगोष्ठी के माध्यम से काशी की शास्त्रार्थ परम्परा को छात्रों तक पहुंचाने का प्रयास करना।
- शोध-छात्रों को परम्परागत वास्तविक शोधविधियों का ज्ञान कराना तथा उच्च शोध कराने का प्रयास करना। साथ ही पारम्परिक विषयों में नवीनतम शोध के माध्यम से उनका विश्लेषण करना ।
- किसी पारम्परिक विद्वान् को विभाग में आहूत कर 'वैयाकरणसिद्धान्तलघुमंजूषा' जैसे दार्शनिक ग्रन्थ का पंक्तिश: अध्ययन कराना तथा उस पर दिये गये समस्त व्याख्यानों को टीका के रूप में प्रकाशित कराना।

ज्योतिष विभाग

- वेधशाला का निर्माण
- लघुयंत्रों का व्यावहारिक प्रशिक्षण
- संगणक प्रयोगशाला
- आचार्यभट्ट वराहमिहिर व्याख्यानमाला
- विस्तार भाषण एवं कार्यशालाएं

वैदिक दर्शन विभाग

- योग प्रयोगशाला का निर्माण
- प्रस्तावित पीजी डिप्लोमा इन योग शिक्षा
- महत्वपूर्ण दर्शन के प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद एवं संपादन
- कार्यशाला एवं शोध संगोष्ठी का आयोजन

२.१.२.८. दृश्य कला संकाय

दृश्य कला संकाय (स्थापित १९५०), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, भारतवर्ष के प्रमुखतम् कला संस्थानों में है, जहाँ ललित कला के मुख्य पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक कला, चित्रकला, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, प्लास्टिक आर्ट (मूर्तिकला) तथा पॉटरी-सिरेमिक में स्नातक (बीएफए) और परास्नातक (एमएफए) की उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। संकाय परास्नातक के उपरान्त परास्नातकोत्तर (डॉक्टोरल) पाठयक्रम के अर्न्तगत शोध-कार्य के अवसर भी प्रदान करती है। दृश्य कला का इतिहास एवं रूपांकन एक आवश्यक विषय के रूप में, स्नातक एवं परास्नातक के साथ कला की समस्त शाखाओं में शोध के अवसर भी प्रदान करता है। दृश्य कला संकाय उन गिने-चुने संस्थानों में से एक है, जहाँ उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों में परास्नातक की उपाधि प्रदान करने की विशिष्टता के कारण, न केवल सम्पूर्ण भारत, बल्कि सार्क राष्ट्रों (एसएएआरसी) एवं दूरस्थ अमेरिका यूरोप के छात्र भी इसकी ओर आकर्षित होते हैं। यह संस्थान अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों में सृजनात्मक विचारों को विकसित करने के साथ उनमें उद्यमशीलता को भी बढ़ावा देने का सतत् प्रयास कर रहा है, जिससे छात्र समाज में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए सार्थक चिंतन के साथ, समग्र राष्ट्र की समसामयिक कलात्मक गतिविधियों में परस्पर सामंजस्य स्थापित कर सकें। वैश्विक कलाशिक्षा के संदर्भ के अनुरूप सेमेस्टर प्रणाली से शिक्षा को मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया गया है, जिससे समसामयिक कलात्मक गतिविधियों को आत्मसात् करते हुए देश की मुख्य धारा से जुड़ सके। बीएफए एवं एमएफए स्तर के निर्धारित सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं तथा समस्त उपाधि-धारक देश-विदेश में विभिन्न नियोजकों द्वारा रोजगार प्राप्त कर अपनी दक्षता का परिचय देते आ रहे हैं।

शिक्षणेत्तर गतिविधियों में संकाय की भूमिका उल्लेखनीय रही है। अन्तर विश्वविद्यालयीय पूर्वी क्षेत्र महोत्सव में ललित कला प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठता के साथ राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रशंसनीय कार्य किया। अंतर संकाय युवा महोत्सव स्पंदन २०१७ प्रतिस्पर्धाओं में समस्त संकायों में दृश्य कला संकाय उपविजेता एवं फाइन आर्ट्स में प्रथम स्थान रहा।

फाइन आर्ट्स के क्षेत्र में लगातार तीन वर्षों से भारत के समस्त ललित कला संस्थानों/विद्यालयों में दृश्य कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की इस संस्था ने प्रथम स्थान पर रहने का गौरव प्राप्त किया है।

सृजनात्मक विकास की दृष्टि से वर्तमान शैक्षणिक सत्र, अति सफल कहा जा सकता है। संकाय के अध्यापकों द्वारा देश-विदेश में विभिन्न संगोष्ठियों में हिस्सेदारी, एकल प्रदर्शनियाँ, सामूहिक प्रदर्शनियों में भागीदारी, शोध-प्रपत्रों का प्रकाशन, मूल्यांकन हेतु विभिन्न संस्थानों में आमंत्रित तथा प्रदर्शनियों के निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में नामंकित किये गये। वर्तमान सत्र टेक्सटाईल डिजाईन, पॉटरी सिरेमिक, अप्लाइड आर्ट्स, एवं चित्रकला तथा बीएफए प्रथम वर्ष की वार्षिक प्रदर्शनियाँ संकाय की कला दीर्घा में प्रदर्शित की गयी। सम्पूर्ण सत्र में एकल एवं सामूहिक कुल १९ प्रदर्शनियाँ जिनमें १८ राष्ट्रीय एवं १ अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित हुई। का.हि.वि.वि. की अर्न्तसंकायीय सांस्कृतिक उत्सव स्पंदन-१७, में दृश्य कला संकाय में उपविजेता एवं फाईन आर्ट्स में प्रथम स्थान रही। व्यावहारिक कला विभाग ने 'छायाचित्र आधारित वर्चुअल एक्सचेंज प्रोग्राम' के अन्तर्गत प्लाईमाउथ कॉलेज ऑफ आर्टस, लन्दन के साथ मिलकर प्रतिभागिता की। अभिकल्प

नवप्रवर्तन केन्द्र द्वारा १५ दिवसीय ग्रीष्म कालीन कार्यशाला का आयोजन दिनांक २० जून से ४ जुलाई २०१६ किया गया। अभिकल्प नवप्रवर्तन केन्द्र द्वारा भी २५ डिजाइन फ्राइडे एवं १ ओरिएन्टेशन प्रोग्राम, दैनिक जागरण के साथ संयुक्त रूप से एक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ''९९वें दीक्षांत समारोह'' के अंश रूप में दृश्य कला संकाय के व्याख्यान कक्ष प्रथम में दिनांक १६ जनवरी, २०१७ को आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षणिक सत्र २०१६-१७ में उत्तीर्ण बीएफए, एमएफए एवं शोध छात्रों (पी.एचडी.) को उपाधि एवं पदक वितरित किया गया। स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले बीएफए के एक-एक छात्र को १६ जनवरी, २०१७ को आयोजित मुख्य दीक्षांत समारोह में पदक प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव २०१६

प्रदर्शनी के प्रकार	प्रदर्शक/कलाकार	अवधि
राष्ट्रीय	संदीप कुमार प्रजापति, ग्रुप बीएफए, तृतीय वर्ष, चित्रकला विभाग	२४ से २६ अक्टूबर २०१६
राष्ट्रीय	जुगल सुत्रधार, असिस्टेंट प्रोफेसर, इंस्टीट्युट ऑफ फारमास्युटिक, हरिश्चन्द्र पी.जी. कॉलेज, वाराणसी	१० से १३ नवम्बर, २०१६
राष्ट्रीय	एक्जिविशन ऑफ आर्ट कलेक्शन, स्टेट ललित कला अकादमी, यूपी	२१ से २५ नवम्बर, २०१६
राष्ट्रीय	नेशनल आर्ट फेस्टिवल, वाराणसी थ्रू क्रिएटिव आईस, पेंटिंग वर्कशाप	५ से ११ दिसम्बर, २०१६
राष्ट्रीय	राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव २०१६, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	१७ से २४ दिसम्बर २०१६
राष्ट्रीय	स्पंदन प्रतियोगिता, दृश्य कला संकाय	४ से ९ फरवरी २०१७
राष्ट्रीय	दामिनी शर्मा, एमएफए फाइनल, चित्रकला विभाग, दृश्य कला संकाय	७ से ९ फरवरी २०१७
राष्ट्रीय	श्वेता रानी घोष एवं ग्रुप, पॉटरी प्रदर्शनी, पॉटरी विभाग	१३ से १५ फरवरी २०१७
राष्ट्रीय	वार्षिक कला मेला कार्यशाला, दृश्य कला संकाय	१८ से २३ फरवरी २०१७
राष्ट्रीय	वार्षिक कला प्रदर्शनी एवं कला मेला २०१७, दृश्य कला संकाय	२५ से २८ फरवरी २०१७
राष्ट्रीय	अजय प्रकाश एवं ग्रुप, एमएफए फाइनल, चित्रकला विभाग	९ से १२ मार्च २०१७
राष्ट्रीय	प्रज्ञा सिंह एवं ग्रुप	२० से २२ मार्च २०१७
राष्ट्रीय	स्पन्दन २०१७, बीएचयू	२६ से ३१ मार्च २०१७
राष्ट्रीय	काशी राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी २०१७	४ से ८ अप्रैल २०१७
अन्तर्राष्ट्रीय	जापान फाउण्डेशन, चिहिरो इवासाकी, आर्टिस्ट एण्ड बुक इलस्ट्रेटर	१० से १३ अप्रैल २०१७
राष्ट्रीय	रत्नदीप-ग्रुप	१७ से १८ अप्रैल २०१७
राष्ट्रीय	डिसप्ले ऑफ एमएफए (चित्रकला)	२१ से २२ अप्रैल २०१७
राष्ट्रीय	डिसप्ले ऑफ एमएफए (चित्रकला)	२४ से २७ अप्रैल २०१७

२.१.३. महिला महाविद्यालय

भारत निर्माण के स्वप्द्रष्टा महामना पंण्डित मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष मना रहा है। स्त्रियों के उच्च शिक्षण एवं बहुमुखी विकास हेतु स्थापित महिला महाविद्यालय ने ८७ वे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। महामना के हदय में स्त्री शिक्षण की अनंत स्पृहा विधमान थी। अपने व्यक्तव्यों एंव लेखन में महामना ने आंरभ से ही स्त्री शिक्षण की अनिवार्यता को सदैव रेखांकित किया है। मातृ स्वरूप में स्त्री की भूमिका की सदैव सराहना करते हुए स्त्रियों को राजनीतिज्ञों, विद्वानों, तत्वज्ञानियों, व्यापार एवं कला कौशल के नेताओं की प्रथम शिक्षिका स्वीकार किया है। महिला महाविद्यालय स्त्री उच्च शिक्षण की प्रथम ईकाई के रूप में विद्यमान है। इसमें छ संकायों- कला, सामाजिक विज्ञान, दृश्य कला, मंचकला एवं शिक्षा के अन्तर्गत इकतीस विषयों का अध्यापन होता है। स्नातक उपाधि हेतु ३ वर्षो का पाठ्यक्रम ६ समेस्टर में सुयोजित है। स्नातकोत्तर बायोइन्फॉरमेटिक्स एवं गृह विज्ञान शिक्षा विषयों में दो वर्षो का पाठ्यक्रम सुचारू रूप से चालित है।

वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में अनुकूल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु महिला महाविद्यालय अपने समक्ष आनेवाली चुनौतियों के बरक्स संसाधनों की पूर्ति हेतु निरन्तर गतिशील है। यह संख्या अधुनात ज्ञान विज्ञान के शिक्षण हेतु प्रयासरत है।

शिक्षण-कौशल की सम्पन्नता

इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में विश्वविद्यालय स्तर पर बी.ए.सी., बी.ए., एम.एस.सी. बायोइन्फॉरमेटिक्स और एम.शिक्षा विषयों में प्रथम स्थान पर महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने उल्लेखनीय योगदान हासिल किया है। जिसमें प्राध्यापिकाओं एवं प्राध्यापकों के गम्भीर एवं नियमित पठन पाठन एवं शिक्षण के प्रति समर्पण का विशेष योगदान रहा है।

आधारभूत संरचना : वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में नवीन शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों का देखते हुए अनुकूल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु महिला महाविद्यालय की आधारभूत संरचना उत्तरोत्तर प्रगति पर है। ऐतिहासिक धरोहर के रूप में मुख्य भवन हेरिटेज हॉल, (केन्द्रीय कक्ष में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने छात्राओं को संबोधित किया था) प्राचार्या कक्ष समिति कक्ष कार्यालय कक्ष शिक्षण कक्ष प्रयोगशाला कक्ष तथा प्राध्यापिकाओं के कक्ष तथा ५२,६०८ पुस्तकों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय से युक्त स्थित है। मुख्य भवन बायी तरफ तीन मंजिलों में १५ कक्षों की इमारत है। उसी दिशा में नवीन लेक्चर थियेटर तथा प्राध्यापिकाओं के लिए कक्ष निर्मित हुआ है। उसके ऊपर कई प्रयोगशालाएँ एवं कमरे निर्माणाधीन है। मुख्य भवन के पश्च भाग में सावित्री देवी डालमिया विज्ञान भवन निर्मित है।

इस भवन में आधुनिक संसाधनों एवं नवीन उपकरणों तथा प्रकाश से युक्त प्रयोगशालाएं, प्राध्यापिकाओं के कक्ष, कान्फ्रेस हॉल तथा शिक्षण हेतु बड़े-बड़े कक्ष बने हुए हैं।

विज्ञान भवन में यूवी विज़िबल् स्पेक्ट्रोफोटो मीटर जैसे उपकरण युक्त केन्द्रीय प्रयोगशाला की सुविधा प्राप्त है। शोधकार्यो के लिए

वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा बायाइन्फार्मेटिक्स की पृथक-पृथक प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं।

महिला महाविद्यालय में नगर निकाय कक्ष एवं प्रेक्षागृह भी छात्राओं के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास हेतु निर्मित है। छात्राओं की आवासीय सुविधा हेतु स्वस्ति कुन्ज, कीर्तिकुन्ज, ज्योति कुन्ज, डायमण्ड जुबली के अवसर पर निर्मित श्रीमती कुन्दन देवी छात्रावास तथा प्रज्ञाकुन्ज निर्मित है। प्रत्येक छात्रावास में भोजन कक्ष, पेय जल और दूरदर्शन आदि की व्यवस्था हैं। महिला महाविद्यालय में रूचिरा कैन्टीन तथा फल, नमकीन और स्नैक की दुकान भी है। यहाँ विद्यालय के मुख्यद्वार पर फोटो कॉपी एवं टाइपिंग आदि की सुविधा उपलब्ध है। छात्राओं के अभिनव ज्ञान वर्धन के लिए १८ संजाल युक्त साइबर हट की व्यवस्था प्राप्त है।

संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान

- काशी की संस्कृति- आधुनिक परिपेक्ष्य में शीर्षक पर ३१ मार्च २०१६ से ६ अप्रैल २०१६ तक सात दिवसीय गौरवशाली इतिहास संस्कृति तथा वर्तमान समय में प्रासंगिकता को कैसे शोध पत्र लिखे जाए।
- प्रथम वार्षिक छात्र सम्मेलन ८ अप्रैल २०१६ को तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति विषय पर महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया। काशी के गौरवशाली इतिहास संस्कृति तथा वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर गंभीर चिन्तन किया गया।
- २४ अप्रैल २०१६ को एक दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया जो स्नातक की छात्राओं के लिए विशेष रूप से था। कार्यशाला में उन्हें शोध के विभिन्न क्षेत्रों तथा कैरियर को उन्नत बनाने के गुर सिखाए गए।
- २७ अप्रैल २०१६ को प्रथम बार महिला महाविद्यालय के गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए महिला महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा शताब्दी वर्ष लैंगिक संवेदनशीलता प्रोग्राम किया गया।
- २८ मई २०१६ को पद्मश्री प्रो० राम हर्ष सिंह ने शताब्दी वर्ष विशेष व्याख्यान तहत आयुर्वेद की भूमिका राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली विषय पर व्याख्यान दिया।
- ६ सितम्बर को क्रियेटिव फोरम महिला महाविद्यालय स्मरण: निदा फाजली पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- द्वितीय शताब्दी वर्ष के तहत २५ सितम्बर २०१६ को एक दिवसीय शोध प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ०६-०७ नबम्बर २०१६ को दो दिवसीय कार्यशाला बायोइन्फोरमेटिक्स विभाग द्वारा सम्पन्न करायी गई।
- भारतीय दर्शन का ज्ञान मीमांसीय योगदान विषय पर १५ नवम्बर २०१६ को विश्व दर्शन दिवस के उपलक्ष्य में प्रो. पी.के. मुखोपाध्याय भूतपूर्व विभागाध्यक्ष दर्शन विभाग जाधवपूर विश्वविद्यालय का व्याख्यान आयोजित कराया गया।
- राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के तहत महिला महाविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।
- पर्यावरण भारतीय संस्कृति और भूमंडलीकरण की चुनौतियों विषय पर दिनांक ०४.०२.२०१७ से ०५.०२.२०१७ तक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के कुलपति पृथ्वीनाग और प्रो. सीताराम दूबे काशी विश्वविद्यालय तथा अन्य गणमान्य विभूतियाँ उपस्थित थी।
- लोककला संस्कृति एवं साहित्य: भारतीय विरासत विषय पर १८-२४ मार्च तक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- अल्यूमिनाई कार्यक्रम २७.०२.२०१७ को पुरा छात्रा की ओर से श्री अरविन्द दर्शन एवं विकासवाद विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें फ्रेंच विभाग विभागाध्यक्ष प्रो अखिलेश कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- २८.०२.२०१७ को वार्षिक पुराछात्र समागम समारोह आयोजित किया गया जिमें अनुराग एवं अभिनव कश्यप की माता को सम्मानित किया गया। महिला महाविद्यालय सांस्कृतिक एसोसियेशन ने २५ जनवरी से ३१ जनवरी २०१७ तक संघ ने मंथन के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिनमें प्रमुख है- निबन्ध प्रतियोगिता, हिन्दी वाद विवाद, संस्कृत, बंगाली, चित्रकला प्रतियोगिता, रविन्द्र संगीत, अंग्रेजी वाद विवाद प्रतियोगिता, रंगोली, उर्दू बैंतबाजी आदि।

एकेडेमिक फोरम

- महिला महाविद्यालय का एकेडेमिक फोरम सक्रिय रूप से भागीदारी करता है विभिन्य विषयों एवं क्षेत्रों के विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित करते है।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित शताब्दी वर्ष इंग्लिश लिटरेरी क्विज़ में महिला महाविद्यालय सलोनी रचना और प्रीति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- मंथन के अन्तर्गत होने वाली विविध प्रतियोगिताओं में हिन्दी, अंग्रेजी और विज्ञान वाद-विवाद, संस्कृत श्लोक, पोस्टर, पेंटिंग, रंगोली, हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला और संस्कृत भाषाओं में निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

प्रवेश एवं परीक्षाओं का केन्द्र

महिला महाविद्यालय विगत कई वर्षों से विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाली छात्राओं का संभार वहन कर रहा है तथा विश्वविद्यालय से संबंध सभी महाविद्यालयों की छात्राओं का परीक्षा केन्द्र है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष के दोनों सत्रों में भारी संख्या में छात्राओं ने सुविधापूर्वक परीक्षाएँ दीं।

महामना जी की दूरगामी दृष्टि व सार्वभौमिक तथा सार्वकालिक मूल्य परक विचारों को ग्रहण करता हुआ महिला महाविद्यालय अपनी हर कोशिश में महिलाओं की उच्च शिक्षा की निरन्तर समृद्धि और बहुमुखी उन्नत दिशा की ओर संकर्षित करने में प्रयासरत है।

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र
२.१.४.२. आनुवांशिकी विकार केन्द्र
२.१.४.३. डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र
२.१.४.४. नेपाल अध्ययन केन्द्र
२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र
२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र
२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
२.१.४.९. मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र
२.१.४.१०. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र
२.१.४.११. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

खाद्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना २००८ में हुई। केन्द्र में एक प्रायोगिक संयंत्र जिसमें दुग्ध प्रसंस्करण, फल एवं सब्जी प्रसंकरण, स्प्रे ड्रायर, रिटोंट मशीन तथा पैकेजिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त अत्याधुनिक उकरणों से लैस एक प्रयोगशाला भी है। खाद्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी केन्द्र के शोध के क्षेत्र दुग्ध प्रौद्योगिकी, कार्यान्वित खाद्य प्रदार्थ, किण्वण तकनीक, त्वरित खाद्य पदार्थ, फलों की टाफी, अधिक हरी वसी फसली ब्रैड बिस्कुट, कृषि अपशिष्ट पदार्थो से जैव उत्प्रेरकों तथा जैव कणों का उत्पादन आदि रहा। कृषि विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा केन्द्र में क्राफ्ट (शिक्षकों का आधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम) केन्द्र प्रदान किया गया। इसके अलावा केन्द्र द्वारा खाद्य विज्ञान की विख्यात संगठन ''एफ एस टी आई'' का वाराणसी -अध्याय खोला गया। केन्द्र द्वारा भारतीय पैकेजिंग संस्थान केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान तथा डी.एस.एम. से अनुसंधान सहयोग के लिए समक्षौते पर हस्ताक्षर किए गए। केन्द्र की तरफ से खाद्य प्रौद्योगिकी, अनाज प्रौद्योगिकी एवं खाद्य कीटाणु विज्ञान पर मैनुअल प्रकाशित किए गए। प्रो. अनिल कुमार चौहान तथा डॉ. अभिषेक दत्त त्रिपाठी ने थाइलैंड में आयोजित बीसवें वैश्विक नैदानिक पोषण सम्मेलन में व्याख्यान दिया। प्रो. अनिल कुमार चौहान को अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक पोषण समिति का महासचिव नियुक्त किया गया।

गतिविधियाँ और कार्यक्रम

- रिटोंट तकनीक द्वारा त्वरित मशरुम सूप की तकनीक का विकास
- आम से तैयार वायीन की तकनीक का विकास
- त्वरित तैयार पुलाव की तकनीक का विकास
- त्वरित तैयार आधारित कढ़ी की तकनीक का विकास
- फल मिश्रित टाफी की तकनीक का विकास
- हरी मटर मिश्रित तथा फलादायी उर्जीय बार का विकास
- अधिक रेशे वाले अनाज तथा कसावा में तैयार बिस्कुट
- त्वरित तैयार पेय पद्रार्थ का उत्पादन
- कृषि अपशिष्ट पदार्थो में जैव पालीमर तथा जैव उत्प्रेरकों का उत्पादन

विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं: डेरी फल तथा सब्जियों के प्रंसस्करण हेतु प्रायोगिक संयंत्र, रिटोंट मशीन, स्प्रे ड्रायर, खाद्य प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और शिक्षकों के आधुनिक प्रशिक्षत हेतु केन्द्र (आई.सी.ए.आर.-क्राफ्ट)।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- खाद्य प्रौद्योगिकी मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने केन्द्र का दौरा किया तथा शिक्षकगणों से बातचीत की।
- डॉ. एन.एस. राठौर, डीडीजी (शिक्षा) ने केन्द्र का दौरा किया तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति ने केन्द्र का दौरा किया तथा पौधरोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता की।
- प्रो. अनिल कुमार चौहन तथा डॉ. अभिषेक दत्त त्रिपाठी ने थाइलैंड में आयोजित अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, निदेशक एवं कुलपति, एन.डी.आर.आई. ने केन्द्र का दौरा किया।
- डॉ. एम.बी. चेट्टी, ए.डी.जी.(एच.आर.डी.) ने खाद्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी केन्द्र का दौरा किया तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

२.१.४.२. अनुवांशिकी विकार केन्द्र

प्रारम्भ में डी.बी.टी. द्वारा वित्तपोषित (२००६-२०११) आनुवांशिक रोग केंद्र, २००८ में काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान संकाय में स्थापित एक नया केंद्र है। रोग के आणविक कारणों को समझ करके तथा उनके उपचार एवं/अथवा उचित प्रबंधन की खोज करके आनुवांशिक रोगों के भार को कम करना इस केंद्र का संकेंद्रण है। यह केंद्र गुणसूत्रीय व जेनेटिक रोगों की जांच द्वारा रोगियों को सेवा प्रदान करता है। इस केन्द्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन भी हो रहा है।

आनुवांशिक रोगों की जाँच - रिफर किये गये केसों में विभिन्न गुणसूत्रीय एवं जेनेटिक दृष्टि से रोगों की जाँच की जाती है।

शोध

- पूरे जीनोम का अनुक्रमण - मानव दाँत न बनने के कारणों का पता लगाना।
- वृक्क कोशिका कैंसर का आण्विक विश्लेषण
- पारंपरिक, आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के उत्पादों या मिश्रणों से कैंसर रोधी गतिविधियों का आंकलन
- बहुपुटीय वृक्क विकार का जीनोमिक्स
- विशेषत: पार्किंसन रोग के संदर्भ में, तंत्रिका अपकर्षक विकारों की आनुवंशिकी
- प्रत्यारोपण हेतु मिश्र धातु से बना जैवअनुकूल दंत का विकास
- दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के अध्ययन के लिए लिम्फोब्लास्ट्वाइड कोशिका नस्लों का संवर्धन
- अल्जाइमर रोग की आनुवंशिकी
- डाउन सिंड्रोम के लिए मातृ जोखिमों का मूल्यांकन
- बांझ महिलाओं में उम्मीदवार जीन का एसोसिएशन विश्लेषण
- कटे होंठ एवं तालू विकार की आणविक आनुवांशिक विश्लेषण
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. के सहयोग से जन्मजात हाथ एवं पैरों की विरूपताओं और सामान्य अंग विकास का जीनोमिक विश्लेषण
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. के सहयोग से डीएमडी के लिए स्टेम कोशिका एवं जीन उपचार का विकास।
- माइलोप्रॉलिफिरेटिव विकारों के लिए जिम्मेदार उत्परिवर्तन की पहचान के लिए पैथोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान।
- मोतियाबिंद का आणविक आनुवांशिक विश्लेषण
- डीएमडी, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हायपोक्सिक इस्कीमिक मस्तिष्क क्षति विकास का स्टेम कोशिका एवं जीन उपचार आधारित चिकित्सा के लिए प्रस्तुति एवं स्त्री रोग और बाल चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान।
- सीआरआईएसपीआर/ सीएएस-९ आधारित जीन संपादन उपकरण का उपयोग कर चूहों की पीढ़ी का विकास।

कार्यक्रमों की उपलब्धियों का विवरण

आनुवंशिक जांच

विभिन्न रोगों जैसे डाउन सिंड्रोम, टर्नर सिंड्रोम, डी.एम.डी./बी.एम.डी., थैलेसेमिया, आवर्तक गर्भपात, न्यूरज ट्यूब

दोष इत्यादि के कुल ८०० रिफर किये गये केसों की जाँच की गई एवं उनके रिपोर्ट एस.एस. चिकित्सालय, बी.एच.यू. को सौंपे गये। कुछ केसों के लिए काउंसिलिंग भी की गई।

शोध

- डाउन सिंड्रोम बच्चों की युवा माताओं में फोलेट उपापचय जीन में गड़बड़ी देखी गई।
- नाइट्रिक ऑक्साइड मधुमेह घाव fibroblasts में connexins ३१, ३१.१ और ४३ की अभिव्यक्ति और कोशिकीय प्रसार को नियंत्रित करता है।
- Asparagus racemosus के पत्ते का रस स्वभोजिता बढ़ा कर और PRCCTFE3 संलयन प्रोटीन को घटाकर, UOK146 (प्राथमिक अंकुरक वृक्क कोशिका कार्सिनोमा) कोशिका विकास को बाधित करता है।
- पार्किंसंस की बीमारी, पॉलीसिस्टिक किडनी रोग, हाइपोडोंटिया, जन्मजात अंग विकृति और मोतियाबिंद में नोवल म्यूटेशन की पहचान की गई है।
- सेल १ और बीएमपीआर १बी जीन के नियामक प्रभावों की जांच की गई है।

प्रस्तुतियाँ: सम्मेलनों में कुल ४ मौखिक एवं ०६ पोस्टर प्रस्तुतियां की गईं और ०१ कार्यशाला में भाग लिया।

अतिथि व्याख्यान

- २ अप्रैल, २०१६ को ''लाफोरा रोग के साथ एक दशक का लम्बे समय तक सहयोग'' विषय पर प्रोफेसर एस गणेश, आईआईटी, कानपुर द्वारा व्याख्यान।
- २० अप्रैल, २०१६ को ''पुरुष बांझपन में वाई-क्रोमोजोमल गैर-कोडिंग आरएनए द्वारा ऑटोसॉमल जीन का विनियमन'' विषय पर ए जे राहेल, सीसीएमबी, हैदराबाद द्वारा व्याख्यान।
- २३ अप्रैल, २०१६ को ''विशेष रूप से विवेक्स संक्रमणक का निदान करने के लिए ग्लूटामेट डिहाइड्रोजनेज प्रोटीन के खिलाफ पॉलीक्लोनल और मोनोक्लोनल का विकास'' विषय पर वंदना सिंह, सीडीआरआई, लखनऊ द्वारा व्याख्यान।
- १७ दिसम्बर, २०१६ को ''शास्त्रीय साइटोएजनेटिक्स से जीवन के साइन: क्या एक पुरानी तकनीक अभी भी प्रासंगिक है?'' विषय पर डॉ. इंद्रजीत नंदा, जेनेटिक्स संस्थान, विर्गबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा व्याख्यान।
- १४ जनवरी २०१७ को ''निपुण शुद्धि और जन स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा पी५३ प्रोटीन इंटरैक्ट की पहचान करना'' विषय पर डॉ. नितिन राज, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान।
- ८ फरवरी २०१७ को ''इगैपेथिक फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस और परमाणु संगठन में ग्रेनीहेड-जैसी २ (जीआरएचएल-२)'' विषय पर डॉ. सैथिस शशिकुमार, डीवाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे द्वारा व्याख्यान।
- १० फरवरी, २०१७ को ''पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन में बायोमार्कर के आवेदन: मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को जोड़ने'' विषय प्रोफेसर अवधेश झा, प्लायमाउथ विश्वविद्यालय, यूके द्वारा व्याख्यान।

छात्रों के लिए उपलब्ध शोध सुविधाओं का विवरण

- आधारित जैव प्रयोगशाला के साथ डीएनए, आरएनए, प्रोटीन, पीसीआर, जीनोटाइपिंग, डीएनए अनुक्रमण, इत्यादि की सुविधाएँ।
- कोशिका संवर्धन प्रयोगशाला के साथ सम्पूर्ण रक्त संवर्धन, स्टेमकोशिका संवर्धन (लिम्वल, एम्नीयाटिक झिल्ली आदि) सेललाइन्स एवं लिम्फोब्लास्ट्वाइड सेल लाइन्स।
- मानक कोशिका आनुवंशिकी प्रयोगशाला के साथ गुणसूत्र स्लाइड बनाने, वैण्डींग, कैरियोटाइपिंग इत्यादि की सुविधाएँ।
- सेन्ट्रीफ्यूज जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस, ळ्ङ ट्रान्सएलूमिनेटर, जेल डाकुमेण्टेशन तंत्र, PH मापक, इंकुवेटर, ओवेन, तोलनयंत्र, रेफ्रिजरेटर, -२०°C एवं -८०°C रेफ्रिजरेटर, कोल्ड चैम्बर, पीसीआर मशीन, लैमिनार फ्लो, स्वत: कैरियोटाइपिंग मशीन, सूक्ष्मदर्शीया, स्वत: डीएनए अनुक्रमण, कम्प्यूटर तंत्र इत्यादि।

अतिरिक्त गतिविधियों

पीजी डिप्लोमा कोर्स के छात्र एक शैक्षणिक टूर के रुप में के आई. आई. टी. भुवनेश्वर का दौरा किया और संकाय सदस्यों, छात्रों से बातचीत की और प्रयोगशाला सुविधाओं और निदान तकनीक के बारे में जानकारी लिया। उन्होंने इस दौर पर एक रिपोर्ट भी पेश की। पीजी डिप्लोमा के छात्रों ने संकाय कार्यक्रम 'आकांक्षा – २०१७' भाग लिया जिसमें वे 'बहस' और 'नाटक' प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार जीता।

२.१.४.३. डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित)

डी.एस.टी. अंतर विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र, गणितीय विज्ञान में प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए और अपने चुने हुए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधाओं को विकसित करने के लिए बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में २००७ में स्थापित किया गया था। डी.एस.टी. अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र में २०१६-१७ के दौरान विभिन्न तरह की गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसे एक अच्छी संख्या में आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और प्रख्यात गणितीय वैज्ञानिकों द्वारा आमंत्रित व्याख्यानों से प्राप्त किया गया था जिसका विवरण नीचे दिया गया है। इसके साथ ही, अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र ने अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को लगातार विकसित किया है। यहाँ शिक्षकों, छात्रों और बाहर से आये हुए मेहमानों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए एक अनुकूल और जीवंत माहौल मिला है।

केंद्र की कार्य प्रणाली

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन
- व्याख्यानों के आयोजन
- महत्वपूर्ण एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान
- बी.एच.यू. के बाहर शैक्षिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में अपने सदस्यों के माध्यम से भागीदारी एवं पारस्परिक विचार-विमर्श
- बढ़ती मूलभूत सुविधाएँ जैसे निर्माण, कम्प्यूटेशनल साफ्टवेयर सहित सुविधाएं, पुस्तकालय के लिए किताबें आदि की जानकारी विस्तार में प्रदान की गयी हैं

डिग्री एवं डिप्लोमा के अधिनिर्णय

- गणितीय विज्ञान में पीएचडी
- एमएससी सांख्यिकी और कम्प्यूटिंग में
- एमएससी कम्प्यूटेशनल साइंस और सिग्नल प्रोसेसिंग में एप्लीकेशन

भवन में निम्नलिखित सुविधाएं हैं

समन्वयक का कमरा, कार्यालय, शिक्षकों का कमरा, शोध छात्रों का कमरा, आगन्तुकों के लिए कमरा, व्याख्यान एवं सम्मलेन के लिए कमरा, समिति कक्ष, कंप्यूटर लैब्स, व्याख्यान थियेटर, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष और शौचालय।

प्रो. राबर्ट ब्रेन्ट, अध्यक्ष, अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी

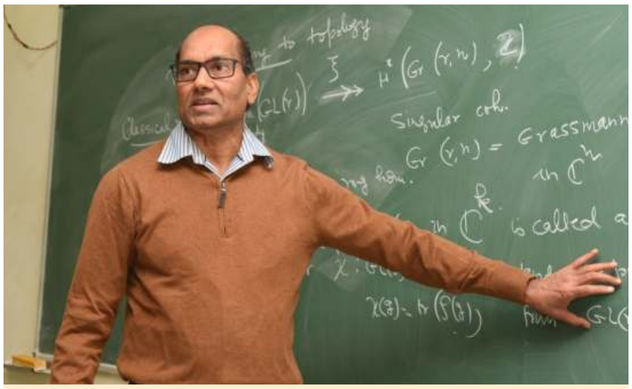

प्रो. श्रवण कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ केरोलिना, यू.एस.ए.

प्रो. सी.एस. अरविन्द, टीआईएफआर-कैम
के साथ प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, डीएसटी-सीआईएमएस

प्रो. राबर्ट ब्रेन्ट, अध्यक्ष, एएमएस
के साथ प्रो. उमेश सिंह, डीएसटी-सीआईएमएस

डीएसटी-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र में महिलाओं पर पैनल चर्चा

२.१.४.४. नेपाल अध्ययन केन्द्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय में नेपाल अध्ययन केन्द्र की स्थापना १९७६ में हुई।

इसके अंतर्गत नेपाल अध्ययन तथा नेपाल अध्ययन में संदर्भ में ट्रांस हिमालयन क्षेत्र शामिल है, ताकि भारतीय उपमहाद्वीप को इसकी पूर्णता में समझा जा सके।

आगे यह अपनी कार्यवाही के अंतर्गत सम्पूर्ण दक्षिण एशियाई क्षेत्र को भी शामिल करना चाहता है।

नेपाल तथा ट्रांस हिमालयन क्षेत्र एक विस्तृत दृष्टिकोण: इस केन्द्र ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं:

वर्तमान में इस केन्द्र के पुस्तकालय में, इस केन्द्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं, परियोजना धारकों, शिक्षाविदों के लिए, साढ़े तीन हजार (३५००) से अधिक पुस्तकें (जिनमें से ज्यादातर बहुमूल्य, दुर्लभ तथा उत्कृष्ट अभिलेख हैं) तथा चौदह सौ (१४००) से भी अधिक सीमित संस्करणों वाली पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं।

अर्थशास्त्र में MS Excel तथा SPSS एप्लीकेशन्स' पर कार्यशाला: २७ मार्च से १० अप्रैल, २०१७

२१ से २४ मार्च, २०१७: ''प्रजातंत्र के विकास हेतु शिक्षा, नेपाल में संविधान तथा प्रलक्षित संघर्ष: दक्षिण एशियाई संदर्भ' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

''वस्तु एवं सेवा कर'' (जीएसटी) पर ३१ अगस्त २०१६ को विशेष व्याख्यान।

क्षेत्र अध्ययन में शोध कार्य प्रणाली पर कार्यशाला: ४ से ११ नवम्बर, २०१६

छात्रों के लिए उपलब्ध शोध सुविधाएँ: ग्रन्थालय, संगणक एवं क्षेत्र कार्य।

२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र (सामाजिक विज्ञान संकाय)

'महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' महिला अध्ययन के क्षेत्र में देश के अग्रगामी केन्द्रों में से एक है तथा १९८८ से ही यह लैंगिक अन्याय एवं विषमता मिटाने की दिशा में अभिन्न योगदान दे रहा है। इसकी स्थापना वर्ष १९८८ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सातवीं योजना के अन्तर्गत की गयी थी। जब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कुछ विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना करने का निर्णय लिया तो उसने देश के सात मानिंद विश्वविद्यालयों को चुना जिनमें से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एक था। इस केन्द्र को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर ख्याति प्राप्त हो चुकी है। इसके उत्तम कार्य प्रदर्शन तथा प्रदेश में लैंगिक संवेदनशीलता प्रसारित करने के लिए इसके द्वारा किये गये सतत् प्रयास के परिणाम स्वरूप यू.जी.सी. निरीक्षण समिति ने १९९७ में इसे भारत का एक प्रमुख केन्द्र घोषित किया जो कि किसी भी महिला अध्ययन केन्द्र की श्रेष्ठता का उच्चतम मानक है।

केन्द्र अब तक ३२ परियोजनायें पूरी कर चुका है। इनमें मुख्य है- ''इण्डो-डच प्रोजेक्ट ऑन रूरल सेनीटेशन एण्ड हेल्थ एजुकेशन इन यू.पी.'' परियोजना, जिसमें २७ गाँवों तथा नौ हजार परिवारों पर अध्ययन किया गया। ५४ राष्ट्रीय परिसंवादों/कार्यशालाओं, ६० समूह चर्चाओं एवं विशेष व्याख्यानों का आयोजन केन्द्र द्वारा किया गया है। महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र ने भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान तथा राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय (१० से १३ सितम्बर २००९) 'स्त्री केन्द्रित फिल्मोत्सव और फिल्म प्रशंसा कार्यशाला' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था कि इस कार्यशाला के जरिये उन विद्यार्थियों को फिल्म एवं फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना जिन्हें इस क्षेत्र में कुछ करने की रुचि हो।

संगोष्ठी, सम्मेलन, विशिष्ट व्याख्यान आदि के द्वारा केन्द्र सदैव महिलाओं से जुड़े मुद्दे एवं विषय को सामने लाती है। आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, बौद्धिक में अग्रणी हैं। महिलाओं की इन उपलब्धियों एवं सशक्तिकरण में न्यायतंत्र एवं कानून का अहम् योगदान है। लेकिन यथार्थ में हम यह पाते हैं कि इतने अनुकूल कानूनी अधिकारों एवं संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद महिलाओं की स्थिति समानता से काफी दूर है। व्यवहार में अभी भी उन्हें पुरुषों के समान अधिकार एवं विशेषाधिकार नहीं प्राप्त है। समाज उन्हें पुरुषों के समकक्ष आदर सम्मान नहीं देता है। हाल ही में जो शोरगुल समान नागरिक संहिता के उपर उठा वो भारतीय समाज में व्याप्त पारम्परिक मानसिकता एवं धर्म एवं रूढ़िवादी प्रभाव तथा हस्तक्षेप को प्रदर्शित करता है। चूँकि कानून का निर्माण किसी समाज के संवैधानिक, राजनैतिक एवं विधिक संरचना के भीतर की जाती है, इसलिए यह प्रश्न उठता है कि कानून किस तरह से महिलाओं की मदद कर सकता है इसलिए सिर्फ कानून ही स्त्री को न्याय नहीं दिला सकता है। एक समतापूर्ण समाज बनाने के लिए एवं महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए यह जरूरी है कि इस दिशा में निरंतर प्रयास होने चाहिए। स्त्री मुक्ति एवं सशक्तिकरण के संदर्भ में कानून के इस महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'महिला, विधि एवं समकालीन भारतीय परिदृश्य' का आयोजन २१-२२ मार्च २०१७ को आयोजित किया गया।

इसके अतिरिक्त केन्द्र महिला अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण व प्रशिक्षण प्रदान करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। अब तक केन्द्र १५ यू.जी.सी. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित कर चुका है। इनमें से प्रत्येक कार्यक्रम तीन सप्ताह के रहे हैं और इसके द्वारा ५८० से अधिक

अध्यापक, अध्यापिकाओं को महिला अध्ययन में प्रशिक्षित किया गया है। इसी क्रम में केन्द्र शोध छात्रों के लिए १७ अभिविन्यास पाठ्यक्रमों का भी आयोजन कर चुका है। यह गर्व का विषय है कि अब तक इस पाठ्यक्रम के द्वारा ४४८ से अधिक शोध छात्रों को महिला अध्ययन में प्रशिक्षित किया गया है। ये शोध छात्र मानविकी, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों, कृषि विज्ञान एवं विधि से सम्बन्धित थे। इस अभिविन्यास पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अब तक विभिन्न विषय क्षेत्रों के सौ से अधिक विशेषज्ञों ने शोधार्थियों को महिला अध्ययन में प्रशिक्षित किया है। २०१०-११ सत्र से केन्द्र में जेन्डर एवं महिला अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत की गयी है। लगभग २५ गैर सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न महिला मुद्दों पर वाराणसी क्षेत्र में सर्वेक्षण किया गया।

केन्द्र ने अन्य महिला अध्ययन केन्द्रों, गैर-सरकारी संस्थाओं और उच्चशिक्षा संस्थाओं के साथ एक समृद्ध सम्पर्क तन्त्र (नेटवर्किंग) विकसित किया है। समय-समय पर यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित कार्यशाला ''उच्चशिक्षा में महिला मैनेजर्स के लिए क्षमता निर्माण'' और ''सेन्सीटाईजेशन/मोटिवेशन/ अवेयरनेस'' का आयोजन भी केन्द्र द्वारा किया जाता है। प्रसार के क्षेत्र में केन्द्र का अभूतपूर्व इतिहास रहा है। इसने वाराणसी के निर्वाचित ग्राम पंचायत नेतृत्वकर्ताओं के साथ बैठकों, वाराणसी की ग्रामीण महिलाओं के साथ लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशालाओं, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, वाराणसी जिले में विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य तथा वैधानिक साक्षरता जागरूकता कार्यक्रमों, वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता उत्पन्न करने संबंधित शिविरों, स्वच्छ पेय जल तथा पर्यावरण शुद्धीकरण सम्बन्धी शिविरों का आयोजन किया। इस वर्ष प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र का मुख्य ध्येय ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक स्वावलम्बन एवं शिक्षा रहा। केन्द्र द्वारा 'अमरा खैरा' गाँव, वाराणसी में ग्रामीण व्यथित महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र तथा ग्रामीण महिला/बालिका शिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है।

केन्द्र ने विभिन्न कार्यक्रमों यथा-महिला अदालत, पोस्टर प्रतियोगिता तथा संकाय सदस्यों, छात्रों तथा गैर-सरकारी संस्थाओं के सदस्यों के साथ शैक्षणिक बैठकों में सक्रिय प्रतिभागिता की। केन्द्र ने लैंगिक संवेदनशीलता सृजन सम्बन्धित अध्ययन सामग्री तथा जागरूकता सृजन के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति की है। केन्द्र ने अपना प्रथम जर्नल 'जेण्डर एवं जस्टिस' २०१२ में प्रकाशित किया। अब तक इसने हिन्दी में एक प्रशिक्षण पुस्तिका, ३२ प्रोजेक्ट प्रतिवेदनों, विभिन्न पुनश्चर्या कार्यक्रमों, अभिमुखीकरण पाठ्यक्रमों एवं राष्ट्रीय परिसंवादों की ४८ से अधिक विवरण पुस्तिकाओं तथा द्विभाषीय त्रैमासिक पत्र ''नारी दर्पण'' के १३ अंक, ३ अवसरिक प्रपत्रों, १६ डॉज़ीयर का प्रकाशन किया है। साथ ही सामयिक दो राष्ट्रीय परिसंवादों में प्रस्तुत किये गये प्रपत्रों के योग तथा परियोजना प्रतिवेदन से कुल ९ पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है।

केन्द्र ने विभिन्न स्तरों पर संगठित करने के लिए किये गये प्रयास द्वारा अन्य विभागों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब तक यह केन्द्र तीन स्तरों पर सम्बन्धीकरण का कार्य कर चुका है: (१) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की सहोदर संस्थाओं के साथ, (२) वाराणसी के विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के साथ; जिनमें प्रमुख है: वर्ल्ड लिट्रेसी ऑफ कनाडा, यू.पी. वालंटियरी हेल्थ एसोसियेशन, श्री शम्भुनाथ रिसर्च फाउन्डेशन, महिला समाख्या, अस्मिता आदि, (३) केन्द्र द्वारा अपना एक प्रकोष्ठ 'तेजस्विनी', आर्य महिला महाविद्यालय, वाराणसी में स्थापित किया गया है। केन्द्र ढाँचागत सुविधाओं में समृद्ध है। केन्द्र का अपना एक साधन संपन्न पुस्तकालय, एक सुसज्जित परिसंवाद कक्ष है जहां इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध है।

विभिन्न गतिविधियाँ

महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र महिला अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने वाला एक अतिशय सक्रिय केन्द्र रहा है। वर्तमान वर्ष की कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

- विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लैंगिक जागरूकता कार्यक्रम 'कार्यस्थल पर महिलाएं' १४ सितम्बर, २०१६।
- वृत्तचित्र 'सरस्वती की बेटियाँ: वाराणसी में एक संस्थान में महिलाएं संस्कृत शिक्षा' २२ अक्टूबर, २०१६।
- विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सत्रहवाँ अभिविन्यास पाठ्यक्रम १४-२४ जनवरी, २०१७।
- विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला 'बदलती दुनिया में महिला एवं लैंगिक समानता एवं संवेदनशीलता एवं चित्रकला प्रदर्शनी' ४ मार्च, २०१७।
- दो दिवसीय संगोष्ठी 'महिला, विधि एवं समकालीन भारतीय परिदृश्य' २१-२२ मार्च, २०१७।

विद्यार्थियों के लिए सुविधायें

- अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम
- विविध प्रसार एवं सेवा गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी
- पुस्तकालय में इन्टरनेट की सुविधा
- विद्याथियों के लिए समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन
- परामर्श की सुविधा (व्यक्तिगत, शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक आदि)

पुस्तकालय

महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र में उत्तम पुस्तकालय सुविधा है जिसमें ५० से अधिक शोधार्थियों के बैठने की क्षमता है। इस पुस्तकालय में कुल ३००० (उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों सहित) पुस्तकें हैं। केन्द्र में ९ पत्रिकायें, १ जर्नल तथा ८ दैनिक समाचार पत्रिकायें भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय अपने पाठकों को निरन्तर समाचार कर्तन सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय के पास आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों एवं महिलाओं से सम्बन्धित सरकारी प्रकाशन भी उपलब्ध हैं।

२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आंठवी पंचवर्षीय योजना में संस्तुत (मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र, एम.सी.पी.आर.): मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र की स्थापना वर्ष १९९८ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत एक स्वतन्त्र, अन्तर वैषयिक केन्द्र के रुप में समाज विज्ञान संकाय के अन्तर्गत की गई। मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने कुछ ही समयान्तराल में अपने विकास से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली है। एक अन्तर वैषयिक केन्द्र होने के कारण मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र विभिन्न विषयों के विद्वानों को शोध का अवसर प्रदान करता है एवं राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा राजनयिकों, गैर सरकारी संस्थाओं एवं अन्य जो संघर्षो के निवारण में कार्यरत है, के लिए महत्वपूर्ण विचार स्थली बन गया है। एम.सी.पी.आर. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दोनों ही प्रकार के संघर्षो के विश्लेषण एवं समाधान के लिए शोधरत है।

मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र का एक प्रमुख उद्देश्य है- गोष्ठियों, वाद-विवादों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना। स्थापना के साथ ही अनेक राजनीतिज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनयिक, गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, शोध छात्र एवं छात्राएं, शिक्षकगण एवं समाजसेवक केन्द्र की इस प्रकार की गतिविधियों में भाग ले चुके हैं। इस प्रकार की गोष्ठियां, परिचर्चाएं एवं कार्यशालाएं केन्द्र की संघर्ष विषयक सूचनाओं एवं शोध के लिए आकड़ों को विस्तृत करने में मददगार सिद्ध हुई हैं। गोष्ठियों, परिचर्चाओं एवं कार्यशालाओं से प्राप्त जानकारियों का केन्द्र के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य में उपयोग किया जाता रहा है।

बौद्धिक गतिविधियों के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उत्तर भारत में स्थापित मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र, भारत तथा विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन केन्द्र के रूप में सेवारत है। मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र का समाज विज्ञान संकाय में होना तथा संकाय के शिक्षकगणों का शान्ति अध्ययन के प्रति रुझान एम.सी.पी.आर. के विकास का एक प्रमुख कारण रहा है। यह केन्द्र संकाय के छात्रों एवं शोधार्थियों को शान्ति अध्ययन संबंधी एक नवीन आयाम प्रदान करता रहा है।

अन्तर राष्ट्रीय सांस्थानिक सहयोग

- यूनेस्को द्वारा केन्द्र में प्रतिष्ठित 'यूनेस्को शांतिपीठ एवं अन्तर-सांस्कृतिक सहमति' की स्थापना की गयी है।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने टोनी ब्लेयर फेथ फाउण्डेशन, यू.के. के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्य में सहयोग हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।
- केन्द्र ने इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इन्स्टीट्यूट, नार्वे के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्य में सहयोग हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।

- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेश पत्र द्वारा स्थापित यूनिवर्सिटी फॉर पीस, कोस्टा रिका के साथ शांति अध्ययन के क्षेत्र में नये पाठ्यक्रम एवं परास्नातक पाठ्यक्रम में सह-शिक्षण की नयी तकनीकी के विकास के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने कार्लस्टाड विश्वविद्यालय, स्वीडेन, वेज़ली कालेज, अमेरिका, एवं त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के साथ संस्थानिक सहयोग के लिए समझौता किया है।
- सन् २००६ से ही संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत शैक्षणिक फांउडेशन, नई दिल्ली से मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र में संयुक्त राज्य अमेरिका से फुलब्राइट प्रोफेसर एवं स्कॉलर केन्द्र में अध्यापन एवं शोध कार्य हेतु आते रहे है।

उपलब्धियाँ

- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र के समन्वयक और यूनेस्को चेयर प्रोफेसर प्रियंकर उपाध्याय का चयन शांति अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक रूप से सबसे प्रमुख एवं प्राचीन संस्था पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ओस्लो (पीआरआईओ) के ग्लोबल फेलो के रूप में किया गया है।
- सन् २०१६ में यूनेस्को (पेरिस) द्वारा मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र में प्रतिष्ठित 'यूनेस्को शांति एवं अन्तर-सांस्कृतिक सहमति पीठ' की गहन समीक्षा के उपरान्त पुन: नवीनीकरण किया गया एवं पीठ की उपलब्धियों की सराहना की।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय की स्वर्णिम उपलब्ध्यिों में यूनेस्को चेयर प्रोफेसर प्रियंकर उपाध्याय ने एक बेहतरीन इजाफा किया है। उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से अन्त:विश्वासी और अन्तर्सभ्यता संवाद कार्यक्रम जिसका संचालन, व्हाइट हाउस करती है, में विशिष्ट वक्ता और अकादमिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने का निमंत्रण मिला।
- प्रो. प्रियंकर उपाध्याय को डबलिन सिटी विश्वविद्यालय.आयरलैण्ड में भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद की प्रतिष्ठित पीठ प्रदान की गयी।
- वर्तमान सत्र में मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र के डॉ. प्रशान्त कुमार ने ओस्लो विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम शांति अनुसंधान में छह सप्ताह का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के लिए पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट, ओस्लो ने छात्रवृत्ति प्रदान की।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र के एक शोध अध्येता और परास्नातक का एक छात्र अंन्तर राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (लिनियस पाल्मे कार्यक्रम) के अन्तर्गत स्वीडेन के कार्लस्टाड विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए गए।
- केन्द्र की गतिविधियों का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू समसामयिक पत्रों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठी रिपोर्ट तथा शोध प्रपत्रों के प्रकाशन का है।

पाठ्यक्रम

केन्द्र 'संघर्ष प्रबंधन और विकास' विषय में दो वर्षीय परास्नातक/एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा 'शांति अध्ययन' में शोध कार्य सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है। यह कोर्स सामाजिक विज्ञान एवं संबद्ध विषयों के स्नातक तथा विशेषकर प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, गैर सरकारी संगठनों के सदस्य तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर राष्ट्रीय संघर्षो के समाधान में संलग्न लोग कर सकते हैं।

मेसिव ओपेन आनलाइन कार्स (मौक्स): मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने मौक्स कार्यक्रम के अन्तर्गत ४ क्रेडिट आनलाइन पाठ्यक्रम ''धर्म, संघर्ष एवं वैश्वीकरण'' की शुरूआत की। यह पाठ्यक्रम धार्मिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, शांति कार्यकर्ताओं एवं सामुदायिक विकास से जुड़ी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। यह नवोन्मेषी पाठ्यक्रम धार्मिक एवं अन्तर सांस्कृतिक सहमति को संघर्ष समाधान के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उपयोग करने की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है।

२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र

भारत गाँवों का देश है तथा गाँवों के विकास में ही देश का विकास सन्निहित है। संपोषित विकास, आर्थिक सुधार और गाँव के आम आदमी की चिंता नवीन वास्तविकताएँ है। चुनौतियाँ फिर भी बरकरार हैं। इसके निराकरण हेतु भारत सरकार के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण विकास की अवधारणा के पश्चात् १९८० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की पहल पर समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना की गयी।

ग्रामीण विकास कार्यक्रम की नेटवर्किंग

ग्रामीण विकास में संलग्न गाँव के तथा अन्य संगठनों के एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रमों के संजालीकरण में समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र सकारात्मक भूमिका निभाता है।

संरचना एवं सदस्यता

समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त ईकाई के रूप में कार्य करता है तथा सामाजिक विज्ञान संकाय के अधीन विश्वविद्यालय के अन्य विभागों से सकारात्मक सहयोग करता है।

यह केन्द्र विश्वविद्यालय के रख-रखाव खर्च (मेनटेनेन्स ग्रांट) द्वारा आबंटित एवं अनुमोदित लघु वित्तीय सहायता प्राप्त धनराशि से संचालित होता है तथा विश्वविद्यालय के अन्य संकायों, विभागों एवं संस्थानों से निरन्तर सहयोग रखता है। साथ ही यह केन्द्र ग्रामीण विकास के कार्यक्रमों की व्यापकता एवं सृजनशीलता के मद्देनजर सशक्त आर्थिक सहयोग की अपेक्षा करता है।

आदर्श गाँव का विकास

समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र द्वारा चिरईगाँव विकास खण्ड के अमौली गाँव में ग्राम्य वनौषधि औद्योगिक उत्पादन सहकारी समिति नामक संस्था का संचालन १९८७ से केन्द्र के परियोजना अधिकारी के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस औद्योगिक इकाई को वाराणसी जिला प्रशासन द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान कर समूचे प्रदेश में पहली बार औषधीय पौधों के आर्थिक विकल्प को खेती के अतिरेक स्वीकृति प्रदान की गयी है। साथ ही चिरईगाँव विकास खण्ड को हर्बल ब्लाक घोषित किया गया है।

एक नजर

महिला सशक्तिकारण प्रशिक्षण कार्यक्रम

काशी विद्यापीठ विकास खण्ड के तथा विश्वविद्यालय परिसर के नजदीक के गाँव की ४० महिलाओं को सिलाई, कताई, कढ़ाई की नियमित कक्षाओं का संचालन पूर्वाह्न १० से १ बजे तक दोपहर २ बजे से ५ बजे अपराह्न में किया जाता है।

दो वर्षीय समन्वित ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन एम.ए. आई.आर.डी.एम. कोर्स

सामाजिक विज्ञान संकाय के अन्तर्गत समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र द्वारा दो वर्षीय ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन एम.ए.आई. आर.डी.एम. वित्त पोषित पाठ्यक्रम के रूप में चलाया जाता है। जिसमें विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान संस्थान तथा सामाजिक विज्ञान संकाय से सम्बन्धित शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य करते हैं। वर्तमान सत्र में कुल ४१ छात्रों ने प्रवेश लिया।

समर्थ ग्राम अभियान परिचय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में वाराणसी जनपद के काशी विद्यापीठ ब्लाक के १०० गॉव को स्वावलम्बी बनाने हेतु विश्वविद्यालय के संसाधनों की सहायता से समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत किया। समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र इस

अभियान का नोडल केन्द्र है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित दस बिन्दुओं को सम्मिलित किया गया है: शिक्षा, सफाई, स्वास्थ्य, जैविक कृषि, फलदायी वृक्षों का वृक्षारोपण, घरेलू पशुओं का स्वास्थ्य, जल प्रबन्धन एवं संरक्षण, पर्यावरण, रसोई वाटिका, कानूनी सहायता।

जागरूकता अभियान: ''मधुमेह मुक्त भारत के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका'' दिनांक ३ अक्टूबर २०१६।

अतिथि व्याख्यान शताब्दी वर्ष समारोह

- २२.०३.२०१७ को कैरीयर इन डेवलपमेन्ट स्पेसली फोकासिंग आन सोशल इन्टरप्रेनोयर विषय पर अभिषेक रंजन का व्याख्यान।
- अक्टूबर २०१७ को माईक्रोफाइनेन्स विषय पर राजकृष्णा का व्याख्यान।

स्टूडेन्ट प्लेसमेन्ट

छात्र का नाम	संस्था
आशीष कुमार लधयानी	सृजन
बिटटु मिश्रा	प्रदान
रवी रंजन	गॉधी फेलोशीप
आदर्श	,,
अरविन्द कुमार	,,
प्रियंका सिंह	,,
विभूती नारायन पाण्डेय	,,
अभिषेक झा	राजस्थान जिविका

क्रम संख्या	दिनांक	स्थान	कार्यों का विवरण
१	२६.१०.२०१६	छितौनी कोट करसड़ा, बेटावर, बच्छाव, गजाधरपुर	२०० परिवारों का प्रश्नावली के द्वारा आकड़ों का संग्रह, वृक्षारोपण शिक्षा पर जागरूकता अभियान
२	२५.११.२०१६ २८.११.२०१६ ३०.११.२०१६	करसड़ा, बेटावार, बच्छाव, गजाधरपुर, छितौनीकोट, कुरहुआ, माधोपुर, मूरादेव, तारापुर, सराय डांगरी कला, अन्नतपुर, मंगलपुर, सुरही, सबहीपुर, नेवादा, बनकट, अलाउद्दीनपुर, ऊंचगाव, दाउदपुर, गोपालपुर, कौरोता, पिलखनी, नकाइन, सदलपुर, कादीपुर, लठिया, सगहट, रामपुर, खुशीपुर, निबिया, नरउर, जफराबाद, मीरापुर, दफलपुर, बनवानी, फरीदपुर, हसापुर, मिसिरपुर, भदवर, देलहना, रमसीपुर	अध्यापकों एवं कर्मचारियों के द्वारा ग्रामीण भ्रमण
३	४.१२.२०१६	जौविक कृषि सम्मेलन स्वतंत्रता भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	स्वतंत्रता भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में जौविक कृषि सम्मेलन में लगभग १००० ग्रामीण सम्मिलित हुये।
४	२७.०१.२०१७	माधोपुर, मूरादेव	५०० बीज के पैकट का वितरण किया गया। २० फलदायी वृक्षों का रोपण कराया गया। १०० परिवारों में स्लेट, किताब एवं स्लेट पेन्सिल का वितरण।
५	०२.०२.२०१७	तारापुर, नरोत्तमपुर	शिक्षा के प्रति जागरूकता, वृक्षारोपण, रसोई वाटिका हेतु बीज वितरण। तारापुर में १०० परिवारों में स्लेट, किताब एवं स्लेट पेन्सिल का वितरण।
६	२३.०१.२०१७ ३०.०१.२०१७ ०६.०२.२०१७ २०.०२.२०१७ २७.०२.२०१७ ०६.०३.२०१७ १३.०३.२०१७ २०.०३.२०१७	कुरहुआ	प्राइमरी स्कूल में बच्चों के आईक्यू का परीक्षण किया गया। २० मार्च को ''हमारे जीवन में कम्प्यूटर एवं मोबाईल का महत्व'' पर स्कूल के छात्रों के बीच कार्यशाला भी सम्पादित किया गया। ४० मिडिल स्कूल के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रामीणों को ''डिजिटल लेनदेन कैसे किया जाय'' विषय पर जानकारी दी। महिलाओं को ए.टी.एम. की सुविधा दिलायी तथा ए.टी.एम. से रूपये निकालना भी सिखाया गया।

७	२४.०३.२०१७	बखरिया	लगभग ७० बीजों के पैकेट रसोई वाटिका हेतु दिये गये। छात्रों के द्वारा ग्रामीणों को सफाई एवं शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया तथा सर्वे का कार्य किया गया।
८	२७.०३.२०१७	माधोपुर	छात्रों ने ग्रामीण भ्रमण एवं सर्वे का कार्य किया
९	२६.१२.२०१६ ०६.०१.२०१७ ११.०१.२०१७ १९.०१.२०१७ २४.०१.२०१७ २९.०१.२०१७ ०२.०२.२०१७	सराय, डांगरी	१५ बच्चेे जो कि स्कूल छोड़ चुके थे स्कूल जाने लगे।
१०	३०.०३.२०१७ ३१.०३.२०१७	प्रबन्ध शास्त्र संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	कुमारी जीनत मंगलपुर गॉव को प्रबन्ध शास्त्र संस्थान में कार्य शाला में आमंत्रित किया गया। डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय आई.आर. डी.पी. ने इस कार्यशाला में समर्थ ग्राम अभियान में किये गये कार्यो का प्रस्तुतीकरण किया तथा डॉ. बिन्देश्वरी प्रसाद सिंह विजिटिंग प्रोफेसर ने साक्षरता पर अपने विचार रखे
११	११.०४.२०१७	प्रो. के.एन. उड़प्पा सभागार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय आई.आर.डी.पी. सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित ११वी पीयर कार्यशाला में ग्रामीण विकास से सम्बन्धित आर्थिक सामाजिक सरकारी योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया तथा डॉ. बिन्देश्वरी प्रसाद सिंह विजिटिंग प्रोफेसर ने भी साक्षरता पर अपने विचार रखे
१२	०५.०४.२०१७	कुरहुऑ, बालीपुर, माधोपुर	३५ बीज के पैकेट ग्रामीणों को रसोई वाटिका हेतु बॉटे गये

२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

यह केन्द्र वर्ष २००८ में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित हुआ है। यह उन ३५ केन्द्रों में से एक है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारत में जाति, धर्म, वर्ग एवं लिंग के आधार के अंतर्गत उपाश्रित वर्गों को समाज की मुख्य धारा में लाने संबंधी अध्ययन एवं नीतियों के निर्माण करने के उद्देश्य हेतु किया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का यह केन्द्र देश के उन केन्द्रों में से है, जिसने अपने आप को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सामने प्रमाणित किया है एवं आयोग ने इसे निरंतर अनुदान प्रदान करने की सहमति दी है। इस केन्द्र में एम.फिल. एवं पी.एचडी. स्तर पर उपाश्रित वर्गों का अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम संचालित होता है साथ ही साथ निरन्तर व्याख्यान माला, सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं का आयोजन होता है।

संक्षिप्त रिपोर्ट

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थापित इस केन्द्र के निम्न उद्देश्य एवं लक्ष्य हैं।

- इस अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत दो वर्ष का परास्नातक पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के भेदभाव की प्रकृति एवं जाति, जनजाति, लिंग अपंगता, धर्म, कला, साहित्य से जुड़े बहिष्करण और साथ ही साथ समावेशी नीति से संबंधित विभिन्न आयामों-संवैधानिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक-का अध्ययन किया जा रहा है।
- इस केन्द्र के अर्न्तगत एम.फिल एवं पी.एचडी. स्तर पर उपाश्रित वर्गों का अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके अन्तर्गत सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति हेतु विभिन्न सैद्धांतिक एवं शोध प्रारूप का प्रयोग करके एक नीति का निर्धारण हो सकेगा जो कि उपाश्रित वर्गों का मुख्य धारा में समायोजन हेतु लाभकारी होगा।
- सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के समस्याओं को समझने में सैद्धान्तिक एवं अनुभवात्मक परिपक्वता प्राप्त करने हेतु यह केन्द्र अनुसंधान एवं विस्तार कार्यक्रम को प्रोत्साहित करता है। इस परिप्रेक्ष्य में केन्द्र के विद्यार्थीगण, शिक्षकगण एवं अन्य कर्मचारी अध्यापन एवं शोध कार्य के माध्यम से एक ऐसी नीति का निर्माण कर सकेंगे जो कि समाज के प्रताड़ित लोगों के अधिकार को संरक्षित कर सकेगा।
- यह केन्द्र उपर्युक्त उद्देश्यों में संलग्न विभिन्न प्रकार के संस्थाओं से संबंध स्थापित करके सामाजिक बहिष्करण के परिप्रेक्ष्य में पैनापन लाकर अपने उद्देश्यों के संबंधित तथ्यों को मजबूती प्रदान करेगा।
- यह केन्द्र निरन्तर व्याख्यान माला, सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं का आयोजन करता है जहां कि प्रबंध शास्त्र, सामाजिक विज्ञान एवं कला विज्ञान के विद्यार्थी एवं विद्वान तथा राजनीतिक एवं सामाजिक नेता भाग लेते हैं।
- यह केन्द्र प्रविधि को बढ़ावा देकर पहुँच से दूर समुदाय के विभिन्न पहलुओं के बहिष्करण से संबंधित समस्याओं का अध्ययन करता है।

क्रियाएं एवं कार्यक्रम

शैक्षिक गतिविधियां: वर्तमान शैक्षिक सत्र के दौरान २० विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।

शोध छात्रों के लिये उपलब्ध सुविधाएं: वर्तमान सत्र में उपाश्रित वर्गों के अध्ययन में एम.फिल. पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल २० छात्र पंजीकृत किये गये।

२.१.४.९. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र

हाइड्रोजन ईधन युक्त त्रिचक्रीय वाहन के व्यवसायीकरण से सम्बन्धित पहलुओं की विवेचना एवं व्यापक दृष्टिकोण के लिए हाइड्रोजन उर्जा विभाग, नवीन और नवीनीकरण उर्जा मंत्रालय के निदेशक डॉ.पी.सी. मैथानी, साथ में विभाग के अन्य विशेषज्ञ प्रो. श्रीनिवास मूर्ति (आई.आई.एस.सी.), प्रो. जे. कुमार (आई.आई.टी.कानपुर) ने हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक १९-२० जनवरी २०१७ को किया। उन्होंने हाइड्रोजन त्रिचक्रीय वाहन के व्यवसायीकरण से सम्बन्धित मुद्दों पर बात की एवं मिशन मोड परियोजना के तहत एक करोड़ रूपये की धनराशि आबंटित की। एक अन्य महत्वपूर्ण घटना डॉ. के कस्तूरीरंगन (पूर्व अध्यक्ष इसरो) वर्तमान बोर्ड अध्यक्ष एवं राज्यपाल रमन अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू २०-२१ अप्रैल २०१७ के दौरान हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र का निरीक्षण रहा। उन्होंने आर एण्ड डी हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सराहनीय कार्य को समझते हुए भविष्य में हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र को मजबूती के साथ सहयोग देने की सिफारिश की।

हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र, बी.एच.यू के आर एण्ड डी प्रयासों ने 'भारत में निर्माण' को नयी उर्जा दी है। हमने MgH_2 बनाने की (जो कि अब तक अल्फा-अस्सार कम्पनी से खरीदा जाता रहा) स्वदेशी तकनीक विकसित की है। हमने संश्लेषण और MgH_2 निर्माण के लिए प्रक्रिया पर पेटेंट के लिए आवेदन किया है। 'भारत में बनाने' के लिए अन्य महत्वपूर्ण प्रयास हाइड्रोजन (हाइड्राइड में संग्रहीत) हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र, वाराणसी में त्रिचक्रीय प्रदर्शन बेडे के विकास से संबंधित है। यह स्वदेशी प्रयास वाहनों के परिवहन के कार्बन तटस्थ, जलवायु मित्रवत ईधन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सत्र में हमने १२ शोध पत्र जो कि हाइड्रोजन उर्जा के क्षेत्र में बड़े प्रभावशाली (प्रभावकारक ३.२६ से ८.८६) माने जाते है, में प्रकाशित किये हैं।

फोटोग्राफ कैप्सन

- निदेशक हाइड्रोजन उर्जा विभाग, नवीन और नवीनीकरण उर्जा मंत्रालय डॉ. पी.सी. मैथानी, साथ में क्षेत्र के अन्य विशेषज्ञ प्रो. श्रीनिवास मूर्ति (आई.आई.एस.सी, बंगलुरू) प्रो. जे. कुमार (आई.आई.टी., कानपुर) आइड्रोजन उर्जा केन्द्र का १९-२० जनवरी, २०१७ को निरीक्षण करते हुए।
- डॉ. के कस्तूरीरंगन (पूर्व अध्यक्ष, इसरो), वर्तमान बोर्ड अध्यक्ष और राज्यपाल, रमन अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू, २०-२१ अप्रैल, २०१७ को हाईड्रोजन उर्जा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए।
- हाइड्रोजन (हाइड्रोजन में संग्रहित) ईधन युक्त त्रिचक्रीय वाहनों के समूह का हाइड्रोजन उर्जा केन्द्र में प्रदर्शन।

१९-२० जनवरी, २०१७ को केन्द्र पर दौरे के दौरान डॉ. पी.सी. मैथानी, निदेशक, एमएनआरई, प्रो. श्रीनिवास मूर्ति, आईआईएससी, बंगलुरु, प्रो. जे. कुमार, आईआईटी कानपुर

२०-२१ अप्रैल, २०१७ के दौरान डॉ. के. कस्तूरीरंगन (पूर्व चेयरमैन, इसरो) वर्तमान चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बंगलुरु

हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हाइड्रोजन ऊर्जा प्रदर्शन के लिए तीन पहिया वाहन

२.१.४.१०. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र

भारत में जब २००५ में नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी की आर एण्ड डी का काम पूरे जोर पर था तब बीएचयू को उसके कार्बन नैनो ट्यूब के कार्य में विशेषता के कारण इसे नैनो साइन्स का आरम्भकर्ता माना गया।

यह नैनो विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी इकाई/केन्द्र की सबसे महत्वपूर्ण घटना थी तब १८ फरवरी, २०१७ को प्रो. सी.एन. राव (भारत रत्न, अध्यक्ष नैनो विज्ञान मिशन (भारत सरकार) ने इस ईकाई का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान प्रो. सी.एन.राव और प्रो.जी.सी.त्रिपाठी (कुलपति, बीएचयू) ने उच्च क्षमता युक्त एक्सआरडी तकनीक, एम्पीरियन (मूल्य-१.५ करोड़ रुपया) का उद्घाटन किया। तीन शोध पत्र और एक अध्याय (किताब में) वर्ष २०१७ में प्रकाशित किया गया।

अमीनो आधारित ग्रेफीन आक्साइड- कार्बन नैनो ट्यूब सम्मिश्र, बी- एमीलेज के कोवैलेन्ट इम्मोवचाइजेसन के लिए ग्रेफीन आक्साइड और आयरन अक्साइड के नैनो-इन्टर फेस का प्रयोग, औद्योगिक नैनो जैव उत्प्रेरक का उत्पादन: गतिक, स्थिरता और पुन: प्रयोग का तुल्यात्मक अध्ययन।

ग्रेफीन आक्साइड-कार्बन नैनो ट्यूब सम्मिश्र (जीओ-सीएनटी), ग्रेफीन आक्साइड नैनो फलक (जीओ), और आयरन आक्साइड नैनोकन का अमीनो सतह पर फन्कशनलाइजेशन किया गया और बनाया गया और उसके बाद उसको एराचिस हाइपोजीया से बी-एमीजेज के इक्वोलेन्ट, इम्मोवलाइजेसन में प्रयोग किया गया। रिसपान्स सरफेस मेथोडोलॉजी (आरएसएम) का वाक्स-वेहन्कन रचना और इमोवलाइजेशन को प्रभावित करने वाले मापदण्ड को बेहतर बनाया गया जिससे कि इमोवलाइजेशन क्षमता ९०%, ८८% और ७१% प्राप्त हुई। बी-एमीलेस को जीओ-सीएनटी (bomyl@GO-CNT) और Fe_3O_4(bamyl@Fe_3O_4) से इम्मोवलाइज्ड करने से यहां तक कि ६५० सेल्सियस पर १०० मिनट तक उष्मायन करने के बाद भी करीब ७०% क्रियाशीलता कायम रही। यद्यपि की सभी नैनो जैव उत्प्रेरक (एनबीसीएस) अच्छे पाये गये, जबकि (जीओ-सीएनटी) से इम्मोवलाइज्ड बी-एमीजेज की इम्मोयजेशन उपज, उष्मीय स्थिरता और उत्प्रेरक क्षमता सबसे अच्छी पायी गयी। (जीओ-सीएनटी) से इम्मोवलाइज्ड बी एमीलेज की अच्छे गुण की प्राप्ति, कार्बन नैनो ट्यूब को जीओ में फैलाव है जो कि जीओ के ढेर को रोकता और इस प्रकार (जीओ-सीएनटी) का एन्जाइम बन्धन और आधार की उपलब्धता में मदद करता है। सम्बन्धित सांचे का विषहीन और साधारण एवं सहज इम्मोवलाइजेशन कार्य प्रणाली के कारण इसे मैलटोज के उत्पादन के लिए एक सामर्थ्य औद्योगिक जैव उत्प्रेरक के रूप में इसका प्रयोग किया जा सकता है।

न्यू जेनरेशन नैनो मैटेरियल करेक्टराइजेशन यंत्र का शुभारम्भ करते प्रो. सी.एन.आर. राव और कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

२.१.५. स्कूल

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल
२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल, कमच्छा

भारतीय संस्कृति एवं हिन्दूधर्म के प्रति समर्पित इंग्लैण्ड में जन्म लेने वाली डॉ. एनी बेसेण्ट ने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक राजधानी काशी में ७ जुलाई, १८९८ को सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल की स्थापना की। सन् १९१४ में सी.एच.सी. ट्रस्ट द्वारा यह विद्यालय महामना मदनमोहन मालवीय जी को समर्पित कर दिया गया। इसी विद्यालय की आधारशिला पर सन् १९१६ बसन्त पंचमी को भव्य समारोह के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया। वर्तमान समय में यह विद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग है। १९७७ से यहां की परीक्षा सी.बी.एस.ई. द्वारा सम्पन्न करायी जा रही है।

वर्तमान समय में यह विद्यालय केवल परीक्षा तथा पाठ्यक्रम को छोड़कर प्रशासनिक दृष्टि से विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग है। कक्षा छः से बारह तक (कला, वाणिज्य, विज्ञान वर्ग) के कुल छात्रों की संख्या १७५० तथा अध्यापकों की संख्या ७३ है। वर्तमान समय में ४१ स्थायी तथा ३२ संविदा पर अस्थायी रूप में कार्य कर रहे हैं। कक्षा छः, नौ तथा ग्यारह में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा यूईटी, पीईटी की तरह सेट (स्कूल इन्ट्रेन्स टेस्ट) का आयोजन होता है जिसमें मेरिट के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिया जाता है यहाँ गणित, विज्ञान, कृषि, संगीत, संगणक, शारीरिक शिक्षा आदि विषयों के शिक्षा व्यवस्था तथा सबकी अपनी-अपनी प्रयोगशालाएँ हैं। एनसीसी की चार शाखाएँ (३ आर्मी तथा १ एयर विंग) संचालित है।

विद्यालय में स्थित तैलंग पुस्तकालय, सरगाहाल तथा काशीनरेश हाल विद्यालय के प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर भवन है। विद्यालय के कक्ष विभिन्न दान-दाताओं, पूर्व छात्रों के अभिभावकों द्वारा दिये गये दान की राशि से निर्मित है। कक्षों के द्वार पर लगे शिलापट्ट उनकी उदारता एवं सेवाभाव को प्रदर्शित करते हैं। पुस्तकालय मे लगभग ४० हजार पुस्तकें, विभिन्न प्रकार के पत्र-पत्रिकाएँ, दैनिक सामाचार-पत्र छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। विद्यालय परिसर में ही एक छात्रावास है, जिसमें सुदूर क्षेत्र से आनेवाले मेधावी छात्रों को मेरिट के आधार पर आवासीय सुविधा दी जाती है। परिसर में ही विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्र स्वास्थ्यसंकुल स्थापित है, जिसमें छात्रों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध है। विद्यालय में छात्रों के लिए जेनरेटर, कैन्टीन, वाहन स्टैण्ड आदि की सुविधाएँ भी विद्यमान है। विद्यालय के निर्धन एवं मेधावी छात्रों की सहायता हेतु 'विद्यालय सहायक सभा' तथा 'छात्र कल्याणकोष' की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से छात्रों को नकद धनराशि, पुस्तकें तथा यूनिफार्म की सुविधा प्रदान की जाती है। इस विद्यालय का ही एक प्राईमरी विभाग राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर में संचालित है, जहाँ नर्सरी से कक्षा ५ तक की कक्षाएं संचालित है। यह विद्यालय अपनी स्थापना के ११८ वर्ष पूर्ण कर चूका है।

पाठ्यसहगामी क्रियाएँ

विद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्रों को चार सदनों (शिवाजी, टैगोर, अशोक, रमन) में विभाजित कर वर्ष पर्यन्त अन्तर्सदनीय वाद-विवाद, व्याख्यान, सामान्यज्ञान आदि के साथ ही खेलकूद गणित, विज्ञान, कला, संगीत चित्रकला आदि की विविध स्पर्धाएँ आयोजित की जाती है। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रार्थना सभा में पुरस्कृत किया जाता है। वार्षिक खेलकूद के अन्तर्गत क्रिकेट, बास्केटबाल, टेनिस, फुटबाल, वॉलीबाल, दौड़, कूद, की विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित होती है।

विद्यालय पत्रिका

विद्यालय की समस्त शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों को सामने लाने एवं छात्रों शिक्षकों की सर्जनात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विद्यालय की वार्षिक पत्रिका-'सृजन' का प्रकाशन अनवरत होता है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र की विशिष्ट उपलब्धियाँ

- सी.बी.एस.ई. २०१६ कक्षा बारह का परीक्षाफल ९६.८४ प्रतिशत रहा। अभिषेक मिश्र (गणित वर्ग) ९४.६ प्रतिशत, अनुपम सिंह (जीवविज्ञान वर्ग) ९३.८ प्रतिशत, अवधेश कुमार मीना (कला वर्ग) ९३.८ प्रतिशत, देवांश सारस्वत (वाणिज्य वर्ग) ९२.८ प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने वर्ग में प्रथम स्थान पर रहे।
- सीबीएसई २०१६ कक्षा दस का परीक्षाफल १०० प्रतिशत रहा तथा ८६ छात्रों को सभी विषयों में १०सीजीपीए मिला जो पूरे वाराणसी मण्डल के सभी विद्यालयों में सर्वाधिक छात्रों की सफलता का कीर्तिमान है।
- कक्षा छः से (सीबीएसई के उत्कृष्ट ०.१ के अन्तर्गत ८ छात्रों को 'दक्षता प्रमाणपत्र' प्रदान किये गये जो सीबीएसई परीक्षा में उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन का परिचायक है) ग्यारह तक की विद्यालयीय गृहपरीक्षा का परीक्षाफल ८२.५७ रहा। कक्षा ग्यारह की गृह परीक्षा में सक्षम सिंह ने सर्वाधिक ९३.७ प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टापर होने का सम्मान प्राप्त किया कक्षा छः से ग्यारह तक सीसीई मूल्यांकन प्रणाली लागू है। इसके अन्तर्गत परीक्षा में ग्रेड प्रदान किये जाते है। उपर्युक्त कक्षाओं में सभी विषयों में १९ छात्रों ने ए-वन ग्रेड प्राप्त किये।
- विद्यालय के ११ छात्रों ने अपने प्रथम प्रयास में देश की प्रतिष्ठापरक परीक्षा जेईई एडवांस-२०१६ में अच्छे रैंक के साथ चयनित होने का सौभाग्य प्राप्त किया। ५० से अधिक छात्र यूपीटीयू की परीक्षा में अच्छे रैंक के साथ चयनित हुए। शुभम गुप्ता ने २५५ रैंक के साथ जिला टापर होने का गौरव प्राप्त किया।
- विद्यालय के ०७ छात्रों ने अपने प्रथम प्रयास में ही देश की प्रतिष्ठापरक पीएमटी परीक्षा नीट-२०१६ में अच्छे रैंक के साथ चयनित होकर एआईएमएमएस दिल्ली, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि. में प्रवेश लेकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।
- साइंस ओलम्पियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषयों की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाल ५० छात्रों को उक्त संस्था द्वारा पुरस्कार के रूप में धनराशि (चेक) मेडल, प्रमाणपत्र, पुस्तकें, बैग आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से इस परीक्षा में सहयोग देने वाले ०७ अध्यापकों को भी प्रशंसा-पत्र प्रदान किये गये ।इन परीक्षाओं की समन्वयक जीवविज्ञान की अध्यापिका श्रीमती अनीता मेश्राम जी रहीं।
- डाल्म्सि (डॉ. अमृतलाल इशरत मेमोरियल सनबीम स्कूल) द्वारा आयोजित 'शिशिर मेमोरियल मैथेजीनियस २०१६ प्रतियोगिता' में अलग-अलग कक्षाओं में ०९ पुरस्कार हमारे विद्यालय के छात्रों को प्राप्त हुए। इस प्रतियोगिता परीक्षा में वाराणसी महानगर के कुल ४० विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की थी।
- डीपीएस वाराणसी द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयीय फेस्ट फेनेस्ट्रा-२०१६ में विद्यालय के अंकित कुमार कक्षा-बारह तथा आकाश कुमार, कक्षा-बारह को मेथ-ए-मेजिक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान का पुरस्कार मिला। १८ छात्रों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।
- एसएमएस वाराणसी द्वारा आयोजित स्मार्ट मेन्टल एबिलिटी रिकोगनाइज टेस्ट (स्मार्ट) २०१६ में प्रियांशु कुमार कक्षा (ग्यारह ए१) को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रु.५०००/- की धनराशि का चेक तथा प्रमाणपत्र उक्त संस्था द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया। साकेत (कक्षा-बारह एफ) कथा अंकित शर्मा (कक्षा बारह ए३) को २५००/- २५००/- का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए।
- ४ अक्टूबर-२०१६ को विद्यालय में आयोजित इन्टरनेशनल कंपनी सेक्रेटरी ओलम्पियाड परीक्षा सम्पन्न हुई। इस परीक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अंकित कुमार कक्षा ग्यारह को रु.२५०००/- पच्चीस हजार का पुरस्कार प्रमाण पत्र एवं मेडल ऑफ एक्सेलेंस प्राप्त हुआ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उ.प्र. शासन, विज्ञान भवन, लखनऊ द्वारा सीबीएसई में विज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले निम्न ४ छात्रों को दो-दो हजार की धनराशि का चेक प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।
- गाँधी जयन्ती-२०१६ के अवसर पर विद्यालय में चित्रकला एवं कविता पाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में १० विजेता छात्रों को मालवीय भवन का.हि.वि.वि. में नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर माननीय कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया।
- विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा पशुपालन और डेयरी उद्योग विभाग, का.हि.वि.वि. द्वारा २२ से २६ अक्टूबर तक आयोजित इंस्पायर इन्टर्नशीप साइंस कैम्प में विद्यालय के २४ प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया तथा स्वतंत्रता भवन, का.हि.वि.वि. में पांच दिनों तक चलने वाले विज्ञान और तकनीकी से सम्बन्धित देश के ख्याति प्राप्त विद्वानों के व्याख्यान से ज्ञानार्जन किया। ये सभी सीबीएसई कक्षा दस के १० सीजीपीए प्राप्तकर्ता छात्र थे।
- प्रो. गोपबन्धु मिश्र, अध्यक्ष एवं आचार्य संस्कृत विभाग, कला संकाय, का.हि.वि.वि. के निर्देशन में संचालित तथा संस्कृत भारती द्वारा दिनांक ११.१२.२०१६ आयोजित १२वीं अखिल भारतीय शलाका परीक्षा २०१६ में मेधावी छात्र रविशंकर चौबे कक्षा बारह एफ को द्वितीय स्थान का पुरस्कार रु.११०००/- धनराशि के रूप

में प्राप्त हुआ। इस परीक्षा में कक्षा दस की पाठ्यपुस्तक को आद्योपान्त कण्ठस्थ रखने की अनिवार्यता होती है।

- दिनांक २१.१२.२०१६ को डीआईओएस वाराणसी द्वारा मुख्यमत्री लैपटाप वितरण योजना के अन्तर्गत क्वींस कालेज वाराणसी में आयोजित एक समारोह में सीबीएसई-२०१५ तथा २०१६ में उत्तीर्ण कक्षा दस तथा बारह के १९ छात्रों को नि:शुल्क लैपटाप की प्राप्ति हुई—उक्त सभी मेधावी तथा योग्यता सूची में स्थान प्राप्त छात्र हैं।
- बंगदर्शन संस्था द्वारा भेलूपुर, वाराणसी में आयोजित 'आनन्द मेला' में विद्यालय के छात्र अनिकेश कुमार वर्मा (कक्षा बारह एफ) को वरिष्ठ वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- महामना मालवीय जयन्ती-२०१६ मालवीय भवन, का.हि.वि.वि. में सम्पन्न हुई। जिसमें भजन प्रतियोगिता में सूरज कुमार गोड़- प्रथम स्थान रु.१५००/- नकद, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाणपत्र एवं चित्रकला प्रतियोगिता-अनिकेश कुमार वर्मा प्रथम स्थान रु.१५००/- नकद, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाणपत्र प्राप्त किये।
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों जैसे जीव विज्ञान, एस्ट्रोनामी और जूनियर साइंस ओलम्पियाड हेतु एआईपीटी द्वारा आयोजित नेशनल स्टैण्डर्ड एकजामिनेशन २०१६ की परीक्षा विद्यालय में श्री संदीप सोनगरा के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर २ छात्र पीयूष कुमार-दस बी और अंकित कुमार-नौ सी ने ३०० छात्रों के मध्य अपना शीर्ष स्थान बनाया।
- जिला स्तरीय अन्तर्विद्यालीय रामानुजन मेमोरियल गणित छात्रवृत्ति परीक्षा विगत २८ वर्षो से विद्यालय में आयोजित होती है। २०१६ में आयोजित इस प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षा में वाराणसी के लगभग ४० विद्यालयों से कुल ६५ छात्रवृत्तियों में से २५ छात्रवृत्ति हमारे विद्यालय के छात्रों को प्राप्त हुई। यह हमारे लिए आत्मसम्मान और गौरव का विषय है। इस परीक्षा के समन्वयक विद्यालय के गणित शिक्षक श्री आशुतोष प्रजापति है।
- १ सितम्बर से १४ सितम्बर २०१६ तक विद्यालय में हिन्दी पखवाड़ें का आयोजन किया गया। १५ दिनों तक चलने वाले इस पखवाड़ें में छात्रों के मध्य हिन्दी भाषा से सम्बद्ध विविध प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विजेता छात्रों तथा सहयोगी अध्यापक/अध्यापिकाओं को समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं समन्वयन विद्यालय की हिन्दी अध्यापिका डॉ. सोनी स्वरूप ने किया।
- राजभाषा प्रकोष्ठ, का.हि.वि.वि. द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा हिन्दी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रथम पुरस्कार 'चल वैजयन्ती' विद्यालय को प्राप्त हुआ।
- डालिम्स रोहनियां द्वारा आयोजित काव्यपाठ प्रतियोगिता में शुभम पाण्डेय, कक्षा बारह बी२ को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा कक्षा नौ में संस्कृत विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्ति पर हिमांशु, अंकित सिंह, अविनाश पाण्डेय, रविशंकर चौबे, रामकुमार, चैतन्य हर्ष पाण्डेय और ओम प्रकाश वर्मा छात्रों को ३-३ हजार की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान एवं सीडस, एसीया क्योटो जापान के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण एवं आपदा प्रबन्धन पर एक परियोजना संचालित हो रही है। इस परियोजना के अन्तर्गत हमारे विद्यालय को वाराणसी महानगर के चयनित पांच क्लाइमेट विद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत विद्यालय में मौसम सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराने हेतु आटोमैटिक वेदर स्टेशन (एडब्ल्यूएस) एवं प्रदूषण मापन हेतु एअर सैम्पलर संयंत्र स्थापित किए गये हैं।

खेल-द स्पोर्टस सोटकेन कराटे डू एसोसिएशन यूपी द्वारा कुशीनगर उ.प्र. में स्टेट कराटे चैम्पियनशीप-२०१६ में विद्यालय के छात्र विजय कुमार को स्वर्णपदक प्राप्त हुआ।

- सीबीएसई क्लस्टर पांच इलाहाबाद में आयोजित अन्तर्विद्यालयीय खेलकूद स्पर्धा में सौरभ सिंह यादव, कक्षा ग्यारह को १५००मी. दौड़ में द्वितीय स्थान, रजत पदक एवं प्रमाण पत्र तथा ३००मी. दौड़ में तृतीय स्थान ताम्रपदक एवं प्रमाणपत्र प्राप्त हुए। बृजेश यादव कक्षा दस को २००मी. दौड़ स्पर्धा में द्वितीय स्थान, रजत पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।
- सीबीएसई जोनल स्वीमिंग कम्पटीशन-२०१६ राँची में हर्षित तिवारी कक्षा नौ ए को १००मी. एवं ५०मी. बेस्ट स्ट्रोक में ताम्रपदक प्राप्त हुआ।

एन.सी.सी.

- एन.सी.सी. कैम्प के दौरान आयोजित जी.के. क्वीज कम्पटीशन में २२ जेडी के कैडेट-प्रभात कुमार कक्षा ११-ई को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। आर्यन चतुर्वेदी कक्षा-दस एफ को जीके कम्पटीशन में रजत पदक तथा भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगता में प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक तथा प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए।
- विद्यालय के जीवविज्ञान शिक्षक एवं ३/८९ बटालियन आर्मी एनसीसी के अधिकारी श्री संजय कुमार केसरी ने १४ दिसम्बर २०१५ से मार्च २०१६ तक एनसीसी आफिसर ट्रेनिग एकेडमी, कामटी, नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसमें सफलतापूर्वक 'ए' ग्रेड में उत्तीर्ण हुए। इस ट्रेनिंग के उपरान्त इन्हें लेफ्टिनेन्ट रैंक प्रदान किया गया।
- श्री संजय कुमार केसरी ने ११ एनडीआरएफ वाराणसी द्वारा आयोजित डिसास्टर रिस्पॉस ट्रेनिंग मॉड्यूल में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- श्री संजय कुमार केसरी ने दिनांक ९.११.२०१६ को आयोजित जिलास्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में विद्यालय के मार्ग दर्शक के रूप में सक्रिय सहभागिता की।

अन्य कार्यक्रम

- दिनांक ०५.०८.२०१७ को विद्यालय प्रार्थना-सभा में एअरो माडलिंग क्लब वाराणसी से आये रविकान्त झा श्री तुलसी कान्त झा ने विद्यालय ग्राउन्ड में एअर माडल का प्रदर्शन कर एअरक्राफ्ट निर्माण उड्यन संचालन एवं नियंत्रण, सुरक्षा आदि की बारीकियों से छात्रों को अवगत कराया।
- दिनांक ०६.०८.२०१६ को मास्को (रसिया) से आये युवावैज्ञानिक (स्पेश सांइटिस्ट) ने सरगासभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में गणित एवं विज्ञान विषय पर रोचक व ज्ञानवर्द्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रक्षेपक यन्त्र के माध्यम से विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में किये गये नवीन शोधों की जानकारी प्रस्तुत की। इन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से रामानुजन के गणितीय सिद्वान्तों को समझाया।
- विश्वशान्ति महासंघ की ओर से स्वच्छता महाक्रान्ति मिशन द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से श्री मनोज गुप्ता के नेतृत्व में १० महिला सदस्यों ने विद्यालयों के छात्रों को परिवार, समाज और देश को स्वच्छ रखने के लिए 'स्वच्छ सिपाही' बनने के लिए प्रेरित कर उनहें शपथ दिलायी।
- दिनांक २३.११.२०१७ को 'नमामि गंगे तथा 'सेव डल्फिन सेव गंगा' अभियान के तहत श्री जमुना शुक्ला जी ने गंगा बचाओ अभियान से जुड़ने के लिए छात्रों का आह्वान किया तथा उन्हें अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रेरित किया।
- दिनांक २६.११.२०१६ को संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय शिक्षिका डॉ. सीमा सिंह ने संविधान की महत्ता तथा उसके प्रति देश की प्रतिबद्धता पर व्याख्यान देकर छात्रों को भारतीय संविधान का आदर करने की प्रेरणा प्रदान की। इस विषय पर निबन्ध, व्याख्यान, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी आदि की प्रतियोगताएँ भी आयोजित की गई।
- गीता जयंती के अवसर पर विद्यालय में श्रीमद्भगवद्गीता पाठ अन्त्याक्षरी तथा क्विज का आयोजन किया गया। उत्तम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को डॉ. ओम प्रकाश राय पूर्वप्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।
- सेन्टर फार एन्वायरोन्मेन्ट एजूकेशन द्वारा आयोजित स्वच्छगंगा क्लब कार्यक्रम के अन्तर्गत २९.११.२०१६ को आयोजित शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यालय का प्रतिनिधित्व श्री राम दयाल सिंह (भूगोल शिक्षक) ने किया।
- दिनांक १०.०१.२०१७ को का.हि.वि.वि. के स्वतंत्रता भवन में आयोजित महामहिम राष्ट्रपति के वीडियो कान्फ्रेंसिंग 'बिल्डिंग ह्यूमन एंड हैप्पी सोसाइटी' कार्यक्रम में विज्ञान शिक्षिका श्रीमती स्नेहलता सिंह जी के नेतृत्व में ५ उत्साही छात्रों ने भाग लिया।

सम्मान

- ४ सितम्बर २०१६ को शिक्षक दिवस की पूर्वसंध्या पर इण्टर धर्म संवाद केन्द्र और धर्म अध्ययन के लिए संस्थान द्वारा विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती अनीता मेश्राम को 'मैत्री भवन विशिष्ट शिक्षक' सम्मान प्रदान किया गया।
- सोसाइटी फॉर सोशल एक्शन एंड रिसर्च की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के अन्तर्गत शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ नीरू वहाल को 'काशी गौरव' अलंकरण से सम्मानित किया गया।
- सार संस्थान की ओर से आयोजित प्रतिभाखोज परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र विक्रम कुमार कक्षा दस-'क' को लैपटाप प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शैक्षिक भ्रमणः दिनांक २८ नवम्बर २०१६ को इतिहास विभाग के २७ छात्रों का एक दल श्रीमती सोनी कुमारी तथा डॉ. सोनी स्वरुप, श्रीमती रीता सिंह एवं श्री सत्यनारायण जी के नेतृत्व में चुनार किला शैक्षिक भ्रमण हेतु गया। वहां छात्रों ने ऐतिहासिक रोचक जानकारियाँ एकत्रित की।

परिसर-विकास एवं निर्माण कार्य

- विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अवमुक्त धनराशि से रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का जीर्णोद्धार कराया गया। इस प्रयोगशाला में एलपीजी गैस कनेक्शन का कार्य प्रगति पर है।
- विद्यालय परिसर को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चहारदिवारी पर रेलिंग के साथ कंटीले बाड़ लगाये गये।
- विद्यालय में ४ स्थानों पर सीसी कैमरे लगाये गये जिसमें विद्यालय में आने जाने वाले लोगों तथा कार्यालय के क्रियाकलापों पर नजर रखी जा सके।
- सरगा सभागार के छत का जीर्णोद्धार, मरम्मत के साथ ही नये महिला प्रसाधन कक्ष का निर्माण किया गया।
- विद्यालय के सन् १९८६ बैच में कक्षा बारह उत्तीर्ण छात्रों के एक दल ने अपने द्वारा एकत्रित धन से विद्यालय परिवार को शुद्ध एंव शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए वाटर प्यूरीफायर कम वाटरकूलर लगवाया।

२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल

सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्राचीन एवं सर्वोत्कृष्ट स्कूलों में से एक हैं। यह प्राचीन मध्यकालीन तथा आधुनिक मूल्यों से नव जीवन के बौद्धिक तथा मानसिक विकास के साथ-साथ उन्हें नवीनता की ओर अग्रसर करने का माध्यम है। १९०४ में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज के नाम से इसकी नींव रखी गयी तथा ट्रस्ट बोर्ड ने इसे, एनी बेसेन्ट के सपनों को महिला उत्थान हेतु अपनी हरी झंडी भी दे दी। १९१६ में यह महामना पं. मदन मोहन मालवीय के उज्ज्वल सपनों की मूर्ति के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बना। यह विद्यालय मालवीय जी के सुविचारों से ओत प्रोत होने के साथ-साथ बालिकाओं को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षित करने का भी कार्य करता है। यहाँ कला, विज्ञान, वाणिज्य व सांस्कृतिक विधाओं की मूल्यपरक शिक्षा दी जाती है। यहाँ सम्बन्धित विषयों की सुसज्जित प्रयोगशालाएं व पुस्तकालय हैं। यह विद्यालय सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध है।

शैक्षिक सुविधायें

- यह विद्यालय एल.के.जी. से कक्षा १२ तक की छात्राओं को शिक्षा प्रदान करता है। कक्षा एल.के.जी. से पाँचवी तक प्राइमरी विभाग की कक्षाएँ कोल्हुआ परिसर में चलती हैं और वरिष्ठ विभाग की कक्षाएँ कक्षा ६ से १२ तक कमच्छा परिसर में चलती हैं।
- एल.के.जी. में प्रवेश लॉटरी पद्धति द्वारा तथा कक्षा ६, ९ तथा ११ में प्रवेश विद्यालय प्रवेश परीक्षा (सेट) द्वारा दिया जाता है।
- कक्षा ११ तथा १२ के लिए सभी तीनों वर्गों कला, विज्ञान तथा वाणिज्य की कक्षाएँ चलती हैं। सभी मुख्य अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त कम्प्यूटर, गृह-विज्ञान, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा वर्क्स एक्सपीरियंस, सामान्य अध्ययन, संगीत, चित्रकला, रेडक्रॉस, नृत्य तथा स्वच्छता का शिक्षण छात्राओं को दिया जाता है।
- कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग की छात्राएँ बी.एच.यू. एनसीसी से संबंधित नियमित कैम्प तथा ड्रिल प्रशिक्षण में भाग लेती हैं। 'ए' तथा 'बी' सर्टिफिकेट क्रमश: एन.सी.सी. की कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग की छात्राओं को दिया जाता है।
- शिक्षकों के कौशल विकास के लिए समय-समय पर ईओपी का आयोजन किया जाता है।
- छात्राओं के विद्यालय आवागमन हेतु कुल ९ बसें हैं जो शहर भर में नियमित रूप से परिचालित होती हैं।
- विद्यालय की छात्राओं को चार सदनों में बाँटा गया है। एनी बेसेन्ट, लक्ष्मी बाई, गोदावरी बाई एवं सरोजिनी नायडू सदन। विद्यालय की छात्राएँ विभिन्न प्रकार की अन्तरसदनीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा तथा गुणों को प्रदर्शित करती हैं।
- भौतिक विज्ञान, रसायन, गणित, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, कम्प्यूटर विषयों के प्रायोगिक कार्य हेतु सर्वोत्तम प्रकाश पूर्ण एवं सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं।
- गरीब तथा सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को छात्रवृत्ति तथा मुफ्त शिक्षा के रूप में आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है।
- विद्यालय में सभी उत्सवों जैसे वार्षिक दिवस, स्थापना दिवस, राष्ट्रीय दिवस, महापुरुषों के जन्म दिवस तथा जन्माष्टमी, पर्यावरण दिवस तथा स्वच्छता दिवस इत्यादि को पूर्ण हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाता है।
- २६ नवम्बर २०१६ को विद्यालय में राष्ट्रीय कैडैट कोर दिवस मनाया गया।
- विद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों जैसे इको क्लब, विज्ञान क्लब, लिटरेरी क्लब, योग क्लब, खेल क्लब इत्यादि का आयोजन किया जाता है।
- वर्तमान सत्र के सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा परिणाम कक्षा १० का १०० प्रतिशत तथा कक्षा १२ का ९८.२३ प्रतिशत रहा।

विशेष उपलब्धियाँ

- राजभाषा हिन्दी में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु विद्यालय को माननीय कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 'राजभाषा पुरस्कार २०१६' से सम्मानित किया गया।
- सी.बी.एस.ई. द्वारा आयोजित क्षेत्रीय तैराकी प्रतियोगिता में विद्यालय की भावना मालवीय ने १ स्वर्ण तथा २ कांस्य पदक प्राप्त किया।
- सी.बी.एस.ई. क्लस्टर ५ प्रतियोगिता में विद्यालय की खो-खो तथा कबड्डी टीमों ने रजत पदक प्राप्त किया। बास्केटबॉल टीम को कांस्य तथा ऋतिका भारद्वाज को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया।
- विद्यालय की छात्रा नंदिनी कुमारी कक्षा ९ ने एन.सी.सी. फायरिंग कैम्प में एक स्वर्णपदक एवं किट प्राप्त किया।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सी.ए.टी.सी. कैम्प में अंकित मौर्या ने फायरिंग में रजत पदक प्राप्त किया।
- मैबलंकर शूटिंग प्रतियोगिता में वंशिका जायसवाल कक्षा ९ की छात्रा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- दिल्ली में आयोजित टी.एस.सी. कैम्प में गरिमा शर्मा ने एक शील्ड एवं एन.सी.सी. किट प्राप्त किया।
- किरन पटेल कक्षा ९ की छात्रा ने फायरिंग कैम्प में एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- लिटिल फ्लावर हाउस विद्यालय द्वारा आयोजित वाणिज्य महोत्सव में विद्यालय की वाणिज्य टीम को पोस्टर प्रदर्शनी तथा बिजनेस क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालय फेनेस्ल प्रतियोगिता में कक्षा १२ की अदिति सेन तथा ११ की शेफाली यादव को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ठुमरी गायन प्रतियोगिता में प्रीति नंदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- मानसिक अभियोग्यता परीक्षण में अदिति ने पुरस्कार स्वरूप ५०००/- धनराशि प्राप्त की।
- मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र द्वारा आयोजित शिक्षक आरंभिक कार्यशाला में १२ शिक्षकों ने भाग लिया।
- विद्यालय में आयोजित अंतर्विद्यालयी संगीत प्रतियोगिता 'स्वरोदय' सफल रहा।
- विद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।
- भारत सरकार के 'इंस्पायर' कार्यक्रम में १४ छात्राओं ने भाग लिया।
- वर्ल्ड हेरिटेज स्कूल उदयपुर द्वारा आयोजित पाककला प्रतियोगिता में शिवांगी सोनकर ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- सिल्वर जोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गणित ओलम्पियाड में ५ छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भविष्य में किये जाने वाले कार्य

सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल कमच्छा प्रांगण में सर्वाधिक आवश्यकता एक छात्रावास की है। यह छात्राओं की सुरक्षा तथा विद्यालय परिसर की एक महत्त्वपूर्ण विकासात्मक इकाई होगी। प्राइमरी विभाग में नये कमरों का निर्माण कराना।

२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। पं. अम्बा दास शास्त्री एवं पं. अनन्त राम शास्त्री, जो पूज्य मदन मोहन मालवीय के गुरुतुल्य अध्यापक रहे, इस विद्यालय के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं। प्रवेशिका (कक्षा - ८) से आचार्य (एम ए) स्तर की कक्षाऐं इस विद्यालय में चला करती थीं और यहाँ तक के प्रमाणपत्र भी उपर्युक्त महानुभावद्वय के हस्ताक्षर द्वारा जारी होते थे।

प्रारम्भ में इस विद्यालय की स्थापना जम्मू के सदरे रियासत द्वारा १८८३ में प्रचीन भारतीय ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जम्मू संस्कृत पाठशाला के रूप में जम्मू कश्मीर भवन, जो टेढ़ीनीम, दशाश्वमेघ, वाराणसी में स्थित है, में हुई थी। कालान्तर में यह विद्यालय सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल कालेजियट सोसायटी के रुप में तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. एनी बेसेन्ट को हस्तांतरित हुई। तदनन्तर विद्यालय का कार्यस्थल कमच्छा स्थित महाराजा काशी नरेश के ऐतिहासिक राजभवन में हो गया एवं विद्यालय का नाम श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय जम्मू सदरे रियासत महाराजा प्रताप सिंह के पिता के नाम पर कर दिया गया। विकास के इस क्रम में बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी सोसायटी अस्तित्व में आयी और इस प्रकार रणवीर संस्कृत विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बन गया जिसका वर्तमान परिसर कमच्छा स्थित काशी नरेश राजभवन है।

प्राच्य विद्या एवं धर्मविज्ञान संकाय (वर्तमान में संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय) के अस्तित्व में आने पर मध्यमा एवं आचार्य पर्यन्त उसकी अग्रिम कक्षाएं वहीं (विश्वविद्यालय) से चलना प्रारम्भ हुईं एवं इस विद्यालय में केवल प्रथमा (कक्षा - ८) तक कक्षाएं शेष रह गयीं। यह स्थिति सन् १९६८ तक रही।

जुलाई १९७८ से मध्यमा कक्षाओं में सभी विषयों के चारों भाग (साहित्य, वेद, व्याकरण, ज्योतिष एवं दर्शन) रणवीर संस्कृत विद्यालय में जो पाठ्यक्रम चल रहे हैं, वे निम्नलिखित हैं-

१. प्राइमरी कक्षा १ से ५

२. प्रथमा (कक्षा ६ से ८)

३. प्रवेशिका (कक्षा ९ एवं १०)

४. मध्यमा (कक्षा ११ एवं १२)

इस विद्यालय में छात्रों को परम्परागत विषयों (वेद, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन, साहित्य) के साथ-साथ आधुनिक विषयों अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, विज्ञान एवं समाजिक अध्ययन का भी ज्ञान दिया जाता है जो कि प्राचीन और अर्वाचीन ज्ञान को जोड़ते हुए एक सेतु का कार्य कर रहा है। अभी भी विज्ञान एवं ज्योतिष भाषा प्रयोगशालाओं को विकसित करने के अवसर हैं। विद्यालय एक विकासशील संस्था के रूप में अग्रसर है लेकिन इसे और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है।

- वर्तमान में डॉ. नीरज त्रिपाठी, कुलसचिव, का.हि.वि.वि., स्कूल बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं।
- डॉ. जी. नरसिंहुलु वर्तमान समय में विद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य हैं।

- वर्तमान में इस विद्यालय का अध्यापन कार्य १० अध्यापक/अध्यापिकाओं द्वारा संचालित होता है, जिसमें १३ अध्यापक विश्वविद्यालय द्वारा संविदा के आधार पर नियुक्त हैं।
- वर्तमान सत्र में विद्यालय के प्राइमरी विभाग में छात्र/छात्राओं की कुल संख्या १८१ है तथा प्रथमा से मध्यमा कक्षा ६ से १२ तक छात्रों की कुल संख्या ३२६ है।

अन्तरविद्यालय प्रतियोगिताएं

- अन्तरविद्यालयीय/विद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय के विभिन्न छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पुरस्कार अर्जित किये जिनका विवरण इस प्रकार है-
- शारदा भवन गणेशोत्सव वाराणसी द्वारा आयोजित कारिकावली दर्शन शलाका परीक्षा २०१६ में प्रवेशिका द्वितीय वर्ष के छात्र मनीष कुमार पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- शारदा भवन गणेशोत्सव वाराणसी द्वारा आयोजित यजुर्वेद माध्यान्दिनी शाखा शलाका परीक्षा २०१६ में प्रवेशिका द्वितीय वर्ष के छात्र मनीष कुमार पाण्डेय ने द्वितीय स्थान तथा प्रवेशिका प्रथम वर्ष के छात्र श्रीमन्नाराण शुक्ल ने सान्तवना पुरस्कार प्राप्त किया।
- सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल कमच्छा, वाराणसी द्वारा आयोजित स्वरोदय २०१६ शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र विनीत शुक्ल ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- संकटमोचन फाउण्डेशन वाराणसी द्वारा आयोजित रामायण क्विज प्रतियोगिता २०१६ में मध्यमा प्रथम वर्ष के छात्र अनन्त तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- संकटमोचन फाउण्डेशन वाराणसी द्वारा आयोजित रामचरित मानस दोहा-चौपाई सस्वर गान प्रतियोगिता २०१६ में मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र विनीत शुक्ल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- संकटमोचन फाउण्डेशन वाराणसी द्वारा आयोजित रामचरित मानस के विविध पात्रों पर आधारित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता २०१६ में कक्षा ३ के छात्र प्रखर पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- राजभाषा हिन्दी प्रकोष्ठ का.हि.वि.वि. द्वारा निर्देशित सितम्बर २०१६ में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें विविध प्रकार की प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किया।
- अक्टूबर, २०१६ में गांधी जयन्ती के अवसर पर विद्यालय में चित्रकला एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्रों ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की एवं पुरस्कार प्राप्त किया।
- नवम्बर, २०१६ में शास्त्रार्थ संस्कृत महाविद्यालय, दशाश्वमेध, वाराणसी द्वारा आयोजित विविध खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

विद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण

- १५ अगस्त को विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर माननीया प्रो. सुमन जैन, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, का.हि.वि.वि. उपस्थित रहीं।
- २५ अगस्त, २०१६ को विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।
- ०५ सितम्बर, २०१६ को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन के जीवन के वृतान्तों पर छात्रों द्वारा चर्चा की गयी एवं विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन किये गये।
- ७ से १४ सितम्बर, २०१६ तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। जिसमें हिन्दी से सम्बन्धित विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इस अवसर पर प्रो. श्री निवास पाण्डेय, सम्पादक, प्रज्ञा, का.हि.वि.वि. एवं प्रो. कृष्ण कान्त शर्मा, पूर्व संकाय प्रमुख, स.वि.ध.वि. संकाय के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।
- १९ सितम्बर, २०१६ को गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रांगण में कक्षा १ से कक्षा ८ के लिये चित्रकला प्रतियोगिता एवं कक्षा ९ से १२ के लिये काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सान्त्वना स्थान प्राप्त छात्रों को २ अक्टूबर, २०१६ को विश्वविद्यालय के मालवीय भवन में पुरस्कृत किया गया।
- अक्टूबर, २०१६ में विद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं, जिसमें सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- नवम्बर, २०१६ में अक्षय नवमी के अवसर पर ऑवला वृक्ष पूजन कार्यक्रम का अयोजन किया गया जिसमें छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- का.हि.वि.वि. के परामर्श एवं सेवायोजना प्रकोष्ठ के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें छात्रों को विशेष परामर्श दिये गये।
- विद्यालय द्वारा आयोजित बाल सभा में आचार्य दोर्बल प्रभाकर शर्मा द्वारा सरल संस्कृत में छात्रों को प्रेरणादायी उपदेश दिया गया।
- नवम्बर, २०१६ में त्रिदिवसीय वार्षिक शैक्षिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।
- वसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भविष्य में विद्यालय की विकास सम्बन्धी योजनाएँ

- विद्यालय में दो छात्रावास हैं जिनमें ४० छात्रों के रहने की ही व्यवस्था है।
- २०० छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण।
- एक नवीन पुस्तकालय भवन का निर्माण करना।
- ज्योतिष सम्बन्धी उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला का निर्माण।
- भाषा प्रयोगशाला का निर्माण करना।

२.१.६. का.हि.वि.वि. ग्रंथालय प्रणाली

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय, देश के सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है। इस पुस्तकालय की शुरुआत न्यायमूर्ति स्व. काशी नाथ त्रयम्बक तैलंग की याद में उनके पुत्र प्रो. पी.के. तैलंग द्वारा दान स्वरूप प्रदान किए गए पुस्तकों के संग्रह से सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज, कमच्छा के तैलंग हाल में हुई। अपने प्रारम्भिक काल में इसे प्रसिद्व इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने सँवारा और बाद में पुस्तकालय आन्दोलन के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन व उनके बाद प्रो. पी.एन. कौल व डॉ. जे.एस. शर्मा यहाँ के पुस्तकालयाध्यक्ष बने।

संग्रह

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत ८ संकायों एवं १४० विभागों से युक्त काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय की व्यवस्था मे शीर्ष पर सयाजीराव गायकवाड़ ग्रन्थालय (केन्द्रीय ग्रन्थालय) है और इसके अतिरिक्त ६ संस्थान पुस्तकालय: चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि विज्ञान, विज्ञान, प्रबंन्ध शास्त्र तथा पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, ६ संकाय पुस्तकालय व विशेषत: कला व विज्ञान संकाय, जहाँ संकाय पुस्तकालय नहीं है वहाँ ४२ विभागीय पुस्तकालय हैं। साथ ही राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकच्छा, मिर्जापुर में स्थित पुस्तकालय भी सम्मिलित है। सभी पुस्तकालयों को मिलाकर १६ लाख से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। भारत की विश्वविद्यालय पुस्तकालय व्यवस्थाओं में यह पुस्तकालय व्यवस्था सबसे वृहत व्यवस्थाओं में से एक है। वर्तमान वितीय वर्ष में ७७६९ पुस्तकें एवं ५७०९७ ऑनलाइन पुस्तकें जोड़ी गई। पुस्तकालय में १४१ विदेशी पत्रिकायें एवं २८० भारतीय पत्रिकायें मुद्रित प्रारूप में आती हैं। इसके अतिरिक्त एक अच्छी संख्या में नि:शुल्क पत्रिकायें भी पुस्तकालय को प्राप्त होती हैं। पुस्तकालय में लगभग ७२२७ पाण्डुलिपियों के अद्वितीय संग्रह के अतिरिक्त दुर्लभ पुस्तक संग्रह, शोध प्रबन्ध संग्रह, विश्वविद्यालय संस्थापक संग्रह, कर्मचारी प्रकाशन संग्रह एवं स्थानीय इतिहास संग्रह भी उपलब्ध हैं।

केन्द्र, राज्य सरकार व उनके अधिकरणों के प्रकाशन विशेषत: समाज विज्ञान, विधि, वाणिज्य व कृषि विषयों के लिए बहुत उपयोगी सूचना स्रोत हैं, जिन्हें पुस्तकालय या तो क्रय करता है या उपहार के रूप में प्राप्त करता है।

केन्द्रीय पुस्तकालय को संयुक्त राष्ट्र संघ तथा उसके अधिकरणों के प्रकाशन के लिए ''डिपॉजिटरी पुस्तकालय'' का स्थान प्राप्त है। सन् १९७३ में नि:शुल्क वितरण प्रथा के समाप्त हो जाने के बाद भी पुस्तकालय इन प्रकाशनों को डिपॉजिटरी पुस्तकालय सदस्यता योजना के अन्तर्गत खरीदता है। पुस्तकालय की यह विशेषता किसी भारतीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में नहीं है।

पुस्तकालय समय

केन्द्रीय ग्रन्थालय वर्ष में ३५९ दिन खुला रहता है। स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, दशहरा, दीपावली, बसंत पंचमी व होली इन छह दिनों में पुस्कालय बंद रहता है। सामान्यत: पुस्तकालय का समय सप्ताह के दिनों में प्रात: ९.०० बजे से रात्रि ९.०० बजे तक व रविवार व छुटि्टयों में प्रात: १०.०० से रात्रि ९.०० बजे तक रहता है। साइबर लाईब्रेरी सुबह ८.०० बजे से रात्रि ११.०० बजे तक खुली रहती है।

छायाप्रति सुविधा

केन्द्रीय पुस्तकालय में छायाप्रति सुविधा की भारी माँग रहती है। विश्वविद्यालय एवं बाहर के छात्रों व अध्यापकों की माँग पूरी करने के लिए यहाँ तीन फोटोकापी मशीने हैं। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय ने १४२७४२ छायाप्रतियां प्रदान कीं।

दृष्टिबाधित विभाग

केन्द्रीय ग्रन्थालय में दृष्टिबाधित पाठकों की सुविधा के लिए अलग से अनुभाग है, जो पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामग्री को साफ्ट कापी में दृष्टि बाधित पाठकों को उपलब्ध कराता है। वर्तमान वर्ष में ५० दृष्टिबाधित पाठकों को ग्रन्थालय द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई गई एवं १४.४४ जीबी डेटाबेस तैयार किया गया। वर्तमान में कुल ३१४.४५ जीबी डेटाबेस तैयार हो चुका है।

ऑनलाइन पत्रिकायें, ऑनलाइन पुस्तकें एवं डाटाबेस

केन्द्रीय पुस्तकालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ई-जर्नल्स प्राप्ति हेतु ई-शोध सिंधु का सदस्य है। केन्द्रीय ग्रन्थालय के पास वर्तमान में १५००० फुल टेक्स्ट आनलाइन जर्नल्स और बिब्लियोग्राफी डाटाबेस को सर्च करने की सुविधा उपलब्ध है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (८पत्रिकायें), एमेराइल्ड विषय संग्रह (१४० पत्रिकायें), कैब एब्सट्रेक्ट (११८ पत्रिकायें), इण्डियन जर्नल्स डाटकॉम (३२७), सेज एच.एस.एस. ऑनलाइन (५०६ जर्नल्स एवं बुक) को सब्स्क्राइब कर रहा है। पुस्तकालय में अमेरिकन केमिकल सोसाईटी, रायल सोसाईटी आफ केमस्ट्री, नेचर, साइंस प्रोजेक्ट म्यूज (सोशल सांइस एवं ह्यूमिनिटी), इमेराइल्ड (लाइब्रेरी सांइस), एमेराइल्ड मैनेजमेन्ट एक्सट्रा, साइंस, इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, स्प्रिंगर वारलॉग, क्लुवर ऑनलाइन, आदि के ई-स्रोतों को एक्सेस करने की सुविधा यू.जी.सी. इन्फोनेट के माध्यम से उपलब्ध है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेज, केम्ब्रिज, स्प्रिंगर, टेलर एवं फ्रांसिस, वर्ल्ड सांइटिफिक, पीर्यसन आदि से ५७०९७ से अधिक ई-पुस्तकों को सब्सक्राइब कर रहा है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पास केमिकल एब्सट्रैक्ट (सांइस फाइण्डर), मैथ साइनेट, मनुपात्रा (लॉ) गेल, इण्डियन साइटेशन इन्डेक्स, स्प्रिंगर प्रोटोकोल (१९८०-२०१३) आदि डाटावेज की एक्सेस सुविधा भी उपलब्ध है। सभी ऑनलाइन जर्नल्स को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में नेटवर्क के माध्यम से सर्च किया जा सकता है इसकी विस्तृत जानकारी बी.एच.यू. की वेबसाइट http://www.bhu.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

प्रलेख प्रदान सेवा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय इन्फ्लिबनेट कार्यक्रम के अन्तर्गत, प्रलेख प्रदान सेवा केन्द्र के रूप में चिन्हित देश के पाँच पुस्तकालयों में से एक है। इस सेवा के अंतर्गत बाह्य पाठकों को शीघ्र एवं तुरन्त प्रलेखों की इलेक्ट्रानिक प्रति उपलब्ध कराने एवं स्रोत संसाधन साझेदारी को बढ़ाने एवं साझेदारी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिससे कम लागत में अधिक से अधिक पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन

केन्द्रीय ग्रन्थालय को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के रुप में मान्यता दी गई है। ग्रन्थालय ने दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन प्रारम्भ कर दिया है। वर्ष २०१६-१७ में लगभग २० दुर्लभ ग्रन्थों के ३,०६३ फोलियो का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

सांख्यिकीय

१. (क) पुस्तकें व पत्रिकाएँ

अ) वर्ष २०१६-१७ के शुरूआत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की कुल संख्या	१११७५८९
आ) वर्ष २०१६-१७ में परिग्रहण की गई मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	७७६९
इ) वर्ष २०१६-१७ के अंत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	१२५३५८
ई) वर्ष २०१६-१७ के शुरूआत में पत्रिकाओं (बाउंड संस्करणों) की संख्या	१३३७९२
उ) परिग्रहण संस्करणों की संख्या	११६

(ख) प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या (१ जनवरी से दिसम्बर २०१६)

(अ) शुल्क देकर	४२१ (१४१ विदेशी व २८० भारतीय)
(आ) ऑनलाइन पत्रिकायें	९५९
(इ) नि:शुल्क (अनियमित)	५२०
(ग) बाउंड संस्करणों की संख्या	२६२८

२. तकनीकी (अंग्रेजी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	२७८०
आ) तैयार जिल्द बँधी पत्रिकाओं की संख्या	३७८
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	६१
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	१०८८

३. तकनीकी (हिन्दी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	१२०७
आ) तैयार जिल्द बँधी पत्रिकाओं की संख्या	शून्य
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	शून्य
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	४३२

४. सेवाएं

क) कार्य दिवस

अ) साप्ताहिक कार्य दिवस	प्रात:९.०० से रात्रि ९.०० बजे तक
आ) रविवार व अवकाश के दिन	प्रात:१०.०० से रात्रि ९.०० बजे तक
इ) ग्रन्थालय खुलने के दिवस (एक वर्ष में)	३५९

ख) सदस्य व पुस्तकों का वितरण

१) सदस्यता

क) छात्र (३१.३.२०१७ तक)	१९८७३
ख) कर्मचारी	४१०९
ग) सेवानिवृत्त शिक्षक	२०३

२) पुस्तकों का वितरण

क) छात्र	८०८९०
ख) कर्मचारी	६०२९
ग) सेवानिवृत्त शिक्षक	२०९८

ग) सन्दर्भ अनुभाग

१) परामर्श सेवा

क) संदर्भ पुस्तकें परामर्श सेवा	१८०००
ख) ओपेक सेवा	१४३६०
ग) डिस्प्ले बोर्ड सूचना सेवा	प्रत्येक महीने

२) बाहरी व्यक्ति का पंजीकरण

क) बाह्य पाठकों की पंजीकरण संख्या	३६०
ख) प्राप्त कुल पंजीकरण शुल्क	रू.२८६४०.००

घ) पाठ्य-पुस्तक विभाग

पढ़ी गयी पुस्तकों की संख्या	७८७६०

ड.) सं. राष्ट्र संघ व सरकारी प्रकाशन विभाग

क) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	२८४
ख) पढ़े गये दस्तावेजों की संख्या	२५१७
ग) बढ़े दस्तावेजों मिमियोग्राफ सहित की संख्या	४९

च) पांडुलिपि विभाग

क) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	२८५
ख) पढ़े गये दस्तावेजों की संख्या	२४१
ग) दुर्लभ प्रलेखों का डिजिटाइजेशन	२०
घ) डिजिटल फोलियो की संख्या	३०६३
ड.) जेपीईजी फाइल की पीडीएफ फाइल में परिवर्तित संख्या	२३२फाइल
च) संपादित पृष्ठें की संख्या	६१२६

छ) शोध ग्रंथ अनुभाग

क) पाठकों की संख्या	१५०३१
ख) पढ़े गये शोध ग्रंथों की संख्या	१६५३२

ज) प्रतिलिपि इकाई

क) फोटो कापी किये गये पृष्ठों की संख्या	१४२७४२
ख) कार्यालयीन	२८१४८

झ) संगणक अनुभाग

क) वाई-फाई/इंटरनेट/ई-संसाधन के द्वारा सेवा (लगभग) दिए गए पाठकों की संख्या	१६००
ख) साइंस फाइन्डर पंजीकरण	१८
ग) इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज डिलिवरी सेवा	९८५
घ) कम्प्यूटर और नेटवर्क का रखरखाव	८३५
ड.) प्रश्नावली का कार्य	१७
च) सर्वर और नेटवर्क प्रबंधन	प्रतिदिन
छ) सोल डेटाबेस प्रबंधन	प्रतिदिन
ज) ई-संसाधनों की चेकिंग	प्रतिदिन

ञ) दृष्टिबाधित अनुभाग

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या	५०
ख) रिकॉर्डिंग पुस्तकों की संख्या	१६
ग) दृष्टिबाधित छात्रों को प्रदान की गई डेटाबेस की संख्या	३१४.४५ जीबी

घ) ऑडियो डेटाबेस का आकार	१४.४४ जीबी
ड.) प्रिन्ट सेवा	३३३१ (पेज)

५. वित्त

(१ अप्रैल २०१५ से ३१ मार्च २०१६)

अ) खर्चे	
क) पुस्तकें व पत्रिकाएँ रखरखाव अनुदान	
आवर्ती अनुदान	रू.४५७३०६७५.००
विलय अनुदान	रू.१६९१७७६.००
ख) विकास मद	रू.२८०९८४८.००
ग) प्रतिलिपि करना	१७५११३.००
घ) जिल्द बँधवाई	२३२६६३.००
आ) आमदनी	
क) विलम्ब शुल्क	३७१५२०.००
ख) पुस्तक भरपाई मूल्य	५७११८.००
ग) टोकन खोना	७४५.००
घ) प्रतिलिपिकरण	७१६६४.००
ड.) इंटरनेट सेवा (प्रिंट आउट)	३३३१.००
च) पुस्तकालय परामर्श शुल्क	२८६४०.००
छ) अन्य शुल्क	३५३९३.००

६. साईबर लाईब्रेरी अध्ययन केन्द्र

क) इन्टरनेट सर्च विद्यार्थियों की संख्या (प्रति दिन)	(लगभग प्रति दिन) १५००
ख) साइबर लाइब्रेरी समय सेवा	प्रात:८.०० बजे से- रात्रि ११.०० बजे तक

७. प्रकाशन

कार्यशाला संयोजित	ऑथर वर्कशॉप द्वारा : स्प्रींगर नेचर (७ अक्टूबर २०१६)

८. सम्मान कार्यक्रम

सेवा निवृत	श्रीमती कुसुम गुप्ता, व्यावसायिक सहायक (३१ मार्च २०१७)

कृषि विज्ञान संस्थान

संस्थान ग्रन्थालय संस्थान परिसर में ही निदेशक कार्यालय के बिल्कुल नीचे भूतल पर स्थित है। इसमें एक विशाल पाठ-कक्ष और पूर्वस्नातक, स्नातकोत्तर, पी.एचडी. छात्रों, शिक्षकों तथा वैज्ञानिकों के लिए पाठ्य सामग्री हेतु दस अतिरिक्त कक्ष हैं। प्रतिदिन ग्रन्थालय में भ्रमण करने वाले छात्रों की संख्या लगभग २४० है। ग्रन्थालय प्रतिदिन पूर्वाह्न १० से अपराह्न ५ बजे तक खुला रहता है। ग्रन्थालय में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण इस प्रकार है:

- ग्रन्थालय में कृषि के सभी विषयों जैसे कृषि अर्थशास्त्र, शस्य विज्ञान, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान, प्रसार शिक्षा, प्रक्षेत्र अभियांत्रिकी, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, उद्यान विज्ञान, कवक एवं पादप रोग विज्ञान, पादप कार्यिकी, तथा मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन से संबंधित कुल ३०५२३ पुस्तकें उपलब्ध हैं। इन सभी पुस्तकों को उनसे सम्बन्धित विभागों तथा विशिष्ट पाठ्यक्रमों (मुख्य परिसर तथा राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर) के पाठ्यक्रम समन्वयकों की अनुशंसा पर उपार्जित किया गया है। ग्रन्थालय में सीडी में भंडारित ३८ ई-पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। सभी पुस्तकें छात्रों को २ महीने के लिए निर्गत की जाती है।
- छात्रों को उनके सामान्य ज्ञान में वृद्धि तथा दैनंदिन राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं की जानकारी के लिए ग्रन्थालय में सभी प्रमुख हिन्दी तथा अंग्रेजी दैनिकों यथा दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान टाइम्स, टाइम्स ऑफ इण्डिया तथा एम्प्लॉयमेण्ट न्यूज़ की भी व्यवस्था की गई है।
- ग्रन्थालय में एक इण्टरनेट कक्ष भी है जिसमें छात्रों के प्रयोग के लिए

१२ संगणकों की व्यवस्था की गई है। इससे उन्हें कृषि के मूल तथा व्यावहारिक क्षेत्रों में हो रहे नवीनतम कार्यों की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

- उपरोक्त के अतिरिक्त संस्थान के छात्रों तथा शिक्षकों को अपने ज्ञान में वृद्धि के लिए केन्द्रीय ग्रन्थालय तथा साइबर ग्रंथालय की भी सुविधा प्राप्त करने का विकल्प है।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान का ग्रन्थालय १३५० वर्गमीटर में स्थित है, जिसमें २४० लोगों के बैठने का प्रबन्ध हैं। इसमें फोटो कापी, कम्प्यूटर पर पुस्तक सर्च, इंडेक्सिग, इंटरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध है। ग्रन्थालय में लगभग १ लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं। संस्थान पुस्तकालय सभी सम रविवार एवं छुट्टियों में २४ घंटे खुला रहता है।

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

छात्रों के लिए विश्वविद्यालय की केन्द्रीय ग्रन्थालय की सुविधा के साथ-साथ संस्थान में भी ग्रन्थालय की सुविधा उपलब्ध है जिसमें १५२ पुस्तकें एवं ३ पत्रिका रखी गयी हैं।

कला संकाय

बंगाली विभाग का विभागीय पुस्तकालय है। इसमें लगभग ३५०० पुस्तकों और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय है। यह नियमित रूप से एक बंगाली पत्रिका 'देश' का उपार्जन करती है।

शिक्षा संकाय

संकाय ग्रन्थालय में कुल १९००० पुस्तकें एवं संदर्भ सामग्री, ७५० पत्रिकाएं एवं १२०० शोध पत्र है। ग्रन्थालय में साइबर ग्रन्थालय ४० संगणक सहित उपलब्ध हैं प्रत्येक कक्षा कक्ष में मल्टी-मीडिया प्रोजेक्टर की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त एवं संगणक प्रयोगशाला भी ५० संगणकों के साथ उपलब्ध है।

प्रबन्धशास्त्र संकाय

छात्रगण विभाग एंव विश्वविद्यालय दोनो स्तरों पर पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठा सकते है। विभागीय पुस्तकालय ११०० वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला है तथा एक साथ १२० छात्रों के बैठने की क्षमता रखता है। पुस्तकालय संदर्भग्रहण सूचि युक्त आंकड़ों से सुव्यवस्थित है। पुस्तकालय में ५००० से अधिक शीर्षकों की २०,००० से भी अधिक पुस्तकें उपलब्ध है। नियमित रूप से १०० से भी अधिक राष्ट्रीय एंव अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाएँ भी उपलब्ध कराई जाती है।

कुल किताबों की संख्या	: १९७५६
नये किताबों की संख्या	: १४९
जर्नल/आवधिक पत्रिकाओं की संख्या	:६०
इलेक्ट्रॉनिक संस्करण	: ९८
जारि के गये पुस्तक एवं परामर्श	: १८३००

विधि संकाय

लॉ स्कूल के १६०० विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं शोध छात्रों की दृष्टि से एक बड़ा पुस्तकालय है। एल.एल.बी. के विद्यार्थी ऋण योजना के अधीन पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। फोटो कॉपी और रिप्रोग्रेफिक की सुविधा भी यहाँ उपलब्ध है। अन्य सहयोगी संस्थाओं के अध्यापक भी इस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त करते हैं। आवश्यक संदर्भो के लिए स्थानीय वकील भी इस ग्रंथालय का लाभ लेते हैं।

इसका क्षेत्रफल १८७०० वर्गफीट है। लगभग २५० छात्रों के बैठने की दृष्टि से एक बड़ा रीडिंग रूम यहाँ उपलब्ध है। पुस्तकालय ज्ञानार्थियों के लिए अपने खुले द्वार के साथ हमेशा उपस्थित है। लॉ स्कूल पुस्तकालय निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है –

पुस्तकालय संग्रह	पुस्तकों की संख्या	शामिल पुस्तकों की संख्या
पुस्तकें	५२,८३६	७९२
पीरियाडिकल्स (सजिल्द)	२९,३०५	११०
पीरियाडिकल्स (करेंट टाइटिल्स)	३५	
पीरियाडिकल्स (बनारस लॉ जर्नल से आदान-प्रदान द्वारा)	३३ विदेशी, ११७ भारतीय (कुल १५०)	
शोध प्रबंध एवं लघु शोध प्रबंध	१६७७	१०५
कुल	**८३,८१८**	**१००७**

दृश्य कला संकाय

कुल पुस्तकों की संख्या	-	१००४२
कुल शोध पत्रिकाओं की संख्या	-	४५६ (सजिल्द)
संकाय ग्रन्थालय में रिपोर्ट अवधि के दौरान सग्रंहीत पुस्तकों की संख्या	-	८६५
रंगीन स्लाईड्स	-	३२३
मूल ग्राफिक्स प्रिंट	-	३६३
सामयिक जर्नल	-	२५

वाणिज्य संकाय

संकाय में लगभग २५,३९३ पुस्तकों से सुज्जित पुस्तकालय छात्रों का प्रदान किया गया है।

मंच कला संकाय

मंच कला संकाय में स्थित संगीतशास्त्र में स्थित संगीतशास्त्र विभाग में लगभग ७५०० दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाएं, पांडुलिपि, समसामयिक पत्रिकाएं हैं।

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

संकाय का अपना स्वतंत्र पुस्तकालय है, जिसमें लगभग २५ हजार सामान्य और दुर्लभ एवं पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह ग्रंथालय भारतीय एवं विदेशी जिज्ञासुओं को अपनी सेवाएं प्रदान करता है।

महिला महाविद्यालय

प्राचार्या कक्ष समिति कक्ष कार्यालय कक्ष शिक्षण कक्ष प्रयोगशाला कक्ष तथा प्राध्यापिकाओं के कक्ष तथा ५४,०६२ पुस्तकों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय से युक्त स्थित है।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

नवीनतम उपलब्ध साहित्य, पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों के साथ राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर का ग्रंथालय छात्रों, अध्यापकों एवं परिसर के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इस ग्रंथालय में संगणक कक्ष वायरलेस अंतरजाल की सुविधा के साथ उपलब्ध है। पढ़ने और चर्चा हेतु छात्रों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग कक्ष की सुविधा उपलब्ध है।

यह ग्रंथालय विद्यार्थी, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए शिक्षा का केन्द्र बिन्दु है। परिसर का यह ग्रंथालय मुख्य परिसर वाराणसी के केन्द्रीय ग्रंथालय के अधीन क्रियाशील है।

ग्रंथालय का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों को किताबों, पत्र-पत्रिकाओं को ले जाने तथा समय से वापस करने एवं छायाप्रति की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान सत्र के अन्तर्गत ग्रंथालय के विकास का अवलोकन -

• क) कुल पुस्तकों की संख्या	-	१२,२१०
• ख) इस सत्र में बढ़ी हुई पुस्तकों की संख्या	-	५३
• ग) निर्गत की गई पुस्तकें	-	९,६८२
• घ) परामर्श की गई पुस्तकें	-	५३,०२८
• च) ग्रंथालय के खुलने का समय		
• कार्य दिवसों में	-	०८:००पूर्वाहन से ०६:००अपराहन
• छ) ग्रंथालयों में कर्मचारियों की संख्या		
• व्यवसायिक कर्मचारी	-	०५
• गैर व्यवसायिक कर्मचारी	-	०४
• ज) कम्प्यूटर प्रयोगशाला की संख्या	-	०१
• कम्प्यूटर उपकरण की संख्या	-	६०
• सहायता प्रदान किये गये छात्रों की संख्या	-	१३२५७

संस्थानों, संकायों व महाविद्यालयों के पुस्तकालय

अनेक विभागों के पास छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उनके अपने पुस्तकालय हैं।

१. रसायन शास्त्र विभाग

पुस्तकें	७०००

२. भौमिकी विज्ञान विभाग

पुस्तकें	४८६८
पीरियाडिकल्स	३०१

३. भूगोल विभाग

पुस्तकें	७९३०
भारतीय जर्नल	१५
विदेशी जर्नल	१५

४. भू-भौतिकी विभाग

पुस्तकें	२४९५

५. आणविक एवं मानव अनुवांशिकी विभाग

पुस्तकें	५८४

६. जन्तु विज्ञान विभाग

पुस्तकें	८८०८
नई पुस्तकें	६२
जर्नल	३८२

७. सांख्यिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग)	४००

८. जैव रसायन विभाग

पुस्तकें	१६२१
नई पुस्तकें	३६

९. भौतिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग)	१७१२९
जर्नल	१४३९०

१०. गणित विभाग

पुस्तकें (लगभग)	४७२०
पीरियाडिकल्स	५०
जर्नल (लगभग)	२५३५

११. वनस्पति विज्ञान विभाग

पुस्तकें	५५४४
शोध निबन्ध	५०२
शिक्षकीय चलचित्र	१६
पीरियाडिकल्स	६८०
लघु शोध प्रबन्ध	४८५
शैवालों का माइक्रोफिट्ज	१६०००

१२. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

पुस्तकें	२५६८
नई पुस्तकें	२५

१३. गृह विज्ञान विभाग

पुस्तकें	३०००

१४. डी.एस.टी.- अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द

पुस्तकें	७२९
जर्नल	५८९

१५. संगणक विज्ञान विज्ञाग

पुस्तकें	३६६२

१६. आनुवांशिकी विकार केन्द्र

पुस्तकें	७२

१७. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

पुस्तकें	२००

१८. नेपाल अध्ययन केन्द्र

पुस्तकें	३५००

१९. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन

नई पुस्तकें	१०
समाचार पत्र	४०

सम्बद्ध महाविद्यालयों के पुस्तकालय

१. आर्य महिला पी.जी. कालेज

पुस्तकें	३२०००
जर्नल	५३
पत्रिका	२०

२. वसन्ता महिला महाविद्यालय

पुस्तकें	४३,१००
जर्नल	४२
पत्रिका	१५
समाचार पत्र	१२

३. वसन्त कन्या महाविद्यालय

पुस्तकें	२५५६५
नई पुस्तकें	८४२
जर्नल	११
पत्रिका	२०
प्रतिदिन समाचार पत्र	८
साप्ताहिक समाचार पत्र	२

४. डी.ए.वी. पी.जी कॉलेज

पुस्तकें	४५२७८
पीरियाडिकल्स	४०

विद्यालयों के पुस्तकालय

१. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

पुस्तकें	१००००

२. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वाय़ज स्कूल

पुस्तकें	४००००

२.१.७ यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (१९८६) ने शिक्षा की गुणवत्ता एवं अध्यापकों की अधुनातन ज्ञान अर्जन की प्रवृत्ति में संलग्नता को देखते हुए दिशा निर्देश तय किये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने न केवल अध्यापक के महत्त्व को रेखांकित किया बल्कि इस बात पर भी बल दिया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने उत्तरदायित्व को भली प्रकार निभाने के लिए उन्हें अधिकतम अवसर दिये जायें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ के अन्तर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज की स्थापना की। यहाँ शिक्षकों के लिए प्रथम पाठ्यक्रम २१.१२.१९८७ से ६.२.१९८८ तक आयोजित किया गया था जिसमें २६ प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस समय इसका विस्तार १२वीं पंचवर्षीय योजना (अप्रैल २०१२ से मार्च २०१७) में कर दिया गया है और इसके स्थायीकरण की दिशा में कार्य प्रगति पर है।

एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज का मुख्य कार्य है- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नव नियुक्त अध्यापकों और प्रशासनिक अधिकारियों को दिशानिर्देशन पाठ्यकमों एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के द्वारा प्रशिक्षित करना। इसके अतिरिक्त यहाँ प्रशासकों के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। समय-समय पर संगोष्ठियाँ और विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के भाषण भी इस कॉलेज में आयोजित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अद्यतन दिशा निर्देशों के अनुसार दिशा निर्देशन एवं पुनश्चर्या पाठ्यकम में आई.टी. पर आधारित व्याख्यानों पर विशेष बल दिया जाता है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला वर्ष २००५-०६ में एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज में स्थापित की गई है और आई.टी. पर आधारित पाठ्यकमों का भी आयोजन किया जाता रहा है। वर्ष २००५-०६ में ही इसरो एडूसैट केन्द्र भी यहाँ स्थापित किया गया है।

अब तक यहाँ ४ विशेष समर स्कूल, २ विशेष विन्टर स्कूल, ६ एकेडेमिक एडमिनिस्ट्रेटर्स कार्यशाला, १० प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम गैर शिक्षण कर्मचारियों हेतु, ३ प्रोग्राम शोधरत विद्यार्थियों हेतु, ७६ दिशानिर्देशन एवं निम्नलिखत विषयों में २१० पुनश्चर्या कार्यक्रम (३१ मार्च २०१७ तक) आयोजित किये गये हैं : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, महिला अध्ययन, पत्रकारिता, तिब्बती अध्ययन, वाणिज्य, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, भौमिकी, भूगोल, समाज शास्त्र, गणित, विधि शास्त्र, अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, तुलनात्मक साहित्य, संगीत एवं गायन और सूचना एवं संचार तकनीक अनुप्रयोग।

संक्षिप्त रिपोर्ट

यू.जी.सी.-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा वर्तमान सत्र में तीन दिशा निर्देशन कार्यक्रम, ०६ पुनश्चर्या पाठ्यकम (अन्तरविषयी पाठ्यक्रम सहित) और १

अल्पकालीन कार्यक्रम तथा एक कार्यक्रम नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से किताबों के प्रकाशन से सम्बन्धित आयोजित किए गए जिनमें कुल ४६२ प्रतिभागी लाभान्वित हुए जिनमें २९८ पुरुष एवं १६४ महिलाएँ थीं। ये प्रतिभागी विभिन्न विषयों के थे जो अरुणाचल, असम, आन्ध्रप्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश राज्यों से थे। विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यकम इतिहास अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन, सूचना तकनीकी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, दर्शन एवं धर्मागम, शारीरिक शिक्षा, आयुर्वेद, तुलनात्मक साहित्य, मानवाधिकार, चिकित्सा विज्ञान, कृषि, महिला अध्ययन और संस्कृत विषयों में आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों में देश के प्रमुख विषय विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जिनमें प्रमुख रूप से पद्मभूषण डॉ. पी.एम. भार्गव, पद्मभूषण श्री चण्डी प्रसाद भट्ट, पद्मभूषण प्रो. यशपाल, पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह, पद्मश्री शावली मित्रा, पद्मश्री मो. शाहिद, पद्मश्री प्रो. रामशंकर त्रिपाठी, डॉ. एस.एन. सुब्बाराव (प्रख्यात समाजसेवी), प्रो. एच.पी. दीक्षित (महान शिक्षाविद) हैं।

ग्रन्थालय सुविधा

यू.जी.सी.-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, में एक ग्रन्थालय भी है, जिसमें १८०६ पुस्तकें, ०७ जर्नल और विभिन्न कार्यक्रमों के प्रोसीडिंग्स उपलब्ध हैं।

अन्य सुविधायें

यू.जी.सी.-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज के व्याख्यान कक्ष और कॉलेज के अतिथि गृह को विश्वविद्यालय के सहयोग से आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है। व्याख्यान कक्ष को वर्तमान सत्र में वातानुकूलित किया जा रहा है। फरवरी २०१२ में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बैंगलोर की टीम ने इस कॉलेज का निरीक्षण किया एवं कॉलेज के द्वारा आयोजित किए गए पाठ्यक्रमों एवं अन्य कार्यो की सराहना की तथा एक रिपोर्ट कॉलेज को और यू.जी.सी., नई दिल्ली को प्रेषित की।

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलोर द्वारा निरीक्षण के समय यू.जी.सी.-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज का निरीक्षण भी २५ फरवरी, २०१५ को किया गया और टीम द्वारा इस कॉलेज की सराहना भी की गयी।

पाठ्यकम आयोजन

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	पुरुष/ महिला
१.	दिशानिर्देशन पाठ्यकम -७४	मई २४ से जून २०, २०१६	५५	३७/१८
२.	दिशानिर्देशन पाठ्यकम-७५	अगस्त ३० से सितम्बर २६, २०१६	२७	१९/०८
३.	दिशानिर्देशन पाठ्यकम-७६	नवम्बर १५ से दिसम्बर १२, २०१६	४९	३५/१४
पुनश्चर्या पाठ्यकम				
१.	संस्कृत विषय का सातवाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जून २२ से जुलाई १२, २०१६	४०	३०/१०
२.	अंग्रेजी विषय का नौवां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	मार्च ०८-२८, २०१६	३६	
३.	इतिहास विषय का द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जनवरी ३ से २३, २०१७	२६	
४.	महामना मालवीय और उनका मिशन पर द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जुलाई १४ से अगस्त ०३, २०१६	४८	
५.	तृतीय शीतकालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जनवरी १० से ३०, २०१७	४६	
६.	सामाजिक विज्ञान का प्रथम पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	फरवरी २२ से मार्च १४, २०१७	२२	
अल्प अवधि के कार्यक्रम				
१.	रिसर्च स्कालरों के लिए सेमिनार	मार्च २३ से २९, २०१७	३०	३०/१४
२.	नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया की किताबों के प्रकाशन का पाठ्यक्रम	फरवरी १५ से २२, २०१७	८३	
	महायोग		४६२	२३६/९९

अपनी स्थापना के समय से ही यू.जी.सी. एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ में सुनिश्चित किये गये उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है और पिछले ३० वर्षों में इस उद्देश्य को प्राप्त करने में हमें महत्त्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

अब यू.जी.सी.-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का नाम यू.जी.सी द्वारा परिवर्तित यू.जी.सी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कर दिया गया है।

२.१.८ मालवीय भवन

मालवीय भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के आदरणीय संस्थापक व स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में से एक पं. मदन मोहन मालवीय जी का पूर्व आवास होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय-परिसर का मुख्य स्मारक भवन भी है और यह १९६१ में मालवीय-शताब्दी वर्ष के अवसर पर जनसाधारण के दर्शन हेतु खोल दिया गया था। स्मारक होने के साथ ही मालवीय-भवन मालवीयजी की शिक्षा उनके विचारों, उनके अतिप्रिय विषयों की पढ़ाई और जीवन के ऊपर शोध -कार्य का दायित्व भी लेता है। आज मालवीय भवन में निम्नलिखित प्रकल्प कार्यरत हैं -

१. योग साधना केन्द्र
२. गीता -समिति
३. गीता-योग पुस्तकालय
४. सभागृह एवं
५. मालवीय-मूल्य अनुशीलन केन्द्र

सुविधायें और कार्यक्रम

गीता-समिति

गीता-समिति मालवीय भवन की प्राचीन संस्था है। यहाँ रविवार की सुबह भगवद्गीता के धार्मिक व दार्शनिक विषयों पर व्याख्यान का आयोजन होता है। यह समिति वार्षिक भगवद्गीता प्रवचन-प्रतियोगिता का आयोजन भी करती है। ये साप्ताहिक गीता-प्रवचन नियमित रूप से हर रविवार को आयोजित किये गये। इस सत्र में कुल ३५ नियमित एवं ०७ विशिष्ट प्रवचन, इस प्रकार से कुल ४० प्रवचन सम्पन्न हुए। इस वर्ष दिनांक २२.०६.२०१७ को आचार्य सुब्रहमण्यम शास्त्री का व ०५.०६.२०१७ को गीता एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर दो सप्ताह की प्रात:कालीन योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वर्तमान सत्र में साप्ताहिक गीता-प्रवचन का उद्घाटन आचार्य हृदयरंजन शर्मा, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, वेद विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के उद्बोधन द्वारा हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. जी.सी. त्रिपाठी ने किया। गीता समिति के उपाध्यक्ष प्रो. कृष्णकान्त शर्मा ने स्वागत भाषण किया। इस सत्र के गीता कार्यक्रम का उपसंहार कमलेश दत्त त्रिपाठी जी के विद्वतापूर्ण प्रवचन से हुआ। गीता प्रवचन समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. जी.सी. त्रिपाठी ने की।

योग साधना-केन्द्र

योग साधना केन्द्र स्वर्गीय प्रो. के एन उडुप्पा के प्रयासों व संकल्प के परिणाम स्वरूप १९७५ में स्वर्गीय प्रो. टी.आर. अनन्तरमण (भू.पू. निदेशक, आई.टी. बीएचयू एवं रेक्टर, बीएचयू) के सहयोग से समसामयिक संदर्भों को देखते हुए, योग साधना केन्द्र (सेन्टर फॉर योग) को मालवीय भवन में स्थापित कराते हुए योग के क्षेत्र में योगानुशीलन हेतु आधुनिक वैज्ञानिक उपागम का प्रर्वतन किया और योग में अल्पावधिक अंशकालीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन कराया, जो कि प्रथम एक दशक तक योग के क्षेत्र में उच्चस्तर वैज्ञानिक उपागम युक्त शिक्षण प्रशिक्षण के लिये पूरे भारतवर्ष में सुविख्यात रहा है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का योग साधना केन्द्र १९७५ फरवरी से कार्य कर रहा है। यह योग की शिक्षा, निर्देश और शोध कार्य की अन्तरानुशासनिक शैक्षणिक संस्था है और योग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय-परिसर में होने वाली सभी गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु है। यहाँ दो तरह के पाठ्यक्रम संचालित होते हैं जो इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम	पुरुष	महिला	विदेशी	कुल
सर्टिफिकेट कोर्स इन योग	१३७१	८७१	०५	२२४७
डिप्लोमा इन योग	११५	७४	०६	१९५

विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष के तत्त्वाधन में मालवीय भवन के योग साधना केन्द्र द्वारा संचालित चतुर्साप्ताहिक योग प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों में शनिवार के दिन विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन किया जाता रहा है। इस क्रम में प्रथम चतुर्साप्ताहिक योग प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के प्रथम शनिवार दिनांक २७.०८.२०१६ को मालवीय भवन के मानित निदेशक प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय जी का योग के शास्त्रीय पक्ष पर विद्वत्तापूर्ण उद्‌बोधन हुआ। द्वितीय शनिवार दिनांक ०३.०९.२०१६ को मालवीय अनुशीलन केन्द्र के समन्वयक प्रो. राम.पाल पाण्डेय को व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया। तृतीय शनिवार के अवसर पर दिनांक १०.०९.२०१६ को तीसरे साप्ताहिक व्याख्यान हेतु अंग्रेजी विभाग के पूर्वाचार्य प्रो. राम कीर्ति शुक्ला को आमन्त्रित किया गया। दिनांक १७.०९.२०१६ को, चतुर्थ शनिवार, पर साप्ताहिक व्याख्यान हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वेदान्त सोसायटी के सचिव स्वामी प्रबुद्धानन्द जी को आमन्त्रित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर दिनांक २४.०९.२०१६ को चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक विजय कुमार शुक्ल को विशिष्ट अतिथि एवं आमंत्रित आचार्य प्रो. गिरिजा प्रसाद शास्त्री, को मुख्य वक्ता के रूप में आमन्त्रित किया गया।

द्वितीय चतुर्साप्ताहिक योग प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के प्रथम शनिवार पर दिनांक ०१.१०.२०१६ को प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी का, द्वितीय शनिवार दिनांक ०८.१०.२०१६ को आचार्य सुब्रहमण्यम शास्त्री का १५.१०.२०१६ को तृतीय शनिवार के अवसर पर तीसरे साप्ताहिक व्याख्यान हेतु का.हि.वि.वि. के भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, के प्रो. आर. पी. मल्लिक को आमन्त्रित किया गया। २२.१०.२०१६ को चतुर्थ शनिवार, पर योगाचार्य त्रिपुरारी लाल मिश्रा का योगाभ्यास प्रदर्शन हुआ। द्वितीय योग प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र के समापन समारोह के अवसर पर बुधवार दिनांक २६.१०.२०१६ को मुख्य वक्ता आचार्य अवधेश प्रधान जी-आचार्य हिन्दी विभाग, कला संकाय, का.हि.वि.वि., का योग के शास्त्रीय एवं व्यावहारिक पक्ष पर विद्वत्तापूर्ण उद्‌बोधन हुआ।

अगले चतुर्साप्ताहिक योग प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र कार्यक्रम श्रृंखला में हिन्दी विभाग, के प्रो. रंगनाथ पाठक, ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, का.हि.वि.वि. के विशिष्ट आचार्य प्रो.कमलेश दत्त त्रिपाठी के विद्वत्तापूर्ण उद्‌बोधन हुए। इसके अतिरिक्त २०.०१.२०१७ को अमेरिका से पधारे श्री विश्विन्दर सूद का २१.०१.२०१७ को रोहतक, हरियाणा से पधारे के प्रो. बलबीर आचार्य का तथा २७.०१.२०१७ को संस्कृत विभाग के आचार्य राममूर्ति चतुर्वेदी के भी उद्‌बोधन हुए।

गीता-योग-पुस्तकालय

मालवीय भवन का 'गीता- योग-पुस्तकालय', काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित पुस्तकालय है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की लगभग १०,००० पुस्तकें हैं जिनमें ५००० पुस्तकें विशेष रूप से केवल भगवद्‌गीता योग और आध्यात्म पर हैं। बहुत से महत्त्वपूर्ण व्यक्ति यहाँ अध्ययनार्थ आते रहते हैं । गीता-योग-पुस्तकालय का निर्धारित समय प्रात: १०.३० से सायं ५.०० तक है। इस वर्ष इसमें 'कल्याण' जैसे कुछ आध्यात्मिक-धार्मिक पत्रिकाओं तथा हिन्दी-अंग्रेजी समाचार पत्रों के नियमित रूप से आते रहने की व्यवस्था भी की गई है।

महामना सभागार (सभागृह)

मालवीय भवन के सभागृह में विश्वविद्यालय के सभी महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। यह सभागृह नियमित रूप से योग से सम्बंधित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गीता, योग व मूल्य शिक्षा से सम्बद्ध व्याख्यानों तथा संगोष्ठियों के लिये उपयोग में लाया जाता है। इस वर्ष मालवीय भवन के सभागृह में विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष पर्यन्त कार्यक्रम सम्पन्न हुए। वर्तमान सत्र में सभागृह में आयोजित कार्यक्रम इस प्रकार हैं।

१.	गीता प्रवचन	-	३५
२.	विशेष व्याख्यान	-	०७
३.	भाषण	-	१०
४.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	-	०७
५.	धार्मिक कार्यक्रम (एक श्रीमद्‌भागवत-सप्ताह प्रवचन सहित)	-	०६
६.	त्योहार	-	०२
७.	समारोह	-	०५
८.	प्रदर्शन	-	०६
९.	प्रतियोगिता	-	१५
१०.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	०७

(चार माह का एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एक-एक माह के छह प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)

मालवीय मूल्य-अनुशीलन केन्द्र

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र विगत कई वर्षो से उच्च शिक्षा के अन्तर्गत नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। इन कार्यक्रमों के विस्तार हेतु केन्द्र को दसवीं योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से ४ लाख रूपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। इस केन्द्र का संचालन मालवीय भवन संकुल में स्थित डे-निवास, भवन से हो रहा है। इस वर्ष केन्द्र ने विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं शोध छात्रों के लिए ''व्यक्तिगत जीवन एवं कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए जीवन मूल्य एवं व्यावहारिक कौशल'' विषय पर कई कार्यशालाओं का आयोजन किया। केन्द्र एक अर्द्धवार्षिक पत्रिका, ''मूल्य विमर्श'' का भी प्रकाशन करता है, जिसमें समसामयिक विषयों पर आधारित जीवन मूल्यों से सम्बन्धित लेख प्रकाशित किये जाते हैं।

मालवीय भवन उद्यान

मालवीय-भवन के चारों तरफ एक प्राचीन सुन्दर बगीचा है जिसमें २९ प्रकार के पौधे लगे हुए हैं जिसमें ६ प्रकार के फूल, १३ औषधीय प्रयोग के पेड़ और ७ तरह की झाड़ियाँ लगी हैं।

भविष्य योजना

उपर्युक्त सुविधाओं को मजबूत करने व आगे बढ़ाने के लिये एक प्रस्ताव विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया गया है। जिसमें एक नये एनेक्स का निर्माण, कार्यालय, कमेटी रूम, पुस्तकालय व एक अतिरिक्त व्याख्यान कक्ष, उन विशेष धार्मिक व आध्यात्मिक मेहमानों के लिये जो भाषण व व्याख्यान के लिये आमंत्रित किये जाते हैं उनके लिये कुछ अतिथि कक्षों का निर्माण सम्मिलित है।

२.१.९. भारत कला भवन

भारत कला भवन, कला एवं पुरातत्व का एक विश्वविद्यालयीय संग्रहालय है तथा यह मुगल एवं राजस्थानी शैली की भारतीय चित्रकला के समृद्ध संकलनों के साथ-साथ मूर्ति, वसन, सिक्के तथा भारतीय साहित्य एवं पुरातत्व की हस्तलिखित पाण्डुलिपियों आदि संग्रहों के लिये विश्वविख्यात है। इस संग्रहालय में लगभग १.५ लाख से भी अधिक दुर्लभ वस्तुओं का विशाल संग्रह है। जिनके विविध विधा के उत्कृष्ट संग्रहों को भूतल एवं प्रथम तल में स्थित १३ वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है, जिसके अवलोकनार्थ राष्ट्रीय एवं अन्तर राष्ट्रीय दर्शक निरन्तर आते रहते हैं। स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों, दर्शकों के अतिरिक्त यह संग्रहालय देश एवं विदेश के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं विद्वानों के शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। भारत कला भवन का अपना एक समृद्ध पुस्तकालय भी है जो कला एवं पुरातत्व के एक उत्कृष्ट सन्दर्भ पुस्तकालय के रूप में जाना जाता है।

पिछले वर्ष अक्टूबर २०१६ में तीन सहायक संग्रहाध्यक्ष तथा दो वीथिका सहायक तथा एक सहायक भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए हैं।

भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में कला वस्तुओं एवं पुरातत्व वस्तुओं का मूल्यांकन

वर्ष २०१३-१४ में १.५ लाख वस्तुओं में से अब तक २६.०४९४३०७% कला वस्तुओं का मूल्यांकन में अधिकृत लेखा-परीक्षक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है।

संग्रहालय के वर्तमान आय स्रोत

वर्तमान में भारत कला भवन संग्रहालय के विक्रय पटल द्वारा प्रवेश शुल्क से अर्जित आय रू. ८,०६,००१/- की है।

- दर्शक :
- भारतीय - १०५६३
- छात्र - ५१९८
- विदेशी - २९८४

वर्तमान वर्ष के दौरान निम्न कार्य किये गये

- इस संग्रहालय की सभी वीथिकाओं एवं पेंटिंग भण्डारण कक्ष में डाटा लागर लगाया गया।
- छवि चित्रकला दीर्घा में म्यूजिक सिस्टम लगाया गया।
- बाह्य संस्थानों की कला-वस्तुओं एवं पुरातत्व के प्रदर्शन अस्थायी प्रदर्शनी कक्ष हेतु पूर्णतया तैयार है।
- जनवरी २०१६ से कैग के अनुमोदन पर भारत कला भवन की कला एवं पुरा वस्तुओं का मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ हुआ तथा कार्य प्रगति पर है।
- संग्रहालय दर्शकों (पुरूष एवं महिलाओं हेतु) तथा कर्मचारियों हेतु सुलभ प्रसाधन का निर्माण किया गया।
- इनफ़ोसिस फाउन्डेशन द्वारा २.०० करोड़ रूपये का अनुदान अर्जित किया गया जिसके तहत अतिशीघ्र यथासम्भव कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विविध कार्यों हेतु संस्कृति मंत्रालय अनुदान भी संस्थान को प्राप्त हुआ।
- संग्रहालय प्रवेश द्वार पर ०६ जोन डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाया गया।

- दर्शकों के प्रवेश शुल्क विक्रय हेतु विक्रय पटल पर पीओएस मशीन लगायी गयी।

प्रदर्शनी/संगोष्ठी/कार्यशाला/अनुदान

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष २०१६ के अवसर पर भारत कला भवन द्वारा महामना प्रदर्शनी आयोजित।
- भारत कला भवन में दिनांक १७.१२.२०१६ से २४.०१.२०१७ तक आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली एवं भारत कला भवन के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता 'आख्यान' प्रदर्शनी का आयोजन।
- भारत कला भवन द्वारा 'काशी मुगलशैली के वंशज कलाकार' नामक एक लघु चित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
- एलिस बोनर संस्थान, वाराणसी द्वारा दिनांक २२ फरवरी से २१ मार्च २०१७ तक 'एलिस फ्राम स्विटजरलैण्ड' प्रदर्शनी का आयोजन।
- सिद्धार्थ लखोटिया द्वारा आयोजित एक फोटोग्राफ प्रदर्शनी 'रिद्म्स आफ हैप्पिनेस' का आयोजन।

भारत रत्न प्रदर्शित

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पं. मदन मोहन मालवीय को प्राप्त सर्वोच्च सम्मान (भारतरत्न), उनके पौत्र न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने अर्जित कर माननीय कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सौंपा, जिसे भारत कला भवन में अवलोकनार्थ रखा गया। इसका शुभ उद्घाटन पर्यटन एवं संस्कृति केन्द्रीय राज्य मंत्री– डॉ. महेश शर्मा ने अपने कर कमलों से किया। इस सम्मान को भारत कला भवन के निधि वीथिका में जन अवलोकनार्थ प्रदर्शित किया गया।

इस वर्ष हमारे सहकर्मियों ने विविध गतिविधियों में सहभागिता की:

- डॉ. अरूपा मजुमदार उप- ग्रंथालयी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा दिनांक १८-१९ अप्रैल, २०१६ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन डिपार्टमेन्ट' में सहभागिता की।
- डॉ. अरूपा मजुमदार उप- ग्रंथालयी ने यू.जी.सी. के संयुक्त तत्वाधान मे नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ़ इण्डिया द्वारा आयोजित प्रमाण पत्र बुक पब्लिशिंग में सहभागिता की।
- डॉ. अरूपा मजुमदार उप- ग्रंथालयी ने दिनांक १९-२० मार्च, २०१७ को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी कांसेप्टचुवल सोशल रेस्पान्सबिलिटीज ऑफ लाइब्रेरीज में सहभागिता की।
- डॉ. राधाकृष्ण गणेशन, वरिष्ठ कलाकार द्वारा लिखित शोध आलेख अगस्त अंक की शोध पत्रिका 'स्थापत्यम' में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. राधाकृष्ण गणेशन, वरिष्ठ कलाकार द्वारा लिखित लघु पुस्तिका 'काशी मुगल शैली के वंशज कलाकार' सम्बन्धित प्रदर्शनी, २०१७ हेतु प्रकाशित की गई।
- डॉ. अनिल कुमार सिंह, सहा. संग्रहाध्यक्ष ने 'सेन्टर फार कल्चरल रिसोर्सेस एण्ड ट्रेनिंग, नई दिल्ली द्वारा १८ से २४, २०१७ तक आयोजित कार्यशाला 'क्यूरेटोरियल वर्कशाप फार म्यूजियम क्यूरेटर्स' में सहभागिता की।
- डॉ. देवेन्द्र बहादुर सिंह, सहा. संग्रहाध्यक्ष ने न्यूमिसमेटिक सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया, का.हि.वि.वि. द्वारा लोनावाला, मुंबई में दिनांक ५-७ नवम्बर, २०१६ को आयोजित ९५वें, एनुवल कान्फ्रेन्स ऑफ़ द न्यूमिसमेटिक्स सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया में सहभागिता की।
- डॉ. देवेन्द्र बहादुर सिंह, सहा. संग्रहाध्यक्ष, जर्नल ऑफ़ न्यूमिसमेटिक सोसइटी ऑफ़ इण्डिया पत्रिका के सन् २०१६ से सहायक सम्पादक रहे।
- डॉ. प्रियंका चन्द्रा, सहा. संग्रहाध्यक्ष मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के ई-पाठशाला प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। इस वर्ष ५ मॉडल्स लिखा तथा वीडियो रिकार्डिंग हेतु ४ माडल्स तैयार किया।
- श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, वीथिका सहायक ने मोहाली में आयोजित सितम्बर १६-१८, २०१६ में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रॉक आर्ट आफ मिर्जापुर' विषय में प्रस्तुति दी।
- श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, वीथिका सहायक ने प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग का.हि.वि.वि. द्वारा दिसम्बर २०१६ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रिसेन्ट एक्पेनेशन वर्क इन सौथर्न पार्ट ऑफ सोनभद्र रीजन' विषय में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, वीथिका सहायक ने प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, का.हि.वि.वि. द्वारा जनवरी २०१७ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मास्क ट्रेडीशन इन इण्डियन विथ द स्पेशल रेफेरेन्स टू रामनगर रामलीला' विषय में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, वीथिका सहायक ने प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, का.हि.वि.वि. द्वारा मार्च २०१७ को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंटरप्रेटशन ऑफ रॉक आर्ट' विषय में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- २ अक्टूबर (स्वच्छता दिवस) गाँधी जयंती के अवसर पर, भारत कला भवन के समस्त कर्मचारीगणों ने भवन की सफाई में अपना बहुमूल्य योगदान किया।
- हमारे कार्यालय कर्मी श्री अनूप कुमार, आफिस असिस्टेंट ने राजभाषा प्रकोष्ठ, का.हि.वि.वि. द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की।

पुस्तक

इस वर्ष भारत कला भवन, पुस्तकालय में निम्न पुस्तकें एवं पत्रिकाएं छात्रों एवं शोधार्थियों हेतु अर्जित किये गये । वर्तमान में २२,५३४ पुस्तकें, ६३३८ पत्रिकाएँ तथा ५६ प्रोजेक्ट (नेहरू ट्रस्ट आफ इण्डिया कलेक्शन, विक्टोरिया एण्ड अलबर्ट म्यूजियम, नई दिल्ली) भारत कला भवन में उपलब्ध है। इस वर्ष ३ पुस्तकें मानार्थ प्रतिस्वरूप प्राप्त हुई। इस वर्ष ५ पत्रिकायें मानार्थ प्रति स्वरूप प्राप्त हुई। इस वर्ष के दौरान लगभग ३८०० छात्र एवं शोधार्थी भारत कला भवन पुस्तकालय मे परामर्श हेतु आमन्त्रित हुए।

प्रमुख दर्शक

इस वर्ष दस हजार से अधिक दर्शक (२९८४ विदेशी तथा १५७६१ भारतीय) संग्रहालय आमन्त्रित हुए। भारत कला भवन के रजिस्टर पर प्रमुख दर्शकों की सम्मतियां लिखवाई गयीं।

प्रमुख दर्शकों की वर्तमान सूची : डॉ. महेश शर्मा, पर्यटन संस्कृति राज्यमंत्री; नितिन रमेश गोकर्ण, मण्डलायुक्त, वाराणसी; जवाहर सरकार, सीइओ, प्रसार भारती एवं पूर्व संग्रहाध्यक्ष, पुरातत्व भारत सरकार; मि. पण्डा, मुख्य सचिव, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार; प्रो. फ्रोंकोला ऑरसिनी, दक्षिण एशिया विभाग, फ्रिकान, यू.के.; दिलीप पटेल, एम.आर. रोड, अधेंरी ईस्ट, मुम्बई; वी.के. शुंगलु, चेयरमैन, डीपीएस सोसाईटी, नई दिल्ली; जैक डेलोली, बर्नाड कॉलेज, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्युयार्क; गर्ट मैरिनकोवित्ज, वाल्ट्स एवेन्यू, वागले रिक्टोरिया, दक्षिण अफ्रिका; ललित कुमार दास, सेक्टर ५, गुरूग्राम, हरियाणा और वी.पी. सिंह, महानिदेशक, एन बी एरिया, गोवा।

भारत कला भवन में राम लीला के लिए प्रयोगार्थ वस्तु

भारत कला भवन में एलिस बोनर की कलाकृति

२.२. दक्षिणी परिसर

२.२. दक्षिणी परिसर

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, द्वारा संचालित एक मानकीकृत शैक्षिक संस्था के रूप में (इजारा/पट्टा) भारतमंडल ट्रस्ट द्वारा १ अप्रैल १९७९ में स्वीकृत किए गए ११०४ हेक्टेयर भूखण्ड में विस्तारित है। यह मीरजापुर शहर से लगभग ८ किमी. दक्षिण पश्चिम राबर्ट्सगंज राजमार्ग पर स्थित है।

मुख्य कार्य

अगस्त से २३ अगस्त २०१६ को सत्तरवीं वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर स्वतंत्रता दिवस – ''याद करो कुर्बानी'' का परिसर में हुआ आयोजन; स्वतन्त्रता दिवस समारोह; १७ अगस्त २०१६ को माननीय कुलपति ने किया सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ; १७ अगस्त, २०१६ पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान संकाय के भवन की आधारशिला एवं शिलान्यास; अभिसंस्करण कार्यक्रम; २५ अगस्त, २०१६ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी; १६ सितम्बर, २०१६को विश्व ओजोन दिवस प्रतियोगिता; २७ सितम्बर, २०१६ को विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन; ०२ अक्टूबर, २०१६को स्वच्छता अभियान-महात्मा गाँधी जयन्ती; २४ अक्टूबर, २०१६ से २६ अक्टूबर, २०१६ तक अस्पताल भ्रमण कार्यक्रम; २५ अक्टूबर २०१६ को बैचलर इन मेडिकल लैब टेक्नोलोजी की संगोष्ठी; २६ अक्टूबर, २०१६ को बैचलर इन मेडिकल लैब टेक्नोलोजी की एक दिवसीय कार्यशाला; २० से २३ नवम्बर, २०१६ तक वार्षिकोत्सव - अरावली छात्रावास; ०५ नवम्बर, २०१६ को पैराडाइन शिफ्ट इन इनोवेशन एण्ड बिजनेस मैनेजमेंट विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार; २० अक्टूबर, २०१६ से २० नवम्बर, २०१६ तक एम.वोक एवं बी.वोक (पर्यटन एवं आतिथ्य) के विद्यार्थियों का ऑन द जॉब ट्रेनिंग कार्यक्रम; २६ नवम्बर, २०१६ को संविधान दिवस समारोह; सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन; शताब्दी वर्ष एवं मालवीय जयन्ती समारोह; ०२ जनवरी से ०९ जनवरी, २०१७ तक लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के गठन पर साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन; १४ जनवरी, २०१७ को भारत में आतिथ्य एवं पर्यटन शिक्षा विषयक राष्ट्रीय सेमिनार;६८वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह;०१ फरवरी, २०१७ बसन्त पंचमी एवं विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह; २३.०२.२०१७ रक्तदान शिविर; २४ फरवरी से ०२ मार्च, २०१७ तक उद्यमिता कौशल पर एक सप्ताह की कार्यशाला; फरवरी २०१७ में अन्तर छात्रावास वॉलीवाल प्रतियोगिता; २६ से ३० मार्च, २०१७ अन्तर संकाय युवा महोत्सव स्पन्दन; १२ अगस्त, २०१६, २५ दिसम्बर, २०१६, १२ जनवरी, २०१७ तथा २३ जनवरी, २०१७ को राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय शिविर; मार्च, २०१७ शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का वॉलीवाल एवं क्रिकेट टूर्नामेंट; ०५ मार्च, २०१७ को 'पैराडाइम शिफ्ट इन एग्रीबिजनेस एण्ड रुरल डेवलपमेंट' राष्ट्रीय संगोष्ठी; २५ मार्च, २०१७ ट्रेन्डस एण्ड इनोवेशन इन ह्यूमन हेल्थ, एग्रीकल्चर एण्ड फुड प्रोसेसिंग टेक्नोलोजी राष्ट्रीय सेमिनार।

विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाऐं

- एम.बी.ए. (ए.बी.) के छात्रों के लिए संगणक प्रयोगशाला है जिसमें छात्रों को प्रबंधन सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों के विभिन्न पहलुओं को जानने की सुविधा उपलब्ध है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में लगभग २ हेक्टेयर भूमि एम.एससी. (एजी.) इन एग्रोफोरेस्ट्री के छात्रों को शोध कार्य हेतु प्रदान की गई है जो शरीफा, अमरूद और बेल कृषि बागवानी प्रणाली पर आधारित है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में आयुर्वेदिक फार्मेसी प्रयोगशाला एम.फार्म. (आयुर्वेद) के छात्रों के लिए उपलब्ध है जिसमें विभिन्न उपकरण जैसे फोरियर ट्रान्सफॉर्म इन्फ्ररेड स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यू.वी.स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटोमिक एब्जार्ब्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रोटरी इवैपोरेटर, इन्क्यूबेटर्स, फर्नेस, ऑटोक्लेव, टैबलेट पंचिंग मशीन, टैबलेट पैकेजिंग मशीन, पिल मेकिंग मशीन, डिस इन्टीग्रेशन टेस्टर, हार्डनेस टेस्टर, लेमिनार एयरफ्लो, यू.वी. चेम्बर, कैप्सूल फिलिंग मशीन, टिशू होमोजेनाइजर, टिशू बाथ, इलेक्ट्रो कन्वल्जीयोमीटर, डिसटिलेशन एसेम्बली उपलब्ध हैं।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में पादप जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला उपलब्ध है जिसमें विभिन्न उपकरण जैसे हारिजॉन्टल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट, मिनी स्पिन, रेफ्रीजरेटेड माइक्रोसेंट्रीफ्यूज, आइस फ्लेकिंग मशीन, वाटर बाथ, वोर्टैक्स, लेमिनार एयरफ्लो, थर्मलसाइक्लर, जेल डाक्यूमेंटेशन सिस्टम, और्बीटल शेकिंग सिस्टम, डीप फ्रीजर, फ्लोर सेंट्रीफ्यूज, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, यू.वी.स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, प्लांट ग्रोथ चेम्बर, टिशू कल्चर फैशेलिटि उपलब्ध है।

२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

२.३.१. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज
२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय
२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय
२.३.४. दयानन्द महाविद्यालय (डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज)

२.३.१. आर्य महिला महाविद्यालय

विविधताओं से सम्पन्न यह देश जहाँ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोये निरन्तर गतिशील है वहीं अपनी शैक्षिक अस्मिता की पहचान भी विश्व पटल पर अंकित करता आ रहा है, संस्कृति और सभ्यता के बहुआयामी स्वर को विकसित करने में शैक्षणिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश के शैक्षिक गतिविधियों को निरन्तर अग्रसर करने एवं कला, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान के धरोहर को विकसित तथा स्त्रियों को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से महर्षि ज्ञानानन्द जी की कर्मठ एवं सुयोग्य शिष्या श्रीमती विद्या देवी के योगदान से सन् १९५६ में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी। महाविद्यालय की प्रथम प्राचार्या सुश्री सुन्दरी बाई पाई के नेतृत्व में तथा आयुर्वेद रत्न पं. बृजमोहन दीक्षित के अभिभावकत्व में सन् १९५८ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. को तथा १९७४ में शिक्षा शास्त्र ने स्थायी सम्बद्धता प्राप्त किया आज इस महाविद्यालय में सुचारू रूप से स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं का अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य हो रहा है। काशी का यह प्रतिष्ठित प्राचीन संस्थान महर्षि ज्ञानानन्द जी द्वारा संस्थापित तथा श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् द्वारा संचालित है।

अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन में महाविद्यालय प्रतिवर्ष १५ जरूरतमंद छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए स्त्री सशक्तिकरण को बहुआयामी स्वर प्रदान करता है। महाविद्यालय में असक्त तथा शारीरिक रूप से असमर्थ छात्राओं को भूमि तल से अन्य तलों पर जाने के लिए लिफ्ट की व्यवस्था की गयी है।

९७ वाँ स्थापना दिवस समारोह

श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् ने अपना ९७वाँ स्थापना दिवस १४ दिसम्बर २०१६ को मनाया, जिसमें महापरिषद् द्वारा संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सम्माननीय प्रो. पंजाब सिंह, अध्यक्ष, कृषि विभाग, राष्ट्रीय अकादमी, भारत सरकार, मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रीय अकादमी, भारत सरकार, मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सत्यनारायण पाण्डेय जी ने किया। इस अवसर पर महापरिषद् के वरिष्ठ सदस्य डॉ. के.पी. अग्रवाल, श्री उत्तम राय चौधरी, श्री अतुल कुमार जायसवाल तथा अवकाश प्राप्त कर्मचारियों को मुख्य अतिथि प्रो. पंजाब सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया। जनरल सेक्रेटरी डॉ. शशिकान्त दीक्षित द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा महापरिषद् द्वारा संस्थापित तथा संचालित सभी संस्थाओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।

शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियाँ

इस सत्र का आरम्भ १० जुलाई २०१६ से हुआ। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर छात्राओं ने विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्नातक कला, सामाजिक विज्ञान, स्नातक वाणिज्य, शिक्षाशास्त्र विभाग तथा स्नातकोत्तर कक्षा की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया साथ ही प्राध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस

तथा सरस्वती पूजनोत्सव के अवसर पर छात्राओं ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, सितार वादन इत्यादि सुरुचिपूर्ण एवं सुन्दर प्रस्तुतियाँ कर अपनी बहुविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

संस्कृत विभाग

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित श्रीमदाद्यगुरूशंकराचार्य के स्तोत्रों पर केन्द्रित कण्ठस्थस्त्रोत्रपाठ प्रतियोगिता दिनांक ०३.०९.२०१६ को सम्पन्न हुई। इसमें संस्कृत विभाग की ६ छात्राओं ने भाग लिया।
- दिनांक २४.०९.२०१६ को सांस्कृतिक अध्ययन एवं शोध केन्द्र ज्ञान प्रवाह वाराणसी में आयोजित 'हेरिटेज ऑफ काशी' प्रतियोगिता में ४ छात्राओं ने भाग लिया। पुरस्कार के रूप में पुस्तक एवं स्मृति चिह्न प्राप्त किया।
- दिनांक २२.०६.२०१६-१२.०७.२०१६ तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित 'ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेण्टर' संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित ७वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की डॉ. जया मिश्रा, डॉ. पुष्पा त्रिपाठी एवं डॉ. दिव्या ने भाग लिया।
- दिनांक १६ नवम्बर २०१६ को कालिदास समिति विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जयिनी की ओर से आयोजित अखिल भारतीय कालिदास महोत्सव के अवसर पर अन्तर्विश्वविद्यालयीय-संस्कृत वाद-विवाद स्पर्धा में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेकर एम.ए. पूर्वार्द्ध (संस्कृतविभाग) की छात्रा कु. अनुरंजिका चतुर्वेदी ने तृतीय स्थान तथा कांस्य पदक प्राप्त किया।
- संस्कृत भारती, काशी प्रान्त की ओर से आर्य महिला इण्टर कॉलेज में दिनांक १७.१२.२०१६ को आयोजित वरिष्ठ वर्ग की भाषा-प्रतियोगिता तथा राष्ट्रगीत वन्देमातरम् प्रतियोगिता (एकल एवं समूह) में भाग लेकर महाविद्यालय की संस्कृतविभाग की छात्राओं ने महाविद्यालय के लिए सामुदायिक रूप से सर्वोच्चता का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।
- अखाड़ा गोस्वामी तुलसीदास, वाराणसी द्वारा श्रीसंकटमोचन मन्दिर परिसर में दिनांक १-२ फरवरी, २०१७ को श्रीरामचरितमानस के दोहों एवं चौपाइयों पर आधारित सस्वर गान स्पर्द्धा तथा संस्कृत श्लोकों की स्वर गान स्पर्द्धा में भाग लेकर संस्कृत विभागीय छात्राओं में दोहा-चौपाई-स्पर्द्धा में आसना मिश्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान एवं नकद धनराशि प्राप्त किया। सस्वर लोकगान स्पर्द्धा में अनुरंजिका चतुर्वेदी (एम.ए. पूर्वार्द्ध) ने प्रथम स्थान के साथ तथा श्रद्धा तिवारी (एम.ए. उत्तारार्द्ध) ने द्वितीय स्थान के साथ नकद धनराशि प्राप्त किया।
- डॉ. चन्द्रकान्ता राय के निर्देशन में ज्ञानप्रवाह की ओर से नागरी नाटकमण्डली, वाराणसी में दिनांक १९ फरवरी, २०१७ को अभिमंचित संस्कृत नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में संस्कृत विभाग की छात्राओं ने भाग लिया।
- डॉ. चन्द्रकांता राय, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत-विभाग द्वारा आयोजित होने वाले ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट सेन्टर, बीएचयू में मुख्य अतिथि के रूप में ''हिरण्यगर्भश्रुतिस्मृतिषु सर्गः'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज एवं नेहरु युवा केन्द्र संगठन, वाराणसी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्तवावधान में दिनांक ३० मार्च, २०१७ को आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव में संस्कृत एवं हिन्दी चैती तथा कजरी गीत प्रस्तुत कर संस्कृत विभाग की छात्राओं ने सम्मानार्ह स्थान प्राप्त किये।
- स्वच्छता के प्रति 'वैश्विक दृष्टिकोण' विषय पर संस्कृत विभाग की ओर से दिनांक ०१ मार्च, २०१७ को कनेडियन इम्पीरियल बैंक ऑफ कॉमर्स की पूर्व सुपरवाइजर तथा वर्तमान में कनाडा (टोरंटो) में डाटाबेस स्कैनर के रूप में कस्टम्सरेटर्स (कनाडा) में कार्यरत श्रीमती मनीषा राय ने अपना वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव स्पन्दन २०१६-१७ में संस्कृत वाद-विवाद स्पर्द्धा में भाग लेकर अनुरंजिका चतुर्वेदी (पक्ष) तथा पल्लवी (एम.ए. पूर्वार्द्ध) ने तृतीय स्थान तथा संस्कृत स्वरचित काव्य पाठ स्पर्धा में भाग लेकर श्रद्धा तिवारी (एम.ए. उत्तारार्द्ध) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- संस्कृत विभाग एवं संस्कृतिभारती, काशी प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृतभाषा-भारतीय भाषा जननी एवं संस्कृति संवाहिका' विषय पर दिनांक २ मार्च, २०१७ को महाविद्यालय के सभागार में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०१.०४.२०१७ को संस्कृत विभाग की ओर से स्नातक एवं स्नातकोत्तर वर्ग की छात्राओं के लिए विभिन्न संस्कृत स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक २४.०२.२०१७ को यज्ञ के प्रायोगिक पक्ष के अवलोकन एवं ज्ञानार्जन हेतु महाविद्यालय की २७ छात्राओं को ज्ञान-प्रवाह ले जाया गया।
- २ अप्रैल, २०१६ को महाराजा बलवंत सिंह स्नातकोत्तार महाविद्यालय, राजातालाब, वाराणसी में डॉ. चन्द्रकान्ता राय द्वारा ''संस्कृत अध्ययन की अपेक्षा'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- १४ जून, २०१६ को श्रीभारतधर्म महामण्डल के ११६ वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में डॉ. चन्द्रकान्ता राय द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- ज्ञान प्रवाह शोध केन्द्र वाराणसी द्वारा डॉ. चन्द्रकान्ता राय को शैक्षिक समिति के रूप में नामित किया गया।

हिन्दी विभाग

- दिनांक १६.०९.२०१६ को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस तथा त्रिलोचन शताब्दी वर्ष के अवसर पर एकल व्याख्यान डॉ. सत्यपाल शर्मा का.हि.वि.वि. का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

- दिनांक २४.०९.२०१६ को विभाग द्वारा श्री शिवप्रसाद मिश्र, 'रुद्र काशिकेय के १०५ वीं जयंती के उपलक्ष्य में' रूद्र काशिकेय की रचनाधर्मिता एवं काशी की संस्कृति' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, अन्य विशिष्ट वक्ताओं में प्रो. राजेश्वर आचार्य, पूर्व अध्यक्ष, संगीत एवं ललित कला विभाग, दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, प्रो. श्रीनिवास पाण्डेय, का.हि.वि.वि., डॉ. जितेन्द्रनाथ मिश्र, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी, प्रो. श्रद्धानन्द, पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, प्रो. विद्योत्तमा मिश्रा, का.हि.वि.वि. के साथ अन्य साहित्यकार भी उपस्थित थे।
- दिनांक ३०.०३.२०१७ को नेहरू युवा केन्द्र एवं आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के संयुक्त तत्त्वावधान में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक २४.०४.२०१७ को विभाग द्वारा 'प्रथम रश्मि' काव्यपाठ का आयोजन किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक ६ अप्रैल, २०१७ को डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज में आयोजित नवांकुर काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन किया गया।
- १८ नवम्बर २०१६ को कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र, बसंत कॉलेज फॉर वुमेन द्वारा "ए होजिस्टीक एप्रोच ऑफ लाइफ: एक्सप्लोरिंग द व्यू ऑफ जे कृष्णमूर्ती एण्ड अदर सोसल थिंकर्स" विषय पर आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशाला में डॉ. बृजबाला सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनाक १-२ मार्च, २०१७ को बसंत कॉलेज फॉर वुमेन में 'मुक्तिबोध की मुक्तिकामी चेतना और उनका रचनात्मक संघर्ष' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. बृजबाला सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. बृजबाला सिंह द्वारा १ अगस्त २०१६ को पंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध संस्थान एवं संस्कृत विभाग उ.प्र. के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित चित्र प्रदर्शनी में ''मुंशी प्रेमचन्द की कहानियों में दलित'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी को ''महिला शिक्षा क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए १३ फरवरी, २०१७ को शास्त्रार्थ महाविद्यालय, दशाश्वमेध वाराणसी द्वारा 'शिक्षा प्रज्ञाता' सम्मान से सम्मानित किया गया।
- दिनांक १-२ मार्च, २०१७ को वसंता कॉलेज फॉर वुमेन में 'मुक्तिबोध की मुक्तिकामी चेतना और उनका रचनात्मक संघर्ष' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक ०५.१२.२०१६ को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के निर्वाण दिवस पर सनातन धर्म इण्टर कॉलेज में बाबा भीमराव अम्बेडकर एवं समरसता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक १७ सितम्बर, २०१६ को गोपी राधा इण्टर कॉलेज तथा प्रगति पब्लिक स्कूल में हिन्दी भाषा दशा एवं दिशा विषय पर डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग ने दिनांक १५.०५.२०१७ से ११.०६.२०१७ तक एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, बी.एच.यू. में आयोजित ओरिएन्टेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

दर्शनशास्त्र विभाग

- दिनांक ८.११.२०१६ को दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा अन्तरराष्ट्रीय दर्शन दिवस के अवसर पर गाँधी विषयकी प्रासंगिकता विषय पर प्रो. श्री प्रकाश पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन एवं धर्म विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- दिनांक १४.०२.२०१६ को आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् के स्थापना दिवस पर दर्शन विभाग की वार्षिक पत्रिका ''विमर्श'' का विमोचन किया गया।
- दिनांक २६.०३.२०१७ को एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त सारनाथ ले जाया गया।
- डॉ. अनामिका सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा ०१.०४.२०१७ को श्रावस्ती में पालि साहित्य में बुद्ध के वैश्विक उपदेश पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया गया।
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान के लिए अनुदानित अनुदान से दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा प्रथम व्याख्यान दिनांक २३.०२.२०१७ को 'आधुनिक युग के लिए समग्र जीवन दृष्टि' विषय पर तथा द्वितीय व्याख्यान माला का आयोजन दिनांक २८.०२.२०१७ को 'फिलॉस्फी ऑफ साइंस' विषय पर आयोजित किया गया।

बंगला विभाग

- दिनांक ३०.०८.२०१६ को श्री रामचन्द्र मिशन (एससीआरएम) तथा यूनाइटेड नेशन इनफार्मेशन सेंटर फॉर इंडिया और भूटान (यूसीक) के संयुक्त तत्त्ववावधान में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में बांग्ला विभाग द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ अन्य विद्यालय तथा महाविद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।
- दिनांक ११.०९.२०१६ को 'बंगीय साहित्य समाज' द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के बांग्ला विभाग की छात्राओं ने भाग लिया।
- दिनांक २३.१०.२०१७ को बांग्ला विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती का आयोजन किया गया।

- दिनांक २१.०२.२०१७ को बांग्ला विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया, इस अवसर पर छात्राओं के निमित्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।
- दिनांक २५.०२.२०१७ को अरबिन्दो सोसायटी तथा बांग्ला विभाग के संयुक्त तत्वावधाान में दो दिवसीय 'युवा कैम्प' का आयोजन किया गया।

अंगेजी विभाग

- दिनांक २८.०८.२०१६ को प्रो. मायाशंकर पाण्डेय, अंग्रेजी विभाग, का.हि.वि.वि. के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

- दिनांक १५.१०.२०१६ को प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

संगीत विभाग (वादन)

- दिनांक ४-६ अक्टूबर, २०१६ को वाद्य संगीत विभाग द्वारा त्रिदिवसीय सांगीतिक कार्यशाला एवं संगोष्ठी 'तंत्रीनाद' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. पुष्पा वसु, (पूर्व विभागाध्यक्ष, वाद्य संगीत विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक २५ फरवरी, से ३ मार्च, २०१७ तक संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सप्तदिवसीय ''उत्तर भारतीय संगीत की तकनीक एवं बारीकियों पर राष्ट्रीय अन्त:विषयी कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय की छात्राएँ कु. दानिया आलम, कु. प्रीति सिंह, मनीषा कुमारी, रीतू कुमारी, पुष्पा कुमारी आदि ने सहभागिता की।
- स्वाधीनता दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा ''गुलिस्ता हमारा'' नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति की गई।
- दिनांक ०६.०९.२०१६ को ''तीज महोत्सव'' के अवसर पर विभाग की छात्राओं द्वारा 'शिव-पार्वती विवाह' नामक नृत्य-नाटिका का मंचन किया गया।
- दिनांक ८-९ फरवरी, २०१७ को महाविद्यालय में आयोजित ''मेधा सांस्कृतिक संकुल'' (युवा महोत्सव) में कु. दानिया आलम ने सितार वादन में प्रथम स्थान, कु. विशाखा गुप्ता ने द्वितीय स्थान, कु. मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इलोक्यूशन प्रतियोगिता में कु. सुदीक्षा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक ०१.०२.२०१७ को वसंत पंचमी के अवसर पर 'वृन्दावन' की मनोरम प्रस्तुति की गयी।
- दिनांक ७ अप्रैल २०१७ को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस एवं भारतरत्न पं. रविशंकर की जयंती के अवसर पर वाद्य संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा स्वास्थ्य संबंधी पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- वर्ष २०१६ से वाद्य संगीत विभाग द्वारा 'ठाकुर राजभान सिंह स्मृति पुरस्कार' वाद्य संगीत में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए प्रारम्भ किया गया।
- संगीत प्रकल्प द्वारा अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित दस दिवसीय सम्प्रक आयोजन में विभाग की आसिस्टेंट प्रो. अनामिका दीक्षित द्वारा सितार वादन की प्रस्तुति की गयी।

संगीत विभाग (गायन)

- दिनांक १६ फरवरी २०१७ को संगीत गायन विभाग द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गृहविज्ञान विभाग

- दिनांक १७.०८.२०१६ को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक ८ नवम्बर २०१६ को मेन्स्ट्रल एण्ड यूटीआई इन्फेक्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक ३ अप्रैल २०१७ को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' विषय पर गृह विज्ञान विभाग एवं लायन्स क्लब, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गयी।

अर्थशास्त्र विभाग

- महाविद्यालय की अर्थशास्त्र ऑनर्स की छात्रा ऐश्वर्या पाण्डेय द्वारा यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अन्तर्गत रूस (मास्को) का भ्रमण किया गया।

समाजशास्त्र विभाग

- दिनांक २९.०९.२०१६ को 'देवा' अन्तर्राष्ट्रीय संस्था एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कम्यूनिटी डवलपमेंट प्रोग्राम का अयोजन किया गया।
- डॉ. मनीष तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग द्वारा एम.बी.एस.पी.जी. कॉलेज, गंगापुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कल्चरल कॉनसेक्यून्शेस ऑफ ग्लोवलाइजेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक ०७.०९.२०१६ को पर्सनालिटी डवलपमेंट एण्ड केरियर बिल्डिंग विषय पर आयुर्वेद संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में डॉ. मनीष तिवारी द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक २७-२८ मार्च २०१७ को श्रीरामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट द्वारा रूरल रिकॉन्सट्रक्शन एण्ड डवलपमेंट स्कीम: इम्पेक्ट एण्ड इवेलूएशन विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक २७.०१.२०१७ एवं २८.०१.२०१७ को विभाग द्वारा नेशनल कमिशन फॉर वूमेन द्वारा अनुदानित अनुदान के सहयोग से 'वूमेन एण्ड इन्वायरमेंटल सस्टेनविलिटी' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
- दिनांक २७.०२.२०१७ से ०४.०३.२०१७ तक छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त आगरा और दिल्ली ले जाया गया।

इतिहास विभाग

- इतिहास विभाग द्वारा दिनांक ०८.०४.२०१७ को 'सामाजिक कार्य एवं राष्ट्रवाद' विषय पर डॉ. राजीव श्रीवास्तव, इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक १४.०४.२०१७ को इतिहास विभाग द्वारा एम.ए. की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण हेतु ऐतिहासिक स्थल सीतामढ़ी, गोपीगंज, हनुमान गुफा आदि ले जाया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- दिनांक २ सितम्बर २०१६ को मनोविज्ञान विभाग एवं वाराणसी आई बैंक के संयुक्त तत्तवावधान में 'नेत्र सुरक्षा एवं जागरूकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- १० सितम्बर २०१६ को एम.ए. प्रथम, द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं के निमित्त पोस्टर मेकिंग एवं स्पीच कम्पटीशन का आयोजन किया गया।
- दिनांक ५ अक्टूबर २०१६ को मेन्टल हेल्थ डे के अवसर पर मेल्टल हेल्थ अवेयरनेश विषय पर डॉ. पूर्णिमा अवस्थी, एसोसिएट प्रो. मनोविज्ञान विभाग का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- ३१ जनवरी २०१७ को 'अप्लिकेशन ऑफ इंकब्लॉट टेस्ट इन पर्सनालिटी एसेसमेंट विषय पर एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया गया।
- १८ मार्च २०१७ को स्ट्रेस एण्ड कॉपिंग विषय पर प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि. के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- ३१ मार्च २०१७ को 'क्रास कल्चरल इसू इन रिसर्च' विषय पर डॉ. उर्मिला रानी श्री, एसोसिएट प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि. के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग

- दिनांक २३.०८.२०१६ को वाणिज्य विभाग एवं कैरियर लांचर के संयुक्त तत्वावधान में क्विज़ कम्पटीशन का आयोजन किया गया।
- दिनांक २३.०८.२०१६ को वाणिज्य विभाग एवं भारत सरकार द्वारा चयनित स्वच्छ भारत अभियान के सदस्यों द्वारा सम्मिलित रूप से छात्राओं की सक्रियता स्वच्छता के प्रति बढ़ाने के उद्देश्य से 'स्वच्छता के सिपाही' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक २७.०९.२०१६ को जयपुरिया इस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्तवावधान में क्विज़ कम्पटीशन का आयोजन किया गया।
- दिनांक १ मार्च, २०१७ को इम्पोंटेंश ऑफ फाइनेंसियल मार्केट इन रियल लाइफ विषय पर संदीप चटर्जी (सेगा ट्रेनर) के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०८ अप्रैल २०१७ को शैक्षणिक भ्रमण के तहत पारले एण्ड थरमोकोल फैक्टरी, रामनगर, ले जाया गया।

बी.एड. विभाग

- ११ नवम्बर, २०१६ 'राष्ट्रीय शिक्षा' दिवस के अवसर पर '२१वीं सदी में स्त्री शिक्षा' विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- २ अक्टूबर, २०१६ को गाँधी जयन्ती के अवसर पर रिलेवेन्ट ऑफ गांधीजी आइडियल इन द प्रेजेन्ट रिलेवेन्स सेनेरियो विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक २५-२७ अक्टूबर, २०१६ को स्किल डवलपमेंट एण्ड केरियर अपच्युनिटीज विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- २८ जनवरी, २०१७ को बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त जयापुर ले जाया गया।
- दिनांक २३-२५ जनवरी २०१७ को बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा फर्स्ट एड प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
- •कैम्पस प्लेसमेंट ऑफ स्टूडेंट्स' आकांक्षा सिंह, दीक्षा श्रीवास्तव, निशाख खानम, सविता यादव, जयश्री गुप्ता।

बौद्ध अध्ययन केन्द्र

- दिनांक ०८.०८.२०१६ से दिनांक १४.०८.२०१६ तक बौद्ध अध्ययन केन्द्र द्वारा सप्तदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक १४ मई २०१६ को महावीर जयंती समारोह मनाया गया।
- दिनांक १४ अप्रैल २०१६ को डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जयंती समारोह सम्पन्न हुआ।
- २ अक्टूबर २०१६ को महात्मा गाँधी जयन्ती समारोह का आयोजन हुआ।
- २ अप्रैल २०१६ को सम्राट अशोक का जयंती समारोह सम्पन्न हुआ।
- १७ सितम्बर २०१६ को धर्मपाल का जयंती समारोह मनाया गया।
- महाविद्यालय मे संचालित बौद्ध अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत दिनांक २६.०९.२०१६ से दिनांक ०२.१०.२०१६ तक सात दिवसीय 'विपश्यना' अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. गीता सिंह के निर्देशन में २०११-१२ से संचालित साफ्ट स्किल पाठ्यक्रम जिसमें योगा, सितार वादन एवं गायन सम्मिलित है।

रिमिडियल पाठ्यक्रम: हिन्दी अंग्रेजी एवं संस्कृत की तथा एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. (क्रिमीलेयर के अधीनस्थ) वर्ग की छात्राओं के लिए यू.जी.सी. की ११वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत उपचार-कक्षाओं का संचालन किया जाता है जिनमें छात्राओं को विषय का आधारभूत ज्ञान कराने पर बल दिया जाता है। ये कक्षाएँ सामान्यत: सप्ताह में ०२ दिन संचालित होती हैं।

अभिभावक शिक्षक समागम समारोह: महाविद्यालय के सभी विभागों द्वारा अभिभावक-शिक्षक समागम का आयोजन कर परस्पर संवाद के माध्यम से छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर विचार-विमर्श

किया गया तथा फीड बेक फार्म द्वारा महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों के साथ-२ शिक्षकों की गुणवत्ता का भी आकलन कर निरन्तर सुधार के प्रयास किये गये हैं।

इग्नू: इग्नू सेन्टर महाविद्यालय में दिनांक ११.०८.२०११ को प्रारम्भ हुआ इसके अन्तर्गत ०९ विषय संचालित किये जाते हैं विभिन्न विषयों के अन्तर्गत इस वर्ष २५८ छात्राओं का पंजीकरण किया गया है।

जागृति सेन्टर: महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जागृति सेन्टर कार्यरत है जिसमें समय-२ पर छात्राओं की काउन्सलिंग कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है।

अन्त:संरचना सुविधा

महाविद्यालय में चार प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें ०१ मनोविज्ञान विभाग में, ०३ गृह विज्ञान विभाग में (फूड एवं न्यूट्रीशियन, टेक्सटाइल एण्ड क्लाथिंग, होम मैनेजमेंट एक्टेंशन एजुकेशन) तथा ०१ प्रशिक्षण विभाग में है।

महाविद्यालय में एक आडिटोरियम (हॉल), स्टेज, खेल का मैदान, पुस्तक एवं पठन-पाठन सामग्री केन्द्र, छायाप्रति-सुविधा एवं जलपान गृह की सुविधा है। कम्प्यूटर प्रयोगशाला में ४० कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा से युक्त है। प्रोजेक्टर के माध्यम से प्राध्यापिकाओं को व्याख्यान आयोजित कराने के लिए, पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण तथा अन्य दृश्य-श्रव्य उपकरणों की सुविधाएँ इस महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की अन्य सुविधाओं के अन्तर्गत छात्राओं के लिए चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है जिसमें सप्ताह में ०२ दिन छात्राओं के सामान्य चिकित्सीय परीक्षण के लिए योग्य चिकित्सक नियुक्त है। जिसमें नि:शुल्क दवा का वितरण होता है।

२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय

गंगा और वरुणा के सुरम्य संगम पर स्थित वसन्त महिला महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी डॉ. एनी बेसेन्ट, श्री जे. कृष्णमूर्ति तथा भारत रत्न, पंडित मदन मोहन मालवीय जी के आदर्शों एवं विचारों को आधार बनाकर निरन्तर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य मानवतावादी विचार और मूल्य परक शिक्षा को बढ़ावा देना है ताकि विद्यार्थियों को विषय के साथ-साथ सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों का भी ज्ञान हो सके। महाविद्यालय में कला, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य विभाग के विषयों का अध्यापन साहित्य, संगीत एवं संस्कृति के आलोक में कराया जाता है। महाविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य छात्राओं के मानस पटल को बहुआयामी बनाना है जिससे कि वे आने वाले दिनों में जीवन की नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकें तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से करते हुए समाज के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

वसन्त महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत है एवं महाविद्यालय का संचालन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एकेडमिक कैलेण्डर के अनुसार होता है: स्नातक: हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, गृह विज्ञान, दर्शनशास्त्र, भूगोल, संगीत (गायन/वादन), चित्रकला, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मनोविज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा शास्त्र परास्नातक: हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान शोध: हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम: ट्रेवेल एवं टूरिज्म मैनेजमेण्ट, पत्रकारिता, मॉस कम्यूनिकेशन्स। महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम ९६ प्रतिशत से १०० प्रतिशत रहा।

एम.एड. पाठ्यक्रम की मान्यता: राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, जयपुर ने महाविद्यालय में सत्र २०१७-१८ से शिक्षा शास्त्र में परास्नातक पाठ्यक्रम (५० सीट) के संचालन हेतु मान्यता प्रदान कर दी है। महिलाओं में गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में यह महाविद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

शैक्षणिक सहयोग: महाविद्यालय ने स्नातक एवं परस्नातक स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा देने, सहयोगपूर्ण शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान प्रदान हेतु डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, आर्य महिला पी.जी. कॉलेज और सोसायटी फॉर हायर एजुकेशन एण्ड प्रेक्टिकल एप्लिकेशन (सेपा), वाराणसी के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी

- १-२ मार्च २०१७: हिन्दी विभाग द्वारा यू.जी.सी. प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्तिबोध की मुक्तिकामी चेतना और उनका रचनात्मक संघर्ष' का आयोजन किया गया। सम्मेलन के प्रमुख

अतिथि प्रो० हेतु भारद्वाज, प्रसिद्ध साहित्यकार, जयपुर, डॉ. प्रणय कृष्ण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. सूर्य बहादुर थापा,लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो. कुमार पंकज, बीएचयू, प्रो. सदानन्द साही, बीएचयू, प्रो. बलिराज पाण्डेय, बीएचयू, प्रो. चन्द्रकला त्रिपाठी, बीएचयू एवं सुविख्यात कवि नरेश सक्सेना इत्यादि थे।

- २५ मार्च २०१७: वसन्त महिला महाविद्यालय द्वारा मातृभूति जन सेवा संस्थान, वाराणसी के सहयोग से 'गंगा का महत्व, संरक्षण व चुनौतियां' विषयक एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य वक्ता प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रितु गर्ग थीं।
- १ अप्रैल २०१७: संगीत विभाग द्वारा 'पश्चिमी संगीत' विषय एक दिवसीय कार्यशाला का अयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. गुनॅल होमग्रेन, कार्लस्टाड विश्वविद्यालय, स्वीडन थीं।

जे. कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र: यह केन्द्र, श्री जे. कृष्णमूर्ति पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित भारत का प्रथम एकमात्र केन्द्र है। इस सत्र में केन्द्र ने श्री जे. कृष्णमूर्ति पर तीन माह के प्रमाण पत्र कोर्स का संचालन (१ सितम्बर २०१६), कृष्णमूर्ति एवं लर्निंग माइण्ड विषयक एक दिवसीय कार्यशाला (२१-२२ अक्टूबर २०१६), जीवन के समग्र दृष्टिकोण: जे कृष्णमूर्ति एवं अन्य सामाजिक विचारकों के विचारों की खोज विषयक यू.जी.सी. प्रायोजित सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (१५-२१ नवम्बर २०१६) एवं सत्य की खोज विषयक नौ दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (२८ दिसम्बर २०१६) का आयोजन किया।

उपलब्धियाँ

शोध पत्रिका: सत्र २०१५-१६ से दर्शन विभाग द्वारा जर्नल ऑफ दर्शन नामक अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। दिसम्बर २०१६ में इसके तृतीय एवं चतुर्थ अंक का प्रकाशन किया गया है।

१२वीं पंचवर्षीय योजना के तहत खरीदे गए उपकरण: महाविद्यालय ने १२वीं पंचवर्षीय योजना के तहत लगभग १० लाख रूपये से अधिक मूल्य के उपकरण खरीदे। जिनमें चार प्रोजेक्टर, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली एवं स्पीकर, कम्प्यूटर, सिलाई मशीन तथा नाप-तौल मशीन एवं प्रयोगशाला में प्रयुक्त होने वाले विशेष उपकरण इत्यादि सम्मिलित हैं।

रेमिडियल/प्रतियोगिता परक परीक्षा/नेट कोचिंग कक्षाएं: सत्र २०१५-१६ से महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योजना के तहत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक छात्राओं हेतु प्रतियोगिता परक परीक्षाओं जैसे नेट, स्लेट, एवं पी.सी.एस. आदि हेतु रेमेडियल कोचिंग का संचालन कर रहा है। इस योजना के तहत वर्तमान सत्र में एक हजार किताबें, चार मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, छ: विद्युत संचालित स्क्रीन तथा दो कम्प्यूटर खरीदे गए।

छात्रवृत्ति: गरीब, होनहार एवं जरूरतमन्द विद्यार्थियों की सहायता हेतु महाविद्यालय सरकारी छात्रवृत्ति के अतिरिक्त अच्युत पटवर्द्धन छात्रवृत्ति, प्रेमा श्रीनिवासन छात्रवृत्ति, बी.एड. मेधावी छात्रवृत्ति एवं पी. शंकर राव छात्रवृत्ति (संगीत विभाग की छात्राओं हेतु) प्रदान करता रहा है।

इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में महाविद्यालय के ३८ जरूरतमंद मेधावी विधार्थियों को महाविद्यालय निधि से वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।

छात्रपरक गतिविधियाँ : (९-२३ अगस्त २०१७) 'आजादी - ७०: जरा याद करो कुर्बानी' विषयक कार्यक्रमों, (६ सितम्बर २०१६) संपर्क कौशल एवं भाषा विषयक दो दिवसीय कार्यशाला, (१६ सितम्बर २०१६): कामर्स में कैरियर विषयक सम्मेलन, (२४ सितम्बर २०१६) भारत की विरासत विषय पर ज्ञान प्रवाह, वाराणसी द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, (१७-१८ अक्टूबर २०१६) बेसिक काउन्सिलिंग स्किल विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला, (२६ अक्टूबर २०१६) शेक्सपीयर इन परफामेंस विषयक नाट्य प्रतियोगिता, (५ एवं ७ नवम्बर २०१६) सतर्कता जागरूकता सप्ताह' प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों, (७ नवम्बर २०१७) ए.डी. श्राफ मेमोरियल वक्तृत्व कला प्रतियोगिता, (१२ जनवरी २०१७) स्वामी विवेकानंद पर व्याख्यान, (१९ जनवरी २०१७) अन्तर- महाविद्यालयी प्रतियोगिता 'आरम्भ २०१७' में छात्राओं ने भाग लिया, (२८-३१ जनवरी २०१७), कौशल विकास पर कार्यशाला, (०२-०३ फरवरी २०१७) टेलरिंग एवं सिलाई विषयक कार्यशाला, (०५ फरवरी २०१७) विविधा: अन्तर-महाविद्यालयी युवा महोत्सव २०१७ में छात्राओं ने भाग लिया, (६ फरवरी २०१७) : टी.वी. चैनल 'सहारा समय' द्वारा छात्राओं से वार्तालाप, (८-१३ फरवरी २०१७) महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'झंकार -२०१७' का आयोजन, (११ फरवरी २०१७) 'स्वच्छता ऐप डाउनलोड कार्यक्रम' (१५ फरवरी २०१७) छात्राओं द्वारा 'नवसाधना केन्द्र, वाराणसी' में गीत, संगीत व वीडियो रिकार्डिंग का अनुभव, (१८ फरवरी २०१७) अन्तर-महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्राओं ने भाग लिया (१९ फरवरी २०१७) छात्राओं ने ''व्यापारिक शिक्षा का अनुभव व वास्तविकता'' विषयक शिक्षा समागम २०१६-१७ में भाग लिया।, (२० फरवरी २०१७) क्रैक्कैट योग्यता परीक्षा का आयोजन, (२१ फरवरी २०१७) मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन, (९ मार्च २०१७) पुर्तगाल के विजुअल आर्टिस्ट श्री फिलिप गार्सिया द्वारा कला प्रदर्शन, (१८ मार्च २०१७) उत्तर प्रदेश चुनाव: विभिन्न पहलू विषयक सम्मेलन, (२६-३० मार्च २०१७) अन्तर संकाय युवा महोत्सव, स्पन्दन-२०१७ में छात्राओं ने भाग लिया, (४ अप्रैल २०१७) समकालीन सिद्धान्त एवं साहित्य विषयक वार्तालाप कार्यक्रम।

२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय

महान द्रष्टा एनी बेसेण्ट के शिक्षा सिद्धान्तों पर स्थापित तथा सुरम्य प्राकृतिक परिवेश के बीच थियोसॉफिकल सोसायटी भारतीय शाखा कमच्छा परिसर में स्थित वसन्त कन्या महाविद्यालय विगत ६० वर्षों से महिला शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका का निर्वाह कर रहा है। नैक के द्वितीय चक्र के पुनर्प्रत्यायन हेतु नैक के विशिष्ट त्रिसदस्यीय दल ने १० और ११ अप्रैल २०१७ को महाविद्यालय का निरीक्षण किया और महाविद्यालय को 'ए' श्रेणी प्रदान की। सन् १९५४ में स्थापित यह महान महाविद्यालय 'शिक्षा ही सेवा है' के आदर्श को ग्रहण कर छात्राओं के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के साथ ही उन्हें अनुशासित रहने व मानवीय मूल्यों के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित करने की ओर भी सचेष्ट रखता है। यहाँ स्नातक स्तर पर कला व सामाजिक-विज्ञान वर्ग के १४ विषयों तथा परास्नातक स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान-इन पाँच विषयों के पाठ्यक्रम संचालित होते हैं तथा इन विषयों में छात्राएँ शोध-कार्य करते हुए शोध उपाधि हेतु भी संलग्न हैं। अन्तर्सांकायिक शोध-अध्ययनों के द्वारा शिक्षण-कार्य को उत्तरोत्तर विकास पथ पर अग्रसारित करते हुए यह महाविद्यालय महिला शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं को मील का पत्थर सिद्ध किये हुए है।

''नैक'' परिभ्रमण

''नैक'' के विशिष्ट दल ने १० और ११ अप्रैल २०१७ को द्वितीय चक्र के पुनर्प्रत्यायन के लिए महाविद्यालय का निरीक्षण किया और महाविद्यालय को 'ए' श्रेणी प्रदान की।

छात्रवृत्तियाँ, पदक और पारितोषिक

प्रतिवर्ष महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं एवं पुरातन शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियाँ/गोल्ड मेडल तथा पुरस्कार मेधावी छात्राओं को प्रदान किये जाते हैं। वर्तमान वर्ष में महाविद्यालय की ३१ छात्राओं को पुरस्कार एवं छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गयीं।

वर्तमान सत्र में छात्राओं द्वारा प्राप्त स्वर्ण पदक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ९९वें दीक्षान्त समारोह में १६ जनवरी २०१७ को वसन्त कन्या महाविद्यालय की निम्न छात्राओं ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया-

- सुप्रिया मिश्रा को हिन्दी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए
- नेहा वर्मा को अंग्रजी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु
- स्वाति यादव को संस्कृत में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने निमित्त

महाविद्यालय वार्षिक पत्रिका ''वसन्तश्री''

महाविद्यालय छात्राओं के साहित्य सृजन संबधी प्रतिभा के विकास के दायित्व निर्वाह क्रम में ''वसन्तश्री'' शीर्षक एक पत्रिका प्रति वर्ष प्रकाशित करता है, जो छात्राओं की सृजनात्मक योग्यता की अभिव्यक्ति का दर्पण है। इसके अतिरिक्त छात्राओं को महाविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगे सूचना-पट्ट पर रोचक विषयों से जुडी. विविध जानकारी को प्रतिदिन लिखकर प्रदर्शित करने के लिए भी प्रोत्साहित

किया जाता है। यह प्रक्रिया छात्राओं के लिए त्वरित रूप से निर्मित भित्ति-पत्रिका के रूप में सहयोगी है।

वर्तमान सत्र में ''वसन्तश्री'' का ३२वाँ संस्करण प्रकाशित हुआ। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी छात्राओं की इसमें महत्त्वपूर्ण सहभागिता रही। इसमें छात्राओं के कुल ६५ आलेखों में २० लेख व ४५ कविताएँ सम्मिलित हैं।

व्याख्यान

विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ और परिभ्रमण संम्पन्न हुए जिनमें स्नातक और परास्नातक स्तर की छात्राओं ने हिस्सा लेकर समसामयिक विषयों के प्रति सचेत होते हुये उनसे प्राप्त ज्ञान से स्वयं को लाभान्वित भी किया।

- **सचेत चयन की कला**'' विषय पर २०.१०.२०१६ को प्रोफेसर आर.सी. तम्पी, सदस्य, थिओसॉफिकल सोसाइटी, का व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग

इस विभाग में बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए शैक्षणिक और सहशैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ विषय से संबधित एक वृत्त चित्र का भी प्रदर्शन किया गया जिस पर अन्तर्अनुशासनिक विमर्श द्वारा छात्राओं के ज्ञान का संवर्धन किया गया।

- बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने दिनांक १५.०२.१७ को ''भक्ति: एक श्रामणिक अध्ययन'' विषय पर प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुए व्याख्यान में सहभागिता की, जिसमें मुख्य वक्ता थे प्रोफेसर जयमाल राय।
- छात्राओं ने दिनांक ०६.०३.१७ को ''प्रशासनिक पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन'' विषय पर हुई सामूहिक चर्चा में सहभागिता की।
- बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने दिनांक १६.०२.१७ को सारनाथ में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जिसका विषय था ''विरासत के प्रति जागरुकता''।

अंग्रेजी विभाग

- भारतीय और पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन'' विषय पर १४.०९.२०१६ को प्रो. आर.एन.राय का व्याख्यान।
- अमेरिका के साहित्यिक सिद्धान्त'' विषय पर १५.०९.२०१६ को प्रो. संजय कुमार का व्याख्यान।
- उत्तर आधुनिक साहित्यिक सिद्धान्त'' विषय पर २३.०१.२०१७ को प्रो. अनीता सिंह का व्याख्यान।

अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक २८.०२.२०१७ को ''साहित्य की प्रासंगिकता'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें ८० छात्राओं ने सहभागिता की तथा अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. बीना सिंह, डॉ. निहारिका लाल, डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. सुप्रिया सिंह तथा सुश्री पूर्णिमा निर्णायक मंडल के सदस्य थे। क्रार्यक्रम का संचालन सुश्री श्रीजा तिवारी ने किया।

अर्थशास्त्र विभाग

- काला धन: भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसका प्रभाव'' विषय पर १८.१०.२०१६ को डॉ. मयंक सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान हुआ।
- वस्तु सेवा कर'' विषय पर २५.०२.२०१७ को डॉ. आर.के.भट्ट, अर्थशास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित हुआ।
- विमुद्रीकरण'' विषय पर २८.०२.२०१७ को डॉ. पंकज सोनी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

गृहविज्ञान विभाग

- कुपोषण रहित भारत'' विषय पर ०७.०९.२०१६ को प्रोफेसर सी.पी.मिश्रा, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें १०० छात्राओं ने भागीदारी की।
- बुने वस्त्र का परीक्षण एवं गुणवत्ता नियन्त्रण'' विषय पर २१.१०.२०१६ को व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें आई.आई.सी.टी., भदोही के श्री बिमन रे मुख्य वक्ता थे। इसमें १८ छात्राओं ने भागीदारी की।
- बुने कपड़े की बुनावट का विश्लेषण'' विषय पर १५.११.२०१६ को व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें आई.आई.एच.टी., के श्री ओ.पी.मिश्रा मुख्य वक्ता थे।
- दिनांक ०३.०१.१७ तथा ०४.०१.२०१७ को ''रेखाचित्रीय रचना'' विषय पर एक प्रयोगात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता थे श्री वी.के.अग्रवाल, असिस्टेन्ट डायरेक्टर, एन.आइ.टी.ए.आर.ए.।

हिन्दी विभाग

- मुक्तिबोध की कविता'' विषय पर ०९.०२.२०१७ को प्रो. सदानन्द शाही, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें डॉ. आशा यादव ने अध्यक्षता की तथा डॉ. सपना भूषण, डॉ. शशिकला तथा डॉ. रेणु श्रीवास्तव के अतिरिक्त १२० छात्राएँ सहभागी हुईं।

इतिहास विभाग

- भारतीय पुनर्जागरण पर अंग्रेजी शासन का प्रभाव'' विषय पर ०४.०२.२०१७ को डॉ. ममता भटनागर, इतिहास विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- आज़ादी के पश्चात् भारतवर्ष में राष्ट्रवाद के बदलते परिदृश्य'' विषय पर ०३.०३.२०१७ को डॉ. राकेश पाण्डेय, इतिहास विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।

संगीत विभाग

- प्रचलित रागों का प्रयोग सहित व्याख्यान'' विषय पर प्रोफेसर वीरेन्द्र नाथ मिश्र, संकाय प्रमुख, संगीत एवं मंच संकाय का.हि.वि.वि. का प्रयोगात्मक व्याख्यान आयोजित किया गया।

रंजन कला विभाग

- रंजनकला का प्रदर्शन'' विषय से जुड़ा व्याख्यान २२.०२.१७ को रंजनकला विभाग में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य वक्ता थे श्री आनंद कुमार (दृश्यकला संकाय, का.हि.वि.वि.)।
- चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक २३.०२.२०१७ को किया गया जिसमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

राजनीतिशास्त्र विभाग

- राजनैतिक हिंसा का उदय: गाँधी की प्रासंगिता'' विषय पर ०४.०३.२०१७ को प्रो. सोनाली सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- चिरई गाँव ब्लाक के विशेष संदर्भ में ७३वाँ संशोधन'' विषय पर ३१.०३.२०१७ को डॉ. कुमुद रंजन, असोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र, वी.के.एम, का व्याख्यान आयोजित किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग

- न्याय वैशेषिक दर्शन में प्रमाण'' विषय पर १९.१०.२०१६ को डॉ. कमला पाण्डेय, अवकाश प्राप्त असोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत, वसन्त कन्या महाविद्यालय, का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- विवेकानन्द का व्यवहारिक वेदान्त'' विषय पर १७.०२.२०१७ को प्रोफेसर देवब्रत चौबे, सं.वि.ध.वि. संकाय, का.हि.वि.वि का व्याख्यान आयोजित किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- अतिरिक्त प्रक्रिया का प्रयोग'' विषय पर १७.०९.२०१६ को डॉ. त्रयम्बक तिवारी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- मनोविज्ञान में प्रयोगात्मक उपाय रचना'' विषय पर २६.१०.२०१६ को डॉ. तुषार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- मस्तिष्क में बिम्ब तकनीक'' विषय पर २६.१०.२०१६ को डॉ. योगेश आर्या, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- पुनर्वास मनोविज्ञान'' विषय पर २८.०२.२०१७ को डॉ. उषा रानी वर्मा, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- स्नायु सजातीय पुनर्वास''विषय पर ०७.०३.२०१७ को डॉ. जय कुमार रंजन का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- सकारात्मक मनोविज्ञान'' विषय पर २३.०३.२०१७ को प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।

विभाग की बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा एम.ए. प्रथम तथा द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने नैदानिक मनोविज्ञान (क्लीनिकल सायकोलॉजी) में चार सप्ताह के सावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्टर्नशीप) में सहभागिता की।

बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं एम.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने तीन से चार सप्ताह के ''चिकित्सकीय मनोविज्ञान'' शीर्षक सावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की। इसमें छात्राएँ मामला-अध्ययन (केस-हिस्ट्री), निदान-तकनीक और परामर्श-चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षित हुईं। इसके अन्तर्गत लखनऊ, वाराणसी, रांची और गुवाहाटी, इन चार शहरों से जुड़े मामले लिए गये।

संस्कृत विभाग

- संस्कृत साहित्य में छन्दोधारा'' विषय पर १५.०२.२०१७ को प्रोफेसर धनंजय कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, वैदिक दर्शन विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- भारतीय दर्शन में प्रमाण'' विषय पर १९.१०.२०१६ को डॉ. कमला पाण्डेय, अवकाश प्राप्त असोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत, वी.के.एम, का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- विभाग की छात्राओं ने दिनांक ०७.०९.२०१६ को आयोजित समूह-चर्चा में भाग लिया।
- विभाग की चार छात्राओं ने ज्ञान प्रवाह द्वारा आयोजित कालिदास श्लोक अन्त्याक्षरी'' में सहभागिता की।
- विभाग की दो छात्राओं ने संकट मोचन द्वारा आयोजित श्लोक पाठ प्रतियोगिता'' में भाग लिया।

समाजशास्त्र विभाग

- प्राचीनतावाद और साम्राज्यवाद'' विषय पर ०४.११.२०१६ को प्रोफेसर पी.एन.पाण्डेय, का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- भूमि सुधार'' विषय पर २८.०१.२०१७ को डॉ. इन्दू उपाध्याय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, वी.के.एम., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- भूमि सुधार मूल्यांकन'' विषय पर ३१.०१.२०१७ को डॉ. इन्दू उपाध्याय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, वी.के.एम., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- एस-आर. सिद्धान्त और सीखना'' विषय पर २१.०२.२०१७ को डॉ. सुधा श्रीवास्तव, असोसिएट प्रोफेसर, वी.के.एम., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- उत्तर आधुनिकता और इसके परिणाम'' विषय पर ०३.०३.२०१७ को प्रोफेसर ए.के. कौल, समाजशास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि, का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- आँकड़ों की तालिका और रेखाचित्रों द्वारा प्रस्तुति'' विषय पर ३१.०१.२०१७ को डॉ. विजय कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, वी.के.एम, का व्याख्यान आयोजित किया गया।

सहशैक्षिणक गतिविधियाँ

छात्र परामर्श एवं अनुशासन समिति

इस समिति ने छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया:

- दिसंबर २८-२९ २०१६ को आयोजित ''वाराणसी युवा संसद'' के आयोजन के अवसर पर कुमारी श्रीजा तिवारी, (बी.ए. द्वितीय वर्ष, अंग्रेजी ऑनर्स) ने सहभागिता की। वह ए.आई.पी.पी.एम.

समिति की सदस्य थी और प्रथम फाउण्डेशन, गैर सरकारी संगठन की प्रतिनिधि के रुप में ''सर्वोच्च प्रशंसा सम्मान'' से पुरस्कृत हुई। यह समारोह धीरेन्द्र महिला पी.जी कॉलेज में आयोजित हुआ था।

- दिनांक ०३.०३.२०१७ को महाविद्यालय में ''आज का अच्छा अनुभव, कल का स्वास्थ्य'' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित हुआ, वक्ता थी डॉ. गरिमा उपाध्याय, अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, व.क.म.। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं में स्वस्थ भोजन खाने की आदत का निर्माण करना था। डिब्बा बंद भोजन के विरुद्व जागरुकता उत्पन्न करने के प्रति यह एक सफल प्रयास था। इस व्याख्यान के अर्न्तगत किशोरावस्था में कुपोषण और स्वस्थ रहने के उपायों- इन दो भिन्न बिन्दुओं पर विशेष बल दिया गया तथा इसके द्वारा छात्राओं में पौष्टिक भोजन करने का अभ्यास विकसित कराते हुये उन्हें मोटापे को मापने की विधियों से भी अवगत कराया गया। इस व्याख्यान में कुल २०० छात्राओं ने सहभागिता की।
- दिनांक ०६.०३.२०१७ को ''नशे की लत और उसका दुष्प्रभाव'' विषयक व्याख्यान डॉ. कल्पना आन्नद, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, व.क.म. द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने बाज़ार में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की नशीली दवाइयों, नशे की लत के कारण और उसके बुरे प्रभाव तथा नशे से छुटकारे के उपायों पर भी अपने सुझाव दिये। इस व्याख्यान में २२५ छात्राओं ने सहभागिता की।
- दिनांक ०५.०२.२०१७ को ''सनबीम कॉलेज फॉर वुमेन'' द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालयीय युवा महोत्सव ''विविधा'' की कुल १२ प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की २५ छात्राओं ने प्रतिभागिता की, जिसमे कुमारी भाग्यश्री घोष, (बी.ए. तृतीय वर्ष, अंग्रजी ऑनर्स) ने ''एक्स्टेम्पोर और यूथ आइकन'' में प्रथम पुरस्कार, तथा नुक्कड़ नाटक, बिज़िनेस प्लान और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- दिनांक ०७.०२.२०१७ को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और जे.आइ.सी.ए. (गंगा परियोजना), नगर निगम, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में एक स्वच्छता कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, नगर आयुक्त श्री हरि प्रताप शाही, श्री सुनील जागी और नगर निगम समूह के अन्य सदस्यों ने छात्राओं को स्वच्छता के प्रचार प्रसार के लिए उत्साहित करते हुये ''स्वच्छता ऐप'' के संचालन के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर व.क.म. प्रबन्धक प्रो. सुशीला सिंह, प्राचार्या डॉ. रचना श्रीवास्तव तथा सभी शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थीं।

''ब्रह्मविद्या (थियोसॉफी) एक परिचय'' शीर्षक कार्यशाला

महाविद्यालय में यह कार्यशाला २०.०३.२०१७ को आयोजित हुई। इस विषय पर होने वाली तीन कार्यशालाओं की श्रृंखला की यह पहली कड़ी थी। अन्य दो कार्यशालाएँ अक्टूबर २०१७ तथा फरवरी २०१८ में होनी संकल्पित हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रचना श्रीवास्तव ने महाविद्यालय के युवा शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों व छात्राओं को ब्रह्मविद्या (थियोसॉफी) के सैद्धान्तिक पक्ष से अवगत कराने के उद्देश्य से इस कार्यशाला श्रृंखला के आयोजन की रुपरेखा तैयार की।

वर्तमान सत्र में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित ''कार्यशालाएँ'' निम्नलिखित हैं -

प्रा.भा.इति.सं.एवं पुरातत्व विभाग

- २१.१०.२०१६ को महाविद्यालय सभागार में इन्टैक द्वारा आयोजित ''विरासत के प्रति जागरूकता और स्वयं सेवा'' शीर्षक कार्यशाला में बी.ए. द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष की छात्राओं ने सहभागिता की।

गृह विज्ञान विभाग

- दिनांक ०८.०९.२०१६ को ''कमजोर छात्राओं के लिए कौशल समुन्नयन कार्यक्रम'' विषयक कार्यशाला आयोजित हुई।
- २८-२९.०९.२०१६ तक ''पटवा शैली व कतरन तकनीक द्वारा निर्मित सामग्रियों का विकास'' विषयक द्विदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई।
- नमूना ग्रेडिंग'' विषय पर २१.०१.२०१७ को एक कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें व्यावसायिक अध्ययन संस्थान इलाहाबाद की सुश्री रंजीता केशरी विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुई।
- दिनांक ११.०२.२०१७ को ''लोक कला'' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें मुख्य वक्ता थीं डॉ. सृष्टि पुरवार, आई.पी.जेड.एस. इलाहाबाद।
- दिनांक १७-१८ और दिनांक २४-२५ मार्च, २०१७ को ''टफेड विविंग'' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित हुई।

संगीत वादन विभाग

- दिनांक ३०.०३.२०१६ को ''सितार का ध्वनिशास्त्र'' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें मुख्य वक्ता थे श्री राधेश्याम शर्मा।
- दिनांक ०६.०४.२०१७ को ''विभागीय गतिविधियों से संबन्धित भित्ति चित्रों पर चर्चा'' विषयक कार्यशाला में मुख्य वक्ता थीं डॉ. मीनू पाठक असोसिएट प्रोफेसर व.क.म.।

समाजशास्त्र विभाग

- दिनांक ०३.०३.२०१७ को ''भारत में अपराध'' शीर्षक कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें डॉ. कल्पना आनन्द, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग व.क.म. मुख्य वक्ता थीं। इसमें ३५ छात्राओं ने सहभागिता की।

शैक्षणिक परिभ्रमण

- दिनांक १६.०२.२०१७ और दिनांक ०२.०२.२०१७ को प्रा.भा.इति.सं. एवं पुरा विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राएँ क्रमश: सारनाथ और गुरूधाम परिभ्रमण हेतु गईं।

- दिनांक २५.०१.२०१७ को हिन्दी विभाग की बी.ए. और एम.ए. की समस्त छात्राएं साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द के जन्मस्थान लमही ग्राम के परिदर्शन हेतु गईं।
- दिनांक २७.०२.२०१७ को गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं ने विमलचन्द्र घोष स्मारक मन्द बुद्धि छात्रों के विद्यालय का परिभ्रमण किया।
- इतिहास विभाग की बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राएँ परिभ्रमण हेतु सारनाथ गईं।
- दिनांक २८.०१.२०१७ को समाजशास्त्र की बी.ए. द्वितीय वर्ष और एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सार्क नामक गैर सरकारी संगठन का अवलोकन किया।
- दिनांक ०६.०२.२०१७ को रंजनकला विभाग की बी.ए. की छात्राएँ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के दृश्य कला संकाय के अवलोकन हेतु गईं।
- दिनांक १७.०९.२०१६ को मनोविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष एवं एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (डी.एल.डब्ल्यू) के परिदर्शन हेतु गईं।
- दिनांक १४.०२.२०१७ को मनोविज्ञान विभाग की एम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राएँ बैजनत्था वाराणसी स्थित शिशु-कल्याण की अन्तर्राष्ट्रीय संस्था ''देवा इन्टरनेशनल सोसाइटी फार चाइल्ड केयर'' के परिभ्रमण हेतु गईं।
- दिनांक १६.०२.२०१७ को मनोविज्ञान विभाग की एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राएँ और अर्थशास्त्र की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राएँ ''पारले जी कारखाना, रामनगर'' और ''प्रोपेल प्लास्टिक उद्योग, रामनगर'' के परिदर्शन हेतु गईं।
- राजनीति शास्त्र विभाग की बी.ए. की छात्राएं नारायणपुर एवं चिरई गाँव के परिदर्शन के लिए गईं तथा वहाँ उन्होंने ग्राम पंचायत और स्थानीय कार्य प्रणाली एवं उनके संगठन के विषय में जानकारी ली।
- दिनांक १८.०२.२०१७ को संस्कृत विभाग की बी.ए. की छात्राएँ ''ज्ञान-प्रवाह'' परिभ्रमण हेतु गईं।

२.३.४. दयानन्द महाविद्यालय (डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज)

बनारस नगर के मध्य काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विस्तार का विचार मूलत: पं. नारायण मिश्र का था, जो महामना के विश्वस्त अनुयायी थे तथा जिन्होंने वर्तमान डी.ए.वी. कॉलेज की नींव रखी। इस विचार को बाबू गौरी शंकर प्रसाद जी के आर्थिक निवेश से बल और जगन्नाथ प्रसाद ट्रस्ट के संरक्षकों से प्रेरणा मिली, जिन्होंने इस प्रभाव का एक वसीयतनामा रचा-'कर्ता धर्ता एवं संरक्षक १९३६ में लगभग एक लाख रूपया इस हेतु जमीन खरीदने में खर्च करेंगे तथा उससे भवन का निर्माण करेंगे और एक लाख रूपये का निवेश सरकारी जमाओं में करते रहेंगे जिसका प्रयोग संस्थान के संरक्षण एवं प्रबंधन में होगा।' वसीयत में यह भी था-'यह हमारी प्रबल इच्छा है की स्थापित संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होना चाहिए।'

१९३८ में एक इंटरमिडिएट कॉलेज के रूप में इसकी स्थापना हुई तथा जिसे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने मान्यता प्रदान की। १९४७ में विश्वविद्यालय ने इसे स्नातक का दर्जा प्रदान किया तथा १९५४ में यह विश्वविद्यालय से स्थायी रूप से संबद्ध हुआ। कला, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य संकायों में स्नातक के पाठ्यक्रम शुरू हुए।

सन् २००८ में विश्वविद्यालय ने चार विषयों - वाणिज्य, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और इतिहास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और शोध की संस्तुति प्रदान की। सत्र २०१०-११ में विश्वविद्यालय ने तीन और विषयों राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा अंग्रेजी एवं मनोविज्ञान में शोध की अनुमति प्रदान की। वर्तमान में महाविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल तथा मध्य प्रदेश से भी आये छात्रों के शैक्षिक उन्नयन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

महाविद्यालय को २०१७ में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा सर्वोच्च श्रेणी `A+' ग्रेड प्रदान किया गया। वर्तमान समय में महाविद्यालय द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन तीन संकायों के माध्यम से कर रही हैं वे हैं वाणिज्य, कला एवं सामाजिक विज्ञान।

प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यू.ई.टी., पी.ई.टी एवं सी.आर.इ.ए.टी.) के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों की परीक्षा आयोजित कर विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए छात्रों का चयन करती है। महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्रों की परीक्षा एवं आंकलन सम्बन्धित सभी नियमों का अनुपालन करती है।

उपलब्धियाँ एवं कार्यक्रम का विवरण

छात्र एवं छात्राओं में विषय के ज्ञान को बढ़ाने हेतु कॉलेज ने विषय के आधार पर क्वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह क्वेस्ट ०३ श्रेणियों (बहुविकल्पि प्रश्न, विस्तृतउत्तरी प्रश्न और क्विज़ सम्बन्धित प्रश्न एवं प्रजेन्टेशन) के आधार पर रहा। इस प्रतियोगिता में छात्रों में पुरस्कार एवं सम्मान पर आधारित थी जो कि छात्रों में विशेष रूचि जगाने वाली थी। जो कि निम्नलिखित है -

- ''कॉमक्वेस्ट-२०१७'' का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा १७-१८ मार्च, २०१७ तक किया गया।
- ''उर्दूक्वेस्ट-२०१७'' का आयोजन उर्दू विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २७ मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''लिट्रीरी क्विज़'' का आयोजन अंग्रेजी विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २० मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''इकोक्वेस्ट'' का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ०३ मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''दर्शनशास्त्र क्वेस्ट'' का आयोजन दर्शनशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २१ मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''संस्कृत क्वेस्ट'' का आयोजन संस्कृत विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २७ फरवरी, २०१७ को किया गया।
- ''हिन्दी क्वेस्ट'' का आयोजन हिन्दी विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २३ फरवरी, २०१७ को किया गया।
- ''प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व क्वेस्ट'' का आयोजन प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ०३ मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''हिस्टक्वेस्ट'' का आयोजन इतिहास विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा १८ फरवरी, २०१७ को किया गया।
- ''साईकोक्वेस्ट'' का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ०२ फरवरी, २०१७ को किया गया।
- ''पॉलिटिकल क्वेस्ट'' का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ३१ मार्च, २०१७ को किया गया।
- ''सोसियोक्वेस्ट'' का आयोजन समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २४ मार्च, २०१७ को किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ

- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार ''साइकोलॉजी ऑफ रिलीजन एण्ड कल्चर : इण्टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन यूटिलिटी ऑफ रिलीजन ऑफ वर्ल्ड'' का आयोजन, पॉलि विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के द्वारा ०६-०७ अप्रैल, २०१६ को किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार ''मंगल गीतों में प्रतिबिम्बित भारतीय समाज : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण'' का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य कला मंच और इनालको पेयर्स, फ्रांस के द्वारा ११ जून, २०१६ को किया गया।
- राष्ट्रीय कार्यशाला ''एस्थेटिक्स ऑफ रासा एण्ड ध्वनि: थ्यूरी एण्ड एप्लीकेशन'' का आयोजन, अंग्रेजी विभाग, डीएवी पीजी कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २०-२८ सितम्बर, २०१६ को किया गया।
- प्रो. राकेश रमन का विशेष व्याख्यान विषय 'पासिबिलिटि्ज ऑफ एम्पावरमेंट इन द फील्ड ऑफ द रिसर्च'' का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ०५ अक्टूबर, २०१६ को किया गया।
- राष्ट्रीय सेमिनार ''राष्ट्रीय आन्दोलन और सरदार बल्लभ भाई पटेल का राजनीतिक चिन्तन'' का आयोजन राजनीति विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के द्वारा ०४-१० नवम्बर, २०१६ को किया गया।
- राष्ट्रीय सेमिनार ''इम्पिरिकिल एण्ड एनालिटिकल एक्सपेक्ट्स ऑफ रिसर्च'' का आयोजन आई.क्यू.ए.सी. सेल एण्ड डिपार्टमेंट ऑफ ईकोनाक्सि, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा ०७-१६ नवम्बर, २०१६ को किया गया।
- राष्ट्रीन सम्मेलन ''साइकोलॉजी एण्ड टूडे: कन्टेम्पोरेरी इसूज एण्ड इण्टरवेन्शन्स'' आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली का आयोजन, मनोविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के द्वारा २६-२७ नवम्बर, २०१६ को किया गया।
- दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''स्टैटिस्टिकल टेक्निक्स एण्ड सॉफ्टवेयर टूल्स फॉर डाटा एनालाइसिस'' आयोजित, वाणिज्य विभाग एण्ड रिसर्च एसेसमेंट कमेटी, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा २०-३० जनवरी, २०१७ को किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार ''ग्लोबलाइजेशन : इट्स इम्पैक्ट ऑन इण्डियन वूमेन, सोसाइटी एण्ड कल्चर'' का आयोजन, इण्टरनेशनल सोसियोलॉजिकल एसोसिएशन-आर.सी. १४, इन्टरिम कांफ्रेंस, नई दिल्ली के द्वारा २६-२८ फरवरी, २०१७ को किया गया।
- राष्ट्रीय सेमिनार ''दिव्यांग चिल्ड्रेन: स्पेशल निड्स'' प आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली प्रायोजित एवं आयोजन, समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के द्वारा १८-१९ मार्च, २०१७ को किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार ''पॉली साहित्य में विश्व बन्धुत्व एवं शान्ति'' का आयोजन पॉली सोसाईटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी के द्वारा ३१ मार्च से ०१ अप्रैल, २०१७ को किया गया।

विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शोध सुविधाओं का विवरण

- विद्यार्थियों की सुविधा के लिए वाणिज्य, मनोविज्ञान एवं प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग में एक उत्तम प्रयोगशाला उपलब्ध है।

- वाणिज्य, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, अंग्रेजी प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व एवं हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों हेतु स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा।
- वर्चुअल क्लास रूम की सुविधा।
- सभी पी.जी. विभागों एवं पुस्तकालय में कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की सुविधा।
- इनफ्लिबनेट (ई-मैंगजिन एवं जर्नल्स) की सुविधा।
- पुस्तकालय में लगभग ४५,००० पुस्तकें तथा अनेक शोध एवं पाक्षिक पत्रिकायें मंगवायी जाती हैं।
- सभी विभागों में अच्छी विभागीय पुस्तकालय की सुविधा।
- अध्यापकों, शोध छात्रों एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अलग से बैठने की सुविधा पुस्तकालय में है।
- फोटोकॉपी की सुविधा।
- एल.सी.डी. प्रोजेक्टर की सुविधा।
- शोध छात्रों हेतु ई-लाइब्रेरी की सुविधा।
- महाविद्यालय शोधार्थियों के लिए अध्ययन अवकाश प्रदान करता है।

मेजर रिसर्च प्रोजेक्टः डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, हिन्दी विभाग, यू.जी.सी., नई दिल्ली।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तरसंकाय प्रतियोगिता

- बास्केटबॉल (मेन)
- फुटबॉल
- बैडमिंटन

डीएवी पीजी कॉलेज के १५ विद्यार्थियों ने इण्टर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में बी.एच.यू. के सदस्य के रूप में भाग लिया।

वाद-विवादः सभी विभागों द्वारा छात्रों के लिए 'क्वेस्ट' का आयोजन।

कैम्पस डेवलपमेंट

- महाविद्यालय ई-लाईब्रेरी में १९ कम्प्यूटर वाई-फाई सुविधा एवं बुक्स एण्ड प्रावर्टी बॉक्स आदि की व्यवस्था छात्रों के लिए की गयी।
- एक रीडिंग रूम विस्तारित किया गया एवं २०० छात्रों को बैठने के लिए एक नया रीडिंग रूम तैयार किया गया है।
- महाविद्यालय ने अपना सम्पूर्ण परिसर वाई-फाई (इण्टरनेट) सुविधा युक्त किया।

पुराने बिल्डिंग में नवीनीकरण/निर्माण

- नवीनीकरण के दौरान पुरानी बिल्डिंग की गैलरी स्पेस को टाईल्स के साथ सुसज्जित किया गया।
- दिव्यांग बच्चों की सुविधा हेतु एक अतिरिक्त शुल्क काउण्टर बनाया गया।
- कॉलेज कैण्टीन का नवीनीकरण एवं छात्रों को बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था की गयी।

नैक निरीक्षण समिति के द्वारा प्राचार्य को नैक रिपोर्ट सौंपते हुए

समापन बैठक में नैक उच्च समिति के सदस्य

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में भोजन तथा दवाओं का वितरण

महाविद्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण

अंग्रेजी विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

बीएचयू-एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी स्वच्छता एवं पर्यावरण के बारे में जागरुक करते हुए

३. अध्ययन के पाठ्यक्रमों की सूची २०१६-१७

विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शिक्षण हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं :

अ. पोस्ट डॉक्टोरल उपाधि

१. डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी.)
२. डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट्.)
३. डॉक्टर ऑफ लॉ (एलएल.डी.)

ब. शोध उपाधियाँ **न्यूनतम अवधि २-वर्ष**

१. डॉक्टर ऑफ फिलॉसॉफी (पीएच.डी.)
२. विद्यावारिधि

स. मास्टर ऑफ फिलॉसाफी

१. सबअल्टर्न स्टडीज़ में एम.फिल्.
२. संगीतशास्त्र में एम.फिल्.
३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास में एम.फिल्.

१. कला संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
शारीरिक शिक्षण स्नातक (बी.पी.एड्.) १-वर्ष
कला स्नातकोत्तर (एम.ए.) : २-वर्ष

१. अंग्रेजी
२. हिन्दी
३. संस्कृत
४. तेलुगू
५. जर्मन
६. फ्रेंच
७. नेपाली
८. बंगाली
९. उर्दू
१०. फारसी
११. अरबी
१२. पालि एवं बौद्ध अध्ययन
१३. मराठी
१४. भूगोल
१५. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
१६. भारतीय दर्शनशास्त्र एवं धर्म
१७. गणित
१८. सांख्यिकी
१९. कला इतिहास
२०. भाषा विज्ञान
२१. दर्शनशास्त्र
२२. गृह विज्ञान
२३. चीनी
२४. कन्नड़
२५. रूसी

व्यावसायिक पाठ्यक्रम : **२-वर्ष**

१. जन-संचार में स्नातकोत्तर
२. शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी.एड्.)
३. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम्.लिब्.एण्ड आई.एससी.)
४. प्रयोजनमूलक हिन्दी (पत्रकारिता)
५. एम.ए. इन म्यूज़ियोलॉजी
६. एम.ए. इन मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी एण्ड पैलियोग्राफा

एडवांस पी.जी. डिप्लोमा **१-वर्ष**

१. पुरातत्व विज्ञान
२. कला इतिहास
३. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति
४. अरबी
५. तेलुगू
६. हिन्दी
७. फ्रांसीसी अध्ययन
८. जर्मन
९. भारतीय दर्शनशास्त्र एवं धर्म
१०. नेपाली
११. मराठी
१२. फारसी
१३. उर्दू
१४. भारतीय भाषा (नेपाली में ब्रिज पाठ्यक्रम)
१५. तेलुगू (ब्रिज पाठ्यक्रम)

स्नातक डिप्लोमा : २-वर्ष

१. हिन्दी
२. तमिल
३. तेलुगू
४. रूसी
५. चीनी
६. मराठी
७. फ्रांसीसी
८. अरबी
९. फारसी
१०. जर्मन अध्ययन
११. अंग्रेजी
१२. कन्नड़
१३. उर्दू
१४. नेपाली
१५. पाली

१६. संस्कृत
१७. इटालियन
१८. स्पेनिश
१९. प्राकृत
२०. जापानी

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : १-वर्ष

१. हिन्दी
२. अंग्रेजी
३. फारसी
४. उर्दू
५. अरबी
६. इटालियन
७. पाली
८. फ्रांसीसी (ब्रिज कोर्स)

विशेष पाठ्यक्रम: २-वर्ष

१. पर्यटन प्रबन्ध में स्नातकोत्तर
२. कार्पोरेट कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर
३. पुरातत्त्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
४. कार्यालय प्रबन्धन एवं व्यवसाय संचार में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
५. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
६. स्वास्थ्य संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
७. खेलकूद पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
८. विभिन्न दक्षताओं के लिए अनुवाद कौशल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष
९. भोजपुरी में अल्पावधि सटिफिकेट कोर्स (४ माह)

२. सामाजिक विज्ञान संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
कला स्नातकोत्तर २-वर्ष

१. अर्थशास्त्र
२. इतिहास
३. राजनीति विज्ञान
४. समाजशास्त्र
५. मनोविज्ञान

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. कार्मिक प्रबन्धन व औद्योगिक संपर्क में स्नातकोत्तर (एम पी एम आई आर)
२. समाज कार्य में स्नातकोत्तर
३. जन प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम. पी. ए.)
४. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर (एम. सी. एम. डी.)
५. एकीकृत ग्रामीण विकास और प्रबंधन में एम.ए.
६. एन्थ्रोपोलॉजी में कला स्नातकोत्तर
७. जापानी अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १ वर्ष
८. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
९. परामर्श एवं मनश्चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष
१०. लिंग एवं महिला अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
११. काउन्सलिंग गाइडेन्स एवं साइकोलॉजीकल इन्टरवेंशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
१२. व्यावसायिक अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

३. विधि संकाय

१. विधि स्नातक (एलएल. बी.) ३-वर्ष
१. बी.ए.एल.एल.बी. ५-वर्ष
२. विधि स्नातकोत्तर (एलएल. एम.) २-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम:

१. मानवाधिकार में विधि स्नातकोत्तर (एच आर. डी. ई.) २-वर्ष
२. एल.एल.एम. पाठ्यक्रम १-वर्ष
३. इण्डस्ट्रियल एण्ड इन्टेलेक्चुअल प्रापर्टी लॉ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
४. इन्वासरोमेंटल लॉ, पॉलिसी एण्ड मैनेजमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
५. फोरेंसिक विज्ञान और चिकित्सा न्यायशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
६. टैक्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
७. जनसंचार और मीडिया कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
८. मानव संसाधन प्रबंधन, सेवा और औद्योगिक कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
९. सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
१०. कारर्पोरेट प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

४. शिक्षा संकाय : १ वर्ष

१. शिक्षा स्नातक (बी.एड.)
२. शिक्षा स्नातक (बी.एड. विशेष)
३. शिक्षा स्नात्तकोत्तर (एम.एड.)
४. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.विशेष) २-वर्ष

५. वाणिज्य संकाय

१. वाणिज्य स्नातक (बी. काम्. प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम्. काम्.) २-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम: २-वर्ष

१. मास्टर ऑफ फॉरेन ट्रेड (एम.एफ. टी.)
२. मास्टर ऑफ फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट (रिस्क एण्ड इन्श्योरेंस) (एम.एफ. एम.आर.आई.)
३. मास्टर ऑफ फाइनेन्स मैनेजमेन्ट (एम. एफ. एम.)
४. पूंजी बाजार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
५. बैकिंग प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

६. प्रबंध शास्त्र संकाय: २-वर्ष

१. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम. बी. ए.)
२. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (इंटरनेशनल बिज़नेस) (एम. बी. ए.-आई.बी.)

विशेष पाठ्यक्रम : १-वर्ष (अंशकालिक)

१. बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.बी.ए.)
२. माइक्रोफाइनेन्स एण्ड इन्टरप्रेन्योरशिप में डिप्लोमा
३. लेज़र एण्ड हॉस्पिटलिटी मैनेजमेन्ट में डिप्लोमा
४. हेल्थ केयर मैनेजमेन्ट में प्रमाणपत्र ६ माह

७. विज्ञान संकाय

विज्ञान स्नातक (बी. एससी. प्रतिष्ठा)
(गणित और जीव विज्ञान ग्रुप) ३-वर्ष

विज्ञान स्नातकोत्तर (एम. एससी.) २-वर्ष

१. रसायन विज्ञान
३. वनस्पति विज्ञान
३. गणित
४. सांख्यिकी
५. भौतिकी विज्ञान
६. प्राणि विज्ञान
७. भूगोल
८. जैवरसायन
९. गृह विज्ञान
१०. जैव प्रौद्योगिकी
११. संगणक विज्ञान
१२. मनोविज्ञान
१३. आणविक एवं मानव आनुवांशिकी
१४. बायोइन्फार्मेटिक्स (केवल महिलाओं के लिए, म.म.वि.)
१५. भू-भौतिकी विज्ञान (एम. एससी. टेक्.)
१६. भूगर्भ विज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस (टेक्.) ३-वर्ष
१७. मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) ३-वर्ष

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : १-वर्ष

१. स्पेक्ट्रोस्कोपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. प्राकृतिक आपदा प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

सांख्यिकी विधि १-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी.
२. अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एससी.
३. पेट्रोलियम जिओसाइंस में एम.एससी.
४. सांख्यिकी और कम्प्यूटिंग में एम.एससी.
५. कम्प्यूटेशनल साइंस और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.एससी.
६. फोरेंसिक साइंस में एम.एससी.
७. रिमोट सेन्सिंग एण्ड जी.आई.एस. में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
८. जनसंख्या अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
९. क्रोमोसोमल जेनेटिक एण्ड मोलेकुलर डायग्नोस्टिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष (पूर्ण कालिक)
१०. साख्यिकी और कम्प्यूटिंग में डिप्लोमा १-वर्ष

८. दृश्य कला संकाय

स्नातक ललित कला (बी.एफ.ए.) : ४-वर्ष

स्नातकोत्तर ललित कला (एम.एफ.ए.): २वर्ष

१. चित्र कला
२. अनुप्रयुक्त कला
३. प्लास्टिक कला
४. मृद्भाण्ड एवं मृतिका शिल्प
५. वस्त्र रूपांकन

विशेष पाठ्यक्रम : १-वर्ष (अंश कालिक)

१. चित्रकला में प्रमाण-पत्र
२. विज्ञापन एवं रूपांकन में प्रमाण-पत्र
३. मृद्भाण्ड एवं मृतिका शिल्प में प्रमाण-पत्र
४. प्लास्टिक आर्ट में सर्टिफीकेट कोर्स

९. मंच कला संकाय

संगीत स्नातक (बी.म्यूज.) : ३-वर्ष

१. गायन
२. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातक (नृत्य में बी.पी.ए.) ३-वर्ष

१. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

संगीत स्नातकोत्तर (एम.म्यूज.): २-वर्ष

१. गायन
२. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातकोत्तर (एम.पी.ए.) २-वर्ष

१. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

मास्टर ऑफ म्युजिकालॉजी २-वर्ष

म्युजिकोलॉजी

संगीत एवं नृत्य में जूनियर डिप्लोमा: ३-वर्ष

१. कंठ संगीत: हिन्दुस्तानी, कर्नाटक
२. वाद्य संगीत : (सितार/ वायलिन/ बांसुरी/ तबला/ कर्नाटक वीणा)

अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -१
आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -२
इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -३

३. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -१
आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -२
इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -३

इस त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर अभ्यर्थियों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है :

प्रथम वर्ष - कनिष्ठ प्रमाण-पत्र
द्वितीय वर्ष- वरिष्ठ प्रमाण-पत्र
तृतीय वर्ष - डिप्लोमा

संगीतशास्त्र में सर्टिफीकेट कोर्स १-वर्ष

१०. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा) : ३-वर्ष

आचार्य : २-वर्ष

१. वेद-ऋग्वेद/यजुर्वेद (शुक्ल/कृष्ण)/सामवेद
२. धर्मागम
३. पुराणेतिहास और साहित्य (अलंकार प्रधान एवं काव्य प्रधान व नाट्य प्रधान)
४. ज्योतिष (गणित एवं फलित)
५. व्याकरण
६. मीमांसा
७. न्याय वैशेषिक
८. वेदान्त
९. जैन दर्शन
१०. बौद्ध दर्शन
११. प्राचीन न्याय
१२. सांख्य योग
१३. धर्मशास्त्र

स्नातकोत्तर डिप्लोमा: आगमतंत्र २-वर्ष

प्रमाण-पत्र: संस्कृत १-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष (अंशकालिक)

१. वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष में स्नातक डिप्लोमा

११. चिकित्सा विज्ञान संकाय

स्नातक मेडिसिन और स्नातक सर्जरी (एम.बी.बी.एस.) 5½-वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एम.डी.) ३-वर्ष

१. नि:संज्ञा विज्ञान
२. जैव रसायन
३. जैव भौतिकी
४. त्वचा विज्ञान
५. रतिरोग विज्ञान एवं कुष्ठ
६. विधि चिकित्सा शास्त्र
७. चिकित्सा
८. बाल रोग
९. सूक्ष्म जीव विज्ञान
१०. व्याधि विज्ञान
११. औषधि विज्ञान
१२. कार्यिकी
१३. निवारक एवं सामाजिक औषधि
१४. मनोरोग विज्ञान
१५. विकिरण निदान (विकिरण-निर्धारण)
१६. विकिरण चिकित्सा और विकिरण औषधि
१७. यक्ष्मा एवं श्वसन रोग विज्ञान

बैचरल ऑफ साइंस इन नर्सिंग ४-वर्ष
इंटर्नशिप के साथ

मास्टर ऑफ सर्जरी (एम.एस.): ३-वर्ष

१. शरीर रचना विज्ञान
२. नेत्र चिकित्सा
३. अस्थि रोग विज्ञान
४. कर्ण, नासा, कंठ विज्ञान
५. शल्य चिकित्सा
६. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

डाक्टोरेटस् मेडिसिनस् (डी.एम.): ३-वर्ष

१. तंत्रिकीय चिकित्सा
२. अंत:स्राव विज्ञान
३. जठरांत्र शोथ विज्ञान
४. हृदय रोग विज्ञान
५. वृक्क रोग विज्ञान

मैजिस्टर चिरूरगॉय (एम.सीएच.) : ३-वर्ष

१. तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा
२. प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
३. मूत्र रोग विज्ञान
४. बाल शल्य चिकित्सा
५. हृदय-लसिका एवं वक्षीय शल्य चिकित्सा

स्वास्थ्य सांख्यिकी में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र २ वर्ष

पेन एण्ड पैलिएटिव केअर में पोस्ट डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स १ वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. विगलन चिकित्सा (डायलिसिस) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. चिकित्सकीय तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (रेडियोथिरेपी)
३. प्रयोगशाला तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
४. डिप्लोमा कार्से इन एक्ट्रा-कॉरपोरेल परफ्युशन टेक्नोलॉजी २१/२ वर्ष

१२. आयुर्वेद संकाय

स्नातक आयुर्वेदिक मेडिसिन और सर्जरी (बी.ए.एम.एस.) ५१/२-वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन-आयुर्वेद (एम.डी.आयु.): ३-वर्ष

१. मौलिक सिद्धान्त
२. द्रव्य गुण
३. रस शास्त्र
४. काय चिकित्सा
५. प्रसूति तंत्र (स्त्री रोग)
६. प्रसूति (कौमारभृत्य/बालरोग)

मास्टर ऑफ सर्जरी - आयुर्वेद *(एम.एस.आयुर्वेद):* ३ वर्ष

१. शल्य
२. शालक्य

आयुर्वेदिक फार्मास्युटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी. जी. डी. आयु. पी.): ***२ वर्ष***

विशेष पाठ्यक्रम: २ *वर्ष*

१. पंचकर्म चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. मातृक स्वास्थ्य देखभाल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.सी.(आयुर्वेद))
३. नेओनाटाल एण्ड चाइल्ड केयर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एन.सी.(आयुर्वेद))
४. क्षार कर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
५. विकिरण एवं छाया में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
६. संज्ञाहरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
७. अग्निकर्म एवं जलौका वाचरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
८. प्रसव विज्ञान में प्रमाण पत्र (केवल महिलाओं के लिए) १-वर्ष
९. आयुर्वेदिक दर्द प्रबंधन में प्रमाणपत्र (केवल विदेशी छात्रों के लिए)

१३. दंत संकाय

बेचलर आफ डेन्टल सर्जरी (बी.डी. एस.) ३-वर्ष
मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी (एमडीएस.) ३-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. डेन्टल मेकैनिक में स्नातक डिप्लोमा
२. डेन्टल हाइजेनिस्ट में स्नातक डिप्लोमा

१४. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान: ३-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम :

(१) पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर एम.एस.सी. (टेक.)

१५. कृषि संकाय

स्नातक कृषि विज्ञान (बी.एससी.एजी.) ४-वर्ष
स्नातकोत्तर कृषि विज्ञान (एम.एससी.एजी.) : २-वर्ष

१. शस्य विज्ञान
२. कृषि अर्थशास्त्र
३. पादप कार्यिकी
४. कीट विज्ञान एवं कृषि जन्तु विज्ञान
५. प्रसार शिक्षा
६. आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
७. पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान
८. कवक एवं पादप रोग विज्ञान
९. उद्यान विज्ञान
१०. मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र

विशेष पाठ्यक्रम : २ वर्ष

१. कृषि व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर
२. एम.टेक्. इन् एग्रीकल्चरल इंजिनियरिंग (सॉइल एण्ड वाटर कन्जरवेशन इंज.)
३. एम.एससी. इन् फूड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी
४. बीज तकनीकी में डिप्लोमा १-वर्ष

१६. पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान संकाय

पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन में स्नातक ४१/२-वर्ष

१७. महिला महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. विज्ञान स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
३. विज्ञान स्नातकोत्तर (गृह विज्ञान) २-वर्ष
४. विज्ञान स्नातकोत्तर (बायोइन्फारमेटिक्स) (महिलाओं के लिए) २-वर्ष
५. शिक्षा में स्नातकोत्तर २-वर्ष
६. नृत्य में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (कत्थक, भरतनाट्यम्) ३-वर्ष

१८. सम्बद्ध महाविद्यालय

१. आर्य महिला पी. जी. महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
३. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.) १-वर्ष
४. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष
(क) संस्कृत
(ख) दर्शनशास्त्र
(ग) हिन्दी
(घ) प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व
(ङ) अंग्रेजी
(च) बंगाली
५. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष
(क) मनोविज्ञान
(ख) इतिहास
(ग) राजनितिशास्त्र
(घ) समाजशास्त्र
(च) अर्थशास्त्र

२.वसन्त कन्या महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष
(क) हिन्दी
(ख) अंग्रेजी
(ग) गृह विज्ञान
३. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष
(क) समाजशास्त्र
(ख) मनोविज्ञान
(ग) अर्थशास्त्र
४. स्पोकेन इंग्लिश में ६ माह का प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

३.वसन्त महिला महाविद्यालय (राजघाट)

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
३. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.) १-वर्ष
४. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.) १-वर्ष
५. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष
(क) अंग्रेजी
(ख) भूगोल
(ग) हिन्दी
६. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष
(क) मनोविज्ञान
(ख) अर्थशास्त्र
(ग) इतिहास
७. पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में १ वर्षीय पूर्णकालिक प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

४.दयानन्द पी.जी.महाविद्यालय (डी.ए.वी.डिग्री कालेज)

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
३. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम. काम.) २-वर्ष
४. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष
(क) अंग्रेजी
(ख) हिन्दी
(ग) प्रा.भा.इ. एवं पुरातत्व
५. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष
(क) राजनीति शास्त्र
(ख) मनोविज्ञान
(ग) समाजशास्त्र
(घ) अर्थशास्त्र
(च) इतिहास
६. पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम
१ वर्षीय पूर्णकालिक

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर

अध्ययन हेतु नियमित पाठ्यक्रम

१. शिक्षा संकाय

शिक्षा स्नातक (बी.एड्.)
(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत-स्नातक प्रवेश परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों द्वारा) १-वर्ष

२. आयुर्वेद संकाय

बी.फार्मा. (आयुर्वेद) ४-वर्ष
एम. फार्मा. (आयुर्वेद) २-वर्ष

३. विज्ञान संकाय

मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)
पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत) ३-वर्ष

४. वाणिज्य संकाय

स्नातक वाणिज्य (प्रतिष्ठा)
(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत) ३-वर्ष

अध्ययन के विशेष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत

१. कला संकाय **२-वर्ष**

१. पर्यटन प्रबन्धन में एम.ए.
२. कार्यालय प्रबन्धन और व्यवसाय संचार में डिप्लोमा
३. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
४. भ्रमण प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष
५. कॉरपोरेट सेक्रेटेरीशिप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

२. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

कृषि व्यवसाय में एम.बी.ए. (पूर्ण कालिक) २-वर्ष

३. विज्ञान संकाय

१. पी.जी.डिप्लोमा इन रिमोट सेन्सिंग एण्ड जी.आई.एस. १-वर्ष

४. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा)
(फाइनेंशियल मार्केट मैनेजमेंट) ३-वर्ष

५. कृषि संकाय **२-वर्ष**

१. एम.एससी. (कृषि) एग्रो फोरेस्ट्री
२. एम.एससी. (कृषि) मृदा और जल संरक्षण
३. एम.एससी. इन प्लान्ट बायोटेक्नोलॉजी

६. सामाजिक विज्ञान संकाय **१-वर्ष**

१. परामर्श और मनश्चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक)

७. आयुर्वेद संकाय

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग उपचार में
स्नातक डिप्लोमा (बी.एन.वाई.एस.) ४१/२-वर्ष

८. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र १-वर्ष

९. दृश्य कला संकाय **६ माह**

१. हथकरघा कढ़ाई एवं हस्तकला में प्रमाण पत्र
२. पाठ्यक्रम रंगाई और छपाई में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
३. वस्त्र रूपांकन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
४. टेक्सटाइल डिज़ाइन में सर्टिफिकेट कोर्स

१०.पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी
(पर्यावरण प्रद्योगिकी) २-वर्ष

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

कला संकाय **३-वर्ष**

१. खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक
१. रसद प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक
२. अतिथि एवं पर्यटन प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक
३. खाद्य प्रंसस्करण और प्रबधन में व्यावसायिक स्नातक
४. मेडिकल लैब तकनीक में व्यावसायिक स्नातक
५. खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर २-वर्ष
६. रसद प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर २-वर्ष
७. अतिथि एवं पर्यटन प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर २वर्ष

४. उपाधि/सनद्/प्रमाण-पत्र सत्र २०१६

१.कृषि विज्ञान संकाय

बी.एससी.(एजी.)	१४३
एम.एससी.(एजी.)/ एम.एससी.	२५१
पीएच.डी.	४६

२.चिकित्सा विज्ञान संकाय

एम.बी.बी.एस.	६२
एम.डी.	८८
एम.एस.	४०
डी. एम.	०९
एम. सीएच.	०७
बी.एससी. नर्सिंग	५८
एम.एससी. (स्वास्थ्य सांख्यिकी)	१२
डिप्लोमा	३७
योगा में डिप्लोमा	११९
पीएच.डी.	१८

३.आयुर्वेद संकाय

बी.ए.एम.एस.	५०
एम.डी. (आयुर्वेद)	१८
एम.एस. (आयुर्वेद)	०७
बी. फार्म. (आयुर्वेद)	२४
एम. फार्म. (आयुर्वेद)	०३
डिप्लोमा (आयुर्वेद)	२०
पीएच.डी.	१२

४.दन्त चिकित्सा संकाय

बी.डी.एस.	१९
एम.डी.एस.	०५
डिप्लोमा	०९

५.पर्यावरण एवं धारणीय विकास संकाय

एम.एससी. (टेक.)	२७
एम.फिल.	०८

६.वाणिज्य संकाय

बी.काम्. (प्रतिष्ठा)	७४१
बी.काम्. (एफ.एम.एम.)	४८
एम.काम्.	२१०
एम.एफ.टी.	२८
एम. एफ. एम. - आर .आई.	२५
एम. एफ. एम.	५०
डिप्लोमा	२५
पीएच.डी.	१५
डी.लिट.	०१

७.विज्ञान संकाय

बी.एससी. (प्रतिष्ठा)	८३४
एम.एससी./ एम.एससी. (टेक्.)	८४३
डिप्लोमा	६६
पीएच.डी.	११२

८.विधि संकाय

एलएल.बी.	३२८
एलएल.एम.	४८
एलएल.एम (एचआरडीई)	१३
एलएल.एम.(एक वर्ष)	१८
डिप्लोमा	५४
पीएच.डी.	५४

९.संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा)	१६१
आचार्य	६४
चक्रवर्ती	१०

१०.प्रबन्ध शास्त्र संकाय

एम.बी.ए.	५५
एम.आई.बी.ए.	५१
एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय)	४४
डिप्लोमा	०४
पीएच.डी.	१४

११.दृश्य कला संकाय

बी.एफ.ए.	९४
एम.एफ.ए.	५१
पीएच.डी.	०२

१२. मंच कला संकाय

बी.म्यूज.	४५
एम.म्यूज.	८८
एम. म्यूजिकोलॉजी	२०
एम. फिल. इन म्यूजिकोलॉजी	१२
पीएच.डी.	५-१८

१३. शिक्षा संकाय

एम.एड्.	०१
एम.एड्. (अंशकालिक)	२९
पीएच.डी.	३४

१४. सामाजिक विज्ञान संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	१४७३
एम.ए.	९५३
डिप्लोमा	४९
पीएच.डी.	६२
एम.फिल.	११
डि.लिट.	०२

१५. कला संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	१५६५
एम.ए.	१३३५
एम.पी.एड.	५१
एम्.लिब. और सूचना विज्ञान	४०
डिप्लोमा	६६७
पीएच.डी.	१०२

४.१. छात्रों की संख्या, नवपंजीकृत छात्र एवं छात्राएँ

विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों/संकायों/महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	संकाय/महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	कृषि विज्ञान संकाय	४७९	२२४	७०३
२.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	३०	२०	५०
३.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	२५१	१७१	४२२
४.	आयुर्वेद संकाय	१०३	९७	२००
५.	दन्त विज्ञान संकाय	२२	३७	५९
६.	कला संकाय	२५५२	९००	३४५२
७.	वाणिज्य संकाय	५०३	३०३	८०६
८.	शिक्षा संकाय	२४७	२४१	४८८
९.	विधि संकाय	४८१	१५२	६३३
१०.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	१६६	८६	२५२
११.	मंच कला संकाय	२४९	२३७	४८६
१२.	विज्ञान संकाय	१४४७	७१६	२१६३
१३.	सामाजिक विज्ञान संकाय	१०२१	३७७	१३९८
१४.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	३०७	२२	३२९
१५.	दृश्य कला संकाय	९४	७७	१७१
१६.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	१२	४	१६
१७.	महिला महाविद्यालय	०	८४०	८४०
	सम्पूर्ण योग	**७९६४**	**४५०४**	**१२४६८**

सम्बद्ध महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	सम्बद्ध महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	वसंत कन्या महाविद्यालय	०	६७१	६७१
२.	आर्य महिला पी.जी. कॉलेज	१२	१०६२	१०७४
३.	वसन्त महिला महाविद्यालय	०	९२४	९२४
४.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	१९०१	१५६	२०५७
	सम्पूर्ण योग	**१९१३**	**२८१३**	**४७२६**

विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	योग
१.	सेन्ट्रल हिन्दू ब्वॉएज् स्कूल	६९६
२.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	४३५
३.	श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय	५०७
	सम्पूर्ण योग	**१६३८**

नवपंजीकृत विदेशी छात्र एवं छात्राएँ

क्र. सं.	देश का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	अफ़्गानिस्तान	१	०	१
२.	अफ्रिका	२	०	२
३.	अमेरीका	१	०	१
४.	बांग्लादेश	३	०	३
५.	बेलारूस	०	१	१
६.	ब्राइल	०	१	१
७.	कैलिफोर्निया	०	१	१
८.	चीन	०	१	१
९.	कम्बोडिया	१	०	१
१०.	फ्रान्स	२	०	२
११.	ग्वाना	०	१	१
१२.	ईरान	२	१	३
१३.	इजराईल	१	०	१
१४.	इटली	१	१	२
१५.	जापान	२	३	५
१६.	केन्या	३	०	३
१७.	कोरिया	४	२	६
१८.	मॉरीशस	२	१	३
१९.	म्यांमार	१	०	१
२०.	नामीबिया	१	१	२
२१.	नेपाल	६९	३०	९९
२२.	नीदरलैण्ड	०	१	१
२३.	नाईजिरिया	२	०	२
२४.	ओमान	१	०	१
२५.	पोलैण्ड	१	२	३
२६.	रूस	१	२	३
२७.	सोमालिया	१	०	१
२८.	दक्षिण अफ्रीका	०	१	१
२९.	श्रीलंका	२	४	६
३०.	सूडान	१	०	१

वर्गानुसार और संकायानुसार सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	संकायों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
१.	कृषि विज्ञान संकाय	५४०	३०४	८४४	१७७	५३	२३०	७७	३२	१०९	५२७	१७२	६९९	१०१	१५	११६	१४२२	५७६	१९९८
२.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	१६	२६	४२	९	५	१४	३	१	४	११	११	२२	०	०	०	३९	४३	८२
३.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	४३७	३४३	७८०	११४	१०४	२१८	४४	३३	७७	२६८	१६८	४३६	१६	५	२१	८७९	६५३	१५३२
४.	आयुर्वेद संकाय	१७०	१८८	३५८	५५	३८	९३	१६	१८	३४	१३९	१०५	२४४	२	०	२	३८२	३४९	७३१
५.	दन्त विज्ञान संकाय	४२	६९	१११	१४	२४	३८	३	६	९	३२	४६	७८	०	०	०	९१	१४५	२३६
६.	कला संकाय	२२२७	८४९	३०७६	७६६	२४८	१०१४	२९६	९०	३८६	१८७८	६२७	२५०५	८१	३४	११५	५२४८	१८४८	७०९६
७.	वाणिज्य संकाय	५८०	३७२	९५२	२०४	५८	२६२	८७	३७	१२४	४२०	२०४	६२४	४४	२७	७१	१३३५	६९८	२०३३
८.	शिक्षा संकाय	१४४	१५६	३००	५५	३५	९०	२१	१८	३९	१८०	१५४	३३४	६	४	१०	४०६	३६७	७७३
९.	विधि संकाय	६८९	२४८	९३७	१३६	२८	१६४	४९	२३	७२	४२२	८४	५०६	१	४	५	१२९७	३८७	१६८४
१०.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	१३०	८५	२१५	३३	१८	५१	१३	६	१९	८३	३४	११७	२	०	२	२६१	१४३	४०४
११.	मंच कला संकाय	४६०	४५४	९१४	४४	५४	९८	३	७	१०	११०	११०	२२०	१४	६	२०	६३१	६३१	१२६२
१२.	विज्ञान संकाय	१७४०	१०३१	२७७१	४४९	१७७	६२६	१६९	९२	२६१	१३२३	४९३	१८१६	५९	२६	८५	३७४०	१८१९	५५५९
१३.	सामाजिक विज्ञान संकाय	१२४०	४२७	१६६७	३९६	९८	४९४	१७०	४२	२१२	९२४	२०९	११३३	३२	९	४१	२७६२	७८५	३५४७
१४.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	१०२४	३५	१०५९	११	४	१५	६	२	८	४९	२२	७१	३	१	४	१०९३	६४	११५७
१५.	दृश्य कला संकाय	५१	८१	१३२	९४	३०	१२४	२२	१५	३७	१९५	१४९	३४४	५	५	१०	३६७	२८०	६४७
१६.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	२	०	२	२	०	२	०	१	१	८	३	११	०	०	०	१२	४	१६
१७.	महिला महाविद्यालय	०	१२३१	१२३१	०	३२८	३२८	०	१५७	१५७	०	६९९	६९९	०	२९	२९	०	२४४४	२४४४
	सम्पूर्ण योग	**९४९२**	**५८९९**	**१५३९१**	**२५५९**	**१३०२**	**३८६१**	**९७९**	**५८०**	**१५५९**	**६५६९**	**३२९०**	**९८५९**	**३६६**	**१६५**	**५३१**	**१९९६५**	**११२३६**	**३१२०१**

वर्गानुसार और सम्बद्ध महाविद्यालयों के सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	महाविद्यालयों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
१.	वसंत कन्या महाविद्यालय	०	६७०	६७०	०	२१९	२१९	०	७०	७०	०	६८४	६८४	०	०	०	०	१६४३	१६४३
२.	आर्य महिला पी.जी कॉलेज	०	१३५१	१३५१	०	४१८	४१८	०	११९	११९	०	७६३	७६३	०	०	०	०	२६५१	२६५१
३.	वसन्त महिला महाविद्यालय	०	१२६२	१२६२	०	२८६	२८६	०	६९	६९	०	५६९	५६९	०	०	०	०	२१८६	२१८६
४.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	१७४९	१३९	१८८८	५४४	१८	५६२	२१६	१२	२२८	११९१	६३	१२५४	०	०	०	३७००	२३२	३९३२
	सम्पूर्ण योग	**१७४९**	३४२२	**५१७१**	**५४४**	**९४१**	**१४८५**	**२१६**	**२७०**	**४८६**	**११९१**	**२०७९**	**३२७०**	**०**	**०**	**०**	**३७००**	**६७१२**	**१०४१२**

५. मानव संसाधन की रूपरेखा

अध्यापकों की संख्या

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय सहित संस्थानों व संकायों में विभिन्न पदों के शिक्षक सदस्यों की संख्या इस प्रकार रही :

आचार्य और उनके समकक्ष (स्तर-V)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	१००	२	०	०	२	०	२७	०	०	०	०	०	१२७	२	०	०	२	०
कृ.वि.सं.	६६	१	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	६९	१	०	०	०	०
कला	७७	१	०	०	४	०	२०	१	०	०	०	०	९७	२	०	०	४	०
विज्ञान	१०६	२	१	२	०	०	६	०	१	०	०	०	११२	२	२	२	०	०
सामाजिक वि.	३१	४	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	४४	४	०	०	०	०
सं.वि.ध.वि.	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१७	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	५	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०
दृश्य कला	४	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०
वाणिज्य	२०	२	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०	२१	२	०	०	२	०
विधि	१६	०	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०	१७	०	०	०	२	०
प्रबन्ध शास्त्र	१३	१	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	१५	१	०	०	०	०
शिक्षा	६	२	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	१२	२	०	०	०	०
म.महा.वि.	२	०	०	०	०	०	२७	०	०	०	२	०	२९	०	०	०	२	०
प.एवं स. वि.सं.	३	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
योग	**४६७**	**१५**	**१**	**२**	**१०**	**०**	**११२**	**१**	**१**	**०**	**२**	**०**	**५७९**	**१६**	**२**	**२**	**१२**	**०**

एसोसिएट प्रोफेसर (स्तर-IV)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	३०	७	२	२	१	०	६	२	०	०	०	०	३६	९	२	२	१	०
कृ.वि.सं.	८	१	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	८	१	०	०	१	०
कला	१२	०	१	०	३	०	३	१	०	०	०	०	१५	१	१	०	३	०
विज्ञान	१७	३	०	०	२	०	६	१	०	०	०	०	२३	४	०	०	२	०
सामाजिक वि.	७	१	०	०	१	०	४	०	०	०	०	०	११	१	०	०	१	०
सं.वि.ध.वि.	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	२	०	०	०	०	०	२	१	०	०	०	०	४	१	०	०	०	०
दृश्य कला	४	०	०	१	०	०	१	०	०	०	०	०	५	०	०	१	०	०
वाणिज्य	०	०	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	१	०	०	०
विधि	०	१	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	१	०	०

प्रबन्ध शास्त्र	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
शिक्षा	२	२	१	०	०	०	३	०	०	०	०	०	५	२	१	०	०	०
म.महा.वि.	२	०	०	०	०	०	८	०	०	०	१	०	१०	०	०	०	१	०
प.एवं स. वि.सं.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
योग	**९०**	**१५**	**५**	**४**	**८**	**०**	**३४**	**५**	**०**	**०**	**१**	**०**	**१२४**	**२०**	**५**	**४**	**९**	**०**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-III)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	२	०	१	०	०	०	२	०	०	०	०	०	४	०	१	०	०	०
कृ.वि.सं.	८	२	१	१	०	०	१	०	०	०	०	०	९	२	१	१	०	०
कला	१३	३	०	०	०	०	५	१	०	०	०	०	१८	४	०	०	०	०
विज्ञान	१२	६	१	०	०	०	६	०	०	०	०	०	१८	६	१	०	०	०
सामाजिक वि.	१	०	०	०	०	१	३	०	०	१	०	०	४	०	०	१	०	१
सं.वि.ध.वि.	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	१	०	०	०	०
दृश्य कला	१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०
वाणिज्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
विधि	२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	१	०	०	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	२	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०
शिक्षा	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
म.महा.वि.	०	०	०	०	०	०	१३	२	०	०	०	०	१३	२	०	०	०	०
प.एवं स. वि.सं.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	**४८**	**१३**	**३**	**१**	**०**	**१**	**३२**	**३**	**०**	**१**	**०**	**०**	**८०**	**१६**	**३**	**२**	**०**	**१**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-II)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	१७	५	१	२	०	०	४	३	०	०	०	०	२१	८	१	२	०	
कृ.वि.सं.	४	५	२	०	०	०	१	०	०	०	०	०	५	५	२	०	०	०
कला	९	१	०	०	१	०	३	०	१	०	०	०	१२	१	१	०	१	०
विज्ञान	५	६	२	०	१	०	५	०	०	०	०	०	१०	६	२	०	१	०
सामाजिक वि.	३	१	१	१	०	०	१	२	०	०	०	०	४	३	१	१	०	०
सं.वि.ध.वि.	१०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	१	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	०	०	०	१	०	०	२	०	०	०	०	०	२	०	०	१	०	०
दृश्य कला	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०
वाणिज्य	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
विधि	४	०	१	३	०	०	०	१	०	०	०	०	४	१	१	३	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	०	१	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०
शिक्षा	२	१	०	०	०	१	०	०	१	०	०	०	२	१	१	०	०	१
म.महा.वि.	४	१	१	०	०	०	४	५	१	०	०	०	८	६	२	०	०	०
प.एवं स. वि.सं.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	**६४**	**२२**	**८**	**७**	**२**	**१**	**२१**	**११**	**३**	**०**	**०**	**०**	**८५**	**३३**	**११**	**७**	**२**	**१**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-I)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	२९	८	३	१६	१	०	११	४	३	३	०	०	४०	१२	६	१९	१	०
कृ.वि.सं.	१०	३	२	३	०	०	२	१	१	०	०	०	१२	४	३	३	०	०
कला	१८	८	१	९	२	२	११	३	३	७	०	०	२९	११	४	१६	२	२
विज्ञान	१७	८	३	१३	०	०	२	२	१	०	०	०	१९	१०	४	१३	०	०
सामाजिक वि.	५	३	१	६	०	१	५	१	१	२	०	०	१०	४	२	८	०	१
सं.वि.ध.वि.	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	१	१	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	२	१	०	०	०	०
दृश्य कला	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०
वाणिज्य	१	२	०	३	०	०	४	१	०	२	०	०	५	३	०	५	०	०
विधि	४	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	१	१	०	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शिक्षा	१	०	०	०	०	०	३	०	०	१	०	०	४	०	०	१	०	०
म.महा.वि.	६	३	२	३	०	१	१	२	२	४	१	०	७	५	४	७	१	१
प.एवं स. वि.सं.	४	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	४	२	०	१	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	**१०१**	**४१**	**१३**	**५४**	**३**	**४**	**४०**	**१४**	**११**	**१९**	**१**	**०**	**१४१**	**५५**	**२४**	**७३**	**४**	**४**

शिक्षणेतर कर्मचारियों की संख्या

शिक्षणेतर कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है :

'अ' वर्गीय कर्मचारी

१.कुलपति	१
२.कुलसचिव	१
३.परीक्षा नियन्ता	१
४.वित्ताधिकारी	१
५.प्रो.-निदेशक	१
६.सयुक्त कुलसचिव	१०
७.उप-कुलसचिव	४
८.उप-निदेशक	२
९.आन्तरिक लेखा परीक्षक अधिकारी	१
१०.उप-पुस्तकालयाध्यक्ष	११
११.उप- नर्सिग अधीक्षक	
१२.कार्यकारी अभियंता	३
१३.सिस्टम प्रबन्ध	१
१४.वरिष्ठ शोध अधिकारी	१
१५.मुख्य चिकित्सा अधिकारी	१०
१६.वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	१२
१७.प्रलेखन अधिकारी (एस.जी.)	१
१८.सहायक कुलसचिव	२५
१९.सहायक लेखा/वित्त अधिकारी	१
२०.सहायक अभियंता	५
२१.सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	१२
२२.प्रोग्रामर	३
२३.सिस्टम प्रोग्रामर	२
२४.सहायक सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी	१
२५.वैज्ञानिक (फोटो वोल्टिक)	२
२६.अनुरक्षण अभियंता (कनिष्ठ)	२
२७.रेडियोलॉजिकल फिजिसिस्ट	१
२८.कनिष्ठ शोध अधिकारी	१
२९.सूचना अधिकारी	१
३०.वेटरनरी ऑफिसर	१
३१.आडियोलॉजिस्ट	१
३२.वाणी उपचारक	१
३३.चिकित्सा अधिकारी	२०
३४.सहायक निदेशक	६
३५.सूचना वैज्ञानिक	१
३६.अनुरक्षण अभियंता	२
३७.सूक्ष्म विश्लेषक	१
३८.परियोजना अधिकारी	२
३९.नेटवर्किंग अधिकारी	१
४०.शोध अधिकारी	२
४१.शोध सहयोगी	६
४२.सिस्टम इंजीनियर	१
४३.हिन्दी अधिकारी	१
४४.कम्प्यूटर प्रोग्रामर	२
४५.सीनियर रेफरेक्सनिस्ट	१
योग ('अ' वर्ग कर्मचारी)	**१६७**

'ब' एवं 'स' वर्गीय कर्मचारी

वर्ग	सामान्य	अनु.जाति	अनु.ज.जाति	अ.पिछड़ा वर्ग	शा.वि.	योग
'ब' वर्गीय कर्मचारी	४३४	१२७	६२	१६०	०	७८३
'स' वर्गीय कर्मचारी	२४४७	४७७	१११	७४३	१०	३७८८
योग	**२८८१**	**६०४**	**१७३**	**९०३**	**१०**	**४५७१**

६. वित्तीय संसाधन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (का.हि.वि.वि.) केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्तर के होने के कारण संघ सरकार द्वारा नियमित बजट के माध्यम से अनुदान के रूप में आवश्यक वार्षिक बजटीय सहायता प्राप्त करता है। वर्तमान में अनुरक्षण व्यय एवं विकास व्यय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त क्रमश: ''गैर-योजना'' व ''योजना'' मद से पूरे किए जाते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा छात्र शुल्क, सम्पत्तियों से आय, दुग्धशाला एवं कृषि फार्म, चिकित्सालय, दुकानों की अनुज्ञप्ति शुल्क, आयुर्वेदिक औषधियों की बिक्री इत्यादि से आंतरिक संसाधन उपार्जित किये जाते हैं। विश्वविद्यालय के वर्ष २०१५-१६ हेतु वार्षिक लेखा को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है तथा वित्त समिति १३.०४.२०१६ को आयोजित अपनी बैठक में इसे अनुमोदित कर दिया है।

विश्वविद्यालय का राजीव गांधी दक्षिणी परिसर जो मिर्जापुर जनपद में स्थित है, वाराणसी स्थित मुख्य परिसर से ८० किमी. दूर है। इस नए परिसर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जन-जातीय बहुल विंध्य क्षेत्र के अल्प विकसित लोगों को रोजगारपरक उच्च शिक्षा तक पहुँच एवं सर्वांगीण विकास हेतु प्रशिक्षण व उद्यमी दक्षता हेतु अवसर प्रदान करना है। इस नए परिसर के विकास हेतु पूर्व योजना अवधि के दौरान आयोग द्वारा अलग से अनुदान प्रदान किए गए थे जिससे परिसर में अनेक आधारभूत संरचनाएं व अन्य सुविधाएँ पहले ही निर्मित की जा चुकी हैं।

कोषों की प्रकृति के अनुसार, विश्वविद्यालय अपना लेखा-जोखा का रख-रखाव निम्नलिखित मदों के अन्तर्गत करता है:-

(अ) सामान्य कोष ('राजस्व' खाता)

विश्वविद्यालय की गैर-योजना (राजस्व) बजट को पूरा करने के लिए हैं:

ऐसे शिक्षण/गैर-शिक्षण/तकनीकि आदि के रूप में विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन

- विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पेंशन एवं पेंशनभोगी को लाभ
- विश्वविद्यालय के दैनिक संचालन एवं रखरखाव के खर्च जैसे बिजली, पानी, ईंधन, चिकित्सा, सुरक्षा, उपभोग्य (कार्यालय एवं प्रयोगशाला दोनों)
- उपकरणों, कम्प्यूटरों का वार्षिक रखरखाव का अनुबंध
- हाउसकीपिंग, सुरक्षा, भवन एवं बुनियादी ढांचों का रखरखाव (छात्रावास एवं संबद्ध सुविधाओं के खर्चों की संख्या सहित)
- किसी अन्य व्यय को योजना बजट में शामिल नही किया गया है।

विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के लिए, विश्व स्तर के समर्थन और रख-रखाव राशि मौजूद होना चाहिए। वैश्विक मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय के विकास के लिए समर्थन और रख-रखाव निधि की उपलब्धता एक प्रमुख पूर्व अपेक्षित तत्व है। विश्वविद्यालय कोषों के लिए मुख्य स्रोत निम्नलिखित हैं:

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान
- आन्तरिक आय
- निवेशों पर ब्याज

विश्वविद्यालय को वित्तीय अनुदान भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से प्राप्त होता है। यह अनुदान ब्लाक अनुदान के रूप में भी जाना जाता है। विश्वविद्यालय का अनुरक्षण कोष निम्नलिखित क्षेत्रों के वार्षिक व्यय को पूरा करता है:

वर्ष २०१६-१७ के लिए राजस्व खाता के प्रमुख मदों के अन्तर्गत व्ययों का विवरण निम्नानुसार है :

संस्थापन :

- संस्थापन रु. ७४४२१.०२ लाख
- गैर-संस्थापन रु. ९३६९.००लाख
- **सम्पूर्ण व्यय (संस्थापन+गैर-संस्थापन) रु.८३७९०.०२ लाख**

विश्वविद्यालय के खाते की आय में लेने के बाद अनुरक्षण अनुदान के अंतर्गत विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति (२०१६-१७) निम्नवत् है:

- २०१६-१७ में यू.जी.सी. से प्राप्त धनराशि रु. ७८२७६.७७ लाख
- आन्तरिक आय रु. ४९२२.९५ लाख
- कुल अनुदान रु. ८३१९९.७२ लाख

पूंजीगत मद

ग्रंथालय-पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ, अन्य पूँजी (भवन एवं मशीनें), कार्यालय उपकरण, शिक्षण सम्बन्धी वस्तुएँ इत्यादि सहायता के आधार पर उपरोक्त व्यय में सम्मिलित की गई हैं जिनकी निगरानी की जाती है।

(ब) विशिष्ट निधि

- विशेष उद्देश्यों से दिए गए दान व उसके ब्याज जिसके अन्तर्गत पीठों हेतु वृत्ति, छात्रवृत्तियों, पुरस्कारों व पदकों के लिए स्थायी निधि है।
- जमा निधियों जैसे- जी.आई.एस., शिक्षक कल्याण कोष, जमानत राशि, सुरक्षा जमाराशि, संघ कोष शुल्क, इत्यादि।
- विशेष शुल्क जैसे- क्रीड़ा शुल्क, सार्वजनिक कक्ष, शैक्षणिक यात्रा शुल्क इत्यादि।
- संगणक केन्द्र, भारत कला भवन, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय का आवर्ती कोष, परामर्श शुल्क, इत्यादि द्वारा अर्जित आय को विभागीय विशिष्ट कोष में रखा गया है।
- इन मदों के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि का उपयोग केवल विशेष कार्यों

के लिए ही किया जाता है और इनके खर्च को आय के अन्दर ही नियंत्रित रखा जाता है।

वर्ष २०१६-१७ के अन्तर्गत सम्पूर्ण आय व व्यय इस प्रकार है :

आय	-	रु.२३०३१.७५लाख
व्यय	-	रु.१४०३०.८१ लाख

(स) परियोजना कोष

विशेष कार्यो के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य अभिकरणों यथा-जैव रसायन विभाग, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् इत्यादि से वित्तीय सहायता, जैसे-

- शोध परियोजना
- यात्रा अनुदान
- संगोष्ठी व सम्मेलन
- छात्रवृत्तियाँ

ये अनुदान शिक्षकों को विशिष्ट क्षेत्रों में शोध कार्य करने हेतु प्रदान किए गए। वर्ष २०१६-१७ की अवधि में आय व व्यय की स्थिति नीचे दी गयी है -

प्राप्तियां	-	रु.६८७५.१४ लाख
व्यय	-	रु.६३१८.५५ लाख

(द) सामान्य विकास निधि :

- योजना अवधि के अन्तर्गत विभागों के विकास हेतु भवनों, उपकरणों, सामानों व फर्नीचर इत्यादि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अनुदान।
- चयनित विभागों के लिए आधारभूत सुविधाओं की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता।
- कुछ निर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अनुदान।
- अनुसूचित जाति व जन-जाति की विकलांग महिलाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनुदान।
- विभाग वित्त प्रदायी अभिकरणों को प्रस्ताव प्रेषित करते हैं जो इन प्रस्तावों का सीधे तौर पर अथवा विशेषज्ञ समितियों के माध्यम से परीक्षण करवाते हैं।

वर्ष २०१६-१७ की अवधि में आय व व्यय की स्थिति नीचे दी गयी है :

अनावर्ती

प्राप्तियां	:	रु.७७२६.२८ लाख
व्यय	:	रु.१३७११.५९ लाख

आवर्ती

प्राप्तिया	:	रु.३५५८.५७ लाख
व्यय	:	रु.३७१३.२८लाख

प्रमुख उपलब्धियाँ

वर्ष २०१६-१७ के दौरान, विश्वविद्यालय के फर्नीचर,कम्प्यूटर परिष्कृत और महंगी वैज्ञानिक उपकरणो, भारी मशीनरी और बिजली के उपकरणों की खरीद पर पर्याप्त मात्रा में निवेश किया है, साथ ही साथ भवनों की निर्माण/मरम्मत के लिए खरीद अधिक कुशल और पारदर्शी प्रक्रिया, विश्वविद्यालय ने ई-प्रोक्योरमेंन्ट सिंस्टम को अपनाया है

खर्च को कम करने के लिए, विश्वविद्यालय अपने इमारतों में सौर ऊर्जा संयंत्र को स्थापित करने जा रहा है २०१६-१७ के वित्तीय वर्ष के दौरान, अपनी ईमारत की छत में सौर ऊर्जा पैनल स्थापित किये गये है। भविष्य में, यह न केवल बिजली पर लागत को कम करेगा बल्कि विश्वविद्यालय ने ई-प्रोक्योरमेंन्ट सिंस्टम को अपनाया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वर्ष २०१६-१७ से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय ने दोहरी लेखा प्रणाली अपनाई है। इस प्रणाली से और अधिक वैज्ञानिक व उत्तरदायी तरीके से आय-व्यय का लेखा-जोखा सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालय की वित्तीय प्रणाली की प्रक्रिया और प्रकार्य को उच्चीकृत करने के लिए कई सुधारात्मक उपाय किए गए हैं जैसे चालू खातों में सावधि जमा, परिसम्पत्तियों का बाह्य सत्यापन आदि। आगामी वर्षों में विश्वविद्यालय की प्रणाली में इसका प्रभाव परिलक्षित होगा। यह परिचालन देश के सबसे बड़े ट्रॉमा सेन्टरों में से एक होगा और इस सुविधा का शीघ्र ही उद्‌घाटन होगा।

७.संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित पुरस्कार, अध्येतावृत्ति, विशिष्टताएँ (अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय) एवं पेटेन्ट

पुरस्कार

पुरस्कारों का नाम व अधिनिर्णय प्रधिकारी	विभाग एवं प्राप्तकर्ता
जे.सी बोस स्वर्ण अध्येतावृत्ति (फेलोशिप) पुरस्कार: भारतीय पादप शरीर क्रिया विज्ञान समिति, नई दिल्ली	प्रो. कविता शाह पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
युवा वैज्ञानिक पुरस्कार: उत्तर प्रदेश विज्ञान तथा प्रोद्योगिकी परिषद, उ.प्र.भारत	डॉ. सुधाकर श्रीवास्तव पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
• प्रांरभिक वृत्ति अनुसंधान पुरस्कार (ईसीआरए)-२०१६: विज्ञान तथा इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (ईसीआरबी), भारत सरकार • अध्यापकों हेतु ग्रीष्म प्रशिक्षुता कार्यक्रम (एसआईपी) पुरस्कार: भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), आतंरिक्ष विभाग की एक इकाई (भारत सरकार), अहमदाबाद	डॉ. कृपा राम पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
• यूजीसी. अनुसंधान पुरस्कार: यूजीसी, नई दिल्ली • एम.शाह स्मृति अनुसंधान पुरस्कार स्वर्ण पदकः भारतीय वाणिज्य संघ	प्रो. एस.सी. दास वाणिज्य संकाय
२४ वां देवांग मेहता राष्ट्रिय शिक्षा पुरस्कार। संस्थान को अंतराष्ट्रीय व्यवसाय में उत्तम शैक्षिक निवेश (पाठ्यविवरण) का व्यवसाय स्कूल से सम्मानित किया गया (मुबंई में २५ नवम्बर, २०१६ को) देवांग मेहता शैक्षिक पुरस्कार, मुबंई	प्रबंधशास्त्र संकाय
वागयोग सम्मान (वागयोग चेतना पीठक, वाराणसी): वागयोग चेतनापीठम, वाराणसी	डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी वेदा विभाग
महर्षि वेदव्यास सम्मान: आखिल भारतीय विद्वत परिषद	प्रो. बी.एस. शुक्ल व्याकरण विभाग
विशिष्ट पुरष्कार, श्री विद्या मठ, केदारघाट	प्रो. एन.आर. श्रीनिवासन धर्मशास्त्र मीमांसा
विविद्या पुरस्कार: उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	डॉ. एम.जनार्दन रटाटे धर्मशास्त्र मीमांसा
व्यास पुरस्कार: उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	डॉ. शंकर कुमार मिश्रा धर्मशास्त्र मीमांसा
• अंतर्राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय टी.के. बसु अभिनंदन पुरस्कार: अंतर्राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय • अंतर्राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय द्वारा डॉ. पी.वी. सुखात्मे स्मारक पुरस्कार: अंतर्राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय	प्रो. अनिल कुमार चौहान खाद्य विज्ञान और प्रोद्योगिकी केन्द्र
राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय वार्षिक पुरस्कार: अंतर्राष्ट्रीय पोषण महाविद्यालय	डॉ. अभिषेक दत्त त्रिपाठी खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्र
०१ अगस्त, २०१३ से तीन वर्षो के लिए आईयूसीएए, पुणें के अभ्यागत सहयोगी को पुरस्कृत किया गया, आई.यू.सी.ए.ए, भारत	डॉ. आर. चौबे डी.एस.टी-सी.आई.एम.एस
कार्लस्टैड विश्वविद्यालय में शांति तथा संघर्ष में उन्नत पाठ्यक्रम हेतु लिनियस-पाल्में विनियम कार्यक्रम, स्वीडन से एम.सी.पी.आर. के अनुसंधान के लिए दो अध्येता वृत्तियां (फेलोशिप); लिनियस-पाल्म विनियम कार्यक्रम, स्वीडन	श्रीमान रोहन कुमार और कुमारी दृष्टि मुखर्जी मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र
शांति अनुसंधान केन्द्र, ओस्लो (नार्वे) से एम.सी.पी.आर. के शोध हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	डॉ. प्रशान्त कुमार मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र

• नोवार्टिस व्याख्यान पुरस्कार; आई.सी.एम.आर, नई दिल्ली • प्रारंभिक वृत्ति अनुसंधान पुरस्कार; एस.ई.आर.बी, नई दिल्ली	डॉ. एस.सी. गुप्ता मालवीय शान्ति और अनुसंधान केन्द्र
प्रो. श्री रंजन स्मारक व्याख्यान पुरस्कार; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	प्रो. एम. अग्रवाल वनस्पति विभाग
डा.वी. आंग्निहोथ्रदु स्मारक व्याख्यान पुरस्कार; भारतीय कवक विज्ञान समिति	प्रो. आर. एन. खरवार वनस्पति विभाग
• प्रांरभिक वृत्ति अनुसंधान पुरस्कार; डी.एस.टी.-एस.ई.आर.बी. • बीएसआर अनुसंधान पुरस्कार; यू.जी.सी.	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह वनस्पति विभाग
हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार; भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (आई.एस.सी.ए.)	डॉ. सुप्रिया तिवारी वनस्पति विभाग
प्रारंभिक वृत्ति अनुसंधान पुरस्कार; डी.एस.टी.- एस.ई.आर.बी.	डॉ. भानू प्रकाश वनस्पति विभाग
सी.आर.एस.आई. कांस्य पदक -२०१७; भारतीय रासायनिक अनुसंधान समिति	प्रो. एम.एस.सिंह रसायनशास्त्र विभाग
विगत तीन वर्षों में अति महत्वपूर्ण कारक प्रकाशन के लिए डॉ.एस.एस. देशपाण्डे राष्ट्रीय पुरस्कार। रू.२१०००/- की पुरस्कार राशि सहित पदक तथा प्रशस्त्रि पत्र, होल्कर राजकीय स्नातकोत्तर विज्ञान महा-विद्यालय, इन्दौर	विनोद कुमार तिवारी रसायनशास्त्र विभाग
प्रो. एन.आर.मुदगल युवा वैज्ञानिक पुरस्कार; भारतीय पुनुरुत्पादकता एवं प्रजनन अध्ययन समिति	डॉ. किरन सिंह आणविक एवं मानव जनन विज्ञान
डीबीटी के द्वारा एन.ई.आर में अभ्यागत शोध संकाय (वी.आर.एफ.) पुरस्कार; जैवप्रौद्योगीकी विभाग	डॉ. मौशमी मुस्तशुद्दी आणविक एवं मानव जनन विज्ञान
प्रों के.एल.एस. रामास्वामी स्मारक व्याख्यान पुरस्कार २०१६; प्रो. के.एल.एस.रामास्वामी स्मारक व्याख्यान,आई.एस.एस.आर.एफ	प्रो. सी. हल्दर जीवविज्ञान विभाग
०१ अगस्त २०१३ से तीन वर्षो तक आईयूसीएए, पुणे के अभ्यागत सहयोगी पुरस्कृत; आई.यू.सी.ए.ए, भारत	डॉ. आर. चौबे जीव विज्ञान विभाग
अपनी प्रारम्भिक पुस्तक के अनुवाद के लिए पुस्तक इनाम से पुरस्कृत	प्रो. के. मिश्रा इतिहास विभाग
• विशिष्ट अध्यापक पुरस्कार; धीरेन्द्र महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वाराणसी • काशी शक्ति पुरस्कार;लायंस क्लब इंटरनेशनल तथा संकल्प	प्रो. संगीता पंडित कंठ संगीत विभाग
रानी लक्ष्मीबाई सम्मान -२०१६; इनर व्हील क्लब उदय,सुबह-ए-बनारस (काशी),वाराणसी	प्रो. रेवती साकलकर कंठ संगीत विभाग
भारत गौरव रत्न पुरस्कार २०१६, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिषद्, नई दिल्ली	डॉ.दीपावनीता सिंहा रॉय नृत्य विभाग
अपनी पूर्व के हिन्दी अनुवाद के लिए पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित	प्रो. के. मिश्रा इतिहास विभाग
सेवा रत्न पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ महिला पुरस्कार, अब्दुल कलाम पुरस्कार तथा चिकित्सक दिवस पर अस्सी घाट, वाराणसी पर सम्मानित	प्रो. गीथा सुब्रमन्यम हदय रोग विज्ञान विभाग
अनुसंधान हेतु आगंतुक पुरस्कार,२०१६ भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा डॉ जीवन मेहता पुरस्कार २०१६	प्रो. श्याम सुन्दर सामान्य काय-चिकित्सा विभाग
''वासु मालिक भाषण पुरस्कार'' वी.ओ.जी.एस. के अर्न्तगत २०१६ में	प्रो. मंजरी माटा प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
प्रो. प्रियंबदा तिवारी भाषण पुरस्कार,२०१६ तथा एन.ए.एम.एस के द्वारा एफ.ए.एम.एस.	प्रो. अनुराधा खन्ना प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

''डॉ. मीरा आग्निहोत्री स्वर्ण पदक''	प्रो. मधु जैन प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
एफ.आई.सी.ओ.जी.	डॉ. लवीना चौबे प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
डॉ वी.एन.रायजादा स्मारक पुरस्कार	डॉ. आर पी मौर्या आप्थाल्मोलॉजी विभाग
डॉ.अवध दुबे स्वर्ण पदक पुरस्कार	डॉ. दीपक मिश्रा आप्थाल्मोलॉजी विभाग
भास्कर मल्ल स्वर्ण पदक	प्रो. जी.एन.खरे आप्थालमोलॉजी विभाग
आई.ओ.ए. सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार	प्रो. अमित रस्तोगी हड्डी रोग विभाग
ए.ओ.स्पाइन इंडिया, फेलाशिप पुरस्कार – २०१५-०६, एस.आई.सी.ओ.टी. मेरूदण्ड अंतर्राष्ट्रीय मेरूदण्ड फेलोशीप पुरसकार-२०१६	डॉ. संजय यादव हड्डी रोग विभाग
एपीकोन २०१६ में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार	डा. रत्ना पाण्डेय शरीर क्रिया विज्ञान
एन.एम.ओ. के द्वारा पूर्व-नैदानिक विषयों में सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार	डॉ. कुमार सर्वोत्तम शरीर क्रिया विज्ञान
डॉ. एच.मोरी अभिनन्दन पुरस्कार	प्रो. उषा विकृति विज्ञान विभाग
रेडिएशन आन्कोलॉजी के क्षेत्र में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार	प्रो. ए.के. अस्थाना आर.टी.और आर.एम विभाग
लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार -२०१६	प्रों.के.एन.द्विवेदी द्रव्य गुण विभाग
पतंजली योग गौरव पुरस्कार -२०१६ विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार -२०१६ चरक पुरस्कार-२०१६ काय चिकित्सा विशारद पुरस्कार-२०१६ महिमा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार -२०१६	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी कायचिकित्सा विभाग
अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार चरक पुरस्कार चिकित्सा विशारद पुरस्कार	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कायचिकित्सा विभाग
महामना सारस्वत पुरस्क ार-२०१६	डॉ. जे.पी. सिंह काय चिकित्सा विभाग
पंतजली योग गौरव पुरस्कार-२०१६ काय चिकित्सा विशारद पुरस्कार-२०१६ वागभट्ट पुरस्कार २०१६	डॉ. ए.के. पाण्डेय काय चिकित्सा विभाग
प्रसूति विशारद पुरस्कार-२०१६	डॉ. सुनीता सुमन प्रसूति तंत्र विभाग
''आयुर्वेदिक शिक्षा –सुधार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार	डॉ. आर के जायसवाल संज्ञाहरण विभाग
शालाक्य विशारद पुरस्कार-२०१६	डॉ. बी मुखोपाध्याय शालक्य तंत्र विभाग
योग गौरव पुरस्कार-भारतीय योग अकादमी सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार- विज्ञान भारती	डॉ. रानी सिंह सिद्धांत दर्शन विभाग
योग गौरव पुरस्कार-२०१६ वागभट्ट पुरस्कार-२०१६ सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार	डॉ. नीरू नथानी स्वास्थ्यवृत्त एवं योगा विभाग

योग गौरव पुरस्कार-२०१६ चरक पुरस्कार-२०१६ रोग निदान विशारद पुरस्कार-२०१६ महिमा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	डॉ. पी.ए. व्याडगी विकृति विज्ञान विभाग
माधव विशारद पुरस्कार-२०१६	डॉ. पी तिवारी विकृत्ति विज्ञान विभाग
रोग निदान विशारद-२०१६	डॉ. अनुराग पाण्डेय विकृत्ति विज्ञान विभाग
लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार-२०१६	प्रो. के.एन द्विवेदी द्रव्यगुण विभाग
मातृ शक्ति सम्मान; श्रीमद जगद गुरू विश्वविद्यालय ज्ञान सिंहासन महापीठ्य	डॉ. शान्ता चटर्जी वसन्त कन्या महाविद्यालय
सर्वोत्तम लेख पुरस्कार;संधान तथा स्वास्थ्य में नूतन प्रगति पर ५वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मनोविज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	डॉ. अनूज लता सिंह वसन्त कन्या महाविद्यालय
सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार,शैक्षणिक	डॉ. मुकेश कुमार सिंह डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
सर्वोत्तम लेख प्रस्तुति पुरस्कार • (दिसम्बर, २०१६);संधान तथा स्वास्थ्य में नूतन प्रगति पर ५वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजन समिति, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वाराणसी; भारत • उत्कृष्ठ समीक्षक पुरस्कार (नवम्बर,२०१६);अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तिगत भिन्नता अध्ययन समिति के सहयोग मान्यता पुरस्कार नीरदलैण्ड्स • समीक्षक मान्यता पुरस्कार (मई,२०१६) अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तिगत भिन्नता अध्ययन समिति के सहयोग से एल्सवायर नीदरलैण्ड्स	डॉ. अखिलेन्द्र कुमार सिंह डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

निर्वाचित /अध्येता

अध्येतावृत्ति का नाम	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
वैश्विक अध्येता, शांति शोध संस्थान, ओस्लो (पी.आर.आई.ओ)	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र

अध्येतावृत्तियाँ/एसोसियेटशिप/प्रायोजन

अध्येतावृत्ति का नाम	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
अध्येतावृत्ति; विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग (डी .एस.टी) भारत सरकार, भारत यू एस विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंच (जे.यू.सी.सी.टी.एफ), ने नेब्रास्का विश्वविद्यालय –लिंकर (यू.एन.एल) तथा खाद्य संस्थान हेतु डायेट्री जल (डी.डब्लू.एफ.आई.)	डॉ. राजीव प्रताप सिंह पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
शिक्षण एसोसिएटशीप; यू.जी.सी.-आई.यू.सी. भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान,शिमला	डॉ. विनिता चन्द्रा सामाजिक बहिष्करण तथा समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
अभ्यागत अध्येता; आई.एन.एस.ए.	डॉ.एस.के. दूबे वनस्पति विज्ञान विभाग
आशुतोष मुखर्जी अध्येता वृत्ति. आई.एस.सी.ए. २०१६-१७; भारतीय विज्ञान कांग्रेस,आई.एस.सी.ए. कोलकाता	डॉ. सी.एम.चतुर्वेदी विज्ञान संकाय
सी.एस.एस.ई.आई.पी. शिक्षण एसोसिएटशीप; आई.आई.ए.एस. शिमला	डॉ. विनीता चन्द्रा सामाजिक बहिष्करण तथा समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

फुल ब्राईट अध्येतावृत्ति; अंतर्राष्ट्रीय	प्रो. घनश्याम इतिहास विभाग
रेक्स कर्मवीर वैश्विक अध्येतावृत्ति; आई.सी.ओ.एन.जी.ओ., यू.एन.	डॉ. अमरनाथ पासवान सामाजिक बहिष्करण तथा समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
फुलब्राइट-नेहरू शैक्षिक तथा वृन्तिक उत्कृष्ठता फेलोशिप -२०१६ -१७; संयुक्त राज्य-भारत शैक्षिक संस्था (यू.एस.ई.एफ.आई.), नई दिल्ली	प्रो. संजय श्रीवास्तव राजनीति शास्त्र विभाग
सी.एस.एस.ई.आई.पी. शिक्षण एसोसिएटशिप; आई.आई.ए.एस, शिमला	डॉ.विनीता चन्द्रा सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
रेक्स करमबीर ग्लोबल फेलोशिप; आईसीओएन्जीओ, यूएन	डॉ. अमरनाथ पासवान सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
डॉ. जुवेन्ट्स फेलोशिप - सेंट फ्रान्सिस हास्पिटल एण्ड मेडिकल सेन्टर, हार्टफोर्ड कनेक्टिकट, यू.एस.ए. में कार्य किया	प्रो. ए.के. खन्ना सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग
भारतीय रेडियेशन ओन्कोलॉजी महाविद्यालय फेलोशिप	प्रो. एस. प्रधान आर टी एवं आर एम विभाग

सम्मान/श्रेष्ठता

सम्मान/श्रेष्ठता की प्रकृति	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
निर्वाचित सचिव, जरा विज्ञान संघ (भारत) २०१५-१६के लिए; जरा विज्ञान संघ (भारत)	प्रो. एस. प्रसाद जीवविज्ञान विभाग
अतुल स्मारक सम्मान; नेपाल काठमाण्डू	डॉ. स्वसरना खुंतिया वाद्य संगीत विभाग

सभापति/उप-सभापति

सभापति/उप-सभापति	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
सभा,एग्रोइयोसिस्टय विशेषज्ञ समूह; आई.यू.सी.एन. पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन आयोग	डॉ. पी.सी. अभिलाष पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
आयरलैण्ड भारतीय संस्थान,डबलिन में आई.सी.सी.आर. चेयर (२०१६-१७); भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली	प्रो. अंजू शरण उपाध्याय राजनीति शास्त्र विभाग
आई.सी.सी.आर. महात्मा गाँधी संस्थान मोका, मारीशस में संस्कृत तथा भारतीय दर्शन के प्रोफेसर। ०७.१०.२०१७ (पूर्वान्हे) से ०७.०३.२०१७ तक; भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली।	डॉ. देवेन्द्र नाथ तिवारी दर्शन धर्म विभाग

*** राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य**

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• कोर सदस्य -फास्ट ट्रैक युवा वैज्ञानिक योजना के लिस समिति - जीवन विज्ञान; एस.ई.आर.बी. भारत सरकार • सदस्य-साधारण सभा; विज्ञान तथा प्रौधोगिकी परिषद, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार	डॉ. ए.एस. रघुवंशी पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी	डॉ. सुधाकर श्रीवास्तव पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

१मार्च, २०१५से तीन वर्षो के लिए समिति सदस्य, भारतीय गणितीय सामिति	डॉ. बी. तिवारी डी.एस.टी-सी.आई.एम.एस
आई.ई.ई.ई. संकेत प्रसंस्करण /कम्पूटर संयुक्त अध्याय के कार्यकारी समिति के निर्वाचित सदस्य, उत्तर प्रदेश वर्ग: आई.ई.ई.ई.	डॉ. एम.के. सिंह डी.एस.टी.- अंतर्विषयक गणितिय विज्ञान केन्द्र
यूनेस्को संचालन समिति के सदस्य, यूनेस्को पेरिस	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
• विशेषज्ञ सदस्य, सी.ए.एस. सलाहकार समिति: यू.जी.सी.,नई दिल्ली • सदस्य, सपांदकीय मंडल,राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,२०१६ की कार्यवाही; एन.ए.एस.आई, इलाहाबाद	प्रो. एम. अग्रवाल वनस्पति विज्ञान विभाग
आजीवन सदस्य; एशियाई पी.जी.पी.आर. कृषि विज्ञान समिति आबर्न, अल्बाना,यू.एस.ए.	प्रों. सुरेन्द्र सिंह वनस्पति विज्ञान विभाग
• विशेषज्ञ सदस्य, एस.ए.आई.एफ;डी.एस.टी. • विशेषज्ञ सदस्य,सलाहकार समिति; यू.जी.सी.	प्रों. एल.सी.राय वनस्पति विज्ञान विभाग
सदस्य, शासी निकाय; वाडिया हिमालय के भूगर्भ शास्त्र संस्थान, देहरादून	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
• सदस्य, कार्यकारी परिषद; भारतीय जीवाश्म विज्ञान समिति, • सदस्य संपादकीय मंडल, भारतीय जीवाश्म विज्ञान समिति की पत्रिका; भारतीय जीवाश्म विज्ञान समिति	प्रो. ए.डी. सिंह विज्ञान संकाय
• संपादकीय मण्डल सदस्य; वर्तमान वित्तान • संपादकीय मण्डल सदस्य; भारतीय भूभौतिकीय संघ की पत्रिका • संपादकीय मण्डल सदस्य; हिमालय का भूगर्भ शास्त्र • संपादकीय मंडल सदस्य; भारतीय भूगर्भ शास्त्र पत्रिका • संपादकीय मंडल सदस्य; जर्नल ऑफ द जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया स्प्रींगर • संपादकीय मंडल सदस्य; भूगर्भ शास्त्र पत्रिका, विले	प्रो. एन.वी. चालपथी राव भूविज्ञान विभाग
सदस्य संपादकीय मण्डल; प्रगतिशील विज्ञान की पत्रिका, जैसपर प्रगतिशील विज्ञान समिति	प्रो. वी. श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
• सदस्य, संपादकीय मण्डल; डिस्कवरी: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक पत्रिका • सदस्य, कार्यकारी परिषद; भारतीय जीवाश्म विज्ञान समिति	प्रो. ए.डी. सिंह भूगर्भ शास्त्र विभाग
• संपादकीय मण्डल सदस्य; दूरस्थ संवेदन अनुप्रयोगों की अंतराष्ट्रीय पत्रिका, विज्ञान तथा इंजीनियरी प्रकाशन कंपनी • संपादकीय मण्डल सदस्य; अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शोध पत्रिका, विज्ञान भारती, मध्य प्रदेश	प्रो. वी. श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
१मार्च,२०१५ से तीन वर्षो के लिए समिति सदस्य, भारतीय गणितीय समिति	डॉ. वी. तिवारी डी.एस.टी.–अन्तर्विषयक गणितीय विषयक केन्द्र
आई.ई.ई.ई. संकेत प्रसंस्करण/कम्पूटर संयुक्त अध्याय के कार्यकारी समिति के निर्वाचित सदस्य, उत्तर प्रदेश वर्ग; आई.ई.ई.ई.	डॉ. एम.के. सिंह, डी.एस.टी.–अन्तर्विषयक गणितीय विषयक केन्द्र
दिल्ली विश्वविद्यालय में १४-१६ नवम्बर, २०१६; ए.सी.सी.टी.(आई) को अंतर्राष्ट्रीय सी.ए.आर.बी.ओ. xxxi सम्मेलन के दौरान सर्वोत्तम पोस्टर का चुनाव	डॉ. निधी मिश्रा ए.सी.सी.टी.
युवा वैज्ञानिक हेतु डी.एस.टी.-एन.पी.डी.एफ.	डॉ. धनन्जय कुमार डी.एस.टी.–अन्तर्विषयक गणितीय विषयक केन्द्र

युवा वैज्ञानिक हेतु डी.एस.टी.-एन.पी.डी.एफ.	डॉ. दिव्या कुशवाहा डी.एस.टी.–अन्तर्विषयक गणितीय विषयक केन्द्र
युवा वैज्ञानिक हेतु डी.एस.टी.-एन.पी.डी.एफ.	डॉ. कुन्ज बी. मिश्रा डी.एस.टी.–अन्तर्विषयक गणितीय विषयक केन्द्र
यूनेस्को संचालन समिति के सदस्य, यूनस्को, पेरिस	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
सदस्य के रूप में नामित, वैज्ञानिक सलाहकार समूह, बुनियादी चिकित्सा विज्ञान प्रभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान समिति २०१६, जे.पी. नड्डा, केन्द्रीय स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार के द्वारा बसंती देवी अमीर चंद पुरस्कार (आई.सी.एम.आर.) से २०१६में सम्मानित। २०१७ में चिकित्सा विज्ञान में मूल शोध कार्य में उत्कृष्टता हेतु सन फार्मा शोध पुरस्कार २०१६ से सम्मानित	प्रो. देबब्रत दास जैवरासायनिकी विभाग
संस्थापक सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय घाव कार्य तथा शोध संबंध, आस्ट्रेलिया	प्रो. वी.के. शुक्ला सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग
• भारतीय बार काउन्सिल निरीक्षण दल के सदस्य, शैक्षणिक मूल्यांकन हेतु, २-३नवम्बर,२०१६; भारतीय बार काउन्सिल • आई.आई.टी. गोवाहटी में आईएसएलई के कार्यकारी सदस्य; भारतीय श्रम अर्थशास्त्र समिति	डॉ. अनुप कुमार मिश्रा डी.ए.वी.पी.जी.कॉलेज

***शोध पत्रिकाओं के सम्पादक/समीक्षक**

शोध पत्रिकाओं के सम्पादक/समीक्षक	**प्राप्तकर्ता एवं विभाग**
अतिथि संपादक: पारिस्थितिकी संकेतक, एल्सवेयर	डॉ. पी.सी. अभिलाष पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
विषय संपादक, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही भारत वर्ग: जैविक विज्ञान (आई.एस.एस.एन : ०३६९-८२११), २०१६;एन.ए.एस.आई. इलाहाबाद	प्रो. एन.के. दूबे वनस्पति विज्ञान विभाग
संपादक : सूक्ष्म जैविकी में सीमांत	प्रो. आर.एन. खरवार विज्ञान संकाय
सह संपादक; पृथ्वी तंत्र विज्ञान पत्रिका	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
मुख्य संपादक ; पृथ्वी तंत्र विज्ञान पत्रिका	प्रो. एन.वी. चलपथी राव भूविज्ञान विभाग
वरिष्ठ संपादक ; उन्नत दूरस्थ संवेदन तथा जी.आई.एस. की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, क्लाउड प्रकाशन	प्रो. वी. श्रीवास्तव विज्ञान संकाय

***अन्य विशेष सम्मान**

अन्य विशेष सम्मान	**प्राप्तकर्ता एवं विभाग**
ई.जी.यू. में भाग लेने के लिए पात्र सहायक –सामान्य सभा बैठक – वियाना सम्मेलन, आस्ट्रिया; अंतर्राष्ट्रीय पर्वत विकास केन्द्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.),नेपाल	डॉ. कृपा राम पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
• अभ्यागत प्रोफेसरशिप; बीजिंग नार्मल विश्वविद्यालय, बीजिंग,चीन • अभ्यागत प्रोफेसरशिप; शारजहाँ विश्वविद्यालय, शारजहाँ, यू.ए.ई.	डॉ. पी.सी. अभिलाष पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
एल.एन.एम. विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त दरभंगा (२३/०३/२०१से २३/०३/२०२०)	प्रो. एस.के. सिंह प्रबंध अध्ययन संकाय

विश्वविद्यालय /महाविद्यालयों के प्रोफेसरों/एसोसिएट प्रोफेसरों/सहायक प्रोफेसरों के लिए संसदीय प्रक्रिया तथा कार्यविधि में २७वां अभिमूल्यन पाठ्यक्रम में भाग लिया (१२-६मई२०१७) संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो।	प्रो.ऊषा किरन राय प्रबंध अध्ययन संकाय
भारतीय विपणन पेशेवरों, मुंबई तथा अमेरिकी विपणन संघ, सेथ संस्थान .यू.एस.ए. के संयुक्त विश्व अकादमी में (जनवरी ६-८,२०१७ को मुंबई में) विपणन पर ५वाँ AIMAMA SHETH संस्था डाक्टरेट सह-संघ में भाग लेने के लिए संस्थागत प्रायोजक	डॉ. राजकिरन प्रभाकर श्रीमती शिल्पि राज और श्रीमान सुरेन्द्र कुमार प्रबंध अध्ययन संकाय
• १४-१५नवम्बर, २०१६ के बीच रिजेन्सी, कुवैत सिटी, कुर्बत में व्यावहारिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण हेतु सार्वजनिक प्राधिकार (पी.ए.ए.टी) के द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : शीर्ष वैश्विक सम्मेलन में लेख प्रस्तुत किया • हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में, कार्यनीति का बसंत सत्र अलपावधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। • कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में ‘मनोविज्ञान’ के अल्पावधि पाठ्यक्रम में भाग लिया।	श्रीमती अपर्णा सिंह और प्रो. एच.पी माथुर प्रबंध अध्ययन संकाय
१५-१६फरवरी,२०१७ को लंदन,यूनाइटेड किंगडम में प्रणाली, सुरक्षा तथा संधारणीयता में स्मार्ट ट्रेंड्स पर विश्व सम्मेलन में शोध छात्र के रूप में भाग लिया तथा लेख प्रस्तुत किया।	श्री मती पल्लवी ठक्कर और प्रो. एच.पी. माथुर प्रबंध अध्ययन संकाय
१५जनवरी २०१७ को गुड़गाँव में आयोजित हल्ट पुरस्कार भारत २०१७ के राष्ट्रीय समापक में संस्थान के छात्र दल ने प्रस्तुति दी। एक स्वतंत्र निर्णायक मंडल के द्वारा २५ स्टार्ट अप दलों में से एक को शार्ट लिस्ट किया गया। हल्ट पुरस्कार भारत २०१७ का राष्ट्रीय समापक।	एकांश मंगल, उत्कर्ष कसेरा तथा गौरग अग्रवाल प्रबंधन अध्ययन संस्थान
कैंपस प्लेसमेंट के आधर पर देश के टॉप २६बी-स्कूलों में आई.एम.-बी.एच.यू. शामिल हुआ/द इकोनोमिक टाइम्स (९सितम्बर २०१६,नई दिल्ली)	प्रबंध अध्ययन संस्थान
• स्वीकृत समीक्षक; खाद्य तथा रासायनिक विष विज्ञान, एल्सवेयर प्रकाशन • स्वीकृत समीक्षक; रसायन-जैविकी परस्पर क्रियाएं, एल्सवेयर प्रकाशन	डॉ. एस.सी. गुप्ता जीवरसायन विभाग
पेटेंट्स (एकस्व) २५८६/डी.इ.एल./२००६तथा २३३/डी.ए.एल/२०११	प्रो. एन.के.दूबे वनस्पति विज्ञान विभाग
अध्यक्ष,Soc. Reprod. Biol. Comp. Endocrinol, तारामणि, चेन्नई; Soc. Reprod. Biol. Comp. Endocrinol, तारामणि, चेन्नइ	प्रो.सी.हल्दर जीवविज्ञान विभाग
२०१५-१६ के लिए जरा विज्ञान संघ, भारत के सचिव निर्वाचित, जरा विज्ञान संघ, भारत	प्रो. एस प्रसाद जीवविज्ञान विभाग
आई.एन.एस.ए. वरिष्ठ वैज्ञानिक; आई.एन.एस.ए. नई दिल्ली	डॉ. एस.सी. लखोटिया जीवविज्ञान विभाग
भारतीय कोशिका जैविकी संघ के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; भारतीय कोशिका जैविकी संघ	डॉ. बी.एन.सिंह जीवविज्ञान विभाग
आई.एन.एस.ए. जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी अभ्यागत वैज्ञानिक (२०१६); आई.एन.एस.ए. नई दिल्ली	डॉ. आर रमन जीवविज्ञान विभाग
विज्ञान में उत्कृष्टता हेतु प्रोफेसर सी.एन.आर. राव पुरस्कार; का.हि.वि.वि.	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
विज्ञान में उत्कृष्टता हेतु प्रोफेसर सी.एन.आर. राव पुरस्कार; का.हि.वि.वि.	प्रो. एन.वी.चालपथी राव वनस्पति विज्ञान विभाग
प्रतिष्ठित प्रोफेसर; का.हि.वि.वि.	प्रो. अरुणा सिन्हा इतिहास विभाग
विज्ञान में उत्कृष्ठता हेतु प्रोफेसर सी.एन.आर.राव पुरस्कार; का.हि.वि.वि.	डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग

विशिष्ट प्रोफेसरशिप; का.हि.वि.वि.	प्रो. एल.सी.राय वनस्पति विज्ञान
शास्त्रीय प्रस्तुति – १४ दिसम्बर २०१६; मानिक नगर पर्व, वीदर कर्नाटक	डॉ. के.ए. चचंल गायन संगीत विभाग
• शास्त्रीय प्रस्तुति-०५-०९-२०१६,वाराणसी; सिद्धिविनायक मंदिर, वाराणसी • शास्त्रीय प्रस्तुति २५-२६-१२-२०१६, नई दिल्ली; विज्ञान भवन, नई दिल्ली • शास्त्रीय प्रस्तुति-०५-०१-२०१७; इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य उपाध्याय गायन संगीत विभाग
वायलीन चक्रवर्ती, उत्तर प्रदेश, एस.एन.ए.; श्रीलंका, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	प्रो. वी.बालाजी वाद्य संगीत विभाग
तबला ऋषि; संगीत सम्राट, बलिया	डॉ. प्रवीण उद्धव वाद्य संगीत विभाग
भारत गौरव रत्न आई.बी.सी., नई दिल्ली	डॉ. वी. सत्यवर्ण प्रसाद वाद्य संगीत विभाग
प्रतिष्ठित इतिहास प्रोफेसर, का.हि.वि.वि.	प्रो. अरुण सिन्हा इतिहास विभाग
मोफे, गोडे भाषण, भारतीय न्यूरो निश्चेतन तथा महत्वपूर्ण देखभाल समिति, वर्ष २०१८ के लिए	प्रो. एल.डी.मिश्रा संज्ञाहरण विज्ञान विभाग
बी.एल.एस/ए.सी.एल.एस. अनुदेशक	डॉ यशपाल सिंह संज्ञाहरण विज्ञान विभाग
बी.एल.एस/ए.सी.एल.एस. अनुदेशक	डॉ. गौरव जैन संज्ञाहरण विज्ञान विभाग
एफ.सी.एस.आई.	डॉ. धर्मेन्द्र जैन हृदय रोग विज्ञान विभाग
एफ.ई.एस.सी., एफ.आई.सी.सी.	डॉ. विकास अग्रवाल हृदय रोग विज्ञान विभाग
आई.ए.डी.वी.(यू.पी.तथा यू.के.) के द्वारा के एन सक्सेना भाषण पुरस्कार का.हि.वि.वि. के, द्वारा प्रकाशन में शैक्षिक उत्कृष्टता क्रम पुरस्कार २०१५	प्रो. सत्येन्द्र कुमार सिंह त्वचा विज्ञान तथा वेनरोलॉजी विभाग
एसीकॉन-२०१६ के दौरान सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया	प्रो. राहुल खन्ना सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग
एफ.ए.सी.एस., आई.ए.जी.ई.एस. बंग्लादेश के ए.एम.ए.एस.आई. में संकाय	प्रो. एम.ए. अंसारी सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग
एशीकॉन -२०१६ के दौरान सर्वश्रेष्ठ लेख सत्र में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।	डॉ. (श्रीमती) सीमा खन्ना सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग
एस.जी.पी.जी.आई. बी.आर.ई.ए.एस.टी. पाठ्यक्रम २०१६, लखनऊ में यात्रा अनुदान पुरस्कार, १३-१४ फरवरी २०१६ एस.जी.पी.जी.आई. बी.आर.ई.ए.एस.टी. पाठ्यक्रम २०१६ लखनऊ में पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार।	डॉ. राम निवास मीणा सामान्य शल्य चिकित्सा
एन.ए.एम.एस. के द्वारा एफ.ए.एम.एस.	प्रो. गोपाल नाथ सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
आई.एन.एस.ए. -डी.एफ.जी. वैज्ञानिक कार्यक्रम का विनिमय	प्रो. ओ.पी. मिश्रा बाल चिकित्सा विभाग
आई. एन.एस.ए. वैज्ञानिक कार्यक्रम का विनिमय	प्रो. अशोक कुमार बाल चिकित्सा विभाग
एम.अन.ए.एम.एस.	डॉ. ईशान कुमार रेडियोडायग्नोसिस तथा इमेजिंग विभाग

एफ.आई.सी.ए.ए.ए., एफ.एन.सी.सी.पी.	प्रो.जे.के. मिश्रा क्षय रोग तथा श्वास प्रश्वास संबंधी रोग विभाग
एफ.ए.पी.एस.आर., एफ.ए.सी.सी.पी.	प्रो. एस.के. अग्रवाल क्षय रोग तथा श्वास प्रश्वास संबंधी रोग विभाग
एफ.ए.सी.सी.पी.	डॉ. जी.एन. श्रीवास्तव क्षय रोग तथा श्वास प्रश्वास संबंधी रोग विभाग
एफ.ए.पी.एस.आर.	डॉ. दीपक कुमार शाह क्षय रोग तथा श्वास प्रश्वास संबंधी रोग विभाग
भारतीय दंत चिकित्सा संघ के द्वारा प्रो. टी.एन.चावला भाषण पुरस्कार के.जी.एम.यू. लखनऊ में विशिष्ट भूतपूर्व छात्र पुरस्कार	प्रो.टी.पी.चुर्तवेदी दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय
के.जी.एम.यू. लखनऊ में विशिष्ट भूतपूर्व छात्र पुरस्कार	प्रो. नरेश कुमार दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय
अंतर्राष्ट्रीय दंत चिकित्सा महा विद्यालय फेलोशिप २०१६	डॉ. एच.सी.बरनवाल दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय
अंतर्राष्ट्रीय दंत चिकित्सा महा विद्यालय फेलोशिप २०१६	डॉ. अदित दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय
गोवा में ५१वें आई.ओ.सी. में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पोस्टर	डॉ. अजीत विक्रम परिहार दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय
• इन्वाइटेड फॉर डी.आई.सी. एक्सीबिशन; राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली • कमेटी मेम्बर; राष्टीय संस्कृति महोत्सव वारणसी २०१६, संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली	डॉ. मनीष अरोरा व्यावहारिक कला विभाग
• मानचेस्टर विश्वविद्यालय .यू.के. में व्याख्यान देने हेतु विशेष निमंत्रण, ५सितम्बर २०१६ ; डी.एफ.आई.डी.-इ.एस.आर.सी.,यू.के. • लिड्स विश्वविद्यालय, यू.के. में विशेष लेख प्रस्तुति, ६-८ सितम्बर, २०१६; डी.एफ.आई.डी.-इ.एस.आर.सी.,यू.के.	डॉ. अनुप कुमार मिश्रा, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
''साहित्य श्री'', जून २०१६,पेरिस (फ्रांस); इनाल्को (पेरिस,फ्रांस) तथा अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला मंच (भारत)	डॉ. मधु सिसोदिया, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
शिक्षा प्रज्ञाता, शास्त्रार्थ महाविद्यालय	डॉ. सुचीता त्रिपाठी, ए.एम.पी.जी.कॉलेज

पेटेन्ट

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पेटेंट का विषय	आवेदन पत्र का वर्ष	वर्तमान स्थिति
१.	डॉ. एस.के. चौधरी, डॉ. एस.एन. ओझा एवं डॉ. वी. रामास्वामी	"डेवलेपमेंट ऑफ वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स फॉर स्पाइरली वेल्डेड लाइन पाइप स्टील्स"	आरडीसीआईए स, सेल द्वारा प्रस्तुत	१९९२ में प्रदत्त
२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे; डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन युज़्ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रियूमेटायड आर्थराइटिस"	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १९०४३९ (ए१)
३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे; डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ सीज़र डिसआर्डर्स"	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७३४ (ए१)
४.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फार द ट्रीटमेंट आफ नान-अल्सर डिसपेप्सिया"	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९९६६ (ए१)
५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ ए न्यू फार्मुलेशन एडवोकेटेड फार द मैनेजमेंट आफ एलर्जिक रिनाइटिस "	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७२५ (ए१)
६.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय,का.हि.वि.वि.	"एन इम्प्रूव्ड आयन-सेलेक्टिव इलेक्ट्रोल्ड यूजफुल फॉर सेंसिंग पोटैशियम आयन फ्लूड्स"	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५५१२
७.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड बॉयोसेंसर फॉर यूरिया"	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३८३
८.	प्रो. अनिल कुमार राय, आर्थोपेडिक्स विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"बाइसेंट्रिक हिप रिप्लेसमेंट डिवाइस" कामन्ली नो एज़ बीएचयू हिप डिवाइस	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१६८०००
९.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"ए डिवाइस यूजफूल फॉर सेंसिंग कॉपर (I) आयन इन फ्लूड्स"	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२१६०१
१०.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड मेटल बेस्ड पी.एच. इलेक्ट्रोल्ड"	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१८३४०
११.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार प्रोड्यूसिंग हर्बल कम्पोजिशन फार यूज़ इन इरिटेबल बावेल सिन्ड्रोम"	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०९७३ (ए१)
१२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे एवं अन्य	"ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ हर्बल कम्पोजिशन फार इम्प्रूवींग मेंटल कैपैविलिटीज"	१९९९	ग्रान्टेड इण्डिया पेटेंट नं. १९१४८४ (ए१)
१३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, प्रो. प्रेमवती तिवारी, डॉ. अरुना अग्रवाल	"प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ हर्बल ऑफ फार्मास्यूटिकल् कम्पोजिशन फार द मैनेजमेन्ट मिनोपॉज़ल सिन्ड्रोम"	२०००	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०८५० (ए१)

१४.	डॉ. एन.सी. करमाकर एवं अन्य, धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान, का.हि.वि.वि.	"एप्लीकेशन ऑफ ग्राफ्टेड एमिलोपेक्टीन फॉर वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट"	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २००१२५
१५.	श्री राजेश्वर प्रसाद, डॉ. केशर प्रसाद यादव, श्री अनिल कुमार राय, श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह* एवं श्री गौतम बनर्जी	"डिवाइस फॉर सीलिंग इन्साइड एन अपवार्ड ड्रील्ड बोरहोल फॉर हाई प्रेसर वॉटर इंजेक्शन इन अंडरग्राउण्ड माइन्स"	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६६०
१६.	डॉ. बिपीन कुमार गुप्ता, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ग्राफिटिक नैनो फाइबर्स एण्ड एपैरेट्स देयरफॉर"	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२२८२६७
१७.	श्री अनिल कुमार राय, श्री राजेश्वर प्रसाद, श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह*, डॉ. केशर प्रसाद यादव, श्री गौतम बनर्जी	"एन इम्प्रूव्ड केविंग लॉंगवॉल मेथड फॉर विनिंग ऑफ कोल फ्रॉम थिक सीम इन सिंगल लिफ्ट अंडर मैसिव एण्ड हार्ड रूफ कंडिशन्स इन अंडरग्राउण्ड माइन्स"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१९३०५
१८.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, डॉ. गोविन्द सिंह और अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"ए डिवाइस फॉर क्वांटिटेटिव इस्टीमेशन ऑफ क्रिटनिन"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२३६२१
१९.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ लोस ऑफ कागनिटिव डेकलीन एमंग द एज्ड पापुलेशन एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३२५०७
२०.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया एण्ड हाइपरट्राईग्लाइसरडाइमिया"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२६२४२
२१.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन आफ लीवर साइरोसिस आफ वेरिंग इटियोलॉजी"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०८०६
२२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल फार्मुलेशन फार प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ कोरिज़ा एण्ड ए प्रासेस देयरआफ"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०७८६
२३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ पोटन्शियल डियावेट्स एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०७४९
२४.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल कम्पोजिशन हैविंग एन्टी-स्ट्रेस एण्ड एडाप्टोजेनिक प्रापर्टीज़ एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन देयरआफ"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६८८
२५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए हर्बल फार्मुलेशन फार द मैनेजमेन्ट आफ आस्टियो-आर्थराइटिस एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन देयरआफ"	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६८३

२६.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे,	"हर्बल प्रिपरेशन फॉर मैनेजमेंट आफॅ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड न्यूरोलॉजिक डिसआडर्स"	२००२	ग्रान्टेड यू.एस.: ७,२७३,६२६ बी२; यूरोपियन यूनियन : १५६९६६६ ब्रिटेन : ०८८५७१३८००१ फ्रांस : ०२८०८२४७.७ इटली : ८५०६२ बीई/२००६, आस्ट्रेलिया : डब्ल्यू.ओ. २००४/०५४५९२ ए१
२७.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	"ए प्रॉसेस ऑफ प्रिपरेशन ऑफ एंटीजेमा एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस (नटमेग)"	२००३	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३५९९०
२८.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर फॉर डिटरमाइनिंग डोपामाइन लेवेल्स"	२००३	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९६७६३
२९.	प्रो. ओमकार नाथ श्रीवास्तव, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए नावेल एबी५ टाइप हाइड्रोजन स्टोरेज मैटेरियल एण्ड प्रोसेस ऑफ प्रिपरेशन देयरऑफ	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २४३९३८
३०.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	"ए प्रॉसेस ऑफ प्रीपरेशन ऑफ एंटीकैंडीडायसिस एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस"	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२७३६४
३१.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	"ए प्रॉसेस ऑफ फारमुलेशन ऑफ नीम (एजाडिरक्टा इंडिका) रूट बेस्ड नेचुरल फंगीसिडाल प्रोड्क्ट"	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२६२१३
३२.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	'प्रीपरेशन ऑफ ए ड्रग फ्रॉम ड्राई मेच्यूर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस फॉर द ट्रीटमेंट एण्ड कंट्रोल ऑफ सोराइसिस इन ह्यूमन बीइंग्स बाई एक्सटर्नल एप्लीकेशन्स"	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१७८३१
३३.	डॉ. भीमबली प्रसाद, डॉ. धनलक्ष्मी, डॉ. पियूष सिंधू शर्मा, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए नॉवेल मॉलेक्यूलरली इम्प्रींटेड पॉलीमर (एम.पी.)-इमोबिलाइज्ड सिलिका जेल सॉर्बेट प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फॉर डिटरमिनेशन ऑफ बारबाईट्यूरिक एसिड यूजिंग द सेम मिप-बेस्ड सॉर्बेट"	२००५	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३५५
३४.	प्रो. रमेश चन्द्र, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	"ए प्रासेस फॉर प्रोड्यूसिंग रियूजेबुल फॉर द प्रिवेंशन ऑफ अथौरोस्लेरोसिस एण्ड हाइपरलिपिडेमिया"	२००५	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३६३८३

३५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"हर्बल फॉर्मुलेशन फॅार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज़ मेलिटस् एण्ड डायबिटिक माइक्रो-वेसकुलर काम्प्लीकेशन्स"	२००५	आवेदन नं. भारत १३९७/डीईएल/२००५ यूएस २००९/०२१४६७८ (ए१) यूरोपियन यूनियन डब्ल्यूओ २००६१२९३२५ (ए१) ई.पी.१९०१६९७ (ए१)
३६.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल एवं अन्य	"ए हर्बल प्रिपरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ रियूमेट्यड आर्थराइटिस एण्ड असोसिएटेड कम्पलेन्ट्स्"	२००७	आवेदन सं. १९३/सीएचई/२००७
३७.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	"ए हर्बल पिपरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ल्यूकोडर्मा"	२००७	आवेदन सं. १९४/सीएचई/२००७
३८.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	"रोल आफ सालसिया ओबलोन्जा इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ इन्डोथेलॉल डिसफंक्शन इन टाईप-दो डाइबिटीज़ मेलिटस्"	२००७	आवेदन सं. ३१४/सी.एच.ई./२००७
३९.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	'आग्रेनिक एक्सट्रैक्टस् आफ हिप्पोफाए रेएनोएड्स फॉर द प्रिवेशन एण्ड मैनेमेंट ऑफ हायपरहोमोबनटेनेमिया, डायसलिपिडेमियां एसोसिएटेड विथ सीएचडी"	२००७	आवेदन सं. ३१५/सी.एच.ई./२००७
४०.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	"ए नोवेल हर्बल फार्मुलेशन एडवोकेटेड एण्ड टू ए प्रासेस देयरआफ फार द प्रेवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ न्यूरोसायक्लॉजिकल चेंजस एसोसिएटेड विथ मेनोपाउज़ल वुमेन"	२००७	आवेदन सं. ८५१/डी.ई.एल./२००७
४१.	प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी, डिमार्टमेंट ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	" ए नॉवल पोली- हर्बल प्रीपेशन फार द प्रीवेन्शन ऑफ एथेरोस्क्लेरोसीस एण्ड हाइपरइपिडेमिया"	२००७	एन.ओ.सी. निर्गत भारतीय पेटेंट फिल्ड न.०२३८२५८ दिनांक २७.०१.२०१० यू.एस. पेटेंट संख्या ७४१६७४३
४२.	प्रो. डी. दास, बायोकमिस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"नॉवेल एण्टी – प्लेटलेट एण्ड एन्टी – थ्रोम्बोटिक प्रोप्रर्टीज ऑफ नैनो सिल्वर विद पोटेन्शियल थेराप्यूटिक एप्पलीकेशन्स"	२००८	एन.ओ.सी. निर्गत पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २४१६/डी.ई.एल/२००८ दिनांक २३.१०.२००८ पेटेंट अनुमति नं० २७३७५२

४३	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	" ए हर्बल फार्मूलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ कॉमन कोल्ड एण्ड कफ़ एण्ड असोसिएटेड प्राब्लम्स"	२००८	आवेदन सं. ६४/ के.ओ.एल./२००८
४४	डॉ. नीलम श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	" फेनोमेन ऑफ ह्यूमिडिटी कन्ट्रोल्ड रिगेनिंग ऑफ मोबाइल आयोनिक चार्ज कैरियर्स इन स्टार्च बेस्ड इलेक्ट्रोलाइट"	२००९	ए.ओ.सी. निर्गत/पेटेंट ओवेदन संख्या दर्ज किया १६६४/डी.ई.एल/२०१२
४५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"आयुर्वेदिक फॉर्मुलेशन एडवोकेटेड फॉर द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोरोनेरी हार्ट डिजीज"	२००९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. यू.एस. ८३१८२१६ (बी२) ईपी २३९३५०३ (ए१)
४६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ऐ नोबल हर्बल फार्मुलेशन एण्ड प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम-एक्स"	२००९	आवेदन सं. १९९६/डी.ई.एल./ २००९
४७	डॉ. श्याम सुन्दर, मेडिसिन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"(क) डायग्नोसिस ऑफ इण्डियन विसेरल लिशमेनिशिस (वीएल) बाइ न्यूक्लिक एसिड डिटेक्शन यूजिंग पीसीआर (ख) आइन्डेन्टीफिकेशन एण्ड करेक्टराइजेशन ऑफ एल. डोनोवानी स्पेसीफिक एण्टीजेन"	२०१०	एन.ओ.सी.निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
४८	प्रो.एन.के.दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	" ए केमिकली स्टैण्ड्राइज्ड कम्पोजिशन कंटेनिंग प्लांट इसेंसिएल ऑयल इफिकेशियस ऐज एंटीफंगल, एफलाटॉक्सीन सप्रेसर, इनसेक्टीसाइडल एण्ड एन्टी-ऑक्सीडेंट" मॉडीफाइड टाइटिल – "ए नॉवल प्लांट इसेंसिएल ऑयल साइनरजेस्टिक कम्पोजीशन एण्ड इट्स प्रिपरेशन।"	२०१०	आवेदन संख्या २३३/डेल/२०११ टी.आई.एफ.ए.सी.,डी.एस.टी.,नई दिल्ली के माध्यम से प्रस्तुत।

४९	डॉ. (श्रीमती) आशा लता सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''रिमूवल ऑफ आरसिनिक फ्रॉम वेस्ट वाटर यूज़िंग लेक्टोबेसिलस एसिडोफाइलस''	२०१०	प्रक्रिया अन्तर्गत (रिक्वेस्टेड टू आब्टेन परमिशन फ्राम सीएसआईआर आन पटेंटबीलीटि ऑफ इनवेन्शन इन हर वन नेम-नो रिसपोन्स)
५०	ए.सी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य	अल्ट्रा फास्ट फेसिल मेथड फॉर द फॉरमेशन ऑफ कार्बन नैनो शीट्स एण्ड इट्स पॉलीमर कम्पोसाइट्स''	२०१०	पेटेंट आवेदन संख्या २९१५/डेल/२०१०
५१	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रॉसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पॉलीइंडोल कंडक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मॉरफोलॉजी''	२०१०	पेटेंट आवेदन संख्या २९१४/डेल/२०१०
५२	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''अस्टेरासेई एण्ड पेपवेरेएइ प्लांट्स एक्स्ट्रैक्ट्स ऐज इफिसिएंट कोरोसिऑन इनहिबिटर्स ''	२०१०	आवेदन संख्या २९१३/डेल/२०१०
५३	प्रो.पी.सी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य	''कैल्सियम आयन-सेंसर कम्प्राइज़िग आइनोफोर/ कैरियर-फ्री पॉलीइंडोल-केंफर सल्फोनिक एसिड कम्पोजिट''	२०१०	नेशनल पेटेंट फील्ड सी.बी.आर. संख्या ८३७८ दिनांक ०४.१०.२०१० पेटेंट आवेदन संख्या २३८३८/डेल/२०१० दिनांक ०४.१०.२०१०
५४	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रोसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पोलीकारबोजोल कन्डक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मारफोलॉजी''	२०१०	पेटेंट एप्पलीकेशन संख्या १२८९/डेल/२०१०
५५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ.अरुना अग्रवाल और अन्य	''रोल ऑफ एन हर्बल फॉर्मुलेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज रिलेटेड न्यूरोजेनरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया''	२०१०	यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३(ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३ (ए८)

५६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ.अरुना अग्रवाल और अन्य	‘‘रोल ऑफ एन हर्बल फॉर्मुलेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज रिलेटेड न्यूरोजेनरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया’’	२०१०	आवेदन सं. २२७१/सी.एच.ई./२०१० यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४२३(ए१)
५७	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरींग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर प्रेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चार फॉर भेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	२०१०	नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या- ०९/डेल/२०११ दिनांक १२.०१.२०११ नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या- ६७/डेल/२०११ दिनांक ०४.०१.२०११ नाव वान्टस टू फाइल टू इन्टरनेशनल पेटेंट ऑन द सेम टोपीक्स एस एबव
५८	प्रो. वकील सिंह, डिपार्टमेन्ट ऑफ मेटलर्जीकल इंजीनियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	इफेक्ट्स ऑफ सरफेस नैनोक्रेस्टेलीजेशन ऑन ओइन्टीग्रेशन ऑफ सीपी-टाइटेनियम	२०१०	फिल्ड ऑन २५.०५.२०११ एण्ड पब्लिस्ड इन जर्नल संख्या३३/२०११ ऑन दिनांक १९.०८.२०११ अप्लिकेशन अवेटिंग इक्जामिनेशन आवेदन संख्या१४८६/डेल/२०११
५९	प्रो. देवेन्द्र कुमार, डिमार्टमेन्ट ऑफ सेरामिक इंजीरियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	आयरन एलूमीना बेस मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट मटेरियल	२०१०	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६०	प्रो. धनंजय पाण्डेय, स्कूल ऑफ मेटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) रियक्टिव कम्पेटिबीलाइजेशन ऑफ पॉलीकार्बोनेट एण्ड ($SnCl_2.2H_2O$,{[$CH_3(CH_2)_3CH(C_2H_5)COO]_3Sn(CH_2)_3CH_3$} and {[$CH_3(CH_2)_3CH)C_2H_5)COO]_2S$} (ख) मिसिबल पॉलीकार्बोनेट ब्लेड थ्रू रियक्टिव एक्टूसन (ग) कम्पटीबल ब्लेड ऑफ पॉलीकार्बोनेट वीथ क्रालेट पॉलीमर	२०१०	एन.ओ.सी. निर्गत/ वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या - आई.पी.आर.सेल/५२ दिनांक १०.१०.२०१२/प्रतिक्रिया नहीं पेटेंट आवेदन संख्या- १४१/डेल/२०११ दिनांक २०.०१.२०११

६१	प्रो. डी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य, स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	" ए प्रोसेस फॉर प्रीप्रेशन ऑफ ए होमोजिनियस पॉलीमर ब्लेंड्स पार्टीकुलर्ली ब्लेंड्स ऑफ पॉलीकार्बोनेट (पीसी) एण्ड पॉली (मेथाइलमेथाक्राइलेट) (पीएमएमए)"	२०११	पेटेंट एप्पलीकेशन संख्या १४१/डेल/२०११
६२	प्रो. वकील सिंह, डॉ. राजेश बंसल एवं अन्य, दंत चिकित्सा संकाय	"इफेक्ट ऑफ सरफेश नैनोक्रिस्टलाइज़ेशन ऑन ओसिओइंटेग्रेशन ऑफ सीपी-टाइटेनियम"	२०११	आवेदन संख्या १४८६/डेल/२०११ (परीक्षण प्रतीक्षारत)
६३	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरून अग्रवाल एण्ड अदर्स	हर्बल फार्मूलेशन एडवोकेटेड फॉर द प्रीवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोनरी हर्ट डीजीज	२०११	ग्रान्टेड पेटेंट नं. यू.एस २०१२००३४३२६ ए१ दिनांक १७ दिसम्बर २०१३ पब्लिश्ड इन भारतीय आवेदन संख्या २२७०/सीएचई/२०१०
६४	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरून अग्रवाल एण्ड अदर्स	अ नॉवेल हर्बल फारमूलेशन फॉर द माड्यूशन आफ इम्मूनी सिस्टम ऑफ एच.आई.वी इनफेक्टेड पेटेंट एण्ड अ प्रोसेश ऑफ प्रीपरेशन देयरऑफ	२०११	आवेदन संख्या यू.एस.२०१३०७१४३५ (अ१), डब्लू.ओ.२०१३०४२१ ३२ (अ१), ई.पी२७५८०६४ (अ१)
६५	प्रो. गोपाल नाथ, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"नॉवेल स्यूडोमोनास एरुजिनोसा बेक्टेरियोफेज़ेश एण्ड देयर यूसेज़ेज इन सेप्टीसिमिया" मोडीफाइड टाइटील- कम्पोजिशन फॉर थेराप्यूटीक या प्रोफिलेक्टीक ट्रीटमेन्ट आफ बैक्टेरियल इनफेक्शन	२०११	पेटेंट आवेदन संख्या ३५०४/डेल/२०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ ड्राफ्ट पेटेंट इज इन प्रोसेश टू सेन्ड टू इक्जामिनर
६६	प्रो. संजय सिंह, डिमार्टमेंट ऑफ फरर्मासीटिक्स, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि	पेटेंटिग ऑफ एन इनोवेटिव आइडिया इन द फिल्ड ऑफ फर्मासिटिकल इंजिनियर	२०१०	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६७	डॉ. एन.एस. राजपुत, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रानिकस इंजिनियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) अ न्यूरल नेट इम्प्लीमेंशन ऑफ एस.पी.सी.ए. प्री. प्रोसेशर फॉर गैस/ओडॉर क्लासीफिकेशन यूजिंग द रिसपोन्स ऑफ थीक फिल्म गैस सेंशर एरे (ख) अ फुली न्यूरल इम्प्लीमेंशन ऑफ यूनिटरी रिसपान्स मॉडल फॉर क्लासीफीकेशन ऑफ गैस/ओडोर्स यूजिंग फील्म गैस सेंशर	२०११	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं

६८	डॉ. के. आर .सी. रेड्डी, ऐसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"फार्मास्यूटिक्ल स्टडी एण्ड फार्माकोलाजीकल इवैल्यूयेशन ऑफ ब्राह्मी घृीता : ए प्रीक्लीनीकल स्टडी"	२०११	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६९	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रानिकस इंजीनियरिंग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर प्रेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर वेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	२०११	आवेदन फिल्ड फॉर नेशनल फिल्ड (क) संख्या ०९/डेल/२०११ (ख) संख्या ६७/डेल/२०११
७०	श्री सुदीप पौल, सिनियर रिसर्च फेलो, स्कूल ऑफ बॉयोमेडिकल, इंजीनियरिंग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	हियरिंग एड एलांग वीथ वायरलेश डोर बेल वाइबरेटर सिंस्टम एण्ड इलेक्ट्रानिक ट्रार्च लाईट फैसिलिटी	२०११	आवेदन संख्या १८३६/डेल/२०११ अ फिल्ड ऑन २८.०६.२०१२ प्रकाशन १३.०७.२०१२ प्रसेन्ट स्टेटस ऑफ अप्लिकेशन इज सोइंग "अवेटिंग फार इग्जामिनेशन"
७१	डॉ. आर .एन. राय, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय।	"सिन्थेसिस ऑफ प्रोमिसिंग नॉवल बाइनरी आरगेनिक व्हाइट लाइट एमिटिंग मेटेरियल"	२०११	एन.ओ.सी. निर्गत/ वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या - आई.पी.आर.सेल/५२ दिनांक १०.१०.२०१२/ प्रक्रिया अन्तर्गत
७२	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	"ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर रिडक्शन इन ओबेसिटी एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ ..."	२०१२	आवेदित
७३	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	"ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ट्रिटमेंन्ट ऑफ मैनोपॉस सीन्ड्रोम एण्ड प्रोसेस फॅार इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ	२०१२	आवेदित
७४	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	"ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन ऐज एंटी फैटिग एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ ..."	२०१२	आवेदित

७५	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	"ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ग्रोइंग एडोलसेंट गर्ल एण्ड प्रॉसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ..."	२०१२	आवेदित
७६	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.कि.वि.सं.,का.हि.वि.वि.	स्टडी ऑफ एंटी- एस्थमेटिक इफेक्ट ऑफ स्टेंडर्डाइज़ एक्सट्रेक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउंड्स विआ नासल स्प्रे एक्टूऐशन इन एरोसल फारल इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
७७	डॉ. नीलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर- भौतिकी, महिला महाविद्यालय और अन्य	इलेक्ट्रालायसीस ऑफ स्ट्रेच वेस्ड इलेक्ट्रालायट	२०१२	आवेदन सं. १६६४/डीईएल/ २०१२ दिनांक ३१.०५.२०१२ को जारी
७८	डॉ. विकास कुमार एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टपामेंट ऑफ फरमासिटिक्स आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	थेरोप्यूटीक यूज ऑफ पाइपर लागम रूट पाउडर फार प्रावेन्शन एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ माइल्ड इण्टरमीट्न्ट स्ट्रेश इनड्यूसेस साइकोपैथोलॉजी एण्ड एसोसिएटेड क्रोनिक डिजीज	२०१२	एन.ओ.सी निर्गमित वायड पत्र. संख्या आई.पी.आर सेल/४६ दिनांक २२.०९.२०१२ पेटेंट आवेदन को सूचित किया गया।
७९	डॉ. आशा लता सिंह, इन्वायरमेंट साइंस, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी विज्ञान संकाय	डिसूलफेरिजेशन ऑफ कोल वीथ रालस्टोनिया एसपी एण्ड पीडोक्सनथोमनस एसपी	२०१२	पेटेंट आवेदन जारी हुआ २०.०६.२०१३
८०	डॉ. स्वर्ण लता, डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजि, महिला महाविद्यालय	हिपोटोप्रोटेक्टीव इफेक्ट ऑफ फील्लेनटस फ्रटरनस अगेंस्ट साइक्लोफोसफेमाइड पोटेन्ट एन्टीकैन्सर ड्रग	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
८१	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	"प्रॉसेस फॉर आइसोलेशन एण्ड प्यूरिफिकेशन ऑफ पेरौक्सीडेज़ एन्जाइम फ्राम राइस प्लांट्स एण्ड एप्लीकेशन"	२०१२	प्रक्रिया के अंतर्गत
८२	डॉ. करुणा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	"एक्वेअस एक्स्ट्रेक्ट ऑफ होल फ्रूट्स ऑफ अजाडिरक्ता इंडिया एल. ऐज एंटी फंगल एजेंट फॉर द् ट्रीटमेंट ऑफ सप्रोलेग्निएसिस विद रिफरेंस टू फ्रेस वाटर फिशेस"	२०१२	डॉ. करुणा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.

८३	श्री गोविन्द कपसेठी, सीनियर रिसर्च फेलो,बायोमेडिकल विभाग,आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	पीजोलेक्ट्रक बोन सीमेन्ट फॉर बायोमेडिकल आवेदन	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
८४	प्रो. डी. दास, हेड, जैव-रसायन विभाग, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	"डेवलपमेंट ऑफ नैनो गोल्ड-बेस्डडायग्नोस्टीक मार्कर फॉर कार्डियोवैस्कूलर डिसॉडर्स"	२०१२	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/८३ दिनांक २९.१२.२०१२
८५	डॉ. पी. के. सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भू- विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"रिमूवल ऑफ टॉक्सिक ट्रेस मेटल्स फ्राम कोल विद मिक्सड बेक्टेरियल कोर्न्सोटीया"	२०१२	पेटेंट आवेदन जारी किया २०.०६.२०१३
८६	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	"ए मोडिफाइड कार्बन पेस्ट इलेक्ट्रोड विथ पैरोक्साइडेसेस"	२०१२	आवेदन संख्या ४७८/डेल/२०१३
८७	डॉ. नीरज शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल आफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी	नॉन इनवेन्सिव ब्लड ग्लूकोज मेटर बेस ऑन मोड्यूलेटेड अल्ट्रासाउंड एण्ड आप्टिकल टेक्नेनिक	२०१२	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर सेल/७२-७४ दिनांक २१.१२.२०१२/ नो रिसपान्स
८८	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	"स्टडी ऑफ एंटी अस्थमेटिक इफेक्ट ऑफ स्टैण्डर्डाइज एक्स्ट्रैक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कंपाउण्ड वाया नसल स्प्रे एक्युएशन इन ऐरोसोल फार्म इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्परेटिव क्लिनिकल स्टडी"	२०१२	आवेदन संख्या ७१९२/डेल/२०१३ दिनांक १६.०७.२०१३ प्रकाशन-१७.०८.२०१३
८९	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए पेटर्न रिकगनाइजेशन रेसेप्टर पर्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर विच हेज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज़ इन सिस्टम लूपस"	२०१४	आवेदन संख्या १२८/डेल/२०१३ जारी १८.०१.२०१३
९०	डॉ. के.एन. तिवारी, एसोसिएट प्रोफसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	"एटीफंगल एक्टीविटी ऑफ फयलान्ट्स फ्रेटेरन्स अगेन्स्ट क्रिप्टोकाकस स्पेसिंस फॉर पोटेंट एंटिफंगल ड्रग"	२०१३	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३८ दिनांक १६.१०.२०१४ फाइनल पेटेंट आवेदन संख्या ४११/डेल/२०१६ दिनांक ११.०२.२०१६

९१	श्री ओ.पी.सिंह, ओक्यूपेन्सनल थीरेपिस्ट, आर्थोपेडिक्स विभाग, सर सुन्दर लाल हास्पिटल, का.हि.वि.वि	"टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज़्ड"	२०१३	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
९२	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	"टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज़्ड"	२०१३	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
९३	प्रो. देबब्रत दास. विभागाध्यक्ष,जैव रसायन विभाग, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि	डेवलपमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल सेन्सर फॉर स्क्रनिक एण्ड डाइग्लोसिस ऑफ इंडिवीजुएजल एट हाई रिस्क टू डेवलप आर्टीएलीयर थ्रोम्बोसिस	२०१३	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/०७ दिनांक ०३.०५.२०१३ और ०४.१२.२०१३
९४	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट इरिटेबल बॉवेल सिन्ड्रोम (आई.बी.एस.)"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत ३७९७/डी.ई.एल./ २०१३ १४/४६८,२७६ यू.एस.
९५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ मेटॅबोलिक सिन्ड्रोम बाई इटस् एडिपोनेटिन इनहान्सिंग प्रापर्टी"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८५ यू.एस.
९६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"मेटॅबालिक सिन्ड्रोम एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिज़ीज मार्टेलिटी रिस्क-इटस् प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट बाई ए प्लान्ट बेस्ड ड्रग"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८१ यू.एस.
९७	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.
९८	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.
९९	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	"ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स"	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.

१००	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए पैटर्न रिकगनाजेशन रेसेप्टर पार्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर ह्विच हैज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज़ इन सिस्टम लूपस''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत
१०१	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''एंटी केन्सरस इनहेंसमेंट बाई सीजीए टू कूर''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०५ दिनांक १०.०४.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं
१०२	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	क्लोरोजेनिक एसिड बाइन्ड टू एचएमजीबी-१ टू इनहेन्स एन्टी कैन्सरस कैपसीटभ ऑफ हरबल एक्ट्रक्ट अगेंस्ट लीबर कैंसर	२०१४	पेटेंट आवेदन संख्या १२२०/डेल/२०१४ फिल्ड दिल्ली जारी दिनांक २९.०४.२०१४
१०३	प्रो. जी.पी. दूबे, डिस्टिंग्विस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर १०२एण्ड को-आर्डिनेटर, एनएफटीएचएम, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	''इनवेंशन ऑफ ए न्यू टेक्नोलॉजी पी००७ टू मेज़र डेंसिटी इन न्यूरोडेजेनरेटिंव एण्ड न्यूरोसायट्रिक''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. १६ दिनांक १३.०५.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं
१०४	प्रो. जी.पी. दूबे, डिस्टिंग्विस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर एण्ड को-आर्डिनेटर, एनएफटीएचएम, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	(क) एसोसिएशन बिटवीन नीपोटेरिन कन्सटरेशन एण्ड न्यूरोवेसकूलर चेन्ज इन टाइप-२ डाइबीटीज पेटेंट इफेक्ट ऑफ एन आयुर्वेदिक फॉरमूलेशन मेनली कन्टेनिंग बर्बर इज रीस्टाटा (ख) इन्वेन्शन ऑफ अ न्यू टेक्नालॉजी पी ७०० टू मेजर डेंसिटी इन न्यूरोडिग्नेरेटिव एण्ड न्यूरोसाइकेट्रिक इलनेस	२०१४	(क)एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/१९ दिनांक १३.०५.२०१४ (ख) एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/१६ दिनांक १३.०५.२०१४
१०५	प्रो. डी. दास,बायो-केमेस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	फोटोथरमल अबलेशन ऑफ थ्रोम्बस एण्ड रीलीफ फ्राम वैसकूलर ब्लाकेज यूजिंग नीर-एक्टिव नैनोमैटेरियल मोडिफाइड टाइटिल- अ फेब्रीन-टारगेटिंग डिवाइज वीथ नीर- एक्टिव नैनोमैटेरियल्स फॉर इम्प्रूब थ्रोम्बोलीसिस एम्प्लाइंग फोटोथरमल मेथड	२०१४	पेटेंट आवेदन संख्या ०३१६८/डेल/२०१४ फिल्ड एट दिल्ली ०३.११.२०१४ को जारी। प्रार्थना टू फर्निस्ड द कॉमेन्ट ऑफ द फन्डिग एजेन्सी फॉर चेन्ज इन टॉपिक

१०६	डॉ. किरन सिंह, सहायक प्रोफेसर,मालिक्यूलर एण्ड हयूँमन जेनेटिक्स, विज्ञान संकाय	यूज आफ माईलोएड ड्राइब सूप्रशर सेल बायोमार्कर फॉर द डाइग्लोसिस ऑफ अर्ली प्रेग्नेंसी लॉस	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/५५ दिनांक ११.०३.२०१४/ नो रिसपोन्स
१०७	डॉ.चन्दन रथ, सहायक प्रोफेसर,स्कूल ऑफ मटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी,आई.आई.टी, का.हि.वि.वि	डिग्रशन ऑफ आर्गनिक पोलूटेन्ट अन्डर सनलाइट यूसिंग नैनोपार्टिकल सिन्थेसिड हाइड्रोथरमेलि	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/०६ दिनांक ०१.०५.२०१५
१०८	डॉ. करुना सिंह, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग,महिला महाविद्यालय	एन्टीफंगल इफेक्ट ऑफ सीन्नामोन एक्सट्रेक्ट ऑन यूरोबेसिडियम पूल्लस्लान्स (सी.बी.एस. ५७७.९३ सी.बी.एस. १०११११९) एण्ड एक्सोफीलॉल डर्मटाइडिस(एम.टी.सी.सी. ९३४६)	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३१ दिनांक ०८.१०.२०१५ पेटेंट फिल्ड प्रोविजनल आवेदन संख्या २०१६११००४८४५ दिनांक ११.०२.२०१६
१०९	डॉ. पकंज श्रीवास्तव,सहायक प्रोफेसर, रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	अ नॉवेल प्रोसेस फॉर द डेवलपमेंट ऑफ पी-टोलूनीसलफोनेट डॉप्ड पॉलीपेरॉल/कारबन कम्पोसाइड इलक्ट्रोड एण्ड अ प्रीपरेशन ऑफ द सेम इलक्ट्रोड फॉर सुपरकैपीसीटर	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३५ दिनांक ३०.०९.२०१४ यू.स. पेटेंट आवेदन संख्या १४/४६४८४५ दिनांक २१.०८.२०१४
११०	डॉ. प्रीति.एस. सक्सेना, सहायक प्रोफेसर,जीव विज्ञान विभाग,विज्ञान संकाय	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१४	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१११	डॉ. सूर्य प्रताप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"मेकुना प्रुरिंस शीड एक्सट्रेक्ट देयरऑफ फॉर द ट्रिटमेंट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसआर्डर"	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०३ दिनांक १०.०४.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं आवेदन संख्या ९१८/डेल/२०१४ दिनांक ३१.०३.२०१४
११२	डॉ. रश्मि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	"फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी- एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एब जारप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स"	२०१४	पेटेंट आवेदन पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/३९ दिनांक १६.११.२०१५

११३	डॉ. राजेश बंसल, रीडर,प्रोस्थोडोंटिक्स, यूनिट फैकल्टी ऑफ डेन्टल साइंस, आई.एम.एस, का.हि.वि.वि.	सरफेस मोडिफिकेशन ऑफ टाइटेनियम बाई इनकार्पोरेशन ऑफ कार्बन	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/२२/ दिनांक ०६.०६.२०१६
११४	डॉ. रश्मि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	"फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी- एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एब सोरप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स"	२०१५	पेटेंट आवेदन पत्र १, २ और ३ निर्गत एन.ओ.सी. निर्गत दिनांक ०६.११.२०१५ पत्र नं. टी.पी.आर. सेल/३९
११५	प्रो. अरूणा अग्रवाल, प्रो. और समन्वयक, एसीटीजीएम, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.	मार्केट ऑफ न्यूरो- इन्फलामेशन एसोसिएटेड विथ न्यूरोडेजेनेरेटिंव डिसआर्डर इन टाइप-२ डिवेटस मेलिट्स पेटेंट्स - रोल ऑफ मोरिंगा ओलेइफेरा एक्स्ट्रेक्ट	२०१५	प्रक्रिया के अंतर्गत डॉक्यूमेंट परटेनिंग टू फाइडिंग इन यू.एस रिवलाईडेशन ऑफ द क्लेम ऑफ पेटेंट वर्क/कोई प्रतिक्रिया नहीं
११६	डॉ. नीलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर- भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय और अन्य	लॉ कॉस्ट इलेक्ट्रोलायट मेमब्रेस फॉर माइक्रोबायल फ्यूल सेल एप्लीकेशन सिंथेजाइड बाई कम्प्लेक्शिंग स्ट्रेच (ह्वीट, कार्न एण्ड राइस) विथ साल्ट	२०१५	एन.ओ.सी निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर सेल/५३ दिनांक १७.१२.२०१५ पेटेंट आवेदन संख्या २०१६११००६७३२ दिनांक २६.०२.२०१६
११७	डॉ. एस. भट्टाचार्या, असोशिएट केमेस्ट्री, विज्ञान संकाय, काहिविवि	न्यू फोटोक्रोमिक मटेरियल	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
११८	श्री प्रसन्न कुमार, पीएच.डी. तृतीय वर्ष छात्र, कवक शरीर क्रिया विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्लांट बेस्ड हैवी मेटल सेंसर्स	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
११९	प्रो ओंकार नाथ श्रीवास्तव, हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र, भौतिकी विभाग, काहिविवि	सिंथेसिस ऑफ प्योर MgH_2 विथ रिवर्सिबल हाइड्रोजन स्टोरेज कैपेसिटी	२०१५	पत्रांक-आईपीआर सेल/२८ दिनांक २४.०९.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत
१२०	श्री अविनाश उपाध्याय, बी.एससी. तृतीय वर्ष छात्र, कृषि संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	ओल्डेस्ट रेन गेज ०.२५ ड्रोन	२०१५	पत्रांक-आईपीआर सेल/२४ दिनांक १२.०९.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत

१२१	डॉ शशि पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	मैपिंग द आर्सेनिक स्ट्रेस- इंड्यूस्ड प्रोटिओम ऑफ आर्टेमीसिया एन्यूआ यूजिंग २- डी इलेक्ट्रोफोरेसिस एण्ड एमएएलडीआई- टीओएफ- एमएस	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२२	डॉ. गीता राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	ए नोवेल फार्म्यूलेशन ऑफ विटामिन इंक्रीज द इम्यून इफिसिएंशी इन लो बर्थ वेट न्यूबोर्न	२०१५	पत्रांक- आईपीआर सेल/४१ दिनांक ०६.११.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत प्रपत्र २६ (पावर ऑफ एटोर्नी) प्रक्रियाधीन
१२३	प्रो एच.बी. सिंह, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, माइकोलॉजी एण्डप्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	बोर्ड स्पेक्ट्रम एंटीफंगल एफीसिएंसी ऑफ सिल्वर नैनोफार्म्यूलेशन	२०१५	पत्रांक- आईपीआर सेल/५७ दिनांक २६.१२.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत कोई अग्रिम सूचना नहीं
१२४	डॉ. मीनाक्षी सिंह, असोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, काहिविवि	प्रिपरेशन ऑफ मॉलीक्यूलरली इंप्रिंटेड पॉलीमर- क्वार्ट्ज़ क्रिस्टल माइक्रोबैलेंश (एमआईपी- क्यूसीएम) डिवाइस फॉर डिटेक्शन ऑफ निशेरिया मेनिंगिटाइड्स बैक्टीरिया	२०१६	पत्रांक- आईपीआर सेल/०१ दिनांक ११.०४.२०१६ के माध्यम से एनओसी निर्गत कोई अग्रिम सूचना नहीं
१२५	प्रो. आर.एम. सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्रॉसेस फॉर प्रिपरेशन ऑफ टर्मिनल अल्काइन्स	२०१६	एन.ओ.सी निर्गमित पत्रांक संख्या आईपीआर सेल दिनांक ११.०.२०१६
१२६	डॉ. एम. मुत्सुद्दी, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवांशिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	केएच डोमेन कंटेनिंग प्रोटीन्स डेप्लेट्स पैथेजेनिक स्पाइनोसेरेबेलर अटैक्सिया ८ ट्रांस्क्रिप्ट्स एण्ड सप्रेसेस न्यूरोजेनेरेशन इन ड्रोसोफिला डिजीज मॉडल ऑफ द डिजीज	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२७	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, काहिविवि	मल्टी- लेवेल थेरेप्यूटिक ऑफ प्लेटलेट मेटाबोलिज्म ऐज ए नोवेल एंटी- थ्रोंबोटिक स्ट्रैटेजी	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२८	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्रोफिलैक्टिक एफिकैसी ऑफ ट्रिब्यूलस टेरेस्ट्रिस ए पोटेंट एफ्रोडिसिक हर्ब ऑन पॉलीक्रिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस)	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं

१२९	डॉ. विवेक सिंह, भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	ब्राग फाइबर वावगाइड बायो-सेंसर बेस्ड ऑन डिफेक्ट मोड	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३०	प्रो. एन.के. दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	२०१७/२००६	आथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार इसूड द्वारा लेटर न. आई.पी.आर सेल/०१ दिनांक २७.०३.२०१७
१३१	डॉ. प्रीति.एस. सक्सेना, सहायक प्रोफेसर,जीव विज्ञान विभाग,विज्ञान संकाय	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१४	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३२	प्रो. एन.के. दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	२०१७/२००६	आथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार इसूड द्वारा लेटर न. आई.पी.आर सेल/०१ दिनांक ०३.०४.२०१७
१३३	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३४	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, काहिविवि	नोवेल थर्मोजेनिक स्टेंट डिवाइस फॉर ऐब्लेशन ऑफ थ्रोंबस एण्ड प्रिवेंशन ऑफ रेस्टेनोसिस इन ऑब्स्ट्रक्टेडस्टेंट	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं

८. छात्रवृत्तियाँ/अध्येतावृत्ति (छात्रों के लिए) २०१६-१७

छात्रवृत्तियाँ/अध्येतावृत्ति (छात्रों के लिये) २०१६-१७

क्र.सं.	छात्रवृत्ति का नाम	संख्या
१.	XII प्लान स्कीम नं. ५०१२ से ५०१४ के अन्तर्गत यू.जी.सी. शोध अध्येतावृत्ति	१३७९
२.	विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में यू.जी.सी. (किसी भी देय समय में) नेट - जे.आर.एफ.	१४२०
३.	सी.एस.आई.आर. नेट-जे.आर.एफ./एसआरएफएस	१२१
४.	सी.ए.एस./एस.ए.पी. में विलय कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१२
५.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयुर्वेद कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१३
६.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में प्रायोगिक चिकित्सा केन्द्र एवं शल्य शोध प्रयोगशाला में विज्ञान स्नातकोत्तरों के लिए कनिष्ठ व वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१५
७.	राजीव गाँधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	२२७
८.	अपंग शोध छात्रों के लिए राजीव गाँधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	२४
९.	अनुसूचित जनजाति के शोधछात्रों को उच्च शिक्षा राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	०६
१०.	प्रतिभावान छात्रों के लिए विज्ञान में यू.जी.सी. शोध अध्येतावृत्ति	५३
११.	नेपाल अध्ययन केन्द्र में शोध अध्येतावृत्ति	०४
१२.	डी.बी.टी.-जे.आर.एफ.	१०
१३.	एक मात्र संतान लड़की के लिए इन्दिरा गाँधी स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति।	१०
१४.	एक मात्र संतान लड़की के लिए विवेकानन्द स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति।	०२
१५.	उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद छात्रवृत्ति	६२
१६.	पुलिस शोध व विकास ब्यूरो, गृह मंत्रालय के अन्तर्गत भारत सरकार छात्रवृत्ति।	०१
१७.	यू.जी.सी.-डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	१९
१८.	डॉ. एस. राधाकृष्णनन् पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	६७
१९.	यू.जी.सी.-महिला पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	४२
२०.	मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप	२५
२१.	पिछड़ी जाति के राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	३३
२२.	यू.जी.सी.-पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति एस.सी./एस.टी.	१५
२३.	सी.एस.आई.आर. -को अध्येतावृत्ति	०२
२४.	आई.सी.ए.आर. - जे.आर.एफ. (पी.जी.)	५३
२५.	आई.सी.एम.आर. अध्येतावृत्ति	४९
२६.	आई.सी.पी.आर. अध्येतावृत्ति	१६
२७	आई.सी.एच.आर. अध्येतावृत्ति	२४
२८.	आई.सी.एस.एस.आर. अध्येतावृत्ति	३८
२९.	राष्ट्रीय बौद्धिक खोज योजना/एन.सी.ई.आर.टी. छात्रवृत्ति।	१०
३०.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय छात्रवृत्ति शास्त्री तथा आचार्य	९९
३१.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्कीम नं. ८२७ के अन्तर्गत एमएससी प्रीवियस एवं फाइनल वर्ष के छात्रों के लिये वृत्तिक	१८
३२.	एमएचए-बीपीआर एण्ड डी/ आई एस आर ओस/ आईएनएसपीआईआरई/ एनएसीओ/ एमएनआरई/एन.पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	९०
३३.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	२५३
३४.	अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/सामान्य श्रेणी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति (उ. प्र.)	६६४०
३५.	उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों से अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति छात्रवृत्ति	५५८
	कुल	**११४१०**

विद्ययाऽमृतमश्नुते
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
BANARAS HINDU UNIVERSITY

९. सुविधाएं

९. सुविधाएं
- ९.१. आवास
- ९.२.१. छात्रावास (बालक)
- ९.२.२. छात्रावास (बालिका)
- ९.२.३. छात्रावास (विवाहित/विदेशी छात्र)
- ९.२.४. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ

९.२. अतिथि गृह संकुल
९.३. इन्टरनेट एवं संगणक
९.४. सम्मेलन कक्ष
९.५. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ
९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्
९.७. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र
९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ
९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र
९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)
९.१२. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र)
९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्
९.१४. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम
९.१५. कैरियर विकास केन्द्र
९.१६. जलपान गृह
९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना
९.१८. नेशनल कैडेट कोर
९.१९. बैंक एवं डाक घर
९.२०. रेल आरक्षण पटल
९.२१. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड
९.२२. विपणन संकुल
९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब
९.२४. छात्र कल्याण
- ९.२४.१. संस्थापन सेवा
- ९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
- ९.२४.३. छात्र परिषद्
- ९.२४.४. नगर छात्र निकाय
- ९.२४.५. पाठ्येतर क्रियाकलाप

९.२५. हिन्दी प्रकाशन समिति

९. सुविधाएं

९. सुविधाएं

९.१. आवास

९.१.१. छात्रों के लिये छात्रावास

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	बाल गंगाधर तिलक छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	१९६	३९२	३९२	१	८
२.	एस. राधाकृष्णन् छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	१२८	२४८	२२८	४	४
३.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र छात्रावास	कला संकाय	५१	८७	८५	१	५
४.	बिरला 'ब' छात्रावास	कला संकाय	१२६	१४१	१३६	१	४
५.	बिरला 'स' छात्रावास	कला संकाय	१३३	२४३	२४३	३	३
६.	बिरला 'ए' छात्रावास	कला संकाय	१३१	२५०	२२५	२	५
७.	लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास	कला संकाय	३१२	५२०	४३४	१	३८
८.	आई. एन. गुर्टू छात्रावास	वाणिज्य संकाय	१२०	२४०	२४०	१	-
९.	ए. बी. हास्टल (कमच्छा)	शिक्षा संकाय	९८	१७८	१४०	१	११
१०.	धनवन्तरी छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२१६	२१०	१६८	१	६
११.	पुनर्वसु आत्रेय छात्रावास (आयु.)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	८१	१२४	१२४	१	५
१२.	रूइया छात्रावास (मेडिकल ब्लाक)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	८९	१५१	१५१	२	४
१३.	रूइया छात्रावास एनेक्सी	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	११२	१६२	१४७	१	४
१४.	सुश्रुत छात्रावास (ट्रामा सेंटर)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	४१०	४१०	३९०	२	२
१५.	बी. आर .अम्बेडकर छात्रावास	विधि संकाय	७०	६९	६९	-	२
१६.	चाणक्य छात्रावास	विधि संकाय	९४	३६८	१८२	१	५
१७.	भगवान दास छात्रावास	विधि संकाय	१२३	१२२	११४	-	३
१८.	मैनेजमेंट छात्रावास	प्रबन्धशास्त्र संकाय	६८	११८	९७	१	८
१९.	रीवा कोठी	मंच कला संकाय	३४	३४	३३	१	१
२०.	अरावली ब्वायज़ छात्रावास	आरजीएससी	२००	३९४	३६४	१	४
२१.	शिवालिक ब्वायज़ छात्रावास,	आरजीएससी	१५१	३०२	२८२	२	४
२२.	विन्ध्याचल ब्वायज़ छात्रावास,	आरजीएससी	१५५	३३०	२८०	१	५
२३.	भाभा छात्रावास	विज्ञान संकाय	२०९	३९२	३१८	२	५
२४.	ब्रोचा छात्रावास	विज्ञान संकाय	३२२	६००	५५५	६	५
२५.	सी. पी. आर .अय्यर छात्रावास	विज्ञान संकाय	१३४	१४४	१४४	१	४
२६.	डालमिया छात्रावास	विज्ञान संकाय	२३४	४४९	४०९	२	७
२७.	रामकृष्ण छात्रावास	विज्ञान संकाय	१३०	२६५	२५५	१	२
२८.	आचार्य नरेन्द्र देव छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	१०६	२०८	२०२	१	५
२९.	मुना देवी छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	११७	२२१	२२१	१	६
३०.	राजा राममोहन राय छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	२२८	४५६	४४२	३	६
३१.	सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	७७	१००	८१	२	३
३२.	रूईया छात्रावास (संस्कृत ब्लाक)	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	६७	२०२	२०२	१	३
३३.	राम किंकर छात्रावास	दृश्य कला संकाय	१७	३७	३७	१	२

९.१.२.छात्राओं के लिये छात्रावास

क्र. सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	एग्रीकल्चर गर्ल्स हास्टल बी.-१	कृषि विज्ञान संस्थान	१३	३०	३०	१	३
२.	रानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स हास्टल	कृषि विज्ञान संस्थान	१००	१९९	१४७	२	६
३.	फ्लोरेंस नाइटेंगल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	७०	२०७	२०७	२	१
४.	कस्तूरबा गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	११४	२१७	२१७	१	७
५.	महिला डॉक्टर्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	६४	१०४	१०४	१	२
६.	मदर टेरेसा छात्रावास (१-२)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	७६	४२	३०	-	१
७.	नागार्जुन गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	९९	१०२	१०२	१	७
८.	न्यू पी.जी.डॉक्टर्स गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	९९	१८०	१८०	२	४
९.	सुकन्या गर्ल्स हास्टल (आयु)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	३६	७०	७०	२	१
१०.	ज्योति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	१४१	२८५	२८२	१	९
११.	कीर्ति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	६१	२७२	२७२	-	-
१२.	कुन्दन देवी गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	७४	१४८	१४८	१	२
१३.	नवीन गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	१९	१०८	१००	१	३
१४.	पावगी हाउस गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	१०	१९	१९	१	३
१५.	प्रज्ञा कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	८९	१७४	१७४	१	१
१६.	स्वस्ति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	५०	२००	२००	२	२
१७.	नीलगिरी गर्ल्स हास्टल	आर.जी.एस.सी.	१२०	२६५	२२३	१	४
१८.	विन्ध्यवासिनी गर्ल्स हास्टल, आरजीएससी	आर.जी.एस.सी.	१२१	२३०	२२८	१	५
१९.	गार्गी गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	६२	१०८	१०८	२	६
२०.	जे. सी. बोस गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	१००	१९६	१९६	१	४
२१.	कुन्दन देवी शताब्दी हास्टल	विज्ञान संकाय	१५९	२९२	२९२	१	१३
२२.	मैत्रेयी गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	७०	१४०	१४०	१	९
२३.	सरोजनी नायडू गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	७५	१४२	११०	१	६
२४.	गंगा गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	८८	१८४	१८४	२	-
२५.	गोदावरी गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	७७	१५४	१५४	१	१
२६.	गोमती गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	२३२	४६४	३४०	१	८
२७.	कावेरी गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	७७	१५४	१५०	१	१
२८.	सरस्वती गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	९६	१८७	१८७	१	१
२९.	यमुना गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	७०	१४०	१४०	१	९

९.१.३. विवाहित/विदेशी छात्र/छात्राओं के लिये छात्रावास

म	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	न्यू.इन्टरनेशनल गर्ल्स हास्टल	विदेशी	३६	६५	६५	०१	६
२.	इन्टरनेशनल गर्ल्स हास्टल (एनेक्सी)	विदेशी	१९	२३	२३	०१	३
३.	इन्टरनेशनल हाउस कम्पलेक्स	विदेशी	११०	१९८	१९८	०१	१०
४.	सिद्धार्थ विहार	विदेशी	२०	३८	३८	०१	-

९.१.४. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएं (शिक्षण एवं गैर-शिक्षण)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में इस उद्देश्य के साथ हुई थी कि यहाँ शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी शैक्षणिक वातावरण में परस्पर सहयोग से व्यक्तित्व का विकास कर सकें। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्र/छात्राओं के लिए छात्रावासों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु क्रमश: ६६२ एवं ७२९ आवासों का निर्माण किया गया है।

जोधपुर कॉलोनी में १० मंजिले के २ फ्लैटों का निर्माण प्रगति पर है। इस भवन में कुल ४० फ्लैट, जो विश्वविद्यालय के शिक्षकों के आवास के लिए होगा।

९.२. अतिथि गृह संकुल

अतिथि गृह समूह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत लक्ष्मणदास अतिथि गृह, लक्ष्मण दास अतिथि गृह विस्तार, विश्वविद्यालय अतिथि गृह एवं संकाय अतिथिगृह आता है। लक्ष्मणदास अतिथि गृह में कुल छ: सूट एवं एक कक्ष (प्रत्येक में दो बेड) तथा एक तीन बेड वाला डारमिटरी हाल है। इसी अतिथि गृह में एक सुव्यवस्थित भोजन कक्ष के साथ एक बैठक एवं सम्मेलन कक्ष भी है। लक्ष्मणदास अतिथि गृह एनेक्सी में भूतल एवं चार अतिरिक्त तल बनाए गए हैं जो पूरी तरह वातानूकूलित हैं। भूतल पर चार सूट एवं एक सात बिस्तर वाला डारमिटरी हाल हैं। प्रथम तल पर नौ कक्ष, भोजन कक्ष, सेमिनार हाल एंव रसोई स्थित है। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ तल, प्रत्येक तल पर १६-१६ कक्ष हैं। इस प्रकार एनेक्सी में कुल कमरों की संख्या ५७ हैं।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में ११ दो बेड वाले कक्ष, ०३ तीन बेड वाले कक्ष, छ: सूट (प्रत्येक में दो बेड) तथा एक १२ बेड वाला बड़ा डारमिटरी हाल तथा छ: बेड वाला छोटा डारमिटरी हाल है, साथ ही साथ एक सुव्यवस्थित भोजनकक्ष भी है। दोनों अतिथि गृह में सभी सूट, कमरे व भोजनकक्ष पूर्णरूप से वातानुकूलित है। संकाय अतिथि गृह में तीन बेड वाला बारह कक्ष, पाँच बेड वाले सात कक्ष के साथ छ: बेडों वाले दो डारमिटरी हाल तथा एक भोजनकक्ष है। इनमें पाँच बेड वाला दो कक्ष एवं तीन बेड वाले छ: कक्ष पूर्णरूप से वातानुकूलित है तथा एक नया भोजनकक्ष भी तैयार है। सभी अतिथि गृह में आधुनिक सुविधायुक्त रसोईघर है जो विश्वविद्यालय के अतिथियों की जरूरत को पूरा करते हुए भोजन उपलब्ध कराता है। अतिथि गृह समूह विश्वविद्यालय, संस्थानों एवं विभागों में समय-समय पर होने वाले विभिन्न प्रकार के आयोजनों, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों में भोज्य/अल्पाहार सम्बन्धित पदार्थो की भी व्यवस्था करता आ रहा है। अतिथि गृह भारत के विभिन्न उच्चपदाधिकारियों एवं अन्य देशों के लोगों को भी श्रेष्ठ सेवा प्रदान करने का अवसर प्राप्त कर चुका है। भारत के महामहिम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं विभिन्न राज्यों के राज्यपाल की भी सेवा करता आ रहा है। अतिथि गृह समूह में चार कार्यालयी कर्मचारी, दस रसोई कर्मचारी, सात सुरक्षा कर्मचारी एवं बारह सेवा एवं सफाई कर्मचारी तैनात हैं। कुछ कर्मचारियों का वेतन एवं अतिथि गृह का रखरखाव स्पेशल फंड-यू.जी.एच. रिवाल्विंग फंड से किया जाता है। अतिथि गृह समूह ने वर्ष २०१६-१७ में भी विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों तथा अति गोपनीय बैठकों में मांग के अनुसार अपनी सेवाएं बेहतर एवं सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत की है।

९.३. इन्टरनेट सुविधा एवं संगणक केन्द्र (संगणक केन्द्र)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बी.एच.यू.) संगणक केन्द्र (१९८६ में स्थापित) अब तीन दशकों के अस्तित्व को पूरा कर चुका है। यह देश में स्थापित इस प्रकार के केन्द्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय में विभिन्न आईटी सेवाएं प्रदान करता है, जैसे कि कैंपस-वाइड लैन विश्वविद्यालय वेबसाइट, कम्प्यूटर और ईमेल सेवा के माध्यम से विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ताओं के लिए इंटरनेट एक्सेस आदि। यह केंद्र विश्वविद्यालय के विभिन्न वीडियो कॉन्फ्रेसिंग और वेबकास्ट घटनाओं की भी देखभाल कर रहा है। जिसमें विभिन्न उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति के राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस शामिल हैं। पिछले कई सालों के दौरान संगणक केन्द्र ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को और विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को अनेक प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया है। विश्वविद्यालय के अधिकांश आईटी अवसंरचना, संगणक केन्द्र द्वारा डिज़ाइन और रख-रखाव किए जाते हैं।

पिछले एक साल के दौरान संगणक केन्द्र कई उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल करने में सफल रहा है। इसने न केवल अपनी मौजूदा सेवाओं को मजबूत किया है बल्कि कई नई पहल भी शुरू की है। नई पहलों में बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं दोनों में विकास शामिल है। कुछ उल्लेखनीय नई पहल और सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए प्रोजेक्ट निम्नानुसार है:-

- बाह्य प्रॉक्सी सुविधा: विश्वविद्यालय की शैक्षणिक समुदाय की यह बहुत पुरानी आवश्यकता थी कि यूनिवर्सिटी द्वारा सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और डिजिटल लाइब्रेरी की उपलब्धता, विश्वविद्यालय के बाहर रहने वाले अधिकृत उपयोगकर्ताओं (शिक्षक और छात्रों) को सुनिश्चित हो। इस सुविधा का वर्ष २०१६ में माननीय कुलपति द्वारा उद्घाटन किया गया है और बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं द्वारा सफलतापूर्वक चल रहा है और इसकी सराहना भी की जा रही है।
- नया वाई-फाई सक्षम कैम्पस वाइड नेटवर्क: संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों, छात्रावासों और कार्यालयों को जोड़ने के लिए पूरी तरह से नए वाई-फाई सक्षम परिसर-व्यापी नेटवर्क के डिजाइन के लिए काम कर रहा है। केबल के बिछाने के काम का उद्घाटन ९ फरवरी २०१६ को माननीय कुलपति प्रो. जी.सी. त्रिपाठी द्वारा उद्घाटन किया गया था। यह परियोजना भारत में ३८ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एमएचआरडी की वाई-फाई परियोजना का हिस्सा है। परिसर में १०० किलोमीटर से भी ज्यादा ओ.एफ.सी. एवं २० डिस्ट्रीब्यूशन स्विचेस, ४०० एक्सेस स्विच ओर २,५०० वायरलेस एक्सेस प्वाइंट जुड़ेंगे।
- एडुरोम: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को हाल ही में दुनिया भर में एडुरोम नेटवर्क का सदस्य बनाया गया है। इसने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में उपयोग किए

जाने वाले समान क्रेडेंशियल्स का इस्तेमाल करके ७०,००० से अधिक सदस्य संस्थानों में मुफ्त में वाई-फाई सेवाओं मे पहुँचने के लिए संभव हो गया है। इसी तरह किसी भी सदस्य संस्थानों के छात्र/शिक्षक के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की यात्रा करते समय विश्वविद्यालय की वाई-फाई सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है। संयुक्त निदेशक ईआरएनईटी की उपस्थिति में माननीय कुलपति ने संगणक केन्द्र में एक संक्षिप्त समारोह में इस सदस्यता की शुरूआत की।

- प्रशासन पोर्टल पर लिखें: रजिस्ट्रार डॉ. नीरज त्रिपाठी की सक्रिय रूचि और मार्गदर्शन में "Write To Administration" पोर्टल को संगणक केन्द्र ने तैयार किया है। यह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पर उपलब्ध एक ऑनलाइन प्रणाली है जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के किसी भी शिक्षक, कर्मचारी या छात्र अपने सुझावों को अग्रिम कर सकते हैं या अपनी शिकायतों को विश्वविद्यालय प्रशासन में सबमिट कर सकते हैं और सुझाव/ शिकायत की स्थिति/ संकल्प को भी ट्रैक कर सकते हैं। रजिस्ट्रार के स्टाफ द्वारा पोर्टल की निगरानी की जा रही है।

उपर्युक्त परियोजना/पहल के अलावा, संगणक केन्द्र ने विश्वविद्यालय के कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को भी पूरा कर लिया है। इसमें संगणक केन्द्र से एलडी गेस्ट हाउस अनुलग्नक के लिए सीधे रेडियो लिंक कनेक्टिविटी, दो नए प्रॉक्सी सर्वर स्थापित करने, संगणक केन्द्र के प्रशिक्षण कक्ष के आधुनिकीकरण, संगणक केन्द्र में सीसी टीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना, कई वीडियो कॉन्फ्रेसिंग और वेबकास्ट आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान शामिल हैं।

९.४. सम्मेलन कक्ष

प्रेक्षागृहों/ सभागारों का विवरण

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों/संस्थान तथा महाविद्यालय के कई प्रेक्षागृह हैं तथा सभाओं के लिये कई सभागार हैं, जिनकी मरम्मत एवं रख-रखाव भी विश्वविद्यालय निर्माण विभाग सम्पादित करता है। जिनका विवरण निम्नलिखित है:-

- स्वतन्त्रता भवन (विश्वविद्यालय का मुख्य प्रेक्षागृह)
- के. एन. उडुप्पा प्रेक्षागृह (चिकित्सा विज्ञान संस्थान)
- कला संकाय का प्रेक्षागृह
- गोपाल त्रिपाठी सभागार (सामाजिक विज्ञान संकाय)
- पं. ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह (संगीत एवं मंच कला संकाय)
- राधाकृष्णन सभागार (कला संकाय)
- प्रदर्शनी कक्ष (दृश्य कला संकाय)
- सभागार संख्या-१ (केन्द्रीय कार्यालय)
- सभागार भवन (प्रौद्योगिकी संस्थान)
- सभागार संख्या-२ (केन्द्रीय कार्यालय)
- महिला महाविद्यालय प्रेक्षागृह
- चाणक्य प्रेक्षागृह, शिक्षा संकाय

९.५. पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ

फरवरी, २००६ में माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार पुरातन-छात्र प्रकोष्ठ, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ का आरंभिक उद्देश्य था- सभी पुरातन छात्रों की सूची तैयार करना, महामना द्वारा किये गये कार्यों एवं उन पर हुए कार्यों को प्रकाशित करना, क्षेत्रीय, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरातन-छात्र समागम आयोजित करना तथा पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ द्वारा समाचार-पत्र प्रकाशित करना।

अपने निर्माण के साथ ही पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकृति के कार्यक्रमों और गोष्ठियों को आयोजन कर रहा है। सत्र २०१५-१६ के दौरान प्रकोष्ठ ने एक अंतर्राष्ट्रीय बी.एच.यू. पुरा छात्र सम्मेलन आयोजित किया। प्रकोष्ठ निकट भविष्य में पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित करने के लिए आवश्यक तैयारी कर रहा है।

९.६ भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

क्षितिज शृंखला के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम

अप्रैल २०१५ से मार्च २०१६ के मध्य भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक संस्थाएँ, राज्य सरकार एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में क्षितिज शृंखला के अन्तर्गत निम्न लिखित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- दिनांक १९.०८.२०१६ को सुश्री मउमाला नायक, इन्दौर का कथक नृत्य
- दिनांक २०.०८.२०१६ को सुश्री समीक्षा शर्मा, नई दिल्ली का कथक नृत्य
- दिनांक २७.०८.२०१६ को श्री असीम चौधरी, कोलकता का सितार वादन
- दिनांक ०४.०९.२०१६ को सुश्री शास्वती मण्डल, मुबई का शास्त्रीय गायन
- दिनांक १९.०९.२०१६ को सुश्री अंजना नाथ, कोलकाता का शास्त्रीय गायन
- दिनांक १६.१०.२०१६ को श्री अनाल चैटर्जी, कोलकाता का शास्त्रीय गायन
- दिनांक ०६.११.२०१६ को श्री धनंजय एम जोशी, नेदार मध्यप्रदेश का शास्त्रीय गायन
- दिनांक ०४.१२.२०१६ को श्री मोहन विठलराव देरेकर, पुणा का शास्त्रीय गायन
- दिनांक ०८.०१.२०१७ को सुश्री मरूनाल भिडे, मुम्बई का शास्त्रीय गायन
- दिनांक २६.०३.२०१७ श्री देवाशीष डे, वाराणसी का शास्त्रीय गायन

अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मेजबानी

अप्रैल २०१६ से मार्च २०१७ के बीच भारतीय सांस्कृतिक

सम्बन्ध परिषद्, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा वाराणसी तथा इलाहाबाद में निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- नृत्य और नाटक पर आधारित रामायण, सिंगापुर से आए हुए ११ सदस्यी ग्रुप द्वारा १३.१०.२०१६ को नागरी नाटक मण्डली, वाराणसी में तथा १५.१०.२०१६ को इलाहाबाद में आयोजित किया गया।
- गौडियां नृत्य, बंग्ला देश से आए हुए ८ सदस्यी ग्रुप द्वारा ओम्कारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.वि. में आयोजित।

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार) क्षेत्रीय कार्यालय, का.हि.वि.वि. वाराणसी द्वारा वर्तमान वर्ष में निम्नलिखित गैर-निष्पादित जनों की मेजबानी की गयी।

शैक्षणिक परिदर्शक कार्यक्रम के अन्तर्गत आंगतुक गैर-निष्पादित जनों की मेजबानी

- दिनांक ०७-०९ फरवरी २०१७ को सर्बिया से आए हुए प्रो. अलेकसेन्डर पेटोवक का भाषा विज्ञान विभाग,कला संकाय, बी.एच.यू., वाराणसी तथा बोधगया, बिहार दौरा।
- संस्कृत पुरस्कार तथा प्रदर्शनी कार्यक्रम के अन्तर्गत आगंतुक गैर-निष्पादित जनों की मेजबानी
- दिनांक २३-२६ नवम्बर २०१६ को संस्कृत पुरस्कार कार्यक्रम के अन्तर्गत यू.एस.ए. से आए हुए प्रो. जौर्ज कार्डोना का वाराणसी दौरा।
- दिनांक ०९-१० मार्च २०१७ को प्रदर्शनी कार्यक्रम के अन्तर्गत चीन से आए हुए १० सदस्यीय पेन्टर ग्रुप का वाराणसी दौरा।

छात्रवृत्ति

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार) क्षेत्रीय कार्यालय, का.हि.वि.वि. वाराणसी द्वारा वर्तमान वर्ष में भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत का.हि.वि.वि. एवं वाराणसी के अन्य विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे, १५ छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत २३ देशों के ६७ छात्र/छात्रों को रू.१,०३,१२,७७९/-वितरण की गयी।

९.७. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए इग्नू का उपक्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी में वर्ष २००६ में स्थापित किया गया। यह केन्द्र वर्ष २००८ में उच्चीकृत होकर क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र बन गया। यह केन्द्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना का प्रयोग करते हुए कार्य कर रहा है। इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी का कार्य उत्तर प्रदेश के १९ जिलों में है। ये जिले हैं-इलाहाबाद, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अम्बेडकर नगर, कुशीनगर, आजगमढ़, महराजगंज, बलिया, मऊ, चंदौली, मिर्जापुर, देवरिया, सन्त कबीर नगर, गाजीपुर, सन्त रविदास नगर, गोरखपुर, सोनभद्र, जौनपुर एवं वाराणसी जिलों में हैं।

क्षेत्रीय केन्द्र पर विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों एवं समन्वयन यथा प्रवेश प्रक्रिया, विद्यार्थी सहायता/काउंसलिंग, अध्ययन सामग्री का वितरण, सत्रांत परीक्षा के लिए आवेदन, मौखिक परीक्षा का आयोजन एवं सफल विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता है। इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र, वाराणसी परिसर में ज्ञानवाणी एफ.एम. चैनल का रेडियो स्टेशन FM 105.6 MHz भी कार्यरत है।

इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी- सफलता की कुछ झलकियाँ

- केन्द्रीय कारागार वाराणसी (इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र- ४८०१३ डा) में निरुद्ध श्री अजीत कुमार सरोज ने इग्नू के डिप्लोमा इन टूरिज्म (डीटीएस) कार्यक्रम में सर्वोच्च सफलता के लिए २८वें दीक्षांत समारोह में 'स्वर्ण पदक' प्राप्त किया।
- इग्नू के स्नातक (बीएससी) कार्यक्रम के छात्र अजय कुमार शर्मा के अन्दर विलक्षण 'वैज्ञानिक अभिरूचि' को देखते हुए उन्हें राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया गया एवं उनके ''बायो गैस बाटलिग मशीन'' को राष्ट्रपति भवन में पुरस्कृत भी किया गया।
- सुश्री मंशा सिंह ने चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य करने के अपने स्वप्न को इग्नू के द्वारा जारी एम.एससी. (डीएफएसएम) कार्यक्रम द्वारा साकार किया। पापुलर हास्पीटल वाराणसी में 'डाईटिशियन परामर्श' के रूप में कैरियर आरंभ करके ओरियाना हास्पीटल वाराणसी में विजिटिंग डाइर्टशियन के रूप में कार्यरत हैं।
- केन्द्रीय कारागार, वाराणसी (इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र-४८०१३डी) में निरुद्ध कैदी, श्री सुरेश राम को २९वें दीक्षांत समारोह में 'स्वर्ण पदक' प्रदान किया गया।
- एम.ए. (इतिहास) की छात्रा कुमारी दीप्ति को २९वें दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

सत्र २०१६-१७ में नामांकन- इग्नू में वर्षवार कुल नामाकन १४३०४ जिसमें जुलाई २०१६ में २९७३ तथा जनवरी २०१७ में १७४५ नवीन नामांकन।

इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी के द्वारा किये गये प्रयासों का संक्षिप्त विवरण

- **जागरूकता शिविर का आयोजनः** इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी, ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न बुनकर केन्द्रित क्षेत्रों में

उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जिसके परिणाम स्वरूप बुनकर वर्ग में पूरे देश में सबसे ज्यादा नामांकन इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी का रहा।

- **समन्वयकों एवं कार्यक्रम प्रभारी की बैठकः** इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी के अन्तर्गत आने वाले इग्नू के अध्ययन केन्द्र के एक साथ बैठक का आयोजन दिनांक ०६.०८.२०१६ और ३०.९.२०१६ से ०१.१०.२०१६ तक आयोजित हुई। इस बैठक में इग्नू की पहुँच जन-जन एवं समाज के अन्तिम छोर तक सुनिश्चित करने संबधी कार्य योजना पर चर्चा हुई।

इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी के द्वारा किये गये अकादमिक प्रयास

- **अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजनः** कला संस्कृति एवं विरासत के प्रबन्धन विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन श्री रामानुज, मिशन ट्रस्ट एवं क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में २ मई, २०१६ को आयोजित हुआ। प्रो. एस.ए.आर.पी.वी. चतुर्वेदी, श्री रामानुज मिशन ट्रस्ट के संस्थापक और प्रबंध न्यासी, चेन्नई मुख्य अतिथि थे।
- **दूरस्थ शिक्षाः चुनौतियाँ एवं सम्भावनायें** विषय पर एक सेमिनार इग्नू अध्ययन केन्द्र २७१२८ कुशीनगर के संयुक्त प्रयास से दिनांक ०६.०८.२०१७ को आयोजित हुआ। इग्नू के प्रशिक्षु, एस.एस.सी. और कालेज के विद्वानों ने प्रतिभागिता की। डॉ. ए.एस. त्रिपाठी, आर.डी. और डॉ. एस.के. पाण्डेय, ए.आर.डी. कार्यक्रम के रिसोर्स परसन थे।

रचनात्मक प्रयास

- इग्नू अपने विद्यार्थियों को उच्चकोटि की गुणवत्तापूर्ण विद्यार्थी सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इग्नू के इस प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करने के लिए इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी के अधिकारी नियमित अन्तराल पर अध्ययन केन्द्रों का दौरा करते हैं और यथावश्यक दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

- इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र वाराणसी में एकल पटल समस्या निवारण व्यवस्था का शुभारम्भ किया गया है। विद्यार्थी अब एक ही पटल से अपनी फीस जमा करके प्रवेश ले सकते हैं तथा किसी भी प्रकार की समस्या का निवारण भी तुरन्त प्राप्त कर सकते हैं।

९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (२००४ में स्थापित) मालवीय भवन संकुल के टैगोर भवन, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक प्राचीनतम् भवन है, में स्थित है। यह केन्द्र विदेशी नागरिकों के लिए एकल पटल प्रणाली के अन्तर्गत प्रवेश सम्बन्धी सप्पूर्ण जानकारियाँ एवं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की जानकारियाँ प्रदान करता है। इसके साथ ही यहाँ बीएचयू पोर्टल पर आवेदन पत्र डाउनलोड/प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है।

वर्तमान में ६२ देशों के अन्तर्राष्ट्रीय छात्र जिनमें यू.एस.ए., मॉरीशस, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, चीन, पोलैण्ड, यमन, नाइजीरिया, रूस, बांग्लादेश, नेपाल और एस्तोनिया आदि के नागरिक इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत है। इसके अतिरिक्त सात विदेशी छात्र/शोध-कर्ताओं को उनके सीमित समय के अध्ययन/शोध हेतु, विश्वविद्यालय द्वारा इसके सीमित समय पंजीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत, अनुमति प्रदान की गई।

इस अवधि के दौरान कुल ५८८ छात्र (४०६ पुरुष तथा १८२ महिला) विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हुए है जिनमें १८८ नवीन छात्र विभिन्न संकायों में अध्ययन कर रहे हैं। इनमें से १२२ पुरूष एवं ६६ छात्रायें हैं।

वर्तमान सत्र में ६ अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थाओं, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलाजी मॉरीशस, एम्बसी ऑफ स्पेन, नई दिल्ली, पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, नेपाल, दी यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, यू.एस.ए, के.ई.के., जापान इत्यादि सम्मिलित है, द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिणक एवं अनुसंधान सहयोग के लिए समझौते किये गये।

उपरोक्त के अतिरिक्त कई विदेशी संस्थानों/विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल, उनके उच्च पदाधिकारियों सहित ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया तथा तमाम शैक्षणिक/शोध मुद्दों पर वार्ता कर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से विभिन्न क्षेत्रो में समझौतो की सम्भावना तलाशी।

९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

सुविधाएंः सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में मल्टीमीडिया कक्ष है जो वातानुकूलित है। यहां कम्प्यूटर के साथ इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। कार्यालय के प्रथम तल पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मीडिया कान्फ्रेंस हॉल है, जिसमें इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया के बैठने हेतु आकर्षक टेबल लगाई गयी है। मीडिया हॉल में दो कम्प्यूटर इन्टरनेट तथा प्रिंटर, फोटोकापी एवं फोन के साथ जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त पावर प्वाइंट प्रोजेक्टर, टीवी सेट तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी उपलब्ध है। यह हॉल वातानुकूलित है।

पत्रकार वार्ता एवं बैठकः मीडिया कान्फ्रेंस हॉल में वर्तमान वर्ष के दौरान लगभग ४५ पत्रकारवार्ताओं का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति जी की पाँच पत्रकारवार्ताएं भी शामिल है। इसके अतिरिक्त इसमें अन्य बैठकें भी हुई।

पूछताछः सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में लगभग १५०० लोगों ने सीधे आकर पूछताछ किया, जबकि दूरभाष से लगभग ३००० व्यक्तियों ने विश्वविद्यालय के कार्यकलापों से संबन्धित जानकारी प्राप्त की।

प्रेस विज्ञप्तिः गत वर्ष स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संचार माध्यमों के लिए विश्वविद्यालय के कार्यकलापों से सम्बन्धित ४२०० से ज्यादा विज्ञप्तियां लिखित, फैक्स तथा ईमेल द्वारा जारी की गयी।

प्रकाशित समाचारः विभिन्न मुद्रित माध्यमों से विश्वविद्यालय की विकासात्मक गतिविधियों से सम्बन्धित ७००० समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए तथा इन्हें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा भी प्रसारित किया गया।

साक्षात्कारः विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा माननीय कुलपति जी को दस बार एवं विभिन्न अधिकारियों का व्यक्तिगत तौर पर लगभग २० बार साक्षात्कार लिया गया।

विज्ञापनः विश्वविद्यालय से संबन्धित तथा तदर्थ विज्ञापनों का राष्ट्रीय तथा स्थानीय समाचार पत्रों में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा संदर्भ वर्ष में लगभग ३१५ विज्ञापन प्रकाशन हेतु जारी किये गये।

विशेष कार्यः डॉ. सी.एन.आर. राव प्रसिद्ध भारतीय रसायनविद्, भारत रत्न से सम्मानित तथा विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र, विश्वविद्यालय के ९९वें दीक्षांत समारोह जो १६.०१.२०१७ को आयोजित हुआ के मुख्य अतिथि थे। माननीय श्री प्रकाश जावेड़कर, केन्द्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में ०६.१०.२०१६ को सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। ६वाँ राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के परिसर में दिनांक १७.१२.२०१६ से २४.१२.२०१६ तक आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन श्री महेश शर्मा, माननीय केन्द्रीय मंत्री, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक १७.१२.२०१६ को किया गया। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय ने इन आयोजनो को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यानो तथा विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इस कार्यालय के सक्रिय मीडिया सहयोग से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की छवि को देश में स्थापित करने में सफलता प्राप्त हुई।

बैठकें: विश्वविद्यालय के विभिन्न बैठकों में इस कार्यालय ने भाग लिया तथा विश्वविद्यालय की छवि को उन्नत करने में अपना सहयोग प्राप्त किया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रेस

बी.एच.यू. प्रेस अपने स्थापना वर्ष १९३६ से ही विश्वविद्यालय के विभिन्न पुस्तकों, पत्रिकाओं, पंजिकाओं, फार्मो एवं सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, ट्रामा सेण्टर, आई.आई.टी. एवं परीक्षा नियन्ता कार्यालय के अतिआवश्यक मुद्रण कार्यों में अपना योगदान करता आ रहा है। बी.एच.यू. प्रेस के चहारदीवारी का क्षेत्रफल ८०,००० वर्ग फीट तथा भवन का क्षेत्रफल २५,००० वर्ग फीट में फैला है। स्थापना वर्ष में ही ७ लेटर प्रेस की मशीने लगायी गयी थीं। वर्तमान में चार सिंगल कलर आफसेट मशीनों एवं एक डबल कलर ऑफसेट मशीन पर कार्य हो रहा है।

वर्तमान वर्ष में सम्पादित मुख्य प्रिंटिंग कार्य

एकेडेमिक काउन्सिल का स्पेशल मीटिंग एजेन्डा	२८० प्रतियाँ	पृष्ठ ९७२
एकेडेमिक काउन्सिल मीटिंग का एजेन्डा	२८० प्रतियाँ	पृष्ठ१४४
भारतीय जर्नल, ए.आई.एच.सी	२०० प्रतियाँ	पृष्ठ२९२
प्रज्ञा जर्नल	२०००प्रतियाँ	पृष्ठ २१२
दृष्टि जर्नल छात्र कल्याण परिषद	२०० प्रतियाँ	पृष्ठ २४८
टीचर्स डे बुकलेट	३०० प्रतियाँ	पृष्ठ ५६
प्रगति पत्रिका जर्नल, (राजभाषा प्रकोष्ठ)	१००० प्रतियाँ	पृष्ठ ७२
आबस्ट्रैक्ट एवं सोवेनियर-जूलॉजी विभाग	१०० प्रतियाँ	पृष्ठ ३५०
विश्व पंचांग २०७३-सं.वि.ध.वि. संकाय	२७००० प्रतियाँ	पृष्ठ ४८
लोकसभा में महिलाओं की भूमिका, महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू	३०० प्रतियाँ	पृष्ठ २१८
वार्षिक लेखा एवं लेखा प्रतिवेदन,बी.एच.यू.	१५० प्रतियाँ	पृष्ठ २१६
युवा आवाज, छात्र कल्याण परिषद्	२०० प्रतियाँ	पृष्ठ ३४
स्टूडेन्ट पासबुक-छात्र अधिष्ठाता	१५००० प्रतियाँ	पृष्ठ २४
ओ.पी.डी. प्रेस्क्रिप्शन स्लिप रू.२०/- एस.एस. हास्पीटल	१० लाख	पृष्ठ ४
स्टूडेन्ट डायरी- से.हि. गर्ल्स स्कूल, कमच्छा	२०३५ प्रतियाँ	पृष्ठ ८०
कम्पटिबिलिटी रिपोर्ट-ब्लड बैंक, एस.एस.एच.	५०५ किताब	पृष्ठ १००+१००

डिजिटल इन्डिया बुक, कला इतिहास	३०० प्रतियाँ	पृष्ठ १००
स्टूडेन्ट सर्जिकल रिकार्ड, सर्जरी	१०० प्रतियाँ	पृष्ठ १००
गाय एवं भैंस दूध कूपन, डेयरी फार्म	१०,००० प्रतियाँ	पृष्ठ १०
डिप्लोमा फार्मेट-परीक्षा विभाग	३,००० प्रतियाँ	पृष्ठ १
मेन डिग्री फार्मेट-परीक्षा विभाग	१७,७०० प्रतियाँ	पृष्ठ १
छात्र स्वास्थ्य डायरी-स्टूडेन्ट हेल्थ सेन्टर	४०,००० प्रतियाँ	पृष्ठ २४+कवर
कैश बुक-आई.आई.टी.	७५ रजिस्टर	पृष्ठ १००
रिपोर्टिंग रजिस्टर ऑफ यू.ए.आई.टी.आर.सी., आई.एम.एस.	६० रजिस्टर	पृष्ठ ५००
एक्सरे मेन रजिस्टर-रेडियोलॉजी	२०३	पृष्ठ १००
गोपनीय रजिस्टर, परीक्षा विभाग	६० रजिस्टर	पृष्ठ ५००
भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय व्यक्तिगत कृतृत्व,मराठी	३००किताब	पृष्ठ १०००
उत्तर पुस्तिका (अ) सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल	२०,०००	पृष्ठ १६
उत्तर पुस्तिका परीक्षा विभाग	२ लाख	पृष्ठ ३६
प्रायोगिक उत्तर पुस्तिका उत्तर	८० हजार	पृष्ठ १२
ह्यूमैटोलॉजी प्रोफार्मा, आई.एम.एस.	५०० प्रतियाँ	पृष्ठ ६ +कवर
फीस एवं उपस्थिति पंजिका, से.हि. ब्वायज स्कूल	१५० रजिस्टर	
यूरिन टेस्ट रिपोर्टिंग रजिस्टर, सी.सी.आई.	२४	पृष्ठ ३००
आडियोग्राम प्रोफार्मा, ई.एन.टी.	११० पैड	पृष्ठ १००
ट्रेड बिल रजिस्टर, आई.आई.टी.	३०	पृष्ठ २००
एंड सेमेस्टर उत्तर पुस्तिका, आई.आई.टी	२५,००० कापी	पृष्ठ २०
आवेदन पत्र, विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्	२,०००	पृष्ठ २
एडमिशन फार्म नर्सरी	५०००	पृष्ठ २०
ट्रेनिंग डायरी, टी.पी.ओ., आई.आई.टी.	५०० पैड	पृष्ठ २०
ट्रेनिंग सर्टिफिकेट, टी.पी.ओ., आई.आई.टी.	१० किताब	पृष्ठ ५०
उपस्थिति पंजिका, शारीरिक शिक्षा	१२८०	पृष्ठ ४
आब्जेक्शन मेमो, वित्त विभाग	२०० पैड	पृष्ठ १००
दूध वितरण रजिस्टर, एस.एस.एच.	१०	पृष्ठ १००
हिस्ट्री शीट, आर.टी.आर.एम.	२,०००	पृष्ठ ६
जाँच फार्म, वि. छात्र स्वास्थ्य केन्द्र	४०,०००	
आब्जेक्शन मेमो, आई.आई.टी.	१०० पैड	पृष्ठ १००
सीट कार्ड, परीक्षा विभाग	२,५०,०००	
ओ.पी.डी. फालोअप बुकलेट, नेफ्रोलॉजी	५००० प्रतियाँ	पृष्ठ १६
सर्टिफिकेट, रा. सेवा योजना	१०१०	
विद्युत बिल बुक	१०४	पृष्ठ १००+१००
रोगी फाइल, आर.टी.आर.एस.	२०००	पृष्ठ २
स्टेटमेन्ट ऑफ फेमिली मेम्बर्स, एल.टी.सी.	५,०००	पृष्ठ२
प्रवेश आवेदन एल.टी.सी.	५००	पृष्ठ ६

ओ.पी.डी. प्रेस्क्रिप्शन स्लिप, वि.क. स्वास्थ्य केन्द्र	१ लाख	
ओटी रजिस्टर,एस.एस.एच.	१००	२००
वार्ड डायरी	१००	४००
ओ.पी.डी रजिस्टर	१००	४००
जांच फार्म	१०लाख	
फालोआफ बुकलेट, एस.एस.एच.	५०००	१२ पेज
एच.आई.वी.टेस्ट रिपोर्ट पैथोलॉजी	२००००	२ पेज
मीटर रिकार्ड बुक (ई.डब्लू.एस.एस.)	३७ रजिस्टर	१००पेज
बस कार्ड सेंन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	१०००	४पेज
सर सुन्दर लाल हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर के विविध प्रकार के फार्म	५० लाख	

९.१०.विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र

मुख्य परिसर

वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान संस्थान स्थित २ × ५०० के.वी.ए., नरिया उपकेन्द्र स्थित २ × ५०० के.वी.ए., विज्ञान संकाय के अन्तर्गत ४ × १००० के.वी.ए., श्री विश्वनाथ मन्दिर स्थित २ × ५०० के.वी.ए., धनराजगिरी छात्रावास स्थित १ × ५०० के.वी.ए., पुराने सर सुन्दरलाल चिकित्सालय स्थित ३ × ५०० के.वी.ए. एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था स्थित ३ × ५०० के.वी.ए. उपकेन्द्रों का निर्माण कराकर संचालित कराया गया।

महिला महाविद्यालय स्थित ५०० किलो लीटर का शिरोपरि जलाशय का निर्माण कराया गया। परिसर अन्तर्गत विभिन्न परिक्षेत्रों फीडर पिलर तथा केबलिंग कार्य कराया गया। ३३ के.वी. का द्वितीय का निर्माण १३२ के.वी. उपकेन्द्र पर तीसरे का निर्माण ३३ के.वी. पी.एस.एस. पर कराया गया। २ × १००० के क्षमता वाले एक नया उपकेन्द्र सर सुन्दरलाल चिकित्सालय स्थित विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के समीप कराया जा रहा है। गैर शिक्षण क्लब के पास नया ट्यूबवेल का निर्माण कार्य संचालित कराया गया।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर

पाईप लाइन कार्य क्लियर वॉटर रिर्जवायर (बरकछा गाँव का जल) एवं वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के मध्य कराया गया। २ × ५०० के क्षमता वाले एक नया उपकेन्द्र का निर्माण वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास कराया गया। राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में ४००० किलो लीटर का रॉ वॉटर रिर्जवायर का निर्माण कार्य कराया गया। नये ३३ के.वी. का निर्माण मड़िहान लाइन से स्टैण्ड बाई के तहत कराया गया।

दूरभाष केन्द्र

बी. एस. एन. एल. के पुराने एक्सचेन्ज के स्थान पर एक नया टेलीफोन एक्सचेन्ज स्थापित किया गया है, इसका रख-रखाव बी.एस. एन.एल.द्वारा किया जा रहा है। यह पूर्ण रूप से इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से संचालित है। वर्तमान में एक्सचेन्ज में १००० लाइन का टेलीफोन कनेक्शन का कार्य चल रहा है, जो कि समस्त संस्थानों/ संकायों/ विभागों/ कार्यालयों/सरसुन्दर लाल चिकित्सालय, विभिन्न आवासो तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों व अधिकारियों को टेलीफोन की सुविधा प्रदान करेगा। जिसका विवरण निम्नलिखित है-

- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में ४०० लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।
- केन्द्रीय ग्रन्थागार में ७२ लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।
- इसी प्रकार विभिन्न विभागों में सुविधानुसार एक्सचेंज लगे हुए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा टेलीकम्यूनिकेशन सुविधा हेतु दिन प्रतिदिन प्रयासों का विकल्प विचाराधीन है। जिसके परिणाम स्वरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को नित्य अपने प्रयासों से बेहतर से बेहतर बनाने की दिशा में सन् २००८ में टाटा इन्डिकॉम ने २०७० कनेक्शन की टेलीफोन सुविधा विश्वविद्यालय के कार्यालयों, विभागों में शुरु की थी जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय में प्रत्येक अध्यापकों एवं अधिकारियों के कार्यालयों एवं परिसर स्थित उनके आवासों पर दूरभाष की सेवा उपलब्ध कराने का प्रावधान था।

वर्तमान समय में तकनीकी कारणों से टाटा इन्डिकॉम फोन की समस्त सुविधायें बंद हैं। वर्तमान में समस्त कैम्पस वाई-फाई सिस्टम व आई फोन से जोड़ने की व्यवस्था का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय दूर संचार व्यवस्था अत्याधुनिक हो जायेगी।

९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

''विश्वविद्यालय निर्माण विभाग'' का गठन विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही किया है। यह विश्वविद्यालय स्थित समस्त भवनों की वार्षिक मरम्मत के साथ-साथ, सड़क, मल एवं जल निकासी की लाइनों का अनुरक्षण, बरसाती पानी की निकासी नालों का निर्माण एवं पुराने नालों की मरम्मत, सफाई इत्यादि के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, विश्वविद्यालय की बाहरी चहारदीवारी एवं आंतरिक चहारदीवारी का निर्माण एवं अनुरक्षण का भी कार्य करता है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के चिरईगाँव, नरायनपुर एवं टिकरी स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का अनुरक्षण कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय के

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर के भवनों की मरम्मत तथा नवीन भवनों, सड़क, सीवर, चहारदीवारी इत्यादि का निर्माण कार्य भी सम्पादित करता है।

विभाग मुख्य परिसर एवं राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर में स्वीकृत नवीन भवनों का निर्माण कार्य भी अपने स्तर पर तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार के उपक्रमों द्वारा सम्पादित कराता है। विभाग विभिन्न मदों में स्वीकृत अतिरिक्त निर्माण कार्य, भवनों के नवीनीकरण के कार्य के साथ-साथ विशेष मरम्मत का कार्य भी करता है। विभाग आंतरिक साज-सज्जा, योजना निर्माण के साथ-साथ विभिन्न छात्रावासों, विभागों, संकायों, अस्पतालों के लिये फर्नीचर के खरीद, निर्माण एवं मरम्मत का भी कार्य करता है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, विश्वविद्यालय के सभी मुख्य राष्ट्रीय पर्व- जैसे गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस एवं गाँधी जयन्ती के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों जैसे विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह, सरस्वती पूजन समारोह, कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालय, विद्यालयों एवं छात्रावासों के वार्षिक समारोहों तथा स्थापना समारोहों में भी व्यापक भूमिका निभाता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोहो, विभिन्न सेमिनारों एवं संगोष्ठियों में भी आयोजकों के आवश्यकतानुसार कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियामक संस्थाओं के निरीक्षण के समय विभाग उनकी मान्यता प्राप्त करने के लिए एवं जारी रखने के लिए अपने संसाधनों द्वारा सहायता प्रदान करता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के मुख्य भवनों जैसे- मालवीय भवन, टैगोर भवन, सुन्दरम लाज, भारत कला भवन, स्वतन्त्रता भवन, उडुप्पा प्रेक्षागृह, पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, कला संकाय प्रेक्षागृह, श्री विश्वनाथ मन्दिर का अनुरक्षण एवं वातानुकूलन का कार्य भी सम्पादित करता है।

विभाग द्वारा सभी छात्रावासों, शैक्षिक भवनों व आवासीय भवनों की मरम्मत के साथ-साथ छतों पर जल अवरोधी उपचार, रसोईघरों व शौचालयों का नवीनीकरण व बाहरी दीवारों की रंगाई-पुताई इत्यादि का कार्य भी व्यापक तौर पर कराया गया।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न मदों में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग को प्राप्त मदों का विवरण निम्नलिखित है जिसका कि पूरा सदुपयोग किया गया:

१.	विशेष मद	रु. ३०,५४,४८,३७०.००
२.	विश्वविद्यालय के भवनों के मरम्मत के लिये मद-आवर्ती मद	रु. ५९,५०,०००.००
३.	विकास मद (१२वी पंचवर्षीय योजना) (२०१५-१६)	रु. ९५,४७,२५,९९३.००
४.	रेवेन्यू मद	रु. ६०,६३,५००.००

कुछ बड़े कार्यों का विवरण निम्नलिखित है, जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित किये गये थे और जो कार्य वर्तमान सत्र में के.लो.नि.वि. द्वारा निर्माण कार्य जारी है:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	वर्तमान स्थिति
१.	केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य।	रु.६७.७९७४२ करोड़	कार्य प्रगति पर है
२.	पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य।	रु.१२६.८१२९४ करोड़	कार्य प्रगति पर है
३.	मालवीय मूल्य एवं अनुसंधान भवन का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रु.१४.९५२५८ करोड़	कार्य प्रगति पर है

निम्नलिखित भवनों का कार्य २०१६-१७ में पूर्ण किया गया है और साथ ही साथ सम्बन्धित विभागों को उपयोग हेतु हंस्तान्तरित किया गया:

क्र.सं.	कार्य का नाम	वित्त पोषण	व्यय धनराशि	स्थिति
१.	केन्द्रीयकृत खेल व्यवस्था के विकास के अन्तर्गत कला संकाय के खेल मैदान को विकसित करना एवं खेल सुविधायें प्रदान करना।	१२ वीं योजना	रु.३.५३ करोड़	पूर्ण
२.	केन्द्रीयकृत खेल व्यवस्था के विकास के अन्तर्गत विज्ञान संस्थान के खेल मैदान को विकसित करना एवं खेल सुविधायें प्रदान करना।	१२ वीं योजना	रु.३.८४ करोड़	पूर्ण
३.	नवीन सामुदायिक भवन जोधपुर कालोनी (आधार तल) का निर्माण।	१२ वीं योजना	रु.१.७३ करोड़	पूर्ण
४.	जल एवं विद्युत विभाग के भवन का निर्माण।	१२ वीं योजना	रु.१.५० करोड़	पूर्ण
५.	सौ छात्रों के लिये खेल छात्रावास का निर्माण।	विकास मद	रु.१.४५ करोड़	पूर्ण
६.	साइवर लाइब्रेरी (प्रथम तल), केन्द्रीय ग्रन्थालय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर के सिविल एवं विद्युत कार्य।	१२ वीं योजना	रु.७२.०० करोड़	पूर्ण

कमच्छा कॉम्पलेक्स, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

कमच्छा कॉम्पलेक्स में शिक्षा संकाय, सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल, सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल, रणवीर संस्कृत पाठशाला, कोल्हुआ प्राईमरी स्कूल, बैजनत्था कालोनी, डॉ. ए.बी. छात्रावास व डॉ. आर.पी. छात्रावास इत्यादि।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा लगभग २७०० एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहाँ पर शैक्षणिक कार्य का शुभारम्भ सन् २००६ ई. में हुआ। अधिक संख्या में भवन, छात्रावास, व्याख्यान कक्ष, महिला छात्रावास, प्रशासनिक, भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय भवन, किसान आवास, टिसू कल्चर भवन, अतिथि गृह, बीज भण्डार, जलपान गृह इत्यादि पूर्णरूप से तैयार हैं। कुछ पहले से पूर्ण हो चुके हैं और वर्तमान में इस्तेमाल भी हो रहा है। प्रशिक्षण क्रिया-कलाप २००५-०६ से चल रहा है। राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में बहुत ही तीव्र गति से विकास कार्य चल रहा है।

वर्तमान में भवन निर्माण, रोड, जल-आपूर्ति और विद्युतीकरण का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय-डाइवर्सिटी पार्क तथा वृहद् बीज भण्डार के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग ने दस लाख रू से ऊपर के कार्य को एवार्ड करने के लिये ई.टेण्डरिंग प्रक्रिया प्रारम्भ कर दिया है। विश्वविद्यालय निर्माण विभाग द्वारा आवासीय भवनों, संकायों व विभागीय भवनों इत्यादि के रखरखाव सम्बन्धी शिकायतों को मोबाइल फोन, कम्प्यूटर सिस्टम द्वारा प्राप्त संदेशों के आधार पर दूर करने की योजना बनाई जा रही है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में जो मुख्य निर्माण कार्य शुरू किये गये उन का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	कार्य का नाम	वित्त पोषण	व्यय	स्थिति
१.	प्रथम एवं द्वितीय तल सेमिनार हाल एवं पन्द्रह शिक्षक कक्ष का निर्माण, विधि संकाय, का.हि.वि.वि.	ओ.बी.सी. मद	रु.४.६८ करोड़	प्रगति पर
२.	ओ.बी.सी १०० महिला छात्रावास का निर्माण राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.३.५२ करोड़	प्रगति पर
३.	ओ.बी.सी. १०० छात्रों के छात्रावास का निर्माण कार्य, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.३.५२ करोड़	प्रगति पर
४.	वेटनरी एवं पशु संकाय के शिक्षण भवन (फेस-१) का निर्माण कार्य, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.६.५७ करोड़	प्रगति पर
५.	वेटेनरी एवं पशु संस्थान के लिये पशु भवन (फेस-२) का निर्माण राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.९.५२ करोड़	प्रगति पर
६.	वेटेनरी एवं पशु संस्थान के शिक्षण भवन (फेस-१) का निर्माण कार्य, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.९.८६ करोड़	प्रगति पर
७.	शहरी निकाय के लिये चार मंजिल भवन का निर्माण कार्य, का.हि.वि.वि.	१२ वीं योजना	रु.२.११ करोड़	प्रगति पर
८.	दृश्य कला संकाय एवं मंच कला संकाय के लिये १५० कमरों के महिला छात्रावास का निर्माण कार्य।	१२ वीं योजना	रु.१४.७१ करोड़	प्रगति पर
९.	भारत अध्ययन केन्द्र (आधार +५तल) के भवन का निर्माण कार्य, का.हि.वि.वि.	१२ वीं योजना	रु.१०.७७ करोड़	प्रगति पर
१०.	अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास (१५० कमरा) के भवन का निर्माण कार्य, का.हि.वि.वि.	१२ वीं योजना	रु.२०.७१ करोड़	प्रगति पर
११.	नये स्विमिंग पूल का निर्माण कार्य, का.हि.वि.वि.	१२ वीं योजना	रु.१.०२ करोड़	प्रगति पर
१२.	टीचर्स फ्लैट (१६ नं) के भवन का निर्माण कार्य, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२ वीं योजना	रु.३.०५ करोड़	प्रगति पर
१३.	बायोकेमिस्ट्री विभाग (आधार +एक तल), विज्ञान संस्थान के भवन का निर्माण कार्य, का.हि.वि.वि.	१२ वीं योजना	रु.५.०० करोड़	प्रगति पर

विश्वविद्यालय यंत्र समुच्चय विज्ञान केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्र समुच्चय केन्द्र (यूसिक) लेवल-II वर्ष १९८० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में केन्द्रीय सुविधा के रूप में स्थापित किया गया। यूसिक लेवल-II एक गैर-शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत आता है। भवन का निर्माण सन् १९८२-८३ तथा तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति वर्ष १९८५ के अन्त में पूरी हुयी।

क्रिया-कलाप

विश्वविद्यालय यंत्र समुच्चय विज्ञान केन्द्र सम्बन्धित सेवाएं त्वरित प्रदान करता है

- इलेक्ट्रानिक्स / इलेक्ट्रिकल / मैकेनिकल / एनलिटिकल यंत्रों/ उपकरणों / मशीनों का मरम्मत एवं रख-रखाव करना।
- यू.वी. विसिवुल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर तथा डबल डिस्टिल्ड वाटर इत्यादि।

संकायों/संस्थानों तथा इकाईयों इत्यादि की सूची जहाँ यूसिक कर्मचारी सेवाएं देते हैं -

- कृषि विज्ञान संस्थान
- बी.एच.यू. प्रेस
- विज्ञान संस्थान
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
- चिकित्सा विज्ञान संस्थान

१ अप्रैल २०१६ से ३१ मार्च २०१७ के अंतर्गत यूसिक द्वारा किये गये मरम्मत कार्यों का विवरण तालिका तथा बार-ग्राफ के माध्यम से दिया जा रहा है:

क्रम. सं.	विभाग/संकाय का नाम	कार्यों की संख्या
१.	कृषि विज्ञान संस्थान	१४
२.	बी.एच.यू. प्रेस	१२
३.	विज्ञान संस्थान	०७
४.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	०२
कुल		३५

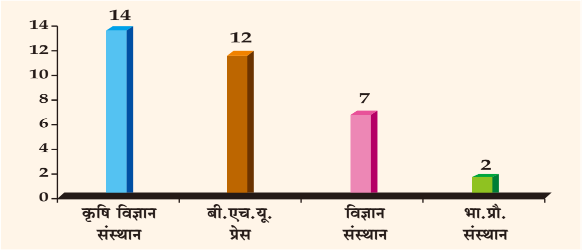

संस्थान/इकाई में यूसिक द्वारा किये गये कार्य
(१ अप्रैल २०१६ से ३१ मार्च २०१७ तक)

९.१२. स्वास्थ्य देखभाल

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

९६ शैय्या के साथ सन् १९२६ में इस चिकित्सालय की स्थापना हुई। वर्तमान में यह १५०० शैय्या युक्त एक आधुनिक अस्पताल है। यह अस्पताल पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्य प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल सहित लगभग २० करोड़ लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने वाला एकमात्र रेफरल अस्पताल है। इस अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा एवं भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा दोनों ही है। हाल ही में इसमें ६० शैय्या वाली वातानुकूलित ईओपीडी भवन का निर्माण हुआ है।

यह चिकित्सालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मिलने वाले नियमित रखरखाव अनुदान व तदर्थ विकास अनुदान से संचालित होता है। इसके अलावा, यह अस्पताल मरीजों की सेवाओं हेतु लिए जाने वाले शुल्क की अपनी कमाई के परिक्रामी निधि के जरिये अपनी वित्तीय जरूरतों के एक हिस्से की पूर्ति करता है। बहुत सी स्पेशल क्लीनिक विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं यथा-स्वस्थ शिशु क्लीनिक एवं टीकाकरण केन्द्र, जेरियाटिक क्लीनिक, डी-एडिक्शन क्लीनिक, घाव क्लीनिक, डॉट्स क्लीनिक, एडोलसेन्ट एण्ड मेनोपालिक क्लीनिक, हेमटोलॉजी क्लीनिक, ग्लूकोमा क्लीनिक, क्षार सूत्र क्लीनिक, एआरटी क्लीनिक, पोस्ट पार्टम क्लीनिक, डायबेटिक काम्प्लीकेशन क्लीनिक, पेडियाट्रिक मेकटोलॉजी, आंकोलॉजी यूनिट एवं थेलेसिमिया डे केयर यूनिट, रूमैटोलॉजी क्लीनिक एवं डायबेटिक क्लीनिक।

चिकित्सालय में असंख्य नैदानिक सुसज्जित सेवाएं उपलब्ध हैं; जैसे-कोवाल्ड थेरेपी, हेमोडायलिसिस, लिथोट्रिप्सी (ईएसडब्लूएल), कीडनी प्रत्यारोपण, १६ शैय्या युक्त आधुनिक सघन चिकित्सा यूनिट, कार्डियाक पेस मेकर प्रयोगशाला, कार्डियाक कैथ प्रयोगशाला, ओपेनहर्ट सर्जरी, निओनैटोलॉजी/निओनैटल सर्जरी सघन चिकित्सा इकाई, दंत चिकित्सा, सेवाएं (स्थापना स्थल के निकट स्थापना स्थल परिसर में नवनिर्मित भवन २५.०१.२०१५), फीजियोथेरेपी एवं पुनर्वास सेवाएं, पेडियाट्रिक सघन चिकित्सा इकाई, वीडियो इंडोस्कोपी एवं पेडियाट्रिक यूरालॉजी यूनिट, न्यूरो नेविगेशन सिस्टम, न्यूरोइंडोस्कोपी, एआरटी केन्द्र, पोस्ट पार्टम कार्यक्रम, नेत्र बैंक एवं कार्निया प्रत्यारोपण, यूरो डायनामिक प्रयोगशाला, रक्तसंघटक थेरेपी, आयुर्वेदिक पंचकर्म थेरेपी एवं लीच थेरेपी, क्षार सूत्र थेरेपी । बाह्य रोगियों का प्रवेश टिकट, जांच शुल्क संग्रहण तथा ओपीएस पर्ची काम एचएमआईएस के जरिए कमश: ३०.०१.२०१५, ०१.०१.२०१६ एवं २५.०१.२०१६ से जारी है।

कुछ चिकित्सीय सेवाएं सार्वजनिक निजी भाजीदारी (पीपीपी) अथवा आउटसोर्सिंग से संचालित हो रही हैं, ये सुविधाएं हैं - अस्पताल कैंटीन (आईआरसीटीसी), २४ घंटे दवा दुकान, पंचकर्म (केरला आयुर्वेद), जैव चिकित्सीय कूड़ा प्रबंधन, २४ घंटे-६४ स्लाइस सीटी स्कैन केन्द्र, अन्नपूर्णा भोजनालय, नेस्ले कॉफी कार्नर, अमूल पार्लर, जन सुविधाएं (शौचालय व स्नानागार), आपात ओपीडी में २४ घंटे फूड कोर्ट, विस्तारित डायलिसिस सुविधा।

नई उपलब्धियां

- अस्पताल में मरीजों के लिए नियमित जांच समेत विशेष जांच, यथा- खून, पेशाब,मल , प्रतिरक्षात्मक, सूक्ष्म जैविक, ईसीजी, २४ घंटे यूएसजी इत्यादि के लिए एकल खिड़की सुविधा ।
- आपातकालीन चिकित्सा हेतु आने वाले मरीजों के तत्काल इलाज के लिए एक ही जगह पर पंजीकरण, इलाज व जांच की सुविधा है और यहां एक-आध घंटे में रिपोर्ट भी तैयार हो जाती है। (कार्डियाक प्रोफाइल, इलेक्ट्रोलाइट के साथ एबीजी, डेंगू की त्वरित जांच, सीबीसी, पैरा चेक, यूएसजी आदि)
- एमसीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अस्पताल में शैय्या की संख्या १२५४ से बढ़ाकर १५०० की गई है।
- दो दशक बाद पहली बार अस्पताल में आने वाले गरीब मरीजों को मुफ्त भोजन (मध्याह्न व रात्रि दोनों) देना प्रारम्भ किया गया है।
- वर्तमान में १६ शैय्या की उच्च तकनीक से अद्यतित सघन चिकित्सा इकाई बनाई गई है।
- अस्पताल में वृक्षारोपण और इसके आस-पास सुन्दरीकरण।
- मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में २० नये जल प्रशीतक लगाए गए हैं।
- मरीजों के शैक्षिक कार्यक्रम हेतु अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में एल.ई.डी. टी.वी. संस्थापित किए गए।
- रक्त बैंक सुविधाओं में बढ़ोत्तरी। रक्त बैंक में AbA1c जाँच की नई इकाई शुरू की गयी।

- नेत्र, ई.एन.टी व प्रसव कक्ष में वातानुकूलन का कार्य पूर्ण किया गया तथा वह काम भी कर रहा है।
- ५०० बिस्तरों वाले शताब्दी अतिविशिष्ट संकुल हेतु २०० करोड़ की मंजूरी। दिनांक २२.१२.२०१६ को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा नींव रखी गयी।
- टेलीमेडिसिन के क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र हेतु १०३ करोड़ की मंजूरी।
- सर सुन्दर लाल अस्पताल (१५०० बिस्तर) के लिए वार्षिक बिस्तर आवंटन ०१ लाख से बढ़कर प्रति बिस्तर ०२ लाख हो गया।
- परिचर्या कार्मिकों के ५०० पदों की मंजूरी दी गयी, भर्ती प्रक्रियारत है।

अस्पताल में निम्नलिखित का उनके सम्मुख दर्शाई गई तिथियों को उद्‌घाटन किया गया :

नया दर्द शामक वार्ड	- २९ अप्रैल, २०१६
पुनरोद्धरित उच्च तकनीकीयुक्त आईसीयू	- २९ अप्रैल, २०१६
नया आपातकालीन चिकित्सा भवन	- ०६ जुलाई, २०१६
रसोई घर	- ०६ जुलाई, २०१६
स्ट्रोक वार्ड	- ०६ जुलाई, २०१६

अस्पताल सांख्यिकी

कुल बहिरंग रोग	- १३,५२,३८०
भर्ती रोग	- ५१,०८७
कुल आपरेशन (मेजर,माइनर और अन्य प्रक्रिया)	- २६,९८८
कुल जन्म	- २,७३८
कुल मृत्यु	- २,८९१
आपात चिकित्सा बहिरंग रोगी	- ५०,८९५
कुल जांच	- १७,९८,६६६
शैय्या की संख्या	- १,५००

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली सेवाएं/सुविधायें

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल छात्रावास मार्ग पर स्थित है तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ विभिन्न चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराता है। स्वास्थ्य सेवा संकुल में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा प्रशिक्षित व समर्पित पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा मरीजों की देखभाल की जाती है। मुख्यचिकित्सा अधिकारी प्रभारी की देख-रेख में संचालित होने वाला विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रात: ८ बजे प्रारम्भ होकर सांय काल ८ बजे तक अपनी आकस्मिक चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वास्थ्य पुस्तिका निर्गत कर बहिरंग विभाग के साथ-साथ आवश्यकता होने पर भर्ती मरीज के रूप में भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य सेवा संकुल में सामान्य सर्जरी के साथ-साथ अस्थि रोग के भी चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। संकुल में रक्त तथा अन्य से संबंधित सभी जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ विद्यार्थियों को राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में भी स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। विद्यार्थियों से स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रूपये ३५०.०० वार्षिक उनके फीस के माध्यम से लिये जाते हैं। वर्तमान सत्र में कुल २ लाख ६० हजार विद्यार्थियों को स्वाथ्य संकुल की सेवाएं प्रदान की गईं।

स्वास्थ्य संकुल में उपलब्ध सुविधाएं

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से
- आपातकालीन सुविधा रात्रि ८ बजे तक
- लघु शल्य सेवाएं
- अस्थि रोग संबंधित प्लास्टर तथा अन्य सुविधायें
- श्वास रोग क्लीनिक
- विशिष्ट चिकित्सा परामर्श (जनरल मेडिसिन, सर्जरी, आर्थोपेडिक, टी.बी. एवं चेस्ट तथा महिला रोग एवं अन्य)
- फार्मेसी एवं दवा वितरण सेवाएं
- दुर्घटना एवं सामान्य परिस्थिति में ड्रेसिंग सेवाएं
- हेपेटाइट्सि-बी, टिटेनस, टाइफाइड, रैबीज इत्यादि टीकाकरण सेवाएं
- इंजेक्शन और टीकाकरण सेवाएं
- दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा आधुनकि उपकरणों के साथ दंत क्लीनिक का संचालन
- होमियोपैथी क्लीनिक
- योग क्लिनिक
- फिज़ियोथेरेपी क्लीनिक सुविधा
- डिज़िटल एक्सरे क्लीनिक सुविधा
- स्वास्थ्य सलाह परामर्श सेवाएं

स्वास्थ्य सेवा संकुल में संचालित लैब सुविधा में टाइफाइड, डेंगू, लीवर, लिपिड प्रोफाइल, यूरिन आदि की जांच हेतु आधुनिक उपकरण के माध्यम से जांच की सुविधा उपलब्ध है।

अन्य सुविधाएं

- मेडिकल फिट्नेस प्रमाण पत्र
- चिकित्सा प्रतिपूर्ति
- आकस्मिक चिकित्सा हेतु दवा क्रय
- विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न खेल कूद एवं अन्य आयोजनों के अवसर पर आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

आगामी सुविधाएं

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल में अतिशीघ्र ४० बिस्तरों का वातानुकूलित अंतरंग विभाग प्रारम्भ किया जाना है।

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य निगरानी संकुल में उपलब्ध सेवायें

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में विश्वविद्यालय के नियमित व सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके आश्रितों, रेसिडेन्ट डॉक्टर व केन्द्रीय विद्यालय (बी.एच.यू.) के कर्मचारियों को चिकित्सकीय सुविधा प्रदान की जाती हैं।

वर्तमान में लगभग ८५००० लाभार्थी कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में नामांकित हैं तथा स्वास्थ्य केन्द्र में ०६ चिकित्सकों के माध्यम से १,१४,५७६ रोगियों को चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य केन्द्र में मार्डन मेडिसिन एवं आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण योग्य फार्मासिस्टों द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैं:

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श
- शल्य परामर्श
- आर्थोपेडिक सेवायें
- विशेष चिकित्सा परामर्श
- स्त्री रोग परामर्श
- फार्मेसी सेवायें
- ड्रेसिंग सुविधा
- इंजेक्शन व टीकाकरण की सुविधा
- चिकित्सा प्रमाण पत्र
- चिकित्सकीय दावा प्रतिपूर्ति
- महिलाओं में होने वाले गर्भाशय कैंसर की जाँच सुविधा
- ई.सी.जी. जाँच की सुविधा, नेबुलाईजेशन व ऑक्सीजन की सुविधा
- क्लिनिकल आब्जर्वेशन रूम में इलाज की सुविधा
- एक्सरे सुविधा
- डेन्टल क्लिनिक
- फिजियोथेरेपी

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की योजनाओं में आने वाले समय में स्वास्थ्य केन्द्र में रक्त एवं मूत्र इत्यादि परीक्षण सुविधा, फिजियोथेरेपी तथा आयुर्वेदिक बहिरंग रोगी परामर्श की सुविधा प्रारंभ करने की योजना है।

क्रियाकलाप

- **ओपीडी :** १,१४,५७६ पेसेंट प्रेजेंट (कर्मचारी, पेंशनर, सुपर पेंशनर, जे.आर. रेजिडेंट, एस.आर. रेजिडेंट, के.वी. बी.एच.यू. एवं उनके परिवार
- **ईसीजी :** ६६७
- **आरबीएस :** ३६१४
- **एक्स-रे :** ४२८९
- **ड्रेसिंग :** २०९५
- **प्रतिपूर्ति बिल की सं :** १३२५६
- **दवाएं और ड्रेसिंग सामान :** १,३५,००,०००/- (लगभग)

९.१३ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद का गठन १९७५ में किया गया, जिसका मूल में नाम विश्वविद्यालय एथलेटिक संघ था। क्रीड़ा परिषद का उदेद्श्य सहायक निदेशकों/उपनिदेशकों एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना था जिससे कि विश्वविद्यालय की टीम अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में एवं राज्य स्तरीय/राष्ट्रीय स्तर में प्रतिभागिता कर उच्च स्तर को प्राप्त करे। परिषद आवश्यकतानुसार अतिरिक्त प्रशिक्षकों, जो कि राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित हों, की सेवाएँ अल्प अवधि के लिए लेता रहता है।

पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयी, प्रतियोगिता विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों का विवरण

क्रम संख्या	खेल का नाम	पुरुष/ महिला	अवधि	प्रतियोगिता का स्थान	स्थिति
१	हाकी	पुरुष	०९-१२.०१.२०१७	पंडित रवि शंकर शुक्ला, विश्वविद्यालय, रायपुर	सहभागिता
२	फुटबाल	पुरुष	०३-१०. ०२.२०१७	विद्या सागर विश्वविद्यालय, मीदिनापुर	सहभागिता
३	बास्केटबाल	पुरुष	०५-०९.११.२०१६	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	सहभागिता
४	बास्केटबाल	महिला	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
५	बैडमिंटन	पुरुष	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
६	बैडमिंटन	महिला	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता

क्रम संख्या	खेल का नाम	पुरुष/ महिला	अवधि	प्रतियोगिता का स्थान	स्थिति
७	कबड्डी	पुरुष	०१-०८.१२.२०१६	वी.बी.एस. पूर्वान्चल वि.वि. जौनपुर	सहभागिता
८	कबड्डी	महिला	२०-२४.११.२०१६	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	सहभागिता
९	वालीबाल	पुरुष	०५-०८.११.२०१६	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	सहभागिता
१०	वालीबाल	महिला	१७-२२.०१.२०१७	वी.बी.एस. पूर्वान्चल वि.वि. जौनपुर	सहभागिता
११	शतरंज	पुरुष	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
१२	शतरंज	महिला	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	**द्वितीय स्थान**
१३	क्रिकेट	पुरुष	०५-१४.०१.२०१७	विद्या सागर विश्वविद्यालय, मीदिनापुर	सहभागिता
१४	टेनिस	पुरुष	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
१५	खो-खो	महिला	२९.०१.२०१७-०२.०२.२०१७	विश्व भारती विश्वविद्यालय	सहभागिता
१६	हैंडबाल	पुरुष	२६-३०.११.२०१६	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	सहभागिता
१७	हैंडबाल	महिला	१२-१६.११.२०१६	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	सहभागिता
१८	टेबुल टेनिस	पुरुष	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
१९	टेबुल टेनिस	महिला	०९-१२.१०.२०१६	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता

अखिल भारतीय एवं अन्तर क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की भागीदारी

क्रम संख्या	खेल का नाम	पुरुष/महिला	अवधि	प्रतियोगिता का स्थान
१	स्वीमिंग	पुरुष	२४-२८.१०.२०१६	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
२	स्वीमिंग	महिला	२४-२८.१०.२०१६	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
३.	एथलेटिक्स	पुरुष	१०-१५.०१.२०१७	अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
४	एथलेटिक्स	महिला	१०-१५.०१. २०१७	अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
५	बाक्सिंग	पुरुष	३०.०१.२०१७-०४.०२.२०१७	लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय पंजाब
६	बाक्सिंग	महिला	२५-२९.०१.२०१७	लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, पंजाब
७	आर्चरी	पुरुष	१५-१९.०२.२०१७	कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपटनम
८	आर्चरी	महिला	१५-१९.०२.२०१७	कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपटनम
९	कुश्ती	पुरुष	२५-२७.०२.२०१७	चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा
१०	ताइक्वान्डो	पुरुष	१५-२१.०३.२०१७	एम.डी.यू., रोहतक
११	ताइक्वान्डो	महिला	१५-२१.०३.२०१७	एम.डी.यू., रोहतक
१२	शुटिंग	पुरुष	०८-१२.११.२०१६	जी.एन.डी.यू., अमृतसर
१३	शुटिंग	महिला	०८-१२.११.२०१६	जी.एन.डी.यू., अमृतसर
१४	वुशू	पुरुष	२६-२८.०९.२०१६	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
१५	वुशू	महिला	२६-२८.०९.२०१६	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

५-१२ फरवरी, २०१७ को आयोजित ३०वाँ फेडरेशन कप वालीबाल चैम्पियनशिप

उपरोक्त के अतिरिक्त प्रतिष्ठापरक ३०वीं फेडरेशन कप वालीवाल चैम्पियनशिप ०५-१२ फरवरी २०१७ तक विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित की गयी। जिसका विधिवत् उद्घाटन उत्तर प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री राम नाईक द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा प्रथम पैरालिम्पिक दिव्यांग खेल कूद प्रतियोगिता २०१६-१७ दिनांक २४-३० अक्टूबर, २०१६ तक आयोजित की गयी। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा हॉकी का एस्ट्रो टर्फ लगवाने की प्रक्रिया तेजी पर हैं जबकि सौ बिस्तरो का खेलकूद-छात्रावास तैयार हो चुका है।

९.१४ छात्र अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की संस्थापना का मूल मंत्र है कि अध्ययन के साथ-साथ चरित्र निर्माण भी हो। संस्थापक पूज्य पंडित मदन मोहन मालवीयजी के अनुसार ज्ञान व चरित्र दोनों का मेल होने पर संसार में मान होगा और गौरव प्राप्त होगा। जीवन का सर्वांगीण विकास शिक्षा का मूलमंत्र है। शिक्षा की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि विद्यार्थी अपनी भावनात्मक, शारीरिक एवं मानसिक शक्तियों का विकास करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। सच्चाई और ईमानदारी से अपना जीवन निर्वाह कर सके, कलापूर्ण सौहार्द जीवन व्यतीत कर सके, समाज में आदरणीय व विश्वासपात्र बन सके। देश भक्ति व राष्ट्रीयता से, जो मनुष्य को उच्चकोटि की सेवा को प्रेरित करती हो, अपने जीवन को अलंकृत कर राष्ट्र की सेवा कर सके।

तदनुरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अनेक विधाओं से उत्सव, समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उचित प्रोत्साहन मिले तथा वे एक चरित्रनिष्ठ युवा के रूप में देश की सेवा कर सकें। वर्तमान सत्र में आयोजित क्रियाकलापों का विवरण निम्नवत है:

उत्सव एवं समारोह प्रकोष्ठ के अधीन आयोजित कार्यक्रम

- **वर्तमान शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ:** विश्वविद्यालय की परम्परा के अनुरूप नये शैक्षणिक सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने दिनांक ०४ जुलाई २०१६ को प्रातः परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक एवं पूजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थीगण उपस्थित रहे तथा नये शैक्षणिक सत्र की सफलता हेतु भगवान विश्वनाथ से प्रार्थना किये।
- **नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को कुलपति जी द्वारा उद्बोधन:** विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय ने वर्तमान सत्र के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को ११ अगस्त २०१६ को स्वतंत्रता भवन में सम्बोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्रों को महामना द्वारा स्थापित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पढ़ने के महत्व को बताते हुए उनके उज्जवल एवं सफल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्वतंत्रता भवन छात्रों से पूर्णतया भरा रहा।
- **कैंडिल मार्च का आयोजन: स्वतंत्रता** दिवस की पूर्वसंध्या पर एक कैंडिल मार्च का आयोजन दिनांक १४.०८.२०१७ को किया गया। कैंडिल मार्च मालवीय भवन से शुरू होकर बी.एच.यू. मेन गेट एवं वहां से वापस होकर मालवीय भवन पर संपन्न हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने कैंडिल मार्च में शामिल विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए देश के स्वतंत्रता की रक्षा की शपथ दिलायी। कैंडिल मार्च में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, विभिन्न संस्थानों के निदेशकगण, संकायों के संकायप्रमुख, महिला महाविद्यालय की प्राचार्या, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र- छात्राओं ने भारी तादात में हिस्सा लिया।
- **स्वतंत्रता दिवस समारोह:** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एम्पीथियेटर मैदान में एन.सी.सी. के कैडेटों द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय ने प्रातः ९ बजे राष्ट्रध्वज फहराया व राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। एन.सी.सी. के ग्रुप कमांडर ने माननीय कुलपति जी का स्वागत किया एवं कुलपति जी ने एन.सी.सी. कैडेटों की परेड का निरीक्षण किया। तत्पश्चात समारोह में उपस्थित दर्शकों को कुलपति महोदय ने संबोधित किया। एन.सी.सी. के आर्मी, नेवी व एयरविंग के कैडेटों ने विविध प्रदर्शन किये।

का.हि.वि.वि. में स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रगान व वन्देमातरम् की प्रस्तुति संगीत व मंचकला संकाय द्वारा की गयी। उक्त अवसर पर राष्ट्रभक्ति गीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

- **श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोहः** दिनांक २५.०८.२०१६ को मालवीय भवन में सायं ५ बजे से श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आचार्य नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ने श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विधिवत पूजन के उपरान्त कुलपति महोदय ने सभी को प्रसाद वितरित किया। हर वर्ष की भाँति छात्रावासों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत रहे :-
- त्रिवेणी संकुल को प्रथम पुरस्कार, महिला महाविद्यालय को द्वितीय पुरस्कार तथा रानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स हास्टल को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रोत्साहन पुरस्कार मैनेजमेंट छात्रावास एवं आई.एन. गुर्टू छात्रावास को प्रदान किया गया। राजीव गांधी दक्षिणी परिसर स्थित छात्रावासों की प्रतियोगिता में ओवरआल चैम्पियन विन्ध्याचल छात्रावास एवं प्रोत्साहन पुरस्कार नीलगिरी गर्ल्स छात्रावास को प्रदान किया गया।
- **शिक्षक दिवस समारोहः** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर ५ सितंबर २०१६ को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. जे.वी. नार्लीकर ने अवकाश प्राप्त शिक्षकों को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया। के.एन. उडुप्पा प्रेक्षागृह में समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महोदय ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।
- **गांधी जयन्तीः** २ अक्टूबर २०१६ को गांधी जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय का मुख्य आयोजन मालवीय भवन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर वी. एस. चौहान. नई दिल्ली ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में सर्व धर्म प्रार्थना के साथ ही राष्ट्रपिता का प्रिय भजन 'वैष्णव जन ....' की प्रस्तुति की गयी। गांधी जयन्ती के अवसर पर कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के १०१ प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को शिक्षण सहायता के रूप में रु.५०००/- (पाँच हजार), ३८ अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल क्रय करने हेतु रू.४०००/- (चार हजार) तथा १६ मूकबधिर विद्यार्थियों को रु.३०००/- (तीन हजार) प्रत्येक को नगद प्रदान किया।
- **महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथिः** राष्ट्रीय हिन्दी पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष, कृष्णपक्ष, चतुर्थी, दिनांक १८ नवम्बर, २०१६ को मालवीय भवन सभागार में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथि आयोजित की गयी। इस अवसर पर संस्थानों के निदेशक, संकायों के प्रमुख, प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, छात्र अधिष्ठाता, मुख्य आरक्षाधिकारी सहित अध्यापकों व विद्यार्थियों द्वारा महामना की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही शांति एवं गीता का पाठ किया गया तथा दो मिनट का मौन रखा गया।
- **महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंतीः** विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती दिनांक १४.१२.२०१६ से २५.१२.२०१६ तक बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। दिनांक १४.१२.२०१६ को देवादिपूजन के साथ सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत परायण एवं श्रीमद्भागवत् प्रवचन का शुभारम्भ एवं २१.१२.२०१६ को हवन पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण माननीय कुलपतिजी द्वारा किया गया। मालवीय जयंती पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ- तत्काल चित्र कला, फैन्सी ड्रेस, लोकगीत व समूहगान, तत्काल स्लोगन, शास्त्रार्थ, संगीतमय कण्ठस्थ गीतापाठ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। २५ दिसंबर २०१६ को मालवीय दीपावली का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी जी द्वारा किया गया। इस दौरान भजन, भक्ति संगीत व वेदशाखास्वाध्याय का भी आयोजन किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण कुलपति जी द्वारा २५.१२.२०१६ को किया गया। मालवीय जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में भी आयोजित की गईं।
- **गणतंत्र दिवस समारोहः** दिनांक २६ जनवरी २०१७ को एम्फीथियेटर मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्रातः ९.०० बजे एन.सी.सी. के ग्रुप कमांडर ने समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी जी का स्वागत किया। तदुपरान्त राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्रगान के उपरान्त कुलपति जी ने परेड का निरीक्षण किया।

सुश्री आकांक्षा चौरसिया, मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक ज्ञान, उत्तम साधारण बोध एवं सर्वोत्तम आचरण के लिये पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक २०१५-१६ तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

श्री आलोक कुमार मिश्रा, वैदिक दर्शन विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय को संस्कृत में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता मे सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर महामना संस्कृत पुरस्कार २०१६-१७ तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

सुश्री गुमा कुमारी थापा, शारीरिक शिक्षा विभाग, कला संकाय, का.हि.वि.वि. को सर्वोत्तम एथलीट के रूप मे मेज़र एस.एल. दर स्वर्ण पदक २०१६-१७ तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

३ यू.पी. आर्मड स्क्वैडन एन.सी.सी, का.हि.वि.वि. के यू.पी.एस.डी./१४/२८२१०३ एसयूओ रचित कुमार जैन को सर्वोत्तम एन.सी.सी कैडेट के रूप मे मेज़र एस.एल. दर रजत पदक २०१६-१७ तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

समारोह में निम्नलिखित गैर शिक्षण कर्मचारियों को उनके सराहनीय सेवाओं के लिये ''सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार'' प्रदान किया गया :

- श्री ए. एस. पिल्लई, वैयक्तिक सहायक, कुलपति कार्यालय, तृतीय श्रेणी लिपिकीय वर्ग
- श्री सन्त लाल, तकनीकी सहायक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान को तृतीय श्रेणी तकनीकी वर्ग
- श्री सुरेश कुमार, अनुसेवक, संगणक केन्द्र को चतुर्थ श्रेणी लिपिकीय वर्ग
- श्री सुनील कुमार सिंह, प्रयोगशाला परिचारक, रचना शरीर विभाग, आयुर्वेद संकाय को चतुर्थ श्रेणी तकनीकी वर्ग
- **स्थापना दिवस समारोह:** परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दिनांक ०१.०२.२०१७ को स्थापना स्थल पर किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम स्थापना स्थल पर हवन-पूजन करने के उपरान्त माननीय कुलपति महोदय द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार के अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी भी पूजन समारोह में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न छात्रावासों में भी माँ सरस्वती की पूजा एवं झांकी का प्रदर्शन किया गया। कुलपति, कुलसचिव, छात्र अधिष्ठाता तथा मुख्य आरक्षाधिकारी महोदय भी छात्रावासों में सरस्वती पूजन में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों द्वारा परिसर में झांकियां निकाली गई। इन झांकियों का प्रारम्भ बिरला तथा रूइया छात्रावास के बीच से होकर मधुवन लान पर संपन्न हुआ। मालवीय भवन, महिला महाविद्यालय होते हुए यात्रापथ में विश्वविद्यालय परिसर सहित भारी संख्या में वाराणसी की जनता ने झांकियों का अवलोकन किया।
- **छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार:** छात्रावासों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा स्वच्छता के साथ सुविधाओं की उपलब्धता को बनाये रखने के लिये प्रतिवर्ष छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दिनांक २२ से २५ फरवरी, २०१७ तक छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल ६६ छात्रावासों (महिला व पुरुष) को शामिल किया गया। प्रतियोगिता के निष्पक्ष निर्णय के लिये विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों एवं अन्य पी.जी. एवं डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को निर्णायक मण्डल के सदस्य के रुप में रखा गया। प्रतियोगिता में छात्रावास रखरखाव, स्वच्छता, उपलब्ध सुविधाएँ, खेल, छात्रों की संतुष्टि आदि विषयों पर मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों क्रमश: पुरूष छात्रावास, महिला छात्रावास एवं दक्षिणी परिसर के सभी छात्रावासों में कराया गया। इस प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।

पुरुष छात्रावास

डालमियां छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
डॉ. एस.आर.के. छात्रावास	द्वितीय पुरस्कार
डॉ. भगवान दास छात्रावास	तृतीय पुरस्कार
बाल गंगाधर तिलक छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
भाभा छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
ब्रोचा छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
मैनेजमेंट छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
पुनर्वसु आत्रेय छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार

महिला छात्रावास

रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
न्यू डाक्टर्स (गर्ल्स) छात्रावास	द्वितीय पुरस्कार
ज्योतिकुंज छात्रावास	तृतीय पुरस्कार
गंगा छात्रावास (त्रिवेणी संकुल)	प्रोत्साहन पुरस्कार
गोमती छात्रावास (त्रिवेणी संकुल)	प्रोत्साहन पुरस्कार
जे.सी. बोस छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
मैत्रेयी छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
स्वस्तिकुंज छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर

विंध्यवासिनी गर्ल्स छात्रावास	ओवरआल चैम्पियन
विन्ध्याचल छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार

छात्रों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास एवं कल्याण के कार्यक्रम

पूर्वी क्षेत्र अन्तर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव: अन्तर्विश्व-विद्यालयीय ३२वां ईस्ट जोन राष्ट्रीय युवा महोत्सव २०१६-१७ भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में २७ से ३१ दिसंबर, २०१६ तक विद्यासागर विश्वविद्यालय मिदनापुर में आयोजित किया गया जिसमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ४० सदस्यीय दल ने भाग लिया।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती 'युवा दिवस': काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती 'युवा दिवस' के अवसर पर ''भारतीय चिन्तन और राष्ट्रनिर्माण: स्वामी विवेकानन्द की दृष्टि में'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन १२ जनवरी, २०१७ को मालवीय भवन में किया गया। इसके मुख्य अतिथि प्रो. अवधेश प्रधान तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी अध्यक्ष थे।

अन्तर्विश्वविद्यालयीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव: अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित ३२वां अन्तर्विश्वविद्यालयीय राष्ट्रीय महोत्सव शिवाजी राव विश्वविद्यालय कोल्हापुर में १० से १४ फरवरी २०१७ तक आयोजित हुआ जिसमें विश्वविद्यालय की २० सदस्यीय टीम ने भाग लिया।

अन्तर संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन-२०१७'': दिनांक २६.०३.२०१७ से ३०.०३.२०१७ तक अंतर संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन-२०१७'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी १७ संकाय, महिला महाविद्यालय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों के कुल २३ टीमों के लगभग २००० विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस अयोजन में संगीत, नृत्य, नाट्य, दृश्य कला व साहित्यिक स्पर्धाओं की कुल ३७ प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया। दिनांक २७.०३.२०१७ को एम्फी थियेटर मैदान में औपचारिक उद्‌घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात हास्य कलाकार श्री राजू श्रीवास्तव ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। माननीय कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

दिनांक ३०.०३.२०१७ को आयोजित स्पंदन-२०१७ समापन समारोह की मुख्य अतिथि विश्व रिकार्ड स्थापित करने वाली कथक नृत्यांगना सुश्री सोनी चौरसिया थी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

छात्र-अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा सह आयोजित कार्यक्रम

लाला लाजपत राय पाठशाला में नि:शुल्क गर्म वस्त्रों का वितरण: महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी व उनके तत्कालीन सहयोगियों द्वारा समाज के पिछड़े व दलित वर्ग के उत्थान हेतु सुन्दर बगिया में स्थापित लाला लाजपत राय पाठशाला में विश्वविद्यालय व आसपास रहने वाले गरीब परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। सभी विद्यार्थियों को पाठशाला में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। गत दिसंबर १७, २०१६ को माननीय कुलपति महोदय द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्वेटर वितरित किया गया।

छात्र कल्याण योजना के अधीन विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

- छात्र कल्याण योजना के अंन्तर्गत दिनांक २ अक्टूबर २०१६ को मालवीय भवन में आयोजित गाँधी जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में अध्ययनरत १०१ प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को पठन सामग्री क्रय किये जाने हेतु रु ५०००/- प्रति विद्यार्थी प्रदान किये।
- छात्रावासों में रहने वाले समस्त प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को उनके संबंधित मेसों में २ अक्टूबर २०१६ से ३० अप्रैल २०१७ तक नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया गया। विकलांग विद्यार्थियों को भी उनके संबंधित मेसों में रियायती भोजन प्रदान किया गया। निर्धन व मेधावी विद्यार्थियों को 'छात्र कल्याण योजना' के अधीन विश्वविद्यालय स्थित श्री अन्नपूर्णा भोजनालय में नि:शुल्क मध्याह्न एवं रात्रि भोजन प्रदान किया गया। इस योजना के अन्तर्गत मुख्य परिसर व राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर के लगभग ३५० विद्यार्थी लाभान्वित हुए।
- छात्र कल्याण योजना के अंन्तर्गत विश्वविद्यालय के अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल प्रदान किये जाने का प्रावधान है। इस वर्ष गाँधी जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने ३८ अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल क्रय किये जाने हेतु रु.४०००/- प्रति विद्यार्थी प्रदान किये।
- गाँधी जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा १६ मूकबधिर विद्यार्थियों को भी रु.३०००/- प्रति विद्यार्थी नगद उपकरण हेतु सहायता प्रदान किया गया।
- विभाग स्तर पर विद्यार्थियों के लिये आयोजित किये जाने वाले सेमिनार, कार्यशाला व व्याख्यान हेतु विभिन्न संबंधित विभागों को रु.५०००/- का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।
- शोधार्थी एवं परास्नातक विद्यार्थियों को सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला आदि में शामिल होने व पंजीकरण हेतु छात्र कल्याण योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई।
- केन्द्रीय ग्रन्थालय में प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों से संबंधित पठन सामग्री की आडियो रिकार्डिंग के कार्य में संलग्न विद्यार्थियों को 'अर्न वाइल लर्न' योजना के तहत लगभग रु.६८०००/- पारिश्रमिक प्रदान किया गया।

९.१५. कैरियर विकास केन्द्र

विश्वविद्यालय के छात्रों के बहुमुखी कैरियर निमार्ण और संपूर्ण व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुलपति के आदेश से विश्वविद्यालय में कौशल विकास केन्द्र की स्थापना हुई। कौशल विकास केन्द्र की स्थापना अधिसूचना नं. आर/जीएडी/कौशल विकास केन्द्र/४२१८१ दिनांक १९.०१.२०१६ द्वारा अधिसूचित है– बाद में कौशल विकास केन्द्र का नाम बदलकर कैरियर विकास केन्द्र हो गया। कैरियर विकास केन्द्र विश्वविद्यालय के हॉबी केन्द्र में स्थित है। प्रतिवेदन की अवधि में कैरियर विकास केन्द्र में विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए १४१ व्यक्तित्व विकास सत्र, ६५ एन्ड्रायड प्रयोग विकास सत्र, ६९ मूलभूत कम्प्यूटर सत्र, ५७ सी-प्रोगामिंग सत्र, ३३ वेबसाइट निमार्ण सत्र, ७ सफाई अभियान, ९ एप्टीट्यूड सत्र, गीता पर साप्ताहिक सत्र, योगा पर दैनिक सत्र, इन्टरप्रेन्योरशिप पर ५ सत्र, ४ अंग्रेजी बोलना सीखें सत्र, आई.आर.डी.एम. के परास्नातक विद्यार्थीयों के लिए १ समूह

छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

चर्चा का सत्र, परास्नातक छात्रों के लिए लोक प्रशासन हेतु 'माक इन्टरव्यू' संघ लोक सेवा आयोग के तैयारी करने वाले छात्रों के लिए ९ सत्र आयोजित किया। इसके अलावा कैरियर विकास केन्द्र ७ नवम्बर २०१६ के समर्थ ग्राम अभियान से जुड़ा रहा। इससे जुड़े मुख्य कार्य निम्नलिखित है-

- ८ क्षेत्रीय दौरों में लगभग ४० गॉवों का भ्रमण किया।
- ४/११/२०१६ को जैविक कृषि सम्मेलन।
- २७/०१/२०१७ को मधुपुर और भूटादेव में दन्त्य स्वास्थ्य शिविर और पौध रोपण।
- ०२/०२/२०१७ को तारापुर और नरोत्तमपुर में महिला स्वास्थ्य शिविर और पौधरोपण।
- ०४/०२/२०१७ को साघान में पशु स्वास्थ्य शिविर।

९.१६. जलपान गृह

मैत्री जलपान गृह की कई शाखाएँ हैं, जो कि विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर स्थित है, जिनका संचालन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त प्रबंध समिति द्वारा होता है। मैत्री जलपान गृह का संचालन लाभार्जन के उद्देश्य से नहीं किया जाता है। यहाँ पर खाद्य पदार्थो की पूर्ति साफ-सफाई को ध्यान में रखकर ही की जाती है। जलपान गृह के द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्रों को नाश्ता, दोपहर का भोजन तथा अन्य खाद्य पदार्थो की पूर्ति की जाती है। ये सुविधाएँ विश्वविद्यालय के प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को भी दी जाती हैं। जब कभी विश्वविद्यालय में सेमिनार, कान्फ्रेंस होते हैं, तब इसके लिए आवश्यकता के अनुरूप नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था भी मैत्री जलपान गृह के द्वारा की जाती है।

इस समय का.हि.वि.वि. परिसर में निम्न कैन्टीन कार्यरत हैं:

१. मैत्री जलपान गृह एवं इसकी निम्नलिखित शाखाएँ

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान जलपान गृह
- विश्वविद्यालयी चिकित्सालय जलपान गृह
- चिकित्सा ऑपरेशन थियेटर जलपान गृह
- रूचिरा, महिला महाविद्यालय जलपान गृह
- मधुबन जलपान गृह
- केन्द्रीय कार्यालय जलपान गृह
- केन्द्रीय विद्यालय जलपान गृह

२. एग्रो जलपान गृह

९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

- राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय पर १५ अगस्त २०१६ को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- २४ सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी के तौर पर डॉ. कविता आर्या तथा श्रेष्ठ स्वयं सेवक के रूप में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती दिनांक २ अक्टूबर, २०१६ को लाला लाजपत राय प्राथमिक पाठशाला, सुन्दर बगिया, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित की गयी। स्वच्छता अभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को अपने घर से महाविद्यालय तक स्वच्छ रखने पर जोर दिया एवं सभी छात्रो एवं छात्राओं को स्वच्छता शपथ ग्रहण कराया।
- स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं के चयन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा किया गया। चयन शिविर में श्री अयोध्या प्रसाद, युवा अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ (भारत सरकार), डॉ. राजनाथ, डॉ. कविता आर्य, कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित थे। तीन स्वयंसेवको का चयन किया गया जिसमें एक महिका फत्याल, महिला महाविद्यालय की थी। चयनित छात्र एवं छात्राओं ने जनवरी २०१७ में गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता किया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर डॉ. नेहा पाण्डेय कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया।
- छठवें दिन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक श्रोती ने स्वयंसेवकों के कार्य की सराहना की और अपने क्षेत्र में प्राथमिक पाठशालाओं के शिक्षा स्तर सुधारने के उद्देश्य से पाठशाला गोद लेने का सुझाव दिया। डॉ. अचर्ना शर्मा ने कन्या भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक मुद्दे पर स्वयंसेवकों को संबोधित किया।
- शहीदे आजम भगत सिंह की ११० जयंती नशाखोरी न करने की प्रतिबद्वता के साथ मनायी गयी।
- दिनांक १४.०४.२०१६ को राष्ट्रीय सेवा योजना, कृषि विज्ञान संस्थान, ने संविधान दिवस का आयोजन किया जिसके मुख्य अतिथि डॉ. बी पी अशोक, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, चुनार, एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि प्रताप सिंह, निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान थे।
- री- इमेजिंग एन.एस.एस. ऐज फिफ्थ स्पेस'' कार्यशाला का आयोजन स्वयं सेवी संस्था प्रवाह और वाई पी फाउंडेशन ने अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूनाइटेड नेशन फण्ड फॉर पापुलेशन एक्टिविटी के सहयोग से गत १२-१३ दिसम्बर को किया गया। जिसमें बीएचयू के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा नामित कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव मिश्र और डॉ. अरूणा कुमारी को भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ६३ एनएसएस यूनिट में से दो यूनिट को पायलट परियोजना में चुना गया। इसका उद्देश्य युवाओं का व्यक्तित्व विकास और सामुदायिक विकास करना है। इस पायलट परियोजना के प्रथम चरण में वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थानों से पाँच-पाँच कार्यक्रम अधिकारियों का चयन करने की योजना है।

- कार्यशाला के द्वितीय चरण में महाविद्यालयों के चुने हुए स्वयंसेवक प्रशिक्षण लेंगे जो अपने-अपने कॉलेज में जाकर स्वयंसेवको को प्रशिक्षित करेंगे ताकि जन जागरूकता कार्यक्रमों में प्रभावी सहभागिता हो सके। समाज के बड़े समूहों तक पहुँचने के लिए एन.एस.एस. टीम महिला स्वयंसेवी संगठनों को शामिल करेंगी।
- बीएचयू के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 'मेरा मोबाइल मेरा बटुआ' जन जागरूकता आरम्भ किया गया।
- भारत के माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया जिसमें चालीस स्वयंसेवको ने भाग लिया। इसका उद्देश्य नकदीरहित लेन देन को बढ़ावा देना था।
- राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इकाई द्वारा दिनांक ११.०१.२०१७ को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित दुकानदारों को डॉ. अरूणा कुमारी, कार्यक्रम अधिकारी और मुख्य प्रबन्धक श्री शशांक कुमार के नेतृत्व में जागरूक और प्रशिक्षित किया।
- मतदाता जागरूकता कार्यक्रम: बीएचयू कला संकाय एनएसएस शाखा द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु कला संकाय के प्रांगण में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी, स्वयंसेवकों के लिए एक स्लोगन प्रतियोगिता रखी गयी, जिसका विषय एथिकल वोटिंग था।
- राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विशेष शिविर कार्यक्रम का आयोजन: इस वर्ष ५१ इकाई विशेष शिविरों का आयोजन अधिगृहीत ग्रामों एवं शहर की मलिन बस्तियों में किया गया।
- सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों द्वारा विशेषकर कन्दवा, सुसुवाही, आदित्य नगर, के कुओं, तालाबों और घाटों पुष्कर तालाब, कुरूक्षेत्र तालाब के साथ बी.एच.यू. परिसर के विभिन्न स्थानों पर सफाई की गयी।
- विशेष शिविर के दौरान एड्स जागरूकता, मतदाता जागरूकता, जल संरक्षण एवं साम्प्रदायिक सद्भाव रैलियों का आयोजन महिला

महाविद्यालय, बसन्त कन्या महाविद्यालय, वसन्त महिला महाविद्यालय राजघाट, आर्य महिला एवं डी.ए.वी. डिग्री कालेज विज्ञान संकाय, कला एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा किया गया।

- शिविरों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जागरूकता एवं अन्य कई प्रकार के कार्यक्रम भी किये गये। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के स्वयंसेवकों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं' का आह्वान किया।

९.१८. राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वार्टर 'ए' की स्थापना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में १४ फरवरी १९६३ को हुआ। ग्रुप हेडक्वार्टर ए की नौ यूनिटें हैं जिनमें से पाँच यूनिट काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रांगण में, दो यूनीटें बलिया, एक गाजीपुर तथा एक मुगलसराय में स्थित है। उपरोक्त सभी यूनिटों का उदय वर्ष १९६३ से पहले हुआ। उल्लेखनीय है कि २ उ.प्र. ई.म.ई कम्पनी की स्थापना ०५ अगस्त १९२१ को बनारस इंजिनियरिंग कालेज (बीईएनसीओ) के रूप में हुई थी। इस ग्रुप हेडक्वार्टर के प्रथम ग्रुप कमान्डर लेफ्टिनेन्ट कर्नल बृजपाल सिंह (राजपूत रेजीमेन्ट) थे। तब से अब तक २४ ग्रुप कमांडर अपनी सेवा ग्रुप हेडक्वांटर को दे चुके हैं। ०१ फरवरी २०१६ से ब्रिगेडियर ए के गोयल ग्रुप कमांडर हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का विस्तार

ग्रुप हेडक्वाटर 'ए' का मुख्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित है। इसमें वाराणसी, चन्दौली, गाजीपुर, बलिया तथा मऊ जनपद के कुल ६२३४ लड़के तथा २५०० लड़कियाँ कैडेट के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। इस मुख्यालय का विस्तार ३ विश्वविद्यालय, १६ विद्यालय, ६३ इण्टर तथा डिग्री कॉलेजों में है। इस मुख्यालय तथा उसके अधीनस्थ एनसीसी इकाईयों में १२ सैन्य कमीशंड अधिकारी, ३३ कनिष्ठ कमीशंड अधिकारी, ८८ नान कमीशंड अधिकारी, ४८ वरिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी, २५ कनिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी तथा १२९ असैन्य कर्मचारी हैं।

उपलब्धियाँ

वर्तमान वर्ष में इस मुख्यालय द्वारा निम्नलिखित उपलब्धियां अर्जित की गई हैं -

- इस मुख्यालय को इस वर्ष एन.सी.सी. निदेशालय, उत्तर प्रदेश में सातवाँ स्थान प्राप्त हुआ।
- आठ कैडेट ने थल सैनिक शिविर, दिल्ली में भाग लिया।
- ११ कैडेटों ने नौ-सैनिक शिविर, विशाखापटनम में भाग लिया।
- सात कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर, नई दिल्ली में भाग लिया।
- एक कैडेट ने भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में २१ जून से ०२ जुलाई २०१६ तक विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- १५ संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए जिसमें ५१६६ कैडेटों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में ११८ कैडेटों ने भाग लिया, जिनका आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर हुआ था।
- २३१ कैडेटों ने आर्मी अटैचमेन्ट कैम्पों के माध्यम से सेना की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।
- ४४ कैडेटों ने दो अलग-अलग ट्रेकिंग में भाग लिया, जिसका आयोजन अलग-अलग एनसीसी निदेशालयों द्वारा किया गया।
- ६७ भूतपूर्व एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी के 'ए', 'बी' तथा 'सी' प्रमाणपत्र के आधार पर सेना में तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की नौकरियां प्राप्त की।
- १२ सहयोगी एन.सी.सी. अधिकारियों को आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण ११ बटालियन एनडीआरएफ, वाराणसी में दिया गया।
- १७ कैडेटों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एनसीसी नैशनल गेम्स, नई दिल्ली में भाग लिया। इसकी पूर्व कड़ी में आयोजित इंटर ग्रुप फुटबाल, हाकी एवं खो-खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा हैंडबाल में द्वितीय स्थान रहा।
- इस मुख्यालय के अंतर्गत ७ उ.प्र. नौसेना युनिट ने उत्तर प्रदेश इंटर यूनिट नौसेना प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-२०१७ के अवसर पर ६९३७ कैडेटों ने भाग लिया।
- कर्नल यू के पन्त, कमान अधिकारी, ९२ उ.प्र. एनसीसी बटालियन, गाजीपुर द्वारा भारत सरकार के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत ०१ से २७ दिसम्बर २०१६ तक बांगलादेश में तथा कैडेट रचित कुमार जैन, ३ उ.प्र. आर्मड एनसीसी ने इसी कार्यक्रम के तहत २५ सितम्बर से ०८ अक्टूबर २०१६ तक कजाकिस्तान देश का भ्रमण किया।

सम्मान एवं पुरस्कार

- कैडेट रचित कुमार जैन, ३ उ.प्र. आर्मड एन.सी.सी. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा मेजर एस.एल. दार रजत पदक से सम्मानित किया गया।
- इस मुख्यालय के दो कैडेटों को एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में १८ नवम्बर २०१६ को एनसीसी निदेशालय, लखनऊ के अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा सम्मानित किया गया।

इस मुख्यालय के दो कैडेटों को राजभवन, लखनऊ के समारोह में ०७ फरवरी २०१७ को सम्मानित किया गया।

९.१९. बैंक एवं डाक घर

बैंक

विश्वविद्यालय परिसर में दो राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएँ हैं जो छात्रों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं।

१. भारतीय स्टेट बैंक की निम्नलिखित चार शाखाएँ परिसर में कार्यरत हैं:

- बी.एच.यू. मुख्य शाखा
- शापिंग सेन्टर बी.एच.यू. शाखा
- आई.एम.एस. बी.एच.यू. शाखा
- आई.टी. शाखा (बी.एच.यू.)

२. बैंक आफ बड़ौदा, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय परिसर, का.हि.वि.वि.

उपरोक्त बैंकों के ४ एटीएम केन्द्र भी विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत हैं।

डाकघर

विश्वविद्यालय परिसर में डाकघर (कोर बैंकिंग सर्विस) निम्नलिखित तीन शाखाएँ कार्यरत हैं:

- मुख्य विश्वविद्यालय डाकघर
- बी.एच.यू. चिकित्सालय डाकघर
- मालवीयनगर डाकघर

एच.वी.वी. डाकघर में उपलब्ध सुविधाएँ :

- सभी तरह की बचत बैंक सुविधाएँ
- मेघदूत मिलेनियम
- बिजनेस पोस्ट
- खुदरा पोस्ट
- बी.एन.पी.एल. सर्विस
- डाक जीवन बीमा पॉलिसी
- वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर
- मनीग्राम पेमेन्ट

९.२०. बी.एच.यू. कम्प्यूटरीकृत रेलवे आरक्षण केन्द्र

बी.एच.यू. परिसर स्थित उत्तर रेलवे के आरक्षण केन्द्र ने १३ जून, २००६ से कार्य प्रारम्भ किया। इस केन्द्र में प्रात: ९ बजे से अपराह्न ३ बजे तक (रविवार को छोड़कर) परिसर एवं परिसर के बाहर के लोगों को रेलवे आरक्षण की सुविधा प्राप्त होती है। इस केन्द्र द्वारा समाप्त हुए वित्तीय वर्ष २०१४-१५ में कुल रु. ६४,७३६ यात्रियों का आरक्षण हुआ एवं रु. ४६३२२ मांग-पत्रों का निस्तारण किया गया।

९.२१. हवाई पट्टी एवं हेलीपैड

विश्वविद्यालय के छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से परिसर में एक हवाई पट्टी/हेलीपैड की भी व्यवस्था है, जहाँ ७ यू.पी. एयर स्क्वाड के सहयोग से ९०० एयर फ्लाईट कैडेटों (७०० सीनियर डिविजन एवं २०० जूनियर डिविजन) को हवाई जहाज उड़ाने एवं इससे सम्बन्धित तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है। ३३% सीटें महिला कैडेटों के लिए आरक्षित हैं।

९.२२. विपणन संकुल

मरीजों एवं उनके सहयोगियों, आगन्तुओं, छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों को उच्च गुणवत्तायुक्त अल्पाहार, शीतल पेय, कॉफी, चाय इत्यादि प्रदान करने के लिए ५ नेस्ले काइस्क (जिसमें से एक साईबर ग्रन्थालय में स्थित है) एवं ५ अमूल पार्लर (जिनमें से एक राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकछा में स्थित) है।

९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

महामना ने एक समग्र एवं अनूठे शैक्षणिक संस्थान के रूप में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जहाँ पूर्वी धर्म तथा पाश्चात विचार आपस में घुलमिल सकें और उनके बीच जीवन्त संवाद हो सके। यह मेल जोल और संवाद न केवल पृथक-पृथक माध्यम से हो बल्कि एक महत्वपूर्ण सामूहिक भवन के जरिए अनौपचारिक तरीके से हो जिसे वह विश्वविद्यालय क्लब कहा करते थे। उन्होनें सन् १९३४ में इसकी स्थापना इस उद्देश्य से की थी कि यह क्लब योग्यता व उत्कृष्टता की संस्थागत विचारधारा की पूर्ति अपने बहु-विषयी श्रेष्ठ ज्ञान के आदान–प्रदान के जरिए करेगा। तब से लेकर पिछली शताब्दी के अन्त तक, यह क्लब अनिवार्य रूप से एक संवाद केन्द्र रहा है, जहाँ काली चाय का स्वाद लेते हुए, विविध प्रदेशों के सदस्य इनडोर खेलो, जिसमें दाव रहित ताश के खेल भी शामिल थे, का आनन्द लेते थे, विभिन्न मतावलंबी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण शैक्षणिक तथा प्रशासनिक समुदाय के प्रति अपनेपन के भाव के साथ एक विशेष माहौल पैदा करते थे। यह एक अनौपचारिक मिलन केन्द्र था, जहाँ एक समय किसी को भी यह 'लघु भारत' प्रतीत होता था, समवेत रूप में सुन्दरतम् सांस्कृतिक अभिव्यक्ति थी। विभिन्न त्योहोरों तथा आयोजनों पर, इसके सदस्य परिवार सहित, विभिन्न प्रकार के दावतों का आनंद उठाते थे। तथा विविध गतिविधियों में बिना किसी पदानुक्रम के नियमों के, अनुशासित रूप से, विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते थे। विश्वविद्यालय क्लब अपने संकाय तथा प्रशासकों के सुन्दरतम् सांस्कृतिक शिष्टता को प्रतिबिंबित करता था।

नई शताब्दी के आरंभ के साथ ही, विश्वविद्यालय क्लब की भूमिका भी परिवर्तित हो गयी है। जहाँ पहले इसकी भूमिका विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में थी, वही अब यह विश्वविद्यालय के लिए आय का स्रोत बन गया है। प्रतिवर्ष इसमें विवाह तथा अन्य कार्यक्रमों के आयोजन से अच्छी–खासी आय प्राप्त हो जाती है। विश्वविद्याल क्लब विश्वविद्यालय के सामासिक संस्कृति का कई वर्षों से प्रतिनिधित्व कर रहा है।

९.२४ छात्र कल्याण

९.२४.१ संस्थापन सेवा

कृषि विज्ञान संस्थान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) की प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा के लिए संस्थान के पांच छात्रों का अंतिम रूप से चयन किया गया। इसके अलावा, ११ कम्पनियों और एनजीओ जिन्होंने संस्थान के प्लेसमेंट सेल के माध्यम से कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया, के द्वारा एक या दूसरी सेवा के लिए ५२ नव स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों का चयन किया गया, ०७ छात्र सहायक प्रोफेसर/वैज्ञानिक और ३५ छात्रों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति (आईसीएआर-जेआरएफ) परीक्षा और अन्य प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल की परीक्षाओं में सफलता मिली।

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, अन्य विश्वविद्यालयों के एमएससी/एमफिल शोध प्रबंध के लिए ग्रीष्मकालीन

सामुदायिक विकास और सामाजिक सेवा योजना

इस मुख्यालय ने निम्नलिखित सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रियता से भाग ग्रहण किया-

आयोजन	इकाईयाँ	अवधि	कैडेटों की संख्या
तंबाकू निषेध दिवस	सभी इकाईयाँ	३१ मई २०१६	१५३५
विश्व पर्यावरण दिवस	सभी इकाईयाँ	०५ जून २०१६	५३५
ड्रग निषेध दिवस	सभी इकाईयाँ	२६ जून २०१६	१६२१
रक्तदान दिवस, कारगिल विजय दिवस के अवसर पर	वाराणसी	१४ अगस्त २०१६	१६५
स्वच्छता पखवाड़ा	सभी इकाईयाँ	०१-१५अगस्त २०१६	७८४
स्वच्छता सप्ताह	वाराणसी	२८सितम्बर२०१६	२२५
विश्व मधुमेह दिवस	सभी इकाईयाँ	१४ नवम्बर २०१६	३१६
वृक्षारोपण कार्यक्रम	वाराणसी	१२अगस्त२०१६	६०
तंबाकू निषेध जागरूकता	वाराणसी	१२अगस्त२०१६	३०
राष्ट्रीय युवा दिवस : ईपेमेंट जागरूकता अभियान	सभी इकाईयाँ	०६-१२ जनवरी२०१७	१५०
गणतंत्र दिवस कीर्तिगान दौड़	सभी इकाईयाँ	१८-२१जनवरी २०१७	९०२
विश्व जल दिवस	सभी इकाईयाँ	२० मार्च २०१७	३५०

प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में आईईएसडी के प्रशिक्षित छात्र वैज्ञानिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित छात्र हैं। छह एमएससी टेक एनवायरनमेंटल साइंस और टेक्नोलॉजिकल अंतिम वर्ष के छात्रों को वर्तमान सत्र में हैदराबाद में रामकी एनविरो इंजीनियर्स लिमिटेड, में रखा गया है।

प्रबन्धशास्त्र संस्थान

संकाय के छात्रों ने प्रतिवर्ष अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया है। सभी छात्र संकाय की प्रबल शैक्षणिक संस्कृति की सुदृढ़ता प्रदान करते हुए भारतीय विश्वभर की प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा भर्ती किए गए है। संकाय सदस्यों की समन्वित चेष्टाएँ छात्रों के परिसर स्थापन में भलिभांति प्रतिबिंबित हुई है। संकाय की उद्योग जगत में पहुंच बढ़ रही है हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक भी संकाय के प्रतिष्ठित एंव अग्रणी स्थापन संस्थाओं में जुड़ गया है। लगभग चालीस संगठनों ने वर्तमान सत्र के दौरान संकाय का भ्रमण किया। छात्रों द्वारा प्राप्त किये गए औसत वेतनमान की सीमा ६.५ लाख रूपये वार्षिक तक बढ़ गई है। छात्रों का प्रस्तावित कार्य प्रालेख भी विस्तृत हो रहा है।

विज्ञान संस्थान

संगणक विज्ञान विभाग

कई छात्रों को विभिन्न सॉफ्टवेयर कंपनियों में कैम्पस प्लेसमेंट मिला है। विभाग में ३ कम्पनियां कैंपस चयन के लिए आयीं टी.सी.एस., थ्रेडसोल एवं वेबकूल जिनसे क्रमश: ८, २ एवं ३ छात्रों का चयन हुआ।

भूगर्भ विज्ञान विभाग

अच्छी संख्या में विभाग के एम.एस.सी.(टेक) एवं एम.एस.सी. विद्यार्थियों का ओ.एन.जी.सी., कोल इंडिया, ए एम डी, एम ई सी एल, बार्क, एच जेड एल मोनेट इस्पात, विप्रो, टाटा स्टील जैसी कम्पनियों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

इसके अतिरिक्त अनेक प्रतिष्ठित शोध संस्थान तथा निजी कम्पनियाँ विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्रदान करती है। वाडिया इंस्टिट्यूट आफ हिमालयन जिओलॉजी, राष्ट्रीय भूभौतिकी शोध संस्थान (एन जी आर आई), भौतिकीय शोध प्रयोगशाला (पी आर एल), सिम्फर, जी एस आई, इसरो एवं बार्क इत्यादि इनमें शामिल है।

भू-भौतिकी विज्ञान विभाग

अन्तिम वर्ष के एम.एससी.(टेक.) भू-भौतिकी के छात्रों का विभिन्न सरकारी, अर्धसरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में चयन हुआ। इसमें ९ विद्यार्थियों का कैम्पस साक्षात्कार (२३-२४ नवम्बर २०१६) के द्वारा ओ.एन.जी.सी. में चयन हुआ तथा ०५ पूर्व विद्यार्थियों का चयन भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग में संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षा के द्वारा हुआ।

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण एवं फील्ड ट्रेनिंग समेस्टर ब्रेक के दौरान दिसम्बर २०१६ एवं जनवरी २०१७ में कराया गया।

आनुवांशिकी विकार केन्द्र

हमारे पिछले बैच के छात्रों को एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ, आईएमएस, बीएचयू, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली जैसे संस्थानों में नियुक्ति मिला है।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

परिसर में एक अनुस्थापन समिति का गठन किया गया है जो विद्यार्थियों को सत्र के दौरान प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु आवश्यक अवसरों का उपलब्ध कराती है।

- एम.बी.ए. (ए.बी.) के छात्र एवं छात्राओं की नियुक्ति औसत वार्षिक पैकेज ४.५ लाख रूपये के साथ इण्डोगल्फ फर्टिलाइजर, अंसल ए पी आइ, ड्यू प्वाइंट, सावन सीड, महिंद्रा टेक, पैन सीड, धनुका, बंधन माइक्रोफाइनेस सिनोकेमए चम्बल फर्टिलाइजर, एवं पर्ल अकादमी द्वारा की गई।
- बी.फार्म. आयुर्वेद के छात्र एवं छात्राओं की नियुक्ति श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड, इमामी प्राइवेट लिमिटेड, चरक फार्मा जैसी प्रतिष्ठित कंपनीयों में हुई।

२६.०७.२०१६ को एन.सी.सी./एन.एस.एस. कैडेटों द्वारा रक्तदान

खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

- दो विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में चयन हुआ।
- दो विद्यार्थियों को बैंक में नौकरी प्राप्त हुई।
- बहुत से विद्यार्थियों का ख्याति प्राप्त खाद्य उद्योगों में चयन हुआ।

९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र

'माडल ब्यूरो' के नाम से ख्याति-प्राप्त विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मन्त्रणा केन्द्र देश का सम्भवत: प्रथम केन्द्र है, जिसकी स्थापना जून १९५९ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, रुइया हॉस्टल, मेडिकल ब्लाक में की गयी थी। राष्ट्रीय नियोजन सेवा की ऐसी इकाईयां इस समय देश के लगभग ८२ विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का प्रयास है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों में सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्रों की स्थापना की जाय। विश्वविद्यालयी जीवन में इस केन्द्र की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा चुनौतियों से भरपूर है। शिक्षित नवयुवकों तथा युवतियों को समुचित शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्ग निर्देशन देकर, उनका भविष्य निर्माण करना, इन केन्द्रों का प्रमुख दायित्व है। विश्वविद्यालय के छात्र तथा छात्राओं को परिसर में ही शैक्षणिक तथा व्यावसायिक मार्ग निर्देशन सेवाएं उपलब्ध की जा सकें, इस उद्देश्य से इस केन्द्र का सूत्रपात किया गया था। विश्वविद्यालय की प्राचीन परम्पराओं तथा गरिमा के अनुकूल छात्रोपयोगी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में केन्द्र सर्वथा समर्पित रहा है।

- पंजीयन, सम्प्रेषण और प्लेसमेण्ट
- कॅरियर स्टडीज एंव व्यावसायिक शोध
- रोजगार एवं स्वरोजगार सम्बन्धी सूचना
- शिक्षण-प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति से सम्बन्धित सूचना
- व्यावसायिक निर्देशन एवं कैरियर काउंसिलिंग : व्यक्तिगत एवं सामूहिक
- कैम्पस भर्ती

व्यावसायिक सूचना कक्ष की स्थापना एक बड़े हाल में की गयी है। इस कक्ष को केन्द्र की सूचना सेवाओं का मेरूदण्ड कहना अधिक उपयुक्त होगा। कक्ष में कुल ८० फोल्डर है जिनका वर्गीकरण संकाय, उद्योग, संस्था तथा विभिन्न अनुभागों में किया गया है। कक्ष का महिला अनुभाग, अपना रोजगार अनुभाग, चिकित्सा तथा प्राविधिक शिक्षा अनुभाग प्रतियोगितात्मक अनुभाग, राष्ट्रीय विकास और प्रतिरक्षा अनुभाग, रोजगार क्षेत्र सूचना अनुभाग आदि छात्रों में विशेश लोकप्रिय है। देश तथा विदेशों में उपलब्ध शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, छात्रवृत्ति, अधिवृत्ति आदि सम्बन्धित सूचना वर्गीकृत रूप से कक्ष में उपलब्ध की गयी है।

मॉडल कॅरियर सेन्टर,बी.एच.यू.,वाराणसी नेशनल कॅरियर सर्विस,रोजगार एवं श्रम मंत्रालय के अन्तर्गत बनाया गया है।

नेशनल कॅरियर सर्विस (एन.सी.एस.) का मुख्य उद्देश्य यह है कि रोजगार बाजार आने वाली परेशानियों एवं उसके क्वालिटी पर ध्यान देना है।

मॉडल कॅरियर सेन्टर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

वर्ग	प्राप्त आनलाइन शिकायत	समाधान किया गया
अनुसूचित जाति	०३	०३
अनुसूचित जनजाति	०२	०२

एन.सी.एस. पोर्टल पर कार्य

- **अभ्यर्थियों का ऑनलाइन पंजीयन:** पैन और आधार नम्बर पर अभ्यर्थियों का पंजीयन सत्यापन, आर्नलाइन रोजगार एवं काउंसलर को खोजना, रोजगार मेला आयोजित कराना एवं कॅरियर काउसंलिंग एवं मार्गनिर्देशन प्रदान करना।
- **नियोजकों का ऑनलाइन पंजीयन:** नियोजकों द्वारा अपनी रिक्तियॉ पोर्टल पर आनलाइन प्रदर्शित करना एवं अभ्यर्थियों के योग्यतानुसार रोजगार सहायता प्रदान करना।
- **काउंसलर का आनलाइन पंजीयन:** काउंसलर का पैन और आधार नं के आधार पर पंजीयन करना एवं अभ्यर्थियों को काउंसलिंग की सुविधा प्रदान करना।
- लोकल सर्विस प्रोवाइडर (पलम्बर,ड्राईवर,इलैक्ट्रीशियन आदि) का आनलाइन पंजीयन करना।
- इन्टरनेट एवं मोबाइल के द्वारा मॉडल कॅरियर सेन्टर प्राप्त किया जा सकता है।
- पोर्टल द्वारा मोबाइल एवं मेल पर रोजगार सम्बन्धी सूचना प्रदान करना।

व्यावसायिक सूचनाओं का संकलन, अध्ययन, अनुशीलन, संदर्शन, वर्गीकरण तथा संरक्षण करना केन्द्र का प्रमुख दायित्व है। केन्द्र की समस्त सूचना तथा निर्देशन सेवाएं उपयुक्त सूचना साहित्य की उपलब्धि तथा उपादेयता पर ही आधारित है। छात्रों की व्यक्तिगत तथा सामूहिक आवश्यकताओं के अनुसार ही सूचना साहित्य का संग्रहण तथा सन्दर्शन किया जाता है। वांछित सूचना तत्काल उपलब्ध न होने पर सम्बन्धित स्थानों से मंगा कर अभ्यर्थियों को उपलब्ध करायी जाती है।

व्यावसायिक परामर्श इकाइयों का संचालन केन्द्र के निर्देशन में, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में किया जा रहा है। ऐसी इकाईयां हमारी सेवाओं को लघु रूप में अपने छात्रों को उपलब्ध कराती हैं। किशोरावस्था में निर्देशन की महत्ता का अनुभव करते हुए केन्द्र इन इकाइयों को अधिकाधिक सूचना सम्पन्न तथा सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। केन्द्र इन्हीं के माध्यम से सम्बन्धित संस्थाओं में व्यावसायिक वार्ताओं का आयोजन कर, छात्रों को भावी जीवन की ठोस व्यावसायिक योजना बनाने में सहायता करता है।

केन्द्र के पुस्तकालय में कीमती तथा उपयोगी सन्दर्भ साहित्य उपलब्ध है। पत्र-पत्रिकाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम, नियमावली, प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के निर्देशन-साहित्य, स्वत: नियोजन, व्यवसाय प्रोन्नयन, व्यावसायिक मार्ग निर्देशन, आत्मविकास आदि से सम्बन्धित छात्रोपयोगी साहित्य पुस्तकालय में एकत्रित किया जा रहा है।

केन्द्र द्वारा व्यावसायिक शोध, अध्ययन, साहित्य सृजन तथा प्रकाशन सम्बन्धी कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। प्रकाशन की तीन मालाओं 'प्लान ए कैरियर सीरीज' 'नो योर सब्जेक्ट सीरीज' तथा 'गाइडेन्स लीफ्लेट सीरीज' मे अब तक कुल ५१ पुस्तकों, पुस्तिकाओं तथा विवरणिकाओं का प्रकाशन किया जा चुका है। समय-समय पर रोजगार सर्वेक्षण आयोजित कर प्रतिवेदन प्रकाशित किए जाते है। केन्द्र के प्रकाशन बेजोड़ माने जाते है। देश के कोने-कोने से प्राप्त मांग पत्रों से इन प्रकाशनों की लोकप्रियता स्वयं सिद्ध होती है।

प्लान ए कॅरियर सीरीज के अन्तर्गत प्रकाशित साहित्य की विषय-वस्तु अपेक्षाकृत अधिक विस्तृत तथा सारगर्भित होती है। ये पुस्तकें विविध पाठ्य-विषयों से सम्बन्धित उच्चशिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, स्वत: रोजगार आदि के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध विशेषीकरण और व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देती है। व्यक्तिगत निर्देशन के अवसर पर छात्रों तथा अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार इन पुस्तकों की प्रतियां उपलब्ध करायी जाती है। केन्द्र के सभी प्रकाशन नि:शुल्क रूप से देश के समस्त व्यवसाय निर्देशन से सम्बन्धित अभिकरणों, प्रमुख पुस्तकालयों, संस्थाओं आदि को प्रेषित किए जाते है।

पत्राचार निर्देशन सेवा केन्द्र की विशिष्ट सेवाओं में एक है। देश के सभी भूभागों से छात्रों, अभ्यर्थियों, संस्थाओं तथा अभिभावकों से पृच्छायें प्राप्त होती रहती है, जिनका समुचित उत्तर दिया जाता है। कभी-कभी बड़ी जटिल तथा समस्यापरक पृच्छाओं का भी निराकरण केन्द्र को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में केन्द्र तथा अभ्यर्थी के बीच बराबर पत्राचार सम्पर्क बना रहता है।

विदेशों में उच्चाध्ययन तथा रोजगार के प्रति विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों में विशेष आकर्षण दृष्टिगत होता है। सूचना कक्ष में अमेरिका, कनाडा, इंग्लैण्ड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, रूस, जापान, आदि देशों से सम्बन्धित शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश नियम, भौगोलिक परिस्थितियाँ आदि सम्बन्धी सूचना अलग-अलग पत्रावलियों में सन्दर्शित की गई है। विदेशी विनिमय, पारपत्र, वीजा, पूर्व परीक्षा आदि में भी अद्यावधिक जानकारी दी जाती है। रोजगार सूचना सहायता सभी इच्छुक अभ्यर्थियों को दी जाती है किन्तु पंजीयन की सुविधा केवल स्नातकोत्तर तथा व्यावसायिक स्नातकों (कृषि, चिकित्सा, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, कानून, शिक्षा, पुस्तकालय विज्ञान, प्रबन्ध शास्त्र आदि) तक ही सीमित हैं।

नियोजन हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों के विवरण तथा आवेदन पत्र सम्बन्धित नियोजकों को, उनकी मांगों के सन्दर्भ में, प्रेषित किए जाते हैं। ऐसी रिक्तियों की सूचना केन्द्र को सीधे नियोजक से, स्थानीय तथा देश के अन्य सेवायोजन कार्यालयों तथा केन्द्रीय सेवायोजन कार्यालय, नई दिल्ली से प्राप्त होती है।

प्लेसमेन्ट सेल: केन्द्र में स्थापित प्लेसमेन्ट सेल द्वारा समय-समय पर विभिन्न कम्पनियों के लिए कैम्पस प्लेसमेन्ट पर कार्य किया जा रहा है। केन्द्र में आने वाले आगन्तुकों एवं अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार सेवायोजन, प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित सूचना इण्टरनेट के माध्यम से प्रदत्त की जाती हैं।

अपना व्यवसाय चुनिये पखवाड़ा: केन्द्र द्वारा ''अपना व्यवसाय चुनिये पखवाड़ा'' दिनांक १५.०८.२०१६ से ३१.०८.२०१६ तक मनाया गया। पखवाड़े के दौरान देश-विदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार, उच्च शिक्षा, शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविधा, छात्रवृत्ति/ अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित विशेषज्ञों की व्यावसायिक वार्ता विभिन्न विभागों, संस्थानों/विद्यालयों में करायी गयी।

- रनबीर संस्कृत कॉलेज,वाराणसी
- स्व. पतिराजी देवी श्री केदार सिंह कॉलेज,मिर्जापुर
- मॉ शान्ती देवी कॉलेज, नरायनपुर, मिर्जापुर
- स्वामी अडंगणानन्द वोमेन कॉलेज, मिर्जापुर
- मुनी जी कॉलेज, नरायनपुर, मिर्जापुर

कॅरियर काउंसिलिंग तथा व्यक्तित्व विकास (अवसर शिविर): केन्द्र द्वारा ''कॅरियर काउंसिलिंग तथा व्यक्तित्व विकास (अवसर शिविर)'' मनाया गया। काउंसिलिंग के दौरान २३ महाविद्यालयों में देश-विदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार, उच्च शिक्षा, शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविधा, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित विशेषज्ञों की व्यावसायिक वार्ता करायी गयी।

वर्तमान वर्ष में किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण

• पंजीयन (एन.सी.एस. पोर्टल पर)	३८८
• व्यक्तिगत सूचना	३११५
• पंजीयन मार्गदर्शन (एन.सी.एस. पोर्टल)	३८८
• व्यक्तिगत मार्गदर्शन	०६
• सामूहिक मार्गदर्शन	१३०
• स्कूल/कॉलेज में वार्ता	२८
• विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अभ्यर्थियों की संख्या	३०८८

- सूचनाकक्ष में आने वाले आगंतुक ३६८०
- विशिष्ट आगंतुक ६०
- सेवायोजन से सम्बन्धित सम्पर्क ३३
- व्यावसायिक मार्गदर्शन से सम्बन्धित सम्पर्क ४२
- कैम्पस प्लेसमेन्ट १११
- कैम्पस साक्षात्कार में भाग लेने वाले अभ्यर्थी ९२०

९.२४.३. छात्र परिषद् कार्यालय

छात्र परिषद् द्वारा वर्तमान सत्र में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये:

''अर्न व्हाइल लर्न'' कार्यक्रम- ५०० जरूरतमंद एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर विभिन्न स्थानों पर केवल धन अर्जित करने के लिए ही नहीं बल्कि अनुभव प्राप्त करने के लिए भी विभिन्न स्थानों पर जैसे- संकाय/विभाग कार्यालय, लाइब्रेरी, अस्पताल, साइबर कैफे, इत्यादि पर कार्य प्रदान किये गये।

'दृष्टि' शोध पत्रिका एवं रचनात्मक पत्रिका 'युवा आवाज' का सातवां संस्करण छात्र-परिषद्- छात्र-परिषद ''दृष्टि'' शोध पत्रिका का सातवां संस्करण प्रकाशित किये जाने हेतु तैयारी कर रहा है। इस संस्करण में शोध पत्र तीन भाषाओं (हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी) में प्रकाशित किये जायेंगे। लगभग सभी शोध पत्रों को प्रेस में प्रकाशन हेतु भेज दिया गया है। छात्र परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय के युवाओं के लिए एक रचनात्मक पत्रिका भी ''युवा आवाज'' के नाम से प्रकाशित की जाती है। इस पत्रिका में मुख्य रूप से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा रचित प्रकाशित कविता एवं लघु कथा की जाती है, इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को लिखने हेतु प्रेरित करना है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा - दिनांक ३१/०३/२०१७ को एम्फीथियेटर मैदान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व प्रसिद्ध १० कवियों ने भाग लिया। इनके नाम हैं- पंडित हरिराम द्विवेदी, डॉ. कुँवर बेचैन, डॉ. सागर त्रिपाठी, श्री यश मालवीय, श्री ओम धीरज, श्री हरि नारायण सिंह 'हरीश', श्री वाहिद अली 'वाहिद', श्री भाल चन्द्र त्रिपाठी, सुश्री संदल अफरोज, सुश्री प्रियंका ओम नन्दिनी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों, अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों ने कवि सम्मेलन का आनन्द लिया। उन सभी छात्रों को भी कविता पाठ के लिए निमंत्रित किया गया जिन्होंने 'स्पंदन' में अपनी कृतियों को प्रस्तुत किया था तथा उसे वहाँ सराहा एवं पुरस्कृत किया गया था।

९.२४.४. नगर छात्र निकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ऐसे सभी छात्र जो छात्रावास में न रह कर शहर के विभिन्न अंचलों या विश्वविद्यालय परिसर में निवास करते हैं, उनका पंजीकरण नगर छात्र-निकाय के संरक्षण में किया जाता है। ऐसे छात्रों के शैक्षिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक विकास के दायित्व का निर्वहन नगर छात्र-निकाय विभिन्न ईकाइयों के मुख्य संरक्षक एवं संरक्षकों की देख-रेख में किया जाता है। नगर छात्र निकाय की कुल पाँच इकाईयाँ निम्नलिखित है:

- पूर्वी निकाय
- पश्चिमी एवं डी.एल.डब्ल्यू. निकाय
- उत्तरी निकाय
- दक्षिणी एवं रामनगर निकाय
- महिला महाविद्यालय इकाई (केवल छात्राओं के लिए)

नगर छात्र निकाय नगरीय छात्रों के लिए टेबल-टेनिस, शतरंज, कैरम, फुटबॉल, बालीबॉल, कबड्डी व क्रिकेट इत्यादि खेलकूद के अतिरिक्त स्तरीय प्रतियोगी पत्रिकायें, दैनिक समाचार पत्र (हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में) आदि छात्रों के अध्ययनार्थ हेतु उपलब्ध कराता है।

नगर छात्र निकाय द्वारा प्रतिवर्ष बहुउद्देश्यीय क्रिया-कलापों तथा विभिन्न प्रकार के साहित्यिक तथा सांस्कृतिक निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, सुभाषण, कार्टूनिंग पेंटिंग, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग, मेंहदी, रंगोली, वादन (सितार, तबला, बॉसुरी) एकल गायन व काव्य पाठ इत्यादि उन्मेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

इसी क्रम में वर्तमान सत्र में नगर छात्र निकाय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में ५४६ छात्रों ने सक्रियता से भाग लिया। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विशेष समारोह उन्मेष में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया है। वर्तमान सत्र वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह ८ अप्रैल, २०१७ को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रो. विनोद शंकर सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, वाणिज्य संकाय, का.हि.वि.वि. ने किया। ९० विजेता प्रतिभगियों को पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख महोदय द्वारा प्रमाण-पत्र एवं चिन्ह प्रदान किया गया। इस समारोह के मौके पर छात्र अधिष्ठाता के अलावा कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे।

९.२४.५. छात्र कल्याण: समान अवसर एवं समावेशी पद्धति

(क) अनु.जाति/ अनु.जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत, अनु.जाति/अनु.जनजाति समुदाय के कर्मचारियों, छात्रों एवं शिक्षकों के हितों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। जिसका कार्य भारत सरकार की आरक्षण सम्बन्धित नीतियों के क्रियान्वयन की देखरेख और सम्बन्धित सरकारी मंत्रालयों/ कार्यालयों को समय-समय पर सूचनाएँ उपलब्ध कराना है। कुलपति जी के निर्देश पर उप कुलसचिव, सामान्य प्रशासन के परिपत्र सं. आर/जीएडी/एससी/एसटी ग्रीवांस सेल/६७१०/६७२३ दिनांक ११-०५-२०१३ के द्वारा निम्नलिखित प्रकोष्ठों का गठन किया गया है:

- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति विश्वविद्यालय स्तर पर शिकायत प्रकोष्ठ।
- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति संकाय स्तर पर शिकायत समिति।
- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति विभागीय स्तर पर शिकायत समिति।

(ख) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित विश्वविद्यालय स्तर पर क्रियान्वित की गयी आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य प्रावधानों को दृष्टिगत रखते हुये विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिये क्रमश: १५ प्रतिशत एवं ७.५ प्रतिशत की दर से निम्नलिखित हेतु आरक्षण लागू किया गया है:

- विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु
- छात्रावासों में कमरों के आवंटन हेतु
- शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आवासों के आवंटन हेतु
- शिक्षकों के चयन (असिसटेंट प्रोफेसर से प्रोफेसर स्तर तक) हेतु
- गैर शिक्षण कर्मचारियों के चयन हेतु

(ग) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति हेतु स्थायी समिति

माननीय कुलपति के आदेशानुसार अधिसूचना सं.एससीटी/II/ ११.१२/२८८ दिनांक ०८.१०.२०११ द्वारा एक स्थायी समिति का पुनर्गठन किया गया है। माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थायी समिति की एक उप समिति भी गठित की गयी है जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन का कार्य करती है। उप-समिति के निर्देशानुसार संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के लिए मुख्य आरक्षाधिकारी, काशी हिन्दूविश्वविद्यालय के माध्यम से सक्षम अधिकारियों के पास भेजा जाता है।

(घ) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति पर्यवेक्षक

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रवेश समितियों/चयन समितियों/ छात्रावास आवंटन समिति/नियुक्ति सहित पदोन्नति हेतु गठित समितियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के अध्यापकों में से एक व्यक्ति को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया जाता है। इसमें इस वर्ग से सम्बन्धित अध्यापकों की सूची इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक वर्ष जुलाई माह में जारी की जाती है।

(ङ) आंकड़ों (डाटा) का संकलन

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ नियमित रूप से छात्रों के प्रवेश, छात्रावास सुविधा, अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति एवं शिक्षण तथा गैर शिक्षण कर्मचारियों के आवासों से सम्बन्धित सांख्यिकीय आंकड़ों को उपलब्ध कराता रहता है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुवीक्षण समिति द्वारा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिये निर्धारित आरक्षण नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन के लिए उपयोग किया जाता है।

(च) शिकायत पंजिका

इस प्रकोष्ठ द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के छात्रों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों से प्राप्त शिकायतों को प्रकोष्ठ में उपलब्ध शिकायत पुस्तिका में पंजीकृत कर, सम्बन्धित ईकाइयों को आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया जाता है तथा प्रकरण पर की गयी प्रत्येक कार्यवाही का विवरण भी दर्ज होता है तथा समय-समय पर प्रकोष्ठ इन उपलब्ध आकड़ों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को प्रेषित करता है।

(छ) ऑनलाइन शिकायत पंजिका

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र दिनांक १ मार्च २०१६ के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के अधीन ऑनलाइन शिकायत पंजिका विकसित की गयी है, जिसे bhu.ac.in पर देखा जा सकता है। आनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिये http://internet.bhu.ac.in/scstobc/ complaint.php पर लॉगिन किया जा सकता है।

(ज) शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/ जनजाति के सदस्यों की माँग पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय सामान्य प्रशासन द्वारा तीन स्तरों (विश्वविद्यालय स्तर, संकाय स्तर एवं विभाग स्तर) पर अनुसूचित जाति/जनजाति ग्रीवांस प्रकोष्ठ के गठन की अधिसूचना दिनांक ११ मई २०१३ को जारी की गयी है। सत्र २०१५-१६ विश्वविद्यालय स्तर पर गठित अनुसूचित जाति/जनजाति ग्रीवांस प्रकोष्ठ ने प्राप्त कुल ५ शिकायतों का निवारण किया।

अन्य पिछड़ा वर्ग

(क) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित आरक्षण नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। यह प्रकोष्ठ पहले अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ का ही अंग था परन्तु वर्तमान् में कुलपति जी के आदेशानुसार एवं सामान्य प्रशासन के परिपत्र संख्या आर/जीएडी/क्रीएशन आफ सेल्स/६६९९ दिनांक ११-५-२०१३ के अनुसार पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का गठन किया गया है साथ ही वर्तमान में यह प्रकोष्ठ अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का भी कार्य दिया गया है।

(ख) अन्य पिछड़ी जाति से सम्बन्धित आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं के क्रियान्वयन फलस्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा चयन एवं प्रवेश प्रक्रियाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए २७ प्रतिशत आरक्षण के अनिवार्य प्रावधान को विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित हेतु क्रियान्वित किया गया है:-

- विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश
- शिक्षक सदस्यों का चयन (असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर तक)
- गैर-शिक्षण कर्मचारी पदों पर चयन

(ग) आंकड़ा (डाटा) संकलन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार यह प्रकोष्ठ छात्रों के प्रवेश, अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के चयन, जैसे-विभिन्न मामलों पर नियमित रूप से सांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध करता है।

(घ) शिकायत पंजिका

अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में एक शिकायत पंजिका उपलब्ध है, जिसमें अन्य पिछड़ी जाति के अभ्यर्थियों से प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर इन शिकायतों को संबंधित ईकाइयों में आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजता है। इन शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण एवं तद्नुसार जबाब प्रेषित करता है।

(च) संदिग्ध प्रमाण पत्रों के सत्यापन हेतु समिति का गठन

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार अधिसूचना संख्या OBC/Misc/Caste Verification/२०१६/३२१/२२३८४ दिनांक अगस्त १२/१३, २०१६ द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के संदिग्ध प्रमाण पत्रों की जाँच के लिये **''कमेटी फार वेरीफिकेशन ऑफ डाउटफुल ओबीसी सर्टिफिकेट''** का गठन किया गया है, जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन का कार्य करती है।

रेमेडियल कोचिंग सेन्टर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नि:शुल्क कोचिंग योजना के अन्तर्गत निर्धारित निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नॉन क्रीमी लेयर), अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नेट (NET) परीक्षा की तैयारी के लिए माननीय कुलपति महोदय ने एक सात सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नॉन क्रीमी लेयर) तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए सामाजिक विज्ञान संकाय के मनोविज्ञान विभाग में एक रेमेडियल कोचिंग सेन्टर का संचालन हो रहा है।

रेमेडियल कोचिंग के तहत २०१५-१६ में नेट परीक्षा हेतु कुल २९९ छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। जिसमें २२५ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर), ४६ अनुसूचित जाति, १६ अनुसूचित जनजाति एवं १२ अल्प संख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं ने सकुशल प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्ष २०१५-१६ में सिविल सेवा परीक्षा हेतु कुल १५१ छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया जिसमें ८८ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर), ५० अनुसूचित जाति, ०७ अनुसूचित जनजाति एवं ०६ अल्प संख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं ने सकुशल प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विकलांगता प्रकोष्ठ

उप सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त पत्र संख्या एफ.६-१/२००२ (सीपीसी-द्वितीय) दिनांक २ मार्च, २००५ के अनुपालन में विकलांगजनों को संवैधानिक सुविधाओं को लागू करने हेतु विश्वविद्यालय में ''विकलांगता ईकाई'' का गठन किया गया। सामान्य प्रशासन के पत्र संख्या आर/जीएडी/प्रथम-विकलांग ईकाई/२६३७७ दिनांक २२.०९.२००६ द्वारा उपकुलसचिव (शिक्षण) को उक्त ईकाई का प्रभार सौंपा गया था। वर्तमान समय में इस प्रकोष्ठ के सम्पर्क अधिकारी संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं। भारत सरकार के नियमानुसार विकलांगजनों को ३% प्रतिशत (१% दृष्टि

बाधित के लिये, १% श्रवण बाधित के लिये तथा १% अस्थि बाधित के लिये) शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति तथा प्रवेश परीक्षाओं में क्षैतिज आरक्षण दिया जाता है। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अन्य सुविधायें/छूट भी प्राप्त हो जाती है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

कुलपति महोदय के निर्देशानुसार उपकुलसचिव, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को समान अवसर प्रकोष्ठ का प्रभारी भी बनाया गया है (पत्र संख्या आर/डेव/मर्ज्ड स्किम/इ.ओ.सी./४१७४ दिनांक २९.०३.२०१०)। वर्तमान समय में उक्त प्रकोष्ठ के सम्पर्क अधिकारी विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ का उद्देश्य/कार्य: इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विकलांग एवं अन्य पिछड़े वर्ग (नान क्रीमी लेयर) के छात्रों को सफल एवं रोजगारपरक बनाने हेतु विशिष्ट योजना के तहत कोचिंग चला कर उन्हें मुख्य धारा में लाना है।

भेद-भाव प्रतिरोधक अधिकारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश पर माननीय कुलपति महोदय ने अधिसूचना संख्या R/GAD/E.O.Cell/922 दिनांक अप्रैल ६, २०१६ द्वारा डॉ. एम.के. सिंह, प्रोफेसर को भेद-भाव मूलक अधिकारी (Anti Discrimination Officer), समान अवसर प्रकोष्ठ, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय नियुक्त किया है, जिससे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को इस कार्यालय के पत्र संख्या SCT/EOC/301B/२०१६/२८३७ दिनांक १८.०४.२०१६ द्वारा अवगत भी कराया जा चुका है।

अन्नदान योजनाकाशी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर की स्थापना चैत्र कृष्ण अष्टमी तद् दिनांक ११ मार्च १९३१ को कृष्णाश्रम जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। श्री कृष्णाश्रम जी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय के निवेदन पर आये थे। श्री कृष्णाश्रमजी गंगोत्री से और आगे तपस्यारत थे। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर को बिरला मंदिर के नाम से भी जाना जाता हैं क्योंकि इस मंदिर के निर्माण में बिरला परिवार का योगदान सर्वाधिक है। इस मंदिर की ऊँचाई २५२ फीट है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में देश-विदेश से दर्शनार्थी आते हैं। श्रावण मास, श्री महाशिवरात्रि, कार्तिक मास में दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों की संख्या अधिक रहती है। श्री विश्वनाथ मंदिर द्वारा अन्नदान नामक एक योजना संचालित की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के निर्धन एवं मेधावी छात्र को नि:शुल्क दोपहर एवं रात्रि का भोजन दिया जाता है। वर्ष २०१५-१६ में इस योजना का लाभ ६० छात्रों को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष २०१५-१६ में मंदिर में श्रावण महोत्सव, नवरात्र, दीपावली एवं अन्नकूट, मालवीय जयन्ती, श्री महाशिवरात्रि, श्री विश्वनाथ मंदिर का स्थापना दिवस, हनुमान जयन्ती आदि महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

९.२४.६.पाठ्येतर गतिविधियाँ

- इको क्लब– पर्यावरण और धारणीय विकास संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में इको क्लब का आयोजन हुआ।
- युवा महोत्सव (स्पन्दन २०१७) के अन्तर्गत फोटोग्राफी पर निबंध लेखन, वाद-विवाद, अंग्रेजी/हिन्दी कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, टर्न कोट्स मौके पर पेंटिंग, चित्र, रंगोली और मेंहदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन अस्सी घाट पर किया गया।
- डॉ. जय प्रकाश वर्मा, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, बीएचयू ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, चन्दौली और मिर्जापुर जिले के किसानों के कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए जैव उर्वरक के बारे में प्रशिक्षण देना एवं इसका लोकप्रिय बनाना।
- विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस (बसन्त पंचमी) के उपलक्ष्य में पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान में झाँकी निकाली गयी। जिसका विषयवस्तु ''५आर का अर्थ: रिसाइकिल, रीयूज, रीडूस, रीफॉर्म'' था।

प्रबन्धशास्त्र संस्थान

संकाय द्वारा प्रत्येक सत्र पर्यन्त सह पाठयक्रम एवं पाठयक्रमेत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इनमें राष्ट्रीय पर्वो पर छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी सम्मिलित है। शैक्षणिक आयोजन जैसे की सम्मेलन, संगोष्ठी, संकाय के वार्षिकोत्सव के साथ 'भूमा' का वार्षिक सम्मेलन भी मुख्य है। छात्र इनमें बढ़चढ़कर भाग लेते हैं तथा पुरस्कार प्राप्त करते है।

छात्र विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रम स्पन्दन, स्पर्धा, जन्माष्टमी पर्व आदि अवसरों पर भी प्रतियोगिताओं में भाग लेते है तथा पुरस्कार प्राप्त करते है। भूमा के प्रादेशिक सम्मेलन भी आयोजित किए जाते है।

विज्ञान संस्थान

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

- स्थापना दिवस की झांकी
- स्वच्छ भारत अभियान में प्रतिभागिता
- नये भर्ती छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- अंतर-विभागीय खेल गतिविधियों में भाग लेना
- स्कूल गार्डेन में बागबानी
- कुछ छात्रों द्वारा अंतर विभागीय और अंतर-संकाय स्तर पर खेल और खेल (संस्कृति गतिविधियों) में भागीदारी।

वनस्पति विभाग

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए प्रेरित करने वाले कार्यक्रम को चलाया गया था जो अग्रलिखित है बॉटनिकल गार्डेन, विभागा के विद्यार्थियों द्वारा सेंट्रल इंस्टुमेंट लैब का भ्रमण, कॉलेज और स्कूल के छात्रों के साथ ही अन्य विश्वविद्यालय और सरकार द्वारा उपकरणों का उपयोग, स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत बॉटनिकल गार्डेन की सफाई।

महिला महाविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना में भाग लेने वाली छात्राओं ने एक दिवसीय शिविर के दौरान श्रमदान करते हुए परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। जागरूकता दिवस पर मतदाताओं को मत देने के लिए जागरूक किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने कुष्ठाश्रम और वृद्धाश्रम जाकर समाज के उपेक्षित वर्ग के लोगों के दु:ख दर्द को बाँटा सामाजिक सेवा के महान कारक रूप में महिला महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 'रेड रिबन क्लब' को स्थापित किया गया। १४ नवम्बर २०१६ बाल दिवस के अवसर पर छात्राओं ने रक्त दान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से छात्राओं ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकली। मतदाता जागरूकता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय केडेट कोर

खेलकूद-गतिविधियाँ

इस वर्ष महिला महाविद्यालय के छात्राओं ने बास्केटबॉल, बैडमिन्टन कबड्डी, वॉलिबॉल और हैण्डबाल में युनिवर्सिटी में हिस्सा लिया।

सांस्कृतिक पर्व उत्सव

महिला महाविद्यालय के छात्रावास में बड़ी धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव झांकिया सजाकर सम्पन्न हुआ। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 'स्थापना दिवस' बसंत पंचमी के दिन सरस्वती-पूजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ एवं झॉकी निकाली गई। रोज़ा इफ्तार का जश्न छात्राओं के बीच सद्भावना जगाने हेतु आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी, वरिष्ठ प्राध्यापिकाएँ एवं प्राध्यापक भी आमंत्रित थे।

ओरिण्टेशन, नवागत छात्राओं का स्वागत समारोह एवं बी.ए./बी.एस.सी./एम.एस.सी. अंतिम वर्ष की छात्राओं का विदाई समारोह सम्पन्न हुआ।

आर्य महिला महाविद्यालय

स्पीक मैके: स्पिक मैके चैप्टर, तथा आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के संयुक्त तत्तवावधान में दिनांक २४.१०.२०१६ को उड़ीसा के सुप्रसिद्ध लोकनृत्य गोटीपुआ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उड़ीसा के बाल कलाकारों द्वारा वन्दना नृत्य, पल्लवी नृत्य और अभिनय नृत्य की मोहक छवियाँ प्रस्तुत की गयी।

तेजस्विनी: दिनांक २३.०२.२०१७ को तेजस्विनी प्रकोष्ठ की ओर से छात्राओं के निमित्त 'वुमेन एण्ड हेल्थ' विषय पर डॉ. वानी बाजपेयी के व्याख्यान का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डॉ. प्रियंवदा तिवारी, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ, प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो. रचना श्रीवास्तव, प्राचार्या, बी.के.एम., प्रो. रेवती साकलकर, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.वि., हिन्दुस्तान की रिपोर्टर वीना तिवारी को भी सम्मानित किया गया।

पूर्व-छात्रा समागम: दिनांक २२ अप्रैल २०१७ को महाविद्यालय में पूर्व छात्रा समागम समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ डॉ. रमा पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभाग, बसंत कॉलेज फॉर वुमेन, डॉ. सुमिता चट्टर्जी, बांग्ला विभाग, का.हि.वि.वि., डॉ. संगीता जैन, अंग्रेजी विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, डॉ. रीता जायसवाल, संमाजशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि., प्रसिद्ध नृत्यांगना ममता टण्डन, डॉ. शारदा सिंह, (दर्शनशास्त्र) राज्यपाल पुरस्कार से पुरस्कृत तथा अन्य पूर्व छात्राओं की सहभागिता रही।

युवा महोत्सव: प्रति वर्ष की भॉति इस वर्ष भी (युवा महोत्सव) मेधा सांस्कृतिक संकुल का उद्घाटन दिनांक ८ फरवरी, २०१७ को प्रो. रेवती साकलकर, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.वि. जी के करकमलों से सम्पन्न किया गया। इस युवा महोत्सव का समापन दिनांक ०९.०२.२०१७ को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रचना दूबे ने सम्पन्न कराया।

स्पंदन: २६-३० मार्च, २०१७ तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तर संकाय स्पन्दन प्रतियोगिता में संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता में पल्लवी एम.ए. पूर्वार्द्ध ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत स्वरचित काव्य-पाठ में श्रद्धा तिवारी, एम.ए. उत्तरार्द्ध ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय सितारवादन में कुमारी दानिया आलम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

खेलकूद

- दिनांक २९.०८.२०१६ को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आर्य महिला पी.जी. कॉलेज में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

- दिनांक ०८.०९.२०१६ से १०.०९.२०१६ तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अंतर संकाय बैटमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की तीन छात्राओं ने भाग लिया।
- दिनांक १५ से १७ सितम्बर २०१६ को कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. तथा आर्य महिला पी.जी. कॉलेज प्रतिस्पर्द्धा में महाविद्यालय की टीम ने विजय हासिल की।
- दिनांक ३ से ५ अक्टूबर, २०१६ को महाविद्यालय में आयोजित अंतर विभागीय बैण्डमिंटन प्रतियोगिता में वाणिज्य विभाग ने विजय हासिल की।
- महाविद्यालय में छात्राओं तथा शिक्षिकाओं के निमित्त जिम आरम्भ किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण: महाविद्यालय के बी.ए. तृतीय वर्ष एवं एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं को दिनांक २२.०२.२०१७ से ०४.०३.२०१७ तक शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त आगरा फोर्ट तथा नई दिल्ली ले जाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना: महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की पाँच इकाइयाँ कार्यरत हैं, इन पॉच इकाइयों में ५०० छात्राओं का पंजीकरण किया गया है, प्रत्येक इकाई एक दिवसीय एवं सात दिवसीय शिविर तथा रक्तदान, सफाई, पौधा रोपड़ तथा अनाथ बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा, मलिन बस्तियों का सर्वे, भाषण प्रतियोगिता, व्याख्यान, निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित कर समाज को अपना योगदान प्रदान करता है।

वसन्त महिला महाविद्यालय

शैक्षणिक भ्रमण/पिकनिक: छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण पर राजस्थान (२५.०१.२०१७), कलकत्ता, पुरी एवं भुवनेश्वर ले जाया गया (२३.०२.२०१७ से ०२.०३.२०१७)।

राष्ट्रीय सेवा योजना: राष्ट्रीय सेवा योजना की पाँच इकाईयों द्वारा सात दिवसीय शिविर (२५ फरवरी से ३ मार्च २०१७) का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्राओं ने सरायमोहाना, कोटवॉ गाँव तथा सारनाथ का भ्रमण किया। शिविर में जागरूकता अभियान के अन्तर्गत स्वस्थ गाँव, बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं, साक्षरता मिशन, पर्यावरण बचाओ कार्यक्रम एवं नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन (०१.०३.२०१७) भी किया गया।

स्पीक मैके: ४ सितम्बर २०१६: स्पीक मैके के तत्वाधान में इस वर्ष महाविद्यालय में प्रसिद्ध बाँसुरी वादक श्री रोनू मजूमदार ने अपनी प्रस्तुति दी। महाविद्यालय की छात्राओं ने एनटीपीसी स्कूल, दादरी, गाजियाबाद में आयोजित स्पीक मैके राज्य सम्मेलन में भाग लिया।

वसन्ताश्रम : 'वसन्ताश्रम' छात्रावास में श्री कृष्ण जन्माष्टमी, क्रिसमस, वसन्त पंचमी एवं होली त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु बैग मेकिंग, ब्यूटीशियन कोर्स, कुकिंग एवं कॅरियर निर्देशन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा डॉ. मीनाक्षी थापन, दिल्ली विश्वविद्यालय (२६ जुलाई २०१६) एवं लन्दन की डॉ. सुरैया (२७.०२.२०१७) का व्याख्यान आयोजित किया गया।

पुरातन छात्र सम्मेलन: महाविद्यालय द्वारा २१ मार्च २०१७ को अयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन में वर्ष १९३५ से २०१६ के तकरीबन ५०० छात्राओं को आमंत्रित किया गया एवं विशेष पुरातन छात्राओं जैसे प्रो. पुष्पलता प्रताप, पूर्वप्रधानाचार्या, वसन्त कन्या महाविद्यालय, डॉ. मंजू सुन्दरम, प्रसिद्ध संगीतज्ञ, प्रो. विदुला जायसवाल, प्रसिद्ध पुरातत्वविद्, प्रो. कल्पलता पाण्डेय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं नीता नागर सहित कई पुरा छात्राओं ने अपने संस्मरण सुनाये एवं प्राचार्या द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

खेल गतिविधियाँ: आर्य महिला पीजी कॉलेज, वसन्त कन्या महाविद्यालय एवं अन्य के साथ मैत्री खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कु. श्रेया सिंह (हैण्डबॉल), शबनम बानो (हैण्डबॉल), अर्चना पटेल (कबड्डी) एवं मनु मंजुषा (बालीवॉल) चयनित हुई। बैडमिंटन एवं शतरंज प्रतियोगिता में दिव्यांग छात्राओं ने भाग लिया तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा १२ छात्राओं कों ग्रीन बेल्ट तथा ३ छात्राओं को येलो बेल्ट प्रदान किया गया। प्रिया कुमारी (स्नातक, प्रथम वर्ष) ने के.ए.आई. राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता-२०१६, नई दिल्ली में ४० किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक तथा कराटे एसोशिएसन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता-२०१७ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। २३ फरवरी २०१७ को वार्षिक क्रीड़ा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मार्चपास्ट, ताइक्वांडो, योग, सुई धागा, बोरी दौड़, म्युजिकल चेयर, तथा बास्केटबाल आदि विभिन्न खेलों का आयोजन हुआ।

अन्य गतिविधियाँ : अगस्त ३०, २०१६: बाढ़के दौरान छात्राओं एवं शिक्षण/गैर शिक्षण कर्मचारियों द्वारा वाराणसी के बाढ़प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री जैसे खाद्य पदार्थ, दवाईयाँ, जूस एवं कपड़े आदि का वितरण किया गया।

वसन्त कन्या महाविद्यालय

सर्जना

महाविद्यालय के साहित्यिक और सांस्कृतिक मंच, 'सर्जना' के अन्तर्गत इस वर्ष दो सत्रों में १५ प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। क्रमश: पहला सत्र २३.०९.२०१६, २४.०९.२०१६, २६.०९.२०१६, २७.०९.२०१६, ११.०२.२०१७, १३.०२.२०१७ को सम्पन्न हुआ। इसमें निबन्ध लेखन, भाषण, टर्नकोट, काव्य-पाठ, पोस्टर-निर्माण, रंगोली, मेंहदी, समूह-गीत, समूह नृत्य, नाटक और कोलाज प्रतियोगिताएँ हुई। उक्त प्रतियोगिताओं में बी.ए. व एम.ए. के कुल ५०० विद्यार्थियों ने सहभागिता की। चल वैजन्ती प्राप्त कर बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राएँ विजेता बनी।

संस्कृत मातृ मण्डलम्

''संस्कृत मातृ मण्डलम्'' संस्कृत भाषा के शैक्षणिक उपयोग के साथ उसके व्यावहारिक प्रयोग पर भी बल देता है। इस सत्र में छात्राओं के भाषिक-कौशल की वृद्धि हेतु दिनांक १५.०९.२०१६ से दिनांक २४.०९.२०१६ तथा दिनांक २६.०९.२०१६ से दिनांक

११.१०.२०१६ तक दो कार्यशालाएँ आयोजित हुईं; जिनका उद्देश्य था-छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति अभिरुचि व समझ उत्पन्न करना।

महिला अध्ययन प्रकोष्ठ ''उड़ान''

महिला प्रकोष्ठ ''उड़ान'' छात्राओं में उनके अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कृतसंकल्प है। इसका उद्देश्य छात्राओं को सशक्त बनाते हुए उनके भीतर आत्मसम्मान उत्पन्न करना है; जिससे वे राष्ट्रनिर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सकें। इसके अन्तर्गत दिनांक १५.०९.२०१६ को एक काव्यपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका शीर्षक था ''औरत होना''। इसमें ६५ छात्राओं ने सहभागिता की। दिनांक २२.०३.२०१७ को ''महिला सशक्तिकरण'' पर छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

एनी बेसेन्ट चेतना संवर्धन समिति

दिनांक ०१.१०.२०१६ को इस समिति ने डॉ. एनी बेसेन्ट का जन्म दिवस कार्यक्रम आयोजित किया।

पुरा छात्रा सम्मिलन ''आवर्तन''

दिनांक २२.०३.२०१७ को बारहवाँ पुराछात्रा सम्मिलन आवर्तन आयोजित हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ. एनी बेसेन्ट के चित्र पर प्रबन्धक प्रो. सुशीला सिंह और प्राचार्या डॉ. रचना श्रीवास्तव द्वारा माल्यार्पण से हुआ। तत्पश्चात् प्राचार्या डॉ. श्रीवास्तव ने पुराछात्राओं को महाविद्यालय के नवीन ढंग से रचित वेबसाइट के विषय में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त पूरे वर्ष भर आयोजित होने वाली प्रमुख शैक्षणिक और शिक्षणेतर कार्यक्रमों के विषय में भी सूचित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय पत्रिका ''वसंतश्री'' वितरित की गई। डॉ. संगीता देवडिया ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण द्वारा आवर्तन के विषय में पुरा छात्राओं को जानकारी दी। महाविद्यालय की स्वर्ण-पदक प्राप्त तीन छात्राओं को इस आयोजन के अवसर पर सम्मानित किया गया। ये तीन छात्राएँ थीं कुमारी सुप्रिया मिश्रा, (हिन्दी आनर्स), कुमारी स्वाति यादव, (संस्कृत ऑनर्स) और कुमारी नेहा वर्मा (अंग्रेजी ऑनर्स)। समागत पुरा छात्राओं ने अपने अनुभव परस्पर बाँटते हुए विविध गतिविधियों में सहभागिता की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

इस सत्र में महाविद्यालय की पाँच इकाइयों द्वारा दो एक दिवसीय और एक सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। पहला एक दिवसीय शिविर २५.१०.२०१६ को सम्पन्न हुआ जो राष्ट्रीय एकता पर आधारित था। एक क्रार्यक्रम ''राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका'' विषय पर आयोजित हुआ जिसमें छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ किया। महाविद्यालय की प्राचार्या और सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयं सेविकाओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण, उर्जा संरक्षण और पॉलिथीन मुक्त पर्यावरण हेतु शपथ ली। दूसरे सत्र में ''देशबन्धु फाउण्डेशन'' के कार्यकर्ताओं ने व्याख्यान द्वारा छात्राओं को नेतृत्व क्षमता के विकास के प्रति जागृत किया। तृतीय सत्र में डॉ. विजय कुमार ने ''बैकिंग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर'' विषय पर व्याख्यान दिया।

दूसरा एक दिवसीय शिविर दिनांक ८.११.२०१६ को आयोजित हुआ, जिसमें ''लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल क़लाम आज़ाद- युवाओं के लिए प्रेरक व्यक्तित्व'' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने उनके जीवन और चिन्तन पर विचार व्यक्त किये। इसके अतिरिक्त एक देश भक्ति गीत प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। इन प्रतियोगिताओं में कुल २५ छात्राओं ने सहभागिता की और एक ''मोमबत्ती शान्ति मार्च'' भी निकाला।

दिनांक ०३.०२.२०१७ से ०९.०२.२०१७ तक एक सात दिवसीय शिविर आयोजित हुआ, जिसमें ''मतदाता जागरुकता'' विषय पर एक विमर्श आयोजित हुआ जिसमें स्वयं सेविकाओं ने मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा व्यक्तित्व विकास के विविध पक्ष पर एक समूह चर्चा भी की गयी।

दिनांक ०४.०२.२०१७ को ''योग और ताइक्वान्डा'' से जुडी कार्यशाला आयोजित हुई। इसके अतिरिक्त स्वयं सेविकाओं ने विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं जैसे कबड्डी, खो-खो आदि में उत्साहपूर्ण ढंग से सहभागिता की। ''पर्यावरण संरक्षण'' विषय पर पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। इसके अतिरिक्त ''मतदाता जागरुकता'' कार्यक्रम तथा ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ''कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

दिनांक ०५.०२.२०१७ को स्वरचित और पररचित काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई। ''मेरे सपनों का महाविद्यालय'' विषयक भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिप्रा धर का ''महिला स्वास्थ्य'' विषय पर आधारित व्याख्यान हुआ। पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगितएँ भी आयोजित हुईं।

दिनांक ०६.०२.२०१७ को ''गंगा का महत्व: संरक्षण और चुनौतियाँ'' विषयक संगोष्ठी नगर आयुक्त श्री हरि प्रताप शाही के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। इस अवसर पर व.क.म. की प्रबन्धक प्रो. सुशीला सिंह तथा प्राचार्या डॉ. रचना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्वयं सेविकाओं को ''गंगा एक्शन प्लान प्रोजेक्ट'' और ''स्वच्छता ऐप'' के विषय में जागरुक किया गया। इस अवसर पर ''रंगभूमि कला समूह'' के सदस्यों ने स्वच्छता पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

दिनांक ०७.०२.२०१७ को ''कठोर तप या ध्यान'' विषय पर एक शिविर आयोजित हुआ। पाँचों इकाइयों की स्वयं सेविकाओं ने ''मतदाता जागरुकता और स्वच्छता जागरुकता'' पर रैली निकाली तथा संत रघुवर नगर, शिवपुरवा, सुन्दरपुर और रानीपुर मलिन बस्तियों में जाकर उन्हे स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबधित जानकारी देते हुये उन क्षेत्रों की सफाई भी की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने स्वास्थ्य और स्वच्छता, मुद्राविहीन लेन-देन और पर्यावरण संरक्षण के विषय में जागरुक करते हुये मलिन बस्तियों में भोजन, कपड़े, पेन, पेन्सिल और किताबें भी वितरित कीं।

दिनांक ०८.०२.२०१७ को शिविर का आरम्भ रामकृष्ण मिशन के डॉ. श्यामनारायण और श्री सुनील छोगी के द्वारा ''ध्यान'' से जुड़े कार्यक्रम से हुआ। इस अवसर पर डॉ. सीमा वर्मा ने ''संगीत और अनुशासन'' विषय पर व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त ''भविष्य

निर्माण और तनाव प्रबंधन'' पर श्री आर. पी. सोनकर का, ''अर्थशास्त्र में रोज़गार के अवसर'' विषयक व्याख्यान डॉ. विजय कुमार का, ''पोषण सम्बन्धी समस्याएं'' विषय पर सुश्री प्रियंका का, और ''मानव संवेदना एवं काव्य'' विषय पर डॉ. सपना भूषण का व्याख्यान हुआ।

समापन समारोह दिनांक ०९.०२.२०१७ को डॉ. पी.के. शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, का.हि.वि.वि. और डॉ. रचना श्रीवास्तव, प्राचार्या, व.क.म. की अध्यक्षता में सम्पन्न हआ। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। पाँचो इकाइयों की २५० छात्राओं ने इसमें सहभागिता की।

वार्षिक क्रीड़ा दिवस

दिनांक ०१.०३.२०१७ से ०२.०३.२०१७ तक वार्षिक क्रीड़ा दिवस और मैडम ब्लैवेट्स्की वॉलीवाल प्रतियोगिता आयोजित हुई।

दिनांक ०१.०३.२०१७ को मैडम ब्लैवेट्स्की वॉलीवाल प्रतियोगिता का उद्घाटन जनपदीय क्रीड़ा अधिकारी श्री भगवान राय ने किया। शहर के विभिन्न महाविद्यालयों के ७ खेल समूहों ने इस प्रतियोगिता में सहभागिता की। प्रथम दिवस को मैडम ब्लैवेट्स्की वॉलीवाल प्रतियोगिता के अतिरिक्त १०० मीटर दौड़, लम्बी कूद, गोला फेंक, शतरंज, खो-खो और कबड्डी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हुईं।

दिनांक ०२.०३.२०१७ को ब्लैवेट्स्की वॉलीवाल प्रतियोगिता के समापन सत्र में वाराणसी के मुख्य विकास अधिकारी श्री पुलकित खरे मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वाराणसी विकास प्राधिकरण के सहसचिव श्री प्रकाशचन्द्र भी उपस्थित हुए। श्री खरे ने अपने सम्बोधन में छात्राओं के सर्वतोन्मुखी विकास के लिए क्रीड़ा के महत्त्व पर विशेष बल दिया। विशिष्ट अतिथि श्री पी.सी. श्रीवास्तव ने छात्राओं को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए बधाई देते हुए खेल को शिक्षा का अभिन्न अंग बताया। ब्लैवेट्स्की टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच वसन्त कन्या महाविद्यालय और आर्य महिला पी.जी. कालेज के बीच खेला गया। आर्य महिला की छात्राएँ विजेता रहीं। छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रियता से सहभागिता की। सभी प्रतियोगिताओं में ३०० छात्राओं ने हिस्सा लिया।

जयंतियाँ एवं दिवस

महाविद्यालय शैक्षणिक, सहशैक्षणिक और शिक्षणेतर गतिविधियों के अतिरिक्त छात्राओं के व्यक्तित्व में अनुशासन एवं परम्पराओं के प्रति आदर का भाव उत्पन्न करने हेतु महापुरुषों की जयंतियों और दिवसों का आयोजन भी करता है, जिससे छात्राओं को उन महापुरुषों के जीवन मूल्यों से संस्कारित किया जा सके। कार्यक्रम निम्न हैं:-

- हिन्दी विभाग ने दिनांक १०.०९.२०१६ को ''तुलसी जयंती'' का आयोजन किया। इस अवसर पर ''रामचरित मानस का आदर्श'' विषयक संगोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें मुख्य वक्ता थे प्रो. बलिराज पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.।
- हिन्दी विभाग ने दिनांक १४.०९.२०१६ को हिन्दी दिवस का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. सत्यपाल शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि. का ''हिन्दी की चुनौतियाँ एवं प्रासंगिकता'' विषयक व्याख्यान हुआ। हिन्दी विभाग की समस्त छात्राएँ और अध्यापिकाएँ इस अवसर पर उपस्थित रहीं।
- दिनांक २१.०२.२०१७ को प्रो. चन्द्रकला त्रिपाठी, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि., के मुख्य आतिथ्य में ''अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस'' आयोजित हुआ। इस अवसर पर आयोजित नारा लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में हिन्दी विभाग की छात्राओं ने सहभागिता की।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- महाविद्यालय में एकदिवसीय युवा महोत्सव (हॉरमनी) का आयोजन किया गया। इसी प्रतियोगिता में से छात्रों का चयन 'स्पंदन-२०१७' के लिए किया गया।
- सभी विभागों के विद्यार्थियों ने विदाई समारोह एवं शिक्षक दिवस का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

एन एस एस कार्यक्रम: कॉलेज डॉ. पूनम सिंह, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. हबीबुल्लाह, डॉ. मधु सिसोदिया, डॉ. शैलजा सिंह, डॉ. हसन बानो, डॉ. आनन्द सिंह, डॉ. राहुल के संचालन में आठ यूनिट का संचालन कर रहा है। सत्र के दौरान प्रत्येक संगठित सात दिन के शिविर में कॉजेल के आसपास के स्थानों, रामकटोरा तालाब, चित्रकूट तालाब की सफाई; जागरूकता अभियान, मलिन बस्ती, सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण, साक्षरता अभियान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम- बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओं रैली, मतदाता जागरूकता, योग ध्यान, व्यक्तित्व का विकास, चाइनिज मांझा का बहिष्कार एव दहन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

९.२५ हिन्दी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ)

हिन्दी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ), विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वविद्यालय के महान संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् १९३० में की गयी। इसकी स्थापना के पीछे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि एवं चिकित्सा शिक्षा की पुस्तकों को छात्र/छात्राओं के लिए हिन्दी में उपलब्ध कराना था। यह प्रकोष्ठ हिन्दी में विज्ञान लेखन, पुस्तक लेखन एवं अंग्रेजी में लिखी पुस्तकों के अनुवाद में संलग्न है। प्रकोष्ठ द्वारा पिछले तीन वर्षों से *विज्ञान-गंगा* (ISSN 2231-2455) का प्रकाशन किया जा रहा है। जिसमें विज्ञान के लोकप्रिय लेख हिन्दी में होते हैं। यह विज्ञान पत्रिका वर्ष में दो बार प्रकाशित की जाती है। अब तक *विज्ञान-गंगा* के ग्यारह अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विज्ञान गंगा को विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों में क्रय हेतु संस्तुत किया गया है। इसके साथ ही प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के लिए समय-समय पर संगोष्ठी/ परिसंवाद/ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है।

हाल ही में समिति ने 'मधुमेह के कारण और निवारण' तथा 'तरलन:एक सामान्य परिचय' नामक दो पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

भाग - २

वार्षिक प्रतिवेदन २०१६-२०१७

परिशिष्ट - १

कोर्ट के सदस्य

(१०.०२.२०१६ और २७.०३.२०१७ से प्रभावी)

१. डॉ. कर्ण सिंह, कुलाधिपति (३०.११.२०१६ तक)
२. प्रो. जी.सी. त्रिपाठी, कुलपति
३. प्रो. कृष्ण प्रताप सिंह
४. श्री. आन्नद्रो अदशुल
५. श्री. नीरज शेखर
६. डॉ. रजनीश कुमार शुक्ला
७. डॉ. गिरीश चन्द्र सक्सेना
८. डॉ. प्रवीण कुमार
९. प्रो. (डॉ.) राजीव सजरीया
१०. डॉ. श्री राम वर्मा
११. डॉ. उमा श्रीवास्तव
१२. प्रो. जितेन्द्र प्रसाद
१३. डॉ. के.डी. त्रिपाठी
१४. प्रो. सन्तोष कुमार
१५. डॉ. राजेश शर्मा
१६. डॉ. पिजूशकान्ती पनिग्रही
१७. प्रो. (डॉ.) आशीष दहिया
१८. प्रो. रेखा चतुर्वेदी
१९. डॉ. हेमेन्द्र सिंह चंडालीया
२०. श्रीमती अरुणा शारस्वत
२१. प्रो. आनन्द पालीवाल
२२. श्री अंकित दिवाकर कले
२३. श्री सुमन कुमार
२४. डॉ. रक्षा सिंह
२५. श्री. इला पटनायक
२६. श्री विपिन विहारी
२७. प्रो. (डॉ.) सुधा सिन्हा
२८. प्रो. एस.एस.सवरीकर
२९. डॉ. के.वी.एस.एस. नारायण राव
३०. डॉ. सी.एच. गोपाल रेड्डी
३१. डॉ. एस.के.वर्मा
३२. डॉ. सी.के. सुब्बया
३३. डॉ. संगीत काले
३४. प्रो. चन्द्रकान्त दन्यन्देव लोखन्डे
३५. प्रो. महेन्द्र कुमार गुप्ता

- कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य

(परिनियम १७(१) (i) के अन्तर्गत)

१. **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**
कुलपति
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
(कार्यकारिणी परिषद् के पदेन अध्यक्ष)

२. **डॉ. जगमोहन सिंह राजपूत**
पूर्व निदेशक,
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

३. **डॉ. महेश चन्द्र मिश्रा**
निदेशक,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

४. **प्रो. डी.पी. सिंह**
निदेशक,
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, बंगलुरु

५. **प्रो.वी. कुटुम्ब शास्त्री**
पूर्व कुलपति
सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात

६. **प्रो. सी.आर. ज्योतिषि**
पूर्व विभागाध्यक्ष, संगीत
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

७. **प्रो. मिशेल दनीनो**
आई.आई.टी.,
गॉधीनगर, गुजरात

८. **प्रो. धनन्जय पाण्डेय**
वस्तुपरक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी स्कूल, प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

९. **डॉ.नचिकेता तिवारी**
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
कानपुर

III - विद्वत् परिषद् के सदस्य

कुलपति (परिनियम १७(१) (i) के अन्तर्गत)

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

संस्थानों के निदेशक

(परिनियम १७(१) के अन्तर्गत)

१. **कृषि विज्ञान संस्थान**
प्रो. आर.पी. सिंह (२३.१२.२०१६ तक)
प्रो. ए. वैशम्पायन (२४.१२.२०१६ से)

२. **चिकित्सा विज्ञान संस्थान**
प्रो. एस.एस. पाण्डेय (०३.११.२०१६तक)
प्रो. वी.के.शुक्ला (०४.११.२०१६ से)

३. **पर्यावरण एवं संपोष्य विकास**
प्रो. कविता शाह

४. **प्रबन्ध शास्त्र**
प्रो. राजकुमार

५. **विज्ञान**
प्रो. बच्चा सिंह

संकायों के प्रमुख

(परिनियम १७ (१) (iv) के अन्तर्गत)

आयुर्वेद संकाय

प्रो. एम. साहू

चिकित्सा संकाय

प्रो. जय प्रकाश

कला संकाय

प्रो. कुमार पंकज

कृषि विज्ञान संकाय

प्रो. ए. वैशम्पायन

वाणिज्य संकाय

प्रो. ए.आर. त्रिपाठी (१६.०९.२०१६ तक)
प्रो.सी.पी.मल्ल (१७.०९.२०१६ से)

दन्त विज्ञान संकाय

प्रो. नरेश कुमार

शिक्षा संकाय

प्रो. पी.सी. शुक्ला (३१.७.२०१६ तक)

प्रो. जी.सी. भट्टाचार्य (१.८.१६ से)

विधि संकाय

प्रो. देवेन्द्र कुमार शर्मा

प्रबन्ध शास्त्र संकाय

प्रो. राजकुमार

मंच कला संकाय

प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

प्रो.जी.ए.शास्त्री (१६.०७.२०१६ तक)

प्रो.चन्द्रमा पाण्डेय (१७.०७.२०१६ से)

विज्ञान संकाय

प्रो. बच्चा सिंह

समाजिक विज्ञान संकाय

प्रो. एम.के.चतुर्वेदी

दृश्य कला संकाय

प्रो. हीरा लाल प्रजापति

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

प्रो. (सुश्री) कविता शाह

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष
(परिनियम १७(१) (v) के अन्तर्गत)

१. कला संकाय

१. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
प्रो. (सुश्री) पुष्पलता सिंह

२. अरबी
प्रो. वजीर हसन अब्बास

३. बंगाली
प्रो. प्रकाश कुमार मैती

४. अंग्रेजी
प्रो. एम.एस. पाण्डेय

५. विदेशी भाषाएँ
प्रो. विनोदानंद तिवारी (३१.०५.२०१६ तक)
प्रो. (सुश्री) अदिति झा (०१.०६.२०१६ से)

६. फ्रेंच
प्रो. अखिलेश कुमार

७. जर्मन अध्ययन
डॉ. एम.के. नटराजन (०२.०१.२०१७ तक)
डॉ. अभय कुमार मिश्रा (०३.०१.२०१७ से)

८. हिन्दी
प्रो. अशोक सिंह

९. कला इतिहास
प्रो. अतुल त्रिपाठी

१०. भारतीय भाषाएँ
डॉ. संजय राय

११. पत्रकारिता एवं जनसम्प्रेषण
प्रो. ए.के. सिंह

१२. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
प्रो. एच.एन. प्रसाद (३१.०५.२०१६ तक)
डॉ. आदित्य त्रिपाठी (०१.०६.२०१६ से)

१३. भाषा विज्ञान
प्रो. राजनाथ भट्ट

१४. मराठी
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

१५. पालि एवं बौद्ध अध्ययन
प्रो. लालजी

१६. फारसी
प्रो. सैय्यद हसन (२०.०२.२०१७ तक)
प्रो. मोहम्मद अकील २१.०२.२०७ से)

१७. दर्शन एवं धर्म
प्रो. कृपा शंकर

१८. शारीरिक शिक्षा
प्रो. सुषुमा घिल्डियाल

१९. संस्कृत
प्रो. गोप बंधु मिश्रा (२३.१०.२०१६ तक)
प्रो. आनन्द कुमार श्रीवास्तव (२४.१०.२०१६ से)

२०. तेलगू
प्रो.सी.एस. राम चन्द्रमूर्ति

२१. उर्दू
डॉ.याकूब अली खान

२. आयुर्वेद संकाय

१. द्रव्य गुण
प्रो. अनिल कुमार सिंह

२. कौमारभृत्य/बाल रोग
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

३. काय चिकित्सा
प्रो. जे.एस. त्रिपाठी

४. क्रिया शरीर
डॉ. किशोर पटवर्धन

५. **औषधीय रसायन**
प्रो. त्र्यम्बक देव सिंह

६. **प्रसूति तंत्र**
प्रो. (सुश्री) मंजरी द्विवेदी

७. **रचना शरीर**
डॉ. कामेश्वर नाथ सिंह

८. **रस शास्त्र**
प्रो. आनन्द कुमार चौधरी (२९.०२.२०१७ तक)
प्रो. के.आर.सी.रेड्डी (०१.०३.२०१७ से)

९. **संहिता एवं संस्कृत**
संकाय प्रमुख (अध्यक्ष)

१०. **शालक्य तंत्र**
प्रो. बी.एन. मुखोपाध्याय (०७.०१.२०१७ तक)
डॉ. मनोज कुमार (०८.०१.२०१७ से)

११. **शल्य तंत्र**
प्रो. लक्ष्मण सिंह

१२. **सिद्धांत दर्शन**
डॉ.बी.के.द्विवेदी

१३. **स्वास्थ्यवृत एवं योग**
डॉ. नीरू नथानी

१४. **विकृति विज्ञान**
प्रो. ए.सी. कर

१५. **संज्ञाहरण**
प्रो. के.के. पाण्डेय

३. कृषि विज्ञान संकाय

१. **कृषि अर्थशास्त्र**
प्रो. एच.पी. सिंह (३१.१०.२०१६ तक)
प्रो. प्रकाश सिंह बादल (०१.११.२०१६ से)

२. **शस्य विज्ञान**
प्रो. अविजीत सेन

३. **पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान**
प्रो. आर.के. पाण्डेय

४. **कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान**
प्रो. सी.पी. श्रीवास्तव (१४.०७.२०१६ तक)
प्रो. पी.एस. सिंह (१५.०७.२०१६ से)

५. **प्रसार शिक्षा**
प्रो. अरूण कुमार सिंह (३०.०४.२०१६ तक)
प्रो. ओम प्रकाश मिश्रा (०१.०५.२०१६ से)

६. **कृषि अभियांत्रिकी**
प्रो. वी.के. चंदोला (३१.०१.२०१७ तक)
प्रो. राम मंदिर सिंह (०१.०२.२०१७ से)

७. **आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन**
प्रो. ए. वैशम्पायन

८. **उद्यान विभाग**
प्रो. बी.के. सिंह

९. **कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान**
प्रो. हरिकेश बी. सिंह

१०. **पादप कार्यिकी विज्ञान**
प्रो. पद्मनाभ द्विवेदी

११. **मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन**
प्रो. बी.आर. मौर्या (३१.०१.२०१७ तक)
प्रो. पी. राहा (०१.०२.२०१७ से)

४. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य
प्रो. ए.आर. त्रिपाठी (१६.०९.२०१६ तक)
प्रो. सी.पी. मल्ल (१७.०९.२०१६ से)

५. दन्त विज्ञान संकाय

दन्त विज्ञान
प्रो. नरेश कुमार

६. शिक्षा संकाय

शिक्षा
प्रो. पी.सी. शुक्ला (३१.७.२०१६ तक)
प्रो. जी.सी. भट्टाचार्य (१.८.२०१६ से)

७. विधि संकाय

विधि
प्रो. बी.एन. पाण्डेय

८. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

प्रबन्ध शास्त्र
प्रो. राजकुमार

९. चिकित्सा संकाय

१. निःसंज्ञा विज्ञान
प्रो. पुष्कर रंजन

२. शरीर रचना विज्ञान
प्रो. एस.एन. शामल

३. जीव रसायन शास्त्र
डॉ. सुरेन्द्र प्रताप मिश्रा

४. जैव भौतिकी
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

५. हृदय रोग
प्रो. गीता सुब्रमनियम

६. हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा
डॉ.(सुश्री) दमयन्ती अग्रवाल (३१.५.२०१६ तक)
संकाय प्रमुख (१.६.२०१६ से)

७. त्वचा एवं रति रोग विज्ञान
प्रो. सतेन्द्र कुमार सिंह

८. अतःस्राव विज्ञान
प्रो. नीरज कुमार अग्रवाल

९. फॉरेंसिक मेडिसिन
डॉ. मनोज कुमार

१०. जठरांत्र शोथ विज्ञान
प्रो. वी.के. दीक्षित

११. सामान्य चिकित्सा
प्रो. कैलाश कुमार

१२. सूक्ष्मजीव विज्ञान
प्रो. (सुश्री) रागिनी तिलक

१३. वृक्क रोग विज्ञान
प्रो. जय प्रकाश (२९.०४.२०१६ तक)
डॉ. शिवेन्द्र सिंह (३०.०४.२०१६ से)

१४. तंत्रिकीय चिकित्सा
प्रो. दीपिका जोशी

१५. तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा
डॉ.विवेक शर्मा (२७.०४.२०१६ तक)
डॉ. कुलवंत सिंह भिखेल (२८.०४.२०१६ से)

१६. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
प्रो. (सुश्री) मधु जैन

१७. नेत्र विज्ञान
प्रो. एम.के. सिंह

१८. विकलांग विज्ञान
प्रो. अमित रस्तोगी

१९. कर्ण नासा कण्ठ विज्ञान
प्रो. आर.के. जैन

२०. बाल चिकित्सा
प्रो. विनिता गुप्ता

२१. बाल शल्य-चिकित्सा
प्रो. शिव प्रसाद शर्मा

२२. पैथालाजी
प्रो. अमृता घोष कर

२३. भैषजकी विज्ञान
प्रो. बी.एल. पाण्डेय

२४. शरीर विज्ञान
प्रो. एस.बी. देशपाण्डेय

२५. प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
प्रो. प्रदीप जैन

२६. सामुदायिक चिकित्सा (पी एस एम)
प्रो. एस.पी. सिंह

२७. मनोरोग चिकित्सा
प्रो. संजय गुप्ता (२०.०८.२०१६ तक)
प्रो. ए.एस श्रीवास्तव (२१.०८.२०१६ से)

२८ विकिरण-निर्धारण छायांकरण (विकरण विज्ञान)
प्रो. राम चंद्रा शुक्ला (१८.११.२०१६ तक)
प्रो. अरविन्द श्रीवास्तव (१९.११.२०१६ से)

२९. विकिरण उपचार व विकिरण औषधि
प्रो. सत्यजीत प्रधान (२९.१२.२०१६ तक)
प्रो. यू.पी. शाही (३०.१२.२०१६ से)

३०. सामान्य शल्य चिकित्सा
प्रो. राहुल खन्ना (२८.०४.२०१६ तक)
प्रो. मुमताज अहमद अंसारी (२९.०४.२०१६ से)

३१. यक्ष्मा एवं वक्ष रोग
प्रो. जे.के. मिश्रा

३२. मूत्ररोग विज्ञान
प्रो. यू.एस. द्विवेदी (२८.०४.२०१६ तक)
प्रो. समीर त्रिवेदी (२९.०४.२०१६ से)

३३. सर्जिकल ऑंकोलाजी
डॉ. (सुश्री) मल्लिका तिवारी

१०. मंच कला संकाय

१. नृत्य
श्री पी.सी. होम्बल (१४.१०.२०१६ तक)
डॉ. (सुश्री) विधि नागर (१५.१०.२०१६ से)

२. वाद्य संगीत
प्रो. राजेश शाह

३. संगीत शास्त्र
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

४. कण्ठ संगीत
प्रो.शशि कुमार

११. विज्ञान संकाय

१. जैव रसायन
प्रो. (सुश्री) सुषमा राठौर (३१.१२.२०१६ तक)
प्रो. पी. के .श्रीवास्तव (०१.०१.२०१७ से)

२. वनस्पति विज्ञान
प्रो. मधुलिका अग्रवाल

३. रसायन विज्ञान
प्रो. वी.बी. सिंह

४. संगणक विज्ञान
संकाय प्रमुख (१९.६.२०१६ तक)
प्रो. एस.के. बासु (२०.६.२०१६ से)

५. भूगोल
प्रो. के.एन.पी. राजू

६. भू-विज्ञान
प्रो. एम.पी.सिंह (२०.०४.२०१७ तक)
प्रो. आर.के.श्रीवास्तव (२१.०४.२०१७ से)

७. भू- भौतिकी
प्रो. रवि शंकर सिंह

८. गृह विज्ञान
डॉ. इंद्रा बिसनोई (२२.०८.२०१६ तक)
डॉ. अर्चना चक्रवर्ती (२३.०८.२०१६ से)

९. गणित
प्रो. एन.के. सिंह

१०. भौतिक विज्ञान
प्रो. आर.पी. मल्लिक

११. सांख्यिकी
प्रो. एस.के. उपाध्याय (३१.०७.२०१६ तक)
प्रो. बी.पी. सिंह (०१.०८.२०१६ से)

१२. प्राणि विज्ञान
प्रो. (सुश्री) चंदना हल्दर

१३. आण्विक एवं मानव आनुवांशिकी विज्ञान
डॉ. असीम मुखर्जी

१२. सामाजिक विज्ञान संकाय

१. अर्थशास्त्र
प्रो. ए.पी. पाण्डेय

२. इतिहास
प्रो. अरूणा सिन्हा

३. राजनीति विज्ञान
प्रो. के.के. मिश्रा (३१.१२.२०१६ तक)
प्रो. आर.पी.सिंह (०१.०१.२०१७ से)

४. मनोविज्ञान
प्रो.राकेश पाण्डेय (२१.०१.२०१७ तक)
प्रो. तारा सिंह (२२.०१.२०१७ से)

५. समाजशास्त्र
प्रो. सोहन राम यादव (११.०८.२०१६ तक)
प्रो. ए.के.जोशी (१२.०८.२०१६ से)

१३. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. बौद्ध एवं जैन दर्शन
डॉ.ए.के.जैन

२. धर्मागम
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

३. धर्मशास्त्र एवं मीमांसा
प्रो. एन.आर. श्रीनिवासन

४. ज्योतिष
प्रो. राम जीवन मिश्रा

५. साहित्य
प्रो. श्यामानन्द मिश्रा

६. वेद
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

७. वैदिक दर्शन
प्रो. धनन्जय कुमार पाण्डेय

८. व्याकरण
प्रो. भागवत शरण शुक्ला

१४. दृश्य कला संकाय

१. प्रयुक्त कला
प्रो. हीरा लाल प्रजापति

२. चित्रकारी
प्रो. (सुश्री) मृदुला सिन्हा (२६.११.२०१६ तक)
प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती (२७.११.२०१६ से)

३. प्लास्टिक कला
श्री बिनोद कुमार सिंह

१५. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास विभाग
प्रो. (सुश्री) कविता शाह

१६. पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान

प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

अन्तर्विषयी स्कूल के समन्वयक

१. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल
प्रो. ए.एम. कायस्थ (१८.०५.०१६ तक)
प्रो. अरविन्द कुमार (१९.०५.२०१६ से)

२. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र
प्रो. एस.पी. सिंह (०१.०९.२०१६ तक)
प्रो. अनिल कुमार चौहान (०२.०९.२०१६ से)

प्राचार्या, महिला महाविद्यालय

(परिनियम १७(१) (vi) के अन्तर्गत)
प्रो. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक

विश्वविद्यालय की सुविधाओं के लिए स्वीकृत महाविद्यालयों के प्राचार्य

(परिनियम १७ (१) (vii) के अन्तर्गत)

१. प्राचार्या, वसन्त कन्या महाविद्यालय
डॉ.(सुश्री) कुसुम मिश्रा (१४.१०.२०१६ तक)
डॉ. रचना श्रीवास्तव (१५.१०.२०१६ से)

२. प्राचार्या, वसन्त महिला महाविद्यालय
डॉ.(सुश्री) अल्का सिंह

३. प्राचार्या, आर्य महिला पी.जी.महाविद्यालय
डॉ. (श्रीमती) रचना दूबे

४. प्राचार्य, दयानन्द पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय
डॉ. एस.डी. सिंह

समस्त प्रोफेसर (आचार्य) जो शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष नहीं हैं (परिनियम १७ (१) (viii) के अन्तर्गत):

१. कृषि विज्ञान संकाय

१. डॉ. आर.पी. सिंह
प्रोफेसर
२. डॉ. रामचन्द्र
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. जय प्रकाश राय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

२. कला संकाय

१. डॉ. कुमार पंकज
प्रोफेसर
२. डॉ.अजय प्रताप सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. (सुश्री) शोभना
एसोसिएट प्रोफेसर

३. आयुर्वेद संकाय

१. डॉ. वी.के. जोशी
प्रोफेसर
२. डॉ. किशोर पटर्वधन
एसोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. (सुश्री) रानी सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

४. वाणिज्य संकाय

१. डॉ. वी.एस.सिंह
प्रोफेसर
२. श्री राम स्वरूप मीना
एसोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. बृजेश प्रताप सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

५. दन्त चिकित्सा संकाय

१. डॉ. (सुश्री) नीलम मित्तल
प्रोफेसर
२. डॉ. फ़रहान दुर्रानी
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. आशीष अग्रवाल
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

६. शिक्षा संकाय

१. डॉ. हरिकेश सिंह
प्रोफेसर
२. डॉ. संजय सोनकर
असोसिएट प्रोफेसर
३. श्री. अजीत कुमार राय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

७. विधि संकाय

१. डॉ. वी.सी. निर्मल
प्रोफेसर
२. डॉ. गोलक प्रसाद साहू
असोसिएट प्रोफेसर
३. श्री विजय कुमार सरोज
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

८. प्रबन्धशास्त्र संकाय

१. डॉ. एच.सी. चौधरी
प्रोफेसर

२. डॉ.आशुतोष मोहन
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) शशि श्रीवास्तव
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

९. चिकित्सा संकाय

१. डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय
प्रोफेसर

२. डॉ. अनिल कुमार तिवारी
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. आलोक कुमार
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१०. मंच कला संकाय

१. डॉ.(सुश्री) कृष्णा चक्रवर्ती
प्रोफेसर

२. श्री पी.सी. होम्बल
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. शिवराम शर्मा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

११. विज्ञान संकाय

१. डॉ. बच्चा सिंह
प्रोफेसर

२. डॉ. एस. भटट्राचार्या
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) इदा तिवारी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१२. सामाजिक विज्ञान संकाय

१. डॉ. (सुश्री) सी. पाडिया
प्रोफेसर

२. डॉ. राकेश पाण्डेय
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) मनिषा ए. महरोत्रा नी मनिषा एस. गुप्ता
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१३. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. डॉ. एन.आर. श्रीनिवासन
प्रोफेसर

२. डॉ. विनय कुमार पाण्डेय
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. शशिकान्त द्विवेदी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१४. दृश्य कला संकाय

१. डॉ.(सुश्री) मृदुला सिन्हा
प्रोफेसर

२. डॉ. विधु भूषण सिंह
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. जसमिंदर कौर
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१५. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

१. डॉ. ए.एस. रघुवंशी
प्रोफेसर

२. श्री जय प्रकाश वर्मा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१६. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

१. डॉ. रमादेवी निम्मनपल्ली
प्रोफेसर

१७. महिला महाविद्यालय

१. डॉ. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक
प्रोफेसर

२. डॉ. (सुश्री) एस. सेनगुप्ता
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) नम्रता राठौर
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

विद्वत परिषद के बाह्य सदस्य (परिनियम १७ (१) (ix) के अन्तर्गत)

१. प्रो. वी.सी.पाण्डेय
प्रोफेसर,
इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

२. प्रो.पंकज चन्द्रा
कुलपति एवं चेयरमैन
अहमदाबाद विश्वविद्यालय

३. रवि कांत
कुलपति
किंग जोर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ

४. प्रो. आर.सी सोबती
कुलपति
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

५. डॉ. शोमा घोष
पद्मश्री
मनचूबाई रोड, मुम्बई

६. प्रो. कमलेश पी.जोशीपुरा
प्रोफेसर
विधि संकाय, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात

७. डॉ.वाई.एम.कूल
निदेशक योजना एवं कृषि विकास राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

८. प्रोफेसर नन्दिता सिंह,
शिक्षा विभाग,
पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ

इमेरिटस प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)
(अध्यादेश १२ के प्रावधनों के अन्तर्गत)

१. **प्रो. गजेन्द्र सिंह**
शरीर रचना विज्ञान, चि.वि.सं.

२. **प्रो. जे.पी. लाल**
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन, कृ.वि.सं.

३. **प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी**
संस्कृति विद्या धर्म विज्ञान संकाय

४. **डॉ. विभा त्रिपाठी**
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व, कला संकाय

५. **प्रो. सी.बी. झा**
रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय

६. **प्रो. एम.एस. श्रीनिवासन**
भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

७. **प्रो. जे.एस. सिंह**
वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

८. **प्रो. ओ.एन. श्रीवास्तव**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

९. **प्रो. टी.वी. रामाकृष्णन्**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१०. **प्रो. के.डी. त्रिपाठी**
धर्मागम विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

११. **प्रो. एस.बी.राय**
भौतिकी विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१२. **प्रो. वी.बी. सिंह**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१३. **प्रो. सी.एम. चतुर्वेदी**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१४. **प्रो. राजीव रमन**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१५. **प्रो. बी.एन.सिंह**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१६. **प्रो. एम.एन.पी. तिवारी**
कला इतिहास विभाग, कला संस्थान

१७. **प्रो. एस.के. सेनगुप्ता**
रसायनशास्त्र, विज्ञान संस्थान

१८. **प्रो. लल्लन मिश्रा**
रसायनशास्त्र, विज्ञान संस्थान

डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)

१. **प्रो. टी.के.लहरी**
हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

२. **प्रो. एच.एस. शुक्ला**
सर्जिकल आंकोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

३. **प्रो. (श्रीमती) एस. चूड़ामणी गोपाल**
बाल शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

४. **प्रो. टी.एम. महापात्रा**
सूक्ष्म जैविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

५. **प्रो. आर.जी. सिंह**
वृक्क रोग विज्ञान

६. **प्रो. पी.के. अग्रवाल**
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व, कला संकाय

७. **प्रो. आर.एच. सिंह**
कायचिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.

८. **प्रो. जी.पी. दूबे**
क्रिया शरीर विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.

९. **प्रो. यशवंत सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१०. **प्रो.एस.सी.लखोटिया**
जीवविज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान

११. **प्रो.एल.सी.राय**
वनस्पति विज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान

१२. **प्रो. पी.सी.मिश्रा**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१३. **प्रो. श्री सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१४. **प्रो. हृदयरंजन शर्मा**
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विज़िटर
भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति
डॉ. कर्ण सिंह (३०.११.२०१६ तक)

कुलपति
प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

कुलसचिव
डॉ. के.पी. उपाध्याय (३१.०१.२०१७ तक)
श्री वी. के. सिंह (०२.०२.२०१७ से ३१.०३.२०१७ तक)
डॉ. नीरज त्रिपाठी (३०.०३.२०१७ से)

वित्त अधिकारी
डॉ. ए.के.ठाकुर (३१.०७.२०१६ तक)
डॉ. एम.आर.पाठक (३१.०१.२०१७ तक)
डॉ. एस.बी.पटेल (०२.०२.२०१७ से)

परीक्षा नियन्ता
डॉ. के. पी. उपाध्याय (३१.०१.२०१७ तक)
प्रो.एस.के. उपाध्याय (०२.०२.२०१७ से ३१.०३.२०१७ तक)
श्री मनोज पाण्डेय (३१.०३.२०१७ से)

पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. एच.एन. प्रसाद (प्रोफेसर इन्चार्ज)

छात्र अधिष्ठाता
डॉ. एम.के. सिंह

मुख्य कुलानुशासक
प्रो. सत्येन्द्र सिंह (०४.११.२०१६ तक)
प्रो. ओकार नाथ सिंह (०५.११.२०१६ से)

चिकित्सा अधीक्षक
प्रो. कैलाश कुमार (१२.०३.२०१६ तक)
डॉ. ओम प्रकाश उपाध्याय (३१.३.२०१६ से चिकित्सा अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार)

संस्थानों के निदेशक

१. कृषि विज्ञान
प्रो. आर.पी. सिंह (२३.१२.२०१६ तक)
प्रो. ए.वैशम्पायन (२४.१२.२०१६ से)

२. चिकित्सा विज्ञान
डॉ. एस.एस.पाण्डेय
प्रोफेसर (०३.११.२०१६ तक)
डॉ. वी.के. शुक्ला
प्रोफेसर (०४.११.२०१६ से)

३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास
प्रो. कविता शाह

४. प्रबन्ध शास्त्र
प्रो. राजकुमार

५. विज्ञान संस्थान
प्रो. बच्चा सिंह

संकायों के प्रमुख

आयुर्वेद संकाय
प्रो. एम. साहू

चिकित्सा संकाय
प्रो. जय प्रकाश

कला संकाय
प्रो. कुमार पंकज

कृषि संकाय
प्रो. ए. वैशम्पायन

वाणिज्य संकाय
प्रो. ए.आर. त्रिपाठी (१६.०९.२०१६ तक)
प्रो. सी. पी. मल्ल (१७.०९.२०१६ से)

दन्त विज्ञान संकाय
प्रो. नरेश कुमार

शिक्षा संकाय
प्रो. पी.सी. शुक्ला (३१.७.२०१६ तक)
प्रो. जी.सी. भट्टाचार्या (१.८.२०१६ से)

विधि संकाय
प्रो. देवेन्द्र कुमार शर्मा

प्रबन्ध शास्त्र संकाय
प्रो. राजकुमार

मंच कला संकाय
प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
प्रो.जी. ए. शास्त्री (१६. ०७. २०१६ तक)
प्रो. चन्द्रमा पाण्डेय (१७.०७.२०१६ से)

विज्ञान संकाय
प्रो. बच्चा सिंह

समाजिक विज्ञान संकाय
प्रो. एम.के.चतुर्वेदी

दृश्य कला संकाय
प्रो. हीरा लाल प्रजापति

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय
प्रो. (सुश्री) कविता शाह

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

प्राचार्या, महिला महाविद्यालय
प्रो. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक

परिशिष्ट - २

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण (सत्र २०१६-२०१७)

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
कृषि विज्ञान संस्थान									
कृषि विज्ञान संकाय	१२०	४७	५५	१६	२४	-	६	२	६३
पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय									
डॉ. रमादेवी निम्मनपल्ली	२	-	४	-	३	-	-	-	-
डॉ. शाहिद परवेज	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नरेश कुमार सिंह	१	-	१	१	-	-	-	-	-
डॉ.मनीष कुमार	३	१	३	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रिया रंजन कुमार	१	-	-	-	-	-	-	-	-
खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी									
प्रो.अनील कुमार चौहान	-	८	-	२	-	२बुक चैप्टर	-	-	साराशिंका ६
डॉ. अभिषेक दत्त त्रिपाठी	-	५	२	-	२	२बुक चैप्टर	-	१	साराशिंका ३
डॉ. अरविन्द	१	२	२	-	-	-	-	-	साराशिंका ३
इंजी.दुर्गा शंकर बुनकर	-	१	१	-	-	१	-	-	-
डा़. अमृता पुनीया	-	१	२	-	-	२बुक चैप्टर	-	२	साराशिंका ३
चिकित्सा विज्ञान संस्थान									
चिकित्सा संकाय									
निश्चेतन विज्ञान	०७	१९	०९	-	०१	-	-	-	०५
कार्डियोलॉजी	-	०१	-	-	-	-	-	-	०३
सामुदायिक चिकित्सा	-	५२	-	-	-	-	-	-	०२
इन्डोक्रिनोलॉजी एण्ड मेटाबोलिज्म	०३	०६	०७	-	०२	-	-	-	०२
कर्ण, नासा, कंठ विज्ञान	०६	०६	-	-	०२	-	-	-	-
फारेन्सिक मेडिसिन	०४	०६	-	-	-	-	-	-	-
गेस्टोइन्टोलॉजी	२१	-	-	-	-	-	-	-	-
जनरल मेडिसिन	१३	२८	-	-	-	-	-	-	-
जनरल सर्जरी	०५	०७	-	-	०१	-	-	-	०८
नेफ्रोलॉजी	०४	०१	-	-	-	-	-	-	-
न्यूरोलॉजी	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग	२९	०२	-	-	-	-	-	-	०१
नेत्र रोग विभाग	०३	१०	-	-	-	-	-	-	०१
हड्डी रोग	१२	०४	-	-	-	-	-	-	०१
हड्डी रोग	१२	०४	-	-	-	-	-	-	०१
बाल रोग सर्जरी	०५	०५	-	-	-	-	-	-	-
प्लास्टिक सर्जरा	१	०१	-	-	-	-	-	-	-
पैथोलाजी	२६	११	-	-	-	-	-	-	-
बाल रोग	१०	१७	-	-	०२	-	-	-	१४

शरीर विज्ञान	-	२०	-	-	-	-	-	-	-
फार्माकोलाजी	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
मनोरोग	२०	०४	-	-		-	-	-	-
रेडियो डायग्नोसिस एण्ड इमेजिंग	०३	०४	-	-	-	-	-	-	-
रेडियोथिरैपी एण्ड रेडिएशन मेडिसिन	२२	०२	-	-	-	-	-	-	-
सर्जिकल आंकोलाजी	०५	१०	-	-	-	-	-	-	-
टी.बी. एण्ड रिसपिरेटरी डिजीज	०२	०२	-	-	-	-	-	-	०२
आयुर्वेद संकाय									
द्रव्यगुण	०६	-	-	-	-	-	-	-	-
कौमारवृत्या बालरोग	०५	०२	०१	-		-	-	-	-
काय चिकित्सा	-	८१	-	-	०४	-	-	-	०६
क्रिया शरीर	१६	१३	-	-	-	-	-	-	-
मेडिसिनल केमिस्ट्री	०९	११	-	-	-	-	-	-	-
प्रसूति तंत्र	-	०२	-	-	-	-	-	-	०२
रचना शरीर	०४	०४	-	-	-	-	-	-	-
रस शास्त्र	१३	२४	-	-		-	-	-	-
समहिता और संस्कृत	०४	०५	-	-	-	-	-	-	-
संज्ञाहरण	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
शल्य तंत्र	०२	-	-	-	०१	-	-	-	-
सिद्धान्त दर्शन	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
स्वास्थ्यवृत्ता और योग	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
विकृत्त विज्ञान	१०	०१	-	-	०१	-	-	-	-
शालक्य तंत्र	०५	-	-	-	-	-	-	-	-
दन्त विज्ञान संकाय	२७	०८	-	-	-	-	-	-	-
प्रबन्ध शास्त्र संकाय	२४	६	१	१	३	१	-	१	८
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान									
डॉ. कविता शाह	-	०७	-	-	०१	-	-	-	-
प्रो. ए. एस. रघुबंशी	-	१४	-	०६	-	०१		-	-
डॉ. जी. एस. सिंह	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर .के. मल्ल	०२	०४	-	-	-	-	-	-	०१
डॉ. जे. पी. वर्मा	०२	०१	०१	०२	-	०१	-	-	०६
डॉ. राजीव प्रताप सिंह	०२	०७	०१	-	-	०२	-	-	०५
डॉ. पी. सी. अभिलाष	-	०६	०२	०४	-	०१	-	-	-
डॉ. टी. बनर्जी	-	०८	-	-	-	०२	-	-	०१
डॉ. वी. प्रसाद	-	०२	-	-	-	-	-	-	०२
डॉ. के. राम	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. श्रीवास्तव	-	०३	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव	०१	१२	-	०१	-	०१	-	-	-

विज्ञान संकाय									
जैवरसायन विभाग									
प्रो. आर.एस. दुबे	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.राठौर	-	०६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ओम प्रकाश	०१	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी.सिंह	-	०८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.श्रीकृष्णा	-	११	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी.गुप्ता	-	१०	-	-	-	०२	०४	-	००१
डॉ. ए.सिंह	-	-	०१	-	-	-	-	-	०३
डॉ. आर.के.सिंह	-	०६	-	-	-	-	-	-	-
जैवप्रौद्योगिकी स्कूल									
प्रो. अशोक कुमार	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुखमहेन्द्र सिंह	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अरविंद मोहन कायस्थ	-	०४	-	-	-	-	-	-	1 ०१बुक चैप्टर
डा. अरविन्द कुमार	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
वनस्पति विज्ञान विभाग									
प्रो जे.पी. गौण	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो एम. अग्रवाल	-	१०	०२	०५	-	-	-	-	-
प्रो आर.एस. उपाध्याय	०२	१५	०२	०२	-	-	-	-	-
प्रो एन.के. दूबे	०२	१०	०२	०३	-	०१	-	-	-
प्रो आर.के. अस्थाना	-	०५	-	-	-	-	-	-	०५
प्रो. एस.बी. अग्रवाल	०३	११	०२	०३	-	-	-	-	-
प्रो. सुरेन्द्र सिंह	०३	०८	-	०३	-	-	-	-	-
प्रो. नन्दिता घोषाल	०१	०३	-	०१	-	-	-	-	-
प्रो.आर.पी. सिन्हा	०२	१२	-	-	-	०१	-	-	-
प्रो. जे. पाण्डेय	-	०६	०१	०१	-	-	-	-	-
प्रो. आर.एन. खरवार	०२	१०	-	०३		-	-	-	-
डॉ. एस.के. दूबे	-	१०	-	-	-	०१	-	-	-
डॉ. आर. सागर	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शशि पाण्डेय	०१	०५	०२	०३	-	-	-	-	-
डॉ. हेमा सिंह	०१	०६	-	०३	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी.सिंह	-	०३	-	-	-	-	-	-	०१
डॉ. सुप्रिया तिवारी	-	०१	-	०४	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. वर्मा	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. भानु प्रकाश	-	०१	-	०१	-	-	-	-	-
डॉ. राघवेन्द्र सिंह	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. शर्मा	-	०२	-	०१	-	-	-	-	-
डॉ. वाई. मिश्रा	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.आर.चौधरी (री. इम्पॉलयड)	-	०१	-	-	-	-	-	-	-

प्रो.ए.के.रॉय (एन.ए.एस.आई. वरिष्ठ वैज्ञानिक)	-	०३	-	०१	-	-	-	-	-
प्रो. बी.के. रॉय(री. इम्पॉलयड)	०१	०५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एल.सी. राय (री. इगेंज्ड	-	०६	-	०१	०८	-	-	-	-
डॉ.पी.के.सिंह (आई.एन.एस.ए.माननीय वैज्ञानिक)	-	०८	-	-	-	-	-		-
रसायनशास्त्र विभाग									
डॉ.एस.के.सेन गुप्ता	-	०१	-	-	-	-	-	-	
डॉ. टी.आर. राव	-	०३	-	-	-	-	-	-	
डॉ. बी. सिंह	-	०८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एल. मिश्रा	-	०९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वि.बी. सिंह	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. यु. एस. राय	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.एन. सिंह	-	०५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. लाल बहादुर	-	०८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. सिंह	-	०९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी. एस. पाण्डेय		१६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.आर.एम.सिंह	-	०६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.बी. प्रसाद	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ एम.एस.सिंह	-	११	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.एन. सिंह	-	१८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बलि राम	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. एस. खन्ना	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. एल. प्रसाद	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. सिंह	-	०६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. रे	-	११	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.एन. राय	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के.के. उपाध्याय	-	०७	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. भट्टाचार्या	०१	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इदा तिवारी	-	१३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरविन्द मिश्रा	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश कुमार	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. गनेशन	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. तिवारी	-	१२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. श्रीवास्तवा	-	०८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. तिवारी	-	०९	-	०३	-	०२	-	-	-
डॉ. एस. कृष्णामूति	-	०२	-	-	-	-	-	-	-

डॉ.विश्वजीत मैती	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सत्येन साहा	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम. के. भारती	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.प्रेम प्रकाश	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एल.बी. प्रसाद	-	२	-	-	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान विभाग									
प्रो. एस. के. बसु	-	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. पी. के. मिश्रा	-	०२	-	-		-	-	-	-
डॉ. एस. कार्तिकेयन	-	०१	-	०२	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के.सिंह	-	०५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.मंजरी गुप्ता	-	१	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री. वन्दना कुशवाहा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
भूगोल विभाग	५२	१२	७	-	४	१	-	-	-
भौमिकी विज्ञान विभाग									
प्रो. एम एस श्रीनिवासन	-	-	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. जोखन राम	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एच.बी.श्रीवास्तव	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.पी.सिंह	-	११	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.के.श्रीवास्तव	१	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी. पी. सिंह	-	६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए. डी. सिंह	-	५	१	-	-	-	-	-	-
प्रो.यू.के.शुक्ला	१	१	-	-	१	-	-	-	-
प्रो.एच.पी.सेनगुप्ता	२	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो.पी.के.सिंह	-	११	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन.वी.सी. राव	२	८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. पाण्डेय	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. श्रीवास्तव	२	२	११	-	-	-	-	-	१
डॉ. डी. प्रकाश	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.एस. नायक	-	५	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. कुलदीप प्रकाश	४	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. घोष	१	-	-	-	-	-	-	-	-
भू- भौतिकी विभाग									
प्रो. आर.एस. सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	२
प्रो. आर. भाटला	७	४	-	-	-	-	-	-	३
प्रो. जी.पी. सिंह	१	१	-	१	-	१	-	-	१(अन्तर्राष्ट्रीय)
डॉ एम.के. श्रीवास्तव	-	४	-	-	-	-	-	-	२
डॉ. ऊमाशंकर	-	१	१	-	-	-	-	-	२

डॉ. संदीप	-	२	-	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान विभाग									
प्रो. इंदिरा विश्नोई	५	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए. चक्रवर्ती	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. कल्पना गुप्ता	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मुक्ता सिंह	३	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पुष्पा कुमारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गणित विभाग									-
प्रो. नवीन कुमार	२	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.आर.सिंह	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. सिंह	१	६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. श्याम लाल	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. हरिशचंद्र	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के.मिश्रा	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश यादव	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बुधदेव पाल	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरून कुमार	-	-	-	२	-	-	-	-	-
डॉ. रवी पी.गुप्ता	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शिबशंकर दास	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जितेन्द्र सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विवेक लाहा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
आणविक एवम् मानव अनुवंशिक विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. गोपेश्वर नारायण	-	१३	-	-	-	-	-	-	१ बुक चैप्टर
डॉ. असीम मुखर्जी	१	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. किरन सिंह	-	४	-	२	-	-	-	-	-
डॉ. मौसुमी मुत्सुद्दी	१	४	-	-	-	-	-	-	१ बुक चैप्टर
डॉ. गीता रॉय	-	३	-	-	-	-	-	-	-
भौतिकी विभाग	२	१२२	-	-	-	-	-	-	-
सांख्यिकी विभाग									
डॉ. उमेश सिंह	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.पी. सिंह	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.के. सिंह	३	८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. उपाध्याय	१	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.बी. खरे	२	६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.डी. सिंह	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के.सिंह	-	१४	-	-	-	-	-	-	-

डॉ. राजेश सिंह	-	९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव कुमार	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. चौधरी	-	८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. निरपेश कुमार	-	१	-		-	-	-	-	-
डॉ. एम.एस. पनवार	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार	-	३	-	-	-	-	-	-	-
जन्तु विज्ञान विभाग									
प्रो. सी.हालदार	-	७	१	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी. कुमार	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए. कृष्णा	-	६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. जे.के. राय	१	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.के. ठाकुर	१	७	-	-	-	-	-	-	२ (बुक चेप्टर)
प्रो. एस.के. सिंह	-	२	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. एम. विनायक	-	७	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. त्रिगुन	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. प्रसाद	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. लाल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.के. रस्तोगी	१	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. सिंह	-	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अरबिन्द आचार्या	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.जी. टपाडिया	-	१	-	-	-	-	-	-	१
प्रो. एस.के. चौबे	-	९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. मिश्रा	३	४	-	-	-	-	-	-	१
डॉ. एम. सिंगरावेल	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वाती मित्तल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी.एस. सक्सेना	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. कोच	-	१३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ बी. माहापात्रा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. चौबे	-	८	-	१	-	१	-	-	-
डॉ. अजित सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजय कुमार	-	१	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री पपीया अचार्जी	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव यादवा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
श्री राकेश वर्मा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राहुल कुमार सिंह	२	-	-	-	-	१	-	-	
डॉ. भूपेन्द्र कुमार	२	१२	-	-	-	१ बुक चेप्टर (एल्सवीयर प्रेस यू.एस.ए		-	-

डॉ. देवाजंन सिन्हा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी.लखोटिया	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. रमन	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सी.एम. चतुर्वेदी	-	७	-	-	-	-	-	-	-
आनुवांशिकी विकार केन्द्र									
प्रो.परिमल दास	-	६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमीत के राय	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अख्तर अली	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पवन कुमार दुबे	-	२	-	-	-	१ (चैप्टर)	१	-	-
अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र									
प्रो. उमेश सिंह	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. उपाध्याय	२	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. तिवारी	१	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. सिंह	२	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. चौबे	-	८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जी.रम्फ	-	२	-	-	-	-	-	-	-
कला संकाय									
दर्शन एवं धर्म विभाग	३३	१	१०	१	१	१	-	-	१
संस्कृत विभाग	१९	६	२०	१ (चैप्टर)	-	-	२०	-	-
बंगाली विभाग									
प्रो. नमिता भट्टाचार्या	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. प्रकाश कुमार मेइती	४	-	५	-	१	-	-	-	-
डॉ. सुमिता चटर्जी	२	-	१	-	-	-	-	-	-
सुश्री अन्तरा दास	१	-	-	-	-	-	-	-	-
वाणिज्य संकाय									
प्रो. ए. ए. अंसारी	०१	-	०१	-	-	-	-	-	-
प्रो. के. के. मिश्रा	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. एन. झा	०१	-	-	-	०१	-	-	-	-
प्रो.(सुश्री) पी. गीते	०४	-	०१	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.के. मोहन्ती	०१	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी. दास	०१	०३	०२	०१	-	-	-	-	-
डॉ. आर.एस. मीना	०२	०२	०३	०२	०२	०१	-	-	-
डॉ. (सुश्री) टी. प्रुस्टी	-	०९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.पी. सिंह	१०	०८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एल.बी. जायसवाल	-	०१	०१	-	०१	-	-	-	-

डॉ. वैभव	०२	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. (सुश्री) वी. सोनकर	०१	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. चिन्मय रॉय	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. सिंह	-	०३	-	०१	-	-	-	-	-
डॉ. (सुश्री) वि. श्रीवास्तव	-	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. (सुश्री) राखी गुप्ता	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. के. चौधरी	०१	०२	०१	-	-	-	-	-	-
शिक्षा संकाय									
प्रो. सीमा सिंह	०४	०३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुनिल कुमार सिंह	-	-	०१	०१	-	-	-	-	आईएसबीएन के आधार पर कार्यशाला
प्रो. रश्मि चौधरी	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. प्रेम शंकर राम	११	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.मीनाक्षी सिंह	०२	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नागेन्द्र कुमार	-	०२	०२	०४	०१	-	-	-	-
डॉ. अल्का रानी	-	०४	-	०३	-	-	-	-	-
डॉ. आलोक गार्डिया	०२	०३	०१	-	-	-	-	०२	किताब चैप्टर-२ स्वयं अंतर्राष्ट्रीय इकाई
डॉ. आर. एन. शर्मा	०२	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजीत कुमार राय	०२	-	०२	-	-	-	-	-	-
डॉ. किशोर एच. माने	०२	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम सिंह खरवार	-	-	०४	०१	-	-	-	-	
डॉ. छाया सोनी	-	०१	०२	०१	-	-	-	-	-
डॉ. श्रुति पाण्डेय	०४	०८		-	-	-	-	-	-
प्रबंध शास्त्र संकाय									
मंच कला संकाय									
गायन विभाग									
प्रो. शारदा वालेंकर	०३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के. शशि कुमार	०४	-	०३	-	-	-	-	-	-
डॉ. संगीता पंडित	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. रेवती साकलकर	-	-	-	-	-	-	-	-	१(किताब में अध्याय) ६ प्रदर्शन
डॉ. रामशंकर	-	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. के. ए. चंचल	०१	-	०१	-	-	-	०२	-	-
डॉ. जी.सी. पाण्डेय	-	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ.मधुमिता भट्टाचार्या उपाध्याय	०१	-	०१	-	०२	-	-	-	-

वाद्य विभाग									
प्रो. कृष्णा चक्रवर्ती	-	-	०५	-	-	-	-	-	१०
प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा	-	-	-	-	-	-	-	-	०४
प्रो. राजेश शाह	-	-	-	-	-	-	-	-	०९
प्रो. वी. बालजी	-	-	-	-	-	-	-	-	०७
डॉ. संगीता सिंह	-	-	-	-	०२	-	-	-	०३
डॉ. प्रवीण उद्धव	-	-	०४	-	-	-	-	-	१२
डॉ. प्रेम किशोर मिश्रा	-	-	०२	-	-	-	-	-	०६
डॉ. स्वर्ण खुंतीया	-	-	-	-	-	-	-	-	०४
सुप्रिया शाह	-	-	-	-	-	-	-	-	०९
डॉ. बी. सत्यवर्ण प्रसाद	-	-	-	-	-	-	-	-	०६
श्री राकेश कुमार	-	-	-	-	-	-	-	-	०४
नृत्य विभाग									
डॉ. विधि नागर	-	-	०२	-	१(किताब में अध्याय) संदर्भित जर्नल २ सम्पादक	-	-	-	-
संगीतशास्त्र									
डॉ. शिवरम शर्मा	०३	-	०१	-	-	-	-	-	-
सामाजिक विज्ञान संकाय	११	५	-	-	७				
अर्थशास्त्र विभाग	१८		-	-	०७		-	-	-
राजनीतिक विज्ञान									
प्रो.आर.पी.सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो.आर.पी.पाठक	२	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो.आर.एस.उपाध्याय	-	१	-	-	-	-	१	-	-
प्रो. के.के. मिश्रा	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. ए.शर्मा	२	-	२	-	-	-	-	-	-
इतिहास विभाग									
प्रो.अजय प्रताप	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ.टी.कलाम	-	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ.आर.पाण्डेय	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ.एम.रंजन	-	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ.पी.भारद्वाज	-	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ.गंगाधरन	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ.अनुराधा सिंह	-	-	३	-	-	-	-	-	-
डॉ.जय लक्ष्मी	-	-	१	-	-	-	-	-	-
मनोविज्ञान विभाग	८		-	-	१५		-	-	-
नेपाल अध्ययन केन्द्र									

डॉ. अरूना राय	१	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. नरिपेन्द्र प्रताप सिंह	२	-	३	-	-	-	-	-	-
आई.आर.डी.पी.									
आलोक पाण्डेय	०३	-	-	-	-	-	-	-	
सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति									
डॉ. विनीता चन्द्रा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमर नाथ पासवान	१५	-	४	-	७	-	१	२	-
डॉ. एस.डी.शर्मा	४	-	२	-	-	-	-	-	-
मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र									
प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	-	२	-	-	-	३	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार मिश्रा	-	-	-	-	१	१	-	१	-
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय									
वेदा									
डॉ. यू. के. त्रिपाठी	१०	१	५	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. कत्यान	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. यू.पी. भारतीय	१	-	-	-	-	-	-	-	-
व्याकरण विभाग									
डॉ. बी. शरण शुक्ला	९	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बालशास्त्री	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	२	-	-	-	१	-	-	-	-
साहित्य विभाग					-				
प्रो. एस. मिश्रा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	३	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. पाण्डेय	२	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.एल. साल्वी	२	२	-	-	-	-	-	-	-
वैदिक दर्शन विभाग									
प्रो.जी.ए.शास्त्री	-	-	-	-	२	-	-	-	-
प्रो.वी.पी.मिश्रा	३	-	-	-	१	-	-	-	-
प्रो.आर.आर.शुक्ल	२	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. के. त्रिपाठी	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.एस.के.द्विवेदी	१	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.एस.आर.गंगोपाध्याय	२	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.एस.के.पाढ़ी	१	४	-	-	-	-	-	-	-
जैन बौद्ध दर्शन विभाग									
डॉ.अशोक कुमार जैन	५	-	३	-	-	१	-	-	-
धर्मागम विभाग									
प्रो. के. झा	३	२	-	-	-	-	-	-	-

डॉ. बी. रोहतम	५	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. पाण्डेय	६	२	-	-	-	-	-	-	-
धर्मशास्त्र तथा मीमांसा विभाग									
प्रो. एन. आर. श्रीनिवासन	३	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. माधव जर्नादन रटाटे	७	१	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. शंकर कुमार मिश्रा	१०	२	२	-	१	-	-	-	-
दृश्य कला संकाय									
व्यावहारिक कला विभाग									
डॉ. मनीष अरोड़ा	३	-	-	-	-	-	-	-	-
इतिहास एवं अभिकल्पन									
प्रो. अंजन चक्रवर्ती	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.एस. सिन्हा	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
प्लास्टिक आर्ट विभाग									
डॉ. ब्रह्म स्वरूप सिन्हा	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नितिन दत्त	१	-	-	-	-	-	-	-	-
महिला महाविद्यालय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्त्व विभाग	०१	०१	०२	०१	-	-	-	-	-
बंगाली विभाग	०१	०१	-	-	-	-	-	-	-
बायोइंफॉरमेटिक्स विभाग	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
वनस्पति विज्ञान विभाग	०६	१५	-	-	०४	०१	-	-	-
रसायनशास्त्र विभाग	०२	१५	-	०१	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान विभाग	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
नृत्य विभाग	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान विभाग	०८	०८	-	-	०४	-	-	-	-
अर्थशास्त्र विभाग	०१	-	०१	-	-	-	-	-	-
शिक्षा विभाग	०३	-	-	-	-	-	-	-	-
हिन्दी विभाग	०४	-	०५	-	-	-	-	-	-
भूगोल विभाग	०३	-	-	-	-	-	-	-	०२
कला इतिहास विभाग	०२	-	-	-	०१	-	-	-	-
गणित विभाग	०१	०३	-	-	०१	-	-	-	-
गायन संगीत विभाग (वी/आई)	०३	-	०२	-	-	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र विभाग	१५	-	-	-	०१	-	-	-	-
भौतिकी विभाग	०२	११	-	-	-	०१	-	-	-
राजनीति शास्त्र	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
मनोविज्ञान	०५	०६	०१	-	०६	-	-	-	-
संस्कृत विभाग	०२	०१	-	-	-	-			
समाजशास्त्र विभाग	०४	-	-	-	-	-	-	-	-

सांख्यिकी विभाग	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
उर्दू	०३	-	०१	-	-	-	०१	-	-
जीव विज्ञान विभाग	०४	३२	०२	-	०२	-	-	-	-
राजीव गांधी दक्षिणी परिसर								-	-
प्रो. आर.पी. शुक्ला	६	३	-	-	४	-	-	-	४ किताब में अध्याय
प्रो. एस.के. सिवान	२	-	१	-	१	-	-	-	-
डॉ. आशीष सिंह	६	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार सिंह	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.एन.एम. कुमार	४	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. नन्दी	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अचिन्त्य सिंघल	-	५	-	-	२	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. आर.एस. मिश्रा	६	३	१	-	२	-	-	-	४ किताब में अध्याय
डॉ. अजय कुमार सिंह	४	२	२	-	१	-	-	-	५ किताब में अध्याय
डॉ. विनोद कुमार सिंह	४	३	२	-	१	-	-	-	४ किताब में अध्याय
डॉ.सोमू सिंह	१	२	१	-	-	-	-	-	६ किताब में अध्याय
डॉ. सुभाष प्रताप सिंह	३	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अश्वनी कुमार कुशवाहा	-	२	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
श्री अनूप एम.	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. लटारे आशिष मार्टराव	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश कुमार	-	-	१	१	-	-	-	-	-
सुश्री रचना विश्वकर्मा	-	४	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. सिराजुद्दिन कुरैशी	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कौस्तव चटर्जी	२	२	-	-	२	-	-	-	४ किताब में अध्याय
श्री मंजीत कुमार वर्मा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
श्री सुमित राय	९	१	-	-	१	५	-	१	७ किताब में अध्याय
डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह	४	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गौरव कुमार राय	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
श्री नवीन कुमार	४	२	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. सविता देवांग	२	-	१	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय

डॉ. सविता देवांग	२	-	१	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
श्री कौस्तव चटर्जी	१	३	-	-	-	-	-	-	४ किताब में अध्याय
डॉ. अशोक कुमार यादव	१	-	२	-	-	-	-	-	४ किताब में अध्याय
श्री विवेक मिश्रा	२	२	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
श्री कृष्ण कान्त	४	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
सुश्री प्रियंका	-	१	-	-	-	-	-	-	३ किताब में अध्याय
डॉ. राघवेन्द्र रमन मिश्रा	२	१	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत									
आर्य महिला महाविद्यालय									
बंगला	०७	-	-	-	-	-	-	-	-
हिन्दी	१३	-	०७	-	०२	-	-	-	-
संस्कृत	१०	-	०३	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी	०७	०५	०९	-	०१	-	-	-	-
इतिहास	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
राजनीतिविज्ञान	०६	-	०२	-	०२	-	-	-	-
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व	०६	-	-	-	०१	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र	०८	०४	०३	-	०२	-	-	-	-
मनोविज्ञान	२०	-	०३	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान	०६	-	-	-	-	-	-	-	-
बी.एड.	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
समाजशास्त्र	०३	-	०२	-	-	-	-	-	-
अर्थशास्त्र	०६	-	-	-	०१	-	-	-	-
वसन्त महिला महाविद्यालय						-	-	-	-
डॉ. मीनू अवस्थी	०१	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. मिनाक्षी बिश्वाल	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.योगिता बेरी	०१	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजरी शुक्ला	०३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशा पाण्डेय	-	०२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वेद प्रकाश रावत	-	०५	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. सौरभ कुमार सिंह	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
श्री सतेन्द्र सिंह बोनी	-	-	-	-	-	-	-	-	२ अंतर्राष्ट्रीय १ राष्ट्रीय और कला प्रदर्शनी और आर्ट कोर्ट

श्री सतेन्द्र सिंह बोनी	-	-	-	-	-	-	-	-	२ अंतर्राष्ट्रीय १ राष्ट्रीय और कला प्रदर्शनी और आर्ट कोर्ट
श्री वृहस्पति भट्टाचार्या	०१	१(किताब में अध्याय)	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री लुना मोनी दास	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रीति सिंह	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पुनिता पाठक	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंजना सिंह	-	-	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. राजेश कुमार चौधरी	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रंजना सेठ	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मोहम्मद अख्तर	-	-	-	-	०१	-	०१	-	-
डॉ. श्वेता	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
वसन्त कन्या महाविद्यालय									
डॉ. रचना श्रीवास्तव	-	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. तृप्ति रानी जायसवाल	-	-	ई-पाठशाला के लिए एक अध्याय इकाई	-	-	-	-	-	-
डॉ. शंता चटर्जी	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कल्पलता धिमरि	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संगीता देओदिया	-	-	४ १ प्रकाशन के लिए स्वीकार	-	-	-	-	-	
डॉ. बिना सिंह	-	०४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. माधुरी अग्रवाल	०१	-	-	-	-	-	-	-	
डॉ. आशा यादव	०१	-	२ अध्याय इकाई	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वरवंदना शर्मा	-	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. रेनु श्रीवास्तव	-	-	१ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. निहारिका लाल	-	०३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम पाण्डेय	-	०२	१ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. इन्दू उपाध्याय	०१	०१	२ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. गरिमा उपाध्याय	१ प्रकाशन के लिए स्वीकार	४ २ प्रकाशन के लिए स्वीकार	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंशु शुक्ला	-	०३	३ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. सीमा वर्मा	०१	०१	२अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ.सपना भूषण	०१	०१	१ अध्याय	-	-	-	-	-	-
सुश्री कल्पना आनन्द	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शुभ्रा सिंहा	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंजुलता सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-

डॉ. आशीष कुमार सोनकर	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री प्रियंका	०४	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.सुनिता दीक्षित	-	०१	१ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ.अनुराधा बपूले	-	०१	२ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय कुमार	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश कुमार राय	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुप्रिया सिंह	-	०२	२अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. निरंजना श्रीवास्तव	-	-	१ अध्याय १ कहानी	-	-	-	-	-	-
सुश्री पूर्णिमा	-	-	३ अध्याय	-	-	-	-	-	-
श्री शशिकेष कुमार गोंड़	-	०१	-	-	-	-	-	-	-
दयानन्द पी.जी. कॉलेज									
वाणिज्य विभाग									
डॉ.प्रदीप कमल	-	-	-	-	-	-	-	-	०५
डॉ. विजय कुमार लाल श्रीवास्तव	-	-	-	-	-	-	-	-	०१
डॉ.ओंकार नाथ दुबे	०३	-	-	-	-	-	-	-	०६
डॉ. शरद कुमार शर्मा	०३	-	-	-	-	-	-	-	०५
डॉ.विजय नाथ दुबे	०१	-	-	-	-	-	-	-	०३
डॉ.विरेन्द्र कुमार सिंह	-	-	-	-	-	-	-	-	०५
सुश्री साक्षी चौधरी	-	-	-	-	-	-	-	-	०२
डॉ. राहुल	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राहुल त्रिपाठी	०५	०२	-	-	-	-	-	-	०८
डॉ. तरू सिंह	०३	-	-	-	-	-	-	-	०७
मनोविज्ञान विभाग									
डॉ. सत्य गोपाल जी	०२	११	०१	-	-	०२	-	-	-
डॉ. रिचा रानी यादव	०३	०७	-	-	-	०१	-	-	-
डॉ. कल्पना सिंह	-	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेन्द्र कुमार सिंह	-	०२	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. कमालुद्दीन शेख	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
इतिहास विभाग									
प्रो. अजय प्रताप सिंह	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. टी. कलाम	१	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. आर. पाण्डेय	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. एम. रंजन	-	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. भारद्वाज	-	-	२	-	१	-	-	-	-
डॉ. गंगा धरन	-	-		-	-	-	१	-	-

डॉ. अनुराधा सिंह	-	-	३	-	-	-	-	-	-
डॉ. जय लक्ष्मी	-	-	१	-	-	-	-	-	-
सी.एस.एस.ई.आई.पी									
डॉ. विनिता चन्द्रा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमरनाथ पासवान	१५	-	४	-	७	-	१	२	-
डॉ. एस.डी. शर्मा	४	-	२	-	-	-	-	-	-
समाजशास्त्र विभाग									
डॉ. वी. राय	०२	-	-	-	-	०१	-	-	-
डॉ. मधु सिसोदिया	-	०८	०२	-	०१	-	-	-	-
डॉ. जियाउद्दीन	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हसन बानो	०५	०१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुषमा मिश्रा	०३	-	-	-	-	-	-	-	-
राजनीतिक विज्ञान विभाग									
डॉ. शिव बहादुर सिंह	०१	-	-	-	०१	-	-	-	-
अर्थशास्त्र विभाग									
डॉ. पारूल जैन	०३	०३	-	-	०१	-	-	-	-
डॉ. उर्जस्विता सिंह	०१	०१	-	-	-	-	-	-	-
हिन्दी विभाग									
डॉ. सर्वेश कुमार सिंह	१०	-	०४	-	०२	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार द्विवेदी	०४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार राम	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश कुमार दूबे	०१	०१	०७	-	-	-	-	-	-
डॉ. समीर कुमार पाठक	०३	-	०२	-	०२	-	-	-	-
अंग्रेजी विभाग									
डॉ. संगीता जैन	-	-	०१	-	-	-	-	-	-
डॉ. इन्द्रजीत मिश्रा	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बन्दना बालचन्दानी	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
संस्कृत विभाग									
डॉ. लल्लन प्रसाद जायसवाल	०१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मिश्री लाल	०२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम सिंह	०३	-	०१	-	-	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र विभाग									
डॉ. सतीश कुमार सिंह	-	-	०२	-	-	-	-	-	-
डॉ. रमेंद्र सिंह	-	-	-	-	०१	-	-	-	-
उर्दू विभाग									
डॉ. हबीबुल्ला	०३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रा.भा.इ.सं. तथा पुरातत्व									
डॉ. ओम प्रकाश कुमार	०१	-	-	-	-	-	-	-	-

परिशिष्ट - ३

विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची

सत्र २०१६-१७ में स्वीकृत नयी शोध परियोजनाएँ

संस्थान/संकाय/विभाग का नाम	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत धनराशि
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग		
वनस्पति विज्ञान	२	१३३६४००
रशायनशास्त्र	४	१६६१३६०
शिक्षा विभाग	१	८३५४००
अंग्रेजी	२	१३४८३००
गैस्ट्रोलॉजी	१	१०५१८००
भूगोल	२	१८९४६००
हिन्दी	१	७९०४००
इतिहास	१	६१२८००
पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	१	४४१८००
ज्योतिष	१	३६८९००
प्रबंध शास्त्र	२	१४१९६००
आणविक एवं मानव जनन	१	११७००००
भौतिकी विज्ञान	५	४५७२९००
मनोविज्ञान	१	२५२४००
संस्कृत	१	५८८१००
जीव विज्ञान	४	२९५८४००
अंतर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र		
भौतिकी विज्ञान	१	७५०००
ग्रांडमोन्ट रोसेडाले विकास निगम		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	८३२९४५
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
पशुपालन और डेयरी उद्योग	१	६७५४६००
वनस्पति विज्ञान	१	२२७८०००
रसायनशास्त्र	१	२३६३०००
पर्यावरण एवं संपोष्य विका स संस्थान	१	२४९६७००
सूक्ष्म जैविकी	१	२०९३०००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	३	१५७५७९५०
मनोरोग चिकित्सा	१	१२५६९३००
आणविक जीव विज्ञान इकाई	१	८८४७४००
शल्य चिकित्सा	१	३१३९०००
जीवविज्ञान	२	१०२०७६००

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
शस्य विज्ञान	१	१८९२०००
जीव रसायन	४	२२७९४४०२
जैव भौतिकी	१	१९५३२००
वनस्पति विज्ञान	४	१५६४५१५४
रसायनशास्त्र	५	२२८३७७४५
सामुदायिक चिकित्सा	१	३७१६०००
अनुवांशिकी विकार	१	२२३६०००
भूविज्ञान	२	५८१७६००
पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	३	१५२७५०००
पुस्तकालय तथा सूचना प्रोद्यौगिकी	१	१४४०१००
चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	११२७४६००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	१	२०६२०००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	६५५४२००
भौतिकी विज्ञान	४	१९७३३०००
पादप शरीर क्रिया विज्ञान	१	३३५६०००
जीवविज्ञान	९	२५६२२२००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद		
जीव रसायन	१	२७९६०००
वनस्पति विज्ञान	१	२०९६०००
रसायनशास्त्र	१	६०००००
पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	१	१११००००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (उत्तर प्रदेश)		
शरीर रचना विज्ञान	१	३९२०००
सूक्ष्म जीविकी	१	१०९८०००
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	२	२८४०८४०
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	११९४०००
भौतिकी विज्ञान	१	३९००००
जीवविज्ञान	१	६८००००
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद		
बाल चिकित्सा	१	७४७०००
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद		
शस्य विज्ञान	१	४९२८००
आणविक जीव विज्ञान इकाई	१	२९३०००००
कृषि अर्थशास्त्र	१	१५०००००
प्रसार शिक्षा	१	१९०००००
रसायनशास्त्र	१	१७००००
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान	१	९४६६५६५०
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आई.आर.आर.आई.		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	२०००६०४

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी		
वनस्पति विज्ञान	१	५००००००
परमाणु उर्जा विभाग		
वनस्पति विज्ञान	१	६३००००
भौतिकी विज्ञान	३	५४९००००
धनुका एग्रीटेक लिमिटेड		
आणविक जीव विज्ञान इकाई	३	१२२३४००
कोलाबोरेट प्रोजक्ट, एस.टी.आर.ए.एस.ए.		
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	१	२८९५४३
रक्षा मंत्रालय		
भौतिकी विज्ञान	१	४६०००००
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षण		
वनस्पति विज्ञान	१	३६००००
भारत सरकार		
द्रव्यगुण	१	६००००००
सी.आई.एम.एम.वाई.टी. के सहयोगी		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	३९५३५३
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्		
अर्थशास्त्र	१	४०००००
भूगोल	२	६६००००
मनोविज्ञान	३	१२०००००
समाजशास्त्र	२	१०४००००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान ब्लूमवर्ग		
चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संकाय	१	१०१४२८१
भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान दिल्ली		
दन्त विज्ञान	१	१७५०००
इंडोफिल उद्योग		
कीट विज्ञान	१	३९००००
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय बेलगाम		
प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान	१	३०७०००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन		
सूक्ष्म जैविकी	१	१५००००
आर.एल.सी.		
आणविक जीव विज्ञान इकाई	१	१०७७०००
स्ट्रॉस चावल		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	३३०८५६
शस्य विज्ञान	१	५०००००
विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय		
इतिहास	१	१३८७०८९

सेंटर इंटरनेशनल डे म्यूसिक पॉपुलायर, लखनऊ		
कायचिकित्सा	१	२७७४०००
कोलम्बो श्रीलंका		
वनस्पति विज्ञान	१	९४२५८०
कोरोमंडल सिकन्दराबाद		
मृदा और कृषि विज्ञान	२	१०१०४६००

जारी शोध परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान केन्द्र		
शस्य विज्ञान	२	२१९७३००
प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्व	१	११६९६००
वनस्पति विज्ञान	२	१३३६४००
वाणिज्य संकाय	१	२३७५००
रसायनशास्त्र	६	४१३२७६०
सामुदायिक चिकित्सा	१	७००००००
अर्थशास्त्र	२	१८०६७००
शिक्षा	२	१२८९१००
अंग्रेजी	३	१७३३३००
गेस्ट्रोलॉजी	१	१०५१८००
भूगोल	३	२९५५४००
भूविज्ञान	२	२४३२८००
हिन्दी	१	७९०४००
इतिहास	१	६१२८००
पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	१	४४१८००
ज्योतिष	१	३६८९००
विधि संकाय	१	७०७१००
भाषा विज्ञान	१	१०७४४००
भौतिकी, महिला महाविद्यालय	१	१४०३८००
प्रबंध अध्ययन संकाय	३	२२८५२००
गणित विभाग	१	१०१४०००
आणविक एवं मानव जनन विभाग	२	२८२००००
शारीरिक शिक्षा	२	१०४५०००
राजनीतिशास्त्र	२	१६०१८००
भौतिकी	११	१४७०३८००
मनोविज्ञान	२	११०१८००
संस्कृत	१	५८८१००
शल्य चिकित्सा	१	१०६०८०००
जीवविज्ञान	१०	८४१८६००

अतंर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र		
भौतिकी	१	७५०००
अनाज अनुसंधान और विकास निगम		
कवक विज्ञान और पदप रोग विज्ञान	१	८३२९४५
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
पशुपालन और डेयरी उद्योग	१	६७५४६००
वनस्पति विज्ञान	२	४०६३०००
रसायन शास्त्र	१	२३६३०००
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	३	१५५९८२००
पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	१	२४९६७००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	५	२५१६४४५०
सूक्ष्म जैविकी	१	२०९३०००
मनोविज्ञान	१	१२५६९३००
आणुविक जीव इकाई	२	११६१२४००
शल्य चिकित्सा	१	३१३९०००
जीवविज्ञान	३	१४८९२८००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
पशुपालन एवं डेयरी उद्योग	१	३१५००००
शस्य विज्ञान	२	५०७१२००
जीव रसायन	६	३२७३७४०२
जीव रसायन (चिकित्सा विज्ञान संस्थान)	२	१०४७७०००
जीव रसायन (चिकित्सा)	२	८०८७७३५
जैव भौतिकी	१	१९५३२००
वनस्पति विज्ञान	९	३४१९४५५४
प्रयोगात्मक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा केंद्र	१	३१२००००
अनुवांशिकी विकार केन्द्र	२	४४८६०००
रसायन शास्त्र	१३	७०८१९८४५
अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान	२	२१९८२४०
सामुदायिक चिकित्सा	१	३७१६०००
दंत चिकित्सा विज्ञान	२	१३९७०३०८
आनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	८९३५०००
भूविज्ञान	६	१५१३५५६००
भूभौतिकी	२	५७०००००
पर्यावरण एव संपोष्य विकास संस्थान	७	२४८९६६००
क्रिया शरीर	१	११३७२४५०
पुस्तकालय विज्ञान और सूचना तकनीकी	१	१४४०१००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	५	१५४६७०००
गणितीय विज्ञान	१	३०८००
औषधीय रसायनशास्त्र	१	२९५००००
चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	११२७४६००
चिकित्सा	१	१०५३७०००

भौतिकी, महिला महाविद्यालय	१	२८३७०००
आणविक और मानव अनुवंशिकी	५	१४२२८०००
भौतिकी	१७	१९६९६११९१
पादप शरीर क्रिया विज्ञान	१	३३५६०००
मृदा और कृषि विज्ञान	१	६०००००
मनोविज्ञान	२	९५९४८००
भौतिकी विज्ञान स्कूल	१	२१८४०००
जीव विज्ञान	२०	१०३५७१५२०
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, यू.पी.		
कृषि अर्थशास्त्र	१	२३३५१००
शस्य विज्ञान	१	१९७७८००
शरीर रचना विज्ञान	१	३९२०००
पशु पालन	१	१७५००००
रशायन शास्त्र	१	५८४०००
सूक्ष्म जैविकी	१	१०९८०००
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	४	२५२५८२९०
उद्यान विभाग	१	१७९८५००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	४	८१२२८९०
भौतिकी	१	३९००००
मृदा एवं कृषि विज्ञान	४	५७४३७२०
जीव विज्ञान	१	६८००००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद		
जैवरसायन विज्ञान (चिकित्सा)	१०	५१३०२१३७
वनस्पति विज्ञान	५	३३८६०००
रसायनशास्त्र	१३	९०४८८३४
पर्यावरण एव संपोष्य विकास संस्थान	२	२७७४०००
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	१	१४१०००
जीव विज्ञान	३	२६८७३३३
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद		
जीव रसायन	१	१६८७९४७
वनस्पति विज्ञान	१	१०८२४२४
सामुदायिक चिकित्सा	२	१८८६२४०
सूक्ष्म जैविकी	१	१८१८४६
बाल चिकित्सा	१	७४७०००
जीव विज्ञान	४	८२३२०४८
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय		
भूविज्ञान	२	५८२१८२०
भूगोल	१	११८०३२०
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद		
कृषि अर्थशास्त्र	२	५०९४०००
शस्य विज्ञान	२	९१७१२०

वनस्पति विज्ञान	२	११७७१८८
कार्डियोथोरेसिक सर्जरी	१	१०२३७५
रसायन शास्त्र	१	१७००००
कीट विज्ञान और कृषि जन्तु शास्त्र	२	१०६०५९६५०
अनुवांशिकी और पौध विकृति	१	२९३०००००
कृषि विज्ञान केन्द्र, बरकछा	१	९१५००००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	६६०४४४
जैव प्रौद्योगिकी स्कूल	१	४५४१९१
मृदा एवं कृषि विज्ञान	४	१३१५४०७
प्रसार शिक्षा	१	१९०००००
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आई.आर.आर.आई		
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	१	२०००६०४
उन्नत शोध के प्रचार के लिए इडों फ्रेंच सेन्टर		
जीव विज्ञान	१	१९२००००
अनुसंधान आयुर्वेदिक विज्ञान के लिए केन्द्रीय परिषद		
चिकित्सा,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	३९७५४००
शल्य तन्त्र, आयुर्वेद, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	१०४००००
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी		
वनस्पति विज्ञान	४	२४१७४१९
भौतिकी	२	६५१६६७
जीव विज्ञान	१	२१६३९८
परमाणु उर्जा विभाग		
वनस्पति विज्ञान	१	६३००००
भूविज्ञान	१	३३५६०००
भौतिकी	५	२७५८००००
जीव विज्ञान	२	३६७६२५०
धनुका एग्रीटेक लिमिटेड		
कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान	३	१२२३४००
विदेशी संस्थान		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	२	६५९१६४
कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान	१	५०१३६२४
मालवीय शान्ति केन्द्र	१	४४४४२४
वनस्पति विज्ञान	१	१४४०८२६
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	६१८७६९३
कोलाबोरेट प्रोजेक्ट, एस.टी.आर.ए.एस.ए		
शस्य विज्ञान	१	१९४९७९
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	२	७२१८४२
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	१	१४६२३५
रक्षा मंत्रालय		
भौतिकी	१	४६०००००
जीव विज्ञान	१	१०१४०००

रसायन शास्त्र	२	७३८९०४५
संस्कृति मंत्रालय		
इतिहास (मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र) के अन्तर्गत	१	१०७०००००
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन		
भूभौतिकी	१	६०००००
उत्तर प्रदेश स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी (यू.पी.एस.ए.सी.एस)		
चिकित्सा	२	६०९४८७७
प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान	१	१३०५६८८
विश्व स्वास्थ्य संगठन		
चिकित्सा	१	२८००९३००
एसलरेटर प्रोग्राम फॉर एग्री-टेक स्टॉर्ट –यूपीएस (आईसीआरआईएसएटी)		
कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान	१	११२२७५०
घरदा केमिकल लिमिटेड		
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान	१	११००००
बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउडेंशन यू.एस.ए.		
चिकित्सा	१	३१९१२५९५
बोर्ड ऑफ रिसर्च इन फ्युजन सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी, गुजरात		
भौतिकी	१	७०१६०००
जी.बी.पी.एन.आई.एच.ई.एण्ड एस.डी.		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	१४१५९२०
प्राइवेट एजेन्सी		
चिकित्सा	१	११८४०४
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उत्तर प्रदेश)		
पर्यावरण विज्ञान क्रेन्द्र	१	२४०३५००
मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
वाणिज्य संकाय	१	५९३४००
रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन		
रसायनशास्त्र	१	२४७०८००
भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी	१	२४८७१००
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय		
खाद्य और प्रोद्योगिकी केन्द्र	१	४१२७०००
राष्ट्रीय आकादमी विज्ञान भारत		
वनस्पति विज्ञान	१	३६००००
भारतीय निगम तेल गैस		
भूविज्ञान	१	२८६०००
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र		
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र	१	१४७४०००
कैस्पर माइक्रो क्रेडिट लिमिटेड		
प्रबंध अध्ययन	१	९४८७५०
ग्लोबल फंड आर.ए.के.सी, नई दिल्ली		
नर्सिंग कॉलेज	१	२६७९१५०

केरला आयुर्वेद लिमिटेड		
अंत:स्राव विज्ञान	१	१०२०८००
विकलांग विज्ञान, चिकित्सा संकाय	१	१०२२८००
भारत सरकार		
द्रव्यगुण	१	६००००००
अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केन्द्र (सीआईएमएमवाईटी)		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	३९५३५३
राष्ट्रीय संस्थान की नींव		
चिकित्सा	१	५७२९७९८
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	२०००००
शिक्षा योजना और प्रशासन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय		
अर्थशास्त्र	१	२०६२५०
गर्नसी वित्तीय सेवा आयोग		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	१२९८०००
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद		
अर्थशास्त्र	५	५०८००००
शिक्षा संकाय	२	१५०००००
भूगोल	२	६६००००
शारीरिक शिक्षा	१	५०७४००
मनोविज्ञान	३	१२०००००
समाजशास्त्र	३	२०४००००
आई.आई.टी., दिल्ली		
दंत चिकित्सा	१	१७५०००
इंडोफिल उद्योग		
कीट विज्ञान	१	३९००००
जवाहर लाल नेहरू संस्थान, बेलगाम		
प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान	१	३०७०००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन		
सूक्ष्म जैविकी	**१**	१५००००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान ब्लूमवर्ग		
चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	१०१४२८१
टाटा शिक्षा और विकास ट्रस्ट		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	१०७७०००
स्ट्रेस टालरेन्स राइस फॉर अफ्रीका एवं साउथ एशिया राइस		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	३३०८५६
शस्य विज्ञान	१	५०००००

संयुक्त राष्ट्र और बाल निधि (यूनिसेफ)		
बाल चिकित्सा	१	६२५०००
विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय		
इतिहास	१	१३८७०८९
कृषि अनुसंधान परिषद (उत्तर प्रदेश)		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	४६२५१०
केन्द्रीय औषधीय सुगन्धित पौध संस्थान, लखनऊ		
काय चिकित्सा	१	२७७४०००
कोलम्बो श्रीलंका		
वनस्पति विज्ञान	१	९४२५८०
कोरोमंडल, सिकन्दराबाद		
मृदा और कृषि विज्ञान	२	१०१०४६००
इण्डियन एसोसिएसन ऑफ डरमाटोलॉजीस्ट, विनेरोलॉजिस्टस लेपरिस्टस		
डरमाटोलॉजी	१	२०००००

परिशिष्ट -४

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन

(अप्रैल २०१६ से मार्च २०१७ तक)

अप्रैल-२०१६

०५-०४-२०१६ से ०६-०४-२०१६	''खाद्य प्रसंस्करण तथा जैव प्रौद्योगिकी में नवीन उन्नति'' (आई.सी.आर.ए.एफ.पी.बी.) पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. अनिल कुमार चौहान, संयोजक और डॉ. अभिषेक दत्त त्रिपाठी, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संकाय, काहिविवि
०५-०४-२०१६ से ११-०४-२०१६	सिंगार पर कार्यशाला	डॉ. विनोद नागर, नृत्य विभाग, संगीत एव मंच कला संकाय, काहिविवि
०९-०४-२०१६ से ११-०४-२०१६	ए.ए.आइ.एम. का १८वां सम्मेलन	प्रो. के.के. पाण्डेय, संज्ञाहरण विभाग, आयुर्वेद संकाय,चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२२-०४-२०१६	थरमोकोन २०१६ पर सम्मेलन	डॉ. घनश्याम यादव, डॉ. गौरव जैन और डॉ. यशपाल सिंह, आयोजन सचिव, निश्चेतन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि

मई-२०१६

०२-०५-२०१६ से २२-०५-२०१६	पी.एचडी. (शोध) छात्रों हेतु ''सांख्यिकीय साधनों तथा साफ्टवेयरों के अनुप्रयोग'' पर कार्यशाला	प्रो. एस.पी. सिंह, विभागाध्यक्ष और संयोजक, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२६-०५-२०१६ से २७-०५-२०१६	''पर्यावरण तथा धारणीय विकास'' पर तीसरी स्नातक संगोष्ठी	डॉ. तीर्थाकंर बनरर्जी, संयोजन सचिव, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, काहिविवि
२७-०५-२०१६ से २८-०५-२०१६	''भारतीय साहित्य में राजनीतिक चिंतन '' पर अंर्तराष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष और आयोजन सचिव, राजनीतिक विज्ञान विभाग, काहिविवि

जून-२०१६

०१-०६-२०१६ से १०-०६-२०१६	''शोध प्रविधि'' पर राष्ट्रीय कार्याशाला	प्रो. इन्दिरा विषनोई, गृह विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय,काहिविवि
०१-०६-२०१६ से १०-०६-२०१६	''एम एस एक्सेल तथा एस .पी. एस .एस के सांख्यिकीय अन्वेषण'' पर कार्याशाला	प्रो.जी.पी.सिंह, संयोजन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, काहिविवि
०२-६-२०१६ से ०३-०६-२०१६	''उ.प्र.में प्रादेशिक राजनीति तथा लोक प्रशासन'' पर अंर्तराष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष और आयोजन सचिव, राजनीतिक विज्ञान विभाग, काहिविवि
२५-०६-२०१६	सी.एम.इ. कार्यक्रम	प्रो. एस.पी. शर्मा, संयोजक और डॉ. वैभव पाण्डेय, आयोजन सचिव, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२६-०६-२०१६	''उन्नत /अग्रिम अन्तःक्षेत्रीय/ हस्तक्षेपीय दर्द निवारक प्रक्रिया'' पर जीवंत कार्यशाला	प्रो. विरेन्द्र रस्तोगी, आयोजन सचिव, निश्चेतन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२७-०६-२०१६ से २८-०६-२०१६	योग क्रीड़ा में नूतन उन्नति व आई.ए.वाई २०१६ की वार्षिक सभा पर राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. एन.बी. शुक्ला, आयोजन सचिव, सीएचसी एथलेटिक्स एसोसियेशन, कला संकाय, काहिविवि

जुलाई- २०१६

२२-०७-२०१६ से २४-०७-२०६	"रेस्टोरेर्टव ड्रिवेन इंप्लांट डेंटिस्ट्री ऑन ह्यूमन" पर कार्यक्रम	प्रो. फरहान दुर्रानी, दन्त चिकित्सा विज्ञान संकाय, आईएमएस, काहिविवि

अगस्त- २०१६

१२-०८-२०१६ से १४-०८-२०१६	"भारतीय परम्परा शैवागम तथा मूल्य: कमलाकर मिश्रा के तांत्रिक परिप्रेक्ष्य से" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अरविन्द कुमार राय और प्रो. सच्चिदानन्द मिश्रा, सेमिनार समन्वयक, भारतीय दर्शन एवं धर्म विभाग, कला संकाय, काहिविवि
१९-०८-२०१६ से २१-०८-२०१६	"इतिहास दृष्टि, इतिहास लेखन, इतिहास के स्रोत" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अरून सिंन्हा, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, काहिविवि
२०-०८-२०१६ से २१-०८-२०१६	मध्यावधि आई.एस.इ.सी.ओ.एन.-२०१६	प्रो. गीता सुब्रमण्यम , विभागाध्यक्ष और आयोजन चेयरमैन और डॉ. धर्मेन्द जैन,आयोजन सचिव,हृदय रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२४-०८-२०१६ से २९-०८-२०१६	"पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय व महामारी चिकित्सा प्रणाली के गणितीय मॉडलिंग" पर उन्नत स्तरीय कार्यशाला	प्रो. अरविन्द कुमार मिश्रा,संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान सकाय, काहिविवि
२६-०८-२०१६ से २८-०८-२०१६	नैदानिक संक्रामक रोग समुदाय (सी.आई.डी.एस.सी.ओ.एन.) का वार्षिक सम्मेलन	प्रो. श्याम सुन्दर, जर्नल मेडिसिन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२६-०८-२०१६ से २८-०८-२०१६	अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान समाज स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम	प्रो. एम.के सिंह, विभागाध्यक्ष और संयोजक, नेत्र विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
२९-०८-२०१६ से ३१-०८-२०१६	"गणितीय मॉडलिंग तथा अनुरूपण" पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. अरविन्द कुमार मिश्रा, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि

सितंबर- २०१६

०२-०९-२०१६	"शोध पत्रों को कैसे लिखे व प्रस्तुत करें" पर राष्ट्रीय परिसंवाद	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
०३-०९-२०१६ से २३-०९-२०१६	अखिल भारतीय वास्तु शास्त्र कार्यशाला	डॉ. सुभाष पाण्डेय, ज्योतिष विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काहिविवि
०३-०९-२०१६ से ०४-०९-२०१६	भारतीय विकिरणिकी (विकिरण विज्ञान) व इमेजिंग सघं के उ.प्र. शाखा का ३०वाँ वार्षिक सभा	डॉ. राम.सी. शुक्ल, विभागाध्यक्ष, विकिरण विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१०-०९-२०१६ से ११-०९-२०१६	अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी	प्रो. भागवत शरण शुक्ल, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काहिविवि
१३-०९-२०१६	"बच्चों का अधिकार :मुद्दे तथा चुनौतियों" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. डे.के. शर्मा, विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, विधि स्कूल, काहिविवि
१४-०९-२०१६ से १५-०९-२०१६	वैश्वीकरण तथा महिलाएं : मुद्दे तथा चिन्ताएं" पर संगोष्ठी	डॉ. स्वेता प्रसाद, संयोजक, समाजशास्त्र विभाग, काहिविवि

१४-०९-२०१६से १५-०९-२०१६	“पर्यावरणीय धारणीयता के लिए मृदा संसाधन प्रबंधन: चुनौतिया तथा परिप्रेक्ष्य” पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. जय प्रकाश वर्मा, आयोजन चेयरमैन, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, काहिविवि
१८-०९-२०१६ से ०२-१०-२०१६	भोजपुरी और जनपदीय अध्ययन: स्वरूप एवं दिशाएँ विषय पर कार्यशाला	प्रो. सदानन्द शाही, समन्वयक, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, कला संकाय, काहिविवि
२१-०९-२०१६ से २५-०९-२०१६	आइ.एच.पी.बी.ए. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	प्रो. पुनीत, आयोजन चेयरमैन, सामान्य शल्य चिकित्सा,चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
२२-०९-२०१६ से २४-०९-२०१६	“वाराणसी : एक शाश्वत /अविनाशी नगर” पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. अतुल त्रिपीठी, आयोजन चेयरमैन, कला इतिहास विभाग, कला संकाय, काहिविवि
२३-०९-२०१६ से २४-०९-२०१६	“प्रवासी तथा मोदी शोध प्रबंध” पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि

अक्टूबर- २०१६

०१-१०-२०१६ से ०२-१०-२०१६	भीष्म साहनी का रचना संसार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. रामकली सराफ, संयोजक, हिन्दी विभाग, काहिविवि
०२-१०-२०१६ से ०३-१०-२०१६	कार्यशाला, सी.एम.ई. तथा सम्मेलन (का.हि.वि.वि. अन्त:क्षेत्रीय दर्द प्रबंधन व क्षेत्रीय/प्रादेशिक निश्चेतना (सनसथेसिया) सम्मेलन-बीप्रोकॉन-२०१६	प्रो. पी. रंजन, आयोजन चेयरमैन एण्ड डॉ. ए.के. पासवान, आयोजन सचिव, निश्चेतन विज्ञान विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०४-१०-२०१६ से ०५-१०-२०१६	“आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों की प्रासंगिकता: गाँधी, दीनदयाल, हेडगेवर, गोलवलकर, पटेल, अंबेडकर, नेहरू, मोहम्मद इकबाल”पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
०६-१०-२०१६ से ०८-१०-२०१६	“वर्तमान मानव संसाधन प्रबंधन व्यवहार” पर ५वाँ राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. आई.एल. सिंह, सेमिनार निदेशक, मनोविज्ञान विभाग, काहिविवि
०८-१०-२०१६	“आयुर्वेद संहिता में मानस तथा मानस रोग की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. रानी सिंह, आयोजन सचिव, सिद्वान्त दर्शन विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
१६-१०-२०१६	“ऑपरेटिव गर्भाशय दर्शन” पर कार्यशाला	डॉ. संगीता राय, आयोजन सचिव, एस.एस. हास्पिटल, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि
१७-१०-२०१६ से २४-१०-२०१६	“शोध प्रस्ताव लेखन” पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. शिशीर बासु, वर्कशाप समन्वयक,पत्रकारिता तथा जनसंचार, काहिविवि
२०-१०-२०१६ से २२-१०-२०१६	भारतीय समाज के कृषि विपणन का ३०वाँ वार्षिक सम्मेलन	प्रो. एस.पी सिंह, आयोजन सचिव और विभागाध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि
२१-१०-२०१६ से २२-१०-२०१६	“प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार तथा इसकी प्रासंगिकता” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
२२-१०-२०१६ से २६-१०-२०१६	आईएनएसपीआईआरई प्रशिक्षुता विज्ञान शिविर	प्रो. दिनेश चन्द्र राय, समन्वयक, डीएसटी इंटर्नशिप सांइस शिविर,पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, काहिविवि
२२-१०-२०१६ से २३-१०-२०१६	“धरती का कवि : त्रिलोचन” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अशोक सिंह, संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, काहिविवि

नवंबर- २०१६

०४-११-२०१६ से ०५-११-२०१६	"राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की भूमिका:भ्राति तथा यथार्थत" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. के.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
०६-११-२०१६ से १०-११-२०१६	"क्षेत्र सिद्धांत में नवीन प्रवृत्तियों" (एनटीएफटी-५) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. आर.पी. मलिक, भौतिकी विभाग और डीएसटी- सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१२-११-२०१६ से १४-११-२०१६	भारतीय सेडीमेन्टोलोजिस्ट्स संघ का ३३वाँ समागम	प्रो. बी.पी सिंह, संयोजक और डॉ.ए.एस नाइक, समन्वयन सचिव, भूविज्ञान विभाग, काहिविवि
१२-११-२०१६	"कार्बोहाइड्रेट रसायनशास्त्र में नवीन प्रवृत्तियों" पर एसरसरआईटी सेटेलाइट परिसंवाद	डॉ. विनोद कुमार तिवारी, संयोजक, रसायन विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१२-११-२०१६ से १३-११-२०१६	'अमृतलाल नागर का रचना संसार' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. चम्पा कुमारी सिंह, संयोजक, हिन्दी विभाग, काहिविवि
१५-११-२०१६ से २५-११-२०१६	लेटेक्स तथा अन्य मुक्त स्रोत साफ्टवेयर -२०१६ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो. पी.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान विभाग, काहिविवि
१७-११-२०१६ से १८-११-२०१६	"भारत में अंग्रेजी अध्ययन: परिवर्तन और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-पूर्व छात्र बैठक	डॉ. गंगा राम, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, काहिविवि
२६-११-२०१६ से २७-११-२०१६	"भारतीय शिक्षा में समावेशन: प्रवृत्तियां तथा चुनौतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. नागेन्द्र कुमार, डॉ. लालता प्रसाद और मि० पंकज सिंह, शिक्षा संकाय, काहिविवि
२५-११-२०१६	पूर्व सम्मेलन कार्यशाला	प्रो. पी.वी. राजीव, सम्मेलन निदेशक और डॉ. अनिन्दीति चक्रवर्ती, सम्मेलन समन्वयक,प्रबंध अध्ययन संकाय, काहिविवि
२६-११-२०१६ से २७-११-२०१६	"भावी पीढ़ी के संगठनों का प्रबंधन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. पी.वी. राजीव, सम्मेलन निदेशक और डॉ. अनिन्दीति चक्रवर्ती, सम्मेलन समन्वयक, प्रबंध अध्ययन संकाय, काहिविवि

दिसंबर- २०१६

०२-१२-२०१६ से ०३-१२-२०१६	"इतिहास एवं पुरातत्व में नूतन शोधों" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. पुष्प लता सिंह, विभागाध्यक्ष और संयोजक, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व, कला संकाय, काहिविवि
०७-१२-२०१६ से ०९-१२-२०१६	"व्यक्तिव विकास तथा जीविका (वृन्तिक) निर्माण -२०१६"पर कार्यशाला	डॉ. पी.एस. ब्यादजी, आयोजन सचिव, विभागाध्यक्ष,विकृति विज्ञान विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०९-१२-२०१६ से १०-१२-२०१६	पर्यावरणीय संधारणीयता के लिए मृदा संसाधन प्रबंधन:चुनौतियां तथा परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. जे.पी. वर्मा. आयोजन सचिव, आईईएसडी,काहिविवि
१०-१२-२०१६ से ११-१२-२०१६	"रक्तप्रदोषज विकारों में आर्युवेद की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, काहिविवि
१४-१२-२०१६ से १७-१२-२०१६	अमेरिकी गणितीय समिति (एएमएस) के सहयोग से भारतीय गतिणतीय सह संघ (टीआईएमसी) का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. बंकटेश्वर तिवारी, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, काहिविवि

१५-१२-२०१६ से १७-१२-२०१६	"विसरणशील प्रक्रियाओं (विधियों) की मॉडलिंग तथा अनुरूपण एवं इसका अनुप्रयोग (आईसीएमएसडीपीए१६" पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. नवीन कुमार, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि
१९-१२-२०१६ से २१-१२-२०१६	"बोध (ज्ञान) तथा स्वास्थ्य में नूतन उन्नति" पर ५वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. आई.एल.सिंह, सम्मेलन निदेशक, मनोविज्ञान विभाग, काहिविवि
१९-१२-२०१६ से २२-१२-२०१६	"विज्ञान तथा उन्नत पदार्थ एंव उनसें परे अनुप्रयोग : सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर अतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. आर.एन. राय, संयोजक, रसायन विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि।
१८-१२-२०१६ से २४-१२-२०१६	"शोध प्रविधि तथा इसके बहु-विषयक अनुप्रयोग" पर कार्यशाला	प्रो. आर.पी. सिंह एण्ड एच.के. मालवीय, आयोजन सचिव, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
२८-१२-२०१६	"सामाजिक विज्ञान तथा अन्य विषयों में साक्षत्कार का सामना कैसे करे" पर परिसंवाद	प्रो. के.के. मिश्रा,प्रो. आर.पी. सिंह एण्ड एच.के. मालवीय, आयोजन सचिव, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
३०-१२-२०१६ से ३१-१२-२०१६	"२१वीं सदी में मानव बननें का पुन: अधिगम, धर्म तथा लोकतांत्रिक मूल्य" पर अतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. सच्चिदानन्द मिश्रा, समन्वयक दर्शन एवं धर्म विभाग, काहिविवि

जनवरी- २०१७

०८-०१-२०१७ से १०-०१-२०१७	"कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. जी.पी. सिंह, पशुपालन और डेरी उद्योग एण्ड डॉ. एस.एन. सिंह, कार्यक्रम सहायक, आयोजन सचिव, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान, आर.जी.एस.सी, आयोजन सचिव, काहिविवि
१२-०१-२०१७ से १३-०१-२०१७	"धारणीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन : विज्ञान से व्यवहार तक (एसएनआरएमएसपी) पर अतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. वी.के. चंडोला, विभागाध्यक्ष और संयोजक, कृषि अभियांत्रिक, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१५-०१-२०१७ से २१-०१-२०१७	"दलित अध्ययन के लिए शोध प्रविधि" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. अमरनाथ पासवान, सामाजिक बहिष्कार एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय, काहिविवि
१६-०१-२०१७ से २५-०१-२०१७	"रामचरित मानस : पाठ और पुर्नपाठ" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. प्रभाकर सिंह, संयोजक, हिन्दी विभाग, काहिविवि
२८-०१-२०१७	"भूगोल में जन प्रश्न" पर क्षेत्रीय संगोष्ठी	डॉ. शर्फराज आलम, संयोजक, भूभाग विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि

फरवरी- २०१७

०३-०२-२०१७ से ०४-०२-२०७	''पर्यावरण भारतीय संस्कृति एवं वैश्विक चुनौतिया'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. आभा मिश्रा पाठक, एवं डॉ. निशात अफरोज, आयोजन सचिव, महिला महाविद्यालय, काहिविवि
०४-०२-२०१७ से ०८-०२-२०७	महिला वैज्ञानिकों हेतु ''प्रोटिओमिक्स'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो.एच.बी. सिंह, विभागाध्यक्ष, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान,कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०६-०२-२०१७ से १२-०२-२०७	''शोध प्रविधि तथा आकड़ा विश्लेषण'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. राकेश प्रसाद, समन्वयक, प्रबंध अध्ययन संकाय, काहिविवि
१०-०२-२०१७ से ११-०२-२०७	भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ का अखिल भारतीय सम्मेलन	प्रो. ए.के. जोशी, आयोजन सचिव, समाजशास्त्र विभाग, काहिविवि
१०-०२-२०१७ से ११-०२-२०७	स्कूली बच्चों हेतु जागरूकता कार्यक्रम	प्रो. मधुलिका अग्रवाल, वनस्पति विज्ञान, काहिविवि
११-०२-२०१७	''गैर स्थितीय नेतृत्व'' पर कार्यशाला	प्रो. एच.पी. माथुर, समन्वयक, प्रबंध अध्ययन संस्थान, काहिविवि
११-०२-२०१७ से १२-०२-२०७	''भारत में धर्म निरपेक्षता'' पर संगोष्ठी	प्रो. एच.के. मालवीय, आयोजन सचिव, राजनीतिक विज्ञान, काहिविवि
१२-०२-२०१७	वार्षिक एवं छात्र सभा	प्रो. एच.पी. माथुर, समन्वयक, प्रबंध अध्ययन संस्थान, काहिविवि
१२-०२-२०१७ से १८-०२-२०७	संगीत ज्ञान कार्यशाला	प्रो. संगीता पण्डित, संयोजक, गायन संगीत विभाग, संगीत एवं मच कला सकाय, काहिविवि
१३-०२-२०१७ से २३-०२-२०७	लेटेक्स तथा अन्य मुक्त स्रोत साफ्टवेयर- २०१७ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. रामगंगा, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, काहिविवि
१६-०२-२०१७ से १९-०२-२०७	२१वी आईओएस पीजी समागम	डॉ. अजीत.वी. परीहार, आयोजन सचिव, तन्त चिकित्सा संस्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१७-०२-२०१७ से १८-०२-२०७	''गणितीय विश्लेषण में नूतन प्रवृत्तिया व उनके अनुप्रयोग'' पर गणितीय समाज का ३२वां सम्मेलन	डॉ. आशीष पाठक, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि
१८-०२-२०१७ से १९-०२-२०७	''इस्टाम'' भाषण तथा पुरस्कार समारोह पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा ''आयुर्वेद में परिवर्तनीय शोध के अवसर'' पर कानक्लेव	प्रो. एम. शाहू, आयोजन सचिव, संकाय प्रमुख, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
२३-०२-२०१७ से २५-०२-२०७	''ली रिट डू वेयेज डेन्स ला लाइट फ्रेंचाइज एट ला इटरेचर फ्रेंकोफोन'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. गीतांजलि सिंह, संयोजक, फ्रांसीसी अध्ययन विभाग, काहिविवि
२३-०२-२०१७ से २५-०२-२०७	''गेहूँ के स्पाट ब्लॉथ'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो. रमेश चन्द, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि
२५-०२-२०१७ से २७-०२-२०७	'मुक्तिबोध : सृजन और वैचारिकी का आत्मसंघर्ष' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. आशीष त्रिपाठी, हिन्दी विभाग, काहिविवि
२५-०२-२०१७ से ०३-०२-२०७	''उत्तर भारतीय पारम्परिक वाद्य संगीत की तकनीकी एवं संगीतात्मक बारीकियों'' पर राष्ट्रीय अन्तर्विषयी कार्यशाला	डॉ. राजेश शाह, विभागाध्यक्ष, वाद्य संगीत विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय, काहिविवि

२८-०२-२०१७ से ०१-०२-२०७	"गंगा, नदी विकास तथा जल संसाधन प्रबंधन के उभरते परिदृश्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. कविता शाह, समन्वयक, महामना मालवीय रिसर्च सेन्टर फार गंगा, रिवर डेवलपमेन्ट एण्ड वाटर रिसोर्स मैनेजमेन्ट, काहिविवि
२५-०२-२०१७ से २६-०२-२०७	"परिवार संबंधी कानून : समकालीन मुद्दे तथा चुनौतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. डी.के. शर्मा, हेड एण्ड डीन, विधि संकाय, काहिविवि
२३-०२-२०१७ से २५-०२-२०७	"परिस्थिकीय विज्ञान में मुद्दे तथा चुनौतियां" पर राष्ट्रीय परिसंवाद	प्रो. जे. पाण्डेय, संयोजक,वनस्पति विज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान, काहिविवि
२७-०२-२०१७ से ०१-०२-२०७	"परिर्वनशील संसार में भारतीय कला विरासत : चुनौतियां एवं संभावनाएं" (आईएसआईएएचसीडब्ल्यू-२०१७)	प्रो. अतुल त्रिपाठी, संयोजक, विभागाध्यक्ष, कला इतिहास विभाग, कला संकाय, काहिविवि

मार्च- २०१७

०१-०३-२०१७ से ०७-०३-२०१७	"माँ एवं नवजात की देखभाल : मुद्दे एवं चुनौतियां" पर कार्यशाला	डॉ. किरन सिंह, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०२-०३-२०१७ से ०४-०३-२०१७	भारतीय शिरापरक (वेनस) संघ (वीएओओएन-२०१७) का १०वाँ सम्मेलन	प्रो. ए.के. खन्ना, आयोजन सचिव और डॉ. सीमा खन्ना, आयोजन सचिव, सामान्य शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०३-०३-२०१७	थ्रोमबाउसिस पर परिसंवाद	डॉ. शशि प्रकाश, आयोजन सचिव, निश्चेतन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०४-०३-२०१७	भौतिक विज्ञान में ९०वाँ एक दिवसीय सम्मेलन	डॉ. नीरज मेहता, संयोजक और डॉ. होरेश कुमार,सह-संयोजक,भौतिकी विभाग, काहिविवि
०५-०३-२०१७	"कृषि व्यवसाय तथा ग्राम विकास में प्रतिमान विस्थापन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. एस.के. दूबे, सामान्य सचिव, प्रबंध अध्ययन संकाय, काहिविवि
०२-०३-२०१७ से ०६-०३-२०१७	महिला वैज्ञानिको हेतु प्रोटिओमिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो. एच.बी. सिंह, विभागाध्यक्ष, कवक विज्ञान और पादप विभाग,कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि
०५-०३-२०१७ से ०६-०३-२०१७	"रोग सुधार एवं विकास क्रम में जीन पर्यावरण संपर्क" पर परिसंवाद	प्रो. ए.के. सिंह, डॉ. एम.जी. तपाड़िया, संयोजक और डॉ. डी. सिन्हा, आयोजन सचिव, जीव विज्ञान विभाग, काहिविवि
०८-०३-२०१७ से ०९-०३-२०१७	"महिलाएं, कानून तथा समकालीन भारतीय परिदृश्य " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. रिता सिंह, समन्वयक, महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय, काहिविवि
१५-०३-२०१७ से २१-०३-२०१७	"इतिहास की शोध प्रविधि के संबंध में भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. बिन्दा डी. परांजपे, समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, काहिविवि
१८-०३-२०१७ से २४-०३-२०१७	"लोक संस्कृति एवं साहित्य : भारतीयता की विरासत" विषय पर कार्यशाला	डॉ. आभा मिश्रा पाठक, आयोजन सचिव, कला इतिहास विभाग, महिला महाविद्यालय, काहिविवि
१८-०३-२०१७ से १९-०३-२०१७	यूपी-यूके एपीकॉन-२०१६ सम्मेलन का ७वाँ अध्याय	डॉ. रतन पाण्डेय, आयोजन सचिव,शरीर विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि

१८-०३-२०१७ से २०-०३-२०१७	आईएनओ सहयोग सभा (बैठक)	डॉ. वेंकटेश सिंह, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि
१९-०३-२०१७ से २०-०३-२०१७	"पुस्तकालयों के सामाजिक उत्तरदायित्वों की संकल्पना" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. आदित्य त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष और आयोजन सचिव, पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, काहिविवि
२१-०३-२०१७ से २४-०३-२०१७	"लोकतंत्र के विकास के लिए शिक्षा, नेपाल में संविधान तथा परिणामी संघर्ष: दक्षिण एशियाई संदर्भ" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. बी.वी. सिंह, संयोजक, नेपाल अध्ययन केन्द्र, काहिविवि
२३-०३-२०१७ से २५-०३-२०१७	"प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन: दशा एवं दिशा" पर संगोष्ठी	प्रो. एस.आर. दूबे, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृत तथा पुरातत्व, कला संकाय, काहिविवि
२५-०३-२०१७ से २६-०३-२०१७	५वाँ महामना मालवीय राष्ट्रीय वाद-विवाद कोर्ट प्रतियोगिता -२०१७	प्रो. डी.के. शर्मा, विभागाध्यक्ष और संकाय प्रमुख, विधि संकाय, काहिविवि
२५-०३-२०१७ से ३१-०३-२०१७	"पद की राजनीति: सिद्धान्त, साहित्य तथा संस्कृति" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. एन.आर.महन्त, डॉ. प्रवीन कुमार पटेल, डॉ. अमर सिंह,महिला महाविद्यालय, काहिविवि
२७-०३-२०१७ से ०८-०४-२०१७	"एम एस एक्सेल व एसपीएसएस पर" कार्यशाला	प्रो. बी.वी. सिंह, संयोजक, नेपाल अध्ययन केन्द्र, काहिविवि
३०-०३-२०१७ से ३१-०३-२०१७	ग्रामीण व्यवसाय तथा सामाजिक उत्तरदायित्व उत्पन्न करने के लिए विषय पर राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद् के लिए कार्यशाला	प्रो. पी.वी. राजीव, कार्यशाला के समन्वयक, प्रबंध शास्त्र संकाय, काहिविवि

परिशिष्ट -५

वर्ष २०१६-१७ के अन्तर्गत शैक्षणिक विचार गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों की संख्या का विवरण

क्र.सं.	विभाग/संकाय	शिक्षक का नाम	कार्यक्रम का विवरण एवं अवधि
अ. भारत में			
1.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.विनय कुमार श्रीवास्तव	चि.वि.स.का.हि.वि.वि.में २६-२७ मार्च २०१६ के दौरान ''सुश्रुत की संकल्पना अतिसूक्ष्म शल्य चिकित्सा तथा वर्तमान युग में इसका अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' का आयोजन।
2.	आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.ओम प्रकाश सिंह	पोर्ट ब्लेयर, अंडमान तथा निकोबार द्वीप पर २४ -२७ जुलाई २०१६ के दौरान ''भारतीय पर्यटन तथा आतिथ्य काँग्रेस का ९०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
3.	पैथोलॉजि विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. नीरज धमेजा	क्रिश्चियन मेडिकल कालेज, वेलौर मे २२ अगस्त से ०२सितम्बर २०१६ के दौरान '' आणविक निदान पर दूसरा आधारभूत पाठ्यक्रम'' का आयोजन।
4.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव	(१)चि.वि.स.,का.हि.वि.वि. में २६ -२७ मार्च २०१६ के दौरान''सुश्रुत की संकल्पना अतिसूक्ष्म शल्य चिकित्सा तथा वर्तमान युग में इसका अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' का आयोजन। (२) ला मेरिडियन, कोच्ची, केरल में १९-२२ अक्टूबर २०१६ के दौरान भारतीय बाल दंत चिकित्सक समिति तथा निवारक दंत चिकित्सा का ३८वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
5.	सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. विजय कुमार शुक्ला	आई.जी.एम.सी. शिमला में ९-१० जुलाई २०१६ के दौरान ''भारतीय धाव प्रबंधन समिति का १८वां वार्षिक सम्मेलन (डब्लू.ओ.यू.एन.डी.सी.ओ.एन.-२०१६)'' का आयोजन।
6.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. हरख चन्द बरनवाल	कोलकाता में ११-१३ नवम्बर २०१६ के दौरान ''३१वाँ आई.ए.सी.डी.ई. तथा २४ वां आई.ई.एस. राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन''
7.	विकिरण आयुर्विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ सुश्री. शिवी जैन	जयपुर में ५ -८ जनवरी २०१७ के दौरान '' भारतीय रेडियोलॉजिकल तथा इमेजिंग समिति का ७०वां वार्षिक सम्मेलन '' का आयोजन।
8.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. सरिता परीहार	नागपुर में २१ -२३ अक्टूबर २०१६ के दौरान ''४१वां राष्ट्रीय भारतीय पेरियोडोन्टोलॉजी समिति'' का आयोजन।
9.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. आशीष अग्रवाल	गोवा में ३ -६ नवम्बर २०१६ के दौरान ''५१वां भारतीय दंत संशोधन संबधी सम्मेलन तथा ८वां विश्व दंत प्रत्यारोपण सम्मेलन'' का आयोजन।
10.	सूक्ष्म जैविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. रागिनी तिलक	पी.जी.आई.एम.ई.आर. चण्डीगढ़ में २३ -२७ नवम्बर २०१ के दौरान ''माइक्रोकॉन-२०१६'' का आयोजन।
11.	शरीर विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रियंका भगत	ए.आई.आई.एम.एस. पटना में २१-२४ अक्टूबर २०१६ के दौरान ''एपीकॉन – २०१६: भारतीय शरीर क्रिया विज्ञानी तथा भेषज गुण विज्ञानी संघ का ६२वां वार्षिक संम्मेलन का आयोजन''
12.	सूक्ष्म जैविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रद्योत प्रकाश	पी.जी.आई.एम.ई.आर. चण्डीगढ़ में २३ -२७ नवम्बर २०१६ के दौरान ''माईक्रोकॉन २०१६ भारतीय चिकित्सीय सूक्ष्मजीव विज्ञानी (जीवाणुतत्ववेत्त) संघ का वार्षिक सम्मेलन'' का आयोजन।

13.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. एल.डी. मिश्रा	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में २५-२९ नवम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय निश्चेतनाविज्ञानी संघ का ६४ वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन "का आयोजन।
14.	यक्ष्मा और स्वास रोग विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. दीपक कुमार शाह	मुंबई में २४-२७ नवम्बर २०१६ के दौरान "फेफड़े संबंधी रोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन: वक्ष चिकित्सकों (भारत) के राष्ट्रीय विद्यालय तथा भारतीय वक्ष समिति का १८वां संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
15.	नेत्र विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. राजेन्द्र प्रकाश मौर्या	जयपुर में २-४ दिसम्बर २०१६ के दौरान "बाल नेत्र तथा तिर्यक दृष्टि चिकित्सा का अन्तर्महाद्वीपीय परिप्रेक्ष्य" का आयोजन।
16.	विकिरण चिकित्सा और विकिरण अर्युविज्ञान विभाग	प्रो.ललीत एम.अग्रवाल	हैदराबाद में १८ -२० नवम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय चिकित्सीय भौतिक विद संघ का ३७ वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
17.	शरीर विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. कुमार सर्वोत्तम	पटना में २२-२४ अक्टूबर २०१६ के दौरान "एपीकॉन २०१६ भारतीय शरीर क्रिया विज्ञानी तथा भेषज गुण विज्ञानी संघ का ६२वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
18.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो.नीलम मित्तल	कोलकाता में ९ -१३ नवम्बर २०१६ के दौरान "३१वाँ आई.ए.सी.डी.ई. तथा २४ वाँ IES राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
19.	मनोरोग चिकित्सा विभाग	डॉ.पंकज सुरेका	रायपुर में ५-८ जनवरी २०१७ के दौरान "भारतीय मनोचिकित्सक समिति का (ए.एन.सी.आई.पी.एस.२०१७) ६९वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
20.	दन्त चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. रमेश सोनी	मुंबई में १ -४दिसंम्बर २०१६ के दौरान "४४वां आई.पी.एस. सम्मेलन" का आयोजन
21.	सामान्य शल्य चिकित्सा,विज्ञान संस्थान	डॉ.राहुल खन्ना	मैसूर में १४-१८ दिसम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय शल्य चिकित्सक संघ का ७६वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
22.	नेत्र विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.राजेन्द्र प्रकाश मौर्या	हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय कंवेक्शन केन्द्र (एच.आई.सी.सी) में १४-१५ जनवरी २०१७ के दौरान" ऑकुलर ऑन्कोलॉजी, करोल शील्ड के द्वारा मास्टर क्लास का आयोजन।
23.	आयुर्विज्ञान विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.शंखा सुब्रा चक्रवर्ती	ए.आई.आई.एम.एस. नई दिल्ली में २८ -११-२०१६ के दौरान "भारत के अधोमुखी जरण के विक्षिप्तता के अध्ययन के लिए सुसंगत नैदानिक निर्धारण परियोजना के मूल्यांकन हेतु प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम" का आयोजन।
24.	सामान्य शल्य चिकित्सा,विज्ञान संस्थान	डॉ.सीमा खन्ना	मैसूर में १४ -१८ दिसम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय शल्य चिकित्सक संघ का ७६वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एसीकॉन २०१६) का आयोजन।
25.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.निमिशा वर्मा	पोर्ट ब्लेयर, अण्डमान में २१ -२५ अक्टूबर २०१६ के दौरान "५वां आई.सी.एम.पी. दर्द प्रबधंन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
26.	जीव रसायन विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो.डी दास	वेकंटेश्वर विश्वविद्यालय,तिरूपति में ३-७ जनवरी २०१७ के दौरान "१०४वां भारतीय विज्ञान काग्रेस" का आयोजन।

27.	सिद्धांत दर्शन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.रानी सिंह	नेह, शिलांग में २३-२४ फरवरी २०१७ के दौरान "उत्तर भारत में स्वास्थ्य देखभाल "प्रबंधन में आयुष की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन।
28.	रोग विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. विजय तिलक	एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ में १७-२० फरवरी २०१७ के दौरान "१८वां इण्डो-यू.एस प्रवाह सिटोमेट्री कार्यशाला" का आयोजन।
29.	नेत्र विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. दीपक मिश्रा	(१) मुंबई में ७-८ जनवरी २०१७ के दौरान "नेत्र विज्ञान के भारतीय दैनिकी-अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान समिति (आयुष) के द्वारा शोध कार्य प्रणाली पर दो दिवसीय कार्यशाला" का आयोजन किया गया। (२) जयपुर में १६-७ फरवरी २०१७ के दौरान "७५वां प्लेटिनम सम्मेलन" का आयोजन।
30.	रचना शरीर विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.आशुतोष पाठक	शिलांग में २३ -२४ फरवरी २०१७ के दौरान "उत्तर भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में आयुष की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन।
31.	मनोरोग चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.जय सिंह यादव	(१) पटना में १७-१९ फरवरी २०१७ के दौरान "मिर्गी सम्मेलन २०१७ का आयोजन। (२) ए.आई.आई.एम.एस.नई दिल्ली में ६ -८ मार्च २०१७ के दौरान "संज्ञानात्मक व्यवहार अतंःक्षेप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
32.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.मानुशी श्रीवास्तव	जिपमेर, पडुचेरी में १६-२२ फरवरी के दौरान "स्वास्थ्य व्यवसायी अध्यापकों के लिए शैक्षिक विज्ञान पर ७६वां राष्ट्रीय पाठ्यक्रम" का आयोजन।
33.	मनोरोग विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.मोना श्रीवास्तव	जिपमेर, पडुचेरी में १६-२२ फरवरी के दौरान "स्वास्थ्य व्यवसायी अध्यापकों के लिए शैक्षिक विज्ञान पर ७६वां राष्ट्रीय पाठ्यक्रम" का आयोजन।
34.	कृषि अर्थ शास्त्र,कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.विरेन्द्र कमाल वंशी	आई.सी.ए.आर. राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान कटक में १-१० अगस्त २०१६ के दौरान "कृषि प्रौद्योगिकी हेतु प्रभाव मूल्यांकन पर आई.सी.ए.आर. लघु पाठ्यक्रम" का आयोजन।
35.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.मनोज कुमार सिंह	नई दिल्ली में २२ -२६ नवम्बर २०१६ के दौरान " प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण उर्जा तथा शून्य भूख चुनौती की उपलब्धि प्राप्त करने हेतु जीविका सुरक्षा के संधारणीय प्रबंधन हेतु सस्य विज्ञान (कृषि विज्ञान) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन।
36.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. अभीजित सेन	नई दिल्ली में २२-२६ नवम्बर २०१६ के दौरान "प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण उर्जा तथा शून्य भूख चुनौती की उपलब्धि प्राप्त करने हेतु जीविका सुरक्षा के संधारणीय प्रबंधन हेतु सस्य विज्ञान (कृषि विज्ञान) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन।
37.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.जैनेन्द्र कुमार सिंह	नई दिल्ली में २२ -२६ नवम्बर २०१६ के दौरान "प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण उर्जा तथा शून्य भूख चुनौती की उपलब्धि प्राप्त करने हेतु जीविका सुरक्षा के संधारणीय प्रबंधन हेतु सस्य विज्ञान (कृषि विज्ञान) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन।

38.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. यू पी सिंह	नई दिल्ली में २२ -२६ नवम्बर २०१६ के दौरान "प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण उर्जा तथा शून्य भूख चुनौती की उपलब्धि प्राप्त करने हेतु जीविका सुरक्षा के संधारणीय प्रबंधन हेतु सस्य विज्ञान (कृषि विज्ञान) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन।
39.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.रामनरायन मीना	नई दिल्ली में २२ -२६ नवम्बर २०१६ के दौरान "प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण उर्जा तथा शून्य भूख चुनौती की उपलब्धि प्राप्त करने हेतू जीविका सुरक्षा के संधारणीय प्रबंधन हेतु सस्य विज्ञान (कृषि विज्ञान) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन।
40.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.प्रवीन प्रकाश	बेंगलुरू मे ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "फसल शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान में पादप शरीर क्रिया विज्ञान चुनौतियों का राष्ट्रीय सम्मेलन सूक्ष्मतम से पूर्ण पादप तक" का आयोजन।
41.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग,कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.राकेश कुमार सिंह	पोर्ट ब्लेयर में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं जैव विविधता, परिस्थितिकी संधारणीयता तथा जीविका सुरक्षा हेतु संसाधन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
42.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. वन्दना बोस	राँची विश्वविद्यालय, राँची में २१ -२३ अक्टूबर २०१६ के दौरान "अखिल भारतीय वनस्पति विज्ञान समिति का ३९वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा वनस्पति विज्ञा न में नवीन दृष्ट्रिकोण तथा अभिनव चुनौतियां पर राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
43.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. जय प्रकाश श्रीवास्तव	बेंगलुर में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "पादप शरीर क्रिया विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
44.	बीएचयू –विज्ञान केन्द्र, बरकच्छा, मिर्जापुर, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.सुनील कुमार गोयल	हिसार में १६ -१८ फरवरी २०१७ के दौरान "भारतीय कृषि अभियंता समिति (आई.एस.ए.ई.) का ५१ वां वार्षिक समागम तथा संधारणीय तथा जलवायु स्मार्ट कृषि हेतु कृषिगत इंजिनियरी पर राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
45.	प्रसार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.कल्यान घदेई	ग्वालियर में २८-२९ नवम्बर २०१६ के दौरान "आई.एस.ई.ई. राष्ट्रीय संगोष्ठी : संधारणीय विकास एवं गरीबी उन्मूलन हेतु जलवायु स्मार्ट कृषि से संबद्ध सूचना एवं संचार प्रबंधन" का आयोजन।
46.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग,कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. रमेश चंद	एन.ए .एच क्षेत्र, उमियम,मेघालय के लिए आई.सी.ए.आर अनुसंधान संकुल में ९-११ जनवरी २०१७ के दौरान "पादप रोगों के निदान एवं प्रबंधन पर राष्ट्रीय परिसंवाद : एकीकृत दृष्ट्रिकोण तथा अभिनव प्रवृत्तियां" का आयोजन।
47.	कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. ओम प्रकाश सिंह	जोरहाट असम में २१-२३ नवम्बर २०१६ के दौरान "समिति का ७६वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
48.	कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रशान्त कुमार सिंह	जोरहाट असम में २१-२३ नवम्बर २०१६ के दौरान "समिति का ७६वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
49.	शस्य विज्ञान,कृषि विज्ञान सस्थान	प्रो. मनोज कुमार सिंह	उदय पुर में १ -३मार्च २०१७ के दौरान "२०२२ तक किसानों की आमदनी दोगुना करने पर द्विवार्षिक : घास विज्ञान की भूमिका का आयोजन।
50.	प्रसार शिक्षा, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.बसवा प्रभु जिर्ली	बेंगलुरू में २१-२४ फरवरी २०१७ के दौरान "१३वां कृषि विज्ञान कांग्रेस २०१७" का आयोजन।

51.	शस्य विज्ञान,कृषि विज्ञान सस्थान	प्रो. उदय प्रताप सिंह	उदय पुर में १ -३मार्च २०१७ के दौरान "२०२२ तक किसानों की आमदनी दोगुना करने पर द्विवार्षिक : घास विज्ञान की भूमिका का आयोजन।
52.	किट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. सी पी श्रीवास्तव	कुच,बेहर, पश्चिम बंगाल में १७-१९ फरवरी २०१७ के दौरान "जैविक तनाव प्रबंधन कार्यनीतियों : चुनौतियां एवं पर्यावरणीय सौहार्दीकरण पर १२वां राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
53.	किट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ.एम रघु रमन	कुच,बेहर, पश्चिम बंगाल में १७-१९ फरवरी २०१७ के दौरान "जैविक तनाव प्रबंधन कार्यनीतियों : चुनौतियां एवं पर्यावरणीय सौहार्दीकरण पर १२वां राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
54.	प्रसार शिक्षा, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. दीपक डे	(१) यू.ए.एस.वी,जे.के.वी.के परिसर, बेंगलुरू में २१-२४ फरवरी के दौरान "१३वां कृषि विज्ञान कांग्रेस २०१७" का आयोजन। (२) इटानगर में २२-२३ मार्च २०१७ के दौरान "अरूणाचल प्रदेश में मसालों के उत्पादन की क्षमता के उपयोग हेतु रणनीतियों" पर कार्यशाला का आयोजन।
55.	भौतिकी विभाग,विज्ञान संकाय	प्रो. आर एस तिवारी	भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरू में २०-२२ जून २०१६ के दौरान "धातु तथा सामाग्री अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.एम.आर)" का आयोजन।
56.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	भिवानी में २३ -२४ अप्रैल २०१६ के दौरान "वैश्विक चुनौतियां – उनके समाधान में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
57.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. चन्दना हल्दर	मानसगंगोली मैसूर में २-३ जून २०१६ के दौरान "क्रोनोबॉयोलाजी पर राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
58.	रसायन शास्त्र विभाग,विज्ञान संकाय	प्रो. दयाशंकर पाण्डेय	तिरूवन्तपुरम में ३-६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "आर्गनमेटलिक (धातु अवयव रसायनशास्त्र के सीमान्तों पर सम्मेलन
59.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. एस प्रसाद	(१) राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र, मानेसर में १९-२१ अक्टूबर २०१६ के दौरान "भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी का ३४वां वार्षिक बैठक का आयोजन। (२) ए.आई.आई.एम.एस. नई दिल्ली में ९ -११ नवम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय जरण कांग्रेस २०१६ : जराविज्ञान (भारतीय) संघ का १८वां द्विवार्षिक सम्मेलन तथा भारतीय जराचिकित्सा अकादमी का १४वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
60.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. बुद्धदेव पाल	कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में १७-१९ अक्टूबर २०१६ के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी का १९वां अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन तथा नियम स्थल सिद्धांत व गतिशील प्रणालीयों पर परि-संवाद का आयोजन।
61.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. अखिलेश यादव	कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में १७-१९ अक्टूबर २०१६ के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी का १९वां अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन तथा नियम स्थल सिद्धांत व गतिशील प्रणालीयों पर परि-संवाद का आयोजन।

62.	जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ.सुभाष चन्द्र गुप्ता	(१) थ्रिसूर, केरला में ७-८ सितंबर २०१६ के दौरान "फाइटोकेमिस्ट्री तथा मानव कल्याण के लिए प्राकृतिक उत्पादों के अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन। (२) कोचीन, केरल में ९-११ सितबंर २०१६ के दौरान "न्यूट्रास्यूटिकल्स तथा जीर्ण रोगों परप्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन। (३) आई.एस.आई.आर लखनऊ में २० -२१ अक्टूबर २०१६ के दौरान "पर्यावरण प्रदूषण:कारण तथा नियंत्रण" का आयोजन।
63.	वनस्पति विज्ञान,विज्ञान संकाय	प्रो. आर के अस्थाना	(१)त्रिचुरापल्ली में ३०अगस्त से ०१सितम्बर २०१६ के दौरान माइक्रोलगल तथा साईनोबैक्टेरियल जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। (२)पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला में ३-५ नवम्बर २०१६ के दौरान "पादपों तथा कीटाणुओं में आधारभूत तथा अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन
64.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. मंजुला विनायक	गाँधी नगर में ७-८ अक्टूबर २०१६ के दौरान "कैंसर जीव विज्ञान तथा चिकित्सा में वर्तमान अनुसंधान पर राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
65.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ.अरूण कुमार	आई.आई.टी.कानपुर में ५-७ जनवरी २०१७ के दौरान "तर्कशास्त्र तथा इस के अनुप्रयोगों पर भारतीय सम्मेलन (आई.सी.एल.ए.२०१७)" का आयोजन।
66.	रसायन शास्त्र, विज्ञान संकाय	डॉ.विश्वजीत मैती	हैदराबाद में १४-१५ दिसम्बर २०१६ के दौरान "१५वां भारतीय सैद्धान्तिक रसायनशास्त्र परिसंवाद" का आयोजन-भाग लेने हेतु डा. विश्वजीत मैती, १७६६८ सहा. प्रोफेसर, रसायनशास्त्र विभाग विज्ञान संस्थान।
67.	जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ.सुभाष चन्द्र गुप्ता	थ्रिसूर, केरल में ९-११ फरवरी २०१७ के दौरान "भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ का ३६वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन।
68.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ.कनाईलाल महतो	मद्रास विश्वविद्यालय,चेन्नई में २१-२५ मार्च २०१७ के दौरान,"२०वां रामानुजन परिसंवाद :फोरियर विश्लेषण तथा तरंगिकाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
69.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. सुरेन्द्र कुमार त्रिगुण	(१)मुंबई में ९-१२ जनवरी २०१७ के दौरान "स्वास्थ्य में विकिरण तथा रेडोक्स प्रक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला के साथ १५वां वार्षिक तथा 'रेडियेशन, एंटीऑक्सीडेन्ट्स तथा न्यूट्रास्यूटिकल्स का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य प्रबंधन का आधारभूत तथा अनुप्रयुक्त पक्ष पर एक सम्मेलन का आयोजन। (२)हल्दिया में १९-२२ जनवरी २०१७ को न्यूराकॉन -२०१७ का आयोजन।
70.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ.आशीष पाठक	मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में २१ -२५ मार्च २०१७ के दौरान "फोरियर विश्लेषण तथा तरंगिकाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।

71.	जैव रसायन विभाग,विज्ञान संकाय	डॉ. सुभाष चन्द्र गुप्ता	लखनऊ में २३-२५ जनवरी २०१७ के दौरान "स्वतंत्र मौलिक जीव विज्ञान तथा काय चिकित्सा में जैव प्रौद्योगिकी उन्नतियों पर प्रथम भारत-रूस बैठक तथा द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
72.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. संदीप कुमार	बंगलूरू में ६-८मई २०१६ के दौरान "अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान के भारतीय अकादमी का ५१वां राष्ट्रीय तथा २०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
73.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. घनश्याम	सी.एस.डी.सी. नई दिल्ली में २८-२९ मार्च २०१६ के दौरान "बिकमिगं इनडेन्टर्ड सम्मेलन" का आयोजन।
74.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. ए.गंगाथरन	जबलपुर में २४-२६ अप्रैल २०१६ के दौरान "एन.सी.सी.आई.वार्षिक नि:शक्तता सम्मेलन का २८वां चतुर्वर्षीय सभा" का आयोजन।
75.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. इन्द्रमणी लाल सिंह	बंगलूरू में ६-८मई २०१६ के दौरान "अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान के भारतीय अकादमी का ५१वां राष्ट्रीय तथा २०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
76.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. त्रयम्बक तिवारी	बंगलूरू में ६-८मई २०१६ के दौरान "अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान के भारतीय अकादमी का ५१वां राष्ट्रीय तथा २०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
77.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. उर्मिला रानी श्रीवास्तव	एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ में २०-२१ अक्टूबर २०१६ के दौरान "मानव व्यवहार तथा विकास के मुद्दो पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
78.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.चितरंजन दास अधिकारी	तेजपुर विश्वविद्यालय में दिनांक २७-३० दिसम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय समाजशास्त्रीय समिति:भारत के समाज शास्त्री परम्परा पर पुनर्विचार हेतु ४२वां अखिलभारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
79.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.मनोज कुमार वर्मा	तेजपुर विश्वविद्यालय में दिनांक २७-३० दिसम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय समाजशास्त्रीय समिति:भारत के समाज शास्त्री परम्परा पर पुनर्विचार हेतु ४२वां अखिलभारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
80.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.विरेन्द्र ब्यादवाल	(१)चण्डीगढ़ में २८-३० सितम्बर २०१६ के दौरान "तीसरा अंतर्राष्ट्रीय तथा ५वां भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन। (२) जोधपुर में १५ -१७ अक्टूबर २०१६ के दौरान " वर्तमान शैक्षिक दृष्ट्रिकोण परिप्र`क्ष्य रणनीतियां एवं अतं:क्षेप पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
81.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.तुषार सिंह	(१भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधी नगर में ३-५अक्टूबर २०१६ के दौरान "मानव व्यवहार तथा विकास के मुद्दों पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

82.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.ए.गंगाथरन	चेन्नई में ०७ अक्टूबर २०१६ को ''पाशंसक-विद्या में २सप्ताह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम'' का आयोजन।
83.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.दिनेश कुमार सिंह	तेजपुर विश्वविद्यालय में २७-३० दिसम्बर २०१६ के दौरान ''भारत के समाज शास्त्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
84.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. पूर्णिमा अवस्थी	एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ में २० -२१ अक्टूबर २०१६ के दौरान ''मानव व्यवहार तथा विकास के मुद्दे संवृद्धि तथा संधारणीय पर तीसरें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
85.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. रामनरायन त्रिपाठी	तेजपुर विश्वविद्यालय में २७-३० दिसम्बर २०१६ के दौरान ''भारत के समाज शास्त्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
86.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. त्रयंबक तिवारी	एस.वी विश्वविद्यालय तिरूपति में ३-७ जनवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय विज्ञान कांग्रेस का १०४वां अधिवेशन'' का आयोजन।
87.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.अजय कुमार रंजन	कोयंबटूर में २७-२९ जनवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय नैदानिक मनोचिकित्सक संघ का ४३वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन'' का आयोजन।
88.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.पूर्णिमा अवस्थी	सभागार में २८ -२९ नवम्बर २०१६ के दौरान ''सामाजिक मनोविज्ञान के सामाजिक सरोकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' का आयोजन।
89.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. ए. गंगाथरन	केरल विश्वविद्यालय विरूवअनन्तपुरम में २८३० दिसम्बर २०१६ के दौरान ''भारतीय इतिहास कांग्रेस का ७७वां अधिवेशन'' का आयोजन।
90.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. ए. गंगाथरन	नई दिल्ली में २२ -२३ मार्च २०१७ के दौरान ''नि:शक्ता तथा उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' का आयोजन।
91.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.तबीर कलाम	अलीगढ़ मुस्लीम विश्वविद्यालय अलीगढ़ में २०-२१ मार्च २०१७ के दौरान ''मध्यकालीन भारत (१२०६-१७०७) में केन्द्र, प्रांत तथा क्षेत्रीय राज्यों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' का आयोजन।
92.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.संदीप कुमार	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में २३ -२५ फरवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
93.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.त्रयंबक तिवारी	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में २३ -२५ फरवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
94.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. इन्द्रमणि लाल सिंह	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में २३ -२५ फरवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
95.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ.विरेन्द्र ब्यादवाल	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में २३ -२५ फरवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।
96.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. रमाशंकर यादव	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में २३ -२५ फरवरी २०१७ के दौरान ''भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन।

97.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. पूर्णिमा अवस्थी	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर मे ं २३-२५ फरवरी २०१७ के दौरान "भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान अकादमी का ५२वां राष्ट्रीय तथा २१वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
98.	संस्कृत विभाग, कला संकाय	प्रो. उमेश प्रसाद सिंह	उत्तराखण्ड संस्कृ त विश्वविद्यालय हरिद्वार में १२ -१४ नवम्बर २०१६ के दौरान "४८वां अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन" का आयोजन हुआ। प्रोफेसर उमेश प्रसाद सिंह,११८७५, संस्कृत विभाग,कला संकाय ने इसमें भाग लिया।
99.	संस्कृत विभाग, कला संकाय	प्रो. पार्न दत्त सिंह	उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में १२ -१४ नवम्बर २०१६ के दौरान "४८वां अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन" का आयोजन।
100.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृत तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ.शीतल राना	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में २१ -२३ अक्टूबर २०१६ के दौरान "भारतीय बौद्ध अध्ययन समिति का १६वां वार्षिक सम्मेलन" का अयोजन।
101.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृत तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो.उषा रानी तिवारी	डेक्कन कालेज मानित विश्वविद्यालय, पूर्ण में ९३ दिसम्बर २०१६ के दौरान "बौद्ध तथा जैन कला पर राष्ट्रीय सम्मेलन:सीमाचिहन, दार्शनिक पृष्ठभूमि व सामाजीक योगदान, और भारतीय कला इतिहास कांग्रेस का २५वां अधिवेशन" का आयोजन।
102.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृत तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ.मीनाक्षी सिंह	लोनावाला, पुणे में ५ -७ नवम्बर २०१६ के दौरान "भारतीय मुद्राशास्त्र समिति का ९९वां वार्षिक सम्मेलन" का आयोजन।
103.	दर्शनशास्त्र एव धर्म विभाग, कला संकाय	डॉ.श्रुति मिश्रा	हरिद्वार में १२-१४ नवम्बर २०१६ के दौरान "अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन" का आयोजन।
104.	इतिहास विभाग, कला संकाय	डॉ.स्यजु पीजे	चेन्नई में ६-७जनवरी २०१७ के दौरान "वर्तमान भारतीय कला में पर्यावरणीय अनुकरण, कला में समन्वेषण, वास्तुकला, सक्रियता व सामुदायिक कार्यव्यस्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन।
105.	जीवविज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.सुनीता सिंह	नई दिल्ली में ८-१० अप्रैल २०१६ के दौरान " एशियाईनैदानिक ऑन्कोलॉजी (अर्बुदविज्ञान) समिति का १२वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा भारतीय कैसंर अनुसंधान संघ का ३५वां वार्षिक समागम" का आयोजन।
106.	रसायन विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.शैलजा एस. सुनकरी	भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, मुंबई में १६२१ मई २०१६ के दौरान "आणविक चुम्बकी में आधुनिक प्रवृत्तियां समन्वय संकुल के इलेक्ट्रानिक संरचान पर कार्यशाला" का आयोजन।
107.	दर्शनशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.जय सिंह	लखनऊ में १५-१६ अप्रैल २०१६ के दौरान " धार्मिक सहिष्णुता पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन।
108.	भूगोल विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.सीमा तिवारी	दिल्ली विश्वविद्यालय में १८ -२० मार्च २०१६ के दौरान "९वां अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ सम्मेलन–भूमि उपयोग परिवर्तन, जलवायु की चरम सीमाएं तथा आपदा जोखिम में कमी" का आयोजन।
109.	भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. हृदेश मिश्रा	कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल में २७-२९ मार्च २०१६ के दौरान "उर्जा, प्रकार्यात्मक सामाग्रीयों तथा नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय" सम्मेलन।
110.	जीवविज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.रश्मि सिंह	कोचीन, केरल में ९-११ सितम्बर २०१६ के दौरान "न्यूट्रास्यूटिकल्स तथा जीर्ण रोगों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।

111.	महिला महाविद्यालय	डॉ.गौतम गीता जीवतराम	मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर में ८९ अगस्त २०१६ के दौरान "विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी : भावी चुनौतियां तथा समाधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
112.	गणितीय विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.प्रवती साहू	जयपुर में २२-२६ अगस्त २०१६ के दौरान "सीमित या असीमित आयामी कॉम्पलेक्स विश्लेषण तथा अनुप्रयोग पर २४वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
113.	भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.नीलम श्रीवास्तव	भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान पटन में २७ -३० नवम्बर २०१६ के दौरान "सॉलिड स्टेट ऑयनिक्स पर १५वां एशियन सम्मेलन" का आयोजन।
114.	दर्शनशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.जय सिंह	(१) पटना में १०-१२ सितम्बर २०१६ के दौरान "अखिल भारतीय दर्शनशास्त्र संघ का ६१वां सम्मेलन" का आयोजन। (२) गोकुल, मथुरा में १८ -२० नवम्बर २०१६ के दौरान " रहस्यवाद पर संगोष्ठी : इसकी समसामयिक प्रासंगिकता" का आयोजन।
115.	महिला महाविद्यालय	प्रो. अरूण के सिंह	नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय पटना में १८ -२० नवम्बर २०१६ के दौरान "जल संसाधन के बदलते आयाम : मानव जाति के समक्ष एक चुनौती पर ६वां अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
116.	भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. अभिजीत कुमार गांगुली	दिल्ली विश्वविद्यालय में १२-१६दिसम्बर २०१६ के दौरान "२२वां डी.ए.ई.-वी.आर.एन.एस. उच्च उर्जा भौतिकी परिसंवाद" का आयोजन।
117.	संगणक विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. रतनेश्वर	मुंबई में २६ -०८-२०१६ को "वी.आर.एन.एस. को परियोजना प्रस्ताव की प्रस्तुति दी गयी।"
118.	बंगाली विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.उत्तम गीरी	डब्लू.ई.ए. करोल बाग, नई दिल्ली में ११दिसम्बर २०१६ को "महाश्वेता देवी :एक साहित्यिक व्यक्तित्व पर संगोष्ठी" का आयोजन
119.	वनस्पति विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.पुष्प लता	मैसूर में २१ -२४ नवम्बर २०१६ के दौरान "जैविक रसायनज्ञ समिति की ८५ वी वार्षिक बैठक" का आयोजन।
120.	महिला महाविद्यालय	डॉ.सुनील कुमार कुश्वाहा	कोच्ची में ९ -१५ जनवरी २०१७ के दौरान "राष्ट्रीय कला पर्व (कलाकारों का शिविर)" का आयोजन।
121.	दर्शनशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय	प्रों. ज्योत्सना श्रीवास्तव	राँची में ३ -५ फरवरी के दौरान "१०वां राष्ट्रीय सम्मेलन:भारतीय महिला दार्शनिक परिषद" का आयोजन।
122.	महिला महाविद्यालय	प्रो. के एन तिवारी	सी.एस.आई.आर. भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कोलकाता में ३ -५ मार्च २०१७ के दौरान"पादप जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय परिसंवाद :औषधीय (भैषजीय) तथा फसल पौधों पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य।
123.	महिला महाविद्यालय	डॉ.गौतम गीता जीवतराम	अंतरविषयक प्राण विज्ञान विद्यालय का.हि.वि.वि. में ०१ -०७मार्च २०१७ के दौरान "माँ तथा नवजात की देख भाल : मुद्दे तथा चुनौतियों" पर कार्यशाला का आयोजन।
124.	जीवविज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.उषा कुमारी	का.हि.वि.वि. में १४-१६ फरवरी २०१७ के दौरान "रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान में कर्बोहाइड्रेट के नवीन अनुप्रयोगों पर भारतीय-जर्मन कार्यशाला" का आयोजन।

125.	महिला महाविद्यालय	प्रों. अरूण कुमार सिंह	बनस्थली विद्यापीठ टोंक राजस्थान में १८-२० मार्च २०१७ के दौरान " संधारणीय भूमि संसाधन विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा ३८वां भारतीय भूगोलवेत्ता बैठक २०१७" का आयोजन।
126.	वाणिज्य विभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ.व्रिजेश पी सिंह	पोर्ट ब्लेयर, अण्डमान व निकोबार द्वीप पर २४-२७ जुलाई २०१६ के दौरान "भारतीय पर्यटन तथा आतिथ्य कांग्रेस (आई.एच.टी.सी.) का १०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
127.	वाणिज्य विभाग, महिला महाविद्यालय	प्रों प्रशान्त कुमार	बंगलोर विश्वविद्यालय में १६-१७ दिसम्बर २०१६ के दौरान "३९वां अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन तथा लेखा शिक्षा व शोध पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन।
128.	साहित्य विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	डॉ.शान्ती लाल शाल्वी	उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में १२-१४ नवम्बर २०१६ के दौरान "अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन (४८वां अधिवेशन)" का आयोजन।
129.	वैदिक दर्शन विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	डॉ.शशी कान्त द्विवेदी	उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में १२-१४ नवम्बर २०१६ के दौरान "अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन (४८वां अधिवेशन)" का आयोजन।

क्र.सं.	विभाग/संकाय	शिक्षक का नाम	कार्यक्रम का विवरण एवं अवधि
ब. विदेश में			
१.	बाल चिकित्सा विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो.अशोक कुमार	बाल्टीमोर, सयुक्त राज्य अमेरिका में ३० अप्रैल से ०३मई, २०१६ के दौरान "बाल चिकित्सा शैक्षिक समितियों (पी.ए.एस) २०१६ की बैठक का आयोजन।
२.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. अल्का अग्रवाल	साउथ हैम्पटन, यू.के. में १९ -२० मई २०१६ के दौरान "न्यूरो निश्चेतना तथा ग्रेट ब्रिटेन व आयरलैंड की गंभीर देखभाल समिति (एन.ए.सी.सी.एस.जी.बी.आई.) का ५१ वीं वार्षिक सम्मेलन" के आयोजन में प्रोफेसर एल.डी.मिश्रा ने भाग लिया।
३.	आणविक जीव विज्ञान इकाई चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.सुनील कुमार सिंह	कोल्बी-स्वेयर कालेज,न्यू लंदन, एन एच यू.एस.ए.में १९-२४ जून २०१६ के दौरान "गोर्डन अनुसंधान सम्मेलन – (सी.एन.एस. के अवरोध)" का आयोजन।
४.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.हरि शंकर	लन्दन, यू के में २३-२४ के दौरान "स्वास्थ्य पर १८वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
५.	हडड्ी रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रों घनश्याम नरायन खरें	ऑकलैण्ड मैरियट सिटी सेन्टर, कैलीफोर्निया,यू.एस.ए. में १३ - १७ जून २०१६ के दौरान" अमेरिका नैदानिक शरीर रचना विज्ञानी संघ का ३३वां वार्षिक बैठक" का आयोजन।
६.	हडड्ी रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.संजय यादव	(१)सिंगापुर में १६ -२० मई २०१६ के दौरान "१६अंतर्राष्ट्रीय मेरूदण्ड समितियों का सम्मेलन तथा संयुक्त बैठक (स्पाईनवीक-२०१६)" का अयोजन।
७.	कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.संजय कुमार	(१) वाशिंगटन, डी.सी.यू एस ए में २७ -३० अप्रैल २०१६ के दौरान "आई.एस.एच.एल.टी. ३६वां वार्षिक बैठन तथा वैज्ञानिक अधिवेशन" का आयाजन। (२) मॉन्ट्रियल,क्यूबेक,कनाडा में १५-१८ जून २०१६ के दौरान " न्यूनतम इनेवेसिव कार्डियोथेरेसिस सर्जरी हेतु अंतर्राष्ट्रीय समीति की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक"
८.	हडड्ी रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. श्याम कुमार सर्राफ	रोम इटली में ८-१० सितम्बर २०१६ के दौरान "३७वां सिकॉट ओर्थपेडिक विश्व कांग्रेस" का आयोजन।
९.	बाल चिकित्सा विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. ओ.पी. मिश्रा	इगाऊकु,ब्राजील में २०-२४सितम्बर २०१६ के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा नेफ्रोलोजी संघ का १७वां कांग्रेस का आयोजन।

१०.	विकिरण निदान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.आशीष वर्मा	शिकागों, यू एस ए में २७ नवम्बर से ०२दिसम्बर २०१६ के दौरान "१०२वां वैज्ञानिक सभा तथा वार्षिक बैठक" का आयोजन।
११.	विकिरण चिकित्सा और आयुर्विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.सुनील चौधरी	सिओल, कोरिया में १६ -१७ जून २०१६ के दौरान "कोरियन कैसंर संघ की ४२वीं वार्षिक बैठक" का आयोजन।
१२.	सामान्य शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. विजय कुमार शुक्ला	(१) कोटा कीनाबालु, सबह, मलोशिया में १९-२१ अगस्त २०१६ के दौरान "उत्तर बोर्निआ घाव सम्मेलन" का आयोजन। (२) फ्लोरेंस,ईटली में २५-२९ सितम्बर २०१६ के दौरान "५वां कांग्रेस:घाव उपचार समिति का विश्व संघ (डब्लू.यू.डब्लू.एच.एस.) २०१६" का आयोजन।
१३.	स्वास्थ्यवृत्ता और योग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. सुश्री नीरू नथानी	सेंट डेनिस, रियूनियन द्वीप पर २३ -२७ जून २०१६ के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०१६ के समारोह के दौरान आयुष (मंडली) के सदस्य के रूप में चयन हेतु भ्रमण" का आयोजन।
१४.	बाल चिकित्सा विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.सुश्री विनीता गुप्ता	डबलिन, आयरलैण्ड में १९ -२२ अक्टूबर २०१६ के दौरान " अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी समिति का ४८वां कांग्रेस का आयोजन।
१५.	नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.राजेन्द्र प्रकाश मौर्या	सिंगापुर में ३ -६ नवम्बर २०१६ के दौरान "एन यू एच आई अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस २०१६:१२ आई एस ओ टी तथा ३ए पी ओ टी एस बैठक" का अयोजन।
१६.	क्रिया शरीर विभाग,आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.किशारे पटर्वधन	कोबलेन्ज, जर्मनी में १५-१७ अक्टूबर २०१६ के दौरान "द्वितीय यूरोपीयन विश्व आयुर्वेद कांग्रेस" का आयोजन।
१७.	नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ.राकेश कुमार जायसवाल	कोलंबो, श्रीलंका में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "आयुर्वेद,यूनानी सिद्ध तथा पारम्परिक औषधि २०१६ पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
१८.	शल्य तंत्र, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. ए के द्विवेदी	कोलंबो, श्रीलंका में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "आयुर्वेद,यूनानी सिद्ध तथा पारम्परिक औषधि २०१६ पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
१९.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. मानुषी श्रीवास्तव	बैंकाक,थाइलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन) :स्वास्थ्य रक्षा परिदान हेतु अतिरिक्त साधन" का आयोजन।
२०.	शल्य तंत्र, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. कुलदीप कुमार	(१) बैंकाक,थाईलैण्ड में १४ -१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन) " का आयोजन। (२) कोलंबो विश्वविद्यालय श्रीलंका में ८ -१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "आयुर्वेद,यूनानी, सिद्ध तथा पारम्परिक औषधि २०१६ पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
२१.	सामान्य शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. विजय कुमार शुक्ला	चीन के प्रांत में १०-११ सितम्बर २०१६ के दौरान "चीनी उतक मरम्मत समिति का १० वां कांग्रेस (सम्मेलन)" का आयोजन।

२२.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. एल.डी. मिश्रा	हांग कांग में २८ अगस्त से २सितम्बर २०१६के दौरान "एनोस्थियॉलॉजिस्ट की १६वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन)" का आयोजन।
२३.	हडड्ी रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. अनील कुमार राय	मंडलयोंग शहर, फिलीपिन्स में १६-१९ नवम्बर २०१६ के दौरान "फिलिपिन ओर्थपेडिक संघ का वार्षिक कांग्रेस (सम्मेलन)" का आयोजन।
२४.	सामुदायिक चिकित्सा विभा ग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. एस.पी. सिंह	बैंकाक,थाइलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन) :स्वास्थ्य रक्षा परिदान हेतु अतिरिक्त साधन" का आयोजन।
२५.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. रतन कुमार श्रीवास्तव	बैंकाक,थाइलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन) :स्वास्थ्य रक्षा परिदान हेतु अतिरिक्त साधन" का आयोजन।
२६.	कायचिकित्सा विभाग,आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. ओम प्रकाश सिंह	राजशाही विश्वविद्यालय, बंग्लादेश में १७ -१८ दिसम्बर के दौरान "जनसंख्या,स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा संधारणीय विकास : मुद्दे तथा चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
२७.	शल्य तंत्र, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. एम. शाहू	(१) कोलंबो विश्वविद्यालय, राजागिरीया, श्रीलंका में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान "आयुर्वेद,यूनानी सिद्ध तथा पारम्परिक औषधि -२०१६पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन। (२) बैंकाक, थाइलैण्ड, में १४ -१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण कृषि, सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए मानव खाद्य तथा पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन) का आयोजन।
२८.	प्रसार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. दीपके डे	लेटेस्टर, यू के में २७-३१ जुलाई २०१६ के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय माध्यम एवं संचार अनुसंधान संघ का सम्मेलन" का अयोजन।
२९.	कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव	(१) आरेंज काउंटी समागम केन्द्र, ऑरलैण्डो, फ्लोरिडा, यू एस ए में २५-३० सितम्बर २०१६ के दौरान "कीट विज्ञान का १५वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (सम्मेलन)" का आयोजन। (२) ०३-०७ अक्टूबर २०१६ के दौरान कीट विज्ञान विभाग पर्ड्यू विश्वविद्यालय वेस्ट, लाफियेट, इंडियाना स्टेट, यू एस ए का भ्रमण।
३०.	सस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. जे एस बोहरा	(१) कुरूमे, फुकुका, जापान में ०५-०७ अगस्त के दौरान "२०१६ अंतर्राष्ट्रीय मंच -कृषि, जीव विज्ञान तथा प्राण विज्ञान" का आयोजन। (२) कुआलालमपुर, मलेशिया में २३-२५ अगस्त २०१६ के दौरान "कृषि तथा खाद्य ईजिनियरी पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
३१.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. पद्‌मनाभ द्विवेदी	ग्रेनेडा, स्पेन में १४-१६ सितम्बर २०१६ के दौरान "छठां पादप निट्रिक ऑक्साइड अंतर्राष्ट्रीय बैठक" का आयोजन।
३२.	मृदा और कृषि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. अभिताव रक्षित	कार्ल्टन पैलेस होटल, दुबई में १०-११ अगस्त २०१६ के दौरान "ए सी एस सी वार्षिक सम्मेलन २०१६" का अयोजन।
३३.	मृदा और कृषि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. अमलन कुमार घोष	सिडनी विश्वविद्यालय में ४-१९ नवम्बर २०१६ के दौरान "डिजिटल कृषि हेतु खाद्य तथा मृदा सुरक्षा : प्रशिक्षण कृषि व्यापार भागीदार (भारत)"का आयोजन।

३४.	खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. अभिषेक कुमार त्रिपाठी	(१) बैंकांक थाईलैण्ड में ८-१० दिसम्बर २०१६ के दौरान " जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव अभियांत्रिकी २०१६ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तटीय जैव प्रौद्योगिकी व समुद्री जैव अभियांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन। (२) बैंकाक थाईलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व कांग्रेस (सम्मेलन)" का आयोजन।
३५.	आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. विनोद कुमार मिश्रा	कलोरो, नरोजो केन्या में ७-१४ अक्टूबर २०१६ के दौरान "सी.आई.एम.एम.वाई.टी के वैश्विक गेहूँ कार्यक्रम का यूजी ९९ अस्वस्थ तने के जाँच की सुविधा का भ्रमण"का आयोजन।
३६.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. रमेश चंद	कलोरो, नरोजो केन्या में ७-१४ अक्टूबर २०१६ के दौरान "सी.आई.एम.एम.वाई.टी के वैश्विक गेहूँ कार्यक्रम का यूजी९९ अस्वस्थ तने के जाँच की सुविधा का भ्रमण"का आयोजन।
३७.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. नरेश कुमार सिंह	कोरिया गणराज्य में १३ -१४ अक्टूबर २०१६ के दौरान," अंतर्राष्ट्रीय पशु जीवन विज्ञान के स्मारक तथा आई.सी.टी. प्रौद्योगिकी के अभिसरण शीर्षक के अंतर्गत २०१६ अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद" का आयोजन।
३८.	आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो.पी.के. सिंह	काठमांडु, नेपाल में २४-२५ अक्टूबर २०१६ के दौरान "नेपाल तथा कम्बोडिया के छोटे किसानों के द्वारा परिवर्तन रोधी चावल की किस्मों के अभिग्रहण में तेजी लाने के लिए कार्यशाला" का आयोजन।
३९.	आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो.पी.के. सिंह	कम्बोडिया में २५ दिसम्बर २०१६ से ०१ जनवरी २०१७ के दौरान "आई.आर.आर.आई -स्ट्रास परियोजना के अंतर्गत गुणवत्ता चावल बीज उत्पादन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पर चर्चा तथा योजना हेतु आई.आर.आर.आई कम्बोडिया का भ्रमण।
४०.	आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. गोपेश्वर नारायन	बर्मिंघम,यू के में ८-१० अगस्त २०१६ के दौरान "१३वां वैश्विक मधुमेह सम्मेलन तथा मेडीकेयर एक्सपो (मधुमेह वैश्विक २०१६)" का अयोजन।
४१.	पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, विज्ञान संकाय	डॉ. कृपा राम	वियाना,आस्ट्रिया में १७-२२ अप्रैल २०१६ के दौरान, "यूरोपिन भूभौतिकी संघ सामान्य सभा २०१६" का अयोजन।
४२.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो.जगत कुमार राय	ओरलैण्डो वर्ल्ड सेन्टर मैरियट ओरलैण्डो,फ्लोरिडा, यू.एस.ए. में १३-१७ जुलाई के दौरान "५७वां वार्षिक ड्रोसोफिल अनुसंधान " का आयोजन।
४३.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. संजय कुमार	लियोन,फ्रॉंस में १८-२२ जुलाई २०१६ के दौरान "सांख्यिकीय भौतिक विज्ञान पर विशुद्र तथा अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय संघ का २६वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
४४.	जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. सुषमा राठौर	कुरूमें, फमुअका, जापान के ०५ -०७ अगस्त २०१६ के दौरान "२०१६ अंतर्राष्ट्रीय मंच-कृषि,जीव विज्ञान तथा प्राणी विज्ञान" का अयोजन।
४५.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. अमिताभ कृष्णा	डरबन, दक्षिण अफ्रीका में ३१जुलाई से ०५ अगस्त के दौरान "२०१६ में १७वां अंतर्राष्ट्रीय चमगादड़ अनुसंधान सम्मेलन" का आयोजन।

४६.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. मुकुट मनी त्रिपाठी	फेज,मोरक्को में ११-१५ अप्रैल २०१६ के दौरान "अंतर ज्यामिति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन २०१६ का आयोजन।
४७.	भूगोल विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. एम.बी. सिंह	सपोरो,कोक्कैडो,जापान में ११ -१४ सितम्बर २०१६ के दौरान "भूगोल पर जापान –कोरिया का ११वां संयुक्त सम्मेलन" तथा "भूगोल पर द्वितीय एशियाई सम्मेलन" का अयोजन।
४८.	पर्यावरण एव ं धारणीय विकास संस्थान, विज्ञान संकाय	डॉ.त्रिथंकर बनर्जी	बर्लिन,जर्मनी में २७ -२८अक्टूबर २०१६ के दौरान "नवीन (ग्रीन)प्रतिभा पूर्व छात्र सम्मेलन" का अयोजन।
४९.	आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रों मौसमी मुस्तसुद्दी	बार्सीलोना, स्पेन में ०७ -०८ नवम्बर २०१६ के दौरान "मानव आनुवंशिकी पर विश्व सम्मेलन (कांग्रेस)" का अयोजन।
५०.	पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, विज्ञान संकाय	प्रो. कविता शाह	लॉस वेगास, यू एस ए में १९-२१ सितम्बर २०१६ के दौरान "ग्रीन रसायन शास्त्र के पूर्व के वर्तमान के अनुसंधान प्रणाली पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का अयोजन।
५१.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. भवानी प्रसाद मण्डल	(१) परमाणु भौतिकी अनुसंधान केन्द्र, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान में ०३अगस्त से ०५ अगस्त २०१६ के दौरान "रंजोनेन्स तथा नॉन-हरमिटियन क्वान्टम मेकेनिक्स २०१६" का अयोजन। (२) सैद्धान्तिक भौतिकी के चुकावा संस्थानख क्योटो विश्वविद्यालय, जापान में ८-१२ अगस्त २०१६ के दौरान "पी.एच.एच.क्यू.पी.१६:नॉन हरामिटियन ऑपरेटर के साथ क्वान्टम भौतिकी में प्रगति" का आयोजन।
५२.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. (सुश्री) मधु जी टपाड़िया	ऑरलैण्डो,फ्लोरिडा, यू.एस.ए.में १३-१७ जुलाई २०१६ के दौरान "सम्बद्ध आनुवंशिकी सम्मेलन २०१६" का आयोजन।
५३.	वनस्पति विज्ञान, विज्ञान संकाय	डॉ. योगेश मिश्रा	मास्ट्रिख्ट,नीदरलैण्ड में ७-१२ अगस्त २०१६ के दौरान "प्रकाश संश्लेषण पर १७ वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (कांग्रेस)" का आयोजन।
५४.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. (सुश्री) नीलकमल रस्तोगी	एक्सेटर विश्वविद्यालय, यू.के में २८जुलाई से ०३अगस्त २०१६के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय व्यवहारिक पारिस्थितिकी समिति के ३०वां स्थापना दिवस पर इसके १६वें सम्मेलन" का आयोजन।
५५.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. (सुश्री) स्वाती मित्तल	बैंकाक, थाईलैण्ड में ३ -७ अगस्त २०१६ के दौरान "११वें एशियाई मत्स्य पालन तथा एक्वाकल्चर मंच " का आयोजन।
५६.	भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव	बीजिगं,चीन में १८-२० अगस्त के दौरान "७वां अन्तर्राष्ट्रीय डाइक सम्मेलन" का आयोजन।
५७.	वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	डा॑. (सुश्री) सुप्रिया तिवारी	बर्लिन, जर्मनी में २६ -२९ अक्टूबर २०१६ के दौरान, "नवीन (ग्रीक) प्रतिभाओं का पूर्व छात्र सम्मेलन/संधारणीय विकास में उच्च क्षमता हेतु अंतर्राष्ट्रीय मंच" का आयोजन।
५८.	भूभौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. संदीप	२९अगस्त से ३०दिसम्बर २०१६ तक "अब्दुस सलाम अंतर्राष्ट्रीय सैद्धान्तिक भौतिक केन्द्र तथा यूरोपियन भूकंप आयोग 'पाठ्य पुस्तकों से परे भूकंप विज्ञान'पर एक उन्नत स्कुल का अयोजन करेंगे।
५९.	पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. गोपाल शंकर सिंह	बॉन जर्मनी में १५ -१९ अगस्त २०१६ तक जैवविविधता तथा पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं पर अंतर सरकारी विज्ञान -नीति प्लेटफार्म के विशेषज्ञ के रूप में दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञ पैनल जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के वैश्विक मूल्यांकन हेतु लेखकों के बैठक का नेतृत्व करेंगे।

६०.	संगणक विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	प्रो. रामअधार सिंह	चीन में १८ -२० नवम्बर २०१६ के दौरान "फैराडे विमर्श : समुच्चय-प्रेरित वर्धित ग्रीन लाइट उत्सर्जन" का अयोजन।
६१.	संगणक विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. विवेक सिंह	मेक्सिको में ३ -४ नवम्बर २०१६ के दौरान "भाषा तथा ज्ञान अंभियांत्रिकी पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन।२३ -२९ अक्टूबर २०१६ के दौरान टोक्यो समुद्र विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी" के प्रयोगशाला के भ्रमण का आयोजन।
६२.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. (सुश्री) राधा चौबे	६-२० अक्टूबर २०१६,१५ दिनों के लिए डा. एलेक्सीस फोस्टीयर, मत्स्य फिजियोलॉजी की प्रयोगशाला तथा जेनोमिक्स प्रयोगशाला, आई.एन.आर.ए. रेनीस,फ्रॉंस का भ्रमण।
६३.	भूगोल विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	२३-२९ अक्टबर २०१६ के दौरान टोक्यो समुद्र विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय (टी.यू.एम.एस.ए.टी.)" के प्रयोगशाला का भ्रमण।
६४.	पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. गोपाल शंकर सिंह	बुडापेस्ट, हंगरी में २९मार्च से ०२ अप्रैल २०१७ के दौरान "एन.एम-आई.पी.बी.ई.एस. तथा पारिस्थितिकी अनुसंधान हंगरीयन विज्ञान अकादमी केन्द्र की बैठक /देशज तथा स्थानीय ज्ञान एवं व्यवहारों को समर्पित जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का वैश्विक मूल्यांकन हेतु कार्यशाला'८ का आयोजन।
६५.	भूगोल विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. सर्फराज आलम	ढाका, बंग्ला देश में ४-६ मार्च २०१७ के दौरान "संधारणीय जल पर विशेष केन्द्रण के साथ जल तथा बाढ़ प्रबंधन पर ६वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
६६.	गणित विभाग, विज्ञान संकाय	डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	टोक्यो, जापान में ७-१७ मार्च २०१७ के दौरान "टोक्यो समुद्र विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रयोगशाला का भ्रमण तथा सहयोगी कार्य का आयोजन।
६७.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. शबाना बानो	(१)योकोहम, जापान में २४ -२९ जुलाई २०१६ के दौरान "मनोविज्ञान २०१६ का ३१वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (सम्मेलन)" का अयोजन। (२) नागोया विश्विद्यालय, नागोया, जापान में ३०जुलाई से ०३ अगस्त,२०१६के दौरान" २३वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आई.ए.सी.सी.पी)" का आयोजन।
६८.	शांति अनुसंधान केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. प्रियंकर उपाघ्याय	बार्सीलोना, स्पेन में ३०-३१ मार्च २०१६ के दौरान "संयुक्त राष्ट्र तथा यूनेस्को के निर्माण के ७०वर्षो बाद संयुक्त राष्ट्र शांति कार्यसूची हेतु प्रगति तथा चुनौतियो संस्कृतियो के मैत्री हेतु अंतराष्ट्रीय दशक के संदर्भ में एक प्रतिबिंब प्रदान करता है इस परियोजना के संचालन समिति के सदस्य बनने हेतु" आयोजन हुआ।
६९.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. राजीव कुमार भट्ट	ड्यूसबर्ग-एस्सेन विश्वविद्यालय,जर्मनी में १-३सितम्बर २०१६ के दौरान "२७वां सी.ई.ए.(यू.के) तथा ८वां सी.ई.ए. (यूरोप) वार्षिक सम्मेलन २०१६" का आयोजन।
६०.	शांति अनुसंधान केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	(१) इस्ताम्बुल,टर्की में १४ जुलाई २०१६ को "४०वां यूनिस्को विश्व विरासत समिति बैठक" का आयोजन। (२) ल्युबन्याना,स्लोवेनिया में २४-२६ के दौरान ईयू/आई.सी.एस.एस.आर प्रायोजित इ क्यू यू आई पी परिसंवाद में सम्मिलित होने हेतु। (३) मेक्सिको में ३ -४ नवम्बर २०१६ के दौरान एन.जी.ओ.एस. यूनेस्को/एन.जी.ओ संपर्क समिति के अंतराष्ट्रीय मंच पर मौलिक व्याख्यान देने हेतु।

७१.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. बिन्दा दत्तात्रे परांजपे	नेब्रास्का वेजलीन विश्वविद्यालय,यू एस ए में २८-३१ मार्च २०१७ के दौरान मैटिन्गली वक्ता का आयोजन।
७२.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. मनीष ए महरोत्रा	(१)हार्वड विश्वविद्यालय, बोस्टन, यू.एस.ए में १५ -१६ मार्च २०१७ के दौरान "समसामयिक मुद्दो पर शिखर सम्मेलन" का आयोजन। (२)न्यू जर्सी, यू एस ए में १७ -२० मार्च २०१७ के दौरान, यू एस ए वार्षिक अर्हटिक योग निवर्तन (सम्मेलन) तथा एक अन्नत पाठ्क्रम करे। (३)मनीला, फिलीपीन्स में २१ -२५ अक्टूबर २०१६ के दौरान वार्षिक अर्हटिक योग निवर्तन तथा नेतृत्व सम्मेलन" का आयोजन।
७३.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो. पुष्प लता सिंह	कार्डिफ विश्वविद्यालय, यू के में ०२-०८ जुलाई २०१६ के दौरान "दक्षिण एशियाई पुरातत्व एवं कला के यूरोपियन संघ का २३वां सम्मेलन'८ का आयोजन।
७४.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	प्रो. अनीता सिंह	लिंकन, यू के में १०-११ जून २०१६ के दौरान "सन्निहित ज्ञान पर एशियाई निष्पादन सम्मेलन : प्रशिक्षण तथा निष्पादन अभ्यास" का आयोजन।
७५.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो. रविन्द्र नाथ सिंह	कार्डिक विश्वविद्यालय,यू के में ४-८जुलाई २०१६ के दौरान "दक्षिण एशियाई पुरातत्त्व एवं कला के यूरोपियन संघ के २३ वें सम्मेलन" का आयोजन।
७६.	जर्मन स्टडीज I विभाग, कला संकाय	डॉ. सिप्रा ढोलीया	आस्ट्रेलियन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, केनबरा, आस्ट्रेलिया में ३०नवम्बर -२दिसम्बर २०१६ के दौरान "आस्ट्रेलिया जर्मन अध्ययन संघ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
७७.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	डॉ. आरती निर्मल	सिंगापुर में २२-२४ जुन २०१६ के दौरान " संस्कृति, भाषा तथा साहित्य पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–आई सी सी एल एल २०१६ का आयोजन।
७८.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	सुश्री. दिपाली यादव	(१)ग्लासगो, स्काटलैण्ड (यू.के.) में १२१७ जून २०१६ के दौरान आयोजित संगोष्ठी : पशु, राजनीति, साहित्य, में इनके द्वारा प्रस्तुत लेख पर एक परास्नातक कार्यशाला में भाग लेने के लिए। (२)वॉरसॉ विश्वविद्यालय, पोलैण्ड में २७ -३० जुलाई २०१६ के दौरान "दक्षिण एशियाई अध्ययनों पर २४वां यूरोपियन सम्मेलन" का आयोजन।
७९.	इतिहास विभाग, कला संकाय	डॉ. श्याजू पी.जे	अरमेनो,(एन,ओ),इटली में २९अगस्त से ०९सितम्बर २०१६ के दौरान "सांस्कृतिक तथा धार्मिक विरासत स्थलों पर संधारणीय पर्यटन के संबर्धन एवं विकास हेतु ग्रीष्म स्कुल:सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी"का आयोजन।
८०.	पालि तथा बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय	प्रो. सिद्धार्थ सिंह	चियांगमेय,थाईलैण्ड में १७ -२०जुलाई २०१६के दौरान "बौद्ध पर्व" का आयोजन।

८१.	पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, कला संकाय	डॉ. अजय प्राताप सिंह	कोलम्बस,ओहयो,यू एस एस में १२-१९अगस्त २०१६ दौरान "आई एफ एल ए विश्व ग्रन्थालय तथा सूचना कांग्रेस" का आयोजन।
८२.	उर्दू विभाग, कला संकाय	प्रो. याकूब अली खान	एन्तालया-मानवगत,टर्की में ११-१७ अक्टूबर २०१६ के दौरान "प्रथम अंतर्राष्ट्रीय उर्दू साहित्य कांग्रेस (अहमद नदीम कासमी का १००वां जन्म वर्ष)" का आयोजन।
८३.	भारतीय भाषा विभाग, कला संकाय	श्रीमान. जगदीशन	वियाना, आस्ट्रिया में २९ जुलाई से २७ जुलाई २०१६के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ का २१वां विश्व कांग्रेस" का आयोजन।
८४.	पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, कला संकाय	प्रो. एच.एन. प्रसाद	नैंसी, फ्रांस में १२-१५ दिसम्बर २०१६ के दौरान "वेबोमैट्रिक्स,इन्फोमोंटिकस,तथा साइन्टोमेट्रीक्स पर १२वां अंतराष्ट्रीय सम्मेलन तथा १७वां कॉल्लनेट बैठक २०१६"का आयोजन।
८५.	पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, कला संकाय	डॉ. (सुश्री) रंजन मिश्रा	नैंसी, फ्रांस में १२-१५ दिसम्बर २०१६ के दौरान "वेबोमैट्रिक्स,इन्फोमोंटिकस,तथा साइन्टोमेट्रीक्स पर १२वां अंतराष्ट्रीय सम्मेलन तथा १७वां कॉल्लनेट बैठक २०१६"का आयोजन।
८६.	शारीरिक शिक्षा विभाग, कला संकाय	प्रो. एन.बी. शुक्ला	कोलंबो,श्रीलंका में २१-२२नवम्बर २०१६ के दौरान "एकीकृत औषधि २०१६ का ५४वां विश्व कांग्रेस" का आयोजन।
८७.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	प्रो. (सुश्री) अर्चना कुमार	गेन्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम में १३ -२३ अक्टूबर २०१६ के दौरान "लिंग तथा लोक -साहित्य प्रवास में पहचान तथा सांस्कृतिक पुनर्विन्यास पर व्याख्यान-सह बातचीत की एक श्रृंखला प्रस्तुत करने के लिए" आयोजन।
८८.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो. प्रवीश कुमार श्रीवास्त	इम्पिरियल कालेज लन्दन, दक्षिणी केंसिग्टन परिसर, लन्दन में १९-२० सितम्बर २०१६ के दौरान "सामाजिक विज्ञान तथा मानविकी पर ११वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
८९.	पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, कला संकाय	प्रो. अजय प्रताप सिंह	बुडापेस्ट, हंगरी में २४ -२५मार्च २०१७ के दौरान "कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों व सूचना वैज्ञानिकों हेतु कार्यशाला तथा एओटवास लोर्नाड विश्वविद्यालय के पुस्तकालय-विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं हेतु एक व्याख्यान तथा चर्चा" का आयोजन।
९०.	हिन्दी विभाग, कला संकाय	प्रो. सदानन्द शाही	सिंगापुर में १७-१८फरवरी २०१७ के दौरान "भोजपुरी भाषा, संस्कृति तथा संगीत के बारे में सह-भाजन" का आयोजन।
९१.	पालि तथा बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय	प्रो. लालजी	बीजिग बुक्सी, हैन्गजहऊ तथा शंघाई, चीन में १७-२५ अक्टूबर २०१६ के दौरान "बौद्ध धर्म से संबंधित भारत -चीन संपर्क को विकसित करने के विशिष्ट उद्देश्य से चीन के भ्रमण" का आयोजन।
९२.	जीव विज्ञान अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. सुनीता सिंह	बर्मिंघम,यू के में ८-१० अगस्त २०१६ के दौरान "१३वां वैश्विक मधुमेह सम्मेलन तथा मेडिकेयर एक्सपो" डा. सुनीता सिंह,१६८८४ सह प्रोफेसर, जंतुशास्त्र अनुभाग, महिला महाविद्यालय के द्वारा भाग लिया गया।

९३.	अंग्रेजी अनुभाग, महिला महाविद्यालय	श्रीमान. अमर सिंह	आस्ट्रेलियन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, केनबरा, आस्ट्रेलिया में ३०नवम्बर -२दिसम्बर २०१६ के दौरान "आस्ट्रेलिया जर्मन अध्ययन संघ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
९४.	मनोविज्ञान अनुभाग, महिला महाविद्यालय	प्रो. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक	ग्लासगो, स्कॉटलैण्ड में २२-२६ जुलाई २०१६ के दौरान "दंत-चिकित्सा भवन के प्रबंधन हेतु संघानात्मक व्यवहारिक उपचार की भूमिका पर एक कार्यशाला का" आयोजन।
९५.	गृह विज्ञान अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. सुश्री मुक्ता सिंह	बैंकाक, थाइलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व सम्मेलन" का आयोजन।
९६.	गृह विज्ञान अनुभाग, महिला महाविद्यालय	प्रो. कल्पना गुप्ता	बैंकाक, थाइलैण्ड में १४-१६ दिसम्बर २०१६ के दौरान "नैदानिक पोषण पर २०वां विश्व सम्मेलन" का आयोजन।
९७.	वाणिज्य संकाय	डॉ. (सुश्री) राखी गुप्ता	वकोस, मारीशस में २५-२६नवम्बर के दौरान "शिक्षण शिक्षा तथा अधिगम पर १२वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का अयोजन।
९८.	वाणिज्य संकाय	डॉ. बैभव	वकोस, मारीशस में २५-२६नवम्बर के दौरान "शिक्षण शिक्षा तथा अधिगम पर १२वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का अयोजन।
९९.	वाणिज्य संकाय	डॉ.ब्रिजेश पी. सिंह	राजशाही विश्वविद्यालय बंग्ला देश के १७-१८दिसम्बर २०१६ के दौरान "जनसंख्या स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा संधारणीय विकास:मुद्दे तथा चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन।
१००.	वाणिज्य संकाय	डॉ. टवींकल प्रुस्टी	शंघई, चीन में १४-१५ मार्च २०१७ के दौरान "चीन और भारत के लोगो के बीच शैक्षिक तथा सांस्कृतिक विनिमय को बढ़ावा देने हेतु चीन के भ्रमण" का आयोजन।
१०१.	प्रबंध अध्ययन संकाय	प्रो. एच.पी. माथुर	दुबई (यू.ए.ई.) में १४ -१५ मार्च २०१७ के दौरान "शिक्षा, मानविकी तथा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"(आई.सी.ई.एच.एम-१७) का आयोजन।
१०२.	शिक्षा संकाय	डॉ. योगेंद्र पाण्डेय	फ्लोरिडा, में यू एस ए में १८ -२५ अगस्त २०१६ के दौरान "विश्व अधं संघ की आम सभा दृष्टिबाधित लोगो के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समिति (आई.सी.ई.वी.आई.)" का आयोजन।
१०३.	गायन विभाग, मंच कला संकाय	प्रो. ऋतीक सान्याल	जापान में १६ सितम्बर से ०१ अक्टूबर २०१६ के दौरान "भारतीय शास्त्रीय स्वर संगीत -ध्रुपद पर व्याख्यान प्रदर्शन "के साथ ही ३०सितम्बर २०१६ को टोक्यो संगीत विद्यालय में आई ई टी सी एम खुला मंच २०१६ का आयोजन।
१०४.	वाद्य संगीत, मंच कला संकाय	डॉ. स्वर्ण खुन्तिया	काठमाण्डु, नेपाल में २०-२३ जनवरी २०१७ के दौरान "विभिन्न संगीत गतिविधियों के अन्तर्गत संगीत कार्यशाला तथा संगीत गायन:उत्तर भारतीय शास्त्रीय वायोलीन (सांरगी) वाद्य के विभिन्न पक्षों पर व्याख्यान-प्रदर्शन" का आयोजन।

परिशिष्ट - ६

सीधी नियुक्ति और पदोन्नति
(१ अप्रैल, २०१६ से ३१ मार्च, २०१७)

शैक्षणिक पद

पद का नाम	सा.	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	योग
प्रोफेसर	५	-	-	-	-	५
एसोसिएट प्रोफेसर	१८	५	३	-	-	२६
असिस्टेंट प्रोफेसर	३९	१७	७	१८	२	८३
योग	६२	२२	१०	१८	२	११४

गैर-शिक्षण कर्मचारी

समूह	सा.	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	योग
ग्रुप 'ए'	**१२**	**२**	**१**	**३**	**-**	**१८**
ग्रुप 'बी'	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ग्रुप 'सी'	**५४**	**२१**	**६**	**२५**	**-**	**१०६**
योग	**६६**	**२३**	**७**	**२८**	**-**	**१२४**

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

ANNUAL REPORT

2016-2017

EDITORIAL COMMITTEE

Chairman
Prof. M.S. Pandey
Department of English
Faculty of Arts

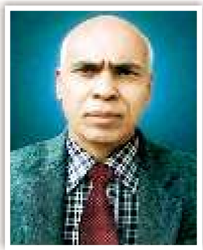

Member Secretary
Shri P.K. Sinha
Deputy Registrar (Academic)

Members

Prof. H.B. Singh
Dept. Mycology & Plant Pathology
Institute of Agricultural Sciences

Prof. Rakesh Singh
Dept. of Agricultural Economics
Institute of Agricultural Sciences

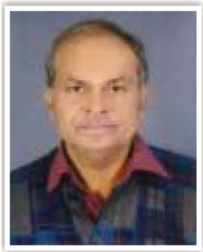

Prof. V.N. Tripathi
Department of Hindi,
Faculty of Arts

Prof. K.M. Pandey
Department of English
Faculty of Arts

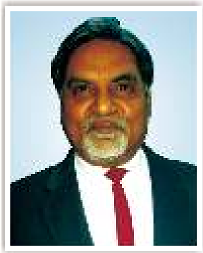

Prof. R.S. Upadhyay
Department of Botany
Institute of Science

Prof. A.K. Pandey
Department of Sociology
Faculty of Social Sciences

Dr. Satya Pal Sharma
Department of Hindi
Faculty of Arts

Dr. P. Dalai
Department of English
Faculty of Arts

Dr. Arti Nirmal
Department of English
Faculty of Arts

Dr. Sanjiv Saraf
Deputy Librarian
Central Library

Shri Vichitrasen Gupta
Hindi Adhikari, BHU

Published by the Registrar, Banaras Hindu University

Layout & Printed by: **Admax Associate,** Varanasi

संस्थापक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय

२५.१२.१८६१ – १२.११.१९४६

(पौष कृष्ण अष्टमी, वि. सं. १९१८ – मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी, वि. सं. २००३)

The Founder

of the

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya

25.12.1861 – 12.11.1946

(Paush Krishna Ashtami, V.S. 1918 – Margashirsha Krishna Panchami, V.S. 2003)

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नाऽपुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

''I do not covet kingdom, neither heaven, nor Nirvana
the only desire to serve Disconsolate.''

– Mahamana Malaviya

कुलगीत

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

यह तीनों लोकों से न्यारी काशी।
सुज्ञान धर्म और सत्यराशी।।
बसी है गंगा के रम्य तट पर,
यह सर्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

नये नहीं है ये ईंट पत्थर।
है विश्वकर्मा का कार्य सुन्दर।।
रचे हैं विद्या के भव्य मन्दिर,
यह सर्व सृष्टि की राजधानी। मधुर-।।

यहाँ की है यह पवित्र शिक्षा।
कि सत्य पहले फिर आत्म-रक्षा।।
बिके हरिश्चन्द्र थे यहीं पर,
यह सत्यशिक्षा की राजधानी। मधुर-।।

यह वेद ईश्वर की सत्यबानी।
बने जिन्हें पढ़ के ब्रह्मज्ञानी।
थे व्यास जी ने रचे यहीं पर,
यह ब्रह्मविद्या की राजधानी। मधुर-।।

वह मुक्तिपद को दिलाने वाले।
सुधर्म पथ पर चलाने वाले।।
यहीं फले फूले बुद्ध शंकर,
यह राज ऋषियों की राजधानी। मधुर-।।

सुरम्य धारायें वरुणा अस्सी।
नहाए जिनमें कबीर, तुलसी।।
भला हो कविता का क्यों न आकर,
यह वाग् विद्या की राजधानी। मधुर-।।

विविध कला अर्थशास्त्र गायन।
गणित खनिज औषधी रसायन।।
प्रतिची-प्राची का मेल सुन्दर,
यह विश्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

यह मालवी की है देश भक्ति।
यह उनका साहस यह उनकी शक्ति।।
प्रकट हुई है नवीन होकर,
यह कर्मवीरों की राजधानी।

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

Kulgeet (English Translation)

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

Radiant Kashi, wonder of the three worlds
Treasure-Chest of Jnana, Dharma and Satya
Nestling on Ganga's bank, centre for all disciplines.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

No Recent work of brick and stone
Primordial design of divinity alone
Mansions of Vidya, centre for all creation.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Clear here is the doctrine pure
Truth first, then only one's self
Home of Harishchandra, Truth's testing ground.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

The Voice of God in Vedic record
Constant Inspiration for soul-accord
Work-shop of Veda Vyasa, centre for Brahma Vidya.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Find here the steps to freedom
Tread here the path of Dharma
Flaming trail Buddha's and Shankara's centre for philosopher-kings.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Life-Giving waters of Varuna and Assi
Sustenance of Kabir and Tulsi
Fountainhead of eloquent speech and poetry.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Music, Economics, other arts so many
Maths, Mining, Medicine and Chemistry
Fraternal forum of East and West, university in truest sense.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Patriotism of Malaviyaji
His intrepidity and energy
All in youthful manifestation,
centre for men of action.

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

Dr. SHANTI SWARUP BHATNAGAR
Eminent Scientist
who composed the BHU Kulgeet

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
BANARAS HINDU UNIVERSITY
An Institution of National Importance established by an Act of Parliament

डॉ. नीरज त्रिपाठी
कुलसचिव
Dr. Neeraj Tripathi
Registrar

VARANASI-221 005 (INDIA)
Phone : 91-542-2368558, 2307222
Fax : 91-542-2369558, 2368174
e-mail : registrar@bhu.ac.in
website : www.bhu.ac.in

Date 06.11.2017

PREFACE

I have great pleasure in presenting the Annual Report of the Banaras Hindu University for the year 2016-17 comprising the academic, co-curricular and developmental programmes and activities of various Institutes, Faculties, Departments, Schools, Centres and other Units.

We, as the university, have been imparting a significant national responsibility of not only producing the myriad forms of knowledge but also in contributing to the Indian development process empirically. Our students and teachers and their epistemological and empirical understanding are well acknowledged throughout the world. We have, indeed, supported quality education and science and technology as a means of transforming our society. This venture of ours has brought many laurels to this great seat of learning. These achievements may be attributed to the selfless contributions of all of us.

All these years, our major concern has been to foster excellence in teaching and research. In order to produce students with the ability to think and innovate, we have introduced several new courses. We have guided the students to choose career for life and not life for career. Our commitment to serve the nation through academics may be seen in our emphasis on inculcation and integration of Malaviyaji's vision of sustainable development, thirst for knowledge-both of temporal and atemporal structures, and love for humanity. The discourses in different faculties and Institutes during this academic session are cases in point.

In line with the vision of our founder, as part of providing holistic education, several notable policies and programme initiatives to impart life-skills and livelihood skills to our students have been launched. Various student centric measures, such as, expansion and upgradation of hostel facilities, improvement in indoor and outdoor sports, yoga facilities, and organization of regular lectures on spiritual and ethical values by eminent scholars, were undertaken during the year.

I extend my sincere thanks to the members of the Editorial Committee and other associated persons for their untiring efforts in bringing out this valuable report.

(Neeraj Tripathi)

CONTENTS

Part-I

1. INTRODUCTION

1.1. University at a Glance 15-22
1.2. Highlights of the Academic Session 2016-17 23-38

2. ACADEMIC ORGANS OF THE UNIVERSITY

2.1. Main Campus

2.1.1. Institutes

2.1.1.1. Agricultural Sciences (Agriculture and Veterinary & Animal Sciences) 41-46
2.1.1.2. Medical Sciences (Modern, Ayurveda and Dental) 47-60
2.1.1.3. Environment & Sustainable Development 61-62
2.1.1.4. Management Studies 63-68
2.1.1.5. Science 69-76

2.1.2. Faculties

2.1.2.1. Arts 78-84
2.1.2.2. Commerce 85-86
2.1.2.3. Education 87-88
2.1.2.4. Law 89-90
2.1.2.5. Performing Arts 91-94
2.1.2.6. Social Sciences 95
2.1.2.7. Sanskrit Vidya Dharma Vijnan 96-97
2.1.2.8. Visual Arts 98-101

2.1.3. Mahila Mahavidyalaya 102-103

2.1.4. Centres for Studies

2.1.4.1. Food Science and Technology 106
2.1.4.2. Genetic Disorders 107-108
2.1.4.3. DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences 109-110
2.1.4.4. Study of Nepal 111-112
2.1.4.5. Womens Studies and Development 113-115
2.1.4.6. Malaviya Centre for Peace Research 116-117
2.1.4.7. Integrated Rural Development 118-120
2.1.4.8. Social Exclusion and Inclusive Policy 121-122
2.1.4.9. Hydrogen Engergy Centre 123
2.1.4.10. Nanoscience and Technology Unit/Centre 124

2.1.5. Schools
2.1.5.1. Central Hindu Boys School 127-129
2.1.5.2. Central Hindu Girls School 130-131
2.1.5.3. Ranveer Sanskrit Vidyalaya 132-133

2.1.6. BHU Library System 134-141
2.1.7. UGC Human Resource Centre 142-143
2.1.8. Malaviya Bhavan 144-145
2.1.9. Bharat Kala Bhavan 146-147

2.2. South Campus 148-149
2.3. Colleges Admitted to the Privileges of the University
2.3.1. Arya Mahila PG College 153-156
2.3.2. Vasanta College for Women 157
2.3.3. Vasant Kanya Mahavidyalaya 158-159
2.3.4. DAV PG College 160-162

3. COURSES OF STUDY 163-169

4. AWARD OF DEGREE/DIPLOMA/CERTIFICATE 170-171
4.1. Students strength 172-173

5. HUMAN RESOURCE PROFILE 174-176

6. FINANCIAL RESOURCES 177-178

7. AWARDS, FELLOWSHIPS, DISTINCTIONS (INTERNATIONAL/NATIONAL) AND PATENTS BY FACULTY 179-201

8. SCHOLARSHIP/FELLOWSHIP (for students) 202

9. FACILITIES

9.1. Accommodation
9.1.1. Hostels for Students (Male) 205
9.1.2. Hostels for Students (Female) 206
9.1.3. Hostels Accommodation for Students (Foreign) 206
9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees 207

9.2. Guest House Complex 207
9.3. Internet and Computers 207-208
9.4. Conference Halls 208
9.5. Alumni Cell 208
9.6. Indian Council of Cultural Relation (ICCR) 208-209
9.7. Indira Gandhi National Open University 209-211
9.8. International Centre 211

9.9.	**Press Publication and Publicity Cell**	211-213
9.10.	**Electricity, Water & Telephone**	213-214
9.11.	**Maintenance (Building & Instruments)**	214-218
9.12.	**Health Care (Hospital & Health Centres)**	218-221
9.13.	**University Sports Board**	221-222
9.14.	**Programmes Organized by Dean of Students' Welfare**	223-228
9.15.	**Career Development Centers**	228
9.16.	**Canteens**	228-229
9.17.	**National Service Scheme**	229-230
9.18.	**National Cadet Core**	230-231
9.19.	**Banking and Post Offices**	231-232
9.20.	**Railway Reservation**	232
9.21.	**Air Strip & Helipad**	232
9.22.	**Shopping Complex**	232
9.23.	**BHU Club**	232
9.24.	**Students' Welfare**	
9.24.1.	Placement Service	233-235
9.24.2.	University Employment & Guidance Bureau	235-237
9.24.3.	Students Council	237
9.24.4.	City Delegacy	237-238
9.24.5	Equal Opportunity and Inclusive System	238-240
9.24.6.	Extra- Curricular Activities	240-245
9.25.	**Hindi Publication Cell**	245

Part-II

Annexure - I	Members of the Court, Executive Council, Academic Council and Officers of the University	247-258
Annexure - II	Statement showing Academic Contribution of University Teachers during the Year 2016-2017	259-275
Annexure - III	Research Projects Funded by various Agencies during the Year 2016-2017	276-285
Annexure - IV	Important Seminars, Conferences and Workshops organised during the Year 2016-2017	286-293
Annexure - V	Statement showing Number of Teachers Deputed to Participate in Academic Meets during the Year 2016-2017	294-317
Annexure - VI	Direct Appointments and Promotions (From 1st April 2016 to 31st March, 2017)	318

मालवीय भवन

ENGLISH VERSION

Annual Report 2016-17

Architectural Marvel

Indian Institute of Technology (Banaras Hindu University)

1. INTRODUCTION

MAHAMANA'S CAMPUS PLAN VISUALIZED IN 1916

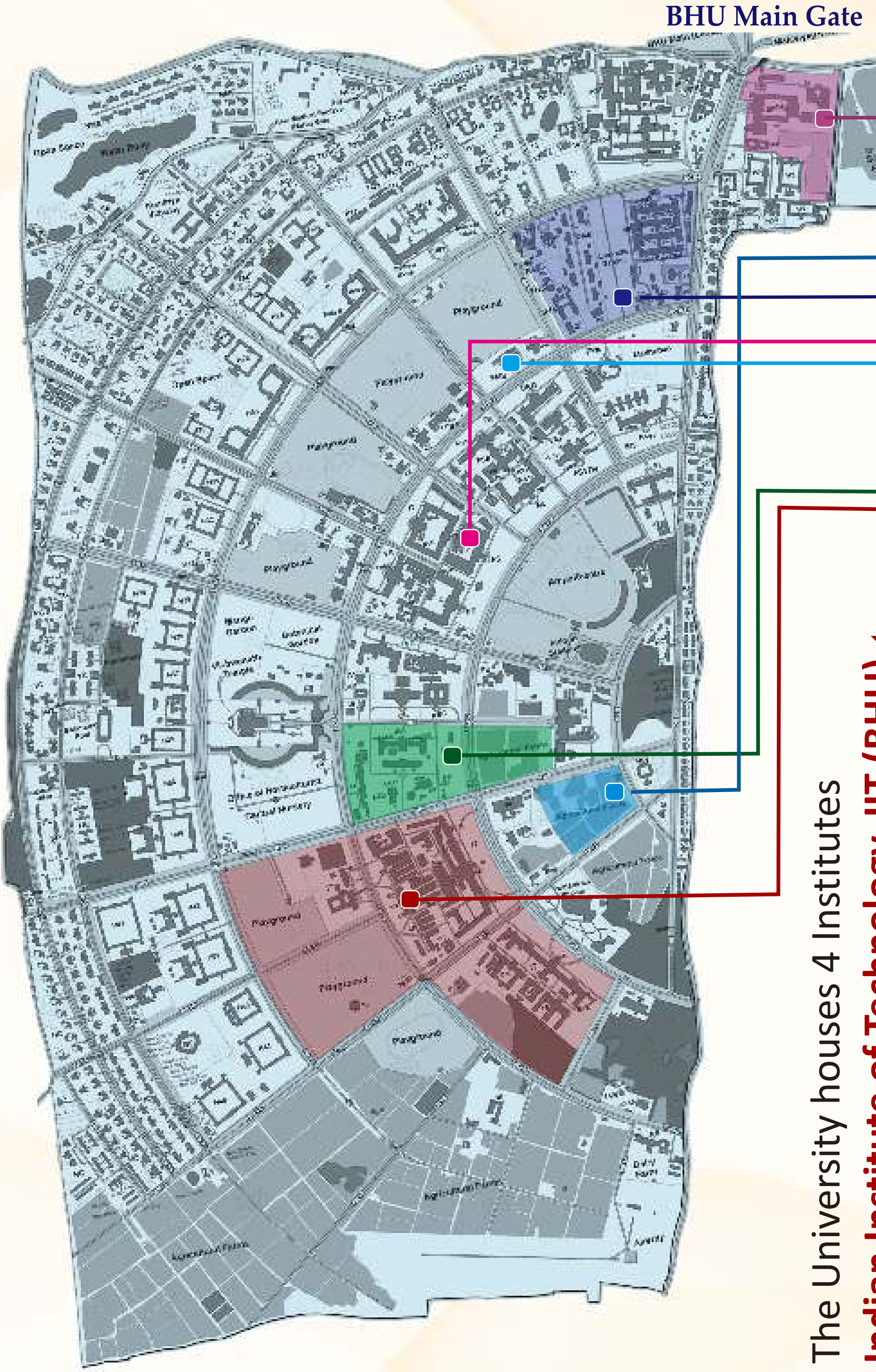

The University houses 4 Institutes

Indian Institute of Technology, IIT (BHU)

Institute of Medical Science (IMS)

Institute of Agricultural Sciences (IASc.)

Institute of Environment & Sustainable Development (IESD)

Institute of Management Studies

Institute of Science

and **Mahila Mahavidyalaya (MMV)**

1.1 University at a Glance

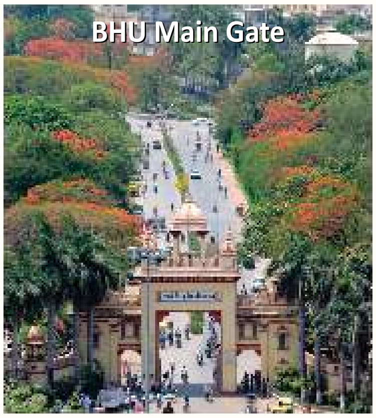

The Banaras Hindu University (BHU), founded by Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviyaji in 1916, is one of the most prestigious Central Universities in the country. An autonomous institution of distinction having the Hon'ble President of India as its Visitor, BHU is the largest residential University in Asia. Being a living embodiment of such visionaries as Mahamana Malaviyaji, Dr. Annie Besant and Dr. S. Radhakrishnan, this seat of learning epitomizes a synthesis of ancient wisdom and modern scientific temper. The holistic model of education, conceived and enriched by its illustrious founder, offers refreshingly new perspectives to young minds and nurtures and facilitates their creative talent.

The Founder's Vision

- "It is my earnest hope and prayer, that this centre of life and light, which is coming into existence, will produce students who will not only be intellectually equal to the best of their fellow students in other parts of the world, but will also live a noble life, love their country and be loyal to the Supreme Ruler."
- "A teaching university would but half perform its function, if it does not seek to develop the heart power of its scholars with the same solicitude with which it develops their brain power. Hence, this university has placed formation of character in youth as one of its principal objects. It will seek not merely to turn out men as Engineers, Scientists, Doctors, Theologists, Merchants, but also as men of high character, probity and honour, whose conduct through life would show that they bear the hallmark of a great university."

The University

This University was conceived as a residential University, keeping in view its objective of complete character development and thorough mentoring of students. Perhaps this is the only University in the world where courses ranging from nursery and primary school upto Doctoral/ Post-doctoral degrees are taught and pursued within a walled campus spread over 550 Hectares (1360 acres) with majestic buildings of great architectural delight. It enshrines within its precincts, a phenomenal range of teaching disciplines incorporating almost all conceivable subjects of Science, Engineering & Technology, Humanities, Social Sciences, Commerce, Law, Education, Visual Arts. Performing Arts, Sanskrit Vidya Dharm Vigyan, Agriculture, Library Science, Journalism and a large number of Indian and Foreign Languages.

There are at present 11 departments receiving support under Special Assistance Programme (5 Centres of Advance Studies and 6 Departments under DRS level I & III), 5-UGC-Innovative/TRIEA/ Other Programme and 3-DST-FIST (Fund for Improvement of Science & Technology) 5 departments/schools are supported under FIST prgramme of DST. It also has four colleges admitted to the privileges of the University which are located in the city. The University also runs three schools apart from having a Kendriya Vidyalaya housed in the Campus. In addition, the Rajiv Gandhi South Campus has been established in the year 2006 in a sprawling campus of 1092.6 Hectares (2700 acres) located about 75 kms away from the main campus, at Barkachha in Mirzapur district, Uttar Pradesh.

IIT (BHU)

Institute of Agricultural Sciences

Institute of Medical Sciences

Sir Sunderlal Hospital

Broacha Hostel

Hallmark of Excellence

According to the 'India Today–Nielsen Survey' published in India Today (May 31, 2010), BHU was ranked as the First amongst Indian Universities. This coveted recognition was based on rigorous analysis of following six parameters: Reputation, Quality of Academic Input, Quality of Faculty, Research Publications/ Report/Projects, Infrastructure and Placement opportunities. During the session (2009-10), a 10 year survey published in prestigious journal Current Science placed BHU as first among top 25 Indian Universities for publishing maximum number of research papers in indexed journals. Continuous endeavors have been made to improve the range and quality of teaching and research at BHU. According to the 'India Today'–Nielsen Survey published in India Today (June, 2013), BHU has been ranked amongst top-five Indian Universities. Other agencies have also given the University and its various Faculties/Departments similar ratings.

Institute of Agricultural Sciences

Committed to the objectives of holistic, sustainable and equitable development of agriculture and allied sciences, aiming at liberty, security and prosperity through competent human resource development by virtue of integrated approach of teaching, research & extension; creation of knowledge base for the benefit of the farming community; improvement of crops/ vegetables/ fruits/ livestock/ poultry/ fish for enhanced input use efficiency & production; quality seed production and dissemination of proven technologies towards improving livelihood security and realizing the dream of Hunger Free Society, our achievements in Education (including Sports and Cultural activities) and Research (including Extension activities) justify the funds sanctioned, created and generated from time to time.

Institute of Medical Sciences & Hospital

The University provides tertiary medical facilities to the poorest of the poor masses of parts of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Jharkhand at an afforadable cost. Sir Sunderlal Hospital with its 1200 bedded and 24 x 7 active medicos is a complete dedication to the medical services in this region. The upcoming Trauma Centre, established through the PMSSY with an investment of more than Rs. 150 Crores, is expected to further expand the institute's outreach, besides providing unparalleled research and learning facility.

Institute of Environment & Sustainable Development

Banaras Hindu University established a national-level Institute of Environment & Sustainable Development in the year 2010. Recruitment of faculty was done in the year 2011. Using education as a tool to achieve sustainability, the institute aims to cover education about and for sustainable development. Mission of the Institute is to carry out teaching, research and extension relevant to India's sustainable development leading to the future that ends poverty and delivers and sustains efficient and equitable management of the country's natural resources.

Largest Residential University in Asia

Over 30,000 students from all over India and 46 foreign countries are enrolled in various faculties of the University. The University has 64 hostels, having nearly 11000 inmates, with all modern amenities including internet for the students. It also has 1400 staff quarters and 7 guest houses on the campus.

Flying Training to NCC Cadets

The Banaras Hindu University is the only University which has its own airstrip and three helipads, which are used for the training of NCC Cadets.

Library

BHU has a Central Library system having more than 15 lacs volumes apart from subscription to more than 13000 online journals, 50000 e-books , databases, and a huge collection of digitalized rare manuscripts. It functions in conjunction with a chain of Departmental, Faculty and Institute libraries. In addition, BHU has a fully air-conditioned Cyber Library with a seating capacity of over 200. Newly created air-conditioned Periodical Hall provides 60 cabins for the use of faculty members and research scholars.

Environmental Awareness and Beautification

- 575.75 Acres of area of BHU is covered by beautiful lawns and lavish gardens.
- 33.5 kms of hedges and edging.
- 142800 nos. of shrubs planted all around the institutes, faculties, fields and Residential quarters.
- 11 Acres of area is under Nursery which manages 40,500 plants of various fruits, 20,000 forestry plants, 15,000 ornamental plants, 15 lac seasonal flower plants and 5000 other plants.

ICT Infrastructure

The University has 100 kilometer long fiber optic backbone of Campus wide LAN, connecting all academic and administrative

Air Strip

Cyber Library

Central Library

Mahila Mahavidyalaya

Computer Center

buildings as well as hostels with a well-equipped Computer Centre, providing high end computing and training facilities. The University has been provided three 1 Gbps nodes of National Knowledge Network (NKN) under NME-ICT.

The Temple

The Banaras Hindu University has a temple of Lord Shiva called Shri Vishwanath Temple. It is situated in the centre of the campus. The temple is built with white marble. Its detailed planning was done by MalaviyaJi himself. The lush campus of Shri Vishwanath Temple and the beautiful gardens surrounding it are a delight to the eyes of the visitors. The interior of the temple has a Shiva Lingam and verses from Hindu scriptures inscribed on the walls of the temple with pictorial depiction.

Bharat Kala Bhawan

BHU has a museum of international importance – Bharat Kala Bhawan, which is a treasure trove of rare art and artifacts. The Bharat Kala Bhavan has 13 galleries having a collection of more than 1 lakh antique and rare sculptures, miniature paintings, Rajasthani, Mughal and Pahari paintings, coins, jewellery, precious stones, etc. of immense historic value and a very special literary gallery containing manuscripts of famous authors. It also has a rich library containing rare books.

Rajiv Gandhi South Campus

The Banaras Hindu University has extended its outreach by establishing its South Campus at Barkachha in Mirzapur district. The RGSC is being developed as a potential hub for education, training and entrepreneurship for youth and women, especially those belonging to tribes and weaker sections of the society. The campus is being developed by the University with a mission to enrich the lives of the population of the region by extending to them opportunities to engage in life-long learning and to benefit from the result of research.

Brand BHU

BHU is the first Central University in India which has implemented a 'Graphic Identity Programme'. Through this programme BHU has standardized its seal, logo, bilingual logotypes, tagline, colour identity etc. This programme also includes standardization of office stationery and signage system of the campus through its Design Studio, Souvenir shop, Electronic, Web & Social media .

Shri Vishwanath Temple

Bharat Kala Bhawan

South Campus

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

Bilingual Logotype with Seal

BHU

capital of knowledge

Logo with Tagline

Research and Education

BHU has always encouraged the spirit of quality research coupled with quality teaching Some of the recent milestones of the University are:

- BHU received "University with Potential for Excellence" status from UGC.
- BHU is the only university of India which has Indian Institute of Technology - I.I.T. (BHU) on its campus.
- Faculty of Veterinary Sciences has been approved by the Academic Council as well as the Executive Council to be established at R.G.S.C.
- Centre for Food Science & Technology conducts PG and Doctoral Programmes which was supported by DBT-Govt. of India.
- Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences supported by DST.
- Centre for Genetic Disorders supported by DBT.
- Interdisciplinary School of Life Sciences supported by DBT.
- Establishment of the Trauma Centre under PMSSY.
- Institute of Agricultural Sciences as Nodal Centre for Agricultural Innovation Partnership under USAID programme with several US Universities – Cornell, Georgia, Buffalo, UC Davis, Ohio, Tuskegee, Purdue and Illinois.
- Faculty of Dental Sciences.
- Strengthening & Development of Agricultural Education by ICAR, New Delhi.
- Experimental learning through the establishment of Bio-control lab, Tissue Culture lab, Fisheries and Hi-tech laboratories at Institute of Agricultural Sciences by ICAR.
- Sanction of Tandetron Accelerator facility to the Department of Physics.
- Strengthening of Space Science teaching and research in BHU by ISRO.
- Assistance for creation/seed infrastructure facilities at the Institute of Agricultural Sciences, BHU by ICAR.
- Malaviya Centre for Human Values and Ethics supported by Ministry of Culture.
- Inter-Cultural Studies Centre supported by the Ministry of Culture
- A unique Bhojpuri Adhyayan Kendra along with a Lok-kala Sangrahalaya.

International Chairs in BHU

- UNESCO Chair for Peace & Intercultural Understanding
- Nepal Chair
- Proposed UNICEF Chair for Child Rights

Future Vision

- Institute of Tribal and Genomic Medicine at R.G.S.C.
- Biosafety Level IV (BSL-4) facility for research on highly infectious diseases.
- Centre for Translational Research.
- Centre for Bone Marrow Transplant and Stem Cell Research.
- Centre for Advanced Functional Materials.
- Promotion of research on Genomics and Proteomics.
- Anusandhan Bhawan, housing modern facilities like Computer Centre, Electronic Media Centre, Design Studio, Sophisticated Instrumentation Centre etc.
- Promotion of studies on Indian Cultural Heritage.
- Creation of Unified Sports Complex having world class sports facilities.
- Multi-storied buildings of residential apartments.
- Convention Centre of 10000 seating capacity.
- International Hostel with 500 rooms capacity.

BHU Alumni

Contributions of BHU in extending the frontiers of knowledge in critical areas and in the regeneration and efflorescence of community values is well manifested through its alumni who form a great chain of distinguished personalities throughout the world occupying key positions in varied professional domains.

OUR VICE-CHANCELLORS

Amongst the Vice-Chancellors who steered this great University are luminaries like Mahamana Malaviyaji, Sir Sunder Lal, Dr. S. Radhakrishnan and Acharya Narendra Dev.

- Sir Sunder Lal (1.4.1916-13.12.1918)
- Dr. P. S. Sivaswami Iyer (13.4.1918-8.5.1919)
- Pt. Madan Mohan Malaviya (29.11.1919-6.9.1938)
- Dr. Sarvepalli Radhakrishnan (17.9.1939-16.1.1948)
- Dr. Amar Nath Jha (27.2.1948-5.12.1948)
- Pt. Govind Malaviya (6.12.1948-21.11.1951)
- Acharya Narendra Dev (6.12.1951-31.5.1954)
- Dr. C. P. Ramaswami Iyer (1.7.1954-2.7.1956)
- Dr. V. S. Jha (3.7.1956-16.4.1960)
- Justice N. H. Bhagwati (16.4.1960-15.4.1966)
- Dr. Triguna Sen (9.10.1966-15.3.1967)
- Dr. A. C. Joshi (1.9.1967-31.7.1969)
- Dr. K. L. Shrimali (1.11.1969-31.1.1977)
- Dr. Moti Lal Dhar (2.2.1977-15.12.1977)
- Dr. Hari Narain (15.5.1978-14.5.1981)
- Dr. Iqbal Narain (19.10.1981-29.4.1985)
- Dr. R. P. Rastogi (30.4.1985-29.4.1991)
- Dr. C. S. Jha (1.5.1991-14.6.1993)
- Prof. D. N. Mishra (8.2.1994-27.6.1995)
- Prof. Hari Gautam (2.8.1995-25.8.1998)
- Prof. Y. C. Simhadri (31.8.1998-20.2.2002)
- Prof. P. Ramachandra Rao (20.2.2002-19.2.2005)
- Prof. Panjab Singh (03.5.2005-7.5.2008)
- Prof. D. P. Singh (08.5.2008-21.8.2011)
- Dr. Lalji Singh (22.8.2011-22.8.2014)
- Prof. Girish Chandra Tripathi (27.11.2014-)

RECENT CONVOCATIONS ADDRESSED BY

88th Convocation – 2006
Hon'ble President of India
Dr. APJ Abdul Kalam

89th Convocation – 2007
Hon'ble Vice-President of India
Shri Bhairon Singh Shekhawat

90th Convocation – 2008
Hon'ble Prime Minister of India
Dr. Manmohan Singh

91st Convocation – 2009
Hon'ble President of India
Smt. Pratibha Devi Singh Patil

92nd Convocation – 2010
Hon'ble Vice-President of India
Shri Hamid Ansari

93rd Convocation – 2011
Hon'ble Minister of HRD
Shri Kapil Sibal

94th Convocation – 2012
Hon'ble Speaker of Lok Sabha
Smt. Meira Kumar

95th Convocation – 2013
Hon'ble Chancellor of BHU
Dr. Karan Singh

Special Convocation – 2013
Hon'ble President of India
Shri Pranab Mukherjee

96th Convocation – 2014
Padma Vibhushan
Prof. Jayant Vishnu Narlikar

97th Convocation – 2015
Padma Vibhushan
Dr. G. Madhavan Nair

98th Convocation – 2016
Hon'ble Prime Minister of India
Shri Narendra Modi

99th Convocation – 2017
Bharat Ratna
Prof. C.N.R. Rao, FRS

Administration

The administrative work of the University is mainly carried out by the Executive Council and the Academic Council. Names of the members of these august bodies during 2016-17 are given in Annexure-I. During the period under review (2016-17) the following persons discharged their duties as the statutory officers of the University.

Chancellor

Dr. Karan Singh (upto 30.11.2016)

Vice-Chancellor

Prof. Girish Chandra Tripathi

Registrar

Dr. K.P. Upadhyay (upto 31.01.2017 FN)
Shri V.K. Singh (from 02.02.2017 to 31.03.2017 F.N.)
Dr. Neeraj Tripathi (from 31.03.2017 AN)

Dean of Students' Welfare

Prof. M.K. Singh

Chief Proctor

Prof. Satyendra Singh (upto 04.11.2016)
Prof. O.N. Singh (from 05.11.2016)

Finance Officer

Shri Abhya Kumar Thakur (upto 31.07.2016)
Dr. M.R. Pathak (from 01.08.2017 upto 31.01.2017)
Dr. S.B. Patel (from 02.02.2017)

University Librarian

Prof. H.N. Prasad
(Professor Incharge)

Controller of Examinations

Dr. K.P. Upadhyay (upto 31.01.2017)
Prof. S.K. Upadhyay (from 02.02.2017 to 31.03.2017 A.N.)
Shri Manoj Kumar Pande (from 31.03.2017 F.N.)

Banaras Hindu University Executive Council Meeting

1.2 Highlights of the Academic Session 2016-17

During the period, several significant academic and developmental programmes were completed and new initiatives were undertaken. Major achievements and initiatives during the year 2016-17 are given below:

Admissions

The new academic session started on Tuesday the 4th July, 2016 and 12,452 new students (male 7952, female 4500) were enrolled in various UG and PG courses. The faculty-wise break-up of male and female students enrolled in various UG/ PG/ Ph.D. courses is given in Chapter 4.1.

During the period, 200 new foreign students (male 135, female 65) were admitted to various courses. The country-wise break up of these students is given in Chapter 4.1.

Academic Contributions

BHU faculty members have excelled in promoting high quality academic environment. During the period 2016-17, more than 4155 publications (details given in annexure II) emanated from BHU; these include 3046 research papers (International Journals 1758; National Journals 1288).

Academic Contribution of Faculty Members during 2016-17	
Research Papers	
National	1288
International	1758
Total	**3046**
Articles	
National	345
International	115
Total	**460**
Books	
National	184
International	44
Total	**228**
Monographs	20
Manuals	11
Leaflets/Others	390
Total	**421**
Grand Total	**4155**

Convocation

Convocation of various Institutes/Faculties as a part of 99th Convocation of the University was organized on January 16, 2016. The Bharat Ratna Prof. C.N.R. Rao, F.R.S., National Research Professor and Linus Pauling Research Professor & Honorary President, Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research, Bangalore addressed the convocation as a Chief Guest. The convocation ceremony was presided over by the Vice-Chancellor Prof. G.C. Tripathi.

During the year under review, 5645 Under-graduates, 4484 Post-graduates and 31 M.Phil. were awarded their respective degrees and 462 candidates were awarded Ph.D. degrees. The faculty and course-wise breakup of the recipients are given in Chapter-4..

Honours/Awards/Recognitions

Academic contributions of BHU teachers have been variously recognized (listed in Chapter 7). Several teachers have been elected Fellows of reputed Academies (i.e. Indian Academy of Sciences, National Academy of Sciences, National Academy of Medical Sciences). Fellowship and Associateship were awarded to several teachers to undertake advanced research abroad (e.g. Alexander von Humboldt Fellowship, Germany; INSA-DFG Fellowship, Germany; Fulbright-Nehru Visiting Lecturer Fellowship). Other recognitions include office-bearers of professional organizations, Chairmanship/ Presidentship of Learned Bodies and Conferences, membership of National/International Committees, Editorship of Journals etc.

Research Projects

During the year, 139 new research projects with total grants exceeding Rs.4415 lakhs were sanctioned. Simultaneously, 396 ongoing projects (total grants more than Rs.14421 lakhs) were continued. Most of the major funding agencies of the country have provided research support to BHU. Details of research project are given in Annexure III.

99th Convocation of the Banaras Hindu University held on January 16, 2017

Research Projects during 2016-17				
Funding Agency	New Projects		Ongoing Projects	
	Number	Grants Sanctioned (Rs. Lakhs)	Number	Grants Sanctioned (Rs. Lakhs)
University Grants Commission	30	213.03	68	706.28
Inter University Acceleration centre	01	7.50	01	.75
Grains Research & Development Corporation	01	8.32	01	8.32
Department of Biotechnology	13	665.06	21	1007.46
Department of Science & Technology	41	1622.09	119	7712.73
Council of Scientific & Industrial Research	04	66.02	34	693.39
Council of Science & Technology, U.P.	07	65.94	21	501.30
Indian Council of Medical Research	01	7.47	10	138.17
Ministry of Earth Science	-	-	03	70.02
Indian Council of Agricultural Research – IRRI	01	20.00	01	20.00
Indian Council of Agricultural Research	06	1280.28	20	1563.00
Indo French Centre for the Promotion of Advanced Research	-	-	01	19.20
Central Council for Research Ayurvedic Sciences	-	-	02	50.15
Indian National Science Academy	01	5.00	07	32.85
Department of Atomic Energy	04	61.20	09	352.42
Dhanuka Agritech Limited	04	12.23	03	12.23
Foreign Agency	-	-	06	137.45
Collaborate Project, Strasa	01	2.89	04	10.63
Ministry of Defence	01	86.00	04	13.00
Ministry of Culture	-	-	01	10.70
Indian Space Research Organization	-	-	01	6.00
Uttar Pradesh State Aids Control Society (UPSACS)	-	-	03	7.00
World Health Organisation	-	-	01	280.09
Icrisat (Accelerator Programme For Gri-Tech Start-Ups)	-	-	01	11.22
Gharda Chemicals Ltd	-	-	01	1.10
Bill & Melinda Gates Foundation Usa	-	-	01	319.12
Board of Research In Fusion Science & Technology, Gujarat	-	-	01	70.16
G.B. Plant National Institute of Himalayan Environment & Sustainable Development	-	-	01	14.15
Private Agency	-	-	01	1.18
U.P. Pollution Control Board	-	-	01	24.03
Ministry of Human Resource Development	-		01	5.93

Research Projects during 2016-17				
Funding Agency	**New Projects**		**Ongoing Projects**	
	Number	**Grants Sanctioned (Rs. Lakhs)**	**Number**	**Grants Sanctioned (Rs. Lakhs)**
Defence Research and Development Organisation	-	-	01	49.57
Min. of Food Processing Industry	-	-	01	41.27
National Academy of Sciences India	1	3.60	01	3.60
Oil Gas of Indian Corporation	-	-	01	2.86
Malviya Centre for Peach Research	-	-	01	14.74
Caspor Micro Credit ltd.	-	-	01	9.48
Global Fund Rakc, New Delhi	-	-	01	26.79
Kerala Ayurveda Ltd	-	-	02	20.43
Government of India	01	60.00	01	60.00
International Maize & Wheat Improvement Centre Collaborative Project, Hyderabad	01	3.95	01	3.95
Foundation of National Institute	-	-	01	57.29
Indian Agricultural Research Institute	-	-	01	2.00
National University of Education Planning and Administration	-	-	01	2.06
Guernsey Financial Services Commission	-	-	01	12.98
Indian Council of Social Science Research	08	33.00	16	109.87
National Institute of Health Bloomberg	01	10.14	-	-
IIT Delhi	01	1.75	01	1.75
Indofil Industry	01	3.90	01	3.90
Jawaharlal Nehru Medical College, Belgaum	01	3.07	01	3.07
National Health Mission	01	1.50	01	1.50
National Institute of Health, Bloomberg	-	-	01	10.14
Tata education and development trust	-	-	01	10.77
Strees Tolerant Rice for Africa and South As ia Rice	-	-	02	8.30
United National & Children Fund (UNICEF)	-	-	01	6.25
U.P. Council of Agricultural Research	-	-	01	4.65
Central Institute of Medicinal Aromatic Plant, Lucknow	-	-	01	27.74
Tata Elocution & Development Trust Mumbai	01	10.77	-	-
Indian Association of Dermatologists, Venereologists Leprologists	-	-	01	2.00
Rtrasa Rice	01	8.30	-	-
University Wisconsin	01	13.87	01	13.87
Central Institute of Medicine & Aromatic Plant	01	27.74	-	-
Colambo Srilanka	01	9.42	01	9.42
Coronmondal Secundrabad	02	101.04	02	101.04
Total	**139**	**4415.08**	**396**	**14421.32**

Conferences

In order to assess developments in various subject areas and to provide opportunities for academic interaction, many Departments/ Faculties organized academic meets which were well attended by outstation participants. In all, 109 Conferences were organized at BHU during the session 2016-17 (details are given in Annexure IV).

BHU teachers have actively participated in Symposia/ Seminars/ Workshops, etc held in India and abroad. During 2016-17, deputations of teachers to attend various conferences were: Abroad 104, India 129 (details are given in Annexure V). Deputations abroad included several countries, viz. USA, Canada, Argentina, South Korea, UAE, South Africa, China, U.K., Japan, Bhutan, Australia and Germany.

Courses Started from the Academic Session 2016-17

- Bachelor of Vocation in Retail Management
- Bachelor of Vocation in Logistics Management
- Bachelor of Vocation in Hospitality & Tourism Management
- Bachelor of Vocation in Food Processing & Management
- Bachelor of Vocation in Medical Lab. Technology
- Master of Vocation in Retail Management
- Master of Vocation in Logistics Management
- Master of Vocation in Hospitality & Tourism Management
- Two Years PG Diploma in Bhojpuri and Janpadiya Adhyayan
- PG Diploma in Hindi Journalism
- One Year PG Diploma in Bhojpuri and Janpadiya Adhyayan
- One Year PG Diploma in Capital Market
- One Year PG Diploma in Banking Technology
- One Year Certificate Course in Plastic Arts
- One Year PG Diploma in Journalism and Mass Communication

Ranking of the University

The National Institutional Ranking Framework (NIRF), Government of India, Ministry of Human Resource Development ranked the Banaras Hindu University 3rd among universities and 10th overall in 2017.

The Faculty of Law, Banaras Hindu University was ranked eighth in India by Outlook India's "Top 25 Law Colleges in 2017" and seventh in India by The Week's "Top Law Colleges 2017".

The Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University was ranked tenth among medical colleges in India in 2017 by India Today, sixth by The Week and ninth by Outlook India.

Establishment of new Chairs

- Dr. B.R. Ambedkar Chair: The Director, Dr. Ambedkar Foundation, Ministry of Social Justice Empowerment, Government of India, New Delhi vide letter No.12-2/2016/DAF dated 26.04.2016 released an amount of Rs.7.00 lakhs to the University for creation of Dr. B.R. Ambedkar Chair in the Faculty of Social Sciences.
- Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair: The Deputy Secretary, Government of India, vide letter No.F-19-35/2016-Special Cell dated 31.03.2017 has sanctioned and released the corpus grant of Rs.5.00 crores for setting of a permanent Chair in the name of Pt. Deen Dayal Upadhyay.

Centennial Year (2016-17) Celebrations

The University entered into the Centennial Year of its establishment on 25th January 2015. The University in its Centennial Year of establishment organised academic, literary, cultural and sports activities to celebrate this occasion. Brief report of the activities, which commenced during 2015-16 and continued in 2016-17 is detailed below:

- **Organization of a series of lectures of eminent people**: As part of Centennial Year celebrations, several Centennial Lectures at the University level by eminent persons were organised. Prominent speakers included were Shri Krishna Gopal, Shri Shri Ravishankarji, Shri M, Bharat Ratna Prof. C. N. R. Rao, well know scientist Padmabhushan Shri R. Chidambaram, Padmabhushan Dr. R. D. Lele, Under Secretary General of United Nations, Mr. AdamaDieng, Prof. R.C.Tripathi, Padmashree Prof. Pushpesh Pant. Also held Centenary Lecture in memory of

Dr. V. B. Ghanekar by Padmabhusan Prof. R. D.Lele, Centennial Lecture on How to use the great Ideas of the Bhagavadgita for bussiness and personal success by Ghese Michael Roach, A Lecture on the topic "BHU Shatabdi Mission" delivered by Prof. D. P. Singh, Vice Chancellor, Devi Ahilaya Bai University, Indore (M. P.), Centennial Lecture on Mahamana's Vision of an Ideal University by Padmavibhushan Prof. J. V. Narlikar, Centennial Lecture by Prof. K. S. Valdiya, Honorary Professor, Geodynamics Unit, Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research, Bangalore, on Hallowed Geological Marvels that Unified the People of Prehistoric India, Centennial Lecture by Prof. Alexander Lukin, Department Head, Faculty of World Economy and International Affairs, National Research University Higher School of Economics etc. **Centennial Lecture of Nobel Laureate, Shri Kailash Satyarthi was organised on 18th January, 2017 at 11.30 A.M. in the Swatantrata Bhawan, BHU**. In addition, a series of lectures by eminent personalities were also held at the faculty level.

- Organization of cultural events by noted artists: As part of Centennial year celebrations, several cultural events involving eminent artists in their fields were held during the year 2015-16 and 2016-17. These events were organised at the University as well as the Faculty levels. Details of the University level events were held in Pt. Onkarnath Thakur Auditorium, which were held during the period under report, are given below:

Programme	Date
Forest of Bliss (Kathak Dance) by Sushree Sharmishtha Mukherjee	11.05.2016
Pawas Mohotsava (Vocal Recital) by Ms. Kalapini Komkali	19.09.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Smt. Ranjeeta Mukherjee and Pakhawaj by Shri Ankit Parikh	17.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Bhai Baldeep Singh and company by Shri Ashutosh Upadhyay	17.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Pt. Prem Kumar Malik, Pakhawaj by Shri Ankit Parikh and Sarangi by Pt. Santosh Mishra	17.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Dr. Madhu Bhatt T ailang (Jaipur) and Pakhwaj Recital by Shri Praveen Arya (Jaipur)	18.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Pt. Dalchand Sharma and Sarangi by Shri Anish Mishra	18.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Pt. Uday Bhawalkar and Pakhawaj by Shri Pratap Awad	18.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Smt. Sombala and Pakhawaj by Shri Prithviraj Kumar	19.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Rudraveena) by Ustad Mohd. Bahauddin Dagar and Pakhawaj by Shri Pratap Awad	19.10.2016
Dhrupad Mahotsava (Vocal Recital) by Pt. Ritwik Sanyal and Pakhawaj by Pt. Dalchand Sharma	19.10.2016
Poorvacharya Smriti Sangeet Samaroh	23-25 .10.2017

Organization of 'Rashtriya Sanskriti Mahotsav'

Banaras Hindu University hosted Ministry of Culture, Goverment of India's mega cultural event 'Rashtriya Sanskriti Mahotsav' from 17th to 24th December 2016. The RSM was inaugurated by Hon'ble Minister Dr. Mahesh Sharma, Union Minister, Ministry of Culture. The purpose of the annual festival is to preserve, promote and popularise the rich cultural heritage and diversity of India through arts and culture. The University organised the performance of more than 2000 artists everyday related to varied fields of arts such dance, drama, music, folk, handicrafts. In addition, the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi unveiled the brochure of the National Culture Festival and also saw the special screening of "Chanakya", a play directed by Manoj Joshi. Several cultural events involving eminent artists in their fields have been held at the University as well as the Faculty levels. Details of the events are given below:

Date	RSM Programmes held at			
	Swatantrata Bhawan	Pt. Onkarnath Thakur Auditorium	Arts Auditorium	Department of Mass Communication
18.12.2016	Folk Songs by Shri Manoj Tiwari	Vocal recital by Pt. Ajay Chakraborty Flute and Carnatic Flute - Jugalbandi recital by Pt. Chetan Joshi & Mysore A Chandankumar	Dolls Puppet Direction – Sudip Gupta	Children's Film Festival & Workshop on Gattu & Happy Mother's Day
19.12.2016	Rashtriya Kavi Sammelan	Santoor duet recital by Pt. B hajan & Rustam Sopori Classical Vocal recital by Pt. Chhannulal Mishra Kathak dance by Ms. Sonal Mansingh	Ma Jagat Janani Kandoi Theatre (Sting Puppet) Direction – Chaitanya Behra	Children's Film Festival & Workshop on Gauru (The Journey of Courage) & Gopi GawaiyaBaghaBajaiya

Cultural Events of Rastriya Sanskriti Mahotsav from 17-24 December, 2016

Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi meeting the artists of the Chanakya

Release of Brochure of RSM

MAHOTSAV

Date	RSM Programmes held at			
	Swatantrata Bhawan	Pt. Onkarnath Thakur Auditorium	Arts Auditorium	Department of Mass Communication
20.12.2016	Qawwali by Nizami Bandhu	Violin recital by Dr. N. Rajam , Sangeeta Shankar and Nandini &Ragini Shankar Flute by Padmashree Pt. Rajan&Sajan Mishra	Mugol Tamasha Direction – Bibhuti Bhusan Sahu	Children's Film Festival & Workshop on Krish Trish &Baltiboy-I and Pappu Ki Pugdundi
21.12.2016	Jugalbandu by Pt. Vishwamohan Bhatt & Manganiyars	Vocal recital by Dr. Ashwini Bhide Deshpande Kuchipudi dance by Dr. Raja Radha Reddy	Mayur Puppetry Direction – Milan Yadav	Children's Film Festival & Workshop on Nono The Zig Zig kid and Children of Rhythm
22.12.2016	Chanakya – Drama	Nad Bhedam Orchestra by Pt. Hari Prasad Chaurasia Vocal recital by Ms. Prabha Atre Bharat Natyam Dance by Kalakshetra	Raavan Chaya (Shadow Puppet) Direction: Khagaswar Pradhan	Children's Film Festival & Workshop on Kaphal Pinti Ka Sabun
23.12.2016	Bhojpuri Folk by Ms. Malini Awasthi	Vocal recital by Pt. Ulhas Kashalkar Sitar recital by Pt. Niladari Kumar	Traditional String Puppet of Maharashtra Direction: Gannapa Sakharam Masge	Children's Film Festival & Workshop on Chutkan Ki Mahabharat Halo
24.12.2016	Sufi by Shri Wadali Bandhu	Shri Vijay Ghate(Tabla), Shri Bhawani Shankar (Pakhawaj), Shri Rakesh Chaurasia (Flute), Shri Ravi Chari (Sitar) Vocal recital by Pandit Jasraj	Shadow Puppet Direction – Sindhe Chidambara Rao (SNA Awardee)	
Apart from above, outreach programmes were conducted at BHU, various Ghats of Varanasi, Sarnath & adjoining villages of Varanasi from 17th to 24th December, 2016.				

Student Centric Initiatives

- **Augmentation of residential facilities:** Many new hostels have been constructed and are now ready for use. A massive repairs and face lifting of the hostels have been undertaken through the CPWD. This has been done after a long-long time.
- **Career counseling scheme:** The University has initiated a career counseling scheme for the students which will guide them in selection of the right career for them. Two consultants have been engaged full time who visit the hostels, meet the students, talk to them to discover their potentials and counsel them regularly. Talks and lectures of the persons from the reputed institutions in the field like Sankalp are also organized under this initiative. Training them in spoken English and interviews skills to enhance their job prospects is also being undertaken.
- **Establishment of Careeer Development Centre:** The Centre has been established in the University for advancing all-round career prospects and overall personality development of the students of the University to brighten their career prospects. The establishment of Skilled Development Centre was notified vide Notification No.R/GAD/Skill Development Centre/42181dated 19.01.2016. Subsequently, the name of the Skilled Development Centre was changed as Career Development Centre. The Career Development Centre is located in the Hobby Centre of the University. The Career Development Centre during the period of report

organized 161 Personality Development Sessions, 65 Android Application Development Sessions, 92 Basic Computer Sessions, 57 C-Programming Sessions, 33 Website Making Sessions, 7 Cleaning Drive, 9 Aptitude Sessions, weekly session on Gita, Daily session on Yoga, 5 Sessions on Entrepreneurship, 8 Spoken English Sessions, 1 Workshop on Group Discussion for IRDM MA students, Mock Interviews for Public Administration MA students, 18 Sessions on UPSC preparation to the students of the University. Apart from above, the CDC was actively involved in Samarth Gram Abhiyan since Nov 7, 2016 and the highlights of the same is as under:

  - Visited around 40 villages in 8 field trips.
  - Jaivik Krishi Sammelan on 4/11/2016
  - Dental Health Camp and Plantation in Madhupur and Muradev on 27/01/2017
  - Women Health camp and planation in Tarapur and Narottampur on 2/2/2017
  - Veterinary Health Camp in Samneghat on 4/2/2017
  - Development of Entrepreneurship skills among students has also been initiated.

- Many initiatives on the social issues like Gender Sensitization, Anti-Ragging etc. have also been taken with the formation of Guidance and Counseling Cell for girl students and the active involvement of the mentors and the other members of the Anti-Ragging Squad in minimizing the incidents of ragging.
- A common minimum sports facilities in each hostel has been created for engaging the students in sports in free time for their all-round development.
- Every student of the University has been provided with a booklet on Mahamana to make him/her aware of his life, vision and work.
- **Documentary on BHU:** A documentary depicting the History of BHU its glory, alumni and the teachers who excelled in their field and the facilities available in the University was shown to all the new entrants at the time of admission in different faculties to make them acquainted of the University before entering in to its portal.
- Revival of traditional Tableau Procession on Foundation Day: On Basant Panchami day, 24th January 2015 – the Foundation Day of the University, the healthy tradition of taking out tableau procession by different faculties and units of the University was restarted after a gap of about three decades. The faculties took out the tableau procession with tremendous enthusiasm during the year under report. This initiative has enthused the students to celebrate the worship of the Goddess of Learning and Arts and the Foundation Day of BHU through the flowering of their creative urges. The tableaus prepared by them represent the glorious history of classical and modern India and several events of the Indian Freedom Struggle.
- **Gita discourses:** Organization of Gita discourses for the teachers and the students of the University, a unique feature of the Banaras Hindu University, has been restarted with the reconstitution of Gita Samiti. This has invigorated a culture of vibrant philosophical and spiritual deliberations on our scriptures. A week long Gita lectures by Swami Shrivatsa Goswami was organized in Malaviya Bhawan as a part of Centennial Celebrations.
- **Cyber Library Study Centre:** For optimum use of the electronic resources and to encourage self-study by the students, a high capacity Cyber Library Study Centre has been established. It provides access to Online Electronic Resources (Journals and Books) to students and researchers. It is equipped with 220 computer terminals, high speed internet access and can accommodate more than 200 students at a time. The BHU Cyber Library is an Online Electronic Library providing access to following online full text journals and databases, namely, Web of Science, Annual Reviews, Mathscinet, Scifinder Scholar and Cab Abstracts. It also provides access to Digital Library of India, World Digital Library, Universal Digital Library and Project Gutenberg. E-BOOKS available in the Cyber Library are Sage E-Books, Springer E-Books, Taylor & Francis, Cambridge University Press, Encyclopedia Britannica, Medical Science Resources (ERMED) and Pubmed, Engineering Science Resources, Institutional Repositories. Resources in Hindi and Sanskrit namely, Hindi Samay, Hindi Sahitya

Darpan, Hindi Kavitayen, Kavita Kosh, Sahitya Shilpi, Sanskrit Thesis and Sanskrit E-Books are also accessible in the Cyber Library. The library has also launched "Library on Mobile", where the e-resources of Library have been made available in mobile format, which can be accessed on smart-phones with internet access

Development of new facilities

- Many new hostels have been constructed and are now ready for use.
- **Establishment of Central Discovery Centre (CDC):** The University is setting up a Central Discovery Centre (CDC) which will house Centre for Advanced Instrumentation, Centre for Advance Computing, Centre for Digital Media, major research equipment and state-of-the-art facilities for interdisciplinary research. This will provide centralized facilities to all the faculty members of the university including Indian Institute of Technology (BHU) who wish to do innovative research. The building of the CDC is under construction.

o Construction of Malaviya Heritage Complex: The foundation stone of Malviya Moolya Anusheelan Kendra and Inter-Cultural Study Centre (being constructed under the financial support from the Ministry of Culture) was laid by the Hon'ble President of India on December 25, 2012 to commemorate the 150th Birth Anniversary of Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya ji. The construction of the building is complete.

- **Establishment of Bone Marrow Transplant and Stem Cell Research Centre:** The Institute of Medical Sciences is establishing first-of-its-kind Stem Cell Research and Bone Marrow Transplantation Centre at the Trauma Centre. The proposed research centre shall have all the required infrastructure and resources to carry out Clinical and Basic research and perform surgical and other clinical procedures on patients in compliance with the cGLP and cGMP standards. The construction work of fully equipped building for the Bone Marrow Transplant and Stem Cell Research Centre is complete.
- **Establishment of Bharat Adhyayan Kendra:** Bharat Adhayan Kendra – A Centre for study of Ancient Indian knowledge, Culture, Literature, Music, Traditions to relink the disconnection between the ancient Indian knowledge and the modern knowledge has been established. This is receiving wide appreciation from many corners. A detailed project report has been prepared and submitted to the UGC. The UGC has sanctioned an amount of Rs.25.00 crores for the establishment of the Centre. The construction of the building of the Centre is in full swing. Appointments on positions of Centenary Chair Professors and Centenary Fellows, created in the Kendra, have been made.
- Establishment of Malaviya Research Centre for Ganga River Development and Water Resource Management: Malaviya Research Centre for Ganga River Development and Water Resource Management has been established for the study of the problems of rivers and water basins. The proposal has been submitted to the Government of India for consideration of funding.
- Use of solar energy: The University has signed an MoU with Solar Energy Corporation of India Ltd. for the installation of Solar Power Plant and establishment of Green Energy Centre for research in this area. When installed the plant is expected to meet the energy requirement of the university in addition to the generation of electricity. Installation of roof-top PV panel on the buildings of the University for generation of electricity through Solar Energy has been significantly completed.
- Mahamana Centre for Excellence on Climate Change has been established.
- Establishment of Cancer Hospital:The Mahamana Malaviya Cancer Hospital & Research Centre has been sanctioned by Hon'ble Prime Minister of India for which land parcel of 15 acres in Sunderbagia has been earmarked.
- Upgradation of facilities at Sir Sunderlal Hospital: Sir Sunderlal Hospital of the University, which was established in the year 1924, needed massive upgradation and expansion for provisions of smooth and quality health care service to the vast population of this region of northern India. This proposal has been accepted by the Govt. of India

and a Super Specialty Complex at Sir Sunderlal Hospital has been sanctioned with an outlay of Rs. 200 Crores.

- **University Goshala,** founded by Mahamanaji, is being revamped. A project for the conservation and breeding of the indigenous variety of cows' e.g. Sahiwal is being undertaken as one of the priority areas of activities around the Goshala. In addition, a project on the processing of cow dung for Gobar gas production and urine for medicinal research is being prepared for early implementation.

Administrative reforms and e-governance initiatives

- **Revised Faculty Recruitment Process:** In a phenomenal measure, to strengthen the quality of teaching-learning and research, innovative faculty recruitment procedure has been implemented in line with the procedure adopted by IITs and IISc. To bring in efficiency and transparency, the faculty recruitment, adopting rolling advertisement model, has been made online to attract candidates of high merit. The university has reformed its recruitment process which was not in accordance with the UGC regulations and thereby inviting litigations in the past, with the approval of Academic Council and Executive Council. The new regulations are in conformity with the UGC regulations, are transparent and facilitate fair and smooth selections of teachers and staff in the university. The university has been able to recruit about 550 teachers, 41 Group A Officers, 30 School Teachers and 906 group B, C and non-teaching staff besides equal number of promotions in the last one year.

- **Short-term Appointment of Eminent Academics:** The University has the scheme of appointment of Visiting Professors, Honorary Professors, Visiting Fellows and External Adjunct Faculty under which eminent academics and experts are appointed from time to time on the recommendation of the Policy and Planning Committee of the concerned Department. The scheme of appointment of External Adjunct Faculty has been improved to make it attractive. Appointments under the aforesaid schemes were made during the period under report. Efforts of revival of old endowed Chairs available with the University were made. The University has also created 05 positions of centenary Chair Professors and 10 positions of Centenary Visiting Fellows under the Bharat Addhyan Kendra.

- **Automation of admission and examination processes:** To bring in efficiency and transparency in admissions, its processes have been automated and made online through futuristic customized programmes developed for the university. For admission to various courses, the process of making applications for admission to various programmes, issue of admit card, declaration of results of entrance tests, seeking preference of courses by the candidates, counseling, offer of admission, payment of admission fee, hostel allotment etc have been made online. The candidates appear in the MCQ type entrance test (barring a few courses where GD and Interview or practical test is also an essential component of testing). The answer sheet is OMR based evaluation of which is done through OMR scanners. Extension of the online process of admissions to the process of enrollment, filling up of examination form and other vital regular examination processes for the admitted students has also been done. The process of automation would be continued to include other academic-administration areas.

- **Implementation of e-governance:** The University has already automated major portion of student life cycle management through a dedicated online portal for admissions, counseling and examinations. Similarly, partial automation of administrative processes of recruitment and financial management has also been achieved. A full blown Hospital Information Management System is in place at Sir Sunderlal Hospital. E-Procurement/ E-Auction is being done. A dynamic data base driven website of the University is under construction. The blue print of computerizing other major administrative processes has also been prepared to bridge the gap between increased workload and reducing manpower. While organizing office automation,

process reengineering aspects are also being looked into and the ones needing immediate attention being improvised to bring in efficiency. The University is making conscious and desperate efforts to use modern tools for effective and efficient management.

- Major portion of digitalization of old records is going on and work related to setting up of Wi-Fi network on the campus is in full swing.

Extension and outreach

- **Establishment of Community Development Cell:** The University has created a Community Development Cell which has adopted five nearby villages to develop them as model villages on identified para-meters, including the national programmes, such as, Swachh Bharat, Swasth Bharat and skill development

- **Launch of Samarth Gram Abhiyan:** The University has launched Samarth Gram Abhiyan under the Government of India's flagship scheme – Unnat Bharat Abhiyan. As part of Abhiyan, 100 villages of Vidyapeeth Block have been selected. The main objective of the Abhiyan is to educate the villagers about importance of education, cleanliness, health, organic farming, plantation, health of domestic animal, kitchen garden, water management, environmental awareness and legal issues to make them self-sustainable and self-reliant. Activities under Samarth Gram Abhiyan are undertaken by the students and faculty members of the University. During the period under report, several activities were conducted in the identified villages by the Samarth Gram Abhiyan team. Some of the salient activities are – Conduction of base line survey; Training in Weaving, Sewing and Embroidery for village girls, Jaivik Krishi Sammelan was held on 4th December 2016 to educate villagers on organic farming and its importance; NCRI Workshop conducted on 30-31 March, 2017, Programme conducted by NSS between 21st to 28th February, 207 in villages; Plantation of Mango, Lemon, and Amla Plants; Seed distribution for kitchen garden; Health check up camps for women, veterinary camps, dental health camps, ENT medical camps and other medical camps; Conduction of Yoga classes for the villagers; Street play on importance of education and health.

International cooperation

During the period under report, many delegates of the foreign countries visited Banaras Hindu University and vice- versa. The University has signed Memorandum of Understandings with many Universities and Institutions abroad including USA, Japan, Spain, Nepal, Mauritius, etc..

University-Industry Partnership Cell: In order to make higher education and research more relevant to the society and economy, a Business Cell has been established in the University. The concept of the Business Cell revolves around the fact that while on one hand the industry should provide inputs for the direction which the research in the University should take and on the other hand the technologies/products/ processes developed by the University through research are adequately marketed, so that, industries absorb them and innovations are put to productive use. The Business Cell is mandated to provide guidelines for development of relevant technology, transfer of technology, business development and promotion of industry-academia interactions. The University has entered into MoUs with Arvind Remedies Pvt. Ltd, for courses, research and commercial exploitation of the research products developed by the faculty members of the University. University is also working on entering into a MoU with SEBI, NSE and Axis Bank and other industrial organisations.

Strengthening Grievance Redressal Mechanism

A Centralized Grievance Cell has been created in the Central Office headed by a Deputy Registrar, to function as a Liaison Officer of all the Grievance Committees, providing a central point for representing and processing of all grievances. The cell has been equipped with sufficient staff to provide adequate managerial and secretarial support to all the Grievance Committees as well as maintain the records of the Grievance Committees. Anti Discrimination Officer has been appointed.

Important Meetings of various authorities of University

Executive Council Meetings

April	23, 2016
November	07, 2016
March	30, 2017

Academic Council Meetings

January 12, 2017
March 17, 2017

Finance Committee Meeting

April 23, 2016
November 07, 2016

Faculty Meetings

Faculty of Agriculture	10.04.2015
Faculty of Management Studies	28.04.2015
Faculty of Performing Arts	14.09.2015

Academic Composition of the University

A. Institutes

- Institute of Medical Sciences
- Institute of Agricultural Sciences
- Institute of Environment & Sustainable Development
- Institute of Management Studies
- Institute of Science

B. Faculties

- Agriculture
- Arts
- Ayurveda
- Commerce
- Dental Science
- Education
- Environment and Sustainable Development
- Law
- Management
- Medicine
- Performing Arts
- Sanskrit Vidya Dharma Vijnan
- Science
- Social Sciences
- Visual Arts
- Veterinary & Animal Sciences

C. University College

Constituent College: Mahila Mahavidyalaya (Women's college) located inside the campus.

D. Inter-Disciplinary Schools

- School of Biotechnology
- School of Life Sciences

E. Centres for Studies

- Food Science & Technology
- Genetic Disorders
- DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
- Nepal Centre
- Women Studies & Development
- Malaviya Centre for Peace Research
- Integrated Rural Development
- Social Exclusion and Inclusive Policy

F. Schools Maintained by the University

- Central Hindu School
- Central Hindu Girls School
- Ranveer Sanskrit Vidyalaya

G. Colleges Admitted to the Privileges of the University

- Arya Mahila P.G. College
- D.A.V. P.G. College
- Vasanta College for Women (Rajghat)
- Vasant Kanya Mahavidyalaya

UGC-SAP: CAS & DRS Programmes

A. Special Assistance Programme (Level)

- Agronomy (DRS)-I
- School of Biotechnology (DRS)-III
- Institute of Management Studies (DRS)-II
- Physics (CAS-V)
- Statistics (DRS-III)
- Geography (DRS-II)
- Chemistry (CAS-II)
- Geology (CAS-II)

B. UGC-Innovative/TRIEA/Other Programmes

- Faculty of Science, Department of Physics - Establishment of Networking Resource Centre
- Psychology – PG Diploma (One year) in Counseling, Guidance & Psychological Intervention

- Centre for Genetic Disorder – PG Diploma in Chromosomal Genetic & Molecular Diagnostics
- Telugu, Faculty of Arts – PG Diploma in Translation Skills for varied competencies

C. Other Centres/Programmes of Specialized Research

- CFST, Institute of Agricultural Sciences – Enhancing Research Capacity & initiating Integrated M.Sc./M.Tech. & Ph.D. Programme in the area of Food Science & Technology.
- Centre for Women's Studies and Development, Faculty of Social Sciences.
- Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy, Faculty of Social Sciences.
- Centre for Study of Nepal, Faculty of Social Sciences
- IMS – Centre of Excellence in HIV Care, Faculty of Medicine.
- IMS – Determining factors associated with ART Drug Adherence HIV positives in India (NACO), Faculty of Medicine.
- Faculty of Science – Strengthening Space Science activities in Universities, Deptt. of Physics.
- Buddhist Studies Centre, Department of Pali & Buddhist Studies, Faculty of Arts – "Scheme of Epoch Making of Social Thinkers of India".

DST-FIST Programme

(Fund for Improvement of Science & Technology Infrastructure Programme (FIST) in University and Higher Educational Institutions)

- Physics
- Botany
- Anatomy
- Mycology & Plant Pathology
- Chemistry

DST-PURSE-Programme:

- Institute of Science &
- Institute of Medical Sciences

2. ACADEMIC ORGANS OF THE UNIVERSITY

2.1. MAIN CAMPUS

2.1.1. INSTITUTES

2.1.2. FACULTIES

2.1.3. MAHILA MAHAVIDYALAYA

2.1.4. CENTRES FOR STUDIES

2.1.5. SCHOOLS

2.1.6. BHU LIBRARY SYSTEM

2.1.7. UGC ACADEMIC STAFF COLLEGE

2.1.8. MALAVIYA BHAVAN

2.1.9. BHARAT KALA BHAVAN

2.2. SOUTH CAMPUS

2.3. COLLEGES ADMITTED TO THE PRIVILEGES OF THE UNIVERSITY

Sports of Staff at Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University

2.1.1.1. INSTITUTE OF AGRICULTURAL SCIENCES

Bharat Ratna Pt. Madan Mohan Malaviya established an Institute of Agriculture Research in 1931. Since then, agricultural research and education became the integral part of BHU. The institute assumed different names and finally in 1981 got elevated to the status of Institute of Agricultural Sciences aiming at integration of teaching, research, extension and development in the field of Agriculture.

A total number of 674 students (including total present strength of 1507) are getting one or the other Research fellowships/Scholarships, etc. sanctioned by the different national agencies. For the current session, total 482 students were awarded the degrees at the Convocation of Banaras Hindu University held on January 16, 2017. The Aluminus of this university Bharat Ratna Dr CNR Rao was the Chief Guest on this occasion. At degree distribution function of the Institute, Dr. A.K. Srivastava, Director ICAR-NDRI, Karnal was the Chief Guest.

Currently there are 10 multi-disciplinary ICAR All-India Coordinated Research Projects (Rs. 30.41crores), 2 ICAR Network Projects, 47 newly sanctioned Ad-hoc research projects (total outlay: Rs.3.27crores) and 40 on going Ad-hoc research projects (total outlay:Rs.20.91crores), sanctioned by various national agencies and industries, and one Mega Seed Project (Rs. 1.5 crores), the output of which have been reflected in terms of the production of 46 Ph.D. theses, 253 M.Sc.(Ag.) theses, 238 refereed research papers, 81 books/book chapters. Twenty -five new equipments have been added.

The teachers of the Institute presented 21 research papers in International Conferences and 123 in National Conferences/Seminar/Symposia and Workshops. Our research collaboration continues with Centres like ICAR-CPRI, ICAR-IIVR, ICAR-NIAP, Agr Tech Science Ltd, Indian Institute of Packaging, DSM Netherland, NBPGR, DWR, IRRI, NRRI, IIRR - Hyderabad, USAID-AIP, IGNOU,

ICRISAT, CIMMYT, Mexico, IFPRI, Universities of Cornell, Illinois, Georgia, Denmark, and various DBT & ICAR Research Institutes. Research, Development and Extension activities accomplished by the 11 Departments and three Units of the Institute, i.e., Dairy Farm, Agricultural Farm and KVK have been highly commendable. Five students were finally selected for the Agricultural Research Service through ICAR competitive exam. In addition, spread over 11 companies and NGOs organized campus interviews through Institute's Placement Cell, 52 new graduates/ post-graduates were selected for job, 07 students as Assistant Professor/ Scientists and 35 students got success in ICAR JRF examination and other prestigious Business Schools.

Major Achievements

- Admitted 30 students in new course of B.V.Sc. under newly established Faculty of Veterinary and Animal Sciences.
- Implemented 5th Deans' Committee recommendation, accordingly course curricula revised and nomenclature of B.Sc. (Ag) Hons approved.
- Established new Centre of Advance Faculty Training (CAFT) in Food Science and Technology with financial support from ICAR.
- Released 3 varieties of Gladiolous Malaviya Kiran, Malaviya Shatabdi and Malaviya Kundan.
- Institute Library is now linked with Krishi Kosh e-granth website of ICAR and has uploaded 459 Ph.D. and M.Sc. (Ag.) thesis of various departments for open access to students.
- One hectare IFS model developed for the farm household of Varanasi under irrigated condition with crop, livestock, poultry, fishery, mushroom, orchard and value addition components recorded annual net profit of Rs.3,64,499.
- For better price realization, an efficient supply chain model was developed for High value crops and accurate price forecast was disseminated among farmers effectively.
- Developed Instant Mushroom Soup by using retort technology
- Received Best Wheat variety Award from Indian Society of genetics and Plant Breeding for HUW-12 variety.
- Received Best centre award for AICRP Rice for outstanding agronomic work.
- During the current session, 71 students were placed as officer in Banking sector, 42 Assistant Professor/Scientist, 54 in Central and State services and 112 in corporate and other sectors.
- Total ICAR Development Grant received and utilized during the current was Rs.2.04 crs.
- Institute organized 4 International Conferences/Workshops and 27 National Conferences/ Workshops/ training programmes during the current session.

Institute has mobilized Rs.33.18 crs from Extramural research.

Faculty of Veterinary & Animal Sciences

- The Faculty of Veterinary & Animal Sciences has enrolled the first batch of Bachelor in Veterinary Sciences & Animal Husbandry for the session 2016-17.
- The construction work of Faculty of Veterinary & Animal Sciences is in progress at RGSC of BHU, Barkachha, Mirzapur.
- Faculty of Veterinary & Animal Sciences has successfully conducted a 'Veterinary Health Camp' on the occasion of World Veterinary Day. The health camp was held in Hon'ble Prime Minister opted village Jayapur on April 29, 2016.
- The World Veterinary Day programme was organized by the Faculty of Veterinary & Animal Sciences, IAS, BHU at K.N. Udappa Hall of BHU on April 30, 2016.
- The Faculty of Veterinary & Animal Sciences has successfully completed a six days certificate course on “Sheep and goat farming and capacity building for rural youth” held on September 07, 2016.
- The Faculty of Veterinary & Animal Sciences has successfully conducted a 'Vaccination and de-worming programmee' on World Rabies Day held on September 28, 2016 in the Faculty of Veterinary and Animal Sciences, IAS.
- The Faculty of Veterinary & Animal Sciences has successfully initiated the works i.e. Faculty

World Rabies day celebration, 2016

World Rabies day celebration, 2016

appointment, different department development, building construction, laboratory settlement, opening of Veterinary hospital, development of the poultry farm etc.

- Faculty of Veterinary & Animal Sciences has successfully received permission from Veterinary Council of India to run the Bachelor course (B.V.Sc. & A.H.).

Extra Curricular Activities

- Arranged 'Veterinary Health Camp' organized by Faculty of Veterinary & Animal Sciences, IAS on the occasion of World Veterinary Day. The health camp was held in Hon'ble Prime Minister opted village Jayapur on April 29, 2016.
- Arranged 'Vaccination and deworming programme' on World Rabies Day held on September 28, 2016 in the Faculty of Veterinary & Animal Sciences, IAS.

World Veterinary Day 2016

स्पंदन

Shrishti 2017

First batch of B.V.Sc. & A.H. students from Faculty of Veterinary and Animal Sciences participated in the Shrishti 2017. Almost all the students witnessed the programme but only two students participated in debate. The students participated in the debate were; Ram Naresh & Sudesh Choudhary.

It was a moment of joy for Faculty of Veterinary and Animal Sciences as the first batch students of B.V.Sc. & A.H. programme not only participated but also made the audience feel their presence.

Campus Development

- The construction work of Faculty of Veterinary & Animal Sciences is in progress at RGSC of BHU, Barkachha, Mirzapur.
- The Faculty of Veterinary & Animal Sciences has started the construction work concerning Poultry Farm and Teaching Veterinary Clinical Complex.
- Formulation of new Ordinances/Amendment to certain existing Ordinances and framing of Rules etc.

SPANDAN

SPANDAN is one of the biggest cultural events that is celebrated in the BHU campus every year.

The Dean, Prof. Rama Devi Nimmanapalli encouraged all the B.V.Sc. & A.H. students for participating actively in this event. Moreover, Student Advisor, Faculty of Veterinary and Animal Sciences, Dr. Naresh Kumar Singh also profused all the young boys and girls of the first batch of B.V.Sc. & A.H. from Faculty of Veterinary and Animal Sciences with courage and energy time and again during preparation as a result of which every student put their full potential in their participation in the SPANDAN 2017.

Fourteen B.V.Sc. & A.H. students participated in thirteen different events during SPANDAN 2107.

The team leaders from first Batch of B.V.Sc. & A.H. were Ram Naresh (Team Leader) and Akhilesh Verma (Co-leader).

Participation of the first year B.V.Sc. & A.H. students definitely would have integrated them with BHU campus and its diversified academic excellence.

International Conference held on January 12-13, 2017 in the Department of Farm Engineering, BHU

2.1.1.2. INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

The Institute of Medical Sciences (IMS) comprises of three faculties e.g. Medicine, Ayurveda, and Dental Sciences along with a Nursing College. Initiated as a Department of Ayurveda in 1922, a separate Ayurvedic College was established in 1927 that later on was converted into College of Medical Sciences in 1960. Due to and untiring effort of Padmashree Prof. KN Udupa the college was upgraded as the Institute of Medical Sciences in 1971 and bifurcated subsequently into two separate faculties of Medicine and Ayurveda in 1978. IMS, BHU is unique in the country to leave Medicine and Ayurveda serve humanity together by providing choice based services. Growth during the last three decades has been tremendous and at present the Institute has 50 departments: 25 general and 11 super specialty departments in Medicine with a well established Centre for Clinical Investigations, 15 departments in Faculty of Ayurveda and a single department Faculty of Dental Sciences and a College of Nursing.

Faculty of Medicine

The Institute provides advanced teaching, training and research facilities to the students admitted to various courses. Fully equipped Lab facilities in all the departments in addition to central lab are available for teaching and research programs. The electron microscope installed in the Institute under the Department of Anatomy is a unique achievement which is accessed by all researchers of the University. The Institute Library with internet facility remains open 24 hours even on Sundays and all holidays. Inmates of the Hostels have also been provided with internet along with almost all indoor and outdoor games facilities. In 2006, Institute established a unique Centre for Population Education, Extension and Research (CPERE) which is funded by the UGC. The Faculty of Medicine initiated MBBS course teaching in 1960 and Post graduate courses in Modern Medicine in 1963 and super specialty courses (DM/M.Ch.) in 1976. In the Faculty of Medicine the

courses run are MBBS with 84 seats, Post Graduate courses (MD/MS) with 134 seats allocated in all the general departments, super specialty courses with 24 seats in 11 superspecialities. To cater to the need of Biostatisticians in the country, a course in Health Statistics with 10 seats was started in 2004 in the Division of Biostatistics, Department of Community Medicine and at present it has been enhanced to 21 seats. More than 150 students are involved in interdisciplinary research, being the major objective of the Institute. In addition, to fulfil the need of technical expertise many Diploma/Certificate Courses e.g. PDCC in Anesthesiology, PG DMLT in Pathology, PG Diploma in Medical Technology in Radiotherapy and PG Diploma in Dialysis Therapy in Nephrology are being run.

Faculty of Ayurveda

In the Faculty of Ayurveda Under Graduate course (ABMS) with 60 seats, Post Graduate courses (MD/MS) with 30 seats in all the departments are running. About 100 research scholars are also registered. In addition, various Diploma/Certificate courses PG Diploma in Maternal & Child Care, PG Diploma in Maternal Health Care, PG Diploma in Drug Standardization, PG Diploma in Chhaya & Vikiran, Certificate Course in Prasav Vigyan, PG Diploma in Ksharkarma and PG Diploma in Panchkarma are enriching the human resource. A medicinal plant garden maintained in 10 acres having 200 medicinal plant species under the Department of Dravyagun is doing effort in search of new properties of these plants. The Department of Rasa Shastra maintains a herbarium and crude drugs museum containing 450 herbarium specimens. The Department of Panchakarma provides radical cures of various diseases. The Ksharasutra unit under the department of Shalya Tantra, that has been given much importance by the AYUSH, benefits a large number of patients with ano-rectal diseases.

Faculty of Dental Sciences

The faculty is running under-graduate course (BDS) with 50 seats and post graduate course (MDS) in 12 seats along with Diploma Course in Dental Mechanic and Dental Hygienist. The Nursing College with intake of 100 students each year is a good source to develop skilled human resource.

A 1560 bedded University Hospital (SS Hospital) including 182 beds of Ayurveda and 245 beds for the teaching and training of students of super speciality courses (DM/M.Ch.) along with 334 bedded fully equipped unique Trauma Centre is imparting the best health care to the patients of this region. The allocation of 40 beds in Private Ward, 100 beds in Emergency services and 27 beds of ICU of Trauma Centre work round the clock which is an added facility to the patients. Sir Sundarlal Hospital attached to the

Institute is the only Tertiary Care level Hospital in the Eastern Uttar Pradesh (UP). The Staff Health Centre and Students Health Care Complex are also attached to the Institute providing medical coverage to nearly 20000 students and 60000 family members of University Employees. The hospital is providing medical coverage to more than 150 million population of its vast catchment area of Eastern UP, Western Bihar and adjoining areas of Madhya Pradesh and adjoining country Nepal. It is a premier referral hospital for the City Hospitals, DLW, Military Hospitals, NTPC, Coal India, BHEL and Hospitals of catchment areas. Besides the health care services, Sir Sunderlal Hospital being primarily a Teaching and Training Hospital provides the opportunity of training to under graduate (MBBS/ABMS/BDS), post graduate (MD/MS), Super Speciality (DM/ M.Ch), nursing students and research students. On the performance of the institute, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India under Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana (PMSSY) provided assistance for the construction of Trauma Centre with 334 beds. The Blood Bank of SS Hospital with component separation facilities has been rated as 'A' Grade by NACCO, New Delhi and provided mobile Blood Bank Van costing worth Rs. 1.37 crore. The hospital is fully equipped with Color Doppler, Ultrasonography, a whole body 64 Slice CT Scan under Public Private Partnership (PPP), 1.5 Tesla MRI in addition to conventional radiological investigations, Video-endoscopes, Image-intensifiers, Laser Facilities, DEXA Machine, Harmonic Surgical Knife, Heart Lung Machine, and C-Arm with DSA. The hospital has Intensive Care Unit (ICU), Cardiac Coronary Unit (CCU) with pacing for adults and a level III Neonatal Intensive Care Unit, Paediatric Intensive Care Unit and Paediatric Surgery Care Unit. SS Hospital provides round the clock emergency services, diagnostic workup and labour room facilities. Outdoor and indoor patients load during 2016 were 1524499 and 58390 respectively; 30412 major and minor surgeries were conducted during 2016 and 494 incidental cases got treatments. A total of 2788 deliveries, mostly referral, were conducted during 2016 in the Hospital. The Centre of Clinical Investigation (CCI) carries almost all the investigations round the clock and during 2016 a total of 2277853 various investigations were performed. In SS Hospital, a number of special clinics are being run to meet out the specific needs of certain clinical conditions such as Well Baby Clinic & Immunization Clinic, Geriatric Clinic, De-addiction Clinic, Wound Clinic, DOTs Clinic, Adolescent and Menopausal Clinic, Hematology Clinic, Glaucoma Clinic, Ksharshutra Clinic, ART Clinic, Post Partum Clinic, Diabetic Complication Clinic, Peadiatric Hematology-Oncology Unit & Thalassemia Day Care Unit, Rheumatology Clinic and Dietetics Clinic. Under Public Private Partnership (PPP) special services like 24Hrs Medicine Shop, Panchakarma (Kerla Ayurveda), Bio Medical Waste Management, 24 Hrs. 64 Slice CT Scan Centre, Annapurna Bhojanalaya, Nestle Coffee Corners, Amul Parlours, Public conveniences (Shauchalaya & Bathrooms), 24 Hrs. Refreshment services in Casualty OPD and Extended Dialysis Facility.

Awards of Excellence

Prestigious Civilian Award Padamshree has been conferred to two of our Distinguished Professors Prof. T.K. Lahiri, Department of Cardiovascular & Thoracic Surgery and Prof. RH Singh, Department of Kayachikitsa. The Faculty members of the Institute have also been conferred with various Awards and Fellowships of their respective society e.g. Prof. Shyam Sundar of General Medicine (Fellow, World Academy of Sciences, Vienna, Austria); Prof. Kailash Kumar (Fellow, National Academy of Medical Sciences); Prof. D Das (Sun Pharma Research Award), Prof. SC Goel of Orthopedics (Life Time Achievement Award, UP Orthopaedic Association); Prof. OP Mishra of Pediatrics (Fellow, National Academy of Medical Sciences); Prof. Alka Agrawal of Medicinal Chemistry (INSA Fellowship to visit Ruhr University, Bochum, Germany); and Dr. Rajesh Bansal of Dental Sciences (Common Wealth Academic Fellowship, UK).

Students' Contribution

During this year, Undergraduate students, Junior Residents, Senior Residents and Research Scholars have won various awards and participated in more than 100 National and International Conferences and presented research papers.

Memorandum of Understanding

The Institute has MoUs with different organizations for academic, research and patient care. These are as below:

- Ministry of Health & Family Welfare, Government of India to establish National Skill Centre.
- Department of Health Research, Government of India to establish Viral Research and Diagnostic Laboratory.
- School of Health Sciences, University of Technology Mauritius for Academic Cooperation.
- St. George's University, London for research collaboration.
- Dublin City University, Ireland for Academic and Research Cooperation.
- Creation of Pediatric Hemodialysis under PPP model.

Eminent Visitors to the Institute

More than 70 eminent Scientists visited different Departments of the Institute and delivered Guest Lectures as a part of Centenary Year Celebrations. Among the National visitors were Prof. MK Arora, AIIMS, New Delhi; Prof. P Bhattacharya, Varanasi; Prof. C Swami, Bangalore; Prof. D Chatterjee, President, Indian Academy of Sciences, Bangalore; Prof. S Mazumdar, Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai; Prof. HP Pati, AIIMS, New Delhi; Prof. S Pandey, G.B. Pant Hospital, New Delhi; Prof. M Bhushan Singh, AIIMS, New Delhi; Prof. A Mishra, Meghalaya; Dr. UK Sinha, IHBAS, New Delhi; Prof. S Gopal Ji, Varanasi; Prof. BM Shukla, Former Vice-Chancellor, Gorakhpur; Prof. S Pradhan, SGPGIMS, Lucknow; Prof. S Kushwaha, IHBAS, New Delhi; Dr. OP Tuckar, New Delhi; Prof. S.K. Gupta, Ex-Director, AIIMS, New Delhi, Prof. B Medhi, PGIMER, Chandigarh; Dr. J Desai, Dr. M Bhandari & Prof. D Dalela, KGMU, Lucknow; Mrs. V Sriganesh, CEO, Q Med Knowledge Foundation, Mumbai; Prof. Anil Dutt – RGPG Ay College, Papraola, HP; Prof. SC Varshney, Wardha; Mrs. Vasumati Sriganesh, CEO, Q Med Knowledge Foundation, Mumbai; Prof. Anil Dutt – RG PG Ay. College, HP; Prof.SC Varshney, MG Medical University, Wardha; Prof.P.Bhattacharya, Dean, IGAIIMS, Shilong; Dr. Ram A. Vishwakarma, Director, Indian Institute of Integrative Medicine (CSIR). Delegates from Embassy of the People's Republic of China visited on 20 January 2015. Ambassadors of 22 countries, Srilankan and Nepalese delegates visited Panchakarma section, Kayachikitsa. Other eminent visitors include Dr. D. Mazumdar, President DCI; Prof. Anil Chandra KGMU, Lucknow; Prof. Mohan Gundappa, Theerthankar University, Moradabad; Dr. Rekha Sharma, Institute of Dental Sciences, Pt. B.D. Sharma Health University, Rohtak. Among the International scientists visiting institute were Prof. R Tandon, Cambridge University, UK; Prof Mary Wilson, USA; Dr Upasana Gaur, USA; Dr Albert Picado, UK; Dr Epco Husker, Belgium; Dr David Sacks, USA; Dr Nasim Akhtar, USA,; Prof Jenefer Blackwell, Australia; Dr Micheala Fakiola, UK; Dr. Christian Engwerda, Australia; Prof. Paul M. Kaye, UK; Dr. Philip Desjeux, USA; Dr. Susanne Nylen, Sweden; Murari Lal Das, Nepal; Dr. A.K. Mandal, USA; Prof. Vijay Tiwari, University of California, USA; Dr. Catherine Mohr, USA; Dr. Sherry Wren, USA; Dr. Mahendra Bhandari, USA; Dr. Nicole Kounalakis, USA and Prof. RP Agrawal, University of Miami, Florida, USA; Prof. RP Agrawal, University of Miami, Florida, USA; and Dr. Archana UK.

Outreach Programs conducted by the institute

Health camps and Melas were the continuous activities of different clinical departments throughout the year. Special outreach programmes carried were prevention of tobacco related cancers CA Lung & CA oesophagus, Control of RHD, Prevention and education for Tubercular employma, Education regarding do's and dont's for patients on Warfarin; celebration of Hand Washing Day, World Health Day, World AIDS Day; Breast Feeding Week; 10 training sessions for VHSNC Strengthening, Diabetes screening camp and several Blood donation camps. Organization of Epilepsy awareness program in schools, Rural Epilepsy Workshop of Banaras & local bodies and Rural Health Camps for Stroke and Epilepsy UP, Bihar & MP, Community Outreach Programme on Mental Health Awareness, Workshop under Stress Management & Counselling, live demonstration of various open & endourology proceduresd, organized several Dental camps and Tobacco Awareness campaigns, and celebrated Oral Maxillofacial Surgeons and Orthodontic Days.

Future goal

- Up -gradation of IMS to Status of Institution of National Importance
- Regional Cancer Centre
- Centre for Organ Transplant
- Centre for Cardiac Sciences
- Development of Surgical/Anaesthesia/Dental Super –Specialty Departments
- Advanced Viral Research and Diagnostic Laboratory
- Advanced Toxicology Centre
- Department of Emergency Medicine
- Department of Pain & Palliative Care
- To develop 'Center for the Neurologically Handicapped (physically and mentally challenged) children'.
- To develop a 'State of Art –National Facility for Drug Testing Laboratory' for quality control and standardization of Ayurvedic Medicines
- To develop a 'Centre of Excellence in Ayurvedic Preventive Medicine and Yoga'..
- Increasing of MD/MS/MDS seats in various specialties.

College of Nursing

The School of Nursing was upgraded to the College of Nursing and 4 years B.Sc. Nursing was started from the session 2009-2010 with an annual intake of 60 students that has been enhanced to 100 seats now. 19 students of B.Sc. (Nursing) 4th year participated in National Conference on Occupational Hazards in the health care industry and two days National Conference on "Chemotherapy error and Pathetic Pallative care: Rhetorism to clinical competence." Students of B.Sc. (Nursing) participated in Alumni Meet. Many outreach programs like Great India BP campaign were also supported.

Departments of IMS Treating Patients

STUDENTS/RESIDENT ACTIVITY

Faculty of Medicine

Anaesthesiology	• Dr. Vishal Krishna Pai, JR-III-got WFSA Baxter Scholar Award to attend the World Congress of Anesthesiology in Hong Kong, 2016 • Dr. Ronak Rajen Mankodi JR-III- received first prize in poster presentation in UP CRITICON 2016. • Dr. Amiya Barik JR-III-Won Dr. D.D.Verma best PG paper award in UP ISACON 2016 and received TN Jha and Chansoriya Grant to ISACON, Ludhiana, Punjab. He also won first prize in online quiz competition in ISACON 2016. • Dr. Kumari Sneha JR-II received Usha Mehta Award in Poster Presentation in RASPCON 2016
Anatomy	• PhD Scholars Rashmi Preeti went to Indian academy of genetics conference held 7th to 10th December 2016 • Dr. Deepshikha attended national conference of ASI 2016 held in Jodhpur. • Dr. Ruby Bhola and Prof Royana Singh got the best paper Award UP -ASICON 2016 • Ph.D. Rashmi, Sharda, Preeti and Barkha and MD Samata, Deepshikha, Ruby, students presented papers at Conference of UP chapter of Anatomy held at Lucknow in Oct 2016. • Dr. S Khanna and Dr. Deepshikha attended APICA-2016 at Singapore • Dr. Ruby Bhola got ICMR fellowship • Ms. Preeti was awarded Rajiv Gandhi national fellowship UGC • Ms. Barkha got BHURET • Dr. S Khanna done TEM and embryology training at AIIMS Delhi and Mumbai respectively
Biochemistry	• Dr. Renu Kumari and Dr. Roshani Gavel have been awarded MD and Dr. Akhilesh Kumar Verma PhD degrees in year 2016.
Cardiology	• Faculty Members attended various state and national level conferences like Cardiological Society of India (CSI), INDIA LIVE, National Interventional Council) and Trans Catheter Interventional, UP CSI and presented 8 papers in poster presentation in 2016 .
Endocrinology & Metabolism	• Sr. Residents and Ph.D. Scholars attended ESICON 2016. Ph.D. scholars attended 21 days workshop on Statistics and 10 days workshop on Excel & SPSS
ENT	• Dr. Purnima Joshi, JR III secured All India Rank III in Young Genic championship held by Abott Pvt. Ltd. for July 2016.
Forensic Medicine	• Dr. Mayank Gupta SSR, Dr. Shamim Raza, JR-III, Dr. Neelesh Kumar Shakya, JR-III and Dr. Piyush Kumar Gangwar, JR-II attended National and International conferences and published papers.
Gastroenterology	• Dr. Raju Kumar, Dr. Sanjay Kumar Agrawal and Dr. Manzar Husain Usmani submitted their synopsis. All resident pursuing their research work besides clinical activities.

Inauguration of Annual Day of Institute of Medical Sciences

Snapshot from Health Mela, Faculty of Ayurveda

General Medicine	• Dr. Satvik Khaddar, got 1st Prize in ISHBT State and Zonal level and 3rd in National Heamtology 2016 and presented poster at Haemtocon, Jaipur. • Dr. Shubham Prasad, Dr. Rudra Prasad Sahu, Dr. Amit Singh, Dr. Saurabh Nigam, Dr. Chakra Diwakar, Dr. Sharad Dev, Dr. Shivam Verma, Dr. Kunwar Ashish, Dr. Priyanka Singh, Dr. Anand Pandey, Dr. Abhishek Agrawal, Dr. Chandan, Dr. Saumyaleen Roy, Dr. Rohit Singh, Dr. Awadesh Narayan and Dr. Siddharth Jain attended UP APICON, HEMATOCON, CRITICON, CIDSCON, Mid Term ISECON and IRACON and presented papers and posters. • Sri Abhishek Kumar Singh, Sri Om Prakash Singh and Ms. Neetu, Ph.D. Scholars got Award for Young Investigator from India and Southeast Asia, Bill & Mellinda Gates Foundation, USA in 2016 in 17th ICID 2016 in India • Sri Om Prakash Singh also got Rashtriya Gaurav Award; American Association of Immunologists (USA) International tr avel award& Young Scientist Award for best presentation in BIOKUMBH-2016 and attended International Congress on Immunology-2016 held at Melbourne from 21-26 August,2016. • Ms. Bhawana Singh, Ph.D. Scholar got travel award from ICGEB for oral presentation in Workshop on Molecular Biology of Leishmania in Trieste(Italy); Awarded travel award from DST for attending International Congress of Immunology-2016; Selected for travel award from ICMR, DBT and Centre for International Cooperation in Science (CISC) for attending International Congress of Immunology-2016. 2016: Selected for travel award from for attending International Congress of Immunology-2016. She also got Young Investigators travel award from International Society for Infectious Diseases for 17th International Congress on Infectious Disease.
Microbiology	• Dr. Manish Kumar Purbey, JR III and Dr. Sourav Pal, JR II attended CIDSCON 2016, TROPACON (UP & UK Chapter) -2016 and UP MICROCON -2016 and presented posters. They also published papers in national journals. • Dr. Chandra Bhan Pratap; Postdoctoral Fellow got DST-Fast Track Young Scientist, Department of Science and Technology, New Delhi; UGC -Postdoctoral Fellowship, UGC-New Delhi • Ms. Pallavi Sinha, Res. Scholar published two Papers in International journals and one in National journal and Mr. Ashish Kumar Singh, Res. Scholar published one paper in International Journal.
Neurology	• Residents participated annual sports events and presented paper and attended academic programme. • Five articles has been published in **Lancet** by Shri Dinesh Chandra Sharma, Ph.D. scholar.
Obstetrics & Gynaecology	• Dr. Gayatri got 1st Prize and Dr. Abha got 3rd Prize in Paper presentation at SAVMA 2016 at Allahabad. • Dr. Akansha and Dr. Nikita got 2nd prize in extempore in All India FOGSI FORCE, Teaching Delegation, 2016 at Allahabad.
Ophthalmology	• Students are involved in research and outreach activities in form of eye camps

Pathology	• Dr. Mayurakshi Das, JR -III got 1st prize in ISHBT State and Zonal level and 3rd Prize in National level Quiz competition. She presented three research papers also • Dr. Mohammad Frayez, JR-III got 1st prize in poster presentation in PATHCON 2016. • Dr. Andleeb Zehra JR-III presented papers in UP PATHCON-2016 UP CYTOCON-2016 • Dr. Sachidanand Sinha, JR-III presented posters in UP CYTOCON-2016 & UP PATHCON -2016. • Dr. Pankaj Pandey, JR–III give oral presentation at UPPATCON - 2016. • Dr. Amitesh Kumar Singh, JR -II presented paper at UP PATHCON, 2016 in Jhansi. • Dr. Stuti Kumari & Dr. Nivedita Mahto, JR-II presented posters at UP CYTOCON, 2016, HEMATOCON, 2016 & UP PATHCON, 2016 • Dr. Rishila Majumder, JR -II presented poster at UP CYTOCON, 2016, UP PATHCON, 2016 and HEMATOCON, 2016 • Dr. Apoorva Agrawal, JR -II presented poster at UP PATHCON -2016 • Dr. Deepshika, JR-II presented posters at International CME in Pathology, Histopathology and Cytopathology, 2016, UP CYTOCON -2016 & UP PATHCON-2016 • Dr. Divya Singh, Jr. Resident - I presented poster entitled "Primary Laryngeal NHL- A Case report" at UP PATHCON, 20 16 in Jhansi. • Dr. Neha Gupta Jr. Resident -I got 1st Prize in poster presentation entitled "Leprosy– A Rarer Causes of Lymphoadenopathy– report of two cases" and at UP CYTOCON, 2016 in Gorakhpur. • Dr. S. Venu, Jr. Resident -I, presented poster entitled " Benign perivascular tumor of cervix (Myopericytoma of Cervix - A Rare case report)" at UP PATHCON-2016 in Jhansi.
Pediatrics	• Dr Prashant Chhabra participated in Hematology quiz (National Round) during HEMATOCON 2016 held at Jaipur • Dr Abhijeet and Dr Vidya participated in PG Quiz (National Round) held during PEDICON 2017 at Banglore • 6 PG Students presented posters in National conferences
Pharmacology	• Ms. Dev Priya, Research Scholar was awarded University deputation to attend and present research paper at International Pharmaco- economic conference at Singapore. • Mr. Dinesh Kumar, Research Scholar attended International Pharma-covigilance course at JSS Medical University, Mysore by Special fellowship Award. • Dr. Gomathi G, Resident, participated in national training programme in Pharmacology Research and Education at Sri Ramachandra institute of Medical Sciences, Chennai and also Research Design in Clinical Pharmacology Workshop.
Physiology	• Ms. Aparna Akella got Ph.D. degree
Plastic Surgery	• Residents in the department participated in Rashtriya Sanskriti Mahotsav. • They also presented a case of 'Battery blast' facial injury with loss of mandible from angle to angle in Varanasi Plastic Surgery Forum.
Radiotherapy & Radiation Medicine	• Dr. Ritusha Mishra, Senior Resident received Best Paper award at UPAROICON-2016, at Varanasi • Ms. Sajani , Resident, Medical Physics received 2nd Best Paper Award in Medical Physics at UPAROICON -2016

TB & Resp. Diseases	• Dr. Mujeeb Rehman K.K. JR-II attended the chest world congress and presented a paper. He also received "Young Scientist Silver Sponsorship" award & Young Scientist award by Europian Respiratory Society & Indian Chest Society respectively. • Dr. Avinash Jain won the Zonal round of TYSA chest quiz and also presented his research paper in annual conference of European Respiratory Society in September 2016 • Dr Mritunjay Singh (SR) Dr. Mohit Bhatia (SR) and Dr. Mujeeb Rehman K.K. (JR) got Indian Chest Society Travel grant of INR 50,000 each to attend the annual conference of European Respiratory Society in September 2016 in London England for presenting their research paper. • Dr. Arvendra Singh received National College of Chest Physicians Young Scientist award for presenting his research paper at joint national conference of Indian Chest Society and National College of Chest Physicians NAPCON 2016 held at Mumbai. • Dr. Mohit Bhatia (SR) Dr. Mujeeb Rehman K.K(JR II) Dr. Avinash Jain, Dr Balgovind, Dr. Arvendra (JR II), Attended the Joint National Conference of Indian Chest Society and National College of Chest Physicians NAPCON 2016 held at Mumbai. All of the above mention presented their abstracts in the award session there. • Dr. Nazmy Abdul Lateef, Dr. Atul Tiwari and Dr. Ankit Patel attended the Annual Conference of "Clinical Infectious Diseases Society (CIDSCON) in August 2016.

Faculty of Ayurveda

Dravyaguna	• A herbal excursion tour of M.D.(Ay.) Second year & Final year was conducted from 06.01.2017 to 21.01-2017
Kaumarbhritya-Balroga	• Dr. Suraj Ingole, MD Scholar presented paper in one International and one National Seminar, participated in four Workshops and in One Quiz Competition • Dr. Kumari Vandana, MD Scholar presented paper in one International and Two National Seminars, participated in three Workshops, one quiz competition and attended one International Conference • Dr. Anant Pawade, MD Scholar participated in one workshop and two Medical camps • Dr. Amber Sahu, MD Scholar presented papers in one International, Two National Seminars, participated in three Workshops, one National Seminar and One Quiz Competition • Dr. Amrita Chaudhary, MD Scholar presented paper in one National Seminar, participated in three workshops and in One Quiz Competition • Dr. Neha Jaiswal, MD Scholar presented paper in one National Seminar, participated in Two Workshops and One Quiz Competition • Dr. Smriti Singh, MD Scholar presented paper in one National Seminar and participated in Two Workshops • Dr. Ajeet Singh Yadav, MD Scholar participated in Two Workshops • Dr. Rajendra Kumar, MD Scholar participated in Two Workshops

Inaugaration of Health Mela

Health Mela in IMS premise

Felicitation of Padma Awardees of the Institute

Inauguration of Kitchen, S.S. Hospital

Inauguration of Pain & Palliative Ward, S.S. Hospital

Patient care on Cancer Day

Inauguration of Orientation Programme for 1st Year Junior Residents

Inauguration of Public Lecture Series on Health

Vasant Panchami (Jhanki) Celebrations of IMS

Kayachikitsa	• Dr. Kamodkumar Shamrao Girhepunje participated in13th Dhanwantari Seva Yatra at Dist -Dibrugarh of Assam from 21st to 28th Feb, 2016 and in Bharatratna Mahamana Pd. Madan Mohan Malviya Swasthya Seva Yatra on 21st Aug, 2016. • Dr. Kamodkumar Shamrao Girhepunje presented a paper in Two National seminars, one International Conference and participated in one National Workshop • Dr. Rajesh Jain participated in Free Medical Camp organized by *Shiv Pratap Memorial Foundation*, Varanasi on 3rd January 2016, • Dr. Rajesh Jain presented papers in three International Conferences, one National Seminar and participated in one National Workshop. • Dr. Amrit Godbole presented papers in two International Conferences, five National Seminars and participated in one National Workshop. • Dr. Amresh Mishra, Got Best Paper Presentation award in the International Seminar on Use of Medicinal Plants and Management of Life Style
Kriya Sharir	• Dr. MamtaTiwari, has been awarded Yoga Patnjali Award by Bharat Seva Sansthan, Lucknow and Association of Ayurvedic Professionals of North America, USA • Krishna has been awarded Best Paper Presentationon in National Workshop on Research Methodology" Organized by ParshwanathVidyapeeth,Varanasi • Anam Aftab has been awarded Acharya Vaidya Yadunandan Upadhyay Memorial Gold Medal for securing highest marks in Kayachikitsa in 3rd prof BAMS Exam, 2014, Ram Devi Tiwari Memorial Gold Medal for Securing Highest Marks in aggregate of all the three professional BAMS examination, 2014 and Ayurvisharada Award of Rs 10,000/- by Himalya Drug Company for securing second position in the final year of BAMS examination, 2014. • Dr. Abha Singh participated/presented papers in four National Seminars/Symposiums, one International Conference, participated in two National Workshops, one Health Exhibition fair and in Bharat Ratna Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya Swasthya Sewa Yatra -2016 • Dr. MamtaTiwari, PhD Scholar, Got selected in MP PSC for the post of Medical Officer • Dr. Anam Aftab participated in symposium on "Essential drugs list of Ayurveda by Ministry of Ayush, organised by Department of Rasa Shastra, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU. • Shriti Singh, Ph.D scholar, participated in Workshop on "Application of Statistical Tools & Softwares" organized by Division of Biostatistics Department of Community Medicine, IMS BHU • Krishna, PhD Scholar, published one Research paper, presented paper in two International Conferences, one National Seminar and participated in one National Workshop • Arun Kumar Verma, PhD Scholar published one Research paper, presented paper in one International Conference, one Nationa l Workshop and participated in four National workshops • Dharmendra Kaithal, PhD Scholar, participated in one International Conference and two National Workshops • Deeksha Singh, PhD Scholar, presented paper in one International conference and participated in three National Workshops • Sandeep Singh, PhD Scholar, published one research paper, presented/participated in four International Seminars and participated in two National Workshops • Ravi Kant Tiwari, PhD Scholar, participated in two National seminars and three National Workshops • Sandeep Chaudhary, PhD Scholar presented/participated in two International • Seminars and two National Symposium/Workshops • Rinki Kumari, PhD Scholar, published six research papers and presented/participated International conference in one • Dr. Saurabh Yadav, MD(Ay.) Student participated in two symposiums and one International conference Dr Santosh Kumar Ranjan, MD(Ay.) Student presented paper in three International and two National seminars and participated in two National symposiums, one National Workshop and in Bharat Ratna Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya Swasthya Sewa Yatra and Health Exhibition and Fair, IMS, BHU

Medicinal Chemistry	• Dr. Nidhi Pandey and Dr. Amit Kumar Sharma were awarded their Ph.D. degree • Mr. Vivek Pandey, Mrs. Durgawati Yadav, Mr. Vishal Singh and Mr. Ramakant submitted their Ph.D. thesis • Mrs. Rashmi Shukla (research scholar) attended a national seminar at Sagar University, MP • Ms. Prerana Aditi attended a short term training programme on epigenetics related techniques at NIPER, Mohali • Ms. Khushboo Sharma (research scholar) attended two months training programme at Medicinal and Process Chemistr y Division of CDRI, Lucknow, Feb. 2016 • Ms. Khushboo Sharma (research scholar) presented papers in one International Seminar and one National Seminar • Mrs. P Rawat (research scholar, external) presented papers in one National Seminar and one National symposium
Prasuti Tantra	• Therapeutic Procedures/Research activities • Participation in health exhibition, Health Camps, Seminars and Conferences
Rasa shastra	• M.D. (Ay) and Ph.D. scholars of the department are engaged in their research projects. Everyone is keenly participated in the research work related activities of one another. • Junior & Senior Residents and Ph.D. scholar of the department are actively involved in Children Film Bonanza and other events held during Rashtriya Sanskriti Mahotsava - 2016 Festival o rganized by Ministry of Culture, Government of India, New Delhi, at Banaras Hindu University, Varanasi, from 18 to 24 Dec 2016. • Junior Residents and Ph.D. scholars of the department participated in Workshop and presented papers during scientific sessions in 7th World Ayurveda Congress, Kolkata, West Bengal from 01 to 04 December 2016. • Senior Residents and Ph.D. scholars had taken classes for the students of B. Pharma (Ay) and M. Pharma (Ay) at Rajiv Gandhi South Campus (BHU), Barkaccha, during the session of 2016- 2017. • Junior Residents of department have visited Haridwar, Dehradun, Uttrakhand, for their educational tour from 27 to 31 Jan 2017.
Samhita & Sanskrit	• Students are engaged in study, research work & render OPD services in SS Hospital, BHU
Sangyaharan	• Dr. Alok Srivastava published two research papers, presented/participated in two conferences, three Workshops and two CME • Dr. Ramesh Chandra published two research papers, presented/ participated in two conferences, one workshop and one CME • Dr. Shriram T. Morey presented/ participated in two conferences, three workshop and two CME • Dr. Vijay Kumar Gupta presented/ participated in two conferences, three workshop and two CME • Dr. Satyendra Singh presented/ participated in five conferences, two workshop and two CME • Dr. Sarita Meena presented/ participated in five conferences, two workshop and two CME • Dr. Satyendra Kushwaha participated in one workshop • Dr. Ravi Singh presented/ participated in two conferences, two workshops and two CME • Dr. Vimal Prakash p resented/ participated in two conferences, two workshops and two CME

Shalakya Tantra	• Dr. Priyanka Joshi, Ph D Scholar participated in one CME • Dr. Arvind Gautam, M D scholar aprtcipated in four Seminars and published two papers
Siddhant Darshan	• Dr Devana nd Upadhyay, SR and Ph D scholar partipated in four workshops, 12 seminars and published one paper • Dr Henakhatoon, MD Scholar participated in three National seminars, one workshop and published one article • Dr. Sharvari Ramakant Satkar, MD Scholar participa ted in three National seminars and published one article • Dr Sonam Jain, MD Scholar, presented papers in two National seminars • Dr. Ravindra Singh, MD Scholar presented papers in two National seminars and participated in one symposium • Other Ph D Scholars participated in ten Seminars , five workshops and published seven papers
Swasthavritta & Yoga	• Active participation in Research, Seminars, Health Camps & Yogic practices for undergraduates and patients and participated in International Yoga Day • Yogesh C Gupta, Ph D scholar presented paper in one International and four Nationa conferences, participated in six National Workshops • Mukesh Kumar Upadhyay, Ph D scholar presented paper in seven International and two National conferences, participated in eight Natio nal Workshops • Dr. Data Ram, MD scholar presented paper in two International and one National Seminar, participated in one National Workshop • Dr. Vineeta Singh, MD scholar presented paper in one International and one National seminar, participated in three N ational Workshop
Vikriti Vigyan	• M.D. (Ay) and Ph.D. scholars of the department are engaged in their research projects. Everyone is keenly participated in the research work related activities of one another • Actively participated and presented paper in International and National conferences

Faculty of Dental Sciences

All the Residents of the Faculty attended 21st IOS PG Convention held at BHU, Varanasi.

2.1.1.3. INSTITUTE OF ENVIRONMENT & SUSTAINABLE DEVELOPMENT

The UN General Assembly in its 57th session in December 2002, proclaimed the period 2005 –2014 as Decade of Education for Sustainable Development (DESD). DESD visualized that education for sustainable development will develop and strengthen the capacity of individuals, groups, communities, organizations and countries to make judgements and choices in favour of sustainable development. In accordance with the UN visualization that higher education should contribute significantly to the development of appropriate knowledge and competences in the area of sustainable development, Banaras Hindu University established a national level Institute of Environment & Sustainable Development in the year 2010. Recruitment of faculty was done in the year 2011.

The Institute aims to cover education about and for sustainable development. The mission of the Institute is to carry out teaching, research and extension relevant to India's sustainable development leading to a future that ends poverty and delivers and sustains efficient and equitable management of the country's natural resources. The objectives of the Institute are to (i) increase, improve, and deliver environmental and sustainable development education, (ii) work in interdisciplinary approach mode to increase the level of environmental management and sustainable development education, (iii) research on sustainable social and economic development issues at community level and contribute in the enhancement of public awareness of issues and challenges of sustainable development, (iv) create a discussion forum to provide a better understanding of environmental and social problems in the context of sustainable development, stimulate scientific discussion and develop policy relevant approaches and analysis for decision makers, and (v) work with government agencies and departments to develop a national policy and implement sustainable development initiatives

Teaching Programmes

The Institute contributes to interdisciplinary education in the areas of environment and sustainable development. The Institute has been running an Integrated M.Phil.-Ph.D. programme since the academic session 2012-13. Curriculum and Ordinances governing the Integrated M-Phil.-Ph.D.

Degree programme was approved by the Academic Council of the University under ACR No. 68 of 5th March 2012. Apart from teaching M.Phil.-Ph.D. students, the faculty members of IESD participate in the teaching and Dissertation guidance in M.Sc. Geophysics and M.Sc. Environmental Science, M.Sc.(Tech.) Environmental Science& Technology and M.Sc. Applied Microbiology courses of various faculties at Banaras Hindu University and other national/International Universities.

Research Programmes

The Institute organizes and leads inter-disciplinary and collaborative research to design, assess and manage systems that meet societal needs in a more sustainable manner. The priority research areas where the faculty members of IESD are continuing include Earth and Atmospheric Sciences, Ecological Sciences and Environmental EicrobiologyManagement. In addition tof the continuation of research projects, IESD faculty members are conducting five new research projects in the current session. The projects have been funded by Government of India sponsoring agencies such as DST, SERB, DBT, CSIR, Ministry of Foreign Affairs, Government of Japan and other National/ International agencies.

Outreach/Extension

Through its outreach activities, the Institute wishes to engage a variety of stakeholders in promoting sustainability, including community level demonstration projects, training programmes, conferences, workshops and seminars, etc. The Institute also aims to develop factsheets, status reports and educational resources and contribute towards policy making.

Academic/ Research/Administration Activities by IESD faculty members

1. M.Phil. Teaching at PG level- Environmental Science and Sustainable Development.
2. M.Sc. Environmental Science (Environmental Technology) teaching at PG level.
3. Ph.D. course-work in Environmental Science and Technology.
4. M.Sc. classes of Geophysics, Environmental Science and Applied microbiology.

Centenary Year Celebration

- 12 April, 2016 - Faculty-Student Interaction- "Life, biomolecules and environmental stresses" by Prof. R. S. Dubey, Vice-Chancellor, Tilka Manjhi University, Bhagalpur, Bihar
- 21 February, 2017 - Faculty-Student Interaction "Global Climate Change: Role of human activity, ecosystems and agriculture" by Dr. Prabir K. Patra, Senior Scientist at JAMSTEC, Japan.

Details of research facilities available for students

The IESD has a central instrumentation lab which is equipped with major instruments like Gas Chromatography, HPLC, Solar Photovoltaic Training Kit, UV-Visible Spectrophotometer, thermal cycler, Electrophoresis System, aerosol Sampler for the students of IESD and other faculties of BHU.

2.1.1.4. INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

The University achieved another milestone towards materializing the dreams of its great founder, when it started Post Graduate and doctoral program in Management in the late 1960s, precisely in the year 1968 as a Department in the Faculty of Commerce. Envisaging the increasing need for imparting quality management education and research, the University transformed the Department of Management Studies into an independent Faculty of Management Studies in the year 1984. Dedicated efforts were made to run innovative, need based programs for the corporate world under the dynamic leadership of professors of national and international repute. The Faculty has been upgraded to Institute of Management Studies vide University Notification No. R/GAD/Amend. Statute 3.A/136737 dated 16 December 2015.

Vision, Mission and Objectives

Management education is gaining more and more importance and momentum in today's world. Skills of professional management make career oriented younger generation more confident and successful in achieving their dreams. Organizations also require professional hands blended with management skills to carry out their future growth plans.

In the present scenario, at Institute of Management Studies, BHU, we understand that the responsibilities and challenges before management institutions in general and that of the Institute, being one of the premier management institutions in the country in particular, are high. Keeping all these in view, the following Vision, Mission and objectives have been set for the Institute :

Vision

The Faculty aspires to be one of the most admired Global Centres of Excellence committed to redefining the domain of Management Knowledge and developing socially sensitive leader-managers.

Mission

The mission of the Faculty of Management Studies is to cater to the needs of the business, industry and other vital sectors through quality

education, research, consultancy and other professional services.

Objectives

- To impart need based education to promising young talents aspiring to carve their careers in management.
- To enrich the field of management through research - both applied and conceptual, and quality publications.
- To enhance the decision making skills and the administrative competence of practicing managers through MDPs and solve their specific problems through consultancy services.
- To enrich the knowledge and skills of teachers of various Management Institutes through Quality Improvement Programs.
- To collaborate with the corporate and world class academic institutions for the furtherance of management education and research and also for bridging the line of divide.
- To inculcate the Entrepreneurial orientation in the students/ youth of the region.

Need based programs

Considering the changing requirement of the corporate world, the Institute conducted a variety of innovative management programs during these years. Besides doctoral program in management, the Institute conducted a two year full time post graduate degree program - Master of Management Sciences, later nomenclatured as Master of Business Management, and then Master of Business Administration. To facilitate imparting management education for desiring candidates who are already in job, we had conducted part time (three year) degree program in management studies (Master of Business Management). The faculty also previously launched one year part time Post Graduate Diploma in three different disciplines of management viz., Personnel Management, Marketing Management and Financial Management for working executives.

With continuous revision and innovation, the Institute has always been grooming managers capable of handling complex business operations of the day and future. After being upgraded to Institute of Management Studies in December 2015, the Institute is working on a variety of proposals to launch collaborative and innovative academic programs including B.Tech. – MBA, B.Sc. MBA, Executive MBA etc.

Collaborations with Corporate World

The Institute is having strong linkages with corporate world. It has made constant efforts to invite top business executives to our Faculty for delivering guest lectures on topical issues and for interactions with our students and faculty members. Further, senior executives from industry have always been part of our key resource persons in various academic events being organized by the Faculty viz., year long lecture series, Seminars, Conferences, Workshops, Brain Storming Sessions, FDPs, MDPs and in other training programs. These academic interactions and lectures always contributed strengthening the teaching learning process in the Faculty. We have also received enriching suggestions and support from the industry in the process of curriculum revision.

Alumni Linkages

The Alumni of the Institute is of 4500 plus community spread all over the world. The alumni association is working very actively and contributing towards strengthening the linkages with corporate world.

Collaborations

- Allahabad Bank Chair
- Consultancy Project with Bhadohi Industrial Development Authority.
- Organized Disha - Training programs for Indian Oil Corporation Ltd.
- Corporate Training programs for Sasan Power Project (Reliance Power)
- Conducting Faculty Development Program under NIMAT Project of Department of Science & Technology, Ministry of Human Resource Development for capacity building for fostering entrepreneurship among students of technical institutions (for faculty members of technical institutions)
- Conducted in - house training programs/MDPs for several organizations including, NTPC, UPRVUNL (Anpara Thermal Power Projects),

Vindhyachal Super Thermal Power Station, Kendriya Vidyalay Sangathan, Indian Postal Dept., etc.

- Empanelled as Training Institute for conducting National Training Programs for Franchisee and C&D employees of PVVNL (collaboration with Rural Electrification Corporation, Ministry of Power)
- Collaborated with ICICI Prulife to conduct One year PG Diploma in Management and Insurance
- Conducted consultancy projects for UNDP and Fellowship programs for WHO Health executives.

Collaborations with International educational institutions

The Institute is strongly pursuing for international academic linkages with world renowned institutions of higher education. Recently top academicians from world institutions from different countries have visited the Institute. On this initiation, the University signed MoUs with the following institutions recently:

- Ethiopian Civil Service College, Ethiopia
- Wilkes University, Pennsylvania, USA
- School of Business, Claflin University, USA (to be signed)
- University of Lausitz, Germany (to be signed)

Besides the above institutions, the Institute also collaborated with the several other international institutions for intellectual and academic partnership on various occasion Some of the institutions are:

- School of Business, the University of Kansas, USA.
- School of Agriculture & Computer Sc., Tennessee State University, USA
- Global Strategic Management Inc., USA
- Institute of Customer Relationship Management, USA

Recognitions

- DRS – Phase II SAP (Special Assistance Program) (UGC)
- Identified as one of the Quality Improvement Program Centres.

Taking cognizance of its expertise and deep commitment to learning, the Institute has been identified as one of the Quality Improvement Program Centres by the All India Council for Technical Education for developing and updating the teachers of management institutions of the country in the year 2001. Since then the Faculty conducted around 30 short term (6-day) Programs on various topics under this scheme.

Identified as the host Institution for national doctoral fellowship in Management

- Entrepreneurship Development Cell (AICTE)
- Industry Institute Partnership Cell (AICTE)

Contributions

Regular academic programs

The Institute has produced over 4500 management graduates since its inception who are serving in key administrative positions of private and public sector organizations across the globe. This is besides over one hundred Doctoral dissertations and several hundreds of PG diploma programs run by the Institute.

Research publications

The Institute is having its own Research Journal : BHU Management Review – A Journal of contemporary management research (ISSN 2231 0142) - Faculty members have published over 100 books and over 500 research papers in journal of national and international repute.

Outreach / Extension activities : High profile academic events organized recently:

- Adoption of Villages under Unnat Bharat / Samarth Gram Abhiyan
- Industry Academia Summit 2012 (12-13 October 2012; Jointly with BHU Placement Coordination Cell)
- International Workshop on Marketing Paradigms in emerging economies (4-5 December 2012),
- International Workshop on Post Economic Meltdown Era: Challenges & Strategies (Jointly with Association of Management Development Institutions in South Asia (AMDISA – A SAARC body), Alliance University, Bangaluru) 4-5 February 2012
- Conference on Inclusive Growth & Micro Finance Access (CIGMA)

- Directors' Conclave on Quality Paradigm in Higher Education
- National Workshop on Financial Administration of Institutions of Higher Education (Jointly with Association of Indian Universities)
- International Conference on Strategic Management of Energy, Environment & Disaster for Sustainable Development (ICONSMEEDS)
- International Conference on Agriculture and Rural Development (ICARD)

Besides, the Institute organized over 50 academic conclaves in the recent past.

Also conducted training programs for:

- Rural Electrification Corporation Ltd.,
- HRD Cell, BHU,
- Teacher Empowerment Program by Microsoft of NMEICT, Ministry of HRD,
- FDPs of NIMAT, Department of Science and Technology
- Quality Improvement Programs of AICTE
- Management teachers training under Quality Improvement Programs of the AICTE: Over 500.

Business Clinic

Setting up of Business Clinic was an innovative step taken by the Faculty. The objectives of this initiative were: to bridge the gap between the theoretical and the practical concepts of business extending learning beyond classrooms and to provide expert services to the entrepreneurs and to business units.

Community Services

SEVAARTH For serving Humanity is a Social Club of Management Students of the Institute formed as part of the initiatives of DRS 1 Special Assistance Program of University Grants Commission. This initiative is to attract the young generations towards social cause and inculcate a sense of social responsibility among the youngsters.

Activities so far: Organizing Blood Donation Camps, Distribution of Blankets to poor patients admitted in SS Hospital, interaction with social entrepreneurs, visits to various social enterprises, Celebrated Joy of Giving Week, etc.

Alumni activities

Since inception of management programs, the University has produced over 4500 management graduates who are currently serving in key positions of public and private sector organizations across the globe. BHU Management Alumni Association (BHUMAA) is playing vital role in strengthening the network of this fraternity. BHUMAA has regional chapters in India and abroad.

The Association is also contributing towards the developmental initiatives of the Institute, strengthening its linkages with corporate world, arranging training and placement to management students of the Faculty.

The Association regularly organizes its annual meet in the University campus. This annual meets are marked with Honoring eminent alumni with Distinguished Alumnus Awards for their outstanding achievements, distributing scholarships and awards to the budding managers sponsored by alumni, get together of specific batches etc.

During this year, the Institute organized various developmental activities besides its regular academic Programs. These are detailed in section 1 and in the following sections.

Events' Date

- Workshop on Transacting Students' Engagements For Promoting Rural Resilience in collaboration with National Council of Rural Institutes, MHRD, Government of India held on March 30-31, 2017.
- Export Awareness Programme under Niryat Bandhu Scheme in collaboration with DGFT, GoI & Federation of Indian Export Organizations held on March 22, 2017.
- Workshop & Panel Discussion on Union Budget 2017 (Resource Person Ms. Jamuna Shukla, Chartered Accountant, Varanasi held on February 27, 2017.
- Ransangram 3 (under Kalpvriksh) held on February 25-26, 2017.
- Interaction with Mr. Vijay Vikram Singh, Alumnus & Voice over Artist held on February 18, 2017.
- PDP Session for students and scholars by Mr. Ajay Sahoo, Director, Influer RESSOURCE HUMAINE Solutions LLP, Delhi held on February 18, 2017.

- DISHA – Two-day training program for Dealers of IOCL held on February 17-18, 2017.
- Guest Lecture or students of Diploma & Certificate & by: Sri Nishant Gupta, General Manager, Training, Reliance Power Ltd held on February 8, 2017.
- DISHA – Two-day training program for Dealers of IOCL held on February 8-9, 2017
- UNNAYAN 2017 – Annual Sport and Cultural Events of the Institute held on February 4-10, 2017
- The Lima Sister City Delegation Visit. Prof. James M. Harder (President, Bluffton University), Prof. Karen Klassen Harder (Professor of Business Management, Bluffton University) and Dr. Suman Kumar Mishra MD FACE Prof. Karen Klassen Harder delivered on "Images of leadership in Business" held on February 4, 2017.
- Vasantpanchami – University Foundation Day held on February 1, 2017.
- Degree distribution Ceremony as part of the 99th Convocation of the University (for students graduated during 2014-16) held on January 16, 2017.
- Management Exhibition as part of RSM BHU 2016 held on December 23, 2016.
- Institute Day Observed held on December 16, 2016.
- 32nd SAARC Charter Day held on December 8, 2016.
- Interaction Session with Prof. Rohit Kapur, IIM Indore held on November 23, 2016.
- Guest Lecture by Mr. Pradeep Chhajerh, COO, Travers Benswara Pvt. Ltd., Mumbai held on November 15, 2016
- Informal Interaction with Mr. Abhishek Rai, NCDEX for students of MBA and MBA IB held on November 4, 2016
- Guest Lecture by Mr. Vinay Singh, CEO Wealth Value pvt. Ltd., Mumbai held on October 26, 2016
- Workshop on Gender Sensitization held on October 25, 2016
- Interaction Session with Shri R. Gandhi, Sr. Dy. Governor, Reserve Bank of India held on October 22, 2016
- Workshop Skill Development - Value Proposition in Association with Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra, RGSC Chief Guest: Sri B.K. Sikdar Director, Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, GoI held on October 18, 2016.
- Guest Lecture and interaction session with Dr. B.R. Singh, Director, ISPAT industries Ltd. held on October 7, 2016.
- Guest Lecture and interaction session with Dr. Atul Parvatiyar, CEO, ICRM, Malaysia held on October 5, 2016.
- Stock-mind Season V in collaboration with ICICI Direct Centre for Financial Learning held on October 1, 2016.
- Idea Game organized by Kalpavriksha in Collaboration with Ensygnia, a UK based technology firm held on September 24, 2016.
- Guest Lecture by **Shri Kamal Kumar, Sr. General Manager, Dhanuka Agritech Limited** held on September 19, 2016.
- Workshop and Hands-on Training for Research Scholars On use of Prowess IQ (CMIE) held on August 5, 2016.
- Special Lecture Series on Social Innovation & Entrepreneurship – an initiative under DRS Level II Special Assistance Program of UGC held on July 18-19, 2016.
- Standup India Meet organized jointly with Dena Bank held on July 11, 2016.
- Interaction sessions of Entrepreneurs/ senior executives with newly admitted students of MBA & MBA IB programs for session 2016-17 held on July 11-18, 2016.
- Evening with Entrepreneurs- An interaction session with leading entrepreneurs organized for students of Diploma and Certificate courses running in the institute held on April 20, 2016.
- Visit of Delegation from Purbanchal University, Nepal held on April 4, 2016.
- Workshop and Panel Discussion on Union Budget 2016: Mr. Rajesh Bhatiya- Entrepreneur; Mr. Amit Kumar- Dy. Director General of Foreign Trade; Prof. P.R. Nath- Department of Economics, BHU; Prof. Rakesh Singh- HOD Institute of Agriculture Science, BHU held on April 4, 2016.

Research Facilities available for students

The Institute is offering professional post graduate management programs. The students are required to do minor projects, dissertation and 8-week practical training reports as integral part of their course curriculum.

Intellectual Sharing

The most important facilitation is the availability and accessibility of intellectuals across almost all known disciplines for any interdisciplinary research and consultation under one roof. Students, research scholars and faculty members are free to consult other teachers, scholars and students of different academic units of the University. This is one of the rarest situations to be seen across the world.

Facilities for Students: Hostel Facility, Library Facility, Book Bank Facility, Free-ship & Scholarship and Computer Learning Facility.

Online Data Base & Statistical packages:

The Institute has subscribed for online database with a view to enhance the quality of research work and enable the students, scholars and faculty members. These include:

- Prowess IQ
- Economic outlook (IP)
- Industrial Outlook (IP)

Following 14 modules of EPWRF India Time Series : Financial Markets, Banking Statistics, Domestic Product of States of India, Agricultural Statistics, Price Indices, Power Sector, Industrial Production Series, Insurance, Finances of Government of India, Combined Government Finances, Annual Survey of Industries, National Accounts Statistics of India, External Sector and Finances of State Governments in India.

Summer Training, Dissertation, Minor Projects, Induction Program & Internship:

Eight Week summer training, Minor Project and Dissertation Project are integral part of the Course Curriculum of MBA, MBA IB and MBA AB programs of the Faculty. Students are doing these project assignments in different organizations under mentorship of the Faculty and an executive guide from the industrial organization.

Faculty organizes one week induction program for fresher of MBA, MBA IB, MBA AB program students. The purpose of the program is to acquaint the newcomers about faculty, faculty members, requisite skill-set for becoming a professional and broad business environmental factor. Experts from industry and academia serve as resource person for the induction program. Some of the indicative topics covered under the program are as: Communication Skills, Personality Development, GD/Interview Techniques, Soft Skill Development, Accounting for Non-Accounting People, Cross Cultural Training and Organizational Skills & Team Building.

Based on the feedback of students, faculty keeps on updating the content, coverage, duration as well as judicious mix of expertise from industry and academics.

Candidates taking admission in Ph.D. program, are required to successfully complete the six months course work program, which is basically designed to accustom the students about research methodology, communication skills, IT tools and techniques and comprehensive literature review related to their respective field of research.

Release of magazine "Kshitji" – Institute of Management Studies

2.1.1.5. INSTITUTE OF SCIENCE

Nearly a Century of Glorious Journey of Teaching and Research

Since the very inception of the Banaras Hindu University, its Founder Pandit Madan Mohan Malviya gave prime focus on teaching and research in Science and Technology. A Significant milestone in the year 2015-16 has been the upgradation of Faculty of Science to Institute of Science. Institute of Science (IISc) carries out fundamental research in the areas of Physics, Chemistry, Mathematics, Biology, Computer Science, and Science Education. The Research Centres in different departments of Institute of Science have been established to take its mandate of fundamental research forward. The constant pursuit of excellence has led to the establishment of several research centers such as Centre for Nano-Science & Technology, Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences, Centre for Genetic Disorders, Centre for Brain Research and Centre for Interdisciplinary School of Life Sciences. The DBT-BHU Interdisciplinary School of Life Sciences is supported by the Department of Biotechnology, Govt. of India and ISRO has provided a five years support for the development of research and teaching in space science in the Department of Physics. The Physics Department is only one in the country to run the prestigious UGC Networking Programme. Institute of Science has continued to deliver strong performances and further strengthened its position as Institute.

IISc (BHU) is one of the premier research institutions in India. It has about 286 faculty members, most of whom are leaders in research in their own disciplines. Admission to all the teaching programmes is through national level entrance tests. Teaching programs are semester based. Course contents of syllabi at UG and PG levels are regularly revised. Introduction of the Credit System for courses and Grading System of evaluation have been adopted. Inter-Departmental Ancillary Courses at UG level and Minor Electives at PG level have been introduced to facilitate and promote interdisciplinary approach. Employment opportunities to students, through campus selection is also provided. The faculty endeavors to make the students ready to face

challenges as members of a global scientific community.

At present the IISc (BHU) comprises of 13 Departments, 2 Schools and 2 Interdisciplinary Centres, which are administered and coordinated by the Director of the Institute. In addition, there is a Brain Research Centre, functioning from within the Department of Zoology and Hydrogen Energy Centre, functioning from within the Department of Physics. Excellence in teaching and research is reflected from the support received under UGC's Special Assistance Programme to 8 Departments, with 5 being Centre of Advanced Study, and 3 others receiving DSA/DRS support. Some Departments/ Schools are receiving support from DST under the FIST programme. Further substantial support amounting approx Rs. 35 Crores from the DST PURSE programme for five years. Schools of Biotechnology and the Interdisciplinary School of Life Science are supported by the DBT, Govt. of India.

Institute of Science has been carrying out research at the forefront of knowledge for more than eight decades, and has international stature as a top quality research institution. Some of the results that have come out of IISc(BHU) have made major impact on their respective disciplines, leading to new areas of research. Many have even found themselves in advanced textbooks. Important original scientific results have emerged from IISc(BHU) in the areas ranging from algebra, algebraic geometry, differential geometry, number theory, group theory, combinatorics, partial differential equations, to cosmic rays, astrophysics, cosmology, plasma physics, particle physics, superconductivity, statistical physics, number theory, string theory, nanomaterials, nuclear magnetic resonance, and further to neurobiology and developmental biology. This contribution has been recognised in the form of 3 Padma Awards over the years. The current Faculty has 2 Shanti Swarup Bhatnagar awards .The rate of publications from IISc(BHU) has been consistently high over the years, with more than 1370 publications during 2016-17. The distinguished faculty contributed also also towards the award of more than 874 post-graduate degree and 109 Ph.D. Also the distinguished Faculty are running individual research projects of worth approx Rs. 24 crores from different funding agencies such as DST, DBT, ICAR, ICMR, BRNS, CSIR, UGC, DRDO etc.In the Indian context, IISc(BHU) has been one of the few institutions with the capability of taking up mega projects in fundamental science.

Department of Biochemistry:

The Department conducts 2 years (4 Semester) M.Sc. teaching programme leading to M.Sc. Degree in Biochemistry. There is intake of 33 students every year in M.Sc. (Biochemistry) course. The course consists of 14 theory papers covering different areas of Biochemistry like Cell Biology, Physiology, Nutrition, Biomolecules, Molecular Biology, Metabolism, Immunology, Enzymology, Plant Biochemistry, Neurobiochemistry, etc. Major thrust areas of research include Enzymology and Enzyme Technology, Stress Metabolism in Plants, Parasitic Immunobiology, Translational Neurobiology and Clinical Biochemistry. The Syllabus is regularly revised and updated. It was last revised in the year 2016 under semester system pattern.

School of Biotechnology:

The School conducts M. Sc. Biotechnology with the assistance from several departments of the University participated in teaching including Departments of Microbiology and Biochemistry (Institute of Medical Sciences), Genetics and Plant Breeding, (Institute of Agricultural Sciences), Department of Chemical Engineering and Technology, (Indian Institute of Technology-BHU) and Departments of Botany, Zoology, Biochemistry, Chemistry and Statistics .Participation of teachers from a few departments of Institute of Science and Indian Institute of Technology-BHU (IIT-BHU) is; still continuing in multidisciplinary teaching program of the School. The School of Biotechnology is actively participating in the Inter disciplinary School of Life Sciences (ISLS) .The School runs two years (4 semesters) M.Sc. (Biotechnology) teaching program, in which 27 students are admitted annually through a National Entrance Test conducted by the Jawaharlal Nehru University, New Delhi. The performance and success rate of our students in National Entrance Tests like CSIR/ UGC-NET, ICMR and DBT JRF is above 80%.The centre organizes 2-3 workshops for Ph.D. students of different departments of BHU for in silico research training almost each year. The School is actively engaged in the following areas of research which include cellular and Molecular Immunology

and Oncology, immunotherapy of cancer and inflammatory diseases, role of herbal constituents in cancer prevention & cure at genomic and proteomic level in mice model liver cancer,study of Immunotoxic and Immunomoduletory role of cynobacterial by products,molecular typing of H. Pylori and diabetic foot ulcer causing bacteria, enzyme based diagnostics and protein structure-function relationship,molecular microbiology with emphasis on plant growth promoting bacteria, Azospirillum, functional genomics and molecular basis of UV-β radiation tolerance in bacteria.Collaborative programme started with ONGC (Ahmedabad), IIVR (Varanasi), CDRI, NBRI, IITR, CBMR & CIMAP (Lucknow), ICPO (Noida) and University of Delhi. A G+3 new building under OBC grant of School of Biotechnology is in final phase of construction. This will have state of art laboratories and teaching facilities and may be available for students and research scholars by the end of July 2017.

Department of Botany

The Department of Botany with its Centre of Advanced Study has distinguished itself as one of the best departments of Botany in the country in the thrust areas of Ecology, Algology, Mycology & Plant pathology besides significant contributions in non-thrust area of plant molecular biology. The Ecology School has pioneered researches in the areas of weed ecology, habitat conservation, primary productivity, carbon sequestration, river ecology, global change effects, CMGs emissions, analysis of ecosystems and plants against pollution. Concepts and methodologies developed by the Ecology School have transcended national boundaries and have been assimilated worldwide. The Phycology School continues researches in the area of biochemistry, physiology, ecology, genetics, molecular biology, nitrogen fixation, hydrogen production, heavy metal pollution and applied phycology. The Mycology and Plant Pathology group has active interests in microbiology of root region, endosymbionts, leaf surface microflora, biological and other strategies of plant disease control, fungal endophytes, natural pesticides and plant-microbe interactions. Other important area in the department, not yet recognized as the thrust area in CAS, is plant molecular biology. Commendable research activities have been going on in functional genomics of stress-tolerant plants to enhance abiotic stress tolerance and metabolite productions. The Department runs teaching programmes for under- and postgraduate students in Botany as well as Industrial Microbiology- Vocational course at UG level and Environmental Science and Applied Microbiology at P.G. level. The teachers of the department are also involved in teaching of Environmental Studies course to BHU students of various faculties as per directive of the Hon'ble Supreme Court of India. The department also offers minor elective papers for the M.Sc. students of the other departments of the faculty of Science. The teachers of the department also participate in teaching of ancillary courses of Biology at the undergraduate level for students of Mathematics stream of the Science Faculty. The department also offered research training in the following major disciplines: Ecology, Algology, Mycology & Plant Pathology and Plant Molecular Biology. The faculty and research scholars are actively engaged in researches on following areas: Cyanobacterial biofilms for stripping nutrients from wastewaters; Green house gas (GHGs) emissions under changing land use and different cropping systems; Recalcitrant and labile carbon pools in rice–wheat agro-ecosystem; Potential of lemon grass in phytoremediation of sludge amended soil with red mud; Comparative evaluation of biochemical changes in tomato infected by Alternaria alternata and its toxins; Pseudomonas-Trichoderma mediated induction of resistance in pea against Erysiphe pisi; Structural and functional insights into WRKY3 and WRKY4 transcription factors in tomato under abiotic and biotic stresses; Evaluation of fusaric acid as a factor in the development of Fusarium wilt in tomato; Efficacy of chemically characterized Mentha cardiac essential oil against biodeteriorating fungi and safety profile assessment; Cyanobacteria and microalgae as a source of antimicrobial and anticancerous biomolecules; Regulation of bloom development and production of microcystin in eutrophic ponds; Role of calcium in heat stress management ; Screening of wheat cultivars for their sensitivity and tolerance to ozone ; Changes in secondary metabolism in medicinal plants under elevated UV-B; Silencing of sterol glycosyltransferases modulates withanolide biosynthesis and leads to compromised basal immunity of Withania somnifera; Impact of land use change involving bioenergy crop plantation on soil C dynamics; Cyanobacteria-derived nanoparticles and

their probable applications; Structural elucidation and molecular docking of a novel antibiotic compound from the cyanobacterium Nostoc sp. MGL001; Diatom-driven production of transparent exopolymeric particles (TEP) offers a fundamental mechanism of self purification capacity of Ganga River; Ganges Basin receives excessively high input of N and P through atmospheric deposition; Consequences of western disturbance triggered cooling on the flowering of tree species in the Himalayan Terai region; Structural and functional diversity of endophytes and biosynthesis of nanoparticles; Utilization of bacterial potential for isoprene degradation; Soil attributes and herbaceous species diversity along a forest-savanna-grassland continuum in dry tropics; Functional genomics of antimalarial plant Artermisia annua for enhanced secondary metabolism; Effect of Hyptis suaveolens invasion on grasslands; Simulating the impact of climate change on wheat; Arsenic sequestration by manganese-oxidizing Acinetobacter sp.; Ozone injury, detoxification and the role of isoprenoids in plants; Application of endophytic microbes for improving plant fitness; Efficacy of plant-derived products in food safety and elucidation of their mode of action; Molecular Diversity of phytopathogenic fungi; Structure of cyanobacterial alkyl hydroperoxidase reductase (AhpC); Proteomics of abiotically stressed cyanobacteria. Academic activities like NASI –BHU Teachers' Training Programme -- February 10 and 11, 2017 and National Symposium on Issues and Challenges in Ecological Sciences –Feb. 23-25, 2017 took place during the academic year 2016-2017.

Department of Chemistry

The Department of Chemistry, is a UGC-CAS Level-II and DST-FIST Level-II sponsored department in the thrust area of "Towards development of new strategies for synthesis of molecules and materials of medicinal and technological importance".The Department offers Master of Science (M.Sc.) and Doctor of Philosophy (Ph.D.) courses. The M.Sc. course consists of specializations in the area of Analytical, Inorganic, Organic and Physical Chemistry. Several major and minor elective courses such as Biological Chemistry, Environmental Chemistry, Computer Applications in Chemistry, Material Chemistry, Polymer Chemistry, Molecular Reaction Dynamics, Organic Photochemistry, Inorganic Photochemistry, Bioorganic Chemistry and various topics in context of latest research scenario are being taught. The commitment to research is reflected in the large number of projects in operation sponsored by major funding agencies such as Department of Science and Technology, Board of Research in Nuclear Sciences, Department of Biotechnology, Council of Scientific and Industrial Research and University Grants Commission. The national, international and interdepartmental collaborations of our faculty members provide high quality research. The faculties of the Department are involved in pursuing the research program in various frontier areas of current interest with a goal to develop functional materials for their potential applications as in Solar Cells, Bio-inorganic Chemistry, Bio-organic Chemistry, Catalysis, Chemical Kinetics, Chemical Reaction Dynamics, Chemical Sensors, Chemical Spectroscopy, Conducting Materials, Coordination Chemistry, Electrochemistry, Main Group Metals Chemistry, Materials Chemistry, Mesogenic Materials, Natural Products Chemistry, Organometallics, Organic Synthesis, Polymers Chemistry, Quantum Chemistry, Supramolecular Chemistry, Statistical Mechanics, etc.During 2016-17 in M.Sc.(Prev) 87 students were admitted out of which the state-wise breakup of the students is as follows : 56 (UP), 04 (Bihar), 22(WB), 01 (Odisha), 01(Haryana), 01 (Asam), 01 (J &K). 14 students were admitted in Ph.D. program through CRET (03) and CRET-exempted (11) categories in the current year. 16 students were awarded Ph.D degree. At present, there are 23 ongoing sponsored research projects under the faculty members with total outlay worth Rs. 5.2crores. During the current financial year DST has sanctioned a grant of Rs. 3cores for the procurement of some sophisticated research equipment such as HRMS etc. There is already a grant from the UGC under CAS-II programme. There are137 research scholars and 11 postdoctoral fellows working in the department. On the average two hundred papers in international refereed journals are being published and twenty students are submitting their Ph.D. thesis every year. Some of the papers published by the faculty members are highly cited internationally. Three of the faculty members are fellow of different Science academies of India.To keep abreast with the advancement in frontier areas of Chemistry, our faculty members have been visiting

the laboratories of renowned chemists of foreign countries (USA, UK, Germany, France, Japan, Australia, Canada, Spain, etc) and have collaborative projects with them. Research areas being pursued in the Department are mainly focused on the development of materials of technological and biological importance. Excellence in teaching and research has all along been its twin objectives. The Department receives grant for the research projects by UGC, CSIR, DST, DAE, DBT, DRDE, AICTE, BRNS and DRDO etc. Various national and international collaborative research projects are currently in operation.

Department of Computer Science

Department of Computer Science conducts Post-Graduate Program in Computer Science in the main campus and MCA Course under Paid Seat Category in Rajiv Gandhi South Campus.The Department also offers three years B.Sc. (Hons) programme in Computer Science and the theory classes for B.Sc. (Hons) III Year MMV students are being held in the department. The departments enroll new scholars for Ph.D. programme two times in a year depending upon vacancies.

The Centre for Genetic Disorders focuses on estimation of the burden of genetic diseases on the community, unravel their underlying molecular mechanisms and develop strategies to diagnose, treat and manage them. To achieve this, the centre has research programmes on genetic and complex disorders, a diagnostic unit for chromosomal and genetic disorders and a teaching programme to produce technically skilled resource personnel for research, diagnostics and management. The Centre is running genetic diagnostics of various chromosomal and genetic disorders of the referred cases is being performed. And a concerted research is going on whole Genome Sequencing - decoding the cause of human tooth agenesis, molecular analysis of renal cell carcinoma, assessment of anti cancerous activity of Traditional, Aurvedic and Medicinal plant products or formulations, genomics of Polycystic Kidney Disorders, genetics of Neurodegenerative disorders with special reference to Parkinson's disease, development of biocompatible dental implant made up of metal alloys, preparation of lymphoblastoid cell line for rare genetic Disorders, genetics of Alzheimer's disease, isolation and Characterization of Human Dental Pulp Stem Cells Derived from Third Molar Teeth and Exfoliated Deciduous Teeth ,genetics of Paediatric solid tumor in collaboration with , maternal genetic risk assessment for Down syndrome live birth,molecular cytogenetics mapping of X Chromosome in Turner syndrome like females with respect to menstruation, association analyses of candidate genes in infertile women, mMolecular Genetic Analysis of Orofacial Cleft Disorders and genomic analysis of Congenital Limb Malformations and normal Limb Development.

Department of Geology

Department of Geology , the largest Geology Department in the country, also the most diversified with regard to teaching and research in almost all branches of Geology.The faculty includes Humboldt (Germany), Commonwealth (UK), Marie Curie (France), Leuverholme (U.K.) and several other prestigious US, Canadian, Italian, Spanish, Hungarian, German, Japanese, Brazilian fellowship holders, fellows of coveted Indian and foreign academies etc. There is one ONGC Malviya chair of Petroleum Geology and one re-employed Professor. The Department is nationally and internationally well known for its high quality researches in Stratigraphy, Paleontology, Micro-paleontology and Oceanography, Sedimentology, Economic Geology, Coal Geology, Igneous and Metamorphic Petrology, Structural Geology and Tectonics, Geochemistry, Hydrogeology, GIS, Remote Sensing etc. New courses geared up to meet the challenges faced by the Indian mineral and energy sectors are also devised from the ensuing academic year. This Department happens to be DST-FIST Phase-II sponsored department. In view of excellent researches the UGC has upgraded the department as Centre of Advanced Study in Geology in 2010. The department is equipped with many modern research equipment which include Scanning Electron Microscope, X-RAY Diffractometer, advanced reflected light and fluorescent microscope with computer attachment, advanced fluid inclusion study stage microscope with computer attachments, advanced petrological and stereoscopic microscopes, thin sanction preparation workstation. Recently, the Department of Science and Technology sanctioned Electron Probe Micro-analyser (EPMA) in

Prof. C.N.R. Rao Award for excellence in Scientific Research

a research project to the department has become operational and being used by nationwide scientists for their research. The department has upgraded the auditorium with modern facilities and a Remote-Sensing-GIS software equipped fully networked computer lab has been set up to learn and use this modern technology.With recognition in the national and international arena for its path breaking researches in geological sciences the Department has been elevated to Centre of Advanced Study of UGC and also upgraded to the next higher level of FIST Phase-II. Presently the Department offers three years (6 semester) B.Sc. (Hons.) in Geology, three year (6 semester) M.Sc. Tech in Geology, two years (4 semester) M.Sc in Geology, two years (4 semester) M.Sc., Petroleum Geosciences and Ph.D. course in Geology

Department of Geography

Department of Geography runs B.A. (Honours; Arts, and Social Sciences) and B.Sc. (Honours); M.A./M.Sc. and Ph.D. courses and one special course in Remote Sensing & GIS at Diploma level. At post graduate level, there are three special groups of specialization, viz. (i) Population and Settlement Geography (ii) Applied Geography and Planning, and (iii) Cartography and Remote Sensing. There are number of laboratories in the Department of Geography: Surveying Lab, with instruments like Theodolites, Dumpy level, Prismatic compass, etc. Environmental Lab, with soil and water-testing portable kits, Muffle Furnace, BOD Incubator, noise sampler, High Temp oven Flame photometer, and Spectrophotometer, etc. Cartography Lab, with mirror and lens stereoscopes etc. (4) GIS Lab with GIS and Image processing softwares Arc Info, ENVI & ERDAS 42" Scanner, AO Size Printer, server with High Resolution display monitor, Multimedia projector, and Networked set of 15 Computers (about 20 lacs).

Department of Geophysics

The Department of Geophysics is offering three-years post-graduate degree course leading to M.Sc. (Tech.) Geophysics Degree. The department is offering the Masters Degree under the semester system of examinations, and actively engaged in teaching the revised and updated courses in two specializations: viz., Exploration Geophysics and Meteorology and there are six semesters spread over three-year period. The faculty members are actively engaged in pursuing researches (theoretical and observational) in various disciplines of Geophysics and in carrying out field investigations. The collaborative work was carried out with different government/ quasi-government organizations and offering consultancy services to interested agencies. The researches were carried out mainly in the frontier/ thrust areas like Ground Water Geophysics;Water resources and modeling;Geo-electromagnetic and Magnetotellurics;Non-linear Dynamics, Fractal Dynamics and Modeling;Site response and seismic microzonation, and ground rupturing;Seismic Hazard Assessments;Tectonics of Crustal Features;Numerical Weather Prediction; Energetics of Monsoon & Monsoon Variability;Climate Change and its impact on social sectors;Agricultural Meteorology and Advisory Services with crop yield forecast and Environmental Meteorology/Air pollution. The Department is also collaborating with India Meteorological Department, Govt. of India in maintaining a Weather Observatory, a Seismological Observatory, an Ozone Unit and a piezometer tap with Central Ground Water Board for collection of primary database. Department also collaborated with IITM-Pune, Delhi Center for study rainwater chemistry under MoES project CAIPEEX. and with NPL, New Delhi for particulate matter characteristic. The contribution of research by the faculties comprises works on: Extended fields of Exploration Geophysics, Seismology, Agro-meteorology, Climtology, Climate change, Environmental Meteorology and related fields.

Interdisciplinary School of Life Sciences (ISLS)

The Interdisciplinary School of Life Sciences (ISLS) has been established with the main objective of ISLS is to foster advanced and interdisciplinary

research and education in diverse areas of Life Sciences. It works in collaboration with faculty members of the five life science departments which include Biochemistry, Biotechnology, Botany, Zoology and Molecular & Human Genetics (MHG) and Centre for Genetic Disorders (CGD). Cutting across the departmental lines, seven focus areas were identified which include conservation Biology, Disease Biology, Functional Genomics, Microbial Ecology, Neurobiology and Reproduction Biology and Stress Biology. The inauguration of the full fledged building is planned to be in May 2017. ISLS houses sophisticated equipment facility for advanced research and education in life sciences. This is being used by the faculty members and research scholars of Institute of Science, Institute of Medical Sciences, Institute of Agricultural Sciences, Institute of Environment & Sustainable Development, and Indian Institute of Technology, BHU. In addition, the facility is also utilized by researchers from outside BHU, such as DRDO (Delhi), Allahabad University and others. From current academic session 2016-17, Integrated M.Phil-Ph.D. course in Life Sciences has been started.

Department of Molecular and Human Genetics

Department of Molecular and Human Genetics has been successfully running a unique teaching programme with its five core faculty members and cooperation and collaboration of the other departments of the Institute of Science as well as other faculties of the University including Institute of Medical Sciences. The department is running M.Sc. and Ph.D. courses in Molecular and Human Genetics. It attracts students from all parts of the country.

The Department of Mathematics

The Department of Mathematics has been nurtured by several nationally and internationally recognized mathematicians, researchers and teachers. With its existing faculty strength of 25, Department has made considerable progress during the year. With active participation of faculty members, research scholars and a good number of post doctoral fellows the department organized an advance level research workshop on 'Mathematical Modeling of Environmental Ecological & Epidemical System', an International Conference on 'Mathematical Modeling and Simulations' and the 32nd Annual Conference of the 'Mathematical Society', B.H.U. with active participation of the faculty members of the Department. The Department is running regular teaching / research programmes through B.Sc. / B.A.(Hons), M.Sc./M.A. and Ph.D. courses in mathematics for more than 2200 students.

Department of Physics

The Department of Physics has continued to pursue research in frontier areas like Nanoscience, nanotechnology, hydrogen storage materials, DNA denaturation, polymers, and protein folding, liquid

X-Ray Diffractometer

MoU between Japan and Department of Physics

crystals, quark-gluon plasma, laser spectroscopy, structure of biomolecules, Atmospheric sciences, Atomic Physics and vibrational dephasing, high temperature superconductors, colossal maganites, Laser glasses, Ionic liquid in confined geometry, Ultrasonics, Gauge theory, Optical fiber, field theory etc. Simultaneously, the new syllabi of studies at both UG and PG levels have been implemented. Lectures under Theoretical Physics Seminar Circuit Programme of DST and local chapter of IPA have been a regular feature. Almost a dozen eminent Physicists visited the department, delivered lectures and interacted with faculties and students.

Department of Statistics

Department of Statistics is running two types of courses at under graduate level, namely, Statistics and Applied Statistics. In the course curricula being offered by Science and Arts faculty students, emphasis is given on the concept and theoretical development of Statistical procedures.

The Applied Statistics course is designed mainly for Social Science Faculty students where greater emphasis is given on the appropriate selection and application of various statistical tools useful for practical problems. Besides the theoretical papers, various courses at UG and PG levels have practical papers too for imparting practical training on the proper use of Statistical Techniques. The four semester Post graduate programme, running in the department was completely revised in the year 2015 in the light of U.G.C. guidelines and to meet the demand of theoreticians and statistical practicners. The undergraduate and postgraduate courses also incorporate comprehensive practical training in the form of Project Work.

In addition to the usual courses mentioned above, department runs a certificate course for the benefit of students of other faculties who are willing to learn statistical methodologies for its use in their research work. The Department also introduced a self financed One year Diploma Course in Statistics and Computing for Research level students of other departments with effect from the session 2015-16. The course was formulated with an objective to provide computational expertise in statistics to the students of other faculties. The faculties of the department are also teaching statistics courses in other departments and faculties such as Home Science, Biotechnology, Computer Science, Bioinformatics, Environmental science,, etc. We also help research workers of other faculties and departments by providing free consultation for proper Statistical analysis of their data.The research activity in the department is going on satisfactorily in the areas : Statistical Inference, Life Testing and Reliability, Bayesian Inference, Sampling Theory, Stochastic Modelling and Population Studies. The SAP-DRS-I was converted into SAP-DRS-II by U.G.C. in the year 2016-17 though a formal letter was received after March-2016. Besides the two thrust areas mentioned above it also included a new thrust area Bayesian Statistics. The total sanctioned amount under DRS-II was around Rs.56 lakh.

Department of Zoology

The Department of Zoology, one of the leading departments in the country for teaching and research on animal sciences. Incorporation of Animal behavior, and more recently, Molecular & Human Genetics, Molecular Endocrinology, Neurobiology, Economic Zoology etc. in teaching has kept the department in up-front. The growth and diversity in teaching (audio-visual aids facilities for students with physical difficulties) has been made possible by the induction of progressive and competitive faculty members whose in-depth research in diverse areas (such as biochemistry and molecular biology of ageing, molecular neurobiology, cancer, hormonal control of reproduction, immunity and rhythms, plant products and its effects on reproduction and physiology, radiation effects, cancer biology, insect and fish physiology, genetic and chromosomal evolution, function and regulation of non coding RNA) have not only added to the knowledge in frontier areas but created an ambience that stimulates creative research. This level of growth and progress has been possible largely due to development of state-of-the-art laboratories through a number of individual research projects to the faculty. In addition, UGC support in the form of Special Assistance Programme elevated us as Centre for Advanced Study, COSIST and DST's FIST support to the department for equipments have substantially contributed to the achievements of the Department in research and teaching. The scientific merit of the faculty has been recognized from time to time through honors and awards, such as Padma Shri, SS Bhatnagar, Jawaharlal Nehru, FICCI, Hari Om Trust, UGC Carrier Award, Vigyan Ratna, and fellowships of prestigious national, International (Alexander von Humboldt, JSPS, DAAD, IBRO-UNESCO, Fullbright etc.) and medical academies.The Department has well equipped research laboratories, central sophisticated instrument labs and computer lab with internet facility and networking to all research labs and classrooms. The Department has successfully completed the CAS Phase V and got the sanction of the CAS Phase VI for 2017-22. Teachers of the department are actively engaged in research thrust areas Biochemistry, Cytogenetics, Reproduction Biology and Endocrinology, Eco-physiology, and other areas Immunology and Chronobiology.

2.1.2. FACULTIES

2.1.2.1. FACULTY OF ARTS

Varanasi, the city of immense lustre which rests atop the trishul of Shiva, is known across the world for many reasons, out of which, the river Ganges, Sarnath Temple and the Banaras Hindu University are the most notable ones. Banaras Hindu University (BHU), established in the year 1916, is the physical manifestation of the dreams of great visionary and extraordinary nationalist leader Pandit Madan Mohan Malviya. In this Banaras Hindu University, the Faculty of Arts was initially developed as a centre of Humanity, which was previously known as the Central Hindu College and was established by Annie Besant in 1898. This happens to be the foundation upon which is raised the great edifice of BHU and also its promising future.

The Faculty of Arts envisages evolving a unique communion between traditional and modern knowledge system and is ever involved in facilitating the development of such ideas and notions which may be conducive for the holistic concept of humanity. While conserving its internal energy, this faculty promotes new vistas of interdisciplinary researches so that the principles of 'Human Liberty' are enlivened and given concrete shape. Along with 21 Departments and 04 important Centres (Bhojpuri Study Centre, Malviya Moolya Anusheelan Kendra, Inter Cultural Study Centre and Centre for Translation Studies), the Faculty fosters dialogues to assess various traditional and indigenous sources of knowledge and their importance. In order to make the students and teachers more aware, lively and interactive, the faculty organizes National and International Seminars, Conferences, and Workshops. As an important programme, the faculty also organizes an orientation course on 'Comparative Literature' which seeks to enhance the awareness of the Faculty members in the field of inter disciplinary studies. The publication of the Faculty's annual journal Apurva is an important achievement as it provides a platform for the publication of research articles of the Faculty's teachers.

The Faculty's focus is basically three dimensional - it educates and updates its students in acquiring knowledge about both Indian as well as Foreign

Languages such as Hindi, Sanskrit, Pali, Urdu, Telugu, Tamil, Marathi, Bengali, Linguistics on the one hand and English, French, German, Spanish, Arabic, Persian, Russian and Chinese on the other. It also makes students acquainted with the latest developments in the field of history, culture, Archaeology, History of Art, Philosophy & Religion. Its third dimension is related to the introduction of Professional & Vocational Courses like Journalism & Mass Communication, Library & Information Science, Tourism & Travel Management, Museology and Functional Hindi. It won't be an exaggeration to proclaim that the Faculty of Arts has been playing a very significant role in the advancement of humanity and building of a healthy nation. There is a long list of internationally renowned scholars who have been associated with the faculty and have glorified the image of Banaras Hindu University. Some of them are Dr. S. Radhakrishnan, B.L. Athreya, T.R.V. Murthy, J.L. Mehta, Dr. Devraj (Philosophy); Babu Shyam Sundar Das, Acharya Ram Chandra Shukla, Keshav Prasad Mishra, Hazari Prasad Dwivedi, Nand Dulare Bajpayee, Vishwanath Prasad Mishra, Shiva Prasad Singh, Namvar Singh, Kedar Nath Singh (Hindi); C.N. Menon, Ram Awadh Dwivedi, Dr. Sahani, Vikramaditya Rai, Harish Trivedi (English), Ramavatar Sharma, A.B. Dhruva, P.L. Vaidya, Baldeo Upadhyaya, Reva Prasad Dwivedi, Satyavrata Shastri (Sanskrit); Rai Krishna das, Rai Anand Krishna, Kapila Vatsyayan (History of Art); A.S. Altekar, Raj Bali Pandey, Vasudeo Sharan Agrawal, R.C. Majumdar and A.K. Narain (AIHC & Archaeology). Needless to say, they have been a great source of strength and inspiration to our future generations.

The Faculty of Arts has the privilege of being not only the oldest faculty but one of the largest also with about 250 faculty members, 4000 students and 12 office staff. It has the rare distinction of having the largest twenty one teaching departments, namely, Ancient Indian History Culture & Archaeology with Museology as separate section, Arabic, Bengali, English, Foreign Languages (Russian, Chinese, Japanese, Spanish and Polish), French Studies, German Studies, Hindi, History of Art, Indian Languages (Nepali, Tamil), Journalism & Mass Communication, Library & Information Science, Linguistics, Marathi, Pali & Buddhist Studies, Persian, Philosophy & Religion, Physical Education, Sanskrit, Telugu & Urdu. Apart from these departments the faculty also has a Vocational Stream in Office Management & Secretarial Techniques, Advertising & Salesmanship, Insurance Management, Account & Audit, Archaeology & Museology and Travel & Tourism Management. Through these departments, the faculty offers a variety of academic programmes ranging from Certificate and Diploma courses to the level of research programmes like Ph.D. and D.Litt.

Department of AIHC & Archaeology

The department having the distinction of being the Centre for Advanced Study is a premier department of Indological studies. The core area of teaching and research includes Art & Architecture, Religious and Philosophical studies, Epigraphy & Palaeography, Numismatics and Archaeology and Museology. Alongwith the biggest library of the faculty, the department has a laboratory to cope up with the scientific research in Archaeometallurgy, ceramic technology and data pertaining to inorganic materials. To have a comprehensive and scientific knowledge of past, the department has collaborative research programmes with institutes like Department of Archaeology, University of Cambridge, IIT Kanpur, Birbal Sahane Institute of Palaeobotany, Lucknow. Regular activities of teaching and researches were carried out by the department during the current session under consideration.

Seminar & Workshops

- National Seminar on "Varanasi: Culture & Heritage" between 28th-29th January, 2017.
- Workshop on "Cultural Dimensions of Varanasi: New Approaches" between 16th-22nd March, 2017
- National Seminar on "Ancient Indian History Writing : Perspective and Futuristic Dimensions " between 23-25 March, 2017

Recent Special Lectures

In order to enrich the quality of research and also to expose our senior students to the latest development in AIHC & Archaeology with the collaboration of other academic institutions, the Department organised special Lectures of eminent scholars of India from time to time. Following special lectures were organised:

Prof. V.H. Sonawane	–	M.S. University, Vadodara, 29 July, 2016
Prof. N.R. Shah	–	M.S. University, Vadodara, 9 & 10 Aug., 2016
Prof. Maruti Nandan Tiwari	–	Deptt. of History of Arts, BHU, 22 Sept., 2016
Prof. V.K. Shukla	–	Deptt. of Geology, BHU, 4 Oct., 2016
Prof. Suchandra Ghose	–	Kolkata University, Kolkata, 24 Oct., 2016
Prof. R.K. Mohanti	–	Deccan College, Pune , 25 & 26 Oct., 2016
Prof. L.S. Nigam	–	Raipur, 23 November, 2016
Dr. Rajesh Purohit	–	Allahabad Museum, Allahabad, 7 Jan., 2017
Prof. Harald Wiese	–	Leipzig University, Germany, 14 & 15 Feb., 2017
Prof. Vasant Shinde	–	V.C., Deccan College, Pune, 21 Feb., 2017
Prof. Ravi Korisattar	–	Dr. V.S. Wakankar, Archaeological Researches Institute, Dharwad, Karnataka, 02 March, 2017.
Dr. A.K. Sharma	–	Archaeological Advisor, Govt. of India, 09 March, 2017
Prof. Vibha Upadhyaya	–	Rajasthan University, Jaipur, 22 March, 2017

Department of Bengali

The Department of Bengali, Faculty of Arts, BHU organized on 06.04.2016 three special lecture on the topic "Contemporary Bengali Short Stories" of the following speakers:

- Prof. Prakas Kumar Maiti, Head, Department of Bengali, Faculty of Arts, BHU
- Mr. Bitan Chakraborty, Bengali Story Writer, Kolkata
- Prof. Namita Bhattacharya, Professor, Department of Bengali, Faculty of Arts, BHU.`
- On 16 August 2016, Prof. Satyabati Giri, Professor (Retd.), Jadavpur University, Kolkata delivered a lecture on 'Medieval Bengali Poetry'.
- On 09 February 2017, Prof. Mukul Bandopadhyay, Professor (Retd.), Bihar

University, Muzaffarpur, Bihar delivered a lecture on 'Bihar and Rabindranath Tagore'.

- On 28 February 2017, Prof. Achintya Biswas, Professor (Retd.), Jadavpur University, Kolkata delivered lecture on 'Modern Bengali Literature' in the Department of Bengali, Faculty of Arts, BHU. He told about how in the current era Bengali literature touches all the marginalized societies like "Chandals", "Sabars" and "Khedias".
- The Department of Bengali, Faculty of Arts, BHU organized six Special Lectures (3-each) by two Eminent Bengali writers Prof. Jayanti Chattopadhyay, Retd. Prof., Modern Indian Language and Literary Studies, Delhi University, Delhi-7 and Dr. Kiriti Sengupta, Eminent Bengali Writer, Kolkata (W.B.) on 4-5 March 2017 at Premchand Sabhagar, New Lecture Theater Building, Faculty of Arts, BHU. After inaugural of the above lectures, it was followed by the launching of three following books entitled:
  - Medha Briddhir Dawai by Prof. Prakas Kumar Maiti
  - Sharanarthi by Mr. Bitan Chakraborty
  - Mumuksha by Mr. Kaushik Acharya

Cultural Activities

- The students and the faculty members of the Department of Bengali also took part in the remembrance of the Death Anniversary of Gurudev Rabindranath Tagore (10.08.2016) like other educational and cultural institute of Bengal. By organizing a short but soulful cultural program the students of the department offered their tribute to the kaviguru.
- Students of the Department of Bengali celebrated Vasanta Utsav on 21st April 2016 under the supervision of the teachers. In this programme the students choreographed and orchestrated songs and dances on the theme of the onset of the spring season.

Students dancing on the songs of Vasant Utsav

Sports Activities

- The Department of Bengali organized a friendly football match between M.A. and Ph.D. Research Scholars on 27.08.2016 at Amphitheatre Ground, Banaras Hindu University. The intent to organize this match is to make solidarity in students.
- The Department of Bengali also organized a friendly cricket match in between M.A. (Final) and Ph.D. Research Scholars on 18.02.2017 at the Arts Faculty Ground, Banaras Hindu University.
- Celebration of International Language Day in the Department of Bengali on 21.02.2017.

Department of English

The Department of English contributed to the field of literary studies in English by publishing a couple of books and more than 30 research papers in various journals. The teachers presented papers in various seminars and conferences in India and abroad and also delivered talks as Keynote Speakers, Resource Persons and Invited Guests. The department organized the 9th Refresher Course in English at HRDC, BHU (06-26 December 2016) and also a Short-term course on "Reading Strategies". A National Seminar on "English Studies in India: Changes and Challenges" was held on 17-18 Nov 2016 along with the Alumni Meet on the completion of 100 years of the establishment of the Department of English. The 7th volume of Department journal *Research and Criticism* was published besides *Volcano*, another journal. More than 40 students got Assistant Professorship at various government universities and colleges. Nearly 15 students qualified the UGC NET/JRF. About 20 students were awarded Ph.D. degree by the Department of English. For the research scholars, fortnightly Research Presentations were conducted and for the Post Graduate students of the Department and its affiliated colleges, a theatrical contest on "Shakespeare in Performance" was organized on 27

Oct 2016 in order to commemorate the 400th Death Anniversary of William Shakespeare. Mr. Pawan Verma was invited to deliver a talk on alternative education. Prof. Chanchala Naik (EFLU, Hyderabad) and Prof. Sanjoy Dutta Roy (University of Allahabad) were other Resource Persons to address the department. Shri. Purohit Swami Memorial lecture was also organized. The teachers of the Department taught Communicative English to the PG Students of the Department of Economics and also conducted Spoken English Course for Skill Development of BHU under the auspices of Career Development Centre.

Department of Foreign Language

Established in 1948, the department has the distinction of conducting teaching programmes in seven major languages of Asia and Europe namely, Chinese, Japanese, Sinhalese, Russian, Italian, Spanish, and Polish. Present focus area of department is Chinese language and literature, Culture, History, Politics, Sino-India interactions, Russian Language and Literature.

Department of French Studies

An International Seminar "Récit de voyage dans la literature Française et Francophone" was organized by Dr. Gitanjali Singh, Assistant Professor, from 23- 25 Feb. 2017. It was attended by more than 150 delegates.

Department of History of Art

The Department of History of Art successfully organized the following events during the session April 2016- March 2017:

- International Seminar on Indian Art Heritage in a Changing World: Challenges and Prospects from February 27 to March 01, 2017. Renowned thumri singer Girija Devi was the Chief Guest.
- An International workshop on Impressions.
- National Seminar on Art Heritage of India: Legacy and Relevance (18 March 2016)
- A National Workshop on Varanasi: The Eternal City (VTEC-2016, 19-20 October 2016)
- Second Frank C. Chookolingo & Evamaria R.

Release of Souvenier-cum-book of abstracts

Chookolingo Memorial lecture was also organized on March 01, 2017. Prof. Sharada Srinivasan, (Dean and Professor, School of Humanities National Institute of Advanced Studies Indian Institute of Science Campus, Bangalore) was the speaker who delivered a memorial lecture on "Mapping Shifting Iconographies: Archaeotechnological Insights on Chola and Vijayanagara Bronzes".

Department of Library and Information Science:

The department engaged in regular activities of teaching and researches. The department has organized a National Conference on "Conceptualizing the Social Responsibilities of Libraries", March 19-20, 2017.

Department of Philosophy and Religion

Six special lectures were delivered respectively by Prof. Jagatpal from NEHU, Prof. Rishikant Pandey, Department of Philosophy, University of Allahabad and Prof. Jata Shankar, Department of Philosophy, University of Allahabad. In continuation to these lectures, Chookolingo Memorial Lecture Series was also organized in which Prof. R.C. Pradhan, Department of Philosophy, University of Hyderabad, Hyderabad, Prof. S.R. Bhatt, Chairman, ICPR, New Delhi, Prof. P.R. Bhatt, Department of Philosophy, IIT, Bombay, Pawai and Prof. Ambikadutt Sharma, Sagar University delivered their lectures on the different issues of Philosophy. In addition to these lectures, a book entitled Language, being and Cognition was published by Prof. Devendra Nath Tiwari.

Further, two special lectures by two foreign eminent scholars were delivered in the Department organized by Bharat Addhyayan Kendra, BHU in collaboration with our department during the period under report.

Department of Pali & Buddhist Studies

The department is one of the pioneering institutes in the field of Buddhist Studies in India. Though the department established in 1982, the teaching of Pali in Banaras Hindu University however started in 1940 with the effort of Bhikku Jagdish Kashyap, a pioneer of the revival of Buddhism in India.

Likewise, Department of Urdu, Arabic, German Studies, Hindi, Indian Languages, Journalism and Mass Communication, Linguistics, Marathi, Persian, Physical Education, Sanskrit, Telugu engaged in regular activities of teaching and researches.

Malaviya Moolya Anusheelan Kendra

- Organized seminar on 24.07.2016 on the occasion of 83rd Birth Anniversary of Prof. Sukhdev.
- Organized Special lecture on 02.08.2016 on the topic "The meaning of intelligence and strength: An Indian Traditional View".
- Organized an Essay Competition for students of the University and Affiliated Colleges on the topic "Mahamana and Kashi Hindu Vishwavidyalaya" on 16.09.2016.

Vocational & Special Courses of Studies

To enhance skill development in students, the Faculty of Arts offers vocational and special subject. Vocational courses are running in Faculty since 1985. Two-years part-time Diploma Courses in Tourism & Office Management is a very popular course in the faculty. These programs include classroom teaching as well practical sessions in industry and educational tour for field level experience.

A snapshot of National Conference, Department of Urdu

2.1.2.2. FACULTY OF COMMERCE

The Department of Commerce, BHU, which happens to be one of the biggest commerce departments of the Country, came into existence in 1940 as an adjunct to the Department of Economics, BHU during the silver jubilee celebrations of the University. In 1950, it became an Independent Department and in 1965 it was elevated to the status of a Faculty. This year, the Faculty of Commerce continued to run B.Com.(Hons.), M.Com. and Ph.D. courses. Besides these, special courses like M.B.A.-F.M., M.B.A.-R&I and M.B.A.-F.T. were also continued on self-financing basis. Further, at the Rajiv Gandhi South Campus (RGSC), Barkachha, Mirzapur, B.Com. (Hons.) on paid seat category basis and B.Com. (Hons.) F.M.M. had also run under the academic control of the Faculty of Commerce during the session.

The students have taken interest for admission in the Faculty from many foreign countries like Nepal, Zimbabwe, Yemen, Iran, Kenya & Srilanka. Number of female students admitted in the Faculty in all the courses during the period was remarkable. About four hundred of female students were admitted in the Faculty during the current session.

The Faculty members continued to make significant contributions by producing Ph.Ds., publishing research papers/articles and books, participating in various seminars and conferences held at different places in India and abroad and also acting as examiners and guest speakers in different Universities/Institutions and at other departments of B.H.U.

The Faculty members mostly remained engaged in teaching in programmes of studies such as B.Com. (Hons.), M.Com., M.B.A.-F.M., M.B.A.-R&I M.B.A.-F.T. and producing Ph.Ds. at the Faculty. A few Faculty members were also associated with teaching in Women's College, Faculty of Arts, Department of Computer Science & Department of Statistics, BHU.

Facilities to Students

With a view to improving the quality and

performance of the students, the Faculty provides a lot of facilities to them. These are :

- Access to Departmental Library
- Access to Commerce Association Library
- Access to MFM/MFMRI/MFT Library
- Text Book Bank Facility
- Merit & Endowment Scholarship
- UGC Fellowships
- BHU Ph.D. Research Scholarship
- Scholarship to SC/ST Students
- NCC
- NSS
- Guest Faculty Lectures
- Project Training
- Interaction with Business Executives

Other Facilities to Students

Computers	**:**	**80**
Laptop	**:**	**34**
Photocopier	**:**	**02**
Laser Printer	**:**	**65**

In addition to above, Wi-Fi Internet facility is also available to the students.

A laboratory well equipped with computers to facilitate the students of the Department for practical purposes, is also available.

2.1.2.3. FACULTY OF EDUCATION

The Faculty of Education was established on 15th August, 1918 at Kamachcha Campus of Banaras Hindu University. Earlier the name of faculty name was Teachers' Training College and later it became a fully fledged Faculty of the Banaras Hindu University. Since its inception the focus of the faculty has been to cater to the needs of social and national development by preparing teachers embodied with cultural traditions of our society alongwith modern outlook and technology of teaching to keep pace with the changing need of time.

It is a single Department Faculty having Undergraduate, Post Graduate and Research facilities in Education. The Faculty offers B.Ed., B.Ed. (Special), M.Ed., M.Ed. (Special) courses and Research (Ph.D.). All these courses are running for 2 Years (4 Semesters) duration, and Research Programme including Ph.D. is as per University norms. The B.Ed. course is also running at RGSC, Barkachcha, Mirzapur. The faculty also has the distinction of being the Study Center of Indira Gandhi National Open University.

The event "Yaad Karo Qurbani-AZAD I70 Programme" was held on 22nd - 23rd August, 2016. It included various academic and cultural activities viz. Debates, Elocution, Turn Coat, Quiz, Essay Writing, Poetry Recitation, One Act Play and Patriotic Songs.

A Personal Development Programme was organized for about One Hundred PG Students and Research Scholars by the Alumni Association of Education, BHU (AAE, BHU) from 29th September to 2nd October, 2017 in the faculty seminar room by Prof. Meenakshi Singh the as programme convener and Dr. R.N. Sharma as the General Secretary.

A National Seminar (26th - 27th November, 2016) on the topic "Inclusion in Indian Education: Trends and Challenges" was organized by AAE, BHU. The 14th Alumni Meet was also held on this occasion organized by Dr. R.N. Sharma and Dr. Alok Gardia, this national event had the participation of 225 delegates.

A Plantation Programme on the occasion of Netaji Subhash Chandra Bose Jayanti (23 January 2017 was

organized by the Eco-Club in the Faculty in which all teachers and B.Ed., M.Ed. students participated.

A big achievement of our faculty was the appointment of Prof. Harikesh Singh as Vice-Chancellor of Jai Prakash Narayan University, Chapra, Bihar on dated 23rd January, 2017.

In the first week the Scout Guide Programme for B.Ed. IV Semester students was organized.

The faculty has been given the status of School of Education under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) Scheme of Ministry of Human Resource and Development, New Delhi with assistance of approx Rs. 9.45. Crores.

Prof. Rayland, Professor Higher Education at Durham University and Director of Durham's Centre for Academic Practice delivered a lecture on topic "Preparing students for higher level learning and venturing into strange places graduates for 21st Century" and Ms. Mangla Rao, Assistant Director, British Council also delivered a lecture on topic "Internationalizing higher education opportunities for collaboration between UK and India on 6th and 7th March, 2017 in the faculty.

The three days study tour for Chitrakoot was also held for the B.Ed. Semester IV students as a part of curriculum w.e.f. 9-12th April, 2016. The magazine 'Samsiksha' for 2016-17 has been published and distributed among all students, staff and dignitaries.

New Transformer and Generator of 215 KVA is in the final process of installation for new constructed Auditorium "Chankaya".

Work of writing of sign boards and name plates at the Shatabdi Dwar and Chanakya Auditorium has been completed.

2.1.2.4. FACULTY OF LAW

The Banaras Law School, since its establishment, has been playing significant roles in reforming legal education and making it socially relevant. The institution has been at the forefirst in introducing three-year LL.B., full time course of studies and two-year full time programme of LL.M. studies. During 1998-99, the Law School introduced two year full time LL.M. Course in "Human Rights and Duties Education", and in 2001-2002, a new paper on 'Animal Law' was introduced. As per the directions of the Bar Council of India, Law School has restructured its curriculum by introducing LL.B.(Hons.) from the session 2009-2010.

Further, the Law School adopted choice based credit system w.e.f the session 2010-2011 in LL.B.(Hons.), LL.M. and LL.M.(HRDE) courses in line with appropriate University ordinances for the session 2010-2011. Besides, the Law School also introduced course work for Ph.D. programme w.e.f. January, 2011.

At the LL.B. level of studies, the major thrust of Law School has been to provide the student, a career oriented training in law in order to equip them to face the challenges of legal education and increasing demands of Law graduates in the field of Business, Industry, Commerce and other developing and emerging sectors. The Law School has also started some community-oriented courses in Law which include law in relation to society, environment, consumer, women, children, and many more. It also provides legal education on the rural problems which includes agricultural land laws and reforms. It has also been rendering legal aid and services to the poor and downtrodden persons of the society since 1978.

The Banaras Law School is continuously publishing a standard journal entitled "Banaras Law Journal" on annual basis. The journal contains research articles/book reviews from teachers, eminent professional and academicians from within outside India. The journal has been a source of academic and professional exchange and cited by the research scholars and judges of the High Court and the Supreme Court.

Academic activities

- Admission and teaching of various courses/semesters were completed in time. The examinations were peacefully held as per academic calendar.
- Several teachers of the Faculty of Law delivered lectures as resource persons in Orientation Course, Refresher Course and in various National

Workshops organized either in BHU or other universities.

- Convocation of the Faculty as part of the 99th Convocation of the University was held on 16 January 2017.
- A large number of LL.M. students and Law Graduates from this Faculty were selected as Judicial and Prosecution Officers in various states like Bihar, Uttarakhand, Chhatisgarh, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh etc.
- The students of the Faculty participated in cultural events like short play, quiz, dance, song, elocution and debate competitions organized by Banaras Hindu University in the Session 2016-17 under the banner of 'Spandan' and the Inter Faculty Youth Festival, 2017. They received prizes and appreciation as well.
- Two National Seminars were organized during 2016-17. The first National Seminar on Family Law: Contemporary issues and Challenges was organized on 25-26 February 2017 in the Law School. More than 500 participants from different parts of the country participated in the seminar. Hon'ble Mr. Justice Arun Mishra, Judge Supreme Court of India was the Chief Guest of the Inaugural Session. Hon'ble Prof. Gurdip Singh, Vice Chancellor, RMLNLS, Lucknow and Prof. Usha Tandon, Delhi University were also guests of honour. The inaugural session was presided over by Hon'ble (Prof.) G.C. Tripathi, Vice-Chancellor, BHU, Varanasi. Earlier, a national seminar on Rights of Child: Issues and Challenges was organized on September 13, 2016.
- All India Moot Court was organized on 24-25 March 2017.
- Efforts are in progress to upgrade the Faculty of Law into Institute of Law.

Programme of Studies

In addition to traditional subjects being taught in other Law Schools of the country, the Law School BHU, on the other hand, has provisions for the courses on Criminology and Penology, International Economic Law, Law of Cooperation and Public Control, Law relating to Rural Development, Law Relating to Rent Control, Military Law, Hindu Jurisprudence and Muslim Jurisprudence. Similarly it has also provisions for a number of Seminar Courses like Law and Society, Law and Poverty, Law and Education, Law and Religion, Law and Women, Law and Child, Law and Planning, Law and Consumer and Law, Law, Science and Technology; Law and Medicine. Most of these are being taught in the Faculty for last several years.

In addition to LL.M. (General), the Law School, BHU has also the provision for LL.M. course of study in Human Right and Duties Education, where subjects like Human Rights Jurisprudence, Human Rights and India, International Law of Human Rights, Human Rights and Criminal Justice, International Refugee Law, International Humanitarian Law, Human Right and Environment, Human Rights and Women, and Human Rights and Children, Law, Science and Technology and Human Rights are offered. The students are also required to write Dissertation in partial fulfillment of the Degree of LL.M.

2.1.2.5. FACULTY OF PERFORMING ARTS

The Faculty of Performing Arts is a premier institution in the country that inculcates in the students both 'Kala' and 'Vidya' through performing arts. The Faculty of Performing Arts, Banaras Hindu University, ardently works for the promotion and preservation of the traditional arts of music and dance. Due to the relentless efforts of Pt. Govind Malviya and the founder Principal Sangit Martand Pt. Omkar Nath Thakur, a College of Music & Fine Arts was established in the year 1950. The Faculty, since its inception, has never looked back and is currently training students in the field of Indian Classical Arts of Music (Vocal and Instrumental) and Dance, both in North Indian and South Indian genres. The Faculty also has the unique distinction to institute the first department of Musicology in the country. BHU is also the pioneering Central University for starting the courses in music.

The Faculty of Performing Arts consists of four Departments: Vocal, Instrumental, and Musicology & Dance. The Dance Department is set up in the Session 2007-2008. New courses has stared in Masters' degree for Bharatnatyam and Kathak in 2007-2008 session. The Faculty conducts the following courses: Ph.D., Post Graduate, and Under Graduate & Junior Diploma in Vocal (Hindustani/Karnatic); Instrumental (Sitar/Violin/Flute/Tabla), Dance (Kathak/ Bharatnatyam). A unique feature of the Faculty is holding of the Thursday concerts, for the benefit of the students as well as the lovers of music. The concerts are held throughout the year. The Faculty also organizes concerts of eminent artists for the benefit of the staff and the students.

To showcase the ability of 'Kala' as performance in the faculty, the idea of 'Thursday Concert' was introduced by Prof. Lal Mani Mishra in 1971, who was the Dean then. In 'Thursday Concert', two programmes were organized in the faculty every Thursday evening. This idea worked very well as every student got an opportunity to perform in front of a large number of audiences. Also the teachers of the faculty used to perform. Following the success of the 'Thursday Concerts', Prof. Lal Mani Mishra proposed the idea of organizing a musical week “Purvacharya Smriti Sangeet Saptah” in the faculty, once in a year. It happened to be a really great idea and, since then, it has become the annual celebration of the faculty, where all the students and teachers

perform together, listen and appreciate each other. Now the musical extravaganza is known as "Purvacharya Smriti Sangeet Samaroh", a three to five-day program, where each day is dedicated to a great maestro of music. For each member of Faculty of Performing Arts this musical program is much more than a concert; a performance in the Purvacharya Smriti Sangeet Samaroh is their offering to Goddess Saraswati, Malviyaji and Pt. Onkar Nath Thakurji.

The annual celebration of the Faculty of Performing Arts was organized from February 1st to February 3rd this year. Dr. Praveen Uddhav, Associate Professor (Tabla) of the Department of Instrumental Music was the convener of Purvacharya Smriti Sangeet Samaroh in 2016. The first day of the festival was dedicated to the dance exponent Pt. Durga Lalji. Festival started with the Kulgeet of Banaras Hindu University followed by Prarthana, both performed by the students. Then there was a short documentary on Pt. Durga Lal Ji, by Ms. Alka Giri. Musical performances started with the rendition of Raga Bhinna Shadaj in Khyal recital by Dr. Madhumita Bhattacharya, followed by a melodious flute recital by Mr. Rakesh Kumar. After that Dr. Kumar Ambarish Chanchal presented an elegant Khyal recital in Raga Multani. The vocal performance was followed by two back to back Sitar recitals by Dr. Sangeeta Singh and Dr. Prem Kishor Mishra presenting Raga Shuddha Sarang and Raga Baageshwari respectively with a 'Dhun'. The First day concluded with a dazzling solo Kathak recital by Dr. Dipanwita Singha Roy.

The second day of this musical feast was dedicated to the eminent vocalist Pt. Kumar Gandharva. A short documentary on Pt. Kumar Gandharva was presented by Ms. Anuradha Raturi after Prarthana. First performance for the day was a Khyal recital by Dr. Gyanesh Chandra Pandey who rendered Raga Vrindavani Sarang. It was followed by a powerful Tabla jugalbandi of Dr.Praveen Uddhav and Master Shrutisheel Uddhav. Next performance was again of Khyal recital by Dr. Ramshankar of Pt. Ramashraya Jha tradition. He presented a classy Miyanka Sarang. Next rendition was of Raga Bheem by Dr. Swarna Khuntia on Violin, followed by the third Khyal recital for the day. This time Prof. Revati Sakalkar presented Raga Rageshwari followed by a Dadra. After this only Sitar recital for the day delighted the audience, presented by Prof. Rajesh Shah, presently Head of the Instrumental Music Department. Last performance of the second day was much awaited dance performance by Dr. Vidhi Nagar and her students. It was a Kathak balled on Begum Akhtar, conceptualized and directed by Dr. Nagar herself.

The third and last day of The Purvacharya Smriti Sangeet Samaroh 2016 was dedicated to the legendary Sitarist Pt. Nikhil Bannerjee. Similar to the first two days, the program started with a prayer, followed by a short documentary on Pt. Nikhil Bannerjee by Mr. Ankur Mishra. The first performance of the last day was the only Carnatic vocal performance of the three day music festival, a delightful Carnatic vocal recital by Prof. K. Sashi Kumar, presently Head of the Department of Vocal music. This was followed by Mridangam recital by Dr. B. Satyavara Prasad. After the percussion, it was the melodious Raga Gaud Sarang on sitar by Dr. Supriya Shah, which maintained the momentum of the program. The only Hindustani Vocal performance of the day created magic after the strings of sitar. It was a mesmeric Dhrupad vocal recital by Prof. Ritwik Sanyal, a senior member of the faculty and well known exponent of Dagarbani tradition. He graced the stage with the rendering of Raga Hanskinkani and Bhupali. Last performance of this year's annual celebration of Faculty of Performing Arts, was of none other than Dean of the faculty Prof. Birendra Nath Mishra. It was as captivating as the last performance was expected to be after so many beautiful performances. The tradition of Banaras Gharana was clearly visible in his lovely presentation of Raga Kirwani. With a dhun in Raga Bhairavi he concluded his performance. For an official conclusion of the annual celebration of the Faculty of Performing Arts, Dr. Ram Shankar, Dr. K.A. Chanchal and Prof. K. Sashi Kumar sang Ramadhun altogether.

Centennary Programme organized in Faculty

S.No.	Programme	Date
1.	Workshop organized by the Department of Instrumental Music	28-03-2016 to 03-04-2016
2.	Workshop organized by the Department of Dance	05-04-2016 to 11-04-2016
3.	Play organized by the Department of Dance in "Swapana Basu Dutta"	18-04-2016
4.	Faculty Day	27-04-2016
5.	Lecture Demonstration by Guest Artist Pt. Nagraj Hawaldar (Vocalist) of Kirana Gharana from Bangalore on the topic "*Jaipur evam Kirana Gharane ki Gayiki evam Vishist Bandishen*" by Department of Vocal Music	29-04-2016
6.	Felicitation of Padma Vibhushan Sonal Mansingh, the renowned Dancer	02-05-2016
7.	Indian Classical Music presented by Department of Music, Rajshahi University, Bangladesh.	06-05-2016
8.	Dance programme of renowned Danseuse Ms. Sharmistha Mukherjee	11-05-2016
9.	Faculty organized International Yoga Day lecture delivered by Shri P.C. Hombal, Head, Department of Dance and Dr. Shivaram Sharma, Department of Musicology.	21-06-2016
10.	Kathak Dance programme organized by (artist Ms. Samiksha Sharma – Jaipur Gharana) in collaboration with the Regional Office, Varanasi, ICCR, Government of India Ministry of External Affairs, and Faculty of Performing Arts	19-08-2016 to 20-08-2016
11.	Organized Patriotic Song Competition 2016 -"*Jara Yaad Karo Kurbani*" on the occasion of 70th Independence Day celebration	22-08-2016
12.	Organized dance play (Pratham Swantra Sankaran 1857) on life history of Rani Laxmibhai "*Khub ladi mardani vah to jhansi wali Rani thi*"	23-08-2016
13.	Lecture delivered on " *Lok evam Shastriya Sangeet ka anthah sambandh* " by Dr. Arivind Kumar, Head of the Department of Music, Magad Mahila Maha Vidayalaya, Patna oraganised by the Department of Vocal Music	17-09-2016
14.	Vocal music programme organized by the Department of Vocal Music performed by Kalapini Komkali (Devas, Mahadya Pradesh) accompanied by Tabla-Shri Ramendra Singh Solanki (Bhopal), Harmonium – Sama Kumar Bharati (Delhi)	19-09-2016
15.	Lecture demonstration by Dr. Rajendra Upadhyay on the topic "Kalidas ke Natakon men Nirtya Prasang"	18-11-2016
16.	Lecture demonstration by Dr. Neeraj Khanna on the topic "Dance: The Dynamics of Life".	23-11-2016
17.	Rashtriya Sanskriti Mahotsav in BHU	17-12-2016 to 24-12-2016
18.	Valedictory function of Centenary year cultural programmes and in commemoration sangeet festival jointly organized by Centenary Cell and Faculty of Performing Arts	23-01-2017 to 25-01-2017

Facilities : Audio-vedio Lab, Hostel facilities, Library, Auditorium, weekly live concerts manuscripts for Ph.D. students, Lecture demonstrations etc.

2.1.2.6. FACULTY OF SOCIAL SCIENCES

The Faculty of Social Sciences is one of the oldest and distinguished centres of learning in the Banaras Hindu University. The Faculty (bifurcated from the Faculty of Arts formerly Central Hindu College) was established in 1971 comprising of five Departments: Economics, History, Political Science, Psychology, and Sociology. The Faculty runs various centres. Centre for Integrated Rural Development, Centre for the Study of Nepal, Centre for the Study of Social Exclusion and Inclusive Policy, Centre for Women's Studies and Development, and Malaviya Centre for Peace and Research. Teachers of the faculty earned international reputations by their intellectual output. Social scientists from the UK, the USA, Germany, Italy and other developed countries also came on academic visits. The IRDP, Malaviya Centre for Peace Research, and Centre for Women's Studies and Development have made commendable academic outputs in the areas of developing human relations and social solidarity.

Chairs established in the Faculty of Social Sciences during 2016-17:

- **Dr. B.R. Ambedkar Chair:** by the Director, Dr. Ambedkar Foundation, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India, New Delhi (amount sanctioned Rs.7.00 lakhs).
- **Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair:** The Dy. Secretary to the Govt. of India (amount sanctioned Rs.5.00 crore)

Gender Sensitization Cell : In order to safe guard the interests of female students in the faculty, a Gender Sensitization Cell was established on 01.10.2016 in FSS. Besides this, other activities are as follows:

- Survey programme of 20 villages of Varanasi district by GSC under Samarth Gram Abhiyan of University on 25.11.2016
- Special Lecture of Dr Anil Chaubey Ex- Registrar, Law University, Bhopal and Documentary presentation on Gender Sensitization on 22.01.2017
- Jhanki programme by GSC on the Foundation Day of the University on 01.02.2017
- Special Lecture of Prof. Jagdish Shukla, USA on 23.02.2017
- Messaging play 'Avarudh' Organised by GSC on "Vishwa Rang Manch Diwas" on 27.03.2017

2.1.2.7. FACULTY OF SANSKRIT VIDYA DHARM VIJANAN

Sanskrit language is one amongst the ancient languages of the world. Its vanmaya reveals and explains each and every aspect of Indian culture. Having felt the importance of this language and literature, a Sanskrit college (Mahavidyalaya) was established in 1918 in Banaras Hindu University. Subsequently, it was named as Prachya Vidya Dharma Vijnan Sankaya. Presently, it is known as Sanskrit Vidya Dharma Vijnana Sankaya (Faculty of Sanskrit Learning and Theology)

This faculty aims at promotion and popularization of Sanskrit language and ancient Indian literature. In addition to this, the faculty also tries to establish meaningful dialogues between Indian and Western thoughts. This faculty being a part of the Banaras Hindu University has immense scope of interacting with the scholars engaged in modern research in different fields such as Science, Technology, Social Sciences, etc.

Presently, there are eight departments running in the faculty; namely, Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotish, Vaidic Darshan, Jain Bauddha Darshan, Dharmashastra Mimansa and Dharmagam. There are about 23 subjects taught in these departments. In the faculty, there is the provision of teaching Shastri (Hons) (six semester) degree course, Acharya (4 semester), and the Post Graduate course in the medium of Sanskrit. Besides, excellent research facilities are available in all subjects for the degree of Vidyavaridhi. Under the Departments of Dharmagama and Sahitya, One-Year Sanskrit Certificate course is conducted and Two-Year Diploma in Shaivagama course is also conducted in the department of Dharmagama. These courses are useful both for Indian and Foreign students. Veda and Jyotish departments are running One-Year Certificate course in Karmakanda and Two-Year Diploma course in Jyotish and Vastushastra, respectively. Admissions in all these courses including research are taken through Entrance Examinations. Scholarships and hostel facilities are available for Undergraduate, Postgraduate and Research students. The faculty has its own independent library with a collection of nearly 25 thousand general books, rare books, and manuscripts. This library provides services to Indian and Foreign scholars. The faculty also have an annual

research journal 'Sanskritavidya' which is popular among the scholars of Indology. Publication of some ancient Indian Texts is undertaken by the publication section of the faculty. The Panchnaga section of the faculty has been publishing 'Vishwa Panchang' annually since 1926.

Participation in Different Seminars by Scholars of the Faculty

Teachers of the faculty participated in different national and international conferences organized by different universities and institutes of the country and delivered lecturers, chaired sessions, and presented research papers.

Future Programmes:

Department of Veda

- Translation of Important Vaidic Books
- Establishment of Yajnashala

Department of Vyakaran

- Tranof research Seminars and Lecture series.slation of Ancient Vyakaran Books in Hindi
- To Prepare Encyclopaedia of Vyakaran Shastra
- Application of Paninianvyakarana for Analysing the Modern Indian Languages

Department of Jyotish

- Establishment of Vedhashala
- Acharya Bhatt Varahmihir Lecture Series
- Extension Lecture and Workshops

Department of Jain Bauddha Darshan

- Publication of Departmental Research Journal
- Organization

2.1.2.8. FACULTY OF VISUAL ARTS

The Faculty of Visual Arts (established, 1950) of Banaras Hindu University is one of the major Art Institutions of India that offers Degree programme leading to Bachelor of Fine Arts (BFA) and Master of Fine Arts (MFA) in Applied Art, Painting, Textile Design, Plastic Art (Sculpture) & Pottery-Ceramics. There is also a compulsory subject, History of Visual Arts & Design, at the BFA & MFA besides a provision to pursue Doctoral Research in all discipline after Post-graduation (MFA). The Faculty is one among the few Arts Institutes offering Post-graduation in all the above courses hence attracts students from all over India, from SAARC countries as well as from U.S.A. and Europe. Faculty of Visual Arts is an institution endeavoring to develop students into professionals who have a positive role to play in emerging society where creative thinking is absolutely necessary.

The Academic Programme, restructured and upgraded into Semester Pattern Curriculum in 2010, enables optimum interaction with the contemporary art activities all over the country. The courses offered at the BFA and MFA and PhD level are essentially job-oriented and all the degree holders find passageway to find their productive future in various kinds of job or even excel as free-lancers in India as well as abroad.

The Faculty contributed in different extra Co-curricular activities such as Rastriya Sanskriti Mahotsav 2016 held by Ministry of Culture, Government of India, Art Fair, Annual Art Exhibition and took Championship in Fine Art events in Inter University East Zone Youth Festival and also performed admirably well in National Youth Festival. So for the consecutive three years, i.e. 2015, 2016 and 2017, Faculty of Visual Arts of BHU was ranked as the top-most art institutes of India in the India Today-Nielson Survey.

Rashtriya Sanskriti Mahotsav 2016

In the Current Academic Session, the Faculty staff took part in various Seminars, held their Solo Shows and also participated in Group Exhibitions in India and abroad; they also published their research papers and were invited for evaluation in various academic and art institutions. They were also nominated as Jury Members for Exhibitions as well as other cultural activities. The series of shows, both Solo and Group, continued over the entire session and a total number of 19 Exhibitions, 18 National and 1 International Shows were organized. In SPANDAN–2017, a BHU Cultural Festival, the Faculty won the Second Prize for the overall performance, and First prize for the Fine Arts Event. The Department of Applied Arts Participated in Virtual Exchange Programme on Photograpy with Plymouth College of Art London, where 15 student participated.

Design Innovation centre BHU, Department of Applied Arts, Faculty of Visual Arts organized 15th Days Summer Workshop From 20th June to 4th July 2016. 35 students participated from different faculty of BHU. 25 Design Friday event was held during the session, and one orientation programme, and another

Art Competition with Dainik Jagran- Hindi Daily News Paper.

As part of the 99th Convocation of BHU, the Faculty of Visual Arts celebrated its convocation held on 16 Jan, 2017 in the Faculty Central Courtyard in Open-air in which students belonging to the session 2015-16 were awarded with their BFA, MFA and Ph.D. Degrees. Students securing the highest marks in each subject were awarded BHU Gold Medal. Among the Gold Medalists, the toppers in BFA and MFA were conferred Medals in the Main Convocation held on 16 Jan, 2017 in the presence of the Hon'ble Prime Minister.

Type of Exhibitions	Exhibitor/Artist	Durations
National	Sandeep Km. Prajapati & Group BFA 3rd Year, Department of Painting, Visual Arts	24 to 26 Oct 2016
National	Jugal Sutrdhar Assistant Professor Institute of Pharmacy Harishchandra PG College Varanasi	10 to 13 Nov 2016
National	Exhibition of Arts Collection Sate Lalit Kala Akademi, Uttar Pradesh, Ahivasi Arts Gallery, Visual Arts, BHU	21 to 25 Nov 2016
National	National Arts Festival Varanasi through Creative Eyes Painting Workshop, Lalit Kala Akademi & Visual Arts	5 to 11 Dec 2016
National	Sanskriti Mahotasav 2016 Organized by: Ministry of Culture (Painting Exhibition)	17 to 24 Dec 2016
National	Spandan Competition, Faculty of Visual Arts, BHU	4 to 9 Feb 2017
National	Damini Sharma MFA Final year, Department of Painting	7 to 9 Feb 2017
National	Shwata Rani Ghose & Group Pottery Exhibition, Pottery Department	13 to 15 Feb 2017
National	Annual Arts Fair Workshop, Faculty of Visual Arts	18 to 23 Feb, 2017
National	Annual Arts Exhibition & Arts Fair 2017, Faculty of Visual Arts	25 to 28 Feb, 2017
National	Ajay Prakash & Group MFA Final Year Painting	9 to 12 Mar, 2017
National	Pragya Singh & Group	20 to 22 Mar, 2017
National	Spandan 2017, BHU	26 to 31 Mar, 2017
National	Kashi National Arts Exhibition 2017	4 to 8 April, 2017
National	B.R. Ambedkar Jayanti	10 to 13 April, 2017
International	Japan Foundtion Chihiro Iwasaki	10 to 22 April, 2017
National	Ratandeep & Group	17 to 18 April, 2017
National	Display of MFA (Painting)	21 to 22 April, 2017
National	Display of MFA (Painting)	24 to 27 April, 2017

2.1.3. MAHILA MAHAVIDYALAYA

(Women's College)

Mahila Mahavidyalaya, initially named Women's College, was established in 1929. Courses in Sciences were introduced in 1948. The undergraduate courses in Humanities, Sciences, Social Sciences, Education, Visual Arts, and Performing Arts at MMV are governed by the respective parent Department/ Faculty/Institute of the university. All female students of the university enrolled in undergraduate courses in Humanities, and Social Sciences are admitted to MMV. Presently MMV offers three postgraduate programmes to female students: M.A./M.Sc. in Home Science, M.Sc. in Bioinformatics and M.A. in Education. Process for introduction of innovative postgraduate programmes in different disciplines is underway.

Apart from teaching the undergraduate and postgraduate courses at MMV, the faculty members are attached with their parent departments for teaching of postgraduate courses offered in the departments, for supervision of doctoral dissertations, and are also members of the Board of Studies of their respective parent departments. Research projects funded by national and international agencies are routinely carried out at MMV. A significant number of students enrolled at MMV make it to the top ten university merit positions in Humanities, Sciences, and Social Sciences every year.

Activities and programmes

The current session was filled with numerous academic and social outreach activities. The faculty and students came together to engage with the present day challenges in areas of research. They were also actively and wholeheartedly involved with social concerns.

- On 8th April 2016, the first Annual Students Conference on Contemporary Literature and Culture was held at MMV.
- On 24 April 2016, the first Centenary Year One Day Research Motivation Workshop held at MMV.
- On 27 April 2016 the first 'Centenary Year Gender Sensitization Programme' was organized for the

non teaching staff members of MMV.

- On 6 September 2016, the Creative Forum of MMV in collaboration with the Campus Literary Forum, BHU organized a one day seminar on 'स्मरण: निदा फाजली'
- On 17 September 2016, a quiz competition was organized by Jaipuria Institute of Management, Lucknow, at Jyoti Kunj Hostel, MMV. More than 150 students participated in the competition.
- On 25 September 2016, the second Centenary Year One Day Research Motivation Workshop was organized.
- On 28 September 2016, tree plantation was carried out in MMV premises in collaboration with 'सृजन सामाजिक विकास न्यास'
- On 06-07 November 2016, a two-day workshop on Bioinformatics was organized.
- On 15 November 2016, World Philosophy Day celebration was organized at MMV An open lecture on 'भारतीय दर्शन का ज्ञानमीमांसीय योगदान' was delivered by Prof P.K. Mukhopadhyaya, former Head, Dept of Philosophy, Jadavpur University.
- On 28 February 2017, the Second Annual Students' Conference on Contemporary Theory, Literature and Culture was held. Four students each from the Department of English, Faculty of Arts and all affiliated colleges of BHU presented papers at the conference.

National Seminar

National Seminar on "Environment: Indian Culture and Global Challenges" was held at MMV from 04.02.2017 to 05.02.2017.

National Workshops

- From 31st March 2016 to 6th April 2016, a seven days' national workshop on 'काशी की संस्कृति: आधुनिक परिपेक्ष्य में'' was held at MMV. The workshop introduced the legacy of Kashi in its multi faceted engagement with the process of change in present times.
- From 18-24 March 2017, a seven days' national workshop on 'Lok Kala, Sanskriti Evam Sahitya: Bhartiyata Ki Virasat' was held at MMV.

Centenary Year Special Lecture

- On 28 May 2016, Padmashree Prof Ram Harsh Singh delivered the Centenary Year Special Lecture on "Role of Ayurveda in the National Health System".

Achievements/ Activities/ Programmes of Students

- Jaipuria Quiz League 2016 was organized at MMV by Jaipuria School of Management on 17 September 2016
- The Cultural Association of Mahila Mahavidyalaya organised various competitions during the current academic session under the auspices Manthan.
- Essay competitions in Hindi, English, Sanskrit, Bengali and Painting competitions were held.
- The colourful posters displayed various events of competitions which were to be held during MANTHAN-WEEK 25-31 January 2017. The Convener, Cultural Association Dr. Layleena Bhat (Professor, Dance, Bharatnatyam) encouraged the students to take part in the events. The Principal advised the students to develop positive thinking while participating in the competitions.
- The competitions were conducted daily in two sessions. The morning session and the evening sessions included Science Debate, (Bilingual) Rabindra Sangeet, English Debate, Light Music (Solo & Group), Hindi Debate, Urdu Baitbazee, Rangoli, Stotra Path and Quiz.

The Principal presented mementoes and honoured all the judges. The winners received prizes along with certificates. To encourage the spirit behind the participation, certificates of participation were also given.

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

2.1.4. CENTRES FOR STUDIES

2.1.4.1. Food Science and Technology
2.1.4.2. Genetic Disorders
2.1.4.3. DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
2.1.4.4. Study of Nepal
2.1.4.5. Women Studies & Development
2.1.4.6. Malaviya Centre for Peace & Research
2.1.4.7. Integrated Rural Development
2.1.4.8. Social Exclusion and Inclusive Policy
2.1.4.9. Hydrogen Energy Centre
2.1.4.10. Nanoscience & Technolgy Unit/Centre

2.1.4.1. CENTRE FOR FOOD SCIENCE & TECHNOLOGY

The Centre of Food Science and Technology was established in 2008. The Centre has one pilot plant comprising of five units like - Milk Processing, Fruits & Vegetable Processing, Niro Spray Dryer, Retort Machine and Packaging, and latest Laboratory having all types of equipments to analyze the quality attributes of food products. The research areas of the Centre are - Dairy Technology, Functional and nutraceutical technology, fermentation technology, instant foods, fruit candy, coarse cereals in bread and cookies production and agricultural waste management to produce enzymes and metabolites. The Centre for Advance Faculty Training Programme (CAFT) in Food Processing supported by ICAR has been established by the Centre of Food Science and Technology and training programme will run from July 2017. The Centre has opened the Association of Food Scientists and Technologists (India) Varanasi chapter. An initiative has been taken to start the experiential learning course in food processing for B.Sc. (Ag) students, and B.Tech. course in Food Technology. It has also started collaborative work in academic and research activity between IIP, CPRI, Agri. Tech. Sciences and DSM (Food speciality). It had released three manuals in food biotechnology, cereals technology and food microbiology. Prof. Anil Kumar Chauhan delivered an invited talk and chaired the session in 20th World Conference of Clinical Nutrition at Bangkok, Thailand. He also delivered a lecture in ICFOST-2016 at GNDU, Amritsar and National conference on Marketing in BHU. Prof. Chauhan was elected as the Secretary General of I.C.N. and awarded with two international awards. Dr. Abhishek Dutt Tripathi also delivered an invited lecture in 20th World Conference of Clinical Nutrition at Bangkok, Thailand.

Achievements of Activities and Programmes

- Development of Instant Mushroom Soup by using retort technology
- Development of Mango wine Technology
- Development of Instant Rice Technology
- Development of Instant Whey Based Kadhi
- Development of Fruit Based Candy
- Development of Green Pea Enriched and Phalahari Energy Bar
- Development of Coarse Cereals Based and Cassava Biscuits
- Development of ready to Serve Beverages
- Utilization of Agricultural Waste for Production of Enzymes and Biopolymers

Extra Curricular Activities

- Smt. Harsimrat Kaur Badal, Ho'ble Minister, MoFPI visited the centre and interacted with faculty members and students.
- Dr. N.S. Rathore, DDG (Education), ICAR visited the Centre and interact with faculty members and students.
- The Vice Chancellor of the University visited the Centre as a chief guest of plantation programme accompanied with all BHU officials.
- Prof. Anil Kumar Chauhan and Dr. Abhishek Dutt Tripathi presented invited paper in 20th World Congress of Clinical Nutrition in Bangkok, Thailand.
- Dr. M.B. Chetti, ADG (HRD) visited the Centre of Food Science and technology and interacted with students and faculty.

2.1.4.2 CENTRE FOR GENETIC DISORDERS

The Centre for Genetic Disorders, initially funded by DBT (2006-2011), is a newly established Centre in the Institute of Science. The vision of the centre is to make a healthy and health-conscious society with reduced genetic burden and better management of disease.

The Centre is running the following activities and programmes:

Genetic Diagnostics:

Genetic diagnostics of various chromosomal and genetic disorders of the referred cases are being performed.

Research

- Whole Genome Sequencing - decoding the cause of human tooth agenesis
- Molecular analysis of renal cell carcinoma
- Assessment of anti cancerous activity of Traditional, Aurvedic and Medicinal plant products or formulations
- Genomics of Polycystic Kidney Disorders
- Genetics of Neurodegenerative disorders with special reference to Parkinson's disease
- Development of biocompatible dental implant made up of metal alloys
- Preparation of lymphoblastoid cell line for rare genetic Disorders
- Genetics of Alzheimer's disease
- Isolation and Characterization of Human Dental Pulp Stem Cells derived from Third Molar Teeth and Exfoliated Deciduous Teeth in collaboration with faculty of Dental Science, IMS, BHU
- Genetics of Paediatric solid tumor in collaboration with Paediatric Surgury, IMS, BHU
- Maternal genetic risk assessment for Down syndrome live birth.
- Molecular cytogenetics mapping of X Chromosome in Turner syndrome like females with respect to menstruation.
- Association analyses of candidate genes in infertile women
- Molecular Genetic Analysis of Orofacial Cleft Disorders
- Genomic analysis of Congenital Limb Malformations and normal Limb Development in collaboration with Department of Obstetrics and Gynaecology, Institute of Medical Sciences, BHU
- Collaborative research with Department of Pathology, IMS, BHU for identification of mutations responsible for myeloproliferative disorders

- Molecular genetic analysis of cataract.
- Development of Stem cell and Gene based therapy for DMD, osteoarthritis, hypoxic-ischemic brain damage in collaboration with Department of Obstetrics and Gynecology and Paediatrics, Institute of Medical Sciences, BHU.
- Generation of knockout mice using CRISPR/Cas-9 gene editing tool.

Achievements of activities and programmes: More than 800 referred cases were diagnosed for various disorders including Down syndrome, Turner syndrome, DMD/BMD, Thalassemia, recurrent abortions, NTD, CML, etc. Tests were done and reports handed over to the SS hospital, BHU. Counselling is offered in certain cases.

Research

- Folate metabolism genes show predisposition in young mothers having Down syndrome child.
- Nitric oxide modulates connexins 31, 31.1 and 43 expression and cellular proliferation in diabetic wound fibroblasts.
- Asparagus racemosus leaf extract inhibit UOK 146 (primary papillary renal cell carcinoma) cell growth by inducing autophagy and PRCCTFE3 fusion protein down regulation.
- Novel mutations have been identified in Parkinson's disease, Polycystic kidney disease, Hypodontia,congenital limb malformations and cataract.
- Regulatory effects of SALL1 and BMPR1B genes have been investigated.

Presentations and workshops/hands on Training:

There was a total 4 oral and 6 poster presentations in the conferences and 1 workshop attended.

Guest Lectures in the Centre

- "A decade long association with lafora disease" by Prof. S. Ganesh, IIT Kanpur.
- "Regulation of autosomal genes by Y-chromosomal non-coding RNA in male infertility" by Dr. AJ Rachel, CCMB, Hyderabad.
- "Development of polyclonal and monoclonal against glutamate dehydrogenase protein for specifically diagnosing the vivax infection" by Dr. Vandana Singh, CDRI, Lucknow.
- "Sign of life from classical cytogenetics: Is an old-fashioned technique still relevant?" by Dr. Indrajeet Nanda, Institute of Genetics, University of Wurgburg, Germany.
- "Identifying P53 protein interactome by effinity purification & mass spectrometry". By Dr. Nitin Raj, Stanford University, US.
- "Grainyhead-like 2 (GRHL-2) in idiopathic pulmonary fibrosis and nuclear organization" by Dr. Sathis Shashikumar, DY Patil Vidyapeeth, Pune.
- "Application of biomarkers in environmental risk assessment: linking human and environmental health" by Prof. Awadesh Jha, Plymouth University, UK.

Research facilities available for students

- Basic Molecular Biology Laboratory including facilities for various analyses of DNA, RNA, Proteins, PCR, genotyping, DNA sequencing, etc.
- Cell culture laboratory including whole blood culture, stem cell culture (limbal, amniotic membrane etc.), cell lines and lymphoblastoid cell lines.
- Standard Cytogenetic laboratory including chromosome preparation, banding, karyotyping etc.
- Equipments available are centrifuges, gel electrophoretic apparatuses, UV-trans-illuminator, gel-documentation system, pH-meter, water baths incubators, ovens, weighing balances, refrigerators, -20C deep refrigerators, -80C deep refrigerator, cold chambers, thermal cyclers, laminar flow chambers, automated karyotype system with fluorescence microscope, light microscopes, inverted microscope, computer system with internet, automated DNA sequencer, Nanodrop Spectrophotometer, Haematoanalyzer etc.

Extra Curricular activities: Students of PG diploma course visited the KIIT, Bhubaneswar and attended seminar, interacted with faculty members and students, observed lab facilities and diagnostic techniques, as an academic tour. They also submitted a report on this tour. Students of PG diploma also participated in the faculty programme 'Aakanksha-2017' in which they won first prizes in 'debate' and 'drama' competitions.

2.1.4.3. DST-CENTRE FOR INTERDISCIPLINARY MATHEMATICAL SCIENCES

The DST Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences (DST-CIMS) was established in 2007 to promote training and research in Mathematical Sciences and to evolve core group research facilities in Banaras Hindu University in its thrust areas. To this end, the DST-CIMS conducted various such activities throughout 2016-17. This was achieved by organizing a good number of national/international level training programmes, workshops/ conferences and invited lectures by eminent mathematical scientists. Simultaneously, CIMS has continued to develop and add excellent infrastructure and facilities for the faculties, students, and visiting guests to undertake their academic activities in a conducive and vibrant environment.

Working of the Centre

The working/activities of the Centre can be classified into

- Organization of Training Programmes/ Workshops
- Organization of Lectures
- Research in Thrust and Related Areas
- Participation/interaction of the CIMS, through its members, in academic and research activities outside BHU
- Augmentation of the infrastructural facilities (e.g., building, computational facilities including software, books for library, etc.), the details of which have been provided.

Running Programme

- Ph. D. in Mathematical Sciences
- M.Sc. in Statistics and Computing
- M.Sc. Computational Science and Applications in Signal Processing

Award of Degrees / Diplomas

- Banaras Hindu University awarded 'The Chancellor Medal' for the year 2016 to Ms. Shikha

- Dube of DST-CIMS for securing highest marks in all courses at PG level in BHU.
- In addition to the Chancellor Medal, BHU Medal and Late Maharaja Vibhuti Narain Singh Gold Medal were also awarded to Ms. Shikha Dube, DST-CIMS for securing highest marks in all courses at PG level in BHU.
- Banaras Hindu University awarded the Chancellor Medal for the year 2016 to Mr. Hitesh Athwani, DST-CIMS for securing highest marks in M.Sc. Statistics and Computing.

Building Contains the Following Facilities

Coordinator's Room, Office, Faculty Rooms, JRF's Rooms, Visitors' Room, Lecture/Seminar Rooms, Committee Room, Computer Labs, Lecture Theatres, Library, Study Room, and Wash Rooms.

Professor Robert Bryant, President, American Mathematical Society

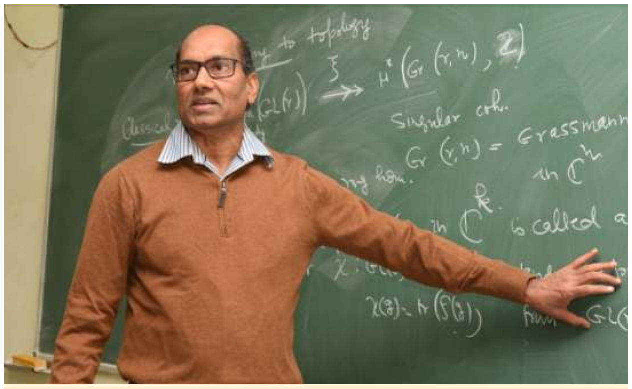

Professor Shrawan Kumar, University of North Carolina, USA

Prof. C.S Aravinda, TIFR-CAM with Prof. A.K. Srivastava, DST-CIMS

Professor Robert Bryant, President, AMS with Professor Umesh Singh, DST-CIMS

Panel discussion on Women in Math

2.1.4.4. CENTRE FOR THE STUDY OF NEPAL

The Centre for the Study of Nepal, Faculty of Social Sciences, Banaras Hindu University, established in 1976, includes the study of Nepal and Trans-Himalayan region vis-à-vis Study of Nepal, to understand the Indian subcontinent in its totality. It further wishes to extend the agenda to cover the whole South Asian Region for understanding Nepal and Trans–Himalayan Region froming further larger perspective.

Presently the library of the Centre has in its holding more than three thousand five hundred (3500) books (most of them are very much valuable, rare and classic documents) and more than one thousand four hundred (1400) bound volumes of journals for the researchers, project holders, academicians working in the Centre. The Centre organized several programes, such as, Seminars (national/international)/Workshops/ Special Lectures.

Workshop on 'MS Excel &SPSS Applications in Economics': 27th March to 10th April, 2017.

International Seminar on "Education for Development of Democracy
The Constitution and Resulting Conflicts In Nepal: The South Asian Context": 21st to 24th March, 2017

A Special Lecture on "Goods & Services Tax" (G.S.T.) On 31st August 2016.

Workshop On 'Research Methodology In Area Studies': 4th To 11th November, 2016.

Research facilities available for students: Library, Computer& Field Work.

2.1.4.5. CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES AND DEVELOPMENT

The Centre for Women's Studies and Development, Banaras Hindu University, established in 1988 is one of the pioneering centres of the country in the area of Women's Studies. It has been contributing significantly to evolve a gender friendly society. The Centre has been recognized for nationally and internationally, for its sustained efforts in bringing about gender sensitization in the region. It was formally established in the year 1988 under the 7th five year plan by the UGC. Due to its excellent performance, the UGC Visiting Committee declared the Centre as one of the resource or Nodal Centres in 1997, which is the highest recognition of excellence accorded to any Women's Studies Centre.

The Centre has completed 32 projects. A major project has been "Indo-Dutch Project on Rural Sanitation and Health Education in U.P." covering 27 villages and nine thousand families. It has by now organized 54 National Seminars/Workshops/ Colloquiums and 60 Special Lectures/Group-Discussions. The Centre got a major break through as it collaborated with Film and Television Institute of India and National Film Archive of India, Pune and organized four days 'Women Centric Film Festival and Film Appreciation Workshop' from 10-13 September 2009. Apart from discussing women's images in films, this programme created great interest among students who have interest for films and film making process as an alternative career.

Carrying its responsibility of organizing seminars and conferences on contemporary issues related to women, the Centre organizes a number of programmes. In this direction, the Centre organized a national seminar on "Women, Law and Contemporary Indian Scenario" on 21-22 March 2017. Today women are visible in almost all spheres of life-political, social, economic, intellectual, administrative etc. Judiciary and law have contributed significantly in women's endeavour towards empowerment. But what we find in spite of these constitutional

provisions and legal rights is women's status that remains unequal with persistent disparities. Recent hue and cry over the Uniform Civil Code exposes the stranglehold of age-old traditional mindset and dominance/interference of religion and orthodoxy in Indian society. Since laws are structured within a given social, constitutional, political and legal condition of a country; how can law help women when our framework of justice rests on value systems which are themselves iniquitous? Hence legislations alone cannot make justice available to women. In fact equal status for women requires continuous effort and concern.

Keeping in view the important role of law in the emancipation and empowerment of women, the centre organized a Seminar on 'Women, Law and Contemporary Indian Scenario' on 21-22nd March 2017.

Besides, working as a networking Centre on women issues, the Centre has emerged as one of the leading centres for imparting teaching and training in Women's Studies. The Centre has successfully started One-Year P.G. Diploma Course in Gender and Women's Studies in September 2010. It has by now organized 15 UGC Refresher Courses in Women's Studies, each of three weeks duration, and thus has educated more than 580 teachers in women's-studies. In addition to this, the centre has organized 17 Orientation Courses in Women's Studies for Research Scholars, NGOs, administrators, social workers. It is a matter of great pride that it has by now trained more 448 hundred Research Students in women's-studies. The most innovative aspect of these orientation courses is that a number of eminent experts from different disciplines belonging to different universities all over India are invited to deliver lectures. The Research Students who participate belong to different disciplines ranging from Social Sciences to Humanities, Agriculture, Law, Medical, Commerce, Management, etc.

The Centre has established a rich networking with other Women's Studies Centres and NGOs and Institutes of higher learning in order to bring more and more women in higher administration of the university.

The Centre also has a rich history of outreach activities. It has held several meetings with elected Gram-Panchayat leaders of Varanasi district, gender sensitization workshops with rural women of Varanasi district. It has organized a number of health awareness programmes at different levels of Varanasi district, health & legal literacy awareness programmes, awareness generation camps in rural areas in Varanasi about safe drinking water, environment, and sanitation. As a part of its outreach activities, the Centre is running 'Sewing Training Centre' at Amara Village for the economic and educational empowerment of rural distressed women. To create health awareness among rural population, the Centre regularly organizes Health Education and Health Check-up Camps in rural areas. The presence of the centre has also been felt through events such as Mahila Adalat, Painting Competitions and Academic meets with faculty members, NGOs and students.

The centre has made remarkable progress in generating material on gender sensitization and creating awareness regarding it. It has successfully brought 1st Issue of its Journal “Journal of Gender and Justice” in 2012. It has by now prepared a Prashna Pustika in Hindi, 32 Project Reports, about 49 proceedings of different Orientation Courses, Refresher Courses and National Seminars, 13 issues of bilingual newsletter Nari Darpan, 3 Occasional Papers, 16 dossiers and has published 10 books on the basis of project reports submitted and papers presented in different national seminars. The Centre's efforts for clustering at different levels have created an example for other departments. It has by now clustered at three levels: (1) With other sister departments of BHU (2) With different NGOs of Varanasi such as Social Action and Research Committee, World Literacy of Canada, U.P. Volunteer Health Association, Shri. Shambhu Nath Research Foundation and Mahila Samakhya. (3) With its branch 'Tejaswini' in Arya Mahila Degree College, Varanasi.

The centre is rich in its infrastructural facilities. It has a well-equipped library, Library cum Seminar Hall with internet facility.

Different Activities

- One Day Workshop 'Women at Workplace' 14th September, 2016.
- Screening of Documentary 'The Daughters of

Sarasvati: Women's Sanskritic Educatioin in an Institution in Varanasi' 22nd October, 2016.

- On the occasion of the Centenary Year of the University, 17th Orientation Course in Women's Studies, 10th–24th January, 2017.
- One Day Workshop 'Women in the Changing World & Painting Exhibition' 4th March, 2017.
- On the occasion of the Centenary year of the University, National Seminar on 'Women, Law and Contemporary Indian Scenario' 21st – 22nd March 2017.

Publications: The Centre is regularly publishing its bilingual newsletter 'Nari Darpan' since August 2002.

Facilities for Students

- Documentation on women's studies
- Training from time to time through Orientation Course and workshops.
- Involvement of students in extension activities
- Facilities of counselling on different topics related to women
- Internet facility in library

Library

The Centre for Women's Studies and Development has an excellent well equipped library with a sitting capacity of more than 50 persons. It has a total of 3000 books, out of which 568 books are donated by different persons and institutions. It regularly gets 9 Magazines and 1 Journal. The library is also providing its readers the facilities of News Clipping from daily newspapers like Times of India, The Hindustan Times, The Hindu, The Statesmen, Dainik Jagran, Hindustan, Amar Ujjala and Employment News. The Library also has records of reports of seminars/ conferences, Government Publications on the matter related with women.

collaborative research and scholarly exchange.

- MCPR has collaborated with the UN Mandated University for Peace, Costa Rica (Peace) to enrich teaching for Master's program on Conflict Management and Development.
- MCPR also collaborates with Karlstad University, Sweden; Peace and Justice Program, Wellesley College, USA; Peace & Conflict Research Program, Tribhuvan University to promote joint teaching and research activities.
- Since 2006, the United States–India Educational Foundation (USIEF), has been instituting Fulbright-Nehru Visiting Professorship at the Malaviya Centre for Peace Research.

Achievements

- In 2016, Prof. Upadhyaya was invited by the United States Department of Education as a distinguished higher education delegate to the US President's Sixth annual Campus Meet at Gallaudet university in Washington DC on September 20-23, 2016
- In 2016, Professor Priyankar Upadhyay was nominated by the Asst Director General for Social and Human sciences, UNESCO to serve as a member of the Steering Committee in the Project entitled "Progress and Challenges for the Peace Agenda of United Nations". In this capacity he contributed to the Steering Committee Workshops in Geneva and Barcelona during 2016.
- In 2016, the UNESCO (Paris) renewed the UNESCO Chair for Peace and Intercultural Understanding at the Malaviya Centre for Peace Research after a favourable review. The achievements of UNESCO Chair were duly appreciated by the UNESCO.
- Prof. Priyankar Upadhyaya has been awarded ICCR Chair Professorship at the Dublin City University, Ireland.
- Two International Fellowships for One Researcher and One Master Student of MCPR from Linnaeus-Palme International Exchange Programme, Sweden for Advance Course in Social Science Research Methodology and Regional Studies in session 2016-17.
- Another important facet of the Centre's activity is to bring out research publications: occasional papers, seminar and workshop reports etc. Since 2003, the MCPR has been publishing an annual "Journal of Conflict Management and Development' with an international editorial board.
- In June 2016, one faculty was awarded with an international fellowship from Peace Research Institute. Oslo to undertake six weeks Advance Training Program in Peace Studies at University of Oslo, Norway.

Teaching Programmes

The Centre runs Two-Year MA/One-Year PG Diploma in "Conflict Management & Development", and Ph.D. in Peace Research open to graduates from social sciences and allied disciplines specially catering to the administrators, politicians, NGOs and others engaged in the management of national and international conflict. This Special Course of Study offers a state of the art opportunity for students and practitioners from diverse fields concerned with conflicts and community development.

Massive Open Online Courses

The Malaviya Centre for Peace Research intends to float a four credit foundational course on "Religion, Conflict and Globalization" under MOOCs program designed to meet the needs of religious leaders, development community and peace activists. This innovative program will provide a cross-cultural understanding about the possibilities of using religious and cultural understanding as a tool of conflict resolution.

2.1.4.7. CENTRE FOR INTEGRATED RURAL DEVELOPMENT

India lives in villages and development of villages means development of the country. The Centre for Integrated Rural Development of Banaras Hindu University was established in 1980 in response to the National Programme of Integrated Rural Development, initiated in 1979 by the Government of India.

Networking

IRDP is committed to inter organizational collaboration and works to establish links between organizations concerned with rural development both in India and abroad.

Structure and membership

The Centre is a recognized unit of Banaras Hindu University and is under the Dean of the Faculty of Social Sciences in conjunction with other related departments of the University.

The Centre is funded through a small allocation created out of the University Maintenance Grant and from inputs received from the relevant Faculties and Departments. The development of the potential capacities of the Centre and its programme vital to rural development requires a stronger funding base and support.

Development of a Model village

On the request of the then C.M. of U.P. Mr. V.P. Singh, the IRDP Centre took the challenge for the development of a model village of Bhisampur (Chakia block). During the period of two years i.e. 1982-84, all the developmental activities were implemented. It was not an easy task to seek the cooperation of each and every department of U.P. Govt. But it was done. Presently due to unavailability of transportation and other resources, the Centre for IRDP is totally cut off from the villages.

IRDP at a Glance

Women empowerment Training Programme

Women living in the rural areas of Kashi Vidyapeeth Block and the near by areas of BHU campus are learning tailoring, cutting & knitting skills. About 40 women from the village and the BHU campus are coming regularly in two shifts 10. a.m. to 1.00 p.m. & 2.00 p.m. to 5.00 p.m. to know the technical know-how of tailoring.

Two years M.A. in IRDM

The two years M.A. in IRDM is a self financing program of the Centre under the Social Science Faculty. The teacher of various disciplines like IIT (BHU), I.M.S., I.A.S., I.S. & Social Science regularly take different papers i.e. Society & Polity, Rural Economy, Agriculture, Rural Health and Rural Technology, Environment and Management. Thirty Nine students have been enrolled for the current Academic year.

Samarth Gram Abhiyan

In the Centennial year of BHU, the university started “SAMARTH GRAM ABHIYAN” to make 100 villages of Kashi Vidyapeeth Block self reliant with it own sources.

The Centre for Integrated Rural Development is

the Nodal Centre for the Samarth Gram Abhiyan. Programme includes following 10 points

1. Education
2. Cleanliness
3. Health
4. Jaivik Krishi
5. Plantation
6. Animal Health
7. Water Conservation and Management
8. Environment
9. Kitchen Garh
10. Legal Aid

Awareness Programme

"Madhumeha Mukta Bharaat ke liea yoga evam Prakritik chikitsa ki Bhumika" organized by 'Swadeshi Jagran Manch' and "Swarashtra Jayate' along with 'Centre for Integrated Rural Development 'dated 3rd October 2016.

Guest Lecture Series (Centenary Year Celebration)

- Abhishek Ranjan delivered a lecture on Careers in the Development Sector especially focusing on social entrepreneur; 22.03.2011.

Dr. Raj Krishna delivered a lecture on Microfinance; October 2016

Date	Name of Villages	Description of Work
26/10/2016	Chhitauni kot, Karsara, Betawar, bachhaon, Gajadharpur	Data collection of 200 Household, 200 Plantation, Awareness on Education
25/11/2016	Karsara, Betawar, Bachhaon, Gajadharpur, Chhitauni kot, Kurahua, Madhopur, Muradev, Tarapur, SArai dangri kala, Anantpur, mangalpur, Surahi, Bankat, Alauddinpur, Unchgao, Daudpur, Gopalpur, Nakain, Sadalpur, kadipur, Lathhiya, Saghat, Rampur, Khushipur, Naraur, Zafarabad, Dafalpur, Faridpur, Hasapur, Bhadwar, Delhna	Rural Visits by teachers and staff.
4/12/2016	Jaiwik Krishi Sammelan,	Approximately 1000 villagers participated in the "Jaiwik Krishi Sammelan" at Swantantra Bhawan, BHU organized by C.I.R.D and B.H.U.
27/01/2017	Madhopur, Muradev	500 seeds packets distributed for kitchen garden, 20 plantation, Books, slate pencil distributed among 100 family
23/01/2017 30/01/2017 06/02/2017 20/02/2017 27/02/2017 06/03/2017 13/03/2017 20/03/2017	Kurahua	I Q test conducted by MAIRDM students in the primary school. Workshop on "Important of computer and Mobile in our life" for the students of the Middle school Forty students participated villagers informed on the subject "How to do digital Transaction" ATM Facilities provided to family and show them about the process of withdrawal of Money from ATM.

24/03/2017	Bakharia	70 seeds packets distributed for the Kitchen garden.
27/03/2017	Madhopur	Rural visits and data collection
26/12/2016 06/01/2017 11/01/2017 19/01/2017 24/01/2017 29/01/2017 02/02/2017	Sarai Dangri	15 dropout students started going to school.
30/03/2017 31/03/2017	Institute of Management, BHU	Invited Km. Jeenat from Mangalpur village for participating in the workshop organized by Institute of Management Dr. A.K. Pandey, IRDP, presented activities under Samarta Gram Abhijan and Dr. B.P. singh Visiting professor put his thought on literacy in workshop organized by Institute of Management.

2.1.4.8. CENTRE FOR STUDY OF SOCIAL EXCLUSION AND INCLUSIVE POLICY

The Centre was established in the year 2008 under the XI plan. This was one of the 35 Centres opened by the UGC with the objective of studying social exclusion in Indian society and inform the process of policy-making for building a more inclusive society. This Centre has been one of the few Centres in the country that defended itself in UGC, New Delhi and was approved for the continuation of its grant (recently held meeting in the UGC, New Delhi). Since its inception, the Centre has been conducting M.Phil. and Ph.D. program, besides consistently engaging in academic activitieslike organizing conferences / Seminars / Special lectures etc. The Centre has provided an interdisciplinary space for advanced research and dialogue, and provided platform for cross-fertilization of ideas.

The Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy, Faculty of Social Sciences, BHU has started ancillary subject for Under Graduate students and Minor Elective for the Post Graduate Students

Approach

- First,it focuses on the multidimensionality of deprivation.
- Second, it focuses on the processes through which individuals or groups are excluded.
- Third, it focuses on the social actors and agents, who include and exclude, and emphasizes on identifying them. The social actors and agents may include the state, local authorities, religious bodies, local elites, the market etc.
- Fourth, it emphasizes upon the relational roots of deprivation.
- Fifth, it brings to fore the Intersectionality of multiple disadvantages, and the dynamics that emerge out of it.
- Finally, it provides us with a framework that is particularly tailored for action. Thus, the approach is directed towards informing the process of policy making, providing the policy makers with a lens through which the multidimensionality of deprivation and intersectionality of disadvantages become visible. It thus provides us with a dynamic framework for deconstructing disadvantage and social injustice.

Brief Report of the Centre

The Centre has the following aims and objectives:

- To start a two-year Post-Graduate Course entitled "Master of Arts in Exclusion Studies". This course will focus on the nature and dynamics of myriad forms of discrimination and exclusion related to caste, tribes, gender, disability, religion, art, literature and media as well as on its various dimensions, i.e. constitutional, legal, socio-political, and economic in regard to the inclusive policy.
- The Centre has started the courses- M.Phil. (Subaltern Studies) in the year 2009 and Ph.D. (Subaltern Studies) in the year 2011. At the M.Phil. level, the Centre has proposed to orient the seekers of such courses towards the theoretical and methodological perspectives in the area of social exclusion and inclusive policy; at the Ph.D. level, the Centre would focus, apart from theoretical and ontological understanding, on the development of the empirical researches in the aforesaid area.
- To promote researches, extension and action programmes towards the theoretical and empirical maturity in comprehending the problems of socially excluded groups. For this perspective, the students and the faculty of the Centre will be in a position to formulate policies in order to protect the rights of the exploited masses of our society. This exercise will also help the state in its functionality to eradicate the problems pertaining to social exclusion.
- To promote the networking with the similar institutions, Centres and organizations in order to sharpen the perspective on social exclusion.
- To organize regular lecture series, seminars, symposia and workshops where the scholars will be drawn from the various disciplines, management studies and social sciences as well as political and social leadership and media.
- To organize outreach community programmes on aspects related to social exclusion with the purposeful utilization of PRA and RRA techniques and other community based surveys.

Activities and Programmes

Research facilities available for students: 20 students were admitted to the M.Phil. in Subaltern Studies programme.

Special Lecture on "Empowering Disadvantaged Groups: Migration and Diaspora as a factor" delivered by Prof. Anishur Rehman, New Delhi on 3rd August 2016

2.1.4.9. HYDROGEN ENERGY CENTRE

To explore the possibility of commercialization of Hydrogen Fueled 3 wheelers, the Director of Hydrogen Energy Division, Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) Dr. P.C. Maithani accompanied by experts Prof. Srinivasa Murthy (IISC Bangalore), Prof. J Kumar (IIT Kanpur) visited Hydrogen Energy Centre on 19-20 January 2017. They sanctioned the released funds to the tune of Rs. 1 crore under the Mission Mode Project on Hydrogen Storage and discussed the issue of commercialization of Hydrogen Fueled 3 Wheelers.

Another important event for the Hydrogen Energy Centre was the visit of Dr. K. Kasturirangan (Ex-Chairman ISRO), present Chairman Board of Governors Raman Research Institute Bangalore, during 20-21 April 2017. Considering the R&D efforts at the Hydrogen Energy Centre, BHU (Nodal Department Physics) as laudable, Dr. K. Kasturirangan strongly recommended further support to the Hydrogen Energy R&D and D*at BHU.

The R&D efforts at BHU in Hydrogen Energy are being given new direction by introducing the "Make in India" concept. Thus we have developed indigenous technology for synthesis and manufacturing of MgH2 (so far this important material is being purchased from Alfa-Aesar). We have applied for a patent on our process for synthesis and manufacturing of MgH2. Another significant effort towards "Make in India" relates to development of hydrogen (stored in hydride) three wheeler demonstration fleet at the Hydrogen Energy Centre, BHU, Varanasi. This indigenous effort is an important step towards introducing carbon neutral, climate friendly fuel for vehicular transport. 12 Research papers in High Impact (impact factor ranging from 3.26 to 8.86) Journal in the area of Hydrogen Energy have been published in the current session.

Dr. P.C. Maithani, Director, MNRE,
Prof. Srinivasa Murthy, IISC Bangalore
Prof. J. Kumar, IIT Kanpur
visited the Centre on 19-20 January 2017.

Visit of Dr. K. Kasturirangan (Ex-Chairman ISRO)
Present Chairman Board of Governors Raman
Research Institute Bangalore, during 20-21 April 2017.

Hydrogen (stored in hydride) fueled three wheeler demonstration fleet at Hydrogen Energy Centre BHU

2.1.4.10 NANOSCIENCE & TECHNOLOGY UNIT/CENTRE

It may be recalled that when Nanoscience and Technology R&D started in full bloom in 2005 in India, BHU, because of its work on specially Carbon Nao Tubes(CNTs), was considered as the "Nano Science Initiator."

The most important event for Nanoscience and Technology Centre/Unit in 2017 was the visit of Prof. C.N.R. Rao (Bharat Ratna and Chairman of Nanoscience Mission, GOI) on February18, 2017. Prof. C.N.R. Rao, together with the Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. G.C. Tripathi inaugurated the new high end characterization technique XRD Empyrean (Cost Rs. 1.5Crore) on February 18, 2017.

Progress of Work: Three papers and one book chapter have been published in 2017

Amino supported Graphene oxide-carbon nanotube composite, Graphene oxide and Iron oxide nano-interfaces for covalent immobilization of ß-amylase, producing industrial nanobiocatalysts: A comparative study of kinetics, stability and reusability Graphene oxide-carbon nanotube composite (GO-CNT), Graphene oxide nanosheets (GO) and Iron oxide nanoparticles (Fe3O4) with amino surface functionalization were synthesized and further used for covalent immobilization of ß-amylase (bamyl) from Arachis hypogaea. Box-Behnken Design of Response Surface Methodology (RSM), optimized parameters affecting immobilization, resulting into 90%, 88% and 71% immobilization efficiency, respectively. ß-Amylase immobilized onto GO-CNT (bamyl@GO-CNT) and Fe3O4 (bamyl@Fe3O4), evidenced almost 70% residual activity even after 100 min of incubation at 650C. Although all the prepared nanobiocatalysts (NBCs) showed betterment, GO-CNT immobilized bamyl turns out to be the strongest with respect to immobilization yield, thermal stability and catalytic efficiency, owing to the dispersion of carbon nanotubes (CNTs) between GO which avoids agglomeration of GO, thus GO-CNT forms optimum surface for enzyme binding and availability to substrates. Due to the non-toxic nature of related matrices and simple but elegant immobilization procedure, it may have potential utility in industrial biocatalysts for production of maltose.

Prof. C.N.R. Rao and Hon'Vice Chancellor, Prof. G.C. Tripathi inaugurating the new generation nano-material characterization system XRD Empyream

2.1.5. Schools

2.1.5.1. Central Hindu Boys School
2.1.5.2. Central Hindu Girls School
2.1.5.3. Sri Ranveer Sanskrit Vidyalaya

2.1.5.1. CENTRAL HINDU BOYS SCHOOL

The Central Hindu School was established by Dr. Annie Besant on 7 July 1898, and was handed over to Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviya by the CHC Trust in 1914. On the basis of this School, the foundation stone of the great Banaras Hindu University was laid on Basant Panchami in 1916.

Achievements:

The result of CBSE Examination 2016 of class XII was 96.84%: Abhishek Mishra (Maths Group) 94.6%; Anupam Singh (Bio Group) 93.8%; Awadhesh Kumar Meena (Arts Group) 93.8%; Devansh Saraswat (Commerce Group) 92.8%. The result of Home Examination of Class VI to XI was 82.57%. 11 students qualified the prestigious JEE (Advanced) in the year 2016; Shubham Gupta was the District Topper with 255 Rank. 07 students got selected in NEET-2016; 50 students were awarded scholarships by Science Olympiad foundation (SOF); 09 students got places in the Shishir Memorial Mathegenius Examination – 2016; Two students of class XII secured Second position in Math-e-Magic Competition in Inter School Fest-Fenestra-2016 organized by DPS, Varanasi; 03 students were awarded in Smart Mental Ability Recognition Test (SMART)-2016. Ankit Kumar (XI-E) was given the Medal of Excellence Certificate and Rs. 25000/- for his excellent performance in International Company Secretary Olympiad; Four students were awarded a cash prize of Rs. 2000/- each for securing highest percentage of marks in science by the Department of Science and Technology, Govt. of U.P.; 24 students from class XI with 10 CGPA in Class X participated in Inspire Internship Science Camp of 05 days at BHU conducted by the Department of Science and Technology, Govt. of India. Ravi Shankar Choubey (XII-F) secured second in the 12th Akhil Bharatiya Shalaka Pariksha – 2016 organized by Sanskrit Bharati; 19 Meritorious students of the School were given Laptop in a function organized at Govt. Queens College, Varanasi for their excellent performance in Board Examinations of class X and XII of 2015 and 2016 under CM Laptop Distribution Scheme by the DIOS, Varanasi; Anikesh Kumar Verma (XII) got first prize in the Drawing Competition in Anand Mela organized by Bang Darshan. Following

students got places and prizes in various competitions on the occasion of Malaviya Jayanti -2016: Bhajan Competition – Suraj Kr. Gond – First; Drawing Competition – Anikesh Kr. Verma – First. The Indian Association of Physics Teachers (IAPT) organized the National Standard Examination in the subjects of Biology, Astronomy. Out of 300 students at International level two students (Class X-B and IX-C) got positions and added pride to the school's glory.

The School has been organizing a City Level Inter School Ramanujan Memorial Mathematics Contest for last 28 years. In 2016, about 3800 students from around 40 schools of the city participated in this. 25 students got positions and scholarships. Hindi Pakhwada was organized. The School received Chal Vaijanti Puraskar as first Prize for commendable performance in working in Hindi language at the University level. The Acting Principal, Dr. G. Narasimhulu, received Award from the Hon'ble Vice-Chancellor, BHU; Shubham Pandey (XII-B2) got Second Prize in poetry Recitation Competition at DALIMSS, Rohania, Varanasi; 07 students received a scholarship of Rs. 3000/- for securing highest percentage of marks in Sanskrit in class X by Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi. A project on environment and Disaster Risk Reduction is being run jointly by the Institute of Environment and Sustainable Development (IESD), BHU and SEEDS Asia, Kyoto, Japan. Our School has been selected as one of the 5 Climate Schools in the city.

Sports

Sri Vijay Kumar got Gold Medal in State Karate Championship – 2016 held at kushinagar, The Sports Shotoken Karate Do Association, UP; In Inter School Athletics Meet (CBSE Cluster V) held at Allahabad following students won medals– Saurabh Singh Yadav (XI) – 1500M – Silver Medal; Saurabh Singh Yadav (XI) – 3000M – Bronze Medal; Brijesh Yadav (X) – 200M – Silver Medal. Harshit Tiwari (IX-A)- Bronze Medal in 100M and 50M Breast Stroke Competition in CBSE Zonal Swimming Competition-2016 held at Ranchi, Jharkhand.

NCC

Cadet Prabhat Kumar (X-E) of 22 JD TP got second Prize in G.K. Quiz Competition organized during an NCC camp; Aryan Chaturvedi (X-F) got Silver Medal in G.K. Competition and Gold Medal in speech and Debate Competition; Cadet Rahul Kumar (IX-D) 22 JD TP got Gold Medal in Dance competition in CATC; Sri Sanjay Kumar Keshari (PGT-Biology) and ANO, 3/89 1PL SD Army NCC attended the Training Course held at OTA, Nagpur. He got 'A' Grade in the training and was conferred with Lieutenant Rank. He attended a Training workshop on Disaster Response Training Module organized by 11 NDRF, Varanasi and also represented the School and activity participated in District Level National Child Science Congress on 09-11-2016.

Other Activities

Sri Ravikant Jha and Sri Tulsikant Jha from Aero Modeling Club, Varanasi informed the students regarding Air Craft Manufacturing, Aviation, Control, Safety and Security etc.; A Space scientist from Moscow (Russia) delivered lecture regarding recent researches in the field of science and Mathematics. 10 women members under the leadership of Sri Manoj Gupta from Swachhata Mahakranti Abhiyan of Vishwashanti Mahasangha organized an Oath Taking Ceremony for the students. Student were sensitized by Sri Jamuna Shukla about 'Save Dolfin Save Ganga Drive' and 'Namami Gange'. Constitution Day was Celebrated. Shrimad Bhagwat Gita Path, Antyakshari and Quiz Competition were organized on the occasion of Gita Jayanti. The school participated in Teacher Training workshop organized by the Centre for Environment Education under Clean Ganga Programme. 5 students and Smt. Snehlata Singh (PGT-Chemistry) participated in Video Conferencing Programme of His Excellency, the President of India in Swantrata Bhawan, BHU on the topic 'Building a Humane and Happy Society.'

Honours/Awards

Smt. Anita Meshram (PGT-Biology) was awarded 'Maitri Bhawan Vishishta Sikshak Samman'; Principal Dr. Neeru Wahal was awarded 'Kashi Gaurav Alankaran' by the Society for Social Action and Research (SSAR); Vikram Kumar of Class X was Awarded for getting First in Talent Search Exam organized by SSAR, Sansthan, Varanasi.

Educational Tour: 27 students of XII (Arts) went on educational tour to Chunar Fort (Mirzapur, UP).

Campus Development and Construction: Renovation of Chemistry Lab and the ceiling of Sarga Hall apart from the fencing of garden got done. 4 CCTV cameras, water purifier cum cooler, Automatic Weather Station (AWS), and an Air Sampler Machine got installed during this session.

2.1.5.2. CENTRAL HINDU GIRLS SCHOOL

The Central Hindu Girls School (C.H.G.S.) is one of the eastern UP's premier educational institutions imparting ancient, medieval as well as modern values to the young minds and hearts. This institution was founded on 29th December 1904 as the Central Hindu College, when the trust board gave its acceptance to the brainchild of Dr. Annie Besant to emancipate women through education. In 1916, the school was handed over to Pandit Madan Mohan Malviyaji and became an integral part of BHU. It is well equipped with qualified faculties and laboratory of knowledge, wisdom, invention and novelty. It is affiliated to the Central Board of Secondary Education (CBSE) and is governed by the Banaras Hindu University.

Academics

- The school is affiliated to the Central Board of Secondary Education (CBSE), New Delhi and follows the CBSE pattern of examination and classes.
- It imparts education from LKG to class XII. The Primary Section from LKG to V runs in the Kolhua campus and Senior Section, classes VI to XII run in the Kamaccha campus.
- Admission is open to classes LKG through lottery system and VI, IX and XI through School Entrance Test (SET).
- All the three streams viz. Arts, Science and Commerce run for classes XI and XII. Apart from major compulsory subjects, Computer, Home Science, Health and Physical Education, Work Experience, General Studies, Music, Painting, Redcross, Dance and Sanitation are taught to students.
- Junior and Senior Wing students of NCC students are affiliated to 28, UP girls battalion, BHU and participate in regular camps, training drill etc. A & B certificates are awarded to NCC junior & senior wing respectively.
- For teachers' skill development, EOP is organized from time to time.
- Annual school magzine 'Parmita' provides a platform to the ingenious literary creativity of students.
- 09 school buses ply in the city for the transportation of girls.
- All the students are grouped in 4 houses viz. Annie Besant, Laxmibai, Godawaribai, and Sarojini Naidu House. Various inter house competitions are held for showcasing and enhancing the talent of students.
- Physics, Chemistry, Maths, Biology, Home Science, Computer have well equipped and very well ventilated laboratories for practical work.
- Financial help in the form of various scholarships, free ship is extended to poor and meritorious students.
- The school celebrates with full enthusiasm all the major national days, founders day, annual day,

birthday of legends, Janmashtami, environment day, sanitation day etc.

- 26th Nov. 2016 was celebrated as NCC day in the school.
- Wednesday is declared as the yoga day in CHGS.
- Various club activities like Eco club, Science Club, Literary Club, Yoga Club, Sports Club etc. are constituted for development of the students..
- CBSE board results of 2016-17 for class X are 100% and class XII are 98.23%.

Special Achievements

- Bhawana Malviya bagged 1 gold and 2 copper medals in Zonal Swimming competition by CBSE.
- Kho-kho team and Kabaddi team got silver medal in CBSE cluster V competitions. Basket ball team Won the copper medal. Ritika Bhardwaj was awarded with the best player award.
- Nandini Kumari, class IX, bagged Gold Medal and Kit in firing competition.
- Ankit Maurya attended CATC camp in BHU for firing and received Silver medal.
- Vanshika Jaiswal, class IX, won Gold medal in Mavlankar Shooting Competition.
- Garima Sharma attended TSC Camp in Delhi and got Shield & NCC kit.
- Kiran Patel, class IX, bagged Gold Medal in the Firing camp.
- Commerce team of the school bagged Ist prize in poster presentation and business quiz round in commerce carnival held at Little Flower House.
- Aditi Sen, class XII, Shefali Tandon, class XI E got first prize in Interschool fenestre competition held in DPS.
- Preeti Nandi, class VIII bagged Ist prize in Thumari Gayan Competition organized by Uttar Pradesh Sangeet Natak Academy.

- Aditi, class XII got Rs.5000/- in smart mental ability test.
- Twelve teachers participated in teacher's orientation workshop organized by Malviya Mulya Anusheelan Kendra, BHU.
- The School organized Interschool music competition “Swarodaya” which was a great success.
- Hindi Pakhwara was Zealously organized in school with students ferver participation in various competitions.
- The School received 'Rajbhasha Purskar 2016' from the Hon'ble Vice Chancellor, BHU for distinguished work in Rajbhasha Hindi.
- Diksha Tripathi got Ist prize in Swarachit Hindi Kavya Path competition and Sunita Gond got 1st prize in Painting competition organized on the occasion of Gandhi Jayanti at BHU.
- 14 students participated in the 'Inspire' programme of Government of India.
- Shivangi Sonkar got IInd prize in National Cooking Competition held at Udaipur.
- 5 students bagged IInd prize in Maths Olympiad held by silver zone foundation, New Delhi.

2.1.5.3. SRI RANVIR SANSKRIT VIDYALAYA

Founded in 1883 by sardar–e– riyasat of Jammu for the preservation and propagation of ancient Indian knowledge, this Vidyalaya, originally known as Jammu Sanskrit Pathsala, is located in the palatial Jammu Kashmir House at Terhi Neem, Dashashwamedh Road, Varanasi. Later on, it was handed over to the Central Hindu Collegiate Society with Dr. Annie Besant as its President. The premises of the Vidyalaya became thereafter a historical palace of the Kashi Naresh of Benaras at Kamachha and the Vidyalaya was renamed Ranvir Sanskrit Vidyalaya after the name of father of erstwhile sardar–e–riyasat of Jammu Maharaja Pratap Singh. Further, after merger of the Central Hindu Collegiate Society with the Banaras Hindu University Society, Ranvir Sanskrit Vidyalaya became a part and parcel of Banaras Hindu University_.

After the establishment of the Faculty of Oriental Learning & Technology (presently Sanskrit Vidya Dharm Vigyan Sankay of BHU), Madhyama and onward classes were started therein and only Praveshika classes (up to class VIII) remained in the vidyalaya up to 1968. Since July 1978, all the four parts of Madhyama classes of all subjects (Sahitya, Ved, Vyakaran, Jyotish and Darshan) have been running in Ranvir Sanskrit Vidyalaya. Now the classes/Courses offered in Vidyalaya are named as under:

Primary	Class I - V
Prathama	Class VI - VIII
Praveshika	Class IX & X
Madhyama	Class XI & XII

The Status of Ranvir Sanskrit Vidyalaya has been elevated to an Intermediate College from July 1978.

Present set up of School

- In this school, students are taught traditional subjects (Veda, Jyotish, Vyakaran, Darshan, Sahitya) as well as modern subjects (Hindi, English, Maths, Science and Social Science). In this way, it is working as a bridge between ancient knowledge and modern knowledge. Even now there are opportunities for developing science and Jyotish Laboratories. In this way our school is a developing institution but still there is a vast scope for development.
- At present, Dr. Neeraj Tripathi, Registrar, BHU is working as the Vice-Chairman of the School Board.

- Dr. G. Narsimhulu (P.G.T. Darshan) is the acting Principal of our school.
- At present there are 10 permanent teachers and 13 contractual teachers in our school.
- There are 181 students in primary section and 326 students in secondary and higher secondary section of our school.

Different functions /ceremonies organized in the School

- The Independence Day was celebrated in school enthusiastically by hoisting our national flag and on this occasion different cultural programmes were performed by students.
- On 25th August 2016, Sri Krishna Janmostava was celebrated.
- On 5th September 2016, to celebrate Teacher's Day, the students discussed life and philosophy of Dr. Radhakrishnan Ji and performed different cultural programmes.
- Hindi Divas was celebrated on 14th September, 2016. Essay and extempore competitions were conducted in the school and 1st, 2nd, 3rd and consolation prize winners of these competitions were awarded by Prof. Krishankant Sharma and Prof. Shree Nivan Pandey.
- On 2nd October, 2016 1st, 2nd, 3rd and consolation prize winners of Drawing Competition (For Madhyama) were awarded in Malviya Bhawan, BHU
- On 2 February 2017, Saraswati Poojanostava was celebrated in school on the occasion of Vasant Panchami.

Future Perspectives for school

- We have two hostels which offer accommodation for only 40 students.
- Construction of a well equipped science laboratory
- Construction of a new library
- Construction of a Jyotish Vedhshala
- Construction of a Hostel with accommodation for 200 students
- Construction of Office Building
- Construction of a Language Laboratory

2.1.6. BHU LIBRARY SYSTEM

The Banaras Hindu University Library, one of the largest university libraries in the country, had its germ seed in a small but precious collection donated in the memory of Late Justice Kashinath Trimbak Telang by his son Prof. P.K. Telang and housed in the Telang Hall of the Central Hindu College, Kamachha. Nurtured in the age of its infancy by renowned historian Sir Jadunath Sarkar, it has been its fortune to have eminent personalities like Dr. S.R. Ranganathan, the father of library movement in India, Dr. J.S. Sharma, and Prof. P.N. Kaula as its Librarian.

Collections

The Banaras Hindu University with 8 Faculties comprising 140 subject departments, has a library system with the Central Library at the apex of 6 Institute Libraries, namely, Institute of Agricultural Sciences, Indian Institute of Technology, Institute of Medical Sciences, Institute of Management Studies, Institute of Sciences and Institute of Environment & Sustainable Development, 6 Faculty Libraries, 42 Departmental Libraries, mainly in the Institute of Science and Faculty of Arts which have no faculty libraries as well as one Library at Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha, Mirzapur. The total collection in all the libraries exceeds 16 lakh volumes. It is one of the largest University Library Systems in the country. During the financial year 2016-2017, the Central Library added 7769 volumes to its collection and has 57097 online books. The library subscribed 141 current Foreign Journals and 280 current Indian Journals of print version. Besides, the library received a good number of journals as gratis. The library has a unique collection of about 7227 Manuscripts, besides the collection of rare books, doctoral dissertations, University Founder Collections, Staff Publications Collections, Local History Collections, etc.

The publications emanating from the Union and State Governments and their agencies, are very rich sources of information, especially in the fields of Social Sciences, Law, Commerce and Agriculture. The Central Library procures these publications through purchase as well as by gratis.

The Central Library has been a Depository Library for publications of the United Nations and its agencies. After the scheme of depositing (free of cost) ceased in 1973, the library continued to obtain U.N. publications by way of depository library subscription scheme and select purchases. This is a

unique feature of this library which no other university library in the country.

Library Hours (Central Library)

The Central Library remains open 359 days in a year except six days i.e. 26th January, 15th August, Dushehra, Deepawali, Vasant Panchami (BHU Foundation day), and Holi. The library normally remains open from 9.00 a.m. to 9.00 p.m. on weekdays and 10.00 a.m. to 9.00 p.m. on Sundays and Holidays. The Cyber Library remains open from 8 a.m. to 11 p.m.

Photocopying Facility

The library has three photocopying machines to fulfill the demand from teachers and students from this university and outside, besides the demand from other libraries. The library provided 1,42,742 exposures in the current session.

Visually Impaired Section

The Central Library has the Visually Impaired Section and is providing facilities to the Visually Impaired Students through audio soft copy of course materials. The Library provided facilities to 50 visually impaired users, and 14.44 GB data base have been created, and 314.45 GB data have been provided in the current session.

Online Journals, Online Books & Databases

BHU Library is a member of E-Shodh Sindhu Consortia for e-journals access. BHU is having access to more than 15000 full-text online journals and bibliographic databases. It is subscribing Nature Publishing Group (8 journals), Emerald Subject Collection (140 journals), and CAB Abstracts (118 journals), IndianJournals.com (327 journals), Sage HSS Online (506 journals and books). BHU is providing access to American Chemical Society, Royal Society of Chemistry, Nature group journals, Science, Project Muse (Social Science & Humanities), Emerald (Library Science), Emerald Management Xtra, Institute of Physics (IOP), American Institute of Physics/ American Physical Society (AIP/APS), Cambridge University Press, Springer- Verlag, Kluwer online publications through UGC INFONET. It is subscribing e-books from Sage, Cambridge, Springer, Taylor & Francis and World Scientific, Pearson and providing access to more than 57097 e-books. It also provides access to databases like Web of Knowledge, Chemical Abstracts (Science Finder) and MathSciNet, Manupatra (Law), Gale, Indian Citation Index, ProQuest List Database, Springer Protocols (1980-2013) etc. The access is available to all users through campus wide network. For details one can visit Central Library at http://www.bhu.ac.in

Document Delivery Service

Under the INFLIBNET Programme, the Banaras Hindu University Library has been recognized as Document Delivery Centre along with the five libraries of the country, to provide electronic delivery of documents to ensure speedy and quick delivery of documents to the outside users and to encourage and facilitate the resource sharing which will in turn raise the level of information need satisfaction with economy in expenditure on information resources.

Digitization of Rare Materials

The Central Library has been recognized as a Manuscript Conservation Centre (MCC) by National Mission for Manuscripts, Ministry of Culture, Government of India. Library has initiated the task of digitization of individual pages of rare materials. In the year 2016-2017, around 20 rare documents covering 3,063 folios have been digitized.

Statistical Statement

1.Books and Periodicals

A	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals at the beginning of the year 2016-17	11,17,589
B.	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals accessioned during the year 2016-17	7769
C	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals at the end of the year 2016-17 (up to 31st March, 2017)	11,25,358
D	Total number of periodicals (Bound volumes) at the beginning of year 2016-17	1,33,792
E	Number of volumes accessioned	116
F	Number of current periodicals received (1st Jan. to 31st Dec. 2016)	
	(a) Subscribed (Hard Copy)	421 (141 Foreign+280 Indian)
	(b) Subscribed Online Journals	959
	(c) Free (Irregular)	520
G	Number of bound volumes	2628

1.Technical (English)

A.	Number of books processed	2780
B.	Number of bound volumes of periodicals processed	378
C.	Number of theses processed	61
D.	No. of rebound books proceed	1088

3. Technical (Hindi)

A.	Number of books processed	1207
B.	No. of rebound books proceed	432

4. Services

A.Working hours

A.	Weekdays	9.00 a.m. to 9.00 p.m.
B.	Saturdays/Sundays and holidays	10.00 a.m. to 9.00 p.m.
C.	Number of day's library opened	359

B.Membership and Circulation of Books

(1) Membership

A.	Students(as on 31-3-2017)	19873
B.	Staff	4109
C.	Retired faculty members	203

(2) Circulation of Books (Issue)

A.	Students(up to 31-3-2017)	80890
B.	Staff	6029
C.	Retired faculty members	2098

(2) Circulation of books (Issue)

C. Refer ence Section

(1) Readers Consultation Service

A.	Reference books consultation service	18,000
B.	OPAC Service	14,360
C.	Display Board Information Service	Monthly

(2) Registration of Outsider for Library Consultation

A.	Number of outside users	360
B.	Total Registration fees received	Rs. 28,640

D.Text Books Section

Number of volumes consulted	78,760

E. U.N. & Government Publications Section

A.	Number of readers served	284
B.	Number of documents consulted	2517
C.	Number of documents added (including mimeographed)	49

F. Manuscripts Section

A.	Number of readers served	285
B.	Number of documents consulted	241
C.	Number of Rare Documents Digitized/Scanned	20
D.	Number of folios digitized	3,063
E.	Number of PDF file converted from JPG	232 file
F.	Total Number of edited pages	6,126

G. Theses Section

A.	Number of readers served	15,031
B.	Number of thesis consulted	16,532

H. Reprographic Unit

A.	Number of pages photocopied (Paid)	1,42,742
B.	Official Division	28,148

I. Computer Division

A.	Number of Users Served regarding Wi-Fi/ Internet Connection, E-Resource Access Instruction, etc.	1,600 (Approx)
B.	SciFinder User Registration	18
C.	Electronic Document Delivery Service + Anti Plagiarism Check	985
D.	Computer and Network Maintenance	835
E.	Questionnaire Fill Up	17
F.	Server & Network Management	Daily
G.	SOUL Database Management	Daily
H.	E-resources Accessibility Checking	Daily

J. Visually Impaired Section

A.	Number of Users Served	50
B.	Number of books recorded (Audio)	16
C.	Database provided to visually impaired students	314.45 GB
D.	Size of Audio Database	14.44 GB
E.	Printout Service	3331 page

5. Finance (1st April, 2016 to 31st March, 2017)

A.Expenditure

A.	Maintenance Grant	Rs 4,57,30,675.00
	Merged Grant	Rs. 16,91,776.00
	Books and Periodicals	
B.	Development Grant	Rs. 28,09,848.00
C.	Reprography	Rs. 1,75,113.00
D.	Binding	Rs. 2,32,663.00

B. Receipt

A.	Overdue	Rs. 3,71,520.00
B.	Replacement cost of lost books	Rs. 57,118.00
C.	Loss of Token	Rs. 745.00
D.	Reprography	Rs. 71664.00
E.	Internet Services (Print outs)	Rs. 3331.00
F.	Library Consultation Fees	Rs. 28,640.00
G.	Others deposits	Rs. 35,393.00

6. Cyber Library Study Centre: (1st April 2016 to 31st March 2017)

A.	Number of Users Served	1500 (Approx) per day
B.	Timing	8.00 am to 11.00 pm

7.Publications

Workshop Organized:	AUTHOR WORKSHOP by Springer Nature on 7th Oct, 2016

8. Felicitation programme:

Retirement	Kusum Gupta, Professional assistant retired on 31.03.2017

Institute of Agricultural Sciences

The Institute Library is located in the Institute campus on the ground floor just below the Director's office. It comprises of a big reading hall and ten additional rooms for reading materials to the undergraduate and post graduate students, Ph.D. scholars, Teachers and Scientists. The number of students who consult library everyday is around 240. Library keeps open from 10.00 a.m. to 5.00 p.m. every day. The facilities available in the library are as follows:

- About 30523 books covering all the subjects of Agriculture.
- It has an internet room with 12 computer systems for students' use. This facilitates the students to bring them abreast with the latest information related to research and development in the field of basic and applied aspects of Agriculture.

Institute of Medical Sciences

The library of the Institute is spaced in 1350 s.q. mtr. with 240 seating arrangement. In the library, more than 1 Lac books available. The Institute Library is open 24 hours on even Sundays and all holidays.

Institute of Environment and Sustainable Development

Apart from the Central Library facility of BHU, IESD has its own library for students and faculties of IESD. At present, the IESD library has a total of 152 books and 3 journals covering the vast teaching and research activities of IESD.

Faculty of Arts

The Department of Bengali has a departmental library. It has approximately 3500 classic collection of books and journals. We regularly subscribe one Bengali Magazine 'Desh'.

Faculty of Education

The Faculty Library houses a total number of 19000 books and reference books, 750 Journals and 1200 Research Papers. Cyber Library with 40 terminals is working for the students. Every class room has been equipped with multi-media projection facilities. Computer Laboratory with 50 computer terminals is also working.

Faculty of Management Studies

The Departmental Library spread over 1100 sqm. is having a seating capacity of 120 students. The Library is housing around 20000 volumes under more than 5000 titles. There are 100 journals of national and international being subscribed regularly.

Faculty of Law

The Law School Library caters to the reading and research requirements of more than 1600 users including the teachers, research scholars as well as the students of LL.B. and LL.M. Courses.

The library carpet area is 18700 square feet. Its spacious reading room can accommodate 250 students at a time. The library has an open access system.

Library Collections:

Library Collections	Number of Books	No. of Books added
Books	52,836	792
Periodicals (Bound Volumes)	29,305	110
Periodicals (Current Titles) Periodicals (exchange through Banaras Law Journal)	35 33 (Foreign); 117 Indian =150	
Thesis and Dissertations	1677	105
TOTAL	**83,818**	**1007**

Faculty of Visual Art

Total number of Books - 10042

Total number of Periodicals - 462 (Bound)

No. of Books added to the Faculty Library during the year under report - 865

Colour Slides - 323

Original Graphic Prints - 363

Subscribed Journals - 25

Faculty of Commerce

The library has been provided to the students with 25393 books.

Faculty of Performing Arts

Faculty consists of a rich library with around 7500 rare books, Journal manuscripts and periodicals.

Faculty of Sanskrit Vidya Dharma Vijnan

The faculty has its own independent library with a collection of nearly 25 thousand general books, rare books and manuscripts. This library provides services to Indian and Foreign scholars.

Mahila Mahavidyalaya

Mahila Mahavidyalaya has a fully computerized library with a current collection of about 54,062 books.

Rajiv Gandhi South Campus

1. Total number of Books volumes -12,210 volumes
2. Total Number of Books added during the year -53 volumes
3. Issued of Books - 9,682
4. Consulted (as per Gate Register) - 53,028
5. Opening hours of the Library Week days -8.00 a.m. to 6.00 p.m.
6. Number of Staff
   - i) Professional - 5
   - ii) Non-Professional - 4

7. Any other matter which deserves inclusion in the Annual Report:

i) Number of Computer Laboratory - 1

ii) Number of Computers with accessories - 60

iii) Number students consulted during the year -13,257

DEPARTMENTAL AND SECTIONAL LIBRARIES

Several Departments have their own libraries for the students and faculty.

1. Department of Chemistry

Books 7000

2. Department of Geology

Books 4868

Periodicals 301

3. Department of Geography

Books 7930

Indian Journals 15

Foreign Journals 15

4. Department of Geophysics

Books 2495

5. Department of Molecular and Human Gnetics

Books 584

6. Department of Zoology

Books 8808

New Books Added 62

Journals 382

7. Department of Statistics

Books (Approx.) 400

8. Department of Biochemistry

Books 1621

New Books Added 36

9. Department of Physics

Books (Approx.) 17129

Journals 14390

10. Department of Mathematics

Books (Approx.) 4720 Periodicals 50

Journals (Approx.) 2535

11. Department of Botany

Books 5544

Thesis 502

Educational Films 16

Periodicals 680

Dissertations 485

Microfich collections of Algae 16000

12. School of Biotechnology

Books 2568

New Books Added 25

13. Department of Home Science

Books 3000

14. DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences

Books 729

Journals 589

15. Department of Computer Science

Books 3662

16. Centre for Genetic Disorders

Books 72

17. Centre of Food Science & Technology

Books 200

18. Centre for the Study of Nepal

Books 3500

19. Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy

New Books 10

Newsletters 40

AFFILIATED COLLEGE

1. Arya Mahila Degree College

Books 32,000

Journals subscribed 53

Magazine 20

2. Vasanta College for Women

Books 43,100

Journals 42

Magazine 15

Newspapers 12

3. Vasant Kanya Mahavidyalaya

Books 25565

New added book 842

Journals 11

Magazines 20

Daily News papers 8

Weekly newspapers 2

4. DAV Degree College

Books 45278

Periodicals 40

LIBRARIES IN SCHOOLS

1. Sri Ranveer Sanskrit Vidyalaya

Books 10000

2. Central Hindu Boys School

Books 40000

2.1.7. UGC-HUMAN RESOURCE DEVEOPMENT CENTRE

The function of the ASC is to plan and organize orientation courses for newly appointed teachers and administrative staff of colleges/universities. It organizes subject specific as well as multidisciplinary refresher courses for teachers of colleges/universities. So far, the UGC-Academic Staff College, BHU has conducted 76 Orientation Courses and 210 Refresher Courses including 4 Special Summer Schools, 3 Special Winter Schools [till 31st March, 2017] in various disciplines benefiting 9472 participants. In addition to these courses, 01 Workshop on Healthy Aging, 07 Short Term Courses for Academic Administrators of BHU, 10 Professional Development Programme for Non-Teaching Staff of BHU, 03 Interaction Programme for Research Scholars, 01 seminar for Research Scholars of BHU, 01 Special Orientation Course for Undergraduate Students from Nepal under Bharat-Nepal Maitri Shiksha Karyakram were also organized benefiting 960 participants.

Eminent resource persons from various fields delivered lectures to the participants of these courses. A few prominent among them are Padma Bhushan Dr. P.M. Bhargava; Padma Bhushan Dr. Chandi Prasad Bhatt; Padma Bhushan Prof. Yashpal; Padma Shree Dr. Lalji Singh; Padma Shree Shaoli Mitra; Padma Shree Mohd. Shahid; Padmashree Prof. Ramshankar Tripathi; Dr. S.N. Subba Rao, Eminent Social Worker and Prof. H.P. Dikshit, Eminent Educationist.

A Peer Team appointed by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bangalore visited the College to review the progress made by the College.

Schedule of Courses Organized in the Current Session

Sl. No.	Course Name	Duration of Course	No. of Participants	Male/ Female
	A - Orientation Course			
1	74th Orientation Course	May 24 to June 20, 2016	55	37/18
2	75th Orientation Course	Aug. 30 – Sept. 26, 2016	27	19/08
3	76th Orientation Course	Nov.15 to Dec. 12, 2016	49	35/14
	B - Refresher Course			
	(i) Specific Refresher Courses			
4	R.C. in Sanskrit	June 22 to July 12, 2016	40	30/10
5	9th R.C. in English	Dec. 06-26, 2016	36	22/14
6	2nd R.C. in History	Jan. 03-23, 2017	26	17/09
	(ii) Inter Disciplinary Courses			
7	2nd Mahamana Malaviya & His Mission	July 14 – Aug. 03, 2016	48	29/19
8	3rd Winter Programme	Jan. 10 – 30, 2017	46	27/19
9	1st Social Sciences	Feb. 22 – Mar. 4, 2017	22	17/05
	C - Short term courses			
10	Reading Strategies	Mar. 23 -29, 2017	30	18/12
	TOTAL		**379**	**251 /128**
11	Certificate Course in Book Publishing **sponsored by National Book Trust, New Delhi**	February 15 – 22, 2017	83	47/36

Prof. G.C. Tripathi, Vice-Chancellor addressing the inaugural session of 2nd Refresher Course held on January 3-23, 2017

campus. It runs two types of courses the details of which are as follows:

Certificate Course on Yoga Practices

Certificate Course in Yoga (conducted thrice a year)

(Total admission)

Male	Female	Foreign Nationals	Total
1371	871	05	**2247**

Diploma Course in Yoga : Diploma in Yoga Course

(Total admission)

Male	Female	Foreign Nationals	Total
115	74	06	**195**

In the current academic session, on the auspices of Centenary year of the University a special Saturday Evening lecture series of renowned scholars was organized twice in year and Prof. R.K. Pandey, ex Dean and Director, Institute of Management Studies, BHU, Prof. R.K. Shukla, ex-Professor of English Department, Prof. Upendra Pandey, of Sanskrit Department, Faculty of Arts and Honorary Director, Malaviya Bhawan, Swami Prabuddhananda Ji, Secretary, International Vedanta Society, Prof. V.K. Shukla, Director, Institute of Medical Sciences, BHU, Prof. G.P. Shastri, Visiting Professor of Sanskrit, Prof. Rama Murti Chaturvedi of Sanskrit Department, Faculty of Arts, Prof. R.N. Pathak of Hindi Department, Faculty of Arts, Achrya Subrahmanyama Shastri, renowned scholar of Bhagavat Gita, Prof. R.P. Mallik, Head, Department of Physics, Institute of Science, BHU, Prof. Awadhesh Pradhan ex Prof and Head of Hindi Department, BHU, Gyana-Peeth Awardee Acharya Satyavrata Shastri, Prof. K.D. Tripathi, Distinguished Professor of BHU, Mr. Vishvindar Sood of USA and Prof. Balaveer Acharya of Rohatak University, Hariyana were invited to deliver their scholarly talks on Yoga in the Saturday Evening Lecture Series on the auspices of Centenary year of the University.

Gita Yoga Library

Gita Yoga Library of Malaviya Bhavan is a very prestigious library of BHU. The Library has about 10,000 books on various subjects including 5,000 books specially on Bhagavad Geeta, Yoga and Spirituality. Many V.I.P.s visit the Library frequently. The timing of Gita Yoga library is 10.30 a.m. to 5.00 p.m.

Mahamana Assembly Hall (Sabha Griha)

The Assembly Hall of the Bhavan is frequently requisitioned as venue for important cultural and religious events of the University and regularly used for the training courses, symposia and lectures related to yoga, Geeta and value studies. The programmes organized in the Sabha Griha (Assembly Hall) of the Bhavan during session 2016-17 were as follows:

1. Geeta Pravachan 42 (35 Regular + 7 special)
2. Special Lectures 07
3. Discourses 10
4. Cultural Programes 07
5. Religious Programmes with one 'Shrimad Bhagawat Saptah- programme
6. Festivals 02
7. Functions/Celebrations 05
8. Shows 06
9. Contests and competitions 15
10. Training programs 07 (4 months Diploma Course:1, 4 Weeks Certificate Courses/Yoga : 06)

Malaviya Centre for Value Studies

The activities of this centre are conducted with the help of a study group nominated by the Vice-Chancellor and a convener. Prof. S.N. Upadhyay has been nominated Convener of this programme by the University. This intends to launch intensive discussion and follow up action on Value System specially Values in academic life. Attempts will also be made to launch extension program and activities to promote value in the society.

Malaviya Bhavan Garden

The Bhavan has an old beautiful garden around its building having 29 kinds of plants. It includes 9 kinds of flower plants, 13 trees of herbal use and 7 kinds of the bush plants.

Future Plans

A proposal has been submitted to the University to strengthen and expand the above facilities which includes a proposal constructing a new annexe to the existing building behind the Assembly Hall to accommodate an office, a committee room, a library and an additional lecture hall besides a few guest rooms to host special religious and spiritual guests who may be invited to give lectures and discourse.

2.1.9. BHARAT KALA BHAVAN

Bharat Kala Bhavan is a university museum of art and archaeology. It is well known for its rich collection of Indian miniature paintings of Mughal and Rajasthani style including archeological findings, sculptures, textiles and coins as well as manuscripts of Indian literature. This museum holds about 1.05 Lac antique items, displayed in different 13 galleries placed on ground floor and first floor. More than ten thousand visitors (2984 foreigner and 15761 Indians) visited the BKB Museum during the year.

During the session 2016-17, BKB installed data logger and music system in different galleries and renovated the temporary exhibition hall. It received a grant of Rs. 2.00 Crore from Infosys Foundation and from Ministry of Culture grant for future developments of Bharat Kala Bhavan. It installed 06 Zone Door Frame Metal Detector at the entrance of the Museum and also a POS machine for visitors to purchase Tickets on the sale counter.

Exhibitions / Participations in Seminar/ Workshop / Donation

- An exhibition on "MAHAMANA" was organized by Bharat Kala Bhavan on the occasion of Centennial Year of Banaras Hindu University in 2016.
- An exhibition of Indian Culture and Civilization "AKHYAN" in collaboration with Bharat Kala Bhavan, BHU and IGNCA, New Delhi was organized at BHU from 17th Dec, 2016 to 24 Jan, 2017.
- A painting exhibition on "Kashi Mughal Shaili Ke Vanshaj Kalakar" was organized by Bharat Kala Bhavan on 06th Feb, 2017.
- An Exhibition on "Alice From Switzerland" was organized by the Alice Boner Institute, Varanasi from 22nd Feb, 2017 to 21st March, 2017.
- An exhibition of photography on "Rhythms of Happiness" was presented by Dr. Siddharth Lakhotia at BHU.

Bharat Ratna displayed in Bharat Kala Bhavan

- Bharat Ratna Medal of Pt. Madan Mohan Malaviya ji was displayed at Bharat Kala Bhavan by Dr. Mahesh Sharma, Central State Minister of Tourism and Culture.

Staff participation in various activities –

- Dr. Radhakrishna Ganeshan, Artist published research paper on Bharat Kala Bhavan Miniature Paintings. He also published a book entitled "Kashi Mughal Shaili Ke Vanshaj Kalakar" . Dr.

Priyanka Chandra, Assistant Curator wrote 05 Modules for the E-Pathshala Project of Ministry of HRD, New Delhi.

Distinguished Visitors during the year:

Dr. Mahesh Sharma- Parytan Sanskriti Rajya Mantri; Nitin Ramesh Gokarn- Commissioner, Varanasi; Jawahar Sirkar- CEO. Prasar Bharti & Ex. Curator, Arch. Govt. of India; Mr. Panda - Chief Secretary, Ministry of Textile, Govt. of India; Prof. Francola Orsini- Deptt. of South Asia, Frican, U.K.; Dilip Patel-Mumbai; Mr. V K Shunglu- Chairman, DPS Society, New Delhi; Jack Daloley, Barnaurd College, Columbia University, New York; Gert Marincowitz, Waltes Avenue, Wavgley Rictoria, South Africa; Lalit Kumar Das, Sector 5, Gurgaon , Haryana and V P Singh, Director General , Goa, N B Area.

Ram leela Accessories at BKB

Alice Boner's Art at BKB

2.2. SOUTH CAMPUS

2.2. SOUTH CAMPUS

Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha is an offshoot of Banaras Hindu University. Located 8 km South West of Mirzapur in 1104 hectares, it focuses on comprehensive growth of the students by investing various skills and knowledge.

Students' Activities

Azadi '70 - Yaad Karo Qurbani Celebration on the campus; Laying of Foundation Stone Ceremony of Faculty of Veterinary and Animal Sciences; Orientation Programme for the newly admitted students of the campus; Shri Krishna Janmastami; World Ozone Day Competition; World Tourism Day Celebration; Mahatma Gandhi Jayanti; Swachchata Abhiyan; Aforestation Campaign and Sanitary Program; Hospital Visit Program; A Four Day Annual Festival in Aravali Hostel; Samvidhan Diwas Celebration; Cultural, Educational Competitions and Workshop in B.Ed Course; Malaviya's Birth Anniversary Ceremony and Shrimad Bhagwat Parayan Discourse; 68th Republic Day Celebration; Basant Panchami and Centenary Year Celebration; Blood Donation Camp; Inter Hostel Volleyball Competition' and Cricket Tournament for Teaching and Non- Teaching Staff; NSS Seven- day Camp; and Inter-Faculty Youth Festival Spandan-2017.

Enrichment of Research Facilities for Students

- Computer lab with state of art computers, to help the students of MBA Agribusiness learn various aspects of Management Information System & I.T. tools in business organisation.
- About 2 hectares land is provided for the research work of M.Sc. (Ag.) Agroforestry students inside the campus over which custard apple, guava and Aegle marmelos based Agri- horticulture system is developed.
- A well equipped Ayurvedic Pharmacy Laboratory is available for the research work (dissertation & thesis) of M.Pharm.(Ay.) students. Instruments like Fourier Transform Infrared Spectrophotometer, U.V. Spectrophotometer, Atomic Absorption Spectrophotometer, Rotary Evaporator, Incubators, Furnace, Autoclave, Tablet Punching Machine, Tablet Packaging

Machine, Pill Making Machine, Disintegration Tester, Tablet Hardness Tester, Laminar Airflow, U.V. Chamber, Capsule Filling Machine, Tissue Homogeniser, Tissue Bath, Electro Convulsio-meter, Distillation Assembly etc. are available in this laboratory.

- For M.Sc. Plant Biotechnology, a well equipped laboratory is designed for Tissue Culture Building to carry out practical classes and research work. Instruments, namely, Horizontal Electrophoresis Unit, Vertical Electrophoresis Unit, Minispin, Refrigerated Microcentrifuge, Ice flaking machine, Water Bath, Vortex, Laminar Airflow, Thermal Cycler (PCR machine), Gel Documentation System, Orbital Shaking Incubator, Deep freezer, Floor Centrifuge, Inverted microscope, UV-Visible Spectro-photometer, Weighing Balance, Gel Blotting Apparatus, Nanodrop, UV Transilluminator, Plant Growth Chamber, Tissue culture facility are available in the laboratory.

Seminars/Conferences/Workshops:

- National Conference on "Paradigm Shift in Agribusiness and Rural Development"
- One day National Conference organized by MBA AB program of Institute of Management studies, BHU and RGSC, Barkachha
- National Seminar on "Trends and Innovations in Human Health, Agriculture and Food Processing Technology"
- One day Seminar on "Paradigm Shift in Innovation and Business Management"
- Symposium for Bachelor in Medical Lab Technology, Workshop for Bachelor in Medical Lab Technology, DDU Kaushal Kendra, RGSC BHU
- One Week Workshop on "Setting up of Small Scale Food Processing Units"
- One Week Workshop on the theme "Entrepreneurial Skills and Research Methods in Hospitality and Tourism Sector"

2.3. Colleges Admitted to the Privileges of the University

2.3.1. Arya Mahila PG College

2.3.2. Vasanta College for Women

2.3.3. Vasant Kanya Mahavidylaya

2.3.4. DAV PG College

2.3.1. ARYA MAHILA PG COLLEGE

The foundation of the Arya Mahila P.G. College was laid in 1956 by Smt. Vidya Devi, the devoted student of Maharishi Gyanandaji in 1956 with the pious intention of promoting educational activities, developing rich heritage of art, science, and culture along with fostering self-independence of women. At present the College is smoothly running Undergraduate and Post-graduate courses , besides Research. The college is managed and coordinated by Shri Arya Mahila Hitakarini Mahaparishad, a body of Shri Bharata Dharma Mahamandal which was established by Maharishi Gyanandaji.

To meet its social responsibilities the college provides educational assistance to 15 needy students (girls) every year to motivate them for education so that the objective of woman empowerment is achieved. The college has provided lift facility for the physically challenged and disable ones.

97th Foundation Day Function

Sri Arya Mahila Hitkarini Mahaparishad celebrated its 97th foundation day on 14th Dec, 2016 in which all the educational institutes of Mahaparishad participated. Hon'ble Prof. Panjab Singh, Director Agriculture Department, National Academy, Govt. of India was the Chief Guest of the function and Sri Satyanarayan Pandey was the chairperson of the occasion. The senior members of the mahaparishad Dr. K.P. Agrawal, Sri Uttam Rai Choudhary, Sri Atul Kumar Jaiswal and the retired staff were felicitated by the Chief Guest Prof. Punjab Singh.

Educational and Extra Curricular Activities

- Session 2016-17 began on 10th July, 2016. On Krishna Janamastami, students presented different cultural programmes. On Teacher's Day, the Students of B.A. Arts, Social Sciences, Commerce and Education presented cultural programmes and teachers were felicitated with honour.
- On Independence Day, Republic Day and Saraswati Pooja students with different talents presented cultural programmes like, solo dance, group dance, sitar performance etc.

Events organized by the Departments

Department of Sanskrit

- Sanskrit drama 'Malavikagnimitram' was staged in Nagari Natak Mandali on 19th Feb, 2017 under the direction of Dr. Chrakanta Rai from 'Gyana-Pravaha in which Sanskrit deptt students of the college participated.
- Under the Joint Venture of Arya Mahila P.G. College, Nehru Yuva Kendra Sangthan, Varanasi and Yuva karyakram aur Khel Mantralay, Govt of India a district level cultural festival was organized on 30th March, 2017 in which a Sanskrit department student won consolation prize in Sanskrit, Hindi Chaiti and Kajari song competition.
- On 24th Feb, 2017 Sanskrit department students were taken to Gyana-Pravaha (Jnana Pravaha) to observe and learn the practical aspect of Yoga.
- On 116th foundation day function of Shri Bharatdharma Mahamandal. Dr. Chandrakanta Rai delivered a Lecture.
- Gyana-Pravaha Research Centre of Varanasi has nominated Dr. Chandrkanta Rai as member to its educational Committee.

Department of Hindi

- Hindi Department organized a National Seminar on the topic 'रूद्र काशिकेय की रचनाधर्मिता एवं काशी की संस्कृति' on 24th anniversary of Shri Shivprasad Mishra 'रूद्र काशिकेय' on 24th Sep,2016
- Nehru Yuva Kendra and Arya Mahila P.G. college collectively organized a district level cultural programme on 30th March, 2017
- Dr. Suchita Tripathi was awarded the 'शिक्षाप्रज्ञाता' by Shastrarth Mahavidalaya Dashaswamedh, Varanasi on 13th Feb, 2017 for her valuable contribution to women education.

Department of Philosophy

- Philosophy Dept of the college had its magazine release of "Vimarsh" on the foundation day of the Arya Mahila Hitkarini Mahaparishad.
- Students of the Department were taken to Sarnath for educational tour on 26th March, 2017.
- Dr. Anamika Singh, Assistant Prof, philosophy dept was chief speaker in the international seminar on the topic 'पालि साहित्य में बौद्ध के वैश्विक उपदृदेश्य at Sravasti on 1th April, 2017.
- IPRC, New Delhi sponsored two lectures were organized by the Philosophy deptt. of the college first lecture was on the topic 'आधुनिक युग के लिए समग्र जीवन दृष्टि' on 23nd Feb. 2017 and second lecture on the topic 'Philosophy and Science on 28th Feb, 2017.

Department of Bengali

- 'बंगीय साहित्य समाज' held an essay writing competition on 11th Sep.2016 in which Bangla Dept students participated.
- Bangla Department celebrated the anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose on 23rd Jan. 2017
- On 21-03-2017 International Mother Tongue Day, Bangla Dept organized various competitions for the college students.
- Aurobindo Society and the Bangla dept of the college collectively organized two days Yuva camp on 25th &26th Jan, 2017

Department of English

- Lecture of Prof. Maya Shankar Pandey of BHU was organized on 28th August, 2016.

Department of Ancient Indian History Culture and Archaeology

- A.I.H.C & Arch department of the college arranged a poster exhibition of the students on 15th Oct, 2016.

Department of Music (Instrumental)

- The Music (Inst.) Department of the college organized three days (from 4th to 6th Oct, 2016) workshop on 'संगीतिक' and seminar on 'तंत्रीनादंन'. On this occasion Prof. Pushp Vasu, Ex-Head Music (Inst.), BHU delivered a special lecture.
- On Republic Day the department presented Gulista hamara dance drama (नृत्य नाटिक)।
- On 'Teej Mahotsav on 6th Sep, 2016 department students presented Shiv-Parvati Vivaha, a dance drama (नृत्य नाटिक)।
- On Basant Panchami 1st Feb, 2017 department students presented Vrindavan. Music (Inst)

department students organized a poster exhibition on 7th April, 2017 on the occasion of World Health Day and anniversary of Bharat Ratna Pd. Ravishanker.

- In the year 2016 the department started 'ठाकुर राजभान सिंह स्मृति पुरस्कार' for the highest scoring students of the department.
- Dr. Anamika Dixit, Assistant Professor, played sitar in ten days programme of Sangeet Prakalp in Ahamadabad, Gujrat.

Department of Music (Vocal)

The Department of Music (Vocal) organized seminar on 16th Feb. 2017.

Department of Home Science

- A One-Day workshop held on 17th August, 2016.
- A Lecture was organized by the Home Science Department on 8th Nov, 2016 on the topic 'Menstrual and UTI Infection.
- Home Science Department of the college and Lions Club jointly organized poster exhibition on the topic 'बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ' 3rd April, 2017

Department of Economics

- Aishwarya Pandey, B.A. (Hons) Economics student of the college travelled to Moscow, Russia under Youth Exchange Programme.

Department of Sociology

- A One-Day Community Development Programme was jointly organized on 29th Sept, 2016 by 'Deva' International Institute and Sociology Dept of the College.
- Dr. Manish Tiwari, Assistant Professor, Sociology Department delivered a lecture on the topic 'Cultural Consequences of Globalization in two days seminar held at MBS P.G. College. Gangapur.
- Sri Rambhadracharya Viklang University, Chitrakoot organized two days' National Seminar on "Rural Reconstruction and Development Scheme: Impact and Evaluation " on 27-28 March , 2017 in which Dr. Manish Tiwari was the Chief Speaker.
- National Commission for Women sponsored two days' seminar in the Sociology deptt. on the topic " Women and Environment Sustainability " from – 27.01.2017 to 28.01.2017.

Department of History

- Dr. Rajeev Srivastava, History Department, BHU delivered a lecture on 'सामाजिक कार्य एवं राष्ट्रवाद' which was organized by the History Department of the college on 8th April, 2017.
- M.A. final year students of the History Department were taken for educational tour to historical sites such as, Sitamarhi, Gopiganj, Hanuman Cave etc. on 14th April, 2017.

Department of Psychology

- A Lecture was jointly organized on the topic 'नेत्र सुरक्षा एवं जागरूकता' by Varanasi Eye Bank and Psychology Department , Arya Mahila P.G. College on 2nd Sep, 2016.
- Poster Making and speech competition held on 10th Sep, 2016 for M.A. first year, final year and B.A. first year students.
- On Mental Health Day 5th Oct, 2016 Dr. Poornima Awasthi Associate Prof. Psychology Department, BHU delivered lecture on the topic " Mental Health Awareness.
- One day Workshop on "Application of inkblot test in Personality Assessment" held on 31st Aug. 2017 by the Psychology Department.
- Prof. A.K. Srivastava 's lecture on " Stress and Coping" organized by the deptt. on 18th March, 2017.

Department of Commerce

- A Quiz competition was held on 23rd August, 2016 under the joint organization of Career Launcher and Commerce Department of the College.
- Jaipuriya Institute of Management and the Commerce Department of the College jointly organized quiz competition on 27th Sep. 2016 in the college.
- The Commerce Department organized a lecture of Sandeep Chatterjee (Sega Trainer) on the topic 'Importance of Financial Market in Real Life' on 21st March ,2017

- Commerce students were taken on Parle and Thermocol Factory, Ramnagar for educational trip on 8th April, 2017

Department of Education

- On the occasion of 'National Literacy Day 11th Nov. 2016, the Education Department organized different competitions of the topic '21वी सदी में स्त्री शिक्षा'।
- On Gandhi jayanti 2nd Oct, 2016, the department organized speech competition on the topic 'Relevance of Gandhiji's Ideals in the Present Scenario'
- B.Ed. final year students were taken to Jaipur for Educational tour on 28th Jan, 2017
- B.Ed. final year students organized 'First Aid' programme from 23rd to 25th Jan, 2017.
- In College Campus placement Akanksha Singh, Deeksha Srivastava, Nishakha Khanam, Savita Yadav, Jayshree Gupta were selected.

Buddhist Studies Centre

- The Center organized seven days lecture from 8th August to 14th August, 2016.
- The Center organized seven days international Workshop from 26th Sep, 2016 to 2nd Oct., 2016 on the topic 'विपश्यना'।

Soft Skill

- Under the direction of Dr. Geeta Singh, the college runs Soft Skill course since 2011-12 in which Yoga, Sitar Playing & Vocal Music is included.

Remedial Courses

- The college runs remedial classes for the students as per UGC's 11th Five Year Plan, under which, students are provided with the fundamental knowledge of the subject Hindi, English, Sanskrit remedial classes and classes for the SC/ST/OBC (excluding creamy layer students) are taken twice a week.

Parent –Teacher Meet

- All the departments of the college call for Parent-Teacher Meet to discuss students educational activities and progress. There is a constant attempt of improving and improvising teachers' quality performance on the basis of Feedback forms filled by the students.

IGNOU

- IGNOU Centre in the college began on 11th August, 2011, in which, nine subjects are being run and this year 258 students are registered in different subjects.

Jagriti Centre

- Considering students' welfare, the college has Jagriti Centre to motivate students time and again through guidance & counseling.

Infrastructural Facility

- College has five laboratories 01 in psychology Department, 03 in Home Science Department, and 01 in Education Department.
- Home Science laboratories are – Food and Nutrition; Textile and Clothing; Home Management and Extension Education.
- The college has the facility of one Auditorium (Hall) stage, sports field, Books, Teaching-learning materials and learning centers, Xerox Machine, Canteen. Computer Lab has 40 computers with internet facility. The college also has smart lecture rooms to enable teachers to deliver lectures through projectors, power point presentations and other audio-visual aids.
- Among other facilities, the college has health checkups for students by efficient doctors twice a week and free medicines provided.

2.3.2. VASANTA COLLEGE FOR WOMEN

The Vasanta College for Women, Rajghat, Varanasi runs under the privileges of Banaras Hindu University and follows Academic Calendar of the same. The college offers Under Graduate, Post Graduate, and Research programs. It also runs Certificate, Diploma & Advance Diploma Courses in Travel and Tourism Management and Mass Communication. It has also got recognition for M.Ed. course for one unit (50 students) from the current session by National Council for Teachers Education (NCTE), Jaipur.

Results / Merit: In the session 2015-16, Km. Nazia Monir, MA (Geography), Km. Anuradha Dey, MA (English), Km. Savitri Rawat, BA (Hons.) Music (Inst.) and Km. Tasleem Shekh, BA (Hons.) Urdu secured first positions in the merit list of BHU. The results of different courses varied between 96% to 100%.

Seminar/Workshop/Conferences: The college organized a two day National Seminar on 'Muktibodh Ki Muktikaami Chetna aur Unka Rachnatmak Sangharsh' and a one day seminar on Importance of Ganga, Preservation and Challenges. Also conducted a one day workshop on 'Western Music', led by Dr. Gunnel Holmgren, Karlstad University, Sweden organized by Department of Music (Vocal). J. Krishnamurti Study Centre conducted a three month certificate course on Sri J. Krishnamurti; a seven day UGC sponsored National Workshop on 'A Holistic Approach to Life: Exploring the Views of J. Krishnamurti and other Social Thinkers'; and a nine day International Workshop on "The Quest for Truth".

Achievements: Published the III and IV Volume of Darshana: A Peer Reviewed Journal (ISSN No. 23480122). The college has been running the Remedial Coaching/Entry into Services/NET Coaching Classes for the SC/ST/OBC (Non Creamy Layer) and Minority students for preparation of NET/SLET and Competitive examinations under the UGC Scheme.

Purchase: During 2016-17, one thousand books, four Multimedia Projectors and six electronic screens along with two Computers have been purchased under this scheme. The College purchased four Projectors, Public Address Systems with Speakers, Computers, Sewing Machines, Weighing Machines and other laboratory specific equipments amounting more than ten lakhs under XII Plan.

Scholarship: The college offered government scholarships along with Achyut Patwardhan Scholarship, Prema Srinivasan Scholarship, B.Ed. Meritorious Students Scholarship, P. Sankar Rao Scholarship for Music (Vocal and Instrumental) to many of the needy students.

Students Centric Activities: Workshop on Communication Skill and Language, Seminar on Careers in Commerce, Quiz Competition on Heritage of India, Skill training program on Basic Counseling Skills, Theatrical event 'Shakespeare in Performance'. Vigilance Awareness Program, A.D. Shroff Memorial Elocution, Lecture on Vivekananda, Workshop on Skill Development, Workshop on Tailoring and Sewing, Students participated in Vividha: Inter College Youth Fest 2017. An interaction with Sahara Samay TV Channel, Annual Youth Fest Jhankar, Swachchhata App Download Programme, Students visited Nav Sadhana Kendra, Varanasi; Participated in Inter College Debate organized by RS Banaras Law College and Shiksha Samagam 2016-17; Aptitude test KRACKCAT, Matribhasha Diwas, Art Performance by Mr. Filipe Garcia of Portugal, Sanskrit Shlokaantyakshari, Seminar on U.P. Elections: Its Various Dimensions, Participated in BHU Inter-Faculty Youth Festival SPANDAN 2017.

Career Guidance/Placement Activities: Campus Placement for UG and PG (Final Year Students) was organized for Teaching Position in Sunbeam Group by Helen O Grady International, Mumbai by Bhavi Khetani, Territory Manager. A lecture on Career and Placement by Prof. H.P. Mathur, BHU and Prof. A.K. Shrivastava, BHU.

Training Programmes: Workshop on Knowing Yourself: Employability Skills; Group Discussion and personal Interview by IBS Business School; an interactive session of Computer Literacy Program; Pranic Healing and Yoga Program' Jaipuria Quiz League sponsored by Jaipuria Institute of Management, Lucknow; Personality Development Program; Career Counseling Program.

2.3.3. VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA

Founded on the educational principles of the great visionary, Dr. Annie Besant, Vasant Kanya Mahavidyalaya has been striving ahead in the field of women education for the past 60 years. The college is graded 'A' by the NAAC. At the undergraduate level, 14 subjects are taught in the Arts and Social Sciences discipline. Postgraduate and Ph.D. courses are run in 5 subjects. The college annually publishes a magazine entitled Vasantshree, which is the manifestation of the creative abilities of the students.

Scholarships, Medals and Prizes: During the current session prizes and scholarships were given to 31 students; On the 99th Convocation of BHU (16 January, 2017), following students of VKM were awarded: Supriya Mishra- BHU Gold Medal for securing highest marks in Hindi, Neha Verma-BHU Gold Medal for securing highest marks in English and Swati Yadav-BHU Gold Medal for scoring highest marks in Sanskrit.

Talks and Lectures: “Art of Making Conscious Choice” by Prof. R.C. Tampi, Member, Theosophical Society; “Bhakti : A Shramanic Study” by Prof. Jaimal Rai; “A Comparative Study of Indian and Western Aesthetics” by Prof. R.N. Rai; “Introducing American Literature” by Prof. Sanjay Kumar; “Post-Modern Literary Theory” by Prof. Anita Singh; “Black Money: A Threat to Indian Economy” by Dr. Mayank Singh; “Demonetization” by Dr. Pankaj Soni; "भवस्तु सेवा कर" by Prof. R.K.Bhatt; “Malnutrition free India” by Prof. C.P. Mishra; “Textile testing and Quality Control” by Mr. Biman Ray, IICT, Bhadohi; “Woven Fabric Analysis” by Mr. O.P. Mishra, IIHT, Varanasi; 'Graphic Design” by Mr. V.K. Agrawal, Assistant Director, Northern Indian Textile Research Association (NITARA), Varanasi; “British Influence on Indian Renaissance” by Dr. Mamta Bhatnagar; "आजादी के पश्चात् भारतवर्ष में राष्ट्रवाद के बदलते परिदृश्य" by Dr. Rakesh Pandey; । प्रचलित रागों का प्रयोग सहित व्याख्यान Prof. Virendra Nath Misra; A Demonstration on Painting by Sri Anand Kumar, BHU; “Rising Political Violence: Relevance of Gandhi” by Prof. Sonali Singh; “73rd Amendment with special reference to Chirai Gaon Block” by Dr. Kumud Ranjan; “न्याय वैशेषिक दर्शन में प्रमाण” by Dr. Kamala Pandey; “विवेकानन्द का व्यवहारिक वेदान्त विषय” by Prof. Devbrata Chaubey; “Application of Additional Processes” by Dr. Trayambak Tiwari; “Experimental Design in Psychology” by Dr. Tushar Singh; “Brain Imaging Technique” by Dr. Yogesh Arya; “Rehabilitation Psychology” by Dr. Usha Rani Verma, Clinical Psychologist; “Neuro-cognitive Rehabiliation” by Dr. Jay Kumar Ranjan; “Positive Psychology” by Prof. R.C. Mishra; “संस्कृत साहित्य में छन्दोधारा” by Prof. Dhananjay Kumar Pandey; “भारतीय दर्शन में प्रमाण” by Dr. Kamla Pandey; “Historicism and Empiricism by Prof. P.N. Pandey; “Land Reforms” and “Evaluation Land Reforms” by Dr. Indu Upadhyay ,VKM; “S-R Theory and Learning” by Dr. Sudha Srivastava; “Post Modernity and its consequences” by Prof. A.K. Kaul; “Tabulation & Graphical Presentation of Data” by Dr. Vijay Kumar.

Co-curricular Activities: Group Discussion on “Comparative Study of Administrative Pattern”; Nukkad Natak in Sarnath on the theme “Heritage Awareness”; Seminar on “Relevance of Literature”; Painting exhibition to showcase the creative work of students and teachers were organized. “Kalidas Sholka Antakshari” was conducted by Jnana-Pravaha, Varanasi; 2 Students participated in the “Shlok recitation Competition” organized in Sankat Mochan. Spandan: College participated in 29 events in The Youth Festival 'Spandan 2017 and won prizes in Expressions; Light Vocal Solo, Classical Solo and Turn Coat; Mehndi, Hindi Essay and Creative Dance. The 12th alumni meet “Avartan” was held on 22 March, 2017.

Student Advisory & Discipline Committee: Km. Shrija Tiwari of B.A. II participated in the Banaras Youth Parliament. She was a member of the AIPPM Committee as a representative of an NGO called Pratham Foundation and was given the High Commendation Award.; A lecture on “Feel Better today, stay healthy tomorrow” by Dr. Garima Upadhyay, Assistant Professor, VKM. The lecture was organized in order to inculcate healthy food habits among the students; A lecture on “Drug Abuse and Drug Addiction”, by Dr. Kalpana Anand, VKM; 25 students of the college participated in 12 events of “Vividha”, an inter-college youth festival held at

Sunbeam College for Women, Bhagwanpur, Varanasi. They won third prizes in Nukkad Natak, Business Plan, Debate and Painting and first in extempore and Youth Icon; A programme on cleanliness was organized in the College in collaboration with "JICA" (Ganga Action Plan), Nagar Nigam, Varanasi and the NSS units of the College on February 07, 2017.

Workshops: Workshop on '***An Introduction to Theosophy***' was held on 20.03.17. Principal of the college Dr. Rachna Srivastava designed the workshop. Other workshops were conducted by various departments in this session : "***Creating Heritage Awareness and Volunteerism***" organized by INTACH; "*Skill up gradation programme for deaf and dumb students*" ; A two day workshop on "*Development of accessories by patwa work & paper cutting technique*" by Ms. Arpita Rai ; "*Pattern Grading*" by Ms. Ranjita Keshari, Institute of Professional Studies (IPS), Allahabad; "*Folk Art*" by Dr. Shrishti Purwar, Faculty, IPZS, Allahabad; "*Tuffed Weaving*"; भसितार का ध्वनि शास्त्र by Sri Radheyshyam Sharma; भविभागीय गतिविधियों से सम्बन्धित भित्ति चित्रों पर चर्चा by Dr. Meenu Pathak; "***Crime in India***" by Dr. Kalpana Anand, VKM.

Educational Tours: Sarnath and Gurudham, Lamhi village, birth place of Munshi Premchand; Bimal Chandra Ghosh Memorial Deaf and Dumb school; SAARC NGO; Faculty of Visual Arts-BHU; Diesel Locomotive Works; Deva International Society for Child Care, Baijnatha, Varanasi; Parle-G Factory, Ramnagar and Propel Plastic Industries, Ramnagar; Chiraigaon and Narayanpur Village; Jnana Pravaha.

Placement Cell: 18 students of M.A II (Home Science) were selected for internship in National Institute of Textile Research Association (NITRA); 17 students of M.A. I were selected for an internship training programme in Umrai Fashion Mart, Lohta, Varanasi; Six students are working as Freelancer in association with Ghanshyam Silk, Lahartara; A lecture entitled "Organizations in the field of teaching" was organized by Career Launcher in BHU. A recruitment drive was organized by HCL Tech. Ltd. in Gurgaon. 50 students participated in a recruitment drive organized by SRIJAN in BHU.; SVVPL conducted a recruitment drive programme in BHU; The Faculty of Management Science organized a workshop entitled 'PRATIBHA' on resume writing and personality development; A placement drive was organized by ABP News at Prabandh Bhawan, IMS, BHU.

Guidance and Counselling Cell: A lecture on "Career in Teaching" was held for students; Information about MOCK- CAT Written Test (I Phase) was given by students from IIT, BHU; A lecture on "How to prepare for NET examination" was also organized.

2.3.4. DAYANAND MAHAVIDYALAYA (D.A.V. P.G. COLLEGE)

The DAV PG College was established in 1938 as an Intermediate College recognized by Banaras Hindu University. The idea of establishing the college as an extension of Banaras Hindu University in the heart of the city originally conceived by Pandit Ram Narayan Mishra and Babu Gauri Shankar Prasad ji, intimate followers of the Mahamana, who established the present D.A.V. College. The college got degree status from the University in 1947 and permanent affiliation in 1954. The College started running undergraduate courses in the faculty of Arts, Social Sciences and Commerce. In 2008, the University allowed the College with co-education facility to start Post Graduate and Ph.D. (research) programmes/courses and presently college is running Ph.D. and Post Graduate programmes in nine departments. The College is also running UGDCA, Travel & Tour Management, Risk & Insurance Management, Communicative English, Prayojan Mulak Hindi Patrakarita and Post Graduate Diploma in Counseling & Psychotherapy courses/ programmes for the benefit of the students. The college is catering with distinction not only to the needs of the students of the eastern districts of U.P. but also the adjoining states like Bihar, Jharknand, Uttrakhand, West Bengal, Madhya Pradesh and even very distant place of Arunachal Pradesh and Jammu & Kashmir (Laddakh). Due to college's distinguished record and the fact that DAV PG College has been awarded the highest grade 'A+' by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Banglore in 2017, students of other far distinct States like Jammu & Kashmir, West Bengal, Arunanchal Pradesh etc., also prefer to take admission in the college.

Admission & Examination System

BHU conducts 'Joint Entrance Test' (UET, PET & CRET) for the undergraduate, postgraduate and Ph.D. research programmes for admitting students of the University as well as of its college. DAV P.G. College is admitting students through these tests. The college adopts the whole assessment & examination system of the University for its students.

Academic Activities and Programmes

To enhance subjective knowledge of the students, the college has organized subject wise quest competition. This quest is based on 3 stages (objective questions, descriptive questions and quize based questions and presentations). This competition is based on prize and reward which creates lot of enthusiasm among students.

- 'Psychoquest' was organized on 02 Feb., 2017 by the Department of Psychology, DAV PG College, Varanasi.
- 'Histquest' was organized on 18 Feb., 2017 by the Department of History, DAV PG College, Varanasi.
- 'Hindiquest' was organized on 23 Feb., 2017 by the Department of Hindi, DAV PG College, Varanasi.
- 'Sanskritquest' was organized on 25 Feb., 2017 by the Department of Sanskrit, DAV PG College, Varanasi.
- 'Ecoquest' was organized on 03 March, 2017 by the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi.
- 'AIHC & Archaeo quest' was organized on 03 March, 2017 by the Department of AIHC & Arch., DAV PG College, Varanasi.
- 'Comquest – 2017' was organized on 17-18 March, 2017 by the Department of Commerce, DAV P.G. College, Varanasi.
- 'Literary Quiz' was organized on 20 March, 2017 by the Department of English, DAV PG College, Varanasi.
- 'Quest in Philosophy' was organized on 21 March, 2017 by the Department of Philosophy, DAV PG College, Varanasi.
- 'Socio Quest' was organized on 24 March, 2017 by the Department of Sociology, DAV P.G. College, Varanasi.
- 'Urduquest' was organized on 27 March, 2017 by the Department of Urdu, DAV PG College, Varanasi.

- 'Political Quest' was organized on 31 March., 2017 by the Department of Political Science, DAV PG College, Varanasi.

Other Notable Academic Activities

- International Seminar on 'Pali Sahitya Mein Vishwa Bandhutva Evam Shanti' organized by Pali Society of India, Varanasi on 31 March to 01 April, 2017.
- National Seminar on 'Divyang Children : Special Needs' sponsored by ICSSR, New Delhi, organized by the Department of Sociology, DAV P.G. College, Varanasi on 18-19 March, 2017.
- International Seminar on 'Globalization: Its impact On Indian Women , Society and Culture' organized by International Sociological Association –RC 14, Interim Conference, New Delhi on 26-28 Feb., 2017.
- Participated in Ten days National workshop on "Statistical Techniques and Software tools for Data Analysis", organized by the Department of Commerce and Research Assessment Committee, DAV P.G. College, Varanasi on 20-30 Jan., 2017.
- National conference on 'Psychology and today: contemporary issues and interventions' ICSSR, New Delhi sponsored, organized by Department of Psychology, MGKVP, Varanasi on 26-27 November, 2016.
- National Workshop on 'Empirical & Analytical aspects of Research' organized by IQAC Cell & Department of Economics, DAV P.G. College, Varanasi on 07-16 Nov., 2016.
- A Special Lectured was delivered by Prof. Rakesh Raman on the Topic of 'Possibilities of Employment in the Field of the Research' organized by the Department of Economics, DAV P.G. College, Varanasi on 05 Oct., 2016.
- National Seminar on 'Rastriya Andolan Aur Sardar Ballabh Bahi Patel Ka Rajnitik Chintan' organized by the Department of Political Science, BHU, Varanasi on 04-10- 2016.
- National Workshop on 'Aesthetics of Rasa and Dhvani: Theory and Application' organized by the Department of English DAV P.G. College, Varanasi on 20 - 28 September, 2016.
- International Seminar on 'Mangal Geeto me Pratibimbit Bhartitya Samaj: Ek samajshastriya Drishtikoh' orgnized by Antararashtriya Sahitya kala manch and INALCO Paris , France on 11 June, 2016.
- International seminar on 'Psychology of religion and culture. International conference on Utility of religion of world' organized by the Department of Pali, Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi on 6-7 April, 2016.

Research facilities available for the students: College has developed the following research facilities in the campus:

- It has developed a good research laboratory for the students of the Department of Commerce, AIHC & Arch. and Psychology.
- Smart classroom facility in the Department of Commerce, Psychology, Economics, Political Science, History, English and AIHC & Archaeology, Hindi and Sociology.
- Virtual Class Room Facility
- All the P.G. departments and library are provided computers with internet facility.
- INFLIBNET (E-Magazines & Journals) systems in Library
- Library is having around 45,000 books, subscribes many research journals and periodicals.
- Good departmental library in the all departments.
- Teachers, research scholars and P.G. students have been provided separate seating space in the library.
- Xerox facility
- L.C.D. projectors
- e-library for Research Scholars
- College provides study leave to the researchers.

Major Projects: Dr. Akhilesh Kumar Dubey, Department of Hindi-UGC.

Extra Curricular Activities

College has a big play ground having facility to play outdoor games like Cricket, Football, Volleyball etc., surrounded by high boundary wall.

Games & Sports Events Organized:

College Team Participated in Inter Faculty

Tournament (Organized by the University Sports Board, BHU

- Basketball (Men)
- Football
- Badminton

15 students of DAV PG College represented BHU in the East-Zone Inter-University and All- India Inter University Tournament in various games & sports.

Debate: All the departments of the college organized 'Quest' competition for students.

Library

a) Extension of College Library

- College has established a separate E-Library room furnished with 19 Desk-top computers with wi-fi facilities, books & property Box, etc.
- One Reading Room has been extended and One new reading room has been constructed for seating about 200 students.

b) College has made its entire campus with Wi-Fi (internet) facilities

c) Renovation/Construction in Old Building

- In the course of renovation, gallery space of old building was furnished with tiles.
- Keeping in view the facilitate students especially "Divyang Students" additional fee counters in account section are extended.

Renovation of college canteen and seating arrangements in the canteen campus.

Handing Over the NAAC Report to the Principal by the Visiting team of the NAAC

NAAC Peer Team Member in the Exit Meeting

Distribution of food & medicine to the Flood victims ivvicti effected area

Plantation of the trees in the College ground

Organizing Nation Seminar in the Department of English

BHU NSS Programme Officer sensitizing about cleanness & environment

Organizing Nation Seminar in the Department of Sociology Hon'ble HRD Minister of State Dr. M.N. Pandey

College Football Team runners up in the Inter Faculty Tournament, BHU

3. COURSES OF STUDY

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

The Courses offered in the various Institutes, Faculties, College and Affiliated Colleges are as under:

A. Post Doctoral Degree

1. Doctor of Science (D.Sc.)
2. Doctor of Literature (D.Litt.)
3. Doctor of Law (LL.D.)

B. Doctorate Degree (Min. Dur.-2 Yrs.)

1. Doctor of Philosophy (Ph.D.)
2. Vidyavaridhi

C. Master of Philosophy

1. M.Phil. in Subaltern Studies
2. M.Phil. in Musicology
3. M.Phil. in Environment & Sustainable Development

1. Faculty of Arts

Bachelor of Arts (B.A. Hons.) (3-year)

Bachelor of Physical Education (B.P.Ed.) (1-year)

Master of Arts (M.A.) in : (2-year)

1. English
2. Hindi
3. Sanskrit
4. Telugu
5. German
6. French
7. Nepali
8. Bengali
9. Urdu
10. Persian
11. Arabic
12. Pali and Buddhist Studies
13. Marathi
14. Geography
15. Ancient Indian History, Culture and Archaeology
16. Indian Philosophy and Religion
17. Mathematics
18. Statistics
19. History of Arts
20. Linguistics
21. Philosophy
22. Home Science
23. Chinese
24. Kannada
25. Russian

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

Professional Courses **(2-year)**

1. MA in Mass Communication
2. Master of Physical Education (M.P.Ed.)
3. Master of Library and Information Science (M.Lib. & I.Sc.)
4. MA in Prayojanmoolak Hindi (Patrakarita)
5. M.A. in Museology
6. M.A. in Manuscriptology and Paleography

Advanced P.G. Diploma: **(1-year)**

1. Archaeology
2. History of Arts
3. Indian History and Culture
4. Arabic
5. Telugu
6. Hindi
7. French Studies
8. German
9. Indian Philosophy & Religion
10. Nepali
11. Marathi
12. Persian
13. Urdu
14. Indian Language (Bridge Course in Nepali)
15. Telugu (Bridge Course in Telugu)

Under-Graduate Diploma: **(2-year)**

1. Hindi
2. Tamil
3. Telugu
4. Russian
5. Chinese
6. Marathi
7. French Studies
8. Arabic
9. Persian
10. German Studies
11. English
12. Kannad
13. Urdu
14. Nepali
15. Pali
16. Sanskrit
17. Italian
18. Spanish
19. Prakrit
20. Japanese

Sl.No. Details of the Courses	Duration (Min.)
Certificate Course in :	**(1-year)**
1. Hindi	
2. English	
3. Persian	
4. Urdu	
5. Arabic	
6. Italian	
7. Pali	
8. French (Bridge Course)	
Special Courses:	**(2-year)**
1. M.A. in Tourism & Travel Management	
2. M.A. in Corporate Communication Management	
3. PG Diploma in Archaeology	
4. UG Diploma course in Office Mgt. & Business Communications (P/T)	
5. Diploma course in Tourism Management (P/T)	
6. PG Diploma in Health Communication	1-Year
7. PG Diploma in Sports Journalism	1-Year
8. PG Diploma in Translation Skills for Varied Competencies	1-Year
9. PG Diploma in Bhojpuri and Janpadiya Adhyayan	2-Year
10. PG Diploma in Hindi Journalism	1-Year
11. PG Diploma in Bhojpuri and Janpadiya Adhyayan	1-Year
12. Proficiency Certificate Course in Bhojpuri Language	(4 Months)
2. Faculty of Social Sciences	
Bachelor of Arts (B.A. Hons.)	(3-year)
Master of Arts (M.A.):	(2-year)
1. Economics	
2. History	
3. Political Science	
4. Sociology	
5. Psychology	
Special Courses:	(2-year)
1. Master of Personnel Mgt. & Industrial Relation (MPMIR)	
2. M.A. in Social Work	
3. M.A. in Public Administration (MPA)	
4. M.A. in Conflict Management & Development (MCMD)	

Sl.No. Details of the Courses	Duration (Min.)
5. M.A. in Integrated Rural Development & Management	
6. Master of Arts in Anthropology	
7. P.G. Diploma in Japanese Studies	(1-Year)
8. P.G. Diploma in Conflict Management & Development	(1-Year)
9. PG Diploma in Counseling & Psychotherapy	(1-Year)
10. P G Diploma in Gender & Women Studies	(1-Year)
11. PG Diploma in Counseling Guidance & Psychological Intervention	1 Year
12. PG Diploma in Business Economics	1 Year
3. Faculty of Law	
1. Bachelor of Law (LL.B)	(3-year)
3. B.A. L.L.B	(5 Years)
2. Master of Law (LL.M.)	(2-year)
Special Courses:	
1. LLM course in Human Rights & Duties Education (HRDE)	2-years
2. LLM Course	1-Year
3. PG Diploma in Intellectual Property Laws (P/T)	1-year
4. PG Diploma in Environmental Law, Policy and Management (P/T)	1-year
5. PG Diploma in Forensic Science and Medical Jurisprudence (P/T)	1-year
6. PG Diploma in Tax Mgt. (P/T)	1-year
7. PG Diploma in Mass Communication and Media Law (P/T)	1-year
8. PG Diploma in Human Resource Management, Service and Industrial Law (P/T)	1-year
9. PG Diploma in Information Technology Law (P/T)	1-year
10. PG Diploma in Corporate Governance (P/T)	1-year
4. Faculty of Education	(2-year)
1. Bachelor of Education (B.Ed.)	
2. Bachelor of Education (B.Ed. Special)	
3. Master of Education (M.Ed.)	(2-year)
4. Master of Education (M.Ed. Special)	
5. Faculty of Commerce	
1. Bachelor of Commerce (B.Com. Hons.)	(3-year)
2. Master of Commerce (M.Com.)	(2-year)

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)
Special Courses:		**(2-year)**
1.	MBA (Foreign Trade)	
2.	MBA (Risk and Insurance)	
3.	MBA (Finance Management)	
4.	PG Diploma in Capital Market	1-Year
5.	PG Diploma in Banking Tech.	1-Year
6.	**Faculty of Management Studies**	**(2-year)**
1.	Master of Business Administration (MBA)	
2.	Master of Business Administration (International Business)-(MBA-IB)	
Special Courses:		**(1-year)**
1.	Post Graduate Diploma in Business Administration (PGDBA) (P/T)	
2.	Diploma in Microfinance and Entrepreneurship (P/T)	
3.	Diploma in Leisure and Hospitality Management (P/T)	
4.	Certificate Program in Health Care Management six months (P/T)	
7.	**Faculty of Science**	
	Bachelor of Science (B.Sc.Hons.) (Math & Bio Group)	(3-year)
Master of Science (M.Sc.):		**(2-year)**
1.	Chemistry	
2.	Botany	
3.	Mathematics	
4.	Statistics	
5.	Physics	
6.	Zoology	
7.	Geography	
8.	Biochemistry	
9.	Home Science	
10.	Biotechnology	
11.	Computer Science	
12.	Psychology	
13.	Molecular & Human Genetics	
14.	Geology	
15.	Bioinformatics (only for women MMV)	
16.	Master of Science (Tech.) in Geophysics (M.Sc.Tech.)	(3-year)
17.	Master of Computer Application (MCA)	(3-year)
18.	Master of Computer Application (MCA)	(3-year)
Diploma Course		**(1-year)**
1.	PG Diploma in Spectroscopy	
2.	PG Diploma course in Natural Disaster Management	
Certificate Course		
1.	Statistical Methods	(1-year)
Special Courses:		**(2-year)**
1.	M.Sc. in Environmental Science	
2.	M.Sc. in Applied Microbiology	
3.	M.Sc. in Petroleum Geosciences	
4.	M.Sc. in Statistics & Computing	
5.	M.Sc. in Computational Science and Applications in Signal Processing	
6.	M.Sc. in Forensic Science	
7.	PG Diploma in Remote Sensing & GIS	1-Year
8.	PG Diploma in Population Studies	1-Year
9.	PG Diploma in Chromosoma Genetic & Molecular Diagnostic (PGDCGMD)	1-Year
10.	Diploma in Statistics and Computing	1-Year
8.	**Faculty of Visual Arts**	
	Bachelor of Fine Arts (B.F.A.):	(4-year)
	Master of Fine Arts (M.F.A.):	**(2-year)**
1.	Painting	
2.	Applied Arts	
3.	Plastic Arts	
4.	Pottery & Ceramics	
5.	Textile Design	
Special Courses:		**(1-year)**
1.	Certificate Course in Painting	
2.	Certi. Course in Advertising & Design	
3.	Certificate Course in Pottery Ceramics	
4.	Certificate Course in Plastic Arts	

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

9. Faculty of Performing Arts

Bachelor of Music (B.Mus.) : (3-year)

1. Vocal
2. Instrumental (Sitar/ Violin/ Flute/ Tabla)

Bachelor of Performing Art (BPA in Dance): (3-year)

1. Dance (Kathak/Bhartnatyam)

Master of Music (M.Mus.): (2-year)

1. Vocal
2. Instrumental (Sitar/ Violin/ Tabla/ Flute)

Master of Performing Art (MPA in Dance): (2-year)

1. Dance (Kathak/Bhartnatyam)

Master of Musicology : (2-year)

1. Musicology

Junior Dip. in Music & Dance: (3-year)

1. Vocal Music : Hindustani, Karnataka
2. Instrumental Music : (Sitar/Violin/Flute/Tabla/Karnataka/ Veena)
   i) Junior Diploma, Level - I
   ii) Junior Diploma, Level - II
   iii) Junior Diploma, Level – III
3. Dance (Kathak/Bharatnatyam)
   i) Junior Diploma, Level - I
   ii) Junior Diploma, Level - II
   iii) Junior Diploma, Level - III

The candidates are being provided following certificates of three years diploma course on completion of the course every year:

1st Year – Junior Certificate
2nd Year – Senior Certificate
3rd Year – Diploma

Certificate Course in Musicology 1-year

10. Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vijnan

Shastri (Hons.) (3-year)

Acharya in : (2-year)

1. Veda- Rigveda/ Samveda, Shukla Yajurveda , Krishna Yajurveda
2. Dharmagam
3. Puranaitihasa and Sahitya (Alankar Pradhan and Kavya Pradhan & Natya Pradhan)
4. Jyotish (Ganit and Falit)
5. Vyakaran
6. Mimansa
7. Nyayavaisesika
8. Vedanta
9. Jain Darshan
10. Bauddh Darshan
11. Prachinanyaya
12. Sankhya Yoga
13. Dharmashastra

Post-Graduate Diploma Course in

1. Agama Tantra (2-year)

Certificate Course

1. Sanskrit (1-year)

Certificate Course

1. UG Diploma Course in Vastu Shastra Evam Jyotish (Part-time) (2-year)

11. Faculty of Medicine

Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (MBBS) (5½ -year)

Doctor of Medicine (M.D.) in: (3-year)

1. Anaesthesiology
2. Biochemistry
3. Biophysics
4. Dermatology
5. Venereology and Leprosy
6. Forensic Medicine
7. Medicine
8. Paediatrics
9. Microbiology
10. Pathology
11. Pharmacology
12. Physiology
13. Preventive and Social Medicine
14. Psychiatry
15. Radiology (Radio-diagnosis)
16. Radio Therapy and Radiation Medicine
17. Tuberculosis and Respiratory Diseases

Bachelor of Science in Nursing (4-year)
(including internship)

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

Master of Surgery (M.S.): **(3-year)**

1. Anatomy
2. Opthalmology
3. Orthopaedics
4. Otorhinolaryngology
5. Surgery
6. Obstetrics and Gynaecology

Doctorates Medicines (D.M.): **(3-year)**

1. Neurology
2. Endocrinology
3. Gastroenterology
4. Cardiology
5. Nephrology

Magister Chirurgaie (M.Ch.): **(3-year)**

1. Neuro-Surgery
2. Plastic Surgery
3. Urology
4. Paediatric Surgery
5. Cardio-Vascular and Thoracic Surgery

M.Sc. in Health Statistics **(2 year)**

Post-Doctoral Certificate course in pain & palliative care

Special Courses: **(2-year)**

1. PG Diploma in Dialysis Therapy
2. P.G. Diploma in Medical Technology (Radiotherapy)
3. PG Diploma in Lab Technology
4. Diploma Course in Extra-Corporeal Perfusion Technology (2½ year)

12. Faculty of Ayurveda

Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (BAMS) (5½ -year)

Doctor of Medicine-Ayurveda (M.D. Ay.): **(3-year)**

1. Basic Principles
2. Dravya Guna
3. Rasa Shastra
4. Kaya Chikitsa
5. Prasuti Tantra (Stri-Roga)
6. Prasuti (Kaumarbhritya) Kaumarbhritya/Balroga

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

Master of Surgery - Ayurveda (M.S. Ay.): **(3-year)**

1. Shalya
2. Shalakya

Post-Graduate Diploma Course in Ayurvedic Pharmaceutics (PGD Ay.P) (2-year)

Special Courses: **(2-year)**

1. P.G. Diploma in Panchkarma Therapy
2. PG Diploma in Maternal Health Care (PGDMC) (Ay.)
3. PG Diploma in Neonatal and Child Care (PGDNC Ay.)
4. PG Diploma in Kshar Karma
5. PG Diploma in Vikiran & Chhaya
6. PG Diploma in Sangyaharan
7. PG Diploma in Agni Karma & Jalauka Vacharan
8. Certificate Course in Prasav Vigyan (only for female candidate) (1-year)
9. Certificate Course in Ayurvedic Pain Management (only for foreign students)

13. Faculty of Dental Sciences

Bachelor of Dental Surgery (BDS) (3-year)

Master of Dental Surgery (MDS) (3-year)

Special Courses: **(2-year)**

1. U.G. Diploma in Dental Mechanic
2. U.G. Diploma in Dental Hygienist

14. Faculty of Agriculture

Bachelor of Science Agriculture (B.Sc. Ag.) (4-year)

Master of Science Agriculture (M.Sc. Ag.): (2-year)

1. Agronomy
2. Agricultural Economics
3. Plant Physiology
4. Entomology and Agricultural Zoology
5. Extension Education
6. Genetics and Plant Breeding
7. Animal Husbandry and Dairying
8. Mycology and Plant Pathology

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)
9.	Horticulture	
10.	Soil Science and Agricultural Chemistry	
Special Courses:		**(2-year)**
1.	Master of Agri-Business Mgt. (MABM)	
2.	M.Tech. in Agricultural Engineering (Soil & Water Conservation Engg.)	
3.	M.Sc. in Food Science & Technology	
4.	Diploma Course in Vegetable Production	(1-year)
5.	Diploma Course in Seed Tech.	(1-year)

15. Faculty of Veterinary & Animal Sciences

Bachelor of Veterinary & Animal Husbandry — 4 1/2-years

16. Mahila Mahavidyalaya (3-year)

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.)
2. Bachelor of Science (B.Sc. Hons.)
3. Master of Science (Home Scs.) (2-year)
4. Master of Science (Bioinformatics) (for women) (2-year)
5. M.A. in Education (2-year)
6. Diploma Course in : Dance (Kathak, Bharatnatyam)(3-year)

17. Colleges admitted under the privileges of the University

1. Arya Mahila PG College

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.) (3-year)
2. Bachelor of Commerce (B.Com. Hons.) (3-year)
3. Bachelor of Education (B.Ed.) (1-year)
4. Master of Arts (M.A.) in (2-year)
   1. Sanskrit
   2. Philosophy
   3. Hindi
   4. AIHC & Arch
   5. English
   6. Bengali
5. Master of Social Sciences (M.A.) (2-year)
   1. Psychology
   2. History
   3. Political Science
   4. Sociology
   5. Economics

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

2. Vasant Kanya Mahavidyalaya

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.) (3-year)
2. Master of Arts (M.A.) (3-year)
   1. Hindi
   2. English
   3. Home Science
3. Master of Social Sciences (M.A.) (2-year)
   1. Psychology
   2. Sociology
   3. Economics
4. Six Months Certificate/Diploma/ Advanced Diploma Courses in Spoken English

3. Vasanta College for Women (Rajghat)

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.) (3-year)
2. Bachelor of Commerce (B.Com.Hons.) (3-year)
3. Bachelor of Education (B.Ed.) (1-year)
4. Master of Education (M.Ed.) (1-year)
5. Master of Arts (M.A.) (2-year)
   1. English
   2. Geography
   3. Hindi
6. Master of Social Sciences (M.A.)(2-year)
   1. Psychology
   2. Economics
   3. History
7. One Year Full time Certificate/ Diploma/ Advanced Diploma Course in Tourism and Travel Management

4. D.A.V. PG College (3-year)

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.)
2. Bachelor of Commerce (B.Com. Hons.)
3. Master of Commerce (M.Com.) (2-year)
4. Master of Arts (M.A.): (2-year)
   1. English
   2. Hindi
   3. AIHC & Arch.
5. Master of Social Sciences (M.A.) (2-year)
   1. Political Science
   2. Psychology
   3. Sociology
   4. Economics
   5. History
6. One Year Full time Certificate/ Diploma/ Advanced Diploma Course in Tourism and Travel Management

RAJIV GANDHI SOUTH CAMPUS, BARKACHHA, MIRZAPUR

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

Regular Courses of Study:

1. Faculty of Education

B.Ed. (Under Paid Seats Category from the UET Selected Candidates) (2-year)

2. Faculty of Ayurveda

B.Pharm. (Ayurveda) (4-year)

M.Pharm. (Ayurveda) (2-year)

3. Faculty of Science

Master of Computer Application (3-year)
(Under Paid Seats Category)

4. Faculty of Commerce

Bachelor of Commerce (Hons.) (3-year)
(Under Paid Seats Category)

Under Special Courses of Study:

1. Faculty of Arts (2-year)

1. M.A. in Tourism Administration
2. Diploma Course in Office Mgt. & Business Communications (P/T)
3. Diploma Course in Tourism Mgt.(P/T)
4. PG Diploma in Travel & Tourism Management (1-year)
5. PG Diploma in Corporate Secretaryship (1-year)

2. Faculty of Management Studies

Special Courses:

1. MBA Course in Agri-Business (Full Time) (2-year)

3. Faculty of Science

1. PG Dip. in Remote Sensing & GIS (1-year)

Sl.No.	Details of the Courses	Duration (Min.)

4. Faculty of Commerce

1. Bachelor of Commerce (Hons.) (Financial Market Mgt.) (3-year)

5. Faculty of Agriculture (2-year)

1. M.Sc. (Ag.) Agroforestry
2. M.Sc. (Ag.) Soil and Water Conservation
3. M.Sc. in Plant Biotechnology

6. Faculty of Social Sciences (1-year)

1. PG Diploma in Counseling & Psychotherapy (full time)

7. Faculty of Ayurveda

1. Bachelor in Naturopathy & Yoga Therapy (full time) (4½-Year)

8. Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vijnan

1. Certificate Course in Karma Kanda (P/T) (1-year)

9. Faculty of Visual Arts

1. Diploma Course in Textile Design (1-year)
2. Certificate Course in Handloom Weaving & Handicraft (6-month)
3. Certificate Course in Dying & Printing (6-month)
4. Certificate Course in Textile Design (6-month)

10. Faculty of Environment and Sustainable Development

1. M.Sc. in Environmental Science (Environmental Technology) (2-year)

4. AWARD OF DEGREE / DIPLOMA / CERTIFICATE

1. Faculty of Agriculture

B.Sc.(Ag.)	143
M.Sc.(Ag.)/M.Sc.	251
Ph.D.(Ag.)	46

2. Faculty of Medicine

M.B.B.S.	62
M.D.	88
M.S.	40
D.M.	09
M.Ch.	07
B.Sc. Nursing	58
M.Sc. in Health Statistics	12
Diploma	37
Diploma in Yoga	119
Ph.D.	18

3. Faculty of Ayurveda

BAMS 50	
M.D.(Ay.)	18
M.S.(Ay.)	07
B.Pharm (Ay.)	24
M.Pharm (Ay.)	03
Diploma (Ay.)	20
Ph.D.	12

4. Faculty of Dental

B.D.S.	19
M.D.S.	05
Diploma	09

5. Faculty of Environment & Sustainable Development

M.Sc. (Tech.)	27
M.Phil.	08

6. Faculty of Arts

B.A. (Hons.)	1565
M.A.	1335
M.P.Ed.	51
M.Lib. & Information Science	40
Diploma	667
Ph.D.	102

7. Faculty of Social Sciences

B.A. (Hons.)	1473
M.A.	953
Diploma	49
Ph.D.	62
M.Phil.	11
D.Lit.	02

8. Institute of Science

B.Sc.(Hons.)	834
M.Sc. /M.Sc.(Tech.)	843
Diploma	66
Ph.D.	112

9. Institute of Management Studies

MBA	55
MIBA	51
MBA Agri. Business	44
Diploma	04
Ph.D.	14

10. Faculty of Commerce

B.Com. (Hons.)	741
B.Com. (Hons.) FMM	48
M.Com.	210
MFM-RI	25
MFT	28
MFM	50
Diploma	25
Ph.D.	15
D.Lit	01

11. Faculty of Education

B.Ed.	(due to 2 year IV- sem)
M.Ed.	01
M.Ed. (Spl.)	(due to 2 year IV -sem)
M.Ed. (P/T)	29
Ph.D.	34

12. Faculty of SVDV

Shastri (Hons.)	161
Acharya	64
Ph.D.	10

13. Faculty of Visual Arts

B.F.A.	94
M.F.A.	51
Ph.D.	02

14. Faculty of Performing Arts

B.Music	45
M.Music	88
M.Musicology	20
M.Phil	12
Ph.D.	18

15. Faculty of Law

LL.B.(Hons.)	328
LL.M.(General)	48
LL.M. (HRDE)	13
LL.M. (One Year)	18
Diploma	54
Ph.D.	14

4.1. STUDENT STRENGTH

New Enrollment of Male and Female Students

The number of new students in the various Institutes/Faculties/College of the University is given below:

Sl. No.	Name of the Faculties/College	Male	Female	Total
1	Faculty of Agricultural Science	479	224	703
2	Faculty of Environment & Sustainable Development	30	20	50
3	Faculty of Medicine	251	171	422
4	Faculty of Ayurveda	103	97	200
5	Faculty of Dental Science	22	37	59
6	Faculty of Arts	2552	900	3452
7	Faculty of Commerce	503	303	806
8	Faculty of Education	247	241	488
9	Faculty of Law	481	152	633
10	Faculty of Mgt. Studies	166	86	252
11	Faculty of Performing Arts	249	237	486
12	Faculty of Science	1447	716	2163
13	Faculty of Social Sciences	1021	377	1398
14	Faculty of SVDV	307	22	329
15	Faculty of Visual Arts	94	77	171
16	Faculty of Veterinary & Animal Sciences	12	4	16
17	Mahila Mahavidyalaya	0	840	840
	Total	**7964**	**4504**	**12468**

The number of New Enrollment students in the Affiliated Colleges is given below:

Sl. No.	Name of the Affiliated College	Male	Female	Total
1.	Vasant Kanya Mahavidyalaya	0	671	671
2.	Arya Mahila PG College	12	1062	1074
3.	Vasant College for Women	0	924	924
4.	DAV PG College	1901	156	2057
	Total	**1913**	**2813**	**4726**

The number of New Enrollment students in the Schools Maintained by the University is given below:

Sl. No.	Name of the Schools	Total
1.	Central Hindu Boys School	696
2.	Central Hindu Girls School	435
3.	Shri Ranvir Sanskrit Vidyalaya	507
	Total	**1638**

New Enrollment of Foreign Students

Sl. No.	Name of the Country	Male	Female	Total
1	Afghanistan	1	0	1
2	Africa	2	0	2
3	America	1	0	1
4	Bangladesh	3	0	3
5	Belarus	0	1	1
6	Brail	0	1	1
7	California	0	1	1
8	China	0	1	1
9	Cambodia	1	0	1
10	France	2	0	2
11	Guvana	0	1	1
12	Iran	2	1	3
13	Israel	1	0	1
14	Italy	1	1	2
15	Japan	2	3	5
16	Kenya	3	0	3
17	Korea	4	2	6
18	Mauritius	2	1	3
19	Myanmar	1	0	1
20	Namibia	1	1	2
21	Nepal	69	30	99
22	Netherland	0	1	1
23	Nigeria	2	0	2
24	Oman	1	0	1
25	Poland	1	2	3
26	Russian	1	2	3
27	Somalia	1	0	1
28	South Africa	0	1	1
29	Srilanka	2	4	6
30	Sudan	1	0	1
31	Switzerland	0	2	2
32	Taiwan	0	1	1
33	Thailand	18	6	24
34	Tibet	5	2	7
35	Ukrain	1	0	1
36	Vietnam	0	1	1
37	Yamen	3	0	3
38	Zimbabwe	3	0	3
	Total	**135**	**66**	**201**

Category-wise & Faculty-wise Students Strength

Sl. No.	Name of the Faculties	Total Number of Students in General Category			Total Number of Scheduled Caste Students			Total Number of Scheduled Tribe Students			Total Number of OBC Students			Total Number of Foreign Students			Grand Total		
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total
1	Faculty of Agricultural Science	540	304	844	177	53	230	77	32	109	527	172	699	101	15	116	1422	576	**1998**
2	Faculty of Environment & Sustainable Development	16	26	42	9	5	14	3	1	4	11	11	22	0	0	0	39	43	**82**
3	Faculty of Medicine	437	343	780	114	104	218	44	33	77	268	168	436	16	5	21	879	653	**1532**
4	Faculty of Ayurveda	170	188	358	55	38	93	16	18	34	139	105	244	2	0	2	382	349	**731**
5	Faculty of Dental Science	42	69	111	14	24	38	3	6	9	32	46	78	0	0	0	91	145	**236**
6	Faculty of Arts	2227	849	3076	766	248	1014	296	90	386	1878	627	2505	81	34	115	5248	1848	**7096**
7	Faculty of Commerce	580	372	952	204	58	262	87	37	124	420	204	624	44	27	71	1335	698	**2033**
8	Faculty of Education	144	156	300	55	35	90	21	18	39	180	154	334	6	4	10	406	367	**773**
9	Faculty of Law	689	248	937	136	28	164	49	23	72	422	84	506	1	4	5	1297	387	**1684**
10	Faculty of Management Studies	130	85	215	33	18	51	13	6	19	83	34	117	2	0	2	261	143	**404**
11	Faculty of Performing Arts	460	454	914	44	54	98	3	7	10	110	110	220	14	6	20	631	631	**1262**
12	Faculty of Science	1740	1031	2771	449	177	626	169	92	261	1323	493	1816	59	26	85	3740	1819	**5559**
13	Faculty of Social Sciences	1240	427	1667	396	98	494	170	42	212	924	209	1133	32	9	41	2762	785	**3547**
14	Faculty of SVDV	1024	35	1059	11	4	15	6	2	8	49	22	71	3	1	4	1093	64	**1157**
15	Faculty of Visual Arts	51	81	132	94	30	124	22	15	37	195	149	344	5	5	10	367	280	**647**
16	Veterinary & Animal Science	2	0	2	2	0	2	0	1	1	8	3	11	0	0	0	12	4	**16**
17	Mahila Mahavidyalaya	0	1231	1231	0	328	328	0	157	157	0	699	699	0	29	29	0	2444	**2444**
	TOTAL	**9492**	**5899**	**15391**	**2559**	**1302**	**3861**	**979**	**580**	**1559**	**6569**	**3290**	**9859**	**366**	**165**	**531**	**19965**	**11236**	**31201**

Category-wise Colleges admitted to the Privilege of the University Students Strength

Sl. No.	Name of the Colleges admitted to the Privilege of the University	Total No. of Students in General Category			Total No. of Scheduled Caste Students			Total No. of Scheduled Tribe Students			Total No. of OBC Students			Total No. of Foreign Students			Grand Total		
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total
1	Vasant Kanya Mahavidyalaya	0	670	670	0	219	219	0	70	70	0	684	684	0	0	0	0	1643	1643
2	Arya Mahila PG College	0	1351	1351	0	418	418	0	119	119	0	763	763	0	0	0	0	2651	2651
3	Vasanta College for Women	0	1262	1262	0	286	286	0	69	69	0	569	569	0	0	0	0	2186	2186
4	DAV PG College	1749	139	1888	544	18	562	216	12	228	1191	63	1254	0	0	0	3700	232	3932
	TOTAL	**1749**	3422	**5171**	**544**	**941**	**1485**	**216**	**270**	**486**	**1191**	**2079**	**3270**	**0**	**0**	**0**	**3700**	**6712**	**10412**

5. HUMAN RESOURCE PROFILE

Strength of Teaching Staff

The strength of teaching staff in various positions in Institutes/Faculties, including Academic Staff College of the University during the period of report was as follows:

Professors *(Stage-V)*

Faculty/Institute	Male						Female						Total					
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH
IMS	100	2	0	0	2	0	27	0	0	0	0	0	127	2	0	0	2	0
IAS	66	1	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	69	1	0	0	0	0
Arts	77	1	0	0	4	0	20	1	0	0	0	0	97	2	0	0	4	0
Science	106	2	1	2	0	0	6	0	1	0	0	0	112	2	2	2	0	0
Social Sciences	31	4	0	0	0	0	13	0	0	0	0	0	44	4	0	0	0	0
SVDV	17	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	17	0	0	0	0	0
Performing Arts	5	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	9	0	0	0	0	0
Visual Arts	4	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0
Commerce	20	2	0	0	2	0	1	0	0	0	0	0	21	2	0	0	2	0
Law	16	0	0	0	2	0	1	0	0	0	0	0	17	0	0	0	2	0
Management Studies	13	1	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	15	1	0	0	0	0
Education	6	2	0	0	0	0	6	0	0	0	0	0	12	2	0	0	0	0
MMV	2	0	0	0	0	0	27	0	0	0	2	0	29	0	0	0	2	0
IESD	3	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Total	**467**	**15**	**1**	**2**	**10**	**0**	**112**	**1**	**1**	**0**	**2**	**0**	**579**	**16**	**2**	**2**	**12**	**0**

Associate Professor (Stage-IV)

Faculty/Institute	Male						Female						Total					
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH
IMS	30	7	2	2	1	0	6	2	0	0	0	0	36	9	2	2	1	0
IAS	8	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	8	1	0	0	1	0
Arts	12	0	1	0	3	0	3	1	0	0	0	0	15	1	1	0	3	0
Science	17	3	0	0	2	0	6	1	0	0	0	0	23	4	0	0	2	0
Social Sciences	7	1	0	0	1	0	4	0	0	0	0	0	11	1	0	0	1	0
SVDV	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0
Performing Arts	2	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	4	1	0	0	0	0
Visual Arts	4	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	5	0	0	1	0	0
Commerce	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0
Law	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0
Management Studies	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Education	2	2	1	0	0	0	3	0	0	0	0	0	5	2	1	0	0	0
MMV	2	0	0	0	0	0	8	0	0	0	1	0	10	0	0	0	1	0
IESD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource Development Centre	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Total	**90**	**15**	**5**	**4**	**8**	**0**	**34**	**5**	**0**	**0**	**1**	**0**	**124**	**20**	**5**	**4**	**9**	**0**

Associate Professor/Selection Grade Lecturer (Stage III)

Faculty/Institute	Male						Female						Total					
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH
IMS	2	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	4	0	1	0	0	0
IAS	8	2	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	9	2	1	1	0	0
Arts	13	3	0	0	0	0	5	1	0	0	0	0	18	4	0	0	0	0
Science	12	6	1	0	0	0	6	0	0	0	0	0	18	6	1	0	0	0
Social Sciences	1	0	0	0	0	1	3	0	0	1	0	0	4	0	0	1	0	1
SVDV	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0
Performing Arts	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0
Visual Arts	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0
Commerce	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Law	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0
Management Studies	2	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0
Education	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
MMV	0	0	0	0	0	0	13	2	0	0	0	0	13	2	0	0	0	0
IESD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**48**	**13**	**3**	**1**	**0**	**1**	**32**	**3**	**0**	**1**	**0**	**0**	**80**	**16**	**3**	**2**	**0**	**1**

Assistant Professor & Equivalent (Stage-II)

Faculty/Institute	Male						Female						Total					
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH
IMS	17	5	1	2	0	0	4	3	0	0	0	0	21	8	1	2	0	
IAS	4	5	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	5	5	2	0	0	0
Arts	9	1	0	0	1	0	3	0	1	0	0	0	12	1	1	0	1	0
Science	5	6	2	0	1	0	5	0	0	0	0	0	10	6	2	0	1	0
Social Sciences	3	1	1	1	0	0	1	2	0	0	0	0	4	3	1	1	0	0
SVDV	10	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	1	0	0	0	0
Performing Arts	0	0	0	1	0	0	2	0	0	0	0	0	2	0	0	1	0	0
Visual Arts	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0
Commerce	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Law	4	0	1	3	0	0	0	1	0	0	0	0	4	1	1	3	0	0
Management Studies	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0
Education	2	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	2	1	1	0	0	1
MMV	4	1	1	0	0	0	4	5	1	0	0	0	8	6	2	0	0	0
IESD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**64**	**22**	**8**	**7**	**2**	**1**	**21**	**11**	**3**	**0**	**0**	**0**	**85**	**33**	**11**	**7**	**2**	**1**

Assistant Professor (Senior Scale Lecturer & Equivalent) (Stage-I)

Faculty/Institute	Male						Female						Total					
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.	PH
IMS	29	8	3	16	1	0	11	4	3	3	0	0	40	12	6	19	1	0
IAS	10	3	2	3	0	0	2	1	1	0	0	0	12	4	3	3	0	0
Arts	18	8	1	9	2	2	11	3	3	7	0	0	29	11	4	16	2	2
Science	17	8	3	13	0	0	2	2	1	0	0	0	19	10	4	13	0	0
Social Sciences	5	3	1	6	0	1	5	1	1	2	0	0	10	4	2	8	0	1
SVDV	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0
Performing Arts	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0
Visual Arts	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0
Commerce	1	2	0	3	0	0	4	1	0	2	0	0	5	3	0	5	0	0
Law	4	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	1	1	0	0	0
Management Studies	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Education	1	0	0	0	0	0	3	0	0	1	0	0	4	0	0	1	0	0
MMV	6	3	2	3	0	1	1	2	2	4	1	0	7	5	4	7	1	1
IESD	4	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	4	2	0	1	0	0
UGC Human Resource Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**101**	**41**	**13**	**54**	**3**	**4**	**40**	**14**	**11**	**19**	**1**	**0**	**141**	**55**	**24**	**73**	**4**	**4**

STRENGTH OF THE NON-TEACHING STAFF

The strength of non-teaching staff is as follows:

Group 'A' Employee

1. Vice-Chancellor 1
2. Registrar 1
3. Controller of Examinations 1
4. Finance Officer 1
5. Prof-Director 1
6. Joint Registrar 10
7. Dy. Registrar 4
8. Dy. Director 2
9. Internal Audit Officer 1
10. Dy. Librarian 11
11. Dy. Nursing Superintendent 2
12. Executive Engineer 3
13. System Engineer 1
14. Senior Research Officer 1
15. Chief Medical Officer 10
16. Senior Medical Officer 12
17. Documentation Officer (S.G.) 1
18. Asstt. Registrar 25
19. Asstt. Audit/Account Officer 1
20. Asstt. Engineer 5
21. Asstt. Librarian 12
22. Programmer 3
23. System Programmer 2
24. Asstt. PRO 1
25. Scientist (Photo Voltaic) 2
26. Maintenance Engineer 2
27. Radiological Physicist 1
28. Junior Research Officer 1
29. Information Officer 1
30. Veterinary Officer 1
31. Audiologist 1
32. Speech Therapist 1
33. Medical Officer 20
34. Asstt. Director 6
35. Information Scientist 1
36. Maintenance Engineer 2
37. Micro Analyst 1
38. Project Officer 1
39. Networking Engineer 1
40. Research Officer 2
41. Research Associate 6
42. System Engineer 1
43. Hindi Adhikari 1
44. Computer Programmer 2
45. Senior Refractionist 1

TOTAL (Group 'A' Employees) 167

GROUP 'B' AND 'C' EMPLOYEES

Category	General	SC	ST	OBC	PWD	Total
Group 'B'	434	127	62	160	0	783
Group 'C'	2447	477	111	743	10	3788
TOTAL	**2881**	**604**	**173**	**903**	**10**	**4571**

6. FINANCIAL RESOURCES

Banaras Hindu University (BHU) being a Central University gets substantial annual budgetary support as grant in aid from Union Government through regular budget. Presently the Maintenance expenditure as well as Development expenditure are met by grants received from UGC under "Non-Plan" and "Plan" respectively. The University's internal resources are generated by the way of receipts from students fee, income from properties, dairy and agriculture farm, hospital, Licence fee from shops, income from sale of Ayurvedic drugs etc. The annual accounts and Balance Sheet of the University for the year 2016-17 is already finalized and the same has been approved by the Hon'ble Vice-Chancellor.

The Rajeev Gandhi South Campus (RGSC) of the University which is in Mirzapur District, about 80 Km away from the main campus at Varanasi. The prime objective of the establishment of this new campus is to provide opportunity to the people of the Vindhyan Region predominantly inhabited by the tribal people to have access to the employment oriented higher education and provide opportunity for training and entrepreneurship skill for the all round development of the people of this under developed region. For development of this new campus separate grants were being provided during earlier Plan periods by the Commission through which a number of infrastructural and other facilities have already been created on the campus.

According to the nature of funds, the University is maintaining its accounts under the following heads :

(a) General Fund (Revenue Account)

The Non-plan (Revenue) budget of the University are meant to cover :

- Salaries of employees in various categories such as teaching/non-teaching/technical etc.
- Pensions and Pensionery Benefits for retired employees of the University
- All day to day operation and maintenance costs of the University such as electricity, water, fuel, medical, security, consumables (both office and laboratories)
- Annual maintenance contracts of equipments, computers,
- Housekeeping, Security, Building and infrastructure maintenance, (including the expanding number of hostels and allied facilities).
- Any other expenditure, not covered in the plan budget.

To establish world class Universities, there should be world class support and maintenance funds. Availability of support and maintenance fund is a major pre-requisite for developing University to global standards.

The main source of funds of the University are as under :

1. Grants received from the UGC
2. Internal Receipt

The University is being funded by the Government of India through the University Grants Commission. This grant is also known as the Block Grant. General Development Assistance (GDA), the University's Maintenance Budget represents annual expenditure covering the following areas :

The details of expenditures under major heads of the Revenue A/c for the year 2016-17 is placed as under:-

Establishment	Rs. 74421.02 lacs
Non Establishment	Rs. 9369.00 lacs

Total Expenditure

(Establishment+Non-Establishment)

Rs. 83790.02 lacs

The Financial position of the University (2016-17) under Maintenance grant after taking into account the income of the University is as under :

1.	Receipt during 2016-17 from U.G.C.	Rs. 78276.77lacs
2.	Internal Receipt	Rs. 4922.95 lacs
	Grant Total	**Rs. 83199.72lacs**

Capital Item

Library-Books and Journals, other capitals (Building and Equipments), teaching aids materials

etc. are included and depending upon support, expenditure, is being monitored.

(b) Special Fund:

1. Donation for specific purposes including endowments for chairs, scholarships, prizes and medals including interest.
2. Deposit funds like GIS, Teachers Welfare Fund, Caution Money, Security Deposit, Union Fund Fee etc.
3. Special Fee like game fee, common room, educational tour fee, etc.
4. Departmental special fund comprising of income generated by Computer Centre, Bharat Kala Bhawan, Revolving funds of S.S. Hospital, Consultancy Fee etc.
5. The collection under these accounts are to be utilized only for specific purposes and its expenditure is to be regulated within the income.

The total Receipt and Expenditure during 2016-17 is as under :

Receipts	-	Rs.	23031.75 lacs
Expenditure	-	Rs.	14030.81 lacs

(c) Project fund:

Financial support from UGC and other agencies such as Department of Bio-chemistry. Department of Science & Technology, ICAR, CSIR etc. for specific purposes viz.,

1. Research Project
2. Travel Grant
3. Seminar & Conferences
4. Scholarships.

These grants are provided to enable the teachers to carry out research in specific areas. The position of receipt and expenditure during 2016-17 is given below :

Receipt	- Rs.6875.14 lacs
Expenditure	- Rs.6318.55 lacs

(d) General Development Fund:

1. U.G.C. grants to the department for development under plan periods in respects of building, equipments, furniture etc.
2. U.G.C. assistance for strengthening of infrastructure for selected departments.
3. U.G.C. grant for introduction of certain specified courses.
4. Grants to cater needs of SC, ST Women differently abled persons.

The University submits proposal to the funding agencies, which examine these proposals either directly or through expert committees.

During 2016-17 the position of receipt and expenditure is a under :

Non-Recurring

Receipt	-	Rs.	7726.28 lacs
Expenditure	-	Rs.	13711.59 lacs

Recurring

Receipt	-	Rs.	3558.57 lacs
Expenditure	-	Rs.	3713.28 lacs

Major Achievements

During the year 2016-17,the University has invested substantial amount on procurement of furniture, computers, sophisticated and costly scientific equipments, heavy machinery and electrical equipments, etc. as well as construction/repair of buildings to make the procurement as well as procurement process more efficient and transparent, the University has adopted e-procurement system.

In order to cut down the expenditure, the University is going to establish Solar Power Plant in its buildings. During the financial year 2016-17, solar power panels have been installed in roof of its building. In future, this will not only reduce the cost on electricity but also University will able to generate clean energy for its use.

The University has shifted to accrual accounting system as per guidelines issued by the MHRD and UGC from the year 2016-17. The system has ensured more scientific and accountable booking of income and expenditure.

Several steps and innovative measures such as flexi/fixed deposit in current accounts, physical verification of assets etc. have been adopted to upgrade the process and function of University finance.

7. AWARDS, FELLOWSHIPS, DISTINCTIONS (INTERNATIONAL/NATIONAL) & PATENTS BY FACULTY

Awards

Award & Awarding Body	Recipient &Department
J.C. Bose Gold Fellowship Award; Indian Society of Plant Physiology, New Delhi	Prof. Kavita Shah Institute of Environment & Sustainable Development
Young Scientist Award; Uttar Pradesh Council of Science & Technology, UP, India	Dr. Sudhakar Srivastava Institute of Environment & Sustainable Development
• Early Career Research Award (ECRA) -2016; Science and Engineering Research Board (SERB), Govt. of India • Summer Internship Programme (SIP) award for Teachers; Physical Research Laboratary (PRL), A unit of Dept. of Space (Govt. of India), Ahmedabad	Dr. Kirpa Ram Institute of Environment & Sustainable Development
• UGC Research Award; UGC, New Delhi • M. Shah Memorial Research Award Gold Medal; Indian Commerce Association	Prof. S.C. Das Faculty of Commerce
24th Dewang Mehta National Education Award The Institute has been honorured with Business School with Best Academic Input (Syllabus) in International Business (25th November, 2016 at Mumbai) Devang Mehta Educational Awards, Mumbai	Institute of Management Studies
Vagyog Samman (Vagyog chetanapithak, Vns); Vagayog Chetanapitham, Varanasi	Dr. Upendra Kumar Tripathi Department of Veda
Maharshi Vedvyas Samman; Akhil Bhartiya Vidwat Parisad	Prof. B.S. Shukla Department of Vyakaran
Vishist Puraskar, Shrividya Math, Kedarghat	Prof. N.R. Shriniwasan Department of Dharmshastra Mimansa
Vividha Puraskar; Uttar Pradesh Sanskrit Samsthan	Dr. M. Janardan Ratate Deptt. of Dharmshastra Mimansa
Vyas Puraskar; Uttar Pradesh Sanskrit Samsthan	Dr. Shankar Kr. Mishra Department of Dharmshastra Mimansa
• T.K. Basu Felicitation Award by International College of Nutrition; International College of Nutrition • Dr. P.V. Sukhatme Memorial Award by International College of Nutrition; International College of Nutrition	Prof. Anil Kumar Chauhan Centre of Food Science and Technology
International College of Nutrition Annual Award; International College of Nutrition	Dr. Abhishek Dutt Tripathi Centre of Food Science and Technology
Awarded Visiting Associate of IUCAA, Pune for three years since Aug. 1, 2013; IUCAA, India	Dr. R. Chaubey DST-CIMS
Two Fellowships for Research of MCPR from Linnaeus-Palme Exchange Programme, Sweden for advance course in Peace and conflict at Karlstad University; Linnaeus-Palme Exchange Programme, Sweden	Mr. Rohan Kumar & Ms. Drishty Mukherjee Malaviya Centre for Peace Research

Award & Awarding Body	Recipient &Department
One International Fellowship for Research of MCPR from Peace Research Institute, Oslo (Norway)	Dr. Prashant Kumar Malaviya Centre for Peace Research
• Novartis Oration Award; ICMR, New Delhi • Early Career Research Award; SERB, New Delhi	Dr. S.C. Gupta Department of Biochemistry
Professor Shri Ranjan Memorial Lecture Award; National Academy of Sciences	Prof. M. Agrawal Department of Botany
Dr. V. Agnihothrudu Memorial Lecture Award; Mycological Society of India	Prof. R.N. Kharwar, Department of Botany
• Early Career Research Award; DST-SERB • BSR research award; UGC	Dr. Shailendra Pratap Singh, Department of Botany
Hiralal Chakravaty Award; Indian Science Congress Association (ISCA)	Dr. Supriya Tiwari Department of Botany
Early Career Research Award; DST-SERB	Dr. Bhanu Prakash Department of Botany
CRSI Bronze Medal – 2017; Chemical Research Society of India	Prof. M. S. Singh Department of Chemistry
Dr. S.S Deshpande National Award for highest impact factor publication during last three years. (Rs. 21,000/- award money with Medal and Citation); Holkar Govt PG Science College, Indore	Dr. Vinod K Tiwari Department of Chemistry
Prof. N. R. Moudgal Young Scientist Awards; Indian Society for the Study of Reproduction & Fertility	Dr. Kiran Singh Department of Molecular and Human Genetics
Award of Visiting Research Faculty (VRF) in NER by DBT; Department of Biotechnology, Government of India	Dr. Mousumi Mutsuddi Department of Molecular and Human Genetics
Prof. L. S. Ramaswami Memorial Oration Award 2016; Prof. L. S. Ramaswami Memorial Oration, ISSRF	Prof. C. Haldar Department of Zoology
• Awarded Visiting Associate of IUCAA, Pune for three years since Aug. 1, 2013; IUCAA, India	Dr. R. Chaube Department of Zoology
Awarded a book Prize on the Hindi Translation of his earlier book	Prof. K. Mishra Department of History
• Eminent Teacher Award; Dheerendra Mahila P.G. College Varanasi • Kashi Shakti Award; Lions Club International & Sankalp	Prof. Sangeeta Pandit Department of Vocal Music
Rani Lakshmibai Samman – 2016; Inner Wheel Club Udaya, Subah-E-Banaras (Kashi), Varanasi	Prof. Revati Sakalkar Department of Vocal Music
Bharat Gaurav Ratan Award 2016; International Business Council, New Delhi	Dr. Deepanwita Singha Roy Department of Dance
Awarded a book Prize on the Hindi Translation of his earlier book	Prof. K. Mishra
Seva Ratna Award, Best Woman Award, Abdul Kalam Award and honoured at Assi Ghat, Varanasi on doctors day	Prof. Geetha Subramanian Department of Cardiology
Visitor's Award for Research 2016 Dr. Jeevan Mehta Award, 2016 by the Association of Physicians of India	Prof. Shyam Sunder Department of General Medicine
Basu Mallick Oration Award " In 2016 under VOGS	Prof. Manjari Matah Department of Obst. & Gynaec.

Award & Awarding Body	Recipient &Department
Prof. Priyamvada Tiwari Oration Award, 2016 & FAMS by NAMS	Prof. Anuradha Khanna Department of Obst. & Gynaec.
Dr. Meera Agnihotri Gold Medal	Prof. Madhu Jain Department of Obst. & Gynaec.
FICOG	Dr. Lavina Chaubey Department of Obst. & Gynaec.
Dr. V.N. Raizada Memorial Award	Dr. R.P. Maurya Department of Ophthalmology
Dr.Awadh Dubey Gold Medal award	Dr. Deepak Mishra Department of Ophthalmology
Bhaskar Mall Gold Medal	Prof. G.N. Khare Department of Orthopaedics
IOA Best Research Paper Award	Prof. Amit Rastogi Department of Orthopaedics
SICOT Spine International spine fellowship award 2016	Dr. Sanjay Yadav Department of Orthopaedics
Best Poster Award in APPICON- 2016	Dr. Ratna Pandey Department of Physiology
Best Teacher Award in Preclinical Subjects by NMO	Dr. Kumar Sarvottam Department of Physiology
Dr. H. Mori Felicitation Award	Prof. Usha Department of Pathology
Life time achievement award in the field of Radiation Oncology	Prof. A.K. Asthana Department of RT & RM
Life time Achievement Award -2016	Prof. K.N. Dwivedi Department of Dravyaguna
Patanjali Yoga Gaurav Award - 2016 Distinguished Scientist Award -2016 Charaka Award -2016 Kayachikitsa Visharad award -2016 Mahima Lifetime Acheivement Award -2016	Prof. J S Tripathi Department of Kayachikitsa
International Excellency Award Charaka award Chikitsa Visharad award	Dr. Rajendra Prasad Department of Kayachikitsa
Mahamana Saraswat Award -2016	Dr. J.P. Singh Department of Kayachikitsa
Patanjali Yoga Gaurav Award 2016 Kayachikitsa Visharad award 2016 Vagbhat Award 2016	Dr. A.K. Pandey Department of Kayachikitsa
Prasuti Visharad Award -2016	Dr. Sunita Suman Department of Prasuti Tantra
Best Paper Award in the 'National seminar on Ayurvedic education- Reform	Dr. R.K. Jaiswal Department of Sangyaharan
Shalakya Visharad award -2016	Dr. B. Mukhopadhyay Department of Shalakya Tantra
Yoga Gaurav Award -Indian Academy of Yoga Best teacher Award -Vigyan Bharti	Dr. Rani Singh Department of Siddhant Darshan
Yoga Gaurav Award -2016 Vagbhat Award - 2016 Best Paper Award	Dr. Neeru Nathani Department of Swasthavrit & Yoga

Award & Awarding Body	Recipient &Department
Yoga Gaurav Award -2016 Charaka Award-2016 Roganidan Visharad Award -2016 Mahima Young Scientist Award -2016	Dr. P.S. Byadgi Department of Vikriti vigyan
Madhav Visharad Award -2016	Dr. P. Tewari Department of Vikriti vigyan
Roganidan Visharad-2016	Dr. Anurag Pandey Department of Vikriti vigyan
Life time Achievement Award -2016	Prof. K.N. Dwivedi Department of Dravyaguna
Matri Shakti Samman; Shreemad Jagad Guru Vishwaradhya Gyan Simhasan Mahapeetham	Dr. Shanta Chatterjee Vasant Kanya Mahavidyalaya
Best paper Award ; Best paper Award; 5th International Conference on Recent Advances in Cognition and Health, Deptt. of Psychology, BHU	Dr. Anju Lata Singh Vasant Kanya Mahavidyalaya
Best Teacher Award, Academic	Dr. Mukesh Kumar Singh DAV PG College
• Outstanding Reviewer Award (November, 2016); Elsevier Netherlands in cooperation with International Society for the Study of Individual Differences • Reviewer Recognition Award (May, 2016); Elsevier Netherlands in cooperation with International Society for the Study of Individual Differences	Dr. Akhilendra Kumar Singh DAV PG College

Elected Fellow

Fellowship Elected Fellow	Recipient & Department
Global Fellow; Peace Research Institute of Oslo (PRIO)	Prof. Priyankar Upadhyay Malaviya Centre for Peace Research

Fellowship/Associateship /Sponsorship

Name of the Fellowship	Recipient & Department
Fellowship; Department of Science and technology (DST), Govt. Of India, the Indo–US Science and Technology Forum (IUSSTF), University of Nebraska – Lincoln (UNL) and the Daugherty Water for Food Institute (DWFI)	Dr. Rajeev Pratap Singh Institute of Environment & Sustainable Development
Teaching Associateship; UGC -IUC Indian Institute of Advanced Study, Shimla	Dr. Vinita Chandra Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy
Visiting Fellow; INSA	Dr. S. K. Dubey Department of Botany
Asutosh Mookerjee Fellowship of ISCA 2016-17; Indian Science Congress, ISCA, Kolkata	Dr. C.M. Chaturvedi Institute of Sciences
CSSEIP,Teaching Associateship; IIAS,Simla	Dr. Vinita Chandra Social Exclusion and Inclusive Policy
Fullbright Fellowship; International	Prof. Ghanshayam Department of History

Name of the Fellowship	Recipient & Department
• Rex Karmbeer Global Fellowship; ICONGO, UN • Rex Karambeer Global Fellowship; ICONGO, UN	Dr. Amarnath Paswan Social Exclusion and Inclusive Policy
Fulbright-Nehru Academic and Professional Excellence Fellowship 2016-17; United States-India Educational Foundation (USEFI), New Delhi	Prof. Sanjay Srivastava Department of Political Science
CSSEIP Teaching Associateship; IIAS, Simla	Dr. Vinita Chandra Centre for Social Exclusion and Inclusive Policy
Rex Karambeer Global Fellowship; ICONGO, UN	Dr. Amarnath Paswan Centre for Social Exclusion and Inclusive Policy
Dr Zuventus Fellowship- Worked at St. Francis Hospital & Medical Center, Hartford, Connecticut, USA	Prof. A.K. Khanna Department of General Surgery
Fellowship of Indian College of Radiation Oncology	Prof. S. Pradhan Department of RT & RM

Honours/Distinctions

Nature of the Honour/Distinction	**Recipient & Department**
Elected Secretary, Association of Gerontology (India) for 2015-16; Association of Gerontology (India)	Prof. S. Prasad Department of Zoology
Atul Memorial Honour; Nepal, Kathmandu	Dr. Swsarna Khuntia Department of Instrumental Music

Chairman/Vice-Chairman

Chair, Agroeosystem Specialist Group; IUCN-Commission on Ecosystem Management	Dr. P.C. Abhilash Institute of Environment & Sustainable Development
ICCR Chair at Ireland Indian institute, Dublin (2016-17); Indian Council of Cultural Relations, New Delhi	Prof. Anjoo Sharan Upadhyay Department of Political Science
ICCR Pro fessor of Sanskrit and Indian Philosophy at the Mahatma Gandhi Institute Moka, Mauritius, from 07.10.2017 (F.N.) to 07.03.2017; Indian Council for Cultural Relation, New Delhi	Dr. Devendra Nath Tieari Department of Philosophy Religion

Member of National/International Committees

• Core Member – Committee for Fast Track Young Scientist scheme – Life Science; SERB, Government of India • Member – General Body; Council of Science & Technology, Departm ent of Science and Technology, Government of U.P.	Dr. A.S. Raghubanshi Institute of Environment & Sustainable Development
National Academy of Agricultural Sciences	Dr. Sudhakar Srivastava Institute of Environment & Sustainable Development
Council member for three years since March. 1, 2015; Indian Mathematical Society	Dr. B. Tiwari DST-CIMS

Selected Member of Executive Committee of IEEE Signal Processing/Computer Joint Chapter, U.P. Section; IEEE	Dr. M.K. Singh DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Science
Member of the UNESCO Steering Committee; UNESCO, Paris	Prof. Priyankar Upadhyay Malaviya Centre for Peace Research
Expert Member, CAS Advisory Committee; UGC, New Delhi	Prof. M. Agrawal Department of Botany
Life Member; Asian PGPR Society of Sustainable Agriculture Auburn, Alabama, USA	Prof. Surendra Singh Department of Botany
• Expert member, SAIF; DST • Expert member, Advisory committee; UGC	Prof. L.C. Rai Department of Botany
Member, Governing Body; Wadia Institute of Himalayan Geology, Dehradun	Prof. Rajesh Kumar Srivastava Department of Geology
• Member, Executive Council; the Paleontological Society of India • Member, Editorial Board, *Journal of the Paleontological Society of India*; Paleontological Society of India	Prof. A.D. Singh Institute of Science
• Editorial Board member; *Current Science* • Editorial Board member; *The Journal of Indian Geophysical Union* • Editorial Board member; *Himalayan Geology* • Editorial Board member; *Indian Journal of Geology* • Editorial Board Member; *Journal of the Geological Society of India Springer* • Editorial Board Member; *Geological Journal, Wiley*	Prof. N.V. Chalapathi Rao Department of Geology
Member Editorial Board; *Journal of Progressive Science, Jasper Progressive Science Society*	Prof. V. Srivastava Department of Geology
• Member, Editorial Board; *Discovery: An International multidisciplinary Journal* • Member, Executive Council; the Paleontological Society of India	Prof. A.D. Singh Department of Geology
• Editorial Board Member; *International Journal of Remote Sensing Applications*, Science and Engineering Publishing Company • Editorial Board Member; *Antarrastriya Vigyan Evam Praudyogiki Shodh Patrika Vigyan Bharti, Madhya Pradesh.*	Prof. V. Srivastava Department of Geology
Council member for three years since March. 1, 2015; Indian Mathematical Society	Dr. B. Tiwari DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
Selected Member of Executive Committee of IEEE Signal Processing / Computer Joint Chapter, U.P Section; IEEE	Dr. M.K. Singh DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
Best Poster selected during International CARBO-XXXI conference, at University of Delhi, 14-16 November, 2016; ACCT(I)	Dr. Nidhi Mishra ACCT
DST-NPDF for Young Scientist	Dr. Dhananjay Kumar DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
DST-NPDF for Young Scientist	Dr. Divya Kushwaha DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences

DST-NPDF for Young Scientist	Dr. Kunj B. Mishra DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
Member of the UNESCO Steering Committee; UNESCO, Paris	Prof. Priyankar Upadhyaya Malaviya Centre for Peace Research
Nominated as **Member, Scientific Advisory Group,** Division of Basic Medical Sciences, Indian Council of Medical Research in 2016 Awarded **Basanti Devi Amir Chand Prize (ICMR) in 2016** by Mr. J.P. Nadda, the Union Minister of Health and Family Welfare, Govt. of India **Awarded Sun Pharma Research Award 2016** for excellence in original research work in the medical sciences in 2017	Prof. Debabrata Dash Department of Biochemistry
Founder Member, International Wound Practice and Research Alliance, Australia.	Prof. V.K. Shukla Department of General Surgery
• Member of the inspection Team of the BAR COUNCIL OF INDIA , for academic evaluation, 2-3 November, 2016; The Bar Council of India • Executive Member of ISLE at IIT Guwahati; Indian Society of Labour Economics	Dr. Anup Kumar Mishra DAV PG College

Editor/Reviewer of Journals

Guest Editor; Ecological Indicators, Elsevier	Dr. P.C. Abhilash Institute of Environment & Sustainable Development
Subject Editor, Proceeding of the National Academy of Sciences, India Section :B Biological Sciences (ISSN : 0369 8211), 2016; NASI, Allahabad	Prof. N.K. Dubey Department of Botany
Editor: Frontiers in Microbiology	Prof. R.N. Kharwar Institute of Science
Associate Editor; Journal of Earth System Sciences	Prof. Rajesh Kumar Srivastava Department of Geology
Editor-in-Chief; Journal of Earth System Sciences	Prof. N.V.Chalapathi Rao Department of Geology
Senior Editor; Internati onal Journal of Advanced Remote Sensing and GIS, Cloud Publications	Prof. V. Srivastava Institute of Science

Other Distinctions

Travel support to attend EGU- General Assembly meeting-Conference at Vienna, Austria; International Center for Mountain Development (ICIMOD), Nepal	Dr. Kirpa Ram Institute of Environment & Sustainable Development
• Visiting Professorship; Beijing Normal University, Beijing, China • Visiting Professorship; University of Sharjah, Sharjah, UAE	Dr. P.C. Abhilash Institute of Environment & Sustainable Development

Appointed as Vice Chancellor of LNM University Darbhanga (w.e.f. 23/3/201 to 22/3/2020)	Prof. S.K. Singh Institute of Management Studies
Attended 27th Appreciation Course in Parliamentary processes & Procedures for Professors / Associate Professors/Asst. Professors of the Universities / Colleges (2-6 may 2017); Bureau of Parliamentary Studies and Training	Prof. Usha Kiran Rai Institute of Management Studies
Institutional Sponsorship for attending 5th AIMAMA SHETH Foundation Doctoral Consortium on Marketing in a Connected World (January 6- 8, 2017 at Mumbai)Academy of Indian Marketing Professionals, Mumbai & American Marketing Association, Sheth Foundation, USA	Dr. Rajkiran Prabhakar Ms. Shilpi Raj & Mr. Surendra Kumar Institute of Management Studies
• Presented paper in the International Conference: Heading Global Conference', organized by The Public Authority for Applied Education and Training (PAAET) held at Regency, Kuwait city, Kuwait, between 14-16 November, 2016. • Attended Spring-session Short-term Courses of 'Strategy' in Harvard Business School, Harvard University • Attended short-term course in 'Psychology' at the University of Cambridge.	Ms. Aparna Singh & Prof. H.P. Mathur Institute of Management Studies
Research Scholar attended and presented paper; World Conference on Smart Trends in Systems, Security and Sustainability (WS4 2017) 15-16 February, 2017, London, United Kingdom	Ms. Pallavi Thacker & Prof. H.P. Mathur Institute of Management Studies
Team of students of the Institute presented in the National Final of Hult Prize India 2017 held on 15 January 2017 at Gurgaon. One among 25 Start-up Teams shortlisted by an Independent Judge Panel. National Final of Hult Prize India 2017	Mr. Ekansh Mangal, Mr. Utkarsh Kasera & Mr. Gaurag Agarwal Institute of Management Studies
IM-BHU ranked one among 26 top B-Schools in the country on the basis of Campus Placements. *The Economic Times* (9 September 2016, New Delhi)	Institute of Management Studies
• Recognised reviewer; *Food and Chemical Toxicology*, Elsevier Publishers • Recognised reviewer; *Chemico-Biological Interactions*, Elsevier Publishers	Dr. S.C. Gupta Department of Biochemistry
Patents 2586/DEL/2006 and 233/DEL/2011 provisionally granted	Prof. N.K. Dubey Department of Botany

President, Soc. Reprod. Biol. Comp. Endocrinol, Taramani, Chennai; Soc. Reprod. Biol. Comp. Endocrinol, Taramani, Chennai	Prof. C. Haldar Department of Zoology
Elected Secretary, Association of Gerontology (India) for 2015-16; Association of Gerontology, India	Prof. S. Prasad Department of Zoology
INSA Senior Scientist; INSA, New Delhi	Dr. S.C. Lakhotia Department of Zoology
Elected as President, Indian Society of Cell Biology; Indian Society of Cell Biology	Dr. B.N. Singh Department of Zoology
INSA Jawaharalal Nehru Birth Centenary Visiting Scientist (2016); INSA, New Delhi	Dr. R. Raman Department of Zoology
Prof C.N.R. Rao Award for Excellence in Science; BHU	Prof. Rajesh K. Srivastava Department of Geology
Prof C.N.R. Rao Award for Excellence in Science; BHU	Prof. N.V. Chalapathi Rao Department of Botany
Emeritus Professor; BHU	Prof. Aruna Sinha Department of History
Prof C.N.R. Rao Award for Excellence in Science; BHU	Prof. Rajesh K. Srivastava Department of Geology
Distinguished Professorship; BHU	Prof. L.C. Rai Department of Botany
Classical Performance - 14th December 2016; Manik Nagar festival, Bidar Karnataka	Dr. K.A. Chanchal Department of Vocal Music
• Classical Performance - 05-09-2016, Varanasi; Siddhivinayak Temple, Varanasi • Classical Performance-25-26-12-2016, N. Delhi; Vigyan Bhavan, N. Delhi • Classical Performance- 05-01-2017; Indira andhi National Center for Arts	Dr. Madhumita Bhattacharya Upadhyay Department of Vocal Music
Violin Chakravorty, Uttar Pradesh, S.N.A; Srilanka, Lucknow (U.P.)	Prof. V. Balaji Department of Instrumental Music
Tabla Rishi; Sangeet Samrata, Balia	Dr. Praveen Uddhav Department of Instrumental Music
Bharat Gaurav Ratna; I.B.C., New Delhi	Dr. B. Satyavara Prasad Department of Instrumental Music
History Emeritus Professor; BHU	Prof. Aruna Sinha Department of History
Prof Gode Oration of Indian Society of Neuroanaesthesia and critical care for the year 2018	Prof. L.D. Mishra Department of Anaesthesiology
BLS/ACLS Instructor	Dr. Yashpal Singh Department of Anaesthesiology
BLS/ACLS Instructor	Dr. Gaurav Jain Department of Anaesthesiology
FCSI	Dr. Dharmendra Jain Department of Cardiology

FESC, FICC	Dr. Vikas Agrawal Department of Cardiology
K N Saxena Oration award by IADV (UP & UK) Order of Academic Excellence in Publication award 2015 by BHU	Prof. Satyendra Kr Singh Department of Dermatology & Venerology
Received Best e-Poster Prize during ASICON-2016	Prof. Rahul Khanna Department of General Surgery
FACS, IAGES Faculty in AMASI in Bangladesh	Prof. M.A. Ansari Department of General Surgery
Received 3rd Prize in BEST PAPER Session during ASICON-2016	Dr. (Mrs.) Seema Khanna Department of General Surgery
Second Prize for poster presentation in SGPGI BREAST COURSE 2016 at Lucknow.	Dr. Ram Niwas Meena - General Surgery
FAMS by NAMS	Prof. Gopal Nath Department of Microbiology
INSA-DFG Exchange of Scientists Program	Prof. O P Mishra Department of Pediatrics
INSA Exchange of Scientists Program	Prof. Ashok Kumar Department of Pediatrics
MNAMS	Dr. Ishan Kumar Department of Radiodiagnosis & Imaging
FICAAA, FNCCP	Prof. J.K. Mishra Department of TB & Resp. Diseases
FAPSR, FACCP	Prof. S.K. Agrawal Department of TB & Resp. Diseases
FACCP	Dr. G.N. Srivastava Department of TB & Resp. Diseases
FAPSR	Dr. Deepak Kr. Shah Department of TB & Resp. Diseases
Prof. T.N. Chawla Oration award by Indian Dental Association Distinguished Alumnus award at KGMU, Lucknow	Prof. T.P. Chaturvedi Faculty of Denatal Sciences
Distinguished Alumnus award at KGMU, Lucknow	Prof. Naresh Kumar Faculty of Dental Sciences
Fellowship of International College of Dentist 2016	Dr. H.C.Baranwal Faculty of Dental Sciences
Fellowship of International College of Dentist 2016	Dr. Adit Faculty of Dental Sciences
Best Scientific Poster at 51st IOC at Goa	Dr.Ajit Vikram Parihar Faculty of Dental Sciences
• Invited for DIC Exhibition; Rastrapati Bhawan, New Delhi, 8th March, 2016 • Committee Member; Rastriya Sanskriti Mahotsav Varanasi 2016 at BHU by Ministry of Culture, New Delhi	Dr. Manish Arora Department of Applied Arts

• Special Invitee for delivering Lecture at University of Manchester , UK , 5th September 2016; DFID- ESRC , UK • Special Paper Presentation at University of Leads, UK, 6 - 8 September , 2016; DFID- ESRC	Dr. Anup Kumar Mishra, DAV PG College
“Sahitya Shree”, June 2016 ,Paris (France); Inalco (Paris, France) and Antrarashtriya Sahitya Kala Manch (India)	Dr. Madhu Sisodia, DAV PG College
Siksha Pragyata; Saashtrath Mahavidaylay	Dr. Suchita Tripathi, AMPG Collage

PATENTS

Sl. No.	Name of the Applicant	Patent Title	Year of Application	Present Status
1.	Dr. S. K. Choudhari, Dr. S. N. Ojha and Dr. V. Ramaswamy	“Development of Welding electrodes for Spirally welded line pipe steels”	Filed by RDCIS, SAIL	Granted in 1992
2.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a herbal composition used for the treatment of rheumatoid arthritis	1998	Granted Patent No.190439 (A1)
3.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agraw al	A process for the preparation of a herbal composition useful for the treatment of seizure disorders	1998	Granted Patent No.189734 (A1)
4.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a herbal composition useful for the treatment of non-ulcer dyspepsia	1998	Granted Patent No.189966 (A1)
5.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a new formulation advocated for the management of allergic rhinitis	1998	Granted Patent No.189725 (A1)
6.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“An improved on selective electrode useful for sensing potassium ion fluids	1999	Granted Patent No.215512
7.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“A process for the preparation of a solid-stated bio- sensor for urea	1999	Granted Patent No.215383
8.	Prof. Anil Kumar Rai, Deptt. of Orthopeadics, IMS, BHU	“Bicentric Hip Replacement Devise’ commonly known as BHU Hip Devise	1999	Granted Patent No.2168000
9.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“A devise useful for sensing copper (I) ion in fluids”	1999	Granted Patent No.221601
10.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“A process for the preparation of a solid-state-metal based PH electrode”	1999	Granted Patent No.218340
11.	Prof. Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for producing a herbal composition for use in irritable bowel syndrome	1999	Granted Patent No.190973 (A1)

12.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A process for the preparation of a herbal composition for improving mental capabilities	1999	Granted India Patent No.191484 (A1)
13.	Prof. Govind Prasad Dubey, Prem Vati Tiwari, Aruna Agrawal	Process for the preparation of herbal of pharmaceutical composition for the management menopausal syndrome	2000	Granted Patent No.190850 (A1)
14.	Dr. N.C. Karmakar and Others, Deptt. of Metallurgical Engg. IT, BHU	"Application o f Grafted Amylopectin for Waste Water Treatment"	2001	Granted Patent No. 200125
15.	Shri Rajeshwar Prasad, Dr. Keshar Prasad Yadav, Shri Anil Kumar Ray, Shri Gauri Shankar Prasad Singh*, Shri Gautam Banerjee	"Device for Sealing inside an Upward Drilled Borehole for High Pressure Water Injection in Underground Mines"	2001	Granted Patent No. 220660
16.	Dr. Bipin Kumar Gupta, Deptt. of Physics, Faculty of Science, BHU	"A process for the preparation of graphic nanofibers and apparatus there for"	2001	Granted Patent No. 2228267
17.	Shri Anil Kumar Ray, Shri Rajeshwar Prasad, Shri Gauri Shankar Prasad Singh, Dr. Keshar Prasad Yadava, Shri Gautam Banerjee	"An Improved Caving Longwall Method for Winning of Coal from Thick Seam in Single Lift Under Massive and Hard Roof Conditions in Underground Mines"	2002	Granted Patent No. 219305
18.	Dr. Prem Chandra Pandey, Dr. Govind Singh & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"A devise of quantitative estimation of creatinine"	2002	Granted Patent No.223621
19.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition for the prevention and management of loss of cognitive decline among the aged population and a process for preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 232507
20.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal preparation and a process for the prevention and treatment of hypercholesterolemia and hypertriglycerdiemia"	2002	Granted Patent No. 226242
21.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal preparation and a process for the prevention of liver cirrhosis of varying etiology"	2002	Granted Patent No. 220806
22.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal formulation for prevention and management of coryza and a process thereof"	2002	Granted Patent No. 220786
23.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition for the prevention and management of potential diabetes and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220749
24.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition having anti-stress and adaptogenic properties and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220688
25.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal formulation for the management of osteo-arthritis and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220683

26.	Prof. Govind Prasad Dubey	Herbal preparation for Management of Cardiovascular and neurologic Disorders	2002	Granted US: 7,273,626 B2, European Union: 1569666 Britain: 08857138001 France: 02808247.7 Italy: 85062 BE/2006, Australia: WO 2004/054592 A1
27.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	"A process of preparation of antieczema agent from dry mature seeds of Myristica fragrabs (nutmeg)"	2003	Granted Patent No.235990
28.	Dr. Prem Chandra Pandey, Deptt. of Chemistry, Faculty of Science	"Electrochemical sensor for determining dopamine levels"	2003	Granted Patent No.196763
29.	Prof. Onkar Nath Srivastava, Dr. Binod Kumar Singh, Dr. Sunmil Kumar Pandey, Deptt. of Physics, Faculty of Science, BHU	"A novel a b5 type hydrogen storage moteerial and process of preparation thereof"	2004	Granted Patent No.243938
30.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	"A process of prepar ation of anticandidiasis agent from dry mature seeds of Myristica fragrans"	2004	Granted Patent No.227364
31.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	"A process of f ormulation of neem (Azadirachta indica) not based natural fungicidal product"	2004	Granted Patent No.226213
32.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.,	"Preparation of a drug from dry mature seeds of Myristica fragrans for the treatment and control of psoriasis in human beings by external application"	2004	Granted Patent No.217831
33.	Dr. Bhim Bali Prasad, Dr. Dhana Lakshmi, Dr. Piyushi Sindhu Sharma, Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"A novel molecularly imprinted polymer (MP) Immobilised silica gel sorbent preparation and a process for determination of barbituric acid using the same mip-baed sorbent"	2005	Granted Patent No.215355

34.	Prof. Ramesh Chand, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Institute of Agricultural Sciences	"A process for producing reusable for the prevention of atherosclerosis and hype rlipidemia"	2005	Granted Patent No. 236382
35.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Herbal Formulation for the Prevention and Management of Diabetes Mellitus and Diabetic Micro-Vascular Complications	2005	Application No. India 1397/DEL/2005 US 2009/0214678A1 European Union WO2006129325 (A1) EP1901697 (A1)
36.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A herbal preparation effective in the prevention and management of rheumatoid arthritis and associated complaints	2007	Application No. 193/CHE/2007
37.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A herbal preparation effective in the prevention and management of leucoderma	2007	Application No. 194/CHE/2007
38.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Role of salacia oblonga in the prevention and management of endothellad dysfunction in type II diabetes mellitus	2007	Application No. 314/CHE/2007
39.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Organic extracts of hippophae rhamnoides for the prevention and management of hyperhomocysteinemia, dyslipidemia associated with CHD	2007	Application No. 315/CHE/2007
40.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	"A novel herbal formulation advocated and to a process thereof for the prevention and management of neuropsychological changes associated with menopausal women"	2007	Application No. 851/DEL/2007
41.	Prof. Yamini Bhushan Tripathi, Deptt. of Medicinal Chemistry, IMS, BHU	A Novel poly-herbal preparation for the prevention of atheroscelerosis and hyper lipidemia.	2007	NOC issued Indian Patent filed No.238258 Dt.:27.1.2010 U.S.Patent No. 7,416,743 (10/542,127)
42.	Prof. D. Dash, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS,BHU	Novel Anti-Platelet and Anti-Thrombotic Properties of Nano Silver with Potential Therapeutic Applications	2008	NOC issued/Patent appl. No. 2416/DEL/2008 dt.23.10.2008 Patent granted No. 273752
43.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A herbal formulation for the prevention and management of frequent common cold and cough and associated problems	2008	Application No.64/KOL/2008

44.	Dr. Neelam Srivastva, Deptt. of Physics, MMV,BHU	Phenomenon of Humidity Controlled regaining of Mobile lonic charge Carriers in Starch based Electrolyte	2009	NOC Issued/Patent Application No. 1664/DEL/2012 filed.
45.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Ayurvedic fromulation advocated for the prevention and management of coronary heart disease	2009	Granted Patent No.US 8,318,216 B2 EP2393503 (A)
46.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A novel herbal formulation and a process for preparation therof for the prevention and management of metabolic syndrome-x"	2009	Application No. 1996/DEL/2009
47.	Prof. Shyam Sunder, Deptt. of Medicine, IMS,BHU	(i). Diagnosis of Indian visceral Leishmainiasis (VL) by Nucleic Acid detection using PCR (ii). Identification and characterization of L.Donovani specific antigen	2010	NOC issued / No Response
48.	Prof. N. K. Dubey Deptt. of Botany, Faculty of Science	A chemically standardized composi - tion containing plant essential oils efficacious as anti-fungal, aflatoxin suppresser, insecticidal and anti-oxidant." Modified title - "A novel plant essential oil synergistic composition and its preparation.	2010	Filed through TIFAC, DST, New Delhi. No. 233/DEL/2011 dt.: 01.02.2011
49.	Dr. Asha Lata Singh, Environmental Sc., Deptt. of Botany, Faculty of Science	Removal of Arsenic (iii) from Waste water using Lactobacillus Acidophilus.	2010	Under process (requested to obtain permission from CSIR on patentability of invention in her own name)-no response)
50.	Dr. A.C. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et. al.	"Ultra fast facile method for the formation of carbon nano sheets and its polymer composites"	2010	Patent Appl. No. 2915/DEL/2010
51.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Chemical synthesis process for formation of polyindole conducting polymer, dervatives and composities with controlled morphology."	2010	Patent Appl. No.2914/DEL/2010
52.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Asteraceae and Papavereae plants extracts as efficient corrosion inhibitors.	2010	Patent Appl. No.2913/DEL/2010
53.	Prof.P.C. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et al.	Calcium ion-sensor comprising ionophore/carrier ion-free polyindole-Camphor sulphonic acid composite".	2010	National Patent Filed CBR No. 8378 dt.:04.10.2010 Patent appl. No. 23838DEL/2010 dt.04.10.2010
54.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Chemical synthesis process for formation of polyindole conducting polymer, dervatives and composities with controlled morphology."	2010	Patent Appl. No.1289/DEL/2010
55.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Role of an herbal formulation in the prevention and management of age related neurodegenerative disorders with special reference to senile	2010	US2012034324 (A1) WO2012020423 (A1) Wo2012020423 (A8)

56.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Role of an herbal formulation in the prevention and management of age related neurodegenerative disorders with special reference to senile dementia	2010	Application No. 2271/CHE/2010 US2012034324 (A1) WO2012020423 (A1)
57.	Mr. B.S. Chaurasia , Guest Faculty & Ph.D. Research Scholar, Deptt. of electronics Engg.,IIT (BHU),	(i). A novel architecture for pressure sensor. (ii). A novel architecture for very sensitive pressure sensor.	2010	National patent Filed Appl. No.9/DEL/2011 dt.: 12.01.2011 National Patent Filed Appl.No.67/DEL/2011 dt.04.01.2011 Now wants to file two international patents on the same topics as above.
58.	Prof. Vakil Singh, Deptt. of Metallurgical Engg. IIT,BHU	Effect of Surface Nanocrystallization on Osseointegration of Cp-Titanium	2010	Filed on 25.05.2011 & published in journal No. 33/2011 on dt.19.08.2011 Application awaiting examination.(Appl.No.1486 /DEL/2011)
59.	Prof. Devendra Kumar, Deptt. of Ceramic Engg., IIT., BHU	Iron alumina based Metal Matrix Composite Material	2010	Application form issued/No response
60.	Prof. Dhananjai Pandey, School of Material Sc. & Technology, IIT (BHU)	(i) Reactive Compatiblization of polycarbonate and Ply (Methyl Methacrylate) with noel catalysts ($SnCl_2.2H_2O$,{[CH_3 $(CH_2)_3CH(C_2H_5)$ $COO]_3Sn(CH_2)_3$ CH_3} and {[$CH_3(CH_2)_3CH)C_2H_5)COO]_2S$} Evidence for Homogeneous blend formation" (ii) Miscible Polycarbonate-Polyacrylate Blends through Reactive Extrusion" (iii) Compatible Blend of Polycrbonate with Acrylate Polymer"	2010	NOC issued/Request letter has been issued to provide present status vide letter no. IPR Cell/52 dt.10.10.2012/No Response Patent appl. No. 141/DEL/2011 dt.20.01.2011
61.	Prof. D. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et al. School of materials Science & Technology	"A process for preparation of homogeneous polymer blends particularly blends of polycarbonate (PC) and poly(methyl methacrylate) (PMMA)"	2011	Patent Application No. 141/DEL/2011
62.	Prof. Vakil Singh, Dr. Rajesh bansal & Other, Faculty of Dental Sciences, IMS, BHU	"Effect of Surface nanocrystallization on Osseointegration of CP-Titanium"	2011	Application No. 1486/DEL/2011 Awaiting examination
63.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Herbal formulation advocated for the prevention and management of coronary heart disease	2011	Granted Patent No. US 20120034326 A1 dt. 17th Dec. 2013 Published in India Application No. 2270/CHE/2010

64.	Prof. Govind Pradad Debey, Dr. Aruna Agrawal and other	A novel herbal formulation for the modulation of immune system of HIV infected patients and a process of preparation therof	2011	Application No. US2013071435 (A1) WO2013042132 (A1), EP2758064 (A1)
65.	Prof. Gopal Nath, Deptt. of Microbiology, IMS,BHU	Novel Pseudomonas aeruginosa bacteriophages and their usage in speticaemia Modified tittle- Compositions for therapeutic or prophylactic treatment of bacterial infections.	2011	Patent appl. No. 3504/DEL/2014 dt.02.12.2014 dt.02.12.2014 Draft patent is in process to send to Examiner
66.	Prof. Sanjay Singh, Deptt. of Pharmaceutics, IIT,BHU	Patenting of an innovative idea in the field of pharmaceutical Engg.	2011	Application form issued/No Response.
67.	Dr. N.S. Rajput, Deptt. of Electronics Engg., IIT, BHU	(i) A neural Net Implementation of SPCA Pre-Processor for Gas/Odor classification using the responses of thick film Gas sensor array. (ii) A fully Neural implementation of unitary response model for classification of gases/odors using the responses of thick film gas sensor array.	2011	Application form issued/No Response.
68.	Dr. K. R. C. Reddy, Deptt. of Rash-Shastra, Faculty of Ayurveda, IMS,BHU	Pharmaceutical Study and Pharmacological Evaluation of Brahmi Ghrita: A Preclinical Study	2011	Application form issued / No Response
69.	Dr. B.S. Chaurasia, Guest Faculty & Ph.D. Scholar, Deptt. of Electronics Engg., IIT, BHU	(i) A Novel Architecture for Pressure sensor. (ii) A Novel Architecture for very Sensitive Pressure Sensor.	2011	Application filed for National Filed: (i)No.9/DEL/2011 (ii)No.67/DEL/2011
70.	Shri Sudip Paul, Sr. Research Fellow, School of BioMedical, Engg., ITT. BHU	Hearing aid along with wireless door bell vibrator system and electronic Troch light facility.	2011	Application No.1836/DEL/2011A.filed on 28.06.2012 Published 13.07.2012. Present status of application is showing "Awaiting for examination"
71.	Dr. R.N. Rai, Associate Professor, Department of chemistry, Faculty of Science	Synthesis of Promising Novel Binary Organic white Light Emitting Material	2011	NOC Issued/Request letter has been issued to provide present status vide letter no. IPR Cell/52 dt. 10.10.2012/ Responded Under still process.
72.	Dr. Pradeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation for reduction in obesity and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
73.	Dr. Pradeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation for treatment of menopause syndrome and process for tis preparation thereof	2012	Applied

74.	Dr. Prdeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation as anti fatigue and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
75.	Dr. Pradeep Srivastva	"A novel poly herbal formulation for growing adolescent girl and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
76.	Prof. S.K. Tiwari, Head Deptt. of kayachikitsa, Faculty of Ayurveda, IMS	Study of anti-asthmatic effect of standardize extract of Ayurvedic compounds via nasal spray actuation in aerosol form in rodents and itscomparative clinical study	2012	Application form issued form issued/No Response
77.	Dr. Neelam Srivastava Associate professor-Physics, MMV and others	Electrolysis of Starch based Electrolyte	2012	Application Number-1664/DEL/2012 filed on 31.05.2012
78.	Dr. Vikash Kumar, Associate Professor, Department of Pharmaceutics, IIT. BHU	Therapeutic uses of Piper Longum root powder for prevention and treatment of mild intermittent stress induces psychopathology and associated chronic diseases.	2012	NOC Issued Vide letter No IPR Cell/46 dt.; 22.09.2012. He informed that patent appl. has not been filed.
79.	Dr. Asha Lata Singh, Environmental Sc., Deptt. of Botany, Faculty of Science	Desulferization of Coal with Ralstonia sp. and Pseudoxanthomonas sp.	2012	Patent appl. was filed on 20.06.2013
80.	Dr. Swarn Lata, Deptt. of Zoology, M.M.V.	Hepotoprotective effect of Phyllantus Fraternus against Cyclophosphamidea Potent Anticancer Drug	2012	Application form issued / No Response
81.	Dr. Kavita Shah, I.E.S.D.	Process for isolation and purification of peroxidase enzyme from rice plants and application	2012	Under process/Till date NOC not issued.
82.	Dr. Karuna Singh, Deptt. of Zoology, MMV, BHU	Aqueous extract of whole fruits of Azadirachta india L. as anti fungal for the treatment of saprolegniasis with reference to fresh water fishes	2012	Application No. 1972/DEL/2013 dt.03.07.2013
83.	Sri Govind kapusetti, Sr. Research Fwllow, Deptt. of Bio Medical Engg., IIT, BHU	Piezoelectric Bone Cement for Bio-medical Application	2012	Application form issued / No Response
84.	Prof. D. Dash, Head, Deptt. of Biochemistry, IMS, BHU	Development of Nanogold – based diagnostic marker for cardiovascular Disorders.	2012	NOC issued vide letter No. IPR Cell/83 dt.: 29.12.2012 / Informed that work has lost its novelty and therefore become non-patentable
85.	Dr. P. K. Singh, Associate Professor, Deptt. of Geology, BHU	Removel of toxic trace Metals from coal with Mixed Bacterial consortia comprising of Ralstonia sp. and pseudoxanthomnas sp.	2012	Patent appl. was filed on 20.06.2013

86.	Dr. Kavita Shah, Associate Professor, I.E.S.D, BHU	Carbon paste electrode modified with peroxidases from Rice plants and its application. Modified title- A modified crbon paste electrode with peroxidases from rice plants and a method of producing the same	2012	Application No. 478/DEL/2013. Dt.19.02.2013
87.	Dr. Neeraj Sharma, Associate Professor, School of Bio-Medical Engg., IIT	Non invasive blood Glucose meter based on Modulated Ultrasound & Optical Technique	2012	NOC issued vide letter No. IPR Cell/72-74 dt.: 21.12.2012 / No response
88.	Prof. S. K. Tiwari, Deptt. of Kayachikiitsa, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU	Study of anti-asthmatic effect of standardize extract of Ayurvedic compounds via nasal spray actuation in Aerosol form in rodents and its comparative clinical study Modified title- Therapeutic uses of Shirishadi Polyherbal compound for prevention & treatment of sub-acute & chronic Asthmatic conditions based on its novel pharmacological activities	2012	Application No. 7192/DEL/2013 dt.16.07.2013 Published 17.08.2013
89.	Dr. Geeta Rai, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science	A pattern recognition receptor particularly a Toll like receptor which has a unique association with the presence of Glomerulonephritis in Systemic lupus Erythematosus (SLS)	2013	Application No. 128/DEL/2013. filed on 18.01.2013
90.	Dr. K.N. Tiwari, Deptt. of Botany, M.M.V., BHU	Antifungal activity of Phyllantus fraternus against Cryptococus species for potent antifungal drug Modified title- Ethanolic extract of stem of phyllanthus fraternus Webster as antifungal agent against Cryptococcus spp. (C.neoformns and C.guttii)	2013	NOC issued vide letter No. IPR Cell/38 dt.: 16.10.2014 Final Patent Appl. No. 411/DEL/2016 dt. 11.02.2016
91.	Sri O.P. Singh, Occupational therapist, Deptt. of orthopedics Sir Sunderlal Hospitl BHU	Title not disclosed	2013	Form I,II&III issued Further no response
92.	Dr. Kavita Shah, Associate Professor, I.E.S.D., BHU	Title not disclosed	2013	Form I,II&III issued Further no response
93.	Prof. Debabrata Dash, Head, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Development of electrochemical sensor for screening and diagnosis of individuals at high- risk to develop arterial thrombosis	2013	NOC issued vide letter No. IPR Cell/07 dt.: 03.05.2013 dt. 04.12.2013
94.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A Plant based formulation for the prevention and management Irritable Bowel Syndrome (IBS)	2013 2014	Submitted Application No. India 3797/DEL/2013 US 14/468, 285

95.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A Plant Based formulation for the Prevention and management Irritable bowel syndrome (IBS)	2013 2014	Submitted Application No. US 14/468 281
96.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Metabolic syndrome and cardiovascular disease mortality risk its prevention and management by a plant based drug	2013 2014	Submitted Application No. US 14/468 281
97.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A plant based formulation for the prevention and management of obesity and associated complications	2013 2014	Submitted Application No. US 14/469,272
98.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Regulation of brain biogenic amines associated with depression by a formulation from botanical soure	2014	Submitted, India, US and European Union
99.	Prof. Govid Prasad Dubey and others	Association between neopterin concentration and neurovascular changes in type-2 diabetes patients-effect of an Ayurvedic formulation mainly containing Berberis aristata	2014	NOC issued vide letter No.19 dt. 13.05.2014/ No response
100.	Dr. Geeta Rai, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science, BHU	"A pattern recognition receptor particularly a Toll like receptor which has a unique association with the presence of Glomerulonephritis in Systemic lupus	2014	NOC issued
101.	Dr. Arvind Kumar Associate Professor School of Biotechnology, Faculty of Sciences, BHU	Anti cancerous enhancement by CGA to cure	2014	NOC Issued vide letter No. 05 dt. 10.04.2014/No response
102.	Dr. Arvind Kumar Associate Professor School of Biotechnology, Faculty of Sciences, BHU	Chlorogenic acid (CGA) binds to HMGB-I to enhance anti-cancerous capability of herbal extract against liver cancer.	2014	Patent Application No. 1220/DEL/2014 filed at Delhi on 29.04.2014. He has requested to BHU for financial support
103.	Prof. G.P. Dubey, Distinguished Professor, Study Director & Coordinator, NFTHM, IMS, BHU	Invention of a new technology P007 to measure density in Neurodegenerative and neuro-psychiatirc	2014	NOC issued vide letter No. 16 dt. 13.05.2014/ No response
104.	Dr. G.P. Dubey, Distinguished professor Study director & Cooridnator, NFTHM, IMS, BHU	(i) Association between neopterin concentration and neurovascular changes in type -2 diabetes patients effect of an Ayurvedic formulation mainly containing berber is aristata. (ii) Invention of a new technology P 700 to measure density in Neurodegenerative and Neuropsychiatric illness.	2014	(i) NOC issued vide letter No. IPR Cell/19 dt. 13.05.2014. copy of form I,II & III is not available at the office of IPR Cell. (ii) NOC issued vide letter No. IPR Cell/16 dt. 13.05.2014. copy of for m I,II & III is not available at the office of IPR Cell
105.	Prof. D. Dash, Head, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Photothermal ablation of thrombus and relief from vascular blockage using NIR-Active nanomaterials. Modified title- A fabrin-Targeting Device with NIR-Active nanomaterials for improved thrombolysis employing photothermal (PT) method.	2014	Patent Application No3 168/DEL/2014 filed at Delhi on 03.11.2014 (Title was changed prior to filing) He was requested to furnished the comments of the funding agency for change in topic)-no response.

106.	Dr. Kiran Singh, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Sciences, BHU	Use of Myeloid derived suppressor cell biomarker for the diagnosis of early pregnancy loss.	2014	NOC issued vide letter no. IPR Cell/55 dt. 11.03.2014 / No response
107.	Dr. Chandana Rath, Assistant professor, School of material Science and Technology, IIT, BHU	Degradation of organic polutants under sunlight using TiO_2 Nanoparticles synthesixed hydrothermally.	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/06 dt. 01.05.2015
108.	Dr. Karuna singh, Assistant Professor, Deptt. of Zoology, MMV, BHU	Antifungal effect of Cinnamon extract on Aureobasidium pulluslans (CBS 577.93, CBS 101119) and exophialal dermatidis (MTCC 9346)	2014	NOC Issued vide letter No. IPR Cell/31 dt. 08.10.2015. Patent Filed provisional Appl. No. 201611004845 dt. 11.02.2016
109.	Dr. Pankaj Srivastava Assistant Professor, Deptt. of Chemistry Faculty of Science, BHU	A novel process for the develo pment of p-toluenesulfonate doped polypyrrole/carbon composite electrode and a preparation of the same electrode for supercapacitor.	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/35 dt 30.09.2014 US Patent Appl. No. 14/464845 dt. 21.08.2014
110.	Dr. Preeti S. Saxena Assistant Professor, Deptt. of Zoology, Faculty of Science, BHU	Title not disclosed	2014	Form I,II&III issued Further no response.
111.	Dr. Surya Pratap Singh, Associate Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, Faculty of Science, BHU	Mucuna Pruriens seed extracts ther of for the treatment of Neurological disorder	2014	NOC issued vide letter No. IPRCell/03 dt.10.04.2014 Appl. No. 918/DEL/2014 dt. 31.03.2014
112.	Dr. Rashmi Singh, Assistant Professor, Deptt of Zoology, MMV	First report on Intranasal administration of curcumin and its anti-asthamatic potential in mouse model of asthma: HPLC study on its absorption through nasal mucosa t the lungs.	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/39 dt.16.11.2015
113.	Dr. Rajesh Bansal , Reader, Prosthodotics Unit Faculty of Dental Sciences, IMS, BHU	Surface Modification of titanium by Incorporation of carbon	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/22 dt.06.06.2014
114.	Dr. Rashmi singh, Assistant Professor, Deptt. of Zoology, MMV	"First report on Intranasal administration of curcumin and its anit-asthmati potential in mous model of asthma: HPLC study on its absorption through nasal mucosa to the lungs"	2015	Patent Application Form I,II & III issued NOC Issued on 06.11.2015 vide letter No. TPR Cell/39
115.	Dr. Aruna Agrawal, Professor & Coordinator Advance Centre for Traditional & Genomic Medicine, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU	(i) Evaluation of mental health status of tribal children- current status and strategies for development and scientific validation of medicinal plant found in tribal area. (ii) Markers of neuro-inflammation associated with neurodegenerative disorders in type-2 diabetes mellitus patients-role of Moringa oleifera extract	2015	Requested to provide the documents pertaining to findings in U.S. reg. revalidation of the claims of Patent work. Further no response.

116.	Dr. Neelam Srivastava, Professor, Deptt. of Physics, M.M.V, BHU	Low cost electrolyte membranes for microbial fuel cell application synthesized by complexing starch (Wheat, Corn and Rice) with salt	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/53 dt. 17.12.2015 Patent Appl. No. 201611006732 dt. 26.02.2016
117.	Dr. S. Bhattacharya, Associate Chemistry, Faculty of science, BHU	New Photochromic material	2015	Form I,II & III issued Further no response
118.	Mr. Prasann Kumar, Ph.D. III[rd] Year Student, Deptt. of Plant Physiology, I.Ag.Sci., BHU	Plants based heavy metal sensors	2015	Form I,II & III issued Further no response
119.	Prof. Onkar Nath Srivastava, Hydrogen Energy Centre, Deptt. of Physics, BHU	Synthesis of pure MgH2 with reversible hydrogen storage capacity	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/28 dt. 24.09.2015
120.	Mr. Avinash Upadhyay, B.Sc.II[nd] Year Student Faculty of Agriculture, I.Ag.Sc., BHU	Oldest Rain Gauge 0.25 Dron	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/24 dt. 12.09.2015
121.	Dr. Shashi Pandey, Assistant Professor, Deptt. of Botany, Faculty of Science, BHU	Mapping the arsenic stress-induced proteome of *Artemisia annua* using 2-D electrophoresis and MALDI-TOF-MS	2015	Form I,II & III issued Further no response
122.	Dr. Geeta Rai, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science, BHU	A novel formulation of vitamin increases the immune efficiency in low birth weight newborn	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/41 dt. 06.11.2015 Form26 (Power of Attorney) is under process.
123.	Prof. H.B. Singh, Professor & Head Deptt. of Mycology & Plant Pathology, I.Ag.Sc., BHU	Broad spectrum antifungal efficacy of silver nanoformulation synthesized using culture supernatant of novel bacterial isolate.	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/57 dt. 26.12.2015. Further no information
124.	Dr. Meenakshi Singh, Associate Professor, Deptt. of Chemistry, MMV, BHU	Preparation of molecularly imprinted polymer-quartz crystal microbalance (MIP-QCM) device for detection of Neisseria meningitides bacteria	2016	NOC issued vide letter No. IPR Cell/01 dt. 11.04.2016. Under process with CSIR
125.	Prof. R.M. Singh, Deptt. of Chemistry, Instt. of Science, BHU	Process for preparation of terminal Alkynes	2016	NOC issued vide letter No. IPR Cell/ dt. 11.0.2016.
126.	Dr. M. Mutsuddi, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Instt. of Science, BHU	KH domain containing proteins depletes pathogenic Spinocerebellar Ataxia 8 transcripts and suppresses neurodegeneration in Drosophila disease model of the disease	2016	Form I, II & III issued
127.	Dr. Debabrata Dash Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, I.M.S., BHU	Multi-level therapeutic of platelet metabolism as a novel anti-thrombotic strategy	2016	Form I, II & III issued
128.	Prof. Amitabh Krishna, Deptt. of Zoology, Instt. of Science, BHU	Prophylactic efficacy of Tribulus terrestris a potent aphrodisiac herb on Polycystic Overy Syndrome (PCOS)	2016	Form I, II & III issued

129.	Dr. Vivek Singh, Deptt. of Physics, Instt. of Science, BHU	Bragg fiber waveguide bio-sensor based on defect mode	2016	Form I,II & III issued
130.	Prof. N.K. Dubey, Deptt. of Botany, Instt. of Science, BHU	Novel composition for ontrolling storage pests and mycotoxin production (M.leucadendron and Carum carvi)	2017/2006	Authorisation Letter by The registrar issued vide letter No. IPR Cell/73 dt. 27.03.2017
131.	Dr. Preeti S. Saxena Assistant Professor, Deptt. of Zoology, Faculty of Science, BHU	Title is not disclosed	2014	Form I,II&III issued Further no response.
132.	Prof. N.K. Dubey, Deptt. of Botany, Instt. of Science, BHU	Novel composition for ontrolling storage pests and mycotoxin production (M.leucadendron and Carum carvi)	2017/2006	Authorisation Letter by The registrar issued vide letter No. IPR Cell/ 01 dt. 03.04.2017
133.	Prof. Amitabh Krishna, Deptt. of Zoology, Instt. of Science, BHU	Title not disclosed	2016	Form I,II & III issued
134.	Dr. Debabrata Dash, Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Novel Thermogenic stent device for ablation of thrombus and prevention of restenosis in obstructed stent	2016	Form I,II & III issued

9. FACILITIES

9.1. Accommodation
- 9.1.1. Hostels for Students (Male)
- 9.1.2. Hostels for Students (Female)
- 9.1.3. Hostels for Students (Foreign)
- 9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees (Teaching & Non-Teacing)

9.2. Guest House Complex
9.3. Internet & Computers (Computer Centre)
9.4. Conference Halls
9.5. Alumni Cell
9.6. Indian Council of Cultural Relation (ICCR)
9.7. Indira Gandhi National Open University
9.8. International Centre
9.9. Press Publication & Publicity Cell
9.10. Electricity, Water & Telephone
9.11. Maintenance (Building & Instruments)
9.12. Health Care (Hospital & Health Centres)
9.13. University Sports Board (USB)
9.14. Programmes Organized by Dean of Students Welfare
9.15. Career Development Centre
9.16. Canteens
9.17. National Service Scheme
9.18. National Cadet Core
9.19. Banking & Post Offices
9.20. Railway Reservation
9.21. Air Strip & Helipad
9.22. Shopping Complex
9.23. BHU Club
9.24. Students Welfare
- 9.24.1. Placement Service
- 9.24.2. University Employment & Guidance Bureau
- 9.24.3. Students Council
- 9.24.4. City Delegacy
- 9.24.5. Equal Opportunity and Inclusive System
- 9.24.6. Extra- Curricular Activities

9.25. Hindi Publication Cell

BHU Temple

BHU Swimming Pool

BHU Badminton Court

BHU Swatantra Bhawan

BHU Sports Ground

BHU SS Hospital

BHU Cyber Library

BHU Hostel

9. FACILITIES

9.1. ACCOMMODATION

9.1.1. Hostels for Students (Boys)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE/ OTHERS
1.	Bal Ganga Dhar Tilak Hostel	Agriculture	196	392	392	1	8
2.	S. Radha Krishnan Hostel	Agriculture	128	248	228	4	4
3.	1 Bhartendu Harishchandra	Arts	51	87	85	1	5
4.	Birla "B" Hostel	Arts	126	141	136	1	4
5.	Birla "C" Hostel	Arts	133	243	243	3	3
6.	Birla "A" Hostel	Arts	131	250	225	2	5
7.	Lal Bahadur Shastri Hostel	Arts	312	520	434	1	38
8.	I.N. Gurtu Hostel	Commerce	120	240	240	1	-
9.	A.B. Hostel (Kamachha)	Education	98	178	140	1	11
10.	Dhanwantari Hostel	I.M.S.	216	210	168	1	6
11.	Punarvasu Atreya Hostel (Ay.)	I.M.S.	81	124	124	1	5
12.	Ruiya Hostel (Medical Block)	I.M.S.	89	151	151	2	4
13.	Ruiya Hostel Annexee	I.M.S.	112	162	147	1	4
14.	Sushurata Hostel (Trauma Centre)	I.M.S.	410	410	390	2	2
15.	B.R. Ambedkar Hostel	Law	70	69	69	-	2
16.	Chankya Hostel	Law	94	368	182	1	5
17.	Dr. Bhagwan Das Hostel	Law	123	122	114	-	3
18.	Management Hostel	Management	68	118	97	1	8
19.	Rewa Kothi	Performing	34	34	33	1	1
20.	Aravali Boys Hostel	RGSC	200	394	364	1	4
21.	Shivalik Boys Hostel	RGSC	151	302	282	2	4
22.	Vindhyachal Hostel	RGSC	155	330	280	1	5
23.	Bhabha Hostel	Science	209	392	318	2	5
24.	Broacha Hostel	Science	322	600	555	6	5
25.	C.P.R. Aiyer Hostel	Science	134	144	144	1	4
26.	Dalmia Hostel	Science	234	449	409	2	7
27.	Rama Krishna Hostel	Science	130	265	255	1	2
28.	A.N.D. Hostel	Social Scs.	106	208	202	1	5
29.	Moona Devi Hostel	Social Scs.	117	221	221	1	6
30.	Raja Ram Mohan Roy	Social Scs.	228	456	442	3	6
31.	Sardar Vallabh Bhai Patel Hostel	Social Scs.	77	100	81	2	3
32.	Ruiya Hostel (Sanskrit Block)	SVDV	67	202	202	1	3
33.	Ram Kinkar Hostel	Visual Arts	17	37	37	1	2

9.1.2. Hostels for Students (Female)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE
1.	Agriculture Girls Hostel B-1	Agriculture	13	30	30	1	3
2.	Rani Lakshmibai Girls Hostel	Agriculture	100	199	147	2	6
3.	Florance Nightangle	IMS	70	207	207	2	1
4.	Kasturba Girls Hostel	IMS	114	217	217	1	7
5.	Lady Doctors Hostel	IMS	64	104	104	1	2
6.	Mother Teresa Hostel (Part I -II)	IMS	76	42	30	-	1
7.	Nagarjuna Girls Hostel	IMS	99	102	102	1	7
8.	New P.G. Doctors Girls Hostel	IMS	99	180	180	2	4
9.	Sukanya Girls Hostel (Ay.)	IMS	36	70	70	2	1
10.	Jyoti Kunj Hostel	MMV	141	285	282	1	9
11.	Kirti Kunj Girls Hostel	MMV	61	272	272	-	-
12.	Kundan Devi Girls Hostel	MMV	74	148	148	1	2
13.	Naveen Girls Hostel	MMV	19	108	100	1	3
14.	Pougi House Girls Hostel	MMV	10	19	19	1	3
15.	Pragya Kunj Girls Hostel	MMV	89	174	174	1	1
16.	Swasti Kunj Girls Hostel	MMV	50	200	200	2	2
17.	Nilgiri Girls Hostel	RGSC	120	265	223	1	4
18.	Vindhyavasini Girls Hostel	RGSC	121	230	228	1	5
19.	Gargi Girls Hostel	Science	62	108	108	2	6
20.	J C Bose Girls Hostel	Science	100	196	196	1	4
21.	Kundan Devi Centenary Hostel	Science	159	292	292	1	13
22.	Matreyi Girls Hostel	Science	70	140	140	1	9
23.	Sarojini Naidu Girls Hostel	Science	75	142	110	1	6
24.	Ganga Girls Hostel	Triveni	88	184	184	2	-
25.	Godawari Girls Hostel	Triveni	77	154	154	1	1
26.	Gomti Girls Hostel	Triveni	232	464	340	1	8
27.	Kaveri Girls Hostel	Triveni	77	154	150	1	1
28.	Saraswati Girls Hostel	Triveni	96	187	187	1	1
29.	Yamuna Girls Hostel	Triveni	70	140	140	1	9

9.1.3. Hostels for Students (Foreign)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE
1.	New International Girls Hostel	International	36	65	65	01	6
2.	International Girls Hostel (Annexe)	International	19	23	23	01	3
3.	International House Complex	International	110	198	198	01	10
4.	Siddhartha Vihar	International	20	38	38	01	-

9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees (Teaching & Non-Teaching)

The Banaras Hindu university was established as a residential University, where teachers, students and other employees share composite life as an academic community. In pursuance of this objective, along with hostel for students, residential houses have also been built for lodging of teachers and other employees. Presently 662 quarters are available for teaching and 729 quarters for Non-teaching staff.

Further the construction of two 10-storeyed multi flats at Jodhpur Colony is under process. The building will consist of 40 flats to accommodate teaching staff of the University.

9.2. Guest House Complex

The Guest House Complex of BHU comprises four guest houses (viz. Lakshman Das Guest House, L.D. Guest House Annexe, University Guest House and Faculty Guest House). The L.D. Guest House has 6 suites, one single room, one 3 bedded dormitory, one central dining hall with lounge and one meeting hall in the first floor. The L.D. Guest House Annexe is a G+4 floors structure and has 4 suites on the ground floor, 9 rooms on 1st floor and 2nd, 3rd and 4th floors have 16 rooms on each floor making a total of 57 rooms. A Dining hall, Conference Hall and Kitchen are also constructed on the 1st floor. On the ground floor, a 7-bedded dormitory is also available. The L.D. Guest House Annexe is fully air-conditioned.

The University Guest House has 6 suites, 11 single rooms with double bed, 03 single rooms with triple bed, a central dining hall and 2 dormitories consisting of 6 beds and 12 beds on the ground and 2nd floor, respectively. All the suites, rooms, dormitories including dining hall are fully air-conditioned. The Faculty Guest House has 12 rooms with 3 beds, 7 rooms with five beds, 2 dormitories with 6 beds each, and a central dining hall. This is partially air-conditioned, only 2 five-bedded rooms and 6 three-bedded rooms are air-conditioned. Each guest house has modern kitchen facilities, which caters to the needs of the guests. GHC also provides catering facilities to the official meetings and workshops, academic and administrative programmes and functions in the University from time to time throughout the year. Many high level dignitaries of India and abroad have been offered hospitality in the Guest Houses. Guest Houses have the honour of hosting and offering hospitality to dignitaries like Hon'ble President of India, Hon'ble Vice-President of India, Hon'ble Prime Minister of India & Hon'ble Governors of different states in the past few years. Four office staff, 10 kitchen staff, 7 security staff and 12 attendants/ sanitation staff have been posted for the smooth functioning of the Guest House Complex. Salaries and wages of some of the above staff and maintenance expenditure are met out of the Special Fund – Revolving Fund of GHC. The Guest House Complex served more than 10,000 guests of national and international repute during the year 2016-17.

9.3. Internet & Computers (Computer Centre)

The Banaras Hindu University (BHU) Computer Centre (established in 1986) has completed three decades of existence. The Centre provides different IT services to the University, such as Internet access through a Campus-wide LAN, University Website, Computer and Email service to University users etc. The centre has also been taking care of various Video-conferencing and Webcast events of the University, including the nation-wide videoconference of the Hon'ble President of India for various higher educational institutions. During last several years the Computer Centre has provided various kinds of training to University staff and also to students of neighbouring engineering colleges. Most of the IT infrastructure of the University is designed and maintained by the Computer Centre.

During last one year, the Computer Centre has been able to achieve remarkable milestones. It has not only strengthened its existing services but also started several new initiatives. The new initiatives include developments in both infrastructure as well as services. Some of the notable new initiatives and/ or successfully completed projects are as follows:

1. External Access Proxy: It was a long felt need of the University academic community that access to journals and digital libraries subscribed by the University should be made available to authorised users (teachers and students) of the University living outside the University campus in the convenience of their homes. This has been

inaugurated by the Hon'ble Vice Chancellor in 2016and is successfully running and appreciated by a large number of users.

2. New WiFi-enabled Campus-wide Network: Computer Centre is working towards design of an entirely new WiFi enabled campus-wide network to connect all the academic departments, hostels and offices of the University. The work of laying of passive cabling was inaugurated by the Hon'ble Vice Chancellor Prof. G.C. Tripathi on 9th Feb. 2016. The project is part of MHRD's WiFi project being taken up at 38 Central Universities in India. More than 100 Kms of OFC has been laid in the campus which will connect 20 distribution switches, 400 access switches and about 2,500 wireless access points.

3. EDUROAM: BHU has recently become a member of worldwide EDUROAM network. This has made it possible for the University teachers and students to access WiFi services in any of the more than 70,000-member Institution across the world free of cost using the same credentials they use in BHU. Similarly, any teacher or student from member institutions will be able to use WiFi services of BHU while visiting BHU. The Hon'ble Vice Chancellor initiated the membership in a brief function in Computer Centre in presence of ERNET, India joint director.

4. Write To Administration Portal: The active interest and guidance of the Registrar, Dr Neeraj Tripathi, has helped Computer Centre in designing “Write To Administration” portal. It's an online system available on BHU website through which any teacher, employee or student of the University can advance their suggestions or submit their grievances to the University Administration and can also track the status/ resolution of the suggestion/ grievance. The portal is being monitored directly by the Registrar's staff.

In addition to the projects/ initiatives mentioned above, the Computer Centre has also completed several other important tasks of the University. This includes direct Radio Link connectivity to LD Guest House Annexe from Computer Centre, setting up two new Proxy servers, modernization of the Computer Centre training hall, installation of CC TV surveillance system in Computer Centre, several Video-conferencing and Webcast events, expert lectures by invited speakers from abroad, visit of an external expert committee in Sep. 2016 etc.

9.4. Conference Halls

The University has its own Conference Halls, Auditorium Halls & Committee Rooms for various Academic meetings, Seminars, Workshops, Conference, Curricular Activities and Cultural Programmes during various occasions like Independence Day, Republic Day, Pooja & Festivals etc.

Following are the list of some main Conference, Seminar Halls and Auditoriums:-

- Swatantrata Bhawa
- K.N. Udupa Auditorium
- Arts College Auditorium
- Gopal Tripathi Auditoruim
- Pt. Onkar Nath Thakur Auditorium
- Radha Krishanan Hall
- Exhibition Hall
- Committee Room No. 1,Central Office
- Committee Room No. 2,Central Office
- M.M.V. Auditorium
- Chanakya Auditorium, Faculty of Education

9.5. Alumni Cell

The Alumni Cell, BHU was established in February 2006 by the orders of the Vice Chancellor. The Alumni Cell was initially mandated to prepare the database of all the old students of the University and publish the work related to Mahamana Malaviya Ji and to organize Alumni meet at various levels viz. Local, State, National and International levels with the directive to publish regular news bulletin on these issues. Since its inception, the cell has been organizing several meets and events of various natures at different levels. The Cell oragnized an ‘International BHU Alumni Meet during the session 2015-16’. The Cell is making all preparations for organizing alumni meet in near future.

9.6. Indian Council For Cultural Relations

The Indian Council of Cultural Relations (ICCR) was founded on 9th April 1950 by Maulana Abul

Kalam Azad, the first Education Minister of independent India.

Cultural Programmes under 'Horizon Series'

The Regional Office, Varanasi successfully organized following 'Horizon Series' programmes in Varanasi on monthly basis in collaboration with local cultural organizations/ State Govt./ BHU in this year, all the event were a great success and very well covered in the Media:

- On 19.08.2016, Kathak Dance by Ms. Moumala Nayak from New Delhi
- On 20.08.2016, Katahk Dance by Ms. Samiksha Sharma
- On 27.08.2016, Sitar Recital by Shri Ashim Chowdhary from Kolkata
- On 04.09.2016, Vocal Recital by Ms. Shashwati Mandal From Mumbai
- On 19.09.2016, Vocal Recital by Ms. Anjana Nath from Kolkata.
- On 16.10.2016, Vocal Recital by Mr. Anal Chatterjee from Kolkata
- On 06.11.2016, Vocal Recital by Shri Dhanajay M Joshi from Nader (M.P)
- On 04.12.2016, Vocal Recital by Mr. Mohan Vitthalrao Derekar from Pune
- On 08.01.2017, Vocal Recital by Ms. Mrunal Bhide from Mumbai
- On 26.03.2017, Vocal Recital by Shri Devashish Dey from Varanasi

Hosting Incoming Cultural Delegations

The Regional Office, Varanasi hosted the following two performances by International Cultural Delegations at Nagrinatak Mandali, Varanasi & Pt. Onkarnath Thakur Auditorium, Faculty of Performing Arts, BHU:

- On 13th Oct. 2016 at Nagari Nathak Mandali, Varanasi & 15th Oct. 2016 at Allahabad; Dance & Darma on Ramayana by 11-Member group from Singapore
- On 09th Nov. 2016 at pt Onkarnath Thakur, Auditorium BHU; Gaudiya Dance by 8-member group from Bangladesh

Hosting Incoming Non-Performing Academic Visitor:

The Regional Office, Varanasi hosted following non-performance Academic visitors from April 2016-March 2017 at Varanasi:

- On 07-09 Feb. 2017; Prof. Aleksandar Petrovic from Serbia to visit, Department of Linguistics, Faculty of Arts, BHU and Bhodh Gaya, Bihar

Hosting Incoming Non-Performing Visitor under AWARD-SANSKRIT/Incoming Exhibition:

- On 23–26 November 2016; Prof. George Cardona, visitor from USA to Varanasi
- On 9–10 March 2017; 10+2 Member Painter Group from China to Varanasi

Activity under Scholarship

ICCR, Regional Office have distributed Rs.1,03,12,779/- (One Crore Three Lakh Twelve Thousand Seven Hundred Seventy Nine Only) 67 ICCR Scholars from 23 countries under 15 Scholarship Schemes.

9.7. Indira Gandhi National Open University

In order to provide equitable access of higher education to the larger section of society of Eastern Uttar Pradesh, an IGNOU Sub Regional Centre was established in Varanasi in the year 2006 which was subsequently upgraded to Regional Centre in the year 2008.

The Centre is functioning from the premises of the Banaras Hindu University, having its jurisdiction in 19 districts of Uttar Pradesh. These districts are Allahabad, Ambedkar Nagar, Azamgarh, Ballia, Chandauli, Deoria, Ghazipur, Gorakhpur, Jaunpur, Kushinagar, Maharajganj, Mau, Mirzapur, Pratapgarh, Sant Kabir Nagar, Sant Ravidas Nagar, Sonebhadra, Sultanpur and Varanasi.

The Regional Centre carries out various activities such as Admissions including re-registrations, Establishment of Learner Support Centres, Empanelment of Part-time Academic Counsellors at the Learner Support Centres, Oragnisation of Counselling Sessions, Evaluation of Assignments, Conduct of Term End Examinations for theory &

Practicals, Conduct of Viva Voce and evaluation of Project Reports, Conduct of Orientation Programmes, Overall monitoring of the quality of the learner support services in the Region. The Centre is also operating Gyanvani station at FM 105.6 MHz.

Success Story of Regional Centre, Varanasi

- Mr. Ajeet Kumar Saroj, a Jail Inmate at SSC - 48013D (Central Jail, Varanasi) secured Gold Medal in Diploma in Tourism Studies (DTS) programme in the 28th Convocation.
- Mr. Suresh Ram, a Jail inmate at SC-48013D (Central Jail, Varanasi) secured Gold Medal for Diploma in Tourism Studies DTS Programme in 29th Convocation.
- Ms. Dipti Kumari, a student of Master of Art in History (MAH) at IGNOU SC-27109, was awarded the Gold Medal in 29th Convocation.
- Mr. Ajay Kumar Sharma, B.Sc. programme, IGNOU presented an innovative research work on "electricity production for energy efficiency" for villagers. He conceptualized & developed "SCARPSS ENGINE: An energy efficient machine" for which he was honoured as "Innovation scholar in residence at President House.
- Mrs. Mansha Singh, a housewife successfully completed M.Sc. (DFSM) programme of IGNOU in the medical field. Starting her career as Consultant Dietician in "Popular Hospital", Varanasi, she is working as a Visiting Dietician at Oriyana Hospital, Varanasi.

Enrollment during the session 2016-17: The total year-wise enrollment in IGNOU is 14304, out of which fresh enrollment during July 2016 was 2973 and January 2017 was 1745.

Promotional Measures taken by Regional Centre, Varanasi

- Organization of Awareness Camp: Regional Centre, Varanasi has made all efforts to reach the unreached by connecting people of deprived sections of society with IGNOU Programme especially for Weavers through NGOs and Self Help Groups that resulted in highest enrolment in BPP Programme at RC Varanasi from weavers' community across the country.
- Organization of Press Conference: Organization of press conference is regular activity of RC Varanasi to spread initiatives of IGNOU for the benefit of its learners.
- Organization of Co-ordinators/PICs meet and Academic Counselor: Coordinators meeting was organized on 06.08.2016 and 30-09-2016 to 01-10-2016, respectively, to share the experiences and best practices of Learner Support Service among the Coordinators and future work plan to strengthen the student support services at Local Study Centres.

Academic Activities of Regional Centre, Varanasi

- Seminar/Conference: International Seminar on "Culture, Heritage and Hospitality Management" was organized in association with Sri Ramanuja, Mission Trust, Chennai on 02.05.2016, Prof. SARPV Chaturvedi, Founder and Managing Trustee, Sri Ramanuja, Mission Trust, Chennai was the Chief Guest.
- A seminar on "Distance Education: Challenges and Prospects" was organized at Study Centre 27128 Kushi Nagar in association with Regional Centre Varanasi on 06.08.2016. IGNOU learners and academics of LSC and college participated in it. Dr. A.N. Tripathi, RD and Dr. S.K. Pandey, ARD were the resource persons of the programme.

New Initiatives:

- Strengthening of Student Support Services Monitoring (Academic/Administrative) of LSC academic activities i.e. practical counseling & exam, academic activities, administrative monitoring by Academics of Regional Centre has

been followed up regularly to have ground level information on SSC and redress the LSCs problems.

Establishment of Single Window at RC for Student Grievances Redressal for assisting the learners and increasing the enrollment.

9.8. International Centre

The International Centre helps the foreign students in choosing appropriate programme and logistic matters.

Presently foreign students from 62 Countries including the USA, Mauritius, Canada, France, Germany, Afghanistan, Iraq, Iran, China, Poland, Yemen, Fiji, Nigeria, Ukraine, Russia, Bangladesh, Nepal, Srilanka, Myanmar, Cambodia, Bhutan and Estonia etc. are studying their respective courses (i.e. Undergraduate, Postgraduate, Ph.D. and others).

Out of total 588 (406 male and 182 female students), 188 were admitted in different faculties. Apart from this, seven (07) scholars/students of different institutions/universities broad were also granted permission for their Short term visit to the University under its "Short Term Affiliation" programme.

During the current session, (Six) Memorandum of Understandings including University of Technology, Mauritius, Embassy of Spain, New Delhi, Purbanchal University, Nepal, The University of Maryland, USA, KEK, Japan etc. between Banaras Hindu University and the Universities/ Institutions abroad were signed. Besides this, a number of foreign dignitaries including delegation headed by the higher authorities of foreign visited the Banaras Hindu University.

9.9. Press Publication & Publicity Cell

During this Academic Session, 05 press conferences were addressed by the Vice-Chancellor relating to the issue of the university. Over 1500 visitors came to the office personally and 3000 persons enquired on telephone and through e-mails to know about various programmes and courses of the university. More than 4200 press releases were issued through text, fax and e-mails to local and national media, disseminating information about various programmes of the University. In the Print media, 7000 news of development activities of BHU were published. Many success stories were also telecasted on electronic channels. More than ten interviews of Hon'ble Vice-Chancellor and approximately 20 interviews of officers and faculty members were taken up by different media members, with the help of PRO Office. In the reference year, the PRO Office has issued 168 advertisements related to various academic programs, employment opportunities and adhoc projects to local and national level media.

Special Activities: Dr. C.N.R. Rao a Renowned Indian Chemist, Bharat Ratna awardee and alumus of this University was the chief guest of 99th Convocation of Banaras Hindu University held on 16.01.2017. In the Chairmanship of Sri Prakash Javadekar, the Union Ministry MHRD on 06.10.2016 a Sameeksha Baithak of all Central University Vice-Chancellors was organized. 6th Rasthriya Sanskriti Mahotsav was organized by the Ministry of Culture, Govt. of India in the BHU campus from 17.12.2016 to 24.12.2016. Its inauguration was done by Sri Mahesh Sharma, Union Cultural Minister on 17.12.2016. The Information & Public Relation Office, BHU successfully contributed in organizing this programs.

Here seven letter press Machines were installed initially. Presently, four Single Colour Offset Machines and one Double Colour Offset printing Machine are in working condition.

Major Printing Work in the current Financial Year

1	Agenda for Special meeting of Academic Council	280 Copies	972 Pages
2	Agenda for Special meeting of Academic Council (Supple)	280 Copies	144 Pages
3	Bharti Journal, AIHC & Art.	200 Copies	292 Pages
4	Prajna Journal	2000 Copies	212 Pages
5	Dristi Journal, Student Welfare	200 Copies	248 Pages
6	Teachers day Booklet	300 Copies	56 Pages
7	Pragati Patrika Journal (Raj Bhasha Prakostha)	1000	72 Pages
8	Abstract & Souvenir of Deptt. of Zoology	100 Copies	350 Pages
9	Vishwa Panchang era 2074-S.V.D.V	27,000 Copies	48 Pages
10	Lok Sabha Me Mahilao ki Bhumika MMV	300 Copies	218 Pages
11	Accounts & Audit Report 2015-16 of BHU	150 Copies	216 Pages
12	Yuva Awaj of Student Welfare	200 Copies	34 Pages
13	Student Pass Book of Dean of Students	15,000	24 Pages
14	OPD Prescription slip of S.S. Hospital Rs. 20/-	10 Lac	4 Pages
15	Student Diary of CHGS, Kamachha	2035 Copies	80 Pages
16	Compatibility Report of Blood Bank, S.S. Hospital	505 Books	100Page in duplicate
17	Digital India, Journal, H.O.A.	300 Copies	100 Pages
18	Student Surgical Record, Surgery	100 Copies	100 Pages
19	Cow & Buffalow Milk Coupons of Diary Form	10,000 Book	10 Pages
20	Diploma Format of Controller of Exams	3,000	1 Pages
21	Main Degree Format of C.E.	17,700	1 Pages
22	Health Diary of USHCC	40,000	24 Pages + Cover
23	Cash Book of IIT, BHU	75	100 Pages
24	Reporting Register of Investigation of UGC Advance Immunodiagnosis Traning & Research Centre, BHU	60	500 Pages
25	X-ray Main Register of Radiology IMS	203	100 Pages
26	Confidential Register of C.E. Office	60 Register	500 Pages
27	Bharat Ratna Pt. Madan Mohan Malviya of Marathi	300 Book	1000 Pages
28	Answer Book A of CHS Boys	20,000	16 Pages
29	Answer Book C.E.	2 Lac	36 Pages
30	Practical Answer Book	80,000	12 Pages
31	Proforma for Hernotology of Medicine, IMS	500 Copies	6 Pages + Cover
32	Attendance & Fees Register of CHBS	150 Register	
33	Urine Test Reporting Register of CCI	24 Register	300 Pages
34	Audiogram Proforma of ENT	110 Pad	100 Pages

35	Trade Bill Register of IIT, BHU	30 Register	200 Pages
36	End Semester Answer Book IIT	25,000	20 Pages
37	Application Form University Sports Board	2,000	2 Pages
38	Admission Form for Nursery of RGSC	4,500	2 Pages
39	Training Diary of TPO, IIT	500 Pad	30 Pages
40	Training Certificate of TPO, IIT	10 Books	50 Pages
41	Attendance Register of Physical Education	1280	4 Pages
42	Objection Memo of Finance	50 Pad	100 Sheets
43	Milk Distribution Register of SSH	10	100 Pages
44	History Sheet of R.T.R.M	2,000	6 Pages
45	Investigation Form of USHCC	40,000	
46	Objection Memo of IIT, BHU	100 Pad	100 Sheet
47	Seat Card of C.E.	2,50,000	
48	OPD Follow Up Booklet of Nephrology	5000	16 Pages
49	Certificate of N.S.S.	1,010	1 Pages
50	Electric Bill Book of EWSS	104 Book	100 Pages in duplicate
51	Patient File of RTRM	2,000	4 Pages
52	Statement of Family Members of LTC Cell	5,000	2 Pages
53	Application form for L.T.C. cell	500	6 Pages
54	OPD Prescription slip of UEHCC	1Lac	
55	O.T. Register S.S.H	100	200 Pages
56	Ward Dairy	100	400
57	O.P.D. Register	100	400
58	Investigation Form	10 Lac	
59	Follow up Book Let, S.S.H.	5,000	12 Pages
60	H I V Test Report Pathology	20,000	2 Pages
61	Meter Reading Book (E. W. S.S.)	37 Rege	100 Pages
62	Bus Card (C.H.G.S)	1000	4 Peges
63	Various Type of from sate of 50 lacs SSH & trauma Centre	50 Lacs	

9.10. Electric, Water & Telephone

Telephone Exchange

The University has BSNL having the capacity of 1000 lines. All the Institute of Units, Faculties, Departments, Offices, Hostels as well as residential area are connected with the above Exchange. Apart from the above, following additional telephones exchanges are also functional:

1. S.S. Hospital with 400 lines
2. Central Library with 72 lines

Further, in addition to above, 2070 lines of TATA Indicom through centrex have been provided to all Faculty members & Group A Officers in their chamber Tata Indicom Phone was Provided to all section officers and Unit. At Present, due to same unavoidable circumstances, Tata Indicom Phone are not working.

At Present, we are working of Wi-Fi system & I Phone installation in the BHU campus for batter tele communication in the University.

MAIN CAMPUS	
1.	Overhead electric wiring of the surrounding regions of the Central Office was replaced with underground cable wires and after properly connecting the underground cable with feeder cable, etc. the same was de-electrified.
2.	Old lighting systems on the road sides leading from University's Main Gate to Swatantantra Bhawan through VIP road were replaced with LED lighting systems.
3.	Electrification of newly constructed Kundan Devi Hostel was done.
4.	Electrification of newly constructed buildings of Institute of Environmental Science & Sustainable Development was done.
5.	Electric connection was given to the newly constructed buildings of Malaviya Studies Centre.
6.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of Kundan Devi Hostel.
7.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of Institute of Environmental & Sustainable Development.
8.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of Pt. Brajnath Hostel.
9.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of Malaviya Studies Centre.
RAJIV GANDHI SOUTH CAMPUS, BARKACHHA, MIRZAPUR	
1.	Electric connection was provided to the newly constructed buildings of OBC Boys hostel.
2.	Electric connection was provided to the newly constructed buildings of OBC Girls hostel.
3.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of OBC Boys hostel.
4.	Water connection was provided to the newly constructed buildings of OBC Girls hostel.

9.11. Maintenance (Building & Instruments)

The "University Works Department" was created ever since the University came into the existence. The Department has been entrusted to repair and maintain of the existing University Buildings, (Residential, Institutional, Hostels & Sports Facilities) Auditoriums, Roads, Drainage and Sewerage System including sewage pumping stations, storm water drains outer boundary walls of the Campus and repair of furniture of various Institutes/Faculties/ Departments/Colleges/Hostels of University Campus and also the buildings pertaining to Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha along with Kamachha Complex and University Health Centres at Chiraigaon, Narayanpur and Tikari etc.

The Department has also been entrusted with construction of new buildings through Govt. agencies and also taking up works through contractors enlisted with University Works Department & through e-tendering process in the Main Campus as well as R.G.S.C., Barkachha, Mirzapur. The works of additions/alterations including repairs and renovation of heritage buildings, old buildings, besides minor work, are being done departmentally. The Department also takes up the work of furnishing and interior planning etc. The Department has been entrusted to procure/ manufacture the wooden/ steel furniture required for Hostels/Departments/ Faculties and Hospital buildings as per their requirement.

The Department has also been entrusted to make proper arrangements for various functions and ceremonies such as National Functions, like Republic Day, Independence Day, Gandhi Jayanti and other University functions like Foundation Day celebrations, Saraswati Pooja as well as Institute Day, College Day, Hostel Day and various Seminar, Conferences throughout the year. U.W.D. provides all type of help during the inspection of various Department by affiliated bodies as well as accreditation bodies. Besides this, the Department also maintains the prestigious and heritage buildings such as Malviya Bhawan, Tagore Bhawan, Sundram

Lodge, Bharat Kala Bhawan and Swatantrata Bhawan along with Uduppa Auditorium, Pt. Onkar Nath Thakur Auditorium, Arts College Auditorium, Amphitheatre, Indoor Stadium & other prestigious halls with its air-conditioning system and air-cooling, and also the famous Shree Vishwanath Temple etc.

The Department has also undertaken massive works of repair of old buildings including roof treatment, renovation of kitchen, toilets etc. and finishing work of outer walls with water proofing cement paint etc. of all University Hostels, Academic Buildings as well as Residential buildings etc. Since most of buildings are 60 to 90 years old and few buildings are 100 years old.

The details of available funds during the financial year 2015-16 from the various Heads of account are as under:-

(i)	Special Fund	Rs. 30,54,48,370.00
(ii)	Maintenance of University Campus/Buildings under R-A/c	Rs. 59,50,000.00
(iii)	Development Fund (XII Plan) (2015-16)	Rs. 95,47,25,993.00
(iv)	Revenue Account	Rs. 60,63,500.00

The above amount has been fully utilized in the financial year 2016-17.

There are following Mega Projects which have been started by the CPWD as Deposit works:

Sr. No.	Name of Projects	Estimated Cost	Status
1.	Construction of Central Discovery Centre, B.H.U.	67.79742 Crores	Awarded to C.P.W.D. work started and progress are satisfactory.
2.	Construction of Faculty of Veterinary & Animal Science, R.G.S.C., Barkachha, B.H.U. (Phase-I).	126.81294 Crores	
3.	Construction of Malviya Ethics & Human Values & Research Centre, B.H.U.	14.95258 Crores	Work awarded to C.P.W.D. and started at site.

Following major carry over works have been completed in the main campus during the financial year 2016-17. The name of works and amount are given in the tabular form.

Sl. No.	Name of Works	Sanction of Fund	Budget Head	Status
1.	Development of Arts Faculty ground under Centralised Sports Complex, B.H.U	3.53 Crore	XII Plan	Completed
2.	Development of Science Faculty ground under Centralised Sports Complex, B.H.U.	3.84 Crore	XII Plan	Completed
3.	Construction of Community Centre Building (G.F.) Jodhpur Colony, B.H.U.	1.73 Crore	XII Plan	Completed
4.	Construction of EWSS Office Building, B.H.U.	1.50 Crore	XII Plan	Completed
5.	Construction of 100 Bedded Sports Hostel, B.H.U.	1.45 Crore	XII Plan	Completed
6.	Civil & Electrical Work for Cyber Library at First Floor of Central Library, R.G.S.C., Barkachcha.	72.00 Lacs	XII Plan	Completed

Kamachha Complex, BHU

The Kamachha Complex comprises of Faculty of Education, Central Hindu Boys School, Central Hindu Girls School, Ranveer Sanskrit Pathashala, Kolhua Primary School, Baijnathha Colony, Dr. A.B. Hostel & Dr. R.P. Hostel etc.

Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha

The Rajiv Gandhi South Campus is a huge Campus spread over an area of about 2700 Acres. Educational activities have started since 2006. Large no. of buildings viz. Hostel Buildings, Lecture Theatre Complex, Girls Hostels, Administrative Building, Central Library Building, Farmers Hostel, Tissue Culture, Guest House, Seed Stores, Canteen and Banks etc. have already been completed and are presently under use. Academic activities have already been started since 2005-06. The new Campus is presently coming up very fast on account of tremendous development works taking place at RGSC, Barkachha. Construction of buildings, Roads, Water Supply & Electrification works, BHU-Diversity Park, Large Seed Stores etc. have been done on war footings. The Construction of various buildings for Faculty of Veterinary & animal Sciences, RGSC is under progress by CPWD.

During the previous financial year, many distinguished guests and visitors visited the University. The University Works Department has played an important role on this occasion directly and indirectly.

UWD has started e-tendering process for awarding the work of value more than Rs.10.00 Lacs. UWD is also planning to attend the complaint of occupants of Quarters/ Faculties and Departments by messages of Mobile phones, Computer systems etc. which will save the complainers time, paper and fuel etc.

The list of major works which have been taken/started in this year are given inthe following tabular form:

Sl. No.	Work	Amount	Head of Account	Work in Progress
1	Construction of 1st & 2nd Floor of Seminar Hall & 15 Teachers Cubicles, Faculty of Law, BHU	4.68 Crore	OBC Grant	Under progress

2	Construction of OBC Girl's Hostel for 100 Students, RGSC, Barkachha	3.52 Crore	XII Plan	Under progress
3	Construction of OBC Boy's Hostel for 100 Student, RGSC, Barkachha	3.52 Crore	XII Plan	Under progress
4	Construction of Academic Building (G+1) Phase-I, Faculty of Veterinary & Animal Sciences, RGSC, Barkachha.	6.57 Crore	XII Plan	Under progress
5	Construction of Animal House (Phase-II), Faculty of Veterinary & Animal Sciences, RGSC,	9.52 Crore	XII Plan	Under progress
6	Construction of Teaching Veterinary Clinical Complex (Phase-I), RGSC	9.86 Crore	XII Plan	Under progress
7	Construction of four storied new building of City Delegacy, BHU	2.11 Crore	XII Plan	Under progress
8	Construction of 150 Rooms Girls Hostel for Faculty of Visual Arts & Performing Arts, BHU	14.71 Crore	XII Plan	Under progress
9	Construction of Building for Bharat Adhyayan Kendra (G+5), BHU	10.77 Crore	XII Plan	Under progress
10	Construction of International Hostel (150 Rooms) Phase-I for Bharat Adhyayan Kendra, BHU	20.71 Crore	XII Plan	Under progress
11.	Construction of Learner's cum Warm up Swimming Pool Premises, BHU	1.02 Crore	XII Plan	Under progress
12	Construction of Teacher's Flat (G+5) 16 Nos. at R.G.S.C., Barkachha, BHU	3.05 Crore	XII Plan	Under progress
13	Construction of Bio-Chemistry Building (G+1), Institute of Science, BHU	5.00 Crore	XII Plan	Under progress

University Science Intrumentation Centre

The University Science Instrumentation Centre (USIC) Level-II is a non-vocational academic department as well as a central facility of the Banaras Hindu University, established by UGC, New Delhi in 1980. The USIC Building was completed in 1982-83 and the recruitment of the technical staff was completed by Dec. 1985. Since its inception, the USIC Level-II has been actively providing services related to:

- Repair and maintenance of the electronic/ electrical/ mechanical/ analytical instruments/ equipments / machines.
- Project works of the Research Scholars of the University and IIT B.H.U.
- UV-Visible Spectrophotometer and Distilled water.

The list of the faculties / institutes / centres / units, etc., where the staff of USIC has been offering services are :

- Institute of Agricultural Sciences
- B.H.U., Press
- Institute of Science
- Indian Institute of Technology
- Institute of Medical Sciences

Details of the jobs completed by the USIC Level-II during the period from (1st April, 2015 to 31st March, 2016) are given below in the form of a table and graph :

Sl. No.	Name of Institute/ Faculty/ Unit	No. of Jobs Completed
1.	Institute of Agricultural Science	14
2.	B.H.U., Press	12
3.	Institute of Science	07
4.	Indian Institute of Technology	02
TOTAL		35

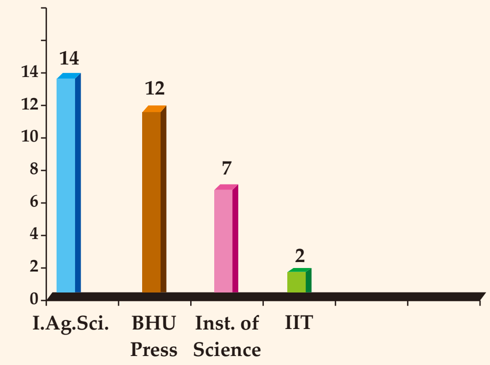

Faculty/Institute/Deptt./Unit wise Break-up of jobs completed by USIC Level-II (from 1st April, 2015 to 31st March, 2016)

9.12. Health Care

Sir Sunderlal Hospital

Sir Sunderlal hospital is a teaching and training hospital for imparting clinical teaching and training to the students of Institute of Medical Sciences. Established way back in the year 1926 with a bed strength of 96 beds, it is now a modern hospital with 1500 beds. It is the only a tertiary care referral centre for the entire Eastern U.P., Western Bihar, Chhatisgarh, Jharkhand, M.P. and neighbouring country Nepal catering to the medical needs of about 20 crores population. It houses both Modern Medicine and Indian Medicine disciplines under one roof. Recently a new 60 bedded air-conditioned EOPD building has been added.

The S.S. Hospital runs on the regular maintenance grant as well as ad-hoc development grants from the University Grants Commission. Besides, it also generates a part of its own financial support in the form of Revolving Fund through its earnings from the user charges for its services from the patients. A number of SPECIAL CLINICS are also being run to meet out the specific needs: Well Baby Clinic & Immunization Clinic, Geriatric Clinic, De-addication Clinic, Wound Clinic, DOTs Clinic, Adolescent and Menopausal Clinic, Hematology Clinic, Glaucoma Clinic, Ksharshutra Clinic, ART Clinic, Post Partum Clinic, Diabetic Complication Clinic, Peadiatric Hematology-Oncology Unit & Thalassemia Day care Unit, Rheumatology Clinic and Dietetic Clinic.

The Hospital is equipped with a number of specialized therapeutic and diagnostic facilities such as: Cobalt Therapy, Haemodialysis, Lithotripsy (ESWL), Renal Transplantation, 16 bedded modern ICU, Cardiac Pace Maker Lab, Cardiac Cath Lab, Open Heart Surgery, Neonatology/ Neonatal Surgery ICU, Dental Services (A newly constructed building at Sthapana sthal parisar near Sthapana sthal 25.1.2015), Physiotherapy & Rehabilitation Service, Pediatric

ICU, Video Endoscopy & Paediatric Urology Unit, Neuro Navigation System, Neuro Endoscopy, ART Centre, Post Partum Programme, Eye Bank & Corneal Transplant, Urodynamic LAB, Blood Component Therapy, Ayurvedic Panchkarma Therapy and Leech Therapy, Kshar Sutra Therapy and Implementation of HMIS through which admission ticket, collection of procedure of investigation charges in regard to Indoor patients and OPS slip is going on from 30.01.2015, 01.01.2016 & 25.01.2016 respectively.

Certain Services have been running on Public Private Partnership (PPP) or outsourcing. They are as follows: 24 Hrs Medicine Shop, Panchakarma (Kerala Ayurveda), Bio Medical Waste Management, 24 Hrs. 64 Slice C.T. Scan Centre, Annapurna Bhojanalaya, Nestle Coffee Corners, Amul Parlours, Public conveniences (Sauchalaya & Bathrooms), 24 Hrs. Food Court in Casualty OPD, Extended Dialysis Facility.

New Achievements

- Single Window Facilities to the patient in Hospital for the investigations includes Blood, Urine, Stool, Immunological, Microbiological, ECG, 24 Hours USG.
- Prompt and immediate care of the patient coming to Emergency, there is a facility of Registration, Treatment and Investigations under one roof and report is also ready within half-an-hour. (Cardiac Profile, ABG with Electrolyte, Rapid Test for Dengue, CBC, Paracheck, U.S.G. etc.)
- The bed strength of the Hospital has been increased from 1254 to 1500 as per the MCI guidelines.
- First time after two decades, free distribution of food (Lunch and Dinner both) to the poor patients of the Hospital.
- Hi-Tech updated ICU with 16 beds now commissioned.
- Tree Plantation and beautification of surrounding areas of Hospital, Fencing of Psychiatric road.
- For the convenience of patients, 20 new water coolers have been installed in different areas of Hospital.
- LED TV installed at different areas of the Hospital for educational program for the patients.
- Enhancement of Blood Bank facilities. New unit of AbA1c test is started in Blood Bank.
- Air conditioning of Eye, ENT & Labour Room completed and started functioning.
- Sanction of 200 Crore for 500 bedded Centenary superspeciality complex.
- Sanction of 580 crore for 250 bedded Pandit Madan Mohan Malaviya Cancer Centre. Foundation laid by the Hon'ble Prime Minister on 22.12.2016.
- Sanction of 103 crore for Regional Resource Centre of Telemedicine.
- Annual bed allocation increased from 1 Lac to 2 Lacs per bed for Sir Sunderlal Hospital (1500 beds)
- 500 posts of Nursing personnel sanctioned, recruitment is under process.

Additional Achievements: Renewal of Onco surgery OPD, New Gastro OPD, New Cardiac OPD, "Daycare chemotherapy" of cancer patients in New EOPD Block, Amrit Pharmacy (low cost medicine shop) started selling implants chemotherapy drugs at very low cost (20% to 90% discount of MRP).

Inauguration of the following was done on the date mentioned against each:

- New Pain & Palliative Ward -29th April 2016
- Renovated Hi-Tech ICU -29th April 2016
- New Emergency Building - 6th July 2016
- Kitchen - 6th July 2016
- Stroke Ward - 6th July 2016

Hospital Statistics

Total No. of OPD Patients	:	13,52,380
Total No. of Admissions	:	51,087
Total No. of Surgical Operations (Major, Minor & Other procedures)	:	26,988
Total No. of Births	:	2,738
Total No. of Deaths	:	2,891
Emergency OPD Attendance	:	50,895
Total No. of Investigation	:	17,98,666
No. of Beds	:	1,500

University Students Health Care Complex

The University has a dynamic as well as flexible

comprehensive health care delivery system for all the students viz., hostellers as well as day scholars. Day-to-day health care facility is extended to them through an independent unit named University Students Health Care Complex located on the hostel road, almost as the centre of the University campus. This complex is a specialist oriented health care system manned by the specialist doctors with post graduate qualification in various disciplines of Medicine supported by well trained and dedicated nursing and paramedical staff under the overall administrative control and supervision of the Chief Medical Officer.

The University Students Health Care Complex extends clinical care coverage to all the bonafide students of the University throughout the year, except on holidays, on line with the working schedule of the S.S. Hospital. The students attending the centre with their authorized health diaries are provided with comprehensive health care including consultation as well as indoor treatment and admission, if needed. Minor surgical procedures and orthopedic interventions are carried out alongwith provision of high-tech investigations and referral treatment, all free of cost. A token amount of Rs.350/-, as annual premium is charged from each student under the Students Health Welfare Scheme to meet the expenses on their medical care. The centre also provides health diaries and medicinal coverage for the Health Centres at RGSC, Barkachha Mirzapur and at Kamachha.

The annual OPD attendance during the session was 2.6 lacs

Services rendered by the Centre :

A. Clinical facilities

- General out-patient consultation by specialist doctors.
- Emergency services till 8.00 p.m. where common emergencies among students are managed including IV medication, nebulization and so on
- Minor surgical services
- Orthopedic interventions including reduction and plastering
- Respiratory clinic including PFT
- Specialized medical consultation covering Medicine, Surgery, Orthopedics, TB and Chest diseases, Gynecology etc.
- Pharmacy and drug dispensing services
- Dressing services including routine accidents and sports related injuries
- Vaccination coverage for Hepatitis B, Tetanus, typhoid, Rabies etc.
- Injection services covering all major routine drugs needed for microbial diseases and related symptoms.
- Dental clinic with specialized dental surgeons and well equipped staff and supporting infrastructure for virtually all dental ailments common among students. Expansion of the Dental Clinic with installation of two new state of the Dental chairs along with provision of Dental Digital X-ray has been recently done making it well equipped in line with internationally established protocols for dental treatment. A new Dental Implant Kit has been procure for placing Dental Implants, along with prosthesis, free of cost to the students who have lost their tooth due to any dental disease. A total of almost 75 Dental implants have successfully been placed on students/staff of Banaras Hindu University till date.

University Employees Health Care Complex

The UEHCC cater to the primary medical facilities to the regular and superannuated employees of the University and their dependents. The UEHCC also provide medical facilities to the Resident Doctors of the Sir Sunder Lal Hospital and the staff of the Kendriya Vidayalaya, BHU Campus. Presently approx 85,000 beneficiaries are enrolled in the UEHCC and about 1,14,576 patients are benefited from the services of the UEHCC by its 06 Consultants. The dispensing of modern Medicines and Ayurvedic Medicine are done by the qualified Pharmacists.

At present the following services are available in the UEHCC:

- General Out-patient consultation
- Surgical Consultation
- Orthopedic Consultation
- Specialized Medical Consultation
- Gynecological Medical Consultation
- Pharmacy Services
- Dressing Facility

- Injection & Vaccination Services
- Issuance of Medical Certificates
- Processing of Medical Reimbursement Claims
- Examination of Uterus Cancer in female
- E.C.G. Facility, Nebulization & Oxygen Facility
- Clinical observation Room Facility for patients
- X-ray Facility
- Basic Physiotherapy Services

Future Plans:

- Pathological Tests Facility
- Physiotherapy Room
- Minor O.T. Facility

Activities

- OPD : 1,14,576 patients present (Employees, Pensioners, Super Pensioner JR. Resident, SR. Resident, KV BHU & all the his/her families.
- ECG : 667
- RBS : 3614
- X-Ray : 4289
- Dressing : 2095
- No. of Reimbursement Bill : 13256
- Medicines & Dressing Materials : Rs.1,35,00,000/- (Approx).

9.13. University Sports Board

The University Sports Board was constituted under the Chairmanship of the then Vice- Chancellor Dr. K.L. Srimali in 1975. Earlier it was University Athletic Association. The main aim and objective of Sports Board was to provide higher level of training to the students & staff of the university through Assistant/ Deputy Directors and highly trained Coaches, so that the University team may achieve high standard performance in Inter University/ State/ National & International level competitions. The Board may take services of available trained Coaches/ National & International level sports personnels from outsides the BHU.

Participation of BHU Teams in Inter University Tournaments

- East Zone Inter University Hockey (M) Tournament held from 09-12 January 2017 at Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur.
- East Zone Inter University Football (M) Tournament held from 03-10 Feb. 2017 Vidya Sagar University Midinapur.
- East Zone Inter University Basketball (M) 05-09 Nov. 2016 at M.G.K.V.P., Varanasi.
- East Zone Inter University Basketball (W) Tournament held from 09 to 12 Oct. 2016 at KIIT Bhubaneshwar.
- East Zone Inter University Badminton (M) Tournament held from 09-12 Oct., 2016 at KIIT Bhubaneshwar.
- East Zone Inter University Badminton (W) Tournament held from 09-12 Oct., 2016 at KIIT Bhubaneshwar.
- East Zone Inter University Kabaddi (M) Tournament held from 01-12-2016 to 08-12-2016 at V.B.S.P., University Jaunpur.
- East Zone Inter University Kabaddi (W) Tournament held from 20-11-2016 to 24-11-2016 at M.G.K.V.P., Varanasi.
- East Zone Inter University Volleyball (M) Tournament held from 05-08 Nov. 2016 at Gauhati University Guwahati.
- East Zone Inter University Volleyball (W) Tournament held from 17-22- Jan., 2017 at V.B.S. Purvanchal University.
- East Zone Inter University Chess (M) Tournament held from 09-12 Oct., 2016 at KIIT Bhubaneshwar.
- East Zone Inter University Chess (W) Tournament held from 09-12 Oct., 2016 at KIIT Bhubaneshwar. Obtained Second Place.
- East Zone Inter University Cricket (M) Tournament held from 05-14 Jan., 2017 at Vidya Sagar University Midinapur.
- East Zone Inter University Tennis (M) Tournament held from 09-12 Oct. 2016 at KIIT Bhubaneshwar. Obtained Third Place.
- East Zone Inter University Kho-Kho (W) Tournament held from 29-01-2017 to 02-02-2017 at Vishwa Bharati, University.
- East Zone Inter University Handball (M) Tournament held from 26-30 Nov., 2016 at

BHU Team Participation in All India/ Inter Zonal Inter University Tournaments and All India Level

Swimming (Aquatics)	M	24-28 Oct. 2016.	Punjab University, Chandigarh
Swimming (Aquatics)	W	24-28 Oct. 2016.	Punjab University, Chandigarh
Athletics	M	10-15 Jan. 2017	Anna University, Chennai
Athletics	W	10-15 Jan. 2017	Anna University, Chennai
Boxing	M	30.01.2017–04.02.2017	L.P.U., Jalandhar
Boxing	W	25-29 Jan. 2017	L.P.U., Jalandhar
Archery	M	15-19 Feb. 2017	Krishna University, Machlipatnam
Archery	W	15-19 Feb. 2017	Krishna University, Machlipatnam
Wrestling	M	25-27 Feb. 2017	Ch. Devi Lal University, Sirsa
Taekwondo	M	15-21 Mar. 2017	M.D.U., Rohtak.
Taekwondo	W	15-21 Mar. 2017	M.D.U., Rohtak.
Shooting	M	08-12 Nov. 2016	G.N.D.U., Amritsar.
Shooting	W	08-12 Nov. 2016	G.N.D.U., Amritsar.
Wushu	M	26-28 Sept.2016	Punjabi University, Patiala **Obtained Second Place**
Wushu	W	26-28 Sept.2016	Punjabi University, Patiala, **Obtained Second Place**

M.G.K.V.P., Varanasi, East Zone Inter University Handball (W) Tournament held from 12-16 Nov., at M.G.K.V.P., Varanasi.

- East Zone Inter University Table Tennis (M) Tournament held from 09-12 Oct. 2016 at KIIT Bhubaneswar.
- East Zone Inter University Table Tennis (W) Tournament held from 09-12 Oct. 2016 at KIIT Bhubaneswar.

In addition to above University Sports Board has organized very prestigious 30th Federation Cup Volleyball Championship from 05-12, February, 2017

First Paralympic Dibyang Sports Tournament 2016-17 has been organized by the University Sports Board from 24-26.October, 2016.

Some sports activities have been organized by the University Sports Board during 24-29 August, 2016 on the eve of International Sports Day (29th August).

The work of ASTRO TURF –Hockey in the University Sports Board is in progress. In Addition to this construction of Sports Hostel has been completed.

30th Federation Cup Vollyball Championship held on 5-12 February, 2017

9.14. Programmes Organized by the Dean of Students' Welfare

The Banaras Hindu University has the objective to impart knowledge to the student along with providing opportunities for their character building. Our beloved founder Pt. Madan Mohan Malaviyaji believed that all round personality development of the students should be the basic aim of education through which they can develop their internal and external powers and contribute in the society with utmost honesty and solidarity.

The University has been continuously fulfilling the dreams of Mahamanaji and stepping forward by organizing various Programmes, functions and competitions promoting creativity and character amongst youth for serving the nation. The activities organized during the session are as follows:

- **Auspicious Beginning:** As per tradition, auspicious "Rudrabhishek' and "Puja" were performed on 04.07.2016 at Shree Vishwanath Temple by the Vice-Chancellor to mark the commencement of new academic session, 2016-17. Officers, teachers, staff and students of the University Family participated in the religious ceremony for success of the academic session.
- **Orientation of Newly Admitted Students by the Vice-Chancellor:** The Hon'ble Vice-Chancellor of BHU addressed newly admitted students of the current session on 11.08.2016 at Swatantrata Bhawan. In the orientation, he emphasized on importance of studying in Mahaman's founded Banaras Hindu University and blessed the students for their bright and successful future.
- **Candle March:** On the evening before the Independence Day, a Candle March was organized on 14.08.2016. The Candle March started from Malaviya Bhawan to BHU gate that ended back from the gate to Malaviya Bhawan. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Grish Chandra Tripathi while addressing the students before the start of Candle March gave oath for protecting the Independence of our nation Registrar, Director of Institutes, Dean of Faculties, Principal of Mahila Mahavidyalaya studnets and staff participated in the March.
- **Independence Day Celebration:** The Independence Day was celebrated on 15th August, 2016 at Amphitheatre ground. The Vice-Chancellor was received and welcomed by the NCC Group Commander. At 9.00 a.m. the Vice-Chancellor hoisted the National Flag and saluted it. This was followed by National Anthem. The Chief Guest, Vice-Chancellor inspected the Guard of Honour given by NCC Cadets. Thereafter, he addressed the audience followed by presentation of award and citation to NCC Cadets. Patriotic songs and Vande Mataram including other cultural Programmes were performed by the Faculty of Performing Arts.
- **Teachers' Day Celebration:** Teachers' Day was Celebrated on the occasion of Birth Anniversary of Dr. Sarvapalli Radhakrishnan on 5th September, 2016 at K.N. Udupa Auditorium. Dr. J.V. Narlikar was the Chief Guest at the function who honoured the retired teachers of the University by presenting shawl, memento and citation. Presiding over the function the Vice-Chancellor threw light on important aspects of the life of Dr. Radhakrishnan.
- **Gandhi Jayanti:** Gandhi Jayanti was celebrated on 2nd October, 2016 in the Malaviya Bhavan. Prof. V.S. Chauhan, New Delhi, was the Chief Guest at the function. On this auspicious occasion Sarvadharma Prayer Bhajan (Vaishnav Jana…) was most attractive performance. The function was presided over by the Vice-Chancellor of the University. He distributed Rs.5000/- each as Teaching Aid to 101 visually impaired students, Rs.4000/- each to 38 physically challenged students for purchase of tricycle and Rs.3000/- each to 16 hearing impaired students as financial assistance.
- **Punya Tithi of Pandit Madan Mohan Malaviyaji:** As per Hindi Panchang "Punya Tithi" of Pandit Madan Mohan Malaviyaji was organized on 18.11.2016 in Malaviya Bhavan. On this occasion, Shanti Path, garlanding & floral tribute to Malaviyaji's bust & Geeta Path were performed by Directors of Institutes, Deans of Faculties, Principal of Mahila Mahavidyalaya, Dean of Students, Chief Proctor, teachers and students. Two minutes silence was observed.

Independence Day Celebration of BHU

- **Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviya Jayanti:** As per the tradition of the University, the Birth Anniversary of Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya was celebrated during 14 to 25 December, 2016. Auspicious beginning of Malaviya Jayanti started with 'Devadipujan' on 14.12.2016. followed by 'Shrimad Bhagwat-parayan' and 'Shrimad Bhagwat Pravachan' culminating with 'Purnahuti Havan' on 21.12.2016. In the Evening of 25th December 2016 Malaviya Deepawali was inaugurated by Hon'ble Vice-Chancellor. During the Malaviya Jayanti, Bhajan Competition, Spot Painting Competition, Fancy Dress Competition for local school children, Bhajan & Devotional Songs, Lokgeet & Samuhagan Competition for University Employees, Sangitmay Kanthastha Geeta Path (by local school children) Shrimad Bhagwatmaha purankatha were organized on the occasion. Vice-Chancellor Prof. Girish Chandra Tripathi Ji handed over the prizes to winners of competitions in the function organized on 25th December, 2016 at Malaviya Bhawan. Birth Anniversary of Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya was also celebrated at Rajiv Gandhi South Campus.
- **Republic Day Celebration:** Republic Day Celebration was organized on 26th January, 2017 at Amphitheatre ground at 9.00 a.m., the Vice-Chancellor, Prof. Girish Chandra Tripathi was received by the Group Commander NCC, hoisted the National Flag followed by the National Anthem. The Vice-Chancellor inspected the Parade.

Ms. Akansha Chaurasia, Deptt. of Psychology, Faculty of Social Sciences was awarded 'Ex-President of India Dr. Shankar Dayal Sharma Gold Medal 2015-16' for Academic excellence, general proficiency and exemplary conduct.

'Mahamana Sanskrit Award 2016-17' was presented to Shri Alok Kumar Mishra, Department of Vedic Darshan, Faculty of SVDV for obtaining highest marks in Essay Competition in Sanskrit language.

Major S.L. Dar Gold Medal for 2016-17 was awarded to Ms Guma Kumari Thapa, Deptt. of Physical Education, BHU.

Major S.L. Dar Silver Medal for Best NCC cadet of 2016-17 was awarded to Rachit Kumar Jain, UPSD/14/282103 SUO of 3 U.P. Armed Battalion, BHU

"Best Non-Teaching Employee Awards" were presented to the following employees for their remarkable services:

- Shri A.S. Pillai, Personal Assistant, Office of the Vice-Chancellor, BHU.
- Shri Santlal, Technical Asstt., Genetics and Plant Breeding, I.Ag.Sc.
- Shri Suresh Kumar, Peon, Computer Centre
- Shri Sunil Kumar Singh, Laboratory Attendant, Deptt. of Sharir Rachana, Faculty of Ayurveda
- **Foundation Day Celebration:** As per tradition, the Foundation Day was celebrated on February 01, 2017 at the Foundation Stone site of Saraswati Mandir. On this occasion, the Vice-Chancellor offered puja and garlanded Goddess Saraswati. In the 'Puja' teachers, officers, employees and students were present. On this occasion, various Institutes, Faculties and Units of University performed Saraswati Puja and showed their talent, decorating 'Jhankies', taking them out as ceremonial procession on BHU road, starting from Birla-Ruiya Hostel crossing to Madhuban Lawn. The Tableau Procession was witnessed and appreciated by spectators, gathered in large numbers.
- **Hostel Excellence Award 2017:** The Hostel Excellence Award-2017 Competition was held from 22.02.2017 to 25.02.2017 in which 66 male and female Hostels of the University participated. A judges committee consisting of the faculty members from the affiliated colleges and other P.G. and Degree Colleges were appointed by the University for fair assessment. The assessment criteria for this competition was cleanliness,

maintenance and upkeep of hostel garden, sports and other available facilities. Final Result of Hostel Excellence Award Competition was as under:

Male Hostels

Dalmia Hostel	FIRST Prize
Dr. S. Radhkrishnan Hostel	SECOND Prize
Bhagwan Das Hostel	THIRD Prize
Bal Gangadhar Tilak Hostel	Appreciation Prize
Bhabha Hostel	Appreciation Prize
Brocha Hostel	Appreciation Prize
Management Hostel	Appreciation Prize
Punarvasu Atreya Hostel	Appreciation Prize

Female Hostels

Rani Laxmi Bai Girls Hostel	FIRST Prize
New Doctor's (Girls) Hostel	SECOND Prize
Jyoti Kunj Hostel	THIRD Prize
Ganga Hostel(Triveni Complex)	Appreciation Prize
Gomti Hostel (Triveni Complex)	Appreciation Prize
Dr. J.C. Bose Gorls Hostel	Appreciation Prize
Maitreyi Hostel	Appreciation Prize
Swasti Kunj Hostel	Appreciation Prize

Rajiv Gandhi South Campus

Vindhyavasini Girls Hostel	Overall Champion
Vindhyachal Hostel	Appreciation Prize

Cultural and Youth activities organized by the Office of the Dean of Students for Personality Development of Students:

East Zone Inter University Youth Festival (27.12.2016-31.12.2016): East Zone Inter-University Youth Festival 2016-17 sponsored by the Association of Indian Universities and Ministry of Youth Affairs & Sports, Govt. of India was held at Vidyasagar University, Midnapore during 27-31 December, 2016. The BHU Team consisting 40 members participated in the Festival.

Swamy Vivekanand Jayanti 'Yuva Diwas' (12.01.2017): In the Centennial Year of BHU the Swamy Vivekanand Jayanti 'Yuva Diwas' on 12.01.2017, a lecture on the topic "भारतीय चिन्तन और राष्ट्रनिर्माणः स्वामी विवेकानन्द की दृष्टि में" was organized at Malaviya Bhawan. Prof. Awadesh Pradhan was the Chief Guest. The function was presided over by Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Girish Chandra Tripathi.

Inter University National Youth Festival (14th February, 2017): 32nd Inter University National Youth Festival 2016-17 sponsored by the Association of Indian Universities and Ministry of Youth Affairs & Sports, Govt. of India was held at Shivaji Rao University, Kolhapur during 10 to 14 February. 20 members BHU Team participated in the Festival.

Inter-Faculty Youth Festival "Spandan-2017" (26.03.2017-30.03.2017): The Inter- Faculty Youth Festival SPANDAN 2017 was organized from 26 to 30 March, 2017 in the University at different venues. Around 2000 students of 23 teams from 16 Faculties, Mahila Mahavidyalaya, Rajiv Gandhi South Campus and Affiliated Colleges admitted to the privileges of the University participated in different events of the Festival. Shri Raju Shrivastava, famous Cinema Actor was the Chief Guest of the Inaugural function on 27.03.2017 at Amphitheatre Ground. The audience present at the function received him with great enthusiasm. Mr. Shrivastava provided great entertainment to the captive audience. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Girish Chandra Tripathi presented 'Angvastram and Memento' to the Chief Guest.

Valedictory function was held on 30 March, 2017. World Record holder Kathak Dancer, Ms Soni Chaurasia was the Chief Guest on the occasion. Chief Guest and Hon'ble Vice-Chancellor distributed prizes to winners.

Other Programmes organized by the Office of the Dean of Students:

Lala Lajpat Rai Pathshala was established in Sunderbagia by Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviya for the upliftment of backward and dalit classes. The Pathashala is imparting free education to students from very poor families residing in and around the University. On 17th December, 2016 the Vice-Chancellor distributed sweaters to the students.

Various Cultural events organized by Dean of Students

Facilities provided to the students under Students' Welfare Scheme

- Under Students' Welfare Scheme, on the occasion of Gandhi Jayanti on 2nd October 2016, 101 Visually Impaired students were given Rs. 5000/- each as teaching aid by the Vice-Chancellor.
- Free meal facility was made available to the visually impared students from Oct. 2, 2016 to April 30, 2017. Physically handicapped students were also provided meal at subsidized rate in their respective hostel messes. Under this scheme, poor and meritorious students were provided free meal in Shri Annapurna Bhojanalaya of Banaras Hindu University. About 350 students of BHU main campus and Rajiv Gandhi South Campus were benefited.
- 38 Physically Challenged students were provided Rs.4000/- each in cash for the purchase of tricycle.
- 16 Hearing Impaired students were provided Rs.3000/- each in cash for financial assistance.
- Rs 5000/- were provided to the Departments for organizing seminars, workshops etc. at the department level for the students.
- Financial assistance was given to the research scholars and postgraduate students for registration fee and to attend conference, seminar, workshop etc.

Financial Assistance under 'Earn while Learn' scheme was given to those students who were engaged for audio recording of the courses of visually impaired students. Rs.68,000/- approx. was paid for the purpose during the period under report.

9.15. Career Development Centre

The Skilled Development Centre was established in the University by the orders of the Vice-Chancellor for advancing all-round career prospects and overall personality development of the students of the University. The establishment of the Skilled Development Centre was notified vide the Notification No.R/GAD/Skill Development Centre/42181 dated 19.01.2016. Subsequently, the name of the Skilled Development Centre was changed to Career Development Centre. The Career Development Centre is located in the Hobby Centre of the University. The Career Development Centre during the period of report organized 161 Personality Development Sessions, 65 Android Application Development Sessions, 92 Basic Computer Sessions, 57 C-Programming Sessions, 33 Website Making Sessions, 7 Cleaning Drive, 9 Aptitude Sessions, weekly session on Gita, Daily session on Yoga, 10 Sessions on Entrepreneurship, 8 Spoken English Sessions, 1 Workshop on Group Discussion for IRDM MA students, Mock Interviews for Public Administration MA students, 18 Sessions on UPSC preparation to the students of the University. Apart from the above, the CDC has been involved in Samarth Gram Abhiyan since Nov 7, 2016 and the highlights of the same are as under:

- Visited around 40 villages in 8 field trips.
- Jaivik Krishi Sammelan on 4/11/2016
- Dental Health Camp and Plantation in Madhupur and Muradev on 27/01/2017
- Women Health camp and planation in Tarapur and Narottampur on 2/2/2017
- Veterinary Health Camp in Saghat on 4/2/2017

9.16. Canteens

Matri Jalpan Grih of BHU with its various units located at three different locations in BHU is operated by Management Committee appointed by the University. It is operating on 'No Profit and No Loss' basis supplying Canteen products by maintaining proper hygienic conditions in the work place and around.

Maitri Jalpan Grih provides breakfast, lunch and items of refreshment to the students, teachers and

non-teaching staff of the University. The facility is also extended to the candidates appearing in various competitive exams held in the university particularly the UET & PET exams. Whenever Seminars and Conferences in various departments of the University are held, their needs of refreshment, lunch & dinner is also catered as per their demand and requirements ordered.

(1) Maitri Jalpan Griha and its following branches :

(a) IMS Canteen

(b) University Hospital Canteen

(c) Operation Theatre Canteen

(d) Ruchira, MMV Canteen

(e) Madhuban Canteen

(f) Central Office Canteen

(g) Kendriya Vidyalaya Canteen

(2) Agro Canteen

9.17. National Service Scheme (NSS)

NSS Activities

- On 15th August, 2016 Independence Day was celebrated in the NSS Office.
- On 24th September 2016 NSS day was celebrated; on this occasion Dr. Kavita Arya, Arya Mahila PG College and good volunteers were felicitated.

- On 02nd October 2016, the Birth Anniversary of Gandhi ji and former Prime Minister Lal Bahadur Shastri was celebrated. In the programme Swaccha Bharat, Swastha Bharat, organized in Lala Lajpat Rai Primary School, Suder Bagia, BHU, the Chief Guest Prof. G.C. Tripathi, Vice-Chancellor, BHU took the oath along with the students of the school to clean their homes as well as the University.
- Selection of volunteers for the Republic Day parade was done by the Programme Officers from BHU, MGKV and SSVV, Varanasi along with Shri Ayodhya Prasad, Youth Officer, NSS Regional Centre, Lucknow. Three volunteers were selected and one of them Km. Mahika Fatyal from MMV participated in the Republic Day parade on 26.01.2017.
- A Seven Day special camp was organized by the NSS volunteers of the Faculty of Arts under the leadership of Dr. Neha Pandey, Programme Officer, NSS. On the sixth day Dr. Ashok Shroti, Regional Director, NSS appreciated the activities of the volunteers and advised them to adopt primary schools for upgrading their standard. Dr. Archana Sharma also sensitized the students towards female foeticide.
- 110th Birth Anniversary of Shri Bhagat Singh was celebrated along with the commitment of saying no to drugs.
- The Constitution Day was celebrated in the Institute of Agricultural Sciences, BHU on 14.04.2016 in which Dr. B.P. Ashok, Superintendent of Police, Chunar and Prof. R.P. Singh Director, Institute of Agricultural Sciences addressed the volunteers.
- On 12-13th December, 2016, a Workshop on "Re-imaging NSS as Fifth Space" was jointly organized by United Nations Fund for Population activity and the NGO Pravah. Dr. Pramod Kumar Sharma, Programme Coordinator, NSS, BHU and Dr. Rajiv Mishra and Dr. Aruna Kumar Progamme Executives were invited to participate in it. Out of the 63 units of NSS 02 units were selected for the pilot project aiming at the individuation of the Youth along with community activities. The project aimed at selecting five programme officers, each from higher education institutes in Varanasi, Lucknow and Delhi.
- The second step of this Workshop aims at selecting volunteers who will go to their respective colleges to train the fellow students for awareness activities. The NSS team will involve Women NGOs to reach larger groups.
- The awareness programme "My Mobile My Peruse" was begun by the girl NSS volunteers of the University.
- On the initiative of Hon'ble Prime Minister of India, 40 volunteers participated in the Financial Education Awareness Programme organized by the State Bank of India to increase cashless transaction.
- The NSS volunteers of Institute of Science made awareness and trained the shopkeepers inside the BHU Campus under the leadership of Dr. Aruna Kumari, Programme Officer and Shri Shanshank Kumar, Chief Manager, SBI, BHU on 16.01.2017.
- Voters Awareness Programme: One day Workshop on Voters Awareness Programme was organized in the Faculty of Arts in which the volunteers had to participate in the Slogan Competition titled Ethical Voting.
- Organization of Special NSS camps: 51 Units organized special camps in the adopted villages and colonies for weaker sections. In the 7 day camp the volunteers cleaned villages like Kandwa, Sushwahi, Aditya Nagar, Ponds, Wells and various Ghats, Pushkar Kund, Kurukshetra Kund besides various places in the BHU Campus.
- Rallies related to the awareness of Aids, Voter responsibility, Water preservation and Communal Harmony were organized by the MMV, AMPGC, DAVPGC, VKM, VCW, Faculties of Arts and Social Sciences.
- Several other awareness programmes related to education, health and cleanliness were also organized. The Faculty of Social Science volunteers invoked the participants to encourage "Beti Bachhao Beti Padhao".

9.18. National Cadet Core (NCC)

Headquarters NCC Group 'A' is located within the premises of Banaras Hindu University. The units

of the Group provide NCC cover to the districts of Varanasi, Chandauli, Ghazipur, Ballia and Mau, comprising a total enrolled strength of 6234 Boys and 2500 Girls in 03 Universities, 16 Schools & 63 Inter Colleges/Degree Colleges. The Group Headquarters has on its roll 14 Commissioned Officers, 33 Junior Commissioned Officers, 88 Non Commissioned Officers, 48 Senior Division Associate NCC Officers, 25 Junior Division Associate NCC Officers and 129 civilian staff.

Achievements

- The Gp achieved overall 7th position in NCC Directorate (UP) during U.P. Dte Training in this year.
- Eight cadet participated in Thal Sainik Camp (TSC) (Boys & Girls)-2016 at Delhi.
- 11 cadets participated in Nau Sainik Camp (NSC) - 2016 at Visakhapatnam.
- Seven cadets participated in the Republic Day Camp (RDC) - 2017 at Delhi.
- One Senior Division cadet attended Indian Military Academy, Dehradun Attachment Training Camp from 21 June to 02 July 2016.
- A total of 15 Combined Annual Training Camps were conducted during the training year in which 5166 cadets underwent camp trg.
- 118 cadets of the Group took part in four National Integration Camps (NIC) in this year.
- 231 Army cadets underwent Attachment Training with various units of Armed Forces and were exposed to the Regimental way of soldiering, thus educating and motivating them to join the Defence Forces.

NCC/NSS Cadets Donated Blood on 26.07.2016

- 44 cadets participated in two different treks conducted by various NCC Directorates.
- 67 ex NCC cadets joined Armed Forces & other Central & State Government services through NCC 'A', 'B' & 'C' certificates entries.
- Trg of Associated NCC Officers in Disaster Management. 12 Associated NCC Officers participated in Disaster Management Training organised by 11 Bn NDRF, Varanasi.
- NCC National Games 17 cdts participated in NCC National Games, New Delhi organised by DGNCC. This Group secured first position in Football, Hockey, Kho-Kho and second position in Handball during Inter Group Competitions (Sports).
- The Group team from 7 UP Naval Unit came Second during Inter Group Nau Sena Competition 2016 held at Allahabad.
- International Day of Yoga On the occasion of International Day of Yoga-2016 (21 Jun 2016) total 6937 cadets participated.
- YEP Col UK Pant of 92 UP Bn NCC detailed for YEP, Bangladesh wef 01-27 Dec 2016 & Cdt Rachit Kumar Jain of 3 UP Armd detailed for YEP Kazakhstan wef 25 Sep to 08 Oct 2016.

Honours & Awards

The following medals were won by the cadets :

- Cadet Rachit Kumar Jain of 3 UP Armed Sqn NCC, BHU won Major SL Dar Silver Medal awarded by BHU for outstanding NCC Cadet from BHU.
- Two cdts received Special award during NCC Day on 18 Nov 2016 at HQ UP Dte by ADG.
- Two cdts received Special Medals during Governor House function on 07 Feb 2017 at Lucknow.

9.19. Bank & Post Office

BANK

The University has two Banks in the campus to provide banking facilities to the students, staff and their family members. The bank has also provided the facility to deposit the fee through our internet banking

product i-collect. This convenient way of depositing fee, without visiting fee counter, will save the resources of BHU.

1. State Bank of India having four branches:

a) Main /BHU Branch

b) Shopping Centre Branch

c) IMS Branch

d) IT Branch

2. Bank of Baroda, S.S. Hospital

Four ATM of aforesaid banks are functioning in the campus.

POST OFFICE

There are three branches of core banking Post Office functioning at BHU campus:

1. Hindu Vishwavidhyalaya Post Office (Near Kendriya vidyalaya School)
2. BHU (Hospital) Post Office (Near IMS Hospital)
3. Malviya Nagar Post Office (Near Central Office)

Facilities Available at these post office are

1. All types of Saving Bank Facility (Core banking service)
2. Meghdoot Millennium
3. Business Post
4. Retail Post
5. BNPL Service
6. Postal Life Insurance Policy
7. Western Union Money Transfer
8. Money gram Payment

9.20. Railway Reservation Counter

The Railway Reservation Counter (PRS, BHU) was started in June, 2006. In the year 2015-16, the turn over from the counter in terms of financial inflow, number of Passengers and Number of requisitions are as follows :

1. Financial inflow : Rs.3,77,42,080.00
2. Total Passengers : 69122 and
3. No. of received requisition : 49200

This P.R.S. opens at 9.00 O'clock in the morning and the closing time of counter is 3.00 O'clock in the afternoon.

9.21. Air Strip & Helipad

In order to develop multifaceted personality of students there is an Air Strip/Helipad in the University campus extending technical training at national level to the University students with collaboration of the 7 UP Air Squad where 900 (700 Senior Division and 200 Junior Division) Air Flight cadets. The facility provides 33% reservation for girls.

9.22. Shopping Complex

For the facility of the patients, their attendants, visitors, students and staff of the University to provide high quality consumables, utilities and refreshments, several shops in different parts of the University campus are functioning including Nestle Koisk (including one situated at Cyber Library) and 05 Amul Parlor (1 in RGSC, Barkachha).

9.23. The BHU Club

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya established the University Club in 1934 on the university campus with a mission to foster the university's merit and excellence, along with the all round developments of the campus community. The primary intention of the club has been to cater to the recreational, cultural and extracurricular necessities of the campus fraternity. The club provides facilities for indoor games, social gathering, literary events, informal discussions, serving refreshments and audio-visual recreations. Due to the presence of divergent ethnic and religious teaching and administrative members, the club appears to be a unique place where one would feel 'a mini India in its finer form of cultural manifestation at assemblage'. The university club reflects the finer cultural refinement of its faculty and administrators.

With the beginning of the new century, the role of the university club has also changed from exclusive cultural representation to the functionally valued asset. Each year, it generates a reasonable amount of money from allowing its premises for marriage and other socio-cultural events and festivities. The university club is committed to upheld the cultural and literary harmony as well as to maintain the cosmopolitan academic fabric of the university, truly realizing the Mahamana's educational and social visions.

9.24. Students Welfare

9.24.1. Placement Service

Institute of Agricultural Sciences

In addition, through Institute's Placement Cell, 52 new graduates/ post-graduates were selected for one or the other job, 07 students as Assistant Professor/ Scientists and 35 students got success in ICAR JRF examination and other prestigious Business Schools.

Institute Of Environment And Sustainable Development

In addition to teaching and research activities, the faculties of IESD trained students for scientific work as a part of summer training towards their M.Sc./M.Phil. dissertation of other Universities. Six M.Sc. Tech Environment Science and Technology final year students are placed in Ramky Enviro Engineers Limited, Hyedrabad in current session.

Institute Of Management Studies

Practical Training, Dissertation & Final Placement

Another area of active collaboration with the corporate world is practical training of our management students. As part of the course curriculum, our students receive 8-week practical training during summer every year. We have received tremendous support from the industry in arranging training facility for our students. Also, as part of dissertation project our students received great support and guidance from the industry in completing their projects successfully. Campus Placements are another important area of corporate linkages. Several reputed public and private sector organizations regularly participate in campus placement programs. They include Reserve Bank of India, ICICI Bank, Coal India Ltd, DHL Express, Pantaloons, Infosys, FINO, Bank of India, Dena Bank, Indogulf, iCRM, IDBI Bank, Canara Bank, Bank of Baroda, Ansal API, NCMSL, Axis Bank, Visa Steel, UCO Bank, Stag International to name a few.

The Institute reinforced its position as one of the premier business schools in the country as reflected in the overwhelming response from the industry for final placement for 2017 batch. A total of 114 students participated in the placement process with 39 students from MBA, 40 students from MBA – International Business and 35 from MBA Agribusiness. 5 students received pre-placement offers from their summer internship organizations, hence, proving their mettle through high quality work. The regular recruiters at our Institute reinforced their faith in the quality of talent by hiring in big numbers. This year witnessed a substantial increase in the number of companies confirming participation for the final placement process. Top 25% students placed at an average package of INR 7.9 lacs P.A., whereas the highest package was 10 lacs.

Companies Visited for Campus Placement in the previous years include:

The average CTC saw at 9% increase over the previous year with the highest CTC offered being INR 10 LPA. The Placement season saw good response from companies sparing across various functions such as General Management, Finance, Sales and Marketing Operations and knowledge management. The stellar placement at institute of Management Studies stands testament to the faith shown in its pedagogy, faculty, alumni and students by the stalwarts of the industry. About 35 organizations visited the Institute for Campus Placement which include DHL Express, State Bank of India, Infosys, ICICI bank, Britannia, Mahindra Finance, Ujjivan SFB, Pearl Academy, Prizm Cement, Dhanuka Fertilizers, Visa Steel and other reputed organizations.

INSTITUTE OF SCIENCE

Department of Computer Science

Through Campus Placements a few students were placed in various Software Companies. Three companies TCS, ThreadSol and Webkul visited the campus and selected 8 students, 2 student and 3 students respectively.

Department of Geology

A good number of students of M.Sc. (Tech.) and M.Sc. have been offered placement in the companies like ONGC, Coal India Ltd., Atomic Minerals division (AMD), Mineral Exploration Corporation Ltd.(MECL) Monet Ispat, Wipro, Tata Steel , BARC, HZL etc.

Community Development and Social Service Schemes

The Group Headquarters' units have participated in the following social service activities:

SI No	Activity	Units	Duration	Strength
(a)	Anti Tobacco Day Rally	All units	31 May 2016	1535
(b)	World Environment Day	All units	05 Jun 2016	535
(c)	Anti Drug Day	All units	26 Jun 2016	1621
(d)	Blood Donation on Kargil Vijay Diwas	Varanasi	14 Aug 2016	165
(e)	Swachhata Pakhwada	All units	1-15 Aug 2016	784
(f)	Swachhata Week	Varanasi	28 Sep 2016	225
(g)	World Diabetes Day	All units	14 Nov 2016	316
(h)	Tree Plantaion	Varanasi	12 Aug 2016	60
(i)	Anti Tobaco	Varanasi	12 Aug 2016	30
(j)	Notional Youth Day : E payment awareness compaign	All units	06-12 Jan 2017	150
(k)	Commemoration Run : Republic Day	All units	18-21 Jan 2017	902
(l)	Word Water Day	All units	20 Mar 2017	350

- **Swachh Bharat Campaign** Cleanliness drive was conducted by all units with lot of enthusiasm and awareness generated in the environment about keeping our surroundings clean especially among the youth of the adopted villages.
- **Certificate Examination 2445** cadets qualified in the certificate examinations held during the training year 2016-17. The details are as follows:-

(i) 'A' Cert Exam - 662

(ii) 'B' Cert Exam - 1364

(iii) 'C' Cert Exam - 419

Most of the post graduate students of the department proceed for Summer Training in the prestigious research institutions in the country and the industry. Among these prestigious institutions include the Wadia Institute of Himalayan Geology, National Geophysical Research Institute (NGRI), Physical Research Laboratory (PRL), CIMFER, GSI, ISRO and BARC etc.

Department of Geophysics

Students of final year M. Sc. (Tech.) as well as passed out students of previous year are selected/placed in GSI through UPSC, other government, semi-government and private organizations. Nine students of Geophysics were selected by the ONGC as Geophysicist Trainee through campus interview held during Nov. 23 -24, 2016.

The students of first and second year (Exploration as well as Meteorology specializations) were sent for educational tour / field training during the semester break in December 2016 & January 2017.

Centre For Genetic Disorders

Previous student batches have got placement in institution like SGPGIMS, Lucknow, IMS BHU, Institute of Science, BHU, Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi etc.

Rajeev Gandhi South Campus

- MBA (Agribusiness) course of RGSC is associated with various reputed companies and esteemed organizations like Pearl Academy, Shavana Seeds, Sinochem, Chambal Fertilizers, Du- Pont Pioneer, Ansal API, Bandhan Microfinance, Mahindra Tech., Pan seeds, Dhanuka Agritech, Indogulf Fertilizers, ASA Microfinance, Cashpor Microfinance, JVL Agro, Dabour Ayurvet etc for training and placement.
- In B.Pharm. (Ay.) & M.Pharm. (Ay.), students have been selected for training in Shree Baidyanath Ayurved Bhawan Private Limited. Also the students were placed in Shree Baidyanath Ayurved Bhawan Private Limited, Emami Ltd., Patnjali Ayurveda and Charak.

Centre of Food Science & Technology

Placement Service and Training Programmes

- One student got selected as Food safety officer
- Two students got selected in bank
- Most of the students got selected in reputed food industries

9.24.2. University Employment Information & Guidance Bureau

The University Employment Information and Guidance Bureau is probably the first bureau of the country, which is popular as Model Bureau, that was established in June 1959 at Ruiya Hostel of Medical Block in Banaras Hindu University. National Employment Service scheme is working in around 82 Universities of the country at present. The University Grant Commission and the Ministry of Human Resources, Govt. of India, have made efforts to establish Employment Information and Guidance Bureau in all the Universities. The University students may get educational and vocational guidance right here in the campus, this bureau is therefore situated here. The main function of this Bureau is to provide information to the students, teachers, employment seekers, and others for higher studies, financial assistance, job opportunities, and self-employment prospects available in India and abroad. It also provides services for career counseling psychological testing and campus recruitment for the campus student. There are following main point of this Bureau:

- Vocational Guidance and Career Counseling
- Registration, Submission and Placement
- Career Studies and Occupational Research
- Employment and Self-employment.
- Vocational Guidance to Individuals and Group
- Campus Recruitment

Over the years, it has evolved as a network of services to cater to optimum career needs. A perusal of the appended statistical record reveals the area of the activities camed out.

The Career Information Centre has been established in a big hall. There are 80 folders which have been divided into faculties, industries, organization, institutional and other different parts, like women department, employment department, medical and competitive educational department, National development and defence, employment area information etc. These are quite popular among the students, providing information of education,

training employment scholarship/ fellowship etc. of country and abroad as well.

Collection of Career Information, study classification, analysis, demonstration, and to protect this are the thrust of the bureau. All the information and direction services of bureau are provided on the basis of suitable information literature. Information are collected according to the personal and public requirements of students. The information not available at the Bureau are obtained from other sources and made available to the students.

Vocational Guidance is being done in various affiliated schools, colleges and various University departments under the direction of bureau. This type of unit provides informative services to students. Bureau is making a good and strong effort to provide more and more information and guidance to small children and to help them out in making good and solid vocational planning for career.

The Library of Bureau related to the various kinds of valuable and useful books are available, besides letters and magazine, courses of University, rules and regulation, guidance for competitive examination, self planning, trade development etc. All books are useful and helpful for students for preparation of competitive examinations and admission for higher education, scholarship/ fellowship, etc.

Occupational Research: Works are being done for studies, creation of literature and published work. In three series of publications "Plan a career series", "Know your subject series" and "Guidance leaflet series", more than 51 books have been published so far. Time to time, bureau also publishes application for employment.

'**Plan a Career series**' These books provide information about many courses of study related with higher education, scholarship/fellowship, training, employment and self-employment as well as the information of Career Opportunity in foreign. During personal consultation, these books are provided to students and candidates. "Students Vocational Guide" is a fortnight bulletin regularly issued on the 10th and 25th day of every month. The main purpose of this bulletin is to give information about admission in various institutions (educational, vocational and training), scholarship/fellowship and present vacancies of employment. This bulletin is being distributed free of cost among the students of the university and visiting guests.

Guidance via correspondence is one of the most important services of this Bureau. Bureau has been providing information and guidance to the students, applicants, institution and guardians for guidance and information against letter received from them. In this way, there remains a continuous relation between the Bureau and students via correspondence.

Study and Employment Opportunity Abroad: Great interest is found in students and teachers for study abroad. The Bureau provides information regarding higher education, scholarship/fellowship, admission, entrance regulation etc. in America, Canada, England, Germany, France, Russia, Japan etc. It is systematically organized in our career room of the Bureau.

Employment Information Assistance: Employment Information assistance is given to all those candidates who are willing to participate and only post-graduate and professional graduate are permitted to get registration in the Employment Bureau. The Bureau sends the details alongwith application form of registered candidates to the employer. The Bureau gets the information regarding employment direct from Employer, Regional Employment Exchanges and Central Employment Exchange, New Delhi.

Placement Cell : The Bureau has also established a Placement Cell. Under the supervision of this Placement Cell, it has been organizing several campus interviews.

Internet Facilities: We have installed computers with internet connection to provide current and detail information about admission/Scholarship/ Fellowship/ Employment to the students.

Choose Your Career Fortnightly Programme: "Choose your career fortnightly Programme" was organized during 17.08.2015 to 31.08.2015 for giving wide publicity to the vocational guidance services of the Bureau among students, job seekers, employer and general public. The programme attracted appreciable responses from many concerned with the career planning. Programme is being organized by the Bureau in the following schools and colleges :

- Government Inter College, Tikari, Varanasi
- S B Siksha Niketan Inter College, Karaundi, Varanasi
- Kardmeshwar Mahadev Inter College (East), Kandwa, Varanasi
- Kardmeshwar Mahadev Inter College (South), Kandwa, Varanasi
- V N S Inter College, Naria, Varanasi
- Ranveer Sanskrit School, Varanasi
- Central Hindu Boys School, Kachchha, Varanasi

Career Counseling and Personality Development Programme (AWSER Shivir): "Career Counseling and Personality Development Programme (AWSER Shivir)" is organized for giving wide publicity to the vocational guidance services of the Bureau among students, job seekers, employer and general public. The programme attracted appreciable response from many and is being organized by the Bureau in 21 schools and colleges:

Work Achievements during the Year 2014-15

1.	Registration	156
2.	Live Register	648
3.	Individual Information	3091
4.	Registration Guidance	156
5.	Individual Guidance	6
6.	Group Guidance	125
7.	School/CollegeTalk	28
8.	No. of Participant in Schools & Colleges	3715
10.	Visit of VIPs	60
11.	Distribution of Information Literature	11
12.	Contacts for Information Material	38
13.	Contacts for Employment Prospectus	33
14.	Contact for Guidance Programme	29
15.	Campus Placement	12
16.	Candidates Appearing in Campus Interview	101

9.24.3. The Students' Council

Following programmes were organized by the office of the Students' Council in the current session :

"Earn While Learn" Programme: 500 needy and meritorious students were provided work in various places in University campus not only to earn money for living but they also gain experience in various fields such as Faculty/Departments Office, Library, Hospital etc.

Seventh Edition of "Drishti" Journal & 'Yuva Aawaz': The Seven Edition of "Drishti" Journal & "Yuva Awaz" is under process. In this edition research papers were written in three languages (Hindi, English, Sanskrit). All the papers were reviewed and send for correction. Most of the papers were received and send to press for publication.

Students' Council also publishes other magazine for students "Yuva Aawaz" mainly for the youth of our university. This book contains poem and short stories written by the students of BHU. The aim of this book is to encourage writing skills of the students' poem as well as stories.

Akhil Bhartiya Kavi Sammelan: Akhil Bhartiya Kavi Sammelan was organized at M.P. Theatre Ground on 31/03/2017. World-famous 10 leading poets have been invited whose name are – Pt. Hariram Diwedi, Dr. Kuwar Bechen, Dr. Sagar Tripathi, Shri Yash Malviya, Shri Om Dhiraj, Shri Hari Narayana Singh "Harish", Shri Wahid Ali Wahid "Wahid", Shri Bhal Chandra Tripathi, Ms. Sandal Afroz, Ms. Priyanka Om Nandani. They have presented poem in front of the students. Many students who have shown their capability at "Spandan" were also invited to present their poems during the function.

9.24.4. City Delegacy

The students of B.H.U. residing outside the hostels (day-scholars) are registered under City Delegacies. The Delegacy caters to physical, moral and cultural thrust of day-scholars. There are five units of the City Delegacies for the day-scholars of the University:

1. East Delegacy
2. West Delegacy & D.L.W. Delegacies
3. North Delegacy
4. South & Ramnagar Delegacies
5. MMV Unit (only for girl students)

The City Delegacy provides a number of sports facilities like, Table Tennis, Chess, Carrom, Football, Volleyball, Kabbadi and Cricket etc. Beside sports activities magazines useful for competitive examination, and newspapers of national importance

(in Hindi & English Languages) are made available to the day scholars for reading.

The City Delegacy organizes the annual event UNMESH to conduct competitions i.e. sport activities and literary & cultural activities such as Essay Writing, Quiz, Debate, Elocution, Cartooning, Painting, Photography, Poster Making, Mehdi, Rangoli, Instrumental (Sitar, Tabala, Vasuri), Vocal, and Poetry Recitation. The aims at giving an opportunity to the students and put to test their abilities in extra-curricular activities.

In the current session, about 546 students actively participated in various competitive events in UNMESH conducted by the City Delegacy. Every year, the winners in different competitions are awarded Certificates & Memento in a special function. In the current session 2016-17, the Prize Distribution Function was held on 8th April, 2017. On this occasion, the Chief Guest was Prof. Vinod Shankar Singh, Ex-Head & Dean, Faculty of Commerce, Banaras Hindu University. 90 winners were awarded Certificates and Memento by Ex-Head & Dean, Dean of Students; and several distinguished Guests were present on this occasion.

9.24.5. Equal Opportunity and Inclusive System Student Welfare : SC/ST

(a) Special Cell for SC/ST: As per the directives of the University Grants Commission (UGC), New Delhi, a Special Cell for Scheduled Caste (SC) & Scheduled Tribes (ST) has been established under the charge of the Joint Registrar as its Liaison Officer, for monitoring the implementation of reservation policy as well as to look after the grievances of the SC & ST communities employees, students and teachers, and for submission of information to the concerned Government Offices from time to time.

Also as per the directive of the Hon'ble Vice-Chancellor, BHU, following Cells have been constituted vide his office notification no. R/GAD/SC/ST grievance Cell/6710/6723 dated 11-05-2013:

(1) SC/ST Grievance Cell at University Level

(2) SC/ST Grievance Committee at Faculty Level

(3) SC/ST Grievance Committee at Department Level

(b) SC/ST Reservation Policy: The mandatory provision for reservation as notified by the UGC/GOI i.e. 15% for Scheduled Castes and 7.5% for Scheduled Tribes, has been implemented by the University for the following purposes:

1. Admission in various courses
2. Allotment of rooms in hostels
3. Allotment of Quarters for Teaching & Non-teaching Staff
4. Recruitment of teaching staff (up to the level of Professor)
5. Recruitment of Non-teaching Staff

(c) Standing Committee for SC/ST: As per the order of the Hon'ble Vice Chancellor, BHU the Standing Committee for SC/ST has been reconstituted vide the notification no. Sct/II/11-12/288 dated 08-10-2011. A Sub-Committee of the Standing Committee for SC/ST has also been constituted under the orders of the Hon'ble Vice-Chancellor to look into the doubtful Caste Certificates which are received through Admission Committees of various Departments for their verification and authentication. As per decision of the Sub-Committee, the doubtful Caste Certificates are sent to the Competent Authorities for verification through office of the Chief Proctor, BHU.

(d) SC/ST Observers: For the safeguard of the interests of the SC & ST community, the University nominates one SC and one ST teaching staff from the SC/ST teachers list as observed in various committees like Admission/Appointment/ Promotion and Hostel Allotment Committees and the which is published by the Cell every year in the month of July.

(e) Data Preparation: The Cell regularly maintains the Statistical Data in respect of various matters like admission of students, hostel accommodation, fellowship/ scholarship and allotment of University quarters to the SC/ST teaching and non-teaching employees and communicates it to the UGC, New Delhi/MHRD etc., which are considered by the Monitoring Committee of the UGC for implementation of reservation policies for SC & ST.

(f) Complaint Register: A complaint register is maintained by the SC/ST Cell, wherein complaints received from SC & ST community students,

employees and teachers get registered and forwarded to the concerned offices/ competent authorities for comments/necessary action thereon and all the proceedings are entered in the said register. The Cell communicates the respective data to the UGC, MHRD, NCSC & NCST.

Online Complaint Register: As per the direction of the University Grant Commission vide the letter dated 1 March, 2016 the University has developed an online complaint register, which may be checked at bhu.ac.in. To register online complaint, http://internet.bhu.ac.in/ scstobc/comlaint.php may be logged in.

	Total Received online complaints	Resolved
SC	03	03
ST	02	02

(a) Grievance Redressal Cells: Vide the notification dated 11 May, 2013 the Hon'ble Vice Chancellor constituted three tier (University Level, Faculty Level and Department Level) SC/ST Grievance Redressal Cell for speedy redressal of the grievances of teachers, employees and students of the SC/ST community, The SC/ST Grievance Redressal Cell (University Level) has resolved 5 grievances.

Other Backward Class

(a) Special Cell for OBC: As per the directives of the UGC to monitor the implementation of reservation policy, a Special Cell for OBC under the charge of Jt. Registrar as its Liaison Officer has also been established and is operational in the University. Previously, this cell was a part of the SC/ST Cell. As per the directives of the regulatory bodies, the Hon'ble Vice-Chancellor, BHU, the cell is working independently with the Minority Cell vide the notification no. R/GAD/Creation of Cells/ 6699 dated 11-05-2013.

(b) OBC Reservation: The mandatory provision of reservation of 27% for the OBC Category, as notified by the UGC/GOI, has also been adopted/implemented by the University for the following purposes:

1. Admission in various courses
2. Recruitment of Teaching Posts (up to the level of Assistant Professor)
3. Recruitment of Non-teaching posts

(c) Data Preparation: The Cell regularly maintains and dispatches the relevant Statistical Data on various matters of the University, like admissions of students, award of fellowships/ Scholarships, recruitment on teaching and non-teaching position, to the UGC and MHRD, New Delhi.

(d) Complaint Register: The OBC Cell maintains a Complaint Register wherein complaints received from the OBC candidates are registered and these complaints are sent to the office of the concerned Units/competent authorities for comments/ necessary action for their disposal as per prevailing rules.

(e) Committee for Doubtful OBC Certificate: As per the order of the Hon'ble Vice-Chancellor, a committee for verification of doubtful OBC certificate has been constituted and notified vide notification no. OBC/Misc/Caste Verification/2016/321/ 22384, dated August 12/13, 2016 which inquire and verify the doubtful OBC certificate received from the committees of the different Departments in the University.

Remedial Coaching Centre

As per the Guidelines prescribed by the University Grants Commission for the preparation of NET examination, a Coaching scheme for Scheduled Castes, Scheduled Tribes, OBC (Non-Creamy Layer), Minorities communities with a seven member Advisory, Committee is also constituted to look after the said scheme.

A Remedial Coaching Centre for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and OBC (Non-Creamy Layer) and Minority Students have been established in the Department of Psychology, Faculty of Social Sciences. Under this scheme, a total of 425 students have successfully completed successfully their coaching for NET examination in session 2016-17; out of which, 319 students are belong to from OBC (non creamy layer), 94 from SC category, 12 belonging to ST category.

In the session 2016-17, a total of 115 students have successfully completed their coaching for preparation of Civil Services which includes 81 OBC (non creamy layer) students, 27 SC students, 07 ST students.

Disability Cell

By the letter No. F.6-1/2002(CPC-II) dated 2nd March, 2005 received from the Dy. Secretary, UGC, New Delhi vide notified vide no. R/GAD/I-Disability Unit/26377 dated 22.09.2006, a "Disability Unit" was established in the University for implementation of the provisions of Act regarding persons with disabilities with the Dy. Registrar (Acad.) as it officer-in-charge. At present this cell is under the charges of an officer with rank of the Joint Registrar as its Liaison Officer. As per the Govt. of India policy, 3% percent horizontal reservation is provided to disabled persons (1% for Visually Impaired, 1% for Hard Hearing and 1% for Orthopaedically Handicapped) in recruitments of teaching and non teaching positions and in admissions also to various courses offers by the University and other related relaxations are also provided to disabled persons as per directive of the govt. of India.

Equal Opportunity Cell

The Hon'ble Vice-Chancellor has nominated the Dy. Registrar, SC/ST Cell as the Incharge of Equal Opportunity Cell (E.O.C.) (letter no. R/dev/merged scheme/EOC/4174 dated 29.03.2010). At present the Incharge of the Equal Opportunity Cell is an officer of the university of the rank of the Joint Registrar.

Duties of the Equal Opportunity Cell: The main duties of the Equal Opportunity Cell are to run specific schemes of coaching for students belonging to SC/ST/OBC (non creamy layer)/ Minority communities in order to enhance their employability and to bring them to the main stream.

Anti Discrimination Officer (ADO): As per the directives of the UGC, the Hon'ble Vice-Chancellor, has appointed Prof. M.K. Singh, Professor, as Anti Discrimination Officer (ADO), Equal Opportunity Cell, Banaras Hindu University vide the notification no. R/GAD/E.O. Cell/ 922 dated April 6, 2016 and it has also been intimated to the UGC vide letter no. SCT/EOC/301B/2016/2837 dated 18.04.2016.

"Annadan Scheme" for economically weaker and meritorious students

Under the aegis of Shri Vishawanath Temple "Annadan Scheme" was initiated in the year 2003. Under this scheme, economically weaker and meritorious students are provided free food during the period from 2nd October to 30th April of an Academic Session. When the scheme started in 2003, 10 students were covered under it. During the Academic Session 2015-16, 60 students benefited from this scheme.

9.24.6. Extra Curricular Activities

Institute of Environment and Sustainable Development

- Eco Club: Institute of Environment and Sustainable Development, Banaras Hindu University, Varanasi at Rajiv Gandhi South Campus.
- Students of IESD, Banaras Hindu University, Varanasi participated in the Youth Festival (Spandan-2017) and won prizes in Essay writing, debate, poetry recitation in English/Hindi, on the spot photography, quiz, turn-coat, on the spot painting, collage, sketching, Rangoli and Menhdi competitions.
- The Institute participated in the World Environment Day- Celebrations through Poster Composition among students and residents of Assi Ghat.
- Farmers training and popularization regarding biofertilizers and Biopesticides preparation at home level for multiple application for enhancing sustainable agricultural production in Jaunpur, Zamgarh, Chanduali and Mirzapur District of Estern Uttar Pradesh by Dr. Jay Prakash Verma, IESD, BHU.
- Foundation Day celebration of BHU was celebrated through Jhanki procession by IESD. The theme of Jhanki was 5R means: Recycle, Reuse, Refuge, Reduce, Reform at Bashant Panchami.

Faculty of Management Studies

The Institute also organized various co-curricular and extra curricular activities during the previous session. These include cultural programs organized by the students during national festivals, Alumni meet, other academic events such as conferences,

seminars, etc. The Annual Day of the Institute 'Unnayan' was celebrated during 5-10 February 2017. Students actively participated and won prizes in various other events organized at the University level such as Spandan 2017, Spardha 2017, Janmashtami events, etc. Students also actively participated in debates and competitive events organized by other.

Faculty of Science

School of Biotechnology

- Foundation Day Jhanki
- Participation in Swaksh Bharat Mission
- Orientation Program for newly admitted students
- Participating in the intra-departmental sports activities
- Plantation in the School Garden
- Participation in the sports and play (culture activities) at inter departmental and inter faculty level by some of the students

Department of Botany

Conduction of INSPIRE Programme for school children: Plantation programme in Botanical Garden, Visit of Central Instrument Lab. of the Deptt. by school and college students, Use of instruments by College and School students as well as other University and Govt. Instt., Cleanliness of the Dept. premises and Botanical Garden etc. under Swachcha Bharat Abiyan

Mahila Mahavidyalaya

The Cultural Association of Mahila Mahavidyalaya organised various competitions:

NCC

- Cdt. Deepshri Tiwari – Selected for SSB Training Camp
- Cdt. Sudha Pandey, Cdt. Deepshri Tiwari, Cdt. Nancy Kujur selected for NIC (National Integration Camp), Jammu.
- Cdt. Shalini Rai, Cdt. Sineela Tomsuay, Cdt. Akanksha Prajapati selected for Mavlankar Shooting Competition.
- Cdt. Shalini Rai– represented U.P. Directiorate in West Bengal and won Silver Medal and also participated in All India Shooting Competition. Awarded by the Hon'ble the Vice-Chancellor on 26 January (Republic Day), 2017.
- Cdt. Akanksha Joshi- Selected for Inter Group competition (IGC) camp, Gaziabad (Noida)
- Cdt. Vibha Shrivastava– selected for IISM (Indian Institute of Sking and Mountaineering) camp at Gulmarg, J&K.
- Flt. Cdt. Karishma Shrivastava – was selected for Inter group competition (IGC camp), Gaziabad (Noida)
- Flt. Cdt. Aradhana Chaturvedi and Cdt. Sgt. Deepshika Kumari was selected for All India Vayu Sainik Camp (AIVSC), Jodhpur, Rajasthan.
- Cdt. Sgt. Deepshikha Kumari also won Gold Medal in health and hygiene at All India Vayu Samik Camp (AIVSC), Jodhpur, Rajasthan. She was awarded by the Hon'ble Vice-Chancellor on NCC day.
- Cdt. Vibha Shrivastava and Cdt. Aradhana Chaturvedi were awarded Prasansha Patra by the Hon'ble Vice-Chancellor on 26 January (Republic Day), 2017 for Anchoring.

Rallies

- World Diabetes Day
- Digital India (Bhim App) Rally.

Also, many other girl cdts. won various prizes and medals for different competitions being organized at Combined Annual Training Camps (CATC) at BHU, Varanasi.

NSS: All the NSS programme officers held three one day camps and one special camp. Other activities conducted under NSS:

- Shramdan at MMV Campus and NSS ground
- Swachata Abhiyan
- NSS Students observed "Ekta Divas". Students planted trees and organized a solidarity march in the BHU campus. The students also made a human chain and organized deep daan.
- Students of Mahila Mahavidyalaya was organized "Yuva Divas" on 12.01.2017
- Blood Donation Camp on 12.01.2017
- "Vastradan Aviyan" under "Neki Ka Pitara"

Arya Mahila Mahavidyalaya

Spic Macay: Spic Macay chapter and Arya Mahila P.G. College jointly organized famous folk dance of Orissa i.e. Gotipua. The young artists of Orissa presented Vandana dance, pallavi dance, Abhinaya dance and mesmerized the audience.

Tejaswini: The Tejaswini Cell of the College organized Dr. Vani Bajpai's, lecture on Women and Health for the students. On this occasion, students presented cultural programmes and Women achievers of the region were felicitated for their contribution to Women's cause. They were Dr. Priyamvada Tiwari, renowned Gyneacologist, Prof. Rita Bahuguna Joshi, Prof. Rachana Srivastava, Principal, VKM, Prof. Revati Sakalkar renowned classical singer from Music and Performing Arts, BHU, and the Hindustan Reporter Veena Tiwari

Alumni Meet: On 22nd April, 2017, the college organized Alumni Meet- 2017. The Alumni of the college Dr. Rama Pandey, Philosophy Department, Vasanta College for Women, Dr. Sumita Chatterjee, Bangala Department, BHU Dr. Sangeeta Jain, English Department, DAVPG College, Dr. Rita Jaiswal, Sociology Department, MMV, BHU were honored.

Youth Festival: Like every year, this year also the Youth Festival Medha Sanskritik Sankul was inaugurated on 8th Feb, 2017 in which Prof. Revati Sakalkar, Music and Performing Arts Department, BHU was the chief guest. The Youth festival closing ceremony was held on 9th February, 2017.

Spandan-2017: Spandan 2017, Inter Faculty Competitions were organized by BHU from 26th to 30th March, 2017 Arya Mahila P.G. Collage won the third position in the cultural procession on the theme 'स्वच्छ गंगा-निर्मल गंगा'. In Sanskrit debate Anuranjika MA first year got the third position; Shraddha Tiwari won second prize in creative dance, and college team third prize in choreography.

Sports

- On National Sports Day 29-08-2016 Arya Mahila P.G. College organized different sports competitions.
- BHU organized three days' (8th to 10th Sep, 2016) inter faculty Badminton Competition in which three students of Arya Mahila P.G. College participated.
- In a competition held from 15th to 17th Sep. 2016 between Arya Mahila P.G. College team and Agriculture Science Institute team of BHU, the college team won.
- Inter Department Badminton competition took place from 3rd to 5th Oct, 2016 in which commerce department was winner.
- A regular Gym for teachers and students has been started in the college.

Educational Tour 2016-17

- Under Educational Tour students of B.A. 3rd year, M.A. 1st year and final year were taken to Agra Fort and New Delhi form 22nd Feb. 2017 to 4th March,2017.

NSS: The college has five units of NSS in which 500 students are registered. Each unit contributes to society by organizing one day or seven days camp blood donation, plantation providing free education to the orphans survey of slum areas & also by conducting various competitions, activities to create awareness like speech, lecture, essay writing etc.

Vasanta College For Women, Rajghat

Educational Tour/ Picnics: A ten days' education tour to Rajasthan (25.01.2017 to 03.02.2017) and Kolkata, Puri and Bhuneshwar was organized for the students (23.02.2017).

National Social Service (NSS) : Five units of NSS actively participated in events like seven days' NSS Camp from 25.02.2017 to 03.03.2017. The students visited Saraimohana and Kotawa, Sarnath and organised awareness programmes on Clean Kashi,

Healthy Village, Beti Bachao, Beti Padhao, Literacy Mission, and Save Environment, An Eye inspection Camp was organized on March 1, 2017.

SPIC MACAY: Ronu Mazumdaar, noted Indian flautist delivered a mesmerizing performance at Rajghat. From November 04 - 06, 2016, the students participated in State Convention, SPIC Macay held at NTPC School, Dadri, Ghaziabad (04.09.2016).

Vasantashram: The Hostel: The students celebrated Shri Krishna Janmastami, Christmas Eve, and Vasant Panchami with great enthusiasm. Training courses in craft, bag making, beautician course, cooking and career and counseling programmes were organised for them. They also interacted with Dr. Meenakshi Thapan, Delhi University (29.07.2016) and Dr. Suraiya, London (27.02.2017).

Alumni Meet: In the meet, alumni like Prof. Pushplata Pratap, Former Principal, VKM, Dr. Manju Sundaram, Famous Musician, Prof. Vidula Jaiswal, Renowned Archaeologist, Prof. Kalplata Pandey, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Ms. Neeta Nagar shared their memories with others and honored by Principal (21.03.2017).

Sports Activities: Shreya Singh (Handball), Shabnam Bano (Handball), Archana Patel (Kabaddi) and Manu Manjusha (Volley Ball) were selected to participate in the Inter University Tournaments. Divyang students also participated at the University level and secured 2nd Position both in Badminton and Chess. 12 students were awarded Taekwondo Green Belt and 3 were awarded Yellow belt by Uttar Pradesh Taekwondo Association. Priya Kumari was awarded Gold Medal (40 KG Weight category) in K.A.I. National Karate Championship 2016, Delhi. She was also awarded Gold Medal for State Level Katare Championship 2016 and got 3rd Prize, organized by Karate Association of India. On Annual Sports Day March Past, Yoga Demonstration, Performance by Flamboyance Group Taekwando Demonstration, Thread Needle Race, Sack Race, Musical Chair etc were organized (23.02.2017).

August 30, 2016: During the flood in Varanasi, the students as well as staff extended help to the flood victims by distributing the flood relief materials like food, medicines, juice and clothes etc in nearby local areas of Varanasi.

Vasant Kanya Mahavidyalaya

Sarjana

The Academic and cultural forum of the college 'Sarjana', organized 15 competitions in two phases. The first phase was organized from 2309.2016, 24.09.2016, 26.09.2016, 27.09.2016, 11.02.2017 and 13.02.2017 Speech competition, Collage competition, Debate, Turncoat, Monoacting, Skit, Single Dance, Poetry competition, Poster-making, Rangoli, Mehandi, Solo Song, Group Dance, were held. About 500 students of both undergraduate and postgraduate classes participated in the events. The running shield was won by B.A. II.

Sanskrit Matrimandalam

Sanskrit Matrimandalam promotes practical application of the language along with its academic use. During this session, in order to promote language skill of students, 2 workshops from date 15.09.2016 to 24.09.2016 and 26.09.2016 to 11.10.2016 were held for appreciation of variety of Sanskrit meters.

Women Study Cell "UDAAN"

The women study cell of the College 'Udaan' seeks to spread awareness among the students about their rights and duties. It aims to empower them by evoking self-respect in them so that they can contribute to the development of the nation at large. A poetry recitation competition on "Being a Women" was held on 15.09.2016. 65 students participated in it. A street play on "Women Empowerment" was held on 22.03.2017.

Progression of Annie Besant Spirit

The birth anniversary of Dr. Annie Besant was celebrated on 01.10.2016.

Alumni Meet "AVARTAN"

The 12th alumni meet "Avartan" was held on 22 March, 2017. The programme commenced with garlanding the picture of Dr. Annie Besant by our Manager, Prof. Sushila Singh and Principal, Dr. Rachna Srivastava. Thereafter, Dr. Srivastava welcomed the alumni and informed them about the newly designed College website. She also informed the old students about the activities of the College throughout the year. College Magazine "Vasantshree" was distributed. Dr. Sangita Deodiya, presented a

powerpoint presentation informing about AVARTAN. Three old students of the College, who received BHU Gold medal were honoured during the programme. They were Ms. Supriya Mishra (Hindi Hons), Ms. Swati Yadav (Sanskrit Hons.) and Ms. Neha Verma (English Hons.). The Alumni shared their experiences and participated in different activities.

National Service Scheme

In the current session, the five units of NSS Organized two one - day and one seven - day camps. The first one day camp was held on 25.10.16 which was based on National Unity. Programme of "Role of Youth in Nation building" was organized, in which students cleaned the college campus. Principal, Programme Officers and all volunteers planted trees and pledged to spread the message of energy and environment conservation as well as to create a polythene - free environment. In the second session, workers from Deshbandhu Foundation through their lectures made students aware about the leadership quality. In the third session Dr. Vijay Kumar delivered a lecture on "Employment opportunities in the area of Banking."

On the second, a one-day camp was organized on 08.11.16, students participated in the speech competition on the topic "Iron man: Sadar Vallabh Bhai Patel and Moulana Abul Kalam - Inspirational personalities for the youth". Students presented the life-sketch and philosophy of these two great leaders. A patriotic poem recitation competition was also held. Total 25 students participated in different competition students also took out a peace candle Rally.

A seven-day camp was organized from 03.02.17 to 09.02.17. On 03.02.2017, a discussion on "Voter Awareness" was organized in which volunteers expressed their views on the importance of Voting. A group discussion on various aspects of personality development was conducted by the Programme Officers.

On 04.02.17 a workshop on Yoga and Taekwondo was held. Volunteers participated in various games like Kabaddi, Kho-kho etc. with great enthusiasm. Poster and Slogan writing competitions on environment conservation, voters awareness and Beti bachao beti padao were organized.

On 05.02.2017 a poetry recitation competition was organized in which volunteers recited poems which were self composed as well as composed by other poets. A speech competition on "My dream college" was held in which volunteers participated enthusiastically. A lecture by Dr. Shipra Dhar, renowned gynecologist on "Women Health" was organized. Poster and slogan writing competitions were also organized.

On 06.02.2017, a seminar on "Importance of Ganga: its conservation and challenges" was organized. Sri Hariparsad Sahi, Municipal Commissioner was the chief guest. Prof. Sushila Singh, Manager, VKM and Dr. Rachna Srivastava, Principal, VKM, graced the function. Volunteers were made aware of the "Ganga Action Plan Project" and "Swachhta App". Students of Rangbhoomi group of Arts presented Nukkad Natak on cleanliness.

On the fifth day on 07.02.17, a "Heartfulness Mediation" camp was organized. Volunteers of all the five units took out "Voter awareness and cleanliness awareness" rally. Volunteers visited slum areas of Sant Raghuwar Nagar, Shivpurwa, Sunderpur and Ranipur and not only spread awareness regarding hygiene and cleanliness but also cleaned up the areas.

Through Nukkad Natak, students spread awareness about Cleanliness, Cashless transactions and environment conservation. Volunteers also distributed food, clothes, pens, pencils, and books in the slum areas they visited.

On 08.02.17, the sixth day of the camp started with Heartfulness Mediation by Dr. Shyamnarayan and Shri Sunil Chogi of Ram Krishna Mission. Dr. Seema Verma delivered a lecture on "Music and discipline" and Mr. R.P. Sonkar on "Career building and stress Management" , Dr. Vijay Kumar on "Scope of Economics as a career and day to day life" , Mrs. Priyanka on "Problems related to Nutrition", and Dr. Sapna Bhushan on"Manav Samvedna evam Kavya”.

The closing ceremony on 09.02.2017 was presided over by Dr. P.K. Sharma, Programme Co-ordinator, NSS, BHU and Dr. Rachna Srivastava, Principal, Vasant Kanya Mahavidyalaya. Various cultural programmes were presented. 250 cadets of the five units of NSS participated in the camp.

Anniversaries and Days

Besides holding curricular, co-curricular and extra-curricular activities, the college promotes other

activities so as to inculcate a sense of discipline and respect for tradition, eminent personalities and values among its students.

- The Dept of Hindi celebrated 'Tulsi Jayanti' on 10.09.2016. On this occasion, the students of Hindi Department organized a seminar on the theme "रामचरितमानस का आदर्श". Prof. Baliraj Pandey, Former Head of the Deptt of Hindi, BHU was the chief guest.
- The Deptt.of Hindi observed 'Hindi Diwas' on 14.09.2016 and a lecture was delivered by Dr. Satyapal Sharma, Asst. Prof., Dept of Hindi, BHU on "हिन्दी की चुनौतियाँ एवं प्रासंगिकता". Students of the department attended the lecture.
- अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस was celebrated on 21.02.2017. Prof. Chandrakala Tripathi, Deptt. of Hindi, BHU was the Chief Guest. On this occasion, students participated in various slogan writing and poster making competitions.

Annual Sports Day

- Annual Sports Day and Madame Blavatsky Volleyball Tournament were organized on 01.03.2017 and 02.03.2017.
- On 01.03.2017, Madame Blavatsky Volleyball Tournament was inaugurated by the Regional Sports Officer, Sri Bhagwan Rai. In all , 7 teams from different colleges of the city participated in this tournament. On the first day of the programme, apart from Blavatsky tournament, 100mt Race, Long Jump, Shotput, Chess, Kho-Kho, Kabaddi competitions were organized.
- On 02.03.2017, Sri Pulkit Khare, Chief Development Officer, Varanasi was the Chief Guest in the concluding session of Madame Blavatsky Volleyball tournament. Sri Prakash Chandra, Asst. Secretary, VDA was the special guest. Sri Khare, in his address to the students, laid stress on the importance of sports for overall development. Our Special Guest, Sri P.C. Srivastava congratulated students for their active participation and explained sports as an integral part of students' education. The final match of Blavatsky Tournament was played between Vasant Kanya Mahavidyalaya and Arya Mahila P.G. College. Arya Mahila P.G. College stood winner. Students actively participated in other activities. In all 300 students participated in different activities.

DAV PG College

Cultural Event

- The college organized a one- day Youth Festival 'Harmony'. Students were selected for representing the College in 'Spandan-2017', from this festival.

NSS Programme: The College is operating eight unit of NSS under the Supervision of Dr. Poonam Singh, Dr. Sanjay Kr. Singh, Dr. Habibullah, Dr. Madhu Sisodia, Dr. Shailja Singh, Dr. Hasan Bano, Dr. Anand Singh, Dr. Rahu. During this session, each organized seven days camp. Cleaning of college and nearby places upto Ramkatora Pond, cleaning of the Chitrakoot Pond; Awareness Campaign Economic, Social & Educational Survey of Malin Basti, Literacy Campaign; cultural programmes, Beti Bachao-Beti Padhao Rally, Voting Awareness, Hurtfulness Programmes (Yoga Meditation), Personality Development, Smoking Prohibition, Chinees Manjha Ka Bahishkar evam Dahan was organized.

9.25 Hindi Publication

The Hindi Publication Board (Physics Cell), Institute of Science, Banaras Hindu University was established in 1930 by Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviyaji with an objective to promote agriculture, medicine, science and technology through Hindi. The Cell is engaged in writing books in Hindi along with translation of some popular science books available in English language. For the last five years, it has also been publishing a science journal *Vigyan-Ganga* (ISSN 2231-2455) containing popular science articles in Hindi. *Vigyan-Ganga* is being published twice in a year and till now eleven issues have been published. Vigyan-Ganga is also recommended for purchase in various Kendriya Vidyalayas of the country by the Kendriya Vidyalaya Sangathan. The Cell is also engaged in organizing Seminar/Symposia/Workshop and Lectures to popularize Science in Hindi.

Recently, the board published two books entitled *'Madhhumeh Ke Karan Evam Nivaran* and *Taralan:Ek Samanya Parichaya'*.

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

2. **Medical Sciences**
   Prof. S.S. Pandey (upto 03.11.2016)
   Prof. V.K. Shukla (from 04.11.2016)

3. **Environment and Sustainable Development**
   Prof. Kavita Shah

4. **Management Studies**
   Prof. Raj Kumar

5. **Science**
   Prof. B. Singh

Deans of the Faculties [Under Statute 17 (1) (iv)]

Faculty of Ayurveda
Prof. M. Sahu

Faculty of Medicine
Prof. Jai Prakash

Faculty of Arts
Prof. Kumar Pankaj

Faculty of Agriculture
Prof. A. Vaishampayan

Faculty of Commerce
Prof. A.R. Tripathi (upto 16.09.2016)
Prof. C.P. Mall (from 17.09.2016)

Faculty of Dental Sciences
Prof. Naresh Kumar

Faculty of Education
Prof. P.C. Shukla (upto 31.07.2016)
Prof. G.C. Bhattacharya (from 01.08.2016)

Faculty of Law
Prof. Devendra Kumar Sharma

Faculty of Management Studies
Prof. Raj Kumar

Faculty of Performing Arts
Prof. Birendra Nath Mishra

Faculty of S.V.D.V.
Prof. G.A. Shastri (upto 16.07.2016)
Prof. Chandrama Pandey (from 17.07.2016)

Faculty of Science
Prof. Bachha Singh

Faculty of Social Sciences
Prof. M.K. Chaturvedi

Faculty of Visual Arts
Prof. Hira Lal Prajapati

Faculty of Environment and Sustainable Development
Prof. (Ms.) Kavita Shah

Faculty of Veterinary and Animal Sciences
Prof. Ramadevi Nimmanapalli

Heads of the Teaching Departments [Under Statute 17 (I) (v)]

1. FACULTY OF ARTS

1. **Ancient Indian History, Culture & Archaeology**
   Prof.(Ms.) Pushp Lata Singh

2. **Arabic**
   Prof. Vazeer Hasan Abbas

3. **Bengali**
   Prof. Prakas Kumar Maiti

4. **English**
Prof. M.S. Pandey

5. **Foreign Languages**
Prof. Vinoda Nand Tiwari (upto 31.05.2016)
Prof.(Ms.)Aditi Jha (from. 01.06.2016)

6. **French Studies**
Prof. Akhilesh Kumar

7. **German Studies**
Dr. M.K. Natarajan (upto.02.01.2017)
Dr. Abhay Kumar Mishra (from 03.01.2017)

8. **Hindi**
Prof. Ashok Singh

9. **History of Art**
Prof. Atul Tripathi

10. **Indian Languages**
Dr. Sanjay Rai

11. **Journalism & Mass Communication**
Prof. A. K. Singh

12. **Library & Information Science**
Prof. H.N. Prasad (upto 31.05.2016)
Dr. Aditya Tripathi (from 01.06.2016)

13. **Linguistic**
Prof. Rajnath Bhat

14. **Marathi**
Dean (Head)

15. **Pali & Buddhist Studies**
Prof. Lalji

16. **Persian**
Prof. Syed Hasan (upto 20.02.2017)
Dr. Mohd. Aquil (from 21.02.2017)

17. **Philosophy & Religion**
Prof. Kripa Shankar

18. **Physical Education**
Prof. Sushama Ghildyal

19. **Sanskrit**
Prof. Gopabandhu Mishra (upto 23.10.2016)
Prof. Ananad Kumar Srivastava (from 24.10.2016)

20. **Telugu**
Prof. C.S. Rama Chandramurty

21. **Urdu**
Prof. Yaqoob Ali Khan

2. FACULTY OF AYURVEDA

1. **Dravyaguna**
Prof. Anil Kumar Singh

2. **Kaumarbhritya / Bal Roga**
Dean (Head)

3. **Kaya Chikitsa**
Prof. Jyoti Shankar Tripathi

4. **Kriya Sharir**
Dr. Kishor Patwardhan

5. **Medicinal Chemistry**
Prof. Tryambak Deo Singh

6. **Prasuti Tantra**
Prof. (Ms.) Manjari Dwivedi

7. **Rachana Sharir**
Dr. Kameshwar Nath Singh

8. **Rasa Shastra**
Prof. Anand Kumar Choudhary (upto 29.02.2017)
Prof. K.R.C. Reddy (from 01.03.2017)

9. **Samhita & Sanskrit**
Dean (Head)

10. **Shalakya Tantra**
Prof. B.N. Mukhopadhyay (upto 07.01.2017)
Dr. Manoj Kumar (from 08.01.2017)

11. **Shalya Tantra**
Prof. Lakshman Singh

12. **Siddhant Darshan**
Dr. B.K. Dwivedi

13. **Swasthyavritta & Yoga**
Dr. (Ms.) Neeru Nathani

14. **Vikrit Vigyan**
Prof. A.C. Kar

15. **Sangyaharan**
Prof. K.K. Pandey

3. FACULTY OF AGRICULTURE

1. **Agricultural Economics**
Prof. Harindra Prasand Singh (upto31.10.2016)
Prof. Prakash Singh Badal (from 01.11.2016)

2. **Agronomy**
Prof. Avijit Sen

3. **Animal Husbandry & Dairying**
Prof. R.K. Pandey

4. **Entomology & Agril. Zoology**
Prof. C.P. Srivastava (upto14.07.2016)
Prof. P.S. Singh (from 15.07.2016)

5. **Extension Education**
Prof. Arun Kumar Singh (upto 30.04.2016)
Prof. Om Prakash Mishra (from 01.05.2016)

6. **Farm Engineering**
Prof. V.K. Chandola (upto 31.01.2017)
Prof. Ram Mandir Singh (from 01.02.2017)

7. **Genetics & Plant Breeding**
Prof. A. Vaishampayan

8. **Horticulture**
Prof. B.K. Singh

9. **Mycology & Plant Pathology**
Prof. Harikesh B. Singh

10. **Plant Physiology**
Prof. Padmanabh Dwivedi

11. **Soil Science & Agril. Chemistry**
Prof. B.R. Maurya (upto 31.01.2017)
Prof. P. Raha (from 01.02.2017)

4. FACULTY OF COMMERCE

Commerce
Prof. A.R. Tripathi (upto 16.09.2016)
Prof. C.P. Mall (from 17.09.2016)

5. FACULTY OF DENTAL SCIENCES

Dental Sciences
Prof. Naresh Kumar

6. FACULTY OF EDUCATION

Education
Prof. P.C. Shukla (upto 31.07.2016)
Prof. G.C. Bhattacharya (from 01.08.2016)

7. FACULTY OF LAW

Law
Prof. B.N. Pandey

8. FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

Management studies
Prof. Raj Kumar

9. FACULTY OF MEDICINE

1. **Anaesthesiology**
   Prof. Pushkar Ranjan

2. **Anatomy**
   Prof. S.N. Shamal

3. **Biochemistry**
   Dr. Surendra Pratap Mishra

4. **Biophysics**
   Dean (Head)

5. **Cardiology**
   Prof. (Ms.) Geeta Subramanian

6. **Cardiothoracic Surgery**
   Dr. (Ms.) Damyanti Agrawal (upto 31.05.2016)
   Dean (01.06.2016)

7. **Dermatology & Venerelogy**
   Prof. Satyendra Kumar Singh

8. **Endocrinology and Metabolism**
   Prof. Neeraj Kumar Agrawal

9. **Forensic Medicine**
   Dr. Manoj Kumar

10. **Gastroenterology**
    Prof. V.K. Dixit

11. **General Medicine**
    Prof. Kailash Kumar

12. **Microbiology**
    Prof. (Ms.) Ragini Tilak

13. **Nephrology**
    Prof. Jai Prakash (upto 29.04.2016)
    Dr. Shivendra Singh (from 30.04.2016)

14. **Neurology**
    Prof. Deepika Joshi

15. **Neurosurgery**
    Dr. Vivek Sharma (upto 27.04.2016)
    Dr. Kulwant Singh Bhaikhel (from 28.04.2016)

16. **Obst. & Gynaecology**
    Prof. (Ms.) Madhu Jain

17. **Ophthalmology**
    Prof. M.K. Singh

18. **Orthopaedics**
    Prof. Amit Rastogi

19. **Otorhinolaryngology (ENT)**
    Prof. R.K. Jain

20. **Paediatrics**
    Prof. (Ms.) Vineeta Gupta

21. **Paediatrics Surgery**
    Prof. Shiv Prasad Sharma

22. **Pathology**
    Prof. (Ms.) Amrita Ghosh Kar

23. **Pharmacology**
    Prof. B.L. pandey

24. **Physiology**
    Prof. S.B. Deshpande

25. **Plastic Surgery**
    Prof. Pradeep Jain

26. **Community Medicine (PSM)**
    Prof. S.P. Singh

27. **Psychiatry**

Prof. Sanjay Gupta (upto20.08.2016)

Prof. A.S. Srivastava (from 21.08.2016)

28. **Radio-Diagnosis Imagine (Radiology)**

Prof. Ram Chandra Shukla (upto 18.11.2016)

Prof. Arvind Srivasatava (from 19.11.2016)

29. **Radiotherapy & Radiation Medicine**

Prof. Satyajit Pradhan (upto 29.12.2016)

Prof. U.P. Shahi (from 30.12.2016)

30. **General Surgery**

Prof. Rahul Khanna (upto 28.04.2016)

Prof. Mumtaj Ahmad Ansari (form 29.04.2016)

31. **Tuberculosis & Chest Diseases**

Prof. J. K. Mishra

32. **Urology**

Dr. U.S. Dwivedi (upto 28.04.2016)

Dr. Sameer Trivedi (from 29.04.2016)

33. **Surgical Oncology**

Dr. (Ms.) Mallika Tiwari

10. FACULTY OF PERFORMING ARTS

1. **Dance**

Shri P.C. Hombal (upto14.10.2016)

Dr. (Ms.) Vidhi Nagar (from 15.10.2016)

2. **Instrumental Music**

Prof. Rajesh Shah

3. **Musicology**

Dean (Head)

4. **Vocal Music**

Prof. Shashi Kumar

11. FACULTY OF SCIENCE

1. **Biochemistry**

Prof. (Ms.)Sushma Rathore (upto 31.12.2016)

Prof. P.K. Srivastava (from.01.01.2017)

2. **Botany**

Prof.(Ms.) Madhoolika Agrawal

3. **Chemistry**

Prof. V.B. Singh

4. **Computer Science**

Dean (upto 19.06.2016)

Prof. S.K. Basu (from 20.06.2016)

5. **Geography**

Prof. K.N.P. Raju

6. **Geology**

Prof. M.P. Singh (upto 20.04.2017)

Prof. R.K. Srivastava (from 21.04.2017)

7. **Geophysics**

Prof. Ravi Shankar Singh

8. **Home Science**

Dr. (Ms.) Indira Bishnoi (upto 22.08.2016)

Dr.(Ms.)Archana Chakravorty (from23.08.2016)

9. **Mathematics**

Prof. N.K. Singh

10. **Physics**

Prof. R.P. Malik

11. **Statistics**

Prof. S.K. Upadhyay (upto 31.07.2016)

Prof. B.P. Singh (from 01.08.2016)

12. **Zoology**

Prof. (Ms.) Chandana Haldar

13. **Molecular & Human Genetics**

Dr. Ashim Mukherjee

12. FACULTY OF SOCIAL SCIENCES

1. **Economics**

   Prof. A.P. Pandey

2. **History**

   Prof. (Ms.) Aruna Sinha

3. **Political Science**

   Prof. K.K. Mishra (upto 31.12.2016)

   Prof. R.P. Singh (from 01.01.2017)

4. **Psychology**

   Prof. Rakesh Pandey (upto 21.01.2017)

   Prof. Tara Singh (from 22.01.2017)

5. **Sociology**

   Prof. Sohan Ram Yadav (upto11.08.2016)

   Prof. A.K..Joshi (from 12.08.2016)

13. SANSKRIT VIDYA DHARMA VIJNAN SANKAY

1. **Bauddha & Jain Darshan**

   Dr. A.K. Jain

2. **Dharmagam**

   Dean (Head)

3. **Dharmashastra & Mimansa**

   Prof. N.R. Srinivasan

4. **Jyotish**

   Prof. Ram Jeevan Mishra

5. **Sahitya**

   Prof. Shyamanand Mishra

6. **Veda**

   Dean (Head)

7. **Vaidic Darshan**

   Prof. Dhananjay Kumar Pandey

8. **Vyakaran**

   Prof. Bhagwat Sharan Shukla

14. FACULTY OF VISUAL ARTS

1. **Applied Arts**

   Prof. Hira Lal Prajapati

2. **Painting**

   Prof. (Ms.) Mridula Sinha (upto 26.11.2016)

   Prof. Dipti Prakash Mohanty (from 27.11.2016)

3. **Plastic Arts**

   Sri Binod Kumar Singh

15. FACULTY OF ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Environment and Sustainable Development

Prof. (Ms.) Kavita Shah

16. FACULTY OF VETERINARY & ANIMAL SCIENCES

Prof. Ramadevi Nimmanapalli

COORDINATORS OF INTERDISCIPLINARY SCHOOL

1. **School of Biotechnology**

   Prof. A.M. Kayastha (upto 18.05.2016)

   Prof. Arvind Kumar (from 19.05.2016)

2. **Centre of Food Science & Technology**

   Prof. S.P. Singh (upto 01.09.2016)

   Prof. Anil Kumar Chauhan (from 02.09.2016)

Principal, Mahila Maha Vidyalaya (under Statue 17(1) (vi)

Prof. Sandhya Kaushik

Principals of the Colleges admitted to the privileges of the University (under Statue 17(1) (vii)]

1. **Principal, Vasanta Kanya Mahavidyalaya**
   Dr. (Miss.) Kusum Mishra (upto 14.10.2016)
   Dr. Rachna Srivastava (from 15.10.2016)

2. **Principal, Vasanta College for Women**
   Dr. Alka Singh

3. **Principal, Arya Mahila P.G. College**
   Dr. (Mrs.) Rachana Dubey

4. **Principal, D.A.V. Post Graduate College**
   Dr. S.D. Singh

Senior Most Professor, Reader & Lecturer in the Faculties (under Statue 17(1) (viii)]

1. Faculty of Agricultural Science

1. **Dr. R.P. Singh**
   Professor

2. **Dr. Ram Chandra**
   Associate Professor

3. **Dr.Jai Prkash Rai**
   Assistant Professor

2. Faculty of Arts

1. *Dr. Kumar Pankaj*
   Professor

2. **Dr. Ajay Pratap Singh**
   Associate Professor

3. **Dr. (Ms) Shobhana**
   Assistant Professor

3. Faculty of Ayurveda

1. **Dr. V.K. Joshi**
   Professor

2. **Dr. Kishor Patwardha**
   Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Rani Singh**
   Assistant Professor

4. Faculty of Commerce

1. **Dr. V.S. Singh**
   Professor

2. **Sri Ram Swaroop Meena**
   Associate Professor

3. **Dr. Brijesh Pratap Singh**
   Assistant Professor

5. Faculty of Dental Sciences

1. **Dr. (Ms.) Nilam Mittal**
   Professor

2. **Dr. Farhan Durrani**
   Associate Professor

3. **Dr. Ashish Agrawal**
   Assistant Professor

6. Faculty of Education

1. **Dr. Harikesh Singh**
   Professor

2. **Sri Sanjay Sonkar**
   Associate Professor

3. **Sri Ajeet Kumar Rai**
   Assistant Professor

7. Faculty of Law

1. **Dr. B.C. Nirmal**
   Professor

2. **Dr. Golak Prasad Sahoo**
Associate Professor

3. **Sri Vijay Kumar Saroj**
Associate Professor

8. Faculty of Management Studies

1. **Dr. H.C. Choudhary**
Professor

2. **Dr. Ashutosh Mohan**
Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Shashi Srivastava**
Assistant Professor

9. Faculty of Medicine

1. **Dr. Shaym Sunder Pandey**
Professor

2. **Dr. Anil Kumar Tiwari**
Associate Professor

3. **Dr. Alok Kumar**
Assistant Professor,

10. Faculty of Performing Arts

1. **Dr. (Ms.) Krishna Chakravorty**
Professor

2. **Sri P.C. Hombal**
Associate Professor

3. **Dr. Shivram Sharma**
Assistant Professor

11. Faculty of Science

1. **Dr. Bachcha Singh**
Professor

2. **Dr. S. Battacharya**
Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Ida Tiwari**
Assistant Professor

12. Faculty of Social Science

1. **Dr. (Ms.) C. Padia**
Professor

2. **Dr. Rakesh Pandey**
Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Manisha A. Mahratra nee Manisha S. Gupta**
Assistant Professor

13. Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vijnan Sankaya

1. **Dr. N.R. Srinivasan**
Professor

2. **Dr. Vinay Kumar Pandey**
Associate Professor

3. **Dr. Shashikant Diwiedi**
Assistant Professor,

14. Faculty of Visual Arts

1. **Dr.(Ms) Mridula Sinha**
Professor

2. **Dr. Vidhu Bhushan Singh**
Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Jasminder Kaur**
Assistant Professor

15. Faculty of Environment & Sustainable Development

1. **Dr. A.S. Raghuvanshi**
Professor

2. **Sri. Jay Prakash Verma**
   Assistant Professor

16. Faculty of Veterinary and Animal Sciences

1. **Prof. Ramadevi Nimmanapalli**
   Professor

17. Mahila Mahavidyalaya

1. **Dr. (Ms.) Sandhya Singh Kaushik**
   Professor

2. **Dr. (Ms.) S. Sengupta**
   Associate Professor

3. **Dr. (Ms.) Namrata Rathore**
   Assistant Professor

External Member Academic Council [(under Statute 17(1) (ix)]

1. **Prof. V.C. Pandey**
   Professor,
   Department of History, University of Allahabad

2. **Prof. Pankaj Chandra**
   Vice-Chancellor & Chairman
   Ahmedabad University

3. **Prof. Ravi Kant**
   Vice – Chancellor
   King George's Medical University, Lucknow

4. **Prof. R.C. Sobti**
   Vice – Chancellor
   Babasaheb Bhimrao Ambedkar University Lucknow

5. **Dr. Soma Ghosh**
   Padma Shri
   Manchubai Road, Mumbai

6. **Prof. Kamlesh P. Joshipura**
   Professor,
   Faculty of Law Saurastra University, Gujarat

7. **Dr. Y. M. Kool**
   Director Planning & Farm Development Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior

8. **Professor Nandita Singh,**
   Department of Education
   Panjab University, Chandigarh

Emeritus Professors (Special Invitees) [Under provisions of Ordinance 12]

1. **Prof. Gajendra Singh,**
   Deptt. of Anatomy, IMS

2. **Prof. J.P. Lal**
   Deptt. of Genetics and Plant Breeding, IAS

3. **Prof. Rewa Prasad Dwivedi,**
   Faculty of Sanskrit Vidya Dharam Vigyan Sankay

4. **Dr. Vibha Tripathi,**
   Deptt. of AIHC & Arch, Faculty of Arts

5. **Prof. C.B. Jha**
   Deptt. of Rasa Shastra, Faculty of Ayurveda, IMS

6. **Prof. M.S. Srinivasan**
   Deptt. of Geology, Faculty of Science

7. **Prof. J.S. Singh**
   Deptt. of Botany, Faculty of Science

8. **Prof. O.N. Srivastava**
   Deptt. of Physics, Faculty of Science

9. **Prof. T.V. Ramakrishnan**
   Deptt. of Physics, Faculty of Science

10. **Prof. K.D. Tripathi**
    Deptt. of Dharmagam, Faculty of SVDV

11. **Prof. S.B. Rai**
    Deptt. of Physics, Faculty of Science

12. **Prof. V.B. Singh**
Deptt. of Chemistry, Faculty of Science

13. **Prof. C.M. Chaturvedi**
Deptt. of Zoology, Faculty of Science

14. **Prof. Rajiv Raman**
Deptt. of Zoology, Faculty of Sciences

15. **Prof. B.N. Singh**
Deptt. of Zoology, Faculty of Science

16. **Prof. M.N.P. Tiwari**
Deptt. of History of Arts, Faculty of Arts

17. **Prof. S. K. Sengupta**
Deptt. of Chemistry, Faculty of Science

18. **Prof. Lallan Mishra**
Deptt. of Chemistry, Faculty of Science

Distinguished Professors

1. **Prof. T.K. Lahiri**
Deptt. of Cardiovascular & Thoracic Surgery, IMS

2. **Prof. H.S. Shukla**
Deptt. of Surgical Oncology, IMS

3. **Prof. (Ms.) S. Chooramani Gopal**
Deptt. of Paediatrics Surgery, IMS

4. **Prof. T.M. Mohapatra,**
Deptt. of Microbiology, IMS

5. **Prof. R.G. Singh**
Deptt. of Nephrology, IMS

6. **Prof. P.K. Agrawal**
Deptt. of AIHC & Arch, Faculty of Arts

7. **Prof. R.H. Singh**
Deptt. of Kayachikitsa, Faculty of Ayurveda, IMS

8. **Prof. G.P. Dubey**
Deptt. of Kriya Sharir, Faculty of Ayurveda, IMS

9. **Prof. Yashwant Singh**
Deptt. of Physics, Institute of Science

10. **Prof. S.C. Lakhotia**
Deptt. of Zoology, Institute of Science

11. **Prof. L.C. Rai,**
Deptt. of Botany, Institute of Science

12. **Prof. P.C. Mishra,**
Deptt. of Physics, Institute of Science

13. **Prof. Shri Singh,**
Deptt. of Physics Institute of Science

14. **Prof. Hridayranjan Sharma**
Faculty of Sanskrit Vidya Dharma Vigyan

IV- OFFICERS OF THE UNIVERSITY

Visitor
President of India

Chancellor
Dr. Karan Singh (upto 30.11.2016)

Vice-Chancellor
Prof. Girish Chandra Tripathi

Registrar
Dr. K.P. Upadhyay (upto 30.03.2017 FN)
Shri V.K. Singh
(from 02.02.2017 to 31.03.2017 F.N.)
Dr. Neeraj Tripathi (from 30.03.2017 AN)

Finance Officer
Shri A.K. Thakur (upto 31.07.2016)
Dr. M.R. Pathak
(from 01.08.2016 upto 31.01.2017)
Dr. S.B. Patel (from 02.02.2017)

Controller of Examinations

Dr. K.P. Upadhyay (upto 31.01.2017)
Prof. S.K. Upadhyay
(from 02.02.2017 to 31.03.2017 A.N.)
Shri Manoj Kumar Pande
(from 31.03.2017 F.N.)

University Librarian

Prof. H.N. Prasad (Professor Incharge)

Dean of Students Welfare

Dr. M.K. Singh

Chief Proctor

Prof. Satyendra Singh (upto 04.11.2016)
Prof. Onkar Nath Singh (from 05.11.2016)

Medical Superintendent

Prof. Kailash Kumar (upto 12.03.2016)
Dr. Om Prakash Upadhayay (from13.03.2016)

Directors of the Institutes

1. **Agricultural Sciences**
   Prof. R.P. Singh (upto 23.12.2016)
   Prof. A. Vaishmpayan (from 24.12.2016)
2. **Medical Sciences**
   Prof. S.S. Pandey (upto 03.11.2016)
   Prof. V.K. Shukla (from 04.11.2016)
3. **Environment and Sustainable Development**
   Prof. Kavita Shah
4. **Management Studies**
   Prof. Raj Kumar
5. **Science**
   Prof. Bachha Singh

Deans of the Faculties

1. **Faculty of Ayurveda**
   Prof. M. Sahu
2. **Faculty of Medicine**
   Prof. Jai Prakash
3. **Faculty of Arts**
   Prof. Kumar Pankaj
4. **Faculty of Agriculture**
   Prof. A. Vaishampayan
5. **Faculty of Commerce**
   Prof. A.R. Tripathi (upto 16.09.2016)
   Prof. C.P. Mall (from 17.09.2016)
6. **Faculty of Dental Sciences**
   Prof. Naresh Kumar
7. **Faculty of Education**
   Prof. P.C. Shukla (upto 31.07.2016)
   Prof. G.C. Bhattacharya (from 01.08.2016)
8. **Faculty of Law**
   Prof. Devendra Kumar Sharma
9. **Faculty of Management Studies**
   Prof. Rajkumar
10. **Faculty of Performing Arts**
    Prof. Birendra Nath Mishra
11. **Faculty of S.V.D.V.**
    Prof. G.A. Shastri (upto 16.07.2016)
    Prof. Chandrama Pandey (from 17.07.2016)
12. **Faculty of Science**
    Prof. Bachha Singh
13. **Faculty of Social Sciences**
    Prof. M.K. Chaturvedi
14. **Faculty of Visual Arts**
    Prof. Hira Lal Prajapati
15. **Faculty of Environment and Sustainable Development**
    Prof. (Ms.) Kavita Shah
16. **Faculty of Veterinary and Animal Sciences**
    Prof. Ramadevi Nimmanapalli
17. **Mahila Mahavidyalaya (Principal)**
    Prof. S.S. Kaushik

Annexure - II

STATEMENT SHOWING ACADEMIC CONTRIBUTION OF UNIVERSITY TEACHERS DURING 2016-17

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Institute of Agriculture									
Faculty of Agriculture	120	47	55	16	24	0	6	2	63
Faculty of Veterinary & Animal Sciences									
Dr. Ramadevi Nimmanapalli	2	-	4	-	3	-	-	-	-
Dr. Shahid Prawez	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Naresh Kumar Singh	1	-	1	1	-	-	-	-	-
Dr. Manish Kumar	3	1	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Priya Ranjan Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Centre of Food Science & Technology									
Prof. Anil Kumar Chauhan	-	8	-	2	-	2 book chapter	-	-	Abstract 6
Dr. Abhishek Dutt Tripathi	-	5	2	-	2	2 book chapter	-	1	abstract 3
Dr. Arvind	1	2	2	-	-	-	-	-	abstract 3-
Er. Durga Shankar Bunkar	-	1	1	-	-	1	-	-	-
Dr. Amrita Poonia	-	1	2	-	-	2 book chapter	-	2	abstract 3
Institute of Medical Sciences									
Faculty of Medicine									
Anesthesiology	07	19	09	-	01	-	-	-	05
Cardiology	-	01	-	-	-	-	-	-	03
Community Medicine	-	52	-	-	-	-	-	-	02
Endocrinology & Metabolism	03	06	07	-	02	-	-	-	02
ENT	06	06	-	-	02	-	-	-	-
Forensic Medicine	04	06	-	-	-	-	-	-	-
Gastroenterology	21	-	-	-	-	-	-	-	-
General Medicine	13	28	-	-	-	-	-	-	-
General Surgery	05	07	-	-	01	-	-	-	08
Nephrology	04	01	-	-	-	-	-	-	-
Neurology	-	03	-	-	-	-	-	-	-
Obst. & Gynecology	29	02	-	-	-	-	-	-	01
Ophthalmology	03	10	-	-	-	-	-	-	01
Orthopedics	12	04	-	-	-	-	-	-	01
Pediatric Surgery	05	05	-	-	-	-	-	-	-
Plastic Surgery	01	01	-	-	-	-	-	-	-
Pathology	26	11	-	-	-	-	-	-	-
Pediatrics	10	17	-	-	02	-	-	-	14
Physiology	-	20	-	-	-	-	-	-	-
Pharmacology	-	03	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Psychiatry	20	04	-	-	-	-	-	-	-
Radiodignosis Imaging	03	04	-	-	-	-	-	-	-
Radiotherapy & Radiation Medicine	22	02	-	-	-	-	-	-	-
Surgical Oncology	05	10	-	-	-	-	-	-	-
T.B. & Resp Disease	02	02	-	-	-	-	-	-	02
Faculty of Ayurveda									
Dravyaguna	06	-	-	-	-	-	-	-	-
Kaumarbhritya Balroga	05	02	01	-	-	-	-	-	-
Kaya Chikitsa	-	81	-	-	04	-	-	-	06
Kriya Sharir	16	13	-	-	-	-	-	-	-
Medicinal Chemistry	09	11	-	-	-	-	-	-	-
Prasuti Tantra	-	02	-	-	-	-	-	-	02
Rachna Sharir	04	04	-	-	-	-	-	-	-
Rasa Shastr	13	24	-	-	-	-	-	-	-
Samhita & Sanskrit	04	05	-	-	-	-	-	-	-
Sanghyaharan	10	-	-	-	-	-	-	-	-
Shalya Tantra	02	-	-	-	01	-	-	-	-
Siddhant Darshan	10	-	-	-	-	-	-	-	-
Swasthavritta & Yoga	-	04	-	-	-	-	-	-	-
Vikriti Vigyan	10	01	-	-	01	-	-	-	-
Shalakya Tantra	05	-	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of Dental Sciences	27	08	-	-	-	-	-	-	-
Institute of Management Studies	24	6	1	1	3	1	-	1	8
Institute of Environment and Sustainable Development									
Prof. Kavita Shah	-	7	-	-	1	-	-	-	-
Prof. A.S. Raghubanshi	-	14	-	6	-	1	-	-	-
Prof. G.S. Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. R.K. Mall	2	4	-	-	-	-	-	-	1
Dr. J.P. Verma	2	1	1	2	-	1	-	-	6
Dr. Rajeev Pratap Singh	2	7	1	-	-	2	-	-	5
Dr. P.C. Abhilash	-	6	2	4	-	1	-	-	-
Dr. T Banerjee	-	8	-	-	-	2	-	-	1
Dr. Vishal Prasad	-	2	-	-	-	-	-	-	2
Dr. Kirpa Ram	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sudhakar Srivastava	-	3	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Prashant Srivastava	1	12	-	1	-	1	-	-	-
Institute of Science									
Biochemistry									
Prof. R. S. Dubey	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. (Mrs.) S. Rathaur	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Om Prakash	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. P. Singh	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Srikrishna	-	11	-	-	-	-	-	-	-
Dr.S. C. Gupta	-	10	-	-	-	2	4	-	1

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. A. Singh	-	-	1	-	-	-	-	-	3
Dr. R. K. Singh	-	6	-	-	-	-	-	-	-
School of Biotechnology									
Prof. Ashok Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S. M. Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A. M. Kayastha	-	4	-	-	-	-	-	-	1 (books chapter)
Prof. Arvind Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Department of Botany									
Prof. J.P. Gaur	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Madhoolika Agrawal	-	10	2	5	-	-	-	-	-
Prof. R.S. Upadhyay	2	15	2	2	-	-	-	-	-
Prof. N. K. Dubey	2	10	2	3	-	1	-	-	-
Prof. R.K. Asthana	-	5	-	-	-	-	-	-	5
Prof. S.B. Agrawal	3	11	2	3	-	-	-	-	-
Prof. Surendra Singh	3	8	-	3	-	-	-	-	-
Prof. Nandita Ghoshal	1	3	-	1	-	-	-	-	-
Prof. R.P. Sinha	2	12	-	-	-	1	-	-	-
Prof. J. Pandey	-	6	1	1	-	-	-	-	-
Prof. R.N. Kharwar	2	10	-	3	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Dubey	-	10	-	-	-	1	-	-	-
Dr. R. Sagar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shashi Pandey	1	5	2	3	-	-	-	-	-
Dr. Hema Singh	1	6	-	3	-	-	-	-	-
Dr. S.P. Singh	-	3	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Supriya Tiwari	-	1	-	4	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Verma	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Bhanu Prakash	-	1	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Raghavendra Singh	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.K. Sharma	-	2	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Y. Mishra	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B.R. Chaudhary (Re-emp.)	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Rai (NASI Sr. Scientist)	-	3	-	1	-	-	-	-	-
Prof. B.K. Roy (Re-emp.)	1	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. L. C. Rai (Distinguished Professor)	-	6	-	1	8	-	-		-
Dr. P.K. Singh (INSA Hon. Scientist)	-	8	-	-	-	-	-		-
Department of Chemistry									
Dr. S. K. Sengupta, Emeritus Professor	-	1	-	-	-	-	-	-	

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. T.R. Rao, Re-employed	-	3	-	-	-	-	-	-	
Dr. B. Singh	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. L. Mishra, Emeritus Professor	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.B. Singh, Emeritus Professor	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. U.S. Rai	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.N. Singh	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. LalBahadur	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Nanhai Singh	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. D.S. Pandey	-	16	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.M. Singh	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.B. Prasad	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.S. Singh	-	11	-	-	-	-	-	-	-
Dr. K.N. Singh	-	18	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Bali Ram	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. (Mrs.) R.S. Khanna	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ram Lakhan Prasad	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.P. Singh	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Biswajit Ray	-	11	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rama NandRai	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. K.K. Upadhyay	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Bhattacharya	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr.(Mrs.) Ida Tiwari	-	13	-	-	-	-	-	-	-
Dr. ArvindMisra	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajesh Kumar	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V. Ganesan	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K. Tewari	-	12	-	-	-	-	-	-	-
Dr.Pankaj Srivastava	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vinod K. Tiwari	-	9	-	3	-	2	-	-	-
Dr. S. Krishanamoorthi	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. BiswajitMaiti	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Saha,	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K. Bharty	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. PremPraksah	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. L.B. Prasad	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Department of Computer Science									
Prof. S.K. Basu	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. P.K.Mishra	-	2	-	-		-	-	-	-
Dr. S.Karthikeyan	-	1	-	2	-	-	-	-	-
Dr. V. K. Singh	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Manjari Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Ms. Vandana Kushwaha	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Department of Geography	52	12	7	-	4	1	-	-	-
Department of Geology									
Prof. M.S. Srinivasan	-	-	-	-	-	1	-	-	-
Prof. Jokhan Ram	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. H.B. Srivastava	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. M.P. Singh	-	11	-	-	-	-	-	-	-
Prof. R.K. Srivastava	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B.P. Singh	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.D. Singh	-	5	1	-	-	-	-	-	-
Prof. U.K. Shukla	1	1	-	-	1	-	-	-	-
Prof. H.P. Sengupta	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. P.K. Singh	-	11	1	-	-	-	-	-	-
Dr. NVC Rao	2	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr.B. Pandey	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.S rivastava	2	2	11	-	-	-	-	-	1 (manual)
D. Prakash	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.S. Naik	-	5	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Kuldeep Prakash	4	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. P. Ghosh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of Geophysics									
Prof. R. S. Singh	-	5	-	-	-	-	-	-	2
Prof. R. Bhatla	7	4	-	-	-	-	-	-	3
Prof. G. P. Singh	1	1	-	1		1	-	-	1(International)
Prof. M. K. Srivastava	-	4	-	-	-	-	-	-	2
Dr. Uma Shankar	-	1	1	-	-	-	-	-	2
Dr. Sandeep	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Department of Home Science									-
Prof. Indira Bishnoi	5	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A Chakarvarty	-	3	-	-	-	-	-		-
Prof. Kalpana Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mukta Singh	3	2	-	-	-	-	-	-	-
Department of Mathematics	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Naveen Kumar	2	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.R. Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Singh	1	6	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Shyam Lal	-	3	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Prof. Harish Chandra	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Misra	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilesh Ya faadav	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anupam Priyadarshi	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Buddhadev Pal	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arun Kumar	-	-	-	2	-	-	-	-	-
Dr. Ravi P. Gupta	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shibsankar Das	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jitendra Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vivek Laha	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Molecular and Human Genetics									
Prof. Gopeshwar Narayan	-	13	-	-	-	-	-	-	1 (Book chapter)
Dr. Ashim Mukherjee	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kiran Singh	-	4	-	2	-	-	-	-	-
Dr. Mousumi Mutsuddi	1	4	-		-	-	-	-	1 (Book chapter)
Dr. Geeta Rai	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Department of Physics	2	122	-	-	-	-	-	-	-
Department of Statistics									
Dr. Umesh Singh	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.P. Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. K. K. Singh	3	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Upadhyay	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.B. Khare	2	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.D. Singh	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. K. Singh	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajesh Singh	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sanjeev Kumar	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K. Chaudhary	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Nirpeksh Kumar	-	1	-		-	-	-	-	-
Dr. M.S. Panwar	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dinesh Kumar	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Department of Zoololgy									
Prof. C. Haldar	-	7	1	-	-	-	-	-	-
Prof. D. Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A. Krishna	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Prof. J.K. Roy	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. M.K. Thakur	1	7	-	-	-	-	-	-	2 (Book Chapter)
Prof. S.K. Singh	-	2	-	-	-	1	-	-	-
Prof. M.Vinayak	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.K. Trigun	-	2	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Prof. S. Prasad	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B. Lal	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. N.K. Rastogi	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A. Acharya	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.G. Tapadia	-	1	-	-	-	-	-	-	1
Prof. S.K. Chaube	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Mishra	3	4	-	-	-	-	-	-	1
Prof. M. Singaravel	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Mittal	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. P.S. Saxena	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Koch	-	13	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Mohapatra	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Chaube	-	8	-	1	-	1	-	-	-
Dr. Ajit Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ajay Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Mrs. Papia Acharjee	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sanjeev Yadava	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Sri Rakesh Vrrma	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rahul Kumar Singh	2	-	-	-	-	1	-	-	
Dr. Bhupendra Kumar	2	12	-	-	-	1 book chapter (Elsevier Press, USA)		-	-
Dr. Devanjan Sinha	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.C. Lakhotia	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Raman	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. C.M. Chaturvedi	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Centre for Genetic Disorders									
Prof. Parimal Das	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Amit K. Rai	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhtar Ali	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pawan K. Dubey	-	2	-	-	-	1 (chapter)	1	-	-
DST-CIMS									
Prof. Umesh Singh	-	14	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.K. Upadhyay	2	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Tiwari	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M. K. Singh	2	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Chaubey	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. G. Ramf	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of Arts									
Philosophy and Religion	33	**1**	10	1	1	1	-	-	1

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Department of Sanskrit	19	**6**	20		1 1(Chapter)		-	-	20
Department of Bengali									
Prof. Namita Bhattacharya	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Prakas Kumar Maiti	4	-	5	-	1	-	-	-	-
Dr. Sumita Chatterjee	2	-	1	-	-	-	-	-	-
Ms. Antara Das	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of Commerce									
Prof. A.A. Ansari	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. K.K. Misra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.N. Jha	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. (Mrs.) P. Gite	4	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. B.K. Mohanty	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. S.C. Das	1	3	2	1	-	-	-	-	-
Dr. R.S. Meena	2	2	3	2	2	1	-	-	-
Dr.(Ms.)T. Prusty	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.P. Singh	10	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. L.B. Jaiswal	-	1	1	-	1	-	-	-	-
Dr. Vaibhav	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. (Ms.) V. Sonker	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Chinmoy Roy	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. (Mrs.) M. A. Singh	-	3	-	1	-	-	-	-	-
Dr. (Ms.) V. Srivastava	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr.(Ms.) Rakhi Gupta	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A. K. Choudhari	1	2	1	-	-	-	-	-	-
Faculty of Education									
Prof. Seema Singh	4	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sunil Kumar Singh	-	-	1	1	-	-	-	-	-
Prof. Rashmi Choudhuri	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Prem Shanker Ram	11	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Meenakshi Singh	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Nagendra Kumar	-	2	2	4	1	-	-	-	-
Dr. Alka Rani	-	4	-	3	-	-	-	-	-
Dr. Alok Gardia	2	3	1	-	-	-	-	2	Book Chapter-2 Self International Unit-3
Dr. R.N. Sharma	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ajeet Kumar Rai	2	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Kishor H. Mane	2	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Poonam Singh Kharwar	-	-	4	1	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Chhaya Soni	-	1	2	1	-	-	-	-	-
Dr. Shruti Pandey	4	8	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of Performing Arts									
Department of Vocal Music									
Prof. Sharada Velanker	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. K. Sashi Kumar	4	-	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Sangeeta Pandit	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Revati Sakalkar	-	-	-	-	-	-	-	-	1(Chapter in Book) 6 Performances
Dr. Ramshankar	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. K.A. Chanchal	1	-	1	-	-	-	2	-	-
Dr. G.C. Pandey	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Madhumita Bhattacharya Upadhyay	1	-	1	-	2	-	-	-	-
Department of Instrumental Music									
Prof. Krishana Chakravorty	-	-	5	-	-	-	-	-	10
Prof. Birendra Nath Mishra	-	-	-	-	-	-	-	-	4
Prof. Rajesh Shah	-	-	-	-	-	-	-	-	9
Prof. V. Balaji	-	-	-	-	-	-	-	-	7
Dr. Sangeeta Singh	-	-	-	-	2	-	-	-	3
Dr. Praveen Uddhav	-	-	4	-	-	-	-	-	12
Dr. Prem Kishor Mishra	-	-	2	-	-	-	-	-	6
Dr. Swarna Khuntia	-	-	-	-	-	-	-	-	4
Dr. Supriya Shah	-	-	-	-	-	-	-	-	9
Dr. B. Satyavara Prasad	-	-	-	-	-	-	-	-	6
Sri Rakesh Kumar	-	-	-	-	-	-	-	-	4
Department of Dance									
Dr. Vidhi Nagar	-	-	2	-	1 chapter in Book, Refereed Journal 02- Editor				
Department of Musicology									
Dr. Shivram Sharma	3	-	1	-	-	-	-	-	-
Faculty of Social Sciences									

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Deptt. of Economics	18		-	-	7		-	-	-
Deptt. of Sociology	11	5	-	-	7	-	-	-	-
Deptt. of Political Science									
Prof. R.P.Singh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. R.P.Pathak	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.S.Upadhyay	-	1	-	-	-	-	1	-	-
Prof. K.K. Mishra	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. A. Sharma	2	-	2	-	-	-	-	-	-
Deptt. of History									
Prof. Ajay Pratap	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. T. Kalam	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. R. Pandey	-	-	-	-	-	-	1	-	-
Dr. M. Ranjan	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. P. Bhardwaj	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Gangadharan	-	-	-	-	-	-	1	-	-
Dr. Anuradha Singh	-	-	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Jai Laxmi	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Deptt. of Psychology	8		-	-	15		-	-	-
Centre For The Study of Nepal									
Dr. Aruna Rai	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Nripendra Pratap Singh	2	-	3	-	-	-	-	-	-
(IRDP) Dr. Alok Pandey	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Centre For Study of Social Exclusion And Inclusive Policy									
Dr. Vinita Chandra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Amarnath Paswan	15	-	4	-	7	-	1	2	-
Dr. S.D. Sharma	4	-	2	-	-	-	-	-	-
Malaviya Centre For Peace Research									
Prof. Priyankar Upadhyaya	-	2	-	-	-	3	-	-	-
Dr. Manoj Kumar Mishra	-	-	-	-	1	1	-	1	-
Centre for Integrated Rural Development									
Dr. Alok Kumar Pandey	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of SVDV									
Department of Veda									
Dr. U.K. Tripathi	10	1	5	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. S. Katyayan	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. U.P. Bharti	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of Vyakaran									
Prof. B.S. Shukla	9	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Bal Shastri	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ramakant Pandey	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Department of Sahitya									
Prof. S. Mishra	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. U. Chaturvedi	3	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Pandey	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. L. Salvi	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Department of Vaidic Darshan									
Prof. G.A. Shastri	-	-	-	-	2	-	-	-	-
Prof. V.P. Mishra	3	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. R.R. Shukla	2	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. S. K. Tripathi	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Dwivedi	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.R. Gangopadhyaya	2	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Padhi	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Department of Jain-Bauddha Darshan									
Prof. A.K. Jain	5	-	3	-	-	1	-	-	-
Department of Dharmagam									
Prof. K. Jha	3	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Rohtam	5	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.P. Pandey	6	2	-	-	-	-	-	-	-
Department of Dharmashatra Mimansa									
Prof. N.R. Shriniwasan	3	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. M.J. Ratate	7	1	2	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Mishra	10	2	2	-	1	-	-	-	-
Faculty of Visual Arts									
Department of Applied Arts									
Dr. Manish Arora	3	-	-	-	-	-	-	-	-
History of Visual Arts & Design									
Prof. Anjan Chakraverty	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shanti Swaroop Sinha	10	-	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Department of Plastic Art									
Dr. Bramha Swarup	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Nitin Datt	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Mahila Mahavidyalaya									
AIHC & Arch.	1	1	2	1	-	-	-	-	-
Bengali	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Bioinformatics	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Botany	6	15	-	-	4	1	-	-	-
Chemistry	2	15	-	1	-	-	-	-	-
Computer Science	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dance	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Home Science	8	8	-	-	4	-	-	-	-
Economics	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Education	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Hindi	4	-	5	-	-	-	-	-	-
Geography	3	-	-	-	-	-	-	-	2
History of Arts	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Mathematics	1	3	-	-	1	-	-	-	-
Music (V/I)	3	-	2	-	-	-	-	-	-
Philosophy	15	-	-	-	1	-	-	-	-
Physics	2	11	-	-	-	1	-	-	-
Political Science	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Psychology	5	6	1	-	6	-	-	-	-
Sanskrit	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Sociology	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Statistics	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Urdu	3	-	1	-	-	-	1	-	-
Zoology	4	32	2	-	2	-	-	-	-
Rajeev Gandhi South Campus									
Prof. R.P. Shukla	6	3	-	-	4	-	-	-	4 chapter in book
Prof. S.K. Swain	2	-	1	-	1	-	-	-	-
Dr. Ashish Singh	6	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Manoj Kumar Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.N.M. Kumar	4	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K. Nandi	-	3	-	-	-	-	-	-	
Dr. Achintya Singhal	-	5	-	-	2	-	-	-	2 chapter in book
Dr. R.S. Mishra	6	3	1	-	2	-	-	-	4 chapter in book
Dr. Ajay Kumar Singh	4	2	2	-	1	-	-	-	5 chapter in book

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Vinod Kumar Singh	4	3	2	-	1	-	-	-	4 chapter in book
Dr. Somu Singh	1	2	1	-	-	-	-	-	6 chapter in book
Dr. Subhash Pratap Singh	3	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashwani Kr. Kushwaha	-	2	-	-	-	-	-	-	2 chapter in book
Shri Anoop M	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Latare Ashish Marotrao	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajesh Kumar	-	-	1	1	-	-	-	-	-
Ms. Rachana Vishwakarma	-	4	-	-	-	-	-	-	2 book chapter
Dr. Sirazuddin Quaraishi	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kaustav Chatterjee	2	2	-	-	2	-	-	-	4book chapter
Shri Manjeet Kr. Verma	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Shri Sumit Rai	9	1	-	-	1	5	-	1	7 book chapter
Dr. Narendra Kumar Singh	4	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gaurav Kumar Rai	-	-	-	-	-	-	-	-	1 book chapter
Shri Naveen Kumar	4	2	-	-	-	-	-	-	2 book chapter
Dr. Savita Dewangan	2	-	1	-	-	-	-	-	2 book chapter
Shri Kaustav Chatterjee	1	3	-	-	-	-	-	-	4 book chapter
Dr. Ashok Kumar Yadav	1	-	2	-	-	-	-	-	4 book chapter
Shri Vivek Mishra	2	2	-	-	-	-	-	-	2 book chapter
Shri Krishan kant	4	-	-	-	-	-	-	-	2 book chapter
Ms. Priyanaka	-	1	-	-	-	-	-	-	3 book chapter
Dr. Raghvendra Raman Mishra	2	1	-	-	-	-	-	-	1 book chapter
Colleges Admitted to the Privilege of the University									
Arya Mahila Mahavidyalaya									
Bengali	7	-	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Hindi	13	-	7	-	2	-	-	-	-
Sanskrit	10	-	3	-	-	-	-	-	-
English	7	5	9	-	1	-	-	-	-
History	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Pol. Science	6	-	2	-	2	-	-	-	-
A.I.H.C. & Arch.	6	-	-	-	1	-	-	-	-
Philosophy	8	4	3	-	2	-	-	-	-
Psychology	20	-	3	-	-	-	-	-	-
Home Science	6	-	-	-	-	-	-	-	-
B. Ed.	10	-	-	-	-	-	-	-	-
Sociology	3	-	2	-	-	-	-	-	-
Economics	6	-	-	-	1	-	-	-	-
Vasanta College for Women									
Dr. Meenu Awasthi	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Minakshi Biswal	1	-		-	-	-	-	-	-
Dr. Yogita Beri	1	1	-	-	-	-	-	-	
Dr. Manjari Shukla	3	-	-	-	-	-	-	-	
Dr. Asha Pandey	-	2	-	-	-	-	-	-	
Dr. Ved Prakash Rawat	-	5	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Saurabh Kr. Singh		3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sujata Saha	-	-	Chapter in Book	-	-	-	-	-	-
Mr. Satendra Singh Baoni	-	-	-	-	-	-	-	-	2 Internatio nal 1 National Art Exhibitio n & Art Courts
Mr. Brihaspati Bhathacharya	1	1 (Chapter in a Book)		-	-	-	-	-	
Mrs. Luna Moni Das		1	-	-	-	-	-	-	
Dr. Preeti Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Punita Pathak	-	1	-	-		-	-	-	-
Dr. Anjana Singh	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Rajesh Kumar Chaudhary	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ranjana Seth	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mohd. Akhtar	-	-	-	-	1	-	1	-	-
Dr. Shweta	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Vasant Kanya Mahavidyalaya									

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Rachna Srivastava	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Tripti Rani Jaisawal	-	-	1 Lesson unit for e-Path shala						
Dr. Shanta Chatterjee	1	-	-	-	-	-	-	-	
Dr. Kalplata Dimri	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sangita Deodia	-	4 1 Accepted for Publication	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Bina Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Madhuri Agrawal	1 Accepted	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Asha Yadav	1	-	2 Lesson Unit	-	1	-	-	-	-
Dr. Swarvandana Sharma	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Renu Srivastava	-	-	1 Chapter		-	-	-	-	-
Dr. Niharika Lal	-	3	-		-			-	-
Dr. Poonam Pandey	-	2	1 Chapter	-	-	-	-	-	-
Dr. Indu Upadhyay	1	1	2 Chapter	-	-	-	-	-	-
Dr. Garima Upathyay	1 accepted for publication	4 (3 as Supervisor) 2 accepted for publication		-	-	-	-	-	-
Dr. Anshu Shukla	-	3	3 Chapters	-	-	-	-	-	-
Dr. Seema Verma	1	1	2 ChapterS	-	-	-	-	-	-
Dr.Sapna Bhushan	1	1	1 Chapt.	-	-	-	-	-	-
Mrs. Kalpana Anand	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shubhra Sinha	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anjulata Singh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashish Kr. Sonkar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Priyanka	4	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sunita Dixit	-	1	1 Chapter	-	-	-	-	-	-
Dr. Anuradha Bapuly	-	1	2 Chapters	-	-	-	-	-	-
Dr. Vijay Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilesh Kr. Rai	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Supriya Singh	-	2	2 Chapters	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Nairanjana Srivastava	-	-	1 Chapt. 1 Story	-	-	-	-	-	-
Ms. Purnima	-	-	3 Chapters	-	-	-	-	-	-
Mr. Shashikesh Kumar Gond	-	1	-	-	-	-	-	-	-
DAV PG College									
Department of Commerce									
Dr. Pradeep Kamal	-	-	-	-	-	-	-	-	5
Dr. Vijay Kumar Lal Srivastava	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Onkar Nath Dubey	3	-	-	-	-	-	-	-	6
Dr. Sharad Kumar Sharma	3	-	-	-	-	-	-	-	5
Dr. Vijay Nath Dubey	1	-	-	-	-	-	-	-	3
Dr. Birendra Kumar Singh	-	-	-	-	-	-	-	-	5
Ms. Sakshi Chaudhary	-	-	-	-	-	-	-	-	2
Dr. Rahul	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Sri Rahul Tripathi	5	2	-	-	-	-	-	-	8
Dr. Taru Singh	3	-	-	-	-	-	-	-	7
Department of Psychology									
Dr. Satya Gopal Jee	2	11	1	-	-	2	-	-	-
Dr. Richa Rani Yadav	3	7	-	-	-	1	-	-	-
Dr. Kalpana Singh	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilendra Kumar Singh	-	2	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Kamaluddin Sheikh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of History									
Prof. Ajay Pratap Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. T.Kalam	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. R. Pandey	-	-	-	-	-	-	1	-	-
Dr. M. Ranjan	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. P. Bhardwaj	-	-	2	-	1	-	-	-	-
Dr. Gangadharan	-	-	-	-	-	-	1	-	-
Dr. Anuradha Singh	-	-	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Jai Laxmi	-	-	1	-	-		-	-	-
(CSSEIP) Dr. Vinita Chandra	1		-	-	-	-	-	-	-
Dr. Amarnath Paswan	15	-	4	-	7	-	1	2	-
Dr. S.D.Sharma	4	-	2	-	-	-	-	-	-
Department of Sociology									

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Mono-graphs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Vikramaditya Rai	2	-	-	-	-	1	-	-	-
Dr. Madhu Sisodia	-	8	2	-	1	-	-	-	-
Dr. Ziyauddin	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Hasan Bano	5	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sushma Mishra	3	-		-	-	-	-	-	-
Department of Political Science									
Dr. Shiv Bahadur Singh	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Department of Economics									
Ms. Parul Jain	3	3	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Urjaswita Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Department of Hindi									
Dr. Sarvesh Kumar Singh	10	-	4	-	2	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Dwivedi	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Ram	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilesh Kumar Dubey	1	1	7	-	-	-	-	-	-
Dr. Samir Kumar Pathak	3	-	2	-	2	-	-	-	-
Department of English									
Dr. Sangeeta Jain	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Indrajeet Mishra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Bandana Bal Chandani	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of Sanskrit									
Dr. Lallan Prasad Jaiswal	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Misri Lal	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Poonam Singh	3	-	1	-	-	-	-	-	-
Department of Philosophy									
Dr. Satish Kumar Singh	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Ramendra Singh	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Department of Urdu									
Dr. Habibullah	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of AIHC & Arch									
Dr. Om Prakash Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-

Annexure - III

LIST OF RESEARCH PROJECTS FUNDED BY VARIOUS AGENCIES

New Research Projects sanctioned during the year 2016-17

Name of Instt./Faculty/Deptt.	No. of Project	Amount Sanctioned
UNIVERSITY GRANTS COMMISSION		
Botany	2	1336400
Chemistry	4	1661360
Education	1	835400
English	2	1348300
Gastrology	1	1051800
Geography	2	1894600
Hindi	1	790400
History	1	612800
IESD	1	441800
Jyotish	1	368900
Management Studies	2	1419600
Molecular Human Genetics	1	1170000
Physics	5	4572900
Psychology	1	252400
Sanskrit	1	588100
Zoology	4	2958400
INTER UNIVERSITY ACCELERATION CENTRE		
Physics	1	75000
GRAINS RESEARCH & DEVELOPMENT CORPORATION		
Mycology & Plant Pathology	1	832945
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY		
A.H. & Dairying	1	6754600
Botany	1	2278000
Chemistry	1	2363000
IESD	1	2496700
Microbiology	1	2093000
Molecular & Human Genetics	3	15757950
Psychology	1	12569300
Molecular Biology Unit	1	8847400
Surgery	1	3139000
Zoology	2	10207600
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY		
Agronomy	1	1892000
Biochemistry	4	22794402

Biophysics	1	1953200
Botany	4	15645154
Chemistry	5	22837745
Community Medicine	1	3716000
Centre for Genetics Disorder	1	2236000
Geology	2	5817600
Instt. of Environment & Sustainable Dev.	3	15275000
Library Science & Information Technology	1	1440100
Medicine, IMS	1	11274600
Molecular & Human Genetics	1	2062000
Mycology & Plant Pathology	2	6554200
Physics	4	19733000
Plant physiology	1	3356000
Zoology	9	25622200
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH		
Biochemistry	1	2796000
Botany	1	2096000
Chemistry	1	600000
Instt. of Environment & Sustainable Dev.	1	1110000
COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY (UP)		
Anatomy	1	392000
Microbiology	1	1098000
Genetics Plant & Breeding	2	2840840
Mycology & Plant Pathology	1	1194000
Physics	1	390000
Zoology	1	680000
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH		
Pediatrics	1	747000
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURE RESEARCH		
Agronomy	1	492800
Genetics & Plant pathology	1	29300000
Agriculture Economics	1	1500000
Extension Education	1	1900000
Chemistry	1	170000
Entomology & Agricultural Zoology	1	94665650
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH - IRRI		
Genetics & Plant Breeding	1	2000604
INDIAN NATIONAL SCIENCE ACADEMY		
Botany	1	500000

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY		
Botany	1	630000
Physics	3	5490000
DHANUKA AGRITECH LIMITED		
Mycology & Plant Pathology	**3**	1223400
COLLABORATE PROJECT, STRASA		
AIHC	1	289543
MINISTRY OF DEFENCE		
Physics	1	4600000
NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA		
Botany	**1**	360000
GOVERNMENT OF INDIA		
Dravyaguna	**1**	6000000
INTERNATIONAL MAIZE & WHEAT IMPROVEMENT CENTER		
Genetics & Plant Breeding	1	395353
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH		
Economics	1	400000
Geography	2	660000
Psychology	3	1200000
Sociology	2	1040000
NATIONAL INSTITUTE OF HEALTH BLOOMBERG		
Medicine (IMS)	**1**	1014281
IIT DELHI		
Dental Science	1	175000
INDOFIL INDUSTRY		
Entomology	1	390000
JAWAHAR LAL NEHRU MEDICAL COLLEGE BELGUAM		
Obstetric & Gynaecology	1	307000
NATIONAL HEALTH MISSION		
Microbiology	1	150000
TATA ELOCUTION & DEVELOPMENT TRUST MUMBAI		
Mycology & Plant Pathology	1	1077000
STRASA RICE		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	330856
Agronomy	1	500000
UNIVERSITY WISCONSIN		
History	1	1387089

CENTRAL INSTITUTE OF MEDICINE & AROMATIC PLANT		
Kayachikitsa	1	2774000
COLAMBO SRILANKA		
Botany	1	942580
CORONMONDAL SECUNDRABAD		
Soil Science & Agricultural Chemistry	2	10104600

Ongoing Research Project

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION		
Agronomy	2	2197300
AIHC & Archaeology	1	1169600
Botany	2	1336400
Commerce	1	237500
Chemistry	6	4132760
Community Medicine	1	700000
Economics	2	1806700
Education	2	1289100
English	3	1733300
Gastrology	1	1051800
Geography	3	2955400
Geology	2	2432800
Hindi	1	790400
History	1	612800
IESD	1	441800
Jyotish	1	368900
Law	1	707100
Linguistics	1	1074400
Physics, M.M.V.	1	1403800
Management Studies	3	2285200
Mathematics	1	1014000
Molecular Human Genetics	2	2820000
Physical Education	2	1045000
Political Science	2	1601800
Physics	11	14703800
Psychology	2	1101800
Sanskrit	1	588100
Surgery	1	10608000
Zoology	10	8418600

INTER UNIVERSITY ACCELERATION CENTRE		
Physics	1	75000
GRAIN RESEARCH AND DEVELOPMENT CORPORATION		
Mycology & Plant Pathology	1	832945
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY		
A.H. & Dairying	1	6754600
Botany	2	4063000
Chemistry	1	2363000
Genetics & Plant Breeding	3	15598200
IESD	1	2496700
Molecular & Human Genetics	5	25164450
Microbiology	1	2093000
Psychology	1	12569300
Molecular Biology Unit	2	11612400
Surgery	1	3139000
Zoology	3	14892800
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY		
A.H & Dairy	1	3150000
Agronomy	2	5071200
Biochemistry (*IMS*)	10	51302137
Biophysics	1	1953200
Botany	9	34194554
Centre Experimental Medicine & Surgery	1	3120000
Centre for Genetics Disorder	2	4486000
Chemistry	13	70819845
CIMS	2	2198240
Community Medicine	1	3716000
Dental Science	2	13970308
Genetics & Plant Breeding	1	8935000
Geology	6	151355600
Geophysics	2	5700000
IESD	7	24896600
Kriyasharir	1	11372450
Library Science & Information Technology	1	1440100
Mycology & Plant Pathology	5	15467000
Mathematical Science	1	30800
Medicinal Chemistry	1	2950000
Medicine, IMS	1	11274600
Medicine	1	10537000
Physics MMV	1	2837000

Molecular & Human Genetics	5	14228000
Physics	17	196961191
Plant physiology	1	3356000
Soil Science Agricultural Chemistry	1	600000
Psychology	2	9594800
School of Material Science	1	2184000
Zoology	20	103571520
COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY (UP)		
Agricultural Economics	1	2335100
Agronomy	1	1977800
Anatomy	1	392000
Animal Husbandry	1	1750000
Chemistry	1	584000
Microbiology	1	1098000
Genetics Plant & Breeding	4	25258290
Horticulture	1	1798500
Mycology & Plant Pathology	4	8122890
Physics	1	390000
Soil Science & Agricultural Chemistry	4	5743720
Zoology	1	680000
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH		
Biochemistry (IMS)	10	51302137
Botany	5	3386000
Chemistry	13	9048834
IESD	2	2774000
Genetics & Plant Breeding	1	141000
Zoology	3	2687333
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH		
Biochemistry	1	1687947
Botany	1	1082424
Community Medicine	2	1886240
Microbiology	1	181846
Pediatrics	1	747000
Zoology	4	8232048
MINISTRY OF EARTH SCIENCE		
Geology	2	5821820
Geophysics	1	1180320

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURE RESEARCH		
Agriculture Economics	2	5094000
Agronomy	2	917120
Botany	2	1177188
Cardiothorasic Surgery	1	102375
Chemistry	1	170000
Entomology & Agricultural Zoology	2	106059650
Genetics & Plant pathology	1	29300000
Krishi Vigyan Kendra, Barkachha	1	9150000
Mycology & Plant Pathology	2	660444
School of Biotechnology	1	454191
Soil Science & Agricultural Chemistry	4	1315407
Extension Education	1	1900000
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH–IRRI		
Genetics & Plant Breeding	1	2000604
INDO FRENCH CENTRE FOR THE PROMOTION OF ADVANCED RESEARCH		
Zoology	1	1920000
CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH AYURVEDIC SCIENCES		
Medicine, IMS	1	3975400
Shalya Tantra, Ayurveda, IMS	1	1040000
INDIAN NATIONAL SCIENCE ACADEMY		
Botany	4	2417419
Physics	2	651667
Zoology	1	216398
DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY		
Botany	1	630000
Geology	1	3356000
Physics	5	27580000
Zoology	2	3676250
DHANUKA AGRITECH LIMITED		
Mycology & Plant Pathology	3	1223400
FOREIGN AGENCY		
Genetics & Plant Breeding	2	659164
Mycology & Plant Pathology	1	5013624
Malaviya Peace Centre	1	444424
Botany	1	1440826
IESD	1	6187693
COLLABORATIVE PROJECT, STRASA		
Agronomy	1	194979
AIHC	2	721842

Genetics & Plant Breeding	1	146235
MINISTRY OF DEFENCE		
Physics	1	4600000
Zoology	1	1014000
Chemistry	2	7389045
MINISTRY OF CULTURE		
History(under MMAK)	1	10700000
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANIZATION		
Geophysics	1	600000
UTTAR PRADESH STATE AIDS CONTROL SOCIETY (UPSACS)		
Medicine	2	6094877
Obstetric & Gynaecology	1	1305688
WORLD HEALTH ORGANISATION		
Medicine	1	28009300
ICRISAT (ACCLERATOR PROGRAMME FOR AGRI-TECH START -Ups)		
Mycology & Plant Pathology	1	1122750
GHARDA CHEMICALS LTD		
Entomology & Agricultural Zoology	1	110000
BILL & MELINDA GATES FOUNDATION USA		
Medicine	1	31912595
BOARD OF RESEARCH IN FUSION SCIENCE & TECHNOLOGY , GUJARAT		
Physics	1	7016000
G.B. PLANT NATIONAL INSTT. OF HIMAYLYAN ENVIRONMENT & SUSTANIBLE DEVELOPMENT		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	1415920
PRIVATE AGENCY		
Medicine	1	118404
U.P. POLLUTION CONTROL BOARD		
Centre for Environment Science	1	2403500
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT		
Commerce	1	593400
DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT ORGANISATION		
Chemistry	1	2470800
Material Science & Technology	1	2487100
MIN. OF FOOD PROCESSING IND.		
Centre of Food Science & Technology	1	4127000
NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA		
Botany	1	360000
OIL GAS OF INDIAN COORPORATION		
Geology	1	286000

MALVIYA CENTRE FOR PEACH RESEARCH		
Malviya Centre for Peace Research	1	1474000
CASPOR MICRO CREDIT LTD.		
Management Studies	1	948750
GLOBAL FUND RAKC, NEW DELHI		
College of Nursing	1	2679150
KERALA AYURVEDA LTD		
Endocrinology & Met. IMS	1	1020800
Orthopaedics IMS	1	1022800
GOVERNMENT OF INDIA		
Dravyaguna	1	6000000
INTERNATIONAL MAIZE AND WHEAT IMPROVEMENT CENTRE COLLABORATIVE PROJECT, HYDARABAD		
Genetics & Plant Breeding	1	395353
FOUNDATION OF NATIONAL INSTITUTE		
Medicine	1	5729798
INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	200000
NATIONAL UNIVERSITY OF EDUCATION PLANNING AND ADMINISTRATION		
Economics	1	206250
GUERNSEY FINANCIAL SERVICES COMMISSION		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	1298000
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH		
Economics	5	5080000
Faculty of Education	2	1500000
Geography	2	660000
Physical Education	1	507400
Psychology	3	1200000
Sociology	3	2040000
IIT DELHI		
Dental Science	1	175000
INDOFIL INDUSTRY		
Entomology	1	390000
JAWAHAR LAL NEHRU MEDICAL COLLEGE BELGUAM		
Obsteric & Gynaecology	1	307000

NATIONAL HELTH MISSION		
Microbiology	**1**	150000
NATIONAL INSTITUTE OF HEALTH, BLOOMBERG		
Medicine (IMS)	1	1014281
TATA EDUCATION AND DEVELOPMENT TRUST		
Mycology & Plant Pathology	1	1077000
STREES TOLERANT RICE FOR AFRICA AND SOUTH ASIA RICE		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	330856
Agronomy	1	500000
UNITED NATIONS & CHILDREN'S FUND (UNICEF)		
Pediatrics	1	625000
UNIVERSITY WISCONSIN		
History	1	1387089
U.P. COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH		
Genetics & Plant Breeding	1	462510
CENTRAL INSITITUTE OF MEDICINAL AROMATIC PLANT, LUCKNOW		
Kayachikitsa	1	2774000
COLAMBO SRILANKA		
Botany	1	942580
CORONMONDAL SECUNDRABAD		
Soil Sci. & Agricultural Chemistry	2	10104600
INDIAN ASSOCIATION OF DERMATOLOGISTS, VENEREOLOGISTS LEPROLOGISTS		
Dermatology	1	200000

27-06-2016 to 28-06-2016	National Conference Recent Advances in Yoga Sports & Annual Assembly of IAY 2016	Prof. N.B. Shukla, Organizing Secretary, CHC Athletic Associations, F/o Arts, BHU
JULY-2016		
22-07-2016 to 24-07-2016	Programme on "The Restorative Driven Implant Dentistry on Human Cadaver"	Dr. Farhan Durrani, F/o Dental Sciences, IMS, BHU
AUGUST-2016		
12-08-2016 to 14-08-2016	National Seminar on "Indian Tradition, Saivagama and Value: From Tantrika Perspective of Kamlakar Mishra"	Prof. Arvind Kumar Rai & Prof. Sachchidanand Mishra, Coordinators of the Seminar, Deptt. of Philosophy and Religion, F/o Arts, BHU
19-08-2016 to 21-08-2016	National Seminar on "Itihas Dristi, Itihas Lekhan, Itihas Ke Strot"	Prof. Aruna Sinha, Head, Deptt. of History, F/o Social Sciences, BHU
20-08-2016 to 21-08-2016	Midterm ISECON-2016	Prof. Geetha Subramanian, Head and Organizing Chairman and Dr. Dharmendra Jain, Organizing Secretary, Deptt. of Cardiology, IMS, BHU
24-08-2016 to 29-08-2016	Advanced level Workshop on "Mathematical Modeling of Environmental, Ecological and Epidemiological System"	Prof. Arvind Kumar Misra, Convener, Deptt. of Mathematics, Instt. of Science, BHU
26-08-2016 to 28-08-2016	Annual Conference of Clinical Infectious Diseases Society (CIDSCON)	Prof. Shyam Sundar, Deptt. of General Medicine, IMS, BHU
26-08-2016 to 28-08-2016	All India Ophthalmological Society Postgraduate Teaching Programme	Prof. M.K. Singh, Head and Convener, Deptt. of Ophthalmology, IMS, BHU
29-08-2016 to 31-08-2016	International Conference on "Mathematical Modeling and Simulation"	Prof. Arvind Kumar Misra, Convener, Deptt. of Mathematics, Instt. of Science, BHU
SEPTEMBER-2016		
02-09-2016	National Symposium on "How to write and present the research papers	Prof. K.K. Mishra, Head, Deptt. of Political Science, BHU
03-09-2016 to 23-09-2016	अखिल भारतीय वास्तुशास्त्र कार्यशाला	डॉ. सुभाष पाण्डेय, ज्योतिष विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.
03-09-2016 to 04-09-2016	30th Annual Meeting of UP Branch of Indian Radiology & Imaging Association	Dr. Ram C. Shukla, Head, Deptt. of Radio Diagnosis & Imaging, IMS, BHU
10-09-2016 to 11-09-2016	अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी	प्रो. भागवत शरण शुक्ल, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.
13-09-2016	National Seminar on "Rights of Child: Issues and Challenges"	Prof. D.K. Sharma, Head & Dean, Law School, BHU
14-09-2016 to 15-09-2016	Seminar on "Globalization and Women: Issues and Concerns"	Dr. Shweta Prasad, Convener, Deptt. of Sociology, BHU

14-09-2016 to 15-09-2016	National Conference on "Managing Soil Resource for Environmental Sustainability: Challenges and Perspective"	Dr. Jay Prakash Verma, Organizing Secretary, Institute of Environment & Sustainable Development, BHU
18-09-2016 to 02-10-2016	भोजपुरी और जनपदीय अध्ययन: स्वरूप एवं दिशाएँ विषय पर कार्यशाला	प्रो. सदानन्द शाही, समन्वयक, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, कला संकाय, का.हि.वि.वि.
21-09-2016 to 25-09-2016	IHPBA Certificate Course	Prof. Puneet, Organizing Secretary, Deptt. of General Surgery, IMS, BHU
22-09-2016 to 24-09-2016	National Workshop on "Varanasi: The Eternal City"	Prof. Atul Tripathi, Organizing Secretary, Deptt. of History of Art, F/o Arts, BHU
23-09-2016 to 24-09-2016	International Seminar on "The Diaspora and Modi Thesis"	Prof. K.K. Mishra, Head, Deptt. of Political Science, BHU
OCTOBER-2016		
01-10-2016 to 02-10-2016	भीष्म साहनी का रचना संसार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. रामकली सराफ, संयोजक, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.
02-10-2016 to 03-10-2016	Workshop, CME and Conference (BHU Interventional Pain Management and Regional Anesthesia Conference-BIPRACON-2016)	Prof. P. Ranjan, Organizing Chairman and Dr. A.K. Paswan, Organizing Secretary, Deptt. of Anaesthesiology, IMS, BHU
04-10-2016 to 05-10-2016	National Seminar on "Relevance of Modern Indian Political Thought: Gandhi, Deendayal, Hedgewar, Golwalkar, Patel, Ambedkar, Nehru, Md. Iqbal"	Prof. K.K. Mishra, Head, Deptt. of Political Science, BHU
06-10-2016 to 08-10-2016	5th National Conference on "Current Human Resource Management Practices"	Prof. I.L. Singh, Conference Director, Deptt. of Psychology, BHU
08-10-2016	National Seminar on "Concept of Manas and Manas Roga in Ayurvedic Samhita"	Dr. Rani Singh, Organizing Secretary, Deptt. of Siddhant Darshan, F/o Ayurveda, IMS, BHU
16-10-2016	Workshop on "Operative Hysteroscopy"	Dr. Sangeeta Rai, Organizing Secretary, S.S. Hospital, IMS, BHU
17-10-2016 to 24-10-2016	National Workshop on "Writing Research Proposal"	Prof. Sisir Basu, Workshop Coordinator, Deptt. of Journalism & Mass Communication, BHU
20-10-2016 to 22-10-2016	30th Annual Conference of Indian Society of Agricultural Marketing"	Prof. H.P. Singh, Organising Secretary & Head, Deptt. of Agricultural Economics, I.Ag.Sc., BHU
21-10-2016 to 22-10-2016	National Seminar on "Ancient Indian Political Thought and its relevance"	Prof. K.K. Mishra, Head, Deptt. of Political Science, BHU

22-10-2016 to 26-10-2016	INSPIRE Internship Science Camp	Prof. Dinesh Chandra Rai, Coordinator-DST INSPIRE Internship Science Camp, Deptt. of A.H. & Dairying, I.Ag.Sc., B.H.U.
22-10-2016 to 23-10-2016	‘‘धरती का कवि: त्रिलोचन’’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अशोक सिंह, संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.
NOVEMBER-2016		
04-11-2016 to 05-11-2016	International Seminar on "Role of RSS in National Building: Illusion and Reality"	Prof. K.K. Mishra, Head, Deptt. of Political Science, BHU
06-11-2016 to 10-11-2016	International Conference on "New Trends in Field Theories"(NTFT_5)	Prof. R.P. Malik, Deptt. of Physics and DST-CIMS, Instt. of Science, BHU
12-11-2016 to 14-11-2016	33rd Convention of the Indian Association of Sedimentologists	Prof. B.P. Singh, Convener and Dr. A.S. Naik, Organizing Secretary, Deptt. of Geology, BHU
12-11-2016	ACCTI Satellite Symposium on "Recent Trends in Carbohydrate Chemistry"	Dr. Vinod K. Tiwari, Convener, Deptt. of Chemistry, Instt. of Science, BHU
12-11-2016 to 13-11-2016	‘अमृतलाल नागर का रचना संसार’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. चम्पा कुमारी सिंह, संयोजक, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
15-11-2016 to 25-11-2016	Training Programme on Latex and Other open source software - 2016	Dr. Ganga Ram, Convener, DST-CIMS, BHU
17-11-2016 to 18-11-2016	National Seminar-cum-Alumni Meet on "English Studies in India: Changes and Challenges"	Prof. M.S. Pandey, Head, Deptt. of English, F/o Arts, BHU
26-11-2016 to 27-11-2016	National Seminar on "Inclusion in *Indian* Education: Trends & Challenges"	Dr. Nagendra Kumar, Dr. Lalta Prasad and Mr. Pankaj Singh, F/o Education, BHU
25-11-2016	Pre Conference Workshop	Prof. P.V. Rajeev, Conference Director and Dr. Anindita Chakraborty, Conference Coordinator, Institute of Management Studies, BHU
26-11-2016 to 27-11-2016	National Conference on "Managing the Next Generation Organizations"	Prof. P.V. Rajeev, Conference Director and Dr. Anindita Chakraborty, Conference Coordinator, Instt. of Management Studies, BHU
DECMBER-2016		
02-12-2016 to 03-12-2016	National Seminar on "Recent Researches in History and Archaeology"	Prof. Pushp Lata Singh, Head and Convener, Deptt. of A.I.H.C. & Archaeology, F/o Arts, BHU
07-12-2016 to 09-12-2016	Workshop on "Personality Development and Career building-2016"	Dr. P.S. Byad gi, Organizing Secretary, Deptt. of Vikriti Vigyan, F/o Ayurveda, IMS, BHU
09-12-2016 to 10-12-2016	National Conference on "Managing Soil Resource for Environmental Sustainability: Challenges and Perspective"	Dr. Jay Prakash Verma, Organizing Secretary, Instt. of Environment & Sustainable Development, BHU

10-12-2016 to 11-12-2016	National Seminar on "Role of Ayurveda in Rakta-Pradoshaja Vikaras (Blood Born Diseases)	Prof. J.S. Tripathi, Head, Deptt. of Kayachikitsa, F/o Ayurveda, IMS, BHU
14-12-2016 to 17-12-2016	International Conference of The Indian Mathematics Consortium (TIMC) in cooperation with American Mathematical Society (AMS)	Dr. Bankteshwar Tiwari, Convener, DST-CIMS, BHU
15-12-2016 to 17-12-2016	3rd International Conference on "Modelling & Simulation of Diffusive Processes and Its Applications (ICMSDPA16)"	Prof. Naveen Kumar, Convenor, Deptt. of Mathematics, F/o Science, BHU
19-12-2016 to 21-12-2016	5th International Conference on "Recent Advances in Cognition and Health"	Prof. I.L. Singh, Conference Director, Deptt. of Psychology, BHU
19-12-2016 to 22-12-2016	International Conference on "Nanotechnology: Science and Application in Advanced Materials and Beyond"	Dr. R.N. Rai, Convener, Deptt. of Chemistry, Instt. of Science, BHU
18-12-2016 to 24-12-2016	Workshop on "Research Methodology and Its Multidisciplinary Applications"	Prof. R.P. Singh and Prof. H.K. Malviya, Organizing Secretary, Deptt. of Political Science, BHU
28-12-2016	Symposium on "How to face Interview in Social Sciences and other discipline"	Prof. K.K. Mishra, Prof. R.P. Singh and Prof. H.K. Malviya, Deptt. of Political Science, BHU
30-12-2016 to 31-12-2016	International Conference on "Relearning to be Human in 21st Century: Culture, Religion and Democratic Values"	Prof. Sachchidanand Mishra, Coordinator, Deptt. of Philosophy and Religion, BHU
JANUARY-2017		
08-01-2017 to 10-01-2017	National Workshop on "Effect of Climate Change on Agriculture"	Prof. G.P. Singh, Prof. (A.H. & Dairying) and Dr. S.N. Singh, Programme Assistant, Organizing Secretaries, Krishi Vigyan Kendra, I.Ag.Sc., BHU, RGSC, Barkachha, Mirzapur
12-01-2017 to 13-01-2017	International Conference on "Sustainable Natural Resource Management: from Science to Practice (SNRMSP)"	Dr. V.K. Chandola, Head & Convener, Deptt. of Farm Engineering, I.Ag.Sc., BHU
15-01-2017 to 21-01-2017	National Workshop on "Research Methodology for Dalit Studies"	Dr. Amarnath Paswan, Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy, F/o Social Sciences, BHU
16-01-2017 to 25-01-2017	'रामचरित मानस: पाठ और पुनर्पाठ' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. प्रभाकर सिंह, संयोजक, हिन्दू विभाग, का.हि.वि.वि.
28-01-2017	Regional Seminar on "भूगोल में जन प्रश्न"	Dr. Sarfaraz Alam, Convener, Deptt. of Geography, Instt. of Science, BHU

FEBRUARY-2017		
03-02-2017 to 04-02-2017	''पर्यावरण: भारतीय संस्कृति एवं वैश्विक चुनौतियां'' विषय पर राष्ट्रीय सगोष्ठी	डॉ. आभा मिश्रा पाठक एवं डॉ. निशात अफरोज, आयोजन सचिव, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.
04-02-2017 to 08-02-2017	Training Programme on "Proteomics" for Women Scientist	Prof. H.B. Singh, Head, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, I.Ag.Sc., BHU
06-02-2017 to 12-02-2017	National Workshop on "Research Methodology and Data Analysis"	Prof. Rekha Prasad, Coordinator, Instt. of Management Studies, BHU
10-02-2017 to 11-02-2017	All India Conference of The Indian Social Science Association	Prof. A.K. Joshi, Organizing Secretary, Deptt. of Sociology, BHU
10-02-2017 to 11-02-2017	Sensitization Programme for School Children	Prof. Madhoolika Agrawal, Deptt. of Botany, BHU
11-02-2017	Workshop on "Non-Positional Leadership"	Prof. H.P. Mathur, Coordinator, Inst t. of Management Studies, BHU
11-02-2017 to 12-02-2017	Seminar on "Secularism in India"	Prof. H.K. Malviya, Organizing Secretary, Deptt. of Political Science, BHU
12-02-2017	Annual Alumni Meet	Prof. H.P. Mathur, Coordinator, Inst t. of Management Studies, BHU
12-02-2017 to 18-02-2017	"Sangeet Gayan Karyashala"	Prof. Sangeeta Pandit, Convener, Department of Music, Performing Arts, BHU
13-02-2017 to 23-02-2017	Training Programme on Latex and Other open source softwares - 2017	Dr. Ganga Ram, Convener, DST-CIMS, BHU
16-02-2017 to 19-02-2017	21st IOS PG Convention	Dr. Ajit V. Parihar, Organising Secretary, F/o Dental Sciences, IMS, BHU
17-02-2017 to 18-02-2017	32th Annual Conference of Mathematical Society on "Recent Trends in Mathematical Analysis and its Application"	Dr. Ashish Pathak, Convener, Deptt. of Mathematics, Instt. of Science, BHU
18-02-2017 to 19-02-2017	National Seminar on "Iastam Oration & Award Function and Conclave on "Translational Research Opportunity in Ayurveda"	Prof. M. Sahu, Organizing Chairman, Dean, F/o Ayurveda, IMS, BHU
23-02-2017 to 25-02-2017	International Seminar on "Le recit du voyage dans la literature francaise et la iterature francophone"	Dr. Gitanjali Singh, Convener, Deptt. of French Studies, BHU
23-02-2017 to 25-02-2017	Training Programme on "Spot Blotch of Wheat"	Prof. Ramesh Chand, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, I.Ag.Sc., BHU
25-02-2017 to 27-02-2017	'मुक्तिबोध: सृजन और वैचारिकी का आत्मसंघर्ष' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. आशीष त्रिपाठी, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.
25-02-2017 to 03-03-2017	National Interdisciplinary Workshop on "Technical and Musical Nuances of North Indian Classical Instrumental Music"	Dr. Rajesh Shah, Head, Deptt. of Instrumental Music, F/o Performing Arts, BHU

28-02-2017 to 01-03-2017	National Conference on 'Emerging Scenarios of Ganga, River Development and Water Resource Management'	Prof. Kavita Shah, Coordinator, Mahamana Malaviya Research Centre for Ganga, River Development & Water Resource Management, BHU
25-02-2017 to 26-02-2017	National Seminar on "Family Law: Contemporary Issues and Challenges"	Prof. D.K. Sharma, Head & Dean, F/o Law, BHU
23-02-2017 to 25-02-2017	National Symposium on "Issues and Challenges in Ecological Sciences"	Prof. J. Pandey, Convener, Deptt. of Botany, Instt. of Science, BHU
27-02-2017 to 01-03-2017	International Seminar on "Indian Art Heritage in a Changing World: Challenges and Prospects" (ISIAHCW-2017)	Prof. Atul Tripathi, Organizing Secretary, Deptt. of History of Art, F/o Arts, BHU
MARCH-2017		
01-03-2017 to 07-03-2017	Workshop on "Maternal & New Born Care: Issues and Challenges"	Dr. Kiran Singh, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Instt. of Science, BHU
02-03-2017 to 04-03-2017	10th Annual Conference of Venous Association of India (VAICON-2017)	Prof. A.K. Khanna, Organizing Chairman and Dr. Seema Khanna, Organizing Secretary, Deptt. of General Surgery, IMS, BHU
03-03-2017	Symposium on "Thrombosis"	Dr. Shashi Prakash, Organizing Secretary, Deptt. of Anaesthesiology, IMS, BHU
04-03-2017	10th One Day Conference in Physics	Dr. Neeraj Mehta, Convener and Dr. Horesh Kumar, Co-convener Deptt. of Physics, Instt. of Science, BHU
05-03-2017	National Workshop on "Paradigm Shift in Agribusiness and Rural Development (PSABRD)	Prof. S.K. Dubey, General Secretary, Instt. of Management Studies, BHU
02-03-2017 to 06-03-2017	Training Programme on "Proteomics" for Women Scientist	Prof. H.B. Singh, Head, Department of Mycology and Plant Pathology, I.Ag.Sc., BHU
05-03-2017 to 06-03-2017	Symposium on Gene-Environment Interaction in Disease, Development and Evolution"	Prof. A.K. Singh, Dr. M.G. Tapadia, Conveners and Dr. D. Sinha, Organizing Secretary, Deptt. of Zoology, BHU
08-03-2017 to 09-03-2017	National Seminar on "Women, Law and Contemporary Indian Scenario"	Prof. Rita Singh, Coordinator, Centre for Women's Studies & Development, F/o Social Sciences, BHU
15-03-2017 to 21-03-2017	National workshop on "Indian Perspective on Research Methodology in History"	प्रो. बिन्दा डी. परांजपे, समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, का.हि.वि.वि.
18-03-2017 to 24-03-2017	''लोककला संस्कृति एवं साहित्य: भारतीयता की विरासत'' विषय पर कार्यशाला	डॉ. आभा मिश्रा पाठक, आयोजन सचिव, कला इतिहास विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.
18-03-2017 to 19-03-2017	7th Chapter of UP-UK APPICON-2016 Conference	Dr. Ratna Pandey, Organizing Secretary, Deptt. of Physiology, IMS, BHU
18-03-2017 to 19-03-2017	INO Collaboration Meeting	Dr. Venktesh Singh, Deptt. of Physics, Instt. of Science, BHU

21-03-2017 to 24-03-2017	International Seminar on "Education for Development of Democracy, The Constitution and Resulting Conflicts in Nepal: The South Asian Context"	Prof. B.V. Singh, Convener, Centre for the Study of Nepal, F/o Social Sciences, BHU
23-03-2017 to 25-03-2017	Seminar on "प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन: दशा एवं दिशा''	Prof. S.R. Dubey, Deptt. of A.I.H.C. & Archaeology, F/o Arts, BHU
25-03-2017 to 26-03-2017	5th Mahamana Malaviya National Moot Court Competition-2017	Prof. D.K. Sharma, Head & Dean, Faculty of Law, BHU
25-03-2017 to 31-03-2017	National Workshop on "The Politics of Post: Theory, Literature and Culture"	Dr. N.R. Mahanta, Dr. Pravin Kumar Patel, Dr. Amar Singh, Mahila Mahavidyalaya, BHU
27-03-2017 to 08-04-2017	Workshop on "MS Excel & SPSS"	Prof. B.V. Singh, Coordinator, Centre for the Study of Nepal, F/o Social Sciences, BHU
30-03-2017 to 31-03-2017	Workshop for National Council of Rural Institutes on a theme related to Rural Engagement and Inculcating Social Responsibility	Prof. P.V. Rajeev, Coordinator of the Workshop, Instt. of Management Studies, BHU

Annexure - V

STATEMENT SHOWING NUMBER OF TEACHERS DEPUTED TO PARTICIPATE IN ACADEMIC MEETS DURING THE YEAR 2016-17

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
1.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Vinay Kumar Srivastava	"National Seminar on Sushruta's concept of Minimal Access Surgery & its application in present era" held at IMS, BHU during 26-27 March 2016.
2.	Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. Om Prakash Singh	"10th International Conference of Indian Tourism and Hospitality Congress (ITHC) International Conference" held at Port Blair, Andaman & Nicobar Island during 24-27 July 2016.
3.	Department of Pathology, Institute of Medical Sciences	Dr. Neeraj Dhameja	"2nd Basic Course in Molecular Diagnostics" held at Christian Medical College, Vellore during 22nd August to 2nd September 2016.
4.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Vinay Kumar Srivastava	i. "National Seminar on Sushruta's concept of Minimal Access Surgery & its application in present era" held at IMS, BHU during 26-27 March 2016. ii. "38th National Conference of Indian Society of Pedodontics & Preventive Dentistry" held at Le Meridien, Kochi, Kerala during 19-22 October 2016.
5.	Department of General Surgery, Institute of Medical Sciences	Prof. Vijay Kumar Shukla	"18th Annual Conference of Indian Society of Wound Management (WOUNDCON -2016)" held at IGMC, Shimla during 9-10 July 2016.
6.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Harakh Chand Baranwal	"31st IACDE & 24th IES National Conference" held at Kolkata during 11-13 November 2016
7.	Department of Radio Diagnosis & Imaging, Institute of Medical Sciences	Dr. (Ms.) Shivi Jain	"70th Annual Conference of Indian Radiological and Imaging Association" held at Jaipur during 5-8 January 2017
8.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Sarita Parihar	"41st National Conference: Indian Society of Periodontology" held at Nagpur during 21-23 October 2016
9.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Ashish Agrawal,	"51st Indian Orthodontic Conference & 8th World Implant Orthodontic Conference" held at Goa during 3-6 November 2016
10.	Department of Microbiology, Institute of Medical Sciences	Prof. Ragini Tilak	"MICROCON-2016" held at PGIMER Chandigarh during 23-27 November 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
11.	Department of Physiology, Institute of Medical Sciences	Dr. Priyanka Bhagat	"APPICON 2016: 62nd Annual Conference of Association of Physiologists and Pharmacologists of India (APP) held at AIIMS Patna during 21-24 October 2016
12.	Department of Microbiology, Institute of Medical Sciences	Dr. Pradyot Prakash	"MICROCON 2016: 40th Annual Conference of Indian Association of Medical Microbiologists" held at PGIMER, Chandigarh during 23-27 November 2016
13.	Department of Anaesthesiology, Institute of Medical Sciences	Prof. L. D. Mishra	"64th Annual National Conference of Indian Society of Anaesthesiologists" held at Punjab Agricultural University, Ludhiana, during 25-29 November 2016
14.	Department of T.B. and Respiratory Disease, Institute of Medical Sciences	Dr. Deepak Kumar Shah	"National Conference on Pulmonary Diseases: 18th Joint National Conference of National College of Chest Physicians (India) & Indian Chest Society" held at Mumbai during 24-27 November 2016
15.	Department of Ophthalmology, Institute of Medical Sciences	Dr. Rajendra Prakash Maurya	Dr. Rajendra Prakash Maurya, 18662, Department of Ophthalmology, Institute of Medical Sciences –"An Intercontinental Perspective of Pediatric Ophthalmology and Strabismus" held at Jaipur during 2-4 December 2016
16.	Department of Radiotherapy & Radiation Medicine, Institute of Medical Sciences	Prof. Lalit M. Aggarwal	"37th Annual Conference of Association of Medical Physicists of India" held at Hyderabad during 18-20 November 2016
17.	Department of Physiology, Institute of Medical Sciences	Dr. Kumar Sarvottam	"APPICION 2016: 62nd Annual Conference of Association of Physiologists and Pharmacologists of India (APP)" held at Patna during 22-24 October 2016
18.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Prof. Neelam Mittal	"31st IACDE and 24 th IES National Conference 2016" held at Kolkata during 9-13 November 2016
19.	Department of Psychiatry, Institute of Medical Science	Dr. Pankaj Sureka	"69th Annual National Conference of Indian Psychiatric Society (ANCIPS 2017): held at Raipur during 5-8 January 2017
20.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Dr. Ramesh Soni	"44th IPS Conference" held at Mumbai during 1-4 December 2016
21.	Department of General Surgery, Institute of Medical Sciences	Dr. Rahul Khanna	"76th Annual National Conference of the Association of Surgeons of India" held at Mysure during 14-18 December 2016
22.	Department of Ophthalmology,	Dr. Rajendra Prakash Maurya	"Ocular Oncology, Master class by Carol Shields" held at Hyderabad International Convection Centre (HICC) during 14-15 January 2017

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
23.	Department of Medicine, Institute of Medical Sciences	Dr. Sankha Shubhra Chakrabarti	"Programme of training of trainers for assessment of subject of the project "Harmonized Diagnostic Assessment of Dementia (DAD) for Longitudinal Aging Study of India" held at AIIMS New Delhi during 28.11.2016 to 03.12.2016
24.	Department of Surgery, Institute of Medical Sciences	Dr. Seema Khanna	"76th Annual National Conference of the Association of Surgeons of India (ASICON 2016)" held at Mysuru during 14-18 Dec. 2016
25.	Department of Anesthesiology, Institute of Medical Sciences	Dr. Nimisha Verma	"5th ICPM: International Conference on Pain Management" held at Port Blair, Andamans during 21-25 October 2016
26.	Department of Biochemistry, Institute of Medical Sciences	Prof. D. Dash	"104th Indian Science Congress" held at Venkatesware University, Tirupati during 3-7 January 2017
27.	Department of Siddhant Darshan, Institute of Medical Sciences	Dr. Rani Singh	National Seminar on Role of AYUSH in Health Care Management in NE India" held at Neiah, Shillong during 23-24 February 2017
28.	Department of Pathology, Institute of Medical Sciences	Prof. Vijai Tilak	"18th Indo-US Flow Cytometry Workshop" held at SGPGI, Lucknow during 17-20 February 2017
29.	Department of Ophthalmology, Institute of Medical Sciences	Dr. Deepak Mishra	**i.** "2 day Workshop on Research Methodology (RMW) being organized by Indian Journal of Ophthalmology-All India Ophthalmological Society (AIOS)" held at Mumbai during 7-8 January 2017 **ii.** "75th Platinum Conference" held at Jaipur during 16-19 February 2017
30.	Department of Rachana Sharir, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. Ashutosh Kumar Pathak	"National Seminar on Role of Ayush in Health Care Management in NE India" held at Shilong during 23-24 February 2017
31.	Department of Psychiatry, Institute of Medical Sciences	Dr. Jai Singh Yadav	i. "Epilepsy Conference 2017" held at Patna during 17-19 February 2017 ii. International Conference on Cognitive Behavioural Interventions" held at AIIMS, New Delhi during 6-8 March 2017
32.	Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences	Dr. Manushi Srivastava	"76th National Course on Educational Sciences for Teachers of Health Professionals" held at Jipmer, Puducherry during 16-22 February 2017

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
33.	Department of Psychiatry, Faculty of Social Sciences	Dr. Mona Srivastava	"76th National Course on Educational Sciences for Teachers of Health Professionals" held at Jipmer, Puducherry during 16-22 Feb. 2017
34.	Department of Agricultural Economics, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Virendra Kamalvanshi	"ICAR Short Course on Designing Impact Evaluation for Agricultural Technologies" held at ICAR – National Rice Research Institute, Cuttack during 1-10 August 2016
35.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Manoj Kumar Singh	"Fourth International Agronomy Congress on Agronomy for Sustainable Management of Natural Resources, Environment, Energy and Livelihood Security to Achieve Zero Hunger Challenge" held at New Delhi during 22-26 November 2016
36.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Avijit Sen	"Fourth International Agronomy Congress on Agronomy for Sustainable Management of Natural Resources, Environment, Energy and Livelihood Security to Achieve Zero Hunger Challenge" held at New Delhi during 22-26 November 2016
37.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Jainendra Kumar Singh	"Fourth International Agronomy Congress on Agronomy for Sustainable Management of Natural Resources, Environment, Energy and Livelihood Security to Achieve Zero Hunger Challenge" held at New Delhi during 22-26 November 2016
38.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Prof. U.P. Singh	"Fourth International Agronomy Congress on Agronomy for Sustainable Management of Natural Resources, Environment, Energy and Livelihood Security to Achieve Zero Hunger Challenge" held at New Delhi during 22-26 November 2016
39.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Ram Narayan Meena	"Fourth International Agronomy Congress on Agronomy for Sustainable Management of Natural Resources, Environment, Energy and Livelihood Security to Achieve Zero Hunger Challenge" held at New Delhi during 22-26 November 2016
40.	Department of Plant Physiology, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Pravin Prakash	"National Conference of Plant Physiology (NCPP-2016) Challenges in Crop Physiology Research: From Molecular to Whole Plant" held at Bengaluru during 8-10 December 2016
41.	Department of Mycology and Plant Pathology, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Rakesh Kumar Singh	"International Conference on Climate Change Adaptation and Biodiversity, Ecological Sustainability and Resource Management for Livelihood Security" held at Port Blair during 8-10 December 2016
42.	Department of Plant Physiology, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Bandana Bose	"XXXIX All India Conference of the Indian Botanical Society & National Symposium on New Approaches and Recent Challenges in Botany" held at Ranchi University, Ranchi during 21-23 October 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
44.	BHU-Krishi Vigyan Kendra, Barkachha, Mirzapur, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Suneel Kumar Goyal	"51st Annual Convention of Indian Society of Agricultural Engineers (ISAE) and National Symposium on Agricultural Engineering for Sustainable and Climate Smart Agriculture" held at Hisar during 16-18 February 2017
45.	Department of Extension Education, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Kalyan Ghadai	"ISEE National Seminar: Information and Communication Management Concerning Climate Smart Agriculture for Sustainable Development and Poverty Alleviation" held at Gwalior during 28-29 November 2016
46.	Department of Mycology & Plant Pathology, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Ramesh Chand	"National Symposium on Diagnosis and Management of Plant diseases: Integrated approaches and recent trends"held at ICAR Research Complex for NEH Region, Umiam, Meghalaya during 9-11 January 2017
47.	Department of Agricultural Economics, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Om Prakash Singh	"76th Annual Conference of the Society" held at Jorhat, Assam during 21-23 November 2016
48.	Department of Agricultural Economics, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Prashant Kumar Singh	"76th Annual Conference of the Society" held at Jorhat, Assam during 21-23 November 2016
49.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Manoj Kumar Singh	"Biennial Conference on Doubling Farmers' Income by 2022: The Role of Weed Science" held at Udaipur during 1-3 March 2017
50.	Department of Extension Education, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Basavaprabhu Jirli	"XIII Agricultural Science Congress 2017" held at Bengaluru during 21-24 February 2017
51.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Udai Pratap Singh	"Biennial Conference on Doubling Farmers' Income by 2022: The Role of Weed Science" held at Udaipur during 1-3 March 2017
52.	Department of Entomology & Agricultural Zoology, Institute of Agricultural Sciences	Prof. C.P. Srivastava	"12th National Symposium on Biotic Stress Management Strategies: Challenges and Environmental Harmonization" held at Cooch Behar, West Bengal during 17-19 February 2017
53.	Department of Entomology & Agricultural Zoology, Institute of Agricultural Sciences	Dr. M. Raghuraman	"12th National Symposium on Biotic Stress Management Strategies: Challenges and Environmental Harmonization" held at Cooch Behar, West Bengal during 17-19 February 2017

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
54.	Department of Extension Education, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Dipak De	i. "XIII Agricultural Science Congress 2017" held at UASB, GKVK Campus, Bengaluru during 21-24 February 2017 ii. Workshop on "Strategies for harnessing the potential of spices production in Arunachal Pradesh" held at Itanagar during 22-23 March 2017
55.	, Department of Physics, Institute of Science	Prof. R.S. Tiwari	"International Conference on Metals and Materials Research (ICMR 2016)" held at Indian Institute of Science, Bangalore during 20-22 June 2016
56.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Anupam Priyadarshi	"National Conference on Global Challenges – Role of Sciences & Technology in Imparting their Solutions" held at Bhiwani during 23-24 April 2016
57.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. (Ms.) Chandana Haldar	"National Symposium on Chronobiology" held at Manasagangotri Mysore during 2-3 June 2016
58.	Department of Chemistry, Institute of Science	Prof. Daya Shankar Pandey	"Conference on Frontiers of Organometallic Chemistry- 2016 (FOMC-2016) which will be held at Thiruvananthapuram during 3-6 December 2016
59.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. S. Prasad	i. "34th Annual Meeting of Indian Academy of Neurosciences" held at National Brain Research Centre, Manesar during 19-21 October 2016 ii. Indian Ageing Congress 2016: 18th Biennial Conference of Association of Gerontology (India) & 14 th Annual Conference of India Academy of Geriatrics" held at AIIMS New Delhi during 9 -11 November 2016
60.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Buddhadev Pal	"19th International Conference of International Academy of Physical Sciences (CONIAPS XIX) & Symposium on Fixed Point Theory and Dynamical Systems" held at Kumaun University, Nainital during 17-19 October 2016
61.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Akhilesh Yadav	"19th International Conference of International Academy of Physical Sciences (CONIAPS XIX) & Symposium on Fixed Point Theory and Dynamical Systems" held at Kumaun University, Nainital during 17-19 October 2016
62.	Department of Biochemistry, Institute of Science	Dr. Subash Chandra Gupta	i. International Seminar on Phytochemistry and Application of Natural Products for Human Welfare (ISPAN)" held at Thrissur, Kerala during 7-8 September 2016 ii. First International Conference on Nutraceuticals and Chronic Diseases" held at Cochin, Kerala during 9-11 September 2016 iii. Environmental Pollution: Causes and Control" held at ISIR Lucknow during 20-21 October 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
63.	Department of Botany, Institute of Science	Prof. R.K. Asthana	i. International Conference on Microalgal and Cyanobacterial Biotechnology (MACB-2016)" held at Tiruchirappalli during 30th August to 1st September 2016 ii. National Conference Basic and Applied Researches in Plants and Microbes" held at Punjabi University, Patiala during 3 -5 November 2016
64.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. Manjula Vinayak	"National Symposium on Current Research in Cancer Biology & Therapy" held at Gandhinagar during October 7-8, 2016
65.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Arun Kumar	"Indian Conference on Logic and its Applications (ICLA 2017) held at IIT Kanpur during 5-7 January 2017
66.	Department of Chemistry, Institute of Science	Dr. Biswajit Maiti	Dr. Biswajit Maiti, 17668, Assistant Professor, Department of Chemistry, Institute of Science for attending – "15th Indian Theoretical Chemistry Symposium" held at Hyderabad during 14-17 December 2016
67.	Department of Biochemistry, Institute of Science	Dr. Subash Chandra Gupta	"36th Annual Conference of Indian Association for Cancer Research (IACR-2017)" held at Thrissur, Kerala during 9-11 February 2017
68.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Kanailal Mahato	"20th Ramanujan Symposium: International Conference on Fourier Analysis and Wavelets (ICFAWL)" held at University of Madras, Chennai during 21-25 March 2017
69.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. Surendra Kumar Trigun	i. "15th Annual Meeting along with a one-day workshop on "Radiation and Redox Processes in Health" and a conference titled "Basic and Applied Aspects of Health Management Using Radiation, Antioxidants and Nutraceuticals" held at Mumbai during 9-12 January 2017 ii. Neurocon–2017" held at Haldia during 19-22 January 2017
70.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Ashish Pathak	International Conference on Fourier Analysis and Wavelets (ICFAWL)" held at University of Madras, Chennai during 21-25 March 2017
71.	Department of Biochemistry, Institute of Science	Dr. Subash Chandra Gupta	"First Indo -Russian Meet and 2nd International Conference on Biotechnological Advancements in Free Radical Biology and Medicine (ICBAFM -2017)" held at Lucknow during 23-25 January 2017
72.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Sandeep Kumar	"51st National & 20th International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at Bengaluru, during 6-8 May 2016
73.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Prof. Ghan Shyam	"Becoming Indentured Conference" held at CSDS, New Delhi during 28-29 March 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
74.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Dr. A. Gangatharan	"28th Quadrennial Assembly of NCCI Annual Disability Conference" held at Jabalpur during 24 -26 April 2016
75.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Prof. Indramani Lal Singh	"51st National & 20th International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at Bengaluru during 6-8 May 2016
76.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Trayambak Tiwari	"51st National & 20th International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at Bengaluru during 6-8 May 2016
77.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Urmila Rani Srivastva	"3rd International Conference on Human Behaviour and Development Issues (CHBDI 2016)" held at Amity University, Lucknow during 20 -21 October 2016
78.	Department of Sociology, Faculty of Social Sciences	Dr. Chittaranjan Das Adhikary	"Indian Sociological Society: 42 nd All India Sociological Conference on Rethinking Sociological Traditions of India" held at Tezpur University, during 27-30 December 2016
79.	Department of Sociology, Faculty of Social Sciences	Dr. Manoj Kumar Verma	"Indian Sociological Society: 42nd All India Sociological Conference on Rethinking Sociological Traditions of India" held at Tezpur University, during 27-30 December 2016
80.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Virendra Byadwal	i. 3rd International & 5th Indian Psychological Science Congress" held at Chandigarh during 28-30 September 2016 ii. National Conference on Current Educational Perspectives Strategies and Intervention" held at Jodhpur during 15-17 October 2016
81.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Tushar Singh	i. 3rd Annual Conference on Cognitive Science 2016" held at IIT Gandhinagar during 3-5 October 2016 ii. 3rd International Conference on Human Behaviour & Development Issues" held at Amity University, Lucknow during 20-21 October 2016
82.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Dr. A. Gangadharan	"RZIM – 2 Week Certificate in Apologetics" held in Chennai on 7th October 2016
83.	Department of Sociology, Faculty of Social Sciences	Dr. Dinesh K. Singh	"42nd All India Sociological Conference on Rethinking Sociological Traditions of India" held at Tezpur University during 27-30 December 2016
84.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Purnima Awasthi	"3rd International Conference on Human Behaviour & Development Issues Growth and Sustainability" held at Amity University, Lucknow during 20 -21 October 2016
85.	Department of Sociology, Faculty of Social Sciences	Prof. Ram Narayan Tripathi	"42nd All India Sociological Conference on Rethinking Sociological Traditions of India" held at Tezpur University, Sonitpur during 27-3- December 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
86.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Trayambak Tiwari	"104th Session of the Indian Science Congress" held at S.V. University, Tirupati during 3 -7 January 2017
87.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Jay Kumar Ranjan	"43rd National Annual Conference of Indian Association of Clinical PsychologistsYes (NACIACP) 2017" held at Coimbatore during 27-29 January 2017
88.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Purnima Awasthi	"National Seminar on Social Concerns of Social Psychology" held at Sagar during 28-29 November 2016
89.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Dr. A. Gangatharan	"77th Session of the Indian History Congress" held at University of Kerala, Thiruvananthapuram, during 28-30 December 2016
90.	Dept. of History, Faculty of Social Sciences	Dr. A. Gangadharan	"National Seminar on Disability and Higher Education" held at New Delhi during 22-23 March 2017
91.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Dr. Tabir Kalam	"National Seminar on Centre, provinces and Regional States in Medieval India (1206 -1707)" held at AMU, Aligarh during 20-21 March 2017
92.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Sandeep Kumar	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 17
93.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Trayambak Tiwari	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 2017
94.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Prof. Indramani Lal Singh	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 2017
95.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Virendra Byadwal	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 2017
96.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Rama Shankar Yadav	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 2017
97.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Purnima Awasthi	"52nd National & 21st International Conference of Indian Academy of Applied Psychology (IAAP)" held at University of Rajasthan, Jaipur during 23-25 February 2017
98.	Department of Sanskrit, Faculty of Arts	Prof. Umesh Prasad Singh	Prof. Umesh Prasad Singh, 11875, Department of Sanskrit, Faculty of Arts for attending–"48th All India Oriental Conference" held at Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar during 12-14 November 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
99.	Department of Sanskrit, Faculty of Arts	Prof. Parn Dutt Singh	"48th All India Oriental Conference" held at Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar during 12-14 November 2016
100.	Department of AIHC & Arch., Faculty of Arts	Dr. Sheetal Rana	"16th Annual Conference of the Indian Society for Buddhist Studies" held at the Punjabi University, Patiala during October 21-23 October 2016
101.	Museology Section, Department of AIHC & Arch., Faculty of Arts	Prof. Usha Rani Tiwari	"National Conference on Buddhist and Jain Art: Landmarks, Philosophical Background and Social Contributions, as 25th Session of the Indian Art History Congress" held at the Deccan College Deemed University, Pune during 1-3 December 2016
102.	Department of AIHC & Arch., Faculty of Arts	Dr. Meenakshi Singh	"99th Annual Conference of the Numismatic Society of India" held at Lonavala, Pune during 5-7 November 2016
103.	Department of Philosophy and Religion, Faculty of Arts	Dr. Shruti Mishra	"All India Oriental Conference" held at Haridwar during 12-14 November 2016
104.	Department of History of Art, Faculty of Arts	Dr. Shyju PJ	"International Seminar on Environmental Imitative in Current Indian Art, Exploration in Art, Architecture, Activism and Community engagement" held at Chennai during 6-7 January 2017
105.	Zoology section, MMV	Dr. Sunita Singh	"12th International Conference of Asian Clinical Oncology Society & 35th Annual Convention of Indian Association for Cancer Research" held at New Delhi during 08-10 April 2016
106.	Chemistry Section, MMV	Dr. Sailaja S. Sunkari	"Modern Trends in Molecular Magnets (MTMM) Workshop on Electronic Structure of Coordination Complex (WESCC)" held IIT Mumbai during 16-21 May 2016
107.	Philosophy Section, MMV	Dr. Jai Singh	"A National Seminar on 'Religious Tolerance" held at Lucknow during 15-16 April 2016
108.	Geography Section, MMV	Dr. Seema Tiwari	i. "9th International Geographical Union (IGU) Conference- Land Use Change, Climate Extremes and Disaster Risk Reduction" held at University of Delhi during 18-20 March 2016 ii. "National Conference on Agriculture, Environment & Sustainable Development" held at AMU Aligarh during 21-22 March 2016
109.	Physics Section, MMV	Dr. Hirdyesh Mishra	"International Conference on Energy, Functional Materials & Nanotechnology" held at Kumaun University, Nainital during 27-29 March 2016
110.	Zoology Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. (Ms.) Rashmi Singh	"First International Conference on Nutraceuticals and Chronic Diseases" held at Cochin, Kerala during 9-11 September 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
111.	Mahila Mahavidyalaya	Dr. Gautam Geeta Jiwatram	"International Conference on Science and Technology: Future Challenges and Solutions (STFCS-2016)" held at University of Mysore, Mysore during Aug 8-9, 2016
112.	Mathematics Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Pravati Sahoo	"24th International Conference on Finite or Infinite Dimensional Complex Analysis and Applications" held at Jaipur during 22-26 August 2016
113.	Physics Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Neelam Srivastava	"15th Asian Conference on Solid State Ionics (ACSSI - 2K16)" held at IIT Patna during 27-30 November 2016
114.	Philosophy Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Jai Singh	i. 61st Conference of All India Philosophy Association" held at Patna during 10-12 September 2016 ii. "Seminar on Mysticism: it's contemporary relevance" held at Gokul, Mathura during 18-20 November 2016
115.	Mahila Mahavidyalaya	Prof. Arun K. Singh	"6th International Conference on Changing Dimension of Water Resource: A challenge Before Mankind" held at Nalanda Open University, Patna during 18-20 November 2016
116.	Physics Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Avijit Kumar Ganguly	"XXII DAE-BRNS High Energy Physics Symposium" held at University of Delhi during 12-16 December 2016
117.	Computer Science Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Ratneshwer	"Presentation of Project Proposal submitted to BRNS" held at Mumbai on 26.08.2016
118.	Bengali Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Uttam Giri	"Seminar on Maheshweta Debi: Literary Personality" held at WEA Karolbagh, New Delhi on 11th December 2016
119.	Botany Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. Pushpa Lata	"85th Annual Meeting of Society of Biological Chemists" (India) 2016" held at Mysore during 21 -24 November 2016
120.	Mahila Mahavidyalaya	Dr. Suneel Kumar Singh Kushawaha	"National Art Festival (Artist's Camp) held at Kochi during 9-15 January 2017
121.	Philosophy Section, Mahila Mahavidyalaya	Prof. Jyotsna Srivastava	"Xth Annual Conference: Bharatiya Mahila Darshnik Parishad" held at Ranchi during 3-5 Feb 2017
122.	Mahila Mahavidyalaya	Prof. K.N. Tiwari	"National Symposium on Plant Biotechnology: Current Perspectives on Medicinal and Crop Plants" held at CSIR -Indian Institute of Chemical Biology Kolkata during 3-5 March 2017
123.	Mahila Mahavidyalaya	Dr. Gautam Geeta Jiwatram	"Workshop on 'Maternal and Newborn Care: Issues and Challenges' held at Inter Disciplinary School of Life Sciences (ISLS), BHU during 01-07 March 2017
124.	Zoology Section, MMV	Dr. Usha Kumari	"Indo-German Workshop on Recent Applications of Carbohydrates in Chemistry and Biology (RACCB - 2017)" held at BHU during 14-16 Feb. 2017

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
125.	Mahila Mahavidyalaya	Prof. Arun Kumar Singh	"38th Indian Geographers Meet 2017 & National Conference on Sustainable Earth Resource Development" held at Banasthali Vidyapith TONK Rajasthan during 18-20 March 2017
126.	Faculty of Commerce	Dr. Brijesh P. Singh	"10th International Conference of Indian Tourism and Hospitality Congress (ITHC) International Conference" held at Port Blair, Andaman & Nicobar Island during 24-27 July 2016
127.	Faculty of Commerce	Prof. Prashant Kumar	"39th All India Accounting Conference and International Seminar on Accounting Education and Research" held at Bangalore University during 16-17 December 2016
128.	Department of Sahitya, Faculty of SVDV	Dr. Shanti Lal Salvi	"All India Oriental Conference (48th Session)" held at Uttrakhand Sanskrit University, Haridwar during 12-14 November 2016
129.	Department of Vaidic Darshan, Faculty of SVDV	Dr. Shashikant Dwivedi	"48th Session: All India Oriental Conference" held at Uttrakhand Sanskrit University, Haridwar during 12-14 November 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
1.	Department of Pediatrics, Institute of Medical Sciences	Prof. Ashok Kumar	"Pediatric Academic Societies (PAS) 2016 Annual Meeting" held at Baltimore, USA during April 30 – May 3, 2016
2.	Department of Anaesthesiology, Institute of Medical Sciences	Prof. Alka Agarwal	Prof. L.D. Mishra, for attending –"51st Annual Conference of Neuro Anaesthesia & Critical Care Society of Great Britain and Ireland (NACCSGBI)"held at Southampton, UK during 19-20 May 2016
3.	Molecular Biology Unit, Institute of Medical Science	Dr. Sunit Kumar Singh	"Gordon Research Conference – (Barriers of the CNS)" held at Colby -Sawyer College in New London, NH USA during 19-24 June 2016
4.	Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences	Dr. Hari Shankar	"18th International Conference on Public Health" held in London, UK during 23-24 May 2016
5.	Department of Orthopaedics, Institute of Medical Sciences	Prof. Ghanshyam Narayan Khare	"33rd Annual Meeting of the American Association of Clinical Anatomists" held at the Oakland Marriott City Center, California, USA during 13-17 June 2016
6.	Department of Orthopaedics, Institute of Medical Sciences	Dr. Sanjay Yadav	"Conference & Joint Meeting of 16 International Spine Societies (SPINEWEEK-2016)" held at Singapore during 16-20 May 2016
7.	Department of Cardiothoracic Surgery, Institute of Medical Sciences	Dr. Sanjay Kumar	i. ISHLT 36th Annual Meeting and Scientific Sessions" held at Washington, DC, USA during 27-30 April 2016 ii. Annual Scientific Meeting of International Society for Minimally Invasive Cardiothoracic Surgery" held at Montreal, Quebec, Canada during 15-18 June 2016
8.	Department of Orthopaedics, Institute of Medical Sciences	Prof. Shyam Kumar Saraf	"37th SICOT Orthopaedic World Congress" held at Rome, Italy during 8-10 September 2016
9.	Department of Pediatrics, Institute of Medical Sciences	Prof. O.P. Mishra	"17th Congress of the International Pediatric Nephrology Association" held at Iguacu, Brazil during 20-24 September 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
10.	aDepartment of Radio diagnosis & Imaging, Institute of Medical Sciences	Dr. Ashish Verma	"102nd Scientific Assembly and Annual Meeting" held at Chicago, USA during November 27 – December 2, 2016
11.	Department of Radiotherapy & Radiation Medicine, Institute of Medical Sciences	Dr. Sunil Choudhary	"The 42nd Annual Meeting of Korean Cancer Association" held at Seoul, Korea during 16-17 June 2016
12.	Department of General Surgery, Institute of Medical Sciences	Prof. Vijay Kumar Shukla	**i.** North Borneo Wound Conference" held at Kota Kinabalu, Sabah, Malaysia during 19-21 August 2016 **ii.** 5th Congress: World Union of Wound Healing Societies (WUWHS) 2016" held at Florence, Italy during 25-29 September 2016
13.	Department of Swasthavritta and Yoga, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. (Ms.) Neeru Nathani	"For selection as member of AYUSH Troupe visiting during celebration of International Day of Yoga 2016" held at Saint Denis, Reunion Island during 23-27 June 2016
14.	Department of Pediatrics, Institute of Medical Sciences	Prof. (Ms.) Vineeta Gupta	"48th Congress of the International Society of Pediatrics Oncology" held at Dublin, Ireland during 19-22 October 2016
15.	Deptt. of Ophthalmology, Institute of Medical Sciences	Dr. Rajendra Prakash Maurya	"NUH EYE International Congress 2016: XII ISOT & III APOTS Meeting" held at Singapore during 3-6 November 2016
16.	Department of Kriya Sharir, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. Kishor Patwardhan	"2nd European World Ayurveda Congress, EWAC#2" held at Koblenz, Germany during 15-17 October 2016
17.	Department of Sangyaharan, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. Rakesh Kumar Jaiswal	"4th International Conference on Ayurveda, Unani, Siddha & Traditional Medicine 2016 (ICAUST 2016)" held at Colombo, Sri Lanka during 8-10 December 2016
18.	Department of Shalya Tantra, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Dr. A.K. Dwivedi	"4th International Conference on Ayurveda, Unani, Siddha & Traditional Medicine 2016 (ICAUST 2016)" held at Colombo, Sri Lanka during 8-10 December 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
19.	Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences	Dr. Manushi Srivastava	"20th World Congress on Clinical Nutrition: Traditional Medicine, Functional Fooe, Nutrition, Natural Health Product and Spiritual Healing: Additional Tools for Healthcare Delivery" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016
20.	Department of Shalya Tantra, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Science	Prof. Pradeep Kumar	i. 20th World Congress on Clinic Nutrition (WCCN)" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016. ii. 4th International Conference on Ayurveda, Unani, Siddha and Traditional Medicine-2016" held at University of Colombo, Sri Lanka during 8-10 December 2016
21.	Department of General Surgery, Institute of Medical Sciences	Prof. Vijay Kumar Shukla	"10th Congress of Chinese Tissue Repair Society (CTRS)" held at Province of China during 10-11 September 2016
22.	Department of Anaesthesiology, Institute of Medical Sciences	Prof. L.D. Mishra	"16th World Congress of Anaesth esiologists" held at Hong Kong during August 28 to September 2, 2016
23.	Department of Orthopaedics, Institute of Medical Sciences	Prof. Anil Kumar Rai	"Philippine Orthopaedic Association Annual Congress" held at Mandaluyong City Philippines during 16-19 November 2016
24.	Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences	Prof. S.P. Singh	"20th World Congress on Clinical Nutrition: Traditional Medicine, Functional Food, Nutrition Natural Health Product and Spiritual Healing: Additional Tools for Healthcare Delivery" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016
25.	Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences	Prof. Ratan Kumar Srivastava	"20th World Congress on Clinical Nutrition: Traditional Medicine, Functional Food, Nutrition Natural Health Product and Spiritual Healing: Additional Tools for Healthcare Delivery" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016
26.	Department of Kayachikitsa, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Prof. Om Prakash Singh	"International Conference on Population, Health, Environment and Sustainable Development: Issues and Challenges (PHESD2016)" held at the University of Rajshahi, Bangladesh during 17-18 December 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
27.	Department of Shalya Tantra, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences	Prof. M. Sahu	i. "4th International Conference on Ayurveda, Unani, Siddha and Traditional Medicine-2016" held at University of Colombo, Rajagiriya, Sri Lanka during 8-10 December 2016 ii. "20th World Congress on Clinical Nutrition (WCCN) Agriculture, Food and Nutrition for Health and Wellness" held at Bangkok, Thailand during 14 -16 December 2016
28.	Department of Extension Education, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Dipak De	"Conference of the International Association for Media and Communication Research – IAMCR -2016" held in Leicester, UK during 27-31 July 2016
29.	Department of Entomology & Agricultural Zoology, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Chandra Prakash Srivastava	i. "XXV International Congress of Entomology" held at Orange County Convention Center, Orlando, Florida, USA during 25-30 September 2016 ii. To visit the Department of Entomology, Purdue University, West Lafayette, Indiana State, USA during 03-07 October 2016
30.	Department of Agronomy, Institute of Agricultural Sciences	Prof. J.S. Bohra	i. "2016 International Forum– Agriculture, Biology and Life Science" held in Kurume, Fukuka, Japan during 05-07 August 2016 ii. "3rd International Conference on Agricultural and Food engineering" held at Kuala Lumpur, Malaysia during 23-25 August 2016
31.	Department of Plant Physiology, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Padmanabh Dwivedi	"6th Plant Nitric Oxide International Meeting" held at Granada, Spain during 14-16 September 2016
32.	Department of Soil Sciences & Agricultural Chemistry, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Amitava Rakshit	"ACSE Annual Con ference 2016" held at Carlton Palace Hotel, Dubai during 10-11 August 2016
33.	Department of Soil Science & Agricultural	Prof. Amlan Kumar Ghosh	"Digital Agriculture for Food and Soil Security: Training Agricultural Trade Partners (India)" held at University of Sydney during 4-19 November 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
34.	Centre of Food Science and Technology, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Abhishek Dutt Tripathi	i. 5th International Conference on Biotechnology and Bioengineering 2016 International Conference on Coastal Ecology and Marine Biotechnology" held at Bangkok, Thailand during 8-10 December 2016 ii. 20th World Congress on clinical nutrition" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016
35.	Department of Genetics & Plant Breeding, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Vinod Kumar Mishra	To visit CIMMYT's Global Wheat Program's Ug99 stem rust screening facility" held at Kalro, Njoro, Kenya during 7-14 October 2016
36.	Department of Mycology and Plant Pathology, Institute of Agricultural Sciences	Prof. Ramesh Chand	To visit CIMMYT's Global Wheat Program's Ug99 stem rust screening facility" held at Kalro, Njoro, Kenya during 7-14 October 2016
37.	Faculty of Veterinary & Animal Sciences, Institute of Agricultural Sciences	Dr. Naresh Kumar Singh	"2016 International Symposium under title of Statues of International Animal Life Science and Convergence of ICT Technology" held at Republic of Korea during 13-14 October 2016
38.	Department of Genetics and Plant Breeding, Institute of Agricultural Sciences	Prof. P.K. Singh	"Workshop on Accelerating the adoption of Stress-Tolerant Rice Varieties by Smallholder Farmers in Nepal and Cambodia" held at Kathmandu, Nepal during 24-25 October 2016
39.	Department of Genetics and Plant Breeding, Institute of Agricultural Sciences	Prof. P.K. Singh	To visit IRRI Cambodia office for discussion and planning on international training on Quality Rice Seed Production in Cambodia under IRRI–STRASA project" held at Cambodia during 25th December 2016 to 1st January 2017
40.	Department of Molecular and Human Genetics, Institute of Science	Prof. Gopeshwar Narayan	"13th Global Diabetes Conference & Medicare Expo (Diabetes Global 2016)" held at Birmingham, UK during 8-10 August 2016
41.	Institute of Environment and Sustainable Development	Dr. Kirpa Ram	"European Geophysical Union General Assembly 2016" held at Vienna, Austria during 17-22 April 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
42.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. Jagat Kumar Roy	"57th Annual Drosophila Research Conference" held at the Orlando World Center Marriott in Orlando, Florida, USA during 13-17 July 2016
43.	Department of Physics, Institute of Science	Prof. Sanjay Kumar	"26th International Union of Pure and Applied Physics' International Conference on Statistical Physics" held at Lyon, France during 18-22 July 2016
44.	Deptt. of Biochemistry, Institute of Science	Prof. Sushma Rathaur	"2016 International Forum –Agriculture, Biology and Life Science" held in Kurume, Fukuoka, Japan during 05-07 August 2016
45.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. Amitabh Krishna	"17th International Bat Research Conference in 2016" held at Durban, South Africa during 31st July – 5th August 2016
46.	Department of Mathematics, Institute of Science	Prof. Mukut Mani Tripathi	"International Conference on Differential Geometry 2016 (ICDG -FEZ'2016)" 1 held at Fez, Morocco during 11-15 April 2016
47.	Department of Geography, Institute of Science	Prof. M.B. Singh	"The 11th Japan-Korea-China Joint Conference on Geography" & the 2nd Asian Conference on Geography" held at Sapporo, Kokkaido, Japan during 11-14 September 2016
48.	Institute of Environment & Sustainable Development	Dr. Tirthankar Banerjee	"Green Talents Alumni Conference" held at Berlin, Germany during 27-28 October 2016
49.	Department of Molecular & Human Genetics, Institute of Science	Prof. Mousumi Mutsuddi	"World Congress on Human Genetics" held at Barcelona, Spain during 07 -08 November 2016
50.	Institute of Environment & Sustainable Development	Prof. (Ms.) Kavita Shah	"3rd International Conference on Past and Present Research Systems of Green Chemistry" held at Las Vegas, USA during 19-21 September 2016
51.	Department of Physics, Institute of Science	Prof. Bhabani Prasad Mandal	**i.** Resonance and Non-Hermitian Quantum Mechanics 2016" held on August 3 to 5, 2016 in the Research Center for Nuclear Physics, Osaka University, Japan **ii.** PHHQP16: Progress in Quantum Physics with Non-Hermitian Operators" held on August 8 to 12, 2016 in the Yukawa Institute for Theoretical Physics, Kyoto University, Japan

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
52.	Department of Zoology, Institute of Science	Dr. (Ms.) Madhu G. Tapadia	"The Allied Genetics Conference 2016 (TAGC)" held at Orlando, Florida, USA during 13-17 July 2016
53.	Department of Botany, Institute of Science	Dr. Yogesh Mishra	"17th International Congress on Photosynthesis Research" held at Maastricht, Netherlands during 7-12 August 2016
54.	Department of Zoology, Institute of Science	Prof. (Mrs.) Neelkamal Rastogi	"16th Congress of the International Society for Behavioral Ecology, on the 30th anniversary of its founding" held at University of Exeter, UK during 28th July to 3rd August 2016
55.	Department of Zoology, Institute of Science	Dr. (Ms.) Swati Mittal	"11th Asian Fisheries and Aquaculture Forum" held at Bangkok, Thailand during 3-7 August 2016
56.	Department of Geology, Institute of Science	Prof. Rajesh Kumar Srivastava	"The Seventh International Dyke Conference (IDC7)" held at Beijing, China during 18-20 August 2016
57.	Department of Botany, Institute of Science	Dr. (Ms.) Supriya Tiwari	"Alumni Conference of Green Talents/International Forum for High Potentials in Sustainable Development" held at Berlin, Germany during 26 - 29 October 2016
58.	Department of Geophysics, Institute of Science	Dr. Sandeep	"The Abd us Salam International Centre for Theoretical Physics and the European Seismological Commission will organize an Advanced School on "Seismology beyond the textbooks" from August 29th to September 3rd 2016
59.	Institute of Environment & Sustainable Development	Prof. Gopal Shankar Singh	As an expert for the Intergovernmental Science-Policy Platform on Biodiversity and Ecosystem Services (IPBES) Multidisciplinary Expert Panel Lead Author meeting for the Global Assessment of Biodiversity and Ecosystem Services" scheduled 15-19 August 2016 in Bonn, Germany
60.	Department of Chemistry, Institute of Science	Prof. Ram Adhar Singh	"Faraday Discussions: Aggregation-induced enhanced green light Emission" held at China during 18-20 November 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
61.	Department of Computer Science, Institute of Science	Dr. Vivek Kumar Singh	"4th International Symposium on Language & Knowledge Engineering" held at Mexico during 3-4 November 2016. To visit laboratory Tokyo University of Marine Science and Technology (TUMSAT)" held at from 23 – 29 October 2016
62.	Department of Zoology, Institute of Science	Dr. (Ms.) Radha Chaube	Visit to the lab of Dr. Alexis Fostier, Fish Physiology and Genomics Laboratory, INRA, Rennes, France, for 15 days from 6-20 October 2016
63.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Anupam Priyadarshi	To visit laboratory Tokyo University of Marine Science and Technology (TUMSAT)" held at from 23 – 29 October 2016
64.	Institute of Environment & Sustainable Development	Prof. Gopal Shankar Singh	"NM-IPBES and Centre for Ecological Research Hungarian Academy of Sciences meeting/workshop for Global Assessment of Biodiversity and Ecosystem Services dedicated to Indigenous and Local Knowledge and Practices (ILKP)" held at Budapest, Hungary during March 29– April 2, 2017
65.	Department of Geography, Institute of Science	Dr. Sarfaraz Alam	"6th International Conference on Water and Flood Management with special focus on Sustainable Water (ICWFM 2017)" held at Dhaka, Bangladesh during 4-6 March 2017
66.	Department of Mathematics, Institute of Science	Dr. Anupam Priyadarshi	To visit laboratory Tokyo University of Marine Science and Technology (TUMSAT) and Collaborative Work" held at Tokyo, Japan during 7-17 March 2017
67.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Dr. Shabana Bano	i. "31st International Congress of Psychology 2016 (ICP2016)" held at Yokohama, Japan during 24-29 July 2016. ii. "23rd International Congress (IACCP) held at Nagoya University, Nagoya, Japan during July 30 – August 3, 2016.
68.	Centre for Peace Research, Faculty of Social Sciences	Prof. Priyankar Upadhyaya	"To become a member of the Steering Committee of the project "Progress and Challenges for the Peace Agenda of United Nations entitles after 70 years of the creation of the United Nations and UNESCO a reflection in the context of the International Decade for the Rapprochement of Cultures" held at Barcelona, Spain during 30-31 March 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
69.	Department of Economics, Faculty of Social Sciences	Prof. Rajiv Kumar Bhatt	"The 27th CEA (UK) and 8th CEA (Europe) Annual Conference 2016" held at University of Duisburg-Essen, Germany during 1-3 September 2016
70.	Centre for Peace Research, Faculty of Social Sciences	Prof. Priyankar Upadhyaya	i. "40th UNESCO World Heritage Committee Meeting" held at Istanbul, Turkey on July the 14th 2016 ii. To join an EU/ICSSR sponsored EqUIP symposium at Ljubijana, Slovenia during 24-26 October 2016 iii. To deliver the keynote address at the International Forum of NGOs UNESCO/NGO Liaison Committee in Mexico during 3-4 November 2016
71.	Department of History, Faculty of Social Sciences	Prof. Binda Dattatray Paranjape	i. "Mattingly speaker held at Nebraska Wesleyan University, USA during 28-31 March 2017 ii. Delivering lecture on Buddhist rock-cut cave sites" held at Marquette University, USA during 25-27 March 2017
72.	Department of Economics, Faculty of Social Sciences	Dr. Manisha A. Mehrotra	i. "Contemporary Issues Summit" held at Harvard University, Boston, USA during 15-16 March 2017 ii. USA Annual Arhatic Yoga Retreat (Conference) and done advanced course" held at New Jersey, USA during 17-20 March 2017 iii. The Annual Arhatic Yoga Retreat and the Leadership Conference" held at Manila, Philippines during 21-25 October 2016
73.	Department of AIHC & Archaeology, Faculty of Arts	Prof. Pushp Lata Singh	"23rd Conference of the European Association for South Asian Archaeology and Art" held at Cardiff University, UK during 02-08 July 2016
74.	Department of English, Faculty of Arts	Prof. Anita Singh	"Asian Performance Conference on Embodied Knowledge: Training and Performance Practice" held at Lincoln, UK during 10-11 June 2016
75.	Department of AIHC & Archaeology, Faculty of Arts	Prof. Ravindra Nath Singh	"23rd Conference of the European Association for South Asian Archaeology and Art" will take place at the Cardiff University, UK during 4-8 July 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
76.	Department of German Studies, Faculty of Arts	Dr. Shipra Tholia	"German Studies Association of Australia (GSAA) International Conference" held at Australian National University, Canberra, Australia during 30 Nov. – 2 Dec. 2016
77.	Department of English, Faculty of Arts	Dr. Arti Nirmal	"2nd International Conference on Culture, Languages and Literature–ICCLL 2016" held at Singapore during 22-24 June 2016
78.	Department of English, Faculty of Arts	Ms. Deepali Yadav	i. To attend a postgraduate Workshop on a paper that she presented in the Seminar titled: *Animal, Politics, Literature* held at University of Glasgow, Scotland (U.K.) during 12-17 June 2016 ii. 24th European Conference on South Asian Studies" held at University of Warsaw, Poland during 27 -30 July 2016
79.	Department of History of Art, Faculty of Arts	Dr. Shyju P.J.	"Summer School: Information and Communication Technologies for Promotion and Development of Sustainable Tourism at Cultural and Religious Heritage Sites" held at Armeno (NO), Italy during August 29 – September 9, 2016
80.	Department of Pali & Buddhist Studies, Faculty of Arts	Prof. Siddharth Singh	"Buddhist Festival" held at Chiangmai, Thailand during 17-20 July 2016
81.	Department of Library & Information Sciences, Faculty of Arts	Dr. Ajay Pratap Singh	"IFLA World Library and Information Congress" held at Columbus, Ohio, USA during 12-19 August 2016
82.	Department of Urdu, Faculty of Arts	Prof. Yaqoob Ali Khan	"1st International Urdu Literature Congress (100th Birth Year of Ahmed Nedim Qasmi)" held at Antalya -Manavgat, Turkey during 11-17 October 2016
83.	Department of Indian Languages, Faculty of Arts	Mr. Jagadeesan	"21st World Congress of the International Comparative Literature Association (ICLA2016), held at Vienna, Austria, from July 21st to 27th 2016
84.	Department of Library & Information Science, Faculty of Arts	Prof. H.N. Prasad	"12th International Conference on Webometrics, Informetrics, and Scientometrics (WIS) and the 17th COLLNET Meeting 2016" held at Nancy, France during 12-15 December 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
85.	Department of Library & Information Science	Dr. (Ms.) Rajani Mishra	"12th International Conference on Webometrics, Informetricss and Scientometrics (WIS) and the 17th COLLNET Meeting 2016" held at Nancy, France during 12-15 December 2016
86.	Department of Physical Education, Faculty of Arts	Prof. N.B. Shukla	"54th World Congress of Integrative Medicines 2016 A.D." held at Colombo, Sri Lanka during 21-23 November 2016
87.	Department of English, Faculty of Arts	Prof. (Ms.) Archana Kumar	"To Deliver a series of lectures-cum-interaction on Gender and Folklore, identity and Cultural Reconfiguration in Migration" held at University of Ghent, Belgium during 13-29 October 2016
88.	Department of AIHC & Arch., Faculty of Arts	Prof. Pravesh Kumar Srivastava	"11th International Conference on Social Science and Humanities (ICSSH)" held at Imperial College London, South Kensington Campus, London during 19-20 September 2016
89.	Department of Library & Information Sciences	Prof. Ajay Pratap Singh	"International Workshop for Agricultural Librarians and Information Scientists (IWALAIS) and a lecture and discussion for researchers of the Library Science Department of Eotvos Lorand University (ELTE)" held at Budapest, Hungary during 24-25 March 2017
90.	Department of Hindi, Faculty of Arts	Prof. Sadanand Shahi	"Sharing about Bhojpuri Language, Culture and Music" held at Singapore during 17-21 Feb. 2017
91.	Department of Pali and Buddhist Studies, Faculty of Arts	Prof. Lalji	To visit China with the specific purpose of developing India - China links related to Buddhism" held at Beijing, Wuxi, Hangzhou and Shanghai, China during 17-25 October 2016
92.	Zoology Section, MMV	Dr. Sunita Singh	Dr. Sunita Singh, 16884, Associate Professor, Zoology Section, MMV for attending –"13th Global Diabetes Conference and Medicare Expo" held at Birmingham, UK during 08-10 August 2016
93.	English Section, MMV	Mr. Amar Singh	"German Studies Association of Australia (GSAA) International Conference" held at Australian National University, Canberra, Australia during 30 November–2 December 2016

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
B: ABROAD			
94.	Psychology Section, and Principal, MMV	Prof. (Ms.) Sandhya Singh Kaushik	"A Workshop on Role of Cognitive Behaviour Therapy for Management of Dental Phobia" held at Glasgow, Scotland during 22-26 July 2016
95.	Home Science Section, Mahila Mahavidyalaya	Dr. (Ms.) Mukta Singh	"20th World Congress on Clinical Nutrition (WCCN)" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December 2016
96.	Home Science Section, Mahila Mahavidyalaya	Prof. Kalpna Gupta	"20th World Congress on Clinic Nutrition (WCCN)" held at Bangkok, Thailand during 14-16 December, 2016
97.	Faculty of Commerce	Dr. (Ms.) Rakhi Gupta	"12th International Conference on Teaching, Education and Learning (ICTEL)" held at Vacoas, Mauritius during 25-26 November 2016
98.	Faculty of Commerce	Dr. Vaibhav	"12th International Conference on Teaching, Education and Learning (ICTEL)" held at Vacoas, Mauritius during 25-26 November 2016
99.	Faculty of Commerce	Dr. Brijesh P. Singh	"International Conference on Population, Health, Environment and Sustainable Development: Issues and Challenges (PHESD2016)" held at University of Rajshahi, Bangladesh during 17-18 December 2016
100.	Faculty of Commerce	Dr. (Mrs.) Twinkle Prusty	"To visit China to promote the people to people (educational and cultural) exchanges between China and India" held at Province, Shanghai, China during 14-25 March 2017
101.	Institute of Management Studies	Prof. H.P. Mathur	"International Conference on Education, Humanities and Management (ICEHM-17)" held at Dubai (UAE) during 14-15 March 2017
102.	Faculty of Education	Dr. Yogendra Pandey	"General As sembly of World Blind Union (WBU)-International Council of Education of People with Visual -Impairment (ICEVI)" held at Florida, USA during 18-25 August 2016
103.	Department of Vocal Music, Faculty of Performing Arts	Prof. Ritwik Sanyal	"Lecture-demonstrations on Indian Classical Vocal Music – Dhrupad" held in Japan during September 16 to October 1, 2016, including IETCM Open Forum 2016 at Tokyo College of Music on September 30, 2016
104.	Violin, Department of Instrumental Music, Faculty of Performing Arts	Dr. Swarna Khuntia	"Various musical activities include a musical workshop and music recitals: Lecture-Demonstration on the various aspects of North Indian Classical Violin playing" held at Kathmandu, Nepal during 20 -23 January 2017

Annexure - VI

Direct Appointments and Promotions

(From 1st April, 2016 to 31st March, 2017)

Teaching Positions

Name of the Post	Gen	SC	ST	OBC	PwDs	Total
Professor	5	-	-	-	-	**5**
Associate Professor	18	5	3	-	-	**26**
Assistant Professor	39	17	7	18	2	**83**
Total	**62**	**22**	**10**	**18**	**2**	**114**

Non-Teaching Posts

Name of the Post	Gen	SC	ST	OBC	PwDs	Total
Group -A	12	2	1	3	-	**18**
Group - B	-	-	-	-	-	**-**
Group - C	54	21	6	25	-	**106**
Total	**66**	**3**	**7**	**28**	-	**124**

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Ministry of Human Resource Development
Government of India

nirf

National Institutional Ranking Framework

India Rankings 2017

Banaras Hindu University, Varanasi

ranked 3 in University Category

CHAIRMAN, NBA

MEMBER SECRETARY, NBA

Ministry of Human Resource Development
Government of India

nirf

National Institutional Ranking Framework

India Rankings 2017

Banaras Hindu University, Varanasi

ranked 10 in Overall Category

CHAIRMAN, NBA

MEMBER SECRETARY, NBA

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

NAAC - A LEVEL